



(माय्यकान्।

à म **फा**ता

" प्रवर्त्तनां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमद्दती न दीयनां।"

লিক মূল্য ১ টাকা, অপ্রিম বার্থিক ১০) কা জিপ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ টাকা।

मन ५६१०। ६ व्यवस्थित । ५०७०। ३० व नद्वस

मक्ष्यरम मञ्जूतमसम्बद्ध कृष्टिक स्थान

বিদ্ধাপন।

ৰৈউ ইতিয়া রেলওরে। বিশেষ ভাগণেক দিলের টিকীট সকল হাৰড়া হইডে প্রদন্ত

पर्वत ।

गर्व श्रापात्र पर प्राचार अञ्चाता श्राचार प्राचे प्राचे पर देश पर प्राचार प्राचे प्राच प्राचे प्र

स्टब्स् । काकी गुरा चारावरी प्रवाद : स्थाशुक्र खाल'श्याक :

कामशुत्र ।

'स्रोक्षाचान **अव**र

Fill i

ক্ষ্মকাই লাইজিক বিৰেধ অমৰ্কে গ । জীকিং বাৰ।

३२० होका।

বিশেষ অমনের টিকীট সকলের বে
ভাড়ার হাব উপার লিখিত হইল, আরোদ কিগণ বাদি ঐ হাবের উপার শভকরা ২০
টাকার হিসাবে অনিক প্রদান করেন, ভাবে শিহারা এই বিজ্ঞাপনে লি:খিডা নিয়ম অপেকা
মাতিথিজ আর ছই সপ্তাহকাল উক্রটিকীট সকল বাবহার কবিতে পাবিবেন। অন্যান্য প্রধান
ইর্ষ্টেসনেও উন্নপ নিয়বে টাকিট পাওয়া হইবে।

উপবিউফা বিষয়ের অন্যান্য বিষয়ৰ বাঁহারা জানিতে ইচ্ছা করেন, গাঁহারা হাবড়া ইপ্রেনর ডেপুলী ট্রাফিক মেনেজব সাহেবের নিকট জাবেদন করিলেই সমুদার অবগত হইতে পারিবেন।

गिनित कि स्थान।

ৰোড অব এজেনী ইষ্ট ইণ্ডিয়া রেলওয়ে হৌস কলিকাডা ১৮৬৬। ৩১ এ অক্টোবর।

विकाशन।

अविष्क वांचू वर्ताश्रांत्रतान वांत श्री छ । अवांवती वार्त अक अकुरश्रेष्ठ अखिनव वांत्रान कांत्र विक्रश्रां श्रिष्ठ आहित वांत्रान कांत्र विक्रश्रां श्रिष्ठ आहित हें हां हुए के किया जात्र वांत्र वांत्र हुए के वांत्र वांत्र वांत्र है हैं हैं है है है है है है है जात्र के किया के वांत्र वांत्र कांत्र वांत्र वांत्

বি ফ্লাপৰ।

अञ्चान नर्स नावातन्त्र काष्ट्र पत्री प्राप्त छेलत श्रम विचारमत प्रकास व इस्ताकी रामना छ नामना कार्यहर्णिक भा भागामी जित्तमस मारमह ३३ ३४, ३३% २० अ ग्रम्ड कहरत ।

त्व त्व नृष्णत्व देशक्ष यक्षमाः इतिव भवीका दरेत्व, छारा क्ष्मिलिक देरेना-देश्वासी । छात्रभाविक क्षांन दरेतके

> वार के स्थानकार के स्थान श्रीकार्यकार के बहुशन क्रिकार रेपाजी क्राक्तिय क्रिका स्थान क्रिकार क्रिका स्थान क्रिका क्रिका

ং য়। ইংরাজী পদা করিব ইনিক্তির ঘটিত পদের বুংপত্তির ক্রিকাড়া বিশ্বতি দেওয়া বাইবে।

वोक्या ।

भारतिहर्तन् संस्थादकार्यके भारतिहरू । १ वर्ष स्थापना व्यवस्थाति । १ वर्ष स्थापना । १ व्यापना । १

পাটাগণিত। ওর ত্রৈরাশিক।

ক্ষেত্ৰ। ইউ নিজের প্রথম ক্ষার কুনোল। পূথিবাব চারিখন্ডের বিদ্ ভারতবর্ধের রাধারণ। ১৮

শরীকার্থীদিগকে 'ভারতবর্ণর অথবা কিয়নংবের নক্লা করিছে দেওরা श्रम (५०ग्रा वाहेता।

া প্রীক্ষিত্র নথব দিবার সমগ্রে ছন্ত লিপি-विक्रिक्टिया

না এনু বীকাও ব'লস ছাত্রবুডিস) १ है फिट्मधर्द कांत्रक ३३:व । काळ १द ংবর ষরেশ্বর পর ছেল খুলবাসংক্র পরী-পটাৰ আপন আপন নাম থ'নীয় (মপুটা दिसम् निकेट निविद्या भारतिहरू हरेरव । ग्रमहर्द्रित भेत्र काश्चित्र खार्यन्त्र श्राम् हैता का। कारबहत बहुन नेषु लिखिल एकि निधिन्ना निएउ इट्रेट:

-) প্রীকাপিত নাম।
- । ত'হার পিতার নাম।
- ৩) বাসস্থান।
- 8) वस्त्र।
- (৫) ধর্মা। বনি হিছু,হয়, তবে জাতি।
- एक) द्य विकासर्वाश्चिम, युन क रेब्राइड ।
- (१) ছाङ्क्ष्युं अध्यक्तिया (य विकासदा हर देखा करता
- (६) (य कारन भरीका निरंत।

५ र्छ । भरीकार्थिक्षा भर्तीका विदाद श्रथम पर शास्त्रकारम रम राजित श्र. ह की जानाग्र र छात्र अ'क्टिब, डॅ।श्रेटक र क्रोका की श्रीहरू ।

> ৬ জড়ের বাঙ্গলা ভাত্রসূত্রির পরীকার श्चक।

ভূজীয়ভাগ চাৰপাঠ এবং 4411

कित्र । ব্যাক্তবন এবং চাক্ষাঠ ভূতীয় ভাগ হইতে প্রতলিখন।

তহাস। ভাৰতবৰ্ষের ইভিছাসের প্রথম

र्याम । পৃথিবীৰ চারিখণ্ডের বংশেবত পরীক্ষা কটবে, এত ছিল্ল পরী | कार्थिकिमाक जाव उर्दर्भर नक्रा कदिएछ (मञ्जू गाई(व

খা**কুডভূগোল। রাজেজনা**লের প্রাকৃতভূ

সামান্ত ৮ৰ্মিকভগাংশ টোপান্ড। क्रिके व्यवसाय अवर इक दृष्टि अवर्णम्य ।

194 क्षणम 8 ही किश्रम । हेर्रे क्रिक्स अध्य जन्म ।

.. कर्र महीकार्थितिशहक महीकांत्र क्षत्र । हैं। विश्वाप व्यापन । . . . त्नव ১৩- भूर्रात मध्य इक्ष्टक मित्रम आफाकात्म काहार क्ष्टक 3 है का की अन्नान कविएक इहेरव अवः शृह नीख्न कहेन निय-াপুদাবে ডেপুটা ইনস্পেউবের নিকট স্থ সাম লি খরা হুর্গোৎসবের বঙ্গের অব,বহিত প্রেই **जारकान कांत्र्राउ हरेख**।

> ই, জি, পোটিব। উত্তর পূর্দা বিভাগেৰ জ্বা ইনস্পেটব।

বিজ্ঞাপন।

হে ৰে জুলে গড়াদেনীয় ও ইংবাজী ভাষা অধীত হয় তথাকা • ছ'ত্র দিগের গন্মপু শ্রক পাঠে টুংসাঞ্চিবাৰ নি. তে কলিকাভাৰ নিসমৰি সভা नर्यक्री भृतकाव अभारतय अन्यः व क्रिएए हत । हे शकी वरिवालत काम काम मिक्टिशिश्म वांक्षा विरम्य रेनभून, क्षांक्रेड शाहिरतम, कांका राहे (मई मकम शुनकात ना उन छे भेष्क इहे-वसः विकित । विदःभीत्र विहेबस मानाइकि অব্রতঃ সহকারীদিগের **অপুরাহে কলিকা**ড'? মিসনবি সভা নম্নলি বিভ ১৩ টী পুরস্কার দানে जनश्र १३ था ८ इन । यथा २ ४ हो का कब्रिक्का ज्या है है a. होना करिया हा दिने ১ · • नेकार अक्री।

त्व त्य ऋ त्व ७ इत् निष्य ७ इत्वाकी कांगा অধীত হয়, ডব্ৰাড্য হিন্দ্ৰ ও মুদলদান ছাত্ৰ বা होद्रा अल. ७. श्रवीका (प्रम साहे, क्वन छीहोताहे **এই পরীক্ষার্থী হইতে পারিবেন** ।

भवीकाश्रीतिरात छे०कार्यत अक्की विष्य পৰিমাণ কৰা হইবে, য'ছোৱা সেই পরিমাণে উৎকৰ্ম দৰ্শাইতে না পাৰিবেন, ভাঁহারা পুৰস্কাৰ मार्छत् याताः इहेर्यन मा। जानामी ১৮७१ जस्मत এপ্ৰেল মাদেব শেৰ সপ্ত'ৰে কলিকা ভায় পরীকা श्रीफ स्ट्राय।

প্রীক্ষাথ লুক ও জন নিখিত কুসমাচার। নির্দ্ধবিত চইন। আরও প্রীকারীদিগাকে ধর্ম जावचर्याचे मार्यास्य विवयम श्रृष्ट्राक्य निम्न**निष्ठ अश्यक**ि यश्रम् करिएउ इहेर्स । यथा प्रार्श्व विषय क्रम्मानात्र । म. ७ ६ ७ १ म व्यथान्न, याहाद्रुष्ठ चीटिशेल शास्त्रीय अस् मधुनाव प्रभाव किन्नुत्रहरू है नि माउँ के प्राट्स, खामान म ५२ में जारती छ। প্রথম কোবিস্থিয়াল ভ্রয়োদল জন্যায় ৷

> স্থান ও সময় ঘটিত বিশেষ সমাচার ভবিষ্যং বিজ্ঞাপন ছারাপ্রকাশিত হ-বে।

> > सम्, डि, फन, वार्कोद्र

বিক্ষাপন । " दूस्त कि ना ? " नाटन अक्यांनि अस्पत | ननद्वत भव चल्ड कता छेडिछ। सांवः

১ এक डीवा बाज। २ तो नदब्दा । ३৮७७।

विकाशन ।

जीएक वानू भीनवक विश्व श्रेनीक शृष्ट नकत मन्द्र याद्वत शृक्षकामात्र विक्रश স্থাপিত আছে।

নবীন তপশ্বিনী (বিতীপ্তবার মুদ্রিত) मध्यात अवाजनी (कुए स) জীচ ভীচরণ চটোপাধ্যার **4134** 1

विख्याभन।

बिङ्ड'वन'माव गलि ১৫ वश्व वां**ने**एड भर ণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুত্তকত

रिक्य क्षेड्फर्ट्-800 এ সইভিহাস 1 6 -क्षके किश्म ভূগপদার ব্যাক্রণ নী ভদার (১ ম ভাগ) নীতিদান (২ মু ভাগ) প্রণাবিত। भूषरवाभ काक्ड्रन

বিজ্ঞাপন । " कशांत्रकुछना । .

শ্ৰি'খারকানাথ •

প্ৰীয়ক্ত বাৰু ৰ'ক্ষৰচন্দ্ৰ চটোপাধ্যায় প্ৰধীত प्रेक्ट अप मूर्ज व रहेवा कानकांच। **मरहरू वर्ज** পুস্তকানয়ে বিক্য়ার স্থাণিত আছে।

मुना 3 जरू होसा

সোমগ্রকাশ।

६ इ ज्ञानायन मामनात । कर्त्वांभ क्षिमन।

करत्रक माम इहेल, अदर्गरमण्डे ल ও অৰ্ণ মুদ্ৰা প্ৰচলন বিষয়ক এক কৰিং নিযুক্ত করেন। ইহারা সম্প্রতি রিপে क्त्रियारह्म। **क्यिमन बर्जन, है। क्**र लात व्यवादकत थ लांडे अन्तरमंत्र का

श्रामामाना अपनिमार्थ कर्का वास्त्र श्री इब्रिकेश कर्तवा। क्षान कारन **बर्मानांत्र जारम, जुलां**ग २०० हेरंप **श्रेट्यम ला**ष्टि ७ इन करिनाय निगम करा हेक के बेनिक मन्त्रकाट्टर में के कहे किति कारे अवित है है। विकास पूर्वा कोर्ट्याह (म) क्ये क्वेबार विश्व प्रम विमा व्यक्ति वर है कि इ.व.च वाल्ये यु तार करिं। हे क्षात्रिक क्षशा कठिन। अहे (कर्

लिक्षे काशोहः क्रियोग्नन भी बहुन मस्त जन्मम्ला गर्नरम्हे.ना. खंडिकिएं स्वाहात शामक इस, उर्थमल ए क्षाना विश्व किंद्र किंद्र मारह. 🏲 ভা ক্ষেন। ডিনি বলেন, अधि शार्किया मृत्वात त्नांचे पार् कि स्वाक्ष्म जमा शिका विद्या जरण काक्रड के ब्राह्म प्राप्त स्वा विकास करिया भ्रु बाहिता, उपानि स्ति है नश्य है। लैन द्वाराख देशहें मध्य-लय गा ाषाङकः (ग यां हे Crib গতেতে, ভাগ প্রোদ-बक्ददर श्रीभानक्राण

किर्मा किर्म मध्य अनीमांग प्रदेशक प्रस्त विक्रिया विश्व निष्टि अस ना। खाता विद्यार्थ का न बहे, मक्यरत सारे क्षिति महस्र महरू । महस्र हरेगाँव महा मध्य प्रत्यो स्थितन त्नर्ग कार्या बुक्त. कर्षात्रांश्रीनिरद्यांग ও हक्रवां इ मः न्या १ कि कविवाद स्य शास्त्रान गत-

.स, बा-१८७३ व क्योर्शनिवर्द रेवमा गांचे।

আমিয়া আহলাদিত হটলান ব্যিপন **নুস্ত্রী প্রচলিত নরিবাব : ভাগে করি** क्ष्म के किला १००० व है किला প্তর এক্তেশীয় মোহৰ প্রচাত্ত কৰিতে मना, केलाकी मनदत्राभव मृता महर्गा । ३० ८० व्हेश थात्क। वः श्लिक व क्षारेशा (क्षा) युक्तिन्य ग्रहा

क्रामणः इच्लाना करेटल्डा वार्यात গ্রাহা দেখা সাইতেছে। অতএব খন विना मछ। त्यानव नत्य क्योदन वर्ग मुन क्षेत्रहरू देश व देश अपने विदेश हैं में। या होता बाहा अञ्चित व्यापा है ক্ষিত্রেন, ভোঁছারা **যেন আ্**রণ ক্ষেন. प्रोका **कामाहेट्फल क्**रिक्रे**्मार**म । विद्याल भीव ह्यारकहा और दे देवरिष्ट केशन मार्ड, अर्थ केंद्र करा कात्म अह माप्ति छ। हार तिष्ठ मुणा नामे. भेडेक्स बिरव्छन वर्त । वरश मगत्य मभत्य क्षेत्रण' वित्वहः" करन, छेला शैरनीरनरकेन अक कार्नन शकायना। किंद्ध कार्निव भाग किं कान क्षेत्र भारत मा। धानिरकात । क प्रविद्वार मित्राम्य देलकारी राक्षर गाउँ।

छेशेम° शंबकारल बक्त रा ⊐ै, (बाहे खिलि जल्दन ए। धकर्व वर्गा व १ ४३ कर्दे । श्रीटक जांक्रीय कारियर्क । रिया किक्षिर कांधी कांधरक हुन्। हेरिक। यमर, (नोंग्रे हाराहित्य अकतन तम करे मूर्न नार्षे शांख्या यांग. खाद्या विभाग কনিদৰ কোন প্ৰীতিকৰ অভিপ্ৰাণ श्रंकांने कटरन नाहै। आंत्राहिट्सर विद्व हमार कामिन लहे! होरा ইহান প্রক্রত উপার।

> ह िि, इंड लगभ, सन 77 - 276 -

कर विशिल दी प्रस्तु किए सन्तर्भाः इंडिंग १७८ व्यानाम कर कर विदेश कमिनमुक्त (१५ ५ किट्रियान्ड्स) शुर्धन 'मारा एक दे हैं के कहा है ही.नान कि स्थित इस उद्याहण सम ্বীভনসংহে: ক্রিণ্ড নিধোগ ধরিয়া ছার্ভ (कर अञ्चल ! . . र र र उत्राहत के कार्या) भाग कार्या । या पा एक किन्नकारी विक्रिका, माराक्ष व पि: इक्टायर निर्द्राणावत बर्तन, दोशः ७ वर्ग । ब्लिहा छाइन एय छ, अते किल. जाइन

অংক্ত্রীক্ষা রাজি চইত সংখার না किन दिशा या ना इन वह अव का ধানতা উচ্চার ভূতপ্র বাবতীন : পতি धान करिया (किमियार्क, त विहात अवस्थित स्टेबर अधिकारित क्षिष्ट । डिनियकि निभर्ग व व्यवदा मोद अध्यक्तकारणोशी स्थाउन, जासात्र वाहे र विद्याष्ट्रिक काथ (अविद्या जागर) क्रम बहेजाम गा।

> . ४३. केट्स ३५०५। ए जात्र अध्व भूभाग । প্রকৃত থিমনিঃ েগ্রান্

ूर्य (म बर्ग क्व खन हिन्न, काइ ोव शहा नसे इनगर्ह्य, जाहाद घरण ে ব'তিল বিভুলান গুণ নাই দেব ভাল। যাহাতে মান বনান হণ নাই এ মলকাৰ ভাল, কিন্তু হাত,তে মণি ৰুদা रहेथांडिल, ए:हा। भव छात्रा छेढि inuics. In wante win he याचा ६५४, ६ उंक दारा (प्रान्त क यानिक हरेन, उद्गादि खान अवा यानमाव । এन दर्जु बह, बन, जालि उत्र मारहर्ष निरम्भाग चामानिराय धनः भाषनीय हैं टिउट है ना। जान्तियन मार्ट नमीयांव रियमनन 'उ विविनिक्ते दर्गाख' পানহ। বিশেষ্ট্রির এই ল। निद्रासा क्षा इस र প্রাক্তি আন্দ্রী ভারতা হইৰে কেনা আমানিংগ্র চনচন্দ্র दर्गेष्ठ । ५८व ४ कि.स.स. ५८ भनार करमा ५०७। इं क्यां विभाग अज्ञाल (२) ते उन्न, बर्ट होन ूर्निंग व **न्यवीय धक कन अधितीन ज्ञास्त्र मा** क्ष्रीं के क्ष्री स्थापिक एक राज्या करी करिया है।

ভাল্পিয়র নামের কলি 🟗 ২৪০র श्रकाभरवर धाव वचा करेड, वदर वृद्धि-। भवा, नशीक्ष, वर्ष मान, क्षानी, क्षान्।

हीए शमन करितन। २८ नहें . ७ रिहा उद्देश विज्ञागण, षाठनार धनक रिस शूनकीत भग्नियान करा शवर्ष्ट्य हैत पाणिक्षाठ नहां। फिल्ल क्षायादः कुछा - ए छ प्रभीन क्षिता प्रदश्द्य रिक गारेद्वन स्थापिता सत्रकांकी शम शक्र दीषाटक (स्थापिताक धार्की) गाउँ। शवर्ष्ट्यक डीशाटक निवासिका शास्त्रित प्रमुक्तान करित्य विवासिका एका

३৮७६ शस्त्र (गर्भीष्टात (कार) धन वर्षा विद्रमा याग एत्रन कछ न .. शक्रमात (भानाम हिल, १९६ दीकार) इ.कि.१

इर्डिक्ड अथन नक्न :

२०७६ व्यक्ति गृहित वार्थत। १०८० इंक्लीड्रिड श्राम्हित कड नगः व्याप मी व्यथ्न त्रश्चामी करेगाइ।

১৮৯৫ अटब कड सारन शन रहे. हिना

सम्माद्धः किञ्चकाय मृत्ताः इष्कि इस । श्राद्धाः कारम कारम कारम मना सहिताः हेवात अ लोखाः अ बारतन स्वयकः कि । बत्तरमण्डमत कि उत्पार हिला । अवन्य लग्रम क्छ मृत रमहे जिलाग अवन्यम रहाः

क्छे निवार । वे (लाटकर निरम्भ, । १ भोष क्षाप्तारी अ पाकिवर्तमधन अवर । १ वर्गक्षे अवस्य कि कि विश्वपाक्ति । । उस्मीकात अवस्य कि कि विश्वपाक्ति ।

एक नृत माह्या करिसाए ।

স্থানীয় চাঁদে কও হয়, এবং প্রত্ত ক্তেক্ত টাকো আইসে।

महतावी इंडिफ फ्ख वर्ड क्छ ।। का फिड़्या करेर दि।

कानीत कछ ६३८० ८०११। स्टब्स्स इन्हेर्स्ट्र

সরকারী রাজ করেও পুর্তকার্থা। এত টাকা ব্যর কংসাছে।

গবন্ধেত কভ চাইল আমরানী করিয়া
আনল অথব। বাজার হবে বিক্রম কবিনাভুন, অশেকাঞ্ড অংশ মুল্যে কভ
চাইল সাহায্যকারিশী সভা সমূহকৈ
দেওয়া হইয়াছে, এবং গ্রন্থেত কভ
চাইল দাতবা স্ক্রণ বিভরণ করিয়াছেন।

সাহার গারিখিই রক্তা সকল কৈরণে আগেও হয়। " আগেও

उंशिता कि निक्षण्य नाश्का निया-इन।

প্রতি সপ্তাহে বিনা প্রমে **অথবা কর্ম** ব পটা বত লোককে সাহায় **দেও**য়া হইবালে।

कि कि वोच्च ए व । इस।

श्रीष्ठाः न्यांन्य द्वासा कि कि छेशांग प्रोष्ट्राः न्यांन्य दक्षमा कि कि छेशांग व्यवसम्बद्धाः करा स्था

প্রথমতঃ আগ্রনার্থ অ.ড.ড। সমূহে ভিত্তীগতঃ প্রদেশের অভ্যন্তনে, পূতীগতঃ অনাকারে এবং চডুর্যতঃ শীড়ার কত লোক প্রাণ্ডাগি বরিমাছে।

কোন্কোন্তোণ হভিক্তে কট পাদ, কিন্তু কি কিবিশেষ কারণ প্রভাবে প্রচাক জোবার পক্তে বর্তে 1

रम व्याचित्र स्वत्या इत्र जोहा नर्याख त यथानवरम स्वत्या इडेगा/इन कि ना १ जनः रमहे माहाचा सान रकान रकान विवरत व्यक्षहीन इह १

ভানীয় ক্ষ্মচারিপণ্ডি কি নাহ'ন। চাহি
যাছিলেন অপত পান নাই, যদি ভাহার।
আবত টানো গাইতেন ভাহা ফইলে আর
কি অধিক আশ্রয় দিতে পারিতেন।

এই দকল উপদেশ দিয়া দেকেটারি
ইডেন সাহেব ডাপিগর সাহেপকে দরলপুর ও মান্ত্রাক প্রেসি:ডান্সার উত্তর পূর্বাবি
ভাগের শদ্যের বাজাবের এবন কলিকাতা
ও উৎকল ছইডে জাহাজে ও বেলওয়েডে
গত ক্ষেক বংশকার্থি চাইল রপ্তানী

হওয়াতে দেশের কত মূব ইন্ট লাইন, নিউ হইয়াছে অসুস্থান করিছে,বৃঞ্চি **(इन । ८७०७ नके जकादित अवशा** विचान चारक, कभीनात । वक्षकरन এकवांका इरेबा हाडेल शुक्रांबिक कृति गिविशिविटलन। दश्टक मेर्डि बेटलन का " 5 स्पर्शिष्ठ कानीश कर्यहातिनाकाः वास ग्निशंन हरेश न्नाक्रीक्रिशंटम ब**निश**ि राम, अवः उँशिता अमानिकः विनिद् (夏耳, 西下四、一字 如日 日本村, 雪美山 (二. प्रिरमेत्र ७२० ल्योबरनेव श्रेट्स, शर्तुः। श्रः वरेख, किस शूनकीत भना हरूत ना यत कतिया महाजन 😘 जगार 🚉 🙌 भागायां विदेश अकाम्रद्ध मर्खमाधानाम 💏 ব্যি শ্যা জম্প সঞ্চিত 🐚 वाकारव स्थातिक स्ट्रेल वास्त्रमानी ভিন্ন ভাবন ধাৰণ করিৰ हिन ना। अपि मडा कि ब्लाव माधांतव निश्नम পরিমাণে कि जना हो ভাহা জানা অভিশয় আ क निमनदेश दिए भाषिक कि निम् यामानित्तत याखिशांत विक्रिं कहा वि... **ब्रेट्डिइ ना, ज्यानि क्रिना** किंदूना বলিয়া কান্ত হইতে পাৰ্টিট্ৰেছি না। শৰা ना थाकिता । माधातम् क्रिक्सिकात निराम वरला भिक्त वाकात अस्तिपूर्व स्केटव । (ल्फ्टेरले गवर्नत स्वीत कथडातिकः বাক্যে বিমোহিত হন। খলাপি व्यवस्थाय आरहत। यमि महोकटनहः विकरे मना नुकारेया क्वांचिता ९ अज्ञण धारांग रत, जास प्रेरमध (मन्त्रे ७ कानीय कर्यगाविश्व निर्मा তেছেন না। তাঁহারা विका দেনি व्यानिक्जा क्य, डीक्ष्म प्रश्नीड त्नत्र छेलात्र व्यवश्यन कतिरमन मान ८४ मक्न कर्यानातित जेशाति बार्मिना

স্থার আটে, গ্রাহামিগের প্রতি লোকে সুইরু কি প্রকাব এং কার জারাবে ?

हेन ३ ७ जातक १ सं उचा स्थान ' लारकारे मः यात्र कायार्ड कर्तित. मार्थ अधिकमा थे क थान थेनन करिएन इर्डिक निवारण महावना चार्छ। अ.म শের ভূমি মতি হর্মব, কিন্তু পর্জা। দেবেব चत्वाद्य डेमव निर्वत क्षित् ह द्वताल्या बक भमना इ।केंद अखाद अ इ दार्घ इं डिक रहेशा (शत। मिनिनीशूरत (य शाब इस्बाद्ध, छांबाद द्वारा कछ मूर छशका রের সম্ভাবনা ও এপ্রকার থাল আর করা क्रिक कि ना १ शवर्शमणे हेक्टित द क पूर माजाया करिएड भारतम १ कनिका छ। হইজে কটক পর্যান্ত বাস্তার কি অবস্থা 🤈 চিরস্থায়ী, বস্পোবস্ত করা উচিত কি না 🤈 त्र मकल क्रमीमानीएड वह बरमाव छ ইয়াছে ভালাৰ জনীবার ও মেয়াদি दम्मविरञ्जव अञ्चनवनकादी अभीप्रादान.

क गरून छक्र वर्ग विश्वताय व्यक्त चान अक खन लादिकर पाडा एक मार्निय मेर्या मण्योपिक इंड्या महस्य नव। এक क्षित्रन नियुक्त करा आवशाक, हेर्दि मधा बानक, देखिनियत ७ क्छिटक लखगः উচিত। কটকের হাত সধল অভি बदमा। जीव तोखान। यालएक डेपकृ (म्र हो डेन मक्य(न ाःदेख भारत्र । मा। श्वर्धमान्त्रेत आह अम विराधित অসুময়ান আৰশকে, যুভজ্ঞাত চাংল भरत्र डेएकरन (श्रविष्ठ हर, उत्तर वस्त्र ना धी और उध्याम : । (म मकन नामान रश नाई अवर य 🕫 हाडेल नक द्रेशाट्या हिल्काय स भद्रे **विकास क्रिका** छेल्य कर छावछ-बार्स्ट्र शर्रें छेशक्त कि छाष्ट्रव । ११४१- ।

मिन्द्रे पनि धयार्थर अस्तरमाह कारामाजि । लो ी इहता थाएहन, जाह, इनेल खड र्क्तिन्द्र मियु क क्रिया आहे मध्य अपू-সহান করন। ভাগেপাৰ সাহাৰৰ বি (भागे (व भरिएकानकर कहें, व नः कार। अक शास्त त्या माहेटङ्ख । देशक िवनी कारन चाहि.— श्रेष विवि এक कर गिनिनिन्द्रांता प्रिकी . उँ। हाटक बना इहेश्राष्ट्र महाज्ञात व्यक्तिवादनव भृदर्श (यन डॅाइंट हिटनार्षे (छउटनटक्र देशिव इरन्ड डेथनी इ हव। क्लिक् भारम महामञार व्यक्षित्रमान हरेर्द । फि:महातव कोतर इ निर्वाष्टि (कार्शन ग विदिल यदामनाय (भोक्किन्ति मखादमा नःहे । **उपन्थित** भादह्य दिन अक्षाः गाब मन्य भारेता ना हेदार माधा अध বিশয় সন্মান কর। সম্মাবিত নয়। ভূত^কে कें।हादय त्य ध्वकादय उभरप्रम (प्रका कड़े-१र्ड, खोकार क न्या है दिया बाहर कर्ष मोधारन सकारलय सना यांड ना वडेक, नव निनित वी प्रत्मेर तांक्रमी कि गमर्थमार्थ डाँश्रंत तिर्वाउँ निधिष्ठ वहेर्व। नत भिमिल दीप्रन विलक्षण चारनन, छाराव व्याक्तिक करे दिरुपार्टिक छेशत निर्छव कतिर्ভिष्ठ । महामुखार इर्डिएक स्थारमा सन इहार मामक नाहै। यनि विवनमा मार्डित के इंडिंद कथा मंडा मधनान क-বিতে গণবন, ভালা চইলেই সব সি সল बीड(ना वयः। म्हार्गनम् जार्यान ও ভাগন্য লাভ। তিনি ব্যাস কেন গ ৰু**জ্বলেৰ, ভা**ৱে ৰে বিবিলিয়ান শাসন-किता : द्वर, रमठ (वाध रूप ना)

> - "C)----福野- 2世"。

धार्मामराव नगरक्षत छानु । छन धार्या न रहाउद्देश प्रशासका छन इहेश । छोठेशार्य । धार्किन मध्यमाश प्रारक्ष करतन, त्वाने मना उन्न दर्घ, मतन वाद-होन, शार्वायक शान रखानाहि छ।

व्यवासिक वार्याक्षक वार्यक्षा वार्यक्ष क्टरिक्ट । नवा क्टबनात कहे व আকেশ করিয়া খাকেন, আমাদি थय चांड कघना, हेश डेनथ्य : कराष्ठ डेशहड, माभाषिक देविहाद ' 'ए क्षेत्र । विद्यामारियको एक्स नर्द्यत श ्ना । एताल कतिया बट्टान, आभानिः डाकृष मनप्रकान नाहे, व्हाह ख था भाग मान मान, नामाजिक छेट्कर न প্রস্তাব মুখেই লীন হইমা যায়, र वर विदेव देश क्यांना अवाञ्चलाद्व इ शहक. आमामिश्यत अग्रभूत श्राना की ने का, समान कार काइ कि डेगहा। विनय करेश विह्याद्य, धानवा देखे শীগদিমেৰ ৰাহ্য আড়ায়ত ও পাপ স त्त्रत अञ्चलरान त्रक हरेगाहि, व **(अक्टिंग राष्ट्र भूत १५४०, १४८ श**र মানিধের সভাত। । মারিক কথা টু গাকুক, আমবা অংকিও ভাষ্ট্রেম अथम डेनाम व्यवसम्म के, ८० मनर्भ र वाम ना , व्यामाजित्यव गृहनिधाव श्राव क्षर्व, वांडी भाक्षाभिक्षद्व नाग्रभव ও চতুদ্দিকে রুদ্ধ, ভাষাও আবার ' ातियूर्व, चामता कछेटलाच करिएड' क छित कावन व्यवश्व इंश्रेडिंह, उन्ना का इमासाल आध्यमा ও छेनामी लोट र जड्ना गटन भगर्थ छ दिशार्था । बहु 2,1- क्षार यश्चान हरेट्डिक ता। ह माउनम्बद्धतः इतेश हैंगा के प्राप्त करार बद्धाः यागानिकः ম-'ক ভিক্লিডহ∮লা ল, নতে সং तिनु पाप्रा लग **करे** कि देवन **य**ह ক্তিতে সমৰ্থ ইইতেছি না। উ । । । । ধে প্রিয়াত জন অংনাদিধো নাম हत देहें हैं। इंड बार्स और किएम एवं য়াছে, স্বাস মাত্র মানে মানে भूनक्षात 'ड'चा कक्षम हारा न्यूपि हरेशा 'डेटर्ड। व व्यवस्थात मर्दनायन र

শইবে। তাহা কত দূব স্থাক্তিশক চ ও मञ्जादिक, खाहा अक बार बिटवहनी कवा व्यक्ति के ।

मका बर्हे करम य उपराग देशम .७१ चन्द्र: नृतीतृत वहनात्त्र, शूर्य কৰ মহাবাৰীয় লোবাল্ল, শীৰ্ণুজ अथवा ১৮७१ कटकर विरुद्धित श्रुन्त नव मञ्जादना नाहि। (मा) भ ४ भी ए ची हिंगु विज्ञान्यकान क्षेट्राक्ष, अर्थ्यक किएक **प्रकार को वाश्वया को उन्हर ५२ वर्ष कार्यक** প্রাকৃত হইবাজেন। মত দূব সঞ্ব পদার্থ 😉 भौगनमः कान्र ४२ । य मापन भवनं म **्षेत्र मारा क्हें(१८७ आंटल हरे**ताः म अविभा आदिह। किन्द्र मधारक अवर्गरम ्षेत्र इ**स्टार**क्षण विचित्र क्विस्तान को न গ্রিকার থাকিলেও ইহাতে হস্তাপন करा डोझो स्टानत जा छ। ४० वटम। हेन्हा वरिष्ट १७ १म इ छ एक एल योग के विना है ज । बांक मधाबना बाहै। विख्यातव आणा विकार्क (पञ्चाहि करेश । मनाहक्य रेक्क माधन मया८कः निष्म १ वर्षका।

यति तांक चांता ना करेन, छात পামাদিলের সমাকো _{এই}ড কাছাৰ दा " ७ किञ्चर" हहेर्द ' थुड़े, महत्त्व ७ लुदत अভृত्यि काम धारीक एक्तरिक। भागामिट्यर (मटमंत्र अक्छी विःश्व अवशा मोज्ञिशाह । आन्दा आधिम १९,म तेकान व्यवदा जभा उनाम होत्र वीत ·ानन्तित कुला भागक्षण नाह त्य, ्य .कान छेपरिन भागोति,भाव काना ্পাত্র দুচ্তরক্র েবজমুল হইবে। আমা **षिट्रशत धाठीन ६चं** छ लाठीन वारहात अस्ट । बीहाता अभवत छ वि अहिसा (कर, डेर्राका **अ**भयरच एतिनक ६३ आ (इन। डेंश्**निर्श**य श्रोश एए: ४ मर्की ्रीन भक्त हरेबांक सजीवा गाहै।

ভংকর্য লাভের ডাগার কি । খান বল । জেল্ড নেইরূপ জংভিদাধাবলে উন্তি ব্যক্তি দাব বে অভীউ দাখিত। দাধন চেউ। কবা আৰুশাক। আমাদি-্গেব উচ্চেশ্য এই দেখেব প্রধান প্রধান ारिकवा हेर्*टा* खर म्भावां क्रिक विकास িণভাব " (সোদিশাল দাইয়েন্স কনাত্র िरह) गांच यक भका ककूम। भर्मा भर्मा নেশের হানে হানে সভাব অধিবেশন इ : इ । दल्ल अर्थ इ.अगाटक वहें अभाग मरख रहेगा एशिवाट्य । मज गा भगाटखंड व्यवका उ डेइडिन श्रष्ठांत उ उरमञ्जाधन দেটা করন। 'ভাল স[ু]লে যথার্থ কা**জ** वर्षा वाष्य् जना नक्षान्त्रम् अस्या भार उल्लिक्स विकासका इनेत र्दा 'C' र अभन्न वाय 'उ भिराहतना वडा नियोग्य करियाद्वित । अक्डांब अहे ্চন। বলিকাতা, ভরুর পশ্চিম ঞ্ল, प्या, (बाबाई ଓ मांग्राटक्व ध्यान अधान ८, (टकता गञ। करिया अहे नकल 'वनदेश बारमाहर्मा ३ ठरू स्त्रम्म। इर्ध औ। ' गांगांबिक विकास गढा ' अतिक कांक्र किर्देशहर्ग, अर्मरमेख रम श्रकात ना केरें(व (कन १ दिवस्य छ जाड़ आहड़व मान वह राष्ट्री भाग, किन्न खाँचा मन-वर्धे हर गाँदे। भागरा जानगरा छ छ। ना भारे ल अडी हे लाड प्रकारना नाहे। आगामिट्यर काळ प्यामामिट्यावरे करा क्रिं।

- 50:--

न शंख निष्यित्तिम आचि खेबराहान FEC. 4 754.

रिन दिन कृतिकारी ७ वाष्ट्रिकाः वड - प्रश्व श्रेटङ्क, स्मानाङ ज्ञा का उप विस्तरण भी व क्हेंट उट्ह, व्यर कविव तम वंपानामश्री उ टारमर महा-घार राज व्हर उरह, उब्हे क्रियकी वी ও তা খীনা গোকেব অবছার উন্নতি इ. ७ हि । दिवन य अभ छ खरानाम এীর মহার্যাতা এই উন্নতির কারণ এরপ अप्र कारत करती दिल्ला तर्वत **पारह**।

সে এই—ব্রিটিশ সভ তাব তাশ লাগিল व्यक्तिक वे के अप इन्हें अतिहारक । व्यक्त (क्बरे म्डन म्डन वि : : हैका मक्शां तह হইগ্ৰাছে প্ৰকাণ ্ডান নূতন অভাৰও रुन्धि इहेशाइ, का व वाद्यहे उद भूरनार्थ छन्छ। यञ्च ७ आस्मर तृष्ट्रि हरे गद्ध। क्लिब विचार उ क्लाइज विवन এই, কভকতলি এরণ অনুষ্ঠারহাত লোক আছে, ত্রিটিশ সভাভাভাপর ভাষাদিগকে উষ্ণ কথিতে না পাবিষ্ণা প্ৰত্যত ভাহাদিগেৰ স্পৰ্শে শীচল হইয়া গিয়াছে। এই কাংনে ভাহার। নিভান্ত ি:শ্ব অৰ স্বায় অবস্থিতি ক্রিভেছে৷ আ্মার্ महर्गहर बद्भाभ कडकछान त्याक त्य. খি ত পাই, ভাষাদিগেৰ বীতিমত শ্ব शांत नारे, अ**ज** ८, उ.ज आहु उ कि विश वश्व भारतीय कडिन बहुपछ खात्र (म থি:ত পাওয়া যায়না। পান ভোজন ০ শ্রুনাদি বাবস্থা বে নিভান্ত নিকুন্ট क क्या बना बाङ्गा। इंशका क्_{री} व्यवस्था शांकिश दिन्न भार . मदा इंश्विर्गत च्यक्त अन्ति मृद्धिक ना करिया प्रधान डाला निर्स् उ थाकि वित उठि दरेए कि ना ? या हाता च्यूधकत्राह्म, डीश्ता भागाविट्यह वादकात जारुमया वाद्य विश्वत स्टेटबन शटमहनारे। किन्दु शंतक्षः बकाजत रिटेज्यी या का ३। रूथन केमानीना व्यक्तवन कतिएउ পারিবেন না। আমরা 'নত্রে ষেক্রণ প্রস্তাব করিতেছি, তাঁহারা যবি তদ্ম मावी इहेशा जाहामिट्या उदनाह मेजिन भक्षकन, नूडन न्छन विषदा इंग्ला उँकी भन, बदः ताई ताई मटनात्रय शृत्रत्वत केशात मः घडेन कतिया पन, जारावित्रत भीकृता ७ शेनडा मीर्यकान चाही स्टेरफ भारत ना ।

क्षजाव बहे, हात क्षांत बक बक्षी পভা করা আৰুলাক। সভাগণকে মানিক निशाम रहेत. जात अन्वारत रहेरू,

किहू किहू बान कतिया आवमाक मृत्यन भः अह कतिए हहेर्त। त्महे मूलक्ष्म সাহায্য লইণ ভাহাদিগকে নিমু িখিত क्ररण कारण थाजाहेरल इहेरव । य'हा जि भाव कृषिकार्याभरयात्री कृति मारे. श्रिक्रनदल ७ भरिक्रन मः भा विरवहनः कतिहा छोड्। मिश्रात (गोरमकार्श इडेक चात ठिकाक्रटश इंडेक कृतिकार्यन कि কিছু ভূমি সংগ্ৰহ ও সেই ভূমিব কুল कार्या निक्राहार्थ हाल श्रम ଓ वीस्त्रशातः म-रमान कतिहा मिटल हरेटव। य भना ভাহাদিগের চারের কাজ না থাকিবে **उरकात्न जाहा मगःक जाहा** मिन माशायक जिन्न जिन्न वावमात्य क्षवर्धि • কবিতে হইবে। যখন তাহাদিপেব বোন कर्षा ना थाकित्व, ज्थन जानानिशत्व ভাহাদিশেৰ জাপন আপন বাটা ও গৃহ निदानार्थ विनिद्धांबिक क्षिट्र इहेर्व । भवन्भावत संभवित्रय द्वारा पणि अकानिकाम शत्रणातत गृहानि नियान क्तिया लहेबात (इच्छी कता इस, ममिक উপকার দর্শিতে পাবে। সভা এইরপে महिषा ও উৎमहि होन कतिया कार्यः कतारिया नहेंदन जागिकत्वत लग्न द्वारा , বে উপস্বত্ব লাভ হাবে, ভাহাৰ ছুই আংশ অথবা যাহাতে ভাহাদিগেৰ পরি बार्बन छवनर्भावन हत्न शहेक्षण विदेव हवा शूर्सक जारामिशःक श्रमान कविशा **च्यानिक के मार्क व्यक्त कराउन अद**े (महे डेशाइव र 'क गुननन अहे करिशा . लहेर्नम । खर्मान (नाम है अहे मछ) । श्रीमाणाखाँचत खर्म मण, श्रीकांगाभर **शक्ति** के। उसर एक इंडरा - विका * कवाता उँ। इ. प्र. 4 वाता, डाँडा फिरधर वाकादभाव ी दें... १ ६०१० छन ३ थांतर उंशित कल्ल व ा । अ अन्यासहम हाई সাধন করিয়া লগতে পালিবেন। প্রজানা यदि अहेकरण ऐगा र इंग. लाहाना वा **ाना ६६८७**६ तु. ७८३ ७ वाथ: हहेगा

^{इडेरव} मत्क्वक नाहे। उसन यक्ति स्वयीता-^(तर) म्हा करतन, ८५३ (तरे **प्रमु**वक्त প্রক্রা দ্বারা আপনাদিংগর অধিকৃত ভূ-ि। इ উ १ कर्स माधन विदिशा लहे एक शांवि বেন। অপর, যাহাতে প্রকার সর্বাদ্ধীন। किन इस समि डोइमिर्शन अज्ञाभ साह िक एक। शादक, छाङ्गा धनागाम नाशंगित्वर-किश्मिट शिक्ट शिक्टामा .नर উপায় विधान अस्ति। छाहां विद्यान प्रतिकामि (मात्र मश्राभागत ममर्थ इ**हे** (771

विव प्राम प्रमा । नक्षी।

शर्म चारह. कांक मगुरवव भेक লইয়া মধুব সাকিয়াছিল, শেষে সে চাক ও মণুৰ উভাগ দল চইং **ভা**চিত হয়। আমবা এক্রে দেই মদুব সক্তা পভাক্ষ কবিভেছি। নবাদলের কভক-গুলি অগাব লোক ইংরাজী পড়িলাম भारक्व कहेलांच महत्र कविषा खुरा छ দাৰে প্ৰবা ভোজো অপুৰত চইলা উটি -१ प्रमा हेहात्छ अहे कल नांच बहेशात्ह. डैं। इंदा हिन्यू ७ देश्ताक डेड्य मटलत्रहे অপ্রাত্ত হউ াছেন। তাঁহাণ হিন্দুদিণেব নিষিদ্ধ অন্তক্ষ্য ভক্ষণ ও অপেয় পান क्टरन बिना हिम्छुरा घृगी क्टरन। आव मार्टर्वना व्यमान ३ व्यशानार्थ छाविश अस्ता कार्या। एक मान्तर धन्त अन দ্বেণ হইয়া থাকা বিভ্ৰমা সন্দেহ নাই। ने नार्कदा (र बार्ज़ अर्थक क्रियोर्डन तम বিশেষ প্রণ ও বিশেষ ক্ষতা আছে! তাহাদিগের অনুকলণপ্রারত হইং ান (अक्करन वड इहेरा नवामस्यव **उ**क्षा । र्क्ट्रा ग्रजुनान इत्राहे देखित। स. तम ! विवादन, य "मिश्तव नमाक अल्प ना। (य वीडि चाहि, डोशोर्ड किथिए भारत য়ে ভত্তংদ্তা, ভাল চেতী। কবিষা কৃত ্কবা হইয়াছে। মথা -- " চাবিকে বি कांग्रों इत्रा वात्। शक्ति श्रास्ति। माना । धन कतिता । खित वात । हेटा প্রকার প্রতিবন্ধক আদিয়া উপত্তিত এ রীতিতে পাঠ করিতে গেলে কিলি

रहा। नवापटनव कर्डवा, नमान ली मः ट्यांशन कवि । दमहे दमहे विश्व व्यक्ति क्रम करिवांव (ठछे। भाव। ममास मः ए দিত হট্যা যদি পবিশুদ্ধ হট্যা উঠে के वार्टका त्य एवं छट्नव निविष्ठ थे উञ्चल इहेब्रा छेकिनाइन, त्रिहे त्रहे खने विक बल्मः था ताक अहे हिन्दूनमा करेटक आवर्त्त क क्रेंट्र मामक नाई একতা অগ্ৰেদাৰ ও দংকিয়াৰাছ थाकित्स मा हा अगन कर्य नारे। जेनु গুণাহিত লোক চিন্তুদমাজ মধ্যে বির बर्छन किन्द्र भएका महका ह्य ह এক বাজিকে দেখিতে পাওয়া যা ভাঁচাদিনের ভত্তদ্গুণ প্রভাবে হিন্দু-मार्कित वज्ञत छे २ कर्य माधि इस्तार ও इटेट्ट्र । यमि अज्ञान इहेन, अधि मः थः बाज्जित यञ्च इन्टिल स्य हिन्छुमभा क्षांत्र मश्रम्भाधिक वहत्य मा, देवा मक বাক্য নাষ। কালও মলক্ষি সজণৰ বিশে ত্ৰপ সহায়তা কবিৰে। কাল প্ৰভাবে প্ৰা ৰংসরই ৰছল পৰিবৰ্ত নানগোচৰ হা তেছে। উপদং হাবকালে নৰাসম্প্ৰদায়ে भाउ बक्तवा कहे, छोहाता खीकानां हि পানভোজনা দিতে মন্তনা হইয়া পুরুদে চিত কার্যো প্রবৃত হউন।

ফুতন পুস্কু ! এ সন্তাহে নিয় গখিত প্ৰায় আমানিগের হস্তগত সম্পাতে।

১। মানসাল, ভূ ঐশহাগ। বলিকা নৰ্যাল বিদ্যালয়েৰ গুধান দি ক্ষাদ ক্ৰিযু बार् आशामक्य व काशास्त्र है। रहना कविषाट्यन । इराइड खनन विष मिका अमान कता व्हेशहरू बार ए मन्भेष्ट्यत शांक्रणांना। नामका श^रर

শাধিক সমা বায় হইবে, অভএব এ রীডি শাহুকত হয় কি না, সন্দেহ কল। গ্রন্থ থানি বালকদিলোক পাঠোপথোকী সকল ভাষায় লিখিত হইয়াছে।

र । मीडिशार्छ । खियुक्त वातु यामयइस वस्त्र देशव । खावनकर्छ । देशार्छ
नेबंदरखाख, विमार्गिका, शिष्ठां गार्डार
शिष्ठ वावहान, भिष्करक्ष्य । शिष्ठां गार्डार
शिष्ठ वावहान, भिष्करक्ष्य । शिष्ठ हार्डाय
शिष्ठ वावहान, भिष्करक्षय । शिष्ठ हेश शिष्ठ वावहान, भिष्करक्षय । शिष्ठ हेश शिष्ठ वावहान, भिष्करक्षय । शिष्ठ हेश शिष्ठ वावहान, भिष्करक्षय । शिष्ठ विश्ववा वहे कर्ति विनय मिद्धर्य । शिष्ठ हिंदि । शिष्ठां विश्ववा । शिष्ठ हिंदी ।

७। यह काश मण्डं। हाका बि.यू छ । । विकास का प्रमान का प्

दर्श। क्षायात माना कार्याच बुभकाय, उन्ना । दिन, টার্ম্বাটা, চল মার ভারেলে ভাসি, (बङ्गाय : जन्म नोनास्य । महोरदा बद्ध (यह ५व. बाबु खाँ उपायुष्ट क्रुम्ब ४, भविष्ना को नेन रने शहन कार जाक्द्र. মুখপোৰ এবে আৰু ভালাৰ ८ में ३७० प्राप्त ५ ए स्टब बर्डियन दश्यानिस्तुत य भाग राजिया ७ छत्र, ६४५) अक्षा अह दा,स, धाराय गाउँ रच रहा। भूत हर ६३ श 😘 🥞 कृषि ५० १ व अविकासित क्रमत्ता क्_{रिश्च}ः ११८३ च । इ.५५५७८ द्वा (इस (कास मार प्रमानधा। दांश गाउँ की ब्रेग्नी कि उर, फेटरेटन का कारण १५ रच , এই अनु ब्रव र ' ७ र . . । ा. १ वृष् বিশ্বাণির উপল্লাক, 1 र प्रश्राण करण ना निवर अश्रम कर्त्र कर्त है र थम (काम किएम एस दीम का अ ६, ६८६) डे.रेड होते. म्स्तिब्

न वट- श्वान जान हाका > बाब को दूवी कामा कि वोकी, प्रचा बाहे काथ भनी प्रश्त प्रशित दानि পড়ে । দায় বা হসেতে থ'কা। নদাস ভাপিতা ধৰা এবে राभी ज्ला वर्षन श्राप्तर-हों उन करन बाद कि भ्रम ग्रामव खान, खन्य वारक मा भीमगढ्य । मनान के वहां बब धन, এ নক ভস্তারে ঘন ঘন गरम'न संन्द्री एक विच्या य विक्रिय शुक्र सः दृष्टाञ्च (म विश्वात । (यश मृत्य ताल शा अधन. ১পলায় ক বতে হ ব , क'र गव . वी पाक (धाक, घड़े। (धाव दन स्मर्टंस. বিষ্ণা, ভারে প্রকা**পন।** দৰ্শতে প্ৰস্থা জগতি গুন নিয়া ইব্সাদ ভাঙে, श्चिम्रङ्ग २५०। उर्व, प्यवृत्तं खन्नि धर्तः, বিনারত বলবান্ জাতি। ৪। কৰিতা কলাপ। এখানি 🔊 যুক্ত बात्र झ्गीनावायन होधुवी अनीछ। धथा निय रहताल अन्त इत्र नाहै। क्राक्रिके

भागभेश (भोर्गभाती। क्रुबीन काकारम छित्रि धूर्व मनस्तु. माव क माइन अर्थ माहिल काउत । मीउन कि एवं धूर्व कांत्र धतां छन्। क्रूपर्व बत्राम (यन शहेल छेप्प्रहा । क्षुट्रथटक । वश्य भव विभीत्य वस्त्र, भाषीव भाषाय शिर्य करिन भवसः। वृ:अत काव्य क्रिड अठकानि वर, व ६ रण हो। व निरंक कदि (कहारव) জ্যাত হৃত্বে ভাবা হ্বাব্ড হয়ে, मार्ट ३८६, के.द^{ाच}र्छ त्रद द्वरस द्वरस्य । ক্ষুত্তৰ বিশ্বাসী কীট অগণিত, कार्यः भवूर वव श्रूचान भागा । ।। म हर शरु ये अदिन शाहरत् थ । स थान, ए।। कर रहा अश्रव अश्रव । िएस म्बल्ड । स्थाप्त । स्थाप्त निवास । विद्यानिहरू यम मिल कवि मिक्कणत्। शाष्ट्र करन ममुक्त न नव्यत्र कर হুইয়াচে শোভা ভাত প্ৰম ক্লেন্ত । (थरक (थरक मन्न कार्य जाति नमें बन, यराज गार्गा (तर कर्त काटकालन । उथन उ। शत (महे सह ही मीनाय, শশাক্ষের প্রতিবিদ্ধ শতথা দেখার। वाजाराज रीन रम्न मलिस यथन, দেখা ৰাষ্ণ্ৰ ভাব তলে ভুতন পৰাৰ। % किया निर्मामाध छाइ सन सत्त,

क्षिण छेव उ हरेत।

छै ग्रुलिए एक्तर वाष्ट्र कारन नारन। মন সাবে 'দ্বা চাঁদে নিবুখি ভখন, অমিত জনকে মা হয় মীনগগ। मा त्वा भ त्या इन्दिवन जीवका नकन, ন্ত্ৰীল গগনতল করিছে উচ্চাল। जाः।व त्र शक्तित्र शक्ति के बान, (थर्फ खर्क भाषित्रह कारण करन करन উপৰে চকোর চনে বি (-মুগা জাব, ঙ্গুলে তার প্রতিরূপ আংগে মন হরে। मिना छ्रचि का का विषय मन इन्, त्यांथा वा वर्त्तर्व गंफ नवर्षी छ ता। विक्ति कम्म (माने शिका माँ है कहा में ध्रीत, रहेशाइ विकलित कन गांग क्लेडि। बैन न'ल. भवत दिव १ ८५ च्याब. बाग्राण जानाम कृती लानात आशाव। बार कि शक्त वह लाख का विकास की ति मर्जा न्द्रत स्थीतम दक्ष था। अपेर" सात युन खबर नेशार कहत (भाषाय वटा मुख्य पर) त्य नां अ अ वहना अत्य सद्वाल। छात्र शास शास थाक मावक करेवन। इत्ता कलमी कर्त वार्ष क हैरात কর্। কুলেতে কেন মগ্ন হও ভাব। वर्थ मन, पत्राभाष भ न्हींत (देव, চিখ্য ভিশ্বনে ভিন্ত ক'ছ নিবেশ। यास भाभ, मनलाभ शक्तित वा बाह्र व्यक्तिरेर रहत हुत व्यक्तान व्यक्ति।

काणी ए गः वाववां छ। विश्विद्याद्यनः---

३। काली प्रतिश्वा हहेयां है। जायां पिर्धा कि मिन्न स्वाहा हत, विकार ने तर यहां से स्वाहा के मिन्न स्वाहा हत, विकार ने तर यहां से स्वाहा से सिन्न सिन्न से सिन्न सिन्न से सिन्न से सिन्न सिन्

২। আমাদিগের হিতৈবী কমিদনর সাহেব ছর্ভিকপী।ড়ড ব্যক্তিদিনের সাহাদ্যা। ৫০০০ টাকা প্রেরণ করিরাছেন। দ্যাশীর সাহেব নিজ হত্তে পত্র লিপিয়া ও মিষ্ট্রথাকা ছারা অভি করেই এখানকার কথা মহাজন মহালর দিগেব কিটে চানা আমার ধরেন। সেম্পারর সাহে বকে এই সংকার্যের নিমন্ত আমাদিগের শড় শক্ত ধনাবাদ নেপ্রা উচিত।

৩। ৩১ এ অক্টোবর,ও ১ কা নরেম্বর মিগ-নছিনিলের,বাংনারফ শি কাগংক্রায় সভার,কার্য্য স্মাধা হইরা জিরাছে। এই সভাতে বজন দেশের ও উত্তরপ ক্ষাঞ্চলের অনেকগুলি মিস-নারি উপস্থিত। চনেন।

- हः जीयुक्त व व (ताकनाथ विश्व अथात निकाल (वाकिट (विश्व के दिए कि करता के देशा करता का कि करता के देशा करता का कि का कि का कि कि कि का कि कि का कि कि का कि क
- श्रीत अपन क भिवत करिय वृद्धि इत्
 माई। श्रीनिटाई देशाटक अहे नमस्यत नामार किंद्र किंद्र करिया ।
- ৯। কালীগুলা উপদক্ষে এখানে করেদ দিবদ ক্য়াবেলার অত্যন্ত প্রায়তাব হর্মাহিল প্রতি বংসর বে নাস হইয়া থাকে, দে সময়ে চুবি ভাকাইতী প্রক্তিরও অত্যন্ত গাছ্রভাব হইবে।
- ণ। প্রেডতবের উরতি সানোর্থ এখানে একটা সভা সংস্থাপিত ১ইখাতে।

আছানাৰাকত সংবাদদাত। লিখি লাছেনঃ---

(मर्क काश्य मंदेरव. वामकशन्दक श्रक्षाव श्राप्त करक रिन (अ'ड़ा कतिया दिवि कुछ'हैवा का हिएक बहेर्स हैहा मा किंग्स अवास वाहेरछ पि गर्व हरेदि मा. हेहां श्वानिश फीहाना वित-'লন মহাশ্য। ভাপনি দেভ গ্রামার খেণ্ডি ंशा 🚜 नय भवतात हातिय हान, अध्यान ১ क्षाण वासीस्मत मृता नव नवना ७ त्याका कारीय कुड़ाहेशा कामिशा कम्प्ता शांकरण ইহাল ব আংছত্রে পড়িয়া থাকিয়া এক সম্বা शर के बाहेक ? बाह्यकानएक काइ'व जा विदा र्मलय (भ्रष्ट्राप्त भिरुगन ऐटेक नाद वास क रिक करिएक ह निवा (शन । दालकार्यय नकन ाण्य कारान (प्रमृति स लिप्टें परेट किकापत ·शाम ग्रेट्स म इहेल जा। ३० हे कार्किक भीवन'डे जब रहे व प्रभावक प्रशासन (४९) मानिए केरे श्वरण विशासन, महास्य अशास का वि निवाड কবন্তিতি কবিভেটি। অন্য অ'পনি উপস্থিতে बाइबर, এই का-र्ग चाकि चात्रि छैनवित ना शांकिरम १ इनिरंद जांभनि खर्श मकत विव ছেব ভৰাব গান ককন। সম্পাদকের কর্মচারিবা कर्रवर्ग ३ - - नयु भाउ ल्लाह्कर आहार शक्षा कतिया मध्य मिन निष्ठा मिर्छ नाजिन, अभिक एउन्ही बाबु लाक बाइ'हे करिया है किही है कि है। देशनक कतिया महोदशान किन्द्रा गाँव > मन ঘতার সময় ৩৮৫ ডিম শত পাঁচাদী কর্মক্ষম ्लाकटक होकी है निश्वा अवनिष्टे है। व लीह भाग भाउ क्रथाईट्ट बरुवित बाबिया बाहार वा निया तिहै अधिन शक्ति खहे आहात हरेएन देंग्नारेप मुख इक्स बितान कार्याख ,निज्ञान'स e i · नं ह माछ मछ (न'क ही रकारमञ्च कविया जन्म-श्रीता मानिम, खश्रामि बादक विष्ट्रशा । माने ्रहेल ना । क्यांन कालि बालिएक्टिक व निर्मन, रान्यु ! क्यादन शामात्र (लाटक्त्र व्यासात्र धर्म व গ্ৰহয়। ৩৮৫ তেন শত পঁচাৰী জন লেংক এং म इंट्रि भ दिर्द मा । जासिकांद्र मछ ाहिया शात काल (मधात । छ'इ श्वनिया ब'तू विशनः वास्त्रिमा इत्र रक्षात्र मां अ मान्नानक अक निम

এ রাজেতে লাড্ড কুনার্ডের মনের প্রায় এক শত লোক রাজে হই এইনের সময় বীবসিংহ,র বিদ্যাসাগর মহাশরের অরহত্তে উপ হত হইরা কিছু কিছু আহার পাইনা প্রাণরের সোপর কিন প্রাতে জীরপাই প্রায়ের পূর্না যাঠে ধান,বৈত্র কাশকট হর্মন বালক প্রালকা পড়িরাছেল, শুনিরা বীরসিংহার অন্তর্ভার রক্ষণণ ভুলিরা আনিরা রাহিরাছে বোধ হয় ইবার মধ্যে অনেকেই শীল পঞ্জ্ব পাইবে।

উপश्चित ना बाकाटण (इश्वी वावृत व्यान्तिक कामानीन वा जिएल जाशत शाहेन, जाहान सक राज हरेन मा।

होको इ मध्यानमा हा निविद्याहरूम ।

২। গত ১ লা নংখ্যৰ সৰ্থি জিন দিবৰ এখানে চেপুটী মাজিটেউনিধের পরীক্ষা হইছা গয়াতে। এই র দলে পশ্চাতে কানাইব।

- र। डाक'त वर्षमान उक्तित विज्ञेत नांक्ष्य लखदन भगन क त्रप्रोटिन। चेश्वत नटक कियुक्त अश्र । श्रा इव । न कि इंडियाटिन, विक्रेति नांक्ष्य विज्ञ खेन न प्रजाटिन चटनक खूटनह क्यू हैं
- ०। कांशामी २१ श्र नत्वव क्षांची शृक्ष विन् कांश्व वक्षविन, नव मम्दिन कांडक्र नित्र विद्या क वांस वाल विवेश किंद्र क्षांची विद्या मा रक्तामि कट्टर विवेश किंद्र क्षांचीना विद्या श्रीनकांत्र श्रम, अ, बाबू, वि. अ ब्रायुनन विद्या करेंद्राटकन ।
- ৪। সত্রতি এবাবে ও এচংগরীপবরী প্রী নমুহে বান চাউল শক্তা হৎ । গ্রেছ ১২। ১৬ সের চাউন টাকার বক্তীত হর্তেচে। এরার বু দেকে অভাত বাউন ধান্য স্বানয়াহে।
- के। व्यक्तिक रहेश श्रकानं क तेरुहि, होकांश्र निक्रेक्टों (उचित्रिया अप्ता कृष्ण्यस्य धनीश्रंत्री-भीत श्रमदृद्ध अकते उन्ता गठ। का युक्त स्ट्रेसार्छ। श्राष्ट्र ज्ञित्वाय से मुझार अभिरत्न रहेशा छात्-शास्त्र ज्ञित्वाय से मुझार अभिरत्न रहेशा छात्-
- ७। विश्वभृद्धित खून एउनूमे हेमरणहें ते कि वाद् रेव कि वाद रेव कि वाद प्राप्त प्रदान । विद्यम् भव में भीत के कि मिन्न प्रदान । विद्यम् भव में भीत के कि मिन्न प्रदान विश्व थारण स्वर्मात के विश्व प्रदान विश्व थारण स्वर्मात के विश्व कि वाद स्वर्म के विश्व के
- ा अभा । केंग्रित (देवसूक्ते वादूद) चात्र अक्त्री मन्स्ट्रेशिक कथा छिनिधा म हत्र हर्देशीय । छिन्नै नाकि विक्रमनुद्राव श्रृतिकाल ('लामात्रम वे। एल्स्ट्रिकाल आहम) उस्मे भवन्ति में माहावान-क्छ इंल्लिमान मरश्राम कहित देवसूक्ते वादू मां दिन कछरक वं। मल्लाक कहित देवसूक्ते वादू मां दिन विश्व चनाना प्रमाणाह बहेदवन ।

* 1

कदिएउ.इ (य हाक। । भारत लालराभ नामक প্রতিভিত হইয়া তথায় প্রব লাবারনাল হইয়া चादक ।

১। আমি জন্তে ক'ন এফ প্রধান ফু**লে** প্রভাক করিয়াছি যে শিক্ষকেলা অপরাধী ছাত্র দিগের মন্তকে আগাত কংখে থাকেন। এত-ন্দারা বে কভ দূব অনিণ্ট হয় তাহা উ'হাবা विरवहमा कराजन मा। विरवहमा कवा के हें ज रय মল্লকে আঘ.ভ কবিলে বুদ্ধিব কাণাৰ মৃত্যু 🔻 লাগিয়া খাকে। স্থতনাং বৃদ্ধির প্রাথধ্য ⇒বিতে পারে না।

প্রেডভব্। ২৫ मः ধ্যা। (গতপ্রকাশিতের পর)

ब्राधिव लक्ष्म ७ अस्ट (व व.वया।

एडिन मर्स्स्य वैश्व बद्ध भटनः वर्छ अकाव **রোগেরলকণ ওত**ংপ্রতীকাণের উপায়'বে স্থানিক ল্পে লি। ধরাছেন, ভাষা অভি বারুল,প্রযুক্ত **এছলে উদ্ভ করা** গেল না। গিনি উক্ত বিষয় বিলেবরূপে অবগত হইতে বার্চা করেন, তিনি ধুল এছ পাঠ করেনেই কুতকার্য। হই:ত পাবি-वन। क्षण्डा (छान्ट्रित गर्ड भार्का, निक्षा, শরিচ্ছদ, ব্যায়াম, জল, বাবু, কালোক ভাপ ও मांगरमिकम व्यर्थार लोशतमाने न क उरे करत-क्की विषयात्र यथाहिष्ठ व,वश्य कथा चाद्र, লাভের প্রকৃত উপায়। যে স্থানে ঐসকল উপায় সম্ভক্তমণে অবলাগত হয় তথাবার লোকেবা इष, सूची ७ सुरम, इर्गः धारक।

ভেবিক শারী ক সংবাবণ ড সত্রভা নিবার-शार्ष (य कावका अल्याटक्स उन्हां के लिया कि कि 'मा প্রধালীর উশহরণ করণ এছলে প্রকৃতিভ रहेता ।

त्य बुक्ति भारातन होईन, बन्द उँकित **কর্ত্তর হে তি**.ল এ ডানে প্রত্যুগ গার্থাণ **করিলা সময়েব** ট*া জ*ুবর পরেধান পূর্ণকে ¦ अक्री क्षनार्त्य क चाहर उ चाहर उ धाराव । **दक्षिक रहेरवन** अव १९७ अख्राधनम ८७%

৮। कामरा काळा। '२२३। २१। ४१काम । शहरदम । शहर मास्त सहात गण नहार वाक व्यापक कालाका, नाहि १४का, **व्याप्त काला** ए भा कि क.रहा वन भारतान भूकानत कि जन | गाउन मर्भावक हालना क. रव ना । श्वारम महीया किर्दमात य'तु वार्रीएक अव'क्षा । क्रिंब्र अव'छ इंडरवन । शायरक रानव कीर्राटनस ৰাজ্যার বারমোনে বাবুব বাসিতে ছটা একি সভা। পূর্বেও সেই প্রকার এও ঘটা নিত্রা পরে ভাল ৰয় এবং নিডা যাইব'ব চাকালে পুৰ্ণৌক নিয়-बाङ्ग्भारत :+श्राप्त अश्रीप्त नार्यः भाग्नेस करा कर्मेंडा। आ : अध्य (डा प्यान पुरर्न (क न अकार মানসিক পরিলম করা ।ধরেয় নছে, যেছে র তং-কালে কোন সংবাদপত্ৰ ৰা গুড়ক পাই অথবঃ कानः क्षेत्रात माननिक कानः क दत्तः भानित गत স্মাদ, অন্ত ও বড়ের ক্ষিতা আবও রুছি

जाहारिय প্रक्ष यह य, बहे (य छोड़न कार्स ভদকাবির সভিত ফলান ভক্ষণ কলা ছুর্ফল ৰাজির প্রে ড'ল নাই যেই ই উচাতে জানা-শ্যু মণ্ডেবাসায় নত কাৰ্চ, দ্বাসা এনেক একর শ্ৰপৰাকক হাত্প ই পথ হয় যাগ খাল ভল কালের মধ্যে আউদাব প্রাত্তি উদরের পীড়া জ্ঞানিতে পাৰে। তল অপৰা কটীঃ সৰিত ছুইনী দাত্র উভিদ দ্রব। একক'লে আছার করা কর্ব। এবং কোন প্রকার মাৎস কথা গাপ্টক বা মি টার ভোক্তৰ কৰা অপ্ৰত ট

त नकत व,कि व के गाउँ । चाउ। च भविहा-लमः च ता भन्ने वत्क विक्छ श क्रील कतियाद ভাচাদের শাবীবিক বন্ধ সকলকে সমভা প্রাপ্ত कवाइवात छेशाय वित्यवहार निविष्ठ हरे-

প্রথমতঃ ৷ যে দ্রব, আহার করিবে তাহা^ত খাণ ও গৰু পুদৰিত ও কুচজাটিতে এইণ क तित्त, व्यर्थाय छेशात शक, खन छ बधु छ। व्यक्त করণে ভাবিবে। বে ডক্ষ্য বা পানীয় প্রব্যের গর ম্লখনর বোধ না হয় ভাহা ভক্ষন বা পান করিবে না। যাবং ভোজন করিবে ভাবং জন্য কোন বিষয়ের চিত্তা করা উচিত মধ্যে বেনেডু তথারা বাংখ্যে হানি হয়। তথন কেবল আহায়ের বিষয় लहेताहे खाटमांबलायांच अथवा कांन इर्वजनक কথোপকখন কৰা কৰ্ম। প্ৰকুলচিত, সংখ্যাৰ ও कृष्ठक क्षात वासीर्श अकृष्ठ तारमय व्यवः **डे**न्म ।

विडीयुक्तः । क्षांकारम किला, जान्यून, অভিনিক্ত বস্ত্ৰ প বভাগি পূৰ্ণক অজ্বাণ নিদ্ৰা অভাগে ওখান কৰা ভাল কিন্তু অধিক চিন্তা । कविदा चारका इति हरेत । निया इरे श्रहति ভেৰিম শানন যে পাৰ্বাশেও পূংলা প্ৰকান ভক্তা বিজ্ঞানশাস্ত্ৰ পাঠ করিবে না क्रिक्ट माग्रश्कालिक फाहारतज्ञ शत विश्वय है किह्ना केरान कर स्वित्रात्र विस्ट

ण्ड'युष्डः। काश्य, श दे**क्**र ७ द्राधाम दिव

कार्तत । कान उरत प्रयः कार्तत कतियात **८८प्राप्टन भारे। উष्टिम किया आध्रम खद्ध श**ि मार्ड उक्तीया कृता मा स्ट्रेंस ज्यास्त्र कृष উলিনি ৰয় না, অভঞৰ বে পৰ্যান্ত ক্ষুধা সমাৰ ও বলৰ গ্ৰী অৰ্থাং প্ৰডেকে এাম উপাদেয় বোৰ না হয়, সে পর্যান্ত ।ক ঘন, কি ভবল কোন ध है। व अव। भारति के ब्रेट्स मा अवर छेड़ मक्र म करा ६०८ल ७ क्वल । मध्य ३ गांत्र कटल क्वल क्वांत्र कंदर्व, हेब्राट वावन शाववा " व्याद्धा होन, बाद्यः भाउ कक्टर, उवाठ चादमञ्ज चाम धर्व পূ ধক পাৰ্যমতভ্ৰপে আহার উদরস্থ কবিৰে।

भारतकतः हत्या श्रम्भावस्य रहे अग्र वह णः (क्षांन कः) द**रव अदेश भावीरतत (या प्रश्नेश** धूर्यास गराट अवन जन जिल्ला जिल्ला क्रिक रहा जाका-

वः'ग्रामः भंतीरवर प्यपूर्व ७ कीन प्रवय्न न कर जब बद्धार भोषन खेटण्डल बतायांन खावन है, ত এ গও প্ৰতে,ক ভবৰে একটা ৰায়াম স্থল ষর্ব'ং এবিছা প্রতিষ্ঠিত কণ উক্তিত। পদরক্ষে वादक पथ जबने कहा छोता नरह, उमर्भका देव हारत जन ३७ न हर्षे जोरहार्व श्रुप्तक (बद्धान डेअम। कवाजः कथारशहरन (बाक्र'न मर्स्सार-क्टे। कि इ वक शकात नतात्राम धारा भन्नीरुम् वित्नव छेलकाव मर्त्न बा, (बरहरू छन्नाश नावी-दिक मधुराय कम अवानक्राप अकामन इस ना . শার ইহাও ক্ষেত্রীয় বে বাহাকে '' বিখ্রাস '' বলা যায় ভাষাৰ নিডাভ কৰ্ম ভ্যাপ নহে. প্রভুতে কার্ব্যের পরিবর্ত্তন শুরূপ, অর্থাৎ সেই ग्रुक्त (भनी ७ वृष्टि निष्ठद्रदक **श्रुका राष्ट्रा** म्का-नन कहा बाज ।

गित्रिंग्र अहे छैन्। अन्य अन्य वाहरू ह व ধর্মবিষয়ক কুসংস্কার ও অস সকল পরিভাগে পূর্বাক পর্যেশ্বরের অসীম প্রেম ও আম বাহা এই পৰিবৃশ,মান एकिएड ও আপন भारीदार দেদীপ্যমান ভাষ্। স্বয়ঙ্গন কবিরা প্রভাষ আপন गरनद कार ७ हिका अज्ञान नियरम दाचिर्य मा-হাতে স্থাপনা আন্থাক্তনাজ্ঞানিত নিতঃ শবিষুণ মাঝাদন করিতে সক্ষম হওয়া বায়।

क्रमणः श्रकाणा।

विविध गरवाम । ২৭ এ আশ্বিন সোমবার।

বোধারা বইতে এক জুন দুত কাবুলে আসি-

हमनारमनु बारंत्म उरे दिशवांत पर्टा एवं एवं देव को अ क्षान्य अ ए होत्र शत्र (वाम कठिन, श्रुवा ाम च्याप्त भिरु १८८१ मूर्य तृष्य । को को का नदर । का शा चित्र के विश्व विश्व के हिएक विद्राप शक्ति व ানকদীপিত করে

আমীর, ভারতবর্তীর গ্রেপ্টের ও ডুবনের ভুলভানের সাহবে লংভের চেষ্টা করিনেন। ইউ রে'লে ভুলভানের অধিক গৌবর নাই বটে কি । মনেনাসিয়ার সকলে উহাব আফা কবিয়ান আফা অলেক্যা অধিক মান্য করে।

ইংলতের মন্ত্রেশবা গড়ে জীপুক্ষে ৮/১০
ফাল্পুর গা/ ও আয় দলতে ৫৮৯০ উপার্শ ন
করে দ্বিটেন ও আয়াবলতের মন্ত্রারা এলকারে এতিবংসর ৪,১৮ ০০.০০.০০ টাকা
পাইয়া থাকে। শেব দংখ্যাটী বন্ধ বিশ্বশবাল,
নহে। কিন্তু সভ্য হইলেও ইহার অর্থেক ফ্রাপায়ে যায় ভাছা বলা ঘাইতে পারে।

छरकामन इंडम जहेश देशमध्य नित्मन चारणात्म इहेरछा छ। ठाउँमन च्ल्रेशकटा शवर्र গেটেইব প্ৰতি অনব্যালতাৰ দোৰ দিয়াছেন। (न्नाहिन्त्र हैशंव अस्त्रान्त कर्त्वा ज्ञाहकन कि भारहत है जि.छ अक सान लोक 'स्रताहा'त शांव फ्तांत कीएम नर्ति । त्राप्त (म'क व अब अकाम कः व किम्रशालदाय धवता उएव ६० छन्न करा हैंद्रि शांबरांग कृत उथा न (करहे वित्यव াবশাস ৪ শেক প্রকাশ করেন নাই। প্রেটীর अयोगकात है 'वाक प्रांत अहे बिलता (वि एम, উ'ধ'ল আভাবিক বনানভো সহকারে ছর্ডিক পীভিত লোকনিবার সাহায় কবিভেক্ষের বটে कि इ अटल्प्स्मी प्रतिराज मृत्राटक केश्वितान শোক হয় না। এটা সম্পূর্ণ সভা। এতবেশীয় मिट्यात मंडल **कें शा**रितात भगत्र स्वाचा नाडे बेशाई कारन।

सदमशुद्ध थान प्रवा इन्स् ए ह वद्या ए छ छ ए । स्मान छ । का दिनम आदिनम आदिन अन्य प्रवा । का का स्व वा का का स्व वा का स्व व

বিশ্বসংখ্য মৃত্যু হণ্যা ও বেবারও কুক্ষমোধ্য বলে গ্রাগায় বিশ্ব । য়ে গ্রাগি-ভাশান্ত বিভালের সভাপতি হয়। লাগ

बारमधात्रव समीता है। कर्षा सन्। सूज्य बामा द्याक करिएलाहम वाँ। प्रा राज्यस्य क्र खारा जनीक बुलाझा श्रीक स्टेगाइ।

क्टेटक कामेनबन हिलामान कार्यपाटन उप म हाडेन किथिय गुरु। एरेग्राट्स कर्वार

ेम्बे॰ व्याप ४०॥॰ त्य विक्रीण इदेखिए।

भूती एक व्याप ४०॥॰ त्य विक्रीण इदेखिए।

भूती एक व्याप १०॥० व्याप १०॥०। व्याप १०॥०।

भूती एक व्याप १०॥० व्याप १०॥०।

स्वाप १०॥०।

है अस्त्रकात स्वतं कतिवार्त्तन, वकार-बीय वात्रकालक महाव काशाधी कांश्रतमान प्रिवर्त्त क्षूनिम कार्यक कार्यन भविवर्ष रहेरवा विश्वव पाराज क्षिमश्वार वस् करियात श्रद्धांव रहेरवा এই कार्यन कार्याव कार्यक वास्त्रक वास्ति ।

উজ পত্র জাগতে চইগাছেন গ্রচণত আছেন ১৫ ই মে পর্গ আচট্টগ্রাম, বাছণত আছিট্ট, দার জিলিপ্ত স্থান্য, বামরূপ, লক্ষ্মপুর, নপুরী ও শবসাগরে সর্পিশ্র ৪,১৯৪২৭ একার পতিত ভূমি ২৭,৮৯,৮৬৮ টাকাল্ল বিল্লীত হইরাছে। ইহার মধ্যে ৪,৬১৮৫১ টাকা ভারাম হইয়াছে।

উক্ত পত্ৰ ব্যৱন, ডাজৰ মাথু শীৰ দার্জি— লিঙে গখন ক বিয়া ভপায় গোধীজে চীকা দিবাৰ ব্যোৰ্ভ করিনেন। ভাঁষ্য সীমানধ্যে বস্পুত্র, দিনাজপুত্র, মালদহ, ব্যু ড়া, নাজনাই ও পাৰনা থাকিবে।

नियं नेयं व तान प्रवाप है जाएक अड ता का का जान जान का जान का जान का जान का जान का जान

টেলেগ্রাম কাসিয়াছে মেকসিকো। সকা মার্মিনিবাম শুন্ম হাজা মতে শান্তবেশ। বাল ডে মা পালিগ্রা সিংহাসম তালা করিন্তহেন। গাহার জী সমুটি নেপনিয়নের নিকটে চাহাগ, চাহিতে আসিয়াছিলেন। কিন্তু আহিকাহ ভয়ে সভাই সাহাত, দানে সমর্থ হন নাই। নানা ভিন্তা করিতে নিয়া বৈশয়ক ও সংসাদক সমুদ্দার ক্তরে জলাক্ষান দিলেন।

) ला (य अवधि के हैं महायव गय छ कतिया। वस्मार छ इहेरव, अवः गर्हित ७। वरगहाव वहण ार िकेमिनिभा निक्रि ১৭২৫ कि बरम्बर छ। वाछ इहेरव। हेशत भरत सभी १९८३ वरवार वाज

२०) ६ मण्डापर गर्नाय निर्मम कतियादिन। इकिंक निरमन युगुगश्या अक स्वैद्राहि व विश्वत अ निर्मात मस्या ग्रांच करा स्टेटन।

२५ अ अरहीयर अविश में अ आरहीय ।

पर्या छ छात्र उपनीय उत्तर हारा छ आ रवारी बात्रा

५,२७ ४०-१६० हो हो, अ प्रस्तुत बाही २,४४०-१८० अर्था भाग में एक उत्तर बाही २,४४०-१८० आर्था वर्षेत्र १८०-१८० का

गत्र बहेत्रारह। अछि साहेट्य ७४०-८८० होका

सामग्र बहेत्रारह । अछि साहेट्य ७४०-८८० होका

सामग्र बहेत्रारह । अछि साहेट्य ७४०-८८० होका

सामग्र बहेत्रारह । अछि साहेट्य १८० हो छ वर्षेत्र अहे

तन अस्तर १८० हो स्वागीय इहेर्य अस्ति विश्व माठ

नया ११० होका विराह बन्न बाल्न मान साहेट्य स्थान साहेट्य सा

সম্প্রতি এক বাজি বিশ্বপুরের চারি থন বেশাদে । মই কেশ সভিত বিবা খাওয়াইবার চটা পানে। কিন বেশারা ফানিতে পারিরা ভাত কে পুলিয়ে দিয়ালে। আমানিকের সন্দেহ হুইছেছে চার্ডন বেশার কোন বড়বন্ধ থাকিবে।

विश्वीदारिक कारक्षण करियादिन काय्यवर्षिय तिल्लाहरूक ग्रथानयदा होन कार्केटन मा। असन कि नियमिक न्यायदान । ३- परिकाय प्रव क्षेके कार्तिया थादक। भी ककारण वालिकाय क्षिक यक्ति स्वप्रांटिक हो प्राप्त दिन्द हैन्स, अक्रमा माल नाकी अवादारी सक्ता मुश्के करा कार्याका,

ছিপুপেট্রিয় প্রবণ করিবাছেন, উংকলের ক্ষাতে জল সেচন ব বিরে উপায়বিধানার্থ গ্রহণ্ডেই কয়েকজন ইঞ্জিন্যাত্তক্ষিপন বন্ধপ নিষ্কুক্রিয়ালেন।

উপ পৰ কৰণত হঠ। 'ছেন লিগালরিমে ৰূপ্যান তাৰ গৈ কংলা নাছেব ইংলও হইতে এছা গোলন ক্রিক্ডেন ইংলাড গ্রাপ্ত বিহা-বেল ছভিপ্যান । বিষয়ে নিশোল ক্রিডে প্রেমণ ক্রিন।

জামরা উক্ত পত্র দেখিলাগ, লেপ্টন ট গ্রবি উংকলে।চরত্বারী বন্দোবন্ত কারির জন।
এক মিনিট লিল্মিপ্তেন। সম্মিনিল বীজন
প্রভাব কানে, যে সংগ্র ভানীবারী চিবস্থারী
বন্দোবন্তের বোলা হল্য ছে, তাহাব চিন্তারী
বন্দোবন্ত হইবে, জন,শটের ৩০ বংসারের বদ্দি
বন্ত ইইবে। ইহার ২বে ন মীন্তেইর গ্রেমান্ত

कार्य अवर्णन कविद्रा जार्यका कार्यन हिन्दाकी रामान क्रिएक भारतिन, रामीकार्काणात भारत है। देश के बाद के ঃ৮ এ ক্যার্ক্তর জনবার।

मणाजि इरम्बंदिस मारः कावाकाम १ ५ व (मझह (अभवन मन धार्य व म छ। र दिवः इंडिएकर दिवास अक भाव भारे कारणाइन । अप्रत्येत द्वाधेकार्र्धं,व स्थ्यः 🤭 ।त अ न्यप्र श्रा**क्षत, किञ्च (य मक्ष्य**ा स्ती खाउन पर **स्**रिष्ठ क्षरम्य काञ्चाय माहे, वी।एमाउ माम रचन मानुसा अहे काल (महन कायरण घर बड़े रए। यद च्या थेत करित बहुलात, एक बरभडीक्ट प्यास्त जन्म क्र স্থানে না এক স্থানে প্রতিক্রন। মাপ্রের रि अश्रम बाल इहेर्ड इस त्रावन करी इस फथांब इक्षिक रहा सा। भवनंत्र है वर्गन, जाल कार्ये व (यहन भी शवन नमामा देश हर्मक का হয়। সর আর্থির কটি হছাব পড়। স্তার ব লবা **्ह्रम सक्षम क्**ष्टिक घटन एवं। यह है यू लहर छ गिका दिन, इस हिना हहेंदन लाइ'व अलाका : बाद्य जारनका शूरस कर्ष कालि जाना २०० कतिरम लाग क्या। यव श्रीय करेस अव सार विधा छ है अप्रत, मालादण्य भान अबन श्रामी धीर'त्र कुछ । । छनि य कथा कहिएउर्देक्ट, खाझ बाश कतित विनिष्ठ रेडेमाड रक्ताय महावना ।

नञ्जिष के उठ हैं में होने नामक निवाश देव

अब थानि सभीत कारास मर्गन, सम, समारू প্রভৃতি सहेब्रा निकायत बीटन वानिक, करिए बाह्य। भे श्वादनव दर्गावा काबारक जातिहा व्यवस्था । वादिकामगरक क्षेत्र । वाक्यव काङ्ग्रा ৰধক্রিয়াছে। তিন জন নাবিত ভারাজের ভলার পল'ইয়া রুজা পায়। স্ক্রার শর ভারাথা উপরে উঠিয়া দেখে কেবল শোণিত ও করেকটা ম্প্র পরিয়া র্ভিয়'ছে। অঞ্জমণকাবি ও সুভ माविकतिरशत बाद (कान हिरू नाई। नावि कहा खरक्रनार (माध्य का'एवा निया न्याहास नहेया अलावम कविवादक। २८ काम्ब मृद्य स्टेबादक। সমাট ভূতীয় নেগ্লিয়ন বহুমূত্র রোগঞ্জ क्षेत्रारक्त, अक्रमा हे देशालित याव कीम लाएक केरक विष्य रहेशादकत. नावन धन्तिदर्भाभव नाश्चि **च्यामारा**भ ने परित्र है पर्य सिर्वत करिए**टा** है। **मञ्जाकि देश**नर[ी]य नारमा ३ ''र व निश्विक दहेश्चार्ड সন্তাষ্টের বোগ সংখ্যা তক্ষ মহে, অবসহ ও বি-**स्थ्य बांबु** (जबन कारमात क छ । जलाई अकारन ৰাক্লৰিটিক আহেন_ু বেশি ান্তিক এত বিটাই পারে। পরিদেদ করিতে হয় যে হর্মা কেলে প্র अस्ट्रन को ।

शवर्त (छन्दल (य मन्त मर्फात्रक महबाद আহ্বান করিরাভেন তাহার মণ্ডে কয়েক জন নানা কারণে উপস্থিত ২ইতে অসমত হইয়া (इस। क्यानिकाट्युद बालाद मधानार्य कारा-वक इश्वद्वाद्ध जिमि क्यांगित्वन मा । वाल्य सवाब (म्इ.नेरशातम भी मध्य ड खाठा वितारह चल्य द्वादा व.व कतिहार्द्धनः मन्दार्य व्यक्तिः व मगोपा, ख'श करिएक इहेटल निमि ऐरम्ब इहे বন। মু ত্রব বাজার পিডারে বারলত। (ছব পদহৃত করা হয়, তিনি দরব'বে তা দিলে গাঁচান मचानार्थ कामान क्टर्ड मा ! ५ जी नश्नाहन विषय वे लक्षा कि व क्लिनिट्य मा। এই স্মन भववादि **अङ्ग्र**मी म वाका ७ महीवन्दिन विचन বার হর। উন্থারা আসিরা কেবল ছাত্রেল ' আপন'বা নিজ নিজ রাজ। উত্তমরূপে শাস कतिरबन, व्राच्छीन शिक्त चमुतक श्वर्णन रवम छ।का **১ইলে গুত্ত ক্রোডাদি ক্রমে রাজত্ব করিটে পা** 'तम । जन_ाचा जागांद्रिशन अक्रिम ६ धुन १० वामावा जानक गांव अ कथा श्वासियाहबन, हैशा পুৰাতন रहेगाइक। अ'त्र बत्रवाद्य आभियः कटा एव ৰপমানিত হইয়া যান ৷ অ'মলা অবগ্ৰ হইলাঃ ववादाय प्रवादा करेदाणीय देनदाव मध्या অধিক রাখা হইয়/ক, বাজ্ঞান পাছে কোন इटक्ट्री करवन बिनया क्षरणाक देन नकरक ३० हि अधिविक श्रीहरी (एक्स) रहेप्रोट्स । अ तकत अध्यद्भव क्षर्याकत कि ? हेर्'एठ देखन भटक भोशक वर्षम ना स्टेश्ना अक शतकत मनः भी छः মপব পদের অবিবাস প্রকাশ পার। উত্ত **पटकरहे विख्य ग्रीका क्राया अब्र आहा।**

वाबाई (शरका वरनम. वाबाई शवर्यम क्रियाकत निर्धान जारहबदक विजनारमव हेरि গ্ৰাম প্ৰসিদ্ধ স্থান সমূহের ক্টপ্ৰাফ আনিবার নিমিক্ত প্রেরণ করিয়াছেন।

२क्षे क कार्डिक बुबरात ।

ৰোৰাই ষ্টডে টেলিএমি আসিয়াছে, ভন্তত্য श्रधानयम विठातांत्रप्र वर्गक श्रिकांत्र ताप्रहीतर् अहे निव्राप्त कृतर्गात व्यवमात्र कतिवाव अञ्चमित লিয়াছেন বে এক বংগবে উচ্চির বড আরু হইটে তিনি ভাছাৰ অর্থেক মহাজনাদগুল দিবেন। প্রেম্টাদ বায়টানের বে প্রকাব বিষয় বুলি, তা-হাতে তিনি যে এই ৰাবস্থায় পুনপার মন্তকো-ं उत्तम कतिएक भारित्वम, अक्या भूरण दला

य. तिर्देश कार्डन यज्ञभूता इत्दर्भाष छज्ञ ग ক্তীষ্ট্র । দেব।ইয়া বিদেৰে প্রেবণ ক'ন্তে আশ্রয় বাসী সকল প্রায় বন্ধ হইরাছে। পুরী ও ्केर्ड जगाणित केक्यूना ब्रहिब्राएए।

माण्य क हारमम रहतम त्या, वि, बहैन मार व মাজাত ডাগ করাডে পাচিয়াপা বিদ্যালয়ের ज्याक्षान । । । । है को बाब करिया चौहार अक চিত্ৰিত প্ৰতিমূৰ্তি ঐ বিদ্যালয়ে স্বাধিবার সময় कविग्राद्यत । ।वस्तात्र मिन्नी अक, आके भारत्य ष्ट्रा कर्नितन । तिम नाटहर अल्लीक विमान-निकात এक अस लगास छेटन इमाडा।

निक्षीरगटकार्वे निर्वेष इहेत्र'रहः, न्यान দ্বৰার উপলক্ষে আগদার বেউনিদিপাদিউ डोड बस्ता व जाताक (हम, उपनंताने (क्वन रे हेटवानीय नगाक सिमार्कित इस्त्राक्रित्वम । अद्द भी म वि गकन मर्फान प्रवर्गात कांत्रितात अञ्चर य कि शहित्र इस में डांगरि क्वन केंग्रास का-ইতে পাইরাছিলেন। এরণ ভেদ করিবার क्योरे जाटह, छाहाटच कावश विन्युग्राशब नहि, कि इ विदे में त्रिमाति कि वृक्तिएड अत्वीव्रमि- 🛕 'गव क्रीकाच के छे'वा ने में केटजन महमावस्त्र कति-'त्रव आव शशाक्षित्रात है।का निरात्रा ट्राव्हे इके न्य या १

डेक भावत कांत्र केड मरवानराजा यानर, । দার আবছল বহুমন থা কাম্পাহার জয় করিবার श्रविद्यारम् व्यागव स्टेर्ड्डिन। जुर्किद्यारम् राष्ट्री मानसक्त कर्क महत्रन चौरक मानस हरियाय सन्। अकतम देवना बाईएछा । वामा-शरवन्न ग्रह्मारवत्री आ क जून चौरक स्नानारेम्रारहन गहात्रा जिल्लास आंतिस अप्ति अक्ष्म न न इस्त ।

छिल्यान (शक्कि उत्नन चनहे किंद्रना नन नवं छ भूनकात्र किल्आक मण्यूर्व देवेतारक भारतमः नर्तना हिन्दियाक किस द्वा।

हेरिनिम्मान वर्शन, शक्तिभुद्र अ गांदावारम्ब वेष्ठत फाकारेक दिन अदिहा क्षिणाती व्हेता नर्तमा जानमामिरगत महत जश्बाम मिन्ना कुठे म्बाब्र। कर्कृषक देश कानिएक शाबिबाएइन। উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের বেলওছেডেও এস্লপ **डेनड**व चाट्ड।

फेक भज जन्म करियाद्या, जानामी वर्षत) मा आञ्चाति व्यवि कृत्रदशास मुख्यिति. क्षोजनावि ७ म उन्नानि आहेन क्षा होए वहीं व দ্য় মানের পূর্বে সংবাদ দিয়া তথায় ভাগাদি बाहेम । अहिना कहा स्ट्रेंब । कुल्दाहारतेत दि हार श्रामीत करनक मर्गाधन स्हेग्राह । अक सन এक्ष्मीत ७ वडा डेक्डम विष्ठात्र शन्त्रत् थ-धांग विज्ञादभाख, दीशांत छ काममनव कर्नन 'छान्। दिन्य (इंडोस अहे फे.कर्ष मानिक क्**टेरफर**) अण्डामनीय दावनन अहे मकर जाहेन जानम जायन हाजा मर्दन, श्रामण करनार अहे जाश सिद्धान देखा।

উক্ত পত্ৰ অবগত হইর'ডেন টেওগের টারব অনুবোধে ভারতবর্ধীর গবর্ধমেট এক খাম পু-শুক মুক্তিও করিবেন। ইহার এবম জংশে প্র ডেকে প্রেসিডেভিব পতিও ভূমি বিজ্ঞার নির্ম থাকিবে। দ্বিতীয় অংশে পতিও ভূমি করা গিবাব নিরম ও এবিবর সংক্রাপ্ত বাবতীর এটন থাকিবে।

১ লা অগ্রহায়ণ রহাপ তবার।

श्रीमाख्य विष्ठांशाय विष्णि किन्तांश्य विष्णां किन्तांश्य स्वाच्या विष्णां किन्तांश्य स्वाच्या विष्णां किन्तां के भारति का विष्णां ते स्वाच्या विष्णां के भारति का विष्णां ते स्वाच्या विष्णां के स्वाच्या विष्णां के स्वाच्या विष्णां के स्वाच्या विष्णां का स्वाच्या विष्णां के स्वाच्या विष्णां के स्वाच्या विष्णां के स्वाच्या का विष्णां के स्वाच्या का स्वच्या का स्वाच्या का स्वाच्या का स्वाच्या का स्वाच्या का स्वच्या क

्वायाई (१०८क वर्षान गड श्रीहमार प्रज्ञान)
मूल्य ०७०१ विस्त्रमधात्र ७०१० कम स्वायः
स्वायक्षात्रार्थ व्यक्ति क्या वृद्ध । २०, ५५५ किया
क्यान, मा व्यक्ति एईयारहा स्वाय श्रीडिमिम
पाइ २৮ विस्त्रमधा । श्रीडिमिम

त्रवन्त्र हे बाह्या क्षिया दिन अवस खर्व १ ३ । घरनद्वत को देह कान करम्रक्तिक (नूत्रो) चन द्व अदन करा इरेटर ना । (दूत्रात्र चन्द्र कान्यूर्व इन्द्रोटिक । अदश खरनक करम्बी ख्याम चान कर्त्राहर ।

मुखा न प्रभारवय स्वाक मण्या हहेग्राहा ।
स्थाप १ ४० २०,७४० खन स्वारक वर्ग ह।
स्थाप १ ४० २०,७४० खन स्वारक वर्ग ह।
स्थाप १ ४० ४२ १८० १८० स्वारक स्वारक ख्यार लक्ष्मा १०११ १८ तम् मृद्ध हहेग्राहा । श्यारव स्वारको ५ जन्म स्वम, भागीच्य स्वारख्या । स्वार्थित स्वार्थित स्वमार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्

३৮७४ खत्म कांत्रवर्धन किंत्र किंत त्र त्र त्र व्यव्य कांद्र व्याप्त स्व । देशक १८८५, ३७ १८४ कम कांद्र हो श्रम्म ग्रम्म कविद्राहरू । अर्थ स्वयं १५३३ मादेश स्थाना व्याप्त व्यव्य ३,२६ ४५१९ कम कांद्र हो इन । कांद्र हिमरणा

वाण्डियन रक्ष्या स्टब्स । वस्त । जनसम् २४३ णि इचिनात माधः २१ सम चाद्वाहीत शान महे रप्र अ'र ८के साम आर्फ रंग। (त्रवद्य (काम्ना नि मभूटरत व • • • कुटलात मट्डा अम सन इड ए के अपने व्याहेख हम. खाँहोमिट्यान निर्मात मिटि रेप्न ने है। जानवाहितान क्रवनाव गाप्न १४ अने इंड ७०४ अने काइंड इहेग्राइन । वना **এমুম তিতে** প্রবেশ বারিয়া ১১জন হত হন : অথাৎ मभूमान को उन्दर्भन दिना गर्न उन्हें सम् क्र अ ১१8 क्रम आह्छ इहेग्न (६०) शूर्मवरम् गर् 'লে'কের মৃত্যু হয়, এবংগর শতকরা ৪ জান কদ क्रेब्राट्ड। ज्यार म्ड हत्। का क्रम क्रिक जा ्बाक्षी गायन कर्त्रम । ज्ञानक बहुबीहा गावश्यक जाका विद्यादक्त क्षि (हेन्द्रन (क्लीय कार्याय আরেইীদেগকৈ সতর্ক কবিয়া এক বিজ্ঞাপন (F 3मा गाहाव (यन का गाड़ी कृतिक स्**है**वार श्रुटर्स श्राविष्टे व्यथका विक्रिणंड ना इन, व्यथवा (कह राष्ट्राव भारर्थ ना मी हान। (राम द्राप्त मन्द्र हाबिभिनास मुख्यं कदा इक्षेत्र'एइ देशिया अनकत नियुध विक्रम क' अ ना कद्दन ।

२ दा अजशापन एक्स्वात।

म्ब क्या नारतान्त्र अहे अवधी शोतात्वत्र विषय वीशत (५३)म् अरम्पन रामश्रद्धम् व्यानक छेर क्या माथक क्षेत्र रहाः

आश्रवाद स्त्रवाद भाषायवाद अवर्षि आवात्र ৰ্ইয়ান্তে। ঐ দিবস গ্ৰধ্ব জেনবল প্ৰাত-কালে शकानां मत्रवाद ए देवकारम शालमीय मनदार । करतन। में नमरत श्रद'न श्रधान नर्म राज आहे ্গন। মঙ্গলবাৰ আৰে এক গোপনীয় দৰ্শৰ ও ভালমহল আলোক হাত্রা শেভিত বধা হয়। वं क कहा भवर्ष र स्वयंद्य महिष्य विद्या है दरण গিয়া পুনরায় সাকাৎ কবিয়াছেন। দ্বানাসী কল, স্টার চিহ্ন দেওয়া বইবে। শনিবাৰ ফচাবাস্ত निकिया शवर्ष स्थमप्रम स्मिनेके शव.१ -নেক্ষোৰি প্ৰকৃতি সম্প্ৰিছ ৫০০ লোকক त्कास मिटवन। जे निवन रीशंत बाट्स करनिय क्ष्वालीएड जास्यस्य मार्गियम्य स्ट्रेंस् । त्यांम ৰাৰ স্পপ্ৰধান দ্ববাৰ হইৰে এবং উত্তৰ পশ্চি माक्टलच ल्लेडेन हे शर्यं व शवर्षत त्यानरकारका खाक्ष विट्वत । बन्ननवांव क्लिंड मर्द्यम नृडा थ_ा एकोक मिरवन । जानदात्र यरवर्ष्ट बाहासदा गाँह-তেছে। এতদেশীয় দামান, লোকেরা ভাতুর निक्टि वारेटि भौतिरबद्धन नी .

বিখ্যাত আমেবিকা, যুদ্ধ জাহাত দেনা-লোৱা কলিকাছায় আগিয়াছে। ভাহাজবানি কুলিবাভারের নিকটে লাছে। আহ'নের অবয়ব দেখিবার বাগা।

আগানেৰ চা-ক্ষেত্ৰ বিশ্বর মধুরের মৃত্যু ধ্বরাতে ইহার অসুসন্থানার্থ এক ক্ষিসম হইবে, ক্ষিসনের রিপোটের পুর্ণের সর সিসিল বীভম ভাগতবর্গ ভ্যান ক্রিবেন । বাশসত প্রভৃতি ভানের মাবীভয়েব রিপোট উইরেব পেটে হক্ষম হহরাছে।

৩ বা অগ্রহায়ণ শনিবার।

ইংলিসমান বলেন, ২০ এ ন্বেরর গ্রন্থ ফেনবল আগতা ভাগে কবিয়া কলিকাতা মাত্রা কবিবেন। বঙ্গাদেশের লেপ্টনন্ট গ্রন্থর ১৮ ই আসিভেডেন। এত শীয়া কেন্

উক্ত পত্ৰ বলেন, গ্ৰাণ্ডল কুলিবাজায় হইছে ক্নিস্থিপট গুণাম সকল উঠাইয়া হয় মাজলা নচেং হাবজায় লইয়া বাইবেন। রেল গ্রেব নিকটে আডডা কবা গ্রাণ্ডলার একণে গ্রম নিক্য মুন্তা।

উক্ত পত্র অবগত হইয়াকেন, তুরাইরে বে
আহিকেন হইত, এ পর্যান্ত নেপালের গবর্গমেন্ট
কাটমুণ্ড দিয়া চীনে প্রেংশ করিভেন। পূর্বে
মতিহারির অহিফেনের কুটিতে এ অহিফেন ক্রন্ত্র কবা হইত। বর্তমান প্রথায় অলাভ হওয়াতে নেপালের গবর্গমেন্ট প্রস্তাব কবিরাছেন গাঁহারা ভারতবর্গের গবর্গমেন্টকে হাল্ড দিয়া এখানকার কোন বন্দর দিয়া অহিফেন চীনে প্রেরণ করি বেন। ক্রি কি ? গবর্গমেন্টেরও হাত ধাক্তি।

शास्त्राक्ष शवर्षम् हे द्व'स्क निवाद्रश्य स्वयः स्रोत १०,००० हे का स्वर्गन कविद्वाद्यान ।

গৰ বৈ জেনবল আজা দিয়াকেন, একণে দৰ্মত্ৰ গ্ৰহণে ট নোট ও মণি সহ ব প্ৰণালী হই ছাছে। অভএব গ্ৰহণে টেব বন্ধানাবিপণের বেভনেৰ বিশ্বদংশ বিনা ম'সুলে হুভি করিবার ধে সহছিল, ভাছা আৰু থাকিবে না।

—: :-ইউরোপীয় সমাচার।

লভন ২৬ এ অটোবর- নীইমস পতের এক প্রস্তাবে ম'নদ কিলচেব প্রতি এই বলিয়া দোষা সোপ করা হইয়াছে সামারক বিচারালার আর্দ্র সকে ক্ষমা করিবাব যে অপ্রস্তার করেন, ভাষা ভিনি প্রাহ্ না করিয়া অন্যায় করিয়াছেন।

मध्य २० এ अत्ते वर—.वर्ड किन् । वित्र भीग्र मधी इहेग्राह्म । (भाग अन ए भाग करिए कारम बिन्नाएक्म, किन तोग करिण करिए अञ्चल कारम । को क्रिग्ना के कान । अक वृक्ष दहें ग्राह्म । भन्नका विकक्ष । नदक्ष भाग्या निग्नारम । मध्य ३) अ अत्वीतर—जोक्षेत्र भारत्य क कर्वित्र अक क्षांस्र (४८१) इहेग्राह्म । क्षिग्ना

तिराष्ट्रेशात ७ वा होतात्वत माध्रीत क काइए। 'डांश कविग्राइम । भाकावित्र ब्राङ्गा (ड्रायाहरूक) প্রত্যাপমন ক বিয়াকেন ।

পশুন ১ শ। নাবেধব। পদাতিক দল সংগ स्तोड़िया युद्ध कविदान शीमन भिका स्वत्रा क्ट्रेडिड् । काशिशाटिक (भाग्छ व मृद्ध वर्धेया বিদ্রোহিরা পরা জাত হর্রাছে ৷ তাঞ্চানা জাটি अकः चीकव कवरक प्रांत्राहर शाहर त त्या**क अक मुख्य मुक्त हुई** । अ अने देश पूर्व इंड इडेंबाइइ।

नहम २ ता ना स्थान । म व्याप कि पा जिल রমকে এক পত্র লিখনা বানভাব দেনিধন कट्य प्रसिद्ध क क्या क बढ़ार अञ्चलाव करिया-্রন। প্রসিদ্ধার সংহত কৃষিয়ার দৈরী হইরাচে।

श्रुम ७ दो बार्यश्र-- श्रिय त्रोसू मन ४ अन्यांबर देमलानिशदक मच्यूर्व मन्या मर्बा क नवार जाका १३४ एछ।

সাইমর । । । স জারলও বোৰাইয়ের শাসন কঠন এহণ কবিতেকে।

सञ्ज ६ हे नारवहर-अर्याक चार्निग्राहर, चारमधिक। भिद्रिदकात त्रकावकी स्वेहदम। অফীর মন্ত্রী বেষ্ট এক সবকুলার ছাতা জানাইয়া-ভেন, অন্ত্রীয়া, পূর্বা রাজনীতি ভাগে করেয়া भाक्षिप्रमुक नासनीिक अवसर्भ कांद्रदेसम्। সংবাদ আগিয়াকে পুলিব ক্ষিপনৰ ডাকুলী জ विक्रम कार्य कवार्ड वालिएशार्व कांच्या (भागत्यांश सहेशाद्ध ।

मञ्ज ७ व नरवषत--- अधित (मनावटनत প্ৰভন বল্যোৰণ আরত হইয়াছে। আগামী **बमखकाल भग्ने ख (क्रमाम न (क्रिट्म) विहा**व প্ৰগিত থাকিবে।

मध्म १ हे नरवर --- माधना कार्यक्र कार्यः প্রণালীর বিজ্ঞাপন পত্র প্রকাশিত হুইয়াছে। शिन अ मिल्म सहराय श्रीकामधि इटेर्सन ।

माक्रमिनियान भिन्हामन छ भि करियाद्वन । (काथ न हे म इहेट है।

कारमको महा काएं। ७ प्यम्बीसङ् कर्यहा-निविद्यत बार्य मक्कमा न तेनाः प्रायम कविया-হেন। হেন, পদাপু উছ গাড়েল থাটনী জেনবল ब्देखोटक्त । बाक्ष्यात् व'त्त्र जान्द्रशंभक मञ्जा मा कि किशाद्यम यह अवर्गभाने मात्री ना इन कियात्रा हेर्द्यावेरक १५ १७५ महात अक्तिक **। हि**र्दन ।

क्षि । । । भी । ५७ व ने ग्राहक मिछे करहे छ। बाद ध्या चित्र के कहेगा भारतिहरू का एवं वर्गाक प्रमाणिक मिला

गवर्गदम्के विकाशना दक्रमणीश लिल्डेनले गर्नट्रह

আদেশাসুসারী निर्गाग ।

त्रबद्भव ७, ७, धार्जि माह्य (गर्नेपन का चित्रु स अ (श्वितिरक्षां क क्षांच अंचानिष कांच-(लम इर्ट्सम ।

(भ ्ज १न भारकत्वव अञ्चलक्ति के काल अधी -जशवा (व शर्याच जम, अनूच मा इस ति. हि (या काक भ'रहर भूरभरवत्र छा ।। नाने छाई है मा छ (हे D e (प्रश्नुष्ठी कारनकें व इहेरवन ।

পি, এ, হস্মি সাহেৰ রাজসাই বু প্রতিনিধি खारे के मासिए है हे ख (इश्री कारण^{के} रहेर्दन।

चात्रिष्टी के क्षित्रनव (सन्देन के कवानि कर, हु है व गार्व (शामान भाषा किलाव पूर्वाष्ट्र हैन नि भारतह काव आ श रहेद्वन ।

৮ ई नद्वाद । व लिनाम भानिक विरन्ध कार्य। নিয়োজত হওয়াতে যাব্ধাতান উপাস্ত না इन (नई भर्ग कथना यानर करा छुक्म का स्य टावर टाव प्रकानम भूर्यां नायतंत्र १४८० कर्यन 18 कोहे स्वयं **अनु**मारन क्वांग्रेनां शशुद्र डिविक्स. धाउनिष (७१) माजि (१) ५ ५वर ३५०० ७ त्यत्र व जाहेत्वय जात्रभारत ८६%ही कालाहेत वर्ष (वन । फि.न हासा द्वारण थी।करवन । जात में विचारभव कान मध्या मधुपंत्र चन्द्रम विजीह মেনীর অবীন সা অক্টেটের ক্ষতা প্রাপ্ত হচ (वन।

 इ सरवचत्र। अम् अल अलिकांके नार्ट्रवर অনুপশ্বিতিকাল পৰ্যন্ত অথবা বে প্ৰয়ম্ভ জন, **५कूम ना रुप्र जादर कह में कि मिलिश्डेन मोर्श** ভাগার প্রতিনিধি ভেপুটী কমিসনর হইবেন।

) - हे मरबद्ध । (व *पर्यं* ज नानाकवित्र^हार नान बहुन इंड चारकन अथवा जना हकूम ना है। (उन्ही माक्षित्कृते ७ (उन्ही कारनहेत वोर बहुनाथ बक्त किहामरात समा पुबुशा छैग विका (शव छाव श्राञ्च इहेरदन अवर माहावारम माकि ছে টের ক্ষমভান্তুদাবে কার্য্য করিবেন।

ভবলিউ জি ডিয়ার যেগগ,ত অনুপরিত থাকিবেন কথবা জন্য কোন কোন্ধানা হয় ভাৰৎ নড়াই:লৰ আসিষ্টাণ্ট সাজিটে ট ও তে भूगि काल रेव उर्वलिखे अब माउँवेव मार्ट्य कि দিনের জন্য মাগুরা উপবিভাগের ভার প্রাপ্ত क्ट्रेंदिन।

এন, এচ, টমসন সাহেব যে পর্যান্ত কলুণ-

(छ, as, a, बानमन मार्ट्य कशिकाफ: G13 मानावाउन क्षाप्रशिष कि डी ग्र कक स्टेट्स ।

कि, नि (क न न न एश्व क निकाकान प्रक्रिक विखारभव था छ मनि भुनित माक्रि दे हे इहेरबम ।

১० वे बटवबर-- (य भर्गत्य कार छव छव लि छै. ति. अम. क्रार्क मार्ट्य दिल्म कार्या मिरगान . ह इ कप्रभाष्ट्र था। कटन्स सावर अम, छ, बहरू ह वात्रास्यत व्यात्रिहा हे कियमस्यत् शिकिनिनि अवर विक्तित (अवीत सदीन माजिएकेट) त समका शां अ इकेट्स ।

लिक्टेब हे छा, ध्वमन्त्रि नामान हिट्टन एडनुमे क मनमन क्हेर्टना

अर्र, अम, फाल्लप्रत मार्ट्स दिस्त कः (क् नरवाम रहे द्र सावर कर्ला खड था किएका अधवा मनः (काम जाका ना इव जावर चात्र, व. हान रान गारहर ननीया विकासित अखिनिध उति निष्ठे कमिनवा वहरवन ।

প্রেরিত।

মান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশ সন্দাসক মহাশর সমীপের।

- अविनन्न निर्वणन विष्:---

मेंशनेत । अहे की च .यांमनी भूत दशकात अक বিভাগ, ইংার অধিকাংশ স্থান মৃত রাজা বাংব वाम वाष्ट्र ७ ताला बीवनातालन ताल स्वान्त्रव क्रवीमात्री । अक्टल बाहर व'त्मर क्रमीमात्री वः जरान विचक रहेग्रा छेक महानात मोहिक-गनरक अ बीजनाहात्ररभव अभीवादी विकरम । বৈভক্ত হইরা ধাহাব পৌত্র ও প্রপৌত্রকে অধি--ब्राट्ड । किन्छ ३२६३ समगी मन व्यवि छेनांवः डेक समीवाती इकुर्यन वर्षव निविष्ट थान रहे. **७ पीरमहत्त्रः छस्। देशभाग सम्। अक् सम पण्ड** ডেপুদী কালেষ্টর নিয়োজিত আছেন। গড ইক্স বাদশীতে চজুৰ্দশ বৰ্ষ স্থাপন হইয়াছে। এমত क्षमञ्जूषि रा छेखा महाना निर्वात छेखा विकारि গণ ৰ য জুবানিছে অবিকায় শীব্ৰ প্ৰাপ্ত হই-हरे दिन के शिव भूकों अ मिलन भीमा समूह, উडरत नती. प्रमुख, अवर मनी शतन्त्रत विकड থ'কাতে নদীয় জলও লমুক্তের ন্যায় বাবলাস্ক। जे नहीत भारत पहनरथाक नावनिक छन्नि कारक। ये क्रका कृतिएक नवन (शास्त्रादान खनानी कार्ड ও छून फिन्न प्यनः भनाति जारब ना। वस निमाविध के जनन जिल्ह लवन भारतान रहेख । वर्षमाम बाळावि-चित्र थोक्रियन कथरा जना कान स्थून न। स्य काछ के काँची किल्पन केन्निक आंश्वर ।

(भारतानिक कार्य) मन्भावनार अक सन मित नियान भन हे अरक्षके नार्य छ अक छन मि।वल मार्कन अ प्रवे सन (मनीय किकिश्मक ও क्रिके बक्र बक्षमः श्राक कर्महावी निर्माक्षि हिरमन। क्षणाता वर्षा करश्रक मान थान। छै श्लालानन छ व्यविष्टे भी छ । बीक्रकांस नवन (भाकारमङ् कार्ब। क त्रिया थान, बादा छेपद्र शृद्धन छ लवरनव बूत्रां दित द्वारा आक्रय निया ও আক্রাণনা नि কংলাছ কৰিয়া বকৈ কালযাপন কবিত। বুজি বুছিত ও সেই সুত্ত জনে, সমৰ্পণ কৰিয়া অধিক কি, এই কাঁথি বিভাগস্থ ত্রিশ ক্রোশ পরি । কে উচিত কার্হ্য ক বল্লাছেন ? আমএব যে। मान फुनिय महित अस्तान वार्षिक श्रीत हव लक हैकि। शवर्षा हेव कान बहेल। विदर्भ में लिय द्रभूकी क लवन कांबन की इहेबाइड कांबान्टिशत त्रवर्गा अवर्गात लकात त्रहे कीतानातात नवन (भास्तान এककारन विश्व कित्रशास्त्रन (कह राध ह जा नेज ना (व नवर्नव कार्य) दहिए इहेर्द । यथम श्रथाम जे कथा क्रमा शाम अस्तरक ভাগ বিশ্বাস্ করেন ন'ট। যখন সাল ট এজ টানি কর্মচারীর পদ উঠিয়া গেল ও ল'ব্ণিক ভূমি समीनावाक श्रद्धां करा हडेल जबन माधाव-(बन्न विवान सामा, प्रश्रायत भामा विकास मा। মহাশয় ! একুলে কুড বিদ্য বা সাহসিক মনুব্য জ क्षि विवल । देश्यक्षिक धाना प सबन वाजील अरम শীয় মন্ত্রের কোন উপায়ই নাই। বেহ বোন ৰাণিজ্য ব্যবসায় কি বিদেশ গমন করিয়া কোন थकारत किंकू छेणार्कन क वरन अगड मारा नाहे। धवन कविनेष्टे अक्साज टेर्म,किंक थीन। नक्टलव जीन्द्रनाभाग्न त्रहित, अवर धानः कर्षेण कार्<u>य</u>क अक्टन अकास स्मृतक रहेत । विनव विनामक সম্পদ সম্পদের সহারত। কবে, একথাটা আঃ ब्द किथाया अक व्यव स्वत (शास्त्राहरू कार्य। वाह्छ ह्हेएछ मा क्हेएछ अन्तर मरनद खदम विका ७ व्यमहायम ७ ১२१७ मरमन क्याद्रष्टित्व अतिरम्ब कीव्याणास त्रहे धारमहर ছবিবাংশ ক্ষতি করিয়াছে। তাহা অন্যান. य: नार्भको अहे मक्रकृषि जर्म शर्मद्र भर्म कि नर्भ कि कि केत्र महारम् व, किमाद्य कर्मग्राटन ब्राम्बर्फ भावित्वत । शक भूकी वर्षिय करिका छ क्रमश्रीवर्त्त बंदर कर्षक धानः क्रिन, अवर योग बह्म मण्डाख कांन श्वातित खर्षक ও कांग ভাষের ডুডীয়াংশ রাজ্য গ্রাব্দেন্ট হইডে মাপ रहेब्राहिन। शक स्टबंद प्रमातृति एउ थाना अत्य नाइ बिलात ७ इद्ग, कि इ द्वालय मान ६३ल मा। व्यान ना कान विहाद अ ब्राव्य किए रहेन ! क्य विमा शहा क्षमि अमुविक इहेन्नाह, कार्वि विक स्वेट्ड मञ्चरवान **जननम**्निक मृत्रा मश्वान

সঞ্চিত ছিল, ভাষা আৰু বড় নাই। আৰুৰ। मङ्गंत डेलव चाङ्ग्त चा, এই नमद्व चानगहत्त्व रेका लोर महानद्वता थालया जालादार छेपात কৃংতেছেন। স পাদক মহ'শ্য । ধবন এলেশের यमन ८ तम चक्कभ ' लवन (भ'रुवने क । कर्त्रा-: इंड इट्रेग्नाइ, **डिश्चन कात प्रकृतित अडि,ाना** कि र श्रकावरम्य गवर्वस्य हे अस्मान्त्र (लाइकव वित्र (मर्म वङ्कालाव ते लवन (भारू। द्वार कार्य ५० স্থাপিত ছিল, সেই সেই দেৰে প্ৰজাবংসল গৰ (मन् श्रृतिक्षित्रण सर्व (भारकारतक क'र्र) श्रुत म' क्षांभम करिया (भन तका करम, महार (मः সেই দেশ উৎসৱ ছইবে সন্দেহ নাই।

फेक मात हे अरक के चाकिएमन भूमी (मर · क्षानंत्र श्रीपुक्त वांत्र न दूष्ट्य न श्रिकी महानरप्रत दक्षण चार्यारम के । ६८७ भवन्य के व नाहास कुछ একটা ইংবাফী ও ধালনা বিদ্যালয় সংস্থাপত ষয়। বাছাৰ উপস্থিতি পৰ্যান্ত বিদ্যালয়টী ক্ৰেম **উत्रिक्त काल कविएक इन । नवः। (भावनादिक** কাৰ্যা বন্ধ ৰওয়াতে সেবেস্তাদার মহাশয়ের সেবে खामां वी अम शास्त्र भर जो विम्यानगुष्ठी अध्यक्षित्र नाय भीन (वन धावन कविशाहित, हाँनाव শভাবে বাললা লিকাবিভাগটী উঠিয়া ৰায় भद्र बन्ने बर देश देश पर श्रीपुष्ट के ब्राव्टि मार्ट्य मरहानम्र भूति वश्यात को वि विकारनव एप्युप्ती माजिएकेएवे अन् शाक्ष रहे:ल डेक मार्गन्य यदा विम्तालम शुमनाय छेम्र कि छा थ इत अव भोजाशक्ता । यह जबांद श्रदान विक्रक भर ভীয়ুক বাবু শিবনাস ভট্টাচার্য মহাশার নিয়ে৷ खि छ इरेगाएइन । रेन विद्यान भिष्टे अधी भिक्य मान विषाय अच्छि । स्था । सन्। कि अवश्रीप्र निक्रक महान्द्राद जातम्बन विकासकृति कार् बनिता स्त्रा धात्रपश्लद त्रश्री कालहें **बी** हरू बाद् रमध्यतान धात महाबराहर विना লয়তীৰ স্থানতা ও উন্ধৃতি পক্ষে বিশেষ হয় बार्ष । की यट के के महाजातर व जानमन मे क्रे'ल (बेन)'अवसी फल्लमात्री ब्रेंज मटण्ड नाहे । वयान छ क रशकाशानित निकड़ करभूरहे सार्वना কৰি যে বাজনা শিক্ষাৰভাগ পূৰ্বৰ সংস্থাপন का वा अभाम रव की छ व दि कहन।

छेशांत्र लेक (छशुडी माखिएडेड मरहाम्य होता সংগ্রহ কৰিয়া গড চৈত্রদাং , ববি ক্ষমাথ দীন দরিমাণনকে প্রতি দিন তথ্য ব বিতরণ করিতে हित्तम, मञ्जारि अप्तर्व श्रुलियोहिन। अरमक

भा छत्रा या इएए हर । वहा करनत घटन थाना याश कालानी छ छू न ও अह अहन केंदिया श्रान क्रमा कतिराज्यह । यमख त्वारत ७ व्हरत विख्य मध्या প্রাণকাগ কবিভেছে। এছানে देशकिक धाना উত্তৰ তথিয়াছে। বোধ হয়, মালের শেব भर्गा अवक्षे धानित्व मा

এक कन के 1. अष्ट्र शहिक ।

--:0:---

মান্যৰর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সংগাদক মহাশয় সমীপের।

> ९ **३**(वटा कोश्मेशरबद् वश्रधणधिनी मुखा।

মহাশয় ৷ আনম ৭ ই ৩ দ বুধবার গড়বেতার ,श्रांचे प्रवेश पर विषय वर्षक है हिल्ली । খি হ'ত কাৰে বাহাতে ভাহাবা এক এক খঞ ন্ত্ৰ পাৰ ভাইৰ'য় বৃত্তৰ প্ৰতিক বচ ব্ইয়া । ভা সংস্থাপন পুর্দক চাল। সংগ্রহের ভার নিজে এহন করিয়াছিলাম, ঈশবের ইক্ষায় এক্ষরে ডাই भरम कृष्टकार्य। इरेग्नाहि। ३ म: कार्ष्टिक बुरवाब मश्रेमी निवास ७-२ थानि शतलाक वश्र विक-वन कर्वा इरेब्रोट्ड । जन्नीयक महान्य । ज्यानमान ও সন্তবয় পাঠকৰৰ্গের জ্ঞাপনাৰ্য এই সভাতে ৰঙ ष्टेका क्या इहेग्राइम **এ**वर य एवं विवस्त्र छोड़ा बाब रहेगाए, निष्म छाहा निःचंड रहेएएह, **श्रकाम क्रिया क्रिया क्रिया** क्रिया:--

#X'-K ... बलार्श्वम --27-42-24713-रख वड करियोन छन। इतिहा क्षप्त मस्ताव ७५/) -का नियं हे

3 9540/

অবৰ্ণিই ১০৭ টাক। আমাৰ নিকট লমা ট্ৰল বন্ত দিবাৰ উপযুক্ত দাইছে বা পাইলা গড় ৰতাৰ লোকেল বিলেক কমিটীৰ সভাপতি नी कि यान अवध्या कर वह बदाय हर अधान क ग्राप्त विभिन्ने मकन भूषाइन इन्हेन क्या कि.या कामानी निराय विभाग मित्रम अक मश्रा-হেব উপযুক্ত চাউল প্রধান করিবেন। পলিৰেয়ে तहात्रा कुणानद्रवर्ण इहेग्रा अयत भर विगर्त नारायाना कवियाद्य क्रज्ञक्रान्ट्य जैलानि भरक वर्ष वर्ष रमायान आमान कानेटर्डाई क्षेत्रा उँशितिगरिक मर्द्रध्यकार्य स्रची कलन ।

গছবেডা

3475 1

गमवङ्गति । २० व कार्बिक। क्षीकीरवस्त्रकृष्ण कव्यान गङ्दवर किया हानी সভার বিশ্বক।

মান্যবর জীযুক্ত সোমগ্রবাল সংগাদক মহালয় সমীপেয়ু।

बहालका (अभिनीकुद्भाः अब्रामक हास्त्राक्षय বিষয় আমি কয়েকথার আশনার স্নেক্তন, প প্রধাশিত করিয়াছি, ভাষা স্ফরণ কা এে এংন পरिष्ठ अरकन्त्र हेन्द्रिक रन। शह कार, स कास मारम अवादन कावाझ १ क (नव के हे.-হইয়।ছিল। আথিন মাগেল এখানে টাকার क हाकर भारत १८० कर्षीय होता क ধিক হয় নাই , ভাছাতে ভাবার ক কেক মাদেহ १ किरम भर्व छ दृष्टि भा इन्तराह्य प्रदेशका মনে এডাত আৰক্ষা জনিয়াছিল ।কন্ত কা ওঁক मारमव ৮ हे छ अ र अथान अकरो सुकृषि इंड श्राटण महान त्र शरक विख्य छेशवाव इस्बाह्य এবং লোকের আশক্ষাও দুব্যাত সহয় ছে। এবং नत्र अधारम व्याप्तेन नामा क्षेत्रश्रीत्रक्षत्रभ छ टेडम खिक बाना ३ हे उसक्का साथवारक। अथन अथ रन अिं कि कृदवलाई भागा थ हाउँदलत क्य अन्त्र। ब्हेरहाइ धाम कि ३६ इ का लंक व्यव म २५ अ कार्खिक भर्ग ख स्थान ५० । १६ मिर्गन मर्टा हे बाना ख ठाउँहा फाल्डिया स्मात क्रेसर्ड । अकरन ठोकांत्र क्रुडन ठा ⁵न २० । २२ त्मत अद॰ शना दक्षा कथ त्मव भवेत्व क्रेशाइक। किंग आहे न्त्रजी अथन आशी स्त्रं नाई, २। ३ पिन चास्रव ञ्चाधिकाल इइटडट्डं। शहा इक्डेक कार्तिक शारमञ्ज मार्काई धाना अ हा दिलय वाकाव मधा सिवमा अधानकार मार्वास्त्रहे अभ त्रेनीम काका भिष्ठ रहेन्नोट्डम । व्याभागी शीव र माथ भारतव मर्गः कार्यः किङ्ग मन्ता बहैवान मन्त्रुर्ग मणावना चारह: मना अक्रल छ्नर्शना इल्प्राटक हर् किंक इरे छरे ज नमन । इरेट उद्द अवः लीटकत ष्रः देवत्र अव्यक्तकार्या व १त व्हेटल्डर्छ। लाटकत (दक्षण हाथ इहेवादिल छाहात फानक শরিবর্ত হইরাছে। সকল দিন কখন স্মান খায় মা। " চক্রবং পরিবইতে ছ খাতে প্রবানিচ a नकनर समनीयद्वत रेका। भूगियोटा जास्त चनाथा किक्ट बाहे कि वि मृहक अपूर्ण कृष्टियांन া **ভরিছেও পারেন** এবং ব্যান কবিত্রেও গারেন।

, মান্যবর জিযুক্ত দেশনপ্রকাল সক্ষারক। । ১২শেব সমীক্ষেত্র।

(Mr. * N 8 2)

শ্ৰিময় লি,বদল ম্নণ-

্ষহারাজানবাজ শ্রীরপ্রান্ত বর্জ নারিপতি। কাল্যার প্রান্ত দিন দিন যুহত ৮নঃ হই-

ভেছেন। হতিবুলে জাপনকার গ্রোমঞ্কাশে অব্রভ্য দেবদৈবা ধর্মভার বে সমাচার একাশ इरेग़ाहिन, प्रश्ताब छार् १३७ मेलू छ रून बार : ১ বা কার্কি তথ্য এখ ন্যার স্বার্ভরও त्रश्क्षण केव्रव १८११ म् क्रियाण काद्रश्रात्का । १००८ मार्ड अथानकाच मान्यर्ड (स. भावमार्ग काका काम इस्त राह्म का काम का काम देश इस्टिट्ड (अर् 18 11)द । श ीका क्ल बाना माञ b. डे(नर राय इ: १ १५)। मनाबंड व्यांख्यीया নমুমণু সাজে দশ্যে, চাউল প্রতার হ रहेत्रा जानिट्डांबन अक्टा कार्किट कर्मकर्र টাকায় ছুই মৰ ক্ষেত্ৰ সত্ত বিভাগিত ब्रेंट्डिश पान, म. ५४, नहन ३ मे सूर्य इ प्रक প্ৰাপ্ত बहेब्रोट्ड । का कृष्ण ना बच्च कालना । जुनि वर्षमान ब्राह्मवश्या महत्त्रारकृष्टे वार्षिष्टम व वाहा विश्वाचि हिटन, वर्षमान बशहारसद सद ाय करन अध्य क्य इहेट ना शतन। महाब्रोटकर পर्ण्ड वामहे ज्योग ध्यक्ष'त्य मनि यक्षभ इंडे वारकः अकृरक्षत्र (शर्कि मन्नावक महान्यू वानभकाव बहुनाबाहुन छ भूर्व इतेल । ७० এ छ। ना (51 अष्ट्रकम्ब (शरशहरेत « वर्षमान भहात्रारकः अक्ति भेटनवा च अहे नित्नाभाव श्राष्ट्रवत नग्रध মাব একবার লেখনী ধারণ ক্রিয়া যেদরল কর । শতু বাঁহল তৎসমুদায়ের নিংশেষ চেষ্টা করন।

মহাশর ' কালনার নিকটবন্তী পরাণপুর নাঘক ভানে একটা নিক দ্ব হত্যাকাও কইন্না গিলা
ছে। কাগলীপাড়া নিবাসী চাবি জন দুসলমান
একটা জনাবা ব্যক্ষাণীর গলস্থ অর্থনামাব লোভে
ভাক্তকে করে। করে, ভাষাব গ্রের নিকটে লোকালর। ইল না বলিয়াই ছাইবা সন্ধ্যায় পরই
উহার বধ সাধন করে। প্রাভঃকালে পুলিবেব
লোকে ভিনজনকে গ্রেপ্তার কবিয়াছে। একজন
পলাইয়াছিল গভকলা পাঞ্জায় ধবা পভিয়া
একানকাব জেলাখানায় কল আছে। সকলেই
লোক সীবাব কবিয়াছে। বিচাবে যাহা হয় পরে
লিবিব।

কালনা ২৮ কার্ত্তিক

ৰুস্যুচিৎ জনস্য

मूना कारिया

শীণ জ বাবু নবসিংহ দত্ত ব্যাহ্নগার ১০৭০ বাং ইক চইডে থাণ শ নহেন্দ্রনাথ সরকার সাকাবিটোলা ১৮৬৬ সপ্টেখন হইডে ৫॥ ° শ ভাবাশস্থৰ ভট্টাচার্য বিবিয়াক ১৩

এ রামগতি ন্যায়রত্ব **বচ্রমপুর**

भ भ क्ष्याच हर्देशियांत्र ১०१० वर्धस्त्रम् इंट्रिक भाष

শোরা*র* ৩৮

নোমগ্ৰকাশনং ক্ৰান্ত ক্ৰেকটা বিলেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল্য ও ভাক ম'ফুল না পাইলে দক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ কবা বায় না।

ইবার জাত্রির মূল্য বাধিক ১০ এবং বাং ব নিক বাং টাবা, বক্বলে ডাকমান্তল সরে বার্নিক ১৩, বাংখাসিক ৭ এবং ত্রৈমাসিক ৩৮০, তেন মাথেব সূচন জাত্রিয় মূল, লওয়া যায় না । হৃতি, বরাত চিটি, মানজভাব, নোট, ও স্থান্দ টিকেট, ইবাব জন।তর বাংগতে বাংগর স্থাবিধা বর, জিনি সেট উপার ধারা মূল্য প্রেরণ করি বন।

ব হার। স্তাম্পট্টকিট পাঠাইবেন, গা গর। বেন এক অথবা আধ আনার অধিক ুলোব ও রসাদের টিকিট প্রেরন না করেন

ৰখন ধিনি মক্ষণ হইতে নোমগ্রকাশের,
না পাঠাইবেন, ভাষা খেন রেজিষ্টরি করিছা,
না ভাষারকানাধ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাইর।
দেন।

য'াহাছিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হই ৮
নাসিবে, এক মাস পুর্নে তাহাদিগারে চিট্রি
নালিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত, হইরা
গোলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভাহার গর
মাসকাল প্রভীক্ষা কবিয়া কাগজ। ব্যা করা
ইবিব । শেষ বারের পত্র বেয়ারিও পাঠান
হইবে।

যাতনা রেলওরের সোনাপুর ষ্টেসনের ভাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

वीकाता माञ्चल ना विद्वा शक्तांति त्थात्रम कार्ति-त्वन, चीक्षिरणत त्यहे शक्तांति ताह्य कार्त्र योहेर्स ना !

কেই গোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিতে ইম্ব' করিলে ওঁ হাকে প্রথম ভিনবার প্রতিপংক্তি ৺ আনা ভাই'ব পর ৴১০ আনা দিতে হইবে। গিনি অধিককাশ বিজ্ঞাপন দিবার ইম্ছা করিবেন ভাইবে সহিত্য বড়ের বন্ধোবন্ধ ক্ইবে।

ক্ষে এই পত্ৰ কলিকাতার দক্ষিণ পূর্ম মাতলা বেলওয়েব সোনাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাল্ডি-পোতার ক্রিযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের বাসতে প্রতি সামবার প্রাক্তকোলে প্রকাশিত হয় ব

সোমপ্রক

क्षेत्र क्षात्र ।

२ मर्था।

" प्रवर्त्तनां प्रकृति हिताय पार्थिवः सरस्ति। अतिमहती न हीयतां।"

টাকা অঞ্জিম মাণ্যাসিক আ টাকা।

मन ১২१७। ১২ च्यार्कार । ১৮७७। २७ य नत्त्रवत

মকস্বলে মাক্তলসমেত অগ্রিম বার্ষিক : होका यानात्रिक १, ७ देशयात्रिक ७५

বিজ্ঞাপন।

इंडे देखिया दबलक्षरम । विरुवंद खबर्शक् भिरुशत छिकी हे नकता श्वका रहेए श्रम् श्रदेश ।

সর্বা সাধারণের সম্বোধার্ধ এতথারা প্রকাশ कता यहिएक ह व, गांहाता वा नी म द्राव दतन পথে বিশেষমূপে অমন করিবার অভিলাম করেন. 'পূর্মে বিজ্ঞাপন দেওরা হইয়াছে) ভাহানিসকে जानामी १৮७१ च होत्यव (कञ्जनवि मार्टनव শেষ পৰ্বাক্ত মাসিক টিকিট হাবড়া ইট্ৰেসম इ**रेट अहस हरेट** ' तिई हिंदी है भातिशन जानना দিগের ইক্ষামুসারে উত্তর পশ্চম প্রদেশীয় সমূ r'র-মুগ্রসি**ভ মনোরম এবং আভার্য্য স্থান সকল** দশন করিতে পারিবেন এবং নিয়লিখিত স্থান সকলের সর্বাত্ত বা বে স্থানে ইকা হর, তথার গময় ও তথা হহতে প্রত্যাগমন পূর্বক নিজ নিজ ख्यन जमानन क्रिट्ड जक्तम इहेर्यन। वे जक्त छारनव नाम अहे---

> भूटक्य । वाकीशृतः বারাণসী Peta 1 मुखान्त ज्याग्राम् । কানপুর। TE IF शास्त्रिवायाम এवर विकी ।

केक क्ष्मान मार्कक्रिक विश्वार जमानक ग পের ভাড়ার হার।

3 श्रधम (व्यनी

१२० होका।

२ विजीय बे

À

ভাতার হাব উপরে লিখিত হইল, আবো-हिशन श्राप्त में हादब छेलब चडकरा २० টাকার হিসাবে অধিক প্রদান করেন, তবে জেছে উণ্ডর পূর্বা বিভাগের বর্তমান একে: পাহাবা এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নিমুম অপেগা ' ইংরাজী বালনা ও বালনা ছাত্রহান্তির পরীক অভিরিক্ত আর ছই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল স্থাগামী ভিসেম্বর মানের ১৭, ১৮, ১৯ এবং ৰবেহাৰ কথিতে পারিবেন ৷ অন্যান্য প্রধান इट्डिम्ट्रेन्ड खेक्कल भग्नाम हिक्कि लाख्या क्रेट्र ।

याँहोता कामिएक हेक्स करतम, हाहोता हावड़ा ইস্টেসনের ভেপুটী ট্রাফিঞ মেনেজর সাহেতের। निकंगे जार्यमन कविरमहे नमूनाय अवश्व स्टेरक পারিবেন ,

সিসল কিফেন্সন

ৰোড অৰ একেনী , ইপ্ল ইতিয়া বেলগ্ৰয়ে হৌস कमिकांका ३४-७५। ७३ अ खाहीवत ।

ৰ্বিজ্ঞাপন।

अवुक वाब बरमाप्राविनान वाप्र अनीज '' জন্নাবজী ' নামে এক অভ্যুৎস্ট অভিনৱ বালালা কাৰ্য বিক্ৰয়াৰ্থ প্ৰস্তুত আছে। ইথাতে সচবাচর প্রচলিত চল খ্যতীত, কতিপয় ফুডন इमा निर्दिमिण स्ट्रीएइ। देशव मृना अव होका, अञ्चलको जिल्लाम बाह्कनिगरक इहे जानात जाकशाञ्चन भागिरेट स्टेरिय। बह्नाजिनावी महानरग्रदा कनिकां व विभूत মিদন কালেজে অথকা নিমূলিখিত স্থানে আমাৰ निकंग अञ्चलकांन कवितन भारेता भारित्वन । কলিকাড়া, গ্রীকুষ্ণগোপাল ডক্ত क्रुट्यम की है नर se

বিজ্ঞাপন।

এতখারা সর্ম সাধাবণকে আত করা ঘাই-· अ शही छ इहेरत।

যে যে পুজকে ইংরাজী বাল্লা ছাত্রবৃত্তির উপরি উক্ত বিষয়ের অন্যান্য বিষয়ণ পরীক্ষা হইবে, ভাষা নিমে লিখিত চইলং—

চারুপাঠ ২য় ভাগ হইতে ইংরা-इंश्लामी। জীতে সহজ সহজ বিষয়ের অস্ত্র বাদ করিভেহইবে। উহার থাতা भवीकार्थो मिटगव हेश्वासीरा অপুৰাদ কবিবার ক্ষমতা ও हरतानी वाक्बरन बुरशिख अ বর্ণ শুদ্ধ করিয়া লি খিলার ক্ষম-তার পরীকা হইবে।

२ य ' इर्त्राकी भना ७ शना इंहेटक चार्कत्र ঘটিত শব্দের ব্যুৎপত্তির ও বাক্য বিনয়দের প্রশ (म छया व किरव ।

राष्ट्रका । প্রারীচরণ সরকারের পঞ্চমখণ্ড भाके। शृंखटकत **१ र्य अप**ार्ट्सव मना व्हेट वाम्सा क्युवान क-तिएक (मध्या व्हेर्ट । दिवान - সারা পরীকাথীদিগের বাজ--লাতে অসুবাদ কবিবার ক্ষত ও वाक्षा वतक्षरम बुद्धां ह उ वर्ग राष्ट्र कतिया निर्विदाव পটভার পরীক্ষা হইবে।

পার্গীগণিত। গুরু জৈরাশিক।

रेडिक्टिडन अध्य व्यथात्र । ক্রত**র**।

পুথিবীৰ চারিখণ্ডের বিশেষডঃ एर्शन। ভাৰতবৰ্ধের সাধারণ বিষয়ণ।

भेत्रीकः थीं फिनरक खात्रख्य र्वत्र ममूना व ज्यथा किश्वनराज्य नक्ना क्रिएड (मक्क्षा ग्राहेर्यू)

इंजिइ। मार्गिम्। मार्गिम्। मारह्वकु उ वक्रमिर्गित इंज्डिटिनव ५ मन व्यथ्नात्सव नए ১०० श्रृहीय मना कहर क क्षन (५७या गार्डे व

৪ খা প্ৰীক্ষাত্ৰ লাব দিবাৰ সময়ে ছক্ত লিপি-च छ विद्वाहम् । इष्ट्र

প্ষ এই গ্ৰীফাও ব'ক্লা ছাত্ৰস্থাই भारतेक ११ हे हिल्लाम् द का बाह्य कहेरत । अडब्द । आदिमन कतिएक इहेरत , करण भरतन वरकन भन काल भूलिकामाञ्च भनी-ক্ষা দেশকে আপেন আপেন নাম স্বানীয় শেপুটা इस्ट्रान्त्रकेर्व विदेवे जिथिया श्रीतंबेट वर्धरेव । े क पिरमहरवत भव काहाबल जारवन्त धार्कः कता शहरत हो। ज्यारतमन घरमा निवादि । विवरम एलि सिथिय 'मएड इट्टेंच--

- (:) भरीका निव नाम।
- ত'গ্ৰ পিতাৰ নাম।
- (७) बामकार ।
- (8) वधम ।
- (৫) ধর্ম। যাল হিন্দু হয়, তবে জাতি।
- (७) य विकास्य अध्यम कविश्राटक।
- (१) ছাত্রবি এই। করিয়া যে বিদ্যালয়ে १ जिएक हेक्। कान्।
 - (म) य श्रांत भवीका निर्व।
- ৬ । পরীকার্বর। পরীকা বিবাব প্রথম। পুলকালয়ে বিক্রার্থ স্থাপিত আছে। भिन्दानव श्राज्यकारम व वास्त्रित श्रांच की फानाग्र कविवान छात्र शांकिरत, उँ। हाटक २ छेक। की क्षांन कहिता।

৮৬% আদের একলা ভাষত তির পরীকাত

| ट्राप्ट कर नार का प्राप्ता कर का | द्व ताल्ला इ। अर्थ उप गवास्तात |
|--|---|
| | भू खक । |
| সাকিত্য। | কৃতীয়ন্তাগ চাৰণাঠ এবং। |
| | न्द्रम _ा |
| द क्यूद | বাকরণ বং চারপাঠ ভূতীয় |
| | ভাগ হই: उ জাতলিখন। |
| ই তিহ'ল। | ভাষ্ডবর্দের ই তিহাদের প্রথম |
| | र्ड । |
| कृत्भावि । | भूभिनेत्र । त्रिश्ट धन विद् नष् ठः |
| | ज्यान्यवर्भः भाषावन विववर्गव |
| | भदोष १ ३७ १व. अर्फ ४ म भदी |
| | भाविषिधाक जावाजवर्धन |
| | नभुराष्ट्र अवन कियुर्द्शन्त्र |
| | नक्षः कदिएः (न्स्या गाहे । |
| लाइड्डूमा | ल। द्रार्ड समानित थोतृ उष्ट्र- |
| | গোল |
| ांतियां नड | সামার ও দশ্মিক ভ্যাংশ |
| | कुशीय वादनाव अदर इन |

रेडेक्टिएउ श्रथम जशास्।

की शहर कतिवाह जना एव वास्तित छैनत ভাব থাকিবে প্ৰীকাৰ্ধিদিগকে প্রীকার প্রথম দিবস প্রাতঃকালে ভাঁহার হত্তে ১ টাকা কী मानुमार्य एडली हेनएल हेर्द्र निकडे य य माम লিখিরা সংগাৎসবের বন্ধের অব,বহিত প্রেই

> ই, জি, পোর্টর : উত্তর পূর্ হিকাগের জ্বল ইনস্পেটর।

বিদ্যাপন।

সত্য ত খুদ্রিত ইইয়া বড়বাজাবন্ধ ১৯২ সংলক্ষ্ %ा निकास स्थाप विकास स्थाप स्थाप साहत । मूला विकास वहेरवक। ১ এব টাবা সাত্র।

० मा भरवश्र । ५० ७७ :

বিজ্ঞাপন। क्षानक्थतः

है। युष्क व'तु व क्रियहस्य हर्द्धानामताञ्च श्रातीक উক্ত এই সুদ্রিত হইরা কলিক'ত পংক্ত ব্যাহ্রর

मुना ३ थक होका।।

বিজ্ঞাপন ৷

वलाशक हे श्रामी विद्यालस्य अधान निक्र-ফের পদ আপাততঃ তিন ম'দেব নিমিত্ত খুন, হইয়াছে। ঐ প্দেব মাসিক বেডন ৭০ টাকা। কলিকাডা লালবাজার) जीवायनान वरकात किस क्टरेन २३ अ महस्वत পে, ক্রটার

ৰিজ্ঞাপন।

ভিন্থানি কাপানিক কান্ত চুব গিয়াছে। क्षेत्रभू से १९२८ । यह का कि कि होति । काइंब भदरमन्छे ५०००.

8 *) नर ७२৮९৮! ट॰ खुन ३৮४९। त्काव शतरम हे ३०००.

। ४३ वर देग हा ८० १६ ६०६३ हा देउटच কোৰ পর্দে ট ে •

শ্ৰীরান পালিড কলিকাডা ৰভ্বাজার, রাভার २ वा जाबाक शे

विकाशन ।

ভূমি সম্পত্তি এবং নীলকুঠি বিজ্ঞান্তের विकाशना

कुछि मोहाशंही कमत्रावय अव्हर्भक कृष्ठि প্রদান ক বতে কইবে এবং পুর্কোক্ত অষ্ট্রম নিয়- । ক্রমপুর ডিবিজন আগামী ও ডিসেবর সোমবার ও তৎপর পব দিবসে প্রকাশ্য নিলামে কুটি মোটা হাসী মোকাম বিক্রয় হইবেক।

উक्ष ভিবিক্তমবৃ। সাহিল ভিছি উলাপীর ২৯ মৌজা, ও ডিছি গোগালাচড়ার ২৬ মৌলা ডিহি বাগআচড়ার ১৮ মৌলা, ডিহি সামটা পিপ্ডাগাছি ১৭ মোজা, ভিহি চলিডা বাভিকার ৩ মৌলা, ভর্ক বেনাপোলের :> योषा ଓ जारत्रमकामन वन्तवन्त्री २ मोबाय. '' तृक्राल कि बार में बार में अक्षानि सम्बन्। अवर के बग्रेण मीसकृष्टि अ पास्तर्भ ज नाहाई समी उक्षां उ व देश इति उ सन्दर्भ देशानि

> প্রতি দিন দিবা ছুই প্রছরের সময় নিলাম আরম্ভ ছটবেক বিজ্ঞানে নিয়ম এবং ক্ষণরাপদ ভাল্ড নিমেৰ লিখিত সাক্ষরকারীৰ নিক্ট भावशा या हेटबक।

> > প্রীয়ুক্ত মেং জার্চি, ছিল সাছেব : কুঠি মোলাহাটী বন আমের ভাক ঠিকানা ৷

বিজ্ঞাপন।

মিমুখনিসামার গলি ১৫ নগৰ বাদীতে মংপ্র নীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুত্রকওলি বিক্রম চইডেডে —

| ख़्बी उ | মূল্য |
|--------------------------------|--------------|
| এ সই তিহাস | ३ मे दि: |
| বো নইভিহাস | ٠ * |
| ভূৰণসার ব্যাকরণ |]* |
| নীতিশার (১ম লাগ) | J. |
| নীতিসার (২ র ভাগ) প্রচাবিত। | ٠ لو |
| त्रुषारवाथ वंशवत्रन | N = |
| बियारक | ানাথ শৰ্মাঃ। |

সোমপ্রকাশ। **১२ हे ज्यश्**त्र (गांभदात्र ।

अयुक्त बांदू मरनारमाहन रचात्र कनि-कालात जेनबीठ हरेब्राट्डन। नाठकन-মের নিকটে ইছার নৃতন পরিচয় দিতে **इट्रेंट** मा। मिविल मर्क्सिम क्षिमनदब्रहा । अट्राप्ट नित्र थांकि व्य भनाति कृतिशांट्सन,

ইনি তাহার মুর্তিমান প্রমাণ। ইনি । অসুখিত করা হইয়াছে, এবং এতলুলক नानिकेत शरम अधिकात लाख कविशा यां नियार्कन। यात्रदा त्रांत्रशकार्यात वरे करत्रक शशकि एांत्रा डाँहात पाछि नक्त क्रिनाम, (पर्नंत नक्नर्क अ अनू-বোধ করিতেছি, কোন অভিনন্দন চিত্র , প্রদান করিয়া উাঁচার ও তৎপথাবলগ্নী बाक्तिविद्यात उदमार वर्षान करून । मता-মোহন বাবুর প্রতিও এক অমুবেধি এই, जिति **देश्वार अ**वीत कतिशा देश्तां विन-श्वत चरमभानू वार्याय मित्रभाग भित्र हा थां थ इरेशार्डन मत्मर नारे. चठवर যদি তিনি অধিকাংশ চিন্দুযুবকের न्तान दक्वल देश्वाकिम्द्रश्व दिवासक्वत्र শিকিত না হইয়া গুণের অপুকৰণে निक्छ इहेश थाटकन, त्रामंत्र याव छी ग्र कलार्गकत कार्या अध्यमत हरेशा अरमणा-युदारभत शहिष्य क्षणान कक्रन।

--;06---होडेम् न शर्ख लिथि उ हरेग्राह, दे: न ভেব বিস্তব লোক লওনের লার্ড মেয त्वत निकटणे विद्रा ভारणवर्षत इर्जिक भीष्टित महायुजान बना होका मिटड-(इन। अत्नदक छाटक होका (अत्र किव-श्रांद्रम । किछ लार्ड भारत अहे छाना প্রত্যর্পণ করিবেন। তাঁহার সংকার कांत्रशारह, लार्ड कांगरवांत्रव छात्र ठवर्षीत शवर्गामकी महकाती भगानात इरेटक य हो का निएल बिजारहन, जाराहे भ-या थ इहेरन । नमरत कहे माहाया भाहरन श्वर्रायातीत कि इहेड ना । अञ्चल यामता वक्षी कथा कश्या ताथिटिक, দ্রভিক্ষনিব্যান ক্ষতি মূল করিয়া যদি। বিচাৰপতি, ব্যবহারাজীব ও বাৰস্থাপক । মিয়াদ ধাটা হউক আর না হউক বিচা-इनक्त्रहोक्न कन्ना इह, जनाय कहा इहेंद्र ।

निश्रं के किश्रम नार्त व्यक्तिक्, उंशिया निसाक उ इंगे दारका এक दांत कर्नशंड कत्रिया वि द्वहमा कत्रिया प्रिथिद्वन. अहे ष्यनिक्र विदक्षत

क्छ अभिक्षे इहेबांत महाबना आहर। कारे नारहत विवाहित " देश्तारकता षहकात कतियां जय वर्णकः योश वलून ना दक्त ভারতবর্ষীয়েরা দেশীয় রাজ शर्भात त्रांक द खाल बारमन । " रम्म कर हे हे त वटनन " छार छवरी हिन्दिगंत भागन मदःस डेक्र भन नाएड अथ दक्ष कता समस्त्री-रमत अक्षी धार्मान कातन। सामानिरगत मानरात्र अहे शक्त छत साव यामवा বিজোহেও সংখোধন করিতে শিখিলাম ना, अक्टन एर मकल युक्तिश्र कांडि व्यामानिश्वत रमनान्दन थादन क्रिएउए আইন অসুবারে ভাহারা অধ্যক্তা পদ পাইতে পারে না। কুমার্নিং হের নাায় लारकता निक निक स्मान्द्रकत चार्कक व्यापन कापन क्यीमारी इहेट मः शह क्रिटि शांदन, उथापि हेर्नेता सापन व्यापन त्रिक्टमर् के क्रमाहरनं प्रमुख शांन मा, देशां फिशदक दे: टए छत अविषे वालकरके अधाक विलया मानिएड मार्था छाहा आहात कतिएड इहेरव, छ।-रता । अ आदमभीदेशता अकवादका अहे व्यक्ति । कांत्र शत जामानि चिटित । कोश्रमाती खित व्यक्तियां कतिया थारकन, किन्छ। जाहरानत ५३ शाताय निर्मेष्ठ इहेशारह रा

अभे छ भागी। देक म्छ । অতএব তাহা লইয়া কুটিল তর্ক হইবার প্রভৃতি বিক্রীত কবিয়া লবিমানা আবাং भगात गांकिट हेट हेत विष्ठांवाल एय कहें। कि क्रमाती आहेटनत ७३ शातात विश्वकृष खक्रजत जर्क ज्ञेषिक्ष इंदेशाएए। व्यामरा विद्राध कृष्ठे इंदेरज्ञ । क्याना ना नितन मिशंदक अ विषया महनारगांती क्टेंट्ड नाजब एव वर्मदब महशा **टीका** आसीत যাঁহারা সহীত্রে প্রত্যাপণিও এদেশীয়-। খিত আছে যে অপরাধে কেবল অর্ধ এইরূপ নিদ্ধান্ত করিয়াছেন। এতদ্য मर ७ विधि चारह, टोहाट विम कति । मारत एक शांता चारति विशाप थाणिया। माना जानांश्र ना इश, ६० छा कांत्र मीटि इहेटल । मर्क्तचान इहेटल । हेनांनी यन वावका-कृष्टे माम, এবং এक শত টাকার ন্যান हरेला निक्त युक्तिमूनंक। विटममेकः प्रश्वविधित

एवं मार्मत छई कालाम् वहर्त ना 186 शांत्रांग चार्ड कतियांना बिटल खथवां आहे দারা সম্পত্তি প্রভৃতি বিক্রন্ন কবিরা টাকা व्यानाग्र रहेटन मिश्रांप रहेटव मा। ७% थाताय निर्कातिक श्रेतारक कि निन मिशान शांधिश वति व्यवभिक्ते होका (एश क्ट्रमि मूक इक्टेंब । ब्लांध कत, अक वा-क्तित ১०० ऐंका मुख रहेल, त्म ब्रिट्ड ना পারিয়া চারি মাদের জন্য জেলে গেল। बक मान भरत यांच (म १६ डोका त्वर. यादेन यमूनादत मूळ स्टेटन । इहे मान भरत ६०, वरः जिन माम भरत २७ छोका দিলেও তাহার প্রতি ঐ প্রকার অনুগ্রহ श्रमणिंड स्ट्रेट्ट । धरे कदाक्की थाता भाठे कहिएन न्या : जीवमान इब्न, करि-माना ना निर्म रव मिश्राम शांविटक क्य, जाहाट के जाहां अशिंद भाष हरेगा यात्र । शक्षांत्रत १० शांबांत्र चाट्ड, मधाखात পা জরিমানা সম্পূণ অথবা তাহাব **यर्ग वर्शन श**िक्त हम ब्रम्हर भवर्गरम् । विश्वत्य विधित इहेगा आह्ना। व्यवतार्थ व्यवहाधीत त्कवल व्यविमान হুইবার বিধি আছে, ভাচাতে জ্বিমানা-পরিবর্তে মিয়াদের আজা হউক না হউব দওবিধির ধারাও,লৈ অকুট নয়, বিচাবপতি আইন অনুসাবে সম্পতি সভাবনা অম্পা। কিন্তু সম্প্রতি ২৪ পব-! করিবেন। দণ্ডবিধির ১০ ধারার নাতি : অনুরোগ করিতেছি। ৬৭ ধারাতে লি- ; করিতে পারিবেন, অনেক বিচাৰপতি আদলীয়দিগকে কত , মারি মান কাবারাল চলবে ইতাদি, কিন্ত । একটা বিলোধ গুণ এই বে মুক্তিই ইংার

মূল ভাত। এতদকুলারে ব্যবস্থাপক-গণের অভিপ্রার বিশ্বচনা করিলে নিঃদন্দি धाकाल आडोहमान करेटन, खनिमानाइ প্ৰিয়ুৰ্ফ মিনাদ খাণ্টিল ভাৰার পরি-(भाव हरेता। (बाध कत्र, अक वास्ति कारत পা্কিল প্রিশ্রম কবিল, ভাছার প্রি ट्रा स स वर्ष डेलां किंड बडेल, डाइन द्रांक्येय धनांशार कुछ कहेन, (म कांत्रा- ' রুদ্ধ থাকিয়া আপনি স্বাধীন পবিশ্রম कतिश छेभोर्ण्डन किट्डि भोविल ना। भका गृहत मिताएमा यञ्चना (ভাগ हडेल. উপাৰ্ভানেৰও ক্ষতি ধইল, আবার ভাষাৰ শৃশ্প বি বিক্রয় কৰা কি ন্যায়াপুগাত হইতে भारत ? % अताताव अर्थ **এই, क**विमानात যে অপ্ল বেওয়া না হইবে, তরিমিত ज्ञानवाधितः कावाशादि योक्टि इहेट्व । বুদি আংশিক জরিমানা দিয়া মুক্তিলাভ ⇒", তাহা হ**ট**ংগ অবশিষ্ট অংশ কিছু (उर्डे श्रीभा करेटक भारत ना। उर्द रहर (कर धरे एक क्रिट्रन अपिमान्ति জনা যে মিয়াদ হয়, দে কেবল অপবা धिटक चारिक कहा भाज, मधीर रोकान এতিড় স্বরণ অপরাধীব শরীর রুদ্ধ कना इस । निम काहिराय अ छेरमणा হুটত, ভাছা হৃটা ৷ এক মাস মিহাদ খা-हिंता १६ के कि। मि । मृत्त इशा चाहन र्वक्ष रहेज माण्य गारे। ১०० होतात करा यक्ति कां है है करा जार शर्या है है, २० है। कांत्र खना ना इन (कन ? २९ प्रश्नाम ्य उर्क छेथि ह रहेगाइ, अवान्छ्य विहा ामदा छोट्य भीभार मा वहेदव महस्क नारे। व विषयात करेंगे हजा अधिकांत्र इश्रा अवाग्र आंदणाक। यनि अधान उम विठांद्रान्द्रात विठाटव निवादनत नात्र व्यक्तियांनात माग्न थात्क, जाहा इहेटन ব্যবস্থাক সভার হস্তক্ষেপেঃ প্রশেষন स्हेर्द। कांत्रव, अक व्यक्तित अक प्रश्तन्त्रश এक विश्व में इंडताई मक मा कि छ जाबाद তেবিধ পতি সহা কৰে যুক্তি সিদ্ধ হ্য না।

অপন, কারাবাদ। ছিতায়, কারাবাদানব-স্থান তাহাৰ অলাভকর পরিশ্রম ও মিজের উপার্জনরোধ। তৃতীর, তাহার সম্পত্তি नाम। आहेरनत कथन अक्रम यूक्तिविक्रम डेक्मा इहेट शाद मा।

श्चे अप ।

শস্ত্র ইংলগুরি স্পেক্টেটর প্র व्यात्मन कविशाद्यतः जात्रजवशीम भवर्ग-ামেণ্টের বাজনীতি ছয় বৎসরাজে পরি-বর্তিত হইতে আরম্ভ হইয়াছে। জয় বং-मत शूर्व नार्च कानिष्ठ अञ्चलभीश्रांताका-मिश्रदा प्रका शहरवर शमप असीन कः िया म्लाकी कटन बटनन, यह मिन छ। हाना বাদ্ধার প্রতি অনুরক্ত থাকিবেন, ওত দিন আগন আপন বাজ্যেব স্থায়িত্বের धना अंशामिश्यक हिन्छ। कहिर्छ स्टेर्ब मलक्षा का कतिशास्त्रम, किश्व भवन्यके । বাজ্য শাদন সহস্যে তাঁহাকে অধিকার প্র-দান করিতেছেন্যা। স্পেকটেটর হিন্দুশাস্ত্র ও हिन्दू निश्वत वावशाद्वर कोन अनन ना किला मारानाउ, वारे बांख कहिया (छ.', भशेकन शूनः एमान कडा कर्छवा, हेहा ना कतिरल बाकनीजिनिकृत काक हरेटव. धवः छाङ्ग छववीय झाळवन भवन-নেণ্টের প্রতি অবিখাদ করিবেন। ভারত वर्षीय मारकोरित कोश्निलत व्यक्ष कार्च में राजात अनुकृत, समह ইৰাফা বেল ঘিতীয় বাব এক পুস্তক একাশ করিয়া কেলিংশের প্রিক্ষেপ मारक्रदं मंड थं छन क्रिग्राह्म। शुक्र-বোভম মুকলিররের জুলা এতদেশীয় নতা রক্ষার দায়ী, ধদি এই তিন গ্ৰণ-क्राक्शादिक प्रांत नाहे। जिनि अहे ; माजिक समाजादत लाल इस, जाहा डेललरक कर शुंखर क्षात कतिया हरेल कलरतता कि तांका करकत डेड-রাজার সংখ্তা কবিয়াছেন।

व्यरुख ताथा कर्रवा व्यथवा द्राकारक खिणिन भवर्गमान्छेत य मदक, श्रीरमत

क्लिया (नवया डाइड, वाम देशक मौभार मा व्यावभारक रत, व्याद्य हरे विवरप्तत विदय-চনা করা আবিশ্যক। প্রথম, টিপুর পতন स्रेटन ১१৯৯ व्यक्ति २२ व कून रव मिक रम, छारा त्रांकांव উভताधिकाबिषिटशत्र পক্তেও ৰৰ্জিবে কি না ? দিতীয়, ব্ৰিটিশ भवर्गामक माना वानगारकत शहक हहे-गाहिन, पड्या महक्यार्वे आधारा क-तिया छेन्त्राधिकांत्री नार विलया ब्रांका আপনারা লইতে পারেন কি না ? টিপুর महिक धर्मन युद्ध हरू, खश्कारण माकि शांटात निकाम, महाता द्वी तता जिया-म न ७ क्लिक्टिन इ ताया बक्जिक इरेग्ना-ছিলেন। যুদ্ধের শেষে জেভুগণ রাজ্যেৰ व्यक्षिक वाः में छात्र कर्तिया क्षेत्रित । त्न कियमर्भ अधूकील तकित, जाहा मूर्काटन हिन्छुताङ्गवः भीत अक वानकटक प्रथम না। কিন্তু মহীপুরের বিষয়ে কার্যাভঃ । হইল। তংকালে যে স্থাপুর হয়, তাহাতে এই अकी नाव कक करा क्टेट एहं। ताका विदेश निया आहर, या निया क्या पूर्वः গগনে থাকিবেন, তত দিন গায়া ও **उनी**व উত্তরাধিকাবিগণ महीश्रदत हाज्य कहिर्दिन। शिर्मिन मार्ट्द अ बिगरत एयं कथा बर्लन, छाहा नि डांछ অকিঞ্চিংকর, **पव**र् **স**ক্ষির विक्रक। लाउँ ওয়েলেनলী বর্ত্তমান ताकारक शमक्ष करतन। जिप्तिन भवर्गमण निकाम अ बहाता द्वीत्मता अक्वांका इतेता রাব্দার প্রভিত্যসূগ্র হন শেনেকৈ ৰাকিদিগের স্বাধীনতা লু ঃ रहेगांट्स मडा, किंख यछ निन जितिन भवर्गामात्मेव चारीनडा शावित्व, उह मिन मिक्क व्यवाह्य श्रीकट्य मदभइनहरे। रेश्न0, कुन्न ७ क्रविया औरमत याथी-! हाधिकांशी ना शांकिरल के तमा शहन নহীত্র ভাৰতব্বীয় গ্রশ্মেটের ক্রিতে পারিবেন ? মহীত্রের সহিত

महिछा ब्रक्तिका भवन्त्रको ममुत्रव थात (महे मक्का। याहात উछताधिकाठी ना श्राकित्व जिलि शर्गरमणे तिरे त्रामा शहन क्रिट्बन, अजि लार्ड एक को देशक অংশপর ভালুবিত ক্কপোলক শৈত মত। काविद्राहिनाम ১৮৫१ भ-জের বিদ্যোচে ইহাব অনিটকাবিত। मश्रमान अवर तास्त्रीय (यानना ७ लाउ कानिहाड मनम देवांत्र (भव कांत्रशाह्य) ब्बाबाहरम्ब अश्वनक्य विवासामध्य अक बन "पूर्णीय देशीन यक शुस्तक ध्रकांमा क्तिमा এই মতের খণুন ক্রিয়াছেন। वर्गां ডেনহা উপি यथन क्षां प्र महेबात पाणिकावी इन, एएकाटल नत ৰাৰ্ণেদ পিক্ক ভাঁচার মতে অনুমোদন करत्रम नाहे। मछक त्रवश शहीजाव निष अष्ट्रिक आध्कारी इन, तर्कात अधि काती इन ना, जी हिन्सूनाटखत दिक्रफ बाका। शिक्सण गार्व ७ मत हातमम ৰাক্সন প্ৰভৃতি বলেন, যথন দতক গ্ৰহণ द्राक्षादक कानारेश कतिएक रश, उथन স্পাঠ বোধ হইতেছে, রাজ। তাহা অ এ। হা করিতে পাবেন। কিন্তু ভাঁহার। वियुष्ठ इहेब्राह्न, अकर्व ३৮५० ष्रदेव २१ चाहेन अनुमादत उन्दर्शाधकादलक সন্সভির সাটিফিকেট লওয়া অর্থাৎ গবর্ণ स्मिन्द्रक इंग्डेंग्ल करत्रत च्यान विकित मिल्या व्यावनाक । शवर्गमिलेक किছू विश्वा भाषिकित्केष्ठे शहेट्ड एवं विश्वा कि भारत्यक डेखराधिकारिटक डाहात टेश-कृ विश्वा क्टेडि. विश्व कतिए**ड ना** (यन ? अ ध्वकात शूर्वर इन मञ्जाविषिशदक म कक्षार्त्व में वान निश्च किছू किছू নজর দিতে হইত। কোন মোগল সমাট कि मलकश्रद्धन विषया व्यवपाठिश्वकारन नवर्ष इरेब्राट्स ? मज्यारा क्रिन ? चन्नामा । पूज त्राका इहेरतल मञाहिरक बामारेट इंडेज, खारा विमया कि थ

व्यक्तां किया दाका जाननाता अर्ग करिटड शास्त्रम १

म उक्षाह्त निष्यु द। समिष्यु अजी का (खत कथा नरक । जिकिम शवर्गरमण्डे वाकांत क्षेत्रा शांत्र ७६ दरमत महोन्द्र भागन क्रिया चानिट्डिकन। এই ब्रांका इर्त्राक क्याणात्रिनित्तर व्यशीत्न शांकिशा অনেক উন্নতিলাভ করিদাহে। বিশুব कांकिकन, बांबक এक्তि महीक्राय बाम क्तिशाह्न । अहे मक्टलं चन्द्रवाट्य मही चूत्र अछार्यन कठिन इहेता एकिराइह। कर क मा हेर्राय कमानी जशास শ্ব করিয়া থাইতেছেন। গক পোষাণী मिटन शोहरेशा यदि पश्चिक इस प्रिथिट পায়, ভাষার আর দেগরু ফিবিয়া দি बाव हेक्का रह मा। कच्च दर्ग बिट्बरुमा करा উচিত গ্ৰণ मन्छे এ दि । यে कि नटनन ? व्याचरा शवर्गात्मात्केर महिन्द श्रीकार करि তেছি যত দুর সম্পত্তি ও ফীবন রকা, বাণিজ্ঞা ও ধন হৃদ্ধি এবং শান্তি ও সুবি চারের আশা করা যায, তাছবয়ে ত্রিটিশ शवर्षिक व ठएक नीय द्राक्षाप्रशाव थ-(भक्ता वह खरन (अंछ) व्यत्याया, नाभ भूत अकृष्टित ककरन या उद्गीर इहेग्राटक (मणीत अकात व्यक्षीत ठाहा उपाठ इहेंड ना। किंग्र जि.हैम शवर्गत्नके व यू ক্তিতে পর রাজ্য গ্রহণ করিতে পাবেন ना। शहा रहेल डिस्हामिशदर भूषि-बीत मगूनाय व्यश्टनान नमुनाय कूप ताका হস্তগত করিয়া লইতে হয়। বিশে वड: এতদেশীয় ताकत्व जावटवर्षीय । रहेश चाह्य । जावचवर्षत मानिक्ष দিশের উন্নতির বে একটা পথ মুক্ত चारण. जिपिन भवर्गरमार्जेत अशीरन ांहा এककाटन कृष्ण हहेग्रा यात्र। (न्नाह ८५ छेड नथार्थ कथारे दिनगरहर धरे কারণে ভাবতবলীয়েল তেনীয় শাসন अनिहेंद्र विमृद्या मिशां जिंगि शवन्त्रात्वेव अधीन कहेट काटहन ना। मिट्नंत वाशीन जात क जिल्ता कि कूट करे

क्तिएक शांद्र ना। अहे कांद्रान ध्याया धात ममूनाय लाक हेक्सिप्रशत्रवा अहा কিদ আলীর জীর ক্না অসি নিকাশিত करिद्रांडितन ।

कन ठः महीक्ष व खडार्शन कता क र्द्धा । जिप्ति भवर्गस्य ध्यानीकि, युक्ति ও সল্পি অসুসারে ইহার বিপরীত ব্রব होत कतिएउ शीरवन ना। आया आखा দিত হইগাম ইংলতের যে স্কল লোব व द्वरमात विषया महनाहवान विशा थाइकः उँकाता थांग्र नक्टनई बक्दारका क्षछा প্রের পক অবলয়ন করিয়াছেন। য ভারতবর্ণীয় গ্রণমেন্টের স্বন্ধত অন্ধীকা প্রতিপালন ও মহীক্তরের কলাবে কামন थात्क, उथात बर कन डेशयुक (प्रति एउ त्रांचित्रा निधा के जाना श्राकार्भ कक्रम। विमिए के मिल्रम् अपिकः वांकाटक मर शर्थ लहेगा याहेबांब ८० छ कविद्वन। विद्याद्वत शत्र ताळी धारण ७ लार्ड कानिएड मनक मारन भर अर्थाव , एव शृशी व हरा , **अक्टा**क्न রাজগণ কোনজামে ব্রিটিশ গর্ণমেন্টে बादका विश्वाम कतिर्यम ना ।

> भवर्तमाहित दालाई क सम्बंध करले क्रिया है ।

वक अन कहानी शिखक कृषिया भागन अनानीत अरे ताथा करियारहर মুপেছাচারিতা ইংরে মূন, ক্ষতা কেবল হত্যায় ভয়ে দীমাৰ कीत विश्वताल अहे कथा वला किहर পাবে, যে অভ্ৰন্তা গ্ৰণ্মেন্টভ স্বেদ্ छारी, दक्वन डाँशिमित्शत निरमत मन শায়তা ও প্রস্থার মানাগাডাড বজ: ও তোহার প্রতি আ: গবণ্:নানী ক্মতাকে দীমাব্দ্ধ কবিং ৷ বাথিবাছে পৃথিবীতে যত যথেঞ্চানী শাস্ত शांकी सारक, जावज्ववी म नामन अर्ग

ভাষার সকলের অপেকা উৎক্রট। ফুর্ব *द्निर नहुन म*ङ्गङ्ग (स्ट्नं अर्थाप ণ ভোৰ স্বাধীনতা নাই। অন্য কোন গৰ্ণ মেন্ট প্রকাব মনোগত ভাব ও সংকা-ানির প্রতি এত আছা কবেন না। 'ड' . अन्हाडिम (क्वल डेर्भका क्रि ्रा.किन्स्य, जाहार कन्छ स्हेश्राहिन । ১৮০। অকের বিলোহ আজিও সকলেব সান বেলকণ জাগর হ বহিগাছে। স্থা हर् १ क मयाका व्यक्त व्यक्ति अवन्त्रहरूवेव लोक নাণতি অভি চন বেশে, ইংগতে জাতি एक ४ वर्गटक नाहे। कि **अड**फ्लमीड वि ने: राकी मुकल श्राप्त्र कथा श्रवन टमले मधानकर्भ छ। वन कतिया थारकन। णानुवास + निट्टांश अडे मश्रामगठाव कल। ा हेन्द्र अवन प्रति विन्द्र अवन प्रति वि लांक्ड इंडेट्डाइ। खान्या डेस्टिक व्यवि bic ब्रिक्टा सिर्फिक्ष करिष्टुक व्यक्ति स वादम व्यामानित्रव विश्वाम व्याटह, भन्नं ८ग.न्देर (शांष्ठा: इन्टेलिने नेदाद भः दर्भावन हरेत्व। अभिना स्थानित युक्ति ७ ४%। अर्थ कर विक्रम्ब को छ है "पविकाद ।

ख्रीत हर्वतीय १ राजान श्रे (स्वे अक्ट महना माश्वा आभागानिकान कार्यः ! विवयन क्षाकां करिया भारकत। में बाब · जिन मणामकिमिश्रक देवार এक वक প ও দেওয়া হয় আমাৰা যাত দূৰ অবগত ! শাভি বলিতে পাৰি গ্ৰণমেটেৰ নিভাস \$ 3! 3 70

নেন অৰ্গতি কাৰ্যা ভাষাৰ দেশি তাৰ क्ष्या काळ कर्वन । आत्राम क्षांडिमाशा- " ব। প্রতিনিধি সভাব কার্য। সংবাদপত্তের 'গোল, নগেপুরের বিষয় প্রাসক্ষে তিনি বলি बाराहे इरेगा थारक। किन्द अक विन्द्य कार्याः चोता श्वर्गरमान्यैः वर्गर्डन कवा ना । तम ममूबारत मन्त्रा मखित्कत टेजल इत्।।। के उक्त, कोलांटकर कहा कहेट कट्ट । (मर्का) किंगोर (व मक्त मन्यां स्थाद अव्हिन्ड कर. शवर्रियके छत्तः शहार मण्यानक मिन्नेटक **कार्यगामित्यत कार्यन श**्वानी

নংক্রান্ত বাবভীয় রিপোটিগুলি প্রদান क्टरम ना। इंकात कातन कि ? अवर्गामले कि मान करवन, मिनीय नमाहात नराज्य পাঠকগণ অধিক বিষয় জানিবার নিমিত উৎस् १ न रहन १ जामना जानि जीहाति গেব চিত নানা স্থানেব ব্ৰুদ্ধে কানিবাৰ निभिन्न এकाष्ट्र को जुरुनाकाष्ट्र क्रेक्षाइ । উত্তৰপশ্চিমাঞ্চন, পঞ্চাৰ, বোষাই, মা **ङोक, भार्याश**ी, संशश्रुड, खन्नारमण १ ज् তির কোথায় কি হইভেছে জানিবাৰ बन जाराषिगद्क बनाम बाद्य प्रिथिट পাওয়া যাধ। যদি অনুধাৰন করিয়া (मर्थ) या :, न्या हे क्षा है । व्या है । वा नना नभाषाह नज मण्यापक विभारक के विद्याप्तिक्षां मान्या मिन्द्रान्य व्यक्ति। याहाता हे॰ ताखी बारमन, जीहापि. शर षत्नक डेलांग लाष्ट्र, किन्नु वीहाता है? राकी जाताय व्यवस्थित, बाधवा: मःवान পত্র তাঁহাদিগের এক মাত্র গাত। অত ध्व राष्ट्रमा समाहात्रशहत्व सम्भातिक प्रमादक यमि शक्षाविक दिएगाउँ और ्रमण्यः नः नम्नः ज्ञानामिर्वाच शांकिकान्दक इ छ दिस्य व क्षाना क्ष्म कविया ताथा इहेर्द, शक्टि आर्मामरगर परानद व्यानत्कः बरे मन्कार याद्य, देशमार्थभेती क्रबन ज्ञाद छवर्षत व्यर्थ (भीवन कविवाद क्रमा এদেশ শাসন কবিছেছেন ৷ ব্যাথের তুল্য

भाषा । ना. डाका याखिल यात्रक तुक्तिक भा (दन नाई। अपनीत नागन मद्या अह विर्देशको कहिया आंश्रनामिर्गित अणि । श्रद्धात अर्गिक खाम खार । स्विम भागीन इराइव अब वाकित मुख्य छन। त्त्रन, उथात्र द्व नक्त कांत्राशाव आदए, राष्ट्रता मुबागात्रभञ् मुल्लावर्कान्द्रक वहे मकल कूमर सात मृत करिट७ इत। य डबर यामता छात डवसी ब गर्नटमन्ट्रेक **শসু**বোধ ক্রিতেছি, তাঁছাদিগের ও

कानीव भवन्द्रमणे मञ्द्रत दर नकन तिर्भार्षे इंश्वाको नत्नावरकता श्रीख इन प्रभीव मानावकित्राद्यः यम (मर्खान) (म अमा रम।

काभवाव प्रस्ताता

व्यागवात मत्रवाटवत त्यांच कडेबाटक। ভাৰতৰৰ্ষের ভিন্ন ভাৰ ছান ছইতে विश्वत जाका, ममात ও कभीनात अवः গ্ৰণ্নেকের ভিন্ন ভিন্ন বিভাগের অনে 🔻 প্রধান কথাচাবী এই উপলক্ষে তথা शमन कटत्रन। व्याभवा व्यक्तितत्तत्त धिव रे प्रधानी, माजिक्सानद्र समा अविध उद्दार क्रमण: जी हान इहेट बाह्य हत। किन्छ ३० हे नरवज्ञत व्यविध ३४ छ প্যান্ত এই শুক্ত তক্ল পুনৰ্কাৰ মুত্তন প্লৰে শোভিত হইয়াছিল। প্ৰায় এক লক লোক তথার সমধেত হইরাছিলেন। व्यानता ले क्य फिन इंग्लिश्त शतिक्त बङ्ग्रह, व्यक्ष, इस्त्री, मक्टे ଓ नामा वटनंव वमन कोता अमृति (नांकिल स्हेन्नोहिन स् এক জন উপযুক্ত চিত্রকর ভাষা হইতে এক পরম রম্বীর চিত্র গ্রহণ করিতে लाबिट इन। ३० हे न्द्रवयुव नत्र कम हद्वाका व्यागवात (त्रन ७ र विमादन छे भनी ह इन। नगरतत शास्त्रजारम त्य विखीन कार्यत बाह्य, त्यहें काहन अववंत त्याचा उ ाणाडान्दर्शत बल्लगृह मित्रदिनि इ इत्। शत विवन शवर्गत स्वनतम ग्रंथा भेरि कट्यक स्म भाविद्यक्त महोतास निश्चित्र। ভূপালের বেগম ৭ গোধপুরের রাঞ্চার याका कानिवांत कना (शत् क्रवन। बाक्शनक के व्यकात भिक्षाना व्यक्षित কবিয়াছিলেন। তংশক্তে চুই দিবস গোপ नीय पत्रवात स्था। প্রত্যেক সন্ধার ১৫ মিনিট পর্যান্ত প্রণার জেনরতের দহিত करबानकथन कतिया (चरव बाजत ख नान नरेया दिनाय रन। शास्त्रक नमात Da अ बाटड क महत्त्व अक अक व्यर्गटमां इत

द्राक्कीद श्रीकिनिश्चिक छेश्टिकेन मिश्च-(इन । म**र्द्रश्रद का**र्य अक मंख मफारतत व्यक्तिमन एवं। महाताल ट्रांलकार देवर পুরের রাজা ও রামপুরের নবাব পীড়িত थाताटक व्यानिटक शादतम गाई। १७ के अट्टमभीत ७ इंडेट्रांशीय गांवजीर था-धान लांक श्वनंत ट्याहरणत श्रधान व्यज्ञार्थना शुरू भ्रमन कर्यन । के श्रामित উপরিভাগে একটা রুহুং বিভান, মধ্যে নিংহাসন ও তত্তপরি বর্ণথচিত চন্দ্রাতপ ছিল। উভয় পাৰে উচ্ছল স্থলমতিত चाम्या महात्राव, त्म्रिकेन भवन्द्रता अ প্রধান দেনাপতি প্রভৃতি উপরেশন ক-(रम ! मर्कादशनदक Gretfecvia fam निक श्रम वर्षामान माद्र श्रवत्र (क्रवर লেব বামভাগে ভান দেওবা হইয়াছিল : খন, খন্য শোকেরা খাপন খাগন নামা क्षिड बक बक शब अमान करना, विडि कड डाँडाविरेंगर नाम शांठ रहन। ভাঁচাৰা এক দার দিয়া আনীত হইয়া অপর ভার দিয়া বিস্তিতিত হন: ভাঁচালা গ্রবর জেনরলকে এক একটা সেলাম करवन, जात शवर्ग (अनत्र क्रमांगड মস্তৰ কিঞ্চিং নত ক্ৰিয়া বাৰিগাছি (शन, काहांत्र महिन्द वांक्यांनांश कट्यन नारे। कत्रकः व मकल पत्रवादत क्षांय वह कुल्डे इवेहा थाएक। विस्ताव शरिविष इहेर्स बामनकर्छ। पृष्टे अक कथा किया পাকেন। কিন্তু উপস্থিত ছবে কিছু বি (बाद किन, मत सम कार्द्रामाद अध्याविश्रह · हे.ताकपिरशंत अकांत शक्रांत भ विक খেত ছিল, স্কুলাং ডিনি ব্যাব্ৰ ক ভাবে অবভান করিয়াছিলেন।

১৫ हे रेयना पिट्यंत निकारिन श्रीया व्यमिक इस । १००० दे डेटर में शेश अ व ड (मनीम रेमना भवर्गत स्मनतर्गत मण्डम वनशांकिका श्रकाम क्रियां हिन, श्रभान मिनाशिक निष्य प्रशासका काइन बर्श

अक्षे कार्यानक युद्ध हर। शालमान , वश्य भगामान का का भनवसा । सा अर्थन ९ (मर्थिटनन क्रेड नक्ल टेमानाव नि . इग्न, आभात कर क्रांच शार्थना। " यन কটে ভাঁছাদিগেৰ অদ্ধশিক্ষিত দৈনাগণ , স্থা কিবে লিব গাজা মদনপালকে সংখ্য चारकटर्गत विषय अहे, अक अन स्थार्टाही शिवगरमाधिः अधिराम महाय्रा वर्तनः ম্ঞানৰ হইবার নম্যে অশ সহিত পতিত ; তাগতে ইংল্ড ও ভাৰতেখনী সমুক रुरेशा व्यावकार्य कतिहाद्या काभारत्य हरेशा डाँहादक अर ममान कतिरक्ति। শব্দে কথেকটা হস্তী ভয়ে পলাহন করাতে সীম রাজ্য উত্মরূপে শাসন করিয়া তিনি कम्रांश टिन कम इंड ७ थार ३० छन গুরুতবন্ধাপ আহত হইয়াছে।

১৫ ई शवर्ष क्याउम अवान अवान राजामिएशर डेरिट्ड शिक्षा डेर्मिएशव শহিত সাকাং করেন। মহারাজ বিভিন্ন जूनात्मत् त्वभग अञ्जि वरगरूवन गांड **এই मन्यानज्ञांकन इन** १

১৬ दे नटवचव श्रीशंन मचवात हरेहा मुखन कीत श्रीनांन केत्रा रहा। (वना मोट्रफ अशाविष्टांत्र ममत्य मर्फाट्य । जात्र जात्र मिटंड व्यक्तिक कटरन, याँ हाज एवं व्यक्ति मधान, (महेद्वा' ट्वाप हा। हुई थ्राहतः ममाग अवत्व दक्षमद्य डेशिक्ट इहेत्यमः २५ ैं धांग करेंग : मक्टारे हैं,हार मधारार्थ प्रकारमान इन्टेन्स। खर्लात (भटक)।वि भ्रदेत मारहत हे: दार्की छ हिन्द्रशानी उ : फ्लीर भाज मनन शार्थ कतिहा कानाहर न, जिनि अमुक अमुक मकात ७ गञ्जाय वाल्टिक नाहें अन প্রদান করিয়াছেন। তথপরে প্রধান দেন। পতি প্রত্যে নাইটকে গ্রেণ্ব জেনরলের मन्त्रार्थ नहेश (शत्त्रा । मत्र क्रम नद्राम

भिर्धात किश्रहस्त । शमा उक्तिश्वत हस्त छोत् है मिरलम। खरशरत शब्नंत গ্ৰন কৌশল ও অখাবোহিদিগের তর ' জেনরল িচ্ছানীতে এক বক্তা ক द'हिक्की इन मर्नात मतरहाई भविरामव दिन। स्वाध्यूरित वालास्क किन विन मरशिमलोख करवन। कि हे ज़र्शिकी कि लाग भ भागिन भूविवीत मरश पाछ এতদেশীর বাব ভীয় দৈনিক পুরুষ্ট সবি , প্রাচীন রা কবংশোদ্ভব, স্মাণনার কেনন শেব রণনৈপুণা প্রদর্শন ববে। এতাদে । কুলম্য্যাদা গাছে, সেইরপ রাজা শাসন শীয় রাজগণ পুরেই জানিতেন এবং বিষয়ে প্রাধান, চইলেই পদেব খেলে दकान कारबाद नरह। अडे कांभिक गुरुद्ध । ६न करिया वक्षा करेल, विर्फाट्स अमरव क्राक्की इम्हेना पहिलाह । वित्नन डिनि ଓ डीइन अध्या वित्नन प्र यमकी इन, देशहे देश्याद्यमंती अ अन्तर क्तितरलत रेक्। उ थार्थना। के अवार वत्तवामशूरवं ६ मधिमा देवत ताका त्र दला इकेन । छद्रशत्य भवर्षत्र स्मानवन मार्थात्रट्या मट्यान्न करिया अलिटलन याव ंडीय नाइंड अ महहत्त्र क्ल्यानियगद्व । তিনি পূপক পূথক ক'ন্যা मञ्जाबन क दिएक भौतिका मा। किन्नु मामानाकः मकलाक धरे अमृत्यां करा हहेल. जात ह বৰীয় কৰৈ অতি প্ৰধান সন্মান চিছা। इ. फ्री निक्ष हर शहर । विश्वास्त्र । िश्राचन धारतम श्रासन मा है। धार्क धर याँहाता ब मधानलाबन हहेतून. हैं। इन्हा त्राष्ट्रकीय खेमार्था स्वतन कन्दि। যেন ভাঁচাৰ প্ৰতি ভক্তি ও ভাঁহার ইন্ডা चत्र कार्या करवन।

> : १ वे नत्वयत महोदोक मिक्यि एकाक (पन। के पिरम विशास डाक्रनहा छ डिश्वकरेवर्की डेम्सान नामा बर्गन मीश माशास कृषि है इस । महत्य महत्य नीत वमूनांद करन खानाहेशा (मण्डा हर अन् रेडिशुटक्तं आगरात्र मिडेनिनिशालि ?

द्राकात काटनाक किताइटनम्। दविवाद किछू इ। नाई। शामनांद अवर्गन क्वन -, दक्षाव 📆 भा अखगर अमरवाय वस्तु अस्। মঞ্চলবাৰ সৰ্বৰ প্ৰধান দ্বৰাৰ হয়। ঐ भिवम बाव कोर मनात छ शवर्गसार्**क**र क्षाहरी अधानवादगाः भागन कर्यन ্, ৯০ ও স্কাৰ্দিগ্ৰকে বাজ্ঞীৰ প্ৰতি । থাবিবেন, তাতাতেই জিনি সেলাৰ কৰি-চলি প্রদর্শন ও ট্রন্ত্রে ধাপন আপন राक, भागन कतिवान अनुरदाव करतन। े उछा,वन र दि, बाखबिक छाष्टा नरह. विम 🔫 🙌 🔊। প্রান্ধ শর্মা এই সকল দ্ববারের 🍴 ার উচ্চারণ করে, সম চাব পরের তৎসং ত্তিদ্ধান, ৩টে শিক্ষ হইয়াছে। কিন্তু, পৌৰৰ প্ৰকৃতিৰ সম্ভাবনা কি ন লাভ কানিও গে পা স্থীৰ্যাও বিনয়ন ৯ত 🚶 প্রচর্মার কৃষ্ণি ছবেলন, স্ব জ্ঞান লাবেন্দ্ **इ. इक, जिल्ला प्रवादिश वाप्त्र आ**ड इत्रात्र प्रत्रवाद्वतत द्वाराम गाम वर्गन करि लाम, किन्नु देशांग त्य यह श्रालशांत्र धव-মহারাক্স ছোলকার দৰ হাবে জাগৈতে না भारता इंश्लिमभाग त्म मानी भारत इ। त व करिकार्डन, उद्विया अवश्व रहे ৰায় নিমিত ১ (চৰগণকে অপেনীবাস भगान श्राचीकः व ब्राइ करेन।

રિઝામ્પ લગુંગ જામ ક

১ র, আল্লাপের বিজ্ঞাপনীতি এছখ্যাক্তাপ্ত এইটা একৰে কিবিত কুট हरेत्र । त्तर्पर ए क. अन्दर्भी गांग धूर्वे জনীয় ভব্পত কেন্দ্ৰ স্বীকাৰে লডিডেড ভন নাউ। চাক"_।ক'ল বে **ন**ুক'লেব कि ए विषय (म.बारबाल) कि नाचि । स्मर्थक वर्गन, यावद मक्ष्यु छ। अन्दर्भु छ। লেন, বিজ্ঞাপনীর এক্ত বংলধক ভালা বালেবংশং উগর সম্প্রশা নিভর করা বিকেপেরবল চইঘাই ভূবণসাবে দেবং-চটাত ও সে,মত ক শাকে মুক্তি করিল ছেন। না নানের, ভাবেৎ পুর্বাঞ্জীণ ও পশ্চিমান রস্ত ত্রার এই প্রদাস সে নপ্রবাসকে। ২০. ী । উত্ত। ত.যার একতা দইবার সন্তা- প্রমান এই, ভূষানার কোন कात्रकार भक्त की दि

া ী বা বলে, আ মৰা আত্ৰে ভাষাৰ সংশোদ धम (हस्टी नो कवियाः भूर्य स्वरत्व 🔏 या शशास्त्रावन कविष्ठ (अयाखि । अविष्टार । ঘাম্পামরা কি উত্তর দিব, বোধ হ িজ্ঞাপনীর গ্রুব লেখা কোন অজ্ঞ मर अन ८, दिला आप र छुन् होग व्यानस्वत ् बार्तिक हिनेका लेखात्व कतिहरू ন,ছেন, এ অঞ্চলের সকল লেটিক ভৌগা এ বন্ধা নাজন বিছুই ছিল না । জন । বহু অত্ত ন বশতঃ কোন শাক্ষৰ অ্যথা-

বিদ্যাপানীৰ প্ৰস্তাব লেখ**ক এক ভ**ান। लिकिशास्त्रमा, प्रामया ७ व्यक्षमान क्लीनव তঃ প্রদর্শ ন সমর্থ হন । টি। র জভাব । দিন মপুছ তেই উ চাদিগার ভাষা দেখে কুঁংছাকে বুতন শিখি তে ইইবাছে। ঘাষা ' কুঁন ও তহসংশে,ধনেব উপ দক্ষে "বৃত্ত ইবাছিলান, তিনি এই জসংখ কানিওকে জয় ক্ষিয়াছেন। আনর। অভিকাত্যে কথাও আনিমা কেলিয়া-इत । यांटा इक्षेत्र, क मक्रान्त्र १ मण्डीभ क्षित्र करा के।इन्द विस्वत्रमानिक कार्या हर बाँहै : ए'का? क'म श मानिर्धाव পछि বিধ্বেদ দেকের, আর তিনি আল্লগৌর-বেব অংশেপ করিছেছেন, ইছবে অন্য-় न्त । क'न्ही श्रीमान इकेन्द । यमि अनुधा वन कविश (मधा याम, म्लाग्रेहे १ ही नमान , इंडेर्ट, डेंड फिर्शन लक्ष्म**ाइन ना**नः **ल**द-স্পান্তর দেখোঁ বোরেপর খণ্ডন করিতেছে। -্ভানতা ইংলৈ কেন দেবেে দুবিত নহি, वःश्वविक व्याम । मुरुष्ठाः वर्षे छेश्राप्तक ; नि। इत्या

ना क्वता अञ्चादत छिलमश्हात यहा विषय करें इन्हें का । विकाशमीव अखन । विषया हरे। एकः । वन। २ के। अविवरण व्यामानिकात वास्त्रकाः विके एम १०१ वन माहे, इक्टामसम्बद्धात

हिनि परलग. व व्यक्षरात लाटक लोक टक विहे. मध्यु ह व कता छागात भूल वटहे, । रिकु के उप छ।गांत तहनांशक वस देवल-ক্ষণা আছে। উভা ভাষার ব্যাকরণ্ড এক विष ना। ल हिन, और अपृत्ति आहीन छ यः इहेरछ रिए स्य छ हा छन्। आइन कति ग द्र छ १ नर्नत्वे धरे नियम। वाष्ट्र उत्याव वाहित्व (बिथ्एक । म॰क्ष वाह वर्षत गण चानुकत्रन कवित्रहाहन, छउड़े ठें हो मिरशत बाकतन यानून रमत्र हरे काइ। मःकृष्ठ वित्र निर्मात्व प्रक्रियान এক ম র গতি ৷ কিন্তু সচরাচর দেশিতে भू: ७ । गाप, चँ हाता महीता मश्चूरण्य एकी कविराष्ट्राञ्चन, छँड फिरागव ३ सन्दर्भ रमाय लिप निर्वाकारा खन छाएग। ফ পাত্ৰ'তেও কি ঐ ৰূপ সংস্**ত** अखिवारनव अनुषद्वत करिए ऐक्ट्र व्यक्तात की विकास के विकास का वु दियान लाहकता कि मश्कृ हड़त अहे कथ व्यामोहिक वानुम , १८७ छे १६। मक्त कान कारतम मा - " हैं, हाद बादा कार्या जाधम द्व " अष्ट., ७ इ.व अधि मध्य कानक अका। व्यवाग सङ्ग, धहेक श वला व्यक्ति ১, ছত হা, না, উল্লার ঘারা এটা করণ করক এই ৰূপ বনিষা নিশ্চিত্ত হও ৷ উচিত্তর - বিভক্তির আকরে কি এই ৰূপ বৃদ্দ হইছে এপুৰ্য,স্তু "আয় রুক্ষ অংখি এপন্যান্ত " এখনে আমাদি-श्री व क्रवा धरे, इरेटक यनि क्रमानान কাৰক বিভক্তি হইতে পারে, অবধি শ্ৰীবিভক্তিৰ লখা প্রগণিত নাকা क्ति - अवदल रिज्ञाभनीत इञ्चाक लिशक इ.स.ट. वा व अमेजी विवारण अम्ब । पूर्यम्मात्मम अधि ब्रह्मा भन्तार्ज्य करिया निरक्षात्रकार अञ्चल कविष्टाहरून, रज আম(দিংগর (म) ग्वलक्रम हे । विद्या। कार्यन त्रमा मन्नर्छ त्त्रथक (कवन (त.रथ ध्रुष करेग़ **क्**रनम कहात

शःमि पिटबन এই উদ্দেশ্য क द्वराष्ट्र वाकात इट्ट अक्षांनि कनिया भारतम। विनि এমনি বিষেধ ছ চ্যাছিলেন যে কোন টী ভূবণসারের নিজের শেখা আর কোনটা। উक् ड. डाहा दुलिया छै हैटड शास्त्र माहे। कृत्वमावत्रकृतवय महत्र वाष्ट्रनाय छेछा-রুণের নিয়ম নাই, ভাতএব তিনি সে निव्यक्ष करत्व नाहे। उद्य मर्क्र्ड किक् ल च एड् एन्थ्र है वा निमान मानात्वत छेलक्रमान । छन्दछ कि स्थ्म । त्राम पार्लेख क्या कार्या अथम विहास आह खेत्र कदिया विवाधित्यम । वहमामसर्छ-कात (प्रहे जाल्य लहें)। हे यह जा. इयत कविजारकम । ता शख्यांनि मर्जना भ , म देशीं क ब नेवाइन । ए.न ७१ सन हे हे : नारी , ममक्ताल शहलिक हो ने लियार इंग्लिंब ! पूर्व (कर्वे,एक कि वहमामसंक्राविव 'कवल विरुद्धय त.कालम'त कन इश नाई कृषिम'दिव शालिमान १ महत्र छ। हाव बिना रुव है श किन थात्रापिरण व्यक्ति ए । व कक्र वा ए घू वा व विषय अहे, पूर्वन म, । तुत्र थे खंड धंशामान कारतकत्र कोत कप् मः द्वांभन कड़िएड जिन वस्मामस्ट-कात दक्वन "मश्क्ष्ठ व क्वार्य श्रेष्ट्र नाहे श्वल मारे । य लगा में नती शाहेशार्डन, कि वजा अत्रा अत्रा अन्तामा विद्या धकरी युष्ठञ्ज कानक खीकान की कहिरान ति कि (म.य इन, छ र अन्मात अनर्भ इन स है।

বিবিধ সংব.ন を事項項目、中、利1.マリ

मुख्य कि करवास, वि किक्सिन है है। अह अहरे कारमा कामगण्य है कि मारहबर है का छन्तिकाण है शकार कवियाद्वर । जायकरार र एयकार ॥ विक्षा कृष्टि वटकावटसम्बद्धाः विवटम् कविभूतव । य क्षकांव समाहकव्यूना शकाम कांच (त्वून, टा-काम (स.स.म कुलकार) प्रतम अ असलसमा (मध्या एईहोस्स । सब्देश रहे । संबंदर दिल्ल क कात्रक समा के छैं। श्री शित्र किमान के छेश्री इंड किंद्रभग ।

क्षांच्य स्थीनाक्षाः एक्षांच्याः स्था धुन्त के व विर्वाहन । आप्तान व'क' क्रवस्त्रक াসংক এবেবরে আতি লাভ কবির'্রন। উত্স ल क्याकाम्य बारक गर्भा । व व वस्त के द-शुः इन ।

त्व शहर्य : '१° कृषि कार्यात जित्वकेत । श्रेकाच करिया अक्यांनि भूक्षक श्रेकाच करते। नंत्र वार्त्वकक्षधान जानी व्यान्त्रभ कविद्यारङ्ग मुना कारतरक्य हाज मध्या वृत्व ६६ वारक. किंद्र अने केनरके ने करना कर कर महान नांक्षाद्व। महाडाकीन बाकारनता भावनी बरभव करणका विकाशिकाम व्यक्तिकत कन्नुनक शांदरीका मखानंतरात्क मानान माज निक भाव कट्टम । १०८ जेंद्र बटनम क्षायकी समझा कह . हे . भा छ । उस कार . कान सवान भावना रानीत काउन शालाखानका भारेएक क्या थाईएफाइ को भागभीका व' नका क'स बारमन शुंख्याः छीव निर्मात कातक निका श्राह्म तेन ६ अधिवास वर्ष भा

क. नका जात कुल (वहें) उपव वयक्ती (माम ' शव (स्टिट हेत शुर्क काम हिकील क्षात्कत ना अकता जातक गय व गांक, श्रेष्ठ क लाहेशा श्रीत । भाग क्षा भवाद्य है ए । म १ सालकानियान बाउनी म बहन, ग्रामी उ रावन। सक्तान को सम्। । एक धन सन त्र न्यान होने भरकन है कीन थाका के हक। कुछम अहिनीय सहा १००० । उ'का मा तक वाम कहात ,

धसद्वीमञ्जूषानम् विभ कारतिके स्नारम व्यनी करियान व्यथान का गांचना (नानाहै। भवर्षस्य हे हेशएक भवाद श्रेशाएकन । विभ कारण क्तिकानका छात्र कानिया छात्र्यवरीय अवन्य ন্ধকৈ প্ৰতন বিশ্ববিদ্যোগতে হানের জন। কল্প ध्याप कर्षरदेश । अकार भव कि में दूर तरण धकत अभ्य के बादब

पूर्वाध्याप्त बन्धी छे-कृष्टे श्राप्त विष् । अ'रहम, बाहासिशा,क आमला शाव भन हहे , छ (फ भूषि भाक्तिके (००तास्य क.स.म.७, डहे † १६) न्टिशय आलक मन्द्र भारत उप्ताप्त स्मरकत भाकार अवरम कर्षके कहे-करेट रिकार के से से क्षेत्राव कार्यक्ष एकम भ नवल छाज विद वन : न्द्रात्र काडेन भरीका, क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया कानियुक्त भाक्षां स्थाप्त , इस्त्री सा, अरक्षेत्र नव,

हैनकमर्शक करिन उन्हेंशहैद द्र मन्तुत १८५४ प्रविदेशकात एक सर्वाच ए कर्ममा स्रोह इ.जार्म इस इर्डाशारतार्युत कार्य, म्काला श्रीकाव कार प्राप्त कर्ना है के दिल्ला करें हैं के कार है कि कार १०० साम्बी प्राप्त के किया करान के साहस्त . श्रांदक से में देश श्रेषण है। एवं वे प्रकार के छहरिय भारत्वा कृत्र अन्यास्त्रीत कर्नश्राका ए।

इंट्रिक्स्यन सं चे उन ।

५ . त क्रेंश (एरवराद'त प्रथम कार्य कार्या जिन देखानी दारे नि चंद्राहर के बाक दूसि ्धाः । क्षेत्रभारमा रादगामन कथन नाम। कार्या वका खिन है र दोक्ष के क्ष्म भाग के ब्राह्मित्य कर्व .रस्त्र किया का.भेटकण था किया नव अक्षांक विश्वयम् कार्यः कार्यः कृतिक इंडिक इदेवाद मणादनाः ্গৰ কৰন্তা দৰ্শন কৰিলে চন্দ্ৰ বিলীপ ছা, আক্ৰ কুলনিবেদ ঘাৰতীয় কট বৃদ্ধান্ত লাদে পোট

क्षेत्रह क्षित्रमञ् हिल्लाम क्षित्रहरू उथाप्र भुवाद्य हाहेल १००/ व्यवदि । ११० (११व अवर क्षेत्र ह'छेम /१/ तमर विक्रीख वरे:ख:छ। भूबीएड भूबाखन /vii (मा कृष्टन leh (मह. वार्त्वस्थित कोर्ल्डेन बर्ल्स एक्स्स १६ (ज ৰস্তাত্ম ৭২ সেব ও ভন্নকে॥> সেব চাইলের দর। কালকাডায় অন্যাপিও ছডিকেব ধব বাইয়াছে।

इंडिक भी इंडित माश्रमहान अन्ति। इ. १५. • • गोका म-धृरीख इदेश हि। संख्या लाउ रवश्वकामा धर्मना कराइक निगत्रमुद्रन वक्रमा क्षेत्रीका भीव खात्रवर्श विख्य निका द्वात्र व द्वेरव ।

(स्पीट्नट्यके राजन सत्यादमत् भव शवर्ष) क्रमन्त भाषान्त्रस्य भमन कः शहन । द्विष्टि । अथनक अथादन छात नीउ भएक नाई।

क्रिक गत्र मन्दाव भावेषार्वन, (क्रेप्टन्टक) है। व (लटनाम्रादनव इ.जी.सन्यान वस कत्रिवान) फ र अग्रु हुन्न । अहे इनिकाशन मह साम शहर भार शक की खि। अकरा को प्रश्न का की की बरसी क्त्वान खाखाव क्षा।

जामधा वद्याः तव विद्वेतिनिमानिष्टिक निष्ठ-। शावनीय प्रात्ता भर्मन एविनाम क्यान बाल्क क्या कार्यात कि ए प्रति श्राम कारण कारण कारण कारण महाचिति व्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक कृत, मुक्कावनी, वा माला कविएक भावित्वन मा। वामिय नदास्त्रिक कृत्भव भएक कि कई निवृत्तर शुक्रीवनीव विवदय अञ्चल अल् अल् मण नाहा व्यायामित्रात्र अस्य धीरात गर्ने छ एत छितिह अम् कुक वनी कविशा वृह्मतः किश्व जानक कृत्व अक्षांत मानान कविरहेत (इव स्ए।

· १९९ व्रेड वर १व. वायु क्षिक्करमोहन प्रष्ट् । याने हैं र ला छ । b.करमा भाग क्षाप्रतक दिए अभन कार थाइडच । मुद्धां छ ।६ दश्मवीपद्भाव श्रदीकाव नर्भल ('न व्हेड्राट्डन । व्यव्हः नतीयकणन क लहा छाउ मा एकोन कार ना छव अवश्या भव ন্য হা কানে ক্ৰেমাৰ ত মনিত এটিনৰ এৰ ित्र अक्रमान्ते । इसी क करिया नवीका (न्स किमिकिक किम अधन दिश्वेता। भारतः राभाना : अक्षा रह हिटना . किइ मुझा राजाः नाइ जारांगाका कर देशहेब. अवसे न'मान (लक्ट्य भव कड़ीएए डिनि गांड् गोर्ड क्य क्र म क्षा म क पुना अन्क ती के र म्राजिता।

क है दे ध्रांत्र महत्वातात ।

हेर्छ। र'- छ। वसी ३ है ल आम १ व रीव स्वाध দালেস পাংর ছিল ইইয়াতে: ড'বচীর এ একাব घबष्टात कथा अध्येत स्था गावेरान्दरः।

अभाग्रामन गृहिस्यारना माखि हरेवाएक । अकसन एडर ररेग्र । इकिस्पर अक कालाय भारित मिन्सा नामक निर्माही नासकूर्यान ধ্যুত ও কার্ডিছ ইইয়াছেন। কর্মেল ক্ষেত্র मान्नामहित्व अम्बोकित्याक्षित उकालि अगर ' अहे (शामरनाथ भिनक्षम विष्युति कार्मित अ फारम् शास (ताला हम नाई, आधारी वान

चारश के हाराचा । एउन राजिए हे लि .स. का वा व द्वार का स्टूबर का का का विकास का विकास है.

कि मिल, इतिकास कामक चक सन दे छैदि 'P'ह ! अक सन (हो किमायरक ध्रहात कवाएं एक्श्र बिना अतिकारम कर महार । यहाँम हरेगाएक। অন উভ ও ক্মেবি ম'র্গল ঐ ৮কাব অপবাপ क्षत्रारच ভाश्राम्टरात मान भात्रश्रास्त्र महिन् ब्रहे मकार कांद्राचान क्रहेशारक वाजन नारहर अकृता हुई अक होका क्रिकाना भाज विविधन ।

(बाबाहेरब भूमकात एमान वा नका तृष्टि वह बारका किन्न विश्व विश्वका कामक मूला धारी क-ब्राट्ड डाव्य ज्ञेत्रीय व्हेटलट्ड मा। ध्वायक भारतिक व्यश्म अन्त्र विज्ञ श निवधन चार्फ १४० ' করিবার ক্লেরার পাইবেন। এব র ভারানা যেন ' সাবধান হন।

१ हे अधहायन वृष्यावा

১१ हे नरवधन त्रव त्रितिम वीखन जागवा ক্টাডে দিল্লীতে গ্ৰন করিয়া ভত্তত, যুনুনাব সেতু দৰ্শন কাইয়াছেন। পাঠকগণ অবগত থাবি रबन, कार्यान कृति शन छन। छात्र ठवर्षोद्ग तन ८-(युव म्यूनाय व्यश्न लाल्डेन के गवर्रवत्र व्यश्नेन ह. অভএৰ এভদশন ভাঁহার আবশ্যক কর্ম।

আংসামে কয়েকটা ফুডন উপবিভাগ হই-गांद्र । উপাৰভাগের সংখ্যা রুছি इंदेश উপ कात चार्ड वर्डे, किन्न वांत्र (यांत्र) लारकर হত্তে ভাহার ভার সনপ্র করা হয়।

दुव्दक्षत समाधान भारत स्ट्रेट कार्यन भ॰ था अब विरम्भ नक्षांनी कविर्ण निरम्भ काव-श्रुटिइन। निश्लामञ्जूदेश व्यथं तथा वर्षेट्रा अगडान जानका करतन, जावर तम मौक जन भूभाः इड्रेट्ट । हेश्यक्षां क्षाल এ नियम भारतर्छ कवा । ইবার চেষ্টা পাইয়া নিলেন। কিন্তু উহোব অহ-(वाभ त्रका इस नाइ। विरम्दम प्यव ध्यात्रानत निरुष्त ना करिया यार एक मध नरथा। इति एवं । काल रहेरल अवार मुक रहेरक लार्वन। ভাষাই করা উচিত ভিল

अ भिरत मन्त्रीय इस नाहे।

শুৰ্ণ হইৰার পূর্বেটে ক্রাণবোবণেব সুজন নিয়মা ' কাভায় অন্তিদেরা নগরেব টাকাব যে অপ্রায় াকুসারে শেলনের আবেদন কবিয়াছেন। ভাৰত করিতেছেন, সে বিষয়ে সভা লাভ ক্রাণুৱো-**ছন্ত, ভাষাতে থাথনা ৰে** টে কেয়া থাকেন ইহাই , আমনা এপৰ্যন্ত ভাৰতব্যীয় সভাব একটি বিশেষ कान्द्रश्र

भाषांत्रम बाख मिन्द्रीय के शवर्गदिव के कार्य প্রাশ্রম্প করিয়াছে। সর সিদিল বীডন কেবল ভান্দিয়র সাহেৰকে উৎকলে প্রেরণ করিতে শ্বভিত্ত করিয়া এক কমিসন নিশুক্ত কবিরাছেন। ভাল্পিয়র সাহেব বিচারপত্তি অর্থ্য কারেল এব॰ **केस्त्र शक्षिक्षकाम लाग्न शर्वार है। श्राह्म श्राह्म** विकारभन (माञ्चान (मालिनके कर्यम महिन **ক্ষিপ্রের সভ**া কইখারেন। আমরা ভরুদ। क्षिकि है जिल्ला निकास । यात्र श्राम भारता वर्गम **कतिर्वन। केट मुद्र ते हैं एरेग़ार्फ ? अवर्श्यार्फ** अकृषि कर मूर स्थ्या म्हारिक ? अवःन व.न বরুপে বেন ববেচিত হয় 🕯

अर्थाक्षा. श्राकाविदाश । अ प्रमण्याम । राज्य वादिक शक्ष के इस्टिइ । विवा केल देनन मिला करकान हर । अत्य जारम कुछन वर्षिक वर्षि विष्यारहर मा । य कर्मक लक्ष केकि। व , एय मधन-মায়ু যে বা কৃষ্ চয়, একাণে ভাষা আৰাস্থাকৰ বলিয়া পাবস্ঞ কইতেছে। সেনাসংগ্রাপ जनश्यूहे कार्यवस्थ्य ज्यूनास्मत कार्य १६ ब्राट्य ।

कामरा है हैन न कार है लिया व निक्र ना पर नभागविष्टि न दर्भव आह्यान्ड स्थलाः। **कार्ड मन्नदार न'का काश्रम राहकः नरहाक** विम्हा नम् क्षाप्त किन्द्रोद्धन । वाद्या विष्ठाव्यवाने देख जातक हिरक्र गार्य कावप्राप्त्य, नकरमहे छह यारम वाग्रेय निकर है विहाय श्राष्ट्रीहरू अभाउ के-পায় করা হইতেছে। ' ভাউ নগৰ দরব'র পে (छाउँ भ नामक अक महक् देवे (शरकारे अकामिए रहे! **डाइ। अवर्ग्यान्डेत (अट्डा**एव म**ीग्र हेर्**' डि যাৰতীপ্ন ,নয়ন প্ৰভূ,ত প্ৰকাশিত হয়।

৮ वे व्यवश्वात व्रवस्थिति। পেনিমপ্লনাৰ কোম্পানি আগানী অনুয়ারি व्यविध विषाहे ७ क्ष्म अध्याद मत्ता मोश्वीहिक ।म-ইল লইরা বাইবাব মানস করিয়াছেন। কেম্পো নির খিটেবপুবস্থিত ভক্ষ বি নীত হইবে।

আবিসি'নয়াৰ কছ ইংবাছদিলের মুক্তর कना लोख है।नाम काड शहरवरक वाका बिड : प्राटवंद्र निकटन (श्रद्रश कार्यप्राट्मन । ताकी फेश টোকন ও একখ নি পত্র প্রেধণ কবিয়া রাজাকে রুদ্ধ বংজিদিগকে মুক্ত ক্রিভে অন্তুংগধ করিছে (इ.स.) यपि इंड का भारत कर्यायेशन की विक बार्टन,

আমনাকুওজ্ঞতা সহবারে স্বীকার কবি-সে:মবার গ্রথর জেনরলের পীড়া হওয'তে তিউচ্চ, ভারতবর্ধীর সভার সাধানিক কার্য্য ৰিবরণ প্রাপ্ত হইয়াজি। সভা সচবাচর সাধার চিকিৎসা**লয়ের সাত জন** ইনশ্পেইর ও ডেপুটা বিশ্ব চিতক্ত বিষয়ে যে মনোগোল প্রদর্শন করেন ইনস্পেটর জেনরল ভাঁহা দেনের বর্ণের কাল; ভাষা এতজাবা ছুপাই প্রদান মট,ভড়ে। কলি ফুটি দেখিরা আসিডেচি। সভা এ দেখের विकाशिका महरक छोल मन किङ् यहन्त ।।

विभाग करेराज कात्राचे हिर्देश स्था शाय a... विका काँना क्षेत्राट्या कि ह e.... क्ष्य क दिरमन, कि इ शवर्गव स्मानत अ न्याका । जोतः न श्रद्धात्मन । कार्क हिकन श्रांके कसूरान करत्रन अक लक्ष ठाका छिटित्व। कि ह इशव ! সম্ভাবনা অভিজ্ঞা

উত্তর পশ্চিমাঞ্জের সংবাদ পত্র সমূহ রাম , পুবেৰ অণু ত বিচাৰপ্ৰবালীর চুটা উদাহবৰ দিয়াকেন। এক বংক্তি হ'ত। করাতে ভাছার भिटरम्हर नद बाक्षा स्य । सूननभान प्याहेन प्रकृ সাবে জনাদ তিন কেপে দেয়, ইহাতে বে নাঁচিয়া मनरम मार्गक मान कार्याम এड कार्यक थान । बारक, फर्ड्रिक काब वह कता हम सा । अक महैं वर्षेष कि मार वाहा है सा हहेग़ाए जाना। वास्ति এहे लाथ हहें उठ वानियाहिन, स्थानि निर्देशक कि मा अवर प्रिंगर वराजावाछ चाल थमन शुमारीय ए हारक सहारतव करला राजा क्या

क्यार काइन्छ छात्रक हात्र क्याहेक खाइन् शक्क ইন্ত কাটিয়। উচ্চ তৈলে ভ ব'ন হয়। সে শোনিত া তে ও বএল'ল জালভাগের করিবাছে। ইয়ার श्विच क्ष्य क्ष्य विद्याल क्ष्य क्ष्य । डा १७वर्षीय शवर्रभन्ते यत्र भ हेट्स निर्श्य मन (क्वम क्षा উरिया व बेट्ड म'रत्।

कुट्रवर्ग्टव खर्मभः खहिर्द्यस्थत् हाव वज् व्हान । ज्यापा अवर्गामा का का का का विकास । विकास । विकास । विकास । विकास । **হই বে। যে লাভ কইছে, ভাষা রাজাং** নাগাৰে ार। इंग्रेटन । हेबा फालफदबींब शवर्गत्व हे छ राष्ट्रा पे अप्यान इस्तिभ व विषय ।

দি^{্রী} হটতে অমৃতসর পর্ব। স্থ বেলওয়ে জভ শক্ষত হটভেছে। ছই বংসরের সংগ্ ইছা १ खड बहुद्व ।

गद्धां उ कामानशृष्य अक क्रम नव हे हालक চল হইতে কয়লার গাড়ীতে ৰাইবাব সময়ে ণতিত চইবা হত চইবাছে। বাণীগছে এখন একখানি মাল গাড়ী বাইডেছিল তথন এক वा प्र ।दल भाव इहेनाव (हड़ी भावपादक भवते সংহাব উপৰ পড়িয়া ভাষার প্রাণ নষ্ট ক্তি-

লাহে'র ক্র-িদেল বলেন, সম্প্রতি ম.ও ব वाक्षा बर्गाक्ष स्टेशा अक प्रदर्भ कर्त्रन । २००० अकः धे नमप्त छेणांक्ष हित्सन देशा স্বলকে বলিলেন একণে ডিনি প্রাপ্তন্ত্র হওয়'তে প্রাতনিধি গঞার কার্য্যের শেব ১ই श्रीरक, अदर नकरल जीको र काका द्वरागत दोस कविद्वन। ब्राह्म भागतन छ'त्र हेजी, (शशाह ও বাজার পিতৃষ্য শীর্ণবাগ সিংকের কল্তে দেওলা हर्शिष्ट । श्रथम बजी कृषि, श्रवन, (सोन, राज्य उ চুक्तिव विषयात अवाक्षित कांत्रदनः । विषेत्र मजी पूर्वकारंग्रन धर॰ मुज्जान्व कोक्रदांब ও দেওয়ানী মকক্ষমা कावटवन। রাজ। বলিলেন छिनि निक्त धाराह विज्ञान काइटबन, अदर विज्ञा तुष्रानी ७ धनाभारद्वत वारत्रव शक्ति विरम्ब নৃষ্টি বাখিনেন। তি ন আৰো বলিনেন, প্ৰতি निधिमर्गत कर्वीत छैरत्कार बार्टनत श्वा हिल, किष्ठ अकरन रा दर्भागती अ स्थाप कर्त-বেন উাহাব গুলুভব দণ্ড হইৰে। প্ৰজাদিগকে তিনি আপন আপন স্তু'ন্দিগের বিদ্যু'নিকা विवात कस्टाय करिया का विका निष्य विष्रा लग्न किक्-रमालग्न ए का-एक किश्वग्रीरक्न। এতদ্বেশীয় রাজগণ শাসন বিষয়ে উৎকর্ষ সাধন করিতে বরবান হইতেছেন, এটি বিশেষ আছে: দের বিধয়। ঠাছাঝা যদি পুর্বাতন কাজি প্রস্কৃত তিব পরিবর্ত কবিয়া কলিকাতা, মাজুলি ও বে'ৰাই হইতে কৰ্মচা র ও বিচারপতি লইয়া यान जाहा हरें। म छान काछ ३३८७ शास ।

शबर्त्त्र (काववल (भागाः नग्नाः शबन क्रिकि- -. उट्टा अहे के निवास त्युत के व हे किया वतना, " महाबाम जिल्लिया भ्यानिक स्ट्रेटनन विनया गत्र कम नरद्रम (गोव्रानितर्व योहरफ-(इन, एशाम मशासारमात देनना घरता विका को मन प्रमान कहा इंदेर । आमहा वाय कहि इंग्लि जांबामिरगत्र स्टल शांकिटव कि मा अहे পুরাতন প্রভাব একণে উলিখিত হইবে না। সিনিয়া এক দল অভিনিক্ত কানানের কন্য বাহা

(यक्षायुक्क जामानिश्रदक निशादक, छा। क्रबंग नुमत्तीप व्यर्भ क्या हरेरव वा । " (पक्-श्रुक्ति वर्षे, (यभन (यक्षिश्रुक्ति काष्ट्रमहार्दाप्य निकाम (बड़ोब्र मियार्डन, এवर करवाधाव রাজা সিংহাসন তগাগ করিরাছেন।

ইংলিস্থান সংবাদ পাইয়াডেন, আফল্পন भं त कावुलीय ও फुर्की कालीय रेमनाबिराध्य शदुन्भान प्रांका इरेब्रा किन्न मरनत करत्र क्रम रक रहेब्राट्ड।

🕽 हे पाजरायन संस्कृतीय ।

২১ এ নবেশ্বৰ পুখবার ভাততব্ধীয় সভাগতে কালিও স্মার্ণার্থ সভাব অধিবেশন চয়। জন ক্ষেণ সংখ্যে সভাপতি। বালা প্রতাপচন্দ্র সিংহের মৃত্যু হওয়াতে কুবার সভাবিক হো-यान मुम्लापक मरमानीक रून। लाई क्यांबर्धन অৰ্যন্ত প্ৰতিমূৰ্তির জনচুত্ত ২ ব টাকা চালা হয়। ৩৫০০০ টাকা ভাত্তৰ ফোলি সাতে बह्य मिएक स्केटर । ১৮৬৮ चार्यन (भ मार्गित মধ্যে প্ৰতিমূৰ্তি প্ৰস্তুত হট্ৰে। এপৰ্যন্ত নানা विष:त २৮,०৮८।३० व्यत्र व्हेडार्ट्ड। व्यवनिष्टे २२:७8२**%) - डेकि स्था साइड । क्**त्र **क्**रेश ष्यानक होका छेष् स धाकित्व। इदिन न्यानगर किट्रबंद कि स्ट्रेस ने

विवाहरत्रव माधावन क'र्यात्र कम् शवनरमन्द्रे ७- दक्त होका कर्क कतिएए हिन । छन्न मछकवा शाह होका । जिनवः भएव किल्डिवजी कवित्रा ১० २ - ७ : नक होका (भाष (म्हणा इहे(व। সংধারণ কার্ব্যেক জন্য কর্ম্ম কবিবার প্রথা শ্রুমণ্য এবর্ত্তিত হইতেছে। বা রক্ষের বাস করে কমিবেঃ **कार रहेरन स होका काटर कारा है बटबर्ट इ**न्न ।

गर्वर्यके छात्र्डवर्षक मर्नाख मान्यहान , शहिना क्षितात मानम क्षियाहरून। मनिकडी (वव महिक (मविधवाद्य कविद्या ववाद कांक है। कि । अतिर्म भाउएक्षेत मारक्रका बताब लाक A18 1

हेर्शिनमान अवन कर्त्रप्राद्धन ভाষতवर्षीत ८२न ९८४८७ जनः व्यानग्रदन्य मन्द्रमः व्यानन हुः व क्रा। नगा इस्ताना ए अहारिक कृति आधन वह (उट्टा (ठाट्ट्या भक्ड य देवाव मध्य व खाय कर नाशिष्ट्रेया नीति हहेरछ होत्न । वस्ता कृ मत्त्र नाटक अवर कार्राता कर्राताल भना क्रम कट्टा । এ এবস্থার শক্ত স্থাত করিয়া ধরা সভা বিভ নয়। ফুতন প্রকাব চুট্টে বুটে।

ব'ৰাছৰ ১০,০০০ লোক ও ৫০০ হল্টী লইবা। কাল কবেন। ঢাকা প্ৰকাল উৰাণ প্ৰতিষাদ क:शादाव प्रकृति कृतमें भूद्र उप्रांश (हा,) পু.ত্রং সৃহত কালীপুরের রাজার কন্যার বিবাহ ितः आतिष्टाइने । डित्मइत्वतः त्याम आमश्चामः हेक् श्रामः कामकी कथ्र दिनाइ छित के इ हर्दिन । अख्दकणीत वाक्यनत्क वता । वाधा करेलाम । উচিত ইউরোপীয় রাজগণের নায় ভাঁচারা भन्न मर्थाक (त.क नहेन्न, धनाज अभनाभयन) क. रहिन। (व ब्रांच हिन्ना এफ स्नोक वाहेर्द, ऊर्ज | छ। लाटकर विरम्ब कर्ड रहेर्व अवर भूलिरवहल मण्यूर्व अर्थ भाष्टित्रका करा कड़ेकद्र कड्रेंद्र ।

३ ॰ है अध्यक्ष्य मिनवस्त्र ।

चत्रका स्वतारक (कार्कः कष्टे कारक कांत्र ब्राट्ड । व्यायक कृषक व्याधक शाहकांत (जाएक अनक शाम, कार्रियार है।

অদ্য নিস ৰেন্দ্ৰ কাৰ্পেন্টৰ ৰছবাজাৱেব হিক্ वालिकाविम्। जात्र जन्मन्त्र अवः वालिकात्रात्वत इंश्वाकी बांकामा छ लिल कार्ट्यत भन्निका अकत করিয়া বিলক্ষণ সম্ভোধ প্রকাশ কণিয়া গিয়া ছেন। বোষাইয়ের ন্যায় অত্রত্য সভ্রাক্ত ও কুত বিদেবো ভাবে উ'হার সন্মাননা করিয়া म्हान क्षेत्र करतमः अहे ज्यामानिकात काक्रमाय।

न्त्र निनिन वीसन १७ कना ३ होव नगरत चागब्री रहेएछ चागमन कविद्यारहरन।

ह्याविभिक्षेदबाटङ व कार्यधानुमार भुनिव इडिक्नीडिएकत नार्गारी बात हम शकात गिका (मश्रम स्टेब्राइ)

-:0:---रेউद्याणीय नगाहात।

माइन के हैं नरवदन आजःकाल-मान्तान **७ फिला ७ कार वाडिकान महलत धाराब** মনোনীত হইরাছেন। মারুমিলিয়ান সিংচাসু, छ। त्र कविशादहन, वाल्या (य कमदूर इय छारा ५ छोरा बनोक डा श्राजिभन्न इहेय'रह ;

কলিক'তাতে ফে নিয়ানদিগোর দণ্ড ছও- । রাতে হউনাহটেড ষ্টেটনের সর্ম স্থানে সভা। হইয়া ইহার বিরুদ্ধে বোষ প্রকাশ করা হটয়াছে : बाबा विहेर देशां निष्ठेशन अकाम,क्रांप विनिध्त श्रात्म कत्रिवाद्वत ।

न ७२ ३ २ व तत्वय श्राजः कान--क्रीहित बिट्सोहिनिरगंत क्या करा इत्रेस स्थायना कृटा

श्रीहाक नकत वाजा विविध्य छेएम्। श्रीव-

करिंगित कार्यात्रकात भारत कांडाडे কোটি ভলার ক্রিয়াকে: পেনাপাত মার্লাণ ' विद्वित्कारण्ड अवन क ब्रह्मारहर।

--! . : ---

डक् छ।

(विश्वाभने) " -शामध्यकान ७ शृशाकात्र छ म।

२ या व्यावित्रत पांडिकांच्र (मामलवाम गुर्ना-**ेक शब बराठ इरेब्राइम बर्नाफ कन कित्रकार मिट्रामा मारा अवने अन्य**ा कर्यन। व्यंभद्रा ऐक्ट अनुस्न जनसम्ब किन्ने বাল নাই। কিন্তু বিষয়ধী অভি গুকতব। প্ৰদেশ্ৰণ।

আচাৰ ধ্যৰণৰ ভাষা বাছনীতি, সামাজি কতা প্রভৃতি মানৰ প্রকৃতি সম্মীর সমুদ্রঃ करमार्का निर्माण । अन्याज : हर्ग्य श्रामामध्य अहे क्रामाहिक स्थामारः मा म निर्देश करा बाहेट्ड भारत। य भवाङ कान अवजी विनर्य শাষ্ট লোষপুট নাহ্য দেপৰ্যন্ত ভাষাৰ সংশোধন রেবণণা সাহের রিপোর্ট কর্বন কটকে চাউল । পক্তে মহুবেরে মনে কেনে প্রকার চিস্থার ও উ-

स्तिक स्य ना । यति छादाई स्टेन, फरव त्यामर्थ-कान श्रीकटनव छावाशक मान केलिन कवित्रा अभूरवावः रहेग्राह्मन, हेरा जननक वःक्तित সভাত বিরুদ্ধ। বরং এপকে সোনপ্রকাশ্বা-वार्थ वक्त्रहे काळ काव्यादहन अवर अफब्रिमिक সোমপ্রকাশ প্রক্রিকনী মুলিগের ক্লডক্রডা ভাত নই হইতে পরেন। ইহাতে বিক্ত ভাৰুঞ্ছণ कविद्रत एका श्रुकान्छलीयविद्यान्हे ज्याना निटम इ जाई।

(गामश्रकाम मण्यानकरक दक्कवा **अहे,** त मध्यमाम् वा त्य विगत्सवह तान धाम्मीन कता ষ্ট্ৰক. উৰা সবসভাবেই করা কর্তব্য । খীছার লোণ প্র বন কবা হর, ভাবভাগী হারা বেন শেল অসুভব হটতে গ'বে, এক মাত্র পাঁহাৰ हिट्छत्र । श शक्र हे के कार्य। कत्रा हहेटछटा । स डे भरममर∞द **डे भरमम क्षाम कात्म अ्ञान**की স্পষ্ট প্রকাশিক না হয় ডিনি উপদেষ্টার উপযুক্ত काष्क्र विलया गरा स्ट्रैटड शाटन ना । सामान **উপদেশ बारा कान छै। कान्न करान ना। नि-**क्तक (व ছाजरर्गहरू छेशरम्य श्रमान करवन, वि । न अ व.म (अवनाटका इाजिम्बादक मर्समा निमाड कति इ शांदिन, एरव झाज वर्ग । ज्ञांभन द्वांच শ°শে।ধনে চেটিত না হইরা বরুং শিক্ষকের প্ৰতি অভক্তি ভাইই প্ৰকাশ কৰে। এইকণ সোমপ্রকাশ চিক্তা করিয়া দেখুন, সমল্লে সমল্লে ৰতবাৰ পুকাঞ্চলৰ ভাৰাগত দোৰ প্ৰদৰ্শন কল ব্ইয়াছে, ভাহ'তে তাহার কিন্তুপ মান্সিক ভাৰ প্ৰকাশ পাইলাছে ? সোমপ্ৰকাশ বলিয়া-क्रिते. « श्रृभिक्षेत्रीरस्त्रा अध्यावित अवक्रात्रह निकरकर निकरणे।भक्तिज ना स्ट्रेश खावात वि-राष्ट्रण मन्नानन कविएछ भावित्वन मा, अवर दाम देवेट रेमना शहानन कमा धड़ानी . अवक्तीत्र वाकि वाम में उन्हिल क्वेट्यम এই बारकात मूचा कर्य कि आजा मिटनत कोबब बर्धन न्लू इ। नट्ड शन्तिम, कर्म व लावा कि अक क ल । नक्षिय ? करनवर्शन भक्त श्रुक्तिक হচতে প'শ্চমাঞ্লে বিস্নৃত্তাৰে উচ্চাৱিত হইয়া থাকে, তৎসংশোৰৰ পক্তে সোমপ্ৰকাশ কেনি हिन अवधी क्षांख व्राथन नाहे।

 ৰতদেশীয় লেক মকদা প্ৰিয় বলিয়া প্ৰসিদ্ধ ६६प्राट्टन, त्यायश्चवाम উष्टात्र अण्युर्व (**कां**य धूराक्टलन श्रांड हा भूता छात्र करन बाई। গ্রাদ উভয় অঞ্চের ভারুষানিক লোক সংখ্ नित्रा जाराक वार्षव के बन्न एक एन व कक्रमांक शक् शविद्रा अञ्चल बना इतेख. छ। १। ६६८ल छेवा कि नत्य गक्ड बना शहेख।

भाष्ट्रवाक्षणे द्वारा श्रम्भ कोत्राहिनद्व वानान ৰলিয়া প্ৰায়ই কি:কং দুখা ভাব প্ৰকাশ কৰিয়া थात्कन, त्वाथ इत्र त्मामञ्जेकाणन अक्या चारी-कांत्र कांब्र्डिंग मा, ज्यान्त्रज्ञाहा स्व विद्यालक्ष् · জাতে বা স'প্ৰদায় বিশেবেয় জাৰা(১)sবের সাম্প্রী। পশ্চিমাঞ্দীরের। ভাষার কোনটা गांवन कात्रमार काश्या क हे हालेक्ट्रा हेहाब কোনচীই পাৰণ কবিতে দেখিতে পাই ন।। ভবে ঐরণ পূলা ভাবের কালন কি ? বিভেত্তার ভ कथाँहै नाहै। अहे धन बाजिक छ। नहेग्रा बिटन हमा । शक्तिमाक्षली रम्नता वश्यक्ष खत्रना छ क्र बन, द्यात्र इटेटक्ट्रप्र मा : वाजाना द्वरण खार्क्स

शास्त्रकृ देवला अहे निम । आर्थी ४ ०० । कर्म आराम भोमिनुद कडुंक शक्ष (शाद्धन (स शक्ष दान्तन चानीक हरेग्रीहिन, अक्टर ने यु बाक्तरनव मर्सा ভাছারাই দর্বাভোগ। ঐ পঞ্চ রাক্ষানের প্রথম बामकान अहे श्रृक्तीकाल (किन्नमण्) अथनल वर्स बाब बाट्ड। के अब अकात नार दिन मखान मञ्जित मरथा परित्न त्वाध हम् এह काक्नाह (अर्थकाक कतिर्व । वाग्राकृत मास, य इरेंगी খলপত্তি সমাজপ্রতিষ্ঠিত কইয়াফিল ভারাব क्रिक्कि अहे धूम्माकरनहे (ग्रायाहा, व वसाम) देवम्, मिर्ग्यु बर्धाः (अन्वानी क्षेत्रं के खान-কাকুত অধিক মান। তাহাও এই পূ দাঞ্চলই ক্রিত। তবে তার পাশ্চমাঞ্চলব আভিজাতা शोत्र कि विश्व ? फर्टर कि में इ'वे गणा करते " ধ্বং বিদ্যা বৃদ্ধি প্রভৃতিতে অপেকারত প্রের্থ माफ करियाद्वास वांगवा शोवव कविया था-(कन ? प्यांत्रीराव विरवहमात्र शकासन देशव । कातन विश्वता (वाधु इस ना, छेहा राज्यवानीता শুণ। বদি বালধানীটা কলিকাভার স্থাপিত না हरेता, हाकाय द्वानिष इंडेंड, डांश हरेल वार इब्र अहेकन शांकशांकत विमा वृद्धिक श्रुकांकत Lक (य कि इ शकाका मो क वया एक, जाहा कम) भिक्केल मा। वतः भूत्रीक्रालवर (अरेज ना छ হইত, আমরা কেবল কল্পনাশ জির প্রাত নিভব कृतिया अवधा बिकारिक मि । यथन मनाविभारित चाविकात मधारा रथम এक भूकाकाल वास्रधानी किन खबन नर्स निवास शूनाक्ष्मान (अरेज किन এখনও এই অঞ্জেব অনেক ব্যক্তি অপবাঞ্চল এইতে পাবস। ভাষার সমধিক পটু আছেন। नर्कार्त थवान विभावप्र (कारमञ्ज) ज्ञापन ७ পশ্চিমাঞ্চলৰ প্ৰাধান্য লাভের আর একটা কা-রণ। বুদি উভয় অঞ্চলে এক সমুরে প্রধান রিদার नम चालिड बहेड, जाहा बहेला वाप बम्र भूकी क्तरक अथन राष्ट्रिक कीन कक्ष प्रथा। या च उटक উচ্চা ঐপবিষাৰে থাকিত না।

উত্তর অঞ্চলের পরম্পর অনৈক ভাব আ-শক্ষা করিয়া গোষপ্রকাশ অভ্যন্ত হু:খ ভাব প্র कान करियाद्वार । छेहा प्रमनक वर्ग छ गाँख वर्रे क्र:रचेत्र विचेत्र मृत्यक माहे। त्यावश्यकान काराः ভিন্নভাবেই একসাত্র অবৈক্রের কেব্র বলিয়। अपन कवियादिन, এवर उच्चन देख्य अक्टलव भाषात अकडा मालानियार्ग चलूरवार कविदार्ग इस, ক্ষাময়া কেবল ভাষ। ভিন্নডাকে ক্ষরৈকার স্কেড ৰ্দিল্লা এংণ কাবতে পাবি না। ধর্ম আত্মগৌ ব্ৰধ ৰোধ ভাষা ভিন্নতা এই তিমটা উহার জ-किंद्र कांत्रन न लक्षा आयोद्यतः आक्रीव्रमान इहे-ভেছে। উভয় অঞ্চল ধর্মগত কোন অনৈক। नाहै। अहेमन आवारतीरव त्वाप ও ভाषा छि बंबा। এই प्रहेरिन एटन जानता नर्तारत शकि शक्ताक निकारण आयुर्भोद्रव পविद्यान, পুৰুষ্থ উজ্ঞাত ক্ষুত্ৰ ভাষাৰ একতা সম্পানা **तो वी पाञ्च** प्राप्त कारणाउँ छ । प्राध्यानः कांत्ररण केंग्रय केक्स अकुछ। परिकार करिता वासाली पिरशह ে একড়া নাই ১ বৃড়িয়া যে একটা চিব্পদাদ

আছে, উংগ আরও গৃচীভূত চহুরা দেশনীকে কল ক্ষিত করেবে। এবং দেশীর দগের স্থানিকার যে কি ক্ষং গৌরব আছে, তাহাও বিলয় প্রাপ্তে হটবে।

সেগ্ৰহকাল পূৰ্মাঞ্চলকে সম্পূৰ্ণক্লপে শশ্চিমা क्षान्य खायाव खड्कत्रन कविष्ट कहिएछहिन, গৌ।ক্ষকতা স্থাপনাৰ্থ বলিগাছেন, ভাষাৰ জন্ম গত বৰ্ণবর্ণ সহরাহ বে প্রচেশে অধিক সংখ্যক গ্রথকার উভু ও হইয়া ভাষা বিস্তার করিভেছেন, সেই প্রদেশের ভাষাকে আদর্শ করিয়া দেশ শুদ लि'रिकेत हुना कर्कता। अहै (रुपुत्र क्षांख निर्हेत কারয়া তিনি পূর্মাঞ্চলকে পশ্চিমাঞ্চলের ভাষার অমুক্রণ করিতে কহিতেছেন, কারণ পশ্চ-माक्षरम अवकारविकारका प्रक्रिक। प्रमदा अक्षा থীকাৰ করি, কিন্তু এই অংশে গোমপ্রকাশ জ ষেব হস্ত মুক্ত অৰ্যাহতি লাভ করিতে পাবেন नाहे । तकना जावा अध्यक्ष शृर्वेषा नाम करिएक পারেন নাই। উহাব পূর্ণত। লাভ একমাত্র সংক্ তের স'হাষেব এতিই মির্চন কবিভেছে। তবে .व (य अर्थ मरकु ७ व।कित्रगरक ज्यानर्ग करिएन অনর্থক ভাষার কাঠিনা হয়, সেই সেই স্থানেই तः र উ**भावस्त्र अवस्थान कर्षत्। जा**क्रियनि वा ললা ভাষা সংক্ষের সংভ্রে পরিড্যান করে, ভবে ইহার কিব্লপ ছর্মনা উপস্থিত হইবাব সস্তা बना शार्ककवर्ग है विरवहना कविशा (मधून। छाहा रहेल कि वालना कांगात तारे शूर्तकात कवता উপস্থি ভ হর না। এইকণ ড বাগলা ভাষাকে নানা যনি নানা পৰে লইয়া টানা টানি করিছে ছেন। কেহ'লপর ভাষার শব্দমাত্র গ্রহণ নাক-বিরা কেবল সংখ্য ভাষা বারাই ভাষার পূর্বভা कविट इहिट्डिइन, (कर्य) अभववाद इनिड প্ৰধান প্ৰধান বে ভাষা কউক শব্দ গ্ৰহণ করিয়া উহাব পূৰ্বতা কবিতে অভিলাবী হইভেছেন : উদার কি সর্পাবাদী সমত কোন মীমাংসা হই রাচে : সোমপ্রকাশ স্মরণ করিয়া দেখুন তিনি, বাসলা ব্যাকরণের মুডন প্রণালী সংস্থাপন ক निएक शिवा बहुमा मन्त्र कारता किक्रण मर्जना সং৷ ক বিয়াছেন : ধাছা হউক আমবা উভয় আ थः नारक है नरक छ वाकितः, आं में वाचिहा छ। বাব একতা সম্পাদনার্থ জন্মবোধ ক্রিডেছি खारा **रहेरन** भौपरे कुटार खानाएकत नवादमा আছে। পূর্কাঞ্চল যদি কেবল পশ্চিমাঞ্চলর তত্ত্ব कद्रभ कतिएउई भारक खादा बहेता श्रृकाक्षम मा মান্য বিড়ৰিত ইইবেন না ১ পশ্চিমাঞ্ল হইতে যেমন উত্তম উত্তম গ্ৰন্থ নিৰ্গত হইছেছে সেইক্লপ '' रुफ गळात मनिवात ? '' वड़ क्ट्रविव व्यविवाद »

" आड नक् रन कनाशाह » क्ष्मिक क्षमात्र भूकक क्षका निज इदेख्याह, मा आदि छाव आ बात नामिक। मा आदि तहना क्षनानी, मा आदि छाशास्त्र भारते। स्था । स्मामक्ष्ममा कि भूकीक्ष्माक छेशाव क क्षम्मत्रम क्षित्रक कहिरना।

मः कु **खाकत्रवाक जामनं क**तिया खेळप्र अक मित्र हामनाव ज्यावन अवकी विश्विष्ट एड्र अहे क्षकवात भक्षक शक्तिमाक्षतीरवृता क्षव, क्ष-विक्र करिवार फेकांबन कविया धारकन मधा. " (नोक। » " व्याव » यसन छेराव भूम मः प्रु ज শব্দ "নৌ » "আয় » তথন "নৌক৷ » আয় উচ্চাবণ কৰাই অধিক, ন্যায় সম্মত। কিন্তু পশ্চি মাঞ্চল খেচ্ছাচার পরিত্যাগ করিয়া ভাচাকরি বেন না। তাঁছারা ভাষার মিষ্ট্রভা সাধনার্থ বিঞ্ क्टल विक् वृक्ष क्टल कृष्ण विलायित का ब्रिक्ट का ना जिथक जारकरभद्र विषय करे मिश्रकान ভাষাগত দোৰ বিচারকালে পশ্চিমাঞ্লকে একদিনও এই কথাটা শুধাইতেও অবসর পান নাই। পূর্কাঞ্চলের কোন কোন , বাজ্ঞি দোমগ্র कार्यत्र विरव्ध बुधित्र कथा (य উत्तर्थ कतिबार्हन बार इत्र जारा करें रहजू सहिमाहे बना हरेगा थाक्टिब!

পুমাঞ্চলীরদিগের সধ্যে ঘাঁহারা বলেন 'কা মরা পশ্চিমাঞ্চলেব ভাষাব অমুকরণ করিব কেন ?' ভাঁহারা সামান্য অবে পাতত হন নাই। কোন চিব মলীন বাজিকে গান্ত ঘৌত করিবার উপদেশ দিলে ভাহার '' কেন মালা খৌত করিবার উপর এই উত্তর বেমন উলিখিত ব্যক্তিদিগের উত্তর ভাঁহা হইতে বড় ভিন্ন নাই কর্কশ ভাষ খাবন করি য়াছে। পানাঞ্চলেব স্নের ভাচক রহস্যালাপ ভানিয়া ও ভলগে মিইছ অমুভব করা যায় না মালা হউক, উপসংহার কালে বাজেবার এই, উত্তর অঞ্চলার ভাবারত দোব পরিভাগে করিয়া উৎকর্ষা মুসারে পরক্রার শান্ত প্রত্যার অমুল্যরনপর হওয়াই গ্রের।।

त्रिमध्यकान मन्नावक महानद्रक है हो । वा-छन्न, दि " हरेदक » " वारेदक » ' विन्नाक्ष तम मा » हेछावि स्वाव छनि पूर्ताक्षमीविष्ट । अ बदावर्षक स्वाव नव्र । दिनि भन्तिकाक्ष्मका श्र निक्ष श्रकातविस्तद अव गाउँ क्वन स्विष्ट गारेदम । उर्जन स्वाव विन्ना छाँहात मर्गाध वार्ष देशस्त्र हान क्वन । क्वि देश भूत्रीक्रमव बदावर्षक स्वाव विन्ना दम विद्य द्वाव श्र काम क्वा हम ना । व

প্রেরিত।

বান্যবর **উর্জ নোমগুকাল সন্**াদক বহালয় সমীপেয়ু।

আদি এক দিবস একটা বিজ্ঞাপন দেখিলাম,

১৬ এ কার্ডিক রবিবার বেলা অপরার ৪ ঘটিকাব সমন্ন ভারতবর্ধীর রাজ্ঞানমান্ত সংস্থাপনাপ
কলিকাভার চিংপুর রে চের ৩০০ নং ভবনে
এক সভা হইবে, কিন্তু কোন্ ব্যক্তি আহ্লান
করিভেন্নে, ইহার উল্লেখ বিজ্ঞাপনে না থাকাতে আমানিগের মনে কিন্তিং সন্দেহ উপক্রি হ ইরাছিল। তথাপি ষটনাটা অচকে দেখিবার বাসনা করিরা আমি করেক জন বন্ধুর সম
ভিষ্যাহারে তথার উপাত্ত হংলা না সভা
একটা বন্ধ নিশ্বিত গৃহে ইইয়া, চল। সভাত্তের
প্রায় ২০০ শত ব্যুক্তি উপাত্তত চিনেন :

त्रकाव कार्य, चात्रक क्रेटल अथरमरे नका করিবার প্রস্তাব হইল এক বাজে আপত্তি করি লেন, কে অধ্যকার সভা আহ্বান করিতে ह्म छाहात निष्ठप्र नाहे। चाउ अर क्लान वि (भव वांकि वा मम अ विषयान व्यक्त वक्रम ना शिक्टल मका दालन नाराम्भा ह स्टेटज-क्रिया। जाशकिकाती महानरश्व राका जामा द्रकाष्ट्र छ दाव क्रेन। विस्त के जानसि এছে, না ছইর। সভাস্থাপন এস্তাব স্থিব ইইলে भव अक बाक्ति मञ्चाभाषित्र भरत ३ उ इहेरन न । উপাসনা কাৰ্য্য শেৰ হটলে গত্ত সভাপতি আপ शिकाबीत ऐक्त्रहामकत्व क इत्वन (य अह-काव मकाय जाह्यान (क'न के किय नहाँ, हैश चयूर क्षत्रभी बरद्रद्र का का उस्था ५ ने। हात्र हेक्ट्रांद्र इहेब्राट्ड । मण्यानक बहानय । यं १ (कड এकी बन्द्रभानकादिनो मञ्चा कदिया वटह ५५ रहे जञा जैचरत्र बार्यस्य वा देखात्र रहेशाङ, लाग क्ट्रेल कि जाइ'एउ लाटक एक्ट्रेड क्ट्रेन: ভংপরে জীযুক্ত বাবু কেশবচন্দ্র দেন একসী व कृष्ण कविरमम, खेशव खूल छ। भर्यः अह काबक्रवर्षीय मध क शालन बाबा तम विस्तानिक ভিন্ন জিল ভোৰীত্ব সমুদায ব্ৰাক্ষাকে এক শৃত্যুক यम कतिहा जानाधर्म नर्नाज श्राप्ता कराई हजात উদ্দেশ্য, य रहपुक छित्र कित्र छारी थाविस भएक किम्बा शांकित, अठ वर नकन का একব্রিড করিরা বর্ত্তমান অবস্থায ঘাং। কিছু करेमका हाथ आहि काश पूत्र करिया य'श-एक शक्रण्यात क्षीकार्क कविद्या शक्रणाद्यत छेश-কারিতা শক্তি ও সাহাধ্য ছারা প্রকৃতরূপে ज्ञांकाशकी किवारिक स्था, जीहा कहा कर्वता।

তাঁহার বজ্তাট অভি উত্তৰ হইরাজিল। छारात वरुषा भव व्हेरन अक सब देवान प्रश য়বান হইয়া সর্বপ্রেথবে বর্তমান সভার উল্লেখ্য वर्वन कृतिका इहेडी ६ भ कविर्मन । सक्ष्य अभ এই. श्वाणिष्ठ माजूनमाम हरेएछ अञ्चल **श्व**क স্বাজ সংস্থাপনের তাৎপর্ব্য কি ৪ মাতৃস্যাজ रहेट कि म्हार्यत्र प्रमुखिक खेत्रिक नायम हहे-ख्टा मा? जे गड़ा स्टेख्ड कि मी। कड़ बका-निर्श 😘 उन्ना भूतात्र्व आहार्यः मकल (मध विम्हिल बाकाश्य बीक यथन करतन नाई ? के সভা হইতে কি ডিম ডিম স্থ'নক শাধা ন্যাজ ও विमिणीय विकास व्यक्तिमिश्यक जी कि विक्रम ও উপদেশ প্রহান করা হয় নাই? একং। कि त्महे बाज्यबाज शूर्काटशका क्रममञ् शास बहेगा নির্মিত কার্য্য নির্কাহ করিতে সম্ব চইতে ছেন না? তবে কি কৃতন সমাল সংস্থাপক মহাশরেয়া এরপ অভিপ্রায় করিয়াকেন, যে মাতৃসমায় বেরূপ আছে সেইরূপ থাকিবে क्वन व्यात्रानात ও विम्यानरम् म्याम् नमा (खंद मर्का वृष्टि करा श्रेट्ट ? अथवा कि का-कार्या बाज्यशास्त्र अस्तिवानिएउ दिवस्क इडे

बिजीय श्रम श्रहे, रव आकाशतमात विवादनत जन। है वा अभन कि नियम क्षत्राह कार्ट, यजाता नकरनहें (नहें निवृत्य वृद्ध शाकिरवय । यह अक माज देनत्तव एकन्। कता है बाकानत्त्रित हित्समा इत, छोड़ा इंहेटन अदमल्यत ना छित प्रत्यत रमुगान राष्ट्रिके ताका । कावन मकरन व छेतामा स्वित्र अक कि । प्रदेश है । यहि कह अस्तामा यात उभारत पात्र देव हता, महस्र अ वृक्त অবতার শরণ বলিয়া আ'দৃত হন, ভাৰে কে बाजा वा रू जाबाजा भिक्तप्र स्टेन मा. जाठ बर श्रक्षा विकास विकास क्षेत्र काला वाला, भारताहिक अद्रभ नियमवस् कवा स्नादभाक, य कह विकासी ना इन। ही होत कथा 6 ल আমাদিগোব যুক্তিসিছ বোধ হইল। কিন্তু আশ্চ-र्थाव विश्व **बड़े, के होत्र विकार्शन अक्का**रन অনাহা হটল। তাহার পর কয়েকটা প্রস্তাব করা क्रेन। এक, डेमार्ग ও श्रीकिविवयूक। विकीय, মানব স্থাতির জী ও পুরুষ উভয়ে সমালে উপা সমাধ আগষ্ম করিতে পারেন।

ড়তীর, জগতের সমুদায় বাছ বইতে দীতি এ ধর্ম বিষয়ক সভ্য গ্রহণ কবিসং ক্লীজাধর্মের জন্য এক বাছ প্রস্তুত করে বইবে।

চতুর্থ, মাতৃসমালের প্রধান আচার্থ্য জীবুজ নেক্ষেত্রনাথ চাতুর মহাশয়, বেরূপ রেশ দীকায়

कतित्र। कात्रतानवारका क व्यव वात्रा क्रिका नवारक्षय कार्या नक्षम वार्यक्षम क्राह्मत विलाज शमनाविध निव्यविक्रतारण निर्वाय क्षित्रा व्यागिरज्ञाका, जाशास्त्र केशास व्यवप्र मर्श्व भवशे ७ क्षक व्यक्तिक्षम शक्क क्ष्रमान कर्म व्यवभाव ।

क्लिकाफा ১ ला जजरायन े अन जन विस्मित सामा

মান্যৰর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশর সনীপেয়।

মহালয় ' আপনি গত সোমবারের পত্রি-কাতে ৩ য় ভাগ মানসাক্ষেব বিষয় বাহা লিখি-ब्राट्डन, फारू। পाठ कत्रिया विश्ववादिक स्टेब्राहि। थवयकः जानि कार्डे मानद मांचा विविदा-एक " চাবিকে किन क्षत क्षत्रिक s **क्रि**स বার ^৯ ইত্যাদি। এই স্থানে এক**টা ভূল চ্ইরাচে** s फिरन रात्र ना निश्वितः " ७ हात्रि नात्र s मिथा के हिन्छ हिन : कांत्रन व्यानात निश्चाम व्यादा धनक भरत छना त्रामि छेक स्टेर्टर । जाभनि লিখিয়াছেন '' এ রীটিডে পাঠ করিছে গেলে कि कि र क्षिक नगर व.स स्क्रेट के के जाति किया কেন নে অধিক সময় সাগিরে আমি ভারা ब्रांबटक माविएकि ना । ज्ञामनि कार्टिमदनन भर्यः य एव कथा नि बिश्वारहत सनि अस्ति नार्य সেই দকল কথা বলিতে হয়, তাহা হইলে অধিক সময় লা গতে পারে, কিন্তু আমার পাঠপ্রধানী দেরপ নয়, অ পনি ২৪ পুষ্ঠার প্রথম কয় ছত্র পাঠ কবিলে ব্যিতে পারিবেম। (১)

শ্ৰীগোলচন্দ্ৰ ৰন্দ্যোপাধায়ে।

२) अ नरवष्त्र

15001

মান্যবর জীযুক্ত গোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপের।

বন্দাদক নহালয়। ন্নীর ছাবা বে ছাত শাস্ত উপকার লাভ হটয়া থাকে, ভাহা সকলেই বিবে চনা করিতে পারেন। এমন কি, ভনারাই স্থানা-দিব গৌরব বন্ধা পায় ও লোকের নানা প্রকাব উপকার দর্শিয়া খাকে। কিন্তু আমাদিশেব ঢাকা নগরীব নিমুক্ত রুড়ীগঙ্গা ননীর আধুনিক অবস্থ: দর্শনে বোধ হইভেচে বে অলু সময়ের মধ্যেই এ সহধের মান সন্তুম ও শোভা প্রাকৃতি বিষ্ণু হইয়া ঘাইবে এবং লোকের বিবিধ ক্লেশ ও নগ

(১) ব্যক্তভা প্রযুক্ত অম ইইরাছিল। স।

রেরও ছববন্তা ষটিবে ৷ উক্ত নদীতে এরপ বৃহং ' স্থুছৎ চর পভিয়াছে ও ক্রমশঃ ভাহা বৃদ্ধি পাই **इफ्ट्रिस कि**ट्ट किन श्रेट्स के नहीं मिकिया सहिद अवनहें नहीर आयु अधिकाश्य इरत पूर्व इहे-श्राद्ध। अ क्रमा উष्टाटक वक्ष वक्ष विश्वासी का ও আহাজানে গমনাগমন করিতে পাবে না। ফুক্সরা° এখানে বানিজ্যাদি বিৰয়ে বাঘাত काश्राप्टरह। यमि अगरन উक्त मनी कांग्रोहेग्रा मा (मध्या यात्र, छांश व्हेटन वित्मय अनकार्यव ज्ञाबना । याहा कर्डेक, अ विषया आधारितात कॅमियनद रक्लाख मारहरवद मर्नि'र्घानी इल्हा কর্টব্য। এতদারা রাজা ও প্রজা উভয়ে-ৱই মহোপকাষ সাধিত হইৰে।

ঢাকরে সমীপত্ন বারায়ণ্পঞ্নামক স্থানে শীতললকা ও ধলেইরী প্রভৃতি বিশেষ ভোড সভী ও গভীরা কভিপয় নদী আছে। এ নিমিত্ত च्यांग्र इहर इहर (नोका प्रयुक्त छ खाहाखामि জাসিতে পারে ৷ স্থতবাং সেখানে বাণিঞ্য नार्भारतत स्मार देवकि स्ट्रेटिंग्ट । के स्थारन भीनमित्रभीत लाक, भेग, देश्ताब, ब्यार्व्सनि अकृष्टि भानिक लिएक वंशिया क्रिया थारकः

अवर्गक काकारल दे-बाख भागत्वव वारमव श्रीरम्भ नित्रारस्य ।

斯都 1

क्रीथनतम्बर्धः धरः।

শান্যৰম শ্ৰেৰুকে সোমপ্ৰকাশ সম্পাদক महानम् मभीदशयू।

গত ২ রা অঞ্চায়ণ শুক্রবার বাত্রি অনুমান ৭॥ পটকার সমন্ত এখানে "একটা সঞ্চৰ বিবঃহ বান্দাণৰ মতে সম্পন্ন চইয়া গিল্ল'ডে শুনিযা जालामिक स्ट्रेटन । शाज टेनमान्टलास्य (भी-ক্ষিতা নিৰাসী জীবুজ বাবু রামকুমাৰ সেনেব পুত্র মান প্রসঙ্গকুমাব সেন, কন্যা প্রাক্ষাবজাতি भृष्टिश्रुत निवामी जीपुक बाबू किरमातीलाल रिन्दुक्कत्र कना जीवन तीवनची । कार्यः बहेवात শ্ৰেষ্ট ১০ - আমা ও বাসিকা ও বৃক্তিয়ান की भूक्त थात्र ३०।३६ अवर जनगना लाक! 🛢 गिक्छि हिलान। धाराजा आहे नकताहै विवा-ছাঁলে ক্লাহারাদি করিয়া সভৌগ প্রকাশ করি-्नम है बाजिन अक्री बाक्सनित बाक्स, वर्शक्तम **बाब हुम। २४ वर्गर, (दल शर्बत जन्ही खनान**। काँ किर्म अक्षी ध्यमन क्वानी । डी इंडाव विकित्रकात क्रियोह, अध्य खेरेव आग ৫ वरमव **ইব ভাগ ইব্রিছে।** এত দিন বিবাহ করেন साँदै छाराव कार्यन क्वांच जानाम एक दिन व कवि त्वन अहे हेन्ह्री हिंग। कना।त वशःख्यम ४९ वर्गण.

की ककी तब्ब कूरता अधान क्षानीत अधान क्षान नरह, किछ लामधकान गार्ठ जामि यांनिका, ज्यानक बात्र वश्त्रुका त्यांनात गर्ना भूत ক্ষার পাইয়াছেন। হৃঃধের মধে। দেখিতে এখ-নও নিভাত ছোট, ৮। ১ বংগরের মভ দেখার বলিলেও হয় । প্রসন্ধ বাবু বেমন এড দিন অপেকা কবিয়া এই হতভাগ্য বসংগদে একটা দুড়ান্ত দেখাইলেন যদি আর কিছু দিন অপেকা ক্ৰিয়া বাল বিবাহ নামট ঘুচাইতেন তাহা হই-লেই সর্বান্ধ প্রকার হইত। বাহা হউক, জাকা-(मय मःवाम मास्य भारे, अह्मव'रव मक्तरे आणा कता याहेट आदि मा। अहे छन्। बाननादक मा কানাইয়া থাকিতে পাবিলাম না। বিবাহ ধে প্রধানীতে সম্পন্ন হয়, তাহা সংক্ষেপে বলি-ভেছি। গভাস্থ মহাশ্রেরা আ আ আসন এছৰ কবিলে পর আচার্য্য ধর শ্রীযুক্ত বাবু প্রভাপচন্দ্র মল্পনদার ও শ্রীবৃক্ত বাবু উমানাথ গুপ্ত বেদিতে जामन ग्रह्म कविद्रा छेभामना करिएमन धवर विवाह कि, উপদেশ इटल बुकाहेश मिलम ७ भव স্পাবের সহস্ক অদ্যাবধি বাহা হইল, ডাহাও বলি स्मिन, भरव क्रीयुक्त रक्ष्मवहन्त्र राम बन्धानमधी কন,ার পিভাকে বলিতে বলিলেম বে '' আমাব खार्थ करा। क्रिमणी **शक्षणभीव खा**त राजन-দ্বীর মনোনীত পাত্র জীমান প্রসম্পার সেনের হত্তে প্রদান করিলাম n প্রসর্কুষার বলিলেন ' আমি গ্রহণ কবিলাম » পরে রাজলকীকে বলিতে বলিলেন '' ক্লখে ছঃৰে ভাঁহার ভন্নবন্তী হ্ইয়া চলিব ৯ প্রসর্কুমার বলিলেন " আমি অন্যাবনি ভোষাকে জী বলিয়া এছণ করিলাম ^চ বেনি চইতে আচাৰ্য্য মহাশয় জিজাদা করিলেন " এয়ান প্রসম্কুমার ভূমি জালাবধি জীমতী বাজলন্মীকে জাপন জঙ্গ বলিয়া জীরপে এছণ কবিলে ? » প্রসম্পুমার বলিলেম '' গ্রহণ করি-লাম ৯ পবে রাজনদ্বীকে জিজাদা করিলেন

' জীৰতী রাজন মী তুমি জীমান প্রসমুক্ষারকে जाशन चामी दलिया शहर कविरण » दांजनची विनातन " बह्न कदिनाम " भारत जोशानिगरक भुनवांत्र स्वयुत्र छेभएम् अमान कविरमन अवर मिश्रदाव निक्र धार्यमा कविश्रा शांन जावच रहेन। এবং তিনটী গান হইয়া সভা ভঙ্গ হইল।

अक्षा प्रमंक।

माग्यत् अयुक मामध्यकाम मन्नानक মহাশয় সমীপের । निवनम् निरंतनम् जिन् ।

মহালয়! বাজনা স্থাদপত্র পড়া আমার

বিশেষ অসুরাগী। সোমপ্রকাশের অনেকগুলি প্রস্তাব পাঠ কবিয়া প্রীতিবাভ করিয়া থাকি: किन्न बेर्गमञ्जा गुरुम अटब्रु नवाटनाहमात् (य नकन श्रष्टाव निविद्या बाटकन डाश श्रीडिक्टरव विभन्नीक। इंशरक महाजन्नरक साथी कन्नि स. দেশ কাল পাত্র বিবেচনা করিলে মহাশরেব अ (मांच क्रूनक्फ बर्डे। व्यामानिर्भन (मर् अकर्ष क्रिनिका अछ वज्ञा. (व यश्यरत्त्र नहात्र ব্যজির নিকট এ বিষয়ে অধিক প্রভাগ করিতে পাবি না। স্থানিকা ব্যক্তীত এছ প্রণয়ন সহবে পুৰিকা ৰাজীত এছ সমালোচন महर्ष मा ।

 এই ভাষের, প্রথম বখন মহাশয় সীনবন্ধ বাবু। 'সংবাৰ একাদৰীকে ৯ জ্বন্য বলিয়া সমালো-हम कार्यः मण्येत्र कविद्योहित्यम्, जनम अ विश्वत्य মহাশন্তের সহিত বিত্তা উপস্থিত করা যুক্তি निम्न विरवहना कति नाहै। भथवात अकामनीव रव গুণ আছে ডাহাডে সোমপ্রকাশের নিকট প্রতি क्षित्र ना श्रेरमञ्जलनमार्य देश चात्रक श्रेरक পারিবেক। কিন্তু মহাশরের ২৭ এ কার্ডিকের পত্রে দেখিলাম যে মহাশয় কমিত প্রহ্গনের मिर्वादन्यावन केनलक्क श्रह्मनावित्र द्वाव छन বিচার সহক্ষে করেকটা হ্রে সংস্থাপ্রনের চেষ্ট। পাইরাছেন। যদি ভারা মহালদের পাঠক সমাজে গ্ৰীত হয়, তবে কাৰ্য রসামালন ক্ষমতার জীহারা অনেক দুর বঞ্চিত হইবেন। এই জনঃ তংবগুনে প্রবৃত্ত ব্ইলাল । মহাশরুকে বেরুপ উদারচরিত্র সম্পাদক বলিয়া বোধ আছে, যদি আপনি শেইরূপ যথার্থ হন, ভাবে অবল্য এই লিপি আপনার পত্রীই করিবেন।

महानद्वित हर्ष्य होमवकु व'तृव अद्वृत्त अवम त्रांच अहें—" नांकेरकत शक्षत्री बरनाइत सा इहेरक अवर श्रष्ठ तहनाग्र क्षष्टकारम् त्र कोमन क्षकाम ना रहेरन, किंख चाकुडे रव ना। नभवाब अका-দশীৰ গল্পটা অভি সাধান্য ইত্যাদি ৯ এডছন্তি नर्नाश्टन जमात्रक। श्रवंग अम, नश्वांत अका-मनी नारेक नात. शहरमा शहरून, नाविक नाइ। ৰাহা নাট্যশালার অক্সিনীত হইছে পারে, ভারা কেই নাটক বলিৰ না। বাত্ৰা নাট্যশালায় জড়ি नीज रहेटड शास्त्र, बाजाटक सावेक वनिय ना। বদি যাত্ৰা নাটক হয়, তাবে '' পুজ্লো লাচ শ " फीएएत बाह », " (बनेहैं। बाह » এ मक्त्रक माठेक । अशिक्र, क्वरन करणानकथ्य अस् इहिछ वर्देशके स्वीकेक क्या का शब्द नहरू। त्यान क्या सन्धान महाकृषि शास्त्र पूना व दिवदम आहि

रयाता वास्ति कवन स्वयंती यात्रम करवन नाहे। তিনি কহিয়াহেন বে করেকধানি পত্র (চিঠি) : লইয়াও একখানি নাটক হইতে পারে। এবিধরে माहिड, पर्भवांतर्ड याश निथिधार्डन, छाहा विश्व इडेम । त्म भकरत्व दिम कान अकरन नाहे। (यञ्चल कामानित्यव काठीन व्यापितिय-मिगाटक फेटनका कनिया नाशाम ७ इ.मी. हार बिक्रे ब्रामा बिसा निया कतिएक इय. (मह ৰূপ প্রাচীন আলম্ব াই দগতে ত্যার করিয়া दिशाम ७ (१८^{२)} ि १४ अमदात ज्यास्त করুন। নাটক ও প্রসংন্ধ ভিন্ন ভিন্ন উল্লেখ ক্ত হরাৎ নাটকে ব'হা প্রত্যা গ্রীয় একসনে ভাষা **अध्यासनी**स ना क्षेत्रं भार । का नेरक रकी भागपूर् शक्क भारमान्य वर्षाताः श्रान्थाः श्राद्यां क ग्राह्म

षिडीय खब, क्षण्यन ताहे हे - हे लिल, शक्त वह नात कोभारतद विष्म। य नमाक बार्स ना। नाहे क्ष्र शक्षर होत्रेष्, छ। वर िश्च अति शामाना अन । यमन कुल्बी खीरमारकः इहे शक थानि সামান্য অলকারের অভাব থাকিবে ভাষার (मोम्मर्द)त माध्य इप्र ना. एउपनि नाउरकर এ তপ ना था किटन विट्नव है कार्यत्र नाष्य रग्न नः। यञ्चलः कालं नामानः शह लहेबा बहुः ५३% নাটক রচিত হইতে পাবে, অভি সামান, भन्न (")) नहेश शृक्षिरी उपानक सह । क्रिडे নাইক রটিউ হইয়াছে। সে সক্ষম নাট্রের নিত্রী বছাৰলী প্ৰভৃতি ভৌশব্দম দল সংযুক্ত নাটক रवा अध्यक्ष विका बदमादाव न व त्वाय क्या ११९ हेत कि कीय नांदेश करहेर श्रामी कि ? किन्दे मा। डाहा छिन इत्य दला यात्र। चर्ल ফটের প্রবাংশ শুমিয়া, মেন্সষ্ট ফিলিস ভাষাকে कृत्र । अ कत्रियात खना नेश्वरयत खन्नुमच्छि मरस्य । भारत मार्ट्री महिक मिशक करेंग जाशास्त अवश्च प्राथ ७ भिषाह (लाक प्रमान करान। अडे माज । देशव व्यानका मध्यात अनामभी एउ भारतर त्योनन जाटक। जबक करहेर जना वारेक श्रामाला है व श्रा काव विक्रित हम नाहै। सुनानी नाउँदक्त बद्धा अख्यिनद्यव श्रामीख 'श्रामिधिः ५म ० बरणका चात्र नाइक नाई, त्वाथ इय कृत-ওলে ভাচৰ নাটক আর রচিত হয় নাই। কিন্ত এ বাটকের গল্প ফটের অপেকাও সাম্ন। फेक्क कविव " मध्यामा a नामक अप्रेक चि विकाछ : किन छाराव भव नारे दनिरत अधा इड्रे काठा ब्रांका सदेश: विवास कटन, भटा शब्रमा রের যুক্তে পরস্পরে আহত হইরা উক্তরেই মার্রা वात्र। अछिनितिक व नाहित्क्व गटन वयार्थहे आह । करूरे नारे। अवह यिनि अक वाद छेश शांठ क ब्रिप्रोट्डन, जिमि यांत कथन छै। वि पृष्ठ ६१-বেন না'। সেলপিয়ারের ইভিহাসাল্লক নাটক গুলিতে কি চমংকার গল্প আছে ৪ চতুপ ছেনবির इहे भट्छ, शक्षम (इनवी ख छुर्ज म तिहारक . **ष्ट्रेय (र्**नवीएक कि श्रह्म कार्ट्ड न बांश किछ ৰোছে ভাষা কালাৰ না বাল্যকাল অৰ্থি অভা नव बादक ? कदव दक्त की मक्त मार्थक मार्थक বৰ বলিয়া পৰিগণিত ছত ১

विष्ठा अस्मानंत्र शास्त्र निर्क विद्वस महता-यांग पिटन छोहात भूश डिएम्ना विकन हव। প্রছদন ইংরাজী হকি, সেমুগল ফুক ও ডেবিড গাঞ্জিক প্রাকৃতি ইহাব আই।। ভাঁচানিগের বচিত रा अन्दर्व ब्रहिज अवङ अक् बानि हेरताकी श्रव नम नाई ए छ। हात भए। किए बिल्म हाउदी श्रकाम चार्ड। उर्व नीनमञ्ज बांद्रव चश्रदाप ? जाननि निस्त्राद्वन '' नहारीय तन्ना विष्ट्रा खड कारवर कि इ भाज रेमश्रा श्रकान इस माहे। अख এব এতংগাঠে যে চিত্তের বিষক্তি ক্লাব্রির ভাগ काम्हर्श नरह । » (र न कि कीटन लवन ब्रह्मव छब करत. भेरत त्य छाइग्व विवक्ति छन्नित्व प्ताडा चान्हर्य नरह। लावजी कीरतत ना जाल-नात ? जामनात करण मरवार अकावनी र छित्रीय मित्र बहे ता " अगुन्तिन प्रतिकेश क्रिका क स्वाधानमियावनी प्रसाव छे दार्तिका सम्मन किविया स्वाभाग विवर्य अने एक विवाल है । भा-वस कवाहे वेहांव উटाना । किश्व काहा लाखि ह वय नाहै। नकुरक्षत अ निरम्भ , उ एए कर्णाभ कथन रग्न, खखाला देशहे अखिणानिक इतेतादक प अहाशाम मेवाननी भुखाद एलाम, काप हुई उडाइ मा, अलाज क्योंजा लाएप धार्यकांत इह . जरहा » व्यानि । शहरत अ. विव्यार । भारतम् नाहे। स्वश्नाधान्य व्यक्तिकेवावि हा अपनित । कवान स्वयंद्रकव केटलना चटने, तिश्च क्रवांनान निवातनी मुख्य डेन्ट्यालिड। १०४१म । य अप कार्यक छेटमन, ब कथा स्मानान नार्टनन १ । अवांशामिनवावनी मधान अधनद्वाशिका अम र्मन (>) क्वांडे अवस्ताःत केल्लाः दक्षाः

(३) व्यानहा कानि, योहां वा मध्यात अद लक्ष्म कविशा कुञ्जिमा निवास्त्रव अङ्गे भाम এত্রফাবের তাহারিবের সপক্ত। 🐠 ও উ-সাচ ति अत्रा छेडिछ, कि इ चिनि छ दिनतीं छ व नश्व ं काजी रहेश डाँशमिटनत ८०% वि देवक्या अल्यानन । रहेश सारेख. এই कावित्रा করেন, তিনি হাঁহার হয়েন ছটন আলানিগের হৈতে বিচত হইছ? প ব

योशी नरह. 'वखछः अ मुक्कांद्व (क्यून জনিতেকে। এছকাবের এ উদ্দেশ্য যে সিশ্ব ধর্ম রাবে তারা মহাশরই শীকার করিছেতেন 😥 क्ष उदार जानिन यहा (न'व व नवा निकास कवि बाद्ध्य, खाहा এकन लग विश्वा विश्वास

रेशंत्र भव काभ व लाएवन, " बर्बेंड एका केमगरहात्र कता हरेबाटह जाहाँ**ड क्राँडिकब क**्रि केटचना मानरमानातानी नरह। ब्राम्थ्य क्रेडिक्डि ल व विवय उ बाहरन (मः चन्ना छ। शहर ब्रह्में करतम, এই भाग भाजारमत नाः क সামান্য মাত্র। সচরাচর এ ঘটনা 🐙 हेडालि। जाननार कड कम (प्रवाहेके के মাতালের শাস্তি হইল ? আর কোই প্র नाहे ? खडे (सव य ! भार कि मार्कि मार्कि টেত্তকৃতি সকল যে পশুৰং নিত্ৰী रहेत, हैश कि मान्ति नहर हिंदी ,পড়ব, পরীং,ে। সংখ্যত হইকা मर्ट ? (म .च .चभारत सम; दिश्वास स्थ দ্বিল, ইয়া কি ভাষাৰ শাস্ত্ৰি মাৰ্চি ্য তাৰ জন্য বেশার নিকটকুতা लग देश कि भा छ नहरू अधूर कि को बेरेब्र মনভুক হয় তবে কি তাহাঞ্ मत्रनामे कि ए। शतु पर्णा 'চডেব অলগতেই মন্পেসু ব शक्र वर्ते, ज्यानम् व वर्ते 👹 मन, भारक अहे ना छ जित्र रहते क्रक दर्दन दि: गय भनिष्ठ के स्थित नामि अम् अदार नार्ति पिटंडिया অপুকৃত ও নামান ছইড ১০ কিটো थ्,किन वा । व ,लाप ७ वर्ष 🎆

অ'ৰও ফিজাস, কৰি, প্ৰাৰ্থি ব নলে যাদ ভাছার শিতৃ পিকুষা ক্রম टाशहे या नामांना नार्षि क्रि. श उर्देशका किर्न उपनिक 🐉 🙀 🗓 क्षांना नटहन। धर हात्रि सन् ककिटाताच्य इट्टाइट गानि असमि कि (कान काज बहुँडेक्टर नी, फार्श ई ्कांन पर ८५४। करा ब्रह्म महा ८०% बीट ड १४वर्गन था किएक भारतमा मोर्ट है

(७) ८५१८वर यामे व्यवस्थान विति है। थाकिल, अबूक हुनी कित्यादक, खेराब विश्वशृक्षिति कानियान हुती कति कामाञ्चल

⁽⁾⁾ शहरी मानाना अवर अवाना विगत्त अंचकोर्त्त क्यां अकान अवान प्राचीन। व्यव धार क्रमामाना व्य अहे काम्या एकन स्थितिमान। ना

ৰীষ্ঠা সচরাচৰ ঘটিলা খাবে তাহা কাৰে: ফুচি-क्षिड कर्ता (नार मा छन न

अधिनाम क्ष्र गारे, देशा अध्यत भाष विनय अनिराष्ट्रिक्को अन वाव मन्तामक स्ट्रेटन जांत्र मन्त क्रिक्शिद्धिता। देश यमि अपनाव अधिभन मान्यून जेकन रहेज सा।

ক্লার প্রার আম।তা। আশান এছের কয়েক। वर्षक्र करिया किशाहित " नाता क्षेत्र के छील कि ब्राम। कथा नम्र १ (व मिक्क विवाद विवाद में इस छोड़ा कि श्रीडिकत हरें। भारत : " कामाव फेल्य अ क्या श्रीत वार्कि के के बहु जिन्द रा माउँ के शिल विमास **इंड, जार्न की विका**र 5) स्ट्रेंट शास्त्र ।

नर्भा वाब कथा काइ ते बटन ? याज भेनी बार्डन संविद्यात इत ? मानिनाम अ मकल वान क्षा--वक्त एथि नगद देशत शतिवा व ক্রিক্তি প্রবিধার হয় ? কলিকাভার লোক रसाह किया क्यांत्रिम वटन न। मरस् छ वटन ? रेखत त्वादक वावकात करत, বাছার কর্মান তের আমার জিল্লাসং, ভদ্র বাড়েই কথার পরিবর্ত্ত কি বলেন। বিভাগ ক্রিয়া শব্দ বাছির।

व्यक्ति कथा बहुत, क्वर वा विमानक कार्य पद्मी जिंकत वहें त ह बाम; जारक कि किया कथा (e) समा कथात का किसे निक गरम् एक स्ट्रेटन ? শেৰে লিখিয়াছেন, " স্থ্ৰায় मिने जन्द रहा नारे। এकथा चीक त मारम कि? जातल निभिग्नारम् ক্লাক্সিৰ বে ধান্য, ইয়াতে ভাষা

भिरंद समित (य मनुरक विष्टे (a)

कि अविरक्षक निरंकत या कथा নি প্রাথদিশের শোণিত অভাবতঃ উঞ क्षा कित्रा थाटकन। मा ্ৰান্ত্ৰেৰ বিবস্ত চাৰ প্ৰকৃতিনিক, ान हो। उथरा शुक्रवरक शब्द वर्षरन विरक्ष मर्नन १३ छाउन वर्षराम किसा १ म । (क) निर्मानियुट्ड मिहेडा शास्त्र ना।

नक्वात अवामभीत जाभाग त्य त्य त्माव। আরোপিত কনিয়াছিলেন, একে একে সকলের हैहात भटन, कोन य अन हां कन बनिया अधितान कविलाम। कामडीहै (लाव नटर, खन्नट्न, कट्नक्श निहें थन, हेरा निष्क व्हेंत । सामाने हेरा प्रदेशिक किन्नार्ट । हेरां अध्यक्षित किन्ना विकास किन्ना মাল। ছাড়িতে পাবিল না ইছাও ভাছার শান্তি। ইন. তবে অবশ, এ পত্রকে সোমলকাশে স্থ'ন मिरवन। कार्यने, 'बायन भएक शिकाक क्रिक्ट চেই। পাইয়াছেন, আমি আনার পদে সিধান্ত , করিকে: বিশ্বত হইতেন, তবে কাৰাৰ উচ্চেশ। কবিতে চেত্রী পাইরাছে, কে বধার্শ ন্যায়বানী ভাষা আপনার পাঠবেরা বিচার কবন। এই পত্র में घ, शामश्रकात्म देशाव श्वास इहेरव मा. श्रम अवज जार्थात करत्रम, उत्य कामोद ज्यस्टराव छ নায়প্রতার অহুরোধে এক খানি ক্রোড়পত্রে है। पूछि कविद्वम । छोहाटक खर्जिल्क वाय हरेंदर, त्र राष्ट्र यभि चीकांद मा करनम, छर्कुकछ ৰায় হইবে ভাহা প্রাচ্চে প্রকাশ করিলে, ভাকে व्यानमाव निकंड कर्य (भोहित्त । जात यनि किक्-তেই আপনি এ পত্ৰ না প্ৰকাশ কংনে, তংৰ डामा अ निविद्यत, छिपाझास्ट्र ७ भव कामि व्याधमात्र भाक्रकतिरात् ममीधक कदिव (१)।

रतान कविद्या।

मूना व्यक्ति।

क्रीवृक्त देकतामहन्त्र दाग्न महानद (मङ्क्रमा १२१७ व्यासंत्रम स्ट्रील १८ किंकि १७ » » विभिनीशृव नाइ (द्ववित मण्यानक १ ১২१० व्यवस्त्रान्त्रहरू १८ टेरमाथ

(१) (न्यत्र धरे मिथाहिकू प्रियता आमता অধিকতৰ কৌতুকাবিট হইলাম। পত্ৰপ্ৰেরক लोफ ও उन्न अमर्गटन भन्नीकपूर्य हन नाहे। किन्न त्मामश्चकारनय अ १६ (तामहे नाहे, पूर रहेक, अ व्यक्तिक्षरकर कथा। भीनवक्षु चावृत्र निधिवात्र किकिश मिक अभिवार्ष, मध्याय अकालमी (इटल (थमा विलया कार्या नरगत (वीम रहेक्स इन, তিনি এরণ ছেলেখেলা না কবিরা সে শক্তি कान निवस्त्र विभिद्रशास्त्रिक करतन, अहे स्थानानि भारत हैका । यनि मधवात अकामनी छ क्रष्ट रहेता शांदक, जांत्र जम अनुष्ठ जामाहा जांगात छैरक्ष वृक्षिए मा भारित्रा शांक, जाराए आमता অপরাধী নহি, অম প্রযুক্ত বিপ্রীত আন হওয়া विश्वापत विक्रा मन्न, जांत्र त्य जम चीकांत्र कहां छ जनाकारिकारिकम् मरक किन्छ त जम काशंभ, পত্ৰ প্ৰেরক যে ভাহার নিৰ্বন্ন প্ৰস্তাৰ করিয়াছেন, ভাষাতে আৰৱা আমন্তিত হইবাৰ। স।

জীগুক্ত এস, রাউসলেন গাছেব ব্রুরসপুর ১२१० **जबरात्रण रहेरछ १८ दिनाश**

সোমপ্রকাশনংক্রান্ত কয়েকটা विट्नियं नित्रम्।

चित्र मृत्रु ও जाक बाक्ष मा शहरत बण-पर म लिविधकान (अतन क्या गाम ना।

र्शन पाधिक भूता वार्तिक ३० अवर वान्।।-त्रिक ell. होका. मक्षात्म छाकमाञ्चल महभव বাৰিক ১৩, ধান্যাসিক ৭ এবং ত্ৰৈমাসিক ৩৮০. । जन मारभव स्थान चित्र भूता म स्था पात्र ना । ছণ্ডি, বরাড চিটি, মণিজন্তর, নোট, ও স্থান্প िकिछ, इराव जनाजत बाराटक घारात छानिधा ধ্যু ডিনি সেই উপায় ধারা মূল্য প্রেরণ কবি

वाहाता छाल्निकिक भागाईदवन, हा হারা থেন এক অংখনা আখে আনাব অধিক पूरलाव ७ वनोरम्ब **हिकिडे स्था**न मा करतन।

यथन विनि मन्यम स्रेष्ड लामक्षकार्णव भूमा गाठीहरवन, जाना सन त्रिक्षिष्टेरि कविश्ली क्षीपुष्क बांत्रकानां व विकाशक्ष्यत्वत नारम माठे। हेन्रा (मन ।

व । हामिर्गत मृनाः मिनात नवत्र व्यक्तीण वहें भा व्यक्तित्व, अक मात्र शुर्क डीहाहिस्ट हिर्दि निधिन्ना स्नानान सहित, कान स्वाधिक हहेना श्राद्मक अकवात किष्ठि त्मचा स्टेटव, 'काहात शव এক মাস্কাল প্রতীকা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যহিবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিও পাঠান रहेरव ।

মাওলা রেলওরেব সোনাপুর ষ্টেসনেব ডাঞ্ ঘবে চিঠি আইলে আমন্ত্রী দীত্র পাইব।

योशंत्रा बाक्टन ना निम्ना श्रञानि स्थातन कवि বেন, জাহাদিগেৰ দেই পত্ৰাদি গ্ৰহণ করা याहेरन मा।

কেহ সোমপ্রকালে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ষা করিলে তাঁহাকে প্রথম তিনবাব প্রতিশংক্তি 🗸-भाना जाहार भन्न /) भाना निष्ण हर्दे । विति अभिक्यान विकाशन क्रिवात हेक। क्वितन रीहात महिष्ठ चाड्य वत्मावल स्ट्रेटर।

🖅 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্দ মাতল। त्रम अरम्भ त्यांना भुष्र रहेगरनत मिक्न हाक्छि-পোতার 🌉 क्रकं कातकानाथ विकास्त्रवर्गत विकास क्षेत्र क्षामहात क्षाफाकारन क्ष्मामिक ₹# I

৯ম ভাগ।

" प्रवर्त्तनां प्रक्रितिचिताय पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमचनी न दीयतां।"

বাদিক মূল্য ১ টাকা, অঞ্জিম বার্ষিক ১০ } সন ১২৭৩। ১৯ অগ্রহারণ। ১৮৬৭। ওরা ডিলেম্বর টাকা অঞ্জিম মাণাাসিক 👣 টাকা।

টাকা বাণ্যাসিক ৭,

বিজ্ঞাপন। रेके रेजिया जनवरम।

विरागव क्रमर्शक मिरशेत विकेष नकन হাৰড়া হইতে প্ৰবন্ত

स्ट्रेंदि ।

সর্ম সাধারণের সম্ভোষার্থ এডমারা প্রকাশ क्या बाईएक्टाइ (व, वाहाना वाज्जीक त्रूप दान পথে বিশেষরূপে অমণ করিবার অভিনাধ করেন, (श्रुटर्स विश्वानन (नश्रमा इंदेशाइ) खादानिनरक আগামী ব্লুচ্ছণ খু ষ্ঠাম্বের কেন্দ্রয়ারি যাসের শেষ পর্যাক্ত মাসিক টিকিট হাবড়া ইটেসন इडेट्ड श्रम्ब इडेट्ट । त्रहे हिकीप्रेशविशन जाशना बिराइ देव्हाञ्चारत छेखन शक्तिम श्राप्तनीय नमू দায় প্রথাসিক মনোরম এবং আভার্যা স্থান সকল দর্শন করিতে পারিবেন এবং নিম্নলিখিড স্থান नकरनत्र नर्नाक या त्य छोटन हेका इत्र, कथान गमय ও তথা इहेट अञ्जानमम भूमीक निक निक জ্ঞৰণ সমাপন কৰিতে সক্ষ হুইবেন। এ সকল হু'নেৰ নাম এই---

> यु अर्ग वं की शुव। ৰারাণসী চুণার। মুজাপুর আলাহাবাদ।

কানপুর। আগ্ৰা

नाकिश्वादाम এবং

विही ।

উচ্চ প্রকার সার্বজ্ঞিক বিশেষ অমণেক্তু গ ণের ভাড়ার হার।

) श्रथम (व्यमी

३२० होका ।

२ विजी में के

বিশেষ অমধের টকীট সকলের যে ভাড়ার হার উপরে লিখিত হইল, জাবো-शिशन यनि के शादन छेलन माजकता २० টাকার হিসাবে অধিক প্রদান করেন, ভবে গাঁহাৰা এই বিজ্ঞাপনের লি,খিত মিয়ম অপেকা অতিবিজ্ঞ আয় হুই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল ব্যবহার করিতে পারিবেন। অন্যান্য প্রধান हेट्टेम्ट्न धेन्म नियुद्य हिक्डि भाड्या रहेट्य।

উপরি উক্ত বিষয়েব অন্যান্য বিষয়ণ बैंहिति वानिएड बेक्ना करनन, डीहोत्रा होवका ইত্তেসনের ডেপুনি ট্রাফিক মেনেজর সাহেবের নিকট আবেদন করিলেই সমুদার অবগত হইতে भाविद्वन ।

সিসিল কিংকগন।

· বোড অব একেদী इंडे देखियां (वनअद्य किंग कलिकां । ১৮৬%। ७) এ बाहे।वर !

ৰিজ্ঞাপন।

জীয়ক বাবু বনোরারিলাল রায় প্রণীত " स्त्रावजी " नारम अक अञ्चारकृष्टे अस्मिव বালালা কাৰ্য বিভ্ৰমাৰ্থ প্ৰস্তুত আছে। ইহাতে সচরাচর প্রচলিত ছল ব্যতীত, কতিপয় দুডন इक्क निर्दाणि स्ट्रेन्ट्रा हेराव मूना अक छाका, अख्वाछीक विद्याशिय बाह्कप्रिशास ছই আনার ডাক্লাসুল পাঠাইতে হইবে। গ্রহণাভিলাধী মহালয়েরা কলিকাতা কেথিভূল মিসন কালেকে অথবা নিছলিখিত স্থানে আমাব निक्षे जन्नमान क्रिए शृहिः श्रादिदन। কলিকাডা, একুফগোপাল ভজ छारकम की है नर ১৫

বিজ্ঞাপন।

अख्याता नर्क नाशात्र गरक व्याप नेही हैं। দেহে উত্তর পূর্ব বিভাগের বর্ত্তান বিভাগে इरवाकी वाक्ता ७ वाक्ता हात्रहासी स्वीतिक व्यानाची डिटनवृत मारनत ১१, ১४, 🦓 भाष २० अ श्हीक श्हात।

व य भूखत हेश्राजी बाह्मा अवस्थित ণরীকা হইবে, ভাষা নিমে লিখিত হইর **ठाक्नाठ २व जान कार्य है।** हे जाकी। जीएक गर्म गर्म विवेदन्त्र नाम वाप कतिएक रहेकि। मेर्निक कार्या नत्रीकाशीमित्वहुः विद्वारीक चलुवाम कत्रिवांत्र भेनेत्रेको '& इरबाजी बाक्तरन ब्रांक्न छ বৰ্ণ শুদ্ধ কৰিয়া লিখিবীৰ ক্ষম-তার পরীকা হইবে।

२ म । देश्यांकी भाग ७ शमा इंडेटंड ब्राक्तर्य ঘটিত লব্দের বুংপত্তির ও বাক্য বিন্যাদের প্রশ (म छग्रा वाकेरन ।

শ্যারীচরণ স্বকারের পঞ্সুথ্ও भारे। मुख्यकत **३ थ प्राधि**त्रत्र मधर स्ट्रेटफ वांक्ला अञ्चवित्र छ-निएक (18मा स्टेर्स । छेट्डी षात्र। भवीकाचीक्रिशक वास [©]লাতে অপুবাদ করিবার **ক্ষম**জী ও ৰাজনা ব্যাকরণে মুখেণত্তি ও বর্ণ গুদ্ধ করিব্রা লিখিবার भ**ट्टेजाव भवीका इहेरव**।

পার্টাগণিত। গুরু ত্রৈরাশিক।

বাজনা।

ক্ষেত্রভন্ত। ইউলিডের প্রথম অধ্যায়। পৃথিবীর চারিখণ্ডের নিশেবজা **जुर**नान। ভারতবর্ষের সাধারণ বিবরণ।

भत्रीकाशीमित्राक छावछदर्यत्र ममूनाध व्यवन किन्नम्दानत मक्रा कतिए एक्स गरेता

ইভিহাস। মার্শমনান সাহেবক্রার বসংগলের **হতিহাদের ১** দশ অপনায়ের ৰেষ ১১০ পুঠাৰ মধ্য ইউড়েড প্রশা দেওয়। ধাইনে।

💒 ঃ খুঝু প্রীক্ষার নধর দিবাব সনয়ে হস্তালপি अ विदेवहता स्ट्रेरव

৫ম িছি পৰীক্ষা ও বালল। ছাত্ৰভূতিৰ भद्रोका 🚁 🕏 फिरमश्रत जानल क्ट्रेस . अञ्जय इर्छा क्ष्मां बरक व भव म म मिनाया भवी-का विक्रिक काशन वाशन नाम खानीय (प्रशृति क्षेत्रराष्ट्रहरूत्र निकने सिचित्र। भःभिरेट इरेट । প্রতিষ্ঠারের পব কালাবও আবেদন লাক, अर्ह्मीविदिय न। जारतनम मर्गा निम्न लिथिक विवंतन अमि मिथिया मिट उ इरेएरः---

- (১) প্রীকার্নিব নাম।
- (২) ভাষাৰ পিতাৰ নাম।
 - (৩) বাস্থান '
- (क) वयभ।
- ্ৰ(৫) ধৰ্ম। যদি হিন্দু হয়, তাবে জাতি।
- ্র্ব 🍅)- যে বিস্যালয়ে অবায়ন করিয়াছে।
- (१) ছाउर्वां खंडन कनिया (य दिन्तानाय गाउँ कि रेम्हा कात्र।
- 🧎 (৮) द्व स्थात भवीका प्रित्य।

· 🗱 🕆 भड़ीकार्थिय। भवीकः निवास अथम विदेशिक आखाकारन त्य वा किया श्री की वाषाय कतियाँ कांत्र शकिरत, उंशिरक २ हे।कः की क्षमान कृतिहर :

১৮৩৯ অন্দের বাঙ্গলা চাত্ররণ্ডির প্রাক্তার

शस्त्रक । লাইড়া। তৃতীয়ভাগ চারুপাঠ এবং

केलकान । ব্যাক্ত্বৰ এবং চাক্পাঠ ভূতীয় ভাগ হইতে শ্রুতলিখন। क्षेत्रकांग ।

ভাৰতৰ্যেৰ ই ভিছাসের প্ৰথম

भारत ।

श्रीबरीय हात्रिश्ट अत्र विद्यवन्तः ভাৰতৰৰে। সাধারণ বিব্বশেষ भर्तेका हरूरि, अखंडिम भर्ती পাবিদিগকে ভারতবর্ষের সমূল্য অথবা কিয়-ংশের নঙ্গা কবিতে দেওয়া ঘাইবে।।

অক্টেড্রেটাল বাজেন্সলালের প্রাকৃত্তত্ব-

.. भाजिशांवाड ।

স্মান্ত দশ্মিক ক্লাংশ कृतीन वावकाव अवर इक द्वि ७ वर्गम्स ।

ইউনিডের প্রথম অগ্যায়। की शह्य कवियोव सना य वास्त्रित छेनत ভাব থাকিবে পর্বীফার্ষিদিগকে পরীক্ষার প্রথম দিবদ প্রাতঃকালে ভাঁহাব হত্তে ১ টাকা ফী প্রদান ক'বতে হইবে এবং পূর্ণোক্ত অষ্টম নিয়-ম'ফুগাবে ভেপ্টী ইন্পেইরের নিকট হ হ নাম লিখিয়া ছুগোঁংসবের বক্ষের অব.বহিত প্রেই আবেদন করিতে হইবে।

> है, खि, (शांदेव। উত্তৰ পূৰ্দ্য বিভাগেৰ জ্বল ইনস্পেট্র।

বিজ্ঞাপন।

" वुकरल कि ना?" नारः अक्थानि शहनम সম্প্রতি মুদ্রিত হইয়া বছবাজাবস্থ ১৭২ সংখ্যক ঠননহোপ থেগে বিক্রথার্য প্রস্তুত আছে। মূল্য ১ এক চাকা মাত্র।

০ শা নবেরর। ১৮৬৩।

विख्यः भन ।

क्षानकुल्ला ।

क्षीयुक्त वायु व सगहत्व इट्डाशायतात्र अनीज উক্তরায় সুদ্রিত হইরা কলিকাত। সংস্কৃত বয়ের পুসকলেরে বিক্রয়ার্থ স্থাপিত আছে।

मूला ३ अक होका।

বিজ্ঞাপন।

ভিনথানি কোম্পানির কাগত চুরি গিয়াছে। केररक नर २१२8·। २৮ अ (वङगादि ! काहित शत रमन्ते ५ • • • ,

8.7 चंड २२८८२। ०. खेन १८६८। काब भन्तरमञ्जे उ

भारत वास का देश के प्रति अस्ति अ क्षित भवरमें है ।

কলিকাড়া २ वा व्यवश्रम् १८१२ !

শীবাম পালিত वड़व'ङाव, तास्राव वाठवः।

विकाशन ।

নিমুখানগালার গলি ১৫ নধর বাদীতে মংপ্র ণীত ও মংপ্রচারিত নিয় লিখিত পুত্তকতলি विकास स्ट्राउटह -

अर्ग उ मृना ३ हे कि ত্রীসইভিহাস বোমইভিহাস

নীভিদার (১ম ভাগ) নীতিদার (২ দ্ব ভাগ)

প্রচারিত।

মুক্ৰোখ ৰাবরণ

J.

.

बिवारकाराथ नद्या।

বিজ্ঞাপন।

মোলাহাটী কলবংগৰ অন্তঃপাতী রন্তপুৰ ভিবিক্ষন বিক্রয়েন দিবস ৩ রা ভিসেম্বর ভারিখে निर्वादिष कदा श्हेयां हिन, अक्टर निष्ठ विश्वान ইণ্ডিগো কোম্পানির একেন্টদিগের আদেশায়ু-সারে তাহা বৃহত কইল।

এ হিলস

সোনপ্রকাশ।

১৯ এ অগ্রহারণ সোমবার।

কটকের হুর্ভিক সমুস্থো যে কমিসন নিয়োজিত কবা ইইয়াছে, তাঁহাদিগকে य य विषयात्र अञ्चनकारमत्र छेशालम पि अया इस, तम ममुनास छनि मह्दार्भ कांत्रक সন্দেহ নাই, কিন্তু নিম্নলিখিত ভুটা বিষয়ের विर्मिषक्राम अञ्चलकारमञ्ज आरम्भ रमञ्जा অধিকতর আবশ্যক। এই ছর্ভিক সময়ে কত রেজিউরী ওকত ইট্টাম্পবিক্রয় इहेशाटह ? अना अना बट्स महत्रहातहत्र यिज्ञा हर, उपराधका यमि अधिक र्हेशा पीटक, कि कांत्र व पश्चिक रहेल ? ইহার অসুসন্ধান হইলেই থাজনার দেনার নিমিত কত আর উদারার সংস্থানার্থই বা কত বিষয় বিক্ৰয় হইয়াছে. ভাহার निज्ञ ११ हरेदा दिखींग, य भगरा **.जनात जना कुल्यां ११ इरेशा जानिशा-**हिन, मि नमरा अ के कान क्रेटिक नमा ক্ৰীত হইয়া স্থানান্তরে নীত হইয়াছিল কি না ? শেবোক্ত বিষয়টার অসুসন্ধান इंदेश कि कांद्र(नं यं कठेक जक्त ত্রতিকের তত প্রকোপ হইয়াছিল, এবং মকস্বলন্থ হাকিমেরা হার্ডিকের ক্রম নিরীক্ষণ ও ভবিবারণ চেতায় কিরুপ বড় ৰান ছিলেন, ভাষার নির্গর ইংবুঃ

एवदार्ट्ड मन।

আগরার দরবারে কি উদ্দেশ্য সাধিত क्रेज १ इर्डि**क श्वर्गम्ब २०** क्षक है। কাৰ শ্ৰা পাঠাইয়া দেন, তাহার মধ্য हरें उ डेई म थे, शाँठ नक है,का ला-**क्ति कर्छ निवात्रवार्थ अम्छ हहेग्राट्छ।** অৰশিষ্ট ১৫ লক্ষ টাকার শদ্য বিক্রয় করা इहेशरह । शकास्त्रत, परवारत ५० लक होका বায় করা ছইল। এমত কটের সময়ে দশ लक्त है। का बाग कतिवान आर्थाकन कि १ সব অন লবেন্দ্র ও ভাঁহাব অনুর্ত্তিকাবিরা वतनन, देशव दांद्रा बाक्रनीठि मश्टबीविह ফল লাভ হ্ইথাছে, ভারতব্যীগ-বাঞ্চারা আ करत्वत त्रामधानीत्व हेर लए अधितीय श्रीष निश्चित नयान १ पर्णन कतिएक आशिया जिपिन भवनंदगर्लेंद क्रमका मर्मन क्रि-त्मन। इंहाँ फिर्शिव ख्रान छर्क बहे, ख्रामि য়াব লোক মাত্রেই থাহা আতৃষর ভাল वारमन, मत कन लरकम श्रेष्टम या श्रीत मार्ष क्रुभाषा अमर्भन क्रिशोছिलन, নেই পরিমাণে আভ্রব না করিলে তাঁ-হাৰ প্ৰতি লোকেৰ ভক্তি ও ভয় হয় 54 3

ভারতবরীয় রাজগণ কি পঞ্চাবের युष्क विरमयण: ১৮৫१ अस्मित्र वि-দ্রোছ কালে ত্রিটিশ গ্রণ্মেন্টের ক্ষমতা उ श्राच कानिएं भारतम नाहे ? याँ-हाता मनश्री ७ (७ वर्षी शुक्रम, व्यव हा व्यशीनक। शास्त्र विक इहेशा व्याहिन, तिहे অধীনতাত্তক কোন ব্যাপার অথবা চিহ্ন যদি উলিদিকের সমুপে উপস্থিত क्ता ज्ञा जावा जामू छव क्वान इस, ऊँ विश्व कि जाहार जुरिय हम १ जाति कर अहे. त्रभ शकुष चारह, तम हिड्ड पर्मन করিয়া অধীনতা নিগড় ভঙ্গ করিবার -**(हक्षे) कर्या। इंजिहामं इहा मध्यगां**। করিয়া দিরাছে। কোন্রাজ। স্বাধীনতা লাভের সুযোগ পাইয়া তাহা পরিতাগ क्तिब्राट्टन ? जानिशांधर ७३ हित्रकांग

धरे तीडि **हिन्सा आमिगारह**, विनि द ধান রাজা হইতেন অধীন রাজালা নিগ নিভরংপ ভাঁহাৰ চরণ দেব। কবিভেন। কিন্তু এটা কি রুচি ও ইয়কর প্রথা ? আমরা কার্য নাটকাদিতে যথন যথন

অন্তাগান্তসমন্তভাগি নভগ: পারং প্রয়াতে বরা-ৰাস্থানীং সময়ে সমং নৃপজনঃ সায়ন্তনে সম্পতন। সম্প্রত্যের সবোরুহছাতিমুরঃ शानाः खवारमिव ३: क्षी शृदक्षंक्राणा मृनामुम्मन-त्मारम्पहिटवादीकटङ ॥

পাঠ কবিতান, তথনই ইহা দবিত ! ৰলিয়া ৰোধ হইত। এই দুষিত ও নিকৃষ্ট व्यथान अनुत्मानन ७ जाहाट ५ छेरनाइ नान कि मका भवन्दमत्केत विदयत इत १ যত দিন ভারতৰহীয় গ্রন্মেন্ট এ প্রধা व्यविष्ठ करतन नाहे, उठ मिन कि भवर्ग रमके डेरशकनीत हिल्लन १ व्यन्त, व्यानि धात (लाटकता चाएवत जान वाटमन, কিন্তু এ আড়ম্বরকে তাঁহাবা একটা তামা-मा विनया खान करतन, अथवा देश अञ् विद्वहना करतन साना छेटिछ। यपि वन वांकश्य स्ववाटत श्वर्व (क्रम्बटनव क्रम ভার পবিচয় পাইয়া ভীত इहेरवन। म विषयः आभाषिरभव बक्तवा वहे. मर्भरकः लाटक उग्न कर्यन, बांघाक अ कर्यन আবার যথার্থ ভাদ্ধাস্পদ প্রধানকেও ভর এक बात कान व्यवनाक।

লেন, ভাগতে স্পাবদিসের প্রতি স্বেহ্রিতে পাবিতেন না ডিস্কু গভ দবৰাব ও সদ্ভাব প্রদর্শিত হইয়াছিল। পিতা যে | উপলক্ষে ५ কাকেরের। ৬ বেরল বে প্রকার পুরেকে বলেন ' যদি , খণাধে না ইহাতে ক্রেশ করিয়াছিলেন এমত নছে, চল, তবে আমি তোমাকে আমার উভ । এই বাটাতে ভোজ হইয়াছিল। শৃক্রের ताधिकारी कतित ना। " तिरे खात लाखे । मार्म दांता देशत व्यविज्ञा मार्भाव-কানিও রাজাদিগকে প্রভুত্ত হৃইবার তও হইয়াছে । উত্তরপশ্চিমাঞ্লের মুবল

शतामर्भ निशाहितन । ताक्या विद्याहा भन निक्दां विषया माहाया हान कतिया হিশেন বলিফা ভিনি ভাঁহাদিপের নিকটে কুতজ্ঞ চাও প্রকাশ করিয়াছিলেন। কিন্তু गत कम लारका वांकांपिशाक अक अक थिकारन जनमानना करियारहम । (कह ভাঁহাৰ গদোটিত ভোপের অমুমতি হয় नाडे विवश विवक इरेश एइन, कारांक यथारवांना, चामन (मखशा इझनाई, दक्ट ब थादन कारल फोबांत्रिक छोत्रा निधिष्ठ হন, কেচ ভাম বলতঃ জুতা লইয়া প্রবেশ কৰিয়াছিলেন বলিয়া ভিরক্ত হট্যা-ছেন। তিনি এদেশের ব্যবহার ও লো क्तित्र मर्गद ভाव कार्त्यन विलग्न कामाणि গের সংস্থার ছিল। কিন্তু রাজনীতিকের যাহা জানা উচিত তালা তিনি জানেন না। এদেশীবের। বাহ্য সম্মান লাভেই জাগি कड़व दलालूम । ১৮১৪ অব্দের ১২ ई मदन यव व्याप्रमम मार्ट्स लएकोराज रहिमएड উক্তেলিখেন '' যাৰতীয় প্ৰকাশ্য কাৰ্যেন भवादिक साधीन ताकात नाम बाबहाव विश्विन, किन्नु कार्यां छः তिनि जिप्ति शवर्गरान्द्रेत अधीनक वाक्तितन। वृद्धी ভক্তি বদ্ধুল করিবার উপায় ৰলিয়া নিশ্চয় থাকিলে বাহা সন্মান কি পার मार्ल मिल्ला शिल छोड़ा विद्वहना कवि वांत था शासन नाहे। " किछ मत सन लर्यम हेहान विभारीक कांक कतिएक

দ্বিতীয় অনিষ্টটি এতদপেকা গুরু ख्व। खालमञ्ज देवर्रक्यांमा नट्ट, देशा করেন ! এ ভব কি প্রকার ভয়, তাহাও একটি কবর। মুদলমানের স্থানের ইছার , নীচে আছে। মোগল শাজাতে খুদলমান লার্ড কানিও যে দরবাব কবিয়াছি ৷ ভিন্ন আব কেছ ইচাব মধ্যে প্রবেশ ক-



मार्गिया हेडाएड हि यादांत श्रव नाई कुर्य इ छ निष्ठ कम नाहे। भरा जि इ ন্ধাতির প্রতি ইহার অপেক্ষা আন কিনে क्षरिक घटा श्रवांक करा इस? (कांग न क्लिन पहन ना देशाएक तथ्ये इम १ मनि /क्त काडि हे॰ लख खा करिया (नर्फे भाज शिरका । या मान पान, ध्यारा अरु छेनिनक्षेत्र आर्थि छत्र करिया क्वर म्कल मुख्ये करिना जाहार् उपनान स्टान छ हा इन्ट्रेंस है शक्ति हार द्य करें करम , তাজনংলে আহার পান কবাতে স্থল बार्वाम, अव टमरे बटनार वमना क्रेशांग्छ।

-- 203 --

Vary भीम अध्यक्ष विद्यालका ক'ৰ লভা।

कारगांशांत नवावतक यथन शमकु। छ कर. रह, जश्कात्म लार्ड (फ्ल्इाडेमि এই চুর্ক করিয়াছিলেন, তিনি এপ্রকারে वाक्ष व दर्तन त्य. जाहात्क जिलि शवादिम्द्रकेत ध्वयानमा हरा। नवादवन भिक्ति दबकार मित्रा रुप, छन्त्रभादत কোম্পানিকে অযু,গক্ত ও ংহি,ক্রব ইস্ত न्दाङ राष्ट्राहरका करिएक बहेत। এই धामरक एडनहाएमि धानन मिनिहे माशा (बार्थन " राकात निकार जिलि ! रेमना द्राथा इहेशगढ़। डाझारा शक वाद বাজাব বিশান্তাত্য থা মী্দ্রিপর হস্ত **इहेर** 5 ड्राइटिंग वक्त विश्ताला । विवा · यश्रम मवारवत आकार महिन्छ विवास हरे- । जा शिक जैक्कामिरशत भागम मयस्य मन हारक् शक्राव अवस्त र कराका (आखा । खाल्का । खाँगा उत्तर्यम ग्रहतम, इहे बराद ३ स्थानाई, दाज्य जीव बादवव निकार देशनिक वि (माह सगरार्थ जि.डेम रियम गर्गर के चेल , श्रकाता अस शारण करत, जाहात असू

হিত হইতে হয়।" লাড ডেলিহাউদি ওথাজিদআলির শাসন প্রণালীগভ দো-रात यथार्थ वर्गन कतियारहरन। जीकात धाभिकानकारण व्यवस्थान य स्भृश्रना ছিল না, তাহা আমবাও অসীকাব করি না। কিন্তু এ বিশৃষ্পাৰ কারণ কি ? ওমাজিদ আলির সহিত ত্রিটাশ গ্রণ্মে-ভৌৰ যে সহজ ছিল, যদি অভ্ৰাবন ক বিষা দেখা যায়, তাহাই ইহার মুখ্য कादन विवया अजीयमान इहेटव । अगा-ক্রিম গালিব নিকেব দোন যত চউক না क्डेक, य अनाती अज्ञाद जांकार व्यवि রত সুবাপান, ভাঁড় ও বেশ্যা সংস্থ मद्दान दर्गन निरुष ও আणका हिन नः, मिह खनानीतरे के लिए। य मकन লোকের হস্তে শাসন ভাব থাকে, প্রজা-দিগের অস্তের্য ও তমূলক বিদ্রোচ भाष्ट्रा व्याप्तक नगरत डॉश्मिनिशक नम् চাৰে প্ৰবৰ্ত্তিত কৰে। ধৰ্মনীতিৰ প্ৰতি অনিকতৰ ভক্তি, কৰ্মৰা কৰ্ম জ্ঞান ও দেশ হিলৈডা অন্য অন্য লোককে দৎ পথে लहेश हाइटड शहर बटने, विख नामनक-ৰ্বাৰ মহস্কে এ নকলের তাদৃশ প্রাহর্তাৰ খাকে না। ডুডীয় নেপলিয়ন ও সর ছে नरि लट्टरमन नाम् नामिन्द्र मामनक्री | কণ কন পাওয়া যায় ? ভারতবর্ণীয় রাজ शादक एवं श्रीकार वस्तीर नाशा धक धक श्राप्ताम कृषा ७ व्यमः व्यमः व्याः ।मत त्यवानन इधा न' (कन, भू:र्स भूट्स । विक मर त्या हीन वितिशा तांथा व्वेशांटि गएइ, उथनहे देशन भागा । कवि- । जूलान शहित कविष्ठांत महावना व्यक्ति चराकांव कक्रव, खाशाहा करत, उथनहे महाना मिला 'बालनावा धालमा कविहा मगव (कल्पन क्ष। अधि अल्ला कान भड़ बरेन, बाख । कक्रम, आप देन्ति। हिटार्थ कतिवाव श्री : चा हे क्वांन मृद्ध कर कन वि- निश्च ममस वर्ष निश्वांत्रिक करून, (ए'ही मन्तादत अवनार्थ नवाव माहावा , दशन विद्या नाहे, अवादा विटम्नाही स्व গ্ৰণ্টোর বৈদ্যাগণ আছে তৎক্ষণাৰ जाशामिशरक ममन स्तिर्व। कि कारण

সন্ধান ও তংপ্রতীকাবেব চেন্টা নাই। रैमनिक ७ (म) ठा कार्यः मदस्या जासानि-भारत इन्छ भार वश्व कविया तांचा हरे शांटह। दकान ताका वार्वटमरानेत समहज এक ही मिशाही वृद्धि करिटड शारतन ना, किन्द्र भागन विष्टा िंगि याहा क्रून अवर्गामणे मिरिक मृष्टिक्त करत्र ना, কেবল বিপদ পড়িলে অগ্ৰনর হইনা तका करतन। लाख (उनहां डेनि ७ डॉ-হার অনুর্ভিকারিদিগের এই মত যে লোহিত রেখা ভারতবর্ষের মানচিত্রেব मक्ति प्रान पिया भगन कक्रक, अप्रनी। বাজগন রভিভোগী মাত্র হইয়া থাকুন। किन ३४४१ षद्भत विद्यारि मध्यान क्हेशादक करमनी। नाक्यभन मा चार्किटन (मन्याभी कहीं महान विद्याह हहें ज, वर इडे दरमस्य खाहा b-0,000 देखेरवा. প্রীর লৈন্যের ছারা নির্বাপিত হইত না। क्टर्व अटमनीय त्राक्षशालत विषय कि कड़ा कर्डवा ? आंगोनिश्तत्र विविद्याग डाँहाभिभटक अक्टा एव ध्यक्ति बन्ती ভাবে রাধা হইয়াছে, তাহা সাধ दिविद्या (मध्या इडेक, याशाएड डाइमि राग नर विषया छेरमार दुखि, धनात कतार्गः माधन वामना अवर जाननाता সুশিকিত ও প্রজাগণকে সুশিকিত कतिवांत (हकी) इत, छङ्गांत व्यवज्ञत क्दा ভाइতवर्षीय भवन्यान्ति कर्चवा। রাজগণকে পদস্থাথা গ্রথমেকে। निद्यादक स्थारिद्य कार कार्यामा । किन्द्र श्रामन ना इहेटन वा मरून ताज. विज्ञा भाज। नव जन नटवजा मिनवन इक्रिङ क्तिग्राट्य माधान्या अख्यानीश इक्ति मक्त यूनामिड स्वना। व्यामश विवादिक विक मिन माझायाकाती (मव निष्माती) अनानी धाकित्व, छड निन शक्रत्मनीय त्राकानिरभव निकटि यथार्थ धुभागत्वत भागा कहा विक्रम 🚶 ্বামধা এতক। ভারতবেরি প্রণ-

ट्याक्ट कर अन्यास्त्रके प्रमान है। ५ क्षांत्र राष्ट्रभग एक दिहें ४०१ केप चाकारः वर्षा १४४४ ७ छन् (क्ष्मीर्यात (७७) स्थान पर्वाची. #17 8414 fu (कार मुनावन या •ि (य ७ · फ ७ % ७) हुन्त्रका छ । १७० । भाग । भाग । भाग । (शकी वर्ष किन कार ना के मार नाकनेगाल करिक्क कर १ काशास्त्रहरू (राजाति भारत) अभावतात रेवन पार्व इंग्रेड मुक्त मा की इत्हार एक विम आकार भा.क विकासित थ भागमा वह शांकड अण्डाच कार्ट्य मा मिला मान, राजाबन উরহা । ছবং ন আপন বা জাব বাট জ क्षाद्भारत उच्चा अ क्षित्र स्व विकास अना भी एटर म ७ अस्ति विक्रोणिकार केलाः विश्व (५४)। करून । व क्य विश्वी। ६४८१४१४ कर्द १ अवस्था नाव **मन् यह**ल भाषन वरिष्ट ५ । द्वन भान, भक्त नाम। भारत व न न विरूप कंड⁸ड जा अंदर अनः ८ तन अक्षःध ष्ठित अक्ष जन (हका विकल्प । अञ्जान शक्त वर अर्रन: क्वांश किवार छ भूति। इबाती करार्व सथन कारमा (म म- C:.१८ नत्र सं'वन ७ व शील नमा ना कार शतन व स्तान कड़नारमा बक्रमा । हेराष्ट्र । हे साम्यान । स्थान । नूक्रांडन क्रिक अस्ति सम्भव महेरा (छ र, ज्डन धनाशी अ च्डन कार मान मा ह। खितिन श्रान्द्रिन ध समानस्मि क ख्युंजि बाक्षिर इंडे क स्टाउ कामान इटर **कट्क**र हे राह्र इ अब ए ब्राट करिट्य सा d @ व रेन क्षारिका व दिशादिया - रक्शन हर १६ वि. १ के श श द्वादा उपाचा (क विश्वनक्षतिक मास्यान भूवक जा भ्यावित्त्रत भागन कार्यः वियुक्त स्ट्राट भाग (वन । यहन वाजानी अनुष्त आहरा क्षान अञ्चित्र प्राप्त अदन ह ५९ मर्ब नाधन विविद्यान, व्यथक देवीता करूर्व त्यानीत , वस्तान वारत कराम, छादा कि त्यानिक । वात्र वीच क्रारकार पूर थ अण्डातान

त्ता क भोता। ताकश्च ६० माड वित १०७। बिर्मार भाषाप्रदेशक्षीय क्षेत्रम् २०६५ । प्रान । कीत प्रत्य । इंकिंग केल्या है। अर्थ कर्दन, ाक्यान्त का उपर्यंत मान् स्थान वह दम। का श्रादी दिश्यत व्यक्त श इड्डा खाउँक भागायक छ। भागा म अम नाम ना १००१ (स वाल जारती (भार कर्तानका मान्य व श करें।व ।

_ _...*_**_**_

● "时,新 व " लाहे । छा न का र म्हार म निक्कि क्षान्यम मानुष्य रक्टरम्डे १९ के वर्ष अप है भौतिस्स ् मात्रवंत वस कड़ाल मना द्रांस हा नारे। स्टिंड करें वासुदिन नर्म श्रेगा.मा मिंद, निम य अ णानिहरू ना शानिका चार्या चिक्रालान किन्द्रित क्षानिकांक्र मा, हेक्सिक का १ দ্বেৰ ক্তিপ্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ। অংশসং यांच (ान करना नीत्र कश्रष्ठात्र कान्स बाहर ड रवं थे, अथवा दशन यूरे मर्क मन শ্বভ্ৰম্ভ মেক্ষাচাৰী কে ধাত পাই. बाबश कि बार्बक्ट है व १ शबात छ विकारी वायू परिनार हिमासा वरिहा वृत्ति वाकण्डावसूर्क हालका ८ र ज्ञाता विकास का वर्ष मार्थन अविष्ठ चार्डान कृतिहा चार्कन, जिंडगाँ के रिक क्षाजाम कराइड कि ६६ म्हेनके सर्वहरूर भारताहित वा अर्थ अनाम भारताहरू ? वा हाकाश्चनात्भव मन्त्रामन्दाहि इ दास हरशास्त्र अपार्भव व विषयाकाती यूव (क. 1 द्य छेक्र शहर वास्तिविः सर क्यू वाभमाव नगरव नगाव

भवर्ष तम अवश्वन ज्ञान भेड शक्षाच वर वाहेश सव विशिक्ष वेण्डान् ति चे ाटहर, **छिनि अक बा**न ८ स्व न वृश्य ६ १८ वर बाजिएक श्रिमा ऋहिनाइक 'त'न अरिक काशाल करिया चाति fu क म पार्र गाने। के मक्स खी, मा धर्मन अकालान करिट्ड **राज. एवंड** वहरें नि । बार्टकर, जब भिनित वेस्त 'ক এপন ভাৰাৰ সমাচার লইগাছিলেন 🛉 न म्हार इंट्रम्स विद्यार **स्ट्रम्स अवस्र ह** १६९ । अशंत नव एक्टा बरवजीत **स**त्रत-र्गा युवन विभारक समुद्धित उरमार साम ा े वाध्य करिएखरकर, उन्हार्स भागामा असमि । असमि असमि । असमि १ वृद्धेका ६९ ग.साव हे आगान करेट हरक । CAME STEEL BACK & BS

रत्ताक न्यूजि कि क्षिकार अधिक क दिल्ला र 413 चारकाइनाव च श्रीमुक्तन्य स ४। देशवाहर मुजाय उपनीय कि मधर्य करेरणसक् क्य अन देश्या अम्बद्धि कारी वह-शहान १ विन्युविद्राव अक्रूप श्राचा वर्ष ८ वर्ष वि ६० व्य ४८०२ मु अस्मिक वासू-नरव करान। छ। हा हारत कह विव यानारक स्राप्तकात हो हरेएका । अवसी-भर भाष्ट्र १० परा है करिया नार्य पर विश्वाह्म । में । क गालि कहें वा छाड़ांद धनान्त्र । गथान ७ विद्यारी वादु शह भाभ व्यवस्थित । (न्यू त्र व्यक्तरस्थाः । लारव कृष्टिक करेगाइन अञ्चल माह, मेंब्रिक बाक्कार इक्रेक्ट्रन (१ दू के छ वांत्र-छात्री बहेगाध्या शक्षात ७ विकारी

अभाग बहेशा था"ः. ७१७१ । सः १८क भारित करनकविष उपभा भाषन करिएक भार्राज्य। उँग्रामिश्वर छेप-हताल, मान में अनुकार सर्वात अर १५० स्ता मार्कित करें। देवित , शहा अधारक किय भारतार्थास व्यास करें (फार मदार कारे अप्वास्त्र किराय क्रामा व काम् । १४ ६ मार्थक छ । १३ वि मार्थ । १००० अध्य गाउँ। दिश्व छ द्वा १ ६ वन १ । १ व (र किंडू कि ठ किया कि हिस्स को हर क क्षांक्रिया श्रेममी मृत्य कर. म रक (चर्डा प्रविक्रकार १ क्ट कार रेडकला मण्यांका वितानत नि ৰা প্ৰক্ৰিক্তৰ ন প্ৰেন প্ৰা क्षाहर छे व्यक्ति शं क्रम देल्टा. शहन करित्व साम्हर्ता । य अन्त बाल्यिह शक्ति नमास गाश स्विधिति वर्ग स

बीक्रमें ६ मेर किसे लेहतान २ रहाण (पश्चान ककर मर्लन्या श्री शहरत अर हर्य উলোপ প্রস্তাধিত ৫ জংকুল অন चनः वि.स. १० १० १४ मन् मान्यः । १६ १८ ५ छै । प्रमाद्धः भगना अधि महात्रमः। किन এক্ষার প্রায় ১ পাল লাভ লা এ পালি भारत (सर्वाट (०११कट १साट ^{१४८}का) खेलाः विभाग करिया किंग. मार्गा अ अविक्रीएक एवं एवं अधिकवन्त्रक क्रियं कर अन्त्राहरू, उपा भाषाचा व अवर, या की शक्ताम जाशाम्यक म नावास्था लग **इन्ट्रि** । कियु खाँचा । ८० छुलाम । उस किनिश ट्रा ट्रिया के स्वाट हान है। (१८इन, छोडा । अध्यक्षितिष्ट । १६१ তংহাৰ বিস্মৃত্যন্ত । প্ৰহান বিস্নৃত্য क्षकाता व्यविश्वान करिरदे।

গুৰুক। ক্ৰমালবাগুলী।

्रा आधार कलात्र है " नाग अन बर्गन एन श्रेप ५ भहाँ दी है। इडे हि। "गुलदात्। ि हन्द्र का ोुं?"। नस्रोहर है। विकास्त्रस्य विकास ついう ら てい ・ タル・・ ちたいさ ピ ጭ · ንነ (F) 1 5. 1 55175 N ু ি এক কণ্ডু কুলুৱা ভাগেল আছি -- गार्गन भाषात्र अ र **च ः शक्ता**तः (यद्याल व्यवणः अक्रमण केष्ट्रिक्ति वृत्ति । याद्याना करे क्षु विकास प्रदेश किए। दिसा कर किए णित् अत्र कडेगाइस, फिलिसि व ुरि प्राप्त नेकी जा हते। याजिकी याँ कत्ता काह्नाक नगरिः अराजा करि विभाग क्रमारहेन्य किर पहुंच्य । दिला वर्त ं यो आस्त्रं में १ विष्णुंग मृत्यिक वाह तरे सुरवहरा नार राज्य में कार के किरिया लि । बन भी बचर संहित्सरेण । कि मी र कर्ने नुम्मे हुबा अवस् रहे कर कर्ने ते पर्ति प्रशासिक किल्ला ल्या है । ज का शरी प्रविक्त सम्मानन की राज

ৰণ বিশোধেন ভালাও ভালা ৬ জাৰ तान **७ व**.६१८ र **चलुता** काञ्चा छ । क्षी प्रकार का लियांच्यां का का का का का का वत त्रजानुषु कता भाक कर १८५। 可可以 电二二三十二 电路测量 नगङाणि*निर्मा*ः जिल्लामः स्वत्यानः भनेसी बन्न ाक्षा भविष्ठ ह्याम राज्य हार्य क कृत्रा ह अशावा । इत्य दा रहेन र १ (ज ने १ जब, बजी दोपूर प्रदेश कार्य, डींग मार क्योंने शक का कि हा त्रीकालन, त्व करित्वन शक्तिश (खर्**र**हार्य भ ে 'পা। পড়ি † ছব. किटि। আং ব । रहरा भ नहीं सालेखना किया का र ८० लि.। अवसान इंडेस 🤍 अवस दिलि उपा करें। खरुश भारतः अनुवास करिन हमा केल्छ थे विज्ञान करित शिर्म वक्त प्रतिवाद र प्रतिवाह आहेरस्य । ा प्रतिक छात्रात स्त । मन्ति ॥ बर्दा নে এবি 1 ভ লাকে আলেন কুটাৰে 18 । (अन्। क्या क्ष्य । वयः वक्के ानिका श्रीक केंद्रभ भागक क कहता भागानिक भागिष केवेशां जन। जिनिहे रच शांधकः। 5िन स्रोप्तकादम्बद्ध ८ । व लब्द क्रेग्रा नवजुद्धाटन्य बक्षार (६%)। ाव अपनि दिल्ला। स्मिटा क्रा ठकायी कहेशा গৰতক বিৰাজ কৰিছা ভাজ্যৰ সমাজালা -.(त शक्तार विराजन। अधिनांशान-कृ িবেশ পূক্তপত্নী শব্দাৰে জীৱ সন্থিত সাধাৰ ्र अधन शिन बदनर्जाशन हरेशा कार्कि বেটা পুচতা বিয়াছিলেন। কিন্তু তিনি ें क्ट्रेंट कि - ८७ गाविश Gierg af s ाजान भन्नाक वनेतान। याख्या :मन्नी८३ **डॉक्स्स (य चार्यिण्डा दिल**, "ভৰি ভাষাতে বিফৰ্জন ছিলা ন্ৰভুষা-तत मन्यामार्थिनी वहेराना । किस मबकू-माव छीक्षात्र अववाटन लहा अ मुख वहे-त्वन । शब्दाकी, मदन करिद्रतम, कर्णान-কওলা জাঁহাৰ দপত্নী, ভিনি স্থুচ্ছে वाक्टिक केंद्रात महीर्शनिष्ठ हरेरन ना ।

चड्य क्रायक्ष्मात्क स्मार्डाडण ক্রিবার নিমিত ভাষার চেন্টা ক্ষমিণ। ও বিকে সেই কাপালিক কপালকুওলার श्रीक देवत्रनिया छना थीं बहेश नवकृषाद्वत्र ৰাটার নিকটক বনে আ সঃ৷ উপস্থিত হয়। ভাষার সহিত পদাবতীর সাকাৎ इहेन। अमिर्क के तांकिएक क्लानकू.. श्रुणा व्यापनाव ननम्प्रिट्ट वन्द्रत्त ৰশীভূত কবিয়া দিবার নিমিত্ত ঔবধ আন্ন করিতে এ বন মধ্যে শিয়া উপ-স্থিত হন। পত্মাবতী পুরুষ বেশে গিয়া-हिर्मित । अहे गुज शाहेश काशामिक নৰকুমাবের মনে প্রথমে কর্ণালকুওলার ৰাভিচাৰ শকা ভাৰার পর ভাৰার প্রতি विषय अवादेश प्रशा अवनि विष्यानन খুলিয়া উঠিন, যে কাপালিক ভাঁচাকে অহতে কপালকুওলাকে বলি দিববৈ पत्रीकात्र करादेशा गरेग। अमिटक शवा-वजी कशातकृषनाटक वांगी जान कति ৰার প্রতিজ্ঞা করাইরা লইলেন। কপাল क्षना बानाविष वत्न श्राष्टिशानिष्ठ। क्रेग्नाहित्वन । वन जमनाबिट्ड डीहान অনুরক্তি ছিল। গৃহ বা আমীর প্রতি ভাঁহার অনুরাগ ছিল না। স্বামিতাাগে সক্তি দানে উহিার কাতরতা কবিল ना । बाहा रडेक, नेव्यानगक नवक्रमांत्र কাপালিক দত সুৱাপানে গোছিত হইয়া খহতে বলি দিতে গেলেন। কাপালিক পृका जात छ कतिल अवर सबकुमात्र क कहिन, क्लांगकू अगांदक स्नान कराहिला कांस । नवकू मादत अधि मरश महादवर किकिश वार्षतं इंदेन, डीशंत क्या अ দরা প্রভৃতি প্রায়ভূতি হইল। তিনি चक्र स्मारत ७ हःच धक्राण कतिक कर्गा-जक्रवजाटक शृदश नहेशा बाहेदां वेन्हा প্রকাশ করিলেন। কিন্তু কপালকুওলা ভাষতে স্থত হইলেন মা। তিনি কলের शांदत की फ्रिक्शिक्टिनन । कूटनत जून नुंत्रम क्रमद्द्रा कड इरेग्नाहिल, जड-

थव छेश छद्म स्रेश जिनि जल मद्म ! रहेटनन। नरकूमार डीहात डेव्हातार्थ करन शिक्टि इंदेरनम, किंद्ध फैंग्हांत एक्वार माधन कहिएक भावित्वन ना। त्यार कांशानिक चानिया नवक्षांतरक जुलिन, বিত্ত কপানকুওলাকে পাইল না।

যে কপালকুওলা যে নব্কুমারেক थींन तका करतम, मिरे नवक्रमात मिरे क्षीयकू अभारक यहरख दिन पिटक डेमारु इन । अधि व्यटनटक न्यरेनमर्शिक स्वान করিতে পারেন, কিছু এতদ্বারা গ্রন্থকা त्व मगिषक रेनश्र्वा क्षकांच शाहरतह । नवक्मादवत मन এटक केंद्रानटल धानीनिक ररेशांदिन, ভाराटि प्रशंत वांश रहा। এ উভয়ের একরে বোগ হইলে মাসুষ না কৰিতে পাৰে, এমন কুক্ম নাই। ইছা প্রতিপত্ন কবিয়া গ্রন্থকার মালুবের क्षांव या विश्वकर्ण कार्त्वन, जाहात्रहे পবিচয় দিরাছেন। অপর, জীলোকেব मभजीनांव या किंद्राभ हः मह, भवांव की ভাতি ও আচার পরিত্রই হইয়াও কপা লক্ওলাব, সপত্নীভাব সহা করিতে পারেন নাই, এতদ্বারা ভাষা স্বন্ধররূপে প্রতিপন্ন কর। হইরাছে। গ্রন্থকার কণা লকুওলার যে স্বভাবটা বর্ণন কবিয়াছেন, তাহা অধিকতর ক্দরপ্রাহী হইয়াছে। जिनि बट्स शांनिक इन. वन विना यांत्र ওীহার কিছুই ভাল লাগিত না।

" किश्रः भूतता न कश्रह মুহুবিকুকাওং নাপেকতে যা নিকটোপ भणार क्रबन्र। সন্মার বারণপতিঃ পরি-योगिजां कः বেচ্ছাবিহারবনবাদ মহোঞ मवानार्। ११ -

আমরা এতকণ এতের প্রণ বর্ণন করিলাম। প্রস্থকার ও তাঁহার বান্ধবগণ

गटमर गारे। किंत छोरात विश्वमश्य व्य छ चार्मानिशत्क हांह्रेकांत मत्न कति. তেছেন। অতএব এস্থের লোধ কীর্ত্তন कत्रिया जाहारिशत्क विशय कर्णात्म नि-मिछ मन्नके कता **आविभाक। आविभा**क ब कथा कहिट्डिছि, डाहांत्र कांत्रन कहै. थामता य कर्य जिली, लाहारल भामा-मिर्मिन क्रेटिक मकरलात अपन्न तक्षरमञ् मडाबना नाहे, यनि धरे छेलाद्य टमहे वार्याणी माथिल कहेता छटि। अरम्ब ভাষাটী অধিকাংশ ছলেই ললিত इत नारे। य शांत्र स अब आतान कता আৰশাক, ছানে ছানে ভাহারও বাতি-क्त परिद्राष्ट्र। चात्र अक्षा त्मांव अहे. এম্ব লিখিডদিগের কোন কোন ৰাজির व्ययदम व्यक्रदर्भ बांका जातल कता हरू-ষাছে। শেবে ভাষ্ট্র রাতিক্রম ঘটি-ब्रोटक्री अथा-कार्णनिक अवक्नाद्व म-क्षित्र हरू एक क्षर्यम कथा चात्रक कटतन, लात वालना कर, माथा ब्राह्म वालनात गर्था हरे बक्छे मर्के उद्गारकी है। এরপে না করিয়া প্রথমান্ধি বাক্ষাতে क्षा क्राईटलहे छाल इरेड। कार्शावक ৰদি কেবল পূজাকালে সংস্ত কহিত, তাহাতে আমরা আপতি কিরিডান न। उद्धित नमस्य इहे अवधी मः कृष किश्वारम, आवात लात भूजाकात्म अ गःक उका नाहै। ८ छछिन, त्य किङ् जमश्मानकुछ (मांव चार्ड, डाइांत उरल्थ ना स्त्राहे उठिछ हिल्. किय विशक्तित्व शीठार्थ खाहावत समझ করিতে হইল। যথা--মহতী আত্মগ বিমা ৷

कालनात मध्यापमा छ। लिथिशारध्यः। अधानरात्र (कोरकमात्री ने क्र व्यान रूपण उठ क्टबरन है ग्वानशहरा है। क्र १० ७ थाएवं वा 🐤 य मिछद्र भिग्ने ना नित्तरे सुद्ध र नयन प्रश व्यामानित्तर छेशदर मुक्क इदेशद्दन, मधन इहेटगुरे अधिरत्तर मार्पर मुक्क मिन

कार्त्रक्षीभाष्य निवामी असाउ (मध सामक अक ठाँकेटलर एट ०॥॰ रिवा । व्यासक सकता। त्र कि इध्रमानकाल चीच नक्र निर्ट शास्त्र नहिं, वा দৈৰ লাই। টালের ছাৰগা বাৰু রাধারমণ কৰে। প্ৰাণ্ড সমন ও খাগ্ৰসৰ উক্ত এনাত্তেৰ বাটাতে खेलमी क कहेता छ'हात १६4' (बद्ग ... खटा भू लग्न) বিক্রণ কবিতে প্রাপ্ত হন। এনাড জাতেতে মুসলখান, নিধন হটলেও মান সভূমেব প্রতি विरूप्त वत्र चार्ड । ए निमाम नोवन। वायू नक्ष्मा फाश्त बागिएक श्रादम कविरम अभाव अञ्चल ক্লোধপর্যৰ হয় যে ভাষার হিভাহিত অ ন क्रिन का । त्म क्रांशांत्र कोश केल क्रांत्रणी बानुदक षाय'छ करता छात्राक्रम बाचाउति वरक ना लाशिया वाध्यतन लागियाहर । व्यापाउन वड़ সম্ভা নহে। ডিনি তৎকণাৎ হৃদপিইলে আনীত হইলে চিকিংসা আরম্ভ হয়। এনাত সেখ দাবগা वाबू खाशव घर घ'व शुरु करिशास्त्र विनाश থানাধ এলাহাব দিতে আসিতেছিল ওয়ানেট इत्याहिक (निर्दे भारतके युक्त स्वेम्री वाकरक प्सारकः विकारत याश्र क्य शत्व निश्व।

काननाव मिक्डे क्यानिशूत निवासी याष्ट्र रेक्य अक इरक् महताद्वादिनीतं ज्ञानवय कताः विषय भूर्त्स 'लावशकारन रमधा बहेग्रारह । जे वाकि मिन्द्रनत विज्ञारित बुदन व कावि क्वेटक मुक्त व्हेत्रः मृख्यावह श्रीलन कराव जनहार्य शूनकीर काकरङ नियादक। भाकितकेतिहर हेर् त विकास कडे:व । विभाजारम ब्रांमगाङ् बार्डव वामिएछ क्रिकेशत कबुक एवं कि ब इंड इट्रोत विश्व अर्ज ज्या इहेग्राहिल, अभरत स्राप्ता (७५) ही বাৰু ভাষার মধ্যে শ্যাম সন্ধারকে বেকস্ত্র খো-लगा विश्व बाबनदाल ७ शिविधांवीटक रामान जबन्य कतिय्र'रहम : भशान विकात इरेग्नारक विभ **इट्रेड्डि**:

সম্প্রতি এখানে মাংলোগের আছাত প্রায় कांव ब्हेश्रारक । बाहुएक छाक्तरंगर बार्डकरवान ! (कर् बाखांकन एक्षेत्र कार्यक्षा, कर लिकान ৰন্ধ কৰিয়া, কেহৰা কুৰিবান্দ্ৰ পরিভাগি করিয়া फालाबि कविष्य अवस इरेप्राटक । देशामवी किक्शाधाराली लिशित (क मा विश्विक स्त्र ! মুড়ার ছই এক মুহ র্ব পূলেও বোর্গ নারাম করিব কলিয়া টাবা এচণ কাবতে দেখা গিয়াছে। আপান ু বুলাধ পুর্ফে সাবধান চইয়া ওত্রিবারণের উপায় प्रानक्षांत्र अहे मम नहेशा कारमामन कवि-प्राट्मन, कछ डेभरमम भियारक्रम, रेक क्रिकुरण्डे

আলায় করিতে প্ররত গ্যা তালাতে ৯নেক 'পন্য নালে' কত নিনে ইয়ার প্রতীকার ছইবে खालाहार कहेता थाएक । १ ७ ३ **. हे** जायशायन ता । बना छ योग्न मा । त्रलाकान रहे । कि वा **त्रा**क्ट । কুৰ দিনা হট্যা গিয়াছে, ভাষা লেখা বাইভেচে। এখানে এখন নুখন চ'উল ও দ**ে বিকা পুরাভি**ন

विविध . ९ वाम ।

३२ हे खब्रश्यम (मामदाव !

काभना (म. गर्ज हा, (व'संहेर्स मृज्जिके वश्र करिया। এक शहेन इहेशार । किन्न कनि-ুক তার অনেক থানার সমুধে জ্বয়া থেলিবার थ: ५५। आ:५।

এতকেশীয় শক্তাদিগের অধীনে যত ইউ-वार्णाम वन्द्रशाबी (अम् भी देशसक व्यथना 5 किरमा कार्यः नियुक्त कारक्रम, ভारতद्यीत भवर्रम हे जाहात अक हिमान का विश्वादकता প্ৰবাজ্ঞ এংশ প্ৰতি य দ ইবাৰ উদ্দেশ। না হয় এ কলুসন্ধান প্রীতিকর বর্টে।

লঙ সাহেব সম্প্রতি আলীগড়ে গমন করাতে ভত্ততা সভার সম্পাদক সৈদ আহম্মণ সভার প্রতিমিধি শুরূপ জাঁহাকে এক অভিন্দন পত্র ध्यमान क तम्राह्म । मण्णामक यथाथहे विश्वा-हिन, बिन्नात पविजितिहात्र छन। य यह कतिहा थारकन, छाद्दारक कावजबर्गद नक्य लादक्व कारात छेभव श्रभात अक्त सामग्राटक । बाहाता बत्तम, छात्रख्यों मामरात्र कुछ अछ। नार् शहाता अहे जकत पृष्टी ख भगत कावरवन।

चात्रक्षवींत्र श्रद्धात्र हे केश्कालव प्रविक हामेगरनद भर्गा अक बन हिकिन्तक ও कटकन नाइस्वरक नियुक्त कविशाहकन। करकन नाइस्व अकाकी विशंदा गाईएएइन।

ध त्र अप्राद्य जामनिक जामक्टी विश्वादमः লস, তল্পট আছে, সোক দরিম বলিয়া ভাষা উক মূলে। কর করিতে পারিতেছেন ন।।

শুন্র বাব থারাবপুষস্থিত গোলন্দান দলের अक क्र मार्ट्सने, अक अन क्रमात्रांन ও प्रहे क्रम रेमिक शवर्गरमान्त्रेय ७०० होका नहेंची প্লায়ন করিয়াছে। ভাহাল অদ্যাপিও গুড र्ष मार्थे !

इश्लिममान व्यवश्व हरेब्राट्डन, शाकून সিংছ নামক এক জন মণিপুরীয় সন্দার মণিপুরে भोत्र प्रा कविवात छेएम्। श कविरुक्त । मणी-श्रुव विकारितव शवन्यमाने कन्यमानितन अविवा-অবলহন কবিভেচেন।

देक शब श्लाम, २३ अ महब्दर मिनदोत्र कडेश्टमत् भटकं अश्वाधानि वट्य जन्न रहेत नः। जन्नेत (कर्न्यन श्रीसंजिहत्त गम्न कित्राटक्न)

বল্লবার আগবার প্রভাগমন করিবার কথা आर्ड गर कर नरवन खरभरत कविकाखान ্ৰিলে আগমন কবিৰেন। এ পৰ্যন্ত ভারতবৰীৰ ও ইংলভীয় সক্সাধারণের সংখ্যার ছিল ভারত बबीब ध्रधान मामन कर्राटक शक्त्र नहार शाहिएक হর। লাভ ডেলহাউসি ও কানিও পরিশ্রম করিয়া প্রাণত্যাগ করিয়াছেন। কিন্তু সব জন लट्ट अन्नि कविरमम युक्ति श्रीकृतन हैना छ (अंत्र हाकदी इत्र ।

উक्र शत्र कांकुम स्टेटल मरवान भाईबारहत, তত্ৰতা ৰউনাম শাসন কৰ্ত্ব্যুগ মহমাদ ক্ৰছণ খাঁকে স্কুষ্ট ও অন্য অন্য স্থানে প্রেরণ করিয়া। भक्तांत्रमिश्रदक विश्वा भाशाहेन्न'रहन, खाहामिरशव বিশ্বস্তভাব প্ৰতিভূ সঞ্জপ একজন আত্মীয় ও ৫০ क्रम त्रहरत् कांबुरन श्रीरन करव्रम । जाककृत र्थं व टेमनाचन स्थान फुर्कि स्थात अज्ञमत इहेटन তখন সন্ধার্থিগকে সাহায্য করিবাব জন্য প্রস্তুত थ।किएउ रहेरव । आक्षज्ञन थीव अहे नकन कार्यः कांदुरनत (लाकिमरभत कञ्चरमामनीय सर्ह।

कामा जिलाइ वांच हरेएउटइ, काविनिविद्यांव वस्मीतनदक वय कहा इत बाई। स्नाफ नारस्य चन्नः यमी हिरमन, जिनि जायन की अञ्चान विशरक अधिक प्रस्ति ताबिया हैश्यर्थ ताबा बेक्टडाटरव अक शब महेबा यान। बाकी क्रांक्रेडक नवांतरत व्यनवतरन अवन कतिब्रोहिटनन, वाला बि उट्डाउ ज्ञादांध कतिहारहन, इह सन উগবৃক্ত ইংরাজ শিল্পিকে তাঁহার রাজ্যে তেরণ म्ता वत्र, अवर वेश्य छीत्र शवश्टमाई छावात शुर्व বাৰধার বিস্মৃত হন। রাজী সহতে এক পঞ্জ লিভিয়া এই প্রার্থনায় সংঘত হইয়া হয় জন · नेहरुदिक (क्षेत्रन कि.वित्र'रहम । चित्रहोत नमः সম্পেদ নাই, কিন্তু ক্ৰিয়াৰ প্ৰথম পিটাৰেক কডক 🗘 अन पेशिए तथा याहे(छएए। माऊ है।मान अविष्य नाम प्राप्त अर्थका अधिक कृति-यला ध्रम्भन क्रियाद्वन।

क्षिम विश्वविष्ठामध्यत्र (छ, अक, विचैन াণ্ড বাবেৰ ছিল্মপেট্ৰয়টে এক পত্ৰ প্ৰকাশ किया वक्राम्यत क्रान्डिमा मधनी विट्नमानः প্রাক্ষাক্ষের সভাদিগ্রক ভানাইয়াছেন ভিনি किन महत्र कमा अक्षरमध्य कात्रिया चुकीय धर्मित्र क्षेत्रि क्षेत्रातम विश्वम, जाक्यव खार्यमा देश्यां क्षेत्राक्ष अख्टल्लीयुग्न काहात केन्ट्रक अवन कर्तन्। विभाजि । शाकावत् हे एक्नाः विश्वव किन्त खीराव कुछकार्य। भाग मध्याच्या वाहा ।

ক্টক শক্তিৰ আগবাধিত বিশ্বৰ সংবাদদাতঃ वहनम, भूनक्षित्र ५७,००० होको व्हर्भ खास्त्रमञ् चारशक्तविक क्या रहेरवा व होका कि क्रिक्ट

C N

निनिश्विष्ठि विद्यम ? मह सम मद्दन्तरक स्थामश शद्भिष्ठ वाश्री सामिछात्र, किस अकरन सर्था बाहेरफरह जाना स्करन नरतत वना ।

১ - के व्यक्षशत्र मनगरात् ।

कालबरबद कारलकेंद्र जिल्लाई कवियादकन, চাউলের মূল্য সমান বহিয়াছে। কর্মাক্ষ লো-(कर प्रशा कारमक कमिशा ह। अञ्चातित कन-इंज नकन थान वस रहेत।

फुशारनव (वशम शवर्वत (क्रमतरनव मरक কলিকাভার ভাগিতেত্ব। চাঁকশ'ল, চিত্রশা किका, पूर्व ७ काम करा विकित रुक्त मकल मर्गन করা ভাঁছার উদ্দেশ্য। নগরবালি বা মিদকার্পে-উরের সভিত বেগুমের ভাতংগনা কাগেন, আমাদিংগাল এই অমুরোধ। সেক্ষরা বেমন সামান্য ব্যঞ্জী

लिशास्त्रत प्रक्रिशास्त्र एतं हेरत कार হইরাছে। ভত্রতা গ্রংখেত সাভট জেলার बार्था की इंडि ब्लाव कर अंक कार कार मिक्रम के कि मिनिसमित्रिय काश्रीशन अ मिक् लक द्वाका की अञ्चल करिकात करा, (म ० ग्रा ३३-श्राटकः। (लश्यासः क्रीका क्रमनः चामध क्रेटवः। জল বাহাছত্ব এবিষয়ে সৰু সিলিস ৰীড়নের জা-भर्भ गरमह नाहै।

বন্ধদেশীর গবর্ণমেন্টের প্রস্তাবস্থলাবে ভার ভ্ৰমীয় বেলগ্ৰয়ে কোম্পানির লভনত অংকেরণ | व्याननाहिद्रभन्न शूलिव कर्महान्नि हेशदक शतिकाश । कविद्या भवर्रास्टित श्रुलिय कर्फाविष्टिशतक श्रा-ৰিতে সন্মত হইয়াছেন। আপাততঃ পরীকাধ इत्र मारमध कता हैए हहेरद। भूतिय शहतीता বেলওবের অভ্যন্তরত্ব কোন বন্দোবত্তে হস্তক্তে প। करिएक भावित्व ता। উखत्रभिक्षांकरमञ्ज्ञ ংলওয়েতৈ মুজন পুলিষ সবিশেষ আৰদ্যক क्रेग्नाइ उथात्र विखय ब्याहृति स्रेग्ना बारक।

🕶 ই নবেষর বেধুন সোসাইটির অধি ৰেশন হয়। লে টমান্ট কৰ্বেল মালিসন উপস্থিত না থাকাতে উত্যো সাহেব সভাপতির আসন **এ**रन क्रांत्र । क्रिल्डा मास्ट्य चानकः क्रिंतिन কর্ণেল মালিসনকে বোগ হয় কার্যালুবোধে সভার অধ্যক্তা পরিজ্ঞাগ করিতে হটবে। . তংশয়ে কলিকাতার লাড বিশপের সুব্যুর কন্য जारकन कहा रहेन : विभन महा माज्य ७ ७८६ नीन नवारकत स्थिक्य नायन छिट्टाम अनिधिनाक করিয়াছিলেন। আসামে গমন কবিয়া ডিনি। সুসারে ভয়পুরের বাজা পুরাত্তন গবর্গমেন্ট বং ৰলিয়াছিলেন তথায় ডিনটি আবশ্যক বস্তু নাই ; थामा बाहै, पड़ी बाहे, ७ कुछा बाहे। ब्राह्म

সভাগতি বলিলেন বাজা অভিনয় সহানয়, লাতা ও শিষ্ট ছিলেন। চুঠাক্তবন্ধণাৰলা হইল, এক দিৰস ৰেখুন সোদাইটিতে যখন বাজা অধ্য ক্তা করিতেছিলের ডখন আমি নিয়নলঞ্জন করিয়া কথা কহিয়াছিলাম। কিন্তু তিনি বেরুপ ভততা ও কর্ত্তব্যত্তপুর্তার সহিত আমাকে नियम जननम कविष्ठ विनित्न आमि छाड्। कथन विकार परहेर ना। छोहार या कर्डराकमा করা উচিত চিল, ডিমি ভাগ কবিলেন, কিন্তু এই ভাবে কনিলেম যে ভাহাতে স্পষ্ট প্ৰভীয়মান দইল, তিনি যোগ্য সভাপতি ও যথার্থ ভদ্রলোক ছিলেন। « বিশ্পকটন ও ব্ৰাঞ্চা প্ৰতাপচন্দ্ৰ নিংহ উভবেন মৃত্যুই সামাদিনের দেলের কভিয় নিমিত্ত হইপ্লাড়ে।

नाट्राटन अक विवक ज्ञानाव इहेगाट्रका। नारमाद्वर महिंड करोहिंद (रमश्राप्त होता म॰-्गांश क्रेंटन निशारकत वानिका जिल्ला भारत করিবে। অভএব ওগায় বণিক সম্প্রদায় কেবল (माफा बाज नरहन।

এবাৰ সিমলাতে শক্তিশয় শীত হইয়াছে। এহাব মধ্যে বরুক পাত ও ৰেড স্কুয়ালা হইতেছে : এদেশীয়দিনের কথা দুরে খাকুক ইটরোপীয়েয়া পশ্রের কাপড় পরিয়া ও সর্কনা জরি জালি ব্লাও কাঁপিতে থাকেন। সিমলা হটতে প্রায় সক लाहे बाजान कत्रित्राष्ट्रम। (कदल कर्त्रकसम चौरनांक चारहत।

७ दा मरवहरे जमन निष्ट नामक এक वः कि नारहारतत किकिर पृरव अक वरनत निकरण निया श्रश्तकार्धाक्ष्यवक्रातः कार्वाः । भोकुछ स्ट्रेटन (म স্থাৰ পূজা করিবা ভাছ'তে করি দিয়া ভছপত্তি আরোহণ পূর্দাক প্রাণত। গা কনিরাছে।

বেবাবের বাধভীয় ভীল ও বিস্তুর জাবৰ ए (इहिना मिवाया कावय कत्रियाहा सूर्वे क्द्राई हेर्राष्ट्रगव अधान फेर्फ्ला। हांब्रमातावा प्तर निकास्त्रत । गांगश्याती । रानामरनरः (न के गांके महिहा है जो का निशक समन कहिए গমন করিয়াছেন। বেনাব ভাবতবৰীয় গৰ4 (अट्डेंब खरीनच्च उथाणि ख्याच्च लानएगान े इब्र (कन् ? निष्ठारमम् अधीरन इहेरन मूनलमानीम व्यानाजात कथा स्टेज।

३१ हे जबहाइन बुधवाद।

গত বুধবার মহারাজ সিক্মিয়ার দুটান্ডা-চীতে গ্ৰৰ্গৰ ক্ষেন্তলেৰ সম্মানাৰ্থ ভোজাও মৃত। ভাল ধলিয়া আম্বা আম্লিভ ইইডেছি, গুল

প্রকাশসক্র সি । হর মৃত্যুর জন্য আক্রেশ করিয়া।, ধ্রীয়াছে। উনাও শর্যাত এক্ষণে কল যাইতেছে।। আছে। নিভাও অক্ষণের সংখ্যা । ৪.৪০৮ । ইয়া

) ना बाङ्गानि नागायत्वतं सना सब्जनता (बाना स्ट्रेट्य।

গৰণৰ জেনবুল কলিকাভার আনিবার সময়ে कानीएड इहे भिवत । ७ अक हिन खात्रसभूद्र अव ছিতি করিবেন। কলিকাত। সব জন লংগ্রেলর **नाम बामा धकारत जञ्चसकत्।**

আমীর সিয়াব আলী ব'া সম্রাক্ত নিজনিত্র নিকটবর্ত্তি চ'লর। লগের নগর অধিকার করিয়া हन। कि इश्वासिटवर्डीहात्र रेममार्शन स्थात सीत्र निकटें भवाकिए इम्रः आशीत विश्वत होका कर्क कत्रिया देनवाकिशदक विश्वविक विकास विद्वारका विजनहे जाकशान रेगनिएकव निष्कुषांद्र श्रधान छेशाय। बाव जुल थां ७ वतशूर्तक कर्क बहुत्क ছেন। আফিন খাঁ কান্দাহার ও সরওয়ার খাঁ। ভুকিস্থান আক্রমণ কবিতে আসিতেছেন। এরপ জনশ্রুতি তুর্কিস্থানের শাসনকর্তা কইজ মখাদ র্থা আকজ্প র্থাব অনীনতা স্বীকারে সমত হই याद्भम । किश्व काथकाल था त्र विख्य देशमा पत ভাগে কবিয়া পলায়ন করিভেছে।

সোমবার শিবপুবে অগ্নি লাগিয়া কএকথানি कुरीय वस ब्हेबार्ड . मिडेनिनिभागिक अविन মাত্ৰ দমকল চিল বলিয়া শীল্ৰ অমি নিৰ্মাণ হয় नाई।

কটকে পুৰাত্ৰ চাউল । া সেব মুক্তৰ । ৮॥ দেব। পুরীতে পুণাওন।১ শের সূতন।৩ অবধি क्षा (भव्र) भुवीर यमल बहे ब्याप्त इहेश्राह्म। অদাপিও কট বৃহিয়াতে। কমিসনর বলেন আৰ करभक गांत्र अचारन त्राहायः (मञ्जूष जीवनाक । २८.००० भग ठाउँम कनम भाष्ट्रि आनिवाद्यः। এক্ষদেশ হইটে ৫০,০০০ মন অসিচেছে। ডিনে बद्धव मर्वा का १ ४- ३, ० ० मन का नियान वरमा वश्व रहेशारङ । यशासन ७ कमीमारवदा १५वत् क्तियां ठाउँम ताथित अध्य अक्तान इहेट हा উল আনিঙে ২ইবে বেন ?

বসদেশে হঠাং চাউল সন্থ। হওয়াতে উত্তর ও পশ্চিম रहेट्ड हाछेल जामनाभी यस रहेनार्छ। (२देन ech (काष्मानि वित्नम (तृ न भक्त एतिए করিয়াছেন। কলিকাভায় ৩। ৪ দিবলৈ মনক্রা आ मृतः कश्यादङ । कावङ कशितः । अवात ऐ एव कनल स्टेग्नाट्ड • इःस्थित शत अच स्वहे ।

बार्यक्टन कार्यक्ट्र जिल्लाहे कर्रन ८ व मर्बाद । य मश्रीरवृद (भव व्य, खना १४०० । १ कर (लाक स्नार्'दि शान्डत्त करियार्डन । म्रास्त । मुक्षां कर्णका ३२८ क्रम क्रम म. ब्याहा मानाना কনিপুর ব লক্ষে পার্বা রেলগুয়ে প্রস্তুত পর্জেষ কবিতে পাবে এমন ১১,৯৮৯জন লাফ দিলের জন্য মানে ২, ৪৪৪ টাকা ও ২, ১৯৯ ৭° ভাউল বিভবিত হইতেছে।

ভারতবর্ধীর রেলওরে দীয় পঞ্জান ও বোধা রেলওরে নহিত একান্তেত হুইবে। এলনে এক হুইয়াতে পঞ্জান ও বোধাই হুইন্ডে যে সকল গাড়ী বোধাই হুইয়া আদিনে এককালে ভালাব পরিবর্জ হুইয়া প্রবা ও আরে ই দিগতে শকটা ভারে লওয়া হুইবে? না ঐ সকল শক্ষ ভ বল বর্ণীয় বেলওরের কলে আনীত হুটুরে লামহা শেখাকে প্রভাবের অপ্রোদন কবিশ্যন্তি। নচেৎ প্রবা সকল শক্ষাভাল কবিব্যাল লাভিৎ প্রবা সকল শক্ষাভাল। কোলোন সমূহ প্রাপ্ত বের লাভ ও সাধারণের প্রবা বুলিয়া সনাহালে বরে লাভ ও সাধারণের প্রবা বুলিয়া সনাহালে বর্লীয়ে কবিতে পাবিবেন। শক্ষেত্র সংখ্যা

किनाजां क्रिकिनिरिशत अवर्गित्र वर्ष (जन्मे गार्ट्स कार्डनी स्ट्रेनर्स गार्ट्सिन क्रिटेन्स निकर्षे क्रिक तक राजन कर्टन। क्रिम क्रिटेन्स मिरशद, किश्च स्ट्रेनर्स गार्ट्सिन क्रमण्य वस्त स्वन्नार्फ जिन तक रेश्णांचेन कर्टन, शूनकार हेरा वगार्ट्सिक शूनिर्द नानीम स्त्र । छवद, मस्त्र अनानित नाम माज अक 'होका स्राह्मिना स्ट्रे सार्क। क्रिकि।

১৫ ই অগ্রহায়ণ মূহন্দবিধার।

এ পর্ব্যক্ত শিবিব সকলে চৌকিলারী টার্র অচলিক ছিল না। গবর্ণমেন্ট ইহা প্রচলিত কবি বার আজা দিয়াছেন। বাটা ভাড়ার শতকব। লাচ টাকায় হিসাবে কর আলার হটবে।

পঞ্চাৰ টাইমদ নামক একখানি মুজন সংখ্যাদ পত্ৰ প্ৰকাশিত হইতে জাবত হইরাছে। লাহোব ক্ৰণিকেল পঞ্চাবের এক মাত্র মুখপাত্র আছেন, ক্ষিন্ত এ খানির লেখা প্রীতিকর নচে। মুজন পত্র বীকার করিয়াছেন কর্মচারিগণ বাহা বলুন, পঞ্চাবের শাসমপ্রণালী দেশবাসিদিশের পক্ষে ক্ষাইকর। আমাদিশের বরাবর এই সংক্ষার আছে। লাভ ডেলহাউসিব ব্যবভীয় কার্বে,ব লোব এক এক করিয়া প্রকাশ হইডেছে।

মাজ্রাজের প্রধানতান বিচারালয়ে আর সিবি
লিয়ান ও বাবিশুর বিচারপতি এবং উকীল ও
বারিশ্রুরের প্রভেদ করা হয় না। সম্প্রতি সিবিলিয়ান বিচারপতি হল ওয়ে ফৌজনারী সেসিয়ুরে
অধ,কতা করিয়াছেন। সর ব'র্নেস পিকক প্র
ধান বিচারপতি থাকিতে আন:। ফলিকাভার
ইহা দেখিতে পাইব না। জভিনার আক্ষেপের
বিষয় গর বার্নেস পিকক এমত উপস্থাক ব্যক্তি
ক্রিয়াও চাতি ও প্রেণী ভেদ করেন।

পঞ্চ।বের আমলাদিগের বেজন হুল্প করিবার গান হইয়াছে।

"लभुत्रव व आहा निष्या विद्यारी का उन य त व आहारहाद इर्श क्ष आहरून। अर्थे य अ भूनपारमञ्ज विद्यारकारन जह शहराति व भूनपारमञ्ज विद्यारकारन जह शहराति व भूनपारमञ्ज विद्यारकारन जहान् य भूनपारमञ्ज

নামবা আক্লানিস্ত হইলান, বোৰাইয়েন শে সৈব, দেশীয় বিদ্যালয় সকলেব জনঃ আ-গামী কি গে, ০০০ টাকা বায় কার্যাব মানস কারবাছেন। ইউরোপীর মিউনিসিপালিটি সমূহ ইহা করিয়া থাকেন। কলিকাভার অন্তিসেধা কেন্ত্র কা সংহেবেব উদ্যু পুরণ করাই ইহকাল ও পরবাকের কাজ ভিরু করিয়াছেন।

ক্ষিণেয়ক। বোখারাক সন্ধিকটে আসিয়াতে। এক জন বোখাবীয় মুখ্য কাবুলে, আসিয়া সক লকে জ্বলালে (ধর্ম গছে) প্রবৃত্ত কবিবাব চে স্থায় আছেন। ভারভবর্ষীয় গবর্গতে উ বে মুখ্যক মধ্যোসিয়ায় প্রেবন করিয়াছেন, ভিনি এই সংবাদ দিয়াছেন।

আর বিব হুইল, কলিকাভার ভিন্ন ভিন্ন আফিলের ২০০ টাকার অবধিক বেতনভোগী কেরাণীরা বেতন বৃদ্ধির বে আবেদন করিয়ারি লেন, গবর্ণর জেনংল ভাছা অরাধ্য করিয়ারেন।

লাভ ক্রাণবারণ লাভ দেলিয়রকে এক শত্র লিখিয়া সবিলেব প্রশংসা করিরাছেন। ভিনি বলেন "আপনি অচকে উভর বিভাগ সকল দর্শন করিরা বে সকল উপার করিয়াছেন, ভাষা উত্তম কইরাছে, এজন্য জানি অভিনর জাজা-দিভ ক্ইলাম। ৯ সামান্য বেজনের কর্মচারি দিগের বেভন বৃদ্ধির প্রস্তাব গ্রাক্ত ক্রিয়াছে এবং ষ্টেট সেক্টোরি লাভ নেশিয়রকে বলিয়াছেন "আপনি নিক্তয় জানিবেন, বর্তমান কষ্ট নিবা-রণার্থ বে সকল বন্দোবন্ত করিবেন, আমি কার মনোবাক্যে ভাষার অপ্র্যোদন করিব। ৯ লাভ নেশিয়র ও সর সিসিল বীডনেব কি প্রভেদ!

জনরব এইরপ লাভ ক্রাণবারণ এক পত্র লিখিয়া লেপ্টন ট গ্রহর্রকে অভিশন্ন ভিরন্ধার করিয়াছেন। এপ্রেণের পূর্ণেই লেপ্টন ট গ্রহ্ন-রকে পদত্যাগ করিতে হইবে। সর সিনিম বীভন বেরপ করিন হাগরত। প্রদর্শন করিয়াছেন ভা-হাতে এ জনরব সভ্য হওয়া বিচিত্র নহে। কিন্তু সর জন লরেশও ভাল কাজ করেন নাই।

আসামের চা-করেরা গবর্ণনেক্টের নিক্টে আক্ষেপ করিয়াহেন, কুলি আইন অন্নসারে বাচালিগকে মজবদিগকে এক চাকা নণ চাউল

निर्ण कर्न. कि अ शही बार्स छाँकाता २४० के का न नीर्रण करिन भाग ना। अ कान छाँका किरान खिल भन्न कान हिंक क्रेनार्ड। शंव रिमले के कान किराज करना कर्नार करिया किराज के का नाम क्रि. इस मानिक निन्नार्म निकारिक है। वाल क्रेन के छाना किन थारका। क्रि. किराज किराज किराज के रिमले किन का भाग किन थारका। क्रि. किराज किराज खाकातील अव त्वान नाम , खळळव टाका क्रि. खाकातील अव त्वान नाम क्रि. क्रि. क्रि. खाकातील अव वाहेन दिख्य क्रेना खानीन खाम निन्नरम्म छिलान निर्णित करा हुछक।

तिषु नतीत निकष्य (तत्वादात निजनिष्ड श्राव रहेग्राट्यः—

- ১। মূলত'ন হইতে কোত্রি প্রায় ৫০০ মাইল
- २। वास्तिव स्ट्रेंट्ड व्याजात २৯० व
- ७। मकुत ब्हेटफ मानत १७० मे
- 8। राष्ट्रमहावाम इरेट फिना २७० अ गवर्षव स्मानता दित कात्रशाह्मन, शवर्षाम क्टिंत बान कर ता त्रकाक्त तास्त्र समा त्र स्मान बाना रहेटवे खारा नतकावी तास्त्र विनिन्ना नित गानिक रहेटवे ना। वन विकारण स्मा हहेटवे, गाराता स्मानीटक पृष्ठ कित्र स्व स्वारित स्वारित क्रि

हैश्लिममान जनगढ व्हेन्न'रहन, छात्रछवर्शेत द्रमक्षत द्रमान्नानि काल व्हेष्ठ जीछात्रामणूत क मजीनताहे जनवि जानाशयाम भग्रस हह द्यमी द्रमक्षतात जाका मिन्नारहन। की वृद्धित काक।

উত্ত পত্র প্রবণ করিয়াছেন, কাবুলে জনরব উঠিরছে ব্রিটিশ গ্রথনেন্ট জানীর সিয়াব আলীকে টাকা দিয়া সাহায্য করিতে চাহিয়া ছেন। সিরার জালি খাঁ পুর্সাণেকা অধিকতর জাগ্রহুম্কারে কাবুলে অগ্রসব হইবার জন্য সক্ষা করিতেহেন। ইহাতে বর্ত্তমান শাসন কর্তা সন্দার আজিষ ও আফস্কুস্থা ভীত হইরাছেন। কার্যতঃ প্রকাশ হইয়াছে, সিয়ার আলিই বথান উপর্ত্ত লোক।

উক্ত পত্ত্যে এক জন কলিকাতার চাননীর চিকিৎসালয় প্রসঙ্গে লিখিরাছেন '' চিকিৎস্ক গণ প্রত্যাহ শত শত রোগীকে অসামান্য দৈব্য ও পরিজ্ঞানস্কারে চিকিৎসা কবেন। ভাজার কেলি ও হাই প্রায়ের নাম প্রকল্যকত্ত্ব জানেন। ইহা ডাউন্থ বেলির পর্যাপ্ত প্রশংসা নয়। চিকিৎ সালয় ভিন্ন বিলির অভাহ আপন বালীতে করেক বালির বিলা অব প্রহণে রোগীলিগকে চিকিৎসা করেন। ছাউন্থ আন্তনের চিকিৎসা এই প্রকার ভিনা। বিশ্ব হাঁরবাট বেলির ন্যায় কেন্ট্র এলে শীয়বিলের ক্ষিক্তর সেহভাতন হন মাই। The state of the s

বঙ্জনা, হাগী আগুণানগাও কৰিয়াছে ই জন্মায় অবসান্নানী ৰোগীৰ মাধ্য ৮৩৩ জাৰ শী ফুট্ৰাছে ২৭ জন কজক প্ৰোগ এই। কিন্তিৰ সাত জামন কুছু চম্

हेर्रोजन्यकार्यात् प्रश्चात् केन्द्रश्चाः अस्तरः करः कार्ति स क्षत्रांकी (अभिग्रनाच न कर्णारा करेर्यः)

हो रहार संस्था दोवन करनार र

ৈ সোলোৰ বিশ্ববিদ্যালন ^শলনা কাৰ্য ি**ছট্**বে । কাই নিজিকে বন্ধ্য কোন্

5 章 電影新聞·日·4 · 5

স্প্রেষ্টি বাল্ বাস্থোর চক্সবাধী বাটিছে।
প্রিল কার্থনীর নায়ত করা এ,ননার সঞ্জা

ক্ষেত্রিপ্রত্বাক্ত কর্মান্তালন ।

ক্রেটিক্রত্বাক্তিক কর্মান্তালন ।

काशकारहेकीएर म स्थम स किसिश्मालय स्थारह, एराधा मान किसाम न स्थित है किस स्थानी का कैक्टि।

ने मुनल के त्यास्त्र वा स्वाधित । व्याधित स्वाधित कर्यु महार माना । या वि व्याधित स्वाधित स्वाधित विद्यास्त्र । त्राप्त माना । या व्याधित स्वाधित स्व

আনোর নারে এক ুর চৌর্নাপ্রাংগ কার্যক্ষ ক্রয়াচেল।

খুটিখনে গ পেতুলোন গারুবেশন পোনাইটের ক্ষান্তিকাড়োর নশ্চন প্রথম খন ডিপ্রেটিন ক্যান্ত্র ১০০ টারে। আপুরুলন প্রান কার্যা। সেন্ত্র

১০ ট অনুষ্যুত প্ৰিয়ায়।

इंश्तिमान बहुनन, निक्यम वामा भवर्ष-रम्भते के ए याचान करमाहक केडिन रम्भिक करण माना महन्त्र हम्, खाहाहक काल, कुनाव ना प्रांचा खाल्या वर्ष कुन्द काल वर्ष का व्याह्मन अवर्गिक हेंद्र बहुनका काल्याह्मन

के नाम बहुनन, हिन्द्रानिशिक्त कार्यवर्तन विश्वम महन्द्र महिन्द्रानिक स्टेट्न । इस्ट्रान्तान क अस्माहरू नक्ता कवानि विश्व कवान कार्यक्र इस्ट्रान्तान अ

के के शब बहान, जा भाग निवादकार्त के कि स्मान के स्मान के कि सम्मान के कि समान कि समान के कि समान कि समान कि समान के कि समान के कि समान कि

ানত্ব লিখিক মুল্যে গ্ৰেবিংশনীয় কাগজ বিভাগ

> উচ্*ত।* (চাকাপ্রকাশ)

बर्रिनारमञ्ज्ञ आव्यान कम्हाना दिवरत्रक विदयम कामन कार वार वार के किए नारिया

. १९ कर क्रियाक मा स्ट्राइस स्**य** मका टा अकाव महीता क्या ह स्रोत परि १ भने भाषा भाषा । त्रीकेश्वर्णन अविक्र े गाँउ के बार गाँउ भागा है । मेर्स 東守 & 「ACT ご 市本 AC単 間接側) 三門門 開 1 7 7 37 60 71 THE STATE OF THE as were justice there will a bladel 3 70 m 3 m पा ए व ्रियान नहिल्ला । वश्रास कालिह्य নি সাজ বিভাগ কোন কোন কালে কালেনাল المرسادات ে ১ এ। ত বিজ্ঞান প্রাকৃতির লে লখান স্থিক। soften fung a Br. Weller b रतीन पान किंग १,९ ८ नमञ्जूष झाउन THAT I'M WHEN HY THERE I LIVE ६ जो १ मा १ अहिता सम्बन्ध स्थान स्थान िल्ला । तथ कुर्यस के सह भी झहरण मा र्वत्तात्व व के नम्र खाकार्त हैआकृत वर्षेत अंदिकत त्रावत न्यात्र क्रांक्टर हा स्वत्रश िट्रांच प्रदिश्य क्रिकेस सीट्रकाटकक भवें श्रेकान जावत से कुनश्कात वहेंद्र भू प्रश्ने अवस्था (सीमहान 1)हें हो । बहुनन (कोसहस अस ार नेक सोरमान भरूतर म केर **काला**ल कर त्य श्रद्ध ।क्षेत्र । ^किशास (अहे चात्राह्म क्षेत्रकः) भ रख्न व्हेन्नाइएम्ब। विभारतय कार्यहे। मा वे तराष्ट्र प्रारंभवे अह भवना जनत भ्यत्मक अध्याक्षांकिक इह्याक्ष्मित्य (म. रि. के (काट्रक्त काट्रत, भाषा विवयन (सट्निट्रे) के গৰ ব বাহাছবেও নেকট লে পছা পাৰ্যন रज्या के किन के कर्नत वाकास्त्र में मन्दर्भ मान क इंडेब्रा न वि: यह मृद्धांव स्ववान पृक्षिक न हा नि थियारका स्वाब्ध भनान्यका विकास g दल्कर न्यु छितियाद रेजियाम भएक विश्वन काथ ्ब्रण्डल कर रम ! बाबाल नाव न विश्वी राह प्रमिश्चिमार्थः सं , यः वासद्या ।व ५ ्रश्चावत रामानाम भाद्य प्रकारत कार्याए । B本中南广·农兴 古、广 · · र्मिट्फ भारत, (ल•्हेर् नहें अनर्व वाकाकृत केंद्रान केर्म्भ कविद्रास्त्र । किथ कार्या कर्तन, कि व प्यकृत कारका पाकारक रणनाम अ**हे** अवश्व छह ा तहे अक्षेत्र कहेत्राहरू जीक्षण असून जिन्नीत क्षिक्र बक्षबाहु कर्त्व उत्तरीहर मार्ग श्रासीन त्र र किन्नोपुरम ज क्लो(संग्रेश र फलाका प्रेक्शे कुक उडेहा इन्सम् ित्र राज्य (सप् कालाश व्याक् र्गामिक प्रमु गाँडे । सहन्दित्वनी सन्देश खाद्या । ा के निवर्त (व विवासन के देन के अपूर्ण के कार 'अम् हेका 'ने भाखरे हिनकत हरेग्राटक परायक भाके। पाष्टिकः ज्योधः भाक्त नाकुनीगरः देव क्रिका भारत कराया मनावर्षिक का. का. करिया श्रास्टिएक के अवर्गनरूक भाग कि विद्या छोटा भिट्टाम छिए । माध्येन को म्राह्मन असल करिन व्यक्तके करेगा बार्क । ज्यान मारक्स स्ट्रान वाना वरवाजीत्राकात हेन्द्राक्तिण भएक बहरे. किन्न बोखबात म्यान्त्रहें (elक्साप्तान शक्ति (u क्षकांव बावना 'क्ट्रन खाश हिन्दा करिष्ट, खाधा লিপের আক্ষিত্য ৰাধ হয় ৷ তংপত্র পুনস্থায় কি क्राल वे कांक्स्त्रा मार्क्सिनक (कांक्स निवा)

with a standard adult white, with the के **कार्योहेंड असीपकी कार्यों १**८ राज कार अ कर की मा यह वर्त्त पूर्व अध्यक्षण कीश्वाद हरकार्य कि.सन्त । बाह्य चुक्कुक्कुक्कुक्कु चार्यसङ्ख that of their ferences are well at ライガ 「新年4」 かる 一歩、カェリン 知事 出事性 44 ा देश क्यावासाय ६ लाभ्याक क्यम कांच स THE OF SEC. 14 THE PIECE WHICH HATTER OF CHIEF 河里 有野狗 斯拉曼的 中国自己的人 (古 年 (新年)等 वर्षे । वर्षाय । धर्म प्रकान बन्दर्शित मर्गन कहिया छ । ामाणे, पापूत्र प्राची पा मन कान हरमन "भण में भारतकातक कियान पुराक मान ं को व क्षेत्रें हैं है पर है को के जिल्ला कि है। क १९/२१वर्त क्षित्र • रन कर्तन 🗸 हेर्न निष्ठा**ण सम्ब**ास 🦥 विषया के हिल्ली करें। विषय । के विषय की त्य नाक्षेत्रका । योतु मद्भार नहीत्र पा**ध एक्ष विद्याय अ**नु या भी ब्रह्मा एक । (१९१४) वा 🛊 (५४१४) वा 🐉 🗓 क्षांत्री नाइका व्या শ্বশ কৰি**লে স্থান্ত** ्रिक्त अन्यान काण होता । का<u>र्केश्वी</u> गोड्रेयो होसांग्रामंत्र - ९ 'स्य हात्री दा खवान ain, 有例并引引 (黄山) 夏秋 明日 可谓 明何 かいは かいい 中 からゆ かいりゃ (利)、可信 等意可能 रे न राक्षात्रक नार्द्रवाष्ट्रश्रंत्र विकृति मुद्राब वः वाप्रवःकाक्षरभत भागनीय वृद्धः private the the terminal of the contraction of the "" A TEXTILE 45. 1

र्या परितर क्षेत्रक नामावित्य मिन्ना दे । उत्तर क्षेत्रक भागा विद्या मिन्ना क्षेत्रक क्षेत्रक विद्या क्षेत्रक व्याप क्षेत्रक व्याप के विद्या क्षेत्रक व्याप के विद्या क्षेत्रक व्याप के विद्या के विद्य के विद्या के वि

रेडेदराशीन ममाठात्र।

्या १ । १६८७ दमनः मक्यः क्षारा नश्चातः राजः ने इतिन्त्र पुष्क साधास स्वाकः सा व हत्त्रस्य स्वाकः स्वे स्वाकः।

ভাশত। চীন ও ভাপানের বংগ্রিক চিশাব গাঁছো কর্মা শেষ করিবার গাঁহা ইয়াছে।

मास्त्र ३७ हे प्रवस्त लागा गान्य हो है। वह हा प्रतान कवित्रक काणा है है । वह पुरुष कवित्रक वित्रक वन्नी पुरुष ।

ंमूर्त मामार्थ धान त्य व्याद्यां माणिनोर्थ निमुक्त कत्न मिराद्युद्धः चर्च कार्याक्षेत्रके । में अपने राज राज वा वाहर हर र सुबद्धा मानन काल अक्षेत्र से द्वेतीरिक (१०१५) का वेत्रतीय एड्न शहा स्कान प्रता राज वाहरी केरका किक्श्वरक्त कहा बाहा विद्या करी। करें

কর্ম এ লাজে নিয়ারে জাতিশার করার । ইউস্কেন

तक्ष वस्तात्व कार्तिहरूम मार्ग क . . स्मर्थाल वस सञ्ज्ञाति स्था वस्ता वस्ता कार्या इस्ता विक्रेतिम कार्यन मार्ग्यंत्र व्यवस्ति स्था । दमसी पार्वे केर्या

ঠুক্তিনিবাৰ লাগুলা ওপৰাক, হয় ই ক্লিপ্ৰভাগ অবীকল্প হয়বাল হল নবন্দে। আৰু বিশ্বাসক্ষাক কী ক হয়বাল গুলার বেশ সভা ব্যবাসক্ষাক ব্যৱস্থায় হ লাখে। হল্প প্রায়ু ভিট্ট বিশ্ব ব্যৱস্থায় ।

্রেশিক।

मानादत अयुक्त (भानधकाण मण्णामक महालव नवीर्ण्यु ।

ं कावकार ने वासू ते ववसू । रहार । एक पात्र ककार ने स्व के स्वाद्ध प्रदान प्रमान अवद्भ वाका नांककात्रत, क क्षाद्ध काणाय । वे वाक्ष्य क कादक तीबादक प्रदान में का जो जा लक्ष में बहुक का तिल्ल कोच जा ने काल क जो बादक, अकाब कावक्ष वाक्षिक सुद्दन ।

कार्च : अधिक वर्षे । करा से ग्रीति

" कविवकुत बहाब्र !

का पाने दम्ब काम, व जावकाक (म जाव सि बश्चरकत, खण्डात विकास कार्य के जार खन्द्रात कर्म. कथना " अपनात क्रकारमें त क्षत क्षत्र कर्षेत्र (०१६१७ क्यांत कर, ० गर् क्या कार्यका । कान्। । शर्प , एक, +3 क्षकान के बाद जो पान पश्चर ।। सब ए स किंत कार देक भड़े अपने १ स्वेटन कर जान कवित्र इसी अवस्ति कार्य वह स्पूर्णना अभावा । का बर्चर्व । अबर अ मिराहर म वहा अंतिर्देश । फोलश्र १ वर्ग में खेल न के है व क्षक्र इस्य वर्ग्य । इक्षां बहु । भट्टका ५४ तथ क्का राष्ट्रिक भारतः। वद्यांन क्रमानात का अ त्यान बहुत्य भूक कथाल है, जान से बीदी 物本注意 棚下山 非常見於舊本,即 身下不断 四部 "田"即 अधिक । १। अन्तर जानार । तानाव महत्र लिक् जामान्या दहबादर, एथा न जानगहरी

্ । প র ও । মু ধরণ জীন মুন বাংল । এ এক এই পাণেক বিলাম ক এ ইং বীবাস করেছে প্রেক্তি

भारत करा १५ का वास्त्रक केल ्र ६ ६ ५ ५ ५ ५ ५ इ.५ । इ.५५ व. ११५ 1.44.4 ML ギタボ (1.54・ しょ^{*}初*明*/2 " . K IN 9 C PTS" #4" #4" #61 #5 tras (四) / Matel 图 T T TRA # #15명 月於 「シェンテ」 子を作者 कर वृद्धाः सुक भ * १ - स्य श्रम्मल ल्या स लिया र के कार्य की क्षेत्र का काल काल करण ar 同日 中 中月 TB 有"利下 有 利田 費用 an a 41 (1) a 42 を 24 (27) 5811 to 100 編集 ११ । वन आसार हिस्सार विकासी स The state of the state of AS A ALE ALE A A ABORDON TO SERVE que e el electo 49 24 1 7 1 5 7 7 47 BIT * 42 " 35 * " 4 44"H TIT איי בורוש כלו ויי יור השיעיי ः प्रविक्षक्ष स्थानः स्टब्स्य प्रवास्त्रकारणा नवाय का ये. ित्रम् आम् । पत्र वर्णा नवा d But findl ta tage . at Ala पूर्व रक्षात्मक परिचार अहि स्रांतर में स्कृतिया । रत क्षेत्र रेन्डाम विक्रम काम सायदण भारत ' च्या अवस्त हु । च छ ,कल क्षित्रका अवस्त्रहरू क बक् बाम्ब (मबाप्त करिन) वाहे। तेन हैं स ्रिशन इंग्लाल प्रदेश अनुवार हा जिल्ला । जा कर्ण पहल काल, सड मार्ट्स रम्पट्स सिवारिट्स र सम्रा विकासन क्षेत्र किस् राज ।

बाल व सिर्वन । कार्रान्त्रव पर्य वर्षः अभिका इक सब म प्रशासन्तर महोत्र प्रतिका नक्षर्व के निराध अरिक शकान्या क्रिकेटक मार्गः रा । सु बाला ठाण्योग्य उम अब्राह्म मञ्जूष । सु बाला क्राचील अर श्रम दुव हरू क्षाद्व की । अभिकास की व परशंख्या (न १ हट्टा ^{(क} प कर्ना इन्स् कत्र प्रश्नेत्र तह अह संप्र क्ष क्रमंत्र के जो भी जना व कर है, राज भी न्तु रचन्त्रात्र र महतूनम् क्षापमः अरम्बाधान् र्। al ф'त ल' क' विकास कर का कि (ल'' श्रीकात करावास वहेगाव भाग्य १ व्यवस्य स्थित अर्गन करिन वर्गन करता रमान्य भागन न्तुनकत मन्त्र में के काश मीत्राय महारू र्शक जाका करमञ्जल करूब के से सका का देशांचा विवाह, ্ৰুক্তৰ পায় ? সংক্ৰাস লা ু 🐧 ৰ সংক্ৰমান কী ব काञ्च क २ प्रकासक् । कार्य ए खुद्धाः कविश्वा है वस्सु पुत्र के सम्बन्ध के स्वीताच्या कि है। स्वाप कि है च पुरक्षित) शेश्स के उक्तांड (१) प्रत्यात म अभागी अक्षाप बडार संग्रहती है। इस अन र्मत कारहा कान्यात कथता ब्रमून शाम तका करून । माण्यक्षाक मामान कहाल व निवादिन,

ति नाक का प्रवास का निकास का अह महा के किए कार्या कर कार्या कर कार्या कर कार्या का कार्या कार्या का कार्या का कार्या का कार्या का कार्या कार्

ता स मार्च कार्क के नाय का अपना नामा है परभाक्तः चर्म्हर क्षेत्रवृतिहरू व मन्त्रः <u>व</u>र्गेष क्षेत्रणः -रत्युर्वेद्धाः राष्ट्रभूतः ।तः चान्काः व्यः १०५।८३) 權 明朝期 刘恪 《】 《 、 《 '若 * · 必 都章 प्राच्च व्यक्तिक व्यक्ति पर तति । उपन व व्यव्ह THE WAS ALL ON THE CO. मानाब कावक गांग्स विश्व व १ के न वब दहन अद्भारतकाल दकेट्टा, र स्टा व 🖫 न व 🗗 व १६ में अन्य व का विशिद्धित्यकः। क्षाप्तान्ति। • ५ का १ क्ष. १ मान १ मान अपने ^११६०म (स्मर · »। २ प्रथा भा रक्षांत्र वर्गनात्र ऋदम विक्रम । गड़ कर हारहरू । बाह्य वासि व ववदा का वेस अंत्रिक्ष रहे विश्व में स्वादिक्ष स्थादिक । इंदिक स्थादिक स्था n as mei aren ? Pray cin ess मान व क बड़ वाच समय करिएक मार्टी कड़ेap to al acceptated albert क्ष्मित्र कर । प्राण व अभारतक क्षाक्रिकारण क्षत्र-প্ৰত বেৰণ প্ৰতিমূৰ্ণি এনত স্থানবৰূপে श्चन के 1 वर्ष, रन कम कम नक्त है। जनाएन इश्वे का कात इच्युक्ति इ वहार्व कार्यन्त्र हके। शहबा इस । किय क्षानाः ग्रह्म बूनाव-हेनिव कृषांप (वाशव कृष्ण भूत्रविकात क्ष , रोर्ट काई वडक्. धून श्रक्त जिल्ला बाह्यपूर्व क्रिजा त है) अलग (बन्द्रन मृहि प्रविद्वा । व श्रूप्त क केर्यम २ 'य-रनव माजिम्राजिस वस्त्रका ।भाष ब्रमान्य कर दाश काकातिक श्रवंताविक, किन्न ्वचारम काम कम मोर्क देशबाहर अंगरेस कि लाम म'रम ? भीववकू वाव क्रकृत निक्र हीता লা টিতে কিয়াছেন কাছতে হৈ দান হয় শিশান

क जन मह बानन वृद्धि लांक मिनारबा भागाको लेकाहेट्स हात. यह स्माट्स्य महिल जानाट्यय महिल यह बहु ब्राह्म माम ज्यान कर. उर्पात डीवान्टिसर, मानेक परिवृद्धत वर्षे करित क অবল তাহা ভোগ কবিৰেম, প্ৰকে পালিগালী নিলে কি হইবে ? প্ৰহ্মন ও নাটকের যে প্রভেল বলা হইবাছে, সে বিষয়ে মহাশয়ের মত আমার গোহা, কিন্তু প্রহানের উদ্দেশ্য যদি প্রোভ্রগকৈ ার্থন হব, দীনবন্ধু বাবু সে পার ধাবেন না, তবে নিজগুণে বিশেষতঃ মহাশদ্বের সমর্থনে লোক হাসান ব্যেষ্ঠ হইল।

এস্থ। উদ্দেশ্যের বিষয়ে আশমি সম্পানকের সঞ্জি মিখ্যা ব'কণ্ডে প্রবৃত হইরাছেন। সম্পা দক হলেন সুবাশানের অনিষ্ঠকারিতা গ্রপমাণ ६० २:३ वश्यत्र वटनम अप्रकारतत्र (म উ।्याना ছিল, কিন্তু প্ৰয়াপাননিবাৰণী সভ'ৱ ভতুপ্ৰো-शिष्टा श्रमभी कराहि छाहात क्ष्याम हिटाला. श्वति मण्णामक वृत्तिरक भारतम काहे। **छ** छ छ -দেশ। থ'কিতে পাতে, বিনি এম্বরাবের মুখে উटएमा श्विनिबंद महान का পाইয়'ह्बन, छिनि বে স এর শার্মে বুরিতে পাবেন না। প্রবাণান 'নৰাবৰী সভা কণ্টভাব উৎসাহ দিভেছেন, महान्द्रम्य अ कथा दला काष्ट्रनम् अन्यान इहे-प्राट्ड। मञा खिलविक काल कविएक भाविएक एक मा बढ़ी, कि छ म शांत व्यक्षिताश्म महा ग অকণ্টজনয় এ কথা আপ নি কি প্রক ে অংথী-কাৰ করিছত পার্যন স

আপনাৰ মতে দীনবন্ধ বাবু সভাৰ বৰ্ণনে ৰত নিপুণ, ভাষাৰ কৃতে এচটা সভাৰ ধান এখানে ভুলিয়া নিসাম ভতুমৰ কবিয়া এক ৰ ব শ্ৰুম

> ি মালভি মালভি মাল ভ কুল। মহালে মহালে মফালে কুল॥ ১

আমরা জানি এবেশের পুন্তে করন 'ম-জালে কুল ৯ বলিয়া আক্ষেপ করেন না। তবে এ ভাষান খীলের কোন ব সচেত যদি নারী । দেন কুল গ্রাহা থাকে কলা যাগ্যা।

কাপনি মাত 'লের মান্সিক নহওব করা যাত।
বিশ্ব ভাষা আমার জন্ধ, শদনীয়। কিল প্রস্থকার।
কিন্তু বালন ভাষা আমার জন্ধ, শদনীয়। কিল প্রস্থকার।
কিন্তু বালন ভাষা আমার জন্ধ, শদনীয়। কিল প্রস্থকার।
কিন্তু বালন ভাষা আমার জন্ধ, শদনীয়। কিল প্রস্থকার।
কিন্তু বালা মান্যবিদ্যান কর্মা ভারেন কাল পিছুব
কিন্তু বালা মান্যবিদ্যান কর্মা পাছে।
ক্রিল ইইলেন, এ সকল মূর্য মাভালের গালে
কিন্তু বালা মান্যবিদ্যান কর্মা কালের বালা কিন্তু কালের কালার কালার

্ব কোন ওলি গ্রাম, কলা, বাঁহার এ বোধ নাই, ভাঁহার সহিত প্রামাতা দোবের প্রসক্ষ করিয়া বাগড়া কণা আমার অস্কৃতিত। অতএব এবিদরে আমি মৌনাবদ্বী হইলাম।

উপসংহারকালে কবিবন্ধকে আনি একটা কছারোধ কবিতেছি, তিনি থেন পাহার বন্ধুকে পরামশ দেন, হ'হাতে কোন সন্থপ্রেশ নিকার সমাবনা নাই, যাহ। গড়িয়া কোন কুডবিদেন বিশ্বজ্ঞ ম'নসিক ফুরসম্মানের স্মাবনা করা যায় না, য'হা কোন কলেকগুলি পচা বসিকভায় ও ইত্তকভাষায় পুন, তেমন গ্রন্থ গেন না কানে। (১)

कवि। शर्माः बन्नु।

মান্যবর জীযুক সোমপ্রকাশ সপাদক মহাশ্য সমীপেয়।

व्यष्ट होराप्टीय ।

मश्रा । एनिया श्राविद्यन, वालीबाएव क्षिनथूर्न ते भक्छे राबाक्षुत नाम अक्शनि कृष अ'न बाह्य। उत्राह्म ख्रीक श्रीहरूमान ষেন্নামে এক বংক্তি সন্তুম্ম কায়ত্বাস ব (रम । व्यक्ति १ । ५ मिन इहेल, विशा ६ हे र সম্ম এক বংকি খুডে ও বেলে প্রায় চুট সং भएमन महित धर श्रीज्ञहाल डाँशनहे वाजिए প্রবেশ কবিষা কহিছা মহালয়। আমি ছবিনাথ भारतर (এই गाँउ अक् क्षम अख्रितमी आहम दा, किन जिमि हेरा दिख देन्त । काटमन मा) व'ती इहे 'छ का निर्म्छ है । का नक्त वे १ छ। र मध्य जालगार रान्ति अदिक्षं किह्र लाहे नाहे न न है वि. पा कही हुई 'यह महम्म निया अध्य व्यापांच भ रे देवा 'दिनम ध्रम करन । वह व निया in श्रद्धांन की ला विचयमार . वि श डाइन पूर् ंददार डेर्न इंड इन्नार न माला . दरहे हेल स्ट्रेन . ७ ५२ ई ४८ त. च्याउटन होता १८५ । क्षिम (महे इत्र क्षाप्राम नकात्वर विद्वास रहेता शाँउभाक विषयमा कारमा हार्यया নিৰীথ সময়ে সাক খনন কান্ত, বাসগতে প্ৰবেশ करिल धरा निर्देश धरा निर्देश कराएक भरेन नद्रम मत्रद्रम हिल्लिए बहेल । उच्चम (ठा, उन्। १५ द्रम কল্প প'নথ' এ বস্তাদি **সঞ্**ৰেণ নাচা "'ইল চা হাই মাজ দুইরা প্রায়ুগ কবিল। 'বিপ্র

(.) এ বিল্যের কোন পত্র আ, আমারা কলক কবিনা সু

विপদমञ्चवर्ड (७ a बहे बाकाई मध्यभाग इहेन। প্র দিবস ঐ সন্দেশ ভক্ষণ করাতে সে**ই বহু** পবিবার মধ্যে অতি বিদং ⁶ লব্য পার **ঘটিশ। কে**ছ বমন করিতে লাণিল, কেছ বিচেতন ছইয়া পঞ্জিল काहात अर्भवीय व्यवसम् इरेश् व्यातिएक ना-গিল। তথন প্রদল্ম বাবু আশনাং ও পবিবার वर्शित की शता निवास इत्रेग्ना छ श्राज्यिनी रव ছই এক জনেব বার্টাতে ঐ সন্দেদ পাঠান হইয়া-টেল, এক ব্যক্তিকে ভাষাৰ ভোজন নিধেৰ ক-বিভে পাঠাইয়া অয়ুণ ডাক্র মহান্দ্রের বারীতে গমন কবিলেন ও উচ্চাকে সমস্ত বভাস্ত কহি-(तम । उथम : 'शिव विराध **स**्टा छ नवीत-शामि हेम्, उक्त क्रेग किल। डाइन्य देशन तानु उल्कबाद अमन (भदम घ'ा) डीशांक किছ श्रेष করিয়া শীঘ্র উহার ব'গতে আসিলেন ও ক্রমে কমে সকলদেই স্তপ্ত কবিতে লাগিলেন। এখন সময় পুলেষের পাল। জাবত হটল। সম্পাদক মহালয়, আপনি ও আপন'ৰ আভজ্ঞ পাঠকৰগ यालमा भरतर मिक्छ शुनित्यर छनाछन किहूरे অনিদিত নাই। টোব পলাইলে ােরপ গুমধান ইচ্ছা গুরুক, সেইগুণ ১ইডে লাগিল। এ স্থান বিশ্বাসোন'য় বে'কালা ২ইল, সংশ্য বিযাক্ত ৰশিয়া কতই সংখ্য ও তেশাক অধ্যক্ত ছইল ा । प वित्र इक्ष स्वर्ताहल कत (यक्षण मर्सा इहेगा ध'(३. महेक्का भड़े करें न ।

কগ্যচিং। পঠককা।

মান্যবৰ শ্ৰীযুক্ত দোমপ্ৰকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

क विस्व शिह्दनकाशिनर--

कहाबन 'न हेंनाकी कि दोलना न न शकांव भरतान एक्ट को नांतर के बीक्क बानु एक करन क्रांवर एक हैं बांतर के बीक्क बानु एक करन कर पार एक करनांत्र के श्वांतर के कि कि धन में को नंधा करहें ये मुखा थे के हैं हों की निर्मित भाग करने ये से मा, बेल्ल ड हे कि एक को लिया का करने ये से मा, बेल्ल ड हे कि एक को लिया का निर्माण कर मही माण-करान करने कि सा का निर्माण का मिन्न लिया मा कि एक कर के हैं कि नक करने का निर्माण करने है के में प्रशास कर है कि नक करने के करने एक में प्रशास कर है कि ने कि हो की निर्माण कर कर करने का निर्माण कर के महिला से कि का निर्माण कर के का निर्माण कर का निर्माण कर के का निर्माण कर का निर्माण कर के का निर्माण कर का निर्माण कर के का निर्माण कर के का निर्माण कर के का निर्माण कर का निर्माण कर के का निर्माण कर के का निर्माण कर के का निर्माण कर का निर्माण कर के का निर्म का निर्म का निर्माण कर के का निर्म का निर्म का निर्म का निर्म

ক্ত প্রিশ্বস্ন কবিষা ছ ভিক্তের কংলোচাস ইইতে ত জেলাৰ সম্ভা সম্ভা দ্বিদ্ৰের ভালান কৰি-शारह्म । ज गान अहे कुछ (अचनीय भानः वि रा -इंटर,बूब स क्षुहारुक्तरूल बन्न करता मन्त्रोहक महाभव । ताबु (स्थाप्टम कर्त्र (कवन (य ए किएक) অসীম প্রিশ্ম করিয়া জনগণের প্রম প্রেমা-क्लान व व्यक्तन भनावीरमन भाज क्षेत्रार्टन धम्छ নগ ? কি এনগৃহিক ত।, পি জন। হতে গৈত , কি বিল্যোখ্যা ছতা, কি কাৰ্য প্ৰভা সকৰ অনুষ্ खलक के के का मार्गन खन्न थर भर सारा-४ शाखा । ভালা বাহা ১টুক যেমন ? লাগৰ ইই: ৰ প্ৰ মক यक शांब कविद्या अजुलाय:कराव हेर्नास वाद्याव গুল্যান কৰিছেছে, ডেমনি যদি প্ৰলাবংসল লেওটন ট গৰাৰ মহোদ্য এই অসাবারণ বৃদ্ধিনান হেমচ্মা বাবুৰ প্রতি কুপাকটাঞ নিক্ষেপ কাষেন, ভাঙা হইলে আমনা সক্ষানেৰ সমূচিত পুরস্কার দশন কবিয়া নয়ন ও মনেন চৰিতাৰ্শহ। লাভ कवि। ভवना कवि, नव निनिस बीखन भरशान्त्र क विषय अवनः मरनार्यंत क्रिट्रन ।

২৯ এ বার্ডিক দুদ্রার অব্রত: স্থাভিক্ষরিবা-হুণী সভার অর্ণা : বিলিক লোকালকনিটীর সভা-अिं अ स्वरंशन (मामने शुरुवत कार्व हेंद्र मार्ट्स) বেৰ অভিমতে নিয়োক্ত বাবণ কতিপয়ে এখান কাৰ অৱসানৱত উদ্যাপন কৰিয়াছেন। ' এ-धम, अशास जाउँन धाना गर्थके समियार है, ! कार्डिक भागान श्रद्धत करेंग अवर रेक्स जिकत ! ज्ञभर्षताञ्च इक्रेवात्र शक्यका, दिन दिन हार्छे त्वया জাব নরম হইয়া আসিতেছে এমন কি অগ্রহাগন मारमत् ३६ व। ३७ मिवरम हण्डस्य मन ३५० নিত্র-মু হটতে পাবে। অতএব এখন সাব ছর্কিক নাই। খিতীয়া, যদিও এক্ষণে তথানবাৰ অল্ল-ছত্তে প্রস্তাহ ২০ বা ৩০০ শত কাজালী উপ-क्षिड इत्र वर्षे, किन्त छ छार्मिश्तव अधिकाश्यह शास्त्रका निवासी ७ कपाक्रमा समास भिवस श्रीव আমাত্তে ভাহার। সকলে অভ্যাসবশভঃ দিবার-সানে অন্নচত্রে উপক্ষিত হয় ও প্রাপ্য ২ বা ৩ ' শ্বা ভাত লইয়া বাটী গমন কৰে। অতএব ভাৰা फिश्रास क्षत्र (अवश् निवर्शक। एकीश, ऐश्राम-গোর মধ্যে থাকার। নি তান্ত জার জীপ ভাকাদিলেব निभिक्त माउदा हिकिश्मामय जाइक, (अहे मा उदा हिकिश्नालश्रुष्ठी में नवस म्या मध्न (इमहन्त वाबु ভাবা সংস্থাপিত হইয়াছে) ঐ স্থানে ভাহারা ' উত্তম আহাব ও চিবিৎদা পটেতে পাবিবে » এই মহারতেব উদ্যাপন দিবলৈ আনি অলম্বরে ' देशश्विक हिनाम, (र्णशनाम श्रा.ज.क कानानीरक ्व क्रिकामन देशकाक कांकावीय कांचे व शास्त्रा

वल अमान करिया विभाग अध्या स्टेल, विमाव সময়ে সভাপতি জীগজ বাবু কেমচন্দ্র কর, श्री के वांव भी गम्याम जगन्ती बी कि वांव जन-নাথ নিংক তথা জীনুক্ত বাব্ চাঞ্চক্স কর, क्षीतुरः वातु विश्वनिमान मह, ख्रीयक वातु अदस्य धन्म क्रिया गवहेनरुकाले **उथा औषक नावु भरान** एक शक्षता लीगक रायु अवर छेन्द्रीय महस्त्र পেক্ষাৰ এবং খ্রীকে বাব বামনারায়ণ পাঁছে প্ৰতি মহানগ্ৰাণ আহতে উপস্থিত ছিলেন ৰ সানীৰণ অংশন আপন প্ৰাপত্তেণ্ড ল প্ৰসাদি থস্তকৈ ক্রিয়া তেমচান বাবাক শত শত ধ্য বাদ প্রশান কবিশত ক'ংতে প্রস্থান কবিল। ধন্য ক্রে বাৰু । জাণনি যথাৰ্থ প্ৰাংসাভাত্তৰ ।।।

२৯ अ कार्डिक शङ्ख्हार बद्धश्रमधिनी मञ्चात अच्यानक की युक्त वर्ष भी मिन्छ कर मछाद बद्बिष्टे ५ १ होका मान्यमन्द्र हाडेल ানবাৰ জন্য বিশিক্ষ কমিটীৰ সভাপতি নহাৰ্যেৰ क्र अ जान क व्या (इन । मार्मिय ग्राय এई।

ডেপুটী ধারু নানা কর্মে ব্যাপ্ত থাকিয়াও এখানকার পীড়াব কাবণ গ্রাম অপবিকাবের ৰিষয়ে মন দিয়াছেন। মঙ্গণ প্ৰাক্ত কাটান হট তেছে। আম প্ৰিফার সহামারীর চমংকাব! উষ্ধ ' ইটা যেন সকলের মনে থাকে '

গছবেডা একান্ত বলধ্ব। ৪ ঠ। অব্যৱস্থাণ জীং!--

ইমান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশর সমীপের। মিদ কার্পেন্টর। ' अन अन विस्तिनिनी । "

এস বিদেশিনি । বছ দিন তবে ব্ৰেছি আমরা ভব আশাপথ চেয়ে, कि बलिद ' ' मर्बाश' आबाद कि वरल चानत्म व्यरीत वन व्यक्ति (मधा (भरत्र)

ভবিষা অপাব সিন্ধ, ছাভিয়া ভবন स्रुर्थित खनमञ्जूषि करत्र शिवशंत्र, अ विराम अकारिकी किरमव कार्न ? किश आहु महाविष । इन्द्रा (स्थान ?

' अञ्जातिनी दलवाला प्रकान जीपादव কাৰাগতে নিৰূপায় জীবন হাৰায় ! ' ১ খান কি স্মাহৰ ভাবে সাগাবেৰ পাৰে

ভগিনীর ছাত্ম প্রানে কা দিছে ছালয় ? अरगङ् भू करक का नगरनव कन ? क्रिलाइ प्रवर्ण सुर्थ व्हें नेप्रोइ खर् এগেছ সকল কেলে হইয়া পাপল ১

বলনা ভোমাবে বস্থায় কি উপলা मिटन व्यक्ति एवर उन्तर विक्रवामि कर न ভ জি গ্রে প্রী তপুশে গা বিয়া ছি হব विमन स्वर्श कव समरह प्रश्वन ।

ভাই বন্ধু হতে জুমি লইব। বিশয় व्यानियां बाबारमव व्याउन को १४ । আপন ছগয়ে ৰঙ্গ বাখিবে ভোগ য় " मिषि व देश छा किरवक वक्रवाला अव।

1-05 ভবান³পুর २१ अ न त्यस्त

यक्ति कान महानम् এই कथ्न भ-क्ति हे॰ ताली পদে অনুবাদ করিয়া কোন প্রকাশ, পরিকাতে প্রকাশ কলে ভাষা হইলে পরম উপকৃত হইব।

মান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক मर्गमग्र मनीत्मयू। অনাথ নিবাস।

🎽 ১ : রাজধানী হওয়াতে, কলিকাভায় নানা मिनीय लाक्टक नानावित कार्यप्राप्ताक, बाह মন ও অবস্থিতি করিতে **চই**তেহে। সুত্রবা वामधामरा कि धनी, कि नित्न, कि विवान, कि मूर्ण, कि आधार्यविषष्ठे कि निश्चित्र, प्रकत প্রকার লোকেরই সমাবেশ আছে। কলিকাভায় महाय मण्याख्याली वाक्तिनिर्गत वान क्रिमकव नरह, किय निवं न अ निवाध्यय लारकता है सार ह किन्नण हम अ बाखना खात्र करन, अक्र व कष्ट्रवावन क्रिलारे खादा न्नाष्ट्रेज्ञरं क्रायक्रम रत्र। देश (राज्ञभ स्थान, छाराएड अथादन आधार विशेष स्टेरन मक्यरन ह नाम महस्य काम एक-ছের ৰাজীতে আঞ্জয় পাওয়া যার না। স্থভরাং এवधिय लाकिकिशतक अवादम वरशद्वानाचि कर्ष्ट्र मक्र कतिएक ह्या

अक्टन (कर कर मत्न कदिएक भारतन त्य সেব্লপ লোক কলিকাভায় না আসিলেই অথবা া এখানে অবস্থিতি না করিলেই ত আব ভার্নি গকে कट्टे भारेए इत ना। कि ह कि कि कि जात धादन क्रिलिहे अहें विरंत्रमा अमूलक दलिया वाध इट्टेंब । कावन अल्ला घटनां का कालाविक

প্ৰস্থ পাইৰে বলিয়া কোন ৰাজ্যি এখানে আগ श्रम कतिल, किन्तु रेपन इच हैमाज्ञास छात्राव শাসীয়, স্থানাভবিত বা পৃথিবী ২ইতে একব'রে ু জান্তবিভ হটরাছে। এমত অবস্থার আগত্তক ি ব্যক্তি আত্রহীন হইয়। কিন্তুপ ক্লেৰ অসুভব करत छाडा अकवान विरवधना कतिरमहे बुबा याहित्य। जात् अहलाहत् अञ्चलक चरित्रा भारक त्य कलकाणाम कविश्विकातम र्हाप निर्मामा-লেব ভয়ানক নিধু ভাষা অভিভাষকবিহীন 🛊 🙀 ইয়া কত স্ত্রী ও ব'লকগণ অপাব ছঃখবাবি-🖻 বিতে একথাবে :নিমগ্ন ছইয়া পড়ে। মফসলের न्। व अवादन व्यक्ति १ म लाहक है भवाभाव मह-কারিডা ও আত্মীয়ত: না থাক'তে উক্ত ছখ টনায় ভাষারা ধংপারে নাব্রি কই ভোগ করে: এর্ণ অবস্থায় তাহ " না গাবিবাৰ স্থানই পায় ना. छेप्रत्व कामा (..या -ा । अने नामा अविध घडेगाय छीत्रन काम ५. सबी ও वासकत्रन िक क (आनीत व्यक्त के वह वहेगा फिर्फा।

ागक रम्भीय धनवान अ अ अविना स्मादक ব্যক্তরলে এইরূপ নিবাপ্রয়দিশের ফেশ নিবা বণ কবিতে সমৰ্থ হন : গাঁও রা ইংলও প্রস্তৃতি गडा मित्र मार्थ कालदा ज्या व्यवस्थिति प्रांभन करून। डाहाएड अन'श्रमिट्य वर्भादा নান্তি উপকার এবং দেৰের মুখণ্ড সম্থিক रेन्यन का स्ट्रेंटन। इंश (य यह बाब अ वह करें भागः कर्षा अवज नरह, यःगामानः क्राप गकत्व এककारम मान कतिरतहे, अक्षी भूलभन माइ:-हेशा सहित्व अवर लाहात्र छिनवष बाताहे अहे মহংকার। সম্পন্ন হইতে পারিবে। আরু, ঘাঁহার। ममिक धनमानी, अविवरुत्त कता, दर्किक्रिर म निक्त मान करिएछ । दौरानिश्व क्रम (दो। **६हे** दे ना । ७७ अव ब विषय न जानन कड़िएंड 'শাস্তরিক চেষ্টা ও ষয় করিলেই বোধ হয় ক্লত-विष्या सम मकत यह स्ट्रेड शास्त्र, क्वनथात वधाय या वक्त जास (मर्गन छेनकात स्थ ना ।

শিকাৰি ভাগের নিয়নেব আয়শঃতকা।

२। नियम, मधुनाय कर्ण्यत स्नृभना मादन वर्ता य कार्या नियम नाहे, छाहा स्नान्त १००० मन्मक हहेरव विनया कथवह जाना करा । ना। এই कनाहे भन्नरम्बद स्ट्रेंट मधुनाय भनाय छ अधिन कार्या कहेरा वाधिवारक्त । त्नो कक वावहारक मध्य छ। छ विनया बुक्तिहकारत स्नियम तका छ स्नृभनाय जावह हहेवात त्नी रव वर्षिक हहे

কাৰ্য্য পৰিচালনের নিমিন্ত ক্রমেই উৎবৃষ্ঠ তৃং আইন বহিগত হইতেছে।

कार्वामिरभन्न भवर्षस्वर केत्र कर्मको विकास चार्छ, खाशनिरशव मकत्मवृहे कार्यः भारतिन-নের নিমিত কতকঙলি কবিয়া নিয়ুগ নির্দিট্ট রভিয়াছে। ভাধার দাবা সেই সকল 'ব্লাগেব कार्या के अन्याना विश्वत्यत निकारिक म भाव इतेया थाएक ! किन्नु अ भर्रान्त कामानित्व छेन्नि जीन निक'विकाश देशेव कवीबना की कार कर माहे। निकाविछार्गत कर्मप्राविभित्तत मासा, गाँकाव (यज्ञण कांग नारम किनि (महेन्स्भर देवान का रा नित्तीह करतन । देहाटल कथन कथन ५०। ঘটিয়া উঠে যে, এই বিভাগত্ব কোন ৰ জি ্য भिग्नम् अर्ध्व कित्रा (शहसन, ग्रेंह न स्ट्रांत উম্ভবাধিকারী আনিলা আবাৰ ভাষা সমুশ্ম প্ৰিব্ৰেড বা অধান্তবিত কবিয়া বসিলেন মুভবাং এরণ অব্বেশ্বিভত'য়, ইহার কাব-अवाली (य किन्न श क्रफ़द रूप जण्डन कहेरल्ट्ड. टाश अञ्चलनीत रा क्याटबर वृक्टिक পাবেন। তবে, এই বিভাগের যে যে অংশের স্থিত, গ্ৰ-মেণ্টেৰ অন্যন্য বিভাগেৰ নিভাষ गरव्यव चार्ड (महे लिहे विष्ठाशक निव्नम वारा ইহার দেই সকল তাংশ প্রতিপালিত হয়। অপ-বাপৰ অংশে নিয়মাভাবে চিবপ্ৰনিছি ভাতেৰ ৰাপেৰ প্ৰান্ত ৯ হইয়া থাকে।

এই সকল কাশ্য ইহাব কার্যা পরিচালনের

এই সকল কাশ্য ইহাব কার্যা পরিচালনের

এই বাকে প্রতি নিভান্ত ভাবপাক হইবা

উন্তিয়াকে । স্কুলইনশোলইবাপ মনে করিলেই
ভাহা সম্পন্ন করিতে পানেন । এ বিষয়ের ফণ্য
উন্তেশ্য যে কেন যথবান হন না, ভাহা বুল ও
পারা যান না, ভাচি পিন্ধাবি ভাগের কার্য,প্রশালী
উৎকৃত্ত করা প্রাবলকে হয়, ভবে এ বিষয়ের
ভানা হাহানিলের চেত্রা করা নিভান্ত ভাবপাক।
কত্তকভালি শিক্ষাবিতি, বিশ্বক হইলো, ইহাব

অনেক এতা চিত্র ও ব্যেক্ষাভার নিহাবিত হয়
এবং লোকের নেক্ট নিয়ন হীন বিভাগ বলিগাও

অপ্রাক্তিত ও উল্প্রিক হয় না,।

০। বংশক সপ্ত'ছাবধি ৰচবাফাবেব ' প্র ভের এব ক পা । নামক প্রীতে চোরেব অত্যন্ত ভার বইরাছে। স্প্রাক্তিন্ধের কর এক গৃহত্বেব আন্যা আদিয়া হা ০ দিন নিজন হইরা গিয়াহে ক্লেমেকেই অনুনান করেতেছেন বে, মাদকাসক্ত লোক ঘাঁষাই এই কার্য্য সংগ্রন হইডেছে। বাস্তবিক্ত অধিকাংশ হৃত্যাই উক্ত

বিষয় এই বে, এই জন্নানক প্রবঃ প্রচলনের জনঃ জানালিগের সভা গ্রবংশেট জাবার উৎসাহ প্রকান করিভেচন !!!

8। গ্রন্থকর্ডারা যশোলিপার বদীভুত হইরা অসাধারণ পরিপ্রাম স্থীবার করিয়াও প্রস্তুক রচন্দ্র 🔭 🤼 माप्र अप्र प स्व। किश्व भव्रत्यश्चतत्व अभू में को-भटल जन्मातः स्वतनमाद्यत्व चरभदानान्ति উপক'ব হইয়া খাকে। ইহাব হারা ক্লখ্যাতি , न'र ज्य माम अधकायिकात किथि । वर्षनाक्ष ছণ। কিন্তু সময়ে সমত্রে জীহাদিবোর অর্থলাভ विषाम विभवीं उपिया है है। डाइनिए शत मू-िछ त्रमुगग्र शुरुक अन्भूर्व निः त्वा इ**हे**वाव श्रु रुडे अनकीन मुझालन जाउस कहा देविक এবং ড'ছা হুইটোই আরু সেই পুস্তুকের অভাব व्यु ना : .क व भारतः भाषा वाष्ट्रकांत्रामिटलेव व्यवद्या ग'श ३ .५'रत वर्षानशस्त्र बुझोक्का को इंड्योड ানা কোন পুস্তা অভয়ে দ্বাপু। হইয়া **२.४। एयम भूलक विद्याल। इक्षे म्हिनामान** সকল একত্ৰ হুইয়া ই ভানত মূলে ইহার বিক্রম আরম্ভ কবে। প্রতবাৎ উহা এম্বরুহার লাভ अनक ना इह्या गाम'ना (माकाननात्रिंगरान अग्रह भारत व्यक्तानात्मत देशाय क्षेत्रा दिति। देलिकिक কাৰণে আমাকৈ সম্প্ৰতি দশ মানা মূল্যের ছট প্রকারের পুত্তক, প্রভ্যেকে দেক টাকা মুল, দিয়া ক্রম কবিতে হটয়াহে এবং কলিকাতাত্ব কোন থানির ভর্কভার জক কানা মুলেবে পুরুদ্ধের ঘর हरे जाना रहेक्के के ज़िरेश्वारह। किश्व यपि अध्वा ख्या अ विकास क्षेत्रके मामारमाणी कर, **छ।**हा हरेंदन बाद माधावरण कांडिअच्छ छ होहानिर्वाद न्द्र कर्त व रष्ट्रभक्त ग्रं सा। हैकि।

বত্রভার **বশ্দ**। ১- ই অংগ্রহায়ন। লেখক। ১-৭০।

মান্যবৰ জীযুক্ত সোমপ্ৰকাপ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

কাপনাৰ ে এ সাধিবের সোমপ্রকাশে সপ্রাধিনী হটতে উদ্ধৃত '' সাধাবন আদৰ্শ দ এই প্রবন্ধী পাঠ করিয়া সমূলায় লংশ অপ্রয়োল দনীয় বেশ হইল না। প্রবন্ধীর আদি ও অস্ত ভাগে বেশ্লব উদাবতা ও যৌক্তিমতা লক্ষিত হইল, মন মাংলে ভেমনই 'প্রস্কায় ও অবে'-কিক ভাবের সন্ধাবৰ দেখা গল। তথ্যোনিনী সম্পাদক কিশ্লপ ভাবে চালিত হইলা এই প্রবাদী লিখিয়াছেন, তাহা নিশ্চিত বলিতে পাবিনা। পক্ষে मृष्टि या कर्त्रिया क्वित जान्ध्रमाध्र विष्यद्व নিৰ্ব্যাতন কৰাই ভাহার প্রধান উদ্দেশ্য। উজ সম্পাদক এক স্থানে লিখিয়াছেন " খুষ্টের এমন কি **ছিল যে ভাষা ভ**্যাগ কবিয়া ভি_{য়}ন ভ্যাগ শীকারের দৃষ্টান্ত হইতে পারেন ^{গ এই} বাকেরে ছারা স্পষ্ট প্রতীয়মান হয় যে রাশি বাশি ধন সম্পত্তি পরিভ্যাগ করিতে পারিলেই ভ্যাগ সীকার করা হয়। যদি ভ্যাগ খীকার কেবল বছল ধন সম্পত্তির ভারাই হয় তবে যাহাণের রাশি রাশি ধন সম্পত্তি নাই, ধার্ম্মিত হইতে কি ভাছাদের জ্যাগ चौकात কবিতে হয় মা ? यनि শতি সামান্য ব্যক্তিরাও কেবল ধর্মের জনে, তা হাবের ক্লুব্র ক্লুব্র কার্যের স্বার্থপরতা ও কুটিলত! প্রভৃতি পরিত্যাগ কবে, তবে কি ভাহারা ভ্যাগ वीकारवर पृष्टीच स्टेर्फ शास्त्र मा २ धन, मान, इप, जीवन अकुिंगाना विवस्त जान चाकाव বেঁডে পারে। অভএবই ত্যাগ খীকার বিষয়ে ाटनत छात्र चीकाटन धनीत, मात्मव छात्र দানীর এবং হুখেব ত্যালে হুখীর বিলক্ষণ मामर्भ इत्रज्ञः यहिए भारतः। थ्रे यिन् धन শ্রেডি বিষয়ে ভ্যাগ খীকারের দাষ্টান্ত নহেন, उपाणि क्वम मेचरत्र निष्ठि स्म अ जीवन | বসর্জন করা ধাহার গুরুতর ভ্যাগ স্বীকার निर्ध स्ट्रेंद्र । क्वांच्य म्हाद्र क्रांत क्रीवन ানাপেকা অধিক ভ্যাগ খীকার আর কি হইতে

चात्र अक चरन निविष्ठ रहेक्षीरह, रव " च --ষ্টর এবন কি অবস্থা ঘটিয়াছিল যে সামর্থ্য াৰেও অন্যকৃত অপকাৰ সহ্য করিয়া ক্ষম **এণ প্রকর্মন করিয়া গিরাছেন " এই** বাকে:তে नसरका विमान यशकशां छिडा लिक्ड हरे-**फाइ। कांत्रम पृष्टे भरन नमरत्रश्च एक्ताकांत्री**कि-গর কোৰ একার অমকল প্রার্থনা না কবিয়া चित्रत्र निकष्ठे छाहारमत मजनहे शार्यमा कति-। इति वालम " (व औ नमाम जिनि দুৰামৰ্থ্য নিবন্ধন সহিষ্ণু তা প্ৰদর্শন করিয়াছি-**गम = अफ़िस्टिक अहे विमा वाहेटक माद्य (व** ংকালে উচ্চার জন্য কোন ক্ষতা না থাকি গও হত্যাকানিদিশের বিরুদ্ধে প্রার্থনা করিতে ाहि**रण्य**। अञ्जल व्यवहादन यथम जिमि जोशीरमञ দল প্রার্থনা করিরাছিলেন, তখন কি তাঁহাব (पर्ट क्यांत्र कांव श्रकांन शाय नाहे ? हेश हैएक जान जिसक कमान जान कि हहेएछ।

স্বিভিন্ন লিখিয়াছেন বে, "খ্টের প্রতি দীক্ত আক্রবি নিমিত অধবা ক্রোল জনির্দ্রন

नीम कार्यन विम खाँशास्त्र अहे खेत्रक जनदूर উপযুক্ত সজ্জায় সজ্জিত করিবা প্রচারকরণেই लाटका । बक्ट वाहित कता रहा, जारा स्ट्रेटन ब श्रवादक वाषीण नश्तारतत जात त्वान नज्यनात्री পুর্টের অনুকরণ করিন্ডে পারে না: অন্তএব पृष्टेरक माधायन आहर्म कतियात्र सामा किन्द्र छहे भावभूनं रम्र ना क अख्याता न्ना है जिनकि रहे **उट्ट :व अहे शृथिवीएड यान श्राह्म विजया** क्क चित्र मञ्चलाध्र स्ट्रेटच शास्त्र, श्रवांव कार्याः সাধারণের অধিকার নাই। বাস্তবিক ভাভের উक्ति। चकीव क्ष्मणाञ्चादत श्राप्तात्वत्रहे श्रात्कारक श्रहांवक विनशा विद्वहमा कहा উচিত। পৃথিবীতে এমন লোক নাই বে চেতা কবি.ল প্রচারক হইডে না পারেন। ইবরকে লক্ষ্য কবিয়া কার্য্য করিলে সকলেই আপন जार्गन कार्या मन् होन्ड बाता श्रवाद कार्या श्रक जन्मानम कविष्ठ भारतम। अख्यवह पृष्टे कांन कांन विषदम जाशांतरनत आपर्न **ब्हेंटि शांद्रमा जकरमहर्ष विम जट्डाल मिर्श** গমন করা উচিত হয় এবং সভ্যের নিষিত্ত जीवन सन्दर्भ कर्जवा इत्र छटन जनगाई पुरहेत पृष्टीख अञ्चरमानन कता दिरश्त । वाखिक्छ पृष्ठे जे जन बाह्यक नमत्त्र त्यनकन पृष्टी छ अन র্শন কবিরা গিয়াছেন, ভাহা বলিও এই উন্নত সময়ে কাহার নিকট কোন কারণ বলঙঃ সামান্য বলিয়া বোধ হয় তথালি ডাছাকে অবজ্ঞা করা আমাদের একান্ত অনুচিত।

উপসংহাবকালে ঈৰয়ের নিকট প্রার্থনা এই বে, আমরা বেন গুণী ব্যক্তির যথার্থ গুণ সমূহ সবল অভঃকরণে দর্শন ও গ্রহণ করিছে পরি। কোন মন্দ ভাবের হাবা চালিড হইয়া বেন কাহারও প্রকৃত গুণের বিলুপ্তি করিছে না চাই।

र॰ এ कार्डिक) जामना करत्रक सन ।

ब्ना व्याचि ।

ব্রীয়ক্ত বাবু ভগবতীচবণ দেব আলাহাবার
১২৭০ অগ্রহারণ হইতে ৭৪ কার্ত্তিক ১৩

'' মুজীবর হেুমান বালেশ্বর
১২৭০ অগ্রহারণ হইতে ৭৪ বৈন্দাশ ৭

'' শিবচন্দ্র মুখোপাধ্যার আলীগড়
১২৭৩ কার্ত্তিক হইতে চৈত্র ৭

'' রাজা গোপীলাল পাঁড়ে পাকোড়

" ল্যামাচবন চৌধুরী মেলিনীপুর ৩
 " গোষ্টবিহারী দত্ত মেলিনীপুর ৩

নোমপ্রকাশনংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষ মূল্য ও ডাক মান্ত্ল না পাইলে নদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বাস্ত্র না।

ইহার অঞ্জির মূল্য বার্ধিক ১০ এবং বাণ্যা- বিক ৫॥০ টাকা, মফস্থলে ডাকমান্তল সমেড বার্ধিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমাসিক ৩৮০. ডিন মাসেব স্থানে অঞ্জিম মূল্য লগুরা যায় না। ছণ্ডি, বরাড চিঠি, মণিজভার, নোট, ও স্থাম্পা টিকিট, ইহার অন্যতর যাহাতে যাহার স্থান। হয়, ডিনি সেই উপায় দ্বারা মূল্য প্রেরণ করি বেন।

বাঁহার। স্থান্দাটীকিট পাঠাইবেন, আন হারা বেন এক অথবা আয় আনার অধিক মূল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ৰখন খিনি মকখল হইতে সৌমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা খেন রেজিপ্তরি করিয়া জীগুজ মারকানাধ বিদ্যাজুমণের নামে পাঠাইর। দেন।

वैशिक्षित पूना क्रिया नमा प्रकी रहेश पानित, अक मान शूर्त देशिक्षित क्रिये निषिन्ना प्रानान वाहेत्व, कान प्रकीफ हरेना गालिश अक्यान क्रिये लाथा हरेत्व, फाहान शन अक मानकान अधीका क्रिन्ना काशव वस कना वाहेत्व। लाव वादान श्रेड त्वानिक शांजाव हरेत्व।

যাতলা রেলওরের সোমাপুর ষ্টেসনের ডাঞ্চ বরে চিঠি আইলে আমরা শীক্ষ পাইব।

वीशता बाङ्ग्ल ना विद्वा श्रामि ध्यत्र कति वन, दीशिविशत त्यदे श्रामि धर्भ कता वाहेर्व ना।

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ছা করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রতিপংজি । জানা ভাহার পর । জানা দিতে হইবে। বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ছা করিবেন ভাহার সহিত বজন বলোবত হইবে।

ব্যা এই প্রায় কলিকাতার দক্ষিণ পূর্বা দাত্তলা বেলওরের নোনাপুর ষ্টেগনের দ্বিণ ক্রাঞ্জি-শোভার ক্রীপুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূবণের বাসতে প্রায় লোকবার প্রাত্তকালে প্রকাশিত

সোমপ্রক

> 기 명(명·

८ मर्था।

" प्रवर्त्ततां प्रकृतिहिताय पार्खिवः सरस्त्री अतिमहती न ही बतां।

বাসিক মুল্য ১ টাকা, অবিষ বার্ষিক ১০ । সন ১২৭৩। ২৬ অপ্রহারণ। ১৮৬৬। ১০ ডিলেরর होका काबार वाशानिक दश होका।

ৰদৰলে ৰাজুলনৱেড অঞ্জিম বাৰ্থিক ১৩ টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ৩৭০

বিস্তাপন। रेके रेजिया दिनश्रम ।

विरम्य जमार्गम् मिर्गद्र हिकीहे नकम হাৰড়া হইতে প্ৰদন্ত

रहेरव ।

সর্ব্ধ সাধারণের সম্ভোষার্থ একবারা প্রকাশ क्या बाहेरफड़ त्य. बाहाया बाज्जीय यूर्य द्वन **পথে विद्युषक्रिंग अपन कतियात्र अकिमान करत्र**न, (श्रक्ष विचानन (मधना स्रेज्ञार्ड्) फारानिगरक খাগানী ১৮৬৭ খু প্রাম্পের ক্ষেত্রগারি মানের শেষ পর্যাত্ত মাসিক টিকিট হারতা ইত্তেসন হইতে অদত হইবে। সেই টিকীটধারিগণ আপনা निर्वात रेम्हाञ्चनारत छेखन शन्तिम श्राहमनीय नमू দার স্থাসিত্ব মনোরম এবং আকর্য্য স্থান সকল দশন করিতে পারিবেন এবং নিম্নলিখিত স্থান नकरनद्र नर्के वा रव शास हेका हन, एवान গৰৰ ও তথা হইডে প্ৰজাগৰন পূৰ্বাক নিজ নিজ ध्यम् न्यापम कतिर्छ नक्तम इंहेर्यन । ये नक्त कारनज्ञ नाम अहे---

> मृत्यत । बांकी गुव। ৰাবাণদী ¥914 1 মুজাপুৰ चानाश्वाम । কামপুর। ৰাগ্ৰা शां जिल्लावान अवर विश्वी ।

উক্ত প্রকার সার্বজ্ঞিক বিশেষ জমণেক্ষু গ ণেৰ ভাভার হার।

विराग्य जमार्थव हिकीडे जकरमञ्ज रव ভাড়ার হার উপরে লিখিত হইল, আরো-हिंगन यनि के शादवर डेनव भडकता २० होकात्र हिनाद जिथक शहान करवन, फरव ধাহারা এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নির্ম অপেকা অভিরিক্ত আর গ্রই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল वावहार कविएक शावित्व । खनामा श्राम रेष्ट्रिंगरन्थ खेळ्ल निज्ञा हिक्डे भावज्ञा हहेर्य।

डेशवि डेक विष्युत्र अन्ताना विषय বাঁহাবা আনিতে ইক্ছা করেন, ভাহারা হাবড়। व्देशत्नद एक्षेत्र है। किक स्थानमा गार्ट्यन मिक्ड पार्यक्रम क्रिएनरे नमूनाश प्रयुक्त रहेएड णात्रित्वन ।

निनित्त किरुक्ता ।

বোড অৰ এভেনী रेष्टे रेखिन्ना (बनशद कीन কলিকাতা ১৮৬৬। ৩১ এ অক্টোবর;

বিজ্ঞাপন।

जीवुक बाबू बालायातिमान बन्त अनी छ " জন্নবাড়ী " নামে এক অভ্যাংকুট অভিনৰ वाकाका कांद्र विक्रमार्थ शक्ष चाह्न । हेगाउ সচরাচর প্রচলিত চুন্দ ব্যতীত, কভিপর ফুডন इस्म अ निहार निष्ण स्टेशा है। देशव मृता अक bim, osusिक वित्नीत बाहकनिशस्य চুই আনার তাক্ষাস্থল পাঠাইতে হইবে। গ্ৰহণাতিকাৰী মহানয়েরা কলিকাতা কেথিডুল विजन कारतरम अथवा निवृत्तिविष्ठ कारः सामाव निकंडे अञ्चनकान कतित्व शाहेत्व शाहित्व । কলিকাডা. প্রকৃষণোপাল ভর

বিজ্ঞাপন।

এডবারা সর্ব্য সাধারণকৈ আড করা বাই-তেছে উত্তৰ পূৰ্বা বিভাগের বৰ্তমান অব্দের ইংরাজী বাঙ্গলা ও বাঙ্গলা ছাত্রবৃত্তির পরীক। **জাগামী ডিগেবর মানের ১৭, ১৮, ১৯ এবং** २० अ शहीख हहेत्।

य य भुक्राक देश्वाकी बाह्ना हाजुदृद्धिव পরীকা হইবে, ভাষা নিয়ে লিখিড হইগ্ল---इंश्वाकी। চাকপাঠ ২য় জাগ ছইজে ইংরা-

> জীতে সহজ সহজ বিৰয়ের অস্থ বাদ করিতে হইবে। উহার ধারা পরীকার্থীদিগের ইংরাজীতে অমুবাদ কবিবার ক্ষমতা 👁 देश्ताकी वहाकवर्ण बुल्लाक छ বৰ্ণ শুদ্ধ করিয়া লিখিবার ক্ষম-ভাৰ পৰীকা হইবে।

२ व । हेश्वाकी शमा ७ शमा हहेएक व्याक्तन ঘটিত শব্দের বুংংপত্তির ও বাকা বিন্যাসের প্রশ দেওয়া মাইবে।

司(罗斯) [

भावीहरा मयकार्यत शक्षमध्य मधा रहेएछ वानना जासुवास क-বিজে দেওরা হইবে । উহার দার। পরীকার্থীদিগের বাল-লাতে অহুবাদ কবিবার ক্ষত। ও ৰাজনা ব্যাকরণে ব্যুৎপত্তি ও বর্গ শুদ্ধ করিয়া লিখিবার পটুতার পরীক। হইবে।

পাটীগণিত। ওক ত্রৈরাশিক।

इंडेक्टिइत श्रथम अवत्राय। (कडण्ड।

পুথিৰীর চারিখণ্ডের বিশেষতঃ प्रांग। ভারতবর্তের সাধারণ বিবরণ।

ই'তহাস নাশ্যনান সাক্ষেক্ত বস্তানকোৰ কতিহাসেল ১০ সভা গধনাকোৰ ভোষ ১৩০ পুঠাৰ নাধ্য **হটতে** লক্ষ্য নেওয় মাই'ব ৷

্ধ প্ৰীক্ষাৰ নগৃহ দিবাৰ সমান্ত কস্তালিপি-বস্ত বিবেচনা ক্ষুৱে ৷

- ধনীকা ১০ চ প্রাথন। ও বাধনা ছাত্রব তব প্রাক্ষা ১০ চ চালাটো ব বছ ২চার। অভ্রের প্রাক্ষা বিধান বাধন বাধন আনীর দেপুটা কালিনিকারে আপন আপন নাম স্থানীর দেপুটা কালেন্দ্রের নকট লিখিল পাঠাইটো চহার।। , লা এসেয়ারের প্র কালেন্দ্র আর্থনন আই ব্রাণ লা লিখিয়া দিতে হইবে—
 - (३) क्षेत्र, विकास
 - (२) ज'हार स्था
 - (: ४ मञ्जा-
 - (8) 71,7
 - (1) शर्म । यर अल्ड इ.स. कांच कांचित
 - (५) स्म बिलाकास मा द्रः क तथाहुः।
- । ৭) ছাত্রাও এংশ । বেশালবে প্রিতে ইচ্ছা করে।
 - (५) या ऋारन शतीकः । ५८त ।

५ छ । প्रीकार्तियः भविष्यः । ज्योव भध्यः । विषयः वर्षे खाद्यः कारतः श्राद्यः । ० की कार्यः व वर्षे वाद खाद थादितः, छ। श्रादः ० अवः छ। धानः वर्षे द्वा

১৮৬৬ গ্রহশ্ব বাঞ্চন, ছাত্রগতিস বিশ্বসাৰ

शु रुव ।

माधिक। इन्होग्रज्भाः रूपार्हे अवः

400

বর্ণক্ষর এন চ'লগাঠ ভূডায় ভাগ হইছে আ তলিখন।

ইভিহ্ণা ভ,বতনাধ্ব ই, ভ্রাসের প্রথম

431

পুর্বেষ । পৃথিবীর চারিখান্তের বিশেষতে ।
ভারতবার্যর মার বাং বরবারের
প্রীক্ষা হঠবে । এতাহির পারী
ভাগিরিগাকে ভারতবার্যর
সমুদায় এগ্রা কিষ্যা শেব
নক্ষা করিতে এই এগ বাহারে ।

গ্রাকুড্রাক্র । রাজেন্সলালের প্রাকৃতি

্বোল

পালীপ্ৰিত। সামান্ত দ্ৰ্যিক ভগাংশ

বৃদ্ধি ও বর্গমূল।

বীর্মগণিত। প্রথম ই টী নিরম।
ক্রেডির। ইউন্নিডের প্রথম অধ্যায়।
ফী গ্রহণ করিবার জন্য যে ব্যক্তির উপর
ভাব পাকিবে প্রীক্রাথিদিগকে প্রীক্রাব প্রথম
নিবস প্রাক্ত-কালে ওাঁছার হতে ১ টাকা স্নী
প্রদান ক'বতে হইবে এবং প্রক্রেক্ত অন্তম নিক্মানুসাবে দ্রেপ্টি ইনপেইকের নিকট স্ব স্থানাম
লিপিয়া প্রপোৎসাবের সক্ষেদ অব বহিত প্রেই
ক্রাবেদন ক্রি.ড হইবে।

हे. छि. शाप्ति। উन्दर श्रुर्स दिहाशात स्कृत **हेनान्नेहे**न।

বিজ্ঞাপন।

क्षान्क्षस्।

শ্রীষক্ত বাবু বক্সিস্চন্দ্র চড়োপাধনীয় প্রনীক উন্তঃ ব্রম্ব মুদ্রিত হইগা কলিকাত। সংস্কৃত ক্ষেত্র পুস্কালয়ে বিক্রমণ্ড স্থাপিত ভাছে।

धूनः) এक टीका

विकाशन।

ভিন্পানি কোম্পানির কাগজ চুবি গিয়াছে। ৯৫২৬ নত ২৭২৫০। ২৮ এ কেন্দ্রোরি । কাইব প্রসেউ ১০০০

৪•১ ন্থ ৩২৮৪৮। ৩• জুন ১৮৫৪। ্দাব গ্রমেট ১০০৫।

१४१८ वे ४२६२ वर १५ अ मार्घ ४४०७ । १९११ स्वरुष्ठे १००

কলিকাত। ২ বা অগ্ৰহ'য়ণ ১২৭৩। ট্র বাম পালিড বড়বাজার, রাজাব কাঠব।।

विकाभन!

নিমুখানদাম'ব গলি ১৫ নম্বর বাটীতে মংপ্র ়িও ও মংপ্রচাবিত নিমুক্ষিত পুস্তকশুলি বিক্যু ১টাকেছে—

| 34 66 7 5 7 8 | |
|-------------------|------------|
| 47.3 | मृत्र । |
| สิ หรังอะ่า | ३ है।कः |
| (दोसडी सङ्ग | 5 7 |
| ভূৰণ গ্ৰাক্ৰণ | } • |
| নীতিসাধ (১ ব শাগ) | ป• |
| নীভিদ্ন (- সুলাগ। | ٠ لو |
| ঞ্চাবিত। | |
| भक्षारः स्वत्यव | h • |

शिक्षात्रकामाध्यक्षे।

োনশকাশ।

্ : ৬ এ ভারাহাষণ সোমবার।

অনেকের সংস্কার শাছে, সমাচার পত্র কিছু অধিক দিনের হইলেই স্থায়ী হয়। কিন্ত হবকরার দেহাতিপাত এ শংক্ষারের অমূলকতা প্রতিপন্ন করিয়া मित्राटह। इतकता ১৭৯৫ थः, अस्क. व्याट ঠিত হয়। ৭২ বৎসরের পর ইহার স্ত্র হইল। শুনিয়া আমরা অধিকতর হুঃখি ত হইলাম। অধিকতর ছুঃখের কারণ এই, यशास्त्रता निथितारहन, मक्यलक् आह्क গণ নিয়মিভরূপে হরকরার মূল্য প্রাদান वदनना। विन यथार्थहे इः त्थव कथा। अहे प्लाट्य व्यटनक मः वामर्शेख हे व्यक्तादन দেহতাগ করিয়াছে। যাঁহার। সমাচার পত্রের উপজীব্য, উাহারা এরূপ ব্যবহার वितिल अक्रेश घटेना इउदा विकित नटह। বাঁহার। নিয়মিত সুলাদানে অনিক্ व्यथवा व्यममर्थ, उाँशामित्भन्न क्लानकत्मह ডচিত চর না যে তাঁহারা আহকলেণী-जुक्त रहेग्रा अशक्तिशतक विशेषकाति পাতিত করেন।

আমরা এতকণ হরকরার সহিত
গ্রাহকগণের ক্ষত্মে দোষ ক্ষেপণ করি
লাম বটে কিন্তু যদি যথার্থ কথা না বলি,
প্রত্যবায়ভাগী হইতে হইবে। হরকরার
অধ্যক্ষদিগের নিজের দোষ নাই এমন
নয়। তাহারা অনেক সময়ে গ্রাহকগণেব
প্রীতিলাভ করিতে পারেন নাই। আমাদিগের প্রবজ্ঞান আছে, যে পণ্যজীবী
উৎকৃত্ত পণ্যদ্রব্য আপণে উপন্থিত করে,
তাহার লাভ বিনা কথন ক্ষতি হয় না।
হরকরা যদি নিয়মিতরূপে গ্রাহকগণের
কৃচিযোগ্য ভোজ্য উপন্থিত করিয়া মানস
ক্ষা শান্তি করিতে পারিতেন, তাঁহাকে
কথনই স্ভ্যুথ্য দর্শন করিয়া অদ্য আমা
দিগের শোচনীয় হইতে হইত না।

√/ भित्रकार्ट्सकेश r

बावका कुर्कीनदराना मिन कार्ट्निक्दन যে সমুচিত সমাধ্য করিয়াখেন, ভাষাতে আমুরা অভিশয় আনন্দিত হইগাম। তিনি ভারতবর্ষীয় অজ্ঞানান্ধ রমণীগণের अक्षांक महरनाटकटण अटलटण जानमन क्तिशार्ष्ट्रन । क्लब्बन, खाँशांद्र मन्यांनना कत्रांटिक क्रांचिमानित्रत चारमणीत तमनी नर्गत देविकाधन विवस्य स्व चाचा छ वक् चाट्ड, डारांत्र श्रीत्रव्य स्टेग्नाट्ड। তিনি জীনমাল বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠার যে প্রস্তাব করিয়াছেন, সেটা উৎকৃষ্ট সম্পেছ माहे। यावर अटलभीत जीटनाक पाता मन क्या ना घरेंद्र, छात्र अवका छीनि কাঞ্বালীর ম্রাকপ্রতার সভাবনা নাই। শিক্ষাত্রী গণ ভূষিত ভদ্র কুলা-क्रमाता जीनशांगदिमागटा निकार्य चाशमन कविद्वन ना, ध भन्ना चात्र नारे। अर्थन व्यानक क्रडिक्स शुक्रव ଓ जीत्क मकल कार्द्या व्यागत (कथा वाहरज्यः) खीनशांत विमानत यमि शूक्यमण्यर् म्ना इर, छज्कूमाञ्चनामिरभन्न मरश याँ होता किছू किछू मिथिताटहन, ठाँहोता তথার অধারনার্থ গমন করিতে দছুচিত इंद्रेटन ना। जाशांककः किंदू मिन देखे त्तां नीय तमनीशरनत डेलिशिंड विमानरत অধ্যক্ষতা ক্রিবার ও কোন কোন বিষয় णिका पिवात आवभाक्ता इहेटव वटछे, किन्न अरमभीत व्यवभागत्वव क्रम्दत व्य প্রকার শিকাসুরাগণিথা এদীপিত হইরাছে, তাহাতে স্বল্পকালমধ্যে এ জাৰশাকতা দুৱীকৃত হইবে সন্দেহ নাই। · **उट्टर अध्य अध्य कि**ष्ट्र विधिक व्यर्थत श्रुद्धांकन व्हेट्व। यांकाता निक्तिजी 'भिष्र लांटकत ज्यांगटा प्रधारान कतिएक व्यामिद्रवन, कांश्रीमद्भव लांजनीय स्य वज्ञण चात्रिक शूकत इंखि विशान क्तिया सिट्ड व्हेट्ट । भवर्गटमल्डे महिल

क्रुजिरमात्रा यपि कोर्नना शतिकांश करतम, এ अजीके मिद्ध एउता' इत्रह एत ना। जागहा बक्छी क्षस्तांत कहिएकहि, जनवनक्त कतिरम छाटतत्र अरमक नाचव र्टेटव माम्मर नारे! त्वश्रम मार्ट्टवत ৰালিকা বিদ্যালয়ই আপাততঃ জীন-चीन विशानत रंडेक। के श्राप्त व्य সমস্ত বালিকা অধায়ন করিতেচে, ভাবি লিক্ষাত্রীরা তাহাদিগকে শিকাদান ক্রিয়া শিক্ষাদান প্রাণালী অভ্যাস ক্রি বেন। এরপ হইলে বাটা নির্গাণের স্বতক্ত वात्र ও ভञ्जादशांत्रिकांत वात्र, अहे दिविध वाग्र व किया बाहरव।

ভাককর্মচাবিদিগের অমবধানত।।

ডাকের বিশৃষ্লা নিবন্ধন যে কত অসুবিধা ও অনিষ্ট ঘটিতেছে, প্রাদি প্রেরণাদির দারা ভাককর্মচারিদিণেব महिष्ठ गाँहात मन्भर्क हत, जाँहाउँहे मुर्थ প্রায় তাহা শুনিতে পাওয়া যায়। অদ্য चामता त्मरे विण्युनामंश्मी धक्यानि পত্ত এই ছলে প্রচারিত করিলাম। এপত ধানি ১০ ই অগ্রহায়ণের, ২১ এ অগ্রহা-त्रन व्यामामिटभन्न स्खगे रहेग्राट्स।

মহাশর । জাপনার ২ রা কার্ভিকের পত্র জন্য ১০ ই জগ্রহায়ণে লাপ্ত হইলাম। জামার প্রেরিড লোমপ্রকাশের বাণ্যাসিক অগ্রিম মূল্য আপনাব নিকট উপস্থিত ন। ধ্রয়াতে চ.:খড ষ্টলাম। ভাদ্রমাস অভীত হইবার পুরের আমি এক বন্ধুর খারা টাকা পাঠাইয়াছেলাম, তিনি আমার নামে টাকা কমা দিয়'ছেন, এইক্ল' ৰিখান ছিল। আপনাব পত্নে অবগত হচয়া ভাষার অনুসন্ধানে প্রবৃত্ত ষ্ট্লাম, ষাধাতে লীড | টাকা প্রভঙ্কে, এরপ করিব। আপনাব ২ বা কার্ডিকের পত্র ১০ ই অপ্রহায়ণ পাওয়াতে পত্রের প্রভ্যান্তর লিখিতে এক বিলম্ ইইল। বোধ হয় প্রীঞানস্থ ভাকষ্থের কর্মচারিদিগেব অ অ কর্মের প্রতি অম্মোযোগই লক্ষার কারণ इहेशा भारक।

सम्बद्धा ।

हेश्बाकी स्व।

३ - हे अजहाराना

19961

এक विश्वन नःकृष्ठकारमञ्जू अव क्रम निक्ष आंमाहिश्यक अक्षीनि शिक्ष रम्बाहरमन, रमबानि क्नाहेमारमङ, ৩ রা নবেশ্বর তাঁহার হত্তে উপস্থিত स्त्र । क्षे शक्ष मृत्रासभ व्हेटफ७ चाहेरम নাই। তাঁহার কলিকাতাত্ব এক বছু লিখিয়াছিলেন। সে পত্তের সহিত তুলনা क्तिरल प्रमुखात शेख ग्रकान ग्रकान পঁক্ছিয়াছে, বলিতে হয় 📳

व विभूश्रमा कि इतिनी स्रेम ? ইহার নিবারণ হইতেছে না কেন ? ডাক ঘরের কর্মকর্ডারা কি শুনাক্দম ? ডা-क्षत्र विभूश्वना ब्रेटन लाटकत य अञ्-বিধা ও অনিষ্ট হয়, তাঁহারা কি তথোগে नमर्थ नट्टन ? दर्श इस, विभूषनात निदा-त्रण विश्वति जैशिक्तित जोकृत यञ्च नाहै। **छाहाई वा किन्नट**श विश्वाम कन्ना गा*रेर* (যখন চতুৰ্দিক ষ্ইতে উত্তেজনা বাক্: পুনঃ পুনঃ ভাতিগোচর হইতেছে, তথন डांश्रा प्रवित्र क्षारा चार्ट्स, अमन त्वांध इस न।। **डीहां**सा किया शाहेबाड কুতকার্যা হইতে পারিতেছেন না, ইহাই সক্ষত বোধ হয়। ইহার কি উপার হই-বার সম্ভাবনা নাই ? আমরা পরীকা করিয়া দেখিয়াছি, যে শিক্ষক জালদা-পরবর্শ ছইয়া বালক্দিগকে বিদ্যালয়ের निश्म ल ज्यान श्रव हरेवांत्र व्यवस्य एत. जिनि कथन वालकिनिशक खबरण ताथियां श्रुकर्त्तवा माध्यम ममर्थ इन मा। आमापि-। গের সংক্ষার এই, ঐরপ পর পব কর্ম-णानिमिर्गत चालमा (मारवरे जारकत বিশৃজ্লা ঘটিতেছে। হরকরারা নির্দ্ধিট वाक्तित निवटणे यथामभाग्न भेज मिल कि না, যদি ভাঁছারা ভাছার স্বিশেষ অমু সন্ধান কবেন এবং কাছার কিঞ্মিয়াত क्ति तिथितारे यथाविधि मध व्यवप्रन করিয়া ভাহার সংশোধন চেউা পান, विशृक्षना (नांद्यत नश्लांधन इक्र इत्र. ना। এখন एतकतानिश्वत शेख दिनि कति।

यत्थऋ वावृहात कतिराज भारत । निक्षिष्ठे । भागानिर्गत अश्यात भारह, याँहाता স্থানে পত্র প্রছিল কি না, তলিগ্যেব এদেশের অবস্থা উত্তমরূপে অবপ্রত উপান ন।ই। किन्छ यनि इतकत्रांतिरशत । आह्वन, छाष्ट्रम लाटक यक्क छ। कतिरल निकटि এक अक श्रांत प्रतीपवृद्धि (प्रवृद्ध) হয়, এবং যে যে ব্যক্তির লামে পত্র পা কিবে, তাহাদিগকে স্থাক্ষৰ করাইমা বিজ্ঞা করিতে পারেন ? ঘাঁহারা ভারত व्यानिवांत बीजि करा हत्र, व्यार, शव शव উপবিপদস্থ কর্মচাবিবা আলস্য তার্গ করিয়া স্বিত্রেষ যত্ন সহকাবে ভার্বিধান । অনেক কুদং ক্ষার জ্ঞান, তাঁহারা প্রাকৃত करवन, विकाशका (सार्येड कार्येक निवादन हरें उ भारत।

(क्षेत्रे (महाक्षेत्रे) (१) काम र

১৮৫৮ অবেদ যখন ডিসবেলি মাহেব কোম্পানিব হস্ত হইতে ভারতবর্ষ রাজীর হত্তে লইবার বিল মহাসভাষ উপস্থিত क्रांत्र, खरकारल अहे डर्क डेलिइड इत, ভারতবর্ষীয় দেকেটাবিব মন্ত্রি স্বরূপ যে क्रायक्षम गणा नियुक्त स्टेर्नि, जैंशिपि-গকে মহাসভাগ প্রবেশ করিতে দেওয়া हरेट्य कि ना ? महामणा घटनक उर्क विक (र्कद्र श्रेत श्रित करितन, एछेटे म्हाउने রির মন্তিবর্গ মহানভাগ আগমন ববিলে कार्यात विश्वाला घणित । किन्त यमि षाष्ट्रशंदन कतिशा (पंथा यांग्र, वाञीग्रमान इहेर्द, महागडांग প্রবেশপথ রুদ্ধ হও য়াতে দাকাং সহয়ে কতবগুলি অনিট गणिष्टा । जी जन्ने अनिक स्हेश উঠিয়াছে মহাণ্ডাল ভাবতবর্ষের নাম इडेटन मट्डाइ व्यानन गक्त नृता क्हेग গায়। সভাগণ থীন, তুবস্থ, আমেরিক। ও মধ্যআফ্কাব বিৰণ লইলা ভৰ্ক বিভৰ্ক इतिया बारकन। १४ देश्मरखर अशीनक धशान (मर्गत नार्ग रेवमुश ध्रमर्गन (द्वन । देशांव कारण कि ए क्षायमञ्ज्ञान াণ এদেশের ভূমিব বন্দোবস্ত প্রভৃতির क्षूडे बार्यन गा। दिलीयण, याँहाता ছাবভবর্ষের বি≃রে বক্তা করেন, **ভা**-

वात य निशम चारक, जाहारक जाहावा हाता आरमर मंत्र विराय कर निरम সভাগণ বিরক্ত হইয়া কখন উঠিয়া যান न। किन्न कि व्यक्तंत्र स्वाटक स्व व्यक्तंत वर्ग इ दे॰ दो की मश्वामश्य शाठ कतिया এটেলের বিষয় অবগত হন, তাঁহানিগের वस्ति यदगड हरेट भारतम ना। মতবাং উলোদগোর কথাকালার ভালত कार्य ग'। वृष्टे अक ४९मव छोत्र ठवर्र वाम कतिरलंख अरमरभव विरमञ्ख्य हरे वाव मधावना नाहै। २०।२० वदमत याँ होता वांत्र कतियादहन, डीहाताहे तक-वन वक्छ इहेग्राटहन। अच्रत्न खिंहे দেকেটারির যাবতীয় মন্ত্রিকে ভারত-বর্ষের উদুশ দীর্ষবাসকারির মধ্য হইতে भानानी क करा हर। देहाँता एउँड माटक **हो** दिएक या शतांगर्म (मन, छाड़ा व्यातात व्यवश्य करेवात छेलात नारे. वेर्गेनिट्रमत মহাসভাষ ধাইবারও অনুসতি নাই, সুত্বাং ইংলগ্ডীয় সর্বসাধারণে ভারত वर्षव विषय अस्त श्रीतकतः । स्रोतं उदर्श मीर्थरामकाही खना अना वास्क्रित यनि মহাসভায় ৫ বেশ সুগম হইত, তাহা হই লেও ভাবতবর্ষের মূতামু জ্ঞান লাভের সন্তাৰনা থাকিড, কিন্তু তাহাও ছুত্ৰহ क्रेश डेठिशाटक। এक्षर्व शृद्धत्र नाथ কদেক বৎসর মাত্র এথানে অব-श्विष्ठि कविशा '' नवाव " हरेशा देश्नर छ याहेबाब डेभाग गाहै। २७ वदमत कर्म করিয়া যে নিবিশিয়ান এক লক্ষ টাকা লইয়া যাইতে পারিলেন, তিনি অপেকা कुड मोजागानी। महामजात्र अरवण बाना (य बाब ला(अ, डाँक्रांबा डाहा मिटड পারেন না। ত্তরং মহাসভায় ভারত-

वर्दित विश्वत्य अञ्चलादत्र लाखे निरम्दर्शत नाम् व्यविष्णयस्य वाकिनित्मत सात्रा छई विकर्क कता ह्य। मुख्यक्ति देश्लक्षित्र व्य (भटक टाकाव कतिशाद्यन, त्येहे (मटक-गेनित्र क्लिन डेशेरेश प्रवत्न डेव्छ। কিন্ত আমর। ইহার প্রতিবাদ করিতেছি। हेश्ल श्रीय मित्रवर्णत मर्कमा शतिवर्त इ-हेब्रा थाटक। विनि क्विन खुरशानानि পাঠ করিয়া ভাবতবর্ষের বিবর অবগত रहेशारहन, डीहांत मारकोति रुख्या বিভ্ৰনা। ভাদৃশ ব্যক্তির স্বাধীন হইয়া कांक कतिरांत कि मंडाबना चाहि ? त्रक ভারতবর্ষীয় কর্মচারিগণ ভাঁছার মল্লি ষরপ না থাকিলে তিনি কি এদেখের ভূমির বন্দোবন্ত, আইন, বিচারপ্রণালী ও म्हिन्द याहात वावश्वामि स्मात রূপে বুঝিতে পারেন ? লার্ড হালিফার অনেক সময়ে মন্ত্রিদিগের পরামর্শ গ্রহণ क्तिएजन ना मठा, किन्ह वस्कानावधि তিনি এদেশের বিষয় লইয়াছিলেন। সর हांतनम উডित नाहि मन्त्री कि जूनक ? লার্ড টানলির সদৃশ বুদ্ধিমান মক্তিকেও দর্বদা মন্ত্রিসভার মত গ্রহণ করিতে रहेक। याँहाता को जिल छेठाहेबा सिवात প্রস্তাব করেন, ভাঁছারা বলেন, উপনি-বেশনংক্রান্ত মন্ত্রির কৌব্দিল নাই। অভতৰ ভারতব্যীয় সেক্টোরির ম-স্ত্রিতে প্রয়োজন কি ? ঘাঁহারা এরূপ তर्क करतन, ভাঁহারা ভাবতবর্ষ ও কানাড়া व्यक्षित कार्कर दुविएक शास्त्रम ना। थ्यथमठ: छात्रछवर्दात इहे (क्रनात ला-क्त जूना लाव[®] अण्ण उनिराम আছে। কানাড়া প্রভৃতি নাম মাত্র ইংল ণ্ডের অধীনছ, তত্তৎ ছানে নিয়মিত শাসনপ্রণালী ও জাতিসাধারণ সভা चार्ट, देश्नार्थ कल्यरहरमंत्र जल्ल दिव য়েরই সীমাং না হয়। পকাদ্তরে, ভারতবর্ষ हुइ राम, वयात्म नांनी अकात विद्वाधी

वीर्थ पृष्ठ दत्र । अवीनकात व्यानक विश रत्रत्र (भव बीबार ना देश्मए७ क्ष्या जाव जाक दत्र । यदि कर्ने । के जादेन देश्मए७ व्याद्या ना दरेख, छाद्या दरेख अरमण्य क्रयक्ष्म कि जीडमारमत पृमादिक दरेख ना १ ताकी ७ मदामण माम माज, किंग (मर्ज्यणीति याद्या करत्रत्त । अदे वाक्षि यदि प्राच्या दत्र, ७ व्यक्षण मश्रमायरम्त छे भाग्न मा थार्क, छाद्या दरेस्म कि व्यक्षण-विरक्षण जामे विश्वा छेठिस्य मा १ ज्याद अदेत्रण निग्नम कत्रा कर्त्रवा, तास्त्रीत माज्य पिरान नाम क्रा स्वित्म मजामिनस्क महामखात প्राचित्म किराणत मखामिनस्क महामखात প्राचित्म मजन लाख्य मजा वना व्याद्य ।

विश्वविमानम् उ धन कित्र। एक्किएकत अधिनक किशाहिन, আমি এরপে সজি খনন করিব, বে लारक आफःकारन प्रविद्या खन थ-भर्मा करत । विश्वविकाशकरत्रत व्यश्न চোরেরাও নেইরূপ লোকের চিত চমং क्र करिया जूलियाट । निश्वितक कीर्या निवांत्रांतत कछ हाकी शाहर छहन अब क्षेत्र कल कलाकल कतिरल्टाहन, बेडेरजान रहेट अन्न हाना रहेश पानिटडरह, किन श्रम्लाहातिक्रित निक्टि अ मधुनाव यानित वाद्यत नाम स्रेता छेठिएछ । इंशान्त्रात निकटि द्यारमन थीव क्लीनन कोषात्र चारह_े श्रेश हिंदे यां बताट ड ताम मक्त हरे मिन्दानत भनीका तथा इदेशा शिल । यांचाता निर्मात, ठाइमि शतक द्रथा कक्षे भारेट इहेल, जबर जन, व, भन्नीका २৯ व फिरमश्त भर्या छ वक्त इहेल। दक्वन किनिकां कांग्र नग्न मक्दरन ट क विव मकात स्रेशाटक । ১৮ रे अधारात **त्वज्ञ काका ध्यकारण निधि उ क्रेग्नारक:**— '' গছ বৃহস্পতিষাৰ প্ৰত্যু হৈ কলিকাভার বে

शामि विश्वविद्यागरम्य श्रादिषिका ७ श्रथम जा-^{ট্}স পরীক্ষার এখ সমুদার জাসিয়াছে। মাক गरः वर्षम श्रीलका (वाला वह जर्बन एक्वाइट कर्दकारीया (मरिएक भाग भद्रीकात अवस्थित द বমুশার লেফাখার ২৬ ছিল, ভাছাব এক মুখ কাটা। সর্বাশুদ্ধ চলিশাটবন্ত অধিক পুলিকা আ केरम, जाबान मरधा २६। ७० शिक्ष खेन्नरम करने রহিয়াতে। সমুধায় কাটা লেকাফাগুলিই পুনবায় বছ ক্মা হইয়াছিল কতনগুলি বছ ছিল আত কতকণ্ডলি এলে ভাবে খোলা ছিল যে ভাচাব यथा रहेर व अध्वक्त जानमा हहेर है वाहित ह ইতে পারে। পোষ্টমান্তার সাহেব সেফাফাগুলিব এই অবস্থা দেখিয়া তখনই কালেছেব প্রিজিপাল श्रीएक खतके मारहरवर निकर्र बहे व नेशा लंड লিখিয়া তৎসমুদার পাঠাইয়া দেন, যে ডিটি श्रीकाश्री के अवस्र रहे श्रा अहरेगारहन। क्रीवक (स्ताने गार्व अवः जायानिश्व छल्म कुल हेनट्र हैंट क्ला के जारहद चयुर छ। कहरत था-ইয়া স্বিশেষ অনুসন্ধান করিয়া এই জানিছে পান এখানকার চাক্চাঠেব লোকের দাবা ওত खन्न मयग याधा मामाका थिन कराना (थाना एक নাই। পোষ্ঠমান্ত্রার ডেব্র সাহেরও অসুস্থান बारा देशदे कांनिएक भाग । यखन अभारत श्रम्भक्ति (बांका इहेम्राट्ड इहार कान निम्मनहे श्कान भार माहै। जार कलिकाला क्रेट हो কার জন্য বেঁ পুলিন্দা বন্ধ করা হইয়াছিল তাহা পুৰ্ব অবস্থাতেই জাগিয়'ছে ডাকদরে এমত প্ৰ মাৰ পাওয়া ৰাওৱাতে ইয়াও নিশ্য অনুভব इन्न नर्थं क्यांन कारन के कार्य इव नाहे। कि काला इहेटफ लिकाकाश्चीन के कावकार के त्रवना इहेबाडिन। এখন কলিকাভাতে यांदाव भागाँहै (नकाकाक्षति (चाना इरेग्रा थाकुक। »

ভাককর্মচারিবা যে কেমন স্থানন রূপে অকর্ত্তর সম্পাদন করিভেছেন, এটা ভাহার অপব প্রমাণ। যেরূপ ব্যাপার দেখা যাইভেছে, ভাহাতে দক্ষিণ হস্ত-কেও বিশ্বাস করা ভার। প্রশ্নের মৃদ্রণ সহক্ষে যত অধিক লোকের সম্পর্ক হইবে, ভতই চৌর্যাক্রিয়ার অধিকতর সন্তাবনা থাকিবে। রেজিপ্রার অধিকতর সন্তাবনা থাকিবে। রেজিপ্রার যদি প্রশ্নেওলি নিজে কম্পোল করিয়া এবং ছাপার্থান নার স্বরং উপস্থিত থাকিরা ছাপাইরা লন, অথবা লিখোগ্রাফি যত্ত্বে মুদ্রিত জারন এবং সক্ষালে পাঠাইবার সময়ে चतः जाक्यतः नित्रा ध्रशंन कर्चकातितः व्यक्त जात्र । व्यक्त जातः । व्यक्त जातः । व्यक्त ज्ञाने नित्र व्यक्त । व्यक्त व्यक

रक्षां वा अ तर अन महत्रम । भागन नष्टक आंत्रजा नज निनित बीख:नत निकटि काम विषया भगी गरि। এक क्विथामर्चन वाजितहरू माथात्रांत्र श्रक् क क्लानिक कार्यात्र अनुकान তাঁহার দারা অথবা তাঁহাব ব্যক্ত অন্য দারাও হয় নাই। পুলিষ প্রভৃতি যে বি-यदा मृख्टिक्म कहा यात्र, जाशहे भृतायत দেখিতে পাওয়া যায়। বিদ্যাশিকা পথে তিনি বরং क्छेक রোপণ করিয়াছেন। তিনি পদস্থ থাকিতে এ বিভাগের উ-इंटि वर्णन मञ्जाबना नाहै। डेश्क्रलंब চুর্ভিক তাঁহার দরাওণেব বিলক্ষণ পরি-**हत्र मित्रोटक। यमि (क्ष् डीक्रांत कीर्कि-**सम्भातिकार केता करन, केरकरण र र क মনুহোর অস্থিতে অনায়ানে তাৰা নিশাণ क्रिटांड श्रीहिट्यम । दक्यम अक विमद्य উাহাৰ সবিদোষ আগ্ৰহ দেখিতে পাওয়া शंग। जिनि यांगामिश्वत नमांट्यत डेव-कर्च माधन विषया ममश्रिक गञ्जनाम । किछ क्लांडित विद्या धरे, जिनि ध विष्रात ध यभवी हरेटड शांतित्वम ना। व विष्ट्य তাঁহার হস্তক্ষেপ অনধিকার চর্চা বলিয়া लाटक डीहात छेनटत अमुब्छे हहेटछ-ছেন। তিনি স্বয়ং ইহার স্বরূপ বেধেও নমৰ্থ নহেন। নিমতলাৰ লাট উঠাইবার टिकी विकत हरेल आमता कावित्राहि-



ब्राह्म, किन्न कार्र्या (मधा वाहेरज्ञाह, कांचा कर नारे।

शांठकतर्गत यात्र भारह, जांका थ-कारभव " शकायाजात " शकाव शार्र क्विश (लश्डेनन्डे भवर्गत भन्नागांजा वस्त क्रिवात एको भाग। अवमाविधरे अपन भीरमुता हेशत शक्तिवाम चात्र करतम। কিন্তু বেগগাসি জোতেব নিবারণ সহজ नत्र। किनि कविनाय आमाम, ठाउँशाम, क्रके, हाकमारी, ভाগनপুৰ, नमीया ख হাকার কমিদনবদিগকে शक्षांयां जात মনিউকারিতাব বিষয়েরিপোর্ট করিবার बाका मिटनन । वांत्र शमनकुमान ठाकून, দিপারর মিত্র ও রাজা সভাশরণ ঘোষাল এবং বিচাৰপতি মিটনকার ও ট্রের এবং এফ আর কক্রেন সাহেবের মত बिखाना कत्रांश करेंगा अत्मनीय जा लाटकता बनिद्यान शकायां । अ अब-क्षंत्र निवक्षन कथन कथन-क्षनिये इत बट्डे किछ भाषानाजः देशटङ किन अन कात क्य मा। (लिंग्डेनले अववंद्रव अहे जमाचक कान अध्य (य शक्तावाजात हन कांद्रज्ञा व्यत्नदक आचीव्यस्तिहरू वश करता ৰাৰু দিগৰৰ মিঞ স্পাণ্ডাক্ষরে ভাৰার প্ৰতিৰাদ করিয়াছেন। তিনি বলেন, চিকিৎ महस्त्रा एकाम रहेश हिन्दिम। श्रतिकार्श ना कतिरल भक्तावांजा कतान हर ना अवर क्षेत्र चाहरा ना स्टेटन चम्रक्त वना स्त्र ना। त्व वाकि भक्ता इंडेट कि विशेष पाइटम. ৰে জাভাত্তর হয় বলিয়া লেপ্টনন্ট গবর্ণ রেয় বে আর একটা ভ্রম ক্রিলাছিল, াৰু দিপৰৰ মিত্ৰ ভাৰাৰও অপনয়ন করি तिहास । ज्यांनि (लल्डेनले शवनंव এक शिटन वित्रक स्टेट ज लाजिएन ना। अनि-मक जामना लिल्डेनके शबनतर कृषिक **ারতে পারি না। মানুবের কেমন ৷কটা বিজাতীয় অভি**মান আছে, এক

नाम व विगरत उँ। दात्र देवान रेविक स्टिन देवे विविध कार्य कि विविध कार्य के विध कार्य के विविध कार्य के विविध कार्य के विविध कार्य के विविध का हार ना। अही मानूद्वत च्छार। वाहा ষ্উক, তথা।ি তিনি প্রস্তাব করিলেন मुर्यु वाक्तित मचा छ ७ हि स्थिर्म ष्यूमिक नहेश शकायांका क्षिटक स्ट्रेंटन, गक्रायाजात क्राक चाँडिकांत शृद्ध चा **पारे** कार्यात नाथा हरेल शानाय मः वीम मिलशा जावणाक। এ विषया का रात्र काम अकात किए रहेटन प्रदेवरमव भित्राम अर्थना अतिमान। अर्थना डेख्यानिश न् **रहेर्द । हिकि** श्रम्कत यमि क्रिम शक्त ध्रवशना काना वार, डीहात हत गाम (मशारमत श्रेखांव इश्व) रमधीनकी গবর্ণর আরও প্রস্তাব করিয়াছিলেন পুলিষ কৰ্মচাৰিগণ যদি দেখেন যে গঞ্চায় নীত ব্যক্তির পূত্য সম্ভাবনা অংশা, जारा रहेटल **जारा**टक गृहर भाष्ट्राह्या पिटि शानित्वन। श्रीनशत्क कवित्राकी শিখানও সব সিসিল বীডনের ইচ্ছা विन ।। यांचा इंडेक, चांख्वारिमत विश्वत बहे. गर कन लाइका क विशास स्थार्थ ताक নীভিজ্ঞতা প্রদর্শন করিয়াছেন। তিনি ति प्रेनचे शवर्रतद अ**खार्य अयूरमामन** करवन नारे। ममारकत उदक्ष माधन भयादकात लादिक्षे करतम नत सम नरत-ষ্পের এই মত। তি.ন বলেন ও গঙ্গাবারা उठिया शित जिमि महा इम बट्टे किह विराग वावका थानग्रन होता हैहा वक्का হাঁহার অভিমত নহে। বিশেষতঃ পুলি-यटक मर्वाप मिख्या ज्वा कर्वता, वि ধিতে তিনি সমতি দিতে পাবেন না जावजबर्स देश णगिरकेंद्र मृत द्रेरव। " भवर्गत व्यनतम नर्वनाथात्र तम भटनाभक जावहे यथार्थ अकान कतिशाहन। मत निमिल वीखरनत श्रमखार्शत नमग्र नमी-পতরবর্তী হইয়া আমিয়াছে, অতএব এই क्य मिन किथिए देश्या व्यवस्थन क्रिया कांक कतिरावें जान इत। उँदित छे-

क्षि जिनि कोन् मयदा कि कतिए इत ष्टांश षांत्रन ना । अक श्रवादाता गरेता जिमि (य नमत अजिनाहिक कत्रि-त्मन, खोहांत्र व्यक्तिकार्थ विकाशिका-পের উন্নতি লাখন বিষয়ে বিনিরোজিত क्तिरण चरनक कांच क्रेड

्रिवारणंत्र ब्रांक्शरनंत्र (माश हिंद्रे व

मआं ए जीव त्रानियम जातक विवदत शृथिवीत चात्रकविध छेशकात कतिप्राट्यन। किन्तु छीनात धरे बाकांची क्वन व लाटकत हित्रमात्रीत इरेटन अक्रम नह, चिंक नीच कान भर्या हु त्नादक देशांत छेशकांत स्कांग कतिर्वन महम्मह नाहे। मञां वरतन, अकृतिश खाता, अकृ-विश्व वावशंत्र ७ अवज वाम गठ लादिकत चारह, डैंश्हिलिशत नकत्वत्र धक भवर्. (मर्केत स्थीत इंख्या छेडिछ। क्रांक वरमत शृंद्ध रेहानी क्रांक्ही कृष्ठत वाटका विकक्त हिन । नजाटकेत्र नाहाटका धरे गरन बाका बाका विश्वेत देशानिछ-वटनत चरीनक रहेशाटक। सर्वनीटक वह थानानीत अञ्चादत कार्या स्टेटल्ट । क्षे रमण जात्रज्वर्यत्र नात्र वस्कानाविध कृष कृष वांधीन तांचा विकत स्रेश वानिएएए । मध्यक्ति श निश्चां न तोका छेल-बांध्रमंत्र करवक्षी बांका धक्षिक क्रिया (इन। अर्थनीय मात्वतहे हेम्हा कहे. (मर्चत क्रेंटाकात क्रका हत । मीख **बरे हेम्हा** मण्णुर्गंख इहेरवा हे छेरताना चंद्रित चना चना श्राहरणंत्र लाह्निष निर्मानियानम मर्फ कास क्रिए छेम् छ स्रेग्नाट्या श्रीमबानीता रमाश्रमणाद कां किया बीट शब्द विद्यादिक्ति शब्द नहां-य्या कतिहरूद्रम्म। न्यूनाय और नार्डि क्विक एरेगा पूत्रक्षित्रक मृत्रीकृष क्रान, जीवांतियांत्र अरे रेक्। युक्छान রকার কনা রাজা মধ্যে জাতিসাধারণ প্রতিনিধি সভা ছাপন করিয়া তাঁহানি भारत भारत भारत कहियात सामम कहि-ब्राट्टम। जो ब्रज्यदर्व अदे निवस्त्राज्ञादन कार्या क्रेट्ड शाद्ध कि मा, अक्टन विद्वनमा कता चावमान। श्रीत बन मंड दर. मत स्टेन, अर्थनीय इत्रम्। धानम कतिया क्ष क्रम अक्षांत्र कार्क्श करत्न, " अश्रीमसात लाक्तिरात्र अहे कृत्रकार तिया वारेट छाट विनि त कुछ कारारण क्षितारहर तारे नाटम शतिहित इरेटक চাহেন, क्षि आर्थनीत अहे विष्णत्व यात्रा अगिष १३८७ दिव्हे अधिनादी इम ना । भ इर्द्राकविश्वत अधिकारतत्र शृद्ध कात्रक्यवीवित्तत्रव अहे कार दिन। रक (मण, फेलत शिक्तमांकन, विशिष्ट अफ्-তির লোকেরা আপনাদিগ্রকে প্রত্ত দেশবাসী বলিয়া জ্ঞান করিতেন। এতথ্য गक नवन्नरवद व्यक्ति वेदेश रहत व्यक्ति त्र विगमन शांक्षीय दिण। विस् अभारन कारा चाँतक किर्त्याहिक स्रेबार्ट । क्रक. विशास मन्था। यक कृषि स्टेरफर्ट, पछ हेर्। ता नकरन अक नांचात्र चरनण ट्या तक एक वस व्हेटल्ट्या । वाकामी, विक् कानी, भीक, महाताडीत, नातनी, रेजनक अकृष्ठि नक्लारे वृक्तिकार्हन, गौहात व अस्ति नाम इडेक मांधा कात्रजनशीत, धनर त्राना मक्टलहे भाज्कमित कन्डान नाधन गक्तात्रहे क्वरा। अहे जना (मना गारेट्डिस नशैक्दत्र त्रांचात्र निविष्ठ अक् चन महातां हीय त्वथनी शातन कतिहारहन তাজনহলে শুকর মাংল আহার করা स्रेवाटक बिनवा बक्रास्थ रहेटल लाहात প্রতিবাদ क्षेत्र। इंटरल्डा एक् ७ वर श्रीत्रव वर्षम ইতিয়া আত্মভাতির कतिया विनद्राटकन, अपि खिकिन नवर्ग्य-ক্রেকার। আতি সাধারণ একডা मार्कार्स महेरात है। जाम स्वयं होत व्यव

रहेरव, हेरबारकता हैश कानिट्डट्सन. তথাপি তাঁহার। ইহার প্রশ্রের দিতেছেন। वांकि विर्मातत थींक विक्रम इडेक. भागन गर्देटका माधात्रद्या हेट्याकिएशव নায় কোন ৰাতি পয়ান্তিত দেশের প্রতি ঔষার্যা প্রকাশ করেন না। এটা ववार्थ भीतरवत्र कथा मालह नाहै। ভতীয় নেপোলিয়ন অলিছিল রাজ बश्मीतिमात्रेत परकाता मन्मित भर्याय ৰাজে আগু করিয়াছেন। ক্রেও অব रेखियांत्र महिन्छ व्यक्षण श्रमदत व्यामता जिपिन भवर्रामर्केत अहे धन श्रीकांत করিতেছি। ববেচ্ছাচারী শাসন কর্ত্তপ কের সময় প্রার আপনাদিপের ক্ষমতা রকার চেতার অভিবাহিত চইলা হায়। किस कांतकवरींत्र भवर्गामार्केत क्षेत्रामि भारत क्यानि माधवर मुधा डेटकामा।

ফ্রেও অব ইপ্রিয়া ভারতবর্ষীয়দি-গকে সাধারণো বিশেষতঃ বাভালীদি भटक चन्नुद्राध कत्रियाद्यन, देखेटबाटन (ब्रुन कांछिमांशांत्रन अक्छ। इंदेरिकाइ. ভাষারাও সেইরাপ অকর্মণ্য এতদেশীর রাজানিগের সহায়ত। ত্যাপ করিয়া नकरम जिप्ति गर्नारम्ब स्थीनस হইরা জাতিসাধারণ একতা ব্দ্বযুগ क्यून। किन्न रेडेरतांश. ७ जातजनर्सत প্ৰস্থাপত কত প্ৰভেদ তাহা ফে ও विया उ इदेशारकन। अड्डीशांत अधीरन थाक्त्रि विनिम्दक अकारात्र महा क्रिए इडेटजिका। विभिनिशिष्टिगत नामन मद्दा गहरक डेक शम शाहेबात महाबना हिन ना। ওদিকে, विकेत हेमानिडेक्टनत (मनानर्थ रवयन नगत मरश कार्यण कतिन, তেমনি উহারা রাজনীতি হটিত বাবতীয় श्व नार्ड अधिकांद्री रहेत । किंद्र वशास देशंत विश्वीक चर्मा। शाशानिश्व वांधीन चारह। टैननिक विठात ও भागस मःकान यांवकीय शव विभवानिता शाहेता बाटकन। किछ यदि লোকে

वाजिमाशाय अक्डाइ वर्ग होबारिक मृत्रीकुछ कतिया जिल्लि धर्गरमान्त्र जशीनक इन, कि कत लांड दरेंदर ? देश्य (अत्र बानदकत्रा (मनानिक स्वेद्दन । पत्रचित्र गत्रात्मत्रा महागद्धाष्ठ (ताकति-গের সহিত অতি নীচ- লোকের ন্যায় তেপুটা মাজি वावशांत्र विदिव। ্টেট ও ছোট আদালতের অত্যের পদ क्रुकिविमामिट्रशत केक शब बांच वाम नांत्र जाडागीमा स्टेटर। अहे जना এতকেশীয় রাজাদিগের রাজত্বের বিশ্র धनांख लाटक जान बांटनन, जबांनि जिपिन शवर्गस्थित त्रासमीजित वधी. নত্ত্তৈ চাত্নে না। রাজগণ অনমশঃ भागन थानानीत्र स्माय मः स्मायन कतिता जिप्नि भनगरमान्डेन नात विष्ठात, शूलिय क्षज्कित छे दक्ष माधन कतिर्दन, लाटक्त्र वहे यांगा चाट्ट। शकायटत खिछिल अवर्गायके रेमनिक, लामन अ विठात मद्या श्रेकानिगत्क कर मकत चन् द्यमान कतिरवन, तम जामा नाहे। मिनदा काठिमाशायन श्राडिनिधि मणा ক্ষ্মাছে। ভুরুকে হ্ইতে চলিল। প্রতি-নিধিসভাতাপনপ্ৰধানী हेर ब्राटकता श्रकि कतिशाहिन। देश्यक श्रकांत्र वांशः নতা ও অত্বেব জন্ম ছান বলিয়া গোঁৱৰ করা হয়। কিন্তু ভুরক্ষের স্থলতান সাব্বী यिष्टिक व यस ७ यांबीनडात मार्न उत्राजश्य हरेशांद्रन, जिंगि भवर्गमणे रे मुद्राधान अधीनक ताकारक छरश्रमारन विश्व स्टेरण्डल ! आहीन मध्यनात्र शुक्र जन ब्राक्षवः रनंत्र श्रांक मात्रा ७ चरमभीव श्रद्धांत्र व्यञ्चरत्रारथ विरम्भीय कित्र धर्माव-शतीमिरशत अधीनक इटेंट्ड हार्टन ना. আর, কুত্রবিদ্যেরা রাজনীতিঘটিত স্বত্র शाहेबांत्र खांचा नांहे प्रियश अञ्चलकारित রাজগণের সহায়তা করিতেছেন। অগ্রে ভারতবরী মদিগের সহিত ইটালীুদলি-(श्रंत नार्रात वावकात या. १ ११७ व . १

ভবদীরদিগকে ইটালীরদিকের নার জাতিদাধারণ একতা স্থাপন করিছে বলিও, শোভা পাইবে।

-- 000 --

স্বভন লাবেলো নিকা ৬৩০ চ

चार्गाम्द्रभव शवर्गत कानरकल म्व क्रम सर्वका रहितिय शत कलिका छा चा महादिव। आंगड़ा त्य अहिक दिन डेंग्गाटक अथारिन प्रतिष्ठ शाहेब. तम শন্তাৰনা নাই। কেব্ৰুণারি শেব হইতে না স্থাতি তিনি বিমলাণ গ্ৰমাৰ্থ ব্যাহট विन। छीहात जुना धर्मात्रुवक्त प्रकर्वा निष्ठं भवर्गत (अमहत्वात रेभेलविकात छ पत्रवादित अटगांन यूर्व च्युक्त क्रिया ममन चित्रविष्ठ कता विद्यम व्यामा কারতবর্ষের কিছু কাজ করিয়া যাওয়া फेंकिज। यान डाँहार नाट्यत व्याकारका ना शांदक, खर्थाां जीशांत दक्छवास्त्रांन कैं। हाटक व विश्वतंत्र तथान क्रिंडिक्ट । षायांप्रित्वत कहते आर्थित्वत पाट्य. যত দুর পারেন, ভাছাব পরিপুবর্গ চেউ। করুন।

১। ভারতবর্ষ দীঘ্কাল যেরপ শোচনীয় অবস্থাপর হইণছিল, তাছার नः दमाधन १६८७ मीच का नाजित्व नत्मर नारे। उपर्थ अथम चाल्यीह উপার বিদ্যাশিকা। गाँशता अक्ष्रि अवःश कावजनत्र्वत डेझांड कामना कटबन, विमाणिकारे व उँ।शामान वक्षांव मका इरेटर, उद्विस्त अनुभाव मः नह नारे। विकादकाडि वाहिट्टिक आह काश्रंत्र अक्रम माधा नाहे (य कुनः ऋ। নাদিরপ গাঢ় অহাবার ভারতবর্য চইতে **লপনারিত** করিছে পাবে। সব ক্লন লবে मेंद्रक दमहे विकाशिकात श्रुवन श्रुवन श्रीति एवंदि मा ७ सूडन डेगाग हेला ान क्रिम क्रीकांत्र करिया मिट्डाटवशनाय র্জিভুত হইতে হইবে না। শিকাবি ালে যে সমস্ত বিশ্যলা আছে, তাহা ব ভিতীয়, সাহাব্যদানপ্ৰালী বৰ্থন প্ৰবৃত্তিত

नः मिश्म क्यून, छाहा इरेटनरे चडीड निक्षि रहेरव। श्राथम, जिनि शृर्स स **अहे श्रद्धांव कतिहाहित्वन, हाउत्पर** বেডন ও চাঁদা উভারের সম্ভি করিয়া या महेरव, भवर्गमणे बहेर्ड डाउ मालगा यारेटर, जनमूनत्व क्रिया कार्या करारे कर्त्वा। जाश स्ट्रेटल (मचिट्ड शाह्रदम. यकप्रता परमवश्रीत डेश्क्रके विद्याना আৰিৰ্ভুত হইৰে। উৎকৃষ্ট বিদ্যালয় প্রতিপ্তা ব্যতিরেকে ভারতবর্ষের প্রকৃত উন্নতিলাভ সন্তাবিত নয়। একণে মফ यालत अधिकांश्म खात्म (व धीकांव विमानत बारह, डाइरिड निका विड ম্বনা মাত্র হইতেছে। মিতীয়, নিয়ম না थाकुक कार्य। (सभा याहे (उत्ह. णिका मः जान कथाना तिषिर भन्न देखा ७ क्यो। क्टे य करमभीत स्वीमांत्रमिश्वत रूट्ड विमान्द्रात काव समर्थन क्टबन । उपहाता बिट्बहमा कट्डम. समीमाहिम्दशत साह निर्फिष्ठे भाष्ट्र, फैंग्शिमिट्यत राख विमा लब्न थाकिटन छायी स्टेंदि । कृद्यापर्णन दाता अमान इरेग्नाटक, वर्ण लमाश्रक नः कात । विमान्य दक्षन सारी हरेलहे कि इक्टेंद ? यहि कांक ना इहेत, वर्ष बाह विकल । सनीनात्रस्तात माथा याँचात्रा कूर्विकि उनन, छाँशामिश्वत स्ट विमा লয় সম্পিত হইলে ভাষা একটা আস बारवत मर्था इहेगा छट्ठे। छैं। होता विकार द्रमञ्ज नरहत, क्रुड्यार विषाविषयः ওাঁহাদিগের অলুরাগ ধাকা সম্ভাবিত मह। अममूहक वाकित इक्ष विद्यान য়ের অচিরকাল মধ্যে পরস্পার অনসুরক্ত जीशुक्ररवत मः मातश्राचित नाम श्रीमम्भा महेशा छेटी। व्यञ्जब, बाबाटक विमानिस বহুল পরিমাণে সুনিক্ষিত ব্যক্তিবিশের व्याप वृत्त, (महे (व्या) क्या कर्तवा। বে হানে ঘটিয়া উঠিৰে, প্ৰতিৰোগিতা षाता देशत जीनायन क्रिका कता डेक्कि।

रा, उरकारन जांदात नित्रमक्तान शांत विवा भागामिश्वत और नःकात समि शोष्ट्रिल, एकपूजी हेनदम्बाक्टबाडा व निददा बि उ व्हेट उट्डन, डीकांडा निवस्तान मक যাল ভাষণ করিয়া কোন্ ছানে ভান भड़ा हरेटकट्ट ना हरेटकट्ट दिस्टिन। काल পड़ा वा इहेटन डीहामिटन त तिट्या টামুদারে দাহাব্যদান ৰক্ষ হইবে। কিছ कार्या हेशाव मण्णूर्व बाजिक्स (मधा वारेटउटह। पश्चिकाः म रजपूषि रेनटन्म डेटबब महिन वस् विमागटबब वस्कान मांकार इत ना। गमि क्यांहिर मांकार हत, छोहा विद्याद्यस्यतं नातं चण्ये कांग মাত্র হারী হয়। আসরা প্রত্যক্ষ করিবা अकथा किंद्रिक । जायता इत्रमामकाण अक्षी विकासायक कार्य कार्य कति। छारात मर्था अक्षिमं उप्रिंग हैन क्लिक्टर वर्षन नाई नाई। इंडिशक्टर এक विदेश अमगदा आमित्रा अक्षी शाम द्यांत्र व अवस्था निशिष्टित्त । यथन कृति काठांत्र काल्ब काट्स करेबल, जीव मृत जब व्यालाम (जभूषि देनाम्म क्रेरबड़ा देव विक्रण कार्या करतन, फारा खनातारम चन्यांन कतिया लख्या नारेटड नाट्व। वरुबन, जामानित्वत्र आर्थना बहे, नत बन नाइक अरे कतिशा बिन, छ शूछि देन त्माडेरतता चननाक्या करेता नित्तिक. क्रटण जालन जालन जरीनच् विमानव छनि मर्भन ७ वशिकिथि ब्रिट्यार्ट कटतम। तिरुगार्षेदारम द्यम विमानरम् द्रवास **अट**वन यवायव वर्गन कता इत। डाहाटड काहात यूबीटर्गका ना थाटक। जाहा इहेटल हेन क्लिकेटतता क्षरे तिरुशार्वे क्षरिता विमा नरवत व्यक्षक ७ निक्तिमारक नावश्राम করিয়া বিজে পারিবেন। ভাষাভে বিনি मदर्न ना रहेर्दन, फाँशांत स्थीनक् विकास रवत गांहाश कान कक्त करिया (मध्या एरेटर । अरेक्टल कार्या ना कतिहन क्षेत्र मक्ष्मण्यः विकासदात वाक्षाप्रकृत **डेइडि क्ट्रेट्ड मा**।

লারেকার গোলর করিছে গেলে প্রকা वंग्री निकास नीय विवय वहेता केटर अल अव, नार्ककवरक आशामीवात नर्वाच वाजीका क्षिट्य रहेन।

मार्ड शमिकारकर शामाण्य ।

नार्ज को लकाझ अरमनीयमिरभद्र पर च कितमात्रशत्वा व थाकू चत्रश्राम क त्र-য়াছেৰ ভাষা পাঠ কালেই পাঠৰণণ नुक्रिक भावित्वम, कृष्टभूर्व छात्रकीत (मटक ग्रेडिय अक्टक्ट्रन किवन खेमात्. আর এ দেশের ৫.ডি উংহার কিবাপ অরু इान चार्छ।

" महाभद्रश्न !

আমি ভারতবর্ষীয় সেকেটারির পদ **खांश क्वांट्ड क्लिकांड व टेंगे म्हांटन अक** गडा हरेगा चात्राटक च जनमन्त्र कर्मा-(नत श्रहात इत, चा क्रि चत्र करून य न भावानमञ्ज स्टेड, जाश हेरेतलरे व नमदत् आपि कुठक वर्षाम ना।

चनुश्रह ७ स्त्रहणत्वम हरेश यहर ব্দদেশের সভাত্য লোকেশ আমাকে **य पश्चित्रकान क्षणान क** द्विपादहरू छाहाद चारभका अमन चात्र किहूरे नारे ए चामादक चरिक्छत चानम अमान कतिरक भारत ।

भरतक मिन श्रुप्रविष्ठम् श्रुक्ती चावात करक खेळकत छ।त ममर्भन करि गाहित्नम । छात्रखर्वा देशताल अपारिक বিখাস ক ছতেন। অভিনন্দনে আপনার। প্রকাশ করিয়াছেন " লোকের বেছাফাত প্রভূতিকার উপরে আমি নির্ভর করিভাষ এবং आमान भागनकार्यः काटन शामि अंध कत्रश्चा ल्याटकंत्र अधिक छेलकात्र कतिवात চেতী পাইয়াছি। " আপনাতা বিশাস कतिरदम मरमाह माहे, जावात कर्खना कार्द्भा स्व शक्तिकाम इहेड, व्याशमाणित्वत श्रहे मदनाश्रक खाव खबनक बाकारकरें।

चहा चमा चमा आर्थितिक्या नत्र चन । छारा शिंद्र अन विश्वा छान हरेक मा ।

शम शांश केतियात ममत्य आमि दण-मिन हरेएक विकीशवात अवश क वहवर्षत चना चना दास स्टेख धरे खर्म्न हिन्न পাইলাম। ভারতবর্ষের লোকের মধল সাধনার্থ আলার চেক্টা হত অসম্পূর্ণ হউক না কেন. কেশবাসিগণ সদাশয়ভা ও উদার্ঘ্য সহকারে এই চেষ্টার প্রশংসা করিরাছেন। ইছার অপেকা আমাকে শ'র কিছুভেই অধিকতর অভ্নৃত্তিম ও আন্তরিক সুর্বদান করিছে সমর্থ নতে।

षांत्रि अर्थन जांत्र रेमनिकन कार्याः खात्रक्वमी अमिरभन्न विवरत्न लिख महि। কিন্তু অ'মি নিক্ষৰ জানি আপনায়া বিখাস कतिर्देश व्यागनां विरागित प्रकृष श्रु जुलात **(मरमंत शक्ति चाम।त्र (य चान्त्र)न चारह.** কিছুতেই ভাষা কমিবার নতে, সুযোগ भारेतारे पात्रि जात्रज्यत्वंत प्रथम नाथ-त्वत्र (ठकी शंहेब, बांगांट खिणिन मंद्रा-(बात महिन देशोत मश्का मुख्यत करा वरः আপনারা পরম বহিষপূর্ণ রাজ্ঞ।র ৫ তি যে ভক্তি ও প্রেম গুদর্শন করিয় ছেন ভাষা চিরস্থায়ী দন, এ চেকা করিব।

आशांत शकि स्त्रह अ मन्त्र देनत अहे চিত্র প্রদর্শন করাতে আমি মছাশগদ-१८३ चारुविक धनावाच मिटिहा. ध्वर च'भवाभिरशंत च, किनम्ब चामात बश्मत এক বছষুলোর সম্পত্তি বলিঃ। মচায়ত্তে वृक्तिक वरेदि !

> कान वाथा हेटगरि . शक्तिकाका। '

কোরহাটিছ দংবাদদাতা লিখি-श्राट्म ।

करमक किन इहेज, क्रम्टकांवहां वि अ'दब अक्की বৃহৎ হনঃ মহিব জানিয়া সকলকে এককালে ব্যভিব,শু করিয়া তুলিয়াছে। इই দিবস हरे अन अनिकिश्यान निकाती हुव रहे:फ ভাতার গাত্রে গুলি নিকেপ করেন, কিছ ड'इ'टड महिराव आने नाम इंडग्ना पूरत थाकूक | तिर्ड मानिरव । ई किमरना क्याना व नाहर कर ह

बद्राष्ट्र त भूनीरभन्ना उन्नानक इहेन्रा छेडि-ब्राट्ड । त्मिन 🏖 नगरब्र भागांत्र देवराने हेन ম.ইবের বিনাশাশরে ভারার চত্রার্মকে চরস্থিত লোক ধাবা বেড় দিয়া ও ল করিবার উপক্রম करतन। किन्न रहित बल्कक मर्गाम शनीवरमञ् **(ह्रे) शाहेता (यहेमकातीक्रिशत अव अन्तर्क** इक कहियाद्वः देनर्ष्णलेत अकृष्टि नकरमह জন্ধনে হতবুদ্ধি হইয়া ছিব্ৰিয়া গেলেন।

२। रक्षुराणिभी निराणी कान स्मिनिक ওসংকৃত বাজির উৎদাহ ও বাবে ভাঁহার বাষ্ট্ৰতে এবটা ধুবতী বিদ্যালয় সংস্থাপিত হই য়াছে। শুনিতে পাইলাম স্থাণরিতার মাতা **७वर छोडे निकाकार्यः मण्णत कतिर**ण्डह्न । युव डीभिटलब कामब्रमाय हिला है देशादि । শন্য বিনি এশ্বপ হিতাপ্রহায়ী।

७। छनिताम, करमक भिन रहेन, धरनवजी मनीएउ मोकाय अकी जाकाईणि रहेशा विश्वादन, উক্ত নদীর পাবে রাক্সিধোগে এক খান " বো-ঝাই প্ৰায় » নাগাইয়া মালার। নিজিভ থাকে, इर्कृटखद्भा छ्यम वाहि क छिन्ना घट व निकर নৌকা লইয়। বায়। ইভিনধ্যে মারাগণ জাগরিত हरेत, फाशास्त्र अव समहक रूफ छ जना किन समरक कड विकाध कांद्रशा यथानर्वत्र अन्दरन क विष्या अहेबा कि देन हैं।

8 । शूक्षांत्र करत्र क मिन शूर्ट्स क्रांका व्हेरक কভিপয় বাজি নৌকাধোলে বাদাইল বাজ। करत । शांभवरेन धरमची वकीए अङ् छेतिहा নৌকা অলমগ হয়, ভাহ'তে এক বাজির মৃত্যু I BUIGSE

e। मन्त्रिंड क्याद्म इ.डेल श्रृकीरभका অনুমূল্য হুইয়াছে। এখন ককক দিন এরণ ১৬। ১৭ সের ভাবে চলিলেও মদন সঞ্চেছ माई।

______ काबानाबाहक में बाहरां का विधि-श्राट्डनः---

अकृत्व क श्रास्ट्रिय २० वह निका किहा कांडेटलाइ मन भा अक्षा वाहेटडटक् । वासा वर्षके इहेग्राट्ड, चांद्र इक्किंक नाहे। ठांबी लाक्षिरशत আনলেব পরিনীয়া নাই। বাহ'লিগেব চার কাঁট অর্থাৎ তাঁতি এড়তিরই কেবল চর্ভিক। ধানারা ভাঁতের বাবসা কবিড, তাহাদেব যে জাব কখন দৌভাগের অবস্থা উপস্থিত ষ্ট্ৰে এমত বোধ म्म मा। रांकी (काम क्षक्) क अवात निक्र निक ক্লাভীয় ৰ,বসার কবলম্বল লাহে। চনগাসক

बाक्टिके बहाबाना की 'क शार्त गार्ट्स महा-দম্ম চম্মকোণা, ক্ষীরপাই, ঘঁটোল প্রভৃতি শ্বা-নের অন্তর্ভ্র ও ছুডিঞ্পী ভাত লোকের এবখা व्यवस्थाकम कविद्या माना विश्वरत् व्यवस्थान कविद्या (अजिंदिखरहम । क 'इप'र्ध अजिंहा ভাঁভিদিপের বিশেষ উপক'বছর, তথিময়ে এখান কার ভতুলোকের সহিত প্রাম্প কবিডেত্রন ইনি যেরপভন্নসন্ধান কণিডেদেন, ভাহ'ডে বাধ क्हेल बाल काहामानाम महतूम व मन्द्रिकार द विषय केलकांद्र मानंदि । मार्श्यत कथावाकी आवर्ग अ वावश्व (मिच्या व्यान व्या अक्रम न्यान ও বিচন্ধৰ বিচারপতি সাধেব হিছললৈ স্বায়ী कडेश विद्रास अ श्राप्तामा विद्राप्त रामम इते (व । .से विषेत्र कार्यक्रें। म'र्ठिय प्रकालम e वे नर्वक-(देव (भावक्षकाम ज्यानाहेवा आवन करतन। छा-হাতে লেখা ছিল, জাহানাবাদ সহসুমার ডেপুটী বাৰু লোকেব অৰক্ষাৰ প্ৰক্ৰি নৃষ্টিপাত না কৰিয়া ব্দসক্ত চাঁদা ধার্য; করিয়াছেন। সামান্য লোকে নিক্লপিড চালা পিজে না পাবাড়ে মহাসকটে भक्तिष्ठाटक । क्रीमान विषया व्यवसान श्री अपन-পাত ক্রিনে ভাল হট্ত। সোমপ্রক'ন প্রবণ कवित्रा माहित महानय कान व्हेक्टिक विकास कतिहरून (व नकल मोका तिव्यवधारीन घरेटाड क्रिकाछात्र यात्र, त्रहे त्रकत (ने कांद्र मास्किरि-(श्रम व्यवहरश्यव निभिन्न शारम ১ होकः कतिया कि চাঁদা ধাৰ্য, হইয়াছে ? জাহাতে ভিনি উত্তৰ করি : বৈৰ হা হইয়াছে। দাড়ী মাজীৱা সামান্য लाक, चर्फि करु ने लोकात माँ कु निम्मा घर किश्विष खेशांत्र कविद्रा मिनशांख करत । ইংারা কেবল ডেপুরী ধাবুর ভয়ে চালা দিভেছে। अ मक्स विषय्वत्र होना स्रभीनाय व धनमानी लाटकर निक्र आधार इहेटल छाल हहेड । धे क्रियम मक्तांव गमर्य याःकाटन घा गरमन श्रीष्ठ 2 - प्रक्रिय शामा मोका मशक्तनगरनत्र प्रव कि লট্মা কলিকাডা বাইবার নি.মত সঞ্জিত হয়, (महे प्रयत्य घाणान **कज्ञह**्जेव मन्नाहक व्यथार ক্ষিটীর ভাইস চিয়ারম্যান জ্রীবঞ্চ বাবু মাবব-इन्द्र इट्डाशानाम मरामटम् व वर्गीन अक श्रमान बाबीहिर्शय :मोका अहे बनिया चार्डक क वन, ৰে সমুদাৰ চাঁদাৰ টাকা আজি না দিলে ভোদেব भोका कनिकाछात्र याहरूछ निव ना । याखिनि-গকে গালাগালী ও অপমান করিভেও আবস্থ क्षित । देशद्र महा। এक अन माओ खद्रावेजन হ্নাছেৰের কুঠির আমলা বাবু কৈলাসচন্দ্র সরকা-क्षित्र महिष्क कारनहेत्र मार्ट्य महाभारतत विक्र 🔭 বিশ্বত হইল। কিছু দিন পুৰ্ণে চাঁদা আদায় **हैनगट्न के** मार्जीटक स्व शहात तथा व्हेग्नाहिन. मिहे अव्हारत्व किस जी मासीव भटने अन्ताभ वर्ड क्षांत्र प्रक्रियादक ' कारलहें- गान्य अवारवह हिस् क्षित्रा माओ र क किन्द्रामा कात्र हर राज र शहा हा (**काषांत्र** २ (४९) इस्ता कि. ३ ना । १ म्हा विलिस, बालिब लाक नहें के एक नहें नामानव भारते क्ष (शिक्षांन) अपगण्डल (मो श्री भक्त प्राधिक वासि हिंद्रक, द्वाब देवा नियुद्ध ला । ता महिंद्रव पूर्व स्व भक्षाम् और भी १ भ म ४ ग्यान । ए क्यां २ (मह ीक्षी प्यानिष्य । भवानिष्य भविद्या निष्ट्रिय बेक्के क्यांत्रिया प्रशास्त्र पर अपनित्र निक्के

क्ट्रेट बाब्वीफिरशत क्रीमान विनश्चिम क्यांक्श्च क्यांक्ष्म क्या श्वास विवास क्या क्या नहेत्रा कार्यमाव निकड संबिद्यम, होन्ना कान-(प्रेव (भवामारक बनिहनन, जाड **म**ें छी पार्ची व निक्षे होना जानात्र कतिएउ यात्र ना। बाक्षीया অব,হেতি পাইয়া পংস আফ্লানিড ও কালেটাঃ गरिश्वत अभन्या थम,बोम कतिहा मोका नहेन्रा কলিকাডার প্রস্থান করিল।

यरकारन कारनहेंद्र जार्ड्य महानंद्र चांतारन फेलांच्छ हिल्लन, छ**२कारन भाहोर्**लद এक कन (लखब्री रहेब्राह्य। वव- अवगारी विश्वनाथ देवदाशी এই व लिया नादक (यर निक्रे अक्रिशान कड़िटा कान, एवं शाहान । অবছত্ত্বের নিমিন্ত আমাকে সম্পাদক হ'বু ১০০ ष्ट्रोका वाष्ट्रवा क्रिया वश्च ख्रुप्त करिएक ब**र्**जन। वामि टीरांत्र चारमभञ्जगारत्र कमर्वन ४०० मण **ोकात वज পরিপ্রৰ করিয়া নানা স্থান হইডে** খারিদ কবিয়া আমিয়া উচ্চ বাবুকে বস্তু ও চা-লান দেখাইলাম। বাবু চালান দেখিয়া নানা গোলবোগ কবিয়া বলিলেন ভোলাদের হিলা-বে বঞ্চনা আছে । অভএৰ ভোষাদিপ্ৰকে ফৌজনারীতে সোপনম কবিব ইত্যাদি ভয় मिथारेया जायात विकरे अक मछ है। दोन अक क्टा बारे एक कविया नहेबारहर । चय- धव আপনি বিচার করিয়া উক্ত দণ্ডের চাকা ক্ষেত্ত দিবার আদেশ কবেন। সাহেশ্বের বিচারে কিব্রপ निष्णत्वि बरेब्राइ भारत विराध कवित्रा स्नोतिया সমাচার লিখিব। — অর্ছন্ত বিষয়েয় ভদার্ফ করিবার জন বেখন এক জন ভেপুটী মাজিটেট নিয়ত ভদশ করিয়া দেখিয়া শুনিয়া বেড়াই-एउट्टन, एकन अञ्चल क्षणाहारत्त्व कथा स्थानिया ष्मभव लाटक कि बाब कविद्य २

बरकारम अवारत इर्डिक छेशक्रिक करकारन चानीव क महाविश्वात्त्र काम উদ্যোগ ছিল मा। घोरालत अन्नाहेत्रम गार्ट्यत कृतित श्रथान कर्यहावी आयुक्त देवनन्त সাহেব দরিজগণের প্রতি ক্রপা করিকা উদ্দের্গণ भावेता होता पाता किंदू किंदू नश्वार किंद्रता काणां निर्दिशत सीयन प्रका कृतिवाहित्सम । তংকালে কোন কালালিকে প্ৰহার বা গালাগালী मिटि छना बाब नाहै। अक्टन जानीय कर्यहा-রির হল্ডে অরহত্তের ভার অপিত হওরাতে योगेरनद्र कामानीदा यादि चोहेर्डिह हिचित्र। चानरकरे इःचिक रहेरलक्ष्मा व वाकि श्रा ए: देव काखन रहेता अवदन केरमान शहेश नक শত লোকেয় জীবন রক্ষা করিবাছিলেন, সেই ব্যক্তির হল্তে এই ভার অপিত হইলে কি তেহ এক্লপ অভ্যাচারের কথা শুনিতে পাইভ। ঘাটা-लिय है। जिन्न दिशाना बाबू श्राह्म शास्त्र श्राप्त वि-(नर क्छ)हार कतित्र बादका। श्रक्षांतन हेशह প্রতি করের অস্বস্তী। সম্প্রতি টারু आमार्यव मार्यांगा वांव अखागात्व अवस हहे-ब्राहित्यम । अवै कांत्र व चांत्री व क व क्रि आकामावाद्यत को अवादीत्य वाक्षारतात्रात्र नाटक অভিযোগ করিয়াছে। বিচারপতি বেরূপ বিচার করেন, পশ্চাৎ বিশেষ করিয়া লিখিছ।

यथकारम कारमञ्जू मार्ट्य महामन्न वाहारम উপস্থিত ছিলেন, চৌফীদারীটাক্ল রহিত হয়, **এই প্রাথনার বঙ্গংখ্যক দরিস্ত প্রজা সাহেবকে** /

अतः न कार्या यान नाहै। खाँहात विज्ञान बहात মঙাৰ দেখা গেল ৰোধ করি আৰু ইহার কোন व्याकावधान कतिर्वन । अ अरमध्य कामात बाहा ध्य नमरा जन्नहा रहेन्नाहिन छात्। ७० अ महत्वस्त्र यक स्हेगारक। कामाली गगरक रखानि निवा विश्वात (म-७३) हरेत्रारङ । (कवन कीर**ण** हे व्यवहात बाकान कांग २०० इहे मंख क्वल प्रक्रिनानंत्र

ज शर्भारमात्र मरपर (क्यम जीवक केश्यक्त विकामाध्य महाभारत्रेत कत्रहा अक्षा भि वस क्य माहे। विवि कति नमल भा शहाहनमान विद्याना-भव बहानम् अबस्य हान'हेरवत । अवशान्त अब--इत्बन कानानी विष्णांगांभन मह नरमन कत्रहता আসিয়া পঞ্জেছে। গোন কোন কালানীকে (कर (कर जिस्तान) कटरम, (खानका बक्ष ७ नशह কিছু ৰবিয়া পাইয়াছ, এবানে আবার কেন जानितन ? जानाता वरन मनम यांना भानेता ह-नाम छ'रा होक्स जामार्यम कन्यान वृत्रन कर्यक मार्गत होक भिराज सहैरन विश्वता जाबारम्य निकहे स्टेप्स-मानाम वित्रा नहेद्राद्य। फए এव फा-मन् कि भारे, এই कातरन क्रमारन क्रांतियां है। সংকার বাংগছরের এ দান ভাল, যেমন দান তেমনি হাতে হাতে আদায়!

বিবিধ সংবাদ।

১৯ এ অগ্রহারণ সোমবার।

चाम विश्वविमानशात अविभिन्न ए अत. अ नदीका जावस ब्हेग्न'रह। शक वरमव जरमक মন্ত্ৰপবৃক্ত ছাত্ৰ পৰীকা দিতে আগিয়'ছিল, ভাষাভে লেক্টনত গ্ৰহ্ম অসভোৰ প্ৰকাশ कटनम । এই ছে इ अबंद विल्डानदात्र ज्ञानान भूर्म भूर्य दरमहात महान अधिकनश्चीक जाज श्चित्रव करवन माहे। श्चरविकात्र शांत्र ३७६० छ ा क्रांहर्ड हार ७२४ काम स्वेतांटर ।

ক্ৰিৱেৰা ভাডার জন্ন করিয়া ভাজাতা লোক क्रिशतक रेननिक कवि**रहा**ङ । क्**ल** काछि इहेर उ করেন্দ সহপ্র দৈম। সংগ্রহীত হইরাছে। সম্প্রতি এই ভুক্তন দৈন।দিগাকে উত্তৰশার লোকের। जाक्ष्यन कतिहा नहाजिए करन, किंद्र क्रियेश সৈন্ত্ৰৰ ৰখা সহত্ত্বে আসিয়া শক্তৰিগকে পৱাস্ত कविदारका वाबाबात निकरी अक मन ऋषित्र रेनना चार्डा अञ्चल जनकाषि अस मन जिन्दा প্ৰেরিত হইরাছে। ক্ষবির সেনাপত্তি বোখারার রাজার নিকটে যেরপ অভিগ্রায় প্রকাশ করি-য়াছেন ভাষাভে ৰোগাঁৱাকে হয় অধীনত রাজ্য व्हेट्ड ब्हेटव महाद कवित्रात जन्मणंड व्हेटड **হটবে। বোধারার রাজা মধ্যভারতবর্নের বাব** তীর মুদলমামকে ধর্মকার্থ বুদ্ধে এর্ড कवियात हिहीय प्याहिन, किया थे हिही अकन इत (बाब इय मा ।

সম্প্রতি আর্থবার বরষার উপলকে নহারাজ বিভিন্ন ও জয়পুচৰ্য রাজা বে ভোল দেন, ভাৰতে করেক কর অকিসর স্থাপান করিলা चित्रमा विशेषां क्रियाहिता । विश्वात ভোজেব দিবস সব্ধি জেনমুল উঠিছা গোলে এক জন আফিসর অংকণাৎ হাঁহার আসনে বসিরা জুরাপান আব্ড করিলেন। ছই জন चाकिन्द्र अक्की होताक नहेवा मादामानी कति ब्राट्डन। अ ज्यूक मक्तांकत वावशंत शुर्वाचन কোম্পানির সেন,দলে প্রায় দেখা বাইত না।

শনিবার গ্রেণর জেনরল কলিকাভায় আগ-स्य कविशाह्म। लिक्नेमके शवर्गत छ श्रीतय कविनमत (तन अर्घ । हिमन स्ट्रेर्फ मद कर नार्य-ক্ষে প্রতু, দ্গমন করিয়া আনমন কবেন। হণ সাহের জান্টি দদিশের সভাপতির স্বরূপ , ভাহাদি গকে এতহুপলকে আগমন করিবাব ভ্রমুবোধ कत्रिवाहित्नम् । किन्न श्राप्त (कर्दे शमन कर्त्रम नारे।

সম্রতি করাচিতে সমন্ত রাজি উল্ফাপাত হট্যাভিল। সময়ে সময়ে রাজিতে দিন বোধ इस्। (लाटक हेशांटा माना खरमन नहा कति (क्ट्रह्म। (कर् वर्णम, देश्वाक वाक्राव्य (भव ब्हेम, (क्व मानी एवं क्व वा इकिंक भन्ना क-রিয়া ভীত হইয়াছেন ; আশ্চর্বের বিষয় এই, এই উপদক্ষে যে সকল প্রস্তার প্রভৃতি পিতিত হয়, ভাহার কিছুই হয় নাই।

विमन करेरमत न्ययनार्च व्याबाहरसूत हे हेट्सा পীয় সমাজ আপনাদিগের সম্ভানগণের শিক্ষার্থ क्रक विषतानम् ज्ञाभन क विद्वा ।

(भर्ताशास्त्र मोक्छक वष्रनार्थत मुख्य कहे द्वार्ट । बहानमारवार्ट् हेर्दां व ब्राइटन्ट्र शकाखीरव আনীত হইয়াছিল ৷ পঞ্চাবের সকল স্থানে রয় नारशत भिषा चारकन ।

বোৰাইয়ের প্রধানতম বিচালারর ওকালভী পরীকার নিয়মাবলী প্রকাশ করিয়াছেন। পরী-काशिक्षिणाटक अख कथा १६ महर द्वाचिए इस्टि । পুল্কক বি, এলের ন, বৃ। ৪ - এর কম কোন বি -यात्र मध्य रहेटव मा । भद्रीटका ही १ भंदा अधान उम বিচারালয়ে ওকালতী করিতে পারিবেন। ওকা नछी भरीका प्रकल शास्त्र अक्षिय अन्ति তমুগারে করা উচিত।

স্থানা বাইডেছে, ২৪ প্রগণার বর্নমান অভি হিজ্ঞ অঞ্চ নি, পি, হব হাউদ সাহেব ভারতব-বীর ব্ৰেম্বাপক সভার সভঃ হইয়াঞ্চন ৷ ভিনি ১৮৫৯ जरङ्ग ১० जाहेन সংশোধন বিষয়ক আ-ইনের এক পাঞ্লেখ্য সভায় অপণ করিবেন।

मनिवात अवधि दश्रामीय वादश्राम प्रकार व्यभिरवस्य श्रेष्ट्राटकः।

भारे। हेब्राह्म, देवाका वाधाका छ (पर गरमार)

छात्र कतिहा चार्वाद्र कि सना बद्रशास्त्र कात नहेर्ड शिवाहितन ? ब्रांकश्चनान चढाहा कतिएक नाई, तासात धरे मरकात जाइ। याना रहेक, সংসার ভ্যাণ করিয়াছি এই কথা বলিয়া ষ্টার চিত্র অবীকার করিলে অধিক গৌর-(वत रहेछ। छिमद्विम मार्ट्य ब्राप कतिरम ज्यानक क्षित शूर्ण नार्ड बहेट्ड शाविष्डत। অধচ ভিনি সংসাবী।

कार श्रधानकम विवाहानद्वान को क्यांत्रि সেসিয়ন ভারত হইয়াছে । বিচারপতি নশ্মান। ७३ हि बक्लमा चार्ट। शक्रवत चनत्रारम्ब गर्था जल।

বক্ষদেশ হইতে সংবাদ আসিয়াছে, মান্দা-লাইবে কোন গোলখোগ নাই, রাজা পুনর্মার चालम कमाता मन्पूर्वतरण आश्च स्रेवाद्यमः कर्नन क्लात मन्त्रानीहरू जारहम। श्रधान মন্ত্ৰিব সহিত তাঁহাৰ অনেক বায় সাক্ষাৎ হই-য়াছে। কিন্তু এ পর্বন্ত বাজার দর্শন পান নাই। श्राधन किममनराक शहनाथ ब्राइट की यह किन প্ৰদক্ষিত না হইতেছে, তত দিন বাজা দেখা मिटल हम मा। ११७८७ या वह हा छेल स्नि I astr

ভূপালের বেগম দিমীতে কমিদনবের বাচীদে দৰবার করিবা ওত্রত্য সাবতীয় ইউরোপীয় ভঞ লোক ও খ্রীলোকদিগকে অভ্যথনা করি-যাছেন।

ऽ२ हे खबि६ ऽ४ है नरवहत्र भवं/छ छात्रक-वर्षीय दिनश्रदार्ड कार्याही घाटा २०-५ ०-॥/० होता, सदवन्त्र बावां २,०६,०५६॥/३० होका, कानाग्र इटेग्राटक । यथन कान्न वृक्ति इटेटिएटक, তেমনি যদি অপবায় নিবারণ বিষয়ে বন্ধ থাকে. खिल e शांत्र करा ना भारत भना भारत है एक छाका দিতে হয় না। লাড ছেলহাউসি বলিয়াছিলেন त्रम ६८ हा मन्भूर्व स्टेवामा अ गंक कहा भी ह होका লাভ দাঁড়াইবে। কোম্পানি সম্ভৰ্ক হইবা ব্যয় किर्लि अ बोका मक्त रहेए म्हण्ड नाहै।

মনিম্ভর প্রচলনের জন্য নিয়লিখিত চরু वाफ इहेम्राट्यः -- वष्ट्रांन, छेखब्रे शांकमाधन. वर्षाकारकदर्ग, बजारमन, (दर्गन, नक्षान, বোহাই ও মাত্রণজ। এত্যেক বাজধানীতে এক এক জন ক্ষিসনৰ থাকিবেনা কলিকাভাব ক্সিস্নর স্প্রধান হইবেন।

২- এ অগ্ৰহায়ৰ মদলবাৰ

क्रोटक्त् क्रिन्बद (वेनिश्राय क्रियार्ड्स, अक अब आवाधिशतक विकास कविया। कहेरक हाउँ ना ७ तम अवि । मनी । ननी जीरत া। পের। পুরীতে।১ গের অবধি।৫ সেব। আ

নিয়া জাহাজ হইতে ৫-, ০০০ বস্তা চাউন नावितारकः वारमधरतत काफेरलत पूना किंकू অধিক হইরাছে। টাকাম।৮ সের বিক্রীক্ত হই-তেছে। वानीभारन ॥>, अरमध्यः ॥४, शुक्रदेरङ #२ । वर्गमदम्बनुद्र । । तम् ।

মণিপুরের লোকেরা সর্বলা ভারতবর্ণীর नवर्गयर केंद्र मीया मर्गा क्रिमञ्जय कर्त कशिया गवर्गसके मानाकिरनव क्ल नाकार नदस्क नामन कतियात मानम कतियाद्यम । वन्त-দিপকে সাক্ষাৎসহত্তে শাসন ফুরিয়া সভ্য পদ-বীতে অধিরোহিত করিবার **হৈয়াই উত্তম** ক**ঞ্চ**।

क्त्रामी क्लन क्लिकाखाच क्रेशांकिक म्हारक बनिवारहम, जानामी शाहिरमद महा-श्रम्भारत नक्न (मर्भन केन्द्रिन श्रम्भिक स्ट्रेटन, चार्या अद्रम्भात राज चार्का छिन्नि चादहः ফটগ্রাফিতে ভারাব চিত্র প্রেরণ করিলে কমিস-नत्रभव वाधिक स्टेरबन । এ विश्वत्व नाहाबा कहा অতি আৰশ্যক। পারিসের প্রবর্ণনারী অতি উৎ-कुष्टेक्रण रहेरव (बान रहेरछह्य। अधावे अ सम् विन्मार्क्त निक्टि अक् श्रकांत्र जनमान इरेग्रा छ क्ट्रिविहालम् मा।

১৮৬৯ ज्यस्य विवस्थात्रत्र (त्रमक्षत्र भूमिएव । নানা সাহেত্বর মৃত্যুর ন্যার ব্রবলপুরের রেল-ওয়ে খুলিবাব বিষয়ের নিশুর নাই।

हेश्लित्रवात दलात. प्याचात्रात्र नवाव निस (अ)रेशुक्र वाक्षक्षात वश्चन श्विम प्यानित्क शांत्रिक ६० .. क्वांका दृष्टि तिर्वय अभीकात कवि शास्त्रवाशवर्षाके नवास्त्रत किया वाणित कवा দেওবান নিযুক্ত করিবার ইেক্ছা ত্যাগ করি-

আসিয়াটক সোসাইটির গড অধি:বদনে ভবলিউ, এচ কনসন সাহেবের এক পত্র পঠিত रप्त। हैनि जिब्द म्लेन क्रिएं शिष्टा क्षियाद्यम, কান্দীবের রাজার অধিকার মধ্যে সিছু নদীভীবে হিন্দু ভাতাবেৰ বাস আছে। দ্রাস ও ইন্ধাড়ে বি मत्तु अधिक प्रसिद्ध भावता बाबा देशनिर्धात আকুতি ডাভাবের ন্যায়। কিছ ইয়ারা ভাপনা-দিগকে বিশুদ্ধ হিন্দু বলিয়া পরিচয় দিয়া থাকে। ইহারা গরুকে এড ভক্তি করে যে ছক পর্যাত্ত भाग करत मा। सममय मार्क्य यथार्थे विमान-(इन, (भोदांशिक शिक्ष व्यवहात अहे नकन ला-ক্ষেমধ্যে দৃষ্ট হইতে পারে। অতএব ইহাদিগের ভাষা ও ইভিহাসের বিশেষ অন্তুসন্থান আৰু

২১ এ অবহায়ণ বুধবার। क्टेरक्त्र कवित्रन्य हिनिश्राम क्रिशास्त्रन्, ভূতৰ চাউল হওয়াতে করেক দিবস চাউল সন্তা हरैशांकित। किन्न अकृत्व कृष्यं न, व्हेटफ्ट । विचेद्वाभीत कार्यका कामानिरात् सिन्न (श्राव श्रदेश अधन अधन करे दिशाह । वार '-चात्र किन किन कांख्रेस्त्र मुना क्रांक स्टेर्फरका

মাডোয়ার চোলপুর ও ছনগড়পুরের বাজগণ! গ্রথমেউকে বলিয়াছেন, ভাছাদিগের বাজা भिगा दिल अर्थ भाग करिएल विना भूता पूर्वि । क्षित्वम । (वांश्वृद्धित तांबाल এই ध्वकात इमि क्रिट्ड श्रियंद्वत । ७क्टल द्वलक्ट्यर छेन्द्वा , গিতা সকলেই ব্যাতি পাৰিয়াছেন।

हेर्लिन्यांन वर्लन, हंग्भातान ददात शहर পান জিখিয়াছে। প্রদা একার শ্বোরই भुमा बाह्य ६३/ए८६। भक्त श्रामिके अवात अके कथा।

लाङ विभागत मुद्धात कारण अस्मकान ক্রিবার জন্য বে ক্সিস্স নিগুক্ত হন, ইংলিস্-मान वरतन, खाँशांता जशक शांहेभ नारहरवव অনবধানতার দোষ দিয়াছেন। সি ভিখানির দেশে বিশ্বপ জলে পভিত হন। লেপ্টন্ট গ্ৰহ্ব ভাছাতে থাকিলে কণন ভগ সিঁচি দেওয়া इहेछ न!।

विश्वविद्यालायुर भवीकात अब हृति याख-ब्रांटि बन्, ब भड़ीका २० क स्टिंगबर পর্যন্ত ক্রমিত রহিল। প্রায় ৩০ জন পরীক্ষাবিকে अ सन्। वहिक क कता करेग्राइ । श्रादिनका পরীক্ষার প্রতন প্রথা দেওয়া হইয়াছে। সোম अन्नन्तराह्यत्र शरीका निष्ता इकेन । व्यानक सुप्रा-চোর এই সময়ে মিখ্যা প্রথ মুদ্রিত কবিয়া काळिकिश्व क्रमाहिशा होका सहस्राटक । ইভিদাপ ও অক্ষেব প্ৰথা পোষ্ট আফিন নাৰ্টাতে লাগাইরা দেওয়া ভ্রমাছিল। চাকায় প্রেরণের जबाब लाहे जाकिन रहेटल. क्षत्र पृति पारा। আমরা অবগত হইলাম, ছই অন কমচারী এ জন্ত কৰ্মে স্থাগিত হইয়াছেন।

১৯ এ अवधि २० अ मर्वश्वर भर्याष्ट्र जातुष्ट वर्षीय (वन अरम्राज अणि महिल ०३ । / ६ नाफ इवैद्राष्ट्र। भूनी मक्षार जारमका अवाद जिसक श्राव (मधा गरिएक ।

देहे निव्यम मार नामक अक बन देखें दाशीय বিবি ফেলির শিশু সম্ভাবের স্থাস রুজ কবিয়া वश् कतिवात क्रष्टे। भाषा। धाओ हिश्काव कताएड धिवि किम वर्क खरक नियायन करवन। देशाए बार केशिक के अकार वर्क किया करें। करव. ক্ষিত ভাষাতে কৃতকাষ্য ব্ইতে না পারিয়া সে অৎপরে অভান্ত প্রহার করিয়াছে। মাজিকেট এই ব্যক্তির কঠিন পরিপ্রমেব সহিত চুয়ু নাসেব ारका कारका किराया । जिल्लाका গৰ্মপ্ৰকাৰে ভাৰ।

২২ এ অগ্রহায়ণ বৃহস্পতিবার। গত কলা এলচেঞ্চগুহে নিমু লিখিত টাকার অহিফেন বিক্রীত হইয়াছে:--

সিম্বুক প্রতিসিম্বুক ৰোট विशादित २००० ३२०७॥३६ २८,१०,५०० यांनीत ३०१० ३२०७। ४४६ ३७.६२, ४०० कानीन अजिल्ला श्राप्त वकारत अहिक्तानत कुना बहेरछह । भवर्राय हे भूगीबाटक ३७ हे।क। क्रेंटिक व्यक्ति भारत २- होक्स भूना वृद्धि करि-

এপ্যাও টাদায় ছডিকানবারণী সভার হতে 6,22,80%/ ७ होक! कानियादम । हि९शहर আৰু কালালী না থাকাতে ভত্ৰত্য অৱস্কুত্ৰ বন্ধ क्वेशाहि । मछा त्विनिक्रियाच्यक प्रके सक **होको नियाद्यम । उथानि आय ১.१४.००** होता मचात्र इत्छ थानित्य। এह होतात्र अक्षी मुन्धन विद्या ভाकाव केंश्यक क्षेट्रक छः चिनिएशव यात्र (मध्या कर्डवा । अञ्चल मृत्रभम श्वाकित्न ক্রমণঃ সাধারণ সামে ভাষার অবন্তব গৃষ্টি ছইতে भारत।

🗸 हैर्रामियान व्यवशां इहेबारहून, त्यांबाहरप्रद अव सन बिंग्क अक किंग्लानि बंदा चानावा **চ্ছতে ইন্দোর পর্যান্ত শাখা রেলওয়ে করিয়া-**क्ति। अठास्त्र^{भी}य मृत्रभवाधिकातिता आहे तकत कार्या श्रव इन अभै दिस्म कान्यस्य विवय । किछ वाश्रोहेराव विश्वता अक्षी क्षत्रमा कहर, विषा गामितिक कविएक इस मा। केंगारा বশ্বের বল করিলে বোৰাই বাস্তবিক ভারত वर्षत्र लियद्रलन श्रेष्ठ ।

चामा शवर्षेय (समज्ञास्य वानिएक अक मज्ञाव रहेन्ना शिवादक। " मत्रवात » " मत्रवात » आहे देव खना उथा नाहै।

২৩ এ অগ্ৰহায়ণ শুক্তৰার।

विकाशनी निविद्याहम्य, फिनि कुछविरमुख उत्थ तोका नक कृत्व लोका श्वित्राह्म। कि त्रभ कृष्टविमा ? २। ३ भाष है दताओं भिकृताहे कि माञ्चरक कुछविमा बला यात्र ?

भ'तास वाणित काजिएकम्बनक कृतर-স্বাবের বিদক্ষণ প্রাহর্ভাব আছে। ভত্রভা নীচ জাতীয়দিগেৰ বিৰাহের সময়ে পাদকিতে जारवारन कतिया शाहेबात ब्रीडि माहे। करवुक क्षत त्रहे छो शंक्यांटक विद्याविकाकीट्या अिं करोती क्या । क्या नक अक माना इहेन्ना भूति (वत रुख अक कान एक अ अक कान आहफ रहे-

भारतात्वक धवात स्वृति एक्याएक शहर भंगा कवितारह अवर भरतात मूना करनक स्वि बारह । बवात क्षात्र गर्ना ज्ञान स्टेरफरे बह শুভ সমাচার পাওরা বাইভেছে।

वाबाहे विचविनानायत भन्नीका इहेगा गिप्राटक। नमुपारम ७०२ कन अनेकाथीं व्हेना-हिन। श्रुविकाशतीकाथीं १०४, बन, व ६३, वि, এ ७७, धम, এ ४, वन, धम, वि ३३, এল এম ৬. সিবিলইজিমিয়ারিও প্রথম পরীকা ৩, এবং কণনাথশক্ষর শেটের সংখুত ছাত্র वित्र भरीकाथीं २३।

क्ष्मोहे जिन ननी छेक निष्ठ इहेग्रा (बानरन सन প্লাৰন হইয়াছে। অর্ছেক নগর ও অন্য অন্য পরীঞাম জলমগ হর।

नत निनित बीखरनत हेश्लख धमन नमन नबी अवसी इंडग्रास्ट खाँहा इहे श्रन्थां व त्राम . ल, लि, नश्मान म'रहव एए मगाँछेनि हेनहिँछे-টেব সভাপতি পদে মনোনীত ধ্ইয়াছেন !

२8 अ भाग्रहोत्रव भनियात ।

है शित्रमान खरन कतिया। इन, अहेह, हे तत বাইক্ষেষ্টি য়ার অধ হইতে পতিত হইয়া অভি-শম কাবাড প্রাপ্ত কর্ব্যাকেন।

এইৰূপ জনক্ষতি বাঙ্গাল পুলিৰ ইনস্পেট্র (कानत्रास्त मर्था) कर्नान क्हेर्य। प्रजादन क कर्षानि ताबिशा यात्र दृष्टि कतः (कानकाम के. हें के ब्रा ना।

शंदर्शयन्ते आका श्राह्म करिया नियादकन, बोककर्षातिहा पथन क्लान चाहिरवन. डाँगानिकार निकाम त्रास्त्रात रूपेक, जान भारतन হউক, কোন প্রকার মাতৃত্ব প্রার্থিত হইলে তং-ক্ষণাৎ দিতে হইবে। শেবে তাঁহারা ক্রিঞ্ট विन कविशा छाहा जानाव कविशा नहेरवत । কেবল পুলিৰ কৰ্মচারিরা যথন সরকারি কাজে वाहेरव, छाहाता माझन ना विद्वा वाहेरछ भारित्य।

बिद्र निचित्र मृत्ता गर्वर्रायकेत कागन विक्रीक स्टेट उट्टा---

8 के कि जिला - 411 · -- 4410 · " **(**奉 ! * - BH -- 1-4 3 . 042-3 - 84

" প্ৰসিক্তপাৰ্ক 7.59-7-510

en." (41c 7.99-7-719

ইউরোপীর স্যাচার।

--- ---

मध्य २३ अ सर्वश्र-शिक्ताम् मार्थ्य বোষাইরের শাসনকর্তৃপতে প্রতিষ্ঠিত হইয়া- ছেন। নাক্ষেররে থিকরন (মহাসভার সংকার)
সংক্রান্ত এক মহাতোভ ছইরা নিরারে। হলাথ্রীর মহাসভার অবিবেশন হইয়াছে। স্থাট
সভাদিগকে প্রদেশ সকলেব প্রস্পার সমম বিব
করিবাধ অক্র্যোধ করিয়াছেন। ইহা বিব
হইলে স্থাট গুবন্ধর মন্ত্রী নিয়োভিত করিখেন,
অক্লীকার করিয়াছেন।

জনগৰের সভিত কণ্ডগ্রেস সভ'র বিবাদ ভঙ্গন কবিবার চেষ্টা হইতেছে।

লগুন ২২ এ নবেবং—মন্ত্রিগণ প্রায়ণ করি-বার ক্ষমা প্রায়ই সভা কবিতেছেন।

ল্পন ২০ এ নাবের — পেশান বাকবিধার ঘটিবে, এরপ সভাবনা করা হইয়ানে মারু-মিলিয়ান মেরিকো ভাগে ক'গেবেন 'ওপ হই-

লগুন ২৪ এ নবেষর—১ লা ফেন্ডানি লগা গীয় মহাসভাব অধিবেশন হটাব। মিদানে মহ সভার অধিবেশন আবত হটয়াছে। বুকল গ্রা নেউ আভিসাধারণ প্রতিনিটি পাদন কোনি স্থাপন্থ বন্দোবস্ত কবিভেছেন।

কর্ণেল কর্জ, অভ সিসাপুনের শাসনকর্ণ।
ক্রিয়াছেন। র্বার ওয়েষ্ট নেটালের শাসনকর্ত কর্ত্বাছেন। লিমাবিকে ফেনিয়ানগণ হত থই-য়াছে। কর্ণে ভাক্তিগের অস্ত্র পাও্যা লিয়াকে।

लखन २७ अ नारमहर—है नथ अ कृष उन्हानारकात जनहानिशनरक भवन्त्रांतर काष्ट्र अभर्षः। कतिवान जनशामी (मर्क्टिवर भवाप जनश्रीवर्शित द्वाविकान जनः) काम वृद्धि कहा अध्यादि ।

का छित्राट मण्यूर्व इत्य छिन्द्र स्व व इत्र बाहे। जात्र पुष्ट इहेग्राट । इत्रातीन विजन बिर्याणित जना बाजा भारतह महिल मिल कवि वन अक्रम मधायना करा इहेग्राट ।

লগুন ২৭ এ নবেছ?—কেশলড খলেন, তারেরকার ছত আডামস সাকেব ইলুভাবে আলাধানাব দাবা কৃত দৌর ছেয়ার কভিপুরনের প্রধান পুনর্শার উপাপন কবিয়াছেন।

গ্রহণেক ট্রেডস ইউনিয়ান সম্প্রদায়কে প্রিমরোজ প ডিড বিফংম (মহাসভার সংস্কর) সংশ্রাক্ত সভা কহিবাব অনুমতি দিয়াছেন।

প্রেরিত।
মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সংগাদক
মহালয় সমীপের।
হলে ভোগী হইবার জন্য গোকে বীজ বগন

করিয়া থাকে। ঐ বীজ বথাকালে অছুরিত হয়। ক্ৰনে ক্ৰমে ঐ অন্ধুব বৃদ্ধি হইখা ছই ভাগে বিভক্ত रहा। य अर्म रहेर्ड दृक्त अहे जांग बन्न श्री स र्ग्न छारारक क्रम मिन अवर जे हुई खागरक काछ बरन। भी काछ चत्रहे ब्रह्मत्र श्रक्षत वाझ चन्न । छेरा रहे एउरे कानकाम भाषा धमाधा প্রবাদি নির্গত হইবা উহাকে শোভিত করিতে थारक। कामाञ्चनारव छेहा मञ्चविक स्ट्रेया हिन त्रक्षे श्रमान जाना त्रकत कतिवान मानरत करना ९ পানন করে। সর্লদেশীয় মানবগণেরই ভাষা ছটা প্রধানভাগে বিভক্ত হইবাছে, যথা--- গা-হিত্য ও বিজ্ঞান। ইহা হইতেই আবাৰ কাৰঃ অনকার, ইতিহাস, ভূগোল, খগোল, পদার্থ ও মনস্বৰ প্ৰভৃতি নানা অজ প্ৰভ.জ বাহির হইয়া এই ছই প্রধান কাওকে ছালেভিড করিয়াছে। কি প্রাচীনকালের স্থাসিক দেশ সমূহের ভাষা কি ইলানীন্তন বিখ্যাত ইউবোপাদি নহাদেশা-কর্গত জাতিদিনেব ভাষা, আমবা ইছাব যে দিকে অনুসন্ধান করি, সেই দিকেই দেখিতে পাই যে সাহিত্য ও বিজ্ঞান উভয়ই শাখা প্রশাসা, ও পল্লব, পুষ্পাদিতে চিব স্থানোভিড হইরা আসিতেছে। কোনবালে কোন পুথ-সিদ্ধ লেব ভাষা কুকের কে কাণ্ড পাক প্রায় ৭ জপর কাশু যে অভিনয় শোতাহিত হট-शाहिल, खाहा शाहीन हेखिहारम प्राणीत পাৰুয়া যায় না। এখনও দেখা যাইতেছে বে হুলী কাপ্ত শুনোধিক ভাবে শোভিভেছে। যে সমস্ত দেশের ভাষা এডালপ শাভিড আহে, তাহারা সভা জেনীর মধ্যে পরিস্থিত। সেই সেই স্থানে अधिदांत्रिगर्वव सनः दक्ष अञ्चलन उदानात्मारक পুর্ণ থাকে। আমাজিগের বঙ্গুন্ন কি সভঃ এবি मद्राः পरिशानिक माङ्

চ্চালায়। আমানিগের দেল ই লও ও

চার্মনি প্রস্কৃতি দেশের নার লাব লাব নার কারে ভারাক্রমের নার ক্রমের নার ক্রমের ভারান্দ্রমাত
ক্রমের নার ক্রমের আবারে আমার ভারান্দ্রমাত
ক্রমের নার ক্রমের এবেবারে নিরাল চইনি,
এমনও কিছু নয়। অবলাই আলাব অর্জের ফলও
পাইব, কিছু সম্পাদক মচালায়। অভিপ্রেড ফল
ত কিছুই পাইতেছি না, আমানিগের ভারাক্রমের সাছিতবোও ব্যান দিন দিন নানা কলে
ক্রমের মাছিতবোও ব্যান দিন দিন নানা কলে
ক্রমের মাছিতবোও ক্রমের ক্রমের কাও কেন স্প্রান্দ্রমার ক্রমের এক কাও ক্রমের ভারা ব্রমের এক কাও ক্রমের ভারা ক্রমের ভারা ব্রমের নিকট গ্রমন কবিব স্থানা
কাও ভুক্ত কির্মা তক্সাত ফ্রেন্সির ও জনা
কাও ভুক্ত কির্মা তক্সাত ফ্রেন্সির ও জনা
কাও ভুক্ত কির্মা তক্সাত ফ্রেন্স্রমা ভিন্ন

मिरगत भरक कि अजी शांतिकत गरह ? ^{कि}नेत्रसं-कानी स्वत्रा कि लोत्रत्वं दिवह ? यदि दकान ভাৰান্তৰ্গত বিজ্ঞান সন্মাদ পরিশোভিত হয় নাই, তথাচ আমাদিগের অপেকা কোটি ৩৭ে উত্তম। আমাদিগের যে মুলে কিছুই নাই। আমি वानाकारन विकास मदस्य य किছू किছू विषय পঞ্চিরাছিলাম, অন্যাশিও যে ভাহাই মে বিভেছি। সাহিত্য বিষয়ক যেমন নিশ্য ভূতন পুত্তক রচিত হইতেচে বিজ্ঞান সহক্ষে কেন সেরূপ নহে? এ विषया कामानिरगत सभीय ज्ञान भरतानप्रति-शब कि कि इसाज शब्दि बाहे ? हेशब क्ला कि সাহিতে,র ন্যায় রসপূর্ণ নহে ? ইহা' কি ভৃঞ্জিকর अवर जान्छ इर्थभन न(इ? क्षांत्र ৮। अ वरमत -चित्रविष्ठ हरेन, स्रोशिधनना जीवृक्ष वानू राष्ट्रकान मिय महानम् श्रेनी उत्य श्राक्रक ভূগোল পড়িয়াছিলাম, ডাহাব পর তংগরভ্ चात्र किंदूरे (परिएड भारे नारे: कालगरकादा যখন ঐ সহক্ষে হিছু অধিক ভানিবার প্রবৃত্তি প্রমান, তখন দেশীয় ভাষার নিকট অংখ-थन कदिलाम, किन्न जात किन्नूहे भारेलाम मा । আমরা একে পরাগীনতা চিরকাল ভাল বাসিয়া। আসিডেছি, কাজে কাঙ্গে পরেব প্রত্যাণী হই-**ट्हि जा**भगान्गिक वड़ यू ने विद्यमां कति। এই ভাষিয়া ইংবাজী ভাষার নিকট গেলাম। তাহাব নিকট আনি যে কিংগ'ড পরিভোষ লাভ করিবাছি, ভাহা বলিজে পারি না। আত এব সম্পাদক মহাশর। বিবেচনা করিয়া দেখুন দেখি অমাদিগের ভাষার জন্য আমবা তবে कि व पारे कर्त्राख भावि ? अप्रभीत (प नकन वाकि इत्वाकी छावा निका ना कवित्वन, छाहा प्तिय शास्त्र विकास कि अक्षान यस्त्र थाकित ? रीशान्त अविषय सामिएंड कि श्रवृत्ति करण न। ? भाग विकास मध्यक व्यामाधिरशत विकास कार्यात मृत्य, अनुसकाती थीत हुजामनि खीडुक वातू जनग কুমার দত্ত মহালয় বে বে বিষয় লি.পিবছ কবি য়াছেন, উহা হ রা কি বিজ্ঞান কাণ্ড স্থাপৌতিত इहेब्राह्न, आब अनिक कि आविन,क करब मा ? मारातर्गः नकरमहे कि स्महे करमक्षान बाद महेग्रा जारनाध्न। कतिया विकासभावमर्गे इहेरवस ? বটতসার ছাপাখানা এক মুহু 🕳ও স্থিব থাকে न। क्ष नक नक मुख्यान बाइक्डारक প্রতিক্ষণে কর দিছেছে। কিছু সে সকল রাত্রি श्राफ रहेएक ना रहेएकहे आकर्मना रहेना याहे **एउट्ड। कावात क्षकर्पागुरे वा किश्चकादा र**िल्ड भा.त. ' टेकार्ड बादमव चडीव वाउँ. a बाम ना किविद्रहरे । ६ अधिनम हहेगा जाना अहरू

ৰ্ভাও অন্তল্পে নল মুখে দিয়া বসিয়া আছেন।! কিন্তু আকে:পৰ বিষয় এই যে বিজ্ঞান বিষয়ে विभि श्रथाम रहार्थन करियाहरू, विभि छेहात ক্তাং শিবোরোগানোত হট্যা নানা কট ভোগ ক্রিয়াছেন, এবং আর ভাল ইটোলা ঘ্রাক্ত कट्रलवर इहेब्रा छिवर अस्भन हिन्छ। कदिशा যাহা যাহা কিছু দীয় পৰিভাষভনিত ঘলস্কুপ कुष्ट ब्रह्श विश्वादिक विश्विद्यादेश हैं । আশা কলবভী ও পৰিপ্ৰদ সাৰ্থি সভয়া দূৱে श्रुक्त, बरश्च अक शक कारन अक अकली विद्नार রোগাক্রাক্ত হ্রথাড়েন। খামাণিগের দেশের মুণোকজুলকারী মছোদগণ এ বিষয়ে হস্তাপণ ক্রিয়া কেন ভাষার গৌরব তৃদ্ধি না বয়েন ন मिका न्यांट्रसन व्यथःयन्त्रन (कन उन्हें दिसर्य प्राधिक खब्र यत्र मा रम्थाम ? डाँहा मिर गव १ त्य বিজ্ঞান সংক্রান্ত বে কোন পুশুক পণ্ডিত হয় ভাষ। কেন পণ্ডিভদিগেব নিকার জন্য নর্মান স্লে প্ৰেশ না করান্ ? বিজ্ঞানঘটিত কোন মূত্তন পুত্তক অবলোকন কবিলে উাণাবা বলিয়া भारकम रा '' हेरा वानरकव उलवक इंदर मा (क्व ना এই ममल मुखन वांच्छ भक्तंत (नाहे **्रोक्ट, मनरकंड, स्त्रोगरम, विराम्ध**कः विली) **खाइग्द्रा दुक्षिट्छ भादित्व ना। इंशा यशर्म वर्छ।** সংস্কৃত ভাষাত্র পণ্ডিতগণের ইহাব পক্তার্থ नुसारेष्रा एए । किया करिया करव कि अ व्याप বিজ্ঞান শাল্প শিক্ষা করা আবশ্যক করে না ন ৰাকরণেৰ কোন স্তব্যে লেখা আছে, ত্ৰিভূ का बर्गा का नमार्कि छहे नमारकान इस ? ' इर्ग काष्ट्रे वानरकता किन्नरण हेस्क्रीस्टक खिळारज করিভেছে ? ইছা ভানিতে কি বুদ্ধিব প্রয়োজন करत ना ? खरब क्रामरामय नाम श्रानतम क्रान ভাষাদিশের বাক সোধ হইবে ? ভাষাদিগেবই বা देनाच कि ? समीय भवित्रभंक महाभरत्रवाहे अवि ৰয়েব জন্য সম্পূৰ্ণ দায়ী। অতএব পাহাবাই বা কেন এবিষয়ে উৎসাহ না দেন? প্রায় এক সপ্তাহ হইল, আমি " শবীবতত্ত্ব সাব ৯ নামে এক বানি **এছ পাইরাছি। ই**হা চারি বংসব মুক্তিভ হইরাচে, किंख थात्र करहे हेशक उस वा थन मा। हेशत कृष्टन रचनाम् द्वीगृष्ट ००, ७८५। मरहानम् ६० **খান পুস্তক শ্রুয় ক**বেন, কিন্তু ভেন্ববি একবাবও উছার নামোকারণ করেন নাই এবং যদিও উছা এপৰ্যন্ত উপেক্ষিত ভাবে বহিয়াছে, কিন্তু ·**উল্লেখ্য শ্ৰেম কথমট কৰ্প হট্কাব মহে: কোন না** ্কোনকালে গ্রে'কে উহ: উৎসাহপূর্বক শ্রুর ক-ব্লিছা পঠি কা, বে : কিন্তু মহালয় ৷ আমি পুনঃ পুনাই জিজান্ত : ১:ডিচ বে দাহিজ্যের ন্যায় আমা एख .कम खीइ च नाई ? अधा

গাল ইংশিন্তে কেন এই বিষয়ে হস্তার্পন্না ব্রেন্থ এই বিষয়ে ক্রোল্ডার বিষয়ে নাম এই বিষয়ে সামান্য বাছের নাম এই বিষয়ে সামান্য বাছের লোম এই বিষয়ে ক্রোল্ডার লোম এই বিষয়ে ক্রোলার লোম এই বিষয়ের ল

শ্রেণ্ট সফ দি আর্থ ৯ এই বিষয়ে একটা
লক্চব দেন। শ্রোভার সংখ্যা অনিক হইবে
এই ভাবিয়া নের্দিষ্ট সমরের প্রায় এক ঘন্টা
পর্নে তথায় উপস্থিত হইলাম। যথাবালে দেখি
লাম যে বাম্মাল ও সাহেবে ২০। ২১ টা গ্রোভা
উপাক্ষত। উপদেশক ক্রমে ক্রমে যত ভূতব
সংক্ষে বলিতে আবক্ত করিলেন, গ্রোড্হর্গঞ্জ
ইই একটা করিয়া চলিয়া হাইতে লাগিল,
অবশেষে অভারতংগ্রেক থাকিল। কিন্তু যদি
প্রন্য কোন বিষয়াহ পেক চর হইত, ভাহা হইলে
বোধ হল্ন স্থান পাওয়া ছক্ষা হইত। লোকের
অভাবতঃ এনিষয়ে ঘূলা কেন? বিজ্ঞান হাব।
কি প্রকৃতিমুখ লাভ করা বায় না ?

कनिकाला काशिषुमान विजन,कारमञ्जा

মান্যবর শ্রীযুক্ত গোমপ্রকাশ সন্পাদক মহাশন্ত সমীপেয়ু।

প্রদের সংবাদপত্ত্রের সম্পাদকেরা ব্রেকাপল-কলিত অভুত সৰাদ সমূহে কিছা কোন আচঃ লোকের বিবাহ বা আছে বর্ণনার নতুরা কোন लारकत्र (मनवर वन्ममा बाता वा काश्व अपूर्विक निमार्वारम अवर स्रमाअव विकास अन वर्गमाध পত্রিকাব কলেবর পূর্ব ও পাঠকব্যুহের মনভাইর (हरे[।] शोडेरजन। **अवन जाद (म काम गाहे**, বিলার্জন দাবা ও সভা লোকের সহবাসে বাদা লির বৃদ্ধি বেরপ মার্ক্তিড হইডেছে, পুর্মের ক্রিও সেই সঙ্গে সঙ্গে ডিরোহিড হইডেছে, তবে ছুই এক अन मन्नाहक (भरकरन 'काञ्चन। कृति छेठाहेश हिए भाविएएएव वा। छाँश्रानि-গের বৰংক্রম অধিক ৰলিয়া লেগুলি দোৰেণ মধ্যে शन् कतिनाम मा, ति तकन वृद्धत्र धनाथवाकः। গ্ৰণ্যেণ্ট জন্মবাদকের হাতা এডমেশীৰ সহাদ পত্রের সামান্ত্রাদ অবগত হইয়া খাকেন, এজন্য ভাক্তি কালি প্ৰকাশ্য সৰাদপত্ৰে প্ৰায় সম্পাদক ও প্রেরিভগত্র লেখকগণ সাধ্যমত সকল বিষ-(प्रव श्रष्ट्र व वर्ग श्राम करतम, आमिश अहै।

গান চহামান্ত্ৰ কেন এই বিষয়ে হস্তাপ্ৰ,না সকল কথা বিশেষ প্ৰরবে রাখিয়া এই পুত্র কাবেন সংবালক কল কল্যান্য এছের অস্তাবটী লিখিলান।

श्रोत १। ৮ मान शंक रहेन, अधियुक्त बाबू দীনবন্ধু শানগাল মুদ্রেবেব ডেপুটা মাজিক্টেট ও तिबिक्षीय कर्णा निरम्नाकिक हहेन्ना अवधि जानन কশ্ম জাত হৃচাকরপে নির্বাহ করিতেছেন। ইতিপুৰো ইনি মুরসিদাবাদের অঞ্জ আদালতের অপ্রাদকের বর্ম করিতেন। জীয়ুধ্য রসন, বৰন, বাৰ্চ, মে'লোনি এড়ডি বিচারপতিগণ ইহার কমদক্ষভায় বিশেষ সম্ভোধ লাভ করিয়া ছিলেন ও তাঁহাদিগের এশংসাপত্র সহ বালাল भवर्गस्य केत विकड जार्यक्य क्यां एक प्रकार धरे डिक भवां खिरिक स्राप्त । देनि देश्वाकी ভাষায় স্থাভিত ও অতি সংখ্যাবাহিত। এতাদৃশ জ্পাবগ বাঞ্জিকে রাজকর্ণে নিযুক্ত করি নেই উচ্চপদের যথার্থ সৌরব খাকে ও ন্যায় সঙ্গত বিচাৰ হইবার বিলগ্ন সঞ্চাৰনা ৷ এখান कार करप्रकल्पन " खीर्श्वकारी " डांहानितात्र মনের মত বিচাব ইখাব মিক্ট হয় না বলিরা बस्हे। वर्क, मधुबा जानामा अधानकात जनन লোকের সমীপেই ইনি এক জন ষ্থাপ প্রশংসাব পাত্র। উত্তরোত্তর ইচার পদ রুদ্ধ হউক, আমরা काष्ट्रमत्नाचारकः क्रेश्वत्र मभीत्न अहे श्वाधना করি।

মুক্রের এবাসিনো জনকা।

মাইকেল মাসেন লাভ নিম্বান মধুনম মধুনানে নাহন বাশালা ।
বাজান নিকৃষ্ণ বনে রাধাকাত হবি ।
তালি গোপ গোপীগণ আনন্দে বিহলে ।
চাকিত স্থানিত নেত্রে হেবে বনস্থল ॥
তেমতি বংলীর ন দে প্রীমধুসদন ।
প্রেমানন্দে ভাগাইলা গোড়জন মন ॥
বীরাদনা, ক্রমাদনা, তিলোন্তমা মুখে ।
ভানলয় নলীভের ধনি শুনি স্থাধে ॥
পুন মেঘনাদ মুখে রণ ভেরি শুনি ।
নব্যন প্রস্থারত ভোমার সলীভ ।
কাব্যন্তির বালালিন বাহে জন্মে প্রীভ ॥
কাব্যের কানন্দিকে পুন কর্ম ধায় ।
শুনিতে স্থান ক্ষা ভাগার গাথার ॥
বিনিতে স্থান ক্ষা ভোমার গাথার ॥
বিনিতে স্থান ক্ষা ভাগার গাথার ॥
বিনিত্য স্থান ক্ষা ভাগার গাথার ॥
বিনাত্য স্থান ক্ষা স্থান ক্ষা স্থান ক্ষা ভাগার স্থান ক্ষা স্থান ক্যা স্থান ক্ষা স্থা স্থান ক্ষা স্থান ক্ষা স্থান ক্ষা স্থান ক্ষা স্থান ক্ষা স্থান ক্য

কপালছগুলা।
কে তুমি গোগিনীবৈশে বন্ধিন নয়নে।
আ এক্সী ক্যানীয়ে ভাবিভেছ মনে॥

युव्जी ह्हेग्रा कत्र टेख्वरी मारन। त्रशाद्धाः श्री जि बाहे नहा कु मन ॥ शक्कवनमी वामा मुक b'क्रक्ता। পর্মভছুহিতা যেন ভাবেন মহেশ। लम्य नमहित्म मदल क्ष्य। পেরেছ যবন হল্ডে ক্লেশ অভিশয়। পরে শ্বিজ ভাপাশিক বিজনকাননে। পালিল তোমায় সভী অভি সমহনে॥ কপালকুগুলা ভুলি চিনে, গখন: **कृतित्व ना उव नाम १७**७: • • অকিবুরে অঞ্বিকু পড়ে বল বল ন্ম বুলে তোমাৰ খেদ পুণ। ১১৭৭॥ १०३० श्रेव ।

् मानावत औगुळ भामध्यकान मण्योपक महानम् भगीत्थ्यु ।

🏏 আছি কাল সংস্কৃতাভ্রে ব্যক্তমাত্রেই ! मरकृष्ठ वी। उद्धान अवक्त विकास श्रीवात श्राह्म वि কারবার জন্য সম্ধিক উৎসূব্য প্রক'শ করিতে-(इस, कि स अहेता । मकल मस अ भर क् छ ती। उद च्यूनत्रव कार्यां जिल्ला या कारण वज्ञाया न. वाक्ता ना मरकृष्ट अर्क सिक्षा १३वा श्र.इत्व তংপ্ৰতি কিঞ্চিথাত্ৰ জক্ষেপ কাৰ্যভাগন না অন্য আমরা বছভাবার সমাস সংক্রাপ্ত ক্তিপ্র दोिकत विषय উत्तर किविया आभामत्त्रद मड क्षकाम काइटिएकि, श्रमाङ श्रुक्तिक अउ.हररा আপুদার মতামত বিজ্ঞারিতক্সপে নের্শ ববিংগ टाविष्ट काजरवन।

वक्षाया अथमंत्र मुकार समान अय नहिं। প্ৰতিনিয়তই নান। ভাষা ১৯,৫ গুডন গুডন मक्तावनी प्रश्यास्त्रिष्ठ इद्देश इर् व 'वृक्ति वस्त्रन इहराउट्ड झुख्झार दक्षन भवत्यः मर्भराजा-ভাৰে কোন স্থিব বীভিন্ন উপৰ নভগ বৰা বাইতে পাবে না ৷ কিন্তু আপু বন্ত স্পাহ্ (ব বঙ্গুভাষায় একেবাৰে বাতে নাই এখন না াবাব **इसा करिया (क्रांबर्ट्स करनकश**ल ने ः -अक्टिन । वर्ष्ट (u /v n + 5) याम

हास्त मृत्र है। उ क्रवावाक, र দার ভাষাই এ৯ বিভাস্থ্যাপর পবিবর্ত্তিত কইযা क्षरम विश्वक रहेग्राहरू, श्रुष्टवी- नमून'य ए'र ভেই এই মূল রীভির অগ্রসংধ বরা বিভিন্ন। বঙ্গ ভাৰার পুর্বাতন ও আধুনিক হাবস্থাব .ঘ কি-किर श्राप्तक (मथा वाहर जाइ क्रमांव जाहे जाइन, মূল কারণ বলিয়া স্পষ্ট নির্দেশ করা যাইতে পাৰে এবং সমুদায় প্ৰাচীন ভাষাত এই নীড। ছ-নারে পবিশোধিত হইরাছে!

अधिकारम ऋत्व मध्यम् छ द्रोछित **अञ्च**नतम कता " য'ইবে আশ্চয় নহে, কিন্তু ভাষা বলিয়া যে সকল বলেই সংস্কৃতের ধামাবরা হইয়া চলিতে হইবে গুলন মন্ত্র। বন্ধতঃ যেকুলে সংস্কৃত নীতি অবিস্থাদিত নপে বঙ্গ ছাধায় বিনাস্ত চইতে পাবে কবল মাত্র পেই,ক নেই সংস্কৃত রীভিট অনুগৰণ কৰা উচিত, অনাত্ৰ বন্ধ ভাৰাৰ বীতাত্ৰ मार्व हन है मर्गर डाखार कहता। এ श्राम অনেকে এরপ ডিজাদা করিতে পাবেন, বদতা ষার সীতি কে ন বঙ্গভাষা সর্বাভোভাবে সংস্কৃ াষ্ট্র অনুস্তর করিছেছে, স্কুডরাং ভারাতে ভনি তা বীতি থাকা কৰাচ সমাৰিত নয়। তছত্তে আনশা ব তিপয় দুষ্টান্ত সঞ্চনন করিছে ছি. किश्चि कन्नुरादम कृदिया (प्रशित्तके दक्ष श्रीवाध দংগ্রন্দক বিভিন্ত বিদ্যানত পাট প্রতীয় নান হইতে প[া]ন্তে ।

সংস্ভিতাৰ্যু যেলগ সমাল এচাল প্ৰচলিত গ'ছে, বঞ্জামান্তেও বয় ৯ ব প্ৰস্থাল সুন্ধৰ द्राप उद्भगोलीय अञ्चनमा तदा धाहेएछ शास्त्र. কিন্তু কতিপ্যু স্থান সংস্কৃত 🔼 (মুগানে সমাস कर्ति अस्ति अस्ति के स्थिति । साम्य कि से से बार का का का कि का করিয়া বিশুদ্ধ বঙ্গভাষার শীত্রান্তরে চলাই ভাল বোধ হইতেছে ৷ সংস্কৃত রু'ল রুলানে কুঞান্ত্রিত, দুপশ্বিত, পিতৃসন, গুরুণ্ট এরা কন, াদান ইত্যানি কভিদয় খুংশ র ৮° না শ্রতঃ কুপ্রপাতিতা, পিত্রা সন্ন, পুরায় কিং বন বি । দানং ইতাদি বাগবাণ, ও ভ প্রার্থিমান इहेग। খাকে। কিল সমত্যাম অনিবস তথ্য-(ভার অভ্যেমবর্ণ করিছে ফুট্রে ব্রাংকে এনান ন্মিত, কুপকে পতিত, বিভাগ দা। সম পুরকে ছিত, এবং কন্যাব দান ইছন্দি গ্রাধ ব্যুক্ত ও ভদমুদাৰে সমাদ হইয়া থাকে কি" দাৰ্ভাৰভিক্স ব্যক্তি মাত্ৰেৰই পূৰ্বা কলা ৰ ৷ ব সাধাৰ সহজো অথাপদ হয়না এফ বস্তাস। খীতিও ভদিত্র পথ সম্বন কবি-তোছ। অতএৰ পূৰ্বোক্ত স্বলাদিশে সংস্ত বীতির অনুবোদে গুর্মেন্তিরণ জতিবটু ও গ্রন্থ সমাস বাক, না করিয়। বসভাধার বীতে । প্রকারণ কেবিবেন, পুসাঞ্চলায় ত ধা প্রসংগ মুবাবে কুঞ্বে আঞ্জিত কুপে প্ৰিত পিডাব যে প্ৰস্তাব লিখিডাইর ত গাং , সামবা বিক্ষা-সম, পুত্রের হিত এবং কনগতে দান এইরূপ । পনীর প্রতিবাদ কবিদ। পাই এল জ অভিপায় ভূবি मृष्टी सु প্রাপ্ত হও রা যায়, कथा क दिवाद সময | विकृष्ठ कहेत्रः উঠিবে। े ाऽकु वा সকলেই "ট্রি আমার আলিত » ইত্যানি মূল বঙ্গে, কিন্তু উভয়েব প্রদোগ করিয়া থাকেন, অভএব পুর্কোক্ত স্থল বৈলকণ্য আছে। স

সংস্কৃতভাষা বন্ধভাষার অননী, ক্ষবাং । সকলে সংকৃত বাভির অনুসরণ করিতে নিয়া ছর্মোধ ব্যাসবাক্য ও বীতি বিপরীত কাল কর। परिवर्ग क्रुप्तम ७ वी. उसक् नमात्र ७ व्यानदाकर কবাই ভাল বোৰ হইবেছে: বস্ততঃ সর্বতো-ভ'ৰে সংখ্যতের ভন্নরণ না কবিয়া প্রয়োগ ও ম্ভাৰ,ভাসুদাৰে চলাই উচিত, মচেৎ সংস্কৃত বীতিৰ **অনুস**ৰৰ কাশত যাইয়া বঙ্গভাষার প্রাদ্ধ করা কোন মতেই বঙ্গুলনে স্কুরোদনীয় इहेरव ना । अकरन त्यक्रभ मण्यु हास्त्रिक्त्रा সন্তেশভাবে সংস্কৃত বীন্ত্র জন্মন করিছে केराक, त्रहेक्का कारामा क विट प्र कि গ্ৰেট ভাপ হইতে বঙ্গভাষাৰ মৃতন মৃতন ৰীজি जाविकात कविएक शास्त्र । किन्न जाहा हहाल যে বঙ্গভাষার কিরুপ ছব্দশা সংঘটিত হইবে ভাছা সকলেই বু'ঝাভে পাবেন, বস্তুতঃ সংস্কৃ-তাতিমানী দিল বসভাষাৰ মসলবামুক অনং কেইই বসভাবাধ সংস্কৃত বীতিব সর্বান্ধৰ আধি-शक्त भीतात्र करिएक मध्यक क्षेट्रक भीतित्वन না। অভএব ভাষাপ্তবেব রীভিব অসুসৰণ না कविया विश्वभ दश्र वात वीखित अञ्चवर्डन कराहै আমাদিগেৰ মাত চাল ও উচ্চিত বলিয়া ৰোগ । देउला हेंब

অনং স্বাধ এর পদ্স লিখিয়াই ক স্ত त्रोहल'म, व'रोष्टरण धटनास्य हहेल विक्रष्ठानात ीं सर्राम् क्षाव अ कर्मको कथा क्रिकामा 下,有者! 1 3 1

নশ্বদ ं े हे अधृद्धिम् 母(4本 বঙ্গ গাবা প্রিয়।

श्लावद जीवुक्त (मामध्यकांन मन्त्रीपक

ः, विसम्बिरदम्बन्धिमः — গুলাৰ ২০ এ কাভিকেৰ সোমগুৰাৰে ৯ ভিন্যোগ বিষয় পাঠ কৰিয়। যার পৰ নাই

ज्ञहर्भिय मभीर्थय ।

(১) গ্রেপ্সের্ক ১- ই স্থাহারণের সাধ-ব্যাদৰাক্য ও ভদ্যুখার্ট সহা> ববাই বিহিত ব্যক্ত কবিয়াছি, সংস্কৃতেৰ ক্ষাত মধুস্তৰ বোধ হইতেছে। বিশেষতঃ ভাষাতে উহাব ছুবি করিতে, গৈলে বাদল ভাগ বা বন ঠিন ও

আনিন্দিত হটল'ন। বখন ভবাদশ তংকিংব এ?-बिश्टब वृष्टिशाम स्टेब्राटक, खश्म बङ्गा किनव अक प्रमुक्त अक्षार्थन कविद्या काधिकछ कनगाउन আমাদিগতে কু বিত করিবে, ভাষাতে অগুসাক जिल्ला बाहे। प्रशासन हेशन त्य त्य श्रमानी नम मेन कृतिबाद्यम, फ्रमान्डहे क्षांड डेरक्रहे, किम কোন কোন বিষয়ে আমি সম্যক প্রকাবে এক अखावन्यो इंडेटल शांतिनाय सा ' कादन, जान न **य जापुनिक रा**ष्ट्र शविवास नामे। विकास एता-बीखन बनन दावकान करिएक हे शहरून क्रियाहन ভাষা বৰ্ডমান সমাজের অবস্থায় কিরুপে ব্যবহৃত হইছে পারে ? শকুজলা পুশকালীন তাপদ ৰ্বেহাৰ্য্য ৰুক্তল প'বুধান কিছা কণু মুনি কৌশীন शाबन पूर्वक नमशाब रहेका त्रमहरू छेनाविष হুইলে স্ভাগন কি খড়াব সুখ অনুভব করিয়া भविष्यु**श्च हरे** दबन २ ज्यांत्र त्वांश कति ववश्खा शास्त्र डॉम्स्सिय मध्य बामा ও बीड्राक्त डाव अभिद्रक भारत, अञ्चल अञ्चल बञ्चापिव किंकिए পরিবর্ত্তন কবিয়া অবুনাতন অভিনয় কার্গে, যাত মুর সম্বত হইতে পারে এরপ বসন বিধান করিলে **प्रश्नात कति (कात (काव घटन वर्ष) ())**

পরিশেষে বাঞ্লা নাটকের চলিত কাবা जबरफ (कबन विद्वक्ति श्रकान ना कदिया वर्षे ভাহার উপায় উভাবন কবিয়া দিতেন, ভাহা इंदेरम यमाजिनम् जाननात निक्टे हिन्बाधिक क्रेफ । त्र वाश क्रिक, व्यवसामित नामाना দুক্তিতে এ বিষয়ে কোন বিশেষ দোৰ লক্ষিত र्वेटफर मा, कांद्रव बांग्रेटक (य जावा श्राट्यां किछ ভইতেতে, ভাছাই আমাদিগের অভাবসিত। यथम जहनाहर (प्रविद्ध भाउन्ना बाहेर एह स ভদ্রলোকদিগের মধ্যে কি বিদান কি মুখ সক লেই ঐ অভাবসিদ্ধ ভাষা ব্যবহার করিয়া থাকে, क्रुफ्तार ७४न हेशां ७३ मानव जानां कि क्रुवाक इंडब्राएड अकृष्डित अचा विमधन मीश्विमान इत् এছুএখিত বিশুদ্ধ ভাষাতে নাটকাদি বচিত स्हेरम चडारवर शब्देश लाखा कथनहे रका হুইছে পারে না, বেহেডু সে আমালিগের অভাব जिल कार्य नव । क्वीं क मश्माधन कड़ाई नाह-কাৰির উদ্দেশ্য, ভাষাতে ভাষা বিশুদ্ধির ভয়ুসা করা সন্তাৰিত হইতে পারে না। তবে সংস্কৃত महिकांबिट जारा निकात উপরোগিতা पृष्टे

(১) মুনিকে বাজোচিত পারক্ষ পরিধান করান বিড়হন গলেহ নাই। দেখিয়া সভাগণের লক্ষা না হয়, এরপ নুনিবেশ কি মুনিকে পরান হায় না ১ বজের তন্মান পরিবর্তন বিধের, ভারার ক্ষিক উচ্ভ নয়। স বয় ভাষা আসুনাল দ থলিতে হইবে। বেক্ড়ে গণস্কু ডেন কথান ও লিখামে ভিন্নভা নাই। বল লানা ভিন্ন ভিন্ন ভাষা করিছে লাণে ইকাৰিভ হব বাই, ডথাপি নগর নিকটপু ভাষাকে সভা ভাষা ব লিয়া শীকার করিছে হইবে। এই নাগনিক ভাষার প্রশংসা সকল ভাষার দেই দেই হয়। কানণ প্রায়েব ভাষার ও এই প্রচলিত ভাষার বিশেব প্রভেদ নাই, কেবল চলিত ভাষার দিভজির ধার্লভা করা হয়। ভবে বলি কোন ভাভন পদ্দির উভাষন করিয়া দেন, ভাষা হইবে নাইক রচরিভাদিগোর প্রভি জনীন কুপা বিভ্রন করা হয়। (২)

হাবড়া ক্ষ্যচিৎ। ২৫ এ নৰেহয় পঠিকক্ষয়

बुना आखि ।

क्षियक वांबु बरवक्तवांच वक् रहरू. ১৮৬৬ ডিসেম্ব হুইছে ৩৭ ডিসেম্বৰ 381 '' ' শশিতখণ বস্তু नारशव ॰ " कामाचराहरन मूर्वाणाशांत्र त्रणन्त १२१० कार्क्स इंहेट्ड रेइड क्रेक्नाम খালা সভাশরণ ঘোষাল ३२१० काशंत्रन रहेए १३ कार्किक গোরাতি " " इविक्रक महिक ১२१० अधनात्रव श्रेट्ड १८ देवनाच (यक्रिमी नुत " " वाबहान नड ১०१० अध्यश्यूत स्ट्रेंट १६ कार्जिक

(२) अन्य अन्य अद्य विक्रम कवि। व्यव-হত হয়, নাটকে ভদ্ধবহারে কোন দোব দেখিতে भारता यात्र मा। (सर्भव कृतीन्ति नश्रमाध्यत्र ন্যায় ভাগাদোৰদংশোধন নাটকের উদ্দেশ্য নর, এ কথা আমরা সীকার করি না। " খাচি, দিছি, নিছি ৯ এই সকল শব্দে আমরা অভ্যন্ত গ্রন্থাতি, সুভরাং সেওলি পরিভ্যক্ত ষ্ইলে नाष्ट्रेक जान नर्गशहर ना. এই जानका जनि-(छट्ड, किन्न जना श्रकाद्य यति जनान इरे ভাৰাই মিষ্ট লাগিবে। বসভাৰাদিব মাধুৰ্য ও গান্তীर্যাদি না থাজিলে নাটক কথন উৎকৃষ্ট হয় ना, किन्न नाहेक वित नामाना जावाब विटि हर्ग, রসভাবাদির মাধুহা পাভীর্যাদির কি সভাবনা शांक ? जाभानित्रात अहेन्नण (बांध जारह, গাঁহারা স্থলেথক তাঁহারা খাচ্চি নিদ্ধি ভলি পরিভাগ করিয়া উত্তৰ নাটক রচনা क्तिए भारत्न । म

" বক্ষেত্রনারারণ রাম্ব ভার্করাছি ১৮৬৬ ডিলেম্ম হইতে ৩৭ নবেম্ম ১৩

নোমপ্রকাপসংক্রান্ত করেকটা বিশেব নিয়ম।

জাত্রির মূল্য ও ডাক বাস্থ্য না পাইলে বক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বার বা।

ইহার অঞ্জিম মৃল্য বার্ধিক ১০ এবং বাণ্যাসিক ৫।৷০ টাকা, মকতলে ভাকসান্তল সভেত
বার্ধিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং জৈমাসিক ৬৮০,
ভিন মাসেব মুন্তন অঞ্জিম মৃল্য লগুলা বাল না ।
হণ্ডি, বরাজ চিনি, মণিঅভার, নোট, ও স্থান্দল
টিকিট, ইহাব অন্যতর বাহাতে বাহার ভ্রবিবা
হল্প, ভিনি সেই উপান্ত বারা মূল্য প্রেরণ করি
বেন।

ব হারা প্রাপেটকিট পাঠাইবেন, হাহারা বেন এক অথবা আধ আনার অধিক
মূল্যেব ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।
বর্ধন বিনি সকলল হইতে সোমপ্রকাশের
মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা বেন বেজিপ্রার করিপ্রা
জীগক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাইপ্রা
দেন।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অতীত হইয়।
আসিবে, এক মাস পুর্দের গাঁহাদিগকে চিটি
লিখিরা জানান বাইবে, কাল অতীত হইয়।
গোলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর
এক মাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা
বাইবে। লেখ বাবের পত্র বেরারিও পাঠান
হইবে।

মাতলা রেলওরের সোনাপুর ষ্টেসবের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

বাঁহারা মান্ত্র না দিয়া প্রাদি প্রেরণ কবি বেন, ছাঁহাদিগেব সেই প্রাদি প্রহণ কর। বাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছা করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রতিশংক্তি । আনা ভাহাব পর /১ - আন। দিভে হইবে। বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিবার ইছা করিবেন ভাহার সম্ভি বভন্ন বস্থোবস্ত হইবে।

ক্ষে এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দ্ধ মাজনা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাঞ্চি-পোতার উ্রিক্স মারকানাথ বিদ্যাভূবণেয বাসতে প্রতি সোমবার প্রাতঃকালে প্রকাশিত ব্য়।

(माश्रकान

b a win

e ment

" प्रवर्त्ततां प्रक्षतिषिताय पार्थिवः सग्खती स्रुतिमचती न दीवतां।"

মাবিক, মুদ্য ১ টাকা, অবিদ বাৰ্বিক ১ । টাকা অবিদ বাণ্যাসিক ধ্যে টাকা।

नन ১২৭৩। ७ রা পৌৰ। ১৮৬৬। ১৭ ডিনেবর

विक्यान माञ्चनहरू अवित्र सार्विक ५० केवा बाब्धानिक १, क देखवानिक ०५०

বিজ্ঞাপন। ইউ ইতিয়া রেলওয়ে। হিশেষ অমংগদু দিংগর টকীট সকল হাবড়া হইতে প্রবস্ত

> वृत्यतः। वृत्यतः। वृत्यतः। पृत्याभूतः व्यागास्त्रामः। कामभूतः। कामभूतः। कामभूतः। कामभूतः।

े केक अंकात गार्वाजिक विरमय जगरनकू विद्वाप काकात ब्राप्तः।

3 **अध्य (व्य**वी) ३२० होत

বিশেষ অসংশর টেকীট সকলের যে
ভাতার হার উপরে লিখিত হইল, আরোহিলণ যদি জ হাবের উপর শতকরা ২০
টাকার হিসানে অধিক প্রদান করেন, তবে
টাহারা এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নিয়ম অপেকা
অভিবিক্ত আব দুই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল
ব্যবহার করিতে পাবিসেম। অন্যান্য প্রধান
ইংইসনেও এরপ নির্মে টিকিট পাওয়া হইবে।

উপৰি উক্ত বিষয়ের অন্যান্য বিষয়ৰ বাঁহারা আনিতে ইচ্ছা কবেন, গ্রাহার। হাবড়। ইস্টেসনের ভেপুটী ট্রাকিক মেনেজব সাহেবের নিকট আবেদন করিলেই সমুদায় অবগত হইতে পারিবেন।

নিনিশ ভিকেশন।

বৈছি অব এজেনী ইট ইবিয়া রেলওয়ে বৌদ ফলিকাডা ১৮৬৬। ৩১ এ অটোবর।

বিজ্ঞাপন।

নিমুখানসামার গলি ১৫ নখন বাটাতে মংগ্র শীত ও বংগ্রচারিত নিম্নলিখিত পুত্তকওলি বিক্রম হইতেছে—

| बगैष | মূল্য |
|-------------------|-------------|
| बीनदेखिग्न | ३ डेकिश |
| বোমইভিহাস | \$ * |
| ভূষণসাৰ ৰাজ্যণ | 1, |
| নীতিসার (১ ম ভাগ) | J. |
| নীভিসার (২ ছ ভাগ) | J. |
| প্রচারিত। | |
| भूषरवीय वृश्ववन | Ŋ · |
| | াৰাখ নৰ্জা। |

विद्यांशन ।

अयुक्त त्रामकमन विमानकाद धनीक

"প্রকৃতিবাদ » নাবে একখানি অভিগান সংশ্রুদ্ধিত হইয়া সংভূত বন্ধানরের পুত্তকালকে ও দাঁখারি টোলা মাখনএয়ালার গলিতে" জীবুক্ত ঠাকুরদান মাষ্টারের জুলে বিক্রমার্গ প্রক্রুদ্ধিত প্রায় প্রত্যেক শব্দের বুং-পত্তি আরাৎ বাজু প্রত্যের স্বাসাদির উল্লেখ করা ধইরাছে।

मुला ६ लेक के कामाम ।

विकालन ।

কুকনগরস্থ সি, এম, এস, ইংরাজী বাঙ্গালা কুলের ছুটা শিক্ষকের পদ পুনা আছে। ভন্নবো ২ মু প্রেণীর শিক্ষকের বেতন ২৫ টাকা এমং ছুড়ীর শিক্ষকের বেতন ২২ টাকা। কর্মপ্রার্থীরা শীল্র আপন আপন সাটকিকেট সমেত আনেদন। পত্র আমার নিকট প্রেরণ করিবেন।

কুক্ষনগরগোরাড়ি, এক, মেলিন। ১৮৬৬। ৮ ইডিসেম্ব।

त्यागथकाम।

৬ রা শৌষ সোমবার। ছুর্জিক কমিসর।

उरकात इर्डिट्स समर्था जनिके रहेगाएक, किन्न देशाएक भवर्गमा जनके जकी विकास कार्य हहेगाएक । भवर्गमा कार्य व्यक्त माधावन । भवर्गमा विकास या व्यक्त माधावन मराजत विकास कार्य कार्या हाँकि, माधावन मराजत विकास कार्य कार्या हाँकि, माधावन कार्यिता मुख्य मामा नार्य हहेगा थांग, उर्थन कार्यिता मुख्य मामा नार्य हहेगा थांग, उर्थन क्ष्यकान, जर्ममांग छ हेजेरता भीत माध्य जवर मर्यामणा ममूह जन्माका हहेगा भवर्गमांग कार्य कराम । स्थानमांक

ण्यांश कतिश (प्रतुत्र हिनदा आहेत्मन, त्व भागनकर्छ। श्रकावश्यन इन, डिनि कथ्म (नक्रभ कतिहा आमिट्ड भारतम না ৷ তিনি প্রার্থনাকারিদিপের বাক্যে উদাস্য না করিয়া বদি প্রতিবিধান চেটা পাইতেন, এত কি অনর্থ হইত ? ছয় লক লোক অনাহারে প্রাণত্যাগ করিয়াছে। অম্যাণিও গড়ে প্রতি সম্ভাবে ৩০০ লোক প্রাণত্যাপ করিতেছে! ইহা কি नामाना इःदर्शन विवत्।

शवर्षत्र (अनत्रवात केमानीना भाषां भ-याम इरेटक धवारिक भारेटक भारतन ना। मत कन सद्दरभव द्र ममुनात कात उदार्शत कांत आहर, यथन अशीन व भागन कर्ता वकर्त्वा गांधान शताश्रम्थं इहेरनन, তথ্য প্রধানতম শাসনক্রার অঞ্জসর হওয়া উচিত ভিল। তিনি অগ্রসর হন नारे, अवना डीसाटक शहर नवंत अ मानव मल्लीत निकटि ज्यासी वरेट वरे-স্থাছে। " এত যে হইবে ভাহা মানিভাম सः " এই दांका छित्र गत्र मिनिन वीजन ध मन क्रम नातरकार क्रमा ममर्थन माहे। अ अध्यम अधिक कातरनत्र व्यवनार्थ दर किंगियन नियुक्त व्हेशांट्यन, डाँवानिरशत र्नेबदर्शन काटन मह खम लटहका एव छनी-क्षंद्रम अहे कथा विलिदन, छाहा चान्क्रदर्गन भिवस गरह।

ं कार्ड कांश्रद्धांत्रदर्गत्र हेटल्डमनात्र कमि भम् नियुक्त बहेशारहन। गर्नात क्लाइन अहमान विवास किया विदास विवास

क्रेंट्रल श्वर्ग्टमके यामीन वानित्वा कता. डाँशत मछ हिन, किछ कर्नात देश क-क्रीन सिट्ड नक्ष् हिड इन ना, किन्द्र अवात | तिहन स्नान काम क्रेड ना वंतर जिन-স্বাধীন বাণিজারপ হেত্বাদ (ছল)। তেঁর সভাবনা ছিল। কিছ স্বাস্থ্য জি-क्षिक्षा माकारमञ्ज्य इंखार्गन कविट्ड ' खामा क्षिट्डि ह्यूमिक इंडेटिड क्लाना-व्यवस्थ इत । बक्रामानद्र तार्थन के शवर्षन देश किया के हिला नाहाय। बार्मनद्र व्यक्ति निक् छेरकाल अपन करतन । उज्जा वारिय धक कन कमिमनत स्थातन कतिल कि लाटकता म्मरोजिशाल बालन, जैहिला । " कांक " इहेछ ना ? स्निके हहेबा शाल अञ्चलके नारेटल्ट्स. किंद्र जिमि रा छे- । जीवात कावन अस्वयन कता अक कांक खत त्यन बावर उँश्विमित्भन श्रीर्थना । आत घटनात ममत्त्र जनस्ति उ किना रत्नत डेलांब **भवनंड इरेडा भविनाद** उपरावयन क्या आंत्र अक कांका। वर्धन लारकव कीवन नहेश कथा, छथन ' অকালে " লোক নিয়োগ কি অপরা-गर्भा ? " काकात " नाटकात वर्ष कि . वरे भी उदारण कलिका डांग या आनिता কোন কাজ করা যায় না ? ডাম্পি-त्रत मार्टित्र निर्योश कार्र्यात ममर्थन कतिशा मत अन सर्वक वर्लनः-"अरम् वहेट इर्डिट्यात करकेंद्र स्व नकन वृकां उद्भार ধ্বেরিড ভাহাতে যে বন্তুনংখ্যক দরালু লোক ভারতবর্ষের মঙ্গলেব বিষয়ে যতুবান আছেম ও ভাঁহানিগের মনে শোক ও চিন্তা इरेशार्फ, अधि म्लाके प्राची बाहरकरह, चर्चारफः हेश हेरे.जड এই वृष्ठेनाय कछ व्यनिस क्रियाह, छपि मरा (देश्ल श्रीय) लाटकत मरन मरन्दर अधिवादह। এই अनिक्वाच्यक दुन्नि हरेनात्र विट्रिय कांत्रन करें, क्यांत्न अकांनाक्रां ववर मुक्ककर वना इरेशारह, अवर्गात-ल्वेत कर्महाविश्वन करकेत अंकि ममत्माः जिक मत्नात्यांश तन नारे। अरे क्यांनाति निर्भत व्यक्ति मिहात अ माधात्रायत नः भन्न पूर कतियात सना गुलिनिक रहे एटाइ (य, एर नकन बृक्तं इ क्यान करा र्देशांट जाहा यज मूत्र नखर नखमान অথবা তাহার সংশোধন করা আব

नवर्गत (कनतम ध्राक्तांतिका कातक-

वर्वीत नर्सनाथात्र ७ मध्यात्रभटका अछि দোবারোপ করিভেছেন। আমরা ভি मक्रांतर्भ हेश्मश्रीव मन कात कतिताहि ? य नवन त्रकाह নিখিত হইয়াছে, তাহা সম্পূৰ্ণ সভা नदर ? अ विवस्त्रत्न कमित्रम भीज मी. मार्ग क्रिंदिन, क्रिंड आंत्रता बनि রাছি ও একণেও বলিভেছি, সর্বা नाधात्रांत खम इत नारे, -- शवर्गदमक व्यथमार्वाव व्याप्त शिक्ष हरेगारहन। একলে जात अवेडी चिक्टवांत्र जारह, भवर्गत (क्यात्रम अधानकात मर्कमाधात्र-भंत कथा এक क्षेकांत्र व्यवांश विन्तां-एक । देश्यात् भागत्वाम बहेबाटक विव त्रा कमिनन नियुक्त कत्रा स्टेटल्ट । जातक वर्रीत मर्समाधात लाक माकारमहत्त्व मत कन लारतकात निकार किहूरे नाइन, ष्यक वहे नर्सनाथात्रन वक्तरन भवर्गम-ণ্টের বিচারপতি হইয়াছেন এবং গ্রণ্র क्ष्मतत प्रविद्यम किमि माथात्र(वह क्ष-मठा जनीकांत्र कतिएउ शास्त्रम, किन्न पर अनीकांत्र कतिश्व भौतिर्वन ना।

ৰঙ্গদেশীয় গৰণমেন্ট ডাম্পিয়ৰ সাহে बटक या छेशरमञ्ज स्मन, फांका जन्मुन हरे-हाष्ट्र, छथािंश श्रदर्गत स्वयत्र कवित-नटक विटर्गवद्वरंश चन्नुनकाम क्रिट्ड विविद्याद्यनः---

"**ऽय। इर्फिल्ब्ब कांद्रन कि**? २ त्र। व्यक्तिके निवातनार्थं वयानमात्र याथांकि डेभार व्यवनद्ग करा स्हैशांकिन कि ना, वित ना क्रेशा बीटक, दबन क्र নাই ভাহার কোন যুক্তিগিত কারণ আছে कि मा ?

भवर्गत (क्रमत्रम (यमन উপদেশ हिल्ला, क्षित्रस्य विकट्ट वार्याहरभुष তেমনি किছू वक्तवा चारिह, वनिकान छ अ उट्यामीयामाम वर्षन होता। कतिरु हा (रून, *(स्केनके भवर्गत* छोड़ा कंत्रिएक स्वन माहै। क्षित्रवं अ विकारी छेखनब्राम विदय হাবীভয়।

क्क पिन इर्जिक्कर (भग, वर्षन मात्री-खरमञ अधिकांत्र इहेग्राट्ड। आमत्रा छनि-छिहि ও मिथिएडि, य य कात इर्डि ক্ষের প্রকোপ হইয়াছিল, তত্তৎস্থানে मातीज्ञात आङ्डांव एरेबाट्य। व्यामा-দিপের এখানকার এক ব্যক্তি পীড়িত स्रेत्रा कल बागू शतिवर्ख कतिवात निभिक्त शांग्रेनांत्र अमन कतिशां हिल्लन, जिनि बिल (नन, छथात्र पात विकास ও अमाउठात बार्डाहरू आइस्टीव स्टेशार्ड, मारे व्यू তথাৰ অধিক দিন অবছিতি করিতে शाह्मी इंदेशन मा, मध्य कितिया चागि-দ্বাছেন। আমাদিলের বাস প্রামেব সন্নিছিত ছান সকলেও বিলক্ষণ মারীতয় হইয়াছে। भनीबारमत बक्षांत बक्कांत है। ह हि চিতা বারি বারি অলিতেছে দেখিলে कोहात कामरत का उत्कत है पर ना इन्न ? ्माक्षा मार्था अ चलनांख व्हेरजाह।

याती खरत अधिक छत त्रिक्त इदेशत विरागत कात्रण अदे, अंछ जिन अनाहात वा खण्णाहारत बाहानिरशत अधि मण हदेश निवाहिन, शानाबि मानाविश मूजन खदा हक्षारक अथन छाहानिरशत गर्या छ

खालन श्रेटिएइ, स्वान् ख्रेया शीकावत्र खार्ट्यान् ख्रा शीकावत्र नत्र, छादात्रा व विद्यामा क्रिटिएइ मा, क्ष्युतार नामांद्यकात्र शीका क्रियिएइ। देखत मार्ट्याद प्रक्रिकात्म व्यादक कर्षे शाहे प्राहिल, क्ष्युत्वाक व्यादक क्रिये शाहिल, क्ष्युत्वाक व्यादक्षण छादात्राहे व्यक्षिक प्रतिट्याह । खादातिर मत्र किर्वेद मार्थ श्रेटिएइ मा। वादात्रा किष्टू कात्म, व्यक्षण त्वाक लहेता व्यक्षण हिन्दिरमा करात्र, छादाविर्मत्र व्यक्षण मार्टिण माहे। एट्ट व्य मकल व्यक्षि छादाविर्मत्र हिकिरमा कार्या श्रद्ध इत, छादाविर्मत्र श्रेटिक प्रकृत्वह व्यामुकूना हहेता थाटक।

ले नकन लांक ले क्रांभरे कि विमा চিকিৎসায় হত্যমুখে পতিত হইবে ? अजीकारत्रत्र कि रकान डेलात्र नाहे ? यि (क्ष क्ष्रांत क्रम थाना क्रम, তাহার সহতর লাভের সম্ভাবনা দেখা याहेटलट्ड ना। ब्राट्यब्र मट्या याहाबा मन-তিমান, ভাঁহারা চাঁদা দারা উভয हिकिश्मक ७ डेक्स क्षेत्रथ मः अह क्रिया তাহাদিপের চিকিৎনা কার্যা সম্পাদন করিবেন, সে' আশা নাই। প্রথমত: পলীগ্রামে এরপ সঙ্গতিমান গোক वित्रत । विजीयण: डीशंत। अक्रम कार्या चजाल नट्रम। यनि-कोशंत प्रमण्डि रहा, অপর ব্যক্তি অমত করিবেন, সুতরাং উল্যোগকারির চেন্টা বিক্ল হইয়া যাইবে। ভবে বলিবে, আমরা প্রণ্মেতেক देखबना कति ना किन ? जीहाटक वं অভীউনিদ্ধির সম্ভাবনা অংশ। আমা मिट्शत बांटका विश्वाम कतिता भवर्गम-ल्वेत छेत्यांग कतिएड कतिएड व्यक्ति নিৰ্কাণ হইয়া গাইৰে। বারাসত প্রভৃ जित्र मात्रीका ७ इर्किट्स रेशव विनयन भन्नीका स्हेग्नाटकः।

विनानत अधिकात अखाव नरेत्री कृष-বিধ্য দলে ভুমুল আন্দোলন উপস্থিত र्देशाटह। त्वह कहिट्डट्बन, व्यक्ति अरमरम जीनधान विमानम क्षानिकान ममग्र हम नाहे। त्वह कहिटक्टहन, णिक. बिजी दरेवात डेटकटण डवाय छन्न ला-(क्य जीवनामि अधायन क्यांट गाँहै . (दम मा। (कह कहिएछएम, अर्फ्नीम थ्रहेश्यांवनश्री जी व्यथवा व्यवकाशीय जी नर्पालविष्ठांनता भिक्ति स्टेरन এएम्टमंत्र क्यारमारकता डीशमिरभत निक्टि वालिकामिश्रदक मिकार्च शाठा-ইয়া দিৰেন না। আমরা এতৎসংক্রান্ত একথানি পত্ত প্ৰাপ্ত ছইয়াছি, ভাষা স্থানান্তরে প্রকটিত হইল। পর্তেপ্রক बालन, अथन अ नमत हत नाहे, जबर जम कुलाञ्चनाता ज्यात व्यवस्य क्रिट याहे (यम ना । ममग्र इस नाई, अ जाशिक অকিঞিংকর। কোন বিষয়ের নুতন অলু-क्षान इंद्रेश महदाहत जरे अकात भाशकि इहेबा चाटक हिंदणटल यसन दबललदबन व्यथम श्रुष्टि इये, छ० काल भागि श्रामाले এই বিষয় লইয়া ভুমুল বাদ বিতপ্তা হইয়া किल। अप्तरक अपि अजाधा विलशा गि-जान कतिशाहित्वन। योशाता नांचा वित्व-চনা কবেন, উাহারাও নানাপ্রকাব আ-भन्न। कविशा**हित्यम । (भरि**ष तमके त्रय-उद्य क्रेश, क्राटम क्राटम छेका महिद्याल ব্যাণী হইয়া উঠিল, এখন কে না ভহার উপকাৰ**ভোগী इहेग्नाट्य १ व्यट्या जी**न-শ্বাল বিদ্যাল। অভিন্তা করিয়া পরীক। क्तिया (मध, मनद्र स्हेशांट्स कि ना, डा श्रंत्र शत त्या गाहेट्य। आमता यथन क्षिर्टिष्ट, उद्धक्रनाममात्रा जास्यभाव-निश्नी इरेशा गांद्य ७ विविमित्तर महिठ धक्त भागर्जायनाहि कविर्डाहन, ख्यन व डाहाता जीनशाल विकासका च्यात्रम करिएक या रेटबम मा, किन्नर्श बञ्जन भिष्ठोड नहा मञ्ज हर ? है देखा।

পীয়দিগের সহিত পান ভোজনাদির नाम कि देश दिन्यू भारत्र विविध ? विध वाविवाद्दत नाम अंगि कि इकत कार्या ? (मृत्रू अष्टु: शूर धनानी वामारितात चारक, रमहे धाकांत्र किलिए , नज्ज कतिया जीवशांन विमानस्य कार्यात्य कतिहरू विकोधिमिकि इरेर्द ।

य उ प्रिम क्योगिकटकत निवटणे क्योदिना (कर भिका अथा अविद्य ना कहेर्द, उड पिन अपिटम चीनिका करना नेशा शिमी हहेरव मा। अधनकांत्र वालिका विमार লগভাল কৈ ছেলে খেলা নয় ? তথায় কি ভাগরণে কেবাপড়া চইডেছে গ ভাল লেখা পড়া इहेवाর मञ्जादनाई वक कि १ वालिकामिरभन ३ , ३० वस्मरह दिवाह एस, विवादहत शत श्रीत तक विनामिता गांत्र ना । अहे ममत्त्रत भरश व उ শিকা হইতে পারে ? কিন্ত জীনমান विकालक इरेशा यकि जीनिकक शांउशा याण, वालिकाता विवादकत शत्रक व्यानक मिन श्रवाय विकासिय गहिएक भारत. ভাহাতে আপতি হইবার সম্ভাবনা शहक मा ।

अरम्हानंत्र चन्नात्यः। खामिका भयका अरममीय श्रुकेशयाकाधिनीमिटमञ निकटें कनाश्वरक निकार्थ शांठाइर्वन ना, व आशंख्य निजाय व्यक्तिक्ट्रत। भिक्षक रा भर्यावनशी इडेन, डाइएड ক্ষতি কি পশিকক অধ্যাপনাকালে ধর্মো পদেশ দিবেন না, এই মাত্র নিষেধ थ।विरलई ६इन । अकर्व कि इंडेरविनीव त्रमनीता ভ त्रताः कतिरमत अष्ठः शूर्य भिन्ना भिक्षानाम क्रिएडर्ड्स मा ? स्व विकासिय इंडेटवाशीश भिक्त बाटकन, धामभीदाता ज्ञिक्रा ना विनया शब्दश्रव स আগতি ব্রিলাছেন, তাছাও আমরা गालिक ह दान क तटक दिना। अथन छात्र विक् नका नाहे, देशमधीय महानका

जीनिक्क नारे, निकारानधनानीध कान नग्न, काशास्त्र शबद्धातक स्त्रीनि. ক্ষরের প্রতি বালিকানিগের তর ও ছব্দি দেখিতে পান না, কিন্তু যথন ভাগ জীশি क्षक लाख्या बाहेटर बदः लिकामान श्रेना मीत माप मः त्माधन घटेटा. खर्चन शब প্ৰেরক দেখিতে পাইবেন যে বালিকারা গ্রীপিকককে ভর ও ভক্তি করিতেছে।

(शहेन जारहरवत करें के खारेन। (कांन कार्या कतिवात सना कृत्सि कतिया यनि (कह तारे कृतिक सक कटत, তাছাকে কারারুত্ব করিয়া পুনর্কার সেই क्ष कहादेवात टाका जातजबरीय भवन म्बित बक्षि तान स्टेनाइ। किंग भारक होति बीजन मारहरवत कर्णे कि विन विकि मारहरवत कर्णे के विक भन्न भन्न व्यवाद्य क्टबन, बदः छात्रछवरीव क्लिं (लात मछ। भग, देश्मधीत मर्दिमाधातन ख महामछ। बक नात्का कन्द्रां छ चारेत्वत श्री छवान करबन छथानि अथानकांत्र अव ৰ্মেণ্ট তাহা ছাড়িয়াও ছাড়িতে পারি-তেছেন ना, यक निवाति क केटकाइन, ठठरे ভारात वाचार्य डाँश्वितात्र वाधाना त्राम स्टेटल्ट् । मरकार्या वियदा वाकि विटनरमत अधिकात अधावनात क्षमाः मनीव गत्मर नारे, किछ वर्धन लिएन लिएक अक्वारका अस्त्राविक चारेन ग्रेटिक म् गांकत, चलागांदतत मून ও রপারর ক্রীতদাস্থ স্থাপন বলিয়া व्यक्तिक्। श्रकाम क्षिट्डिएन, उथन दिना थिकानी हरेग्रा बाजबाद अबाद बाबीनछ। र्त्रवार्थ चत्रः मृद्यल श्रह्ण कतिवात क्रिके। कता कि लच्छा ও অर्गातस्वत्र दिनश কি দেউ ভানেই অধায়নাৰ্থ বাগ্ৰহ হন | নয় প ভারতবৰ্ধীয়েরা বেন " অসভ্যতা मा २ वर्त नकाता श्रीमिककटक छन्न छ । निवस्तम १ शवर्गटमा के मामन छ। (।) वूर्तिए ना शादतन, नाउ रानिकांक ज অসভ্য নহেন, ভারতবহীয় কৌলিলেও

७ नस्रगारात्रग्ध च्यक् नर्दन, **डांशांता देशांत शांखिदांती (दन १ व्य** নকল কারতে ভারতবর্ষীর প্রবৃত্ধক श्राचार विज्ञानिकालन स्ट्रेटिस्स, क्ले कि বিল বিধিবত্ব করিবার চেন্টা ভাহার मर्श अथान। काशात कना अरे चारेन धावनाक ? धातजबर्दत्र विश्मिं किलि लाटकत मट्या धक जनल हेहात शीय-क्छा क्रतन ना। काकिक्रतत्रता देश छोट्टन मा, ठा-क्राबा व वित्मय आहेन शाहे-शाहित्नन, छारा तरिङ कतिवात हिसीत चाट्यन । देखेरवाशीत विवक्तनटक जश-র্যান্ত ইহার আবশাকতা বোধ করিতে स्य नारे। उत्व बाहाता वर्णन " जावज बर्सन नक्त्रमधात्रात अक्वारका दन्ते।के हास्टिट्ट्न " डीशिक्टिश्व विषय ख्या तम नर्समाधातन तक ? " क्रांत्रक्षर्यंत्र नर्सनायात्रन " हेश्रंत्र व्यर्थ कि १ नीलक्रतारे कि दक्षण रेशा अकि-भागा ? डाँहाजा डिज्ज चात्र दर्शन नर्श-नाधातन नर्यन किंपामा भाव नारे ? चामता छ मिथिट डिस्, निय वरकत नीन. करतता दक्षण करे चारेन गाहिए उद्या !!

गत रक्षित कातिक हैन अरमर्भत अक बन शत्रम बच्च । अदर्गरमणे डीहात पाता मुख्न म्बामी चार्न मर्मायन विवहरू चारतित शाकुरमधा मस्या करतकी क्ले कि शाता बगारेता मन। क्छि बस्र ठः (महेन गाहित्रे देशात शिक्षित्रका। जडा-बट्डे महेन गार्द्द डायम करपरम चानिश क्ले के चार्यात अधिवास कतिशह-त्मन, क्षि वावशंत्राकीवनन विवत विद्याद व्यवश विद्याय कार्यायानामीटक लिश ७ वक बांक्टिक शास्त्रम ना। स्मरेन নাহেবের বিদ্যা, ও বক্ত,ভাশক্তির श्रमश्मा मक्टमबर्ड क्षिएंड स्ट्रेटन, किंख छिनि नित्ररुपक हासनीडिक नरहन। त्यनी विद्रान्द्र व्यक्तिनावका क्या डीहात अक्की अधान लाव। अहे कात्रत्व

अरमरमञ्ज्ञ नक्तिभाग्रतन छोहात्र विभन्छ-छात्र छेनदत्र निर्छत्र कट्रम मा। हे-मट्छ त्य नक्न वाकि कर्ने कि चाहेरनद विद्राह चार्यक्र करवन, मद्र चन नरवन उंश्व पिरमत गर्था अक जन हिर्तन। किछ देश्नार्थव नीमात्र वास्ति व्यामितः देश्त्राक्षिरशत चलात्वत्र शतिवर्छ इदेश बांग्र। व्यक्तव कात्रक्रवर्ष व्यानिश व्य তাহার মতের বিপ্লব ঘটিবে, তাহা বিশ্ব-त्यत विश्वम मटह। योश इडेक, व्यामवा चाकाषिक स्रेगाम, रेश्नटकत विश्वाणील बिरवहक लारकता देशास्त्र भागांत कति ब्राह्म । जोवज्वर्यत बाह्मक्षिमन ब ত্ৰতা গৰণমেণ্টের মন্দ অভিস্থি বুবিতে পারিয়া কণ্টাই সংক্রান্ত ধারাত্তলি **लिक्षांश कित्रवात श्रामर्भ विश्वाद्यत ।** उँश्वाम बदलन, " अहे बाताकानन व्यदम क्रन नारे, देशंत्र यात्रा काश्रत्र छेलकात শৰ্শিৰে না, প্ৰত্যুত বিধিৰত হইলে কেবল चलांगात्र स्टेटन । " किमनन वच्यात्राभंत नीवक्त्रविभटक मुक्तेष्ठ खत्रण धावर्णन ক্রিয়াছেন। তাঁহারা স্পভীতিধানে बिलाफ शादबन नारे बट्डे त्य बीलकद्रनिः (नत निमित्रहें अहे थात्राखिन मिखरानी चारेन यर्था मिद्रदिनि इरेबार किस थकाताबद्ध बना इरेतारह। चल्बब 'अल्डिक्नीय नर्वनाथात्र विकास सानि বেন ইংলতে ঐ ধারাগুলি পরিতাক্ত स्टेटव । अथन , बळामा स्टेटफट्ट, देशा পরও কি মেইন নাহেব বিল অপণ করি वात मनदत्त के धारांशिन त्राधितन ? छेश कि विधिवक इहेटन ? कांत्र जवर्षीत স্বৰ্ত্ৰেক কি শেষে স্মতি প্ৰদান কৰিয়া छेश क्ष्रिक क्षित्रदेव ? विष अ इंटन्डिकी र्ष, जामना এতদেশীর বাবস্থাপকরি-भटक अञ्चरताथ कतिएकहि, जीवाता स्वन স্পাইভিয়ানে কণ্ট্ৰাই ধারাগুলির প্রতি बार क्टब्स ।

जन छेडेलियम मानग किलाइ अ कारश्रेव किर्मा चौमना करत्रकवात कारश्चन कर्रिन ও मत छेडेलियुम मानम किनाछत दिवाप उननाक मछ ध्यकान कतिग्राहि। भामना পুৰ্বেও ৰলিয়াহিলাম একণেও বলিতেছি প্রধান দেনাপতি এডিকঙদিপের উপরে নিজের কার্যাভার সমর্পণ করিয়া ভাল कांच करत्रन मार्ड। नामतिक विहातानत कादश्चनदक स्मायी बिनश फरशहत जा-शंदक क्या कतिवात दा क्यूदांव कदतन, প্রধান দেনাপতি বদি তাহা রকা করিছেন, তাহার সমধিক ক্লার্য্য मत्यह नाहे, किंख के कार्याची नाविश्व-তার অনুমোদিত কি না বিবেচনা করা व्यावभाक। डाहात अहे कांद्रा याता गणि रमनामरण रकान अकात विमाधना घटि. তাঁহার ক্যা অদর্শন কোনজ্বে ন্যায়ালগভ रुरेटल शादत ना । अ विषयत दर्मनादलवन क्ता भागांतिर्गत हेम्हा हिल. किन्द्र भागता प्रिचिट्छि, जात्रजनविष्ठ देशताको नः वामभा ७ देश हिएगत बाता त्याहिक देश्लाखंत लाटकता श्रांत रमनाशिक्त ष्मभक् कतिवात क्योग्न षाट्य । তাঁহার। যে প্রকার কোলাহল আর্থ कत्रियाट्यन, जाहाट्ड म्लाग्डे (पथा गाहे তেছে देश्वाधीय धार्मान तमानिक मत উन्नेलियम मानमिक्तर्पत श्रेष्ट्रा करान, वरेषिरे डाँगिरिशत यनिया । वर क्रम वर्षार्थ छेशयुक्त । समुत्ताव्यक व्यका त्व मधे कतिकात (इक्षे। इहेटलट्ड, व्य-5-এব ইহার প্রতিবাদ করা আমাদিলেব

কাপ্তেন কর্মিস বোধাই অবধি সর উইলিয়ম মানসফিলতের সংসাবিক কার্যেব তত্ত্বাবধান করিতেন। সর ইই-লিয়ম মানসফিলত ভারতবর্ষের প্রধান সেনাপতি হইলে ক্ষমিস তাঁহার এতি কঙ হন, এবং এই কাক করেন। প্রধান

कर्तवाकर्य मामह नाहै।

वानारेन कारश्य थवान रममानिकः थाम प्रवाणि गरेमा थमर छेशस्यां क **উপভোগ क्रि:्ट्रिन । देशांत्र चल्लम्हा** नार्थ कर गड़ा स्य, क्दर ख्यात का-थिम किसिगरक चाठानव नहेता चा-निएड बना इदेशाहित। जिनि अहे আজা অত্যাহ্য এবং প্ৰধান সেনাপচি তাঁহার উপর অভ্যাচার করিভেছেন এই ভাব প্রকাশ করেন। জ্বিসি অসং व्यवन (योगे ध्यमन (मनानेष्ठि ध्यवस्म **अंतर्भ क्या वर्षा नाहे. मान्य** প্রযুক্ত তিনি হিনাব পরীকা করিতে **চ!हिश्लाहित्सन। এ विषया कान् वाकि** टीशांक लागी कतिरवन ? वाशांत शर्ख व्यर्थ करमञ्जूषात पाटक, जानात हिनाब मर्गन कता जात छीश्टक धनर दना कि ममान ? यमि अफिक्छ महत्य विमान पिएछन, छाहा हहेटन क्यांन कथाहे जिल ना। अ विषदा अंड शांन्यांश ना इहेश অমনি অমনি ভাঁহার দোব ভালন হইত। কিন্তু তিনি কি বাবহার করিলেন ? তিনি करमक महत्व होकांत्र शांवि शिवा क्षश्राम रमना शक्ति निक्रि পাওনা বলিগা নাণীশ করিলেন !! দ্বিতীয়, প্লানিষ नानीन क्हेन। এक व्यवाधाणाः, जाहाः उेशत चार्वात मानीटणत **डेशत मानी**क হুইল। প্রথান দেনাপতি দামরিক আই-ष्यम् गारत कर्किटभत निक्र हरेट उन बात टाहिया जैदिहा तक तिहा कितार আছে। দিলেন। এরপ স্বস্থার এ আছে व्यमक्ष विवास विद्विष्ठ व्हेटक भारत ना। शकाश्रदः कारश्चन कर्सिन व व्याग्य शांध कतिरमन ना । जिनि विमार्यः विक (स्थि हैटिक व्यवस्य क स्हैतन । अइ? व्यवकांग्र क्षथान (मनाशांक हि कहिर: शाह्यम ? डेंग्सिक चगडा। कारश्रह नारम थोषाञ्चनापि एड्ज्रा कतात ' অবাধ্যজার অপরাগ দিয়া সামরিক বিচ

বিচারালয় ফেব্লপ বাধীনতা ও অপক-शांखिछा नहकारत विकाय कतिशांट्यन, ভাষাতে প্রশংসা কবিতে হয় সন্দেহ नारे । डीवांबा कांग्लन्टक उप्तार्थन व्यवसाध करेटक मुल कतिहास्कन, किन्न ভূ তীং চতুর্থ ও পঞ্চন অপরাধে—অবা-খ্যভার অগণায়--ভাগতে পদচুত করি বার আজ্ঞা লেন। সাম্বিক বিচা नामत्र क्यांव अमुरहाध कतिशाहितनन, কিন্তু জুরি ও দামরিক বিচারালয় क्रमांत क्रमूरवार्थत गगर्य व श्वताव एक्ट कारन अपर्मन करत्रन, अक्टन कि रमञ्जल कांवन श्रमर्भन कता इहेग्रांकिन ? चात, कां: अन कार्यमं कि तम के कमान लाख इरेवांन (यांशा कांक कविश्रोट्डन ? প্রধানের প্রতি বাধাত। সৈনিক সং ক্রান্ত क्ष्म्यण डार व्यथान काइन, किख कारचन अर्थिन बाउषांत देशंव विनतीष्ठ कार्या कृतिशारह्म । अक स्नन मामाना रेमनिक এর প করিলে কেবল উচ্চাং পদ कृति मा, उंग्रिय मिशान्त इहेछ। न्त छेरेनियम मानमिक्त यथार्थर बिन क्राट्डन " वनि अहे अनुद्राय क्रका कता बात जांश हरेल खायजबार्यंत १ जि वातिदक रेमिकशन वनाविन कतिदव रैमनिक्षिरभन्न शरक अक्तूश ও आंकि | जद्रसिटभंत लेटक अनाजल भादेन। " अहे बाका पांता न्या छ आर्थ इहेटलट्ड, প্রধান দেনাপতির নারপরতা প্রবল। वृषि डीशांत्र लेकावा जात्रका नावित्रका প্ৰধন হয়, ভাষাতে কি তিনি পদ্মুত शरेवांव (वांशा हदेश्यन ? चारेन, क्यूनीडि ও श्कि मत डेहेनिहम मानमिनाएत नशक्त क्रिएएह। उपाणि उत्ति পালি দেওয়া হইতেছে কেন ? ভারতব ৰ্যন্তিত ইংরাজী সংবাদ পত্র সম্পাদ কেরা প্রার স্বাদ্তি কিয়ণ কার্ডেন হার अहां जो हैरनर छ के रका शाम, किन्द ल्लाटकत्र अहे अकार मः कात, आंत्रतात्र

অন্ত্ৰাগাৰ হইতে বন্দুক সকল তাঁহাৰ আজ্ঞাতদারে বাহিব হইবার অসন্তাৰনা नारे वर्षे, किस डांशांत कुर्खवा कर्षाव প্ৰতি যে অনবধানতা প্ৰকাশ পাইয়াছে, ত্রিবার অণু মাত্র সংশয় নাই। অতএব भवनीय के कर्यानित रख रहेए मना थानात कार लहेशा चना हरछ दिशा कि অনাায় করিয়াছেন ? তথাপি এতকেশীয় हे-तौकी शब मणामदकता कारखन संत **खद्वार्फ (क " अवर्गटमाती व देवत्रनिर्याण्डानत्र** পাত্র ণ বলিয়া মুর্নাম করিতে সঙ্গুচিত इन नारे। में इं कथा वर्—वर्धात्म देडे-त्राशीव्यक्तित प्रश्न हत. अश्रीमकात देउ বোপীয় সমাজেব দেটা অভিপ্রেড নছে। ইহাঁরা সহজ্ঞ দোষ ৰক্ষন, তথাপি পাছে ভারতবর্গীয়েরা এরপ মনে करवन (व शाशकर्य कहिरल हेउँदर्शः পী। দিলের সহিত তাঁহাদিপের উচ্চ নীচতা থাকে না, এই ভয়ে তাঁছারা नकम (मांच भागन कतिया वाचिवाव (छ छ। भान। कारधन कर्दिशम मनकः डांव लाभनीय कांत्रवह वह, आंगः विलात এইরপ অসুমান हर।

উপদং হাবকালে আমরা পুনর্বার বলিতেছি, এক অমাত্মক সংস্টারের বলীভুত হইয়া সর উইলিয়ম মানস ফিল ডকে নই্ট করিবার চেটা হইতেছে। ইংল গীয় কর্তৃপক্ষ যদি এই চীংকার প্রবণ করেন, অভিলয় অবিবেচনার কাজ হইনে।

-:0:--

ফুল্ম গুল্পক প্রপারিকা।

আমর। ক্রজভাসহকারে স্বীকার করিতেছি, নিম্নিখিত মূতন পুত্তক ও পত্তিকা আমাদিগের হস্তগত হই. য়াছে।

३। स् किन विनिद्धात स्थानन द्रारक। स्थान त्रवाद। इरे पँछ। व्यक्ति ज्ञान क्रानी क्षाता हरेटक रेश्ताकीटक व्यवसान

क्रातन, जात नि निर्मिक क्लान्नानि देश वृक्तिक थ कार्गातक कतिशाहन । अञ्चन यात्रा दिन्तु प्राटनत वस्त्वित्ततत विटलव्यः মোণল রাজ্যের অনেক প্রস্তুত রভান্ত বানিতে পারা যায়। অবেওলের প্রভৃতি চারি ভাতার বে গৃহবিবাদ হয়, ভাহার ৰিন্তারিত র্জান্ত ইহাতে বর্ণিত হই-ब्रोटक् । विभिन्न ১২ वरमज्ञकोन क्लिक्ट-चार्त्स हिर्मिन, हेशेत मर्था ৮ वर्गत व्यात्र अध्यादेत जांकारते वर्षा किया ছিলেন। আরওজেব বর্থন কাশ্মীরে যান, তথ্ন তিনি দেই সম্ভিব্যাহারে গিয়াছিলেন। তিনি সমুদার স্বচকে प्रविश्वाहित्वन, अड वर डीहात दर्निक व्रञ्जान स नमिक थामानिक अवधा বলা ৰাহ্না। গ্ৰন্থানি উত্তম অকর ও উक्तम कांगरण मुख्यिक स्हेग्नारण, वांधाहेल **उख्य इर्ग्नाइ** ।

२। छख्विशा। अभूक बात् विष्य-ख्नाथ ठीकुत्र देशंत्र धानम्ब कतित्रादह्न। ইহাতে নিম্নালিখিত কয়টা বিষয় আছে। প্ৰথম, উপক্ৰমৰিকা; ছিডীয়, মূলকথ্ निक्तातर्वन अवामी; कृष्ठीत, देखित द्वांष् वृद्धि ও शकाः, हपूर्व, देखित्रपछि मृत তত্ত্ব, পঞ্চম, বুদ্ধিঘটিত মুগভত্ত্ব, বঠ श्रकाप्रकेष पून हत्तुः नश्रम, उलमः दातः, অইম, পরিশিউ। উপরিলিধিত বিষয় क्षात्र पुष्पत्रक्रण चारलांच्या कता हरे ब्राट्ड। अस्ट्र त्व त्व विवयत्त्रत्र न्यात्मानन कता हर, डाहांत नहिक अल्मीत ७ हेड-तानीव पर्णन भारतक ता ता जरानं একা আছে পরিনিটে তাহা উদ্ভ क्तिता (मध्या इरेपाटक । क्लाउ: धार्च हैं বানি তত্ত্বিকাস বাকিবিগের পকে विराग्य छेनकात्री स्टेर्ड । छोहाता यकि वहे अन्दर्शनि पणिनिद्यम नहकादत चारवारभाष, भाके करतन, वादीनचारन क्रेन्द्रविद्याक एक निर्नट्र नमर्ग रहे-



তখন ভোষার বিশ্বাস অপরিমন্ত্রীয় ও বিরা খার সহিত সমসসভত হইবে :

कान (व कि नवार्य छाइ: श्रकान कहा कटिन ৰে হেডু উহা কেবল ঐ জ্ঞান ছারাই বোধগদ্য বর, ভাছাতে বুদ্ধি কোন কার্বের আইলে মা। क्लकः स्थान नरस स्थान, ও निर्म्दल-युक्ति, अहे কর্মী শব্দের একই অর্থ, উহারা এক অধিপত্তির जिन्न विश्व केमाधि बाज । कान महान द व्यर्थ धर्म বে হেডু উহা এখরিক ধন্মের সন্ধিতিত হয়। উহা মন্তুষ্যের একমাত্র বধার্য ত্রাণকর্তা। উহা ধারা বছৰা পশুভাৰ, অসভাতা ও বার্যপরতা व्हेट केंद्रीर्व इंद्र, अवर चौद्र बाबाटक गर्कवाशी শংখাত্মার সহিত্ত দক্ষিলিত করে।

শিখাগোরস সক্রেটিস প্রেটো, ইশু প্রভৃতি क्षांत्रीयकांगीय महाबादा छेखा महस्र स्थान बहेएछ (य मक्य वांका कृषिया तियार्डन खाइ। स्रीवस मध्य ७ हिन्द्रकाम सामन्या छित्र जामन्त्रीय ७ বিখান বোন্য থাকিবে। কিন্ত জাঁহারা বুদ্ধি বিভাগ হইতে ইতিহাস প্রভৃতি ব্যবহার শাল ষ্টিড যে সকল বিষয় ব্যক্ত করিয়াছেন, ভাহাতে অম থাকায় এক্ৰকার স্থানিক্ত লোক খারা काश क्यांश दहेशाइ।

ত্রীজাতির এই একটা মহব ওপ আছে বে ভাৰা বা বিছাতের ম্যার কটিভি বিশরের সভ্য সভা উপসৰি করিছে পারে অর্থাং কোন বিষয় গুটিমাত্র ভারার বর্লার্থ সিদ্ধান্ত করিছে সমর্থা म्य । छेरा महत्व कान वा विश्वच वृक्तित्व कार्य। । কোন আঁকে জন্মণ সিদাজের হেডু জিঞানা করিলে জিনি ভাষা কদাচ বনিজে পার্টিনে ना। देशाटक जाचात्र इस्तेमका बुबाब ना, क्लकः বুজিব অল্পতা বাত্র প্রকাশ পায়। প্রাকৃতিক বিজ্ঞান শাল্পবিৎপশ্তিত বুদ্ধি সহকারে ধীরে থীবে ক্রমশঃ পর্যাবিদেশ পূর্বাক নিম্বাভের উক তম গোপানে আরোহন করেন, কিন্তু জীলো-কেবা ভাঁহার অধ্যে এককালে সেই সোপানের बक्दक केनबीक स्म। देशात एक अर्थ व सी-लाटक कीय महस्य काव छ शायिक मश्यात्रक বিখাল করেন ভাছাডে ভিনি প্রায় অমে পভিড হন না। ফিছু যদি কেবল বুজির উপর নির্ভর करतन खारा रहेरन शुक्रासत नहान खाँराइक अब कबिएक शास्त्र । कर्क वा विवादित वर्षों कि विकास गरिक कार्यात्रीकान वृक्ष काराज रामारणात्रा প্রশন্ত, ক্রডরাং ভাষাতে গমন কবিলে বিশুক युक्तिक अक नार्ष किना वाहेवातक मध्य, ফুডরাং বধার্ব জানরাজে। উপস্থিত হওর। क्टिंग रहेशा करेंग

ক্রমণঃ প্রকাশ।

विविध मरवाम ।

২৬ এ অঞ্চারণ লোমবার।

रिकृतिरेखिनिनी बर्मन " जामहा (व गंड मश्राद ক্ষতা কেলখানার ২ কর দৌরাঝাকারির विषय फेरलब कतिवाहिलान चुचान्नी दा करके বেডেরিজ সাহেবের স্থাবিচারে এক অভিযোগে जे हरे वाकित आर्जाक्द्र कांत्रिक शिर्धानम् ৭ সাস করিয়া ও ধিতীয় অভিবোগে ১- চাকা स्विमाना, मा तिरंत এक्यान कान्रादारमह अञ्चलक **ব্**ইয়াছে। কি**ন্ত ইহানেও 'লেজ**কাটীয়া সাপ

वाचात = मान्त त्वाव व्हेटल्ड । जामार्तत বেকেনার কারাত কর্মচারিদিগের জল বায় **भिवर्श्य भावनाक। »**

क्षपानलम विठातामम बाका भिन्नारहन, कांग्रे আলালতের যে সকল মকদমার চড়ান্ড নিম্পত্তি ও ডিক্রীজারি হইয়াছে অথবা শেব ডিক্রী জাবি অৰধি তিন ৰংগর গত হইয়াছে, সেই त्रहे त्रकालत नथि शक्ति वरतत मध करा हहेरत। আদালতের সমনের পুশুক ও রেজিষ্টর থাকিলৈ यरथष्टे रहेर्य ।

श्रामण्य विवादानद्वर अञ्चरवार्थ भवश्यके मुल्लकिनाटक एड शुष्टि मोकिटकेट विरात नहान्न এক এক জন পাখাটানা দিয়াছেন। কপাল (व्याच ।

वारमध्यत्रं कारमहेत्र हिनिश्राम कतिशाक्त কুত্তৰ চাউল টাকায় দ॰ সের, পুৰাতন ॥১ সের। बारमबार्व किकिश्मराया, बामरमबनुद्र किकिश ছুর্দ্দুল্য। কুবকেরা ধান কাটিয়া গালা দিয়া রাখি बाह्, शंन बाफ्एडरड ना, स्टब्स् वाकारव विकार्य जहार हा छेन जानिकहर ।

১৭ ই নবেধরে যে গঞ্জাহের শেব হয় ভাষাতে राह्मच्द्र कर्षक्ष ७),१७) खन ७ अकम ১,১৮,६१६ सन्दर्क मोशेश कहिबाद सन्दर ১७७९ মণ চাউল ও নগদ ২৭০০ টাকা বিভরিত হই-बाटक । अवे मखाटक व्यनाकात विक्यन ३६३ कन লোক প্রাণভ্যার করিয়াছে। পূর্বা সপ্তাই অপেক।) s • सम कम (क्या वाहे (कर ।

भविबाद देवकारम शद दि स्मान्य निज नर চরগণ ও করেক জন ইউরোপীর ভন্ত জীলো इन्बार्थ नियाहित्वम । नव सम नायम गर्थ। हिछ नियान नहकारत गृहीख हम, এ ४१ जाहार जब गर्ठन, नाविकविरात विका, कामान, श्रकृष्ठि विभिन्ना मञ्जे इरेवाडिश्मन। नत्स्य नार्यम नीज चाकिनत्रवित्रदक बांशकशुद्ध क्लांब्रद्ध समञ्जून क्षिद्रव ।

अक्टन व्यवादम व्यवादम कार्यमञ्जू भाजा विठात रत गवर्यक तार तार प्राप्त स्वित बाता বিচার করিবার আজা দিবার মানস করিয়াছেন। ब्रू त क्षेत्रा क्ष्मनः कनवंत्री अवनवंत्री हहेएकहः। अथांने फेरकुंडे, मान्य मारे, किंड मकन मबाब উপযুক্ত লোক মনোনীত করা হয় না বলিয়া (本)(西日 #月1

चारनक्षधांत ख्राट्य नात्म अकस्त ইউরোপীয় '' চিকিংসক ৯ চিংপুরেব এক জন व्यव विदक्षणात्र निक्रि २०० भावा मृह्या अक जब नरेवा है कि नरेवात जन। अक जन लाक ভাহ'র সলে দিতে বলে। লালবালারে আসিয়া त्म २६ होका मृत्ना क्रिन नवा। अथान इहेट ७ এक सन लाक मटन नहेल। लादकवा बाज़ीएड वहिएड नाजिन, उद्यारक्त व्यवादाह्य कहिन। किन्छ त्म गोर्काग्रात्मत्र कांका अवर जब ও जि-त्वत्र बुना वा विद्रा शलाक्षम करत । शकार चिवि-রপুরে খুড হয়। দেসিয়নে ভাহার কঠিন **भत्रिमारमय महिक इहे यथमय मिन्नाम इहेन्नारक ।** अभि फाक्स्याय के गाँव ला क कहेता।

পিয়নিয়র বলেন, সম্রতি অবোধ্যার অন্তর্গ ত वंशा स्थाद পडिल कृषित श्रति अकात शाहर ১ • টাকায় বিক্রীত ষ্ট্রাছে। এদেশীয় ক্লেডাই करिक। वथन नीलाएन क्रिम विक्री उ व्हेएक है. उथन इंडेर्झानीय मून धरनत अधिकातिमिश्रीक (मधा बाय ना (कन?

कानगुरवत क है। हैव शोभाव (का शामि क्रि-लिया इरेब्राट्स्स । हेर्ने क्षित्रदक महेब्रा खावलवर्षीय .ब्रम्बर्याख अड (भान्यांभ स्ट्राहिन।

লাহোর জ্বনিকেল ২েশ্য গভ বংসব বে नकम आक्रिमत ও अमा अमा कमाहादी कर्य त ज्ञात ता बाव वाहिएक का जिथ बहेता नमानरत ৰবছান করিয়াহিলেন, ভাঁধারা কুভক্ষভা প্রক-ननार ब्रामाटक अक व्योग,शांज छेगटकोकम क्षा इस । अदल्लीय बाकामित्राव श्रांक हेउँदर्ग পীয় কর্মচারিগানের এইক্লপ ভার হয়, এটা विप्नव क्रूट्यव विषय ।

मिल्ली (शास्त्रित काबुलिक्कि नश्यामगण বলেন, খুও ও অর্থাডের বে সকল সন্ধাব সিয়ার वाली चाँद महाबुखा कहाएड चाकिम ची शिर्मा ब्राख्न भनायून कविएक वाधिक हम, (महे इस सम नकीत्रक मृण्ड कविद्री का किन्या। वीशिमिरशर चंत्राकत्म कविद्वार्टम्म । विश्वतं छ प्याकवव शीव পুত্র জেনাবৃদ্ধির খা অ'ফসুস ও আলিম খার मिने तराव वित्रक रहेता जामनाव जावनीदर नमन क तिहारहम। गेहात छाछ जिल्हान स्रेता वाकस्त वा रीहारक युष्ठ कविद्रा व्यानियात्र सका विद्राटकत। का क्ये थे। नीख वालाशद्व मबन क्विट्वन । व्याक्तिम च न नक्त कान नम्न



স্থাৰ বিভাগ, থিতীয় বুজি বিভাগ ভূতীয় জান বিভাগ।

জ্ঞান ও বৃদ্ধি উভয়ই এীতি বিভাগ হইতে উৎপন্ন হইয়াছে। শ্রীতেই ফলুখেব শারীবিক ও নামসিক সমুদায় প্রকৃতের মূল দরপ।

श्रामक इंडि नकत्वय मत्या श्री चिट्ट खिटे खडाड बलवंडी। ऐटा मत्यन उंटिड क्यां, कृत्सन लगमन, अ क्योवन भश्योत नमछ क्रियांत वन ऐटिशामन करत। इस श्रामित क्यांल्य, वक्यांच-लग्न विभानका, मस श्री क्यां त्यांच्यां, व्यापन (मास्त्रमा, अ मिल्डिक क्योंच्यां, व्यापन (मास्त्रमा, अ मिल्डिक क्योंच्यां क्यांच्यां) हेल्यांकि म्युनाय भाती दिक मोर्थन श्री जित्सिय

মন ভব্ববিৎ পণ্ডিতেরা প্রীতিবিভাগের মধ্যে बुक्का अर्कनन्त्र्श, क्रियांगा श्रविधिष्त्रा জুগোণিৰা, বিবৎসা আসঙ্গলিপা, জণভাস্কে ও কাম প্রভৃতি নিকৃষ্ট প্রবৃত্তিব অব্বিতি बिर्मिन कतिहारक्त। विभिन्न व्यक्तिका हा, श्रांत বিধিৎসা ও জিঘাৎসা বৃত্তি প্রীতিবিভাগের অন্ত ৰ্গত থাকা অধুক্ত বোধ হইতে পাবে, কিন্তু ডে-বিস এইরপ মীমাংসা করিয়াছেন বে উক্ত তিন बुद्धि जाबुद्रका 🛊 जीविका निर्कारश्य चार्छाविक উপার। ইছার প্রমাণ এই, যে বিভাগ অপনাব 🛊 শীর শাবকের প্রতি অনুরাগ বশতঃ প্রতিবি– बिरमा बुखि जनुमादा उक्तकीरवर शंकार बाव মান হইয়া জিঘাংসা ও আর্দ্রনপাহ'রুত্তিব উত্তে-শ্বনা ক্রমে আহার সংগ্রহ কবে, ভাহা না করিলে উহার আপনার ও শাবকেং প্রতি প্রতি প্রকাশ वा रहेन्ना वत्र शिक्षित्र छोठत्व कत्रा व्यवना खान क्रमिएक स्ट्रेंट्र । এই विकाश मद्द्य मञ्चरपात मृहिष हेळत सहर कान श्राप्त मारे, किख यथन জীৰনের সাব ও বীজখন্নপ উক্ত প্রীতিরুদ্ধি .মনোক্লপ রুক্ষে আবোহণ পূর্বাক বৃদ্ধি ও জ্ঞান ৰিজাগকে প্ৰস্ফুটিভ কৰে তথমই মন্ত্ৰঃ প্ৰকৃ জিল্প মহত, গৌৰৰ ও দেবত প্ৰকাশ পাছ।

শীতি বিভাগ মন্তকের পশাদ ভাগকে অধি কার করিরা আছে, কিন্ত উহার সার অংশ মন্তি ক্রের মধ্যস্থলে থাকে, এবং তথা হইতে উহার শক্তি ভায় সহকারে সমন্ত শবীবে ব্যাপ্ত হর ' বেখানে জীবন দেই খানেই প্রীতি বৃত্তি দেখা বাস্তা। সমূদার বিশ্বমধ্যে জীবনের একটা মাত্রে খুগকারণ লেই পরমেশ্বর বাহা হইতে জীবন প্রবাহ অসংখ্য ধাবে প্রবাহিত হইতেছে এবং প্রক্রেক শরীর আপন আপন প্রয়োজন অনুসারে ভাহা পান করিতেছে।

ৰুষ্টিবিভাগ মন্তিকের সন্মুখে অর্থাৎ ললাট নৰ্যে স্থিতি করে। বনস্তব্ধিং পণ্ডিভেরা উজ ক্রিক্টি বিভাগের মণ্যে বৃদ্ধির ডি সকলের আলার নির পণ কবিয়াছেন। উক্ত রুডি নিচর দাব। বন্ধর আকার, বর্ণ, গুরুত্ব, কাল, ঘটনা ও উপম। প্রভৃ তিব জ্ঞান উৎপর হয়।

ষে ব্যক্তির মন্তিক চন্দুর উপবিভাগে কর্ণ পর্যান্ত অভ্যন্ত দীব ও প্রশন্ত তিনি বৃদ্ধিনান হন, ওাঁহার দর্শন ও প্রবণ প্রভৃতি শক্তি বিলক্ষণ থাকে কিন্তু ভাষ্ট্রেরক অলোচনা শক্তি ভাস্প থাকে না। যদি এবজ্ঞাকার মন্তিক বিলিষ্ট মন্ত্র বেরে পশ্চারাগ রহুৎ ও নিম্নগামী হয়, ভাগ হুইলে সে বিবাদী, প্রতিবোধকারী, হন্তা, উছত ও গোপনলীল, অথচ মিত্রান্ত্রাগ্যী কামী, শিংগ প্রিয়, গহাসক্ত ও নির্মাণান্ত্রক্ত হর। বানবজ্ঞা-ভির আলিপুক্রবেরা এই প্রকার মন্তিক ও চরিত্র বিলিষ্ট ছিলেন।

মন্তিকের সমুদায় উর্ভাগ আনের অধিকার : মনস্তম্ব শালানুসাবে এই বিভাগের মধ্যে উপচিকীৰ্বা, আন্দৰ্য্য, শোভানুভাবকতা, ড'ক্তি, षामा, नायुभवणा, बाधवमात्र शकुषि छेश्कृष्टे বৃত্তি সকল বিহিত আছে। মস্তিকের এই প্রদেশ यथार्थकरण '' धधारकत । विल्हा विर्वाहरू इरेब्राट्ड। উक्त विखान इरेट्ड मश्रा विधान, ভক্তি ও উপাধনা, অমর্থ ও ন্যায় প্রভৃতির काम, जाशाचिक विषयाम् मश्रातित रेक्।, यून সভ্য দৰ্শনেৰ শক্তি ও আত্মৰল ও সিম্বাভের ক্ষমতা বভাৰতঃ নিঃহও হয়। এই বিভাগ ছাবা मनुवादक शश बहेटछ श्रास्त्र कवा बाग्न, त्रार्क् কেবল মনুষ্ট উক্তরূপ উন্নত মন্তক ধারা বিভূ বিত ছইয়াছেন, অপর জীবের ভাছা নাই। কিড যে ব্যক্তির জান বিভাগ অভিশন্ন উচ্চ হয়, এবং থীড়িও বৃদ্ধি বিভাগের সীমার সহিত মিল লা থাকে ভাহার চরিত্র বিষয় ও অব।বস্থ হয়। ভাষার অসাধারণ ক্ষমতা থাকে বটে কিড বিবে চনা শক্তি থাকে মা। এ প্রকার মন্তিক হইতে जामक छेरकूष्टे बहुब मिर्गछ इट्टेंड शादि, কলভঃ তাহার সহিত কাল্পনিক ও অনুসূত্রের विवय मिळिष शास्त्र ।

এখন পর্যন্ত নানবগণ জানের বিষয় জন্ত্রই
লানিরাহেন। উহা বৃদ্ধি হইতে অনেক ভিন্ন।
আন মূলনভার উৎস অর্থাৎ উহা হইতে মূল
সভ্য সকল মনে উদিত হয়, আর বৃদ্ধি কার্ব্যের
ভাণ্ডার অর্থাৎ উহা হায়া প্রভাক্ষ বিষয় সকল
মনোমধ্যে সঞ্চিত হয়। প্রীতি সংজ্ঞা ও প্রর্
জির মূল কারণ। বৃদ্ধি নাল্ডিক, জান একেশ্বর
বাদী, ও প্রীতি পৌতলিক। বৃদ্ধি অভাবতঃ সংশ
রাপর, জান বিশ্বাসমুক্ত, প্রীতি উপাসক। বৃদ্ধি
পুরুষবৎ বীর্থা,বস্ত এবং সকল বিষয়া অব্যক্ত

स्वेशंत खन्य नकरमाण्डे निक्षांत स्त्र । छेशं विश्वानभूतः, इहेत्रा विश्वातः स्त्रम्यान कृत्यः छारात धमान नक्षय करतः। वृद्धित नश्य स्त्रान नारे, खिश्वाम् स्त्रान नारे, ५० व्याचारिस्राच नारे, এवः कार्रात कात्रन च प्रशामनि वः छिर्दात्म रकान विश्वात निस्तास कतिरस्त नमर्थ स्त्र नाः। वृद्धि स्वरम स्त्रमारात्र छेनत निर्मत करतः, अवः स्त्रमान नारेशं विश्वान करत्र ना, स्ववः स्वश्वस्त स्त्र अहेमाज, हेशस्य नक्षम विश्वान अक्षमान विनष्टे स्त्र।

ইলিলেবেণ্ রাজীর অধিকারকালে ইংলও নেশে বে সমন্ত এহকারের উদস্ত হয় পাহারা সকলেই প্রায় ললাই ভাগ হইতে আপন আপন কমভা প্রবাদ করিয়াছেন। পাহারা বুদ্মিনান ছিলেন বটে, কিন্তু হথার্থ জ্ঞানী নহেন। পাহারা কুদ্মিনান ছিলেন বটে, কিন্তু হথার্থ জ্ঞানী নহেন। পাহারির করিছেন না। কেবল ভুরোনপন ও প্রভাক্তর অন্ত্র্পামী হইতেন। উাহানিসের এহমধ্যে কেবল বুদ্ধিরভিন্ন সমধিক উৎকর্বের ছিল্ পাওয়া বায়, ভাহাতে জ্ঞানের কার্য, জভিবিরল। বালেহ, ভুক, কোক, হকর, শেরুপিলর, গভিনার ক্রন, প্রভাক্তর ক্রাণ, জভিবিরল। বালেহ, ভিন্তু, কোক, হকর, শেরুপিলর ক্রন। ফুলি ক্রন, প্রভাক ক্রন। ফুলি ক্রন। ক্রনি পঞ্জি ছিলেন বটে, ক্রিড প্রভাকে জ্ঞানী বলিয়া শ্রীকার ক্রনা হাইছে পারে না।

উক্ত জান বিশুদ্ধ যুক্তি শুরূপ। ধুদ্ধির ভি मकन विषय नहेश्वा कार्यः करतः, উहारमञ्ज नित्र চালনার নান एक, এবং নেই ভর্কের ফলকে নিভাত্ত ৰলা বার। কিছ ভর্ক অশেকা যুক্তি ব্দ্রপ শ্রেষ্ঠ, বুদ্ধি অপেকা ক্ষান্ত সেইরুপ। बीकि रेज्यमा पद्भग, किंद्र मर्गम भक्ति त्रहिक জান সেই চৈতন্য পূৰ্ণতা এবং তাহা দৰ্শন শক্তি वृक्ता कामी वाक्ति कार्वा ७ प्रद्रावर्गस्य अ-(भक्ष) करवन भाग कामरक अरक्षप्रवाशी पनि ৰান্ন ভাৎপৰ্ব্য এই ৰে উহা দেবতা অৰূপ সন্তুৰ্ব্যের ज्ञान्यतः थाकिया अन्तरीयहरू देशनवि करतः। छैश दियानकाती वृष्टि किख तनहे वियान नहस कान बाता छैरणम रहा। दुखि क्षक किर्मात উপর নির্ভন করে, ভাহাতে বিশ্বাস ক্রমে না। কিন্ত জ্ঞান মূল সড়েরে উপর নির্ভন্ন করাডে নিৰ্মান বিখাস অৰ্থাৎ আত্মগ্ৰস্তায় অন্ম। বলি ডোমার বিখাস প্রমাণ সাপেক হইল, ভবে ভুমি फ विश्रात क्य मा, स्वरंग जनगण हत। जाप वरि पृत्रि गरम कांग बांबा विदान कर, पाहा **र्रेश पृति अकामत्रात आनिएक भातिएक व्य** এই एएकोमन राजात वातरकत अक कर सेवर चारहब, जिमि मजायसण, गर्बरामी अविचा

ত। শ্রিষ্ক ঈশরতয় বিলাসাগরকৃত উপক্রমবিকার ইংরাজী অমুবাদ।
থোলিভেলিকালেজের সক্ষারী সংস্ভাগ্যাপক শ্রিষ্ক বারু রাজকুফ বন্দ্যো
পাখ্যার এই অমুবাদ করিয়াছেন। ইহাতে কোন২ মৃতন বিষয়ের সরিবেশ ও
কিছু কিছু পরিবর্ত্ত করা হইরাছে। এ
থানি বাজলা ভাষার অনভিজ্ঞ ব্যক্তিহিলের পক্ষে বিশেষ উপকারী হইবে।

8। शक्किवार। अवीति वासना पाँ**उ** ধান। 🖲 যুক্ত রামকমল বিদ্যালকার देशात महलन कतिशादिन। देशाट वा ক্ৰতি প্ৰতায়ধোগে প্ৰতি শব্দেরবাহণতি ७ लिकापि निर्वेश कता व्हेश्राटक, दर्गन কোন ছলে প্রমাণও সংগৃহীত হইয়াছে। भटनत य वर्ष कता श्रेताहर, छाराउ पूर्वक्ष इरेब्राट्ट। कलकः वर्षानि वक बानि मर्किश উৎकृष्ठे पांचिशन इहे श्राष्ट्र, बक्षा भनाशास्त्र निर्देश क्या बाइटक शास्त्र। देशंत्र धार्माना विषया **এই সাত্র বলিলেই শর্ব্যাপ্ত एইবে, সংগ্রহ** কার উইলগন লাহেবের ক্লত অভিধান त्राचा त्राधाकाच त्यत्वत्र भक्तकण्णेक्रम अवर वाशमूकरे ७ जत्रज्यातिक अज्जित कुछ अमन्रद्रकार्यन किना अवनवन कतिया देशात्र जक्रमान कतितारहन :

काणीरियाञ्चानिय। अवानि
गःकृष्ठ मानिक शिवका। गःकृष्ठत
प्रकृषीननार्वे वेदात श्रकिकता एवेताए।
पात किष्कृषिन शर्तत देदात श्रका प्रात्य पात्र प्र कतिरम पान देख, अवन देदात प्रकिक आहक द्वेतात' मञ्जादना रम्था यादे-रण्ड ना।

কোরহাটিছ সংবারদাকা লিখি-রাছেন।

১। এ অঞ্চল ওলাউঠারোগের প্রায়ভাব হুইরাছে। প্রভাহ ৫। ৬ জন ক্ষিরা ওলাউঠা রোগাকাত ও ২। ৩ টী ক্রিরা কালপ্রানে প্রভাইতেহে। ক্ষাউনিয়া, নানিধানী, পাইক

भाषा ७ चिष्मा शक्ष शास छैरात नविषक आहर्जान मक्षिण इंटिजरह।

- ই। আমবা সোমপ্রকাশে বেরিণী কোম্পানি কৃত আরোহকব বিষয় অবগত হইয়া ওলাউঠা বোগের প্রতীকারাথ ভাষা আনরন কবিয়াছি লাম। অনেক লোক ভন্মারা আরোগ্যলাভ করি ভেছে।
- ७। जाग ४। ६ दिन इहेन, चाँकेग्ना ब्राह्म कान प्रत्यत ग्रह हू ते हहेन्ना शिग्नाहा। संशक्ति उ क्रिसिट्स ब्राह्म ३००। ३२६ होका ज्यास्ट इहेन्नाहा।
- विक्वशृद्ध इहे वन वद्या हहेग्रादह। अरु अक मान अरु अरु बाहित क्षांन व्यथीर मन পতি আছে। ইহারা প্রায় সর্বত্তই আপনাদিদের ব্যবস্থিত বৃত্তিব বিস্তার করিতেছে। মধ্যে মধ্যে পদার শাধানদী কীর্জিনাশা ও মুসীগঞ্চেব নিক টস্থ মেঘনানদীতে অনেক নৌকায় ডাকাইডী क्तिया थारक। इंशता श्राप्त थवा शर्क मा, यान भट्डि, मेरे थाल रहे को। **डाहांत्र** कारन करे हैश निर्गर निम बार्य (र मक्त मधुनिस लाक बारहन, बाबादा छाहातिरात छएत ध्यांन छीए व विशव रहेरन भारह उँ। होनिस्तर नर्शव र विज्ञा লর এই আশ্ভায় তারাদিগের স্পণ হইয়া मुख्जिव छेभान्न कवित्र। (मन। अहे मञ्जापन बाह्यः व्यनाखन रामिन की खेनाना समीत महता काशक विशिष्टे महाक्रात्मव अरु निका सुर्व कवियादह । हैशांट जिन जन माना जाहर ब्हेब्राट्ड। अहे घरेमा दाखि बाम इहे थहरत्। मन्त्र स्त्र। चूर्र কারী দহ্যতিনিব কেক্ট খড হয় নাই। পুলিব মনেংবোগ পূর্বাক তত্মসন্ধান করিতেছেন। উলি चित्र महार्थः गमस्य गमस्य विज्ञान, सञ्चनित्रः उ कुबिलाट्ड यारेग्रा चकार्यः मञ्जानम कर्तः।

মেদিনীপুরস্থ সংবাদদাতা লিখি-য়াছেন:---

अवाव व्यक्तिन्द्रत निकाविकात नवत्व नित्र वृष्टि निक्ताहः। वाजनाव निकन श.क्य विकाशित कुछन्तं कुन देनल्लेके त्यस्तिके नार्य (य. मानवनीना नयदन कित्राह्न, जाहा व्यक्ति क्रवेष कार्यनः। कावाव श्राप्त क्रिय नश्चाद क्षवीठ हरेन कीतुक्क क्रोत गार्य क्षव विकारत सूपूर्व हरेना किनका प्रश्न नगर करत्न। नक्षाक स्निनाम, जिति ना कि त्यरे क्षवद्यार्ज्य नवीक देश्यक नथन क्रियार्जन । क्षानि ना त्य, क्षक नित्त जाहोत कि क्षवश्व क्षियार्जन । श्राम हरे नश्चार हरेन, श्र्रीव क्षात्र क्षियार्जन महाक्षा

২। অত্রভ, ইংরাজী বিদ্যালয়ের প্রথান শিক্ষক প্রীযুক্ত বাবু রাজনারায়ণ বস্তু মহাশন্ত্রনী প্রান্ত ৬। ৭ মাসু হইল একপ্রকার মন্তক মূপন বোগে আক্রান্ত হইয়া কিয়ংকাল বাসিতে ও কিয়ংকাল এখানে অভিবাহিত করিয়াছিলেন। কিন্তু এপর্য,ন্ত আরোগ্য লাভ করিছে না পারাতে আবার ৩ মালের অবসর লইয়া বাসী গমন করিয়াছেল। প্রভরাং বিল্যালয়নী মার পূক্ষ বং চলিভেছে না। আনরা ইশ্ববেব নিকটে কায় মনোবারের প্রাথনা কবি যে, তিনি শী্র জারো গালাভ কবিয়া স্বপনে থাকির। মেদিনীপুরের বিলে,লেভি ও ধর্মোর তি করিতে থাকুন।

७। (भागानम्य याव नारम अक कम पृष्टेधर्मानमधी कछा । कमीनाती अरधामां मुक्किदिन कार्य नगुळ दिनमा, दिन मण्डि कर विन बार्ष करिया अथवारनत करम आक्रिम धर्मेमा आयाहऊ। मल्यानन क्रिमार्ट्स । याहा इक्रेम, उहिन बार्षि मक्न धर्मानमधीन मर्थः पृष्टे हम, अवर हेश जानाधिमरभा भवन्ति हरू क्रिनाम अस्मि सुन्न भथ नाहित हहेर हरू क्रियाम अस्मि सुन्न भथ नाहित हहेर हरू

৪।পরসাক্ষানের বিষয় এই যে, একনে এখানে ২৫। ২৬ সেব ৮ উল টাকায় পাওয়া যাইভেছে। আরও অধিক হইবাব সভাবনা। জেলাস্থ ছান্তিক লীভিডদিগকে আত ডায় আত ডায় বন্ধ ও ৬। ৭ দিনের খাদোপযুক্ত তথুল ও বিছু কিছু পর্যাণ দিয়া বিদায় ক্যা হইভেছে।

প্রেভতত্ত্ব। ২৬ নংখ্যা।

(११ ३ १ राजिए छत्र भन्न)

मान्तित अकृष्टित भवतारम हना।

समूर्य।त रमान जखन किएक प्रियंत जिन्हें भूषक ज्ञान जिन्हों क्या। श्रवम जीदराव जेश्य विजीत श्रकाक विश्वपत जाउंद। ज्ञाने वृत्तमण्डात जेश्य। श्रवणा नाम श्रीकि व। ज्ञान

र्म्युक्तामातः यह स् तः

এবাব কলিকাতায় দেউ আগুর স্থাবনাপ ভোল হয় নাই। কিন্তু বোধাইয়ে এই প্রথা পুন জীবিত হইয়াছে। কলিকাতায় স্কর্চাদধের ''পীরের শ্প্রতি ভক্তির জল্পতা হইরাছে।

ইংলিসমান প্রবণ করিয়াছেন, নদী পুলিবের দারা লবণের রক্ষা কার্য, সুক্ষবরূপে সম্পর হওয়াতে প্রবন্ধি উপুলিবের প্রবাসী ও ক্ষমতা রন্ধি করিয়ার মানস করিয়'ছেন।

উল্লেপত্র বলেন কপু বতলার বাঙার জাতৃকুণ কেবল গৈতৃক সম্পত্তে নয়, বাজাকে বিলোহেব সময়ে অবোধার যে সকল জায়নীর দেওয়
হয়, ভাছা।ও কংশ লইবার সেটা ক্ষিত্তেকেন।
আমরা ইংলিসমানের কসুমোদন করেয়া বলি
ভেছি যাগতে মীমাণ্সা হয় পঞ্চাব গ্রেপ্তি
ভের সেই চেঠা পাওয়া উচিত।

কিছু দিন হইল গ্ৰণ্ডেক মধ্যানিয়ায় কৰিয়ার কাৰ্ব্য দৰ্শনাথ পণ্ডিত মানকুলকে প্রেরণ কবেন, জনরৰ উঠিয়াছিল পণ্ডিত হত ক্ইয়াছেন। কিছু সম্প্রতি তিনি ভাবতবর্ষে প্রত্যা গ্রহন করিয়াছেন। পণ্ডিত দীয় কলিকাতায় আসিবেন।

ক্ষিয়েরা মধ্য আসিয়ার মসিদ ও মন্দিব বাজ্য করিবার জন্য অনেক টাকা বংগ করিছেছে। এরপ জনকাত ভিরতের লামা ক্ষিয়ার শৃতিভোগী। ফলভঃ ক্ষেয়দিশের কার্য্যে সকল লোকেই সহাই হইয়াছে। প্রভুশান্তা শব্দুল করিবার এই এক উত্তম উপায়। সেঁ দিবশ আলরা এক জন আফগানকে জিল্লাসা করিবাছিলান " ক্ষায়োধা কাবুল লইলে ভোমধা কি করিবে সিলে তথ্য লাখ করিবা হল্য উন্তোলন করিয়া বলিল ' গালি হইয়া ভলবার হল্যে প্রান্তব্যা করিবান এই বেলা কাবুলের সহিত্য বন্ধতা করিবান এই বেলা

হিন্দুপেটি মুট সপ্রতে বংশাহনের মাজিটেট সময়ো সাহেবের আইন নেরছ কার্যের কয়েকট অুণাকর উদাহনণ এদশন করির ছেন। গ্রেণ্নে ক্রের এবিধয়ের অস্তুপন্ধান করা আবশ্যক।

স্প্রতি কানাড়ার রাজধানী বুইবেক নগরে আমি লাগিয়া প্রায় ৩০০০ গ্রহ দক্ষ হটরাছে।
ছুইবেকের অধিকাংশ ব টা কান্দরিন্দ্রিত বলিয়া
এত অনিষ্ট হয়। প্রায় ৬৬ লক্ষ টাকাব সম্পত্তি
কিয়াছে। গ্রহ হীন লোকদিগের সাহায্যার্থ চালা
ছুইডেচে, ভর্তা গ্রহণ ক্ষেন্ত্রন ২০,০০০
জীলু প্রেরণ ক্ষিয়াছেন। এদেশে এরপ হুছ উনা
ছুইজে লাসন ক্তুগণ কথাও কাহতেন না।

२१ अ अधाराय ममनवातः भ्रम्भाष्ट्रस्ति स्वत्राह्यः

বারু প্রসরকুমার ঠাকুর পুনরার বঙ্গদেশীর বংব-স্থাপক সভার প্রবেশ করিয়াছেন। প্রসরকুমার ঠাকুর অভিশয় সৃদ্ধ হইরাছেন, স্পত্তএব দিগদ্বর বারুকে পুনর্কাব মনোনীত করিলে ভাল হইত।

গত শনিবার এক জন মুটে লালদীমীর নিকটে ৪,০০০ টাকাব নোট কুড়াইয়া পার। সে
তংক্ষণাং পুলিষে গিরা ইহা প্রদান করাতে নাটব অধিকারী তাহ র সাধাতার পুরঞ্জারের জন্য
১০০ টাকা প্রদান কবিয়াছেন। অধিকারী এক
হন এতাদেশীয়।

মধন্টোহতবর্ধন প্রাধান কমিসমর টেম্পাল সাহেব জাপনার নিকট আন্মীয় কার্থাক সাহেবে? স্তব্য ব্রুলাব কনিসনেরর পদ স্থান্ট করিঃ তাঁ-ভাকে ইছাতে নিযুক্ত করিয়াছেন। মাসিক বেতন ২০০০ টাকা! কার্থাক সাহেব অন্তি অন্ত নিন সিবিলিয়ান হইয়া আসিম্লাছেন। নিয়মিত থাজ করিলে তিনি দি চীয় জোণর ফাই ট মাজিটে-টের বেতন ৭০০ টাকা মাত্র পাইতেন। ইংলিগ ম্ন বলেন, বার্থাক সাহেব প্রধান কমিসনত্বেব ভোজের উত্তম উদ্যোগ করেন বলিয়া এই পদ পাইয়াছেন। বে দেশের প্রধান শাসনকর্তা প্রত্যক্ষ ১০৫ টাকা ভাতা লইয়া বংসরের অধিকাংশ পরত্বে বাসিয়া নানা ক্রীড়ায় অতিবাহিত কল রেন। সে দেশের নিমন্ত শাসনকর্তাবা তদপুরুপ কাল্ল করিবেন সন্দেহ কি ২

কলিবাভার পুলিবের স্পরিনেটও ট এবস ছতিকের সময়ে গৰিলেথ কার্যদেশতা প্রদর্শন ক রাতে সভাপতি জাঁহাকে শত টাকা পুৰন্ধার ও প্রদংসা করিয়া পত্র লিখিয়াছেন। এটাকা ছভিত্যের ফণ্ড হইতে দেওয়া ভারবেচনার কাজ ছইয়াছে গ্রথমেটের এসকল পুর্ভার করা টেটিড।

কলিকাতার মৃতন মা. জটেট, এ। পন সাহে বের নাায় ইউবোপীয় অপরাধিগণকে ভাজিনিতে সঞ্চিত নহেন। মেরি মাটন ন'বে এক
ইউবোপায় জীলোক মুরাপানে উপত হইয়া গোলবোগ করাতে ভাষার ২৪ ঘটিকা মিয়ান হই
য়াছে। প্রাপন সাহেব পিতক করিয়। ৯ ছাডিয়া
লিতেন।

কথাচি ও ৰোৰাই পৰ্যন্ত এক সামুদ্ৰিক টেলি আফ করিবাব প্রস্তাব হইতেছে। ইহার বিশেব প্রয়োজন দেখা ঘাইতেছে মা।

ণ ই দেব্রয়াবি বোধাইরের আছাম্পদ ও ভারতবর্ষের শরমবন্ধু লাগনকর্তী সর বার্টন ভ্রির পদতাগ করিয়। ইংলতে সমন ক্রিবেন। ২৮ এ অগ্রহারণ বুংবার।

টিপুবংশীরনিবকে বখন ৫২ লক্ষ্ টাকা বেও
রা হর তথকালে লাড হালিফার এই কথা
বলিরাছিলেন হাহারা রসাপাললায় না থাকিয়া
ভিন্ন ভিন্ন হামে বাস করিবেন। কেহ কেহ ভাষা
করেন। কিন্ত প্রায় সকলেই মুডন বালী বিক্রন্ন
করিয়া রসাপাললায় প্রভাগিমন করিয়াছেন।
ভারতবর্ধীয় গবর্গদেও ইহাডে অসভোধ প্রকাশ
করিয়া রাজকুমারগণকে বলিরাছেন, ১৮৬৭
তক্রের অভৌবন্ধ পর্যান্ত বলিরা ছানাছর না
হইবেন, হাহাদিগকে টাকা ফিরাইয়া দিতে হইবে। পোলনের ভজাবধায়ক বলেন, রাজকুমারদিগেব ঋণ পূর্নাপেকা ক্ষিক হইছাছে। এসকল ব্যক্তির শীজ চৈতন্য হইবে না।

দিলী অবিকার করিবার সমত্যে বিদ্রোভিদি গোব যে সকল সম্পত্তি সৈনাদিগের হওগত হর, ভন্ময়ে মতি বেগলের ৬০,০০০ টাকা চিল। বেগম বিদ্রোহে লিপ্ত হন নাই। তিনি এই টাকা পুন: প্রাপ্ত হইবার আবেদন করেন এবং গুরাগনিট্রির সাহেব তাঁহার সহায়তা করিয়াছিলেন। বেগম মৃত্যুকালে এই টাকা উইল করিয়া ভর গান^{ক্ষা}বর সাহেবকে দিল্লা যান। দিলীর কমিনরের নিকটে এই মকজনা হয়। এক্ষণে পঞ্চাবের প্রধানতম বিচারালয় ইহার আপীল প্রবণ করিভেচেন।

কলিকাভার গড় ন ষ্ট্রাট কোম্পানি থেউ লিয়া হইরানেন। চাক্ষেত্র এই কোম্পানির ধাংসের কারণ।

৪) গণিত এতকেশীর পদাতিক দলের কা-প্রেন রবাটিগ আগরাতে তারপুরেব বাজার প্রদান্ত ভোজ দিবলে মাতাল হইরাছিলেন বলিয়। তাঁ-হাকে সামরিক বিচারাদয়ে অর্পণ করা হইবে।

লাহোরক্রনিকেল সংবাদ পাইরাছেন সম্রতি বিলাজিনিজিলিতে সিল্লার আলিখার সহিত আভ্যানক যুক্ত বইরাছে। একদল ব্যাক্ত পোনোলারে এই সংবাদ আনিরাছে।

वाक्यारकात छाण्यत मह बर्गम किस शतीका करिया प्रशिक्षा करिया रिवारका स्थित के गर्म वृद्ध वृद्ध स्थान स्थान करिया सिक्ष क्ष्यू करिया सिक्ष क्ष्यू करिया सिक्ष क्ष्यू करिया सिक्ष क्ष्यू । सिक्ष मिक्ष वृद्ध । सिक्ष गर्म पर्यास करिया करिया सिक्ष वृद्ध । सिक्ष गर्म करिया करिया

शारत यात्र । अक मर्ग ध्यंत्र गर्गटक प्रश्यमं कात्र क्षा किष्ट्र इत्र ना । खाख्यत्र महि इति गर्गटक शत न्यत प्रश्यम कराहेना क्षाविद्याद्यमः ।

বন্ধনে বিশ্ব বাছ বন্ধনী সভা আগবা কানপুর
সাম্বে কানী ও দানাপুরের অ'ছ। বন্ধাব বংশা
বস্ত দর্শন করিতেকেন। তাঁহার এমানের পেনে
কলিকাভার আসিবেন। এতি কয়েক মান ন হা
আপনাদিগের অ'হা বন্ধা সিমলায় বসিয়া
কবেন। শীত ভিনমান নৈনিক লিবিবের প্রতি
দুউনাত হয়। তাঁহারা যে নাম ধাবন করেন,
এবং যে জন্ম মাসিক ১০,০০০টাছা বংম কবান
ভাহার কিছুই হয় না। সর জন লবেছের অধীনে
ভালই কর্মচারী অকর্তব্য সাধন ক ইণ্ডেছেন।
, এভানিন ২৪ পর্যাণা মনীয়া ও যশোহর নদীয়া বিভাগ নামে বিখ্যাত ছিল। এখন অব্ধি

ইহার প্রেসিডেলি বিভাগ নাম হইবে। নীমচ ও নসিবাবাদের রাজাব জনা উদর পুষেব রাজা ১,৮০,০০০ টাকা প্রদান কবিয়া ছেন।

রাত গের অকুলান হওয়াতে মালি সাহেব কলি কাতা বোধাই ও মাজোজের ছোট আদালল সং হের উচ্চু ত টাকা সকল সাধারণ ধনাগারে লইবার জন্য ভাবতথবীর ব্যবস্থাপক সভার আগামী অধিবেশম দিবলে এক বিল উপস্থিত কৈবিবেন।

काउ नाथ जिलाव जारहर कितकाखात विके जञ्जानारवत जखार्थाछ । उनवीष ये जञ्जानारवत ग्रांशिक मार्याहर खान्न कर्योंन्न वात्र वालानारवत ग्रांशिक हरेग्न रहन । किश्व जत खन नर्यण जिलाव गारहर्यक वहन ना करिया खाउ न किनाव का ल्लानित खर्मी किनात जारहर्यक मरनानीछ करियारहर्म। किश्व केंद्र तालीग्न जना खा विवक हरेग्न रहन। किश्व केंद्र रिगा जाना खा वालाक खामानिर्गत अक्षावकाण म्लांशिक वालानिय जा नरह, अवर जिलाव जारहर्य हेरवाल महन।

করাশী স্টাট আরোগ্যসাভ করিয়াকেন।
একংনি ইউবোপীর সংবাদ পত্র বলেন ডিনি
এক্ষণে পারিসে প্রভাগমন করিয়া নিয়নিত
ভ্রমণ ও রাজকার্যা করিতেকেন।

निमीटि क्राकिंग स्ट्रेप्टर ।

সম্প্রতি মিড়লটনরোর বিবি মরের বোড বাটীর কাপ্তেন সারিনারের উড়ীয়া ভূতা গলা লাগ হাল হইতে পভিত হইলা প্রাণত্যাল করি রাছে। করণারের জ্বি রত দিরাছেন, মৃতব্যক্তি বেক্ষাপূর্মক ভূমিতে পড়িয়া আত্মহত্যা করি রাছে। ভূতা চুরি করিলাছিল, ধরা পড়িবার ভ্রুপ্ত ইলা করিলাছে। কিন্তু জন্মন্ত্র অন্য প্রকার

এবং কাপ্তেম মারিমানের জবানবন্দী ভূতিকব নহে। এবিধয়ের পুনর্জার জন্মসন্ধান জাবশ্যক।

২৯ এ অগ্রহারণ বৃহস্পতিবার।

বোরাইরের সূত্র শাসনকর্তার এই বর্ণনা করা হইয়াতে, তিনি পূর্ব্বে টোরিনান্ত্রবর্গর করীনে অগুর সেক্রেটারি ক্লিনেন। তিনি বাস্ত-বিক এক জন বোগ্য ও শিক্ষিত বক্ষা ও তর্ক-কারী, তাঁহার জনেক বিষরে চুক্তি আছে এবং গোরিদলের তিনি এক জন প্রধান প্রতিনিধি। সর সাইমর কিচজারালতের সামাজিকগুলও প্রশংসনীয়। তিনি অহস্কার শূন্য ও মিষ্টভাষী। শেষোক্ত গুল এ দেশে অভিশন্ত আরশকে।

সম্রতি পঞ্চাবে এক জন দীক স্থত্তধব এক সূতন মত বংচিব করিয়া বিস্তর দিবা করিতেতে। পঞ্চাবেব শাসনকর্ছা এ ব্যক্তির উপরে চৃষ্ঠি রাখিবেন।

ইণ্ডিয়ান ওপিনিয়ন বলেন, কাশীবেৰ বাজা ভিৰতে বে চুটী প্ৰদেশ জন্ম করিয়াছিলেন, ভাহা পরিভাগে কবিয়াকেন।

মধরার বিথাতে গলী শেঠ সন্ধানী রাও
বাহাছবের মৃত্যু হইয়াকে: বিল্লোকের পর ইনি
এক জারগীর ও রাও বাহাছর উপাধি প্রাপ্ত হন।
হার কন্মীর্চালকে দেওয়া উচিত চিল। এরপ
জনক্রাতি ইনি ৪ কোটি টাকার সম্পত্তি বাজির।
গিয়াছেন । উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে লন্মীর্চানের
নায় ধনী কেবল সাবিধারীলালকে দেখা
গার।

আদিরাটক সোপাইটিব গান্ত অধিবেশন দিবসে বি, বল সাহেব এক পত্র পার্চ কবিয়া বিংশতি প্রকার বনা শাক ও কলের বর্গনা করি ছাছেন। ছর্ভিক্ষকালে মানভূষের লোকেবা এই সকল ধাইয়াছিল। ইহাব কয়েকটা অভাত্যকেব নহেন বজ্ঞতঃ সাঁওভালেরা বনেব অনেক ফল ধাইয়া থাকে।

বোৰাইছে একদল বলন্টিয়র হইয়াছেন। বল-বিষরগণ বছকো মাার ঐতিহার আংপ সহঃ করিছে পাবেন মা।

কয়জাবাদে একটা ব্যাক্ত হইতেতে, তর্তা লোকের বন্ধে পার্শিক সাহেব ইহা করিতেছেন। নকথলে অনেক বাক্ত হওয়া আহ্বাদেব বিষয় নহে। নগরের লোকেবা বুরিয়া কাজ করিতে ভানেন, কিও পলীআম্বাদীবা এক বার সর্বা– শাস্ত হইলে আব শুধরাইতে প রেন না।

বেক্ষাপূর্মক ভূমিতে পজিয়া আত্মহত। করি পনিমপ্রকার কোম্পানির কি ছর্কশা ধরি- বর্ণের স্থানীনতা রক্ষার্থ ব রাছে। কৃতা চুরি ক্রিয়াছিল, ধরা পজিবার রাছে। এক মাণের যথো তাঁহাদিগের পাঁচ ধানি বিষয়ে এই কথা বলা হ ক্সপ্লেইং। ক্রিয়াছে। কিন্তু অন্যর অন্য প্রকার জাহান্ত বিক্লাও তথা হইয়াছে। এই গোলবোগা বিশয়ে বলিবাব ক্ষতি কি ?

বিৰক্ষ কলঃ হুটি ষেইল এক বিৰসে আসি-য়াছে।

পণ্ডিত মানফুলের সন্থিত সুজি করেজবল ও মৌলখী বহুসদ হোনেন ভিন্ন ভিন্ন পথে সঞ্চ আসির'য় প্রেরিড হন । ইইারাও প্রভানামন করিভেড়েন। পণ্ডিত মামফুল বলেন কাশ্দীর व्यापमा अवस्कृतान मानाम्य कृता । जिनि छ्या -रहेए अत्नर धाकृत जामर्ग जामितारहन। द-खाउः अहे श्राम्भ धाउँव **व्यासम अ**सि व्यारहे । পণ্ডিত বনিকেব বেশে গিয়াছিলেম, ছুভবাং **डाँशांक (क्रक्ट) करू वर्णन नाहै। जिनि (बाजि** স্থান, সোহা 😕 ও হাব দিয়া গ্ৰম করিয়াছিলেন, क्षियमित्रात्र वर्षा म र्राज खावन कशिरता. किस অরাতপায় বোধাবীয়দিগকে পরাজন করিবার शत्र छाहादा (चाट्ड एक्ट अम्टिक चाहेरत नाहे। যে সকল দেশ মন্ত কবা হইয়াছে ক্লবিয়েয়া ভথায় আপনাদিগের ক্ষতা চত্ত্ব ক্ষিতে ৰাজ पारकः । हेशत शृहर्त्त मात्र प्रधानत स्टेरन मा। काबुरमञ् विवर्ध मध्यकृत बर्दान शहर ब्रोस कवला व्यक्तिव चाँत राष्ट्र जारह, जाकबून ची নাম যাত্র আমীর। পণ্ডিভের কথা শুনিয়া এক বিষয়ে প্রাচীন বিষয়ের অনুসরায়ীদিগের কৌছু-इन दृष्टि इट्रेंट्ड शास्त्र। काचीत्र शाहीनकारनत अववाद जी अवः देश्लारम बहारम् द्वत्र वान विनश वर्विक इहेब्राट्य। त कारनता (चात्रांत्रांत्र सहेट्ड चारेरमन । यहक्यांन छ देवकुश्रे नरह ?

मधानाहर्वेत वावल मरवारम्य मरमा मुहे करेन, मध्य छ (वाधावाव मामा जाकभून सीम निक्टि इंड (धर्भ कविया प्रार्थि धार्थना कद्भम किन्न अक्षाल की दलियादिन कीशव नारीया ক্রিধার ক্ষত। নাই। মুক্ত এক শভ সহচর প্রয়া ক বুন হ**ই**তে পেলোয়ারে যাত্রা করিয়া-(इस । (ब'बाया । ताङा अक श्रेष्ठ अवर्नेद्र (सम्बन्न -লকে ও এক পত্র ধা হ্রীকে লি।ধয় ছেন। গ্রব্র क्षर्यंत म'ह'यामार्य व्यम्बाङ व्हेरन खिनि क्य क्षेक्तिभागता भवन कतिरुव। वना कानियान लाकिकत्तित अम्,रिन्ड मश्कात आहि पुत्रदेवत क्षणहास मर्शनकिमान । मुठ वरमन, सविद्वतः বোখারার ছই ক্লেন্দ্রক্ত এক পরীএ'ম ক্ষেধি-काव कविया नाना अफ फात स्विट्टर ! देशात-कृत्म विश्वत कृषिय रेनना जानिएडरः। बिध्न शवर्दमा हेत कर्खवा (व उंशावा कविम शवर्दान-केटक बरनाम (वाथावाय चारीमणा तथा कामण-वार्यत्र चारीमञा तकार जारमाकः। हितारहेत्र विषाय अहे कथा वना रहेगाइक । वाचातात व्यक्तिमन व्यात्रष्ट ब्रहेरतः

क्ष अब देखिया वालम, अ वरमय अमर्क **चारम्य : चार्ट**स्सर मर्गायस इट्टें सा । यह-मिनीव शवर्शनान्ते व लेबाहरून क्रियर के छ अछ आहेन स्टेब्रांट्स विकृष्टिन विकास आविनाकः। भावता ७ এই कथा विन : > व्याहेत्मद्र मश्रामा -थरमत् द्रशासन माठे। अभ'नत्य विहातानस्त আক্রাম কর বৃদ্ধিব নিধ্ম স্থিব কইয়'ছে।

উক্ত পত্ত বলেন, মার্শমান গাড়েবের ভারত रत्व इंडिइंट्रिन विडीय्यक नीज श्रकः। निष् इ**ই**ৱে। যাৰ্শ্যান সাহেব সহস্ৰাথণ্ড প্ৰকাশ কলন क्षिष खाँश्र हेजिश्म नीत्रम, हेश विश्वविष्णाण-(अब भारे। भुक्षक मर्था त्यम मा शहक।

मञ्जिष्ठि कत्ममग्रहास्य निकार लाजावरी काहारखत्र माविरकता शत्रण्यत माना कवित्रा मामा অভ্যাচার করাতে গবর্ণমেট আলোক বাসিধ स्नित्रिकेर केरक माब्रिकिए के का भारत भाग कतिशास्त्रमः।

इंश्विममान बरलन, मध्यांख (वासावेदवर विनंश त्रिमना खाशास्त्र फेटिएड इत्सन, खानाव -পদ স্থলিত হয়, কিন্তু সৌভাগা বলতঃ এক দড়ি थतित्रा जिनि अलिया भारतन, जाशास्त्रव न वि-(क्या काशांक ब्रक्श करव।

উक्त भाव बर्ताम, इंश्वाक्रमिश्य क्रिक्ड রক্ষদেশ ব্ইতে পশ্চিম চীনে বাস্থা কবিবার জন্। সমুদায় বাম কেওয়া গৰ্ণয় ক্ষেনবলেৰ অভিপ্ৰেত নহে। তিনি বিটিশ সীমাণ বাহিরে বাতা প্রক্তত कतियोद अथवा अदिश कविवाद नाम निएक हा हम वा । अ त्राच्छािटेड वानिटकात्र शतक नित्नव अविधा स्टेर्ड शास्त्र। किछ ये किम मिक्किन हीन ও तक्तरितनंत्र वस्य (गारकः) भारत्याव धार्य ना করিতেছে ডজ দিন বাস্ত। করা বুধা অর্থনাশ।

। हाइन्द्रस्य महाइक्षक क . क

जाबदा अ मखाट " हिसा प्राममण अदि-क्रील गतकूनत " नामक अक्शांनि देशनशीत मरवामण्ड शांख रहेग्राहि। अहे मरवामण्डात অধ্যক্ষণণ এতকেশীয় সংবাদপত্র সকলের সহিত विविधन शार्थमा कतिएउएएम। याथना हेराएक ক্ষেক্টী ভারতবর্ণীয় ভাগার বিফাপন দেখি-लाब । बामना कावान विस्कृष्टा माहे वटने किन्छ नीज (य फारा रहेरन टाहार विलक्ष्य मधायन। ७१৮ होका जात्र ७ ४,৯१,৯) ह होका वात्र आर्ड । आवता आक्रांतिक इहेलाम बांकला विवाद १,७৮,२०७ डेका अक्लाम इहेताहा। भावत जोत्रत देशमाध्य व्हेट्डार । अवता कृति व्हेट्ड ১,১৭,৯১१ होका कांत्र व्हेल्लाइ, आमां मिश्मन बक्तवा अहे, वापला ममाठ'वनाता किन्त मः अत्मत वाम के ४२० विका ! लवन सहैरक

चानामी कथा। चात्रकर्वीद्र व्यवश्रापक महात | मण्याहकविद्याय विद्यस महर्क इहेग्रा मकन विव (त्रत्र खालाहमा कता छेहिछ।

इक्तिक्व कविश्ववंशन व्यक्त श्रीकाकात्व ফিরোজ বাস্ণীর জাহাতে আরোহণ কবিরা श्वीरक बादा क व्याह्म । एथा स्ट्रेंग्ड काहावा কটকে, তংপৰে বালেখনে, ও খেলিনীপুর হইয়া इननी विद्रा ताल्यांनी एउ अस्तानायन करित्वम । হাঁছারা বোন প্রস্তাব করিতে অথবা কোন বিষ-(युत्र मध्याम निर्फ ठाँट्य, क्षिम्बद्धान छोश बाक्शाम श्रृतिक खर्ग कित्यम ।

ভানতবৰীয় সভা সম্প্ৰতি লেপ্টনত গৰ্ণ-रबद निकार है हर्जिक महत्वा अक जारवान कविहा काज अ कता जना रेडिहानीय क्लान नाम এখানে कृषि সংক্রাস্ত এক ক্রম মন্তিনিয়ে: দেব প্ৰস্তাব করিবাছেন। আগামী বাবে এ বিষয়ে আমাদিগের কিছু বলিবার ইচ্ছা বহিল।

इरलिन्धान लेटन करिशाद्वन, वधनातिर क्षिणनत । रोक्डाव माक्तिके लक्षन ए-পুৰী মাজিকৈটকে স্থানাত্তবিত কৰিবার বিবয়ে विवास कविता छैकाश्रई शवर्व मरानेत निकरण প্রস্পধের বিরুদ্ধে রিপোর্ট করিয়াছেন। সিবিলি লানেব সাহত বৈদনিক কর্ম্যারির নাার পুর্যতন সিবিলিয়ানেৰ সহিত পরীকোন্তীৰ সিবিলিয়ান-क्रित्तत्र मर्त्ताम विवास (मथा योक्टिक्।

উক্ত পর বলেন, সম্প্রাত বঙ্গাদেশ ও উত্তব পশ্চিমাঞ্জেব লেপ্টনট গ্ৰগ্ৰেবা আগবায় এই স্থির করিয়াছেন বঙ্গদেশের ন্যায় উন্তব পশ্চি মাঞ্চলেব অন্তর্গত ভারতব্যীয় রেলওয়ের **प्यश्य गडीकार्थ शवर्शदाल्डेड मूलिंड ज्ञांनि**ङ बहेरत । व्यनवारी निगरक युक्त करिवात विवास উত্তর পুলিব সুপরিকেতেকের উত্তর বিভাগে সমান ক্ষড়া থাকিবে। অধাৎ উত্তৰ পশ্চিমা-ঞলে কেহ অপরাধ করিলে ভত্ততা পুলিব বিনা অনুমতিতে বৃদ্ধেশে আসিরা অপরাধীকে শৃত করিতে পারিবেন। জন্য জন্য বিবয়ে উাহানা প্ৰভন্ন প্ৰভন্ন দায়ী থাকিৰেন। ভারতবৰীর রেল एरबात १०४ माहेन रक्षापाल ७ ११६ प्राहेन छैसर পশ্চিমাঞ্লে আছে। এক জন প্রধান সুপরি (केंद्रुके बाका व्यावनाक।

ऽ ला (भाग मनिवात ।

शक जात है बार्य घरा कावडवर्द ७,२৯,

৯৪১८ होका बाज बानाव किन्न नवन विकारभंत बाय ७५, • ১२ होका ' किम्मत्व ७ छोहात्र व्यथी-नष्ट कर्पहातिमिर्गर निभिष्ठ ७১, १२१ होका निक ब्राट्स. कि ह विहास ख शूनिटयत किया ३,६৮२३० होता (मधा बाहेटखर है। हेहान्य इहेरफ १०,० · ৮ টাকা ও আৰুকারী इहेट्ড ৮·,৪৫১ টাকা वांत ब्हेश्राटक । क्षत्रायय अंत्यां क्षेत्र वश्य र ५ १० १० ७ विजीरवात २७३२ होकः। वरनत्र बाहा माञ् ক্রমশ: অনিক হইতেছে। ভূতপূর্ব্য রাজবংশে। শেষনের নিমিত ৮০,১২৫ টাকা পভিয়াছে। अहे हिनाव पुर्विकत नरह। वखाउः स्थम (यथा वाहेट विश्वमविश्व छ श्राटान्त (त्रीकाना थाश काशरक (प्रथा यात्र । (साक महर्षे महत्त्व. ध्योषे कांक ६ इत्र मा । (य नक्षांव भागरमत्र सम्) गत क्रम नात्रक **উপयुक्त भागनक**र्का व्यवद्या (ए (भर गवर्षत्वावनरम ना इंडग्रा भर्गाकः) यरभाशास करवन, त्रहे भक्षांव अकर्त विमुखना ७ पाउता চাবপূৰ্ণ বলিয়া বৰ্ণিড হইয়াছে। ভাৰে ভথায় এবল সাধারণ মত নাই যে শাসনকর্তানিলের (भाष गर्यामा नावावन (शाहत ध्या

ত্রাভের সাহের শীজ ব্যবস্থাপক সভায় এই ভাবের এক বিল অপন কবিবেন বলি কোন ধর্ণমনত ব্যক্তি (গেঁড়ো) কোন ইউরোপীয় कर्महाजित्क वर्ष करत, छात्रा शहेरण नियुचित्र जामालटक विहाय छ क्षित्रक्रम विलय मा करिया জত বিচার কবিয়া কেবল বিভাগীর কমিসমুহের भक्त महेशा जनवाधीत ब्रस्त हुए । अहे विम (क्वम शकात्वर करा इहे:कह्य । जामना क्लेहाकिश्स्त ইহাব প্রতিব'দ করিডেছি। এমন আইন কবিলে ব্রিটিশ গ্রব্যেন্টের পূর্বাভন বাদশাহ্দিগের সহিত বড় প্রভেদ থাকিবে না। ধথারীতি অগ-রাগীর বিচার হইতে বদি কিছু বিশ্বৰ হয় তাৰাতে क्षि शिक

পূর্মবালালার রেলওয়ের বিভীয় জেবীর मक्रि फाइरे लाम रह रजिहा अरे आर्थि देविया वाहेरण्डाः। अथव आनित काका वृष्टि वहेरदः। এবং দিভীয় ও ড়ডীয় শ্রেনিব ভাড়ার বাকী কাটিয়া বাহা থাকে ভাষার অভাংশ সুভন দ্বিতীয় ত্রেণির ভাড়ার উপরে অণিক লওয়া व्हेरव । इपूर्व व्यक्तिय छाष्ट्र' समान वाकिरव । कृष्ठीय त्वानित भक्त इक्ष त्वानित ना कतिरम अवानावास नावाहन समासा रहेरव ।

আমরা অবগত হুইলাম ভরতবর্ষীর গবর্ণ-मिन्ने रमामिनी व वार्यक्रिकेटक अरमानित श्रीष (सनाव वासम क तांक नरबाव दिनाव निरक बिन्द्राट्म । फेरकरमत्र वित्राद्यत्र कि ब्हेरव ह

जिब जिथिक मुराग गर्नाटन हेन्न कांग्रेस विक्रीक व्हेरकर श—

র টাকার সিকা ৮তার--৮৬ট

8 " (1) - API - API - API -

e (* (本代 3・944-3・84)

e " भवनिकश्चार्क > २--> ॰ २। ॰

410 " (#te 3-8112-3-84.

ইউরোপীয় সমাচার।

গ্ৰধ্য ক্ষেত্ৰৰ টেলিগ্ৰাম পাইরাছেন—
''ল্পন ৪ ঠা' ডিসেম্বর । ডে, সডেনস্থিত
হিংবারত্বতের পদ উঠিলা গোল । মকদ্যার
কোলেপ্রোর প্রতিকৃত্ব ডিক্রী হইয়াছে।

হোমনিউস হথৈত।

লগুন ১০ ই নৰেমন। নিউইন্নর্কের লোকেনা লক্তা কবিয়া (আমেরিকান) গ্রাব্যান্টকে অঞ্রোধ করিয়াছেন, কানাডার বে সক্তা কেনি মান করেনী,আছে, ভারানিগেব সুজ্জির বিষয়ে হস্তাপন করা হয়।

कृहे(दर्कत कृतिकारिश (व गटन लाक शृंक-हीन व्हेन्नार्क, खारांक्रिकत गारायार्थ हैश्नर्थ विकास होना व्हेर्फरका

জেকার্শন ডেবিদের বিচার বসস্থ কাল পর্যন্ত স্থলিত থাকিল।

পালাদ্মোর বিয়োকে বিশুর স্থান্ত ব্যক্তি লিপ্ত ছিলেন।

গোমড়ক প্রায় নাই।

নিউ প্রবিভেগে ভরকর ঘুর্ণবার হইর।
নাসোনগরের অর্থেকাংশ নষ্ট করিরাছে। বন্দবের এক শত ভাহাজ (বন্ধগের রাজীর এব
থানি কামানের নৌকা চিল, ডাহাও) বারুব
এবলভান্ন ভীবে উঠিয়া পড়িয়াতে।

পারিসের অনেক লোক কোন গোপনীর দ-ভার গভা হওয়াতে খৃত হইরাছে।

লগুন ১ • ই ন্বেরর প্রাতঃকাল। বাঁদা ও কড় ইরের সুঠের টাকা বিতরণের জন্য রাজকীয় প্রয়ানা আক্ষরিত হইরা ভারতবর্ধে প্রেণিত হই য়াহে। ভারতবর্ধীয় স্থানের প্রাণ্ড ক্রস লাড নেশিয়র ও সাইমর ক্ষিজাবলডকে প্রদান করা হইবে।

ছারলস ওয়াইরণস বাজাদোরস্থিত গ্রথমেন্ট বিল্যালয়ের অধ্যক্ষ ছইয়াছেন।

এক্স অনক্ষতি বোহাইরের বিশ্ব-পদত।গা করিবার সম্বর করিরাছেন।

আগামী বংশরের প্রার্থে সর গাসপার্ড লি মার্ডান্ট ইংলণ্ডে প্রভগারসন কবিবেন। এমড

জনজতি হয় সেবাগতি লিওঁহাৰ জববা জীনতু-পুই খাহার পদে নিবুক্ত হইবেন।

আরারলথে কেনিরান বিলোবের আশহা বঙরাতে তথার আর তিন রেজিনেক সৈনিক প্রেরিড হইরাছে। এরপ জনজাতি ইকেল তথার উপনীত হইরাকেন।

লগুন ২৮এ নবেরর। ট্রেডস ইউনিরন প্রিন-রোজ পর্কডে সভা করিতে অসক্ষত হইরাচেন। গ্রপ্রেন্ট তাহাদিগকে রাণ্নিতে বে স্থান দিডে চাহিরাহেন, ভাহা জাঁহারা এহণ করিরাচেন। কিথাশনি শীজ পদত,াগ করিবেন এবং মানিকা গাহেব ভাহার পদে নিবুক্ত হইবেন।

मध्य २৯ अ मरबहरू । अञ्चल अन्यक्षि चारमहिकार अक्शन रेमना स्वक्रिको दुका कहिएन সেমাপতি সান্ধাৰ অগ্ৰেই তথার গমন করিয়া-ह्म अदर कि जातन रेमना ना मार्गियां गांध कांत्र कतिशारह । जकरम प्रमुशाम करतम, माझ-विनिन्नान देखेरतार्थ चानिरक्रहन । य मिरनह महिल वाध्याधकला बाँहे, लाव्य करने बाहेन विद्वहनाई अक हासकीय कवित्रन मितृष्ट स्टेश क्रिन। त्वाथ वृत्र नाज त्नांश क्राथं देशव व्यथान। आरमकात्र ध्यावष्टेमानीय ब्रामरकत्र विकृष्ट एकतत्र रा पानवाथ (एउद्रा रह आंश स्त्रि फारांव विम ज्ञाह्य कतिहार्द्य । त्याष्ट्रेम ७ हार्बहर्स्य সাধারণতন্ত্রপ্রিব্রদল ছুই অন কাফিনে মহাসভার श्रीकिथि मरमामीक क्षितारहम । देवक्तिवात अ मास्क्रिप्रार्व सम्भावन विद्यार परिन गम्माखि । जीवन नचं श्रेबार्ट् । तत जन कृ । व লিনের প্রস্তরমরী প্রতিমূর্তি ওয়াটরলু বাদীডে প্রতিষ্ঠিত হইয়াছে । ১৪ ই নবেশ্বর রাজিতে ই'লণ্ডে বিস্তব উল্কাপাত হয়, দেখিতে অভি क्रु पत स्टेग्नाहिन।

লগুন হ ঠা ডিসেবর। সভাগতি জনসন মহা
সভায় যে বক্তৃতা করেন তাহাতে উহিয়ে পূর্ম
তন রাজনীতির সংক্ষেপ বগনা করিয়া ডিনি
নহাসভাকে তদল্লপারে কাল কবিবার জলুরোদ
করিয়াছেন। গত বংসরের বাব অপেকা আয়
১৫,৮০,০০,০০০ ডলার অবিক হইয়াছে। সভাল
পতি আয় বুলিয়াছেন বিদেশীর জাতি সকল
প্রাপেকা আমেরিকানদিগের জাতিসাধারণ
বভাব ও ববের অধিক প্রশংস। করিডেছেন।
কুলার বলিয়াছেন জাগামী বসত্তকাল পর্যাত্ত
মেরিকো হইডে নৈনা প্রভ্যানয়ন স্থাতি থাল
কিবে। আমেরিকার গবর্গবেকী এ বিরয়ে আপত্তি
কবিয়া প্রার্থনা করিয়াছেন, করানী গবর্গবেকী
আপনামিগের প্রত্তাব পুনর্কার বিবেচনা করিয়া

আনেরিকার লোকনিনের বত হর সন্তব্ধানা পরিপূর্ব করেন। জনসন উপসংহারকীলে বলি-লেন ইংলতে মন্ত্রিপরিবর্ত্ত হুওরাতে আলাবা-নার হারা ক্তিপূবণের মীমাংসা হইতে বিলব হইতেছে। ইংলও এই প্রার্থনা আপনার পলো-চিত্ত গাড়ীর্ব্য সহকারে বন্ধুভাবে এহণ করিয়া-হেন। শীত্র ইহার মীমাংসা হইলে ক্ত উপকার হর বলা যায় না।

ট্রেডস ইউনিয়নের রিকরন সভা বিনা গোল ' বোগে হইরাছে। সভাব দিন বড় বৃক্তি হইরা– ছিল : ২৫,০০০ লোক একত্র হইয়াছিলেন।

লগুন ৭ ই ডিলেখন। হলারীর মহাসভা সম্লাচকে সংখাধন করিয়া এই ভাবে পত্র লিখি-বার প্রস্তাব করিয়াছেন যে ১৮৪৮ অব্দে যে সকল আইনের প্রস্তাব হয় তাহা স্থাপিত হয়। হানোবারের শাসনকর্তা বিদ্রোহ দ্বনার্থ সূচ্তর উপায় অধ্যয়ন করিয়াছেন।

গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্ট গবর্ণরের

चारमनाज्ञात्री

নিয়োগ।

চট্ট রামের পার্কাডীর প্রদেশ সকলেব আসি
টান্ট প্রপরিকেতেন্ট পি, জি ছট সাহেব আসি
টান্ট কনিসনরের ক্ষডা প্রাপ্ত হইরাচেন। এট
আরা হাছাব শাহাবাদে স্থানান্তরিত হইবার
এবং ডবলিউ, ডি প্রাট্ সাহেবের পুর্ব্বোক্ত পার্কা
ভীর প্রদেশ সকলে নিবুক্ত হইবার বে কথা
ছিল ভাছা অন্যবাস্তুত হইবা।

বাৰু বছৰাৰ সুখোপাধান জনেশন বইতে বেলিৰ পৰ্যান্ত যে একটা পথ প্ৰান্তত হইবে, ভাহানু জন্য এবং কেনাল কোম্পানির জন্য ভূমি ক্ৰয় করিবান নিবিত নিয়োগ প্ৰাপ্ত হইয়াকেন।

বাবু সঞ্চীবচক্র চট্টোপাধায় বশোহরের তেপুটা বাজিটেটও ডেপুটা কালেকর হইয়াছেব।

ত্রিপুরার ডেপুট মাজিক্টে ও ডেপুট কালে ইং মৌলবী লোলায় হুসেন চটগ্রামে স্থানাস্ত-রিড হুইলানেন।

ভৰ্মিউ ফিলিপস সাংহৰ বৰ্ষমানের মিউনি দিপাল ক্ষিস্কর ধ্ইয়াছেন।

लिनेदन्डे छवनिछ अवः वार्क मार्ट्य ह्यूर्न ज्यनीत्र मुनिर्वत्र डिक्टीडे क्ट्यिटिनेट्ड इंडे-बार्ट्य ।

लाक्ट्रिके अञ्चात्र, केहल,केनमन नारस्व

शंबकात्र भूतिव फिक्कोंडे ज्ञ्याद्रात्वेद इर के क्षा विधित चत्रण निवृक्त रहेत्रारहन।

फि फविलिफ्टे ब्रिकि मोर्ट्य वाधवर्गाय पूर লিখ ডিস্টীই সুপরিটেডে, টর প্রতিনিধি শ্বরণ निवृक्त रहेग्राट्य ।

वर्षमात्मव श्रीमम फिक्रीके स्थाति छ छ ने अमारव'मात नारश्व जिल्हाल, चानालात्रल वह-क्षारहत ।

बाब बहेह, मि ब्रिडमट्डम गारहव काहाड़ क्ट्रेंट्ड मूर्क्र्टव शविविध् । इटेग्राट्टम ।

अ, निक्रहे मार्ट्य इत्रध क्रेंटिंड क्रिंडिंड शिश्लोट मा

জি, ষ্টাচলোড়া নাহেব চাকা হইতে ভাগান পুরে পরিবর্তিত হইয়াছেন।

এইচ, ভি এইচ द्रवाष्ट्रित शाद्य स्थानी वरेटा षाकार् পরিবর্ত্তি वरेषाद्वन ।

वाबू पिनवाच हर्ष्ट्रीभावाम स्थलीत अथम প্রধান সদব অ: মিন চইয়াছেন।

वाबु (कपारमाथ वरम्पार्थाक्ष इभनीव विकीय श्रधान मनव कामित्नव भाग निवृक्त वरे-त्रोट्स्न ।

बाबू (शानी बाध वक् वस्त्रात्वत श्रधान अन्त्र स्वाभित्य गम था स क्रेशाइन ।

वाबू भर्द्छनाथ वक्त वर्षमारनव अध्य आमि त्वत् भाग नियुक्त श्रेत्राह्म । किश्व छेक श्राप লের লাডিসনাল, প্রধান সদব আমিনের প্রতিনি धिमार्थ कार्या कतिए व्हेरव।

ৰাৰু বছনাথ মলিক মেদিনীপুরের সদর আমি त्वत्र शाम निवृक्त क्केरवन।

बाबू बहुनाथ भूर्थाभाषाय छड़े अर्थाय जनव आधित एहेब्राइन।

बाब अक्रम्बन मान बनीयात्र मन्त्र जामित्वय नम शाल ब्हेग्राह्न।

यानु वश्वाताथ शक्ष भावेताव मनत व्यामित्तत **ळिजिपि चन्नभ निष्ठ हरेन्रा**र्टन।

গক্ৰেডার ডেপুটী মাজিকেট ও ডেপুটী कारमञ्ज्ञ बाबु रहमहत्त्व कत कत्रमित्ना निमिष्ठ कोक विचारण পरिवर्त्छि बहेबारइन । अख्याता ৰাৰু দল্লাল দাল মুখোপাণ্যায়ের পূর্কোক্ত विकारण পরিবর্তিত হইবাব যে সভাবনা ভিল, चारांत्र जनाथा परेन ।

ভেৰুটী মাভিটেট ক ছেপুটি কালেক্টর বারু **শ্রমণাচন্ত্র চটো**পাধ্যায়, কিছান্ত্রে নিমিত প্রত্যেক উপবিভাগের ভার প্রাপু ইয়াছেন अवर विविशेषुरत स्व वांक्र काय अवस्य मास्टिए 👍 ক্ষমতা স্থাবহার করিতে পারিবেন।

अहेड विकातिक नारहर त्यात्राचानित शांक 'नात्त्रत शक्य निक्षक वहानात्रत चल्लातार केक क्षेत्रे क कार्नहेरात शक्तिथि व्हेशाह्म।

क्रीका विवास स्विद्धिकेट अने अने स्वेताहरू । तथीश्वाहिन विवास १२। १० वि छेर्रास्क

প্রেরিত।

মানাবর জীবুক সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপের।

जामता ७৮ जटमत शदमिका भन्नीकांव शुक्षक प्रकत ७१ जब ना गिक्रकरे आंस हरे-লাম। কিন্তু হডভাগ্য বাজনা বিদ্যালয়ের ছা-ত্রেবা ছাত্রহৃতির পরীক্ষার পুক্তক সকলের অপে কার পথ চাহিয়া বসিয়া আছে। কৈ আজিও কোন সংখ্যাদ ভাষাদের ভূষিত কর্বিগালে অনুত वर्षन कविन मा ? छारानिगरक ना आह ৮ मान भारहे ग्राह्य भूखक श्रुष्ट् वाचित्रा भद्रीका बन्मित्र উপস্থিত হইতে হইবে? আমরা ত ৬৬ অংশন পরীকার করাকল কান্ত্যারি পড়িতে মা পড়ি-হেই জানিতে পাবিব। কিন্তু দে হতত গেঃরা माव कछ पिन भव शाधन कतिरव ? जामापिराव वश्रम १० १० वरमत, आंयवा हरू दरमदः महत्म श्रादिनका भरीकांत्र भूखक क्ष्रभाव পড়িয়া কেণিতে পাবিব, কিন্তু ভাষাদেশ বন্ধশ দ্বাদশ বংসবের অধিক হইবার বো নাই। ভাহার। কিরূপে আট মানে কুজি খান (প্রায় গড়ে এই-রূপেই দাঁড়ায়) পুস্তক পড়িয়া উঠিবে? পরীকা त्वत्रा कि धुरनारथना ? वाक्ना कूरतव मन টাকার পথিত ও দশ পয়সার ছাত্রের। ক্ষ পাতিক্ল বসিত্বা আছে ভাষাদেব প্রাণে সকলট महित्व। तमन एकछात्व भी फ्रिंड स्टेरन होवाइ বৈদদ প্ৰথম প্ৰথম আৰ্ডিখন্নে আপনার কষ্ট প্ৰকাশ करत, किन्न कान शकारतहे निन्छात्र न। भरित्रा व्यवस्थात नीवर रंग्न ७ क्षांनगरन वरिष्ठ चारक, দেইরূপ ভাহাবাও কর্ত্তুপক্ষেব অবিচার ২ বলিয়া ক্লাঞ্চ হইয়া পড়িরাঙে, আর চেচাইভে পারে ना। अथन वा नव छाहे इत्व वनिवा छारभाव হত্তে আত্মসমর্গণ করিয়া বসিয়া **আছে। কল**তঃ वागानिर्भत रक्तरा अहे. बाजना झांडहिएत পরীকাব পুত্তকগুলি স্কাল স্কাল, নির্মারিত कदिशा (मिश्रमा कर्डवः।

3 Fr:--

याग्यत श्रीयूक मामध्यकाम नन्नामक মহাশয় সমীপেয় ।

आभि 38 है डिरावत ताज्ञ शून वानिका विमा | विष । अ श्रवाच नाजानिता व नकम शूक्क

বিদ্যালয়ে উপস্থিত হই। রেজিক্টার পুতকে हि, इ, ठावनम मार्ट्य विश्व थरान्य मकामद्र । क्विमन वानिकात नाम क्विमाय । किन्न व्याप **२रेशांक्ति। क्षात्र तक्ता (अनीत्ररे इटे अक्की** াকরিয়া উপস্থিত ছিল। আনি সকলগুলিভেই कान ना कान विवस्त्रत विरम्बन्धः श्रथम (आनीत श्राप्त मान विष्युत भरीका कहिनाय। अने **জেণীতে ইংরাজী প্রথম পাঠ, বাস্তরা প্রাণি** वृष्टी ड, व्यक्तर्यामम्, क्ष्यरवाध यानवन ७ कृत्ना লহজ পড়া ও নিজ্ঞত্বন প্র্যুক্ত অভ ক্ষা रत । रेंहात भरगा वानिकाता श्राम नक्त विराहे উত্তৰ পত্নীকা দিল্লাছে। কেবল ব্যাকরণের পরীক্ষা ডাজ সভোষকর হইল না। কিন্তু ইংবা-भी ও ভূগোনের শরীকা অভি সভোষদায়ক ररेप्र'रह। देशवा हैरबाबीटक व्यक्त वाबिटक ও ক্বিতে পারে এবং ফ্রন্ডালখনে দেখিলাম वि हेशंख्य रुक्ताकत । वर्शक्ति अवस्त्र। ৰোগ্য। ফলতঃ দেখিয়া বোধ হইল, যে রখার কাৰ্য্য বী।তমত চলিভেছে। অধিকন্ত বালিকা-निरुप्त वरमरक्त्रहे हरक अक अक्की स्नामा वा भमन **७ कार्ट्सक विनाय। श्वीनाम करमक** শ্বন ইউরোপীয় রমণী মধ্যে মধ্যে আসিয়া ভাছা मिशरक में भवन कार्य। निषाय अवर यानाश्रकात भवम ७ कार्थि अनान करत्म। **डाँ**बान्तितन्त्र खहै উদার কার্যে,র বিষয়ে আরু कि বলিব, প্রার্থনা कृति अन्तियत छोडाहित्यत वच भक्त दहन।

> ১২৭১ সাল उसा और।

মান্যৰয় জীযুক্ত নোমগ্ৰকাশ সম্পাদক

मराभव नमी(भव ।

नविमग्रनिद्यममिष्र-

সংশিদ্ধ ! বোধ হয় বর্ডনাল ৭৩ সালের निका-प्रशंभ प्रचिट्छिएहर । १७ गोलिश क्राइक थश्च मिकामर्गरन रव जरुन रम्थ विख्या वर्श्व প্ৰস্তাৰ লিখিত হইয়াছে, তৎসমুদায় পাঠ কবিলে লেবক মহাপরের অসাধারণ রাজনীতিকতা, বদেশহিতিবিতা ও ভংগংক্রান্ত প্রগান্ত পরিপ্রম अवर यहाव विज्ञासन श्रीत्राम श्रीष्ठा र प्रमा बाह्य 👫 निकातर्गर्भव वृद्धम अधि अहा, जरमरक अ समा ভাষার পরিচয় প্রাপ্ত হল নাই।

নিকাদর্শন অশন্ত একটা অসাধান্য রবে বিভূ

क्षणांन कविद्राद्य, 'खरमधूर्गातरे कश्चान माज, व्यवा व्यवाद मा स्ट्रिंग भूत्रता स्था: माजः। (करन फीक्सी मुख हावकमन बांदू कुछम (कडा-खब् ब्रह्मा कतिया शिवाद्यमः भिकामर्गरन कश्च वार मार् अवः भूहवा कांवा नार, अम्छ अक्ष'नि मूख्य बद्ध बद्धानिक स्ट्रेटकरक । य बद्ध तकरा করা হিলুজাভিব অন্ত্যাদের বিপরীত। সেই এছ मार्ड (बिरेक्ट्रें अविकारतत गत अवधि धाममात इंफिश्न । महत्राहत्र य धनामीएउ रेखिशम निविक्त एत. १४ श्रवाणीत मारव अमनीरहरी ইজিহাস পাঠের উপকা রভা দ্রুঘিতে না পাবিয়া दिइक इन, देश म अनानीए लिचिए स्टेएएइ मा। देशांक श्रम मुडीम, गवर्गत, महमात्रदे विवत निविष इस्ता। वामगात अवनिष्ठ देखिहांग इहे वामिएक विषय हैरवाक्षिरभन्न कुवाभाज निविष्ठ ब्हेबाटक, बेशांटा त्मल व्हेट्टाक मी, बेरतांक नावर्गामा अविशिक्ष प्रथकानिक देवे ভেছে। ৰাঙ্গলাদেৰের পূর্বকালীন অবস্থা এবং ভংগ্য বৰ্জমান ও ভাবি অবস্থার সৰ্ভ ৰাসালি तिर्तित् श्रधान निक्वीयः छदमप्रगत्र निकापर्य-८०३ इंडियानवर्थ विरमयग्राम शिथिष रहे। এই इजिल्लामध्यहे विकादर्गतित विवतीपक निर्माय क्ष्य ।

ক্ষুলকঃ বাঞ্চালিমাজেরই বিশেষ ফনোযোগেব সহিত শিক্ষানর্পণ পাঠ করা উচিত। শিক্ষানর্পণ স্বায়ুল্য হইয়া লক্ষ্যের সূত্রত ও আছে।

षात्मक विकासभावत विवय भतिष्य জ্ঞাত নহেন। বিজ্ঞানপৰ কাহারও অৰ্থোপাৰ্ত্ত-त्वत खेशात्र श्रद्धाभाष्ट्र, खेदात श्राप्त श्रद्धाः खेदा-মুট উন্নতি সাধ্যে ও নিম্ননিত ব্যয়েই প্যাৰ্গিত बन्न । छेक्राटक रक्ष्यन चक्र विरेक्तीत्रके अप कार्ष এवर अक सन क्षा दिस क्षतिहरून वाजान श्रादेशकतिक सर्वाहात्रिस्टल विकादर्गतित कार्यः नि श्रीक करिएक्टकन ।

अञ्चल विकामर्गरवंत्र स्थवक गरमाब्रदक्छ कि विश्वता करिएक स्रेत। निकानर्गन मश-भिड नवरत श्रकानिक इत मा बनित्रा भरमरक काटकश कविशा बाटकन।

(म.नमेन्द किंधर राजानी २) अ अध्येष्ट्राप्त्रन 19901

মান্যবর প্রায়ক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক महानव मगीरने ।

👺 होमचीन विरागरा। थोहात्रा नवाटकत छेश्कर्य नाथन करिएक बान, তাঁহানিগের ভার ঋতি ওরভর। অবিচলিত

'ক্লিড্ডলা, বুজির ভ্রিরডা এবং দেশ ও দেশের স্পৰ্যাৰ খ্যাপ জ্ঞান এইছি অধিশ্যক। সংকরণ किशे निष्म हरेशन त समिन्ने निवातरशत कवना रत, जारात जात्र हिस्स्त चारक। भूतीलह विरवहमा मा करिया अन्किछ । छश्यका श्रमनीय সমাজ সংখ্যারকারির অভুভার্যতার প্রধান কা-রণ। করাশী বিপ্লবকারিথা উচ্চত্য তেেণীর হস্ত হইতে সমুৰায় লোকেব হল্পে দেশ শাসনেৰ क्यका निवात कही भाग। दक्षिश हिन्दल अ छ-শেশ্য সাধিত হুইত কিন্তু আত বৈত্তক উৎসূক্য নিব্ধন ওঁহোৱা অকুভকার্য্য হইরাছেন। আমা-मिर्शत वर्षमाम म्योक नश्कातका विवा अहे लाए কৃতকার্য্য হইতে পারিভেচেন না।

মিস মেরি কার্পেন্টর এতকেশীর স্ত্রীলোকদি भित व्यवसात छेश्कर्व नाथमार्च ब्रह्म बहुदन अपार्टन আগষন কবিয়াছেন। উঁহোর চেষ্টা অতি প্রশংস मीय, अवर जामबा चारमभीयानिकार श्राप्ति भ স্বরূপ উল্লেফ অকুত্রিম ধন্যাদ দিভেছি। দিস কার্পেন্টরের স্থানার্গ সম্রতি করেকটা সভা र्य । देशव जातकश्रीताल क्षास हम अवर अड-्निनीय करमुक क्रम पुरुष ताका नहीं के स्टेश उँशिव अर्डार्थना कतिया।इत्तन। त्रिक्ति कति বাতার বান্ধাসমান্ত বানীতে মিদ স্বার্ণেন্টর আগ वन करतन । छश्कारम लिखा शेखतुहक्क विना-সাগর, বাবু কেশবচন্দ্র সেন প্রভৃতি করেক এন ভদলোক উপস্থিত ছিলেন। তথায় এই প্রস্থাব ষয়, এতংখনী বৃংগ্রীলিক্ষক প্রস্তুত কবিবার জন্য नर्धान विमानव कवा प्यांच्याक अवर उपन गवर्गाम्बर्ग निक्षि जार्यनम करा छै.हेछ। এह উদ্দেশ্য সাধনার্থ এক কমিটা নিযুক্ত করা হয় विकासिका उपराध अक क्रम किर्मन। जामर। यथन शक्षातः अहे श्रष्टांच व्यवन कति, एथन काक रेर (योध के त्रियोक्ति म । काका व बाह्य এश-खाव बरेटडेटक'? (ल्टांभन कि बेहा जन्नुस्माननीय ? বর্তমান অবস্থায় ইহা কি সদাত ? এবং এতদমু-সারে কি কাজ হই,তে পাবে ? আমরা আপন। আপনি এই প্রশ্ন করিলাম, কিন্তু ইহার ভূন্টিকন **छत्तव श्रांश रहेगाय गा। ঈष्यहस्य विद्यानागय** लोमिकात केक सन 'श्रभान छेट्न 'शी, बन्द्राटन র্ভারার ন্যায় কেন্ট্র এবিবয়ে অধিক কাল কবিতে भारतम् ना । जिमि क्षेत्रं अहे क्षस्तार्य मण्ड कहे য়াছেন, শুনিয়া আম্বা আরও আশ্বর্ধা বৌধ কাইগ্নাছিলাম। কিন্তু গভ দোমবারের হিন্দুপেটি খুটে বিদ্যাস্থিরের এক পত্র প্রফালিত ছই-বাড়ে। ভাষাতে লিখিড হইয়াছে ভি.ন প্রভা-

वृश्चित्र काळ रहेबाटह, छाहा ऑक्टलेब्रेहे श्रीकात कविट्ड हरेट्य।

वित्र काटर्ग केंद्र वक्ष्टमध्येत वानिकाविन्द्रामदेवस जरका वर्णम कतिहा मध्ये वस नाहे। जमस्वारिय श्रधान कावन এই श्राप्त यांवजीत विकासता ত্রীশিক্ষােৰ স্থালে তিনি পুরুষ শিক্ষক দেখিয়া-्ह्म । जीदशक्तिराय मध्यम् गणि शुक्रस नेवाक ब्राटन वृद्धिएक शारदम मा, अदर सीमिकारक व्याद्धाः वा निकानित्रंत्र य धकार निका इहेराव मञ्जाबना আছে, পুক্ৰবেৰ দাবা তাহা নাই। কিন্তু এছলে जामरा यून निव्नम माह्य छिट्टाथ कविनाम । कर्न (तथा केन्डि अस्तर्गत य व्यवहा जारास्ड खीनिकक कथवा शुक्रव निकटकत्र बातः अधिक काक इस ? चि के यक: श्रीमिक्टकद कार्यतब्रह्म व कान जानिशार्ड कि ना ? এवर नर्जान विष्तानम স্থাপিত করা কত দূর সাধ্যায়ত ও সঙ্গত > শিক্ষ কের যে প্রকার বিদ্যা, সংখ্যভাষ ও শিক্ষা দিবাৰ পটতা আবদ,ব, ওঁ'ই'র প্রতি ছাত্রের ভর ও 🛎 জিও দেইরপ আংশ,ক। ইহা না হইলে শিক্ষকের জন্য সকল ৩ । বৃথা হয়। ডক্লণবর্ত্ত ছাত্রগণ কৈ वन स्मार्ट वनीकुछ म्याना, मूनविश्वमधि स्वाकिता বাহা বলুন, ব'ৰ্যাত: বাহাবা শিক্ষকতা ক্ৰিতে (इव, खेंशियः व लद्यम 'छग्न अकाञ्च फारवमःकः। क्या इहेट्ड क्याना खाना छ खाना हहेट्ड जिह ह्या जामता (य अञ्चल अहारत अहारत अहारत किर्जिय कविएकि मा, जारा यहा यहा शहना । आमानिरगत श्री लोकमिर्गत भाषात्व श्री व श्री वावर व কিব্ৰপ ? প্ৰকাষ্ট্ৰে বে প্ৰকাষ্ট্ৰ কৰিব श्चनर्गतिव द्वीष्ठ काटः, खेरनाकन्दिवद बर्धः जाहा (प्रथा यात्र मा, विष्या^{ने,} वस्त्रद्वा युदक কথন ৬০ বংসাবের বৃদ্ধের ধার্ধিত একক্স ক্রীয়া व्यथक होता. त्यो हुक करा भा, किंतु व शहका व्यायः जिट्यात वीरलाटन व वटन, राष्ट्र। मनभववीं स বালিকার বৃদ্ধার সহিত্য কোন গুড় সর্ব্য নিব্যক্তন मचादिन अटिंग थाटक मा। मामा नवटमद्र खेटिना क्ता अक कृत्व नगरक इन्हां मरमात्र ७ पासि मर्जा छ परधाणकथन करवन। मकरमहरे मस्डि এ বিষয়ে স্থীভাব । এক্সন্য পুৰুষে পিডাকে मिशिया (य श्रकाय अय कदवन, खेरिनाटक शास्त्र) বা ৰঞ্জকে দেখিয়া তাহা করেন না। এটা ভাল मम बर्षे कि ह यथन आहर, खबन हेशात व्यालाल कता देक्टि नथू । अष्टनः चङ्गिन कास शुर मर्दा भिका निरुवन खीरमाकनिरात अपन्यारका रसन ७ मण्यकं निवसन मन्दान शक्तन मा स्ट्टिंड्इ **७७ विम श्री**शिष्टक । हा कास श्रेर्न मा । विचित्र अञ्चादि शिक्ष पालिएक मण्यक सहस्य। अती । व्यासवा कारस्य काल क विकास अवासी तर्मन कवि बाहि, वानिकाता निकथबीत गांदब উठित्राष्ट्र, जारवणन गवर्गमके व अक्षांक कत्रियन, जाश गानि मियाद अवर छाडादक विक्रम कविशास, শিক্ষা ফুডরাং ভাল হয় নাই, এবং পবিলেবে । লোকেই আশ্চধ্য বোধ করিবেন। " পভিতের " আগ্রেয় প্রয়োজন হইয় ছে।

श्रक्तांक जानांक प्रामान, माह। देशां ज-खिषु अयोकात्र कतिरमञ अध्यान। श्रेरण्ड, वर्षात विकासिक काहार। निका कविद्वत हे अपन শীয় বিবরাগর ২ খামর: ২।এতেছি এ শিক্ষকের সংখ্যা অভি অল হইবে। উজ্জাতিব প্রায় কোন विनवा आमिट्यम मा, हाकाय काही मधाल विका लय महेपारक, किल खबाय आध देवकवीय मध्यता खिक। जावता हेई किर्णन जनवानना कति-एडडि मा. किस र्रमाएडडि. टेव्यकी निर्णत উপরে সর্সাধারণের ভক্তি অতি অধা এ अकल्कित विद्यम कावून आहर, अवर लाएक এ জেপির শিক্ষকের নিকটে যদি কন্যাগণকে ना भार्रान जाहा इहेटल खाकदर्शत विषय किछ्हे नाहै। दाहात्। व्यु: श्राश्च हर्देश। शृहर्त्त व्यवस्थात বাদীর সুধ ও সভানগণের চরিত্রের আদর্শ হইবে, ভাহাদিগের শিক্ষতা এ প্রেণির স্থালো **क्स्त्र काळ** नहर । वर्त्तमान क्षरशायत् व्यक्तमामन-काञ्चिमिर्भाय मर्पा कह कह बरमन, এर्मभीम **पृष्टियानमिट्यत्र खीरमाट्यरा जनायाद्य कुछन** ্মর্ম্মান বিদ্যালয়ে পাঠ করিয়া শিক্ষকতা কবিতে भावित्वन। देवकवीनिश्यत्र श्रांत हत्विविधि छ व जानिक जारह, अरहनीत्र शृक्तितान सीधारवत श्रीष छोहा नाहै। यहि कान त्थांन नावायदनर ধৰ্মনীতি সৰমে বিশুদ্ধ খভাব হন, ভাৰু, হইলে तिहे अभारमा अत्मनीय प्रष्टीयानमिता व जारहा य-शतिमार्ग व्यक्तिकाश्य कितिन प्रकृतिज छ व्यवन्धिक, त्यहे भद्रियाटन এर्दिनीय पृष्टीयानगन - ক্সমভাব সম্পন্ন। তথাপি ধর্ম সম্বন্ধে এদেশীয় । ১২৭৩ কার্ডিক হইতে ৭৪ আবিন शृष्टीबान निकश्रतीयन जामानिरात जन्मानुद्र अनवा वानिका विमानात्र गृहीक इहेरवम ना । । ১२१७ व्यवहात्रन स्हेरण १८ कार्किक ু শৃষ্টীয়ানদিগের অনেকের অন্যাপিও বুরিভে चारक, रव धर्मभतिवर्ध स्ट्रेटम । चान्छिभतिवर्ख स्थ । ১৮७७ जित्सवत स्ट्रेटण ७१ नरवरत सा। এ जना कुछ विभावक्ती छैं। इंगिएशत निक-क्षा बहन क्रिएं जनमञ् । श्राहीन उद्ध अव- । ১৮৬५ ডिरनवन स्टेर ७९ स्व भारे धर्म गरेवा । चात्रखत्र जाशिख कतिर्देश । াৰ্কাই সারণে আমরা বলিডেছি প্রস্তাবিত নর্মাল े जिल्हांगन्न स्कान कारकत हरेरव ना । नर्फान विवस महाम " मिक्क हारजेत » गरचे। अधिक स्ट्रेट । ১৮৬७ नरव्यव ह्हेट ७१ आस्ट्रियत नाटक, किया এই मकन निक्त यहि नाधावरना क्षत्रीक मा इत, जाश क्ष्मेरण विषालिय कान ১०१७ कार्थिक हरेएड रेडख कारबाह्य स्टेम ? जाउन्दर क्षात्रममारबाह्य करहान क्षत्र मुख्य स्थापि कार्यस्य कर्रम, (म) २१७ व्यवसाय ब्हेर्ड १४ देवनाच

श्रुर्तिहे प्रथा वाहेरहरह अवर हेहारफ जात

উপসংহারকালে আহরা প্রস্তাবকারিভিগকে अकिंग कथा विलाखिक, खाँशिक्तिवद छैश्वर्ष गाधन (हर्ष्ट) अनेश्मबीय नामक नाहे। किन्न स्योग व्यवन ७ स्यालात शक्ताना कतिहा रिनष करा मनास मरकारकातित कमणा २ विक মন্তার প্রধান পরিচয়। অকালে কোন চেষ্টা করা উচিত নয়। আমরা অনিষ্ঠ দেখিতেছি, ভোগ করিডেছি এবং ভাষা নিবারণের উপা-वृत दश्वादक सानिएक कि किया कान द्वारभव কি ঔষধ আৰশ্যক, তাহা বে সে চিকিৎ-गक वृत्तिशा मिटल शास्त्रम मा । श्रीमर्पाम विम्रा-नग्र जागरनत्र अस्थारवर अक निरंत भौभारता इस ना, बृहे हादिकारनद्वश्व काक नम् । धर्म ए नामा-জিক উন্নতিব নিকট সৰম্ব আছে, কিন্তু কাৰ্য্যতঃ আমরা পৃথিবীর প্রারম্ভ অবধি দেখিতেছি, ধর্ম धावत्वत्रा नामाज्यिक छे ९ वर्षनाधनकाती इहेट छ भारतन ना । भृष्टे अञ्चित्रात मर्क्तमाधावरभन्न मधीरभ धर्म (बाबना ना कतिया यहि (बाटमद्र (भाष्टे निय-निर्वाद चाहात् वावश्रात्त्र नः लाधन कतिएड याइएटन, खाहा इट्टल উপराम दारांत अक माज পুরস্থার ইইড। 21-1

मुना व्याखि ।

কলিকাডা क्षीपुष्क वादु स्वित्वास्य द्वाप ১২৭৩ জগ্ৰহায়ণ হইতে ৭৪ কাৰ্ডিক ١. " कानीकुक हटडोशाधात वस्त्रवशुत्र 20 करेक ' अनुबुद्ध शर्मानाथाव 30 " किन्नुगिर्य द्वान ज़क्रुं व 70 মূজাপুর " কাৰীকান্ত বুখোপাধাৰ রাজসাহী

10 নিৰু লিক্লা " यहनाथ ए >. " विभिन्नविश्वी मिज কলিকাডা " বিশিমবিহারী ভাচাড় কলিভাডা tt.

" উপানচক্র বায় উকীলাবার ३२१७ व्यवस्था स्टेट कार्सिकः

30

त्नांमध्यकांभगरकांच करत्रकति

विद्यंव निव्या

অগ্রিম মূল্য ও ডাক বাস্থ্য না পাইলে মদ-বলে সোৰপ্ৰকাল প্ৰেরণ করা বারু বা।

रेशंत्र अखिन भूना वार्विक ३० अवर बान्।।-সিক লা • টাকা, বৰুবলৈ ডাকবাস্থল সবেড वार्षिक ১७, बाग्यानिक १ अवर देखवानिक ७४०, ভিন বাসের স্থানে অঞ্জিম মূল্য লওয়া যায় না। হুপ্তি, বরাড চিটি, মণিজত র; নোট, ও স্থান্স छिकिने, देशंत जनाजत वाशाय वाशात छविना হয়, ডিনি সেই উপায় বারা মূল্য প্রেরণ করি বেন।

वांश्रां होम्लिकिक शाहाहरूवन, छा-হারা বেন এক অথবা আধ আলুব্র অধিক भूरनाव अ त्रतीरम्त्र छिकिने ध्यत्र मा करत्रन ।

वर्षन विवि मक्त्रण इंहेए लामश्रकार्त्सन मुना भोठोहेरवन, छोहा एक खिल्लक्षेत्र कतिशा क्रीयुक्त बांत्रकाना व विद्याकृष्टवह नाट्य भाठाहेन्ना

व शिक्तित भूगा दिवात नवम अजीक श्रेश चानित्व, এक बान शुर्म बाहाबिशाक विधि নিৰিল্লা জানান ৰাইৰে, জাজ অভীত বুইলা গেলেও একবার চিটি জেখা-ব্টবে, ভাষার পর এক মানকাল প্রতীকা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইৰে। শেষ **যামেন্ন পক্ৰ বেছান্নিও** পাঠাৰ

মাতলা রেলওরের সোমাপুর ষ্টেসনের ডাক যরে চিঠি আইলে আঞ্চম শীত্র পাইব।

वाहात्रा माञ्चल वा विज्ञा शक्कांकि ब्याप्त करि त्वन, डाहाविटमन तारे गामांच अवन कना बाहेटब ना !

ক্ষে নোমপ্রকাশে বিজ্ঞানৰ দিতে ইন্ধা ভবিলে জীহাকে প্ৰথম ডিনবার প্রতিশংক্তি 🔑 काता कारात शद /> काता तिएक स्ट्रैटन। বিদ্বি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবেন ঙাহার সভিত বতন্ত্র বলোবত হইবে।

🗱 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ব্য মাডযু রেলওরের সোনাপুর ষ্টেসনের বন্ধিব চাল্ডি शाकाञ्च **अनुक मामकाताय विमान्यात्वम**े বাটাতে প্ৰতি নোৰবাঁছ প্ৰাক্তকালে প্ৰকাশিত



৯ ৰ ভাৰ

" प्रवक्तियां प्रकृति विताय पार्थियः सम्खती सृतिमहती न श्रीयतां

मानिक मुना 3 होका. जातिक वार्षिक ... होका जातिक वार्गानिक वार्गाका ।

সন ১২৭৩। ১০ ই পৌষ। ১৮৬৬। ২৪ ডিনেরর

' মকস্বলে মাজুলসমেন্ড অব্ভিন্ন বাৰ্থিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও ব্ৰৈমাসিক ৩৬৬

বিজ্ঞাপন। ইউ ইতিয়া রেলওয়ে। বিশেষ অমনেক দিলের উকীট সকল হাৰকা হইতে প্রক্রম

मर्स मावासर्वत मरखायार्थ अख्याता श्रदान क्या वाहेरज्ञ ए. वेंग्या यो नी स नर्थ द्राम भरव दिर्म नर्श्य ए. वेंग्या यो नी स नर्थ द्राम भरव दिर्म नर्श्य खान कहियां व क्रिकाय करत्य. (भूट में विद्यान प्रकार क्रिकाय क्रिकाय क्रिकाय क्रिकाय याम क्रिकाय क

স্থানের নাম এই—

मूर्वत । बाकी जूर । बाकी जूर । स्था जुरु का माहा चान । का माजी साक्षित्राचीम अवर मिली ।

केक श्रकात नार्कावक विरुग्ध कार्यन्त्रः, निर्देशक काष्ट्रात्र श्रहः।

3 क्षत्रम (क्षती) ३२० है। की २ विक्री में १० के বিশেষ অধনেয় টকীট সকলের যে

তাড়ার হার উপরে লিখিড হইল, আরোহিগণ যদি ক হারের উপর শতকরা ২০

টাকার হিসারে অধিক প্রদান করেন, তবে

গাঁহারা এই বিজ্ঞাপনের লিখিড নিয়ম অপেকা
নতিরিক্ত আর হই স্পাহকাল উক্ত টিকীট সকল

গাবহার কবিকৈ পারিষেন । অন্যান্য প্রধান
ইংগ্রেসনেও এক্তপ নিয়মে টিকিট পাওয়া হইবে ।

উপৰি উক্ত বিশ্বের শানানা বিবরণ যাঁহার জানিতে ইক্ছা করেন, গাঁহারা হাবড়া ইক্লেনর ভেপুনী ট্রাফিক মেনেজব সাহেবের নিকট আবেদন করিলেই সমুদায় অবগভ হইতে পারিবেন।

নিদিল বিজেনা

ৰোড অৰ এজেনী ইষ্ট ইণ্ডিয়া বেলওয়ে হোস কলিকাতা ১৮৬৬। ৩১ এ অক্টোব্য ।

বিজ্ঞাপন |

নিষ্থানসামার গণি ১৫ নহর বাটাতে সংগ্র শীত ও সংপ্রচারিত নির্নিখিত পুল্ডকগুলি ' . বিক্রয় হইতেত্বে —

প্রণীত

ক্রীনই নহান

বোমটাতহান

সুষণনাহ বাবেবণ

নীতিনার (১ মৃতার)
নীতিনার (১ মৃতার)

প্রচারিত।

মুক্রোধ ব্যাকরণ

अधानमाथ भन्दा ।

विख्वानम ।

अक्ष तायकान विशानकात अनीक

"প্রকৃতিবাদ » নামে একখানি অভিযান সংশ্রতি
মৃদ্রিত হইয়া সংস্কৃত যন্ত্রালয়ের পুস্তকালয়ে
ও শীখাবি টোলা লাখনওয়ালার গালিতে
ব্রীগুরু ঠাকুবদাস মাষ্টারেব জুলে বিক্রমার্থ প্র—
ভাত আছে। ইহাতে প্রায় প্রত্যেক শব্দের বৃং—
পদ্রি অগাৎ ধাতু প্রত্যেশ্ব সমাসাদির উল্লেখ করা

ইইয়াতে।

मुला व नाइ हाकामा व ।

विकाशन ।

কৃষ্ণনগরত্ব সি, এম, এস, ইংরাফী বাদালা দুলের ছণী লিক্ষকের পদপুন ছোছে। তমধ্য ২ ব্ল প্রেণীর লিক্ষকের বেজন ২৫ টাকা এবং ভূতীয় লিক্ষকের বেজন ২২ টাকা। কর্মপ্রাধীরা দীপ্র আপন আপন সাহিক্ষিকেট সমেত আবেদন পত্র প্রামার নিক্ট প্রেরণ কবিবেন।

क्रकानगत्रामाहि, এक. मिनिन। ১৮७५। ৮ इंडिरनहर।

विकाशन ।

हेहेरे छन्ना (दल छट्टा । পাথবিয়া কয়লাব कन्ট्राह्ट।

জাগামী ১ লা জানুৱারি জবধি চর মান কালের নিমিত এই কোম্পানিব পাব ররা কর্মার প্রয়োজন ফ্টরাড়ে। বাঁহারা ভাষাব গরবরাহ করিছে পারেন, ভাষার। এই ডিম্মেন মানের ২৮ এ শুক্রবাব ছই প্রহর পর্যাজ্ঞ নিত লিখিত ব্যক্তিব নিকটে আব্যেন করিবেন।

আনাইলে টেগুরের করম পাইতে পাবিস্বন

বোর্ড অব একেনী ইষ্টুইণ্ডিয়া রেলওয়ে ডেল্ডাউনি ছোয়ার কলিকাডা

সিনিল

हिस्क्नम ।

रिख्य शन।

আগামী ১৬ ই জাওয়ারি শুবোৰ কলিকাতা श्रादम'श्रीं। हर्गव श्रीका मधानवित्राम्य चात्रक हरूरा । लन्हां र्राचक विषक्षत्र भवीकः পুৰীত হইবে। সম্প্ৰ'ত ৭ টা ৪চা রক্লারার রতি चाल कार्डा

दर्भ न में किए। ए को करन 事幣 河南南南 海绵性中 电电影卡 य'अभाव के व्हान !

इत्पादन का ब्रिक्शियात पूज हुन विव्हर्त \$,58 I

বাচ নিক পরীকা, আরুতি ও বনাধ্যা। बहेह, है:इ1।

বাঙ্গপাৰ মানবিভাগেণ ১০ 🗗 চিমেন্ব 🕆 क म प्राक्त हैन। भी हैन ! - o b b !

বিজ্ঞাপন।

নীলামের দ্বাবা ভূমি দপতি এবং নীলফুঠি বিজয়।

- ১। ক্রবিশ্বরণ খাল বেয়োলিয়া কাম্পন্তের। হাস্থ্যতি সমস্ব ভালুক পতান দংগতান তাসু (स এम क'स्नामात च स तु है (मात्रांन क्षमा ! अबर भा होहे सभी ल भीन कर्य ह नएड भारत এমত আট বুঠি ও ছোট এই কুঠি ও লোকাম क्रमार्क्षत प्रवृत्ति छेरक्के भारा घत्र, मगुन्स के:हे र अकल हि अवश कुन्ध चुनिहल पूपर १४% शहरे अफान, मीलाइन वि त्य करेदर ।
- इक् अधिवाद निवा इच् शहन अवन व मबय चान र्याञ्चा लिश्चात कुछि गोक्षरम भी नाम ब्यायक ००३ त्र भवाष्य **ममनम विश्वय विका**ध मा इस छावछ क्ष के ब्रुवेश के के मान के निर्माण के निर्म
- ৬৫ এচকারীন বহুন্য নীল কালেখন হথ্য স্মুগর লমীদানী কিয়া ভাষাৰ ক্ষত 🗥 🍽 আপ্তান বিক্রেয় লেলয়ক স্বর্গান্ত ও জাবা ন : • ই জাল शासि डा. दश भर्यः ए अह्न कः एक्ट्रियः
- खब कन्दन खानिएड भारत का।

श्चित्र 'बारा, '७ 'इल म रहन বাল্যাের লোক টোল প্রান্ত A -1131

विष्युष्य बहुतः

ऽ श्व वः किन न १८ मा देख्या । प्रांकित्वम । tions in an increase it was increased and in the

ভাকিতে পানিষ্কে : বিলেভার অধ্যক্ষ প্রভেত্ত ভাকের উপর বে প্রিমান ক্রমি ভাকিতে হইবে खाहा अवशाह्म काविया मिट्न । यहि **छा**क সধলে কোন বিভাগ উপস্থিত হয় ভবে এ विद्वाधि छाएकत पूर्व या भाक एडेशा दिल तारे ए'क क्षेत्र श्रम तथ प्रकेष हरे.व । तक (काम ঢাক ভাকিয়া ভাষা অপহাৰ কি অধীকার করিতে পারিবেন ন।।

২। যে মুলো ভাক বাব, তঃ হর ছ হাব চ --शीर्यनत अकारण थार । यू ए क **रक क्हे**बामाज তংক্ষণাধ বিক্রেডার অধ্যক্ষকে দিবেন এবং वदानके त्रवृत्य है। हा भी लाटबर मिन व्यवधि पन भन गरमा भावरमान की एतन । खादा ना कविरस ने नाम वन कदर क्रिटिन (य हिन्द्रा मिन्ना) थारत छोड़। त्वतीक विटान्छोत् इहेरव । अव :राज्र^७ ने **रच जा**भाग वा श्रकामा मीनार-পুনর্কার বিভায় কাইতে পারেবেম। বিতীয় বিক্রয়ে প্রথম ডাক অংশকা বে মূল্য কমিবা ক্তি খেলাবত ও বো বিভু খংচপত্র হয় ভাষা সমুব্যু अंडिका, त श्रदन फाकनिया १६० कतिरवम । यनि विक्षेत्र वि । यत्र श्रृकारभक्ता मा अ, इत्र खाहा e .भटक्का शहिर्यम् । विकास्तर महत्र रावे चिन-भेग এই जमन्य । नगुरम कावक स्टेग्ना अकरोत ाल चित्रा भिरवन ।

०। त्यरहड़ विरङ्गेडा वात्र'ल हे।छ:ता কোম্পানিব বছক এছীভার নেকট সন ১৮৬৫ মানো সম্পাত্ত পরিদ কারবাম সময় ছবিয়ত गार्भसाम फर्केड उत्त दरा हिंदा हेन। হ। সম ১৮৬৭ সালোৰ ১৭ ই জালুখানি । মাত্রধ কুলিতে মইবেক যে বিক্লেডা বে ব্রুক্ত १''ए स्टेम्'(इ., जनावा राहार १'म्४, उर १वाट त, । यहवान धवर मालिक क्षेत्राट्यम, अटावटः व नाथ क महास श्रीकांव कान भार व क' भ ८ डेबान कहे। १३ नटक ।

१ । अदिका अप्पृष्टित क्ष्यु छत् क्रव , श्रा लिनि । भक्तिकत अनुमाग्न तात्र भून मिलास यम छ। या बारबजा मकरमय छ । यक्तिकेरि चतुर क्ष्टीरण काभरणत मूला अदर अदिन्नारत्य उपव अभव व का छ कि प्र क कर ता वव किकार । का मनावि व्याव द्वाप्त वा पालिक शाबितक । चंद्र ं हेट्युनि य विष्ठु ठाव छाइ। मधुमाव चित्रमाव म्टिवन ।

> श्विन नद्रभक्ति शक्कि शंक्रीविद्याव निक्र निक्ता प्रदेशाञ्चित छाशामित्रात मून शक-য়ণ্ডের বলিল অনুসন্ধান ব্যতিরেকে ঐ সমস্ত वस बद्रमावस कांग्रम पिट्ड छाहानिस्त्रत मन्त्र क्यरा हिन अगढ अञ्च इव कार्नेए हरेरिक। अवर ये मध्य शक्ति महशक्ति महानाइकत

দস্তাবেল অপুসারে শেব কিন্তির খালাবা পশি-भारतत्र न विभाका हवा के थानामा शहिएना (४३ ज्यात मारा विकास क्षेत्र व्यक्तिक स्ट्रेस ভাষা ঐ সমস্ত পত্তনি মরপত্তনি সংক্রাপ্ত ভাবৎ मरबन ও নিমুদ্যের স^{শ্দর} ছঙ্য়া ব্রিয়া **অথবা** শারদ হওয়াব সময় প্রাজ্তর সমস্ত ওজর মিট म्राट्ड विनया किया जे शहनि क्षत्रिक काराना मखारक्कांट व गर्य । ग्रह्म এव॰ वनवर बनिया ব্ৰীকাৰ কৰিছে ১ইবেন।

😻। বিক্রেতালিনের জন্যান্য বিণয়ের সহিত এক যোগে যে বিষয় বিশায় হয় তাহার দস্তাবেজ विद्राः भ कालम १८४ ता ग्राबन। स दश्च भाषाः-में ब्रेट्श विक्रम्न केश ये हैं दिक उंदर्ग में भिन्न भिन्न स्यव शरव स्थिति कार्य ह मूटला करियन करियन, क्षां र विभिन्न थान थान भाग हरे। वस उत्तर क भमर्थं करा साईदरक अवर विद्वाला वा अवान अक्का अवे छें करवत मर्थ। मलारवस वं'हात निकंडे थाकिरवकाण न अनान, चित्रप्रादेशका क्षत्रेना मा अव्यक्तिकात । तक्षेत्र भार भाव लहेवा मूत দক্তাবেজ দাখিল করা ও পাগ্র নকল দেওরাব अञ्जान नि यक्षा जिएवन ।

१ ! तम ३२१ - ११५ । १२ म दलव छात्राङ्स শীল বাকি কাগজের লিখিত যে ব্যক্ষা থাজনা বিক্রটের দিনে প্রভার নিক্র পাওনা হয় দাধার मन काना तक्य िक्शाव निन परेट ए एवं मार्गव मत्या कि खिवनिमंद्र **क्ष**त्रक श्रविननात विकासारक निद्दन, अवर जे बाकी शर्दिरनाटका लाविच निर्दा ग्रक दो र स्वान हिंग लिथिया निर्वन ।

৮ বৰ্ছমান সালেও যে ধাঞানা কন্তাপ্তরে र्मित अनात निकृते भाउना थ एक एाहीं बद्ध সরজানি পাতকরা ১০ দশ টাকা ছিনালে নিনছ बाद रा की अबुकाब देशवा नाभाईत ১२१० में दलव २० ६ हेड्ड बन्धारम कि. उन्हीं होता श्रीतर দার বিদ্বেতাকে দিবেন।

ते। यो छ कर्फा छ डिक्रीय छ नीम मान ने महून। बावर स ममळ है। का ६ का ७ करताना লে'কের নিকট পাওনা আছে ড'চা িত্রেভার মেক্ষাপ্রদারে কুটির সহিত্ত এক যোগে বা পৃথক-क्रांभ विक्रम् इहे वकः।

माग्यकाम।

১ - हे (भीन लामबाब । (महेम नारहरवंद्र काञ्चलक ग्रवधन। পত্ৰত্য ব্যবস্থাপৰ সন্তাকে যে সমস্ত र्तारव मुविष कर्ना सह, जनश्वा जुलन ৰুতন ব্যবস্থা আৰম্ভন তথ্যে একটা

क्षशंम । चार्यास्य चारमक वात्र अहे चाँछ-श्रीत श्रीकांभ करियाद्यत । जण्मे मिन इहेन, खाला भवर्गमर्क छात्रक्रवीय 🚅 উভরাধিকার সংক্রাম্ব আইন হিন্দু ও भूमनभागिरभन्न छेरेन मद्राप्त श्रविष्ठि कता डेडिड कि ना १ अ विश्वत नर्सनाथी-त्रात्त्र ७ त्रांककर्यग्रातिश्रात्त्र अधिकार कानियात्र चिकाय क्रात्रन । मास्त्रारकत প্রধানতম বিচারালয়ের অনাতর বিচার পতि स्मध्रम माटस्य श विषदा यक पित्रा • बर्टनन धः अकर्ष अस्तरम रव अकात मीख শীম আইন হইজেছে, তাহাতে অনিউ विना इंग्रेनाफ हीटलट अज्ञल वना याहेटछ शांदत ना। विम धरे व्यवका बटन. खाश बहेटन विहात गाँछ ७ वाव शाताकीव গণ কথন কোন্ 'মাইল প্রচলিত হইল, छोडा चानिटल शांतिरवन ना, गर्शमांन-त्र विश्व क कथाई न है। यकि সাवधान स्हेग्रा बावका धानम् कत ना रम, जाहा स्टेरन चनिरकेतरे दृष्टि स्त बन्द यठ चित्र वावका व्यनीक इन, कठ मश्क्रमात नश्या त्रि क्ट्रेट थाटक।"विजातशिष्ठ क्लब्रिस मा-**८६६ य जिल्लाम श्रकान क**तिशांहिन, माधाद्वीत्व अहे पछ। त्मरेन मार्ट्स्व এদেশে আগমন অবধি বিস্তর নৃতন आहेन इरेग्नाट, मश्याधातत ज कथारे नाहै। = जि वश्मत शर् ७० वि चाई-(नत्र मूर्त इरा ना। अमा (व आहेन मृथि-পথে অবতী (इहेटल्ड्स, कना जांत्र ভাহার দর্শন পাওয়া ভার। ভারবজ্ঞন चात्तरकत मान क विश्वांत क विश्वांतर ' स्व আইনে সুবিধা খাছে, তাহা বহিত হই-ু বার পুর্বেডাহার হারা আপনার উপ-कांत्र माथन कतिया शहेवांत क्रमा व्यानाटक ' जनावभाक प्रकल्मात श्रद्ध श्रेटण्टः। क्त रुषि चण्डि मरुममात्र अरु क्षरात निकाय स्रेबार्ड। किंद्र ३० पारेरनद भीख नर्भाधन क्रेट्ब. এই कनतव खबर्ग क्रिया परमरक क्र वृद्धि ও गितिरथेन

শনংখ্য সকদম। উপস্থিত করিতেছেন। ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্রথম अधिरवर्णन निष्ट्रम (महेन माह्य এहे चनवारमय উठतमान कारन बरनन, हाति ৰৎসর হইল তিনি ভারতবর্ষে আসিয়া-ट्रिन, रेशंत मध्य कृषि माज चारेन हरे. शाहि। यक अञ्चलनीत धर्म ७ विजीव সমাজ সংক্রান্ত। এতদ্ভিত্ন তিনি ইংলও ও ভারতবর্ষের ব্যবস্থার তুল্যতঃ বিধা-নার্থ কয়েকটি আইন করিয়াছেন। তিনি এই প্রকারের আইনগুলিকে তিন শ্রেণীতে বিজ্ঞ করিয়া বলেন, ব্যবস্থা পক मजा व्यमः था बाहेन कहिए एहन विवश (व मितिदिशेश करा इह, छोड़ा ममूनक नरह। जिनि स अविध अरहाम व्यामिशाद्यन तमहे व्यवधि व्यत्नक व्याहेन क्रेग्राट्ड बट्टे, किन्छ अधिकाश्म आहेन रेश्लक्षक बारेन क्षित्रन स्ट्रेटक स्त्र। তিনি সেইগুলির কিঞ্চিৎ পরিবর্ত মাত্র করিয়া বিধিবদ্ধ করিয়াছেন। কিন্তু যদি অসুধাৰন করিয়া দেখা যার, প্রতীয়মান হইবে, কমিসনের পাওুলেখ্যের তিনি এত পরিবর্ত্ত করিয়াছেন যে পূর্ব্ব উদ্দেশ্য ष्यामाज षार्देश्वर निक् इरेट्डिश তাঁহার সহিত আমরা স্বীকার করি, এক এক বিষয়ের আইন একত্ত করিয়া সংগ্রহ क्ताट्ड चट्नक छेलकात हरा। एक्सानी ও कोलमाती चाहेन ও দওবিধি नং এই দারা ইহার উপবোগিতা সপ্রমাণ হই-शारह। अञ्चल यपि कृषि गः कार्य वाहेन मकल धकिखिल इस, छोड़ा इहेरल मिन-শেষ উপকার দর্শিতে পারে।কিন্ত মেইন मार्ट्य यक चारित्र विधिवक इस्वात বিষয়ে সাহায্য দান করিয়াছেন, ভাহার অধিকাংশ সাধারণের হিতক্র নছে। **ভবে বিশে**ग আইন ছারা বিশেষ বিষয় व्यथना मच्छलात्र निरमरयत्र शतक य किहू क्षविश इहेब्राष्ट्र, अहे माज। मत्भा मत्था मूखन चारेन चारणाक राहे, किंह चनार

শাক আইন অনিউক্র সংশ্বেছ নাই।
মেইন সাহেব বাহা বলুন না কেন, ভারত
বর্ষিয় ব্যবস্থাপক সভা গান্ধারীর
ন্যায় লোকের অনিউকর অসংখ্য আইন
প্রায়র করিতেছেন। কখন কোন
আইন হয়, সকলে জানিতে পারেন না।
বিচারপতি ও ব্যবহারাজীবগণও এইপ্র
কার অনিশ্চিত অবস্থার কাল্যাপন করেন।
নগরে যেরপা হউক, মক্ষলের অনেক
বিচারপতি ও উকীল সকল নুতন আইন
দেখিতেও পান না। এটা অনিউকর কি
না ? অতিরিক্তা ঔবধ সেবন পীড়া
হাসের না হইয়া পীড়া র্দ্ধির কারণ
হটয়া থাকে।

ं । परवेरें म नड! ७ छावि इर्डिक । धाला भिन इहेल, छात्रछवनीय महा ভবিষাৎ ভৃতিক নিবারণের নানাবিধ देशांत्र श्रास्कारकाटन श्राम कतिवादहन, वक्रपार्म श्रीह वर्मन कल्ड भमा क्राक् তাহা कानियांत कता এकी अथक বিভাগ ও পৃথক কণ্মচারী নিখোলিত করা কর্ত্তব্য। সভা বলেন বর্ত্তমান চুর্ভিক্ষ घटेनांत्र पाता अरे क्षत्रां रहेशांट्र त्य ভারতবর্ষীয় কথচারিপণ আপন আপন श्रीतिष्णेत भरमात अवसा अवगड हिर्मन না। তাঁহাদিগের হান্ত এত কার্যোর ভার य ब विषय मभानकाश मानायां। (मंख्या डाँक्षित्वत माधाधा नहि। कैं रिंदो यिन गर्थ। नगर्य माना विश्व विश्व-য়টা নিশ্চিতরূপে অবগত হইতেন, তাহা रहेटल भवन्द्रान्छ्रक क्राफीकारार्थ क्षय-র্ত্তিত করিতেন সন্দেহ নাই। এত লোকের হত্যু ও দেখেব এত ক্ষতি रहेठ हो। वित्रकाशी बटफावन्छ ७ कन **मिहनार्थ थान थनने हाता ছভিক এ**কো-পের অনেক শাস্তি হইতে পারে বটে किन्द अक्कारन अख्यानात्रन मुखानमा नारे। मट्या मट्या अ जाशरमत विक्रमन

আবিভাব সম্ভাবনা আছে। তবে শাসন , लागानी माधा याचि अज्ञान कान बरमा-ৰস্ত থাকে যে অনিউ ঘটিবামাত্ৰ ভাৰার अक्षांवाव इहेर्द, लाहा इहेरन १४७०।७७ . चाट्य (य व्यक्तिके इहेशा (अज. अज्ञल व्यक्ति एकेंद्र शुनक्ष्मीन मञ्जाबनः थाकित्व ना। खार इनर्व मार्रान (मन्त्र, अत्मरनाज व्यक्ति-कार । तारकं क्रिकार्या कीवरनाभाषा गार्नरगरनेत 'हाजरश्च श्रात चर्किक चर्च कृषि हरेट गरशृही उद्या अस्तर भाग (मण्डे व्यान कुमधिकारी। अनाहिक, গ্লপ্লাবন প্রভৃতি দোষে শ্লা না स्मिन्या भवर्षा अधिक क्षेत्रीकाटवत नाम হয় শাজায় ভাগে নতুবা ভাগা অংশে व्याल्य मः शह कतिएक द्य । हेन्द्रात इडेक थात व्यक्तिकांग्र इंडेक व कर्डदा कट्यंत অন্যথাভাব সম্ভাবনা নাই। ছডিক घठेना खाल हित्रकाती राज्याव करनान शोधी इस ना । श्रादीन वानिकात छ কথাই নাই। ক্রাম্পের ন্যায় সভ্যত্তম तिर्भाष्ठ राजन मर्रू विस्टारि शाम पानग्रम েটের মুখাপেক। করিতে চয়, তথন, अरमनीरवदा अधिकाः म विरुद्ध अखे क श्वर्गामाध्य (य भूथाराका निर्देश, उद्देश 'बाक्टर्याय विकास सह । कन्छ भागा या क्रियान यथन भवर्गाय हेर्ड की ड धास हहें एक इब्न, कथन तोन् वर्मन कि প্ৰিমাণে শ্ৰু জাল ভাষা জালা অভি আবশাক। পুর্বেই ওপায় কবিছা রাখি,ল व्यक्तिका व्यक्तिक इहेवान मञ्जाबना चार ह না। কিন্তু আপিদ ডণ্ডিড চইলে ভাছার **क्षत्रीकांशर्थ क**िशास हेरेड हा, , ग्रहरीर स्मार्ग्य करे ७ चन्द्रस्टात्त महिड अदनक है। है अश्वता हरेशा यात्र ।

কোন্ বংশা দিরপা শণ্ম জয়ে, ভংগমাচার সংগ্রেহে হার এখণে কালে প্রের উপরে সম্পিত আছে। কিন্তু এই ভ্রাসা ক্ষাসাবির দ্বন্ধে এত কার্য ভার

নিশিশু হইয়াছে যে তিনি যে নির্মিত त्रर्भ चकर्तवा विकात ७ तावच मध्याच काञ्च कतिया छेट्टेन, देहाँहे चान्डर्स्टा विषय । अञ्जल व्यवस्थाय कालाकेत (व রিপোর্ট দেন, ডাচার সম্পূর্ণতা ও প্রতায় যোগাতার সম্ভাবনা অল্প। ভারতবর্ষীয় मजात शेखांव এहै:—विजाशीय कमिनम दात शरमत এक वाक्तिक " क्षत्रिकार्यात ক্ষিন্নর " উপাধি দিয়া নিয়েছিত করা ॐि छ । इंग्रेंब **अशीत कार्य क**न कर्य-চাৰী থাকিৰেন। ভাঁহারা সর্বদা মকস্ব-নের নানা ভানে গিয়া শদ্যের অবস্থা দর্শন ও ভদ্ধন করিয়া রিপোর্ট কবি (वग। कश्मिनत मिर्क मर्थः मर्था मक्त चारन याहेरवन। या हिमाव मः गृशीक इहेर्रि, खाहा नक्षमा भवर्गद्रमण्डे छ नर्क माधारत्व शाहत करित्म इर्डिक घडेना ও তরিবস্থন কট জ্মিবাব অবিক্তব मञ्जाबना थाबिदव ना।

काम, हेंदोनी, अनीश अइंड (मर्ल त्रवि मः काष्ठ अक अक अन शृथक मन्त्री थारहन। तन्त्र हैं नर्छ व्यानी नाई। कारन छज्छ, साधीन मामनक्षनानीर खत्न नःमान व्यवसा नर्दमा नर्दमानाहरणह शाहर इहेश थाएक। विस्मयण्डः हेश्न ७ कृति धारान धाराम नहर, व्यक्तिश्म भगा विद्राम १३८७ यामनामी हन्। जड এব তথার ক্ষিকার্যের স্বতন্ত্র মন্ত্রি निर्मादश्य अट्याकन नाहे। शक्तानुद्र ভারতবর্ষের অবস্থা বিবেচনা করিলে व क्रकात कर्याहातिय निर्माण वकान्छ ज्ञातमा क र्याणा का विकास का मामक नाई । किछ आंत्रता हुःथिक स्टेलांग, यांत्रज्ञा क श्रक्तांत्व जन्नुरमापन कविएड পারিলাম না। क्रमिनः कोन्ड मन्ति-निर्द्याश माता विभिन्ने देखेनार्खन महा-वना (मथा यहिएक्ट ना, व्यक्त्र कक-छनि दर्गादिह (दर्जान द्वा वर्ष नके

হইবে। রেবিণিউ বেডের উপর ও ঐ कांत्र दिल, किंद्र के द्वाक स्टेटक ब्रवांत कि छेलकात मर्लिन ? छात्र छवर्षीत मञ्ज যে কর্মচারি নিয়োগের প্রস্তাব করিতে-ছেন, ভিনি যে রেৰিণিউ বোডের ন্যায় দইবেন না, ভাহার প্রমাণ কি ? ভারভ वर्ष कृषि श्रधान व्यापन वर्षे, किन्न षांभाषित्भव विद्वहनांव अर्थादन कृषि मः ज्ञां व प्रतिद्वारभव श्राक्त नाहै। अथारन वर्षा नियमिष्कार्थ रहेशा थारक। ভাষার ব্যক্তিক্রম হইলে অঞ্চে কানিতে পাবা বায়। চতুৰ্দ্দিক হইতে তৎশংসী কোলাহন উত্থিত হয়। সমাচাবপত্র मन्त्राम ह ७ डीहामिट्गत शत्राधारकता আশক্ষিত বিপদের বিষয় গ্রন্থেটের कर्गराहर क्रिट्ड श्राड्यूथ इन ना। ध्यशंन शुक्रद्रश यकि श्रकांवर्मन ए श्रकात कन्यानकामुक इन, डाँहाता व्यापन-ক্ষিত বিপদবার্ত্রা তাবণ করিয়া কথন উ मानीनकार्य व्यवस्थिति कतिएउ পारतन गा. ভাঁহারা ব্যাত্রচিন্তে ভাহার অসুসন্ধান ও उरश्जीकारतत उभाग्न विद्यान व्यव्ह इन मर्फ्स् नाहे। य इस्म क्षांन शुक्र-ষেবা বিপারীত অভাব সম্পন্ন হন, সেই ছলেই কেবল ৰাতিক্ৰম ঘটে। গভ इर्डिटक व्यविकल अहे घरेना एरेशा গিয়াছে। দেশের গোকে আশক্ষিত ছর্ভি क्तित विषय तास्त्रक्षयम्हित्रत खन् शाण्य कतिएक विश्व इन नाहे। दक्वल अधान शुक्रविष्टिशत উत्याका स्मादिक व्यक्तातन व्यानिहरू। इति । उत्ति गंनि मनत्त्र व्यक्तिविधान कदिएकन, कथन हे भड व्यनर्थ घष्टिक ना, देश व्याकीकटत है निर्द्धान क्या बाइटेड भारत । उँश्विमिर्धित क्रमरश यपि नर्भन्न कविशाहिन, उँदिता ক্ষিদ্দর নিষ্ণোগ ক্রিয়া সময়ে তাহার ध्यश्राह्म क्रियान ना रून ? च्छाव जामाखिर्धात विदेवहमात्र धरे रत, चात्रिक्रभ

- 9 6 3 ---

अभागायात्रक (वन्त्रास्य ।

व्यक्षिकाः म माहाराक्ष्ठ विमानरा যথোচিত ভক্তাবধান হয় না, কোন বিষ त्यद्र शांत्र प्रभाशना नाहे, निक्टकद्रा निश्मि बक्रार्थ (बंबन शान ना, श्रष्ट्रा শুনাও ইহার অনুরূপ হয়। অব্দর উপ-चिक इहेटलहे आयता अहे आटक्ल করিয়া থাকি। এরপ কতকগুলি ডেপুটী इन्द्रणात्रेत चाहिन, प्राप्त उन्निष्ठमाधन क्षांकांकिरभन्न चाकिरश्रक नम्, चार्यमाधनहे केटकमा। उँहिता भागामिटशत अह चाटकर्मा मा चम्राक चर्या विषय-युलक विनिधा देन स्था छे विनिधक क्या देशा (मन। यू ठेवां: आमानित्यव बाका करना-श्वाशी इश्र ना । कि उ गांहां जा मलागश चामा के बाहि प्रभारित के के विकास क्षन প্রতারণাপ্রতন্ত্র হইয়া ইনস্পেষ্ঠ-त्रित्तित हरण ध् नित्रुष्टि (क्य क्ट्रिन ना। उपहांता मदल इन्द्र नकल विषयात चळल वर्गना कतिया पीटकन । उँशितारे यथार्थ त्वांशा त्वांक। त्वांत्वत উल्लंथ ना क्षित जारांत्र मश्रमाधन ও ज्यूनक উद्धा इहेबाद महोबना कि ? शहर বেগি পৌপন করিবা রাখিলে চিকিৎসক कि क्थन डाहात श्र डी नाइत समर्थ हन १ বিক্ৰমপুৰ বিভাগেৰ ডেপুটি ইনস্পেষ্ঠৰ যথার্থ পথ অবলয়ন করিয়াছেন। নাছা-यात्र विमानियात उलिथि उपान्यति मः भाषि इस, व विषय उँ हो स वकाय यक् विविधार । २ हा त्रीरमव काकाश्य-कारण लिथि उ इहेशार " धहे प्रांत छे निवातनार्थ देवकूर्य वातु (विक्नमश्रुदत्रत ডেপুটি ইনস্পেক্টর) এস্তাৰ করেন, कर्कु गक्ष अहे निग्रम मर्द्ध अहार करिया प्रिडन, शाक्षायाक्क कृत्याद मण्याप्रकश শকে প্রতি মানের ২০ এ ভাবিখের পূর্বে দেই মাদেব ছাত্রবৈতন, জবি. याना ७ श्वानीय हाँका जानाय कतिया खपूरि इनरम्भक्तेर्वातरात निकारे धर्मन कतिटङ इहेरव । एडपूर्वि हेनाम्लाक्वेरतता তাহা নিকটবন্তী বালেক্টরিতে জনা क्तिया ब्राचित्वन। कालकेव ले हे।का পাইয়া একখানি রণিদ দিবেন। মাসাত্তে **मिरे त्रीम अर्थमीन** भुजर्क काटलकेति स्टेट डेक ठोका धार्व कतिया बदः পবর্ণমেন্টের নিয়মিত দাহাব্যের টাকা লইয়া শিক্ষকদিগকে নিয়মিডকূপে বেডন थामान कतिरमारे छेखमत्रारा कार्या निर्दर्श ह स्ट्रेट भातित्व । मन्नामकिमिट्शन निक्छे হইতে টাকা এচণ ও তাচা কালেক্টরিতে क्या कतिया (प्रवात निक्षि नगर्य **जिथा देनरम्भक्टरत्रता करत्रक पिन (म**र्गात्र थोकिटनरे दिना शानत्यारम अरे श्रस्ता বাপুযায়ী কার্য্য নিষ্পন্ন হইতে পারে। रेवक्षे बातू बरनन, अहे निश्म सम्हत्त्राभ श्रवर्शित इर्ल जातक माद्याकृत विमानम छेकिया याहेटक शादत बटहे. किन्न जांका जार्थार्थनीय नय। विश्वना **शूर्व वङ्गः थाक विमानिय करशका** পুশুৰাসপাৰ হুই চারিটী ক্ষ বাকাও ভাঁহার মতে দুয়োৰজনক। "

रेवकुर्थ बाबू स्त्रांश मिर्बंग्न किशाद्यन

बट्डे, किछ जिमि त्य क्षेत्रदश्त बादका বরিভেছেন, দেটা প্রক্লভ ঐবধ নছে। उारात श्रकार्य शन्माहिषिक क्यांने আপত্তি আছে। এথম, পদীগ্রামে मार्भित २० अत्र मर्था योव छीत्र छोज प्र বেতন ও চাঁদা সংগ্রহ হওয়া বড় কঠিন वार्शाता आमामित्रात इटल এक्की ক লের व्याक ठाउ। र TITE I चायता वस् श्रद्धाम शाहेग्राङ ज विमरम ক্তকার্য, হইতে পারিতেছি না। এত करिबावे धार्याक्त नाहै। माम भठ रहेटन शेर मारम्य > ला वा र ता निकक দিপের বেতন দেওয়া আৰশ্যক। অত अव मार्मद (नव मिव्यम मर्थाई होका व्यामात्र स्टेटनरे स्टेन। दिनी '. एप्री हेनएम्ब्रेट्रा त्रा भः शृशी ह होका लहेगा কালেক্টরিতে জম। দিবেন, প্রস্তাব কব। व्हेबारक। इंकारङ एकपुष्ठी हेन स्मा केटनि-रभन्न ममम द्वा नके इहेग्रा याहेर्व। व एपूजी हेनएम्बर्भित ভব্ৰাধ্যাদেশর षाबीत अधिकमः था विषानिश चाहिः, তাঁকা হইতে এ কার্য্য সম্পন্ন হইয়া উঠি बात मखाबना नाहै। आमना महवाहत দেখিতে পাই, অনেক ডেপুটা ইনস্পেক্টব व्यापनामिर्गत कर्छवा मुल्यानन कर्वन না, ভাঁছারা যে এই অভিরিক্ত কার্যা সুশৃথ্যরূপে সম্পন্ন করিবেন, সে আশা नाहै। इंग्र ७ कान कान करन मणा দকের সন্থিত ভেপুটি ইনস্পেন্তরের মুঞ্চা-मुखि वाँ थिया बाहेरव । ज्ञीव, वादनके. ब्रिट्ड छोका समा पियांव कथा चाट्छ। একে কালেইরিদিগের মন্তবে এত কার্যা ভার নিকেপ কবা হইরাছে যে ভাঁহার। मञ्जक छेन्नछ कतिएछ शारतम ना, छाशात खेशरब डीहाबा त्य अहरक व कार्या छ।ब अध्व कतिद्वन, अभन द्वाध एश ना। वरू-मः था विद्यानायत होका समा महरा छ ভাষা প্রত্যপুণ করা কাজটা বড় লঘু-खांत्र नरह। এक्रश कतियांत 'भावनाक-

তাও দেখা যাইতেছে না। ভেপুটি ইন. ्रमञ्ज्यमिशदक्षे यक्ति कारलकुतिएक छोका ক্সমা দিতে হং, ভাঁহায়া কেন মানের (भारम अककारन भिक्कमिशरक (मह টাকা দিয়া আসুন না। কার্যলাঘৰ मख्रविद्या कांगा शीवव श्रीकांत सारवद বিনিজ হয়। চতুর্থ, ডেপুটি ইনশেষ্ট त्वतः यमि विमानित्वतं व्याप्त स्रीनं वरमा वर्ष क्या क्ष करत्म, भव हात्रलम दे एउ / लाख डालिकाद्भर) त्य हि कि समान निया ज्यान महिवासी अनिती अविधिष्ठ करेगाएक, खाकार छेटकमा निकत कहेशा या केटन । निकासित्रत अवः गुर्वोत कार्या मन्त्राप्तकांपरात्व शाधीनका अप्रांगरे के विक्रित मुक्षा खेरमणा। के याधीन हा वाकित्य दक्ष माजाय। मान श्रीना नीत छेर कर्ग लांच मञ्जाबना नाहै। त्य त्य रदमानारत्र कम्,ठे मन्त्रीप्रक चार्डन, जाराता स्य एडभू हे इन्ट्रम्मकेत्रकिटनंत्र ন্বাৰ্কি ভাষ অনুমোদন কবিবেন, একুপ , बाद इग्र मा।

रें बकु के बांदू वा अभिक्षे निवां तत्व াচ টা পাইটেছেন, তাহার উপায় অতি मध्या (उंभूति देनाः म्लक्ट्रिका गयाविधि श्व १ ७४, मण्योपन कब्बन । डीकांबा काल वित्रम करिया श्रीगरकाम **वाशना परग**र क्षारशास्त्र अशीमक दिनावप्रशति , क्त वरिद्वन। ८५ विमानदश्त शङ्ग उन. लात इहेट उ. इ मा, कावन निर्मा भृद्धक उर्थनार जाहात तिरुपाँछै कात्र ८१न। इत**्लाकु**र्न्टा ताड विट्नांके भारे**क म**न्नामन मिना क मन्क वितिश मिट्यन । ভाষাতে यनि डाँशांता मायशान मा इस, माद्याप्तमात वस्त क्या इहेर्द। शक्त क्रिडि एवं विष् । "एवं य य विष् श्वना चारक, मन्दक मञ्चाम मर्मादिक इहेशा व्यानित्व । काटम काटमहे नम्मान इम्बिटक नियंग्डिकटले भिक्किमिटगड

(वजन मिट्ड इहेर्द, ना मिट्ड क्थनहै। পড़ा खना छाल इहेर्द ना।

> —:•:— প্ৰাচনাভাৰা।

व्याभवा व्यानक नमात्र कार्याव ध्यक्रक कारण निर्णाय मगर्थ ना इहेशा व्यक्तात्रपटक कांत्रण विवास निर्द्धमा किता थाकि। बाँशांश वरतम, वाक्ता छाया व्यक्तिकर-कर, इंटात अज्ञाल अंकान नम् त्य त्यज्ञाल हेक्। बहेर्द, हेटांटक मिहेन्नन कार वाक कवा याहेटच, अव्याच वर्गनां इंशाट दश ना। विटमनोद्यना स्व अटमाद्यत पादतान कतिर्वत, खांश आंक्टर्संत विषय नरह। **डीहाता देहात चळण ७ (उपक नाइन)** किन्न याँदारा रेमभ्याविध अहे जारा कहिएउट्हन, उँकितः एव मिशासान कदतन, ভाहारे यथार्थ विष्युत्व विद्या। व्यामता (व बाक्रमा छोगारक देश्यांकी প্রভৃতি ভাষাব নায় সংদ্ধিশশার দেখিতে পাইতেছি না, খেটা ভাষাৰ माय नश, मिछा आभामिएअङ निष्यव দোব। আমাদিগেব মধ্যে আজিও অধিক সংখ্ৰাবৃদ্ধিমান ও ক্মতাৰান্লোক बार्यान नारे। प्रकराः चांवार इववचा रहिश्टि । यमि अनुशायन कतिया (मधा बार, शाठीवमान हरेरन, जातात उद्घष्टि वृद्धियान वाक्तिमरभत वृद्धित পরিশাম বিশেষ। বুদ্ধিমান ব্যক্তিমিগের মনে যত সূতন সূতন ভাবের উদয় হয়, তত ভাঁছারা বাক্য দারা ভাঁহা ব্যক্ত করিবার एकी भाग, जाशावक करम **उन्निक रहेर**क यादक। अक अन कवि निविद्याद्यन.

বর্ণি: কভিপরৈরের

থাখিতদা করৈরির।

শনস্থা বাঙ্গ্রদাহের

পেঃদাের বিচিত্রভা।

করেকটা মাত্র কর হারা রচিত

দাংগীত লাভ সেলা

হয়, কতিপা অক্ষর দারা এবিত বাঙ্ মর শাল্ডেবও তেমনি অনন্ত বৈচিত্রা হইয়া থাকে।

এ বৈচিত্ত্যের কারণ কি ? বুদ্ধিমান্
দিশের বৃদ্ধি বৈচিত্ত্য সেই কারণ। যে
দেশে যে পরিমাণে বিচিত্র বৃদ্ধিশশার
বাক্তি জন্ম গ্রহণ করিয়াছেন, সেইে দেশে
সেই পরিমাণে ভাষারও বিচিত্রতা
হইয়াছে। এই কারণেই কুলি ও সাঁওভাল প্রভৃতির ভাষার বৈচিত্রা নয়নগোচর হয় না।

वांजना जावा (य आंशांक्रिशत हेक्का-भूत्रभ ब्रह्मांत्र छेभरबात्री नव्न, व बाका প্রামাণিক নছে। ইহার সংস্থান ও উৎ. পত্তি স্থান বিবেচনা করিলে আমাদিগের বাকা সপ্রমাণ ফইবে। সংস্কৃত ভাষা ইছাব প্রস্তি। ভাষাতে রৌদ্র বীর क्यानकांकि नय श्रेकांत्र तम आहर । जिल्ल बिन्न बरमन जिन्न बिन्न बहन। पृत्विरशाहन ष्ट्रेशा थाटक। तम उद्याप क्षेत्र अ त्रीजि ভেদও নিম্নপিত হইয়াছে। যে প্রস্তির এত গুণ, তাহার সন্ধান বে তাহাতে विक्रिक स्टेट्ब, हेश मञ्जाबिक नव । बिट्ल वृक्तः आमता बाधना जातात अक्की वि-त्मव छ । (प्रचिट्ड शाई, देशांड जना অন্য ভাষা সন্তিৰেশিত করিলে ইয়া आफि करू इस ना। यक्ति अक्रम इहेन, আমাদিগের মধে, যত বুদ্ধিমান ও ক্ম-ভাৰান্ লোক জন্ম গ্ৰহণ করিবেন, ৰত ভাঁহাদিলের মনে মৃতন মৃতন ভাবেব উদর ও ভাষা বাক্ত করিবার চেটা অবিৰে, ডভই ভাৰার উন্নতি হইচে थाकित्व। मण वर्गत्र शृत्सं वाजना कारात्र कि व्यवस्था हिन, धर्यन है वा कि व्देशांटकः। यकि देश रक्ष्यु कतिया वाकता ভাষার ভাষী উন্নতি অসুমান করা যার, देश (च व्यत्य अनाजत उंदक्छे कारा बंजिया शतिमनिष्ठ इदेरन, खिवरत

नव सम महत्रकात्र शक नवर्षयः। আগরার ধরবার উপলক্ষে ভাক সহ ঁলির ভোজের বিষয়ে আময়। বে কথা किंद्रशिक्षणांम, २० अ जित्रवटतत रक् छ খৰ ইতিয়াতে ভাষার প্রতিবাদ দৃষ্ট रुरेण। स्मृष्ध यरणम, भवर्गत स्मनद्ररणव মাজালুনারে ভোজ হর নাই, তিনি निर्क , कांट्रक किटलन जा, अवर कवरत ना रुदेश डांक्यम्रालय मरलक्ष कर शुक्र शृहर रहा। व लोक श्वर्वत क्वत्व रहन नांहे, महाताल निक्तिश विशिष्टितन। অভএৰ আমরা যে আক্ষেপ কৰিয়াছি नाम, डाहात कान कातन नाहै। नत कन लातरकार कांछमारत विशे अरे नमर्थन कता इहेगा पीटक, हेरा त्य चार्याचिटशत कि शर्यास बाह्यारम्य बहेबार्ड बायदा विशाह भारत मा। यामावित्वत क्षांन রাজপুরুষেরা যাহাতে প্রজার মনে কোন ক্রম কোন প্রকার শকা ও বিরাপ না कारण. अक्रांश कांच्र कार्तन, देश व्यानामि-গের এফান্ত প্রার্থনীয়। ভাষার কোন क्षकात वाष्ठिक्रम मञ्जाबमा (मधिरमह पांचरा मुख्क क्रिया थाकि। बाहा इंडेक, व्यामाहिरशत बक्तवा वहे, गत कन वरतका अम्बद्धा वृद्ध इरेड़ाइन एक अ वर रेखि-शांश त्रष मर्वाष्ट्रात, उपाणि डाहाता আব্দিও এদেশীয়দিগকে বিশেষতঃ এত क्रिमीय युगलमाममिश्रंक हिनिए गांत्र-त्वन मा। खामडी य गृह इस, शृद्स रमबादन भूतमस्टलत व्यवनार्थ प्रतिज क्शिटक चन्न मान कता क्रेज। मुगलमारनता সচরাচর সেই গৃহটাকে ভাজমহলের ज्युर्गेष्ठ विनिशा विद्यवना क्टब्रन। वर्ष गर्या प्रका ठक कतिरत এছान एवं बादन यकि क्षांत्र ना इत, किन्तु माधात्र ग लादक नामांनाडः बाव कान कतिया था-क्न। कान निवस्तात **डेठा**न क्रिस्त्रभा कतिरल शृष्टिशास्त्रशा कि बरलन ? शवर्गत জেনরল ভোজে উপস্থিত ছিলেন বা.

एक उपने के कथा कहिए उद्देन, खर्चन व विषय नहेश विज्ञा कहा आंधा श्रित উচিত इश् ना। किंदु आमानित्भन्न बिकामा वहे, ठाक्यरण जानतात्र मिडे-নিশিপালিটির দম্পতি কি না ? এবং তাঁহাদিগের অনুমতি লইরা खाज मिन कि ना ? यि विवय स निमित्र रग नारे, छाझाट एम विरुद्धित अनुमिछ बिटन द्यांती हरिए इस कि मा ? उंख त्रकारत अञ्चल त्रांट्यत कांच ना क्य, श्र-র্ণর কেনরল এরূপ কোন কথা কছিয়া-**इतिन कि न।** १ य मिडेनिमिशानिए খালোকমণ্ডিত কবেন, তাঁহারা দেই একেশীয়দিগকে ভন্মধ্যে প্রবেশের নিষেধ कतिशाहित्त्वन कि ना १ शदर्गर क्वनत. लित गम् एथं भई मक्न कार्यात अञ्चीन रहेशाइ कि ना १ अज्ञान चाल आमानि নের আন্দে। ৰাক্য অমুলক ও অসকত बिना बिरबिष्ठ इडेटड शास्त्र कि ना ? " পুৰুবের মাংস ভক্ষণ গ বাকাটী মৈতৃক্তে वना इरेशारह, किंख (हाटिटनत अशक क्लिनात्र नार्टर्वत्र विल प्रभीन ना कतिया अ विश्वत्य किंडू बना छेठिछ इस ना ॥ अटन नीव मध्वामनाज भन्नामहकता द्यास् পূর্বক নাধারণের অনস্তোষ রৃদ্ধি করিতে-**.** इ. के किन्द्रांटिस के कि के किन ৰ্শন পৰিয়া মৌনাৰলম্বনই এ বিবয়ের अक्रफ एकत । भवन्टम्टकेत काट्यात श्रीक्रियाम किरिशिष्टे श्रीश अने कथा बना हरेशा धारण।

আগাংর দর্বার যে উদ্দেশ্য করা হর, তাহা সকল হইয়াছে কি না ? সে বিষয়ের অংব আমাদিগের আন্দোলন করিবার ইচ্ছা নাই। তবে করেক জন ইউরোপীরের সন্থোহ সাধনরূপ উদ্দেশ্য যে সম্পূর্ণরূপে নিজ হইয়াছে এ কথা আমরা মুক্তকণ্ঠে কহিছে পারি। ছে,ও অব ইতিরা ইচ্ছা করিশে রান্ধা সভ্যশরণ

विशिक्ष अर्थरा छ्रमपृष्ठ बास्टिक भागी बिट्ड शाद्रन, किंद्र यांगरा लाखाकट्ड करिएक भाति, कुछा छात्र कतिया सत वादत यांच्या अत्मभीतिविद्यात अधिमञ नार, छाहारक हेर्नेता अश्मान आन क्तिया चारकन। दिनिएक निकामरक बहे मधान आमर्भन कातन विलया स्म अ তথ্য কেন ডত রাগ প্রকাশ করিয়াছি लिस ? अ वियरत दे छेटता भीत । असमित উভয়ের পক্ষে একবিধ ব্যবস্থা কি বিধেয় नव ? अटलमीशकित्मत छेशरबम्धानत त्रीकि विकास कर रहेजू हैं। जा केशरवणन कारण উপানৎ পরিজ্ঞাগ করিয়া বদেন, তাহা छ्डे हेडेदबां भीतबा मत्न करवन, डेमा নং পরিত্যাগ করা এদেশীরদিগের রীতি, কিন্তু ৰাজবিক ভাছা নহে।

আমরা ভাজনঘাট হইতে নিয়গি থিত সমাচরগুলি প্রাপ্ত হইয়াছি।

 प्रश्नित्र। अवकी स्ट्रांब श्रमहात्र श्रमान করিছেছি। যে যে অভ্যাচার নিবারণে ত্রভী হইরা মহাত্মা লঙ সাহেব ভিননাস কারাভোগ बडना ও महत्व मूजा एख महा कतिपारहन, (म चलाठात निवातर व्याक्त कविया काफीनके शवर्षत्र आंके नाटस्य व्यवित्रचंत्र अभव्यापक कीर्सि ও প্রজাদিগের আন্তরিক ভক্তি প্রাপ্ত হইয় দ্বেন, এবং বে স্বভাচার বাবা নীদয়া যশেহর প্রভৃতি অলার নিব'শ্রের নিংশ প্রজারা ভয়ানক ক্লেশ ভোগ করেয়। জাসিচেছিল, ভাষায় মুলীভুত নীলৰপনফ্ৰিয়া এৰৎসর বন্ধা হইবার ভাষেত্র इंश्वारक : क्षांबरण भादेरजिक व्य, व्यक्ताल हे हैं গো কোম্পানি উছেদিগের নদীয়া জেলার নী-দ कृष्टि गकन विकन्न कृतिवादी छिट्टीन बार्ड्न। (महे सम्) सेहावा में लबू दिन मधुम्य कर्णाविकि शहक विनाय भियाद्यम । अकटन श्रक्षांतिर्गत ्म। जागास्काम काम जामाला कि के सहन कवि लिये गर्नारिक मनन । नपुरा श्रेकारिका अवे कानम विवासताल शद्भिष्ठ इंडेट्रा क्राफ्ट श्रंद विषय अहे रह, ज्यामानित्यत अवर्गरमा छेन्न छेक्षण म कर्षकांदीया अहे जान्याकारतत कथा विधान करना ম। ধাঁহারা ভাবেন যে ভদ্রলোক কথন এডাঢ় ল भाभाष्ट्रवन कविष्क भारत ना । किन्न खाँशिक्षा

একবাৰ ভত্মণাৰৰ কয়: উচিত গে. '' গঞ্চ'ভীকে क्षिष्ठ व'न क**्**यन' » २

२। अध्यम् कारनारमय महिष्य निर्देशन कहिएकि य अक्षरम् जाल अ दिमस्कि धामः व्यवस्थान देवनरमा इदेशाया । फराका दविनरमान यर्क्षात कर्या (४५ भ (१ च उ हि, ७ ६) क हैशे ५ (व डिश्कृडेस॰ छांबादन लाः। एक मरामह बाहै। हार्डेरलब अस्टियन है-दश्यामान मा नेकि। ब्रहेर्ड ७ व होदा भराय हुए । 'व कील क्रेट्डिस इंडिश्वर्य इंजाव ना ८०० १३(छ ४ में का भर्गाष्ट

৩। এই গ্রাহের ৬ কে'ল ইন্তর্কিত জয়বামপুর निवानी वास्त्रिशन (२क्टा : नश्रष्टा : कांग्लोनिव बिकट्डे फार्टबर्म क्विया चढार्म अवधी रहेगन चु निवाद्यस्य । अन्य अस्तान्ति (व. द्या अद्भ क्लाफानि छ।शाम्भारक दोलप्रार्टन .ग. डेक ्ट्रेनन मित्रा श्राहिनाटम अस्टमा श्रकामण ना.क रक्षमाध्यम वृद्धिम छेषा हिन्द्राशी बहुद्धा अहे कवा अकर्व अध्यामन्त छन्न विद्यवनारीन

उ। त्रक'म श्रीकारभव भ्याः मदलकारूके সমান। নানাস্থান পরিজমণের ছালা আমার স श्रकीं कि कि बिबारफ, त्य, देश निर्म को दिएका द खावन केनवृष्ट नहरू। ,वचारनरे शर्म कति. (महे श्वादनहे हेहात अध्यामा नात महिहस आधि वहै . आमि महातं काक नवार के किनश्चित बर्म कि এম্বানের চোবের ভারানক পোরাজে । এখা ব নি एक शाहेट करिए। देशव मर्गा २१० के । में भ करे ग्राट्ड अवर श्रुकिएड शाल्यार गर्य, र. छ र ब (एडे खबरद्वा चकरिशांतरन कना अवारन भार विधिकविष्टा चामा खाउँ व धर्म हर्द्य, হাহাভার হব উঠিয়াছিল, তৎমকাব চুরর কথা, शक्षता के नाम किला अगानि त्य अवतान केरी र खतानक श्राप्तकीय प्रतिवादक देश है कान्दर्शन विषय विश्व क्षेट्रव । समिक छ : एथर विषय ८३ । (म, (इंग्तुनान ग्रहाँक अर्थाच लहेतां छ अ हुई अरह, शिक्षा अञ्च निवस निवीर शास्त्र निर्मा आ वर्ष दण श्रद समा भर, खब अभरतन करिएड कावड क् नम्राह्य कि इ भूगिर छात्रा कि हुई का एड श्रीविद्धिन ना । बार संकल्पत गांच क्यान व শস্যুক্ষাৰ সোধে চৌকীদাৰ নিচুক্ত কৰিলে खांध क्यू, **এই मो**ताचा निकायण करें कि शासा আৰু বৃদ্ধি কুৰ্ক্দিণোৰ গোষ্ঠপ্ৰিত লগ, রাফত इय, खाइाइइट्रा खाशेटा ग्रह्त (ठोर्क,काही .वड ্নর মন্ত্র মাঠের চৌকীলারের বেতন লিতেও अनुना क्यू मा। अविरुद्धाव अपना श्रुद्धाण लगाना । (क्यूत बक्दल अक दाखि वान करवन । अस्ति। यीजा यह निविद्यार क्रिकार विदेश भीदिन !

ে পূৰ্মবালালা রেশগ্রে কোম্পনি গাঁহাদি ाव क्षरां क्षरां हिमन नक्टल खीलांक ए পুক্রদিগের জ্বজারশকে ক্রিয়া করিবার জন খতত্র খন্তর স্থান প্রস্তুত করিরাদেন। ইহা সুখ कर मरबार मत्मह महि। किन्न दीहामिशान कर्म हादी ने ४१क बारबारी त शक्ति महत्यहात कविएक के भरमन (मध्या दिश करभकां स श्रावनीय :

७। एर क्ष दन यथार आहम ला श-बारह । हेशव वार्थ। कि क्थनहे जुनुबहालाव विकार एके व ना २। ति जिन समिनाम ति श्राद निका नवीकान हाकाशांत्री श्रव फारक हाँद शि গাছে। ভাগার জনাই নানা অসুসভান ও নানা গোল্যোগ হউ, কলে। আবার কল্য শুনিলাম .य, वर्षामार्विमाध्याद्वाद शबीकात क्षेत्र क्षत्रातिन **ঢাকদৰে আলিয়া পড়িয়াছিল, পরীকাব দিব**গ वना मन्द्रे नमम् नवीकार्शिकारक नवीकार আসনে উপবেশন করাইয়া ডাক্বর হইতে প্রশ कानग्रन शूर्मक इशनिनक्षात्मद्र भदीका कथ निर्माहिक इहेत्राटक। अञ्चल हेहा छटनथक्त्रा कावना क ए, भरीकां विद्यान हाई मिन भूटक छेश क'अकाण रहेट्ड (अविक प्रहेशाहिन) बांबार अहा स्थिति एकि वि, छाका नवीलक रलव জন্য যে সকল এখ ডাকবাজি ছারা তথার প্রে-বিত দইরাজিল, ভাহ'ব সমুদ্দ তথার পোঁচে মাই - তাহাতে উক্ত নর্দালের প্রধান শিশ্বক পরীশার নিধাবিত নিয়মানুসারী এর না পাও গাতে ৰদ্ধ জন্তন্য কলিকাভার টেলিএটে সং यान भारे हे भाइन । अहे । भटन या विचायत भनी का वह ।'व कथा दिल, जाहार भद्रीवर्ध करिया শ্বন এ জী বিশ্বসের ছারা ভাষানিদের কার্যন (म रंका) क्रेड्राएक। म्हांबय ' (क्रेन्स (स श्रम ्रात्वहे पाइकत अज्ञेत्र (शांबरमान अज्ञेल बरह) देश त मदन वि । एसरे अहेत्र भ तिमृद्धना चार्हा टाव क्षत्र (क्षवरन लाहकत विस्मय यत्र ७ छात्रांत গোল্যাগ হওয়াতে লোকের সাভিশ্ব কার্বা ফাত হ'ব। ট্রা সত্র সাধান্তের নিক্**টে প্রচা** ि इ इहेश ८५ । पूर्विय विषद्ध अहे (व, अतिविका প্ৰীকাৰ প্ৰহাপহাংক কলিকাড়া পোষ্ট আছিব। क्रोर इ अम ् छ हरेशा शुलित जीख हरेशारहा :

कांनीक मर्वाममांजा लिथियांट्रनः---১৯ এ মবেষ্ব গ্ৰণ্ড জেনবুল বহিছির এখানে कां भ्रम कदिया मर्गचरत कांगांकिरशब महाना-' तिल्लास इहेटक महामगादि'र शूर्वक श्वर्वत शिवत गरण और आवंदा आहे किरम नाणि।

गार्ड्ड बाङ्गान कतिया महेत्रा बाहेरत्रः। বিঁয়াত্ব মহারাজ এখানে আসিরা গ্রেণর জেমর বের সহিত সাঞ্চাৎ ববেন।

र। पूर्णात्मव्दर्शनिक विभय भीक अवास माध्यम कतिर्दय । सः निर्देश (वश्य मार्ट्स এখানকার প্রসিদ্ধ স্থান ও মন্দির সকল দর্শন किंग्ट्रिन। (वश्रद्भव अहिंख अक्ट्रन हेश्ट्रस वान्यम् चाक्ट्रवा

৩। সম্প্রতি পোট্ট আফিসের ভাইরেটর -লনেরল গাঁহেব এখানে আসিয়াভিলেন। ভিনি अथानकात डाक्यत्वत वार्यः अनानी स्विवृत्त এত।ত আন্দিত ছট্মাছেন। বাস্তবিক প্রস্না পেণা কাশীর ডাকখরে । অনেক উন্নতি চট-গুড়ে। পূর্ণে আমর। ৫। э টার আগে কখন চিঠি পত्रानि गार्डाम ना, किए अथन क्षांत्र ১० होत ওকেই গঞাৰি প্ৰাপ্ত হই। নৰসুমাৰ বাবুকে कार्नाम ह आभारत्व धनावाः ए ख्या देवित ।

৪। কাশীৰ অন্তঃপাতি স্বাইটাকী নামক আমেৰ একটা কুংগ এপ্ৰসাধাৰে একটা মৃত স্ত্ৰীৰ ৰৰ পাওয়' যায়। ঐ শ্বে অনেকগুলি আছাত हिक् वृक्तिर्भावत हम् अवर मा है त्वाथ हम् त्य के खीरक करन कर्मिंग्रहा कि हा ति मन्द्र পু লব হত। কাবির কিতৃই নিংম্ব কারতে পাবেন নাই। সমেতি এক লে গোএক ম'রা হত্যাকারী नृष्ट इहेष्टि अञ्चनकान कहि । क्वनास्ट इत्या গিয়'চে যে এ মৃতা জী গঞাপুৰ নামক আমেৰ अकलम हाभारतय ली। विरुद्ध हानती इडवाट क अधान वाशनात औरक अक्सन वस्त বাদীতে রাখিয়া সেই স্থানে ঘাই;ত এন্তত ত্রু : কিয় ঐ ত্রী ইহাতে সমত না হা'য়া বীয় সামীর नमजिव शिद्ध बाह्दक छिमान हा। अहे हामाव ইহাতে ঝগড়া উপস্থিত করিয়া 🕫 ছন্তাগা দ্রীকে এরুপ কঠিন প্রহার কবে যে তৎ দলাৎ ভাহার প্রাণ বিয়োগ হয়। নিষ্ঠুর তখন জার কোন উপায় ন। দেখিয়া ঐ মৃত্তীকে ংক্তিধালে নিজবাসী হইতে প্রায় তিন মাইল ছুখে সরাইটা-ধীব একটা সুগে নিকেশ করিয়া প্রস্থাত কবে। माकिट्रकें मार्व्य देशांक मानता मवर्गन क.उशा ह्म । विहादि याहा २३ भदि निविय ।

 । मण्यिक अकसम क्रांत्र मात्रि शांत्र । हात्र नश्यम् कामानिरगत्र मानिर्द्धिने नारश्यत्र राष्ट् म'एड अद्यम शूर्कक निजयार्ग्य निष्क स्य । कि इ হাজাগুলুক্তমে মিগেগ্রাক্ত আগরিত হইবা চাপ का जिलिशास का कियाबाज वागका जिला खरकवार (हांत्ररक मुक्त करते। महानवा (मध्न अधान कात (कार्यम (क्यम नाव्य) यक यक नार्यय

 श्वावानती काहलक व्हेट्छ अवन्त्र ७ है। इ ज वि. अ. शहीका निएक शिवाद्यम । इ हाल किन बनहे अञ्च পतिश्रमी। (वाय क्रि हेर्गाटा जनाम रत्र भरीभार्ड देखीर्व इहेर्वन।

त्यतिमीशूतक् मःवापनाकी निधि-ब्राट्डन:----

-)। अधानकाव क्व व हेन्ट्रणाष्ट्रेत क्रियुक्त प्राप्त, अन, मार्डिमनारक्त मरमानन अधारन ल्लोड्स রাছেন। ইং ীর কাই।দক্তা দেখিয়া বোধ হই-তেছে, ইন অভিডয় ও শিকা বিভাগের উপ-बुक्त (नाम ।
- २। अधानकात (छणुषी हेन्द्र जोहरू जीहरू ৰাৰু কংলিশাস ফৈত্ৰ পী.ড়িত হটগ্না তিন মাসেশ ব্দৰক শ লইরা বাটী গমন করিয়াছেন। তাহ তে ঞীয়ক ৰাবু সৰ্বস্থা চট্টোপাগায় (ইনি ইনশ্পে ষ্টর আকিলের (চড়কার্ন) মহ'শর ভাঁছার পরে প্রতিনিধি নিজে ২ইরাছেন। টান অভিভয়, बहर्ग्यों ७ नम्यसाद्वादव लाक।
- ৩। সৰু আ দৃষ্টান্ট সাগ্জন গ্রীযুক্ষবারু চিন-बख् म्रष्ट महानग्न अरिम्बु श्रनश्माय ग्राह्ड कार्रा করিতেছেন। ইহাঁব চিকিৎসায় অনেকেই সকুই 'বাছেন। ইনি অভি ভদ্ন ময়াশু ও গ্ৰেপকাৰী, हेर्रोत्र त्रीखरनः ष्टरमरक्ट क्रथी हरेग्रार्हन।
- अविद्या अवर्गत जन्म श्रिक्त भागः कवित्राहि । अज्ञानितित म्राप्ति महम्रत मून्। শতিশয় স্থলভ হটয়াছে। একৰে ফুক্তন চাউল প্ৰাৰ ১৬০ দিকা মৰ হইবাচে : কংনকে ডস্তুনান करतन प्वादता पंछा एकेवात दिसक्त प्रकादना ।
- का अनवाद खाँनशा इः विक उडेलाम (य अ विकारमञ्ज्ञ अधानकम (काष्ट्रेट प्रदेव) एड शही ইন**েশটর ত্রীযুক্ত বাবু কা**লানার হৈয়ের মৃত্যু ষ্ট্রাছে। এ বিষয় কত দূব সতা ভাগে এবন न्त्रहेत्राल खाना यात्र माहै।

विविध मरवाम ।

ত রা পৌধ সোমবার

इंकुश्चकान बत्तम आयकाहित हासः जाना गार्ट्स देश्मर्थ परिवात भानेत्र कतियार्डम । देनि দাক্ষিণাডোর এক জন সভ্যতম সন্ধার :

अज्ञेन क्रमञ्जलि मार्ज कानरवारन वनी हर প্রতাপণ করিবেন। রাজী রাজাতে এক পত্র निविद्याद्यात. देशन भारते भागमणात व्यर्गत्यत नसम पर निर्व ।

राज्यात्र वित्र कार्श-हेत सर्हा । अ व्याहिक-जान गार्ट्य मेथ्डम्या विमागागर्यक महिन উত্তৰপাড়াব বালিকাবিদ্যালয় দর্শন কবিয়াছেন। ष्यागात्री क्ला डिनि (वध्न वानिकाविकानम न शीत प्रभंत कतिया क्रथनशन ७ वानाइटव बाहे विम। मिन कार्ट्य के कर्ष भवर्तन । जनवर्गन रांगिर्ड जारकम।

কাবুল হইতে সংবাদ অ'সিয়াকে, ভত্ততা বৰ্তমান শাসনকৰ। আফজ্ল খাঁণ ও আজিমখাঁ। निवणवार्थ मुद्धांव महत्यमं विकक् छोटक वर कवारक काबुरमद श्रभाग धाना हार्फक्त हिर-छना । ब्लाइक खाँशिमिनाटक कात्राक न ने ने प्र एक । कार्य। छः प्रथा बाहे एडए निवायका व थी लखा-पिशदक भी एम कविएडम मा, खाए यूल भी काहा मर्भ धकारत कविरुद्धन । विश्व धरे अश्वारम বড় বিশ্বাস করা যায় না।

व्यावता इः थिए इहेनाव, तक्षाम्बीय शवर्गक · हेत मिटकोति हैएक मारहत अकिनय शीक्ष চইয়া সমুদ্রে বায়ু পবিবর্জনের জন্য গচন কবি-ভেছেন। জনিয়ৰ সেক্তেটাবি গোগান সাহেবও পীভিত হটরা ইংলধে খাইতেতেনা এস, সি. বেলি সাহের সেক্রেটারির জার পাইবেন।

কলিকাভাব ছোট আগলতের জ্বতেরা নিযুম কবিরাজেন যে সকল মক্তমার আটিশী অথব वाविकेव व्यामित्वन, त्मक माहे व्यान वाविकेव क আটণীগণ পূর্ব্ব দিবস বেলা ৩ টার পূর্ব্ব পত্র ঘ'রা বিচারপভিকে জানাট্রেন । পর দিবস करे शक्तात नत भरे नकन सकन्त्रभाव विकार स्ट्रेंद्र ।

गंड वृक्ष्णा जिताब क्रक्किं निवादनी शहात नम्भानकशन कलिकांडांव शुलित कमिन्नदर्गा ३.१०.००० हाका नियादकत। हेहाव मातः १० • • • छै:क बर्ग्न कविच्चा ज्यान करहरू मान जनाल विकिश्मालय मकल दाश व्हेर्त । सांकृतिक है न निश्वास्तित्व काळाडू चंट्ड स्टब्स अक लक्क है।कः मूलध्य एक्न (बल्या क्ट्रेट्टा शहे शक्ती हिनश्वार्थी कर्वा रहेरत। हेरांच कमा बांचू तांरबक्त मसिक চিরকাল মাসিক ১০০ টাকা ও বাবু গমপত সিংক। টের পাক সমগ্র ক। তেছেন। মকক্ষাব বিশ্বে मन वर्त्रव नर्शाख ७०० होका मिद्रबन । बाबु होवा ! लान बीन व माहांगः कतिएक मध्यक हरेशाक्त । कनिश्रवाद्यात वाजीरक कमार्थ कानम् स्टेग्लाकः। ৰাজাবের ভাড়ার সমূপ ছর্ভিক্ষিবারণী সভা खेशमश्रद्धत मिछेमितिशानि**एटक** ०००० होता। विशास्त्रम्।

बद्भारिक दिल्ला।

छ। देवन चार देखिया बालन, ४ दे फिरमदत শেব রাজিতে করেকলন ইউরোপীয় লোকার বোৰাইরের খোজা গলির এক মান্তরারির বাটীতে চুরি কবিছে বায়। গৃহক্ষেরা ভারাদিলের চ্বভিস্তি অবগত ধ্ইয়া গোলবোগ করাতে लाकारत्व इहे वर्तकरक वध ও इहे समस्क দাংঘাতিক আঘাত করিরা পলাবন করে। সৌভাগ্য বশতঃ পুলিষ অমতিবিল্যে ভাহাৰি-গকে ধৃত করিয়াতেন। নীচ ঞেনীর ইউল্লোপী-রের। কেবল এদেলের ফনিষ্টের হেডু হইরাছে।

शिव्यनिमृद दरमन, मान्य स दिनश्रापुत छता-वर्गम्रहरूत्रा निम्नम कविद्याहरूत, त्व नकत प्रका প্রভূর শিশুসন্থান লইণা খার, ভাষাবা বিজীপ শেণীর ভাড়া দিয়া প্রথম **শ্রেণীতে ঘাইতে** भावित । এ वरकावन्य काछि छिल्म, **छात्रकवर्गीत** ्रमश्रुष्ठ (कान्ना^{नि} हेर'त **प्रमुमद्र**न कविएड कि शाहमी इहेरवन ?

উক্ত পত্ৰ বলেন, বিউটাৰ কোম্পানিব कार्यक्रमाञ्चलारम अवर्धनके व्यक्ति विद्यारक्रम, खन्यामा प्रदर्शास्त्र शृह्म छै। शामित्रात प्रदर्शन (biनिकारक आंत्रित। विकेतित अकरन तरबाह পত্ৰ সমূহকে টেলিগ্ৰাম প্ৰেবণ কৰেন, কিছ এই भरवाम आध वानिकामध्याखा भाषाहरून সংখ্যাৰকৰ বাজনীতি সংক্ৰান্ত সংবাদ অৱই আইনে। ভারতবর্ষীর সংবাদপত্র সমূহ আপ-नाता अक ब्राव्यक छेलाय कविया अरबाद बानि-वार मानम काब्राउट्डन, छात्रा रहेटल दिछिहात्वय *दहे शु*विभा बाक, का<u>र्य</u> ५७।

কাপ্তেন ধাৰণুৰাত লাগৰাৰ নাজিটেট পেলিক সাদ্ধের নামে ক্তিপুর্বেত প্রাণনায় eres केलिक मानिष्ठ नालीन कांत्रप्राद्धन । नार्श्वास्य अस्टिए राज्य कादः कर आहे। नाम সেলাখনৰ অন্ত চুবি যাওয়াতে মাভিট্টেট विश्वत करता काइ उभटक काइटक किया अध्य विहाय कवित्र'ड्रियम । बार्ब्डिय क्षिष्ठ' अपूर्व ক'প্রেন্ব পাক জাছেন, থাগা-ার প্রধানতম विध्यानरथन छेकेल कननाम नाइक्त मासिट्य-किছू विविध शासाधन वार्थ ना, कि इ कार धन शायक्षाट्य भिज्ञान डाशांक अविषयुक्ष িবভিত্তনা করিয়া অনিব্রোচিত কার্য, করি-(स्ट्राइय ।

हीत श्रेट्ड जावात कात्रिताह, कार्तिकात्र ্ৰান্তগত কলেছা ওড়ে কৰালী বা পৰাজিত হন-शक राज्यवीत जातकवरीत वावकाशक मछ।य ' त्रांटह , याशिमात्रव १० सम इक महेगाए ' पुन क क्षक अध्यासम्बद्ध के ब्राट्स, अ मिलिस फार्स के किए मार्ट्स পক্ষ সন্ত্রা করিভেঙ্কেন : কিন্তু আ্রান্মণের কোন र'त अष्ठ वस्।।

ক্ষন আগিয়াটক সোগাইটতে এক সভা

इ॰ जिन्माम नर्वाम लाहेगार्डम, अन मन विग्रिय दनः कान्ति अक्रमनात् अक्र महीजान लाठे কবিয়া অনেক অভ্যাচাৰ কবিয়'চে। এই বছল। वनः नीय मा ति रहेर्व ना मिथा गाई८७८छ।

উক্ত পত্ৰ বংগৰ, সম্ভ্ৰতি আগ্ৰাৰ বিখাতি हशनलाल कलिका छ।त श्रुप्तातिय (हारमन सं.त ज्ञाहिक क्षेत्र इहेरा । सानशूरण्य वाकाश व.मि.ड গিয়া এক ছোড়া মোচৰ ভোজ বদাৰ উ ছাইয়া क्ष्म । भटन लाहर शुक्र प्रांत आहेरमा व'ना ভোড়া খুলিতে উন্যত ছওযাতে হোসেন খা अहे विश्वश्न बिरमन करन । य कादी कतिरम माइन मन्त्रे रहेर्य । केन्य्र प्रशादनात कर ध्यकार्य बाकारक निरुक्त कविद्या भनायन करन, अब फिर्क् (डाका ज्लिया वाका जाशालन, भाइत नाहे. (क्वन भन्नमा चार्छ, खुब्रार्टारका शुक्र करेंग्रा माजिएके के बर्द कार्य कार्य कार्याहर हा मन भी अक अपने विचेतां के लाक । या नक्स व लिन खर्न खाइड, खश्र विकान कि नाहे, डाका किश्न हाजाकी (क्यांक्या अ वा क है गार्कन करिया) थारक। देशात मध माधारर तत्र मझालत् कावन रहेव।

8 की (शांच मक्त वात्र ।

গভ শানধাৰ রাত্রিতে কলেকা তার আছিবী-(कामाव शिल : उ अक मुख्यान मुख्य हुन । हेर, अक स्मा निक्रेवर्सी मुनित त्म् स्वित क्षेत्र एक अवर (मर्के अस (वन्यानरस्य नम् एव ।इन । कारिती-টোলা, সভাবাজার ও সোণাগালী শনিবার बाबिक लक्ष्मत अम्माद्मम विकारमत विकार स्य । अहे बाद्ध अहे विভाগ प्रदेश सुन स्हेश्वी थाएक, मांका काष्ट्रीत क कथाई नार्टे। अकटम-भीक्ष " मानवाकाद्य । अधिक मध्यक श्रीवर बार्बी दांचा चाजिमन वातनाता।

व्यात्राद्यम् व्यवन । निराहे हा । क्षा बन 3,9 . , . . . छ। का वाझ हम । किश्व अभिवाद ; बीलास करे छेन्। न अक भक गाकाञ्च विक्रीत । छकील मानलीय नाटम २२० गाकात अक फिनी mante । शहन प्रमु है कोल्लानि क्येंनिया , करिया विशेष कर, अप, में स्टिमंत्र निकार्ड

करक हेकाहेब्राह्य। क्रम का अ अहं क्रम के रमश्री इंडब्री व्यवित हो क्रिया प्रमा क्रिया

কলিকাভাব ছর্ত্তিকনিবারণী সভার কার্য্য लक्ष्य (प्रचा बाग्र माहे । खालाम्बत स्ट्रम छोडेकुम वक्ष वर्देशाह्य । जनां लिख द्वारम द्वारम होना दहे कांबिडिक्शित्क बाद्याव करिया बत्यावस्य कवि- ' एटाइ, मचा बहे ठेका नावा ठिकिएमानएयत ্ডাছের। ই ন উপযুক্ত লোক/ও বিদেশীয় দিগের । জন্য দিতেছেন। সভা যে প্রথালীতে কার্য্য করি खे:श'रमात्रा। आभारतन श्रेष्टाक में य दक करें शादकन, खाबाटफ खाँकाना मर्जनाशाद्रात्व व्रख ্ অতঃ ভাজন হটবাছেন। হগ ও উড সাহেবেব মিল কাপে-টগ্রেক সমানরে প্রাচন কবিবার নিকটে সকলের কুজজাতা প্রকাশ অতি আব नाक। इक्षिक महत्र विभक्तकारत यक बांद कीका আবশ্যক হইয়াতে, উড সামেব ওড বার সম্পা महस्त कार्वः कविद्यारहमः

> ইংলিগ্রামের দিল্লীস্থিত সংবাদণাতা জন वर्ष कारन कविद्वारक्त जुलात्मव विशासि मुहा इटेब्राट्ड । जानताटक व्यवस्थ र माबुटल अमार्कित क्रहेराउट्ड : अ सम्बद्ध मंडा क्रहेर्न भव-दमके व्यव माहे मश्याम शाहे (अन :

> खना व'हरकर्ष, लाइ जानत्वानन छेरक श्रिक छिल्माक वज्रामनीय श्रवन्यानिय विषद्य मिथियाद्यम, यहि तर नितिल बीस्ट्रमय পদত্যাগের সময় নিকট না হইতে, ভাষা হইলে जिनि ताकीएक अहे कशूरवांध कतिएक वाधिक वह তেন যে লেপ্টন ট প্ৰথবকৈ পদ্চাত কৰা হয় প্র সিলিল বীড়ন এইএপ বিরাপ ভালন হইবা क्ष्महे वटहे ।

विवाहे (१८७) वरमन, भन वाउँम कि बान এর হটতে পতিত হট্যা যে আছাত এতে চন. उम्र इहेर्ड चम्रानित चार्यानामान कार्य ণাবেন লাই ৷ ভারতবর্ষ তাগে করিবার পুর্বের তেনি এক বার আপনার প্রিয় প্রবেশ সিন্ধ দল नाथ पारेवाव मानग कविशाहित्सन । किन्न हिकिए मर्तावी निर्विष करोडि अहे हेन्द्रा छ। श कति

টাইমস অব ইপ্রিয়া বলেন, বিধনত আভিকা অৰণকাৰী ডাক্তর লিবিডটোন যে করেক জন **बाइ दर्शीष्ट्रक महि महिया थान, खाँशांत्रा निर्वामा** र एवत निकरवर्श्वि मोडीका नामक এक सम्भूर्व নগর পর্যান্ত বিশ্বা পীড়িত ব্রীয়া প্রত্যাগমন করিয়াতেন। ভাষারা বলেন, ডাক্টের লিবিডপ্রোন कावज्वर्य इंदेर्फ (व प्रकल शक्त नहेचा किहाहि लान त्म मधुनारा ब्यानकान कविग्राहर । सास्त्रत नीख करब्रक क्रम चाह्रव व निरमञ्जू बाजा अक शत लिशिर्वन अङ्गल मञ्जादन' जार्ड ।

वावू भीकांपत पत (कांके भानाना कत कुन्ध्यू र्ग

ভাষার জৈপ্তাবে পরস্থানা দেন। বেলিক সান নীকে হুড করিয়া ছা-ছয়া দেওয়াতে ভাষার . নামে ছোই আলালতে এই টাকার জন্য নালীল र्ग । कि **अ पार्टन प**ञ्च गारत विस नारतन गरना नार्वे म मा स्वद्रांटा विश्वपृष्टि मक्ममा व्यवाहर क्रियादिन । वक्षमा भूँबीश रुपेक, लिय हेराट अकान नाहेएडहर् छाडे जानानाटक উকীল ও বেলিকটিলের ভালিকার সংলোধন अंड जारन,क। अहे जामानरफ शरीरकाफीन উক্লি ভিৰ আৰু কাছাকে বাইছে দেওছ উচ্ছ नग्र। अभि करव स्ट्रेटव ?

र्श्तश्रमात (कड़ी ८००० हेक्कित अरु छ्.छ জাল কথাতে ভাছার লাভ বংগর দ্বীপান্তর वारमञ्ज्ञाका स्टेब्राइड ।

कावन इहेएक मरवाम चानिवार, अभाव ধাঁ এক ক্ষম বুলে নিয়ারশালী খাঁব দৈনং क्षित्र भवाक्षिक कविद्याद्यम । महात जाकिय र्था शिक्ने एक बाहेबात आबा भाहेबाएक । कारकृत थी छोहात अछि मत्कह करत्र । मर्फाद व्यवाश्विम थे। विद्यारी स्टेश क्टलशावान আক্রমণ কবিতে উদ্ধান্ত হটয়াছেন , ইনি আক ब्र भं त शुद्ध।

६ रे :शीय बुधवात्र ।

বিনায়ক মান্দের ১৮৩৭ অক্সের জন্য বোরা ইয়ের স্বিদ হুইয়াছেন। ইতিপ্রর্কে কোন এড-प्यमीय अहे भए भान नाहै। बाखिएअप वाहा-देश अबहे चार्ड। कलिकाछात्र हेहा बहेबाब बार के विनव आहा। अकस्य आर्थानीय व शह भाम छाराएछ मिनवानी आत्रक्रयवीद्वय समाध

ब्बाशाओं) या साध्याति व्यवि निसीत (मृड माधारन वानिकार्य (धाला इंदेरन । यमुनाद इहेडि বুহৎ ও উত্তম সেতু হুইল। কিন্তু ক্লিকাডাছ हेर। क्या जरनि जित्तव वृक्ति परिवा हैरिएक

^২ বা ডিসেশ্বর পর্যান্ত কলিকাণ্ডা ভিন্নং অ-माथ हिंदिरशामरत ३०,१७३ खन खी, शुक्रव ब नि छ हिकिशार्थ जाश्यम करत । देशपिरशत बर्धाः ०१७३ कर बाद्यामा स्हेग्राट्ड अवर ४२१७ कर थां १७, देश करिबारक

Spee जार नार्ख एकारोनि बाका क्षत সরকারে কর্মের জন্য যে সকল লোক আবেদন कतिरवन देशमिरिशन माणा बाँहाना कुर्जावन्त रीशास्त्रहे अन स्वत्रा स्ट्रेंदि । ७ हेन्स्त्र के বেতনের পদ কেখা প'ড়া জানেন এমত লোককে (एटब्रा नांड' (डनरहोतित स्विट्यंड हिन। ১৮ ८৮ कारक वक्रावरमञ्ज्ञ नावाबन विवानिकात किर्ब বাবং কৰেন। কিন্তু বসদেশে ইহা হথা হই
রাছে। আদালত ও আফিস সমূহের কাল ফুপা
রিস-ব,তীভ কাহারও হইবার উপার নাই।
রাজ্রালে ইহার বৈপরীতা দেখা যাইতেছে।
প্রতিবংসর তথার রাজ কার্য্যের প্রার্থিদিথের
পরীকা হয়। এজন্য পরীক্ষাবিদিনকে কী দিতে
হর। এবার ২০৯০ জন পরীক্ষাথি আইসেন।
ইহ'দিগের মধ্যে ২২২৭ জন পরীক্ষাথি আইসেন।
ইহ'দিগের মধ্যে ২২২৭ জন পরীক্ষা দিয়া ছ
পোন। ৭৩২ জন সাধারণ বিষয়ে ও ৪৫০ জন
বিশেষ বিষয়ে উত্তীর্ণ হইরাছেন। গভবংসব
অপেক্ষা পরীক্ষার কল অধিক তুটিকর হইরাছে.

জুত্রেলির:র গবর্ণমেন্ট তথার চার চাথেব চেষ্টা দেবিতেকেন।

আমরা আহ্লাদিত হুইলান গিংহলে ছ একে,
ভয় গিয়াছে। অএহারনের শেনে চাউল এত
সন্তা হুইয়াছে বে অনেক বণিক ক্তিএন্ত হুইয়াছেন। সিংহলে এবার কাফি উত্তম জ্যে নাই
জন্তক হুওয়াতে কাফিকারেন। মন্ত্রদিগকে
আধিক খেতন দিতে বাধিত হুন। মুত্তনাং বাঁহা
লিগের এবার লাভ হুবৈ না। সিংহলের গ্রথ
মেই থাল খনন বিষয়ে বিলেব যুহবান হুই
য়াছেন। সিংহলে সিজোনার চাব হুইতেছে।

কংশে কেরার রক্ষদেশের রাজার সহিত সজি করিয়া বিরাটনিউতে প্রত্যাগমন কাবরা-তেন। রাজা বা পজ্যের অক্সবিধাকর কথ্যেকটা শুক্র উঠাইয়া দিয়াছেন। ব্রক্ষদেশের সমায় এবজন ইংবাজ কর্মচারী শুক্ত জাদায় কাব-বেন। কর্শের কিজে সাল্পত্র লইয়া কলি কা ভার জাসিবেন।

বরা ভিসেবর অবধি ৯ই ডিসেবর পর্যতে ভারতবর্ষীয় গেলওয়েতে আবোহী দারা ১.৫০, ৯৯০ ও দ্রব্যে , ০,৯৫০ টোক সর্লান্ত ছ ৪২৪৯৪৮১৫ টা না নান্য হব্যাছে। প্রত্যেক মাইলে ৩৭০৯০ নানায় পেয়া বাইতেছে।

রেলুণ টাইমা ।লেন ব্রহ্মদেশের বিদ্রোহী রাজকুষার্লিগকে ।বির্মধ্যে নজর বলিতে রাখা হইয়াছে। খা. ম খার পঞ্চাবের সীমায় থাকিয়া বড়বন্ত কর। এবার স্বর্ণসেন্টের চৈডন্য হইয়াছে।

এল, আর, টা হান সাংহর প্রধানতম বিচারালারের আপীল বভাগেব স্থায়ী রেভিষ্টর ইয়ান্টেন

নিয়লিখিত ভালিব।য় উৎবংগর সাপ্তাহিক আঃ যুগ্রাপির স কলিকাভার পরনালা কবিলার ভাব এর্নি কোম্পানিকে দেওয়া চইয়াছে। শীল একাদ্ আরম্ভ হইবে। সম্প্রতি ইন্সিনিয়ত স্মিধ ফবিপ্ কবিয়াছেন। সাক সাহেব কোথায় স

৬ ই পৌৰ বৃহম্পতিবাৰ।

বোষাইয়ের সংবাদপত্র সমূহ জাননর করেন মহারাজ সিন্দিরা ইংল্ড দশনাপ গানন দ্বনি-বেন। আমাদিনের ইহা বিশাস হল না , কিছ বাজগণ যদি ইংল্ডে যাইয়া রাজ্ঞী ও প্রপান লোকদিনের সহিত আলাপ করেন, ভাহ চইলো ভারতব্যীর গ্রন্মেন্ট উহিদিগকে অধি চ স-পান প্রদর্শন করেন, রাজ্য লাসনের পক্ষেত্র অনেক ভাল হয়।

বোষাইয়ের বিক্টোরিয়া আলবাট চিত্রপালি কার অনেক ঋণ ক্রীছে। রস্তমজী খাই থসক নামক এক জন নীলামকর বিজ্ঞাপন দিয়াছেন ঋণ পরিশোধেব জন্য ডিনি জাপনার ক্রিক আর প্রদান করিবেন। চিত্রশালিকার ওজাব ধারক এই বদান্যতা কৃতজ্ঞতা সক্লারে থীকাব ক্রিয়াছেন। বোষাইয়ের পূর্বজন দাতব্য জদ্যা পিও আছে। আক্ষেপের বিষয় হৃতিকেব ন্যার বিশ্লকালে ব্যক্ষণ করে আছেন, নচেং কাহা রক্ত মুখাপেকা করিজে ক্ইড না।

ধ্বলপুরের ৪০ ক্রোশ সুরে থোপানি গ্রামে প্রচুর কয়লা আছে। বোবাই রেলগুরে কো-ম্পানি তথায় এক শাখা করিবেন। অনেক

ছলে এখনও কটে কন চালান হয়। মধ্য ভারত বর্ষের খনিতে কাজ আবত হইলে ইবা ক্রিডে হইবে না।

ইণ্ডিয়ান ফেলি নিউনের শতকরা ৫০ টাকা মূল অংশক ধাষা ধইয়াতে। তথ,ক্ষণণ বলেন, বর্তমান মূল্যে উচিনিদ্যোগ বাষ পোষায় না। ধ্বকরা নাই, ইংলিদ্যানের মূল, উক্ত, অভএষ অধ।ক্ষণণ এ স্থায়াগ ভালি ক রভে পারিবেন না।

भवारवर व्यवभव मारहब se विवन श्वीहारम ভিলেম। তিনি তত্ত্ৰতা সেনাপতি মহম্মদ আ-लीटक विशे देव भाग गाइक छ कविया कर्यन उक्कात्रक ्य पञ्जानिश्वारहन, सक्यनाहर्ष्ट **डोहो अकोन हेरे**श्राह्य कन मन माहित व्यान, भक्तार का लिव ६० वर्गर वर्गा अक स्था बहुक क्वांब व्यक्तिक श्रीहरीत मध्या विश्वादित्वन. टांबाद भारत्य अक खळ लि माहे। माना जारहरदव माध्यम निर्मय कर व्यवस्थित हिला ना । सानगन भारहर बटनम " प्रक्रिम आसी अर्भम हीत টাপ নস্তাক দেন, কিছু এক ৰাব তিনি জামার महित गृहदश्च प्रतिवस कृतिशा खाहेत्मम, उसम আমি লেখিলাম গাহাব পাগড়ী মহারাষ্ট্রীয় तन(व वोधा कार्ड । अक्की भिन्नद्रत काल्ना वव আন্যাক্ষর রহিয়াছে। ডিনি প্রথমতঃ হিল্পস্থানী লানেন ন বলিয়াছিলেন কিন্তু পৰে স্বীকার कविरासन छेड्य हिन्युयानी छ देशवाकी खान জ্ঞানেন এবং ভাষতবর্ষে ইউবোপীয়দিগের महिन्द स्थानक काम महान्याद वाम करवन। प्रक्षप्त काली बरमन प्रहे चरमव हहेन छिनि খোটানে আনিয়াট্রেন, কিন্ধু জন্য জন্য লোকে চাবি বৎসর বলিয়াছেন। ধানসন্ত্যকাসির বেশে प्रकृषण जानी कार्य क्या (चौठारन शम्य क्राइन राश्वत महिन्द देहें खन लांक दिलन, अक बन ভূত্য ভূজাৰ এক জন দীৰ্ঘাকাৰ সুক্ষৰ মুগল মান। এবংকি আফিমুখা খাঁছির করা হই गाएक। मश्यम आली ब्यामादन खेखम अवसाम মার্কেন এবং প্রভার পর্যায়ক্রমে ৩০০ সিপা প্ৰিক ভোক দেন। জনসন সাহেৰ ভাছাকে জিঞাসা করিয়াছিলেন তিনি যখন ভারতবর্ষে ছিলেন, তখন তথায় পুনর্কার গিয়া নিবাপদে আপন সম্পত্তি ও কুশন ভোগ ন' করেন কেন ? ভাষ্যতে মহম্মদ আলী উত্তর কহিলেন ''আলার যাহা অধ আছে, আপনি লইতে পাংনে, আমি किइहे ठाहि ना। यथन व्यामात এए धेर्मा डिल, আমি ভাষার কি ব্যবহার করিবারি 🖒 এর ভাজে व्यामारिकाद्रल निष्म र रहे (१८६)

जांख वर्ष शक्षमबाद अक्षान काशांज अक कारम है॰म्ख बहेर्ड हाबारम भियां हिल । ভাৰত্তা চাউলের বাণিজ্ঞ, ক্ষনং বৃত্তি হইকেছে। नारायुर्वश्रक ध्यवीच एष्ट्रेजाम भर्गास माखाहर একবালি বাজ্যীয় জাভাজ চালাইবার প্রস্তাব इहेवार्ड । आवास्त्राम किङ्ग मिर्मद्रक्ता, इन्ने ग्रामद्रक काना चर्तु । किन्नु वाशिक्षा'य अवस्थत कांछ फेक्स । इंश ममुद्राप्त निकरित नर्ग ल ननी के ल কাতরে গলা আপে দা প্রচত্ত্রের ও ল জীর। চুতুর দিয়াৰ নিকাট যে চড়া ল'ডুয়াছে ভাষাৰ সংশ্বাব रित्त चिक्र वृहर छ।हाज हरेशास मोर्टेड भारत: आगारमत नह प्रज्ञास्य माख ठा-६ रस्ट क्षीत् 🖥 इहेट्य । शतनश्राष्ट्री क्षेत्र अहे जन्मात्वर स्रम् । किःश्वर वन्त्र कातुष्ठ माहभी बहेरवन र वादित अर्भका अभवन (दब्द्य बाय विद्रम है।का बारत शांकरव मा । अभरत मनव भारत त्य । इ आहि खादार व्यवक सम्माक्त ।

काइन नवात मनक्षात भवन्तमार वा निरंद भवे बिलवा कार्यक करिवाहिन, नगरमय मन्त्र क भवन्दमते बाजनीकि मधरण चारककल करिवा किन, क्षार अपनालक किनक्षमा करिक क्षामा । এই खार्यक खरमाई ब्राह्म क्षार्य, बारकरिय वानीभन এই खार्यक्षिक मकस्मात्र हारबन किन्न मनक्ष्य मामान विस्टान हेश कर्म कर्मु किन्न

१ के लीव एक्वादा

গত কলা গ্ৰহণৰ কেনৱল লেপ্টন ই গ্ৰহণী, তা সাক্ষে প্ৰকৃতি যাতলা দৰ্শনাপ গ্ৰন কৰি-ছাছিলেন। সাক্ষ লাক্ষেণ ডক্লডা কাৰ্য্য সকল এক এক ক্ৰিয়া দশন কৰেন। মাডনাৰ মিউ-নিসিপালিটীয় সভাগতি কাড়িনাও শিলায় গাৰেৰ সন্ধান্ত দশক্ষিগ্ৰহে ভোজ দিয়াছি-লন।

২৪ এ নবেষৰ যে সপ্তাহের লেও হার, তর্ধো হালেশ্বর নগবে পবিশ্রম করিতে সম্ম ২ ১৯৯ জন লোক আশ্রর পার, ইছাদিগের মধ্যে ৭ জন লিশু ছিল। অফ্সদিগের মধ্যে বরাপ্রাপ্ত লাকের সংগ্র ১১৪১৭ ও লিশুর স্থান ৫ ১১১ জন ছিল। অর্থাৎ অদ্যাপিত নগবের চ্যুর্থালে লাককে সাহাব্য দেওরা ২হতেছে। ইহাদিগকে। ১৪৯৫৪০ মন চাউল ও ২২৭৮৪০ টাবা বিভর্গ করা ইইয়াছে। জনাহাবে প্রত্ত চ্না তান প্রা

আন্দামের ফুলিনিলের অনেকে প্রাণ্ডাগ করাতে গ্রাণ্ডাই এক ফুলিনন নিগুল কবি বার মানস করিয়ানে। বর্জমানে মালীজয় হওয়াতে বলদেশীয় নার্থ মেট কমিসনবের অনুবোধে করেক জন এতাদেশীর চিকিৎসক ও এবদ প্রেবণ করিয়াদেন। চোলনিটুলে মারীজারের বুডাভ পাঠ কণিয়া গার্থমেন্ট নিজে অনুসভাদেনর আজা দেন। গান্ মানীজয় ও বর্জমান ছাত্রিকে গার্থকেট বে উলা-সীনা প্রকাশ করিয়াছেন। তারাতে এই সাহায়। দান কতক প্রশংসাধ বিষয়

বক্ষাদেশে ছবিক হইবাব যে জয় চিল ভাষণ গিয়াছে। তথার এবাব প্রচুর শস্য জন্মিয়াছে। ক্রমে শক্ষা চাউলের বাজার সন্তা চইয়াও চইভোচল না।

শ্বি ক্লন আন্ত ক্লামেকার বিশেষ প্রশংসা কর ।
ত্রের । এই ধীপের বিচারালয় ও বিচার
প্রশ্রেণী অভি ন্ধরনা। ১০০ ফ্রেলানা আনিকে
কেই মক্তমা কণ্ডিত পারেন না। শীল্ল কোন
নক্তমার নিক্ষতি হর না। নতন পাননকর্ত্তা
বিচারালয়ো সংখ্যা রুদ্ধি করিবার মানন করিয়া
কেন: আনোকার আন্তক্তবি প্রোবষ্ট মার্শল গার্ড ন
বাম্প্রের বিকল্পে হর, ত্রে মপ্রাথের বিল ক্সমান।
কর কাল্লি প্রভাবের সমরে রাম্পের নিকে জীল্ল
ভঙ্কি ক্রাডে ভাহার ভৎক্ষ্যাৎ কাল্লী হয়।
বিচারপ উ বামপ্রেকে বিচারের যোগা বলেন।
কিন্তু আন্দেকার কাজিকবেরা ভাহাকে নির্দেশন
আন ক্রিরাহেন। আগু কুরি এই কারণে উঠান
ইয়া নেওয়া উচিত।

৮ हे (श्रीव न निवाद।

লাহোব এ গিকেল বলেন, সম্প্রতি কয়েকজন
ইংৰাজ আক্সেব কাখাবৈ গিল্পা ভরানক অভা
চাব কবিয়াকেন। রাজা গবর্ণনে টকে এ বিষয়
আনাইবেন। ক্রণিকেল সমুদার লক্ষাকর বিবরণ
শীত্র প্রকাশ কবিবেন। গভ বংসর এক জন
আফিসর এ প্রকার অভ্যাচাব করেন, কিন্তু গবর্ণ
এমত অবস্থার ঘদি লোকে আপনাদিগেব হস্তে
দণ্ডের ভাব লয় ভাই। ইইলে আশ্চর্নের বিষয়
হবৈ না। এই সকল লক্ষাকর কাত্তের দণ্ড কবে
হইতে থাকিবে?

গাত কল। সক সাহেব গংগ্ৰেটেব প্ৰতিনিধি সন্ত্ৰপ সিলিবিটি জাহাজে কটকে গমন কৰিয়া-ছেন।

পঞ্চাবে এ পর্যান্ত ৫ জন ইউবোপীয় ও ছই জন এডনেশীয় উকীল গিয়াছেন। পুর্দ্ধে তথায় উকীল ঘাইবার আজা ছিল না। লোকে উকীল

পাইলে সভ্ঠ হন, কিন্ত নিয়ম বহিছ্ ও প্রদেশ লেব সৈনিক বিচাহপাতিদিগের ভারে বেংই সাহস করেন না । নিয়ম বহিছ্ত প্রণালী কেবল সর জন লখেল ও পঞ্চাবেদ ক্রিচাবিদি— গ্রামিকটে প্রশংসনীয়।

টাইম স অব ট গুরা বলেন, কাবল নামক এক নান জার্মাণীয় ভানজিবাথের ব'জাব ভূডা মূলপ থাকেন। বাজাব ভগিনী ভাঁহাব প্রতি আসক্ত হওয়াতে উভয়ে এডেনে পলায়ন করিয়া আসিয়াচেন। রাজকুমানীর সহিত কার্মেব বিবাহ চইয়াচে, এবং তিনি খু উন্ন গ্রম অবল-মন ক্রিয়াডেন।

গত ছয় বংসনে ভাগলপুৰে ১১৫- জন বংগ্ন ধানা হত হইয়াছে। এই সময়ে ৩%৬ চী নাত্ৰ ব্যাহ্ৰ বদ কৰা হইয়াছে। আসামে ৭৩৩ জন বংগ্ৰেব মুখে প্ৰাণভণগ কৰিয়াছে। শীকাৰীগণ ৪৪৭৪ টি বং জাৰধ কৰিয়াছে।

कर्गकत किमनात वश्रामनीय गर्नश्मानेत निक छ। त्रामि किरियाद्या उद्यान अन्य भाषा, विश्व व १ थो काद्य। श्राम मान भाषा १ श्राम श्राम १ श्राम १ श्राम वाद्या व्याम श्राम श्राम श्राम १ श्राम व्याम १ श्राम वाद्या व्याम १ श्राम व्याम १ श्राम व्याम १ श्राम व्याम १ श्राम व्याम व्याम १ श्राम व्याम व्या

নির লিখিত মুলে, গবর্ণমেন্টের কাগজ বিঞ্নীত ব্রুডেছে:—

| ৪ টাকার সিকা | p. 61 p & 4 . |
|----------------------------------|---------------|
| 8 " কোং | A #1 A AN . |
| e '' কোং | 7 - 04 7 - 8 |
| পবলিকওয়ার্ক | 7-787-74% |
| en•" (本) | >>>>-/- |

इंडेट्सालीय नयाहात।

লওন ১০ ই ভিনের —প্রাতঃকাল। লার্ট ক্রাণবোরণ বিজ্ঞাপন দিয়াছেন, ভারতবর্ধের বে সমস্ত সবর্ণমেন্ট কাগজের দেন। ১৮৭০ অন্দের ১৭ ই জুলাইয়ে দিবার কথা ছিল ভাহা ১৮৮০ অন্দেব ক্রাইয়ের পূর্বে দেওয়া হইবে নাঃ

ভংগালটিয়র, লিএসকে বলিয়াছেন মার্চমাধ্যে ফরাবী সৈন্যগণ মেক্লিকো ভাগা করিবে।

न्धन ७ - अ नर्वहरू-- मानवा व्याद्यत जरम वाहित रहेब्राइका जरामत जिल्हिक जाएव मन रहेशारक। वर्राक्षत काळ जुनहावर्षित छाछ यदम्पावस इहेटस्ट्र । हाति कासि होकीय महा-ক্ৰমণ ঋ প্ৰস্তাবে সন্মত হইয়াকেন।

मध्य २ वा जित्यवत्र-नियाहित्य गायतिक षावेनकादि श्रेशार्क। अथनित्न षातकरक হাদতে দেওয়া হইয়াছে।

खन श्रेष्ठाष्ट्र श्रेष्ठ वार्ष है वर्ष्ट इत त्राट व होति ७ धनाधाक नियुक्त इहेब्राटइन।

लक्षम १ है जितमहत-थाजःकाल । इंग्रेसीश शवर्राय के हिर्माला एक चक्रा शास (११७) করিয়াছেন। বিজ্ঞানি তথার ঘাইতে অসী পুত

कांग्रावनत्थ २० में मिलिनीया व्यक्तिमहे म 'अह कविवात मानन कवा हहेगाएछ।

गमारे मामिशियाम देखेटराटल जानिक চেন। ঞিট হইতে প্রশ্ব বিপাতি সংবাদ काभिराध्य । अवन सन्त्राचि वैकि रेमनागर ্তু 🌉 ধর সীমার সমধ্যে হউতেছে।

জনসনের মহাসভাব সহিত সৌহাদি স্থাপ 'নের (চন্টা ছইতেছে।

मरवात्र व्यामिशाटक व्यामातमार्थ किनियान বিদ্রোহ হইর'ছে, অনেক অস্ত গৃত হইগাছে।

প্রেরিত।

मानावत अयुक्ट मामध्यकान मन्नाहक यहां ने स्मार्भय ।

সবিনয়নিরেদন্মির?---

भर्गिय। वान ने श्रीक्रजीव जागव दी जि भरत्यात्म स्वमः क्रिही कवित्रा त्म अक्रवावः इहे त्व कवड (वाद इस बा। कांत्र श्रूमाक्षर्वर ছই সংবাদপত্রের সহিত আপনার যেৰূপ ব'দ গ্র-কাৰ চলিতেছে আহম ভাষা আপেনার পাঠক। भारत सम्बाधकारक क्षेत्रा **के**दि एउट । यू मार्क-त्तव मर सम्भव **करकाती : का**सन्त्र क्रांच चौकात . अवर मर्ट्याव्यत्वर (हड्डी वा कव्रियः (कवन लाक মা**ঞ্লের ভাষাগত দোষ বিস্থা**ৰ কুরিয়া উভয় কঞ্ ति । तिरिक्त भरिन श्रद्भाष्ट्रात श्र**िक यञ्**षा सम्रा हैर्डिट्डन । कलाङः व्यामान्टिशद (१५ मिक्ट्ला) ভাষাগত যে দোষ মদ্যাণ বৰ্তমান আছে ভাছ (म¹.चिक कथन प्यारिका नियमश्रेटन प्राप्त । আপান বছদেবের সভা সাধারণকে প্রধান श्रधान नगर्त अक अक्षी ''वज्र हाथा पर हाना-ध्वी " गरु। क्वानन कतिमः गम छ च्यानाम्य

कार्या नश्रमार्थ कल्लावा वस्त । उत्तावा ভাষার দোষ সংশোধন এবং বে সকল মুজন भक्त है रवाकी विकास प्रश्वास शुक्रक हरें एक तप्रकाषात अध्वाभिक हरेया भवन्भव विस हरेया थारम, खाशांत्र धेका स्ट्रेंटिक भातिरव।

थांमामिरगव (मर्ग (श्रृकांभरत) स मस्पत मो चिक वावशास्त्र खबर लिसमर्शतस्त्र देवलागाना मित्रा यांग, मानावरण्य क्यालमार्थ निरम मिथि-তেতি ৭ গুলি সংশোধন হওয়া ধে নিডাঞ্জ জাবশাক, বলা বাধ্ল।

| ंग रनभंदे दन | भी निक कशरन |
|---------------|-------------------|
| ব,বহাব | ব্ৰেহাৰ |
| উ হাব | ভানগর |
| वा तिया | न हेना |
| क विशः | কইবা |
| মু ব্যু শিয়া | ওবগু বাসুা |
| ক্ত সা | बु हेग्रा |
| ক্তবানী | ववानी |
| ७ ।इ | বাই |
| र्दे!म | বাশ |
| কাঁচ | পাচ |
| φ# | BIT |
| मां | বাচ |
| খাইব | কাইনু |
| क' शदक | (कहरू क |
| भांक . | হ াগ |
| वागगानिकः | ना भानिका |
| आंब्र द | ह 'दा ' १ |
| करिब | क क |
| | |

मानवीन इहेर छ छहे। कविशाख क्राप्टमार्ग इहेट शि. एक महिएश्टरन भी हा आखि कित्यापन । विश्वन कारल कार्याक्षणहरू यामः इडेब्रा धेक्रव विशेष हैन बाबा अवस्य विश्ववस्थित कार्य भाष वारश्य करिएक हत्, नर्षः द्वेशशास्त्राम् । धार्तिया । ११ ट क कामाज देशक हते। इस हर्षेट्र इ.स.

अक कम शुर्का अमराभी

দানবের শ্রিযুক্ত সেমেপ্রকাশ সম্পাদক महाभग्न ममीरशय । (भन्दांक)

महान. । अकटन आमाहिटमत नमाइ भव-

মন্ত্রতা অনাহারে কেবলমাত্র অস্থিচন্দারত ভীর্ণ मदीत वश्न ७ धाटन चाटत आर्छनाम कतिया क्रिविष्ठ अथन डाहादिशरक हे क्रुविक मधनीय मध গত ও কর্দাদম হইডে দেখা বাইভেছে। এই প্ৰগণাৰ অধিকাংশ ৰংক্তিই কৃষিবক্ষোপঞ্জীৰী। াভির ভাগ অ.ত কম, যেখানে দরিদ্র তাঁতি मांवक माठे मिथात्म इक्षिक क्षित्र काल छात्री

সম্পান্য মহান্য়া অকাল ও গেল. দিম দিন প্ৰধান আগত কইতেতে, কাহারও সুধ व्यथन। इःटथव निधित्त नमग्न अर्लका कविन्ना वित्रप्रा थात्क मा. (व क्षका वह इंडिक क्रिन इनिया बाग्र । बचन के काश्र कार्य त्यत कतिया कां डेल ।वक्ष इहराहिल, उथन किन शिवाद अवर এখন যে শাতাইদ সেব কবিয়া বিক্লয় কটতেছে अथन ७ मिन या हेट कर । होता । क्र किक मधरता (य ব্যক্তি দলভিদৰেও দৰিদ্রগণের সাধায়নার্থ কিঞ্চি भाव अकि के का वननारन कार्यन धकान কাৰয়াছে সে কি নিৰ্ণোধ ও ভাষার স্কর্য কি কঠিন প্ৰস্তুত্ব ' এবং যে যে মঞ্চু । এমত সং रियद्य मार्थाप्रमादर यह छ वर्शन का श्रक्त কবিয়াছেন, ভাষানা কি সনাধ্য ও কাছাদিলের মন্তঃকরণ নি নির্মাল । এই প্রস্তাব দাবা যে य बर्गामध्र अङ्दर्कः । भनद्वात्र मोद्रम्भद्वत्र प्रश्च बरानवनान नाम्रमद्यावादिका अम्रात्र नाहेबाटकन, क्रडळ क्षत्र वह स्नामात्र माञ्च मामध-कारण डांश्रांमराव मान शकान कर्य है हिरामा । धरे धनारवामित क्षणम । 'च अगानकाव एक्जी े आंक्ष्रकेरे के देखवाबु ,क्राक्ष्य या यु दर्शाहीहम् । এইরপ বিস্তা এন তাতে। বিশ্ব ধ্রিত : ধনি লে শুরু গছবেতার দ্বিদ্রান্থ প্রতই এরপ শব্দ ক্ষান্ত ক্রমি কি ভ ভছলোকে ৰ বছ-ব ৷ বছ ০/টি নিশেলৰ বাবিলাছিলেন এলৰ নৰ্ ক্ষেদি करान न। एशाणि बाङ्डामा, कामना कार्यत विशेषा (जनाव सारत सामन किया प्रार्डिक भावि मा। अभव कि. १ विव शिवासि महत्र कहता: | . . विश अहे भवद्याद मुलाक जीएक अकदानी भार होत्यार कामानिशन्तक भाषात्र क्याहे-তেন। তৃত্তীয়, এজনগ্রামনিব'দী জীয়ুক্ত বাবু जनवार गिरह ए जीवक वाद भीवन्यान जन हो মহাশয় হয়। ইইবা বিনা বিস্তুস্তি প্রকাশে প্রায় প্রতাহ করছত্রে উপাত্ত হটাতেন এবং দ্বিয়া-গণের নাহাধানেথ মাসিক চাদারেওও সম্বতি ভব্ন मादत विसम्भग अभिन क'वहाइद्या छकुन, क्रीयुक्त यात् बाल्टव्य आहे।भागायुः उथा टियुक्त গণার সেই প্রচ্ছ লিখাবিশিষ্ট কডিকানি একে 'বাবু শিবনাবায়ন বার, উন্মুক্ত বাবু কালী প্রসাদ वारव निर्माणिक इक्, क । शूर्ण , म अकन कि हवान. आकि राष्ट्रवालिक क

জীগুৰু বাৰু পরাণচন্দ্র হ'জর। ও তথা জীবুরু বাবু প্রসরকুমার বিশ্ব'স। ইহারা সকলেই সাধ্য-মুদাবে নানা প্রকারে কংগ্রালগণের হিচাধেবণ কবিয়াছেন এবং আপিন হাপন সঙ্গাত অনুসাবে कि थिर कि थिर बांगिक होंगा रिएड उसीरे कर्तन बाहा मेचद हैई पिशक सुधी करून !!! খন; গড়বেডা ৷ তুমি অতি অলু দিন পুর্ের্ম সামান প্রাম ছিলে, এক্ষরে ক্যেক ব্যক্তিব প্রভা-গ্রনে ও কংয়ুক্টী সক্ষণ বংজির আবাস স্থান म्हेशा निम निम उन्निजिलाख लगार्थन कविराउद्यः : ইশ্বৰ ভোষাৰ উৎকৰ্ম সাধন করিলেই আমাদি-(शद भवम मक्स ।

গড়বেডা।

বশবদ।

জীরা,মা ---२% क अधिश्री मृत्।

10001

মান্যবর জীযুক্ত গোমপ্রকাশ সম্পাদক महानम् ममीरभग्।

গ্রথমেন্ট প্রজাদিগের ছিতের জন্মনানঃ প্রকার সঙ্গায় নির্দাণিত কবিয়া রাখিয়াছেন. कि अ एँशमिरभव निश्च कर्यानीतित लारव ए सून् শ্বলার জভাবে, তাহা প্রলাদিগের তাদুশ উপ-कात कामक श्रेटिक एक मा। विद्यापकः छेश प्रक चरत अधीष्टे कलनामुक मा उदेशा वर्द क्यम ! কখন বিপরীত ফল প্রসব করে। নিয়ে বে বিষয় লিখিত হইল. ভাষা দাশাই এ কথা সমধিত क्ट्रेट्य ।

भगागात भारेत अभागारेत्व भग्ने करेत्व. এই অভিপ্রায়ে ডাক ডিপার্টমেন্ট সংস্থাপিত ' হইরাছে। কিন্তু মফন্তলের অভিকাপন ভাক-দরেই উজ্জ সদভিপ্রায় বীতিমত অসুষ্ঠিত হয় न। अथमडः मान्यालव जात्नक छाक मृतिह जक अक बारमव व्यवकणांन भज मा स्राहेटल भाव छारा निर्मिष्ट वास्तिमित्तव निक्षे (श्रदन करतम ना । देशरक एक्सिय क्यम छ। ५. मिन कथन वा ১२। ১৪ मिन दिल्लाम ना करिया ডাকেব পত্র আব নির্দিষ্ট ব।ভিত্র হন্তগত হয় না : ভাহতে যে বিরূপ কার্যকৃতি হয়, ভাষা অস্তৰশীল ৰাজি মাতেই ৰালতে পালেন পথবা অনেকেই ভাষাতে ভুক্তভোগী আছেন क्टब्र नाहे। किन्न महाना । ए.क हिलाहिता केत नियमोद्धनाद्ध (वान छोत भू महे (कान शद्ध २३ चके दि अधिक महस्र आंभवादित्व विक्रि दे। খ্যত পাহেন না। বিভীয়তঃ সম্বলেব প্রায়

बाबू जनवर्ष नाएक क्रीपुरू व'तू मरश्नकत्त मिज, निकन छाक्यदारे छिकित भावता यात्र मा, जरम কের মুখেই শুনিতে পাওরা যায়, যে, টিকি-টেব অভাবে গাঁহার। পত্র প্রেরণে নিরস্ত থাকেন মুডবাং এরুণ ফলে প্রয়োজন সত্ত্তে লোকে চাকে পত্র পাঠাইতে পারে না। এই ছটা কারণ। মফশলের তাকদবেব উর্ভিব সামান্য অন্তরার बहर। अहे मद कावर गरे छात्र काता लाकित नांभा श्रकाव (शांन(यांश श्रीशा शांक। डेक পদস্ত কর্মচালীদিলের ইহার সংশোধনে সময় ছওয়া নিতান্ত আবশ্যক।

बहानम् । এएकं व काबतः (प स्थाः वीकः। दाव कार्यम जानिलाम, त्मरे छेटमना अथन স্পষ্ট করিয়া প্রকাশ করিছেছি, আবণ করুন। নদীয়া প্ৰেলাৰ অন্তঃপাতী কুঞ্গত নামক স্থানে একটা ভাক पर আছে। ভালনঘটে নামক স্থান जा । ३३ए७ एइ शहेलाव धालका खरिक पृत-वर्जी भट्ट। किन्न महामञ्ज । এই क्षांमन जारक ঋাগত পত্ৰ সকল এও বিলয়ে অ বিযা উপস্থিত इयु (य. भ्युनिय्न प्यानिनि विश्वयाभव स्ट्रेट्स। এই প্রামের প্র স্বল সচ্বাচ্ব ৮ ৷ ৯ দিন বুঞ্গঞ্চ ভাক্ষতে পতিত মং পাকিয়া আরু এই आत्म अभागन करत ना ! कर्चन कर्चन हेरा जार काछ अगण्ड विलद्द स्ट्रेग्ना शांदक। अयन कि कान निर्मिष्टे वार्शित ३०। ३२ मिन श्रुटर्स कलि বাতা হইতে এখানে পত্ৰ লিখিলে সেই কাৰ্যা . भव ६ई वात ৮। ১० हिन भटन छहा जामाहि ্গার নিকট উপস্থিত হয়। একণে মহাশয় বিবে हमा कक्न (य. अञ्चल विजय बादा आधानिरशव ্করূপ ক্ষতি সহ, কবিতে হয়। ইহাতে পত্রপ্রে-পঞ্জ বংম ও বিনা ক্লেশে প্ৰফাৰ। শীম দ্বস্থ। বকেৰ আভপ্তায় ও কাৰ্য নিৰ্দাছকেৰ কৰ্ম ৰে কেমন ফুশুধলভাবে ভূসিছ চয়, ভাষা সকলেই বুরিতে পারেন। একলে ইহাও উলেখ করা वावनाक ए।, जांक कनिकाजा स्ट्रेंटि अयात সদ,ই আসিয়া উপস্থিত হয়। তথাপি এই আ-নের পত্র আসিতে এত বিলম্ব হয় কেন বুরিডে পারা যায় মা। অধিক কি, কুঞ্গঞ্জের ডাকের মোহর দেখিয়া পাছে কেছ বিলয় বুরিতে পাবে, এই অন্য উক্ত স্থান হইতে বে সকল পত্ৰ বিলি হয়, ভাহাতে মোহব পর্যান্তও প্রদত্ত হর না। আবশ্যক হইলে মোহগ্রান্তিত বিনা অনেক পত্র আপনাকে প্রদান করিতে পারি।

> পত্ৰ প্ৰান্তিৰ এক্লপ অন্ত্ৰিধা ছারা নানা প্রকার কভিত্তত হইয়া উহার প্রভীকারার্থে इंভिश्रार्थ कावता कुक्शरकद डाक्यूकी बहा-শ্যের নিকট জানাইয়াছিলাম। কিন্তু ভাষ্ডি कान कन कर्ण नाहै। अजः भन्न हेरान नश्ला-

यत्नत क्या महागात्रत निक्र मिर्वश्य कति-छि । यनि छिनि देशाएक गावधान ना इन, ভবে'লিউলেঘে আমৰা পোষ্টমাষ্টার জেনংলের निक्रे चारवनन क.त्रां वांधा इहेव। महानतू ! শেৰোক উপায় ঘাষা ভাছাৰ ওকতঃ জলকা হৈ সভাৰনা ভাৰিয়া আমৱা এত দিন ভাষাতে নিবস্ত আছে ইতি।

व्यमा महीया ६ है (भीष 3295)

रम्बन । ভাষনগাটনিবাসী क्रमग्र ।

মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক महाभग्न मभीरभन्न ।

মেদিনীপুর জেলার অন্ত:পাতি স্বাড় গ্রামের এলাকার ডিবি নামক আমে তদৰ ব্যবসাধী ৫ क्रम ७ धन्तवादमाती १ सन नम्भारत ३३ सम लाक शंख २৮ अ व्यक्तिवत खेळ काट्स कव-স্থিতি করিয়াছিল। ভাষাদের নিকট নগদ ১৩০০ बाड होका ও अन्यान प्रदानि महिल ১৫० है:--কাব দ্রব। ছিল্ক বাজি হুই প্রচরের সময় অসুসান २८ २६ क्रम म्यू ब्रम्बक, खतवादि ও छीत এक् তি জন্তাদি সহিত তথায়' উপস্থিত হইয়া ্বাৰ नान्नीमिनात्क व्याक्तिमन कहिन्ना (घात् उत शहात কবিতে লাগিল, ভাছাতে ৬ জন গুক্তবরূপে আঘাত প্রাপ্ত হইয়া অদ্যাপি ডাক্সার খানায় আছে। ভাকাইভগণ এইরূপে ব্যবস্থাদে। সমুদায় অৰ্থ ও দ্ৰবাদি অপহৰণ প্ৰৰ্থক জন্মল। य(४) भनाष्ट्रन करत्। उथाकात् श्रीन्य साम्धा-মের রাজার অবীন স্লুতরাৎ ভাকাইতি হইবার পর দিবস উক্ত ঝাড়গ্রামের রাজার দেওয়ান ও আধব নারায়ণ সিংহ প্রভৃতি করেক স্কন ভাকা ইভির অধুসভান করেন, কিন্তু কিছুই স্থিব হয় নাই। এমত সময়ে এখানকার জীবুক্ত ডিফ্রীট পুলিৰ ভুপবিন্টেণ্ডেণ্ট সাহেব ঐ স্থান দিয়া গোপীবন্তুভপুৰ এলাকায় একটা খুনের ভদারকৈ বাইভেছিলেন। ডিনি পথিমধ্যে এই ডাকাইডিব नमानात भारेया (मिन्नीभूरवत स्वामा हमत्म-केंद्र बीवुक्त बांद्र इंद्रधनाम मान्यक जानग्रन कथि या हेरांत्र विरंगय अञ्चलकारमञ्जलका समा आरम्भ প্রদান করিলেন। তদস্থসারে গভ ১ লা মবেশ্বর উক্ত ইনস্পেটর বাবু ঐ স্থানে উপস্থিত হইয়া দেখিলেন যে ভথাকার লোক মারা ইহার অসুস-कान कहा कठिन, अछनः जिनि अमिनीशुद रहेएक ७ कम नक्षीत्र (नाइक्षा) नहेश्वा नित्री नज्ञन,व नाती इहेता इच्चर्यरम कनन मर्यः खर्यः कतिरु क्रिएड फेक्ट फिवि बाम स्टेएड अञ्चर्मान प्रहे ফ্রোশ অস্তব্যে একটি অল্লের মধ্যে একটা থলেপ फिक दिना विरंद्यां करिएलन (य. (दाय रहा अहै

फांकहिकि विकोवर्षि अहे ब्राप्ट्यत लाक्टरत भाताह हरेब्रा शांकरवा अहे किंद्र कतिया छिनि তথাকার লোকদের খানাভরাতি করিতে আ-রম্ভ করেন, ভাহাতে এক জনের ভাতের ইাভির जिज्य रहेएज अक बामि यस बाहित हरू। अहे জাদামীর নাম বনসিংছ । ইহাকে যুত কণাতে जागांकी अरुदांत कविदा जनांका जात २) स्ट्रांट নাম প্রাকাশ করে, কিন্তু সাম্বাচের নাম কবিল प्टाराह्मत (काम विक्रिष्टे बामकाम माहै। प्राधाना ঐরপ ম্প্রার ডি করিয়া সভতই বনে বাস করে उ रात यान (व साहेशा थ कि। बहेब्राम वर्नान ধ্বে স্ফে লইগা জগল তদাবক কৰাতে অপস্থাত অন্স্তিত ৭ লান ভাৰাইত মুক্ত হয়, তথ্যে द्राष्ट्रांद भू लास्यत अक्री वत्रक्षणाम क्रिला एक (एव जिक्न जन्न लाय e · · भड़ होका ख अमध बा अन्तक छदा १। छम्। यात्र । हेरावा १ कामिहे अकृताव विद्याद्य। এই সংবাদ প'ইয়া এখান-বার চেপ্টী মাজিটেট ত্রীযুক্ত বিকেট সাহেব बद्धारम रामु ने जार्म यहिया ऐक मकलमान বিচার করেন। ভাষাতে সকলেই জাপন জাপন ডাকাইভিন কথা জীকাৰ কৰে। ভদমুদাৰে মাজি ষ্টেট মাহেৰ ভাগনিগকে সেদিয়নে সমর্পণ ক বিয়াছেন।

है, म्धुरुस ये छात्न धन्न छात्रहिति कहेगा शियाद्य, किया कहहे यु क स्य नाहे। अवस्त হবপ্রসাম বাধুন হাব, এই একাই উসী শুভ ইও-য়াতে তাময়া এতিশর আংলানিত হইয়াছি। , इन्ध्रमान बांबु दयोगम खरार ও निष्म बुव्हिबरम ा करहकी बड़ बड़ छ।कार्क गुड कवियरहन, ফ'হ'ব সমূদায় সংব' আপদাৰ সোমপ্ৰকাৰে e'का बाउ इकेसाटल, द्विष अनाति देशक किक (वडन वृद्धिना इख्याटि स्थापना खालिना इ॰-(२.७ इ**दे:७.५ । शार्थमा कति कर्जुभको**रसरा व िसद्य विद्यम भागाद्यां की कहेता है है जि विचन বুদ্ধি সহকারে ইহাঁর উৎসাত্র জ কবেন। সগ-**⊌र्द श्रहकात कवा अवन,हे कर्छवा है.** टिं। , म म बी श्रुत्र ।

३३वे स्टिन्बर ३४ ७७।

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক बहानंत्र नमीर्पयु।

जाति अहे वज्कृषिष्ट बाना नगर अवर कारम श्रीवामन कृतिहा ध्वरान्य नमीहा खनात প্রধান নগর কুক্দনগরে আসিরা' উপস্থিত হই-

छाहा तिथिवात अंडिनाट्य कित्रस्थिवन छथात्र श्विष्ठि के देनाव। (महिनाब उथान ७। ३ मी छेरक्र रेवजनंक अवः अक्त करेवछनिक पंचित्र विद्यालय जाएक। (मध्या विध्य विद्याल-श्रांटफ भीन इःथी जनाथ वास्क्रांनिताव ज्या न अध्याता विकासकान करत, जाकारमय किन वक्त शहिशाम अवर शाम वनम (मध्यमः (काम महधू-হানয় ব্যক্তি অঞ্চপাত ব্যতিরেকে প্রভাগমন कत्राक भारतम् मा । अ विषयं नम्रीत् जात्मः। পার সমস্ত বিবৰণ তাবৰ করিয়া জন ম অভিনয় চমংকৃত ষ্টলাম, এবং আলার অভাবৰং कामक गांत्रात्र मण्डल कवित्त वार्तिन । कुक्म গরত্ব কালেকের কতকওলৈ উচ্চ জেণীৰ ছাত্র हेर'न व्यविशेषा । डाइमिर्गिन देमान गुन १०४१ अवन्यताद्य अ विनाशनप्रतित कार्या ३৮१० थू. अस व्यक्ति अवाम भरीख क्राक्रस्ट मन्त्रत ছইয়া আসিভেছে। তাহারা লব্জা 🗸 নালে ।वन किन प्रिया ज विश्वां क्या किन स्का के দিগেব ছাবে খাবে ভিক্সকের মত ভিকা কবিতঃ বেড়ান। কিন্ত চালার পুক্ত দেখিয়া আমার बाध इटेन य ए। हानिरशत मान छथ: कात गर्भ (गर्ने व कथ्यवारी हेन्द्रां महास्थाताई व्यक्षिकारण वा ग्याद्या. कारन कामिय थाठाव हेरबाहा बराबानितात नार्यत मरधा खरिक, तम्बैप মরামাদিগের সংখ্যা জাতি আল। ইহাতেই স্পাই (वार स्टेट्डाइ ११, १कवन हेश्त्राक महामन्त्राहनन गाहारबाहे जनाव न बिन्नानबाहिन की उन जारह , সম্পাদক নহাশ্যু এটা কি সেক্সানের ধনান্ত মহা-श्वां किरणद लाइहाद दिएए नर्क ? स्वाहाद्वा कि श्राह শেব উপকাবের নিমিত্ত কিঞ্ছিৎ কিঞ্ছিৎ চালা श्रमान कतिया जनाथ दानकनिराय विकासप्रतिव ্রীসাধন করিতে পারেন না ? অবশাই পারেন। ्याथकवि छाङ्। पिरमत् मार्था (कर् कर्व.ग्र क है शांकित्वम अथवा त्वह त्वह विरव्हमा करतम रा अ नकन विश्रात करी वास करा कर-र्यकः। हेहारमञ्जू करण वाद्धा अग्रोह्या, ट्रांक वाक्ति. £दर बहेन्नन कार्नात छ।मनाष्ट्र कर बहु करा जान, जदर हेर् दि किश्वात थारकमा स्थितनाम व मान्य विमानतम् अधाक महानेतम् अहा-त्वत्र क्ष्वकृति समीय अस महामय्गात्त्र निक्रे महिला विकाशनरमूह कि किए एँ। तोड निविध भनन कविवाहित्वम, चाँहाविद्यान स्ट्रा (कर (कर भारत वित्कना क्रिया फेंडन मिव विद्या मातियादका। क्ष्मा १ । ৮ सम समीव महामय निवृत्ति उन्तर्भ होंना क्षतांन कतिराउद्भव । भन्नांकक दश्नत । ज्ञाम, अवर त्म शास्त्र कथावनि विम्नाजव आहि, । अभि ।क इः त्थर विषय नव एए, एव हेश्तास महन-

मध १ ॰ अंड गिका त्रक्टबंद खदिक शाम मा ভিনি অকাডরে মানিক ২ টাকা করিয়া চীলা श्रमाम कतिएकत्वम, अवर जामावितान क्लीन महाचा, विभियांत्रिक ६००। ७०० मण्ड होका कैनार्क्सन करतन, कथता (वक्तन भाग, किनि॥• आहे भाग होता श्राम करिएछ । कुर्शिक इस । হা ? বক্ত্মি । ভূমি ইহাতেই উৎসম্ন গািয়াছ. বনি তোমার সকল সন্তামগুলি পরস্পর উপকার শৃথালে বন্ধ থাটিত, তবে ভোম'র এরণ চুর্দ্ধশা कथनहें इटेड ना। बाहा इंडेक, अकरन चाबि विमी एकार्य कि एमी प्र कि विद्रश्ली प्र जनन महाचार निकृष्ठे आर्थना किंग्एंड है. एस काहाबा जन्म अकामपूर्णक अ विमानम्भित्र सन्द विद्यम महनात्राणी अप्रम, व्यर्थाए किकिए किकिए তর্থ দান করিব। ইহাব জীগুলি সাধন করেন। कातृत क्यांनियाभ व अहे विमालाक्षत अक व्यव निकक वहत्रप्रदुर्व शिष्ठा क्रीयकी महावानी वर्ष-मधे द मिल्डान की कि बाबू ताली बरनाइन वास भरामर्युत निक्रे अ विशासप्रीत निषम् सार्गा-পাস্ত বৰ্ণন ক্যাতে ভিনি বলিয়াছন " যে আমি এ সমস্ত বিষয় দছারাণীকে জ্ঞাত কলাইয়া ৰাহাতে তিনি এ বিদ্যালয়নীতে কিঞ্ছি দান करवन, खोश एवि । मण्यामक प्रशानव सेध-েক্সার ম দ ও 'ব্যস্থী স্তুসম্পাদিও হয়, ভাহ। हरेल विमत्तिप्रजेद आरमक अधिक हरेवांब त्रवादना ,

कन्। हिर पश्चिक्तर।

भागावत ज्ञायुक्त मामकाकाण मण्णामक महानेन मभीट्रायु ।

🥢 জাবার "।ভরার কড়ি নিয়ে ড় বে প'ব .

উপত্তিত ব'ব্দুটী সভগাচত্ত্ব এয়লপ উলায়েলী-কৃত হইরা ভাববাখ চ হইর: খাকে, এখনে रमञ्जूष इटेइटर्ड मा। या ५८५८ है चिशुप्त किन्छ क्या स विद्या भारत कथा कि य र इरेट रहा।

क्रांच्या यक । ध्याच! ह (मार्च, अवक्रानहै कि शास्त्र आधुन्तिक युगा किय काराव छ।वि. लेखा यहि भारभव मध्यान क देशके विद्याचि जकरमञ्जू रुष्टि कविया शास्त्रम, एरव विश्लय क्य-कांश्राह्म कि द्यार में भाष्ट्र क्यू मी, अवर পর্সা দিল্লাও অধিকতর কর্ত্ত ভোগ করে ? এ कथा श्रीम बाहामका क्राउन गाउन गरे वहां वर वरहे. किस मन्त्रकि कायुक्ती थाउँ शक्स शब्धना व्याद्धावात ज शबी व विते व भट्या व विद्यार व्याचन ब्राह्, ভाशाउ वेत्रभाकांत वाक्षतिकहे मशस्त्र मान जिल्ला है।।

উলুৰেভিয়া হইছে নেদ্ৰ পু। পৰ্যান্ত পথে ঃ 🖣 বৃটি আছে। উন্ন: তথ্ৰ ৩।৪ ক্ৰোৰ शक्टिम भारमामदब्ब सबका १ · घाउँ, ১० क्लाब e as center मानक्ष्य के नाई ननीत यथानात्व পাশকুড়ো ও গাধ্যার দ'ী ৷ পাথণা যেদিনী-भुरवत ० जान भूति

कर्म की चार्डे उहे .लाक अंग्रेटर शांगी जार ्रामले कड़क अक शवा दा या । किये करा चारह, क्वरम र्मारमा राज भारत हा, भाषा राज मबराधार्यक्रे कृत्व नोका भागात स्टेट वस् विश्वा अध्कार भासन इव भवना । कि अ यवन ख्यात्र र श्वाटन त्योका छाता भात व्हरू र व्य ना. क्रबन श्रुक्तां के लोका धाना अ'व इहेर छ इस তখনও ডবল মাজুল দিতে হয় : ছোৰ কি ' मनवाशाय अकेन्रभ नकन विभएता है भागान **एवल बिट्ड इग्न । এवांत्र कामार्**षत मृ**ल** अकशी न भारिक व्यागिएडिइस किंद्र काम'र्म्य नरम ग घाटि मानिट भारत नाहे। ए काव चारवाहे महानय भी डिफ हिस्सम व स्त्रा भ खासर कर्प द्याचित्र भार्यन माई। इन्डवार हेमातामारतत লঙ্গা **অন্ত**নারে উলোকে ৬০ অনা মান্তল দিয়া পালিক পাব কবাইতে হয়। মধ্যাখা ভিন্ন অশর তিনটী যাটের লোকেরা পাল্কির মাক্রন । 🗸 - जाना कतिया माध्या करता माळ्यात्र छानिका प्रविद्ध हाहित छ। होता वर्षा कुन माञ्चन (वा √ जाना कत्रिया, ভाराहे जारबाद हागाव मधा**ष्ट्रिक का निका**त कनात शामन करता कार्गत देशदा (व न्यां कड़ विना । तथा चार्ड, छारा गरदम नका रग्न ना। कि । जानत छारा-বের প্রভারণা টের পাইয়া ভক্ষাভুর মাঞ্চল ds कतिमालिमा शांव रहे। (१ वल भाषतात खालिकात कनकरी नाहित्व हिल । किन् ए । चाकित्न कि इरेख, खारात्रा वर्षात्र माञ्चल (मच:-ইয়াই ঠাকাইয়। থাকে। আর তথায় শীও ও कीचकात्म नहीर७ शुम वीश इत। यछ मिन थून वे पा ना रहा, एक मिन गर्गाष्ट ख्याह वर्श-कष्ठ क्षवन बांदक। (बांध ह्यू, शांम छन रेह्न बार्म । यांप भून वा बांधा यांगू, उत्य उधन वर्षाक्षक्ष । ७ व व्यवभग्न शर्मान वर्षाक्षक्र चिषि शन्ति वानियाह। याश १केन, देख क्रण हरनहे रहें अथवा वालहे रहेक हेतिथित बाहे नकरन नह । दर । ७। ८ इब शर्यः छ मा-क्षण जामास कर्रा । देश व्यापना चाउरक वर्गन अविद्यादि " ? रे " াই এ বিষয়ে অধিবন্তর क्षक । होत ন'কা'ডে অপরেরা ছে माञ्चरन शाव . "

अक्षते चाहेत्रः चाहकः शहरूरव **जन्**त्रा বেশী মাকুল দিখেত বাধিত হয়।

এডভিদ্ন আর একটা প্রবঞ্চনা কাছে : হস্কা বাদারদিগের করেক খানি কবিয়া আকপানী থ'কে। শীত্ৰ ও বিনা গোলদে'লে পাঃ ছইৰে वंगम् । १६ मकल जारक भानी विकित इह-য়াছে। পর পাবে থিয়ার নৌকা (দেই এক भाज) थाकिता जातिक विवादित (१व वर्ति।) ভবে ডাক পাসীতে পার হইতে বাধিত হয়। हेश्यक कांध भग्नमा कविद्रा (वभी निष्ड इत्। माक न भी एक जो रवनी भन्नमा मा मिटन शाहरे विजय त्यांभीकविएक स्था । चित्राचारते विज्ञासक কথা লেখা বাছল;। ডাকপুরুষই রভিয়া नियाद्वन, " পথে या । त्रीकारतीक, विश्वा-च'रहे तखानांड। >

अहे अकथ विषया गर्नियान्तेत्र **जाल ग्रा**सा-(यान (मत्र्या कर्नेता । (बाध स्त्र मिम्नलिखिक 8 है। व, बच्चा कविषा विद्या अ भक्षा अखाहारहत करमक भिवावन श्रेट्य।

- । माञ्चल अभ्यतित कार्ड मनक अम्ड शास्त छेक इंहेक (वर्षीत छेनिह शानिक इंहेर्स (ब, भाव ब्हेटड (अन्सई एम मकरमद्र मृहिशाइन इस्।
- ২। বর্ণাশ্বভুর ৭৪ হ-কথাছুর মান্তুল জ্ঞাপনের खिन्न किन कार्र फनान हरेरन, अवर व्यीत कन-की वर्गाए । जभद्री अगवकात गहित रवमीय छेलान क्षमांभंछ स्ट्रेस । य म ममग्न बा-তীত অন্য সময়ে প্রদর্শিক হইকে না।
- o। ইন্সাবানারের ডাক পাগীরূপ প্রবঞ্চনা कर्द्राण शांतिरव ना, अथवा विभी कदिन्ना विज्ञान নৌকা বাখিৰে।
- ए। এक यन शूनिव क्षांत्री बार्ड मर्जना **উপস্থিত থাকিবে। ভাষা इट्टा উদ্দেদিরের** निधर्णे निवाविक रहेरव । यादि विक्रम आह হয়, ভাহাতে ঐ কর্মচারীর কেন্দ্রন দান অভি সহজ ব্যাপার :

मृता व्याखि ।

জীবুজ ৰাবু শিৰচরণ ভটাচাৰ্থ মুবসিদাবাদ ३२१७ शीय बहुट १४ ट्यार्क " रहनाथ मछ को भूती जानहा हुदि ১७ " कुरनद्याहन पान कानीश्रव शा

ৰ্ণিকাড়া ১০ " दो:शनडम इस " क्रमाधनाम सूर्यानाथान भर. मिए भिता शांनि । ১२१७ **महाराष्ट्र ग्रेट्ड १३ कृष्टिक**

"

" महनद्यासीन (उक्कांति ১২৭৬ কাৰ্তিক বৃষ্টিত চৈত্ৰ

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেক্ট্র

बिट्नंद निश्म।

অগ্রিম মূল্য ও ডাক মাক্তল না পাইলে মদ-चर्म (म'मधकाम (क्षेत्र) कर। वाह्र मा।

रेशंत काजिम मूला वार्षिक > अवर बान्।-निक ell. शैका, यक्ष्यल जाकमाञ्चल भरमक वार्षिक ১७, बान्यांत्रिक १ अवर देखगात्रिक ७५०. जिन बारभत स्थारन प्रक्रिय भूगा गढता यात्र ना । কুন্ডি, বরাড চিটি, মণিঅর্ডার, নোট, ও স্টাল্প क्रिके, देशंत क्यांड्य बाशंट बाशंत अनित হয়, ডিনি সেই উপার ছারা মূল্য দ্রেবণ করি বেন ৷

बौहात्रा क्षेत्रणिकित शक्तिहरूबन, री-शंत्रा (वन अक अथवा जाव जानात्र कांधक मुलाय ও वर्गीतन हिकिने (श्रेतन मा कर्दन।

यथम यिनि भक्यल हरेएड मामध्य 'द्य युक्ता माठिदितन, जाहा त्यन हिडिहेवि कविद्रा श्रीषुष्ठ बाबकानाथ विकास्त्रवट्य गारम शाहाहेस (44 !

बाँशिक्तित मृता निवाद नमन अञ्चल क्षेत्र चानित्व, अक मान शृद्धी छाश्वित्रात्क विधि লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত হটয়া গোলেও একবার চিঠি দেখা হইবে, তাহবৈ পব এক মাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগাল বন করা বাইৰে। শেৰ বাবের পত্র বেয়াবিও পাঠান

श्राचना जनश्रुव लागानुव हिन्दनव कांक যন্তে চিঠি আইলে আমর। লীত্র পাইব।

ৰ'বিবারা যাক্সৰ না দিয়া পঞাদি প্রেরণ কবি त्वन, डांश्रामित्त्रक ताई शजामि धार्य करा शहरव मा।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিয়ে ইন্ছ: ভরিলে ভারাকে প্রথম জিনবার প্রতিশংকি 🗸 -ष्ट्रांबा छाहात शब्द 🖊 ३० ष्ट्रांबा । मिरक स्टेरव १ विजि अधिककान विकाशन मिवात देन्हां कतिरवन ঙাহার সহিত অন্তপ্ত ৰশোৰত হইবে।

🐲 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ব্য মাতলা রেল্ওয়ের 'নোনাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাক্স্ডি-<u>लाकात्र अधुक यात्रकामांच वित्राकृष्टवत्र</u> ৰাষ্ট্ৰতে প্ৰতি লোকাৰ প্ৰাতঃকালে প্ৰকাশিত 1 55 | CE

সোয্ৰক

३ म जान।

१ मर्था।

" प्रवर्त्ततां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरस्ति ऋतिमचती न दीवतां।"

मानिक मृता > होका. अधिम वर्षिक > • शेका व्यक्षिय बालातिक क्षा शिका।

मन ১২ १७। ১१ है (भीष । ১৮৬৬। ७३ फिरमध्र

বিজ্ঞাপন।

इतिमाजि देश्वाकी मश्कृ छ

विहासिया ।

व्याशामी ६ वे काइशाहि छेन्छ विद्यालस ১৮৬१ परस्त्र अन्ताम क्रांग स्थल। स्ट्रेरर। के ज्यानीत शाक्षीर्विद्या के कियम ३३ विद शर

🚨 হ বকানাথ পৰ্যা।

गन्भाक्य।

उद्यनिम्तः ।

अथम थ्य कानकार।

জীগুক্ত বাবু দিজেজনাৰ ঠাকুর কর্তৃক श्रीष । कनिकाष । आज्ञानमास श्रुकानस्य বিদ্রম্বার্য প্রস্তুত আছে। মূল্য এক টাকা।

ভবানীপুৰ লগুন নিসনৰি গোসাইটা বিদ্যা-नार्यंत्र कारमञ जिलाहरमान्ते अक सन महकादी শিশকের প্রয়োজন জাছে। অন্যান্য প্রাথীর व्यालका कनिकांका विश्वविद्यानत्त्रं ब्राज्यक्रे অত্যে মনোনীত করা হইবে। রেববেও ডবলিউ क्षत्रमा वि, अ व मिक्टो जार्यमन कविएस स्केटव ।

ভবানীপুর লগুন মিননার

लागाईमे विम्हानम्।

क्रिकीको विश्वविद्यानस्त्रत् धर्म गरीकात ছাত্র প্রস্তুত করিবার নিমিত আগামী ৭ই আছু-ब्रावि छेकं विष्णानरम बिजीय बर्धम अक्री मान (थाना रहेर्व । कालब डिभान्टेयर ने मायबिक ममरम ऋमद्रमित्भव भद्रीका गृही उ इहेरव ।

> रवरवर् उवनिष्ठे सनमन वि. এ. ৰে, পি, আষ্ট্ৰ এম. এ, জে, নেলৰ বি. এ. बेहाता औ विकासारत्व अधानक।

वेके वेखिया दानश्रा।

বিশেব অমণেচ্ছু দিপের টিকীট সকল

• হাবড়া হইতে প্রদত্ত

स्हेर्य ।

সর্বা সাধারণের সন্তোধার এতন্ধারা প্রকাশ করা ঘাইতেছে থে, ঘাঁচারা বাসীয় রূপে রেল পথে বিশেষক্লপে ভ্ৰমণ কবিবাব অভিলাষ কৰেন আগামী ১৮৩৭ শৃষ্ঠাব্দের কেব্রারি মাসের 🖰 শেষ পর্যান্ত মাসিক টিকিট হাবড়া ইট্রেসন बहेट अमस बहेट्य। तह हिकी देशविशन जानुना निरात हेन्द्रायुत्रारत छेन्द्रत भन्तिम श्रापनीय नमू দায় সুপ্রসিদ্ধ মনোবম এবং আশ্চর্য্য স্থান সকল দর্শন করিছে পারিবেন এবং নিম্নলিখিত স্থান সকলের সর্গতে বাবে স্থানে ইচ্ছা হয়, তথায় পখন ও তথা হইডে প্রত্যাগমন পুর্বকে নিজ নিজ जमन नमानन कदिएक मक्तन इट्टरन । जै गक्त ! স্থানের নাম এই---

> मुक्त्र । वाकीश्व। বারাণসী ह्वांत्र । মুজাপুর আলাহাবাদ। कानशुद ।

शांकिश्वाचान अवर मिली।

देख धकांत्र मार्काजक विस्था जमत्वम দিগের ভাড়ার হার।

১ श्रथम जानी

३०० होका ।

र विजी भ के

विरुष अमान्त्र हिंकीडे मकरमत (ভাতার হাব উপরে লিখিত হইল, আবো হিগাৰ যদি ঐ ছারের উপর শতকরা ২ गिकात हिमार्ट व्यभिक क्षमान करतन, उर হাঁছারা এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নিয়ম অপেক

অভিবিক্ত আরু ছুই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট গৰুং ব্যবহার কবিতে পারিবেন। অন্যান্য প্রধান ইষ্টেসনেও ঐক্সপ নিয়মে টিকিট পাওয়া হইবে

উপরি উক্ত বিষয়ের অন্যান্য বিবর-(शूर्व्स विकालन मिख्य हरेग्नांक) जाहानिगरक । वाहाना खानिए हेक्ना करतन, छाहाना हान्छ हेर् हेम त्वत्र (छ भूति है। किक भारत का मारहा दह निक्रे आदिपन क्रिट्राई ममुणाम अवगढ स्ट्रेंड পারিবেন ৷

সিলিল জিফেন্সন।

(राष्ट्र व्यव अद्भारो इंद्रे देखिया (रमअस सोम किक जा १ मन्न । ५३ व बार्टीबर ।

निभुचानमामां न भीन ३६ नस्त्र वाहिएक मरश ণীত ও মংপ্রচারিত নিমুলিখিত পুস্তক**ঙ**লি विक्रा क्ट्रेडिक--

| श ी प | मृह्य |
|--------------------|--------|
| ক্ৰীপইভিহাস | ১ ট-কা |
| বোমই/উহাস | ٠ د |
| ভূষণদাব ব্যাকরণ | ١. |
| নীতিসার (১ ম ভাগে) | ٠ لو |
| Altonia (a d old) | • |

নীতিদাব (২ মু ভাগ) প্রচাবিত : भुक्रवाथ वाक्ववन

अधिकानाथ भन्दा ।

ত্রীযুক্ত বামকমল বিদ্যালয়ার প্রণীত ু প্রকৃতিব'র মনামে একখানি অভিধান সংপ্রতি মুদ্রিত হইয়া সংস্কৃত বস্তালয়েব পুতিকালয়ে फ मांचाति। याथ्य श्रामाव चिगुक माकुरमाय माहेग्द्रात ऋ एव विक्रयार्न श्र-खाउ कार्ड। इंश्टि श्राप्त श्राखाक मरभ्य वृद পত্তি মাণাং পাতু প্রভায় সমাসাদির উলেখ করা : देश्युद्ध

मुला ६ नै। । । । ।

णानाभी १५ इं बाजुवादि नुवर्वाद कलिका छ। खरवमार्थोक्षिय श्रीक बर्खाय विकासिए श्चावक इट्टेंड । भन्दांनिश्चिक विष्ट्रि प्रवीका গুৰীতে হইতে। সম্প্ৰতি ৭ টা ৪ চারি টাকান রভি थानि जारका

वाक्रमा महिला । सामग्रा। অক্স দৰ্শমিক ভগাংৰ প্ৰসংস্থ। बामनात्र इंटिइनि ।

ভুগোলের চারি বিভালের স্থল প্ল বিবরে। পৰিচয়।

বাচনিক পরীকা, আতৃত্তি ও বাধন। ११७, ७८७।।

वाननाव भनावि छोटनव । **५२ हे निरम्बर** । क स मगुर्दे हैन एन हैरे। 77.201

নীলামের দাবা ভূমি সম্পরি वदः नीलकृष्ठि विक्रश

) । क्वांबबााङ चाल चात्रालिया कामनवर्गद ! অন্তৰ্গত সমস্ত ভালুফ পড়ান দৰপত্তনি ভালুক ला अब को श्रून महत्त थातिका दृष्टि मोहित समा अबर शाहारे करी अ जीन कर्य हिनए शास এমত আট কুটি ও ছোট ছাই কৃঠি ও মোকাম क्षश्रीकृत इंहोरे जिस्कृष्टे जाना चन, नमुण्य देखिउ बक्सारी पाथना स्विधा वृज्ञित भूगक भूथक मार्के अकामा मौलारम विक्रम शहेरव ।

इरुष्टिवांत मिरा हरे शर्द अक्ट्रोड जमम चाम বোহালিয়ার কৃঠি যোকালে নীলাম আরম্ভ হইছা व पर्वा छ प्रमुश्य विषय विक्रम मा स्म छावछ श्राह थे उक्र नवात नीनाम हरेत।

ा इ.क्कामीम मधुरत्र मील काममदन अथवा সমূপর ত্রীধারী কিছা ভাষার কভন্সাংশ জাপদে বিক্ৰয় বিষয়ক দৰখান্ত ও প্ৰস্তাবাদি ১০ ই জাল্প शांति जातिश नर्राष्ठ बहन कवा बहिट्ट।

৪। অপর র্স্তান্ত নিম্ন সাক্ষরকারির নিকট **७ ड कवित्म क्रांबिए अवित्र व**ा

> धिया. बात, हि, हिन नारहव बालस्थाव काण्यावित वाही কলিকাডা

विक्र रशक निश्चा

)। या वर्षा के मित्रारा का छेक्रमूता छाकि दबन ঠাংরে নিকট বৈক্রয় করা যাইবে। কিন্তু প্রতে,ক बीलाम विद्यानामितात कन्त्रामाण अक जाक ডাকিকে পানিবেন। বিক্রেন্ডার অধ্যক্ষ প্রন্তে। ভাকেব উপৰ যে পৰিমাণ বৃদ্ধি ভাকিতে হইবে टाश अवभावन कविया किरवन । यनि छोक সধকে কোন বিবোধ উপস্থিত হয় ভাৰে ঐ বিবেছি ডাকের পূর্বে যে ডাক ইইছাছিল সেই ডাক হুইভে পুনবায় ডাক ছুই,ৰ। কেছ কোন ডাক ডাকিয়া ড.হা অপহুব কি অসীকার क्विटल भविद्वत न।।

২। বে মুলো ভাক সবিত্ত হল ও হাব চ হু-भा रुगव अकाश्य चित्रात्र छाक वक रहेवामाज खरकतार विक्रिखाद ख्रान्म**्क मिर्**दन **अव**र अवनिके ममुलय गिका नी मार्याह दिन प्यविध हम । धन मर्था পবিশোধ করিবেন। छोहा ना क्रिस भीनाम यह এবং ফিচেব যে টাকা দেওয়া शिवा থাকে তাহা বেৰাক বিক্রেতার হইবে। এবং বিদ্ৰোতা ঐ বস্থা আপদে বা প্ৰকাশ। নীলামে পুনর্ক'র বিভয় কবিতে পারিবেন। হিডীয় বিক্ৰয়ে প্ৰথম ডাক মণেকা বে মুল্যকমিৰা ক্তি (श्यांत्रफ स त्य किंद्र शहर शां इम्र कांशा मनूपम क्रांतिकावि क्षयम जाकनिया शृतन कृषित्वन। यमि দিতীয় বিক্রয়ে পূর্কাপেকা লভা হয় ভাহাও विटक्का भारेत्व। विकास भन्नामा भने-मार এই সমস্ত नियम कावस रहेशा अक्यात निविद्या मित्व ।

 वरक्तू विरक्षण वाकान देखिला। कांग्लानित रकक वहीणात निकरे मन ১৮७६ সালে সম্পত্তি খরিল করিবার সময় হকিয়ত ২। সন ১৮৮৭ সালের ১৭ ই আহ্মারি সপুর্ণরূপে তহকিক তদক করা হইয়াছিল।

चडका वृत्यक गरेतक व विद्युष्ठा व कवना व्याच स्टेबार्डन, ज्यात। डीश्त न लाखित नवाक स्तान व्यवनाम अवर मा निक स्ट्रेग्राइम, अञाचका ঐ সম্পত্তি সৰলে পূৰ্মকাৰ কোন লায় বা जानिक देवान रहेवात नरह।

৪। ধরিদা সম্পতির হস্তান্তর করণপত্র निधित भारत्येव ममुनाम बाग्र मून मनिएनन चनड़ा वा यारवछ। मकरनव छ विकित्रेति चंत्रक रेहान्त्र कांगरकर मूना अवर श्रविन्नारवत्र नाव व्यानगांति त्रात्रच्यात्र थातिक माथित्वत थवह हैजानि (य किंकु वात्र जाहा ममूनात चतिमनात्र हिर्देश ।

e। পত्रमि मवशत्रमि প্রकृতি वाहामित्तत्र निक्षे नश्रम इर्डेग्नाहिल जारामितात्र मूल रू.क-त्राउव निम अञ्चनकान वाजित्त्रक के नम्छ वच वत्माव स कश्चिम मिटल लागमित्रात मामूर्व ক্ষতা ছিল এমত অমুক্তব করিতে হইবেক। **এবং धै ममस्त भन्ननि मत्रभन्ननि महानार**ङ्ग দ্ভাবেজ জন্ত্রারে শেষ কিন্তির খালানা পবি-्माध्य माथिमाकाण वा वे थालामा भतिरमा (१व जनव नाडांवक्षतक श्रमान श्रमनिंड इहेट्ल छाहा वे मम्ख भवनि मद्रभद्धनि मश्कास छावर দদ্ধের ও নিয়মের সম্পন্ন হওয়া বলিয়া অথবা चतिम रुउद्योत ममग्र भग्रास्त्रत ममञ्ज असत्र मिछे য়াছে বলিয়া কিয়া ঐ পদ্ধনি প্রভৃতি ও জন্যান্য ष्ट्यादिखां छ विभव्न विश्व এवर वनचर वनित्रो शैकाव कित्र इहेरक।

७। विदक्त छाषिरभव अन्तानः विषरमञ्जू निक्ड क ह खोटन व विवन्न विकन्न इन्न, छोहान प्रखादिन বিক্রেডা জাপন হতে বাধিবেন। বে বস্তু সামা-নারপে বিজয় করা বাইবেক তাহাব দলিগ বিক্র सिव शास विमि जिमिक मुरना अविम कतिरवन, व्यर्थाय विनि ध्ययान चित्रवतात्र, व्हेरवन छाहारक ममर्गन कर्ता गाँहै (बक अवर विद्युष्ठ) या श्रमान **क्या अहे छेक्दब्र मट्या मखोदवस यांचा** र निक्रो थाफिरवर फिनि धनाना चित्रकात्रशानत श्रयंना মতে ভাছাদিগেব নিকট ধর্চ পঞ্জ লইর। মূল प्रखारबळ माथिन कहा ७ छाराह सक्त (ए०ग्राह अकदात्रं निषिद्या निर्दन ।

१। तम ১२१- १ १५ । १२ मारमञ्जूषमार्थश्री শীল বাকি ফাগজের লিখিড বে বকেরা খাজনা विख्यात्र वित्य श्रकांत्र निकडे शास्त्र कारात्र हन जाना दक्त विकासित हिन स्ट्रेंट इत्र मारात यद्श किश्विक्षम् इत्रक चंत्रिमात्र ईन्ट्रिकारक बिद्य, अयर के बाकी शतिलाएवर छाविथ विशे प्रय विषय प्रमान मिलन निविद्या मिरवन।

हा वर्डमान मार्गम, य श्रीकामा क्छाप्टर दिन श्रीका निकृष्ट भारत थाएक छाहाद महरा महमामि भारतमा ३० मन होका क्यार कि छ वाराम वाकी मध्योब होका माणारेम ३०१७ मार्गम ७० अ देहाद खन्नाश्री किछियकी बाता थाँत-

३। थिंड काई। ७ फिक्रीत ७ मीन शहरी महमा वायक त अमछ होका श्रका ७ कमान। लाइका मिक्रे भाषमा आद्य छोडा निहक्रकार स्वक्रांस्पादत कृतित म २७ এक बार्श वा भृथय-मार्ग विकास हरेदक।

১১ ই ও ১০ ই মার ইংরাজী ২৩এ ও ১৪এ জালুরারি রুগ ও বহণপতিবাব জগলী নর্মাল বিন্যালয়ের প্রশ্ব শিকা পরীকা হইবে। নিমুদ্রি লিড বিয়ে সকলে পরীক্ষা গ্রহণ করা ষাইবে।

> জ্বাত লিখন ত কথাখন। ভাগ ও বাবনধ। পাসিগনিত। ভুরুতায়।

বালগার ইভিযাস।

हिट्रमध्य । योजनीय मध्य विच त्राव यह न अन्य के निम्मिक स्वाप्त के निम्मिक

महत्र कानेकांकाय यक्तांस्तर व्यामात्र (य काववादी श्रांत चाटक छात्रांत कर्भकांना मदाक चाण इहें उ अहं नियम नरवा भन कवा इहेल (य क्रूडा रेक्टा कि यथन यात्रा .य जाता वांत्र पः बना बिक्रम इंदेटक्क, छाड़ाय ब'यड शबन एवं जिले e कारमें मेखानिएड मेखने कहिएड स्थे (बक् कार्श जीवृद्ध रेनमानमार्थ क्षर्यन, जीविक कामीलात नाँ १६ छ अपूक्त का बहुन अधान, अहे जिन का किए महार, दबन थिन छे पछिए थाकिया जामाव नाम दक्ताम के मलल मण्यल कति दन, कांश काम स श्रीहरू हर नाह शन् इट्ट्रिक, देश कित्र अभव (शन नश्यक देश कि क्रोबाल हेख्यांकि क्यांन लाटक वर्ति । दान तक्य শ্বির বা বিশ্রের কোন কার্য্য নি বোন বক্ষ प्रश्वचं कर्युम, छ ह। प्रश्नाहः इडेट्बक, अव ' ··काहोत काम बक्टम म'यी व्याम हहेव ना, 'बाव क्षे कार्या जबारक च्याबार त्य काल तकरवर शास्त्रा টাকা ভালা দেই সকল টাকার বাবত চিঠিয় পূঠে ওয়াসিদ না দিয়া কিয়া উক্ত তিন বাজিব बार्या त्यान बृक्षित्र बख्य थळ त्रशिक मा सहेदा কেং কোন টাকা অগর কোন কর্মকাব্যদিগকে मिटन किया जामात्र मिना होकात कान हिटिएड

৮। বর্ত্তমান সাধেষ্ট, যে থাজানা হস্তানেরে। উজাত যাজির মধ্যে কোন ব্যক্তির দত্তথতে সংগ্রার নিকট পাঞ্জনা থাকে ভাছার মধ্যে সিকেবনা হইলে ভাষা ভাষার এ'ই। নহে, এব' সামি সাক্ষরা ১০ জন বিজ্ঞা বিসারে বিজ্ঞা সানি ড'চ'ব দ'য়ী ইইবনা।

कैंदोरकानान फेक्ट।

সোমপ্রকাশ।
১৭ই পৌন গোলবান।
পঞ্চাবের হতঃচেঠা নিবারবের বিলঃ

य गक्न काहर् हेरड्राक्टिशन

ক্ষমতা এদেশে বন্ধমূল হ্ইয়াছে, তথাধো ভাঁহাদিগের উদার্জ্বয়ত্ত্রত সহিষ্ঠা बक्जि ध्रवान । किछ त्रहे महि-क्षु छ। नर्स नमद्य पृथ्वे हर ना। इस्त হৃদর মানবজাতির ভদর্শন বিশাংখন বিষয় নছে। আমবা এক গণ্গ পুস্তকে भार्क करिताष्ट्रितान, अक कन भामनी वृर्थ यक्षयांनिए पंत्र मिति एवं मधानिका ছিলেন। ভিনি যে কথা বলিভেন, ভাহা ভাহাবা ঈশবেৰ বাক্য বোধ করিত, সুতরাং তাঁহাকে সাধারণ নহুত্য অপেকা প্রধানতম জ্ঞান করিত। এক দিবস এক विश्वा जीटनाक डांशांक निमञ्जन करव। भाषती किथिए अधिक खुताभान कतिहा কিঞ্চিত্মত ও ক্রমশঃ বিধৰার ক্লপেব তং পরে ভাঁহার মুখের প্রশংসা কবিয়া পরি লোগে মুখচুম্বন প্ৰভৃতি সম্পাদন কৰেন। श्रुरहाहिक थाणांग कतिता खीरनांक विक्रम " आभिरिशन गर्भात भानतीय अ त्रक मांश्रमय महीता " मिलीत ला-**दिहा करहरू अन भागभीक देगनिकटक** বধ করাতে নামিরসাহ বেরূপ নগববানি मिश्राक माथात्राता वश्व कतिवात चाळा रमन, विट्यांट्ड थांत्र मनाश्विनील क्षक्षि करम् क्र के श्रकांत्र मार्थात व इंडा। क्तांटंड च्यांशांग मामानाजः मकरन अञ्चर्धातन करतन, मकरनर श्रीकांत क्तिग्राट्सन, नार्ज कानिट्र व मश्चा अ टेश्या श्वथ ना थाकित्त वित्ताह माथि वड़ मर्क वार्शात इंदेक ना। प्रमा मानन কঠিন কৰা। ধৰ্ম জেতৃত্বাতি ব্রীয়া कर्नाचा कडिटल इत्र, उथन क्लात चाटता গুরুতর হয়। অপেকারুত সভাকাতির भागतात क कथारे नारे। भागन मद्दक ভারতবর্ষ ইংরাজদিগের ক্ষতার এক প্রধান পরিচয় ছল। ভারতবর্ষের পুর্বে ভাঁচারা প্রাজিত জাতির শাসন আৰ काथां करतन नाहे। व्याप्तिकात का होता आहिमनिवानिविश्वतक निर्मुटा करि ग्राष्ट्रम, किन्छ छाहाषिशतक चर्रान चा निएछ शादतन नारे, चाटकुनिया केक्रभ इंदेग्नाटक वर् निडेक्निनाटक व्हेटडाक । যালা ষ্টক, ক্লাইব, ছেডিঙল প্ৰভৃতিৰ ताक्षमीजि अञ्चनत्ररगर काल अजीज हरे-शांट । এमেশে माधात्र मक जिन जिन প্রবল হ'ইতেছে। ইউবোপের ন্যায় এখা-त्व नामनकर्वापिशतक माधानन विष्ठाता-लात प्रशासन एरेश काम करिट

उद्गान व्यवस्था जाएक मारहा व थाइतित शांकुलचा अञ्च क्रियां एम, मधारनाहि उ **७।इ। (बड़क्रांक**त मधात्रने मटलत व्यत्यादनीय नत्र। मट्या माध शक्षारवत्र मीभाव निकटि भौड़ा मुनलभारमञ्ज देश्याकिकारक वध करि ৰাঃ চেটা করে। গত বংগৰ পেগো शांदरव अक सम श्रवान कर्पणाती वाहे প্রবাৰ এট অভিন ২৪ ঘটবাৰ মধ্যে विठाद क्षिया कें. मा किन। इंडेटबाभीय भवाख '3 मन कर कराका कड़े किया मट्छव लाजूरमाह्न करोट्ड खाट्डप সাহেব এছবে এক আইনেব পাপুলেখ্য विदिशा श्रास्त्राय विदिशास्त्रम, विजामीम क्षिमतरदरा (क्षेत्रमारी यादेन प्रमादर विश्वय ना कतिया धालनांचा इन्छ, किवित एजुः म ও দিবেন। দশুবিধিতে হত। ব Cक्कीय मृष्ट्राम्य नाहे। किस के शायु-लार्था जाहात अलाव कता हहेबाटह।

अकरन अम् रहेरजः अखाः।

चाहित्वत अत्यक्त चाहि कि न। ? खाट७ व नाटक्व विटलन, व्यटनक देखेटवा नीरत्रत् वह यड, भीच मत मिरन र्ली ज्वित्वत इरक्छोत निवात व हरेरव। ইহার প্রমাণ কি ? গোঁড়া মুসলমানদি পেৰ সংক্ষার আছে, श्रीकानक वध करिटन यर्गवाम इग्नः ७ व्यवस्थात्र याहाता কডার চেফা পার ভাষারা আশনাদি পের অত্য নিশ্চধ করিরাই আইদে। অত্য ৰলিয়া হির রহিল তথন ভাহাদিগের ভাষতে কাতা হইবার সম্ভাবনা কি ? এই দংল পোঁড়। প্রায় দীমান্তিত বন্য व्यातम इरेट आहेता। हेश मार्गर य धीकात्र भागन ७ विष्ठांत व्यवानी, जाहाटक हैशांग्रिया थात्र जानतारम्ब भद्रहे प्रख কইবা থাকে। ডাহাবা ডাহাতে অভাস্ত क्रेगाट्ड । व्यञ्जे का श्रीमर्शक मञ्ज एक्ष पर्मात ७३ ७ विश्वत्य महादना नारे। बत्रः विजय विद्या चारेटनत महिमा পুদর্শন করিলে ভালাদিপের ভলামীপুন **७**२ळूका मान्डि हहेशा अपटा पत्र मक्षा (तत्र मर्कावना थाटक।

यक्षाल स्व मक्त हे डेट्राभीश वाम করেন, ভাঁহাদিগের চরিত্র সাধুতাব चारम् नव । राथान देशीप्रशंद मन्या चल्लो, मिथारिन चलाहाई चाहर व्यक्षितः। भक्षांब, काच्यीत, भारतायात अकृष्टि चारन स्म मनम इंडरवाशीय चारहन, छीरानिरभन्न भर्या धरनरक ভত্ততা লোক্দিগের প্রতি মিদ্রের क्लामिटभन्न नाम बावकाव कटवन, मंडा ৰলিভে সন্ধৃচিত চইয়া উচিত ন., भरनरक के भक्त करमानि खीला-किंगिटक इस (क्रेमिटल वाकिजातिकी गटार बन्ध्रेक चार्यनाविद्या इन्तर য়াজ চরিতার্থ কবে। কাশ্মীরে প্রতি बरमङ्कृत्य नकल घडना रुद्र, छाद्वान्नार्ड व्यक्तिका वाका म्यमान स्टेटन। अहे

नक्न प्रात्नत्र (नाटक " वेक्स " कीदन অপেকা গুরুত্ব জ্ঞান করে পুতরাং चलां कारकारीतक एका कतिए**क टाइस** হয়। গোঁড়ামি নিৰক্ষন হত্যার সংখ্যা তত নয় একণে তাতেখনাছেৰেয়ৰিল यपि विश्विक इश, मास्टिद्वेटित क्यां थाछ जर बन क्यहांत्री (क्वल एकांका-রির নয়, ছত্যার চেটাকারিরও ২৪ चर्डिकात मट्या विकार कतिया काँगी षिट्छ नाहिर्दन। नृर्द्ध नवारवहा निर्वह আজায় এ কাল ক্লুৱিতেন, একণে বাব-द्रांशक मछ। कर्येषातिमिश्रक विविश **এই छा**व प्रिटिष्ट्रम, श्राटिष **এই मां**ज। अरेक्रां चारेत्व व्यागमा कतिल ভারতবর্ষীয়েরা তাঁহাদিগের প্রতি কি व्यक्तियांत्र क्षरांग कतिर्दन १ छोक्न वास्कि रार्डे निर्श्व रस, देश्तारकता श्रुलिय दाता অভ্যাচর বন্ধ করিতে না পারিয়া ভয়ে *(मरकरभ निश्च त्राचा व्यक्तां क्रिट्फरइन*, এकथा कि नक्टन बिलादन ना। युद विद्याशिष विद्यार मगरा अध्यक्ति नित्रम খোভা পায়, কিছু প্রগাঢ শান্তির সময়ে অব্যাহিধ যুক্তি ও নীতি বিক্লব্ৰব্ৰহা প্ৰণ यन लड्डांक्त मटम्पर नारे। आधातल एउत क्रयत्कता आग्रहे हैं रतांक क्रमीमातिमश्रक ত্তি করিয়া থাকে। শত শত ফেনিয়ান অন্ত নহিত ধৃত হইয়াছে। কিন্তু দেই पात्राद्रवात कि बद्धकात पहिन्त था. ন্তাৰ হইয়াছে। মফশ্বলৰাসী ইউরোপীয় मिर्तित चर्डाव : ग्रिके खेळा। **এक स**न 🤲 মহাপুরুষ ও বাজারে গিয়া এক টাকার ल्रा इरे याना विष्ठ हारितन ! বিক্ৰেতা দখত হুইল না, দাছেৰ তাহাকে প্ৰহার করিলেন ! শ্ৰেভবাদীয়া এ অপমান সহা করা তৃত্যু অপেকা কউ কর জ্ঞান করে। অভএব বিজেতা গাঠি व्यथवा जुलवांत वा हूति উट्हालन कतिन, সাহেৰ অমনি "পৌড়ার আক্রমণ " ब्लिया राजीनं क्षित्वन । जनवर्षा निवम

वहिक् उ धारमञ्च कविजनत विश्वत कति त्तम, चार्यमनकाती नारस्य प्रेथका-वनदी, रूफतार छाश्रद्ध बाका ध्यमान ररेन, व्यक्तियोही ७ छाराह नाकीह वाका चावारा रहेन, काशत कामी रहेता শেস !! এ অবস্থার সমাজ কত দিন **हिंग्रिक शांद्र १ किंद्र श्वर्गरमणे (यन्त्र)** भूक्तक करत्रक सम चीत्र ७ मिन्तूत्र ला-क्ति नेतामार्ग चाहेरात महिमारक वीन श्राम क्रिएएट्न। भागवा म्म्रोक्ट्र বর্ত্তমান বিলের প্রতিবাদ করিতেছি। ইহার,মুল নিয়ম অমাত্মক ও নীতি ও यूकिविक्रफ, देशंत कन भनीय इः१४व **(सञ् इरेदा। मनदाधित एक पांक, किन्द्र** षाहेत्वत्र महिमा ना यात्र । महिमात्र क्रिंगि क्रेटन देश्त्राव्यमिनटक लाहक चात्र পাঠান ও (मानगिष्ट्राज प्रा भा উৎকৃতিচরিত্র জ্ঞান করিবেন না। মাজি ট্রেটের ক্ষমতা লম্পন্ন ব্যক্তির হজে স্ভাূ দতের ভার ? এই মালিট্রেট আবার नियमव र्ष्ट्र अधारणित मासिट देवे! কলিকাতার ছই শত কোশের মধ্যে वक बन बारेले माबिद्धिंगे वक बच्चेत्र বৰীয় শিশুকে বেআঘাতে ৰখ করিয়া (इम, व्यवह अवीरन माधात्रण यक धारण। शकादव कि ना स्टेटव १ काटमकात्र भाग নকর্তা আয়ার অনিয়মে স্ভাবত দ্রা व्यानम्दलन रवाना इहेशाएन, क्या तम् षात्रात शक्रांद्य भक्र के 5 पारहन !

> সগর থকেত্রের বাস খান সংক্রান্ত আইনের পাঞ্লেশ্য।

वन्नरतामंत्र व्यवस्थानं गणात ध्यव स्थित्यमं विश्वतं । भूतीत वागावानि । गर्जात्र अक स्वाद्यतं भाकुरावा गणात केनस्कि कता व्हेशार्छ। इवे वर्शतंत्रतं स्थिक व्हेग, स्थापता वृतिज्ञा-हिनाम, सुनवाबर्गण्यतं भाका विस्ततं स्वीर्शाक्यकं सूनाहेशा गहेशा थात, स्वाह्य

बिटमेत ब्यानिक भट्य बाहात ७ बामका त्वत्र कटि वांवडांश करत् । चांमता त्यह नगरत अनुदर्भाध कतिशाहिकांम, शांशा विरुप्त अर्थेमिक्टिश्व क्षार्टश्व निश्चम क्ष्या डेहिड। डाहाना यड शाजी नरेश याहेटन. कारात मः का शूनित्व अ मानिएड्रेटिव निकटि पिट्ठ बहेर्य। वाहीय क्लांबा यनि याचिर टेट जे निकट निवा चार्यना बिर्भन मधाि राम, छाहा इहेरन था. शाबा बाजी नहेशा याहेटल शाबिटब. এवः शर्थ कांगात एका क्वेरण जातात महाध्यकत कारन अपूर्णन कतिएए मा शांतित्व शांकारक मात्रे क्हेटक क्हेटव ! जिल्ला मारहर आहेरनत य शास्त्र লেখা উপ শ্বত কৰিয়াছেন, তাহা কেবল श्रीत पाकानमान पिएशन श्रीक वर्षि তেছে। তিনি প্রস্তাব করেন, তথা व गक्त छोड़ा हैया बाहि चार्ड, छाहार व्यक्षिकारी विभाग विश्व विष्य विश्व महेट्य । निर्फातिक मर्थाक शासीत पश्चिक लाकरक कान गृहर वाचिता छाहार प्रश्रहरेत । माक्टिको छ श्रुनिष बाना नकरनत्र छखावशांन कविष्यन, धवर चारभाक हरेता चिविकातीरक उदाव ধায়কদিগের অত্যে যাত্রীদিগকে উপস্থিত कतिएक क्षेट्र । विष्यत ৯ शाहारा अखाव कता वर्षाट्ड त्य मक्त यश्चामान चान श्रद्धभ बाडीभिशाक विकास कहा इहेरव छाशत अञ्चनकान इदेख, यनि अयाका कत बिना बाब एत, शाला छाहा बाहेटक किटबन ना, मके कतिया एकि (यन।) ६ धार्ताञ्चलार वांत्रात्र व्यक्तिन बीटक भीड़। अथवा एड्राज मश्वाम वबर वाषाइ व्याजःकातन मूर्क ताजिव याजीत मः बात्र वक डालिका मिट्ठ हरेटव. भिषा डालिका मिला मे व स्टेटिं। ১৯ शाबाब चारक याचिट हुँहे विभिन्ने दश्जू দর্শন করিলে অসুমতি পতারহিত করিতে পারিবেন। বিল্বানি সিলেক্ট কমিটার स्टब्ड (ए ७ वा स्टेश्टिस्)

গত বংসদের বাহলালায়ের রিপোর্ট मर्था कंडेटकन मिविल मर्ब्बन लिखिश्टाइन. बक क्रम शांका कर्यक क्रम याजिय मर्था थक श्रीतिकरक चूमती प्रिथित जीशिक অলমার দর্শন প্রলোভন আপন ৰাজতে লইয়া বাব। দেই আনাই षाना। इत्राष्ट्रा बलशृक्षक छीत्नाकिय मछीय नके करव, अवः शारक म नालीन करत अहे महाय छाहारक वांडिय वाहित रहेट एस नाहे। यात्री ७ शविवादक নহিত বিজেদ, তাভারী উপর দড়ীস্থনাল इखशांटा जीताकिए देवात कर। इह ৰৎসৱের পর সিবিল স্বর্জন ভাচাকে वांकांत्र करेटल बांजुलांत्य लंडेया गांन সেধানে আরোগ্য লাভ করিলা লে সম मात्र त्रष्टांत्र वटम। मास्मिट हेटे घनना धीरक धुक कतियात चाल्डा नित्तन, कियु পাতা उचन প্রাণভাগে কবিয়া সর্কোচ বিচারপতির নিকটে পিয়াছিল।

अरे ध्वकांव अल्डाकांत्र काटल है जी-ৰুরণ বিরলপ্রচাব নছে। এতি বংগব त्रवंत नगरत मार्खाच 🛊 भधा ভাৰতবৰ্ষ হইতে ক্রীভদাস ক্রেভৃগণ পুরীতে चार्रम। देशका भाषात्क होका पिहा काशादक वा जुलाहेबा अवर काशादक वा বলপুর্বাক লইয়া বার। মধ্য ভারতবর্ষের मुगलगान चारुः श्रेय चतुमकान कतिल वक्रमाः भाव व्यानक खोरलांक मिश्रांड পাওয়া যায়। যত দিন যাজীবা পুরীতে অবস্থিতি করিবেন, তত দিন খ্রিসেপ मार्ट्यंत विन डीहापिरशत त्रकांग्र नवर्ष इहरवा शृतीत्क (द कके इत, अफमान जाहार जातक नियांतर शहेरव मारमह नाहे। किंद्र এकमृति। शर्थत क्ये ७ चलाहात निवातन मखानमा नाहै। আমরা অত্যক্তি করিতেছি না, পথে कान याजीत श्रीषा स्टेटन शालाता छीहांदक विकिथ हार्डेन 'ड सन विशा (किनिया यात्र। आंक्षेट स्थम स्टेन,

आभावितात এक बच्चव अक खन निक्षे षाणीय वरे अकारत आवडानि कति श्रीतक्ता मन्हरत्त्रा वाजित्क গমন করিয়া ভড়ার লংবাদ বিংলেও অনেকে আংগালা লাভ করিয়া বাটাতে श्राजामन क्रियार्डन, ब क्षां अस्ता अ नत्र। चनत चानके बहे, भूतीत्व गाहे. बात्र ममदत्र गांखात्रा याजीनिट्शव मटक योग्न, किस आजार्गमनकारल आग डांग । गट्य चारेत्म ना । के बर्स्टरत्रा भूतीर ः एश जिश और जाकषिशतक प्रशील छारांव गानि मिरा थारक, चरनकरक श्रहात्रक महा करिएड इय " (हार्वत्र मांव कार्यात्र" नाग्र डीहारा काहाटक अकथा बन्भिट छ भारतन मा। भरबंदे खीरनाविकारक বেশ্যাও দাণী বৃত্তির নিমিত্ত গুড কৰা হয়। পথেই অনেককে অৰত্নে ও অসক্ষত প্ৰতামে প্ৰাণ্ডাগে করিতে হচ, কোন্ द्धीरनाक ১৫ मिन्स भर्याष्ट्र व्यथानक প্রভাষ ১৬ জোল পথ চলিতে পারেন গ ाजारा जांबादिशतक देश कहिएछ বাধিত কৰে, পুতরাং অধিক লোকের ৌড়া ও সভা হয়। যাঁহারা পশ্চাৎ ^भड़िया थाटकन, **डाँशांदिश**त अपृत्छे হাজ: অথবা হাড়ুৰে অপৈকা অধিকাচর ভदकत क्रीडमानी ब्रील घडेना इस । शिक्तित गांकात हुन ना**ण्टा**का व्यनिष्टित निवाहन प्राक्ति कार १ न श्रीकरत भ दे विना Q. 11. ताईन कता त्र्या। এ নিংয়ে স্বতন্ত্র ১৮ ७८ ७ तम्ब ७ आहेन उ म अविधि প্ৰদাপ । বাটা হছতে যাত্ৰা অবধি প্ৰত্যা গমন গ্রাপ্ত মাহাতে যাত্রিদিগের কোন विश्वत इव शाखात जाहात मारी इहेर्द बहै निध्न कत, जानानिगरक অসুস্তি পরে লইতে বামিত কর তিঃ काता वाजित कर्खानित्यत विना व्यव्य-ভিতে याद्याटा याळी नहेश। यादे: छ ना পারে বেই বিধান কর, এবং বালতে

भाषर कारन कारन हिक्टिमालश इस, ! काशन का बच्चा कर, डाहा इहेटल यथार्थ काक कहेत्व । नश्चन शांक क ১% क्लांन ^६ श्रन्था ७ डेक क्रमश्राम ७ कप्तर, जिका ভদ্শ কৰিয়া ওলাউঠা হত্যা ভিব হুহি े दिए. उथन महा अभाग लहेगा है। गाँउ नि केश विकल। आसरा छत्मा दति, याद कालक मछ। ध विषय मानारयाती वह (बन । प्यामीनिट्यं शिखावानुनाटत प्याहेन **करेता धर्याव शांछ इस्टाक्का महा**वना नार, धार अक्रम याहेन इट्टल अहम · भ र मक्त ब्लाटक्टे **धक्**री क्रम्रत कुछ ख्य ७ । अभूमान प्रविद्यंग अद्भार माहे।

> देवला क देवल मार्ड्स 3711

मण्यान्त्रथ ना इडेक, आगानिश्वत (मर्भाव सर्भान विकास कि माहिन्युत नाता চিকিৎমাশান্ত্রও একদা অনেক উন্নতি नांच कविद्याद्भिता अभारत छेरमार्का विद्याह केशांत शीनमणा इरेग्राटम् । आलीनवादलह व्यक्षकादवता जनानीयुन त्नाविष्ट्रश्व व्यवका अ माजू श्राकृति विद्वतना करिया (म (य छेपध वावका कडिया यान, अवस्त काल महकारत त्वारक व व्यवदा । अ धाजू প্ৰভৃতিৰ পৰিবৰ্ত্ত হওলতে ভালাৰ বহু बाडिक्रम घणिबाटक, ज्ञतः ममुनाग्न । উटक्र हे जिन्द निविष्ठ चाटक, क्षेत्रथ मण्युर्वकरण कार्यकाको इत्र नाः। लाग्न छोहात , प्रमुदाम कत्रा किस आधिष बज्रान कडालान बीर्यावर शकांवक छे। ४ ७ देवलभाटचाळ देवल अक्षांशकतिरात निकटि देवलभा. किंक्श्मा विज्ञ छ होता थाव, हेहा अञ्चल क्षाः **उ**त्र विवयः व्यक्तभ भाकात स्था दाहेट कटक, देश द्य मीनतान व्यक्तिश्व

वादक अञ्चल (बाब इस मा। देशकोत চৰ্চা বাজন্য হওয়াতে নংক্ত শান্তের मिन मिन (यमन किहान इहेट उट्ड, डाउन्डी विकिश्मात आवना इन्ताटक रेवमा नारयाक विकिथ्मात्र रमगी शैनम्मा क्षेत्राह्म : शृद्धित नात देवसामात्त्र প্রগাঢ বৃংৎপন্ন লোক প্রায় আৰু দেখিতে ांखा राग ना। असम्बर्धाशासा चारहन, डीहारा ग'ड हडेटन छाहामित्भव ममुन লোক পাওয়া ভাবু হইবে। বাহার এরপ गरणा, प्राक्षांत व्हारतम्बान वाजिर्वत्क তাহাব রক্ষার সম্ভাবনা নাই। কেবল চিকিৎসাশাস্ত্র কেন, রাজসাহার্য ব্যক্তি-হেকে বেশন বিষয়ই হি**ডিশীল ও বর্জ**ন भील इस ना । अची त्य अभन विसा, ভাষাও বাজার আপ্রারহারা না পাইলে विक्त अ मलिन हरेग्रा याग्र । हिन्सुश्राधात হী । দশাই ইহাব প্রমাণ।

लाजा ह विषय अकरन व कवा अहे. लिल्डेनले शवर्गव कट्यक खन विस्त डाउनव मरनानी छ क्षित्रः अक्षेत्र मचा क्षित्रवात व्यादमण कक्रम। श्री गढा देवसामादकाळ जिमध्यनित खन लांच भरीका कविहा स्यून । य छान भरीकात्र छेट्क्र छे वित्रा अजीवमान स्टेट्स, जाहांत तका कवा वारणाक। तकात छेनात बहै:---

) देवमा भारत्यव त्य त्य काकतरन क्लिकाचा (मिंडकाल काल 44: क्षेत्र प्रिंशिक भाषा वात, जानार व्यव देश्यामी अ बामना छेन्द्र त्या-धाराण कः नाय रहा । वटनायकः रा मकल वीटक क्रिक्त विकारिका विद्या किर्याकिक (बाध ब्यानक मिन (छाश करन, जाहांत्र कत्ना इंडेक। (व शक्स हाज छाउन्ही थ डीकात विगत्त (मधे (महे छेश(धत । छिकिरमांत शरीका क्या छक्षीन इहे-मिक चार ज्या का किया। बहे महना दिन, जीवात। इस मान काल छेक স্ত্রোক্ত উনিধিত পরীক্ষিত ঔষধণ্ডলি क्षञ्च कतिबात अनागी निका कति-

२। नर्यान विष्यानस्य नाम श्राटन चारन रेवना श्रञ्ज रहिवाह निम्छ अक वक्ती विमानन इडेक। सिफिकांस कारन জের যে সকল ছাত্র ভালেরী ও ভাল-चिठकाल देवमानाट्यां क विकिश्ना धारानी जिका वित्रा शतीकात छेडीर्न क्रेट्टिन, डीहांता त्मरे त्मरे विमानट निकः। पिट्रम । अहे अक्टी विट्रमेष निक्रम कतिएक रहेटव. अञ्चलः मिहे मिहे विकार-लास व्यक्ष सन ना कडिटन क्रिक्ट ना क्तिए भावत्वन ना। ध निव्रम इहेत्न এই প্ৰম লভ হট্ৰে, যে সে বাঞ্জি क्षेत्रधव जिल्ला काटक कविया देवना मांकिया यटभव कार्या कटव, जाहामिटनात इन्छ भन वन्ना २३८४ । यथन नर्मात कुल, अक्टोिनिक कृत उ जीनमात्र विमालम প্রভৃতি হইজেচে ও হইতে চলিয়াছে, তখন আমরা যে বিদ্যালয় প্রতিঠার शक्षीय करिए छाई, हेश एवं व्यवना कर्खना कविषयः चनुनाज नः नग्न नाहे। कीदन वकान हिन्दी मस्ताद्य कर्जना।

 । य मजल देवना वथार्थ विक्क क्र विश्वान, याँशानिश्वत देवनाभारञ्जाक প্রণালী ক্রমে ঔবধ প্রস্তুত করিয়া हितिएमा कन्ना वाबमाय चार्ट, मम्द्र नमात्र वर्ष ७ व्यमाविध मन्यान स्टक श्रूत-कात पावा डीशमित्मत डेश्मार वर्षम कता कर्खवा।

बद्भाग कहित्व (क्वन देवनामार्ज्जाक রীতিতে ঔল্ধ প্রস্তুত করিবার প্রণালীর तका रहेटन अञ्चल नज्ञ, त्व त्व मटहालकात नाफ क्रेट्ट, जाशंक छेल्ट्स लिह्निश्व क्रेल ।

श्रीक्षवाद्यत्र श्रीक्षवासः।

ক্ষেতা ও বিভিত এ উত্তরের সহস্ক व्यक्तिम् " (माइनीव "। " (माइनीव " ध विरम्पंग किटणिश, छाशान कान्न धरे,

बाजूरवर रचवज्युम किटबंड चेंबार्ट पर्व विवारियो सूचकरी बाबीनवा, विश्वत्र वृद्धि ७ जाइ अम्र डेन्ट्रम् ८ कृष्ठि मक्तर करे देशह विकर्षे बर्फ निता एरेटक क्या। क्रिका व्यान (क्स मखा विश्वास ७ खेळलमञ् इकेन मी, **জেডা বলি**না অভিমান ভাছার হৃদয়কৈ কলুবিত করিরা র:খে। ভাষার চিজের क्षेत्राचा विज्ञुल हरेता गाव, विक्षक युक्त ७ माट्यानरमम काशांत्र निकटि कान প্রাপ্ত হর না, এবং বিদ্যিত কি শারীরিক কি মানসিক কোন প্রকার স্বাধীনভার मश्रुष्ठिच दावराव कंत्रत्व मार्मी रत्ना ! बाका विश्व वृक्तित अनुमाविष्ट हरेति थ যদি ভাষা খেতার অন্তিমত হয়, বিজি-(चत्र प्रथ हरेटड विविजी हरेटनरे ठारा धानवाध विलिता পরিধৃণিত एरेशा पारक। প্রাচীনকালের কেতুপণ বিজিতের সহিত যে এক্রপ থাবহার করিছেন, ভাহা ভানা क्रित्र विचात छैश्लामन क्रीं क्रिके ना कि हमानी हन गया क्षाप्त भाग रा এত্রপ ব্যবহার করেন, তাহাই নিভাস্ত বিশ্বরকর। আমাদিংপর গবর্ণর ক্ষেন্রল আগরায় যে দর্বার করেন, আমরা তা-হার প্রতিবাদ করিয়াছিলাম। প্রতিবাদ করিবার স্থুটা কারণ ছিল। প্রথম, আমা-विरामन विरामनात्र पत्रवात कता द्वां वर्ष बाय, कत छ। दात्र अनुक्षण दय ना। आगता ভাষার প্রতিপোবক যুদ্ধিও এদর্শন-করি भ्रां इलाम । बिकीश, महबादत व्य वाश ष्ट्रेश रशन, काहा क्रुक्तिक विषदत वाह क्रिक्त भारतक क्षांनित्र भाग त्रका रहेछ । क्षि भागापिश्वत धरे वासाथित क्ष्य জানীর,বংগর অনভিনত, সুকরাং একলাক্য बाह्य चलहार बलिहा लहिशनिक हरेग्राटक २৯ এ फिरमद्देश देशनिम्यान देशत श्रांड बाव क्रिया बक्की जीख क्षांत निधि-: 衛代电声)

मन्त्राह्म क्षत्र चामान्त्रक क्ष

च्छात्र वर्ग करे, हेरब्राटक्यां चामावि গের যে উপকার করিরাছেল, আমরা **७:**श वीत.त क.वर्टाह्मा। प्रदेशस्त्रत कर्खवाक्ष्वका वित्वहनां च्टल च्रहण्या-कात चित्रात्र मामाना विन्धावह नहह। ভাষার পর ে সের স্বাধীনতা ভাইয়া বথা তুলা হইরাছে। ইংলিসমানের অভিপ্রায় बरे. बरमभीत नमाहात्रभरवात वाशीनका व्यध्यिक रम । डिनि बटलम, अरमभीरमहा श प्राधीनकात च धनाती नरहत. हेश्वारक-बारे विवास क तथा निर्देशाहन, देहा अपन भीवनिरंशंत अनुवित्र लक्, अखदल लक् गटर । अनुवार नक मत्मर मारे । आमता धुर्तनः रेश्त्राटक्ता व अनुश्रक कतितारहम বলিয়া সর্ব্বদা ভাঁছাখিগের এশংসা ও र्केश्विरशंत निक्दी कुछछठा क्षकान করিয়া থাকি। ফ্রাসীদিগের সদৃশ প্রবল লোকেরাও এ খার্থানতা ভোগে সমর্থ महत्त्व. देश चार्या, प्रदश्त चण्ण चान्ध्रांत विवय बरा। विटान्यकः वर्षत नमके (मर्था যাইভেছে, কেতৃগণ সভা পদধীতে অধি-कृ बहेरमथ विरुष युक्ति ও मास्त्रत छेलरम्न जाहामिरशत निकटि अधिकात आश क्य मा. प्रथम देश्वारकवा मासूब. चामवाच मानूव, देश्वाटक्वा देश्लटखदेवीत क्षणा चामद्राप कें.सद क्षणा, चठकर हेश्तारकता मृति अ य धीनका कारण व्यक्ष काती इटेरलन, आमता अधिकाती ना হই কেন, এ অভিমান মধলের নিমিত্ত सत् । कलकः चामता त्य देश देशका-बिराज अनु अर्थिन लाहेगाहि, हेरा आमा भिरमंत्र भारत्रकाशा मरमाह गाई। कि मत्त्रत कथा श्रेलिश दलिए कि. चामहा याश पुरिकातिक विद्युष्टमा कृतिन छोडा ব্দি বাজ করিবার আমাদিনের ক্ষমতা मा शास्त्र, अरमणीत नवाष्टात्रभटजत याथी वका दक्ष रखनारे केतिक। क्कीत रेशनन मान कवितारहरू, बर्डानीत द्राक्तान इंग्रिन

श्री भन्नावीरमन्न मन्ति गनाम सम्मानित नार्थ जानित मन्नादा मन्नादा जानिम जान जान कर्ना प्रतादा जानिम जान जान कर्ना प्रतादा जानिम जान कर्ना प्रतादा जानिम जान कर्ना प्रतादा जानिम कर्ना प्रतादा प्रतादा जानिस्ता जान कर्ना जानिस्ता जा

चामहा बक्ती नरकृष आंक छेलुक করিয়া লিখিয়াহিমাম, পূর্বে ভারতবংশ এই রাভি ছিল, যিনি সভাট পদগাভ করিতেন, অধীন রাজাদিরকে তাঁহার পদ भिर्व के तर्ज हरें छ। जानामिर्वत मञ्जा शवर्गस्य द्वाषानिशत्य वाधिक कतिहा महत्रभ मचानलाखार्थी इन, हेल छेहिछ रम ना। देशाटक से लिननान निश्चिताटकत षायता देखिहान विवास ध्यालिका । शूर्व কার ফেতুপণ অ.পনাদিপের ফ্রের্থেসব कारल भगिष्ड व क्रमन्टर ममस्ति ।हारत लहेशा योहेट जन, अधन दमक्ल माने। अधन যে প্রভুর প্রতি বেশ্বপ সন্ধান দেখান আবশাক ভালাই দেখান হইয়া থাকে। এখাণে পুর্বের মন্ত ব্যবহার করা হর আ-मता क क्षा विन मा। व्याहीन ज्यास উদ্ধুত করিছা দিবার ভাৎপর্যা এই, বাধিত कदिता मन्त्राम शहन करी मन्त्रा कारलद छ मका शकात छेडिल क.वा नरह। यथन बाधिक कविद्या भववादत अन्याम ध्रह्म कहा इटेर्डिट, उथन ध्यकातार्म मा ३७०, क्लाश्टन याहीनकाल ७ रेमानीखन गणा काम केक्टब्रेज जूराका व्हेरकर ।

इतिमाणि देश्याणीमश्यु ए सिहानग्र ।

আৰৱা আজানিত হইরা প্রকাশ করিজেই হরিনাতি ইংরালী বংস্কৃতা বিশাসমূহের মুইটা ছাত্ত প্রবেশিকা প্রী- ील इ विषय करे पूजी माज इ:ज भतीकाथी 'ধইরা শুমন করিয়াছিলেন ফুটাই ওতীর্ণ रेरेशास्त्र। अणी के विनामितात व्यश्न भिष्क शिवृक्त वानू सानकीनाथ मुर्था नाशामा (बि. এ. । 🗃 यूक वात् छे । गर्न हम्म पत्र (देनि अवाद वि, a, भरीका। निट'ड विशाहत्व) है, युक्त देवनागनाथ किंका नद्राप्तर व श्रीति श्रीतिका व्याप्तरिक वि 🛪 🤋 भिक्तामानरैनशूरदात कल 🤥 भागा क्षित क्रेश व विमालगढ़ी टाडिछिछ ^{कि}हें। (दुइ) हेर्गत मार्थः करे कत प्रति स्था: ७ **डेक निक**र्मिश्च प्रविद्यात क्षा करिएक इस्र।

--- : •?---

अ। ४।

🗸 बाशक्रभाषाय मा । याना । चामहा चास्तापित एहेहा अकान ক্রিভেডি, কলিকাতায় নাটক অভিনয়ের व प्रानानी स्हेबाट्स, मक्यल ठाहात भाष्ट्रमञ्जल कर्ता करेटकट्ट । अख्निय ए ध्यकांत्र ४ थवा उठि उ उर्का मण्युर्वक्रप क्तिन च्टा इंटिड्ड ना बटने, किन्न अ विषया रेमनिसन उन्नीक शक्ति व हरे-**टिट्ड। बाउँटकत्र फायात्रक फ्रिक्ट इरेट**व এ आभाव क्या बाहेटड लाट्यी। अविशटा ष्याना क्षारकात पार्व यथार्थ, किन्द्र 🚁 लिखन क्रिय निकटि देश बङ्काल साजी क्षेट्र नाजिए सर्। इक्ष्कृमिन स्टब्स बस, कांद्रेगड़ा, अपृत्तित प्रचाव भागाणि । विद्यादः । किन्नु पर्धन त्यादक अहे बड़ार बुक्टि शाहिशाह्म, उर्थन हेश भीख्र पूत्र ३३८५ मटम्पर गारे।

৮ है तीय ममियांत पान् शास्त्रोष्ठ " विकाशिकात्रव " अकिनय · क्रेब्रांशिश्चर्ट्हः यहे उन्नादक काष्ट्रा भौरकां प्रभी के बन देश कि के दिलन। का हे अज़की मुक्तन क्षेत्रांटक, काव: देशांत्र अट्या (क मुक्स कारक आरक्ष, डेर्काल श्वित अवदारभ शुक्क। छवानि भागता

দংগীত প্রবংগ সম্ভূত হইবাছি। এ প্রাঞ্জ नहराहत ट्रांनक, खबना, खानभूता, (बङ्गेता ७ प्रमिश चाप्राप्तित्रत नः भी छ যত্ন সাত্ৰ ছিল, কিন্তু সূত্ৰ দলে ইংৱাকী ्लूरे (बांनी) फारजन है, शिशनू ্ছোট বাঁশী) ওৰাম (বড়বেহালা) देश्याकी यञ्ज भक्त लख्या स्टेग्नाट्स। षागितिरात आहीन बीना, । कत्रजान श्रद्ध कड़ी इरेब्राट्य। शांविकान देवका দিগের করতাল মন্ত্রে করিবেন না, এই কৰতাৰ চারি থানি স্বাট্ট অঙ্গুলি পরি-मान त्रीर्थं ७, व्यक्ति श्रुख इहे सामि शहेता बाकाइटा इय जबर देश वाकान अ কঠিন। ইহা ভিন্ন গেডার, ডানপুরা, এসবাব ধেহালা ও ঢোলক ছিল। गः भौजनग अखिनरात मस्या अन निका पिष्ठिष्ठ इहें ल योगा करत्रन । त्या अभार बह **সম্ভ**ট क्रेशाहित्यम, विष्मिष्ठः वार् नीनमाथव प्यादमव कूलू है, बारु गर्नायं मटनंत (बहान। ७ नर्साः পেক। बातू इतिरमान्त कर्मकार्वत **टालक बाक विदल्पत म नाइत इहेग्रा**हिन। (यथारन रख बाकान शा, त्रचारन बाक नार न्माछे त्रान्छनि रिटमेर मिछ लारम । ७८४ यामता भःभी छ मरलत वक्षी विद्रमय (मांव स्मित्राधि । अखिन रवत बक बक स्था भाव हरें। माज नः गोठ इंख्या (डेलिंड। किन्न व्यासना र्लाधका चित्रका इहेत्राविकाम अकि बांत तर्गोछ नत अध्यक्ष इ ब्रितन । यक्ष मिना हेटड, कान् गड वाकाईटेंड स्ट्रेंट छाड़ा चित्र कहिट्ड घटनक मनग्र योश। अ म स भूटक चित्र कहा डेडिक अवर आर जन व्यथान में इहेरल इरल मा। विशेषन नकरम अद्योगि श्रमर्गन कतिएक ठाएकन, रमश्रास निम्यना चरुणे। चात अस्त्री मान कर वर्ष वामीत मध्या क्यान देवि व । ब्रेड ब्रेडि क्षिया केवर नय सुक्षे ज्ञाबिदम बदवरे। बात कडकान बदनमा अन्य बहुक कवाह डेनदबनन अनिहा-

मस्मिना व्यक्षिक विश्वे, व्यवेष्ठ विश्वे क्या-ভাল ৰাজান তাঁহাকে রাজি খেৰে 💆 बार् बरेश अक चर्षिका काल बाह्यिक रम्। এ यञ्जी शिविकाश कमा खेलिक। रेगांव निक महत्राप्त नहा व्यावक्रियां व **অভিনয় প্রকৃত নাটকাভিনয় নয়। ইহা বারুং** ७ ना हे क मिल्लिक। प्रक्तिनात शृद्धि (नवे मिटकटन कोकज़ारे वाकाना ७ विश्वानात्र भेळ, जरशत्व धृतश्राम भौगाविष्यसम भी उट्याहरू इत। यथन मः भी ठ दिल, क्थन देशंत्र क्षरतासन हिल ना। श्रुष्टद्रार भी छ इति व्यवश्यास्त्र हो इति । अथ-मठः तक्कृमि छोत इत नाहै। मुरबी क मटनात्र कात्र धक त्याव धहे, डाकामिट्रभन नड मक्त थांव क्रिप्रामः। दमहे दमर वर्त দামিয়ানাৰ নিচে মাত্ৰ ও সভৰঞ্জি মাত্ৰ **उभारतभन कना (मल्या रहा। ८भीव मार्य** अ शकाव फारन वना नकत भंदी द পোক্ষনা। ভোক ও সংগীত সকল मान प्राचेत्र रुग, किन्न भागाविष्यत म्हिन विज्ञान माज। विज्ञात कार्य गरक्षिक का मान्य विभाग को नाज षञ्ज याहात करवन, निमचन हरेटन महा পৰিষ্ঠ ত্ৰাছুৱপূৰ্ব এলেন জলের **উপৰে নিবাদনে ধ্**দিয়া (बला ভিনটার ममदत कमनीनदा चाहात कतिए हत्। नश्तीक एरेला ननियात कछे, दिन ख इर्गेकु क्छेशावक एत । अरमटन वर्कताथा-त्रवटक माश्रीक व्यंदन कतिएक विदान 2. या यांकाटक विश्वाद करू महत्व एव. কিছু নাটকের অভিনয় বিশুদ্ধ ফুচি বিশিষ্ট रनारकत्र सारगारम्ब समा रत। आकृतन त्वांकात मन्या मीसान्य क्तिहन क्षि । मारे १ आम्ब्रेन्डकात संकेदन युटमान मरका विश्वके विश्व मा। जरद मानदम्म उक्कारहरू काली मानरकत नव हिन क्षर क्षेत्री हें क्षर नाथा ठाहाह ग्-संदर्भ मनावित्र संदर्भ। स्त । युक्त वार्ष-

हिरमन बन्द मिर्क्सिटम बन शास्त्रत छेनेत वरेटक यानिमी विष्ताहक जुन्मत वर्णन क्यारेग्नांबिटलन् । अही वाहीव शर्रात व्हेशोहिन अवट स्ताज स्थित्र इरेटन अ पूर्विश पंकिट्द मा। मार्टोक वाकि-विश्वत ब्याचिक व्यामक माध हिन। विष्णात बला व्यंत्रकोश्वालीविध्यत नाम इस जबर (बक्रटल बच्चाक्टलत शहन स्य छाहा जवाजादिक अवर नामाना (वना त्रांक करें व्यक्तारत खन व्यवस्थित कतिरह পারে না। বিশা কংকৃত উত্তমরূপে चानित्वन, अथकात जीत्नात्कत अवक ৰক্স নিতান্ত অফচিকর। স্পরের বস্ত্র काकीशूटबब बख नटर, देश वर्खमान यूवक बाषानीर वज्ज,---(श्लेजून, চाशकान । শ্রির টুপি। উত্তর পশ্চিমাঞ্চলর চাপ कान, शासामा ७ शामणी विश्वात कि कषि हिल ? तांबात रख कठक बरेता हिन । किन्न देउँदानीत औरकारकता वकः स्टाम (य खंड (व्यवकात विरागेत) यात्रन कटतन, त्राचात चर्नीटत छाहा मुके एता। क्लोडील ७ धाइतीमिट्रात वश्च छेलम रहेग्राहिन, किस मञ्जी कनकी तूलवि शूणिद्यत (कांत्रका ७ कट्सक देशि ७ ৰস্তুৰ ধারণ কুরিয়াছিলেন। অভিনয়কারি अन् मठर्क स्टेर्टिन, भूजिरमत रख वाव ছাৰ ক্সিলে দগুৰিখির সভিত গোলখোগ स्केटव । मालिमीन द्वा क्रिक स्टेशांक्ल, विश्वात एक, किन्छु भुक्तत्व विश्वामि त्त्रत माप्त दमानात माना, ७ दम्म वि न्याम दिल। मनीनिर्शत देख एव नारे, विमात्र मयद्य वानावनि वटळात हमन छिन ना, यांत्रता अष्टलेत वजा पात विका ও मधीबिटभन्न मादकत दानक পরিভাগে कता छेडिक। बालिकाता मानक शतिहा शाटक, किन्द्र हम सुभाजी श्रीभरन नाइक ु चार्निट्ड मार्थी स्म, अम्ड बग्रःजन्म स्र-द्रमानिक व्याचार विवास व व्यवहारतत । कार्य केन्नम द्राय हरेनारित । विर्व

दियत शांठ कति नाहै। व नकल गांमाना मार्व वर्षे, क्बि चानक्छलि मार्थाना मार धर्धिक कतिरल श्रमकत स्ता। व्यक्तिरात्र वास्किनिरात्र मर्था मानिनी দ্বাপেশা খাড়াবিক অভিনয় ক্রিয়া-हिलान, তবে प्रमात्तर महिक " मांगी " मन्त्रक इदेरम्ख " चारे " वनाछ। वड़ কটু শুনাইয়াছিল। বিদ্যার সহিত সুন্দ त्वत कथा, उाहात मन चार्क्य कता छ मृठीत शक् ह हजूतका मानिनी श्रकाम कटबन । ८३ छिडानदी धतिहन जुनस्टवत ক্ষয়ে দোষ নিকেপের চেন্টা ও কাম্পা নিক ক্ৰন্দন প্ৰভৃতি স্বাভাবিক হই াছিল विद्या । जानाता अर्म मधाविश्कार मणापन कार्त्रन, किन्छ शण्डां इटेट्ड बिलाबा निएक इब "अभक दिना नर्रामा श्राम्बन करा केतिक नम् । व्यामहा सम्मद्रहर **जः त्न मट्याव लःख कति नारे, विनात** সহিত প্রথম আলাপের অভভানি বাকা ७ स्माटक फर्टनक चांचा दिवाही डा अम र्मिंड इस । छट्य दिन्दात्र विवाहकातीन हात । ना उनाम प्रमित ध्वति मा छात्रविक मान श्वाकादिक क्रार्थ मश्राह्मान क्रिट्यन, वरः পুর্বের অভিনয় ঘটিত দোৰ জ্ঞী আঢ়া-রের সমহের কানমলার ক্ষালিত চই-वादित । ताबात यः म उत्रम स्टेशांकितः चामहा व वास्तित नासीमा बाका अ অভ ভাভতে যথাৰ্থ সৰ্বোষ লাভ কৰি য়াছিলাম, তবে ভবিষ্যতে উহাৰে শাঞ बीन व्यवस्थात श्रामान ना कविया वर्षा र्थ क जिए। में (ब्राम) क्षप्रकान करा कर्त्तवा स्ट्रेटल्ट्स। (को विक्तितिवात आः भेड उल्रथ स्हेशिहन. मर्भाटकता स्मार्थ हिस्कुट्य इर्मन क्रिया मञ्जूषिभ जानक क्षांत करहता छेल्ड स्थाइन्ड ७ वट्ड विवाजात कान देशकर्गा हिल ना, क्या ७ शास्त्र छ कथारे महि। अधिनव्रका-अधिक, कैंक्षित हा तथ्ये महत्र, धार्यः जीन व नक्ष गान कृत, कांकात व्यव-

वण: (आकृवर्ग बातू बहुनाथ ब्राम्मा-भागात्वत भीटक दिस्मन जानक दकांक करतम । देनि नहे गांकियाहितम । बस्रकः हेनि जिल्लाह जीवन अक्रेश । वार्किका योगांत छोरात मूर्य छान नार्न मा, এবং অভভাজ शाहरकत अश्वतास्त्रत चक्रभ । यह बांदू व विवदत मण्लूर्न खणर मांव डेलगुरू। आफ:कार्क हरेंके जीत्नाक्दवभंशात्री वानक नृष्ठा क्ट्रब्र, न डा केडन दरेशाहिल, अवर तिरे नम्दा नःशीक मरनात वाना व्यातक मरनाक्ष र्देशाहिन।

यांश ४ डेक, आयवा आत्रज्ञाक्षां শনিবার রাজি সুথে বাপন করিয়াছি: नाम। विभिन्न ७ विभिन्न कर्छ शीकांत्रा यक एरेशाहित। अभर्याष्ट्र अक्तिय क्षा व्यवादी क स्ट्रेट्ड ना, हेटाटक छेट्डा थां अ विश्वत करता किस अशुक्तिता यङ्ग था ह, वर्षन यन्त्री नित्न अष्ठ हुन क्रीताक, जनमाने देशक क्रेट्र क णान। दहा बाहेर्ट भारत, अष्टन जामत এक कथा बला कर्खशा कर्याचान करिक তেছি, রাজা সাগুভাষার প্রায় কথ वर्णन, हेराएड (आंकुशन क्रमसुद्धे इन बारे। वा किविटमंदवत्र भटक रे उत्र हिन्द कथा वाथिना चात्रमकन माध्यांका पिट्र एंखम रह जारांत महत्त्व नाहे। आमन ভংগা করি দীঘ্র সর্বতে নাটক অভিনথে भाषांतरन क विवरण महसारवांशी व्हेटबम चात याहार विशीख बना छेडिक, जार रहेटल जालू हता। भीख हेरा इहेराः मञ्जाबन। नाहे, किंद्ध अपि यन पृथि भरवत बहिकुक मा इस ।

ক্ষেত্ৰটিক সংবাসদাতা লিখি श्राटक्नः--

३ नरादशक चामक अपन त्यान जार ७ के शे औं ता'क बाइम क स्टेटल कर- व हरे।

-उस जिल्लाक (अप्ट बेक्स विद्युवनाश मामा প্রকার মূলিত ও ক্লেশকর চিকিৎসা করে কিছ कुडवार्व, इहरड शाद्य मा। अवरमध्य बागुत्र छे-िष्ठ देव। विश्वान कहाएक **द्धीरमाक** कारहाता, নাত করিয়াছে। মর্বাচীন কুনণ ড রাবিষ্ট গো-क्षि पृष्ठ्यक विदान कतिया शास्क, यह किन শলী নামে শিকার বাহল্য বা হইবে এতাসুক इसें देवाव का जिलाहै।

 भ भ उक्का दाखिए। त्र शिक्षा व्याप्तर त्तात भाषात्र चालन नातिश्रा अस्तर **्र** ए प्रद,राजे क्ष्मीं कुछ इहेब्रा निपादक ।

- ১ বিশ্বস্থারের কোট জাদালত ভিন্ন সমুদায় काकित्वहै शाब छेश्काइ धर्मन नम्बन हो है কাৰ দৃষ্ট হয় বৰ্ণী প্ৰত, খাঁবা পয়সা ৰ জীত थामना बह्दप्रानिश्तद्र महिन्छ नथानित कहित्छ भारत ना। वामिष्टाके व्यक्तिके मार्ट्स कि सून-त्यक बाबू कि विजिष्ठी व य'तु कोश्रांक छ हैश्रेत भिवात्रभार्थं यत्र कविट्ड (प्रथा भाग्न ना। नाहानि গোৰ মধ্যোটিত শাসন না থাকাতেই ভ উ ংকাচ ৰাধী আম্লানৰ প্ৰভাৱ পাইয়া যাইডেছে এব ' ধর্মাধিকরণ গুলি হত গৌরবক রয়। জুলিতে: १ । **क्षांशास व व छेराटि अकर्रेक् मृक्ति विदर्भण क** (दम, फारा करेंद्रा छ रग ?
- া অবগতি হইল, মুন-ীগ্রের মেকিকেটী । काकाती बहरत कांगिरन। मध्यिक वहरत मून **নেদী ও ছোট আ**দালতের আফিন স্থ'শিত MICE!
- । क्यायुन्त काष्ट्रित अखिनभीभवखी। কোন স্থানে অনতি বৃহৎ একটা চোৰ্যাবৃত্তি হইয়া शिश्वाद्य ।
- পীত্রি হারা মন্তব্দে আঘাত করাতে তাহার मृष्ट्रा व्हेसारङ् । इंशान ४ ७ व्हेप्रा स्थोकमातीरज नीफ स्रेशांट्स !
- किह नवन विक्रय क्यात मनत उडरन अक के होते। क्य (मझ, क्षांख्याख का दिन का का दा जमाती चाषामण्ड लाकामणाद्वर माध्य र छत्यांत य-शांद्र खांशांत्र ১ - मनवीका मध क्षेत्राट्य । हेउः कृष्मि अफ्रम्भाष् अवस्था वर्षकाहत को विकास कारण कम (१०४) एउ ११ वर्ग द्वार है : किटिए हा अन्तर करत करत स्टान प्राचित्र वर्ष किष्टिर अहीयाना पियां इता
- ▶ । २० ज व्यवशासन व्यात्वा, वा त्रांचाक त्रेमा सिक्ष व्यक्ति वर्ष स्थान । जन्मी अक्रम रक्षक चौत्र भइदक्षिणैय म इन्हांबालान कारती। हेब-चत्म श्रांत विगर्धन " श्रांति ।

के। १० दिन ... के दिन माराज महामका करिक इफ भागा बंध्न कहा चभन्नास जैनमदूह स्मार्ड म.हेंद्रिक रूपिशाय छ अक्सम बब्रुकरोह क्रेस बर्-गा कात्र वाहम क का का इहेबाटक । विक्रमानुबन्ध व्यवनामा (भाषेशाष्ट्रे : ल इतक्यांगरनम् এएर छाछि गविद्यस प्रतिनाचा अक'स दर्सर।।

कालनाष्ट्र भरवामनाजा निविद्याः हनः -

शरु : अ श हिट्नबर कानसाव नेखु इक सारम अरलव मध्यन वक भविका इदेशा विद्वारका भरीका इतन श्रीपुक्त संक अतन काउन, विराम श्री का वारे हैं, मार्डिकी मार्टिक अवर भिन करनर शंग अ सात्र असानकात प्राप्तक खन्न लाह উপস্থিত ভিশ্বন। একটা মনোহর সীত হয়। ाविट्टाधिक व्याद्य एड्डा क्रांत्र (घट्डा ७ जर्भकामक भुष्ठक अध्व इहेर्स स्वतंत्रस्य मार्थ के बिक बहेशा वामकवात्वत विकास व्य বাগ ও শিক্ষকদিলের উৎসাম ও অল্লখান মধ্যে वाम्।।व विरम्भ छेत्र छत्र दिस्ट्र अक्षे ह्रस्यकान्न বজুতাকবিদেন। পর দিন মিশেস এডিজ वालिका विष्णानरत्रवेश भरीका अहन कविशा भडाख मध्डे इंदेरनम । मिलाई चौर्याह ब्रीफि मा बाकारक स्राम । स्रुगातिर केर एक वाबू रेवस् ঠনাৰ বে মহাশ্যাকৈ এ পদ্ধতি প্ৰবৰ্তিত কৰিতে कष्टरताथ क तिया (शनन । देवकू छ बाबू छ । अधन। मरमारकाशी श्रेग्राइन ।

এখানকাৰ দাভৰঃ চিকিৎসালয়লী বেল্লপ डेबरिभीम ও রোগীর সংখ্যা **ক্রেম বেরুস** इ.च हरे(७८६, এখন একট পৃথক খাটী हउद्रा । कोकी चांडाव (क'न हुआत क'इ'व औरक। मिछाञ्च कावन,क। चामता अनिया चाक्नाविक हरेग्राहिनाय, त्य वर्षयानाधिशकि महावास वर्ण-मान मारमहे अक्वांत काननात्र च्यानावन कविटवन । हेनि এकवाव डाफ्क्ब्सनाव व्यवस्था प्रवेस कहि १। क्लाफ्शक शामित अकलन (माकानमात । हिन बाध रस अकेन मुखक वान रहेएल भारत। किन सर पाछि विकागृत्ति भारत कविया श्रमा পীড়ন কবিডেড়ে শুনিরা টাইার জাসা হইল मा। भीएउन विसम्ब धावधार स्ट्रांस खातन विक्रम श्रीत स्ट्रेटल्ड मा। कि जामांगछ, कि मुनिव, गरुन श्रास्त्रहे खद दिनक्षव दन अकाम यातित निवित् गार्कन जाकन स्केति गार्क् অত্ৰভাগৰ আগিটাউ দাৰ্ভন বাবুকে কাৰণ बहुतकार वर्ष हा लिक्षण्डे कहि.छ छ स्व । बांबू नवीनहरू विक महानद्वत सामक्कृति काउन श्रदर्भन करिया क्यार वन सक्रात्व श्रव्याधिका !

मारी दर्श श्रज्ञ करमक कार्य श्रव्या करिया ব্লিপোট করিয়াছেন। ডাছার **অবিকল ভন্ন**। কাইরাপাঠাইবার ইন্ডা রাইল। নবীন বাস্থ পারও একটা উত্তন সংকল কার্যা বর্তমানের बाक्टके क्रीयुक्त दल उस गारस्वरक निवस (इन, कि**ष्ट** विस्तित कार्या प्रदेश की कि का<mark>र्</mark>यात क कि क्ष (कानक भा भारत बूदनाइन) ध्यतंन कान्द्रन यानगत । मकनवर्श्वी श्वादनत्र व्यानक উপकात रहा । ख्रारत छ वर, जावात लगांक्रें । ज्यान करन स्था । भएक हा व्याद केश्राम केवरिन करिनेक्स, म त्यांक नायक देह-য়াছে। ভেপুটি মাজেজেড বাবু পীক্ষত হ্যুৱা क्षे भारमत कुल क्षांचन। कार्यशिक्न।

क्षक (भन रहेन, याद्रधान कायक अक (वन्) थान अ ज्ञानया अध्यक्षत्र भग्न (व छ।हात नवस धवारिक दिवेद देवन काल्यप्रादिक । भिटनल (वनाल अर्देश में शिव स्थ्य है शालिय कि. ध्यर है विस्तर बब्बार्याभी ६६८लन । नव इन्हरूलक्षेत्र भूग्य, अववान दार्वतंत्र ।दर्भव श्रीह्रव्यव कार्यु कर्नक ৰপ্লস্থান কার্লেন, যাম্বর জ্ঞাত্তবে শনীর স্থ্য ब्बबम ख ब्लोनन धुनाक दोर्रा.सगरक क्ष লেঞাসা কাবলেও জগভত বস্তার কোন সন্ধান **१६न न) । (४न६ १६**८न । इं१ , ४। य.इ (४ कड क्षाम बन्नको गहना जाश्रमार कात्रवात सन्द्र बहै को बन कान विकास कान्याहरू, भर्मा क **ष्टारा ब्रावेट**प भारत । अष्ट्री भारत अक्साह चीत्र श्टर अधि मिया अहेत्रभ छान कांत्रवादिन। পুলিষ ইহাকে শাসন না করেন কেন? এ পাপী व्रभी बादबात धरेक्कण कांत्ररूष कांत्ररू बचन বধাৰ্থই তরক্ আসিয়া ইহার এীবা ভগ করিছে ভৰনি জানিৰে মিধ্য কৰার সমূচিত কন ररेग ।

कारकांत्रात्र गर्वाववाणा निविद्यारस्य ।

कार्टी होत्र देनराष्ट्रीत क कर्न्हीव्य गामिन्ना (य महाक हु बेब कथा श्राची प्रदेशीहर, निष्ट **ए धिवत्रम् श्रक्षानिक व्हेट्फर्ट्**।

কলিকাভার কোন মহাত তরের একট श्चीरताक, कन्ननुष्क कांग कांगी मध्यिकाहादव পশ্চিম হাইভেছিল। কেবল এখির পানী সভত र्वभागाम बार्कन, अरे विज्ञातम वाठी स्ट्रेटक निर्शक स्रेडाहिक, कुमाम्न अविवतन श्रकारमञ् श्रामा मारे । हिंद

क्रमध्य में की लाहीबाद बोका मानादेश करने ब्रीह्माह्नक संबंधिक बामा गर । बाद्री

बांब स्थाइ वे ७ व। किहाब किहाद निक्र कि काछ। भन्नाकत्र भीकान कट्टा स्वताद्वारतात्रका म.बिट्यंत जन्नम्बाव भारेशा (कह है: ट्रम्पेके: ७ व्यक्त कम्बोबरम्ब (यभ गाइन क्रिया छोहाँक-গকে কৰিল, ''ভোমণ কর্ত্বপঞ্চেব অসমভিত্তে আসির'ছ ভোনাদের নাম ওয়াদে ট ইইয়াছে।» ভাছাদের জাপন লোবে বিলক্ষণ বিশ্বাস ছিল. क्रुएबार (बारुब श्रांक नगा थोकारक करमव श्रति एक वृक्ति इहेन मा ; अञ्चादन लग्द्र विद्यत क मालिका बाज क्षेत्रा छेशानाहर श्रेष्ठात कदिन। छैएकां आहेवा छेरावक शहेवात श्रुप्त (मञ्जूल जाजीर्ड, कांव व्यक्तयम ४८४, ए।का हा अ ताहेश्वरम छेप्टकां बहन छ त्रांल म द्रा जाहां मिर्ताव काकार्क कानक केल वर्ग थ अव कि इयु शंड करिया (रायता अभन स्टेंड नीज श्रञ्जान कर, अहे भहाश्रम निया ह लग्न बादेक। छाजावां व कार्टिश्वाव इत्रे :खाम छेखर कालीतक (भी किया प्रशामि भिनाईबाद नगरप অপদ্ধত দ্ৰাৰ,ৰ সন্ধান পাইল এবং তথন বুঝিতে পারিল যে ভাষারা প্রকৃত বালপুরুব মাই।

শনজর তাহারা পুন লিব ক টোরায় আলিয়া অভিবাস করিল। বাবু কালিকাদার দতের স্বিচাবে ভাহাদের একজনের দেড় বংসর, এক জনের হয় মান, ও বে জীলোকের বাফীতে বাদা ফার, ভাহাব সংযোগিতা লোকের জন্য হল মান কাবাবাস ও প্রচোকের ৫০ গঞ্চাল টাকা করিয়া অর্থ কন্ত ইইয়ালে।

কাটোয়ায় আজি কালি প্ৰশাস অভান্ত প্ৰায় ভাব হট্যা উঠিয়াছে। এচন কি ফোন গোন ভানে উংগৰ ক'ৰে। প্ৰকাশ। ভাবে চ.ল-ভোচে।

अशास हाडेन हुई है कि बन कन्छ। अडर विकास अद्यास (सनात नक्स सार अहर साम स्विहारिक)

विविध मरवाम

: - हे शीव शायवात्र ।

आक्रीय शर्मत अगिष धनी वातु ध्मर्शक जिश्व = त्राग्न वाश्वत = छेगाधि आश्व इहेन्न'र्ड्स । देनि नाधार्थ विकार्थ व्य व्य महरकर्ष्म कान्निग्नाह्न काश्वर हैंस्त व्यापका काश्वर केन्छ छेगाधि व्यक्षा केडिक इन्न। वातु नारकक्ष मिन्नक्त अक्रिक विश्वय मन्यान अनुर्णन कन्ना कर्डवा किनि इक्टिक्स मस्त्र व्यापनामा वर्षान् कालान कन्निग्रहम्म। नर्स न'शांतर अवरकार क्षेत्र कहार हम नार्ट्ट हैट में है होने मुनर्सात मानाहर ने वास, कित्र मिन्नाट्म । कित्रे क्षेत्र कहिताव शैष्टि वृद्धि हहेंग । अवर बाहावा होत्य किया हिल्ला नाहांचा खाहा जून क्षाल हहें द्वन । होंग वास्त्र होता मा बाकार अन्न कहा हहें वासि है है ताभीराना क्षेत्र हो मिनार क्षेत्र करा करा है है है अब अवियद से हा प्रिश्व मह ग्राह्म करा है हिन्द

ষিসমেরি কাপেন্টর সম্প্রতি মৃত বাবু রমা-প্রসাণ রায়ের বাটী দেখিতে গিনা ছলেন। রাম মোইন বারের এক দীঘাকাব চিত্রিত প্রতিমূহ্তি দেখিরা তিনি বিশেষ আক্ষাদ প্রকাশ ক বয়া ছেন। রামমোইন রায়েব বে সকল কাগল আছে তাই। তিনি বাবু বমাপ্রসাদ সালের অহিনি গোর অনুমতি অনুসারে মুফিত কবিবেন।

रण्टानीय भवर्तासके किटका थान महत नमू एस भाष किन्ति शहन कविद्या सा।

खानता श्रामिश बाक्षाणित हरेगाम हादेशम बन देखियान मण्डानस बनाइ माहे माहेन डा-उन्दर्भ श्राम्य माहित्य के निर्णात कर्म कि अनुस्तर हिट्छिन । देशक भूगतामध्य मुख्य लाहे मुख्य हरेडमा ।

ভারতবর্ষীয় গাস্থিনে ট জা জা নিয় চেন, স দক্ষ ভূতন অ'বিভিন্ন র শাস্যানিবনের সাজা সম্প্রেমক্ষর হয় ভাষা, কেন্ন পাটে ট আইল জন্ত্রণকৈ নিজে গোপন কবিজে পবিবন না। একার্যনিটী উভ্যাবটে কিন্তু অ'বিছ, ককে পূর্ণ কার দেওয়া কর্ত্তব্য জন্য জন্য দেশে সম্ভেদ: ১৪ বংসৰ পর্বান্ত আবিছারক নিজ সাবিজি, যার লাভ ভোগাক্যেন।

গত শুক্রবার বিচারপতি কিয়'ব মেন কাশে উরের সম্মানার্থ আপন বাটীতে এক সভা করে— ন: অনেক এডকেপীয় ও ইউরোশীয় ভ্যান লোক ঐ সময়ে উপস্থিত ছিলেন।

মিদ কার্পে-টর চাঁপাতলায় একুটা অনাধ । বালিকাবিদশলয় স্থাপন করিয়াহেন। খৃঞ্চিয়ান বার জগচচন্দ্র গ্রেশান্তার ইংার ওজাবণারক কোনে। এবং বিদ্যালয়ে অবস্থিতি করিবের। সাপাওতঃ তিনি নিজে ইছার বার দিবেন।

বারু মনো, গাহন খোব প্রধানতম বিচারালয়ের বাহিট্রের সনন্দ প্রাপ্ত হইরাচেন। বারু মাই-চেল মধ দদন দন্ত বারিকুর হইরাচেন। তিনি শীপ্র খনেশে প্রভাগেননাকরিবেন।

গত হু এবাব গ্ৰহ্ম জেনরল হঠাং কলি কাতাব থাতা।পত্নীন শিশুদিগেৰ আবস্তা।
দৰ্শন করিতে গ্রন করেন। ডাজ্যাব টনিরর
শেই স্ময়ে উপন্থিত ভিলেন। গ্রহ্ম জেনসল
গান্দীয় বুলোবস্ত দর্শন করিয়া আজাদ
প্রক'শ ক্ষিয়ালেন।

हात हारव लाफ इस्टेड्स मा बनिता मट्यकि শিশার সাহেবের বাটাতে এক সভা হয়। চা-ক विशे नकरल अर्जाज हरेगा अक मका शामन कियारका । देशेश नास्टराम प्राप्त माना महा । भुखा नहेश। य. र एक हात्र हारवह केंद्र के एवं रन (हर्ष्ट्र) अधितन । आधार। हा-क्रामिश्राक मण्ड कदिएउडि का दिस महान ने ने ने व बाबाद बर्ब कृत्तिहे उँ श्रीभगात काल कालिका वहाँक इहेट्ड। अष्ट्रामणीय न र्रमाधातन अहे नाजारक नी नक्त तक विन्ता छ तन। मञ्च विराध शिष · ख वहार करू. अए। इ. कार्ने निगरको स्माउत गहाब्दायुक कविश्वना, काश्राय (माप श्रकाणिक हर्देश क क्ष्मनार मध निया किया गाहित. जाहा हहेत्व याथरे मासूच श'हेरव लाख **७ एहैरव**। এফুণে মহ্মুবের জনা কাডাভিক বার হর शहरहे अला ड मधान कादन।

বশ্ব শীর বা জ্বান সহার গ্র জানিবেশন
নহসে বা লগতের পুলির বিলা অপিত হয়।
পুলিরের বায় নগরে গিনিসের হইতে প্রহণকরা
বিলের উল্লেখ্য বার ব্যানাথ সাকুর আপতি
ক বলেন পুগিবের ছা। অধিকানী ও ভাড়াইয়া
উল্লেখ্য সম্পান্ত রক্ষা হয়, জ্বেক ভাড়াইয়া
১০ বংস্থার সম্পান্ত রক্ষা হয়, জ্বেক ভাড়াইয়া
১০ বংস্থার অনুবাসাবাস ভড়া লন, ইহার মধ্যে
ভাষ্যারী ভাড়া বৃদ্ধ কবিজে পারেন না।
তমন অবস্থায় ভাড়ালিয়ার নিকট হইতেই কর
প্রহণ করা কর্তবা আপভিটে অভিলয় মুক্তি

দলীলের রেজিষ্টাণ ক্ষেন্ডল বিজ্ঞাপন দিয়া
ক্রন যথন স্থাবর সম্পত্তির বেজিষ্টারি
করিবার অবেদন ক্রেডা ও বিক্রেডা নিজে
কাবেন, তথন বেজিষ্টাণ জাঁহাকে জিল্পাপা করিবেন, এ সম্পত্তর পূর্ণে কোন রেজিষ্টারি
ইইয়াজিল কিনাণ এ বিষ্ণোধ্য বে উত্তৰ্গয় সালা
দলীল ও পেজিষ্টারি পুত্তকে লি গড় থা করে।

(बिक्टिति इहेत्र हिम कि ना मानिएक अहिरल से श्रहीण श्रहेश्य।

हिन्तु त्यांत्रे हारे खावन करिश एउन छ ज्ञान करि मन जाभना मिट्रात अध्य दि द्वारी अ. १-६वे निक्र क्षेत्र करियाद्वम । धारा त दालन हैर **খলে প্রায় ৮ - ০ - নিবাগ্রয় ম ড িড টান বার্** चाहि। देशनितार माश्यान अवर्ग, ब हे पान है। मारावद्यव (हरे। था एमा हि हें है।

मिली लाटकटित नांडुमाञ्च मःचीतनाः। बर्मन पुरिश्वास्त्र मान्नकत्। भर् १७७३००० से कांबुत कांक्रश्न कद्विवांत सन्। अन्तर हरेता (इस । जिल असना जामीर निवार प्राति शार माराया कारियादकन । व्यायान । स्टेर् ह हरमुक्छन ৰণিক সংবাদ আনিয়াছেন ডব্ৰডা কাজা কাম ছতের সহিত কুমার কলে গমন কবিয়'ছেন র : এশবাৰ কৰিয়দিগেৰ দাৰত কিপ্ৰকাৰ বাত্ৰী, व्यवस्था क्षित्वन, म छ इत (०न काई छ। ইংার সময় এ অভীত হয় নাই। তঞ্চল ৫ (। **ाल्यत निकट**े शाय ७०,००० क्रतस्य है। WITE !

अभवत व्याप्त हेरलाखन जाननानी ५,००, ••.••, ••• डोकां दिन, ११ का व्यक्त र नाम २,१४,००,० १,००० है सि ब्रहेस (इ. १. १,१८,४० ••.•• गैका स्ट्रेफ वक्षानी २,३५,०० ०० • • • क्रीका बहेब्राह्म । वास्त्र ४२,१५ . • . • . वरेटक ७१,৮3,२०,००० है। अर व्हेशा, हा अर. **बहे ३८ वश्यदब्र २८ त्वा**डि होकाव का हिन्नि शिवादक ।

33 है (शोध शक्षम व'त :

१८७१ आ(क्षेत्रः छ । कर्यस् ी प्राह्मत्। असमि के भरीका इंडेर्स। अस आहे हेट्से इ'स का, है, थि(मण, वन, हेन म व का, मि नाहि किम नार्ट्य । वान् क्रमणा नम् मूर्या भाषा **गरीकक निवुक्त कहेताहान : 'लान्डर्क**)त दिनय अहे बाजाना (शरका) भनेक व निगमावल व्यक्तां निक क्षकात्मिक १डेन वा, अध्यक्त हाई **(तरकडे अधिकांश्य**ीन भाग का का कार्यनी मुन (मरबार्षेत्र अञ्चरीन दिशास अम् । विद्रमय विभू-थना प्रया बाह्य ए।

हेश्लिमभान आवन करियादधन भूनीयात यतस श्राटन समान नाम हरा मार । आदिनाम गाम श्राप्त चारन वजह अजियात ।

विवास करेत्वत कानगर्मपुषु ३०,१४४ **हाका मरध्रीए इ**रेग्नाट्स, ०७० मट/नाञ्च ।ब्रह्म **एक विविध का इहें। १ (१४) । प्रमाल**े

FIND BIR OLD BREAKHA LINE ALLEN जन, जन, जन्द्र शृतकारणांखात् महत्र, आमहा दांव माध्यक्षिक कर्ता । अपने क्ष्या । प्रक्रिक नाउ व तुन काम उत्राक (मायरिक लोग नाहे।

वावुल विधारवनाती माहे बल्दन क्या वावुत्र, वाक्तरहार ए प्यम, प्यम, श्रधान नगर्य क्रे अक स्था दाल कार्या मरामा 214 नि विक इस ना, क्लेड्बर्सिक क ध्या कर कर्त वाहे। भने जार्च मन्द्रित मकन करें भारतम खथाय याशव पन छामावह चड्, दि ध ल के बक्त कियु बाक्त' किसिट क किसिट बार्टिंग। নিয়ে টেপৰে অভ্যাচার কথিলে সে ব্যক্তিক नमा ५ ह , ज श्रेट एक श्रम !

३० है (श्रीव द्वावाद ।

लाएक शास्त्रहे सामह अकथानि हिन्द्र हार्ने त्रात श्व रात्रत छात्रवार्य भारतम हहेएए প্রেক্তন অভিনয়প্তশর স্ত্রীলোক মানিছ'ছে। ब उप विश्वसभ हेशदा यातम छ। त विद्या थ ান ত'তাৰ পায় দেই স্থানে বাস কৰিবাৰ মা ন্ৰ কু ব্যান্ত । সাপাৰক অনুষান করেন ইষ্ট ५म । शुःश्ल मर कास नात्वर (तम्त वहत्तः)

লামেবার ভাতপুর্ম শাসনকর্তা আয়ারের विश्वस्तानीम करितात (यक्थ व्हेप्राट्क, नक ল্পে, বিস্তব সম্ভান্ত লোক ভাষার সাধান্যাল े र निया हम । जाशाद्यक मध का बहेटल १' . अ अ छित्र कलक दहरव।

निष्ठें खनाटक देखेटना**लीटब्रत** गरन्छ। ३,३०, ७० वस्त, हेशव सद्दा देशसिक्षिशतक श्या क्न गाएँ। कात्रियनिवात्रीतिरात्र ८६, • • मा अ कीरिल जाएन, देशका खमनः लाग नाहेरलहा। अकाना वर्षा ।

গাড় বুহম্প ভিবাৰ গৰ্থৰ জেনবলের বাচীডে বাত্রিকালে যে মঞ্জাস হয়, তাহ তে বাব সভে सनाव र्राकुरत्रद क्षी जामानिरशत काजीत नह পরিধান করিয়া উপস্থিত ছিলেন। ইভিপুর্নের কেন ছিত্ম বুমনী বাজ প্রতিনিধির বাসতে গ্রম कर्यम महि।

ए कात्र अ व, क्षि निश्वविका**श्वरप्रदेश क्ष**ेत्र मात्र, आकार आधारि राहिन इस्ट्रांट (म ब्रिक् **ंडे भ**नायम करिया**टक** ।

মকবল'ই টা একজন প্রপ্রেরক বলেন ভিন । कि अन्त्री लादित अंख (अमानक इत्र। देश दिशव मर्द्या इट्टेस्टन अक्षानामनी इटेब्रा कृ-ভীয়কে ত'হার উট্র হইতে নামাইয়া বদ কবিলা ভাষান মাংল রক্ষম করিয়া কতক আহার কৰে केटमाम व्हेटन वर्कतः १ १ १११३ व्हेल । अ कडक कि स्था क्या हिनाम पुष्ठ व्हेम्राटक । हिनाम स्वैद्धारकन ।

अवर धून द्वार स्तामध्यत्र स्टावर्षः। नरवात की ताप र आत्म त्रकम त्वान स्वेटखटा।

विशिधार अधिका स्वाकांत्र हरेका साका मनीयदक इडा, काय ए शानिकारक विशिधास अध প্ৰ করা ইইয়াছে। এই দলের পাপ ক্রম্বঃ বৃদ্ধি इरेड्डा अक्ष्यल दर्शान्त्रय विवादत्तत स्थ क्रा अकाल जावनाक

সম্রতি ভাবভবনীয় ব,হস্থাগক সভায় এক বিল অপনি করা হলয় তে : ইগর উদ্দেশ্য এই স্থানীয় भवन्द्रम है क्षत्राम्कम विधान नात्रत्य मण हो नहेंच्रा त्रायमाद महात्म इंडिट्यामी श्र कर्णाविविधादक अक (छ॰। स्ट्रेड बहा (छ)ल (११४० क.१८७ भारत वनः मण्यत्वः त्यत्व हेन्द्रताशीय काम्राहत **१८७ कि वाथा इहेटव** २

३० हे :शीव ब्रहणां खेवाव .

माञ्चारका मतिक कर्नल हरण्यरहर मुद्रः इहे ब्राट्ड। इन खर्म न ट्रिस्त अने दन द्राप्त वस्ट्र पुष्क कवित्र । इत्त्रम । जातजबर्स ७ श्रवतः । स्वात-ना कात अहै। इंश्लट्स छ अस्तर क्य रहेश वात्रि:उ:५।

हा अगः कमियन निवुक्त एउटा अवर्थ छे रक लिय क्याओर्वभव '' (मास्किन्। इन्छ » स्वायस करियाद्यमः चाटनश्रद्धव हिकिश्न'न्यूप्रद छन्। यूकन हाना इहेरलट्ड छ जनस्त्रात स्थित তেত্বিধান ও মৃত বাজেবিনের অভি সকল সমাহিত হইংড়(ছ। তথালি প্রব্লত বিষয়গোলন क्रा क्रमध्य स्ट्रव ।

সম্প্রতি বিচারপতি বিয়ারের ব চীতে ত্রিস কার্পে চবের সম্মানার্থ যে সভা হয়, তৎকালে विशक्षणीक वांमग्राहित्सम " आमि वर्गन अवस्य अरात्य कामि, छ । न निस्तिरंगत हित्र मश्या-ধনাব কোন খাল্য দুৰ্খন না করিছা আক্র্য वोधकत्रियाद्विभाष। क्षित्रम क्षित्राद्विष्ठ छात्रकत्र्व भारभव विवास दश्च वा। क्षित्र हेरल अर्गका अरमरण मिर्किश्यत भाग जातक क्रम । देशक कात्रन अहे अनामकात्र भविवादतत्र बटमावस ध्यन व कान बानक अथवा वालिका अक्कारन कर्वरशिवालक क्या विश्वास्त्र हुत्र मा । अ सक्दाय প্রায় ১০,০০০ শিশুৰ নাজাণিতা ও আর্থানের कान विक्षिष्ठ हैनाय नाहे। अहे बना हेरावा म ना চক্ত বিকা করে। অবাদিগের সাবাভিক बस्माबरण हेश हरेरक भारत था। जाकर दिन विषय এই 'हिकानीत वेडे রোপীয়েবা আবা-গের সাবাজিক নিয়ম ও তাহার উপকারিতা प्रविष्य गातिरक्रम्म, किन्न स्टब्स् अक् मन (माक अक्कारम मुमामारक वेखेरहानीय करिया

क्षांब्रक्षवर्गित्र नवर्गरमञ्जू वांका लारतम आहे । कांडि मांच निवाद मार्ट्स कंश करिएएका। পোষ্ট কানিও কোন্সানির ভার্কে ২০.০০০ क्षका चार्छ। बाषनाप्त चर्षियानित नश्या ७००० व्हेंब्राट्ड । २००० (मोका धरत अवर अव **एक शक्ष ३ हरे**(छ**रह । शक्रि जा**रन विकान्यी मिश्रा ०-, - - - (तनीय निका अवनागमन करता। नशरहत्र श्रमांच द्वां छोत्र इरे भारतं जरनक वःष्ठी रहेशाद्यः। व्यागामी बादम (हाद्वेन) चनिद्वः मगरत्र माना इंट्यांटड चाकु, चरमक छेखम हहे ब्राइ । योगाजकः ১১ · । हेन (वाक्ष है अक यानि बाहाब माछनात प्रवा सहै छ । এই बम्बद्राप्ति क्षेत्रीय इटेटव महम्बद्ध मार्च । किश्व ग्रावर्ध त्म के देशाय अब्रहे कब्रिटड्ड्स ।

मध्यकि एक गार्ट्य विद्वालायुक्त भावि ভোষিক দাম উপলক্ষে উদ্বো সাহেৰ সভাপতি অস্ত্ৰপ ৰবিয়াছেন, গত ৩০ ৰৎগৱে শিক্তি সভ. विना भिकाव स्वतः ১०,७०,००० है।का वाम ৰবিবাছেন। বে জাতি ভায়তবৰ্ধের উপকার'থ अरु क्ट्री भान साहामिरभव जा. खरेदव शाकिए शारत मा । माधांतरना रन का छेटेबन माहे भिनवहि भिरमन निष्क छ काश्त पुरुषा एत बाहे हेश्त-তীর সর্বসাধারণে জাভিবৈত্তক নীচালয়তা विश्वकत्रा कर्रक, किन्नु चात्रकवर्षिक करि कारम रेडेरब्रामीरब्रद कि जाव? रोष्ट्र जेव रेखिया श्रिष्ठि मञ्चारह त्व त्व क्या परमन, छा-शटाउँ धकान नाव ।

সম্মতি পাতিচারির বারিকের বারদ ওদামে क्ठार जाक्ष्य मानिया वा ब्रक छिड़िया निवादह। हाति कान काकिनव स्थान कान टेनिनक अधाव যাৰভীয় ভুত্য প্ৰাৰ্ভ্যাগ কৰিয়াছে।

ष्ट्रीन **एटन वहकाल अवधि क्**यार्थिपिटनाइ भद्रीकात मित्रव रह । छेक्टहरून क्वित कक्ट्रहार्य केक नव (करहे नाम मा। श्राप्त, क श्रात्ताव भन्नी শার নিমিত্র এক একটা বৃহৎ বাটা আছে। প্রথম गत्रीका त्य यांत्रेरक स्त्र, खाला ১७०० कुछ भीय अवभवकृषे शामक वातिय प्रकृतिहास देक काडीद क इसे बाज बात चारह। गारह भरीका विश्व शवश्रात्र वता वति करत्त्व, अ क्षत्रा श्रीक बाकित चण्डा छेन्द्रबनवार्व शक्ति भावता त्वादनव ন। ব কুত্র কুত্র কামরার বিভক্ত। এই বাচীতে ४७६० है त्यान चारह। त्राजित्क नवीका स्त्र, अवर महीकार्विमन अक निवम कविहा क्रियान भाग।

स्वाबाबरम्ब कन रमहम कार्राह छमा भवन-

तम, किन देखिन(शा br,88,60 · देशका हिनात जारबन्त बहेतारक । निरम् हेरात जानिका संबद्धा वंदिर तटकः---

১৮७८ व्यक्ति ७ तः सामनानिष्ड (व ३० ••,••• छोका भाग मिखता बहेरन पाहात जना >>,৯৮. • • • डोकांव चाटबनम बहेन्नाटक । ১৮৫৯ बस्पित ७ ज्ञा काङ्मश्रादि २०,००,००० होका लाम ए अप्री क्रेटन एकाना ७२,७६००० अवर ১৮৭ • অধ্যের ৩ রা আক্সানির ৩০ লাকের জন্য ७७.১১ ६० - डीका मिटक ब्रेझाटक। देवाव মদ্যে কলিকান্তা হটকে ৮৩ ১৮, • • • , বোৰাই इटेट 8,44, • • मालांक व्हेरक ४०, • • এবং উত্বাপ ভিনাশল व्हेट्ड 55,e.º होकान বাবেনন মইরাছে। একৰে টাকাব বাভার সন্তা चछ अब बार्थनात छे भरत चरिक होका छे छि-(BIB)

क्ष च व देखिया बातर, बाबादेख हरू सन नदीकार्वित यहा ३२ सन माख एटबनिका পরীকার উত্তীর্গ ইইয়াকেন। eb অন এল এ পরীক্ষার্থির মধে, ২১ কন ৮ কন বি, এ রপী कार्थित बर्धा ७ सन अवः ७ स्ट्रिक्ट बर्ट्स क्ट्रिक्ट জন সিধিল ইঞ্জিনিয়রিড পরীক্ষায় ক্রডকার্য্য वरेशाद्या । प्रदे अन वि अदल छेखीर्न वरेशाद्यत । এবার কলিকাভারও অপেক্ষাক্রত আন পরীকারী कृषकांका वहेटन ।

উक्ष शत्र वित्रकार्शकेरवर अवशक्तित स्वन निविदारक्न, किनि वहि लाँ का कृष्टियान क्रेब्रा श्रव्यान नेत्रिक्षिण के के विकास मिल्ली करिएक व्याभित्यम, छारः बहेटम अक्टसमीद्वारा তাঁহাকে এড সমাদর কবিতেন না। স্বাধাণত रहेगा जामात्रा अहे जगरणत हिटेडिनी जीर সম্মান করিতেছি: কেবের এই মত। বিস কার্গে ক্টর এ লেখার ডাৎপর্ব, বুরিডে পারিবেন সন্দেহ मारे। विगमञ्जित्री अकामास्त्राण पृष्ठिसान कतिएक अरमरन चानित्राह्म, अफल्मनीरत्रता कि छोड़ा-नित्त्रत् शक्ति कक्ति श्रामित क्वित्तत्र मा ? मर्माज निवय विकृष अभागी शबर्दन स पहलामत मान जनवान बाहा भूकी नाम करा कि कि एक

३१ है (भीर खळारातः।

देश्निम्बान वर्णन (गरमान्नारत (बाबाजा रहेएक जात अक पुष जानिताएक। हैनि विजी क नकारवन क्लिका के शवर्वातन शहर अकार क्विएड शमन क्रिट्रिन। त्रांका क्रमिवृतिरात्र ৰারা আঞ্রাক্ত হত্যাতে অভিদয় জিল করিয়া

मिनवा पुक्ति निस्त नव वटडे किस अपर्वेदमानेत वराष्ट्र रवद्यां कर्खवा । शवर्रत्य के त्यक विश्वा হেন হিরাট কাবুলের অধীনে থাকা আখন্যক तिरे शकात (वाशांतात चारीमणा जातकवंतीय भागन क्ष्मानीत अन अकथा विनिष्ठ भारतम । ক্ষুদ্রী ও ভারতবর্ষ উভরের মধ্যে অভতঃ মুট ৰাধীন রাজ্য রাখা উচিত।

উজ্জপত্র বলেন উত্তবপশ্চিমাঞ্চলর সংবাদ भारत यांश निचित्र स्त्र (व अवस्त्र हेरद्राक कार्कि সর কান্দীরের রাজার ভুত্যদিপ্তে আক্রমণ করিয়াছিলেন, অমৃত সম্নের কমিসনার অস্থ্রসন্ধান করিয়া ভাহার বিশরীভ রিশোর্ট করিয়াছেব। রাজার ভত্যেরা জাফিসরের ভুতাগণকে প্রহার कतिया मिश्रा कविया अहे व्यथनान (नया व्यान 🗢 জন্তগদ্ধান আবদাক।

উঞ্চপত্র বলেন সম্প্রতি জয়পুরের একজন मुहि जाननारक खाकान विनश्न भरिष्ठम निमा আপন কন্যাকে এক ব্রাক্ষাণের সভিত বিবাহ দের এই জ্বাচুরি প্রকাশিত হওয়াতে এব্যক্তির বিচার হইয়া বাৰকীবন কাবাবাদের আঞা ছইয়াছে। ইংরাজ রেসিডেন্ট দশু অপরাধ অপে का शक्र व विरवहना क्षिया हैहा क्याहेबाब क्ट्रीय चाट्डन ।

मिलीरभरका मध्याम भारेग्रार्ट्स आकन्त्रम चौर कर मध्याहक जिसकार भी जिल्लाह जानित मिर्ग गिप्रार्टन। **स्थरतमा बारण्य निक्र्य आ**न्न अक वृक्ष रह हेशाए आक्ष्म् मधीत रेन्नजन जञ्जां क क देशा (इन।

३१ हे (र्शाय अविवाद ।

लारशंदक निकल जानका कवियादका. এবার পঞ্চাবে অমার্থি হত্তরাতে গম রোপন करा स्ट्रेटलट्ड मा। यामक छिरकटकत्र नतात्र मा इंडेक, छव'नि आंशोरी वार्त छवान बाल एवा क्षां का श्रीत ।

केशायान सर्वास्वत कार्ष शुरुष्ठ करनव क्षा ३३ भवगनांच करमाव जानाजरक श्रेष्ठ क्षार करवक्ति देखभ ज्या भीनारम विज्ञीक व्हेतारह। এ गरम पहेंगा मक्काक्य।

हेश्लिममान धरमन, क्रविरच्या वाचाताव वामादक क्रिकटक भेदानिक क्रिक्रा क्रांड ! द्धमात्रकरमञ्ज भिर्म प्रक्षमञ्ज स्टेब्राइस् । छाराजा अरे नगरतत नम् द्यांन प्रत चार्छ। अरे गुरु পরাজিত হওয়াডেই রাজা পুনর্রার হত দেরণ कविद्रार्ट्स । अथा कानिया । सिक्ट्रे হয় নাই। বোধ হয়, বোধারার পাধীনভার भिष श्हेल ।

भागव ब्रह्म, ब्रह्म कालि ও গোলাম মন্তर লেউ ৬০ লক ইকি। কল্প করিবার বিজ্ঞাপন । আর চাহিয়াছেন। সাক্ষাৎ সহাক্ত এ আল্লেয় নামক কলিকাতার গেষ্টে আদিনের তিন বংজি शिमा भूमित व्यर्भिक इस्याद । अधिष्ठीत रेनना द्वाम ए । कतिवाद । क्रिक नाट्य कर्यक्राण प्राप्तास इट्डाइ-.सम्। काष्ट्रनी विवि छै। श्री र लक्क समर्थम न एउस নকন্তমা স্থামিত। অধি প্রখ্যানিকৈ সাংগামীন ন্তয় হয় নাই, ভাষাদিগাক হাতাতে দেকমু, क्षेत्रांट्ड ।

क्रिक मिल मूला भग्राद्द ठेव नागक निक्रीक -:E101\$4

| | ঃ টাকার শিকা | | | F 421 2 P. O | |
|---|--------------|----|--------------|--------------------|--|
| • | | | কোং | 1 3 1 2 4 4 . | |
| | ŧ | 4. | কোং | 3.6-7.84 | |
| | 6 | • | প্ৰবিক ভয়াক | 7 . 714,7 . 711-14 | |
| | | | (कार | 77 77 . • | |

ইউরোপীয় সমাচার।

मधन । के डिटमबर - किं, मधारतक क ',का 🖷 আরু করেকজন লোক প্রতিনিধি অরূপ ?। ওঁ **कानरबातरनत महिल माका**९ कृतिश लोव उनव अ डेश्मरखत किनिशांक श्रनांकीय मश्रमानदान चक्रदाध कत्रिशास्त्र ।

সভাৰনা করা হইয়াছে স্বাট খারুনিলিয়ান अक्रवामि अक्रीय आशास्त्र जिववानशस्य गामि-

দুবক গৰণমেটের পত্তে প্রকাশিত হইগ'ছে काश्वित्रात अधान अधान नमूद्रक विद्यान नाहि ७ विद्यां दिशन दिस जिस स्हेशादन ।

नश्चन > रे जित्यवर—अञ्च अवर कर्ता नामतिक चारेन श्रामा व्हेगारः। भवर्गमा नवर्षेत्र त्क्रमञ्जलक किलिशाम वतिशादक्त ५ दे चांग्राटेन भाज अगल किंहरे नारे वाशाय जञ्च-काकिनप्रदेक विक्षा करा एक्टिंग नोर्फ स्नान-হুইতে বঙ্কিত করা হয়, সেই অপরাধন। হুইলে काशरक द्वीवारकाव हहें उन्हों कुछ कहा इहेरव **ब**, ।

মেরা সাধারণ শত্র এই কলা বলিয়াছেম।

वंश्विन्तानतात्र अभ एति कविशा विशाहण । आहाक अञ्चान केन्ना स्टेन्नाटक । वास्कीन कर्णानी

হুলারীর মহাস্কা স্যাটকে অভিনুদ্দনশত্র িয়া দল্লো কৰিয়'ছেন পুর্যাতন প্রতিনিধি चारी न भागमधानानी भूनः दाः निख इसः है न श्रीप সংবাদপত্র সমূহ বিবেচনা করেন মার্ चानिप्र'त कृष्याव खग्न हहेत्स हर क्रिक्टिशक यानिएकात्र द्वादिया स्केष्ट्रा क्रियाहरा श्वीकान थराष्ट्र (बन sta कित्वाद मानन कवियादका।

वधन ३० ई डिएनबर—त्राब्दी हेडेकिन (वार्य य हेट उट्टन ।

ल उन ১४ हे जिरमध्य- देरजार खच्द्रीद कांश-ৰেন বেৰণেও কেম্পকে কলিকাভাৰ বিশংগঃ भा क्टिंड हाश इत्, कि**ंड खिनि अधी**याव कड़ि-याद्विम । कमझाजि, व्यासाई अथवा मान्साकिय বিশৃত্ত এই পদ দিয়া তথায় এক অন সূত্ৰ শিশ্প প্রেরণ করা ইইবে।

लक्ष्म ३० वे जिट्यव -- क्रिक्टिय विकासिक विषया क्रमांगंख होते (मामंत्रविव निकर) चर्क ছ্ট্**যা**ে। অপক্ষপাত্তি বিচাবপতিগৰ যে সিম্বান্ত কবিয়াছেন ভাষার বিরুদ্ধে কোন ভর্ক বাহিন হর নাই। ভাগতবর্ধ বইতে এছ পত্র আনিয়াছে, इंशाटि यानम्सिलाएउर कार्यात्र साथ्रात्र मधर्यन कता इहेप्रायक

म एन १४ है जित्रबव-- गिहेमन बतनन वास ইয়ের বিৰূপ পদত্ত করিলে বেকরেও গেল जनीव भरत निवृक्त इहेरवन। मालास्त्रव विनश কলিকাভায় মাসিবেন এমত সম্ভাবনা আছে।

প্রেরিত। মান্যবর প্রিযুক্ত সোমপ্রকাশ সন্দানক वहानव नमीटनवू।

মহাসয় ' জাপনার প্রেরিড ২৬ এ জগ্রহার-মান করা ৰাইতে পারে বে ই'ফকোরের কোন : বেব সোমপ্রকাল পত্রিকা e ই পৌব প্রাপ্ত হই-. लाग । (अवृत्न वना आवनाक व शूर्त বোরণ সিশ্বাক কবিয়াছেন যে অপরাধে সেনাদল · পুর্নে এক দিবস মধেই ঐ পঞ্জিকা প্রাপ্ত হই-ভাষ) এই পত্রিকাথানি ২৪ পরগণা অস্ত্রপত্রে ना जानिया यहनोहत्र सरामग्रह (श्रातिष्ठ स्टेप्रा-ছিল, পরে ভাষাকার পোষ্টমান্তার এব নে পাঠা-लक्ष्म >> हे जित्रवर-छव्तित व्यत्नक । हेग्नात्कन । विशेष विक्रण द्रहर सकत्त्र के शक्रिकाय লোককে হাজতে বেওয়া হইয়াছে। আৰ্ক বিশ্ব । শিবোনাম এঠিকানা লিখিত ছিল, তাহা অছ বলেন শিব্যদিগকে এক পত্ৰ লিখিয়া কেনিখা- | বা এতভাষাঠত নিভাত্ত অনভিত্ত ভিত্ৰ কাছা-, उक्ष इकिर्शाहित रहेशांत क्षत्रकारमा नाहे। स्त সত্ন ১২ ই ডিপেবস--১।রলোমে কয়েকখানি \ স্থালে একপ এর ইওয়া **অন্ন চংখের ও আদর্ভো**র अफ र भा ५। उक्त कि कि विद्यान विद्यान है। में शक्तिका विद्यान विद्यान है।

इ**हे**ग्रा (क्र'न वक्कृव भ.कात्र जवान ।क्**का नक्क**ना সংক্র'ল কোন ওঞ্তর বিষয় সৰ্বেছ লিখিড क्टेंड, फार्श क्ट्रेल लाएकत कड छारचंड विवद इदेड अवः डाँशांभिशत्क क्छ क्षित्रक हरेए इहेज, छ। श्रक्षाय व कियादाई विस्वन्ता कविटड शास्त्र। अध्याश घटेना महीमा स्विट्ड পাওয়া যায়, एथानि (भाडे कांक्टमत व्यक्तन कर्क्नभक इंशा अजीकाताथ काम छेनाग्रविधान कतिर्टेटर्टन माः मञ्जाहक महाभरा । कर्दु नक मद्य विश्व हेर्ग स्व जनम्म मा करिन शका ममुद्रित भटन भटन कछ बाछ चाछि वर्वेट इट छ **হট্রে ভাগ্র প্রিসিমা নাই, এজন্য ভ্রুসা করি** य त्याङ्के आक्तिसत् कर्जुनक मस्मामस्थन आल-नामिरात्र प्रतीन क्षाना नेमिश्र क अम्छ गर्क कतिशा सम त्य कथ्यज्ञाचित्रन अञ्चाम त्यत्रानम পূৰ্কে নয়ন উত্ৰীলন কবিয়া প্ৰাপ্ত পত্ৰিকাওলিৰ ।बाद्यानाम **७ ठिकाना जा**शन जाशन ४८% विश्वा न ठाईमा क्या

जन्नापक महानद्वा जे পजिका नगरक व्याद क्की विद्या कथा आश्रनात्क नामान'हेग्रा ক্ষাই থা.কতে পা_{.৭}লাম না। বেদন কেন लाक इंडेन को निवर्णक व्यर्थ व,य नकरनदर्द अश -वात्र विश्वता । ५१४० मा ह्या । ध्वानमाव ध्वान्छ के भावका थानिए मा धम हिंकि (प्रक्रिश था क লেও ২৪ প্রশ্বার খাড়ঃপাঞ্জী তায়নগরের ছেপু मि लाडे याष्ट्रीत महामञ्ज क मध्यामभज याना হবে গিরাছেল বলিয়া ছাতিকেজ এক আন। মাখল দাৰি কৰাতে জামি জগত্যা ভাষা নিজে বাধা হইয়াছি কিন্তু এক ব্যক্তির জনবধানভার অপারের দশু হওয়া সম্বত কার্য। ইইভেছে কি না তাহা আপনার নিকট জানিতে বাহুণ করি।

कताहिर मार्कना।

अतिगवत अयुङ मामध्यकान मन्नापक महाभग्न ममीरभग्न ।

মহাশর । দেলা হগলীর অন্তর্গত দীমন্তর একটা প্রসিদ্ধ পরীরাষ। ইহার লোক সংখ্য नवाक अहे कथा व नात्महे भूकी छ हहेए भारत तम वश्यत शूर्ट्स देशांटक छा जामात्मत वयकि আড়াই শত বরের অধিক ছিলঃ তংকালে এই আৰে যে সকল খাজি বাস করিতেল, বাহা व्याकात्र मन्त्रमं कतिश्व देशिकात्रत्र स्थ्वीत्य एव गक्तमणात्र हिन् चित्र मात्र विश्ववे छेणनिक र्वेष मा । शूर्व वर वारत त्वज्ञन मरण्ड

खादात जात्माहमा हिन, खादा खात्र कतिहरू क বিশ্বপ্নাপর হইতে হয়। শিকাবিভাগের ডিপ্নে-উর মছোদরের অকুমডাক্রদারে ভিন্ন ডিব্ল রোমে कड इंड्रेक्शिडी हिन, छाहात अनना इंट्रेल हीय ু কুই সাহায়।ক্লিড বন্ধ বিল্যালয়ের ভূতপূর্ণ সম্পা-🔻 मक 🕲 एक बाबू कामीश्रमह भूरचांभागां प्रशा-শ্যু সাজিশবু বন্ধ সহকারে অলুসন্ধান করিয়া मिश्राक्तिन, अहे आमिहिट्ड अक नमार्य ७७ थानि इकुमाठी हिन। महे नकन इकुमाठी छ ন্যায়, দর্শন, অলক্ষার ও জ্যোতিযাদি শাস্ত্র অবীত হইত এবং জুনোধিক মুই শত বালক चारताशकनिरवात निकृष्ट चत्र वश्च जां छ करिया ৰিদ্যাধ্যমন কৰিত। একৰে পৰিভাগেৰ বিদয় अई व मीचलुटे बामनेत शुर्तावचा यक्तल है? क्रुंचे क्रिया, वर्षमान व्यवद्वा छाशांत मञ्जूर्ग विश নীড ইইয়াছে। ২০ এ আখিনের প্রবল বাড়া। ইহার আংশিক ক্ষতি করিয়াতে। এই গ্রামনী जिद्वित अन्य थवहीं अहे कथा विलित्तहें अहे · স্থানে মহামারীর কত দুর প্রায় ঠাব, তামিবকন ইয়ার কড লোক অকালে কালগ্রাসে পণ্ডিত ছইয়াছে এবং অবশিষ্ট নোকেরাই বা কিশ্লপ অবস্থায় জীবিত আছে, বোৰ হয় তাহা জনা-शारम मकरमरे बुलिएड भारतन । गण महान् ছার্ভিক-ও এই আমটির নিগন স্বাক্ত তল্প সহ-कातिका करत नाई। अई मकन इटेप्सन महा कर्त्र ग्रांत अहे शामक व्यक्त खीविष्ठ मञ्चर्याद्वा कथ-ঞিং ক্লৰ সঞ্জভায় কালাভিপাত কহিছেটি त्तन । योत् भीमकम्भ वत्कः। भाषाम् अहे आरमः এक्षी यह यञ्जल किलान । डाहार महराम छन অল্পুত্ৰ কৰিয়া বোধ হয় আসন্ময়ন্ত্ৰ ব্যক্তিও কিয়ৎকালের জন্য শান্তিলাভ করিতে পারিত। অতএব এছলেশবাসী লোকের। নান। প্রকার দৈহিক ও মানদিক পীড়ায় পীভিত হইলেও ভাষকে লাভ করিয়। কিমংপরিমানে স্থা क्षेत्र व्यांक्ष्यं भट्य । भीतक्षत दाव विवित উপায় অবলয়ন ছার। চিডের প্রফুলতা সম্পাদন পুর্নক ভারানিখের সেই সকল ক্লেশকে ফ্লেশ ব'ল या है डिलम कि करिएक पिटाइस ना । किन्न काय । (मर्न ह कि क्रुकांशा। विधि कि बाब। कान कक স্মাৎ নিঃশব্দ পদস্কানে স্বাগত ব্টয়। এত-দ্বেশবাসী লোকদিশের সকরণ প্রার্থনার প্রতি কৰ্ণাত না করিয়াই বক্ষাত্রল বিলারণ পূর্বাক काशंक्रित्तव समयुष्त त्यहे यहा त्रव्यि स्थलहरून क्त्रिप्रोट्ड। बाक्ष १ वे व्यवस्थान बुधवान क्रीप পথাৰাত রোগান্তাত হইয়া নীল্ডমল বাবু লাগ **শরিজ্ঞাপ করিরাছেল। এই মহামার দুদ্রার**

मान मानहे मीयक्षरात्रत्र क्रथल्यां अत्वराह्यहे अलगिए हरेबारहा जानि ना छविषार् हेश्व कि मना रहे द। बाख दिक मीतकमन वादु अकरी আছু ড মরুব্য ছিলেন। উভার ন্বায় স্বানর समहिटेज्यी बहाचा चिंड खड़हे सभा गांगा। ভিনি দেখিতে বেরুপ দীর্ঘকার বলিষ্ঠ গছীন বভাব প্রদার ও প্রপুরুষ ভিলেম, ভাঁছার মান-সিক বৃত্তি সমুদায়ও তদ্মুদ্ধণ সমূৰত ছিল: তিনি ইংবাজীভাবা জানিতেন না ও উচ্চার ধনসম্পত্তিও তাল্প ছিল না বলিয়া যদিও তিনি মহাত্মা রামগোপাল ঘোষের নার্ম সাহেব মও-লীতে সমধিক প্রতিপত্তিলাভ করিতে পারেন नारे किन्त जामता जाहात विवध वक प्रव कानि পঞ্চপাত পুনা হইয়া বলিতে পারি বল ও বীর্ষে युष्टि । गांग्टम अवर नम्मिष्टिकाम उप्यन বাগী হইয়া তিনিই একমাত্র গাঁহার সহিত প্রতি যোগিতা করিতে সমর্গ ছিলেন । রাজধানীঃ প্রায় সমস্ত দেশীয় মছোদয় নীলক্ষল বাবুকে কেবল আনিতেন এক্লপ নতে তাঁহার ওপেরও স্বিশেষ প্রশংসা ক্রিছেন। জমিদারী বিষয় জানে তিনি এক জন অধিতীয় লোক ছিলেন विनिध्य विषय इत्र व्यक्त क्षि इत्र मा। उत्राह्म অন্তঃকরণে ক্রসংস্কারের লেশমাত্রও ছিল না। তিনি শুদ্ধ বাদসা ও পারসীভাষা জানিয়াই निश याकाविक वृद्धिशत्राक्षरंग गहिवात्वः स খদেশের উর্ন্তিসাধনকলে যে সকল মহন্তর কার। করিয়া গিয়াছেন একণকার ফুডবিদ্যদিগের অনেক্ষে ভাঁহাৰ প্ডাংপের একাংশও কাবতে तिया वाष्ट्र मा । ठीवांद्र यद्ध अ अधिकारण चार्ष्ट्र দীবস্তইয়ে একটা বদবিদ্যালয় স্থাপিত হইরাছে। এकनी इंश्वासी विज्ञानत प्रशासन विषय भी কমল বাৰুৱ আছে ব্ৰুক ইক্ষা ছিল কিন্তু নিক'ল এक नहीं एक जेन्नान अक्षी विम्हानय भाकारन শিকাসংক্রাপ্ত নিয়মালুসারে ডিনি সে বাসনা-**हिएक कुछकार्या इहेटक भारतम नाहै। दर्खमान** विमानक्रीत श्रह्मिमा नगरक भीनक्यन वादर সম্থিক সাহাত্য করিয়াছিলেন। প্রকুমার্মতি বালিকাদিগের শিক্ষার নিমিত্ত তিনি এই আনে क्रमायाम् ब्रहेवात् ब्रहेडी वालिका देश, लग्न मध्या-भन कतिश्राद्धितान, किंड म्हानत श्रृष्टीशा वनाजः जारा भीष कान सान्नी स्त्र नारे। नीयक्षरे स्ट्रेट মগরার রাজবর্ম আর্ছ কোশ ব,বধান। নগংগ दिन्दा क्षेत्र अपनागम्या निमित्र शहा এই चारन अवजी मामगाळ वाला हिल, वर्वाकारल ভাষার অধিকাংশ স্থান প্রায় এক প্রকাব সম্বরণ बाताहे फिलीर स्ट्रेटफ स्ट्रेज, महाबर्धित फुरन

বিখ্যাত সোমপ্রকাশেও এক বার এই রাস্তানীর হববছার বিষয় বর্ণিত হইয়াছিল। করণভ্রমর নীতকমল বার সাধারণেব গমনাগমনের বার পর নাই রেশ সন্দর্শন কবিয়া বহু বায়া, খীকার পূর্কক একটা প্রশস্ত উৎকৃত্র নাস্তা প্রস্তান্ত করিয়া দিয়া-ছেন।

ग<u>ञ्</u>याकि मीषश्चरेत्वा मित्रके छ भार्यक भनीत मर्भः बर्खी काम टा **शक्टन खाँ**शत**ई नग**िक ষ্ট্ৰে একটা ভাক্ষৰ স্থাপিত হটবাছে। উজ্জ বাৰু জীবনশার ডাক্ষরটাব স্থায়িত্ব সম্পাদন মানবে मानिक 8। ६ डीको ब.ध्र चौकार कत्रिया आब-माक ना स्ट्रेलिंड आयोग यद्यनक मनता भवाधि लिखिए छन । महाभावी स्थन मिरे महासात मह सि সকল প্রিচালনের কর্মাক্তের ক্ষুণ হট্ডা अरमरम উপश्चिक रहेब्राहिल। कि धनी कि निर्धन भी। एक रहेरन बीनक्षन बन्दुई खारामितात अक माज वक् हिल्ला। निः नहात द्वागीएक क्षेत्रथ क পৰা, श्रमान डाइन्द्र এक्षी निग्नमिङ कर्म्यव मध्य পরিগণিড ছিল এবং ডব্ছন, ডিনি আপনার বাস ভবনে একটা ক্ষুদ্র উৎধালয় স্থাপন করিয়া--हिल्मन । शकुष्ठ श्रस्तादिहे इंडेक, खथरा छेल-দেশ ধাৰাই ষ্ট্ৰছ, তিনি লোকের উপকাৰ ক্ৰিয়া অবসঃ কালকেপণ কলৈত পাৰিলে আপনাকে সুখী জ্ঞান করিতেন। নীলকমল বাবুর চাহত্রও অভি প্রিত্র ছিল। কেবল ভিনি আপ-নাব বিশুদ্ধাৰে প্ৰীক্ত বাবু দেবেলনাথ ঠাকু-রের প্রিয়পাত্র ও বিধাণভাতন হইরা মাসিক ३०० व्यक्त होका विकास में शिव स्वीमार्थीत अनाम वर्षात्रावी इस्माहित्सम अवर भहाया (मरविध्यनां व ते।कृत्य ७ रुप्त हर्न्ड नमस्य विषय राह्म खाद श्रम्भ कड़िया निष्टि छ रहेशा-किलाम । अवस्त्र भनाना । अमस्टिखा महामान মুদ্ধ দীঘতুই সদৰ গুদ পৰীৰ লোকদিলের কছ पर मनन्त्रार् । (इ.इ.इ.इ.१४ मध्यम् वर्ता क्षेत्रं मा: बहें 🔭 ভাল অনায়াদে বুকিতে পাবিবেন। বাহার ख्यकर्त भेषद्वहे भूगाग्य स्ट्रेग्नारम। लाबि ना इंड कामा दिम अवस्थित स्वाई वा कि पहेंद्र ह বিদ্যালয়টাতে অনেকগলি ভয়সভান অধ্যয়ন क्रिटिट এবং বেবল উছি। h भिर উপবিই अफ़र्न अहे लार्यत छात्री छेप्रकि निकंत कति-ভেচে। সৃত মহাত্মাৰ অভাবে যদি ক্ষ নটীৰ স্থায়িত্বে প্ৰতি কোন ব্যাঘাত কৰে, যে দিন मिन छिटिया बाहेर्द, मिन मिनहे छाहाब मान সঙ্গে এই প্রায়ের ভাষী উন্নতিব আশা ভরণা अककारन लुश्च इहेवा याहेरव। अक्रान जीवुक ৰাবু জীনাথ মুখোপাদ্যায় মহালয় জিল এই वाष जात अमन अवशिव के प्रशंभानी लाक

নাই ়া এনন খবস্থায় নিহ্মিতক্তে স্প্ৰিক আন, ব্যৱ কৰিছা 'বদামায়ীৰ মঞ্চৰ বিচাৰ' १ विरुक्त पार्टन्न । भराज्ञा । वेन क्यम व वृत्र गृह कडेपूर्क, अ का स्थानीयात , निक्**ष आशां**भर्ताः প্রাথমা এই যে যেন 'তুনি নীলকমল কারুব कार्याच क्रेन्स चटलकत दिन्स्यम्मी। खा ६३ रिक्षण ७ डिल्डिमान्स्यातः मन्द्रात्र ज यस्त्र स 70

> किन्द्राण सम्बद्धाः । यम १६२ रेशमृद्य ३५ ।

মান্তৰ এীয়ুক্ত সোমপ্ৰকাশ সন্পাদ হ भक्षामा मगीरभय ।

वदाइसभाव विकास न !

নহাশয় ' বোধ ১° জাপনি অবগত এ'' চুন ষে এই বসারনগড়ে আম এক বংসর হটশ এবটা हेर ब्रांकी विष्यां लग्न द्वालिक इंडेश्वरह । डेशव गान वज्ञाहमश्रव विश्वकृत। हैका श्रवन्त्रमेले माझए मु उ नरक। हेल काजाना क, जापा खम्हारिकन मम हार याम हिमालाहा । हेश धनवासुधारक निकृ नक चांबी क्हेर्लंड कुर्चव दिसर भट्नक नारे। धड कता (के हे (भीट्य) हेशाव भी अं निराहण ही-সরিক পাবিভোষিক প্রদান করা হইয়া গিয়াঙে । **७३ कार्याजनाक अग्रहा क्रियं के वार्र एगना-**ब्राम्न वरम्माभावनारात वानीन उर्कारन देशव জাধিবেশন ৰইয়াছিল। জণ্টিস ফিয়াব উংহাব जक्षिती अवर बाब अक्डम नारहर छ वांच बारककान भिज्ञ, यांबु इक्ष्यमन क्षे हार्य., दांबु विश्वयुक्क मूर्याशीयात्र अवर जान कान आस ১৫- अम्रामाक ऐश्विष हहेग्रा हायन । सारिम কিয়াৰ সভাপাতৰ সংসন এবৰ করিয়াছিলেন পুস্তুক নিজরণান ছর সঞ্চাপতি (বেমন সচবাচব बहेबा थारक) विकारियमक किलिए वस्तु छ। क्वित्तमः। भर्य मछ। 'उन्न इडेल।

মহালয় ' বরাহনগবে একটা বালিকাবিদ্যা-अब अवकी यक्ष में विम्हान्स अव॰ अवकी याम्सा বিদ্যালয় স্থাপিত হইনাছে। প্রথম ছটীব সেক্রে-है। दि जीवुक्त यानु भनिष्ठमन स्ट्राणानायाम् । ইনি এক তন রালাপর্যাগলধী এবং এক জন क्षवाम (मन्बिरेडनी। वहे निम्नानत जर प्रभाव । ১०१७ भीव हुरेट्ड वह रेडाई মেরি কার্পে টব বাবু মনোমোলন মৃত্যা সমাজি 🕴 🕐 न्याबाद्य क्रयादम खेलक्षित्र इतेबाद्दिस्य । , ১२१० क्रांक्ति ब्रहेर्फ १८ खासिस **श्वीद्रण्यांस विद्यांसप्त ५ व्यानक !** दक्कु का कविरम्म । कञ्चका व्यक्तिया में इंटर । ১२१० क्याहासून बरेटक ५४ कार्किक এক অভিনক্ষন পত্র প্রেরণ কবিয়াছেন। পলি।

लाक दा निवादिनामा प्रत উत्क्रम मिनिष्ड अञ्चान পাইগ্রাছিলেন ऐছোবা অভিনদ্ধনপঞ্জ দান াবধয়ে অনেক সহাসূতা ও আত্রহ প্রকাশ করি-ग्राएकन । এখন পর্মেশ্ববের নিকট এট প্রার্থনা ्य এই नाजिनारिक्यालव्रही स्थापी द्रेशा सुकत इ श्व क्कृ ।

गराङ्च अर। अक सन मन्द्र ડ∙ ફેલ્યોન ડર૧૦ :

মান বৰ 🖺 যুক্ত দোমপ্ৰকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

मायनम् निष्कृत शिहर -

मण्यांत्र महास्य ! (खना भाषान्यांका ' ক্লিড বিধা'য়নী ৯ সভাব **আছু**কুল্যাপ উজ জেল'ব এবীন প্ৰগ্ৰা নেছ্পাড়াৰ জমিদাৰ जीए ज नायु अयु जान हो। यो बाग्न वाराण्य गरहा দ্য ৭৫ টাকা লান কবিয়াছেন। সভা, ভাইা সাদ্যে একব পূর্মক কত জঙ্গা প্রকাশ র্য ড'হাকে कृटा ज्याः वन्यापि अन्या कवित्वहरून अवर न १३ - १ व नदला ४० क । १ शहारक धनावान পদান - প্রেটি। কিন্তু বিভবিধায়িনী সভা ুন্ত্ৰ ভিড বিধান্ত ভ্ৰেষ্যুস্টবাবে যে কত उद्देश करिएड(इस. अव॰ क्लंड अब कारनव মদে দেকৈ পৰিমাৰে ছিডসাধন কৰিয়াছেন भाग्न बाह्य इत महामग्र याम महाव महे नकल কীৰ্ত্তি একবাৰ পৰ্যাৱেলণ কথিছেন, বোন কৰি ्रांश क्रेंग्न जिनि याच भर नार महरे क्रेगा আএহা তিশয়স্থ্য (তে সভাব সমুস্ক ডি সাধনার্থ श्रित्मन शंहायानामा न नरह है इहेटजन नरमह মাজ নাই। याहा इंडेक. এकार्त एवमा कति, এ ফেলাং অপর্যাত অন্যান্য কুমানিকারী মহো ন্যুৱাও সকরুণচিত্তে কথিত সভাব প্রতি এতা দুৰ দানশীলতা প্ৰকাশ করিয়া বাবিত করিতে ्यम भवास मुख मा इम अहे शार्थन' ।

(श्राष्ट्रांस्त्रांडा ।) खटेनक हि. वि. भंडाव) ना भीव मक्।

• युना व्याखि ।

द्योगक रातु दकलामहत्त्व (त বৰ মেগৰ e# -" कालीक्षत्र मूर्याभाषाम् कामी 30 " यखीरमहमाद्य रेक्ट्र क्लिकाञा " भगमाहतून खोमानी কলিকাত্ত

কলিকাতা নৰ্দ্দাল স্কুল জোভাগীকো ১२१० व्यवनात्र शहरू १८ कर्किक

्र माग शकानानः जान करव्रकति विदर्भव नियम।

विधित भूता ए अंक बाक्स वा भ'हेरल मक-সলে সোমপ্রকাশ প্রেবণ করা ধার না।

हेरात अधिम भूगा वार्षिक ১० अदर वान्। সিক লা:• টাকা, মগস্থলে ডাক্মাক্সল সমেত वर्षिक : ७, बाग्रामिक १ अवर देजभागिक ७००, िन मार्जन कुरन खिला भूका म इसा गांस ना । ছণ্ডি, বরাত চিঠি, মণিঅরর, নোট, ও স্টাম্প छिकिট, हेरांत अनाखत बाहा छ बाहात अविधा **ইর, তিনি সেই উপায় ছারা মূল্য** প্রেবণ কবি (यम ।

বাঁহার! স্টাম্পটীকিট পাঠাইবেন, হা-্বা যেন এক অপবা আধ আনার অধিক पूरमार ए तमोरम्य छिकि अवग ना करवन। এখন যিনি ঘকস্বল হট্ডে সোমএকাৰেব मूला भागिरेखन, डाहा त्यन विक्रिष्टे वि कविद्या গ্রীত্র ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাইয়া (F. o.T)

योहां निर्शव मृता दिवां नगर साधील हहेगा আদিবে, এক মাস পূর্ণে ভাষাদিগকে চিঠি লি বিয়া জানান ঘাইবে, কাল আভতি হইয়া গেলেও একবার চিটি লেখা চইবে, ভাহাব পর এক মাসকাল প্ৰভীক্ষা কবিয়া কাগন্ত বন্ধ কৰা শাইবে। শেষ বাবের পত্র বেরাবিও পাঠান हहेरव ।

নাডলা বেলওয়েব দোনাপুৰ ষ্টেশনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমর। শীন্ত্র পাইব।

যাঁহারা মাস্কুল না দিরা পত্রাদি প্রেরণ কৰি বেন, তাহাদিশের সেই পত্রাদি এহণ করা बाइटव मा।

কেই সোমপ্রকাশে বিক্ষাপন দিতে ইন্ডা কবিলে ভাঁছাকে প্ৰথম ভিনবার প্ৰতিশংক্তি 🗸 -জান। ডাহাব পর ৴১- জানা দিতে হইবে। विति अभिक्कान विज्ञांत्रन मियाव हेम्हा कतिर्यन টাহার সহিত শতন্ত্র বন্দোবন্ত হইবে।

এক এই পত্ৰ কলিকাভার দক্ষিণ পূর্বা মাডলা রেলওয়ের শোনাপুর ষ্টেশনের দক্ষিণ চালড়ি-শোভায় প্রীযুক্ত বারকানাধ বিদ্যাভূবণের ब्रोहेस्ड व्हरिक लोमगोत्र श्रीकाकारम श्रकाणिक

ম ভাগ।

" प्रवर्त्तवां प्रकृति इताय पार्थियः सरस्त्री श्रातमदती न दीवतां।"

मानिक मुना ३ हेक्ना, कश्चिम बार्किक ३० हेका पश्चिम बान्।जिक ता केका।

বিজ্ঞাপন।

इतिमाणि देश्याजी मश्कृष विशास्त्र ।

६ हे काश्याति छेक विनागरम ३०७१ कंटल्ल अन्तिक क्षान (बाला इहेब्रास्त्र। ই ছ'ব্ৰক'নাৰ দুৰ্দ্ধা

可可打下港 [

ভক্ৰিদা।

, t w. .

श्रथम चल कानकाल।

बीपुछ बांदू फिल्डियानाच हारून कर्ड्क थशीछ। कनिकाछ। वाक्रममास भूछकानदः ৰিক্ৰয়াৰ্থ প্ৰস্তুত আছে। মূল্য এক টাকা।

ভবানীপুর লগুন বিসন্তি সোসাইটা বিদ্যা-माञ्चल कारमञ्ज जिलाहरमा के कर कर महकारी मिक्टक्स खरतासन चार्ड। क्रमाम धार्शिन व्यत्भाक्षा कविकाला विश्वविक क्रियत हालागहे ष्या गरमानी ७ कन्ना १३८४। (दवरवञ्च ७४। न्छ জনশন বি, 'এর নিকটে আ'বেদন করিতে स्ट्रेटन ।

> च्यानीशूद्र क्यम विगमाई। ्रामानाइम विम्हानम् ।

ক্ষিক্তি বিশ্ববিদ্যালয়ের জন্ম পরীক্ষার एक अक्षेत्र महिर्देश विक्रिय जाने की १३ जोई-क्षांकि केवा विशानात कियोग प्रकृत अनेते क्षांत খোলা হইবে। কালেজ ডিপাটমেটে সাম গ্ৰক कनर-भिरमन भन्नीका गृही छ हहेरत।

> विनर्दश्य खबलिके अनमन वि, अ. **(स, नि, जाड्रेम এम** अ, त्व. (महाव दि, ख, हेराजा जे विशामद्वज संधानक।

ब्रिक्ट दांयक्यंत विन्हालकांत्र श्रेनीफ 'প্রকৃতিবাদ ১ ন'মে একখানি অভিধান সংগ্রতি ু মুদ্রিত হইয়া সংস্কৃত যন্ত্রালয়ের পুস্তকালায়ে क व्याचितिरशिता माचनक्यांताव । **बी**युक्त तीकूतनाम माझे। दत्तव कुरन विज्ञातार्थ श्र-স্তত আছে। ইহাতে প্রার প্রত্যেক শব্দের বুং-পত্তি অর্থাৎ ধাতু প্রডায় সমাসাদির উলেখ করা रहेब्राट्ड ।

मुना ६ लाइ डाकामात ।

আগামী ১৬ ই জাহুরারি বুধবার কলিকাতা मन्धानवित्रानदत्र व्यक्नार्थोपिदशक् भवीका আরক হইবে। পশ্চালিখিত বিষয়ে পরীকা রহীত হইবে। সম্রতি ৭ টা ৪ চারি টাকার রডি थांति जाइ।

राष्ट्रसा माहिला । साकन्य। অক্স দৰ্শবিক ভগ্নাংশ প্ৰস্ । याम्लान हे जिल्लाम्।

कृत्शास्त्र क्र'ति विकारशय कुल कुल विवास्त्र প্ৰিচয়।

বাচনিক পরীকা, আরুন্তি ও বাধ্যা। **८३४, ऐ**छा ।

३२ है जित्तवतः वामम'त मगाविकारभन इ न नमूर्व्य हैमर्ल्ला हेन्।

३३ है ७ ३२ हे शांष हैरवांकी २०० ७ ३६० कांध्याति युभ अ दूरम्मिकितात छ्गशी नधान The second of th

विष्रांगरत्नव श्राद्यभिका श्रीका स्ट्रेटन। निर्द्रांग লিড বিষয় সকলে পরীক্ষা এচন করা যাইবে :

अन्छ नियम् छ इस्राक्तः।

कांव छ वर्गक्रवन।

পাসীগৰিত।

कृत्वाच ।

বাদসার ইতিহাস।

वाक्नांत्र यथा विख्यादश्य आ ल ममुन्द्र हेनम्ब्रेव।

শহুন চলিকাভাৰ **বসুৰালারে** আমার যে का दश्जी, शक्ति आहम छात्राद कर्फाकार्यः अस्ट्रफ चार बहैए धहै नियम नरका भन कता बहेन (ग. इंड हेडा'नि गथन बाहा (व क्राल चेतिन खबरा विक्रम स्टेटवक, छोहात बावक वथन (य हिठी अ अग्रामके हेलाभिएक म**क्ष्यक क**तिएक हहे-(दक छाहा औपुक्त देकनामनार्थ क्षशंन, औपुक कानीवान न'ार्ड ७ जित्रक शानहक श्रवान, **बहै जिन बाकित मट्या चयम विनि छैनिक्**छ शंकित्रा जामाव नाम दक्षणाम के नकत महाचेड করিবেন, তাহা আমার বীয়ক্তের ন্যায় গণ্য हेहेरवक, हेहा जिल्ल जाशत क्यांन कर्मकातक कि मामान इंफ्शिंक कान लाइन यमि कान वक्स पहिन वा विकास काम कामा कि काम दक्ष मखबेख कर्तुक्त, खाहा काजाहा क्हेरवक, धरार তাহার কেনি রক্ষে লাম্বী আমি হইব না, আব এ কাৰ্য্য সম্বাদ্ধ জামার বে কোন রকনেব পাতনা টাকা তাহা সেই সকল টাকার বাবত চিটিব পুঠে গুৱানিল বা দিল্লা কিবা উক্ত তিন বাজির महा कान वाकिन नक्षण कृतिन ना अहेगा কেহ কোন ঠাকা অপর কোন কর্মকারকলিগকে नित्न किया जामाद क्या है। कात्र काम हिर्दिख উক্ত চৰাজিয় মধ্যে কোন ব্যক্তিয় দত্তখন্তে पाकत ना रहेरत छारा जानात बारा मुरर, बदर मानि फ्रांशंत नात्री रहेर मा।

विवृद्धिकामा व विश्व ।

নীলামের দারা ভূমি দপতি धवर बीलकृष्ठि विक्रम।

) । क्रुविशा 3 थान . व'गाविश कानम : (वेत শ্ৰম কাজুন মছল অবিদা বৃত্ত খোবলৈ অসা ।ব॰ পাট্টাই জনী ও নীল কম্ম চ।তে পাবে এবত আট কৃঠি ও ছোট ছই কৃটে ও থোকাস हिमारभव प्रदेश डिंदबर्ट भाका घत, १५४४ देखिई ar:ng ज्याता स्विधा कुतिएल प्रथा श्थाप लारः श्रकामः मीलास विक्रय स्थाद ।

২। সন ১৮৬৭ সালের ১৭ই আলুয়ারি রুল্পাভিবার দিব। ছুই প্রধ্ব একটার সময় খাল त्यात्रालियात् कृति भाकार्य भीकाम कावड श्रेत्रा বে পর্বাস্ত সমুসন্ন বিষয় বিকেয় না হয় তাবিক अवाह जे अक्ट्रे गमर्य भीताम हहेर्त ।

ा अक्कालीन नमृश्य में क काननद, अथव সমূদ্ধ ক্ষমীদাবী কিছা ভাচার কত খংক আলো विक्रम विषयक प्रदर्श ह न अन्यावर्श : १ हे हे हैं । धनाका वा गारवाजा बकरलत छ व्यक्तिये चंद्र मानि जानिस नदीस बहन कर महिता

छड् क्रेंब्रिक क्यांनिएड शांतिरवन।

औरम जात, हि, हित श'रवर बालद्वांव (कांका मन दाडी क्षिकां छ .

विक्र-रश्त नित्रम ।

जारकत केमत व भतियान कृषि कार्किए क्षेत्र । भारत्य माधिनामा व वा ये थायामा भतिरमा छाड़ा व्यवशादन करिया नित्तन । यनि ७ एक (यत व्यव । मुख्यानक अमान अमनिक इक्त সম্বাদ্ধে কোন বিবোধ উপস্থিত হয় তবে দি ভাষা ও সমস্থ পত্নি দংপত্নি সংক্রাস্থ ভার্থ विद्वादि छात्कद भूटर्स (व ए क क्रेब्रा फ्रिल (क्रें) नाइब छ निग्नामित माभक्ष क्छ्या विलिया अर्थव। जाक इहेट शुमताच जाक इहेद : कह कोन अदिन इंडवार नमय शर्गा बद नमछ अनद मिहे खाक खाकिया छाश अभक्ष कि. ^{विकाद ।} ताह द किया किश्रो अधिक अकृष्ठि ७ जनान, कब्रिएड शांविदान वा।

२। (व श्राम) क्षांक मात्र प्र इस 'डाइ'न इहु- ्यीकाद कविट्र बहैरतक ! भारतम् अकारम चित्रात जाक वक वहेवाणां । भी लाम प्रम आवर क्रिट्टत १४ छ। १८ १८ था शिक्षा (... शद विभि क्रिक्तिक भूटला चेत्रिम क्रिक्टियन. बिहरूका में बच्च कानरम वा शकाना नैनारम । मधनी, कहा माईरक अवर विद्वारण वा अधान भुनर्कात्र विक्रम कात्रदेव शाविद्यम । विजित्र क्रिका धारे क्रिका प्रदेश मार्गा मेखादिक में स्वाह निक्रों নিক্রমে প্রথম ভাক ক্রেমির যে মূল কনিবা ক্তি । থাকিবেক ভিনি ক্রমান্য বরিদ্নারগণের প্রথমা । ইক্র্যু ক্রাইছের।

খেলারত ও যে কিছু খাচপত্র বয় ভারা সমুবন্ধ अक्रिकात शयम जाकिया भूदन कविद्यन। यनि किनीय विक्ता श्रीतिका नाम इत खाराख । শুর্গাক সম শু ভারুক পত্রি দবপক্ষি ভালুক । বিত্রুভা পাইবেম। বিভ্রের পরক্ষণেই খরি-। भार এই সমস্ত । नग्राम आवश्व स्टेब्रा একবার ामा अशा मिट्यम ।

> ७। (यहरू विदक्षा वाक्षःत हेल्सिशा কোম্পানৰ বৰক অধীতার নিকট সৰ ১৮৬৫ সালে সভাতে থারদ কবিবার সময় ছকিয়ত मध्नवर्ग उद्विक उपछ कता इहेन्नाहिन। অভএব ৰু বিতে হইবেক যে বিক্লেডা যে কৰগা क्षां सहैगार्फ्न, उनाता डीशंत्र मण्यां छव गमाव कर्ण यहतान अवः या तक क्षेत्रारुक, अहावंडा এ সপাত সম্বে পু'কাৰ কোন দার ব আপান্ত উত্থান হইবাব নহে।

৪। ধরিলা সম্পত্তিস হস্তান্তর করণ পত লিখিত পভিত্তের সমুস্যেবায় মূল দলিলেং इष्ट्राक्त, दाश्चय युक्त, अदः श्विक्ताद्वत माः 8 । অপর রুত্তান্ত নিমু আক্ষরকারির নিকট। ত.মদারি সেরেস্ডায় থাবিসে দাখিলে। খাদ इत्रामि (सावह काप लाइ ममूनाम भ दिन्दान

৫ গত্তি দাপখুনি প্রাকৃতি বারাদিগেব विकृते लक्ष्मा इत्रेत्राक्रल काश्तिप्रात्र यूस इति , युट्टिन प्रतिम जाग्रमकान या डिस्तरक जी नमस ১। বে ব্যক্তি সর্কাপেকা উক্তয়সা ডাকোবন। বস্তু বকোবত ক্ষিয়া দিতে তাছাদিবোর সম্পু द्वीहात्र मिक्के विक्रम कर्ता वाहरत। कि है शए उ र ्यान्डा 'इन अग्रुड असू अर करिएड स्हेर्रक। बीलाइम बिट्यान्डानिरात्र कर्पाताक ५क छार , ७वर के भगन्छ भ उस प्रत्यन्ति बहालाइस्ट দাকিকে পারিবেম। বিক্রেডার অন্যক্ষ প্রতে।ম , ১ স্তাবেড অনুসাবে শেষ কিন্তির আলানা পশ্-ए ज रवणां ज में ममझ मिष्क धवर बनावर बनिया

७ बिट्कणांबरभन्न कानतेनः विवस्त्रत्र महिङ फरकार विक्रा का का कर कि वन अव । अह सार्श विविद्य निक्र के प्र का दार कि अविश्वे त्रमुषम् है।का बीक,श्वर पिन अवित पन के विद्वाहः आयम श्वर वाश्वरवन । स वज्र नामा-प्रिम भारता लोहित्नान कहिर्दन । एका मा किन्दिन । मान्नार्श विद्यान कहिर्दिक छोहाँव मनिस विद्या बाह्य छाहा विवास विद्यास्तात व्हेर्टन अवर हान ए विनि खादीन बानिनात पहिल्ला से हैरिक खाँकित मटि छोड़ा किर्शव निकड़ चंत्रह भन्न महेना हुन শক্তাবেজ দাখিল করা ও তারার নক্স দেওয়ার अक्ट्रात मिथिया मिर्वन ।

👫। नन ১२१०: १५ । १२ मारनद जनावज्ञा শীল বাকি কাথজের লিখিত যে বকেরা খাজনা विकास मित्र शकांत्र निकड शास्त्र काशांत्र দশ আনা রক্ষ বিক্রন্তে দিন হইতে ছয় যাদের मर्गा किखिविकत द्ववंड धतिननात विदक्षकारक मिर्देश, अबर ये बाकी शतिरमाद्यं काविश निर्वा प्रक (बाध श्रम्भण निम्न निश्त्र। निर्वत ।

৮। वर्डमान जारतत (व श्रामाना स्थाखरत দিলে প্রজার নিকট পাওনা থাকে ভাষার মধ্যে সরফামি শতকর৷ ১০ দশ টাকা হিসাবে বিনহ বাদে বাকী সমুশয় টাকা নাগাইন ১২৭৩ স'লের ०- এ हेन्ज जामहार्थ किन्छियकी छोता श्रांत्रन मात्र विद्यानादक मिरवन।

के। शंडि कर्फा ও डिकीव अ नीम पानि महमा वावक स मयल में का धका व क्रमाना লে বেব নিকট পাওনা আছে ভাহা বিক্রেডার শেক্ত এগাবে কুঠির সহিত এক যোগে বা পৃথক-क्राप विदय हरेतक।

निम निचित्त नम्दित नामे श्रामाहेमा शिक्षाहरू, বিনি আনাৰ নিকট অথবা সোমপ্ৰয়াশ সম্প্ৰ मरकत विकर्ण छेन। इठ कविश्वा मिरक भारित्वन, उँ। हाटक २६ में इब छाका भा ब्रि:खाबिक व्यवश्रा यादेख ।

(नाइकेय नवत्र अहे:--

करे १ क्र

क्षेत्रक बर् ३ ॰ ॰ होकांच हिर २ ० ॰ है का

* 8 £ 8 3

. 57 cc

4964 ·

W 12. 1

• ४१७२ नः ৫ • होकांत्र हिर ७० • होका ममुमाय ७०० हे का।

জী বিশিন্তি হাতি সুরকার क्रुवान वाकणा अवडिश्चिएलेज इनहार। श्रीमृष हेमर ना हेता।

पूर्वान शक्तिम बातगबुद्द दक्ति त्यका कतियात निधित काम्सी ३४४१ काल्य । मा अस्थान इंदेरक १४% जात्मत्र ०१ ज माक शर्वास अक वरमा विद्योग भा है। मिएक निम्न आकृतकारी

55k & 1

कि पतिवात निविध यक कुन कि निर्देश कर्या।
वाहरन, जाहात कि कुन कि श्रीक २० ग्रीका कार्य
वाहरन निर्देश हरेरन, युक्त कि असन, राग्न
कितवात जानिकात श्रीवयक अवर्थरमर हेत व्यक्ति।
विका ग्रीकिंग स्वत किराज केन्द्र करा रहेरन
नाभारन वःस्मिशन क्षत्र करिता नहेर्य भागित।

ভানান্য আবশ্যক বিবহণ নিয় আফার কারীর নিকট অয়ং উপস্থিত হইয়া কি পত্র দারী ভিজানা কবিলে জানা বাইকে পাণিবে।

(इश्रुधे क्रांबनबारी काफिन) मिसक (१. ५क. बग्रताककी। ३२ हे (६८१वर । ১৮७७।) (इश्रुष्ठी वर्गमनवर

নিচৰ্শন পত্ৰ বেজিইবি সম্পৰ্কীয় বিজ্ঞাপনপত্ৰ।

स्वत राज विष्ठ रुखाद्रश्वातित कार्य।

स्वत कर्गाळिलारा मक्स दिख्छें कि कार्य।

कारक्षक कर्र जारम करा जान, काम व कि

दिख्यों कि कि विद्या होने मान कर्ग कि कि कि

कारक्षित कि मान करा निम्मान के कि कि

कारक्षित कर्गा का विषया है कि क्षि का

दिख्या है विश्या है कि क्ष का

कार्य कारम करा कि का कार्यमा का

कार्य कार्य कर्गा कार्यक वा

दिख्या कार्य कर्गा कार्यक वा

दिख्या कार्यक कर्गा कार्यक वा

कार्यक कार्यक कर्गा कार्यक वा

कारक कार्यक कर्गा कार्यक वा

कारक कार्यक कर्गा कार्यक कर्गा कार्यक वा

कारक कार्यक कर्गा कार्यक करावा

कारक कार्यक करावा

कारक कार्यक करावा

कारक कार्यक करावा

कारक करावा

कारक कार्यक करावा

कारक कराव

कारक करा

এই প্রকার কাষ, হইলে কোন পত্র বৈজি ই রি হইবার জন্য উপস্থিত করা গোলে তথিবরের পূর্বা রেজিটুবি বিষয়ক সংবাদ কানা থাইবে, প্রজাগ ইংগতে ভাবিকালে ভানেক বিলয় ও সক্ষেদ নিবারণ হইবে। এই কারণে এভিছিবরে সর্বা সাধান্যনের সহকারিভাব প্রার্থনা হইভেছে।

क्ष'कविवि दिक्षित्रेति क्षान्त्रम् ।

্ব নিৰুবাৰসামায় গলি ১৫ নহর বাটীতে মংগ্র শীক ও সংগ্রচায়িত নিয়ালবিত পুত্রকওলি বিক্লয় চইতেছে—

| এণীত | मृह्य (| |
|---------------------------------|----------------|--|
| ै की न ই पिश्राम | a Bran | |
| রোমইভিহাল | 3 * | |
| ভূষৰসায় ৰাক্ষ্যৰ | 1. | |
| নীভিনার (১ ব ভাগ) | • ئە | |
| নীতিনার (২ ছ ছাগ) শ্রচান্তি। | ٠ ال | |
| भूबर्याय बंशक्त्रन | . 1 4 • | |
| · Singuistra said | steretalis (| |

मामशकाना।

२८ अ (भीत भागवात । ১৮৬७ परस्त धार्यामका भृतीकांत्र कल अवाणिक इदेशांटह । अवात मञ्चलादत ১৩৫० भनीकार्थी इहेर्राइम। उत्तरश १७ जन क्षाप्त्र छोत्ता, २३৮ जन विजीत खांता, २७८ जन ज्ञीय खारण नमुनास ७२৯ सन उंखीर्व स्हेग्राइ । अधिकनः श्रा वानक अक्रुडकार्या एव विनाम गाउँ वश्मन वाक्र जारमध्येन त्ला भेर्म के भर्म स्वा সিদিল খীডন যে ভীত্র মিনিট লিখিয়া-हित्तन, छाहाटछ वित्नंश फरनावृश इग्र নাই। যে পর্যান্ত মফস্বলের শিক্ষাপ্রাণা-जीत स्वांत मः स्थाधिक क्रेश डेशयुक्त ७ পৰিপক্ত শিক্ত নিয়েজিত না চইবেন, তাবৎ म कल कर्मानव महावना कता বাইতে পারে না। আগবা জানি, অনেক गक्यन विमानतात भीष चान এथकान षत्रायुक विशिष्ण क्र निक्क निराक्षिक আছেন বে, কোন্ বালক প্ৰবেশিকা शतीकांनात्न ममर्थ, दस्वा अममर्थ, जांग বুৰিয়া উঠিতে পাৰ্যেন না। কোন শিক্ত:-চার্যোর প্রকৃতি এমনি কোমল যে তিনি আবদারে বালকদিণের অসকত প্রার্থনায় वाधानाटन मक्त का ना

क्रविद्वा ७ वश फालिया ।

প্রবিদের নিকটে ছবলের সুন্থির হইয়া থাকিবার যোলাই। কারুলভিন্ন মধ্য আলিয়ার রাজগণ নিক্রছেণে কাল যাপন করিডেছিলেন, ক্রিয়ার সমাট ভাঁহালিগকে উদ্বেজিত কবিয়া ভুলিয়া-চেন। ক্রিয়ার আক্রমণ রভান্ত পাঠ বরিয়া স্থাস্থ বুপবদ্ধ হগদলে ব্যাত্র প্রবেশ আমানিগের স্তিপথে আর্চ হরল। ব্যাত্রের বাক্শক্তি নাই, সে য কি উদ্দেশে হগ সম্মন্তির প্রকৃত্ব হয়, ব্যক্ত করিছে পারে না, স্তরাং আমাদিগকে অন্ত নান করিয়া লইতে হয়, সে ভার্থপর

रहेश जाननात क्यांनाष्ट्रित निविधरे जानुमा कार्ट्या **अवस्त्र रहेशा शास्त्र । शकाः** खटन क्रविशांत कर्मागिदिविद्यांत्र वाक्षिकि पाइ डीहांता क्षर्रक वहे धार्या पियात रुक्षात चार्डन, डीक्ति रा मध चानियांत्र कर्मार्थी इहेशांट्डन् तम दक्वन चगट्डर देशकातार्थः डाहाटच बानि-ब्यात त्रक्षि कहेरन जन् इस्तात क्रकि অভাচার নিবারিত হইবে। বাহাদিগের बाक्ने कि चाहि, कानाकति छोशीप्रशंब मुच रहेटक करमञ्हात किन्न किन्न ध्यकात युक्ति वहिर्गठ हम । कवि कालियां म प्रभु বংশের বর্ণনকালে লিখিয়া পিয়াছেন " यमटम विकितीयूनार " यम स्टेटव ৰলিয়া রমুবংশীরের। দিখিলয় করিছেন। हेमानीयनदारल अ युक्ति पृथिठ वृतिश উপেঞ্চিত দুউ চই তেছে। এখন গভাডার भर्ष भविकद्रवद्भभ छेश्क्रके छ्ल अदलक्ष कता रहेशांट्र । किस यनि अनुधावन कतिहा तिथा याग्न, ज्यद्ध एत्रयृथ माधा वाः-ख्यव ध्यावम चात्र पूर्ववाकाकानी राष-गर्भत त्राकायर्षा कृषिय रेगमात्रर्भत व्यक्तिण, कनार्टण केख्यहे जुला। व्याचात्रा প্রভৃতি রাজামধো যদি প্রকার প্রতি वानांत अजाणांत बाटक, क्रविष्न रममाभ-ণের অধিকতর অভ্যাচার বাভিরেকে ভাষার নিবাবণ সন্তাবনা নাই। লঘু অভ্যা-हांत्र निवांत्रगार्थ शुक्र चान्ताहात व्यवस्थाप-

আমাদিপের এরাণ অভিপ্রায় ব্যক্ত করিবার তাৎপর্তা এই, কবিয় কর্মচারিরা নথা আদিয়ার জয়ের হেতৃবাদ স্বরূপ সভাতার পথ পরিকরণ, অভ্যাচার নিবা-রণ ও বাণিজা রুদ্ধি প্রভৃতি প্রলোভন -প্রদর্শন করিয়া ইংল্ডীর্লিগের চল্পে ধূলিমুডিকেপের চেন্টা পাইভেছেন। বাস্তবিক এণ্ডলি ছল মাত্র, আপনাদি-গের প্রভূশক্তি রুদ্ধি করাই ক্রিয়ার প্রকৃত উদ্দেশ্য। সময়ে যতি ক্রিয়ার भन्न डाहारा इसी विहेरा डेडिंद । जावज | देकांस वाहेटकांक कि ना १ शक्या कारन ৰৰ্ম তালাদিগেৰ একটা প্ৰধান লোভনীয় , কোন বিপদ ঘটিবাৰ সম্ভাৰনা আছে भाषार्थ। आतं उदार्थ जाशामित्वत अञ्चल- किना १ हेळालि। मञ्जूत योग अहे उछत काका कर्मन करिएल ना क्या अहे कामाणि ! १९४व हेस्छ। 🍽

कार छवरीत अन्यदम्पे मानार সমুগ্রে ভাষেদিরোর দিগিকয় গ্রুতি রোধ कृति: ७ भारतर ना । तास्त्रीति अज्ञान नम्, अञ्चलाय का ठीव्र नियम अ नाई। प्य छ । व्यव एक अ व्यव का अमा (य भाग व्यव व्यव त्वत १.वामर्भ प्रिताट्डन, खम्मनवर्ग कता है কর্মবা: বোখাবাৰ দৃত প্রবর্গ জেনব-লের নি :টে আনিষাছেন। তিনি ত্রিটিশ श्वन्दमदन्देन महिन्छ (वाचादा' वारिका भवकारणी इनेशारहम । लिपिन गर्नारमण यनि अडे गदका भृष्टाः वस्त इन, हरियान कत वाञ्चात निवातरण कानाताम मनर्थ আনুষ্পান করিয়া স্বান্ধ্যেল মুখ্য বথা করিছে शासित्वन। ५ भट्ठे माछार ममान्दार " अ भीजिए देशाभीका शक्षभीविष्यवाच व्यव्दक्षः ध्रमर्थन करनम नः। स्य स्मिन পুরে হঠক, ত্রিটিশ সিংহ তথায় সামন व्यव्य कतिद्वा करिय द्वाच क्वांजिएन ভাষার সম্মুখীন হইতে পালিবে না, পুৰুষ্ণার লোকেরা ভারতবর্ষে পর্ক্রীশ, कराभी विमागात अफ़िडिस विशाधिकार ও ব্রুষ্ণ দেখিব।ছিলেন। ক্রাম ক্রাম ভাঁহাবা অন্তব্তি কটলাছেন ও কইতে क्ति। क्रिविशांवय दग है समा कहेंद्र। मध्या नाई।

निद्दे विदेश वाईट क्या ना किट्डिटिना मङ्ग्रहिनाक किञ्छानः व तन आहारा । नः आहरका

এছু শ্রুষ্টাণ ব বেধি করা না হয়, ইহার কোথায় ঘাইতেছে ? আপন আপন पत्र (य तम कानिशा खनिशा देव्हार्श्वक यादेए अर्घ, खाबा बहेरन भाजित देवे छा-शास्त नहेश यानेवाद आखा (तन, महार प्टांबर्फ इंडिंगा (मध्या इन। किन्द আমরা নিজে অসুসন্ধান করিয়া দেখি-श्रोष्टि, यमिष्ठ व्याहित्य कडे नकन व्याष्ट्र, कार्याक: इंशाव किंडू हे बहेट उट्ट मा। कृति षिश्राक (गरे शूटर्शन नांत सुनारेश सान-यम केत्रा इए। मः आंग्रिकरा वरण, किन कांठा हा जिला इरे जिल मिन्दमन शर्थ **ब्रह्म कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य ।** বেতন सर्थके (मंड्या इहेर्द, व्यवः शाहित्क हरेरव ना । त्वरे कारन शाहा प्तवः चिकिनाग्न जन्भ मृता, जवर शवर्गाम अहेटबन । कथन वालिका का छात्रात गुल्लि । एकेर निर्वाद कांक क्र्या भीना नाहे। यथन डाङामिशदक गाबिर हेट्डेव निक्रिंडे ञाना इत्र, मः औष्टकदा मङ्ग्राहिनात्क बत्य पिन जोशाहा गाहेर जा हाथ छोह: हरेल गांकिए हैं है मारहर एक्किए भन জবিমানা করিবেন। মাজিটেট্রটানয়সিভ थम् **किन्छा**मा कवित्व मकत्व **उ**ष्ट প্ৰযুক্ত " হাঁ " ৰলে। সংগ্ৰাছক্দিগেব আৰ একটাবিষম প্ৰভাৱণা এই, ভাইং-1 দুই এক জনকৈ দাঁড় করাইয়া রাখে। তং ালে কুলিব তালিকায় ভালাদিগের নাম লেখা থাকে, কিন্তু ভাষারা ভাষা নিগেব শিক্ষিত লোক। **সংগ্রাহকে**রা , ভাহাদিগকৈ যেমন বলিয়া দেয়, ভেমনি बट्य। डोहारा कथन प्यामाटम यात्र ना । । गालिएड्रेगे किस्छाना क्रिटन पायता षानांच अनृति यान नत्र्रः एय । मक्टन वेच्छान्स्व यावेटक्छि, अवे कथा गक्त कूल (श्राय क करा थारक, बाहेन , वर्टन । बना बना कृतिहा " अतिबानात । चार्त्राटत 'डोटोनिश्रदः भाष्टिः देखेत , ष्टा " र्"। " वट्या । वरे चक लादिकता महरक नकल कथा विशान करत । छोता **हा भन्ना म**

एरियाम कान करन, अवश् काराजा भन र्गायल्येत कार्या याहेटलाइ, এই সংক্ষাব। আমর। অত্যক্তি করি-ভেছি না, অনুসন্ধান করিলেই আমাদি- 🏄 গের লেখার যাথার্থ্য সপ্রমাণ হইবে।

वक्टन श्रम् इंटिड्स, अरे अनिष्ठ নিৰাৱিত হইতেছে না কেন ? সহজে षात्मरक माकिट ड्रेडेसिरशत (नाव मिरवन, किन्छ এই एउड़ाशा कर्य हार्ति मिश्र क शवर्ग-মেণ্টের বাগানের মালিগিরি অবধি मकल काल कतिएक इय। इक्निलिश्र নিয়মিত কার্য, এত বে এ দকল অতি-तिक को**न उ**न्हांमरशत स्रोतः युगक्र-क्रटल मण्यस रहेबाव बामा कहा बनागा। क्लि विकिष्टियंत्र अरु अरु क्रम त्यथानी थाहिन। २०। २० जन कृति भागित তিনি মাজভৌটের সন্মুখে উপস্থিত হন। নাজিফৌট প্রধানতম বিচারার-य ७ भवनीयान्छेत्र छत्त्र मकमनात वानः **ट्रिंश का क**त करनन, कूलित विवत्तनेश्व শ্রবণ করেন, সুতরাং জাঁছা হইতে তত্ত্ব নিৰ্ণয় ছইবাৰ সন্তাৰনা কি? আমরা তন্নিমিত প্রস্তাব করিতেছি, কুলিদিগের र्तिष्किरतत क्या मधार्य क वित्यं किंग ও विरुप्त नमग्र निर्मिष्ठे कत्। कर्वरा। अन कन एज्यूषि मानिर्देरहेत উপরে এই ভার দেওয়। হউক । ভিনি **बरे निर्मिष्ठे पिर्दाम ७ निर्मिष्ठे मग**्रा चात कांच क्तिर्वन ना, এই कांच তাঁহার মানিক কার্যোর মধ্যে পরিগণিত इंदेर । यदि मक्सवात नः था। व्यक्ति क्षक्रमीन क्रिया ध्रयोग्डय विद्यार्थन्यय मएकार माध्य क्रिट्ड स्व, ठाहा इन्ट्रेन अ अक्रीके मिक्षि करेरन मा। अ भवान्त षादेन फुरलायशाही एव नारे, त्मरे शाला-क्य अरे क्यांह्री प्रशिक्ष । प्रका कामतः (स्कृषियाति मधः ७ वाशः चाकः इत क्षेत्र माख गात।

त्रव सम महिला छ हिला हर्दे । भन्न क्षम मारतका जान छन्दर्कत भन्नित क्षिनत्रल भारताक व्यवधि द्वलक्षत्रत्र कार्यः . टार्शानीत लावि नश्यनाथन विषया गवि-भाष यञ्चवान इहेग्राट्न । अक्टन चारता-হিগণ যে কিছু সুবিধাভোগ করিতেছেন, নর অনে লারেকা ভাহার মুগ। সম্প্রতি चात्रज्वसीय गवर्गत्यके अक भज पाता ভারতবর্ষীয় রেলওয়ে কোম্পানিকে এই কথা জানাইয়াছেন, ভূতীয় শ্রেণীর আরো हिनाद्वत निक्छे इहेटल डीइफिट्म डेला-व्यतित्र अधिकार्ण होका मरश्ही छ हत्, व्यव्यव डीक्सिशात वास्टि क्ये व्य এর প कार्या करा, ज्यापना करें कानिशांख ভবিবারণের চেটা না পাওয়া অতি অসু চিত কৰা। আড্ডায় আড্ডায় আৰশাক কাৰ্য্য কৰিবার নিমিস্ত নিভ্ত স্থান এবং चाहां । अ भारतत बना नवाहे कता क-ৰ্ভবা। বধন পাতুয়া অধবা বাণীগঞ द्रितखर्यत भीमा हिल, खबन ब मध्य बरमावत्स्वतं वर्षे श्रास्त्रम हिन ना किस दिनश्वदित्र मिली शर्या छ इत्राटक चाण्-ভার আভ্ভায় এলপ বাৰ হা করা একান্ত व्यावमाक रहेना छेडिनाटर পूर्व्स धर्म व्यथेना निर्मित्र श्रीकान गर्यक्ष दाणि-(इंट्रिक (क्र्र थ्रांत थ्रांस्थां स्ट्रांत भ्रम क्रि टिन मा, किस अमरन अक मश्रीहर पार. मत्र गारित जात्मदक बक्रालम श्रेटक छेलत लिक्साकटल धदर ऐखत लिक्सांकन स्ट्रेटक क्रिका जात वाश्यन कट्टन । दन-भित्र दशक्षीत्र कि भाष्ट १ छक्षमात धवः भरम्भादित महिक रेमकी ब्यान अधन व्यानक क्रुडिशिकात मृष्ट्र कविशास्त्र। कित-क्षां छ। छ। द्वार वाकि विद्या भारत्य र्व खकात পরিচর ও বছুতা, बानीशफ् ও आनश्रेत लोकवित्तत गहिङ कमनः त्में क्षेत्रात स्टेटक्टर । अहे केटक्ना माध-मार्च दर्म ब्रह्मादक स्थान स्थानमार । किन्द चारताहिनिया वित गर्य कहे एह, चर्न-

नव जन लारतरभात भूर्यत जुजीत (भागीत विदाय ना एवं दन जीवा जामता तुचिरंक चारतारिमिशदक मुनान क्कुरबब नात कान ৰ্বিয়া তাহাদিগের প্রতি ভবসুরূপ ব্যব शांत कवा इहेंछ। छिकिंगे महेबात करें, भक्ट छेठियात ममरत्र श्रहतिम्दात न क्टि खहात ও व्यथमान हरेंड। वदः किनन माखेरतता भक्टि प्रान पारह कि ना जादा विद्युपना ना कृतिया वक मारा লোক এক শবটে বলপূর্বক প্রবেশিত कतिगा मिर्डित। अभार्थ देशत व्यक्ति स्छे क्षिशांद्ध। त्य किছू चाट्ड, छाहा तल अ रयुव ष्यक्षाकिषिरभव स्मार्थ युक्त मा इडेक এদেশীয়ও নিম শ্রেণীর ইউরোপীয় কর্ম हार्तिम्रितंत्र स्मार्य इरेग्रा थाटक। वड-(प्रभीत श्रह्मी ७ एएमन मार्थरवत्रा चर्म मौर्याषरभात मरहारवव श्रीक भरनारयाची हरेटल व कके आज थाटक ना। भवनव (बनत्रथ अरमभीय खोटना किराद विभिन्न चित्रत पृथक तृह ७ श्वक नक्षेत्र প্রস্তাব করিয়াছেন। এ হটা করা খতি व्यावनाक खीटनाकिष्मिरक ट्येम्टन व्या-সিরা রাজ্যের পুরুলের মধ্যে অবস্থান कतिट्ड जबर घटनक पटन कहीन्डा দূৰিত ব্যঙ্গ ও বিজ্ঞাপ শুনিডে হয়। পূৰ্বক मृह पाकित्म अ व्यवसान इत्र ना। वृथक मक्रे ना थाकारखंद जीटनांकिंगरक অনেক সময়ে এই প্রকার অবমাননা সহা किंतिट इत। याँशांश ताजिकात जी-लाक लहेशा (बल बराटक शिवारहन, उंशिता कार्यन के मनए निम्न त्थानीत মাভার ইউরোশীয়,ও সুশ্চরিত্র এদেশীয় দিগের সহিত এমণ করা কেমন কটকব। গ্ৰণীয় ক্ষেনরল অধিবনে যে প্রকার আছ্ডা क्तिहारक्त, उपन्मारत भीख याहारक काल হর তাবার প্রতি দৃতি গার্বা উচিত। नकाव दानअदारक श्वक नकरे चाहर न्सराजनात द्वाउटा इंग्लॉनि वातक ছলে জ্রীনোধের শক্তি পুরুষ উঠিতে

। क्या देश में के करेंगा वाहिएक लाइता । क्या वा । व्यक्त वा । व्यक्त वा । शांति ना। श्वर्वत (कनत्रावत जात अक वियदत मत्यादयांगी इलता वर्खवा, किनि ভৃতীর শ্রেণীর শকটে আলোক দিবার জাজ্ঞা দেন, বিশ্ব ভাষা অন্যাশিও ব্য नारे। येत्र रहेटन मर्सनाथात्व जीरात्र निक्टि अधिक्छत्र वाधिक इदेर्यम ।

मुख्य श्रुक्त।

১। দলীত রত্বাবলী। প্রদিদ্ধ কৰক হত শ্ৰিষর কবিভূষণ যে সমস্ত সদীত त्रव्या करिता यान, खियुक शहरमधह বেদরত্ব ভাহা সংগ্রহ করিয়া " সমীত त्रष्ट्राविण नाम पिया मुखि छ अहा जित्र कति site न। हेशेए जाना वियमक मनी उचारछ। (वहत्व माहांमा अहे कार्याणि कतिया त्करण एव कांचन कींचि क्षांति कित्रा डीश्टक विश्वकीयी केरि-লেন, এক্ল নয়, বিনাশোল্ধ গীত গুলি রকা করিয়া সাধাবদোর ক্রডজেডা जाकन इहेटलन ।

२। मः वागमात्र। दशांन शांकिकः পত্ৰিকা। মুবসিদাৰাদ হইতে প্ৰচারিত **१६८७ चात्र छ १६ताट्य: अथम चटल**त লেখা যেত্ৰপ ও বেরূপ বিষয়ে হস্তকেপ कता इहेगाड़, जाहाट इंश कट्य उत्ति मी १ इटेरव, असूत्रान इटेटडर । मण्यान-द्वत विवासभाषा अमर्गात किन्छिर **अनु**-तांश मृष्णे रहेश। आधा शतानमं पि... নেছি, তিনি যেন এ অসুরাগ পরিজাগ वटहरू । एव नमारकत खीरलारकता सत्राच वस्त मारहर मिर्गत महिक भागा खाच নাদি কৰিতেছেন, তথায় জীননাল বিশা-नग्न इहेवात जनग्न इहेशार्छ, ध्वकथा विताल अञ्चालि मात्व पृथितं स्टेटि स्म ना ।

द्रांभाषां हे मर्यापपाठा निर्वि-सार्डन:--

১ । ১० ह (जीव श्रुतीय मन तंत्र पर जीनि

क्क' झुन' शिनी सिन कार " हेत (वराप कुरुन । सारह्म, भाग कि नेग'हुइन, अवर नैक्का (भागाई মাঞ্নয় কেশৰ বাৰ্ স্নায়েগণন যোগ প্ৰভৃতি क बहा ना निया (वम्रासन् १४१६) अभिग्राह লেন। ভাঁচাকা বালিক গণেব পরীক্ষা একণ करिया अवर अधानकात हतान वाल्ड (शक्टा क्षत्र अ अदेवर्काल्य लाउन छेहानि भएक निश्च क्षिर्ड ३२, है। चर्ण ड हरेबा विस्थ अपन একংশ ক শ্ৰাটেয়ন ৷ ববি কীন্দ্ৰাণ বিদালয় স্থাপন প্রার্থনায় নেপ্টেন ট গ্রন্থেক নিক। স্কণ্ড भन करियात क्षम, व्याद्ध छ. व १००१ वर्षक क्ष्यूरहान कविषा तियाद्वन । दनस्य ६ एव, १४ छ। । প্রকাশ চালালন, ভাষাতে স্থীনশ্ব চারৰ অনাস শাসতা প্রতিপদ্ধ হলে। এখানবার পর নার্না লাৰ মাৰু লীগোপাল পাল চৌগুৰী মিদ কংগু ধ্বর প্রভাগের মন্ত্রপ অভ বন। ক 🕡 ভাছেব नमू हिन्छ क हेवा छ। दक्षा कृदिपाद्वतः।

২ : সম্প্রতি এখানকার তিপ্রক ঘোষের বিবস্থ ৰ্মীর মুধ্য হওয়াতে অক্সত। পুলির উচা বর্ণ ওং किंद्रवानियात्रा . इठ माई बालेग्रा उ'लाव मण्यांच ত্রেনক করেয়াছেন। কিছু এপর একটা র্ছাপুলাব . भागनारक मृख का किए शुक्रवयू का नेशा अ तहरा बिटाइटका को छोड़ी कारनक दिन कथारन दिन है। अवः देशत क्षेत्रिक क्षेत्र कर कर महाः करिएक्टइ। अर् जना कामजा भूजियरक महत ক।ব্ৰচ্ছেছি যেন সভা নিক্সপৰে জগন্ত না হন।

्क कि कि भिन ए**हे**न, একটা ভোগ - याईका वस्तर्थ,क ৰোক পীড়িত হ্যু, व्यक्षामाञ्चलका (१०) मृद्रा स्ट्रेसाट्य । ५१% (बेडी क्रेंस्टिक्ट्स. बदबा बेब कतन वह महन।

धाककानी वार्यमान जाम करिया सक्ष्यम स्थि মার্ক্টার্টারেন। আমে অলা আপনার পাঠকগ ৰ্ক্তিক ক্ষাবাদের নত ভাক্তাবের ক্ষোৱা ।বঞ্জা श्चिक विवेद्धन द नदा अध मकाव त्यान अध्या महत् बढ्डा वसन्द्रशास्त्राह कृष्ट्रां अधीन लिकक भारत कार हत। जन त्यह करा क्री अन्त हरेड़ा सकपटल यान. अवर ध्वापनाटक ें जिल्ला क गाती चालवा भावत्य (स्त्र । कामहा अहे अवकारण विकि ता वरवतायमे मभाइकव यक बुक्क कियरताथी अवर मजीवारमध्यादकता हिन्दियां प्रत्यव बादूनानव नकरनत क नकन काकाव महरूत कर्ने बार्ड करन्य मध्य, छ बिबद्ध विद्वा कतरे चार्ट। বলিয়াল্টা " ডিংমা ৯ খরী ডাজর সগশর हिलिश्त'त्रेटीका वरभवता कितिहरूके विचायकति व्यक्षक मत सर्क अवादताहेत मूडा व्हेत्राटकः। (तत (नज्ञाद्यकेटके) कुछाटक असम्बद्धारण

য়াছেন। ইনি এখানে থাকিতে যে ৰাজী ভাষাং क तर इस, शुर्र शांक का का रमहे वांकीत लाक. প্লতবাং সেই স্লয়ে তিনিও ডাক্তর হইয়াকেন, .वाध हत, अथन खार विश्व'म कतिया है है। इ डर् छ ম। মুব্য া কবিতে কেই আপত্তি করিবেন ন।।

বিবিধ শংবাদ।

५ १ ई (शाय शायवातु ।

बहाराक निक्या हेर्डे रहारीय नगरक जानन व जा मार्थ, मनाया कान्न जिल्ला निर्मं कान्यादहर्न । भवर्गमन्त्रे (भाषानिहत्त्व प्रदर्भ अक्वाब देवता क्ष-বেশ ব টেবা ভাষা আৰু ত্যাগ বলিলেন না ! পত্তিকৰ বিজেনবল যথন গোয়ালৈগৰ দৰ্শন कर्रन उथन ताका उँ। धाद महिन्छ हर्रा याहेर्ड হলেন। কিন্ত ভাঁছাৰ পাৰে তল্যাৰ খাকালে मान्त्रि अरवण कविराक (भग्न माहे। कावन, ।भग्नम ধ্বীয়াতে কেলা মধে। ধোন এতে গেলীয় জন্ত महेशा वार्टिन पाविद्यम मा। कहे विविक्तिहरू शूर्वास काळा इहेगा भागता

स्म निरम्भाग कथा। दिहा काकब्रुव शुक्तिका খুলিয় পর'ব্দান কাগজ চুনি ক্ষিয়ার জ্ঞান্ত क्षिमा बट्ड समर्गन कवा इत्र, डाइन्द अव वं कि मानवाव सार न निवा मुक्त इहेतात्म।

(याशहात्रत स्टल्स नामसदक्ति खी नाहे ভাঁগার পুর্বধ্ ছঙ্কের কার্যেন্র ভেত্যবং'ন ক্রিয় थारिकत । यत मार्टेमन किउन्नावन एउत्र शुद्ध ीहात्र भाषनीय मरक्रान स्टेब्रा आमिएडएइन।

माञ्चाद्य २०,००० चांकुल आहरू, हर् विवर्तिक महेटा भारत : वेहा (मांचया एक जनावें ! मह्या २००० कराई ए डियाया । किस एक्का तावर्त अ (खोळ-:अक्तु भारतत्र मायताम कडत्रा छ। हर । । (माहेत वाहुनालाय १४० कम मात्रा वाहुनिव के कुरे। ७ मान अञ्चीक २६४, अथानकात खान आहु साउ मिलाव नामांक अधिवास अक्षी ब्रीमान युवक उपकारि कदिवाद कन, यात । এक मिनिष्ठे लि। सम्। एवन । जिनि कार्कण कर्यन जो, भुक्य देखन्नवित वादुम्हक अक श्वादन जाया ইয়। যাহার। আতাত উত্তর, ভারাদিগের জন, १ अंक श्रूष थे गाडि का का बादा का बादा के विकास का वास के का वास के किया है। কারর: ভাষা হত্যা কবে, তরিমন্ত দেয়ালে ত্তন, বসান ন।ই। শরীব সঞ্চালনের স্থান নাই। लघ भारे आरम्ब स्वा हिम्तान मृत्ये मन्न ना। अह-चित्र मन्द्रता मधुना व्यक्तिराज भावता मात्र । ज्याभा चक २०० (मार्क भारत अगन्त अक्ती छेरकूट बाज् भागम् अकुछ कविवात अखाव रहेन्राह् । दश-

है नि विशाल अवादाई भर्मछ श्रकाम करहम। शरे छे अधिकी र महता महिला अर्मा छ ।

शक वृथवंत्र शिम कार्र्णनेष सांवकांत्र अर्थ উপদেশ দেন। खीनिका ও खीरनाकिर्शाः ेब जिमारम डेल रनरम र श्रवाम डिरफ्नर । सम्ब हावि बात्नद श्रथन दरहात हहे अनुवाही जी है भाम एक श्री किया कि विष्य ।

আম্যা আলাদিত ব্ইয়া প্রকাশ কবিভেত্তি, कामवाँकारतत वावू 'श्रम्भात मण्ड अ डी हात छन-वडी खी बायना मरभन्न वाजिए अन्त्री वालका वन्त्रीनव खालन द्वियां (इन) हेश्त मर्थः । १४ है। दा नका इहेग्राहा । नियम भठेन अवः एएहा वीक निया धावल व्हेत्राट्ड । वालिकायन व वन। व एवं मिनिएड (इ उ'हा वटा वाह्ना । अध क व महो छ अञ्चमभ्रत्व छेभवुकः।

न अार एक नारश्यक विमालिया । क्रोज़िन-ার পুরস্কার প্রদান সমধ্যে সভাপতি উচ্চে াতেৰ আফেশ ক্রিয়াছেন, এড েশীয় নাৰ माज यातम विदेशयीचा (मरवानशास : मण्याम क्टा (बाध रहा.) शृष्टीमानिकत्राव छिलवाहार्य (क. न विकास अथवा अन्। विवर्ष होना मिएड वटनम म । पर्सटक (यमकल दिल्लालय स्वेसाटक काशास्त्र हेर्दाता जीना स्मान्य क्रमाय विद्युष्टमा ংবেন। স্থাচ খু রীর'ন মিসনবিগণ এক তেনী-प्रमिट्शन स्वा, क ४ विमान्तम च लग रुदिग्राहरू । । मनन िशन अवस्य एव छेलकात कतियादृक्त, छोर। (कान् व) क अयोकाव करहन ? ।क्ष উড্ডো সাহেব নিজে कि चौकात करःमना, पृष्टे वर्ष शहलन जांबानित्तत्र क्षश्चन केत्यमा ? (धारवेष्ट्रीके दे:बामनिर्वत क्छ बन कावनिक विकानाइत अनः होमा निया चारकमः? आयता इःचि छ इर्देनाम, किनि शवर्गत्म है विम्हानत नमू ৰের পরিদর্শক হুইয়া '' ধর্ম » 🔞 জাডিটবর लहेवां काट्यानन कविटार्डिन।

क निकाषात्र नार्ध विनामत मूक् रव য়াতে লাড জ গ্ৰে:ণ এক লোকস্চক গ্ৰ লিখিয়াছেন।

ইংগিদমান বলেন, সম্মতি প্রধানতম বি১৭ तानम (छनान मास्टिकेनिमान अहे बन्दा छएन'ना क्रिज़ार्डन, दे,श्रात विश्वात काई ज्ञा কবিয়া থাকেন, অধ্য শীল্ল ইছা দিগকেই ভালের कास कतिए स्ट्रेंट । शुर्रा ना निविद्य अ कार्य क्षेष्ठबहुद्भ मण्डाहर कहा करिय, अक्षा मछ।।

উক্ত পত্নে এক ক্ষম গোংকপুর হইতে লিখি ভারতবর্ধের ह्री गता महि, कान नवरवम्द । वाह्म, मध्यकि क्र क्या स्थीपाद अक नीन क-

আছাত করাতে শেংসমুবে অপিত হন। এক জন উদীল জুরির মধ্যে হন। বিচারের সময়ে জনী মার ক্রমশং চারিটী অস লী প্রদর্শন করিখা ৪০০ টাকা উৎকোচ দিবার ইনিত করাতে উঠীল চন্দ পুরিত করিরা ভাষাতে সম্পত চইরা জাব মকলকে অপ্রবাধ করিয়া জনীদারকে নির্দোধ হলেন। এবিবরের অনুসকান অতি আবশ্যক।

শনিবার ক্ষণিদিনের সভা হইরা উইলির্ম পারি তেবিস সাহেব সহকারী সভ'পতি মনে'নীত হইরাছেন। ডাউলিজ সাহেব পারিসের প্রদর্শনে ভারতবর্ধীর ক্ষমনার হইরা ঘাইডেছেন। ডে বিস সাহেব ছর্ভিকের সময়ে যে সক্ষতা প্রদর্শন ক্ষরিয়াছেন, ভালতে ভাঁহার ধাবা বধার কাজ হইবে সভাবনা করা বাইডে পাবে।

গভ গোমভূকে ইংলগু ও ওরেনেসর ১৯.
৩৫.৩৭১ টি গরুর মধ্যে ২,৫৩ ৭ ৮ টির পীড়া
হয়। ইহাব মধ্যে ৬৩৪১৩টি আনোগ্যলাভ এবং
২৭৩,০০০ প্রাণভ্যাগ করিরাছে। ৫২৩৭৭টিকে
ভয়ে বধ করা হয়।

আনেরিকার মানেবটেন প্রদেশে ছই জন কা.কু ব.বস্থাপক সভার সভা হইয়াছেন। সভা পতি জনসন কান্তিনিগকে রাজনীতি সংব্রাস্ত অবদানে অসমতঃকিন্ত সর্বাধারণ ও মহাসভা ভাঁহার মত অগ্রাহ্য কবিতেছেন।

विश्वर्गिति वे वालन प्रक्रिक क्रिन्नमर्गनाथातर्गत नण्रु च नाकीिएणत क्रवानविक ७ करा
करा क्रम्नकान क्रिएक्ट्रम । क्रिक्त लाक
किरात नरकान क्रिक्टाह महानकात गर्वर्गर
एनेत कार्या क्रान्तित नमर्गनार्थ क्रिम्न विनित्ताएनेत कार्या क्रान्तित नमर्गनार्थ क्रिम्न विनित्ताएनेत कार्या क्रान्तिक कर्तनार्थ क्रिम्न विनित्त क्रिक्टाक्
वातिएक्ट्रम क्रान्तिक क्रम्नाद्वन महोत्रका क्रता
व्हेर्ट्या क्रिक्ट्रमा । क्रिम्नत्त्रम् ए क्रिक्ट्रमा क्रिक्ट्रम क्रान्तिक क्रान्तिक क्रान्तिक क्रान्तिक क्रान्तिक क्रवाहित्य क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम विनित्त क्रक्राम्य क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम विनित्त क्रक्रमा क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रव्याहारम् क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रव्याहारम् क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा
क्रिक्ट्रम क्रव्याहमा

विकेतिनिभाग जन श्राह विवसन करिष्टे करन इत इतेरत ? कामता कारकण कतिलांकिनाम अफ भारतः सनित मूर्थ खरून अब देख रा मक्केशि अमनाश्मरतः कार्किमा कहे दश । कारात भत क्राह्म सूकि संचित्र क्रमा स्थेतारह, किस हरे क्रियन भग्न रा रामें। शूर्कवामानात जनश्रत होग्राम मण्डा रा समान क्रमा राजा राजा शि-तार ह, प्राप्टा अवारत क्रमा क्रमा राजा চীন হইতে সংৰাদ আগিয়াছে হরাসী সৈতা
গৰা কোরেয়ার অন্তর্গত কাঙহাও নগরে যে লুই
কবির'কে, ভাচাতে প্রকাশ পাইতেকে কোরি
বেবা অভিশন্ন সভা ভাতে। কোরেয়ার রাজ
কীর পুত্তকালর লুঠ কবিরা পুত্তক সকল পাবিসেপ্তেরিত হইভেতে। স'লের নিকটে ভরা
নক ঘর্ণ বারু হইরাছিল। ইর'কোহানাতে ভরা
নক ঘর্ণ বারু হইরাছিল। ইর'কোহানাতে ভরা
নক অগ্নিকাণ্ড হইরা লেশীয় নগানের ভিন অং—
শেব হই আ শ এবং বিদেশীয় বিভাগের পাঁচ
ভংশেব একাংশ মন্থ হইরাকে। ৪০ লক্ষ ভলাব
মূল্যের সম্পত্তি মন্থ ইইরাকে। বিদেশীর লোক
ও কনসলনিগের সর্ক্যুক্ত ৩৪ টি বালী দল্প
হইরাকে।

३४ वे श्रीय मजलरातः

সম্রতি ৰাজ্রান্তে একথানি মৌকা জনমন্ত্র চইয়া ডব্রত্য নিউনি সিপানিটর সভাপতি কর্ণেন টেমপন কাপ্তেন হোম ও নিস বিকার নামী চুই ভাগনীর মৃত্যু চইয়াতে।

अध्यक करिक किना हो हो है। १,३०,०5 वर अदर अध्यक्ष करिक ए,१४२३५२१ हो तर्वा हुना ब्रह्मानी स्क्राह्म। किन्न वर्वश्तव कुना का भिकाक्क क्रम बन्नानी स्कृति।

ইংলিসমান অবগত হটয়াছেন গ্রথমেণ্ট গারোপর্কত সমূহ একজন প্রধান তেপির সহসারী কমিসনবের অধীনে এক বিভাগ সর্প কবিয়ার মানস করিয়াছেন।

উक्षभद्ध बर्तम निवरभूत शहेर जनविश्व नवन जायमानी इंद्यार नवरन म्यार के महारक नवरन मूला के महारक निवरभून व्हेर जीव विश्व नवरन जाशंक जानित।

আনরা বেবুন সোসাইটিব গত অধিবেশনের কার্যা বিবরণ পাঠ করিরা চংখিত হইলাম। স্মা-জেব অর্থসন্ধতি এত কমিয়া গিয়াছে যে এবার সমাজেব কার্যা বিবরণ প্রকাশ করিবার টাকা নাই। একণে ২৫০ সভা আছেন, কিন্ত ভাঁচার। নিম্নমিত রূপে টাকা প্রদান করেন না। সমালেব কার্য ঘটিত বিষর বিবেচনাথ একটি শ্বায়ী সভা হইয়াছে। সভাদিগের চ'গো প্রদানের বিষয়ে বেশেব কৃতিরাখা উচিত। চ'গো নিম্নমিত মা দেবরা এদেশের একটি গোব। ইউরোপীয়েরা কি এই রোগে আক্রান্ত স্ইলেন ১

धक्कन मांकि जन्नां निर्माण निर्माण निर्माण कि काराहों अ सवा नश्त्रां के काराहा के काराहा के काराहा कि स्वा नश्त्रां के काराहा कि स्व माना क्षित्रां कि स्व सान मित्रां कि हम सान क्षित्रां कि स्व सान कि सिर्माण कि सिर्माण कि सिर्माण कि सिर्माण कि सान कि सिर्माण कि

৩৮ গাঁ-তি ইউরোপীর বলের তালান প্রবাপ'নে উত্মন্ত হইরা নেত্রিকে ক্ষেত্র তালার বারা আক্রমণ করিবিক ক্ষেত্র বলিয়া ভারতে নামরিক ক্ষেত্র হইরাছে। নেমাবলে এ ক্রমণ ভারিক হইরাছে।

नारमाय अभिरक्त बर्गन, नवार निवसन नम्। मक्त बड़े श्रेवांद्र खेल अवाद भ्रमाद थान मरस्रोत वस क्रम

দিলী ও লাহোর হেলবন্ধে ক্রতার্থনী হওয়াতে উজ শত্র আলাদ প্রকাশ করেন

আমেরিকা ও ইংলণ্ডের
লোক চিকিংসা বিলা নিকা ক্ষাত্রিকা

শস্ত্রতি নিউইয়র্কেব ডাজের মেরি ক্ষাত্রিকা

লণ্ডে আগমন কহিয়া এক বজু তা ক্ষাত্রিকা

শস্তাস্থান ডি.ন পুক্ষের বল্প পরিষা

আসাতে খোড়বগ বিরক্তি প্রকাশ

করেন। স্ত্রীলোকেরা চিকিংসা শিক্ষা
ভাহতে কাহারও ভাপত্তি নাই। কিষ্

গব বাটল কি য়াব অধ হইতে প্তরেষ আ বাত হইতে আরোগ্য লাভ করিয়াছেন। বিদ্ধা ভারতবর্ষ তালের পূর্বে নিফু দর্শনার্থ প্রথম করিয়াছেন। সিফুর কমিসনরের কাজ করিয়া সর বাটল প্রিয়ার প্রথমত বল লাভ করিয়া বোঘাইয়ের মৃতন গ্রথমত আনিতে ক্রিনা বাজ্যীয় আহাল নীজ প্রেরিত হইবে।

কলিকাতার ববিক সম্প্রদারের ক্ষাধিবেশন নিবস সভাপতি কাভি নং ক্ষাধিত সাহিবেশন নিবস সভাপতি কাভি নং ক্ষাধিত সাহেব ববিক দিগকে বলিলেন, হাহাতে কাভি কাভা ভাইলে তাল কাভি কোলা ভাইলে তাল বেলভারে প্রভা ভব বন্দ্রনান বলেন্দ্রনায় নহে। বিলেকভা কোল্পানি ভুলার উপার অসমত ভাল বিলেন্দ্রনায় বিলেক কাভ হইতেছে। ক্ষাধিত সম্প্রান্ধ বিলেক কাভ হইতেছে। ক্ষাধিত সম্প্রান্ধ বিলেক বিলেণ্ড বিকিলিগের ভূষ্টিকর ব্যাধিত কাভি বিকিলিগের ভূষ্টিকর ব্যাধিত কাভি

নীলগিরিব নিজোনা বৃদ্ধ সকলের অন্ত্রার্থনির জন্য লাভ জানবোৰন জন ত্রাউটন জাজেবলৈ বাধিক ১১,০০০ টাকা বৈভানে নির্ভুট করি ছাহেন।

১৯ এ পৌৰ বুংবার।

গতকলা সন্ধার সময়ে একটি অন্ত্রিক্ত নাচ নীর ঘটনা হইরা গিয়াছে। গবর্ণমেক্ট্রের বাসাকে বংসরের ভূতন দিন উপলক্ষে যে শক্ষের বাজার

क्षत्र क्रम्प्रीसीम् विश्वत्र हे हेरवा भीत्र १०० । अर्थ **क्ष्मां कृ**ष्टि कीय कार्याक शमन करियाहिए नन किएक महिक्स माडियान समा छान्डवर्गीय जनस्थात रिकाल्यां इंडियानि शातानी ४ न्ली व छाहा छ विषय कार्यों (बना e प्राप्त मभट्स " विनिकात, " कार्बाक्षेत्रीशाम स्टेट्ड कान्ट्रिंग आहे। १०० वाक्ष्मिक देश व बर्ध (५८लन । हेर्ड किरान माना कि देश से दिलाइन व माथा आर्थिक हिना बीक्स बंदन चार्ड कड न्छनि आर्नाई क साथ। ইক্ষুদ্ধৰা স্বাহাজ খানে কলিকাতাল সালিকে अब्देशमास अक्षांनि क्लमम छ द्रांदिक ক্ষাত্র পড়াতে তলা কাট্যা জতগণ अने केद्रिके सामिता । शहे व्यवका मनीरम व्यार ! केब्द्रिक्ट क्रियानक क्यांगाइन देखिक करेंस । केरिक्यूरत व्यक्ति शजीत दिल मा स्थापा कि विकास, उवानि बाटकट्यत विषय छ ०३ क्षेत्र के स्ट्रेड त्रोका अर९ अकशा व बी के बाज का जिल्ल दिव हरेशा अरु वह ক্ষিয়া মাজিলে সকলে বা চিতে পাবিতেন লিখ **ब्रह्मोंक कान** किया करन शिष्टांच नातितः-अवहे वैश्वेषिर्गत करययक्रामय मुख्य हरेया है। क्षिक की प्रभूकता। एक इरेश कान भएक। **बी क्षिक्रिक्शियात्र २५७**, ४ए: ७ग्र ४३८७ शास्त्र कि ६ লিক্টাইটোর এই ভীক্তা দর্শন আ তল্য কোটেওব ক্রেম্বর বিল্পনের আর এবধান भारतिक है। हेटल किश्री करूरित वस क्षेत्राटकः ए क्षेत्रकारित क काटलन ८० लय अके अवटरा स्था ছিলেন এই অপ্রাধে জীহাকে হাজ ইয়াছে। করণার শুগ্রুকান কাব-अक्री मृज (मह भावमा भियाद). अञ्चलकान स्ट्रेट्ट, पूलिय विश्वत নাছিলেন। লেণ্টনত প্রবৃধ ক্ষদ। নিজে ন**িডীরে উপ**স্থিত হন। कर्ति कांत्र वहें त. चाड अत अतिवास अध्यान क्षा वना कन् '53 !

ক্ষা ক্ষেত্ৰ অক্টোৰৰ মানে পিল চিল ট'ক বিক্লি ক্ষিত্ৰিতিত গাংলা মুদ্ধিত ১০খানে:---

ৰ্কাশতা

1年 作 83日、6 2 8

2.41.902

Strik

82,27,830

िक्कियांका श्रीवास्तारकत् जै।कशास्त्र विस्तव विकासिका सम्बेटरूटक्ष

किन्द्रिक किन्द्राकात स्वीतः इते इक्ष्यक विक्रिक्ट वर्श्यक सल वाधानः इक्ष्यकी ২০ এ পাৰ বৃহস্পক্ষিৰায়।

কলিকাতাৰ ছৰ্ত্তিক নিবারণীসভা সৰ্যপ্তিছ क, 8 ७, ६२० और छ। का भर अह कविश्राहित्स्य। हेंहा व बार १९ ७. ५७,७२७,१७५ बाज़ अवर्३,७७,४० লগ/:• উদ্ভ কইথাছে। কলিকাভার বাছিতে मध्य २,३२००० होका अलाम वद्यत । छेरकल ও মেরিনীপুরের জন। এক লক্ষ্ টাকা দেওয়া हर। हिः १९७१ को एयु बानिय क्रमा १०२२१ भागा वास कहें । १५०। शक व अक्बा ४०२ और लका वाय क्या व वा नरवहव वाजी मुना हैंगे। ना का कर विद्युत थी. जि. शाका र हुई खाना माजीवाय রহয়তে। মাতৃ পড় ইন শিক্তব আত্রার বাটী। तर् ७ ६१७ राका वास हतेगाड़। जोस्व विन-। उ न: गुरी वा गैर कार्य न हजन मिला किटनव প্ৰি মুখ্যে চিত বন্ধ প্ৰকাশ কৰিয়াছেন। বিংশ নতঃ মনেবা এবাটাৰ সৃষ্টিত কোন সংস্ৰাৰ বাখি ्वन ना हेड़ा अवन करिया निरक्षण पाछिनद हा चिल इट्रेय'रक । देशांनगरक मिथन शहेन ध वालकविनादक मृद्यंत्र कथा निश्चान इहेरास्ट्रहा র্ত্তিক নিবাবণীসভা ২৪৯১৬ টাকা বাবে ১১৫ ১৫ জন সনাপ্তক আপন আপন গ্রামে প্রেরণ क्षियाद्यम ।

মন্ত ভাষতবর্ষের ছবিশাক পরগণা রক্ষ্মান বহুনাট কংগদেশ ছিব কবিয়াকেন এখানে প্লাটিনার জনিক চাছ লি ছিয়া। টেশাল সাহে বেব প্রস্থাবালুয়াটো ভাষতবর্শী গ্রহণিন ই আজ দিয়াকেন যে সকল লোক প্রতি একারে ৩০টি রুক্ষ সোনার করেয়া ভিন বংগদে উত্তম চারা করি ও পারিবেন, তাঁহাটে নিজর ২০ একার স্থামি দুরা হইবে।

शत्रवा: वेव बाह्यार ब्यांका द्वाबाई नविद्या के। निकटरे आदवनम क्षित्र दिनम, ब्रांका काश्रेत्र প্রতি অভাত অভাচার কবিছেছেন। মুলরাও মাংক্র কবেন, গুর্মে ভাষার সৃষ্টিত নাছার गोहाफी किन , किन्न म अपे जि विवास संख्या एक বালা জীহা। জীবন নাশের জন্য খাদের সহিত विष (मा । रे । गाइ विष्यां ही ज्ञान । कविवाध अना এक विद्वाह स्टूडक हिलाम छोहार नाम লেরণ করান : থিনি উচ্চার সম্পত্তি বাজেলপ্ত कृतिया चारम्य स्टेटफ दिस्फुळ कृतियादम्म। এবং উ'शत ज्ञाहरणिश्च कात्राक्ष करिया (कवल (इंगिजाका चाइँएड पिता विक्रम क्रि-রাহেন। মূলরাও আরও নালীশ করেন ব্লাকা ভাঁবার জীকে এক ময়লাপুর্ব অক্সবার কারাগৃহে ক্রম্ব করিয়াছেন। তিনি ভদিনিছ প্রার্থনা করিয়াছেন, বেছেরক উচ্চার পিডা বি

তিশ গ্রহণিয়ে কর এবল পর্যবস্থু িলেন ভরি
নিজ তাঁহার অনুযোগে এবলার আগ্রান্ত বিশ্বন ।
মুলরাও বলেন হয় উল্লেখনে নিরাপনে ওজরাটে
বাস করিবার উপায় নান হ বোরাইয়ে বাস করি
বার আজ্ঞা দেওরা হয়। এই আজুবিবান বিশেষ
কণ্ঠকর। আগরা অবলত ইংবাছি বাজার মনে
নলের হইয়াছে মুলবাও নাজীকে ব্যক্তিচারিনী
করিয়ানেন। এই জন্য উলি'র প্রতি অভ্যাচার
কবা হইটেছে। যাহাইটা ধন্দরাওরের বিল্লে
বেসকল বিষয় প্রকাশিত হৈইতেছে ভাষা
সভা হইলে ভাষাকে সভর্ক করা করিবা।
এই সকল রাজকুমারদিগের হৈত্বা কিছুভেই
হইবে না। গাহাবা যত দিন স্থাসন করিবেন
ভাত দিন কেবল সর্বাস্থাবাদণ ভাষাদিগের সহা
মুক্তা কিবিব।

৩০ বংসর গত হইন, সিংহলের কান্ধিকর
মরিস সাহেব ভথার চাব চাব জার্ভ করেন।
কর তাহা আল হয় নাই। এই অন্য সম্প্রতি
সিংহল গ্রহমিট উচ্চোকে জান্ম ও পঞ্চাবের
চা-ক্ষেত্র সকল দর্শনার্থ প্রেরণ করিয়াছেন।
মরিস সাহেব কলিকাভার জানিবাছেন। তিনি
বীত্র আসাম ও কাছাছে বাইবেন। তথার ববো
চিক্ত সমুসন্ধান করিয়া তিনি রে ধুন ও কাঞ্জান
রাব চা-ক্ষেত্র দেখিয়া সিংহলে প্রতিগমন করিন
বেন। নীলগিরিতে চার চাব ভাল হয় নাই, ক্ষত্র এব আ্যাদিগেব বোগ হইপেটে সিংহলে ভাহা
হবৈ না।

निर्णेणकार्ध भूनकार विद्याह इहेन्नार ।

शहे नकम विद्याह उभिन्दिन किरान ज्ञानात हहेट्ड : यङ दिन ज्ञादिश निर्मा किरान दिन किरान किरान

याभना इः चिड इहेलाय, लांड क्रांग्रेशन णावण्यर्थ (क्रांजिय महत्वाच गनमार्थ प्रमायणी हेटाईग्रा निवान काम्य क्रियारक्षमा । माल्यारकत प्रमायाणीत क्रांग्रिश्च क्रांग्रेश मार्थ्य क्रिया क्रांग्रेश क्रांग्रेश

१८०४। १५ व्याप क्रिकाकाय प्रकृति । ७8 इ थानि काकाछित्रा शासी किंग, देशन बट्टा २°२ थानि अधम, ১৫১० थानि चित्रीय अवर ১৬১২ বানি ভূতীয় ত্রেণীতে বে কট্রী করা হয়। ৬৮১ থানি গাড়ীর ভবিবাদিগণ ভাল शाफी श्रम्भन कतिया तारे वित्कर प्रम गाडीएड ৰসাইয়াছিল, এজন্য রেজিইবী বৃহত হয়। পাল कीत गर्था १४०७ थानि हिन। जल्जन सामना मिथिएक श्रिक्त वर्णत्र आर्थक अव'त्र ०५ थाति গাড়ী ও ১০০ থানি পাল্ডী জাদক হে জংবী Bates I

ক্তে অব ইতিরা মধ্য লাস্যা ভুট্ডে जरबाह भारेब्राह्म, जगाउना जारकार करिया क्रविद्मरा क्याक वहेए काई ग। এই मगरत (बाबाबाइ बाका विश्व कुनि.क्र हेमन, ब्रांब माहित्सन, এवर मजदनीट्ड शुनच्यत शकावम इय. किन्न भाडितराव का क्रमर नव भर देश भरा इस्तर्ण इहेग्रार्ड् । क्रमार्थ देगम,गर्नर ज्यानकारम् इक ७ वजीकु उ हरेश्राद्य । वाका धरे नवाकरम्ब भद्र मश्चित्र खार्थना कदाएउ छारा "'ছ, रहेन्ना', इ क्रिकेश अवर्गर के अहे विलिशा मनदक श्रादा। দিতেছেন, মধ্য আলিয়া কৰিয়াৰ ছপ্তগত ৰছলে इरताक किराव वा निकात छन्न छ एइरव। किन्न व्यावानित्रात्र त्यांथ इत्र. छात्रा वाहारक वा त्या, क्र वेब्र शवर्यमधे छाहाके कदित्वन । जाननाहित्यव वानिका दृष्टि बधा व्यक्तिया क्षत्र कतिवात व्यन्ध्यत

ऐक शब बराम, विद्यारी किरांक शह গত ২০ এ আগই বোধাবায় প্রাৰত্যাগ কবিয়া-ছন। ইনি বোধায়ার রাজার বৃদ্ধিজোগী হটরা अज्ञ हादि हाका शाहेबा कीतन सामन कहि-ख्ब ।

উক্ত পত্ৰ আরও ব্দেন, লাড নেপিয়ব শীন্ত, म्मिका आ वारित्य, अवस्य मधावना आह्य।

देशनिम्याम अववा इदेशास्त्र, गवर्रवन्त्र किकानः कार्याद्म बीत्रकृत्यत्र घाटमागानि-शक्त चाचित्रका क्षकृष्टि कार्या मा क्याह्या ভাষার পরিবর্জে নির্দ্ধায়িত কর খারূপ কিঞিৎ होका नहें(म जान इस कि मा ? होका नश्ताहे উচিত, নচেৎ পুলিবেৰ একতা থাকে না।

फेंक भा जावन कड़िहार्डम, क्रम्मरत्त्र विव हेन बन्दित होसा भाषाद्वन कार्यात दस, এक जक ইশি। প্রধান কবিয়াছেন। ডিমি উক্ত বিভাগের क विश्वनहरू अहे हैं। कांत्र कियुन्धन भागमभूरतह वर्षणार्थ यात्र क तिएक क्यूरताय कतिहारहरू।

ক্রাণী অনিয়লবংগের রাজমুগার ডিউক

শ্ব শালেক্স কলিকাভায় আলিয়া গ্ৰেণ্ট কেন त्रानत वामिटक काटहन । देखेटतानीय क्षमान केखिनान माम माम प्राप्त कांत्रकार्य कांद्रांतम हेरा थार्वनीय ।

१३ व शिव सकताता । গত বংশর ভারতবর্ধে নিয়লিখিত টাকার वानिका स्मा ---

| টাকা ঃ | |
|--------------|--|
| 4- 14.89,50. | |
| 34,36,48,64. | |
| 36,64,59,030 | |
| 14,40,05,000 | |
| 8,173,2083. | |
| | |

\$45.85,20.,24. हेरांद्र मध्या थाय २४ क्यांकि के कांत्र जोशा একৃতি বাদ দিলে প্রায় দেড় শত কোট টাকাব वानिका अरा बामरामी e त्रश्रामी इहेताता। नर्ता वा निकात वृद्धि (एथा वाहेत्यत, क्वनन বোৰাই ও সিম্বতে ইছা স্থগাঁত কোছে। একা-দেশের জীর্ত্তি বিশেষ ইষ্টক্ষর। তথালি এপর্য,স্ত

ध्यमान क्या श्रेल ना ? রামপুৰেণ নধাৰ কলিকাখায় আসিতেছেন। ভাঁহার অস্ত্রপন্থানকালে প্রভিনিধিসভা দ্বাং। तंत्र, नाति हरेदाः वाजाः करेत्री ब्राक्षात वानिष्यु इरे श्विम आकित्वम । कानी शुरु छाहाव

কৰ্নেল কেৱাৰকৈ প্ৰকাশ,ৰূপে কোন সন্মান চিক্

क्मा এक बांगे छाड़ा न उन्ना स्टेन्नाइ। इंश्नित्रमान बालन, नमालिव खेलकृता (गर्क व'दा नाषक का का का का देशहाट क का बाका नाविकतिगरक क्ष किशादकन। शर्वादम केर महत्वारो साम सम्बद्धीं समजाम वसी किरवर

উক্ত পত্ৰ বলেন, কলিকাভান্থিত নেশাদীয় মুক্ত মেজর জেনবল কেদার সিংছ উচ্চ পদ পাইয়া यामान शिक्तिमम कविएकाम, अवर लालेम हे कर्नन अमुक जिश्ह अधिकारी मुख हहेग्रा जाजि তেছেন। দেনাপতি কেনার বিশ্ব, কলিফাভাব এতকেশীয় ও ইউবোপীয় সমাজের প্রিয়পাত্র **डिट्सम** ।

खेल ग्रा बलम, छोत्र उनशैव गर्नाद है अड **व्यभीत तारका फाक गुर्रतेत्र, विवरत व्य** निश्चम कब्रिट्टरइस, बहाताल शिक्षित्रा ७९४७ जानांच कांद्रशाह्म । এ जानिक्दि छेउन कींद्र । जाति, क्यवात जबस्य अवर्धमार्केत भीमात्र छाक यूर्व श्रेगार्ड। श्रश्रेके यथन निष्ठ छेखनद्वरण भाषि तका कतिएउ भारतम मा, एपन मासि | इहेटडर्ड, उन्ड किम मधान छेत्र ए १६रव मा।

ट्रिय करा अज्यानीत ताकाविरात 1 513 (DE 154

छक भज जारता राज्य, तर्वारवार হ্বাবে বিভাগীয় ক্ষিদ্ৰবুলণ সেনিয় गरक क्यूरनाथ कांत्रग्राट्डन, इकिंक इस কত লোক চৌৰ্ব্য ও দক্তাবৃদ্ধি অপরাচ हरेगाटक, छाहाय अक हिमाब अमा यागेवां भूटर्स काल किन, दक्षन चनान कट. छाहा किश्वक शवर्गाम है का क्रिक विश्वांक इक्षविद्यवा ब्रह्मांत्र शास्त्र একথা বলা বাহল।

२र ७ (र्गाय म निवाद । रम् व है। है रम स्टलम, कर्तन तम्ब (मर्मद्र द्राधात ग्रंड मचि कतिए

जन्मरमण अ महारम अवाव विराज्य व्रोट्ड ।

विवाहे (गर्या स्वार्टित आवन क অভিনিমিয়'র বাজা কোন মতে বলী জনিগকে ছাজিয়া না দেওমাতে জীখা क्रम देनमा थांत्र इहेरन । इरने (गकान न!रे।

विभाग करेंदनद अहि द्विवद्यक्ष इंसि नाञ्चनाद्य गर्थात् (अन्त्रल विन्द्रलय न्या জাব কয় মানের বেডন অর্থাৎ ২২৯০ अनान कत्रियादस्य । काश्त छिणकावार्व हैं

তিউক অব আলেখন উত্তর পশ্চি क्षांनार्थ शमन कडियाद्य ।

বলদেশীয় বাাক্ষ গত চয় ম সে অং माउद्या ३ - डीका लाज विदार्जन । अमा होता आह २० लक्ष होता ब्हेप्रा

मध्यक्ति कंत्रचनुद्रः इहेरा का निर् मुख्यित कान, करम्रक कान मुख त्थामन करिएएएडन । हिन करिया विकास कार्या छ। हो नि वरमव (अयोग इहेग्रां/ह। अस्ताल र् ध्यात ख्या क **खार्ड ।** क्या हेरू: प्रार्थ धना महला हत ।

ा के ब के अवर्ध अभ कार्ट्स है देखा 🚾 কাংব্ৰ পাঠান ডিনি এবেশের স্থা क्षित्रा कान कान विष्टुब स्मा छ विद्युष्टिम क्रियाट्डम । मिन कार्यक्रिय िनि अब निन अरम्टन आंत्रियाद्यमः সংযাদ,ত মত দেওবা দাহার লাগ্রেক্স দৰের তবে জীশিকার বিষয় অবগত হইবার নমিছিল जिनि अरमर्भ चार्गिय (इन ! अ दिवर्ग केंद्रकर् केंब्रेडि रहेबार्ड, क्षेत्र एउ जिन ही क्षिके स्वीताकिश्तित व्यक्तित उ वादीनेस से

निवंत भूरमा नव रिगर हेत कांगम । ब क्री छ

ক্ষার সিকা

ক্ষার সিকা

ক্ষার কিছা

ক্ষার

🕏 উরোপীয় সমাচার।

শ্রন ১ ই ডিগেছর প্রাতঃকাল। বাবণ শির্মতে এক করলার খনি উডিয়া গিয়া প্রার শির্ম গোকের প্রাণ বিনষ্ট হুইয়াতে। ফরানী শ্রমালনের পুনর দ্যোবজের নিয়ম প্রকা শিক্ষাইয়াতে। মুদ্ধার্থ সর্বাহ্য ১২,৫০,০০০ শিক্ষাকারে, ইয়ার মধ্যে জাতীয় শাব্যিকক মান্ত কর্ম ক্রিডে ছইবে।

তি ১৪ ই ডিসেবব বৈকাল। হানলিতে

ক খনি উড়িয়া পিয়া প্রায় ১৫০ লোকে।

কৈ খইবাহে। ক্লোরেক নগরের মহাসভার

কি রাজা বলিয়াকেন ডিনে বোধ করেন,

কিনে কানীন অবস্থার থাকিবেন। মনি
কিনেম কাতিয়াতে পুনর্বার গোল্যোগ

बन्दि वहां प्रशास के कि स्वार्थ के कि स्वार्य के कि स्वार्थ के कि स्वार्य के कि स्वार्य के कि स्वार्थ के कि स्वार्य के कि स्वार

ব্যালিক সভাপতি জনসনের সহিত বড় ক্ষিত্র প্রদর্শন করিতেছেন। সাধারণতন্ত্র প্রির ক্ষিত্র প্রদর্শন করিতেছেন। সাধারণতন্ত্র প্রির ক্ষিত্র পাসন প্রণালী (টেরিটোরিএল প্রবর্গ ক্ষিত্র পাসন প্রনালী (টেরটোরিএল প্রবর্গ ক্ষিত্র স্থাপিত করিবার মানস করিয়াছেন। ক্ষিত্র ১৮ ই ডিসেছব প্রতিংকাল। আয়াব ক্ষিত্র ১৮ ই ডিসেছব প্রতিংকাল। আয়াব ক্ষেত্র ক্ষিত্র স্থানিক প্রাণ্ড ক্ষেত্র ক্ষিত্র अर्फ रण्य मा तम विषया रखार्यन मा करतन देशहे कारमान शत रहेशे।

এেরিত। মান্যবর জীযুক্ত গোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশর সমীপেয়।

সম্পাদক মহাল্য বেধি করে, আপনি প্রপ্রায় গানাকৈ জানিয়া থাকিবেন। কিন্তু আমি অবং ব্লুভামতে অবতীর্থ ইইরা মহালয়ের নিকট কথন বিশেষ প্রিচিত ইই নাই। আদ্য ভাহার অবসর পাইলা হ। আপনে একবার কর্থ পাত করিলে বার্বিত হইব।

আমি বাদ্যকালে লেখা পড়া বীতিমত শি বল্লাছলাম। স্তুতগাং আহাব বিষয় কর্ম্মের ভায়ুল অভাব নাই। আমি এখন এডুকেশন ভিপার্টমেটের কোন কর্মে নিযুক্ত আছি। ৭ চুকেশন ডিপাইমেন্ট এই কথা বলিতে পাছে वाश्रीन यान करवन थ, आधार कवन वीडा লাভহীন চাকবি। ধৰি আপনি এটি অনুমান করেন, ডবে সে আপনার বিষয় ভাষ। অপর, अभाव अभवे शाहिने निक चाहि स विवि यायात क्षेत्र इन संशास्त्र जायांत्र वृद्ध हिलाए হয়। স্থুতরাৎ আমি এছকেশন ডিপাট্রেন্টের এक विकारभन्न इसी कही बहेन्ना अधारनत हरक (खननी मानाह्या चकार्य। भागन कहिए बाकि পুতुलनाइक माश्र अधानकाव कर्षकाहिएक मिश्रा त ও मिथाकात कर्महाद्विष्क स्थाति विगरेश থাকি। প্রতিবোদিতার কেই আমার সহিত টকর **५८७ भारत ना । अप्रत्मान कर्यहां हो इहेब्रा वि**नि আমাৰ দক্ষিৰ হজের পূজা অধ্বা কোন প্ৰকাৰ डेशामना ना करवन, जापनि विकट कानिरदन भागात शएउ केंग्रात केकार्ककि। ता कान स কারে হউক আনি ভাহাকে ব্যক্তিব্যক্ত করিবা पुनिषरे। जाननि कि महन करता है जे विचारनप्र বচ বড় কর্মচারিকের আমার ভারে কাঁপিডে रয়। বিনি আমার হকপুলা করেন আবিও कारक बारक कांबादक कांबाहरू कहा श्राम कहि। पेनगुरु रहेक जङ्गनुरुष्ट रहेक, फेडिकर रकेक अमृहित्रहे रुक्केन, आवात अवचात कार्क अनकन कां कारकह नहीं लाटकं रव कथां ह बरम व डेरमात्र शिक बुरशात्र चारक व प्रक्रिना পেলে আমিও টিক ভাই ক্রিয়া থাকি। কভ কত উদারচয়িত্র শিক্ষক আমার মতে না আ-निज्ञा स्थां कतिया वित्रया चाह्यत, उत्तरम कीशास्त्र लामनरे असमाज छैत्रचि स्रेग्नाहरू।

डारानिनास मूर्या अप स्थात कि बना वार्ट्स भारत । यथा "क्षान्त्रायम् क्रम् व वाश रहेक महा नव । जानि এडिशाईति हे शाहेबा अक बक्ष ওছাইরা গিরাছি। ছলে পিলে পরিবারে বিল-ক্ৰ সুৰে আছি। আপনিও আপনার পাঠকং**র্গ** ৰাদ আমাৰ কথাতু অবিশাস বহেন ভৰে কড়খন্ত नकोत । एट७ भाति । बात कूमद९ इटन छात किया এছকেশন কিবা দেওয়ানি ভিশাইদেও । সকল বিভাগে সে বুৰিখনে আপন কাল ওছাইয়া लग्ना (वर्षुन अहे त्य अछ वष्ट्र अक्ट्रोग अक्ट्राक्रमन डिलान्ट्यन्ते, याहा स्मृत्यत्र मक्कानात च देवचित्र এক দাত্র পথ, ভাষাকে আমি আমরে প্রধান পুরুষের বুকের উপর বসিয়া ও ভাইরেকটারের নাবের উপর হাত নাজিয়া মাট করিছেছি, करे क जामाव कि कि विद्युद्ध ? " विवसी न আপন বৃদ্ধিবলৈ অভুল বিজ্ঞানের অধিকারী 🛊 व्यत्तरकत्र श्वका बहेग्राहित्वन । व्यक्तिक आधि , আজিতলনপ্রতিপালক। এবিভাগে আমার बिस्कव लाक गाँह, अक्रम दिरवाना कदिरवन ना । जारात प्रमण्डि विसम्ब जाए । जार जा মার অপর অভাবের বিবর অধিক কি বলিব। ना दिश्वाल छाहा खादनः । क्षेत्रात नहह । ज्या-পনি বৃদি কিছুনিন সোমপ্রকাশ বন্ধ বন্ধ করিয়া একবার আইদেন অথবা এক্চন উত্তম ফটো-व्यक्तरक भागारेषा विष्ठ भारतम, बात एकि চারুপাঠেব ১ম ভাগের চিত্রগুলির মধ্যে নাছিয়া नहें ज्ञादान, जारा इट्टा उ क्यान कथाडे गारे। देभगरहात ! हात्र ! खात्रात नाम विकास पूर्वि प- अव्यक्तित वाक् क जिल्लाकात्व বৰভাৱেও বাঁচিয়া আছে। আমাৰ বভ সন্দেহ হইতেছে ৷ ভূমি একবার দেখা মিয়ে আমার थां व का के विष ।

মান্যবর ত্রিবুক্ত লোমপ্রকাশ সন্দানক মহাশন্ত সমীশেদু।

गविमद्र निर्दर्शनिवर-

মহালয়। গত ১৭ই ডিনেম্ম দোমবার পাই-কপাড়া প্রবংশেক লাহায়,কৃত ইংরাজী সংস্কৃত বিদ্যালয়ের ১৮৬৬ লক্ষের বাংস্কিক পারিভো-বিক কার্য্য সম্পান হইয়া বিরাধ্যে । পারিভোমিক কলে বে সভালী হইয়াজিল ভাহার বিবরণ নিয়ে বিরিত হইলঃ—

निव्या त्यांच कतिया कार्यन, कार्यन मुक्ति कार्य स्थाप कार्यन महिल्ल कार्यन स्थाप कार्यन स्थाप कार्यन कार्य

मान अकृषि अध्यक्ष नामधार्य । सातु मान्याम सान अकृषि अध्यक्ष क मेनिकाका आरमकानि अद्यान प्रवाद केनिकाक हिरमन । जानवाजा । विवानी केन कार्म कार्य ३ म, २ म, ७ म, ७ । क व स्थानिक हामगरनम् अन्य नामगर्य भागित गाहिए। विक क क्षिण विभागरम्य अभिक्ष माहिए। अभिकाका मरम् क्यारमास्य अभिक्षा अधियुक्ष प्राथमस्य क्षेत्र विभाग वास्त व्याप क्षेत्र कर्मा । क्षिमार्थ क्षेत्र मार्थ क्ष्य क्ष्य क्ष्य वास्त भागित ।

ইন্তেশইর মহোদয় সভাপতির আসনে
আবীন হয়েন। সভার কার্য আয়ত চইলে বিসা
লয়ের প্রধান লিক্ষক ও অধ্যক্ষ প্রী মুক্ত বারু রসিলয়ের প্রধান লিক্ষক ও অধ্যক্ষ প্রী মুক্ত বারু রসিকলাক্ষ সবকার মহোদয় বিদ্যালয়ের সম্লায়
সংক্ষিপ্ত বিবরণ আদেশপাপ্ত পাঠি করিলেন।
অনজন সভাপতি গহেণ্ডর অচন্তে পাহিটোবিক
বিভরণ করিয়া ১ ম, ২ য়. ৩ য় ও ৪ র্থ প্রেণীয়
ছাত্রগণের সংস্কৃত বিবরক ও প্রথম প্রেণীয়
ছাত্রগণের ইংরাজী বিবরক এক প্রকাব পরীক্ষা
লইয়া পরিত্তীচিতে এক প্রতীমী বক্ষুতা করিয়া
লইয়া পরিত্তীচিতে এক প্রতীমী বক্ষুতা করিয়া
কর্মা করিয়ালয়ের মুলাগান ও সায়ায়াদাতা পরিভবর
ক্রিপ্রকার স্বার্মান ও সায়ায়াদাতা পরিভবর
ক্রিপ্রকার স্বার্মান বিদ্যালয় তায়ায় চর্মানাও কবিয়া
ক্রতার্থ হইতে পারে নাই।

শ্রীরুক্ত বিনোধবিধারী দে । ২ ম জোণী

"বিনোধবিধারী সরকার ৩ ছ "

দমসালী বোধ ৩ ছ "

দমসালী বোধ ৩ ছ "

দমসালী বোধ ৩ ছ "

দিংপুর। নিভাক অনুগত

সা ভালুয়ারি। শ্রীকো, চ, ব.

১৮৬৭।

भागायम अहर जामध्यमाथ मन्त्रापक महाभद्ग मनिहासम् ।

जित्रक विरक्षत्रियः ज्ञानक विषक्षत्रिक्षण्यः

श्रकार्ष "नाकृतिया क्रमीशांत जनग्र" निर्मानारम्य (व श्रक्कांत्री निश्चित्रारुन, जिश्चिरम क्रामान किंकिए वक्तमा आर्ड, वनि क्षस्त्र मूर् एक जावा श्रम्भ अवर श्रीकारिज श्राम मान करन जावा इन्हें भारत वाधिज इन्हेंच। यनि निर्माय विद्यानरक मस्य मर्गा क्रिया स्वर्णा स्वर्णा वारकः व श्रिक विश्व श्राम (३) क्षाश्माम मस्य इन्हेंगा मा श्राप्त जावा इन्हेंरन (वाध इन्न क्षामांत्र श्राप्तात श्रीज कर्षशाज क्रियम।

প্রথমতঃ আপ্রিকতব ওলি " যদিকে " এবল করিয়া ভঙুপরি আপনার প্রস্তাব স্থাপন क्तियादिन। " य.ने काम ववादक माय्रेशवाडे मिकि विश्वादाम । शिक्षायीनावृत्वानाच अन्तिक्त व চপলতা হেতু বেচ্চাচ থী দুইয়া সাহেবদের সহিত जोश्य कतिया बारकन छाशास्य जानम श्रवान क्वार्ड कि लिक्डेंबन्डे शवर्शद्व भरनेटिक शा-স্তীৰ্য্য প্ৰকাশ পাইয়াছে ? না চাৰাপ্ৰকাশ সম্পা मर्देक्त मन्नामरकाहित कार्य, इहेग्रारह ? এडम्बादा विसक्त श्राप्ति इहेर्डिट्ड एवं कार्यान किहेरे निक्ष खारतन ना, किन्न कर मनाव मनद्र वर्ण्य সংশয়শূন; হইতে হয়, ভাহাতে ফটি করেন नाहे। अकरन बिकामा क्ष्माधकान मण्यानक प कानिया छनिया श्रकां व लाएन नाई अवर ब्रांचाल बाबुदा १व नाट्बवटण्ड मदनावश्रम कहिवान क्षत्र श्रामः (२) बाहेग्राट्य छ वा जानि कार्

(১) বাহার বেমন বৃদ্ধি বিবেচনা ও সংস্কার তিনি তেমনি অমত ব্যক্ত কৃতিবেন, এই নীতি। বৃদ্ধি কেই সেই নীতির অনুবর্তী হইয়া কার্য। করেন, ভাহার আশর অনুগার এই অনুসান করিয়া বক্তভাবে বাক্য বার করা আজি কা দ নিক্ষিত গলের একটি চমৎকার তণ হইরাহে। স

नाम पाना निजाब कविरागन ? जाननात कि चकाव द्वाक हानदमा बार्गा वार्थ बरहालका निवसम वृद्धि करेक्ट्रिक क्रिकेट बारकः इ व्यक्तिया । इप्र जरन व्यागमारकः व्यनिति-गण बग्नाक्तरम्य अवणि भीमा निर्मादन करिएक बृहेरव । এशर्व जिल्दरगरःत्र कविक्यक्क वाक्तिक जानमात्र वर्ष वानगरका संबद्धा कर्टवा कि ना खानि ना, किए कानीय वरनन, 'ন তেন্তুদ্ধান্তৰ্তি যেনাস। পলিতং বিশ্বঃ वादिव युवाणाबीधानछर प्रवाः व्यविवः दिशः । बल्बर राज्य ह स्थानीर कार्य के द्वार कार्य পলিভৰিবদ জন্ম ৰ,ধিনর করে বাধ্য করা वात्र। अकृत्व जार्शन त्य जातिक जाति, काका क्षित का भवात म टकत छेरकुई छ। "धाता समीत" · रहेट भारत. जार अव काश्व विवास अवृत इंडब्रा बाउक।

দ্ভীয়তঃ ভাগনাৰ মত ব নিভাক অংশী-জিক ভাছা নিমে প্রমাণ করিতেছি, সাধারণে जारा दिकात करूम। जाश्रीम वर्जनातम किया (अनीर के विजयन के द्वारहम, " नवाज गवकीय" ডাছার এবতর। অন্যত্তর বর্তবাছরের নীয়া বদিও উল্লেখ কর, হয় নাঁই, কিন্ত বোগ হয় "আৰ্থা नव्योष्ट्र क ଓ उचन नव्योष्ट्र क जानताई जाडि-প্রায়। আপন,র কথার ভাব ভল তে, বোর্গমুর '' नवांक नवकीय o कर्ट्स कालनार मण्ड श्रमन क्ष अवर श्रवामांक हुई श्रकात कर्डवाहक संज कतिया सन्। व व कर्चनाटक भागन कवा विद्वेष नरह। अहे वह विखाल अतीकः। वेशहः नवकीय वर्ष हि गर्नार्णका सक्छम, जांदा बेरेंब चानांत कथीनात करतम एरव आनमारक वसी-भवताभी रिलिटिंड बांग व्हेंनाम। आप्ता कि क्षत छत्राकः । वृद्धिः क्रिवः राज्यस्त्री कविया (नरमाख्यक भागम दिखा शांक मा है . वृष्टी इ युक्तण आधि इति देशाहान अक्षाता गांच त्यम कदिलाम । जातात भीड़ा स्टेब्राटक किकिर निवास केविए जक्त नहिं, किंद ति अवस्थात ता जिल्लाभाग कतिएक अथवा आफितिक भारतकार कार्यस के भीड़ा निकार वृद्धि सहैत. এই जवकार वाम जामार शिङा जथवा मोर्कात বেহু টকা হয়, আমি কি শাসীবিক মিমুন অঞান্ত कतिप्रोण चारात्मत्र (भवा कत्रित मा विवयाविवाद व गमास कट्टामनन करत मा, क्रांति शाहे गमा-(अब मध्या क्षा करूर करिया यात्र आवि आमाप्त বধৰা তগিনীৰ নিৰংই দি, তাহা হইলে নৰাজচুত रहेट रह, मा हिला अं अक्षी व्याचारक नारन मिक्किश कहा हबू, शहरन काबाह कि कर्छवा?

ৰিধ নিয়ম্ভল করিখা আন্ত্রি নিয়ম পালন क्या ब्हेर्स, १४० शहे छेडा प्रहे। एउटे कामहा ,দ,খিতে নি যা '' ইখ্ন সম্বন্ধীয় স্কার্তিং বি জাই -ঃবাবে ভলবসকল কার্ব, কেই অবংহসা করা

(e) यन्त्रां भारता ভূতীয়তঃ খ্ৰাপুনি বিবিশ**তেন স্**ৰাত্যস भटतः धाकिन्ना भमात्राम साथ विश्वति स्टेटनः া বাধাৰ ব'বুলা ঘট মধা ই কুমাণজাৰ চইচে मुक इमेरा शास्त्रम नगाच्य गामी थाकिल काउर १ वर्षक है ल्या करार श्री राज्य । र क्षि द्वारत अन्यत्वतं महत्त्व । नवार्तं कृत्यक्षः ? উটে মুক্ত মইলে সমাণে কিৰা ব অকান্ত ত কৰ ग्रहेग्ड भारत २ कुमरकारहे कालादान वर्गास्त মন্ত্ৰম প্ৰতন্ত্ৰীং ভাৰাতে জগত্যৰ সালাল্যৰই সমাদ आधानिभाव छन्नत्थ अन्ति। व नहर । কামার বোর ইইন্ডেচ্ছে কুসংক্ষা ভাগ কৰা ৰাপৰাৰ অভিপ্ৰাণ নৱে, ধেৰৰ যুদ্ধ' बाद इउद्रोह कालबाद महत्त्र पदवे है, कि हु एक ता ক জগতের কোন মঙ্গল স ধন ক্যা (৪) যাততে भादव ? ज्यां कि का नि विश्विद्यत छ च पूर्व क्या हे किछ, खीक्शित यानीयता लक्ष्य (१०६)

(३) आंबाान्ट्यं म्हलाव कर, त्यं वेगार्क

मय्त अवक्षमा (होर्ग अभ्यात । उ भारा भना कर कामिष्टे भाषम कटन, भाषा मार्थना नेबंद्रस्य भाग कात्राधन। ও एउन भार्र करन, ध्याद कथन दाशाब क्षांकि अध्य ध्टेरवंश ना । अविष् व ध्व, दे পরস্পার শৃষ্ধল'বছ। এবটী ।ছর ১ইলে ৩,পবছ सिंद किंद्र इंडेपा बांद्र । यह प्रामा निर्देश व अहल आफतिक (कड़े। शारक, यखट्य शाया विस्क कार्य श्रीकड्डा मग्नारकर (माच ४५८वा च करिया স্মাক্ষস্থ বাবতীয় বনকৈ কে উন্নত ক্ষিয়া ভূলিব এবং এই মহুংকাঠা সালানামৰ কল্পবোধে যদি আগদিগকে উপবীত ধান্ধা-িরাণ ভত্ততি कार्यक्रिटिंड इम्न, ए। शहरत है बच कार्यान শ্বের প্রতি নিকুপ ফট্রেন, আমান্দ্রেন এরপ बार माहे। बदर कामा राज कर दो । वह-(क्ट्यू इकि प्राप्तता नमाञ्च ना किल्टिन आश्वात छेरकर्षमांक कहा ना कविका दावन **बालन कालन अंदार है**-तर्म शासाद क्षेत्र हरेबा महाज शिविकात करा है बेर करा है **बेश्वामिर्गत् अभित्र मधार्थको हो उद्देश रहा म** 🎎 🛊) काकरा है ५८८ का लिएका विस्तान कार है जनार है । ए हैं , र नान तीन के किया व के किया मानिक शिल्पा भी करता विश्वेष्या स्थास समारकात छेलातीत ।। एस अगर्व वर्ष के की फबन वर्गाम १८ १३ वर्गाव अधिक्रिक, ए'र्', वडार्स । ४० त ।

উচত ইবংনে জারানা করা উচত, উপ্রীত च्हान करा दे केल, ब्हान्ड वह १५६ हम कर्नेड्रा हिन्दा छिटिङ, किश्व श्रंब के मुक्त वर्षश्रंक शा. पार्य का कि दि दिया स्थापन के स्थापन भा कि मन इट्रेंट न अथन के मनन कर्रां ,ক প্ৰথমে প্ৰয়ন্ত হইবে ? শ্ৰাব আ কৰ্ণৰ, ৰোধ इहेशाह हिंत दाडी छ हेह द देश हक शास कार प्रवृक्ष्य करायाक कराया है । इस प्रवृक्ष्य क.बार को अहे छा.बहा याने आवि बार्क निवृत्त াাবে ভাহা হইনে কি আমাৰ দেবের স্থাবছা पृत्रहेर्य १ जा स्व. त्व श्याय करना पूर्य नी हारिया এक निन व नार्यः अप्रबर्देट कर्दियरे, শত শত লোকেব ভি. শ্লাব সহ, কাংতে হই-.বই, এই উপাইয়েই সবল দেশ হইতে অসভ্যকে राष्ट्रिक केश श्रेष्ठा हि। क्यांशियत पार्निहे ति-পুন শেশ ইতৈথী বিদ্যাশগোৰ মহাপয় যদি আনেরে ৰুখ চাছিয়া ব্দিয়া প'কিতেন ভাষা হইলে বিশ্বা ্দৰ ছঃঘ বি(+) বিশোচন ২ইড? দেখুন যাংধারা व वित्वविक कृतिहराष्ट्रम, मधान छाँदा निगरक প্তি, গক, তেন্তে, অভন্ত আপনার মতে दिन न'श्रद मश्राम्य खनाष्ट्र कर्षा विद्यादहर्म, ১১। সম্মাণ হৃত্তে ছে। আপনাকে বি উ বিং-वं विशाहनत्र अध्यक्षका कहित्व प्रिया थाकि। क्षाण में याने बर्गम, ताक निग्न बाहा के दिया-राक शहलिंख करा स्टेग्नार्ड, किन्न सिम्नामा ব্যাহিন্দুসমাজ বি ভাষা ধ্বাহিক্ছ সলিয়া मानाक्ष काइएडएइ मा ? कानमाहक अवर दिमा गाशत बहानप्रक नगाल भारत्याम करव मा. किए गाइन्टा विवाह करत 'अ'हाटान्व लहेता छ ্ৰত চলে না। আপনাথক বিবাহ করিলে ঐ .ৰা চইবে. ভবে আপনার যুক্তি পালেই ः। भाना स्वयम कार्यक्रिक्ट इस मधुम । त्रमा-, उद २८ । शक्सि ग्रांस मरकात करा बाब मी, আণুনালের কার্যাই ভাষা ধ্রমাণ করিছে। अकृत्व निष्णामा विश्वाविवाद कि बानप्रकाव शुन्छ हलन दाव कन ? छेश्व ता ७ च नमाजरक उन्नाम बड़ा क्रेटिए इ जाननात्र पुक्टिक बाका धादा विश्व करिटल कहेन्न इस्

১ । সমাজকৈ পাইত,।গ কবিয়া কোন কার্যা **বিলি ভাষা কেন্দানার ও বালবভারত্বলভ** ज्ञानसा (मार्थ मृषिक रहा।

a s'रक्ता, विष्तामाणत् श्रहानग्न, स्माय-वक्षां मान्यानक म्याक्षरक शतिकान करिया कारी कड़िंग्ड(इस ।

(e) স্থাঞ্চ পাৰ্ডাগ ক্রিয়া কার্য্যকা ৰ'ল ব্ৰিনাসানে ব জাতপ্ৰেত ইহঁত, ভাৰা হইলে ভনি ধাৰতীয় দ'ছিতা মন্ত্ৰ করিয়া ''নটে वृद्ध में हे हा कि दहान ते देशित के ब्रिटिय मा। भा व ने ब्राह्म के ब्रिटिय के विकास

৩ ৷ জাতএব এাজোগা, বিদ্যালাগার মহাশার এবং সোমপ্রকাশ সম্পাদক সবলেই উপমত্তিক বালক ও কেলচাহী।

अन्दर्भ निश्चं छ रहेत. श्रीकारित्र चारीवर्धा विभवविवार अकृष्टि कार्य। अहे मर्छ है इहिन কবা উচিত। অতএব দেখুন যুক্তিকে অবলয়ন करिया द्वाराश कृतिया चार्ययन करिया कार्यः ক্রিলে এনেশের অবস্থা কি হইড ১ কোথায় গ্ৰাদ্যসাল কোথায় বিশ্বাহিকাৰ কোথায় জী দ গেব উন্নতি কিচুই দেখিতে পাইভাম না। পৰি (भारत का भनांद्र शिक्ट्रें) शार्थना (व का भनांद्र क्रि क्यूनान्त्र (काम करिया है विद्वार करियम मा। বিধব'বিবাহ আপনার পক্ষে বেমন প্রিয় জীজা, তির খাধীনতা অপরের পক্ষে সেইরূপ প্রিয় । व्यापन'न दार्ग, जनामनिकृष, जनरही । (जह क्रम, ज्राव जामनात्क त्यम्बाहावी जमवाह इहेटज মুক্ত কবিয়া অন্যকে নিশা করিলে লোকে আপ-नारक वर्षनी वाखीख जात किकृषे व निर्व ना। आश्रमात्र दि । वी वेश्वंद्र श्रम्ममः कार्य, एक एका (电解 Bi*27可可 ममासभाष्म गारी विश्व অখ্য'তি ক্রিতে পারে।, ৬)

३ - इ (भीव) क्य क्रम शहिक। ब ब्रुगान । , 2442 F

भागावत बियुक्त भागधकाण मण्लापक महानय मभीर शब् ।

यवाविहिंड मन्यारपूर्वक विद्यमन्यायवर । शंक ३३ है (भीव मक्तवदात भिवा ३० मण चिंदिना সময়ে টাকী বালিকা,বিদ্যালয়ের তৃতীয় বাৎস-विक शरीकार शरिएकारिक श्राम छेननएक ऐक जातिव नर्मश्रमन कभीमात्र क्षेत्रक वाव রার প্রিয়নাথ ৫১১টা সহানরের প্রকাশ্য ভয়ন একটা সভার অধিবেশন হইয়াছিল। উক্ত সভান্ত हाकी, बीश्रव विशेषात्र श्राप्त श्राप्त भारत **कत्रकार्यात्र व्यागम्ब २३। क्षत्रमणः स्मीलिगाद** देव छ दर्शन नरम करमक वाकि वक छ। कदि-त्वन । भटन छेख विष्कानरम् व्यथम श्रीमुख वाम् য়'র ভূপেজনাথ চৌধুরী মধাপুর অহতে বালিকা जन्दर (काहारक चर्नाक्स (त्यर इस) काहारक वर्गवास्, काराटक वर्गकर्गकरम शक्रीक) रह विष व्यवस्थात अवर वस्त्रिय भूष्ट्रेकानि स्वा श्रत শ্ব ত করিলেন। ঐ সভান্ধ গঠিত শৃদ্যভার মধ্যে। निश्व निविध वस्तु काम श्रामा कविव त मामरम महान्द्रप्त निक्रे स्थापन कविएएकि।

(462 41) चारा कि एक सम्बं अरक सम्बंदिएकी, क्रमाध्मात्र, मुकापात्रक्ष के उस उ वा विक

(के) अ अवस् कुछाई छडड नाम जगावना क

3,3

নাথ (চ) খুণী মহালায়ের, পুরাধার দর্লন করাই আলের পুরা সালেক, ভাহাতে আবার এ অধিক মানা, গথ্য, কৃতবিশ্ব, বনাভঃ বহানেরগণের একর স্যাহের দর্শন করা বে এলীবনের কেমন নাজনা, লেখনী সামান্যজনরচিত সামান্যজন বিশ্বেলার কালিবলৈক কর্মাছে, তংসবজে আমি বর্ধানজি কিঞ্চিৎ বলকেটি। আপ্রায় জন্মহ প্রকাশ পূর্মক ক্ষান্যজনিক ব্যাজিব বিবেচনার আমার এই ক্ষান্যজনিক ক্ষান্যজনার বাক্ষ্যকর বিবেচনার আমার এই ক্ষান্যজনিক ক্ষান্যজনার বাক্ষ্যকর ব্যাজিব হাজি উৎসাহ প্রদানে বাধিত ক্ষান্য

त्रकत प्रश्नामध्ये व्यवतात व्याद्या (ग. আমানিগের দেশেব কি ভার, কি অভার, সকল (बाक्डे क्षांत्र स्वीनका विषय विवाशी रिनन। क्रिक भागिति शत घरण जानक के किर्टन (प ্তিকাকদিগতে বিদ্যাশিকা কর'ইলে উলান क्रिक नामरन दाथ। करिन इन्टर । अरच ষ্ট্ৰহালা কুক্তিয়া তৎণ বা, ভাছ'তে আৰ'র পাঁচ ্বীকা দৰ্শন তবং পঠ করিলে আরও অধিক ्रक्रिशादर्गः त्रका रहेरव, छेशानिरशत बाता व विकिश 'सर्कार्यात अभूशंन इश अक्षानकारे कारांत अक भाग कार्न, (क्न मा ज्ञानका अकारन केश्रा এক প্রকার পশুষ্য বলিলেও বলা বারু, অভএর (यज्ञन श्रकां छ अका छ পश्चमिना दक व्यनापारमहे ইচ্ছান্ত্রণ পথের পাস্ত করিতে পারা বাস্ত, ভরূপ कर्डवाग्वर्डव विमूठ सीएन क नेतरक बाश छन त्यम मिल्यू सार्वित, छाहारे क्विट्ड वाया हरेद कि इ शहाता अव बाव अपन कारिया स्विट्डम का तब, इन्ही त्यसम् प्रकारका अक् नापाल काप्र खी क हर्देशा फांश्वर का क्र'वह गांदर अवे स्ट्रांग नाइंत्वहे छ.हाइक वर कन्निया क्टान, फक्रम ्मानम चट्डा जी जा अवश विष्णांत्त व विष्णा श्री-शन याम आभा उक्तः आक्रांबर् शास्त्र, किश्व अन्त्र भारतिहे सकामका श्रकाति काराता सारा मुक्ति महमार्व अहिलाभगतमञ्ज कृषाहर्षः यखा क्रेश्वा अद्वयास्त्र गर्कमाण छेनिष्ठाठ करतः। अन र्वाय औदमाक कर्बुक्र वर्णावव क्रुक्तिग्रात क्रम्भान इंदेश क्ष'तिएक्टर, क्विमारे खार्शन कानि का-द्रम । देवम ना विमा बादा धर्म श्रम् श्रम् विम्नित निर्माणका नांधम बाजीक कानभएकई मदकार्स, म अप्रदेश कर्ए नाइत मा । काछ अव खीरमारकतारे व क वस सकानण त्रनका हिन्द्रात शहर रह अवद ीं महरू अविद्यार्थकार्य कड वड शुक्रवाकत भागहन मनाभी कडिएक एत, कविवत वर्गन कत्रा कामान क मिनित केरकना नहां। विकाशीत

শাসনপ্রধানীর অপার শক্তিণ যে বাজি বিদারলৈ यथार्वे खाहात मन्द्र अवश्य हहेश्वारह, खाहा स्थान कविएक कताइके लाबाह श्रद्ध इकेट मां : शुक्र त्वत फ कथाई बाहे, औ नर्जनीय बहाबरहाणाया य महामूमि अफुणित क'र्य, जाहात अलाक अमान অব্লপ হইরা বহিয়াছে। দ্রীপক্ষে দৃষ্টি কবিলে क्रोमध (मभीव प्रति शकी शिवयून्य न शिर्म क'द्र गरनद्व थाटक ना। शांख क महक्रीन हाङ শাসনাধীনে জনায়াসে অহতে বিষপান হ'বা দেহ ভাগ কবিয়াছেন, ভক্রাপি ধর্ম পরিভাগে কবেন गाहे अवर के बिद्ध द्रांकी वश्कारत देशलए जागीक का अवर हरनार्क्षकीय जाकाञ्चलात लांबदध्यान मेख टीइन्द्र भएक विशान इहा उन्होंत अ वर्ष अवर उर्पद्र बाजक कर्जुक दश्शास भी ह হইরাও তাঁহার গর্ম প্রবৃদ্ধির কিঞ্চিয়াত্রও বৈশ বীত। হয় নাই । তখনও একমাত্র লগণীখন उँ। इति कृत्रा विशासमान क्रिलम । हेरन शीव धर्माभरत्मरकत नेमधर्देत खेलाननाविषयक खेल দেশে ভাহার বিশুমাত্র অভাব হয় ন'ই। हैश शडीख भूताकारमञ्ज अवः हैनामी-खरनत बहुद्द मुद्दीर श्रुट्तीक बाका मध्यमान क्टेटफरछ । एक छन्न मक्'लब्रनान । न्लक्टिरे खांच स्टेट्ड भारत या. कि मटक्रिमं जिदर कि सिति, ही जाता दाज्यशतमधाज्य हित्नन, विभाक्त धर्म প্রবৃত্তির নির্মালতাই ভাষার আদি কারণ। এবি-बाय कि शुक्रव, कि ली, त्रक:लड़बे दिए। निक कता करना कर्छना। महत्र बर्फानरभ विष्ठ त्रव क्रांत कांबा कांब केंगाग्रह बारे। अस्तः सन्दर्भिण स्थानीय न्यीट्र कार्यया अहे (व 'श्रायामिट्राव सम्बद्ध .य भज्ज महान्यप्रवृक्षी। नका वियदत विज्ञान कारह, उं हादा ताहे कुमरकाद्व পণিতালী পূর্ণক অন্তত্ত বিশোধসাহিনী সভাব ্ড; মহাঝানিগের মতালুবালীকার্য্য করিয়া জীপি कार जेवाजि भाषत्म पत्रवास स्टब्स । जाहा स्टेटन ्र्टबंद कादुछ स्य कछहे मन्त्र नायन बहेट्द, अभारत छाहा चित्र कश द्वकटिय। वानिकाइकटक बाकाक म इहेटफ विका श्रामा सका अवस अक्ती প্রধান কথা আবার ভাহানিগাকে ব্যাসনয়ে ষোরংপাত্রে অপণ করাও ডক্রপ কর্ত্ত। কার্য। मार्ग्ड निवस्ति । (कम मा छेशेना अखानान माज विन्धानाम व्यथ्यम कदिया कामप्रत्ये বিচারানত কলের সম্পূর্ণ ছোপী হইতে পারে मा । छिश्दा अध्यक्त विशालद्य यथानस्रव नि-ক্ষিতা এবং তৎপরে উদ্বাহতে ব ব বানীর बिकारी यमि बशाबी कि छेश्रातिक इस, काहा बहाता विका बारा द व उनकाह इश्रांत गण्य, ए ब-

বল্লে অধিকারিণী হওয়ার বাধা জন্মে না। আনীই জীর একমাত্র প্রশ্নমান্ত । সেই অনী
আহতে যোগ্য হয়, তাংগ করা অবন্ধ উচিত।
জয়ে গ্যের সহিত যোগ্যার মিলন ধ্রেন ভয়ক্তর,
লযোগ্যাং সহিত ঘে গ্যের মিলন তত ভয়ক্তর,
নাহে। যেহে চ আমীর আমিঘপ্রভাবে জীকে
বিদ্যার উপরেশ অব্যা সংপ্রশালমিন করিবার ক্রমতা আছে। কিন্তু জীর হারা আমীর পক্ষে
ভত্ত দ্ব হওয়া অনায়াস্যাব্য নহে।

মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেরু।

अस्तिस्थित्वनस्थितः ---

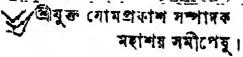
মহাল্য : মালয়ক মিধানী জীয়ন্ত বাৰু গৌরী প্রসাদ দৈত্র সহ পয়ের প্রতিষ্ঠিত দেখালয় ও বিদ্যালয় প্রকৃতি দশনেক চুইয়া সঞ্জি তথার এक मिन व्यवस्य ज्ञारम सम्बद्ध विद्यादिसाय । दिन्छा-नार्य शिवा कि चिनांश हुई छन है नहीं निक्य . अ अक सन भें उठ फारहन। १। १ में टानी कारका का व अरुका शांत व व क्रम स्ट्रेंग, किक উক্ত দিয়নে অন্থিক ৪০ জন বালক উপস্থিত किल। कुल्ही क्षांगुडे ३३ वहिकाय नश्य दशाना হুইয়া ৩ টার মধে ই এফ হুইয়া থাকে। এই সম-প্রায় মধ্যে প্রথম শিক্ষক মহাশায় বছাত্রর পার্মান त्रकृतात्व छिल्पन्व २ । ८ .अनीव वासकामारभन्न भाष्ट्रित, का वन्त अञ्चलका कार्यः गण्या-क्रम कर न। श्र'म : •। ১৫ मिन जेन मर्श अक এक म्यंबीत शक अरु विषयात विका कार्य। मण्यत इप। बहेक्टन निकल भ्रष्टमन श्रीष्ट्र अक ए होत्र मद्दः अक अनित्र मधूनाम विकास कर শিক্ষাকাৰ্য্য সম্পাদন কৰিয়া অপৰ খেলীৰ শিক্ষা मारम श्राप्त कन अवर श्रास्त्रीक किनीय योज-किता लिलिकाम कार महि काल कांड्साइफ করিয়া বাসীতে গমন করে, ভাষানিয়ের পিতা ম্ভাতাত " ছেনে পড়িয়া আইন ৯ মনে করিয়া আক্লাদিত হন। ইহাতে শিক্ষ মহাশ্যুকে अधि द वा उ भागिना। दिखीय निकक विनि बाह्म, एक उन (अर्थी (उ प्राप्त काम अप-कार नाहै। क्षण्ट ११ क्षण्य निष्क मश्रमप्र १४ क्रकाकी अवर ६७ छन्न नगरमत्र मर्गः ०१३ প্ৰাৰীৰ বালক্ষিণ্ডেছ শিক্ষাদান করিয়া প্ৰকৃত্য माध्य कर्दव, इंइंटिडई डिंश्वर यर्थिष्ट शबरनी कदिएक इस । किन्न रीहा । এই अवकी (माग, लाम ভন্নতোৰ বাল্কনিগ্ৰাহে পৰ্বীকা কলিলে ভিনি আপ্রাকে অপ্রানিত । যাব করেন।

हेरात अरु भ'टर्ब अपनि b हुन्न 1 ि 3 क्शन

भारतं अक्षे भार्यमाना काः ह। क नवुभाव साप क्षेत्रिक २० । ५० केकि। व व करणा शहर । ४०९-भट्ट भक्षक्रवेति यामादम अत्वर्ग मानिहा मिहा सदान प्राप्तः केस्टार्ग (परित्र'म १९ (गोर्नेश-দান্ধ বৈজ (চ্যানিসিগাভন) খারে। ত বালান । ১ এইরপ স্থান্ত সহিষ্যাত। প্রনিলাম প্রসাতি eইল্ থে একমাত্র যথোলি সাই 🗥 াী বাবৰ এই 🕽 नम्य कार्ताः अवर्त्त्व कार्यम । विद्यानाः दिन्ती-अधिक व्यवद्वा , जिल्ला श्रंत शर माई ए या है। म्पा। अभिक्रिष्ठ दास्तिव इत्य विनागताः का। कार्शक कहेता य जाहार अत्रशहर्भ वहाँ। ভাষাতে অশ্চর্য্য কি ৷ এ ত গৌরী বাবুব লিজেব कृत, जिति मंश अहम कर्षा, कविरंड भारान, हेशक अमृतवादी आकालुत श्रमनाम हे नामान, कड हेश्बाधी बाकत। विषयां वयविश्व धर्मा छन्न । बाली वर्षा इंदर श्राप्त अधिक इरेशा देशत गराफ क्रेबार जिल्लाम क्रेएक्ट्रा व्हे व्याप्त विकाशमध्ये शाम ১ । ১२ वरमव बहेन गर्भ हिन अ महाबा शास बहेबारक किंव अहे छुनेव का भन मर्था देशांत्र रकान केंद्रिक किक नृष्टे दर्श्य नी। ष्मावात स्वयुन, अक वरपत्र उप नाई, ए ह विष्ठाम्द्रत्र महिक्रेष्ट् औा छ ष'नकामाथ विद्रा ভূৰৰ মহাল র প্রভৃতি অব্যয়ে একটা ইংরাজী / "ব্রুক্ত विष्णांशय श्राणिक कतियार्डम । शहे अख, इ मध (कृत्रस्था केंक दिना'नार्यत हती ६ ज এবংসর প্রবেশিকা পরীকাস বিয়া মুটাই উতীর্ণ क्हेग्रा जानिग्राह्म । कि ह १९४व विवय छहे ए केश अ भवी ख अवर्शम के जावाग, क्रांच वक्र नारे। देशात अञ्चल छेबाछ ও विन्हान्त्रक महाभारत्र व्यद्रि मार्थकेटा कि टीहान अना एत. अधार शाब, उ नविधास्त्र कल वर्ष र

खेनमरहारकारम भीत्रीकारत निकट निवनन अहे (र मात्रवाच रहेवा जिलकाका कार्यया छन्। श्वेबाद नाम २०१७ । होकात अक्षे स ताः **কার্য্য উক্তরূপে স**ম্পন্ন করা অপেকা ঐ টাকা ব্দান সংক্ষেত্র করিলে ভাল হয়। আর প্রব্যেক্তির নিক্টে বছবা এই, ভাগাদের বিশ্বালয়ে দাহায্য দান যে বোন কোন খুলে क्षित्री बाबुत विकासाद्वार कार्य मात्मव मनाव निव कि किएक कि कि कि कि कि कि कि कि मानक नार्षे ।

এক জন দুৰ্শক।



মান্ত । কলু এই কলিয়া মিড়ালিখিত করেক नै कि बाननार जगहण्यन पश्चिका भार्य छ।ब न'म किया वा दह क.यावन !

३३ हे दिर्वहर अञ्चर्धा नेक ३३ भूतिकात बाजाहरूव वर्षकाञ्चित व क्लान छ। ज जुल्लाः । नमस्य जिन (भ , कार्क छ। व्यक्ति स्वाहान मन्न शाहेरू हुन । अहे मधूनांत्र (मधिना नशके ती। डिएमा अतर शास्त्र केंग कर विकासात्र महत् मध्यम छ एत भाषाच बा. न स्य विकास कर्मन र्याटक काभियातिका । वालिनाश्रम्ब बिटन ने छ, बूचि द्रावर्षा, जार बछः श्रुविष्ट हरुनी पर्वय भिन्न रेमल्ब, प्रमृत्य मर्भ हराव बन दिनीय नि (डाव था ख इर्नन । भरोरा कार्य, गत्नाम इहेरज, । बन भारती कारणकेत हैं व थंड ग्र**ंड्र** छव कार्छ-भन्न मन जिर्दाहारत की गुकारांच रिक्स प्रक प्रधा-পাণ্যায় মহাশ্যের বাটাতে গমন ব্রেম ৷ তথ্যয় ত্রনি বর্থ বিহিত আত থ সংকল্পকরিলেন। মিং ·य-नगार्श होत अखण्य नह कामनीशासद महिष भाष्कारकाव सामनाय केहानियात निवास প্ৰন ক্ষো দেখিলেন, ভাঁহারা একট্রাভিড व्हेब्रा काञ्चरां उनक् प्रकृति का नामन श्राष्ट्रीका क वर्षा द्वारा प्रवास मार्थ .मग कार्ट्य होत्र वालिका, उन्नाजरत्रत्र निक्छि-अंदिक नम् अवाष्ट्राद्य कार्येया नाम । कार्याद्यक्र धनन गाज. खीरनाकित्रियंत्र करमयर। जानप तम भाष्टे धाडीद्रयान परेएड ला निल। किछ ययः वाष्ट्रमा कावा अवर विश्व का मनीशन हे जा খী ভাষা জানেন না বলিয়া ডিনি বংপরো नां छि इश्रीय इंदेशन । क्लाफ वालिका विशा শণের শিক্ষরিত্রী ভাষা এই অভাব পরিপুরণ তইল। মিসকার্পে-টার নিম্ন লিখিত ক্রপে সমা-कृष्ट होरिनाकनगरक मरबादन कविता केशिए माकित्वन " जांब्र कुमबीगना जांबि जांबा मिर्गन विवय यात्रा व्यवन् कतियात्रि, खाहा मध्य कि ना पहरक मर्पना किशाद बक्ष्य हिंच विनाष হইতে জাগমন করিয়াছি। একবে জামার गरमर मुद्दीक व स्वेल, अवः त्यामानितन द्वारत ভীক্তা ও স্বাস্থাৰ অবলেকেন কৰিয়া প্ৰমা-জ্ঞানিত হইলাম। ভোমরাও কি আমাকে দেখি য়া ডক্ৰপ স্থোৰ প্ৰাপ্ত হইয়াছ ? ৯ এডৎপ্ৰবৃদ্ধ काविभीतन जास्ताम क्षतान कविद्वा भव, मिनका ির্ণেন্টার একে একে সকলকে জালিখন ও চুৎন े करिरमान अव " (प्रक्राप्ती स्वतनीत नाम नम्मू भ-बिन निरामनाक के किए करेंग्रे बार्ग्यक बहुम हुधन वर्तिद्रास्त्र कार स्टाप्न नाहे। उपाहन

महि। उद्यान, किन अक मरुक्ल्य अहन करिया-हिम। जिमि वामना जाराय अरः जारकरशीय तमगीनान इंश्याब्य अवात पाक विद्या शबकीय অনেক পঞ্জিঞ্জ ক বলেন। এই অভাৰ দুবীকর-গার্থ ডিনি জীনন্মান বিদ্যালয় সংস্থাপনের लना गवर्गमार्के अन्याव कवियादका। कामिनी वन मनकारभन्ने। ध्रक संश्वामरवाद विक्रमानरव একান্ত ব্যবতী দেখিয়া প্রমণুর ব্বে কৃতজ্ঞতা अकान कांब्राफ का शतका। अवर कांबाब बारकर ভল্লমোদন করিয়া কছিলেন যে মাইলাগনের भी। उन्दर्भीय स नामास्त्रक छे एक व नामनाव তিনি যেশকল কৰম্ম করিয়াছেন তারা বাছাতে कार्या शतिबार हत्र, ए विवास वय कतिए हैं। हारा এটি কহিৰেন মা। মিদকাপেনীর অকপট ষ্ঠান্থে উাহাদিবার প্রশংসা করিরা করিবেন .হ ধ্ৰপরায়ণা ভগিনীপণ বিলাতে ভোমাদি-श्रीय विषय यात्रा व्यवन कत्रियाहिलाम, फाइ व मण्यूर्व क्योक्डा दिश्रा सामान किस्साख गरम प्र तिकत मा। य ममुगान छन वाकिटल हो वान्त्र क्रमप्रशास्त्र व्यापत्रवीच स्थ. (म मनगर्ड ट्यामाभिरशत कारहा जिल्ल कात्र किर्म य ध्रह (विलास्ड) अन्तिशबन कतिया अरम्बन्ध औरमार्कास्तात आहात वावश्व विमान विक क সভীত্তের বিষয়ে পারতর পাইয়া বে অপরিসীম गरक बनाज करियादिन छारा नार्याद्या काल काइट्यम । এই ममस्य कर्षां भक्षांम्य १३ । भग কাপেন্টর এবঃ ভাষার সম্ভিব্যাহারী মহোদ-(स्वर्धिमध्य क्रमांमा वक्ष ७ देश्वांक विद्यांक भद्रीका कर्त्रवार्थ संबद्धाम् रवाजी इरेट्सन। कि দৈবৰিভ্ৰমা কে খণ্ডন ক্ষরিভে পারে? পথি নধ্যে বিদ্যাদাগর মহাশবের বলী থানি অভ্যস্ত (स्टा ठानिष्ठ १६टन मक्षे चानि क्रिनिया भक्ति। छुउदार विनामानव प्रभाव मिर्ड পতিত प्रतिम । जाहिकमत्रम ७ छेटडा मार्ट्स अवः अरबनीय च्या (मारक विकामाश्रम बहानबंदक किलालन कविता गांचाहिक लक्ष्या कवित्वन : বেশ্বপ গৌর্থবাদী প্রধাকর নীরম্বালে বেকিড হইলে আলোকমালা ভিৰিয়াক্তর বয়, তক্ষণ বিদ্যাসালর ন্যাশয়ের বিশাদ রূপ আরকার আ-त्यात्र क्षरमाम सन् व्यामास्य विस्ते व्यक्तिम । विमा সাগার মধানক্ষা ডীত অসর, সকলেই ইংয়াজী বিদ্যালয় প্রভৃতি পরীকা ক্রিয়া বংশযোগাতি সভাষ লাভ করিয়া থাক স্থানে গমন করিলেন। क्षिक्रिकी विमागाशह महामस विभक्षान হুইতে অব্যাহতি পাইছাছেই, আৰণ ক্ষিত্ৰা यद्भारताना छ का माहिक के हैंगान । ने बात के करे कृत्य रक्षत मा श्राकाश रोशांत मकाम गककि इव मिनकार्यकीय वीर्य मिनका बरेका अस्तर्यक्र জীকৃতি গাগনে বছৰজী পাছকৰ' একুং উ।কার বেডার্জী ভগিনীরা এই মহৎ ভার্বে,র ক্ষমুক্ত রণ করিরা ভাঁহার ন্যায় অসীম যশোভাজন কইতে চেক্তা ক্ষমা।

কলিকাজার কালেট্রী আফিন ২৭ এ ডিসেম্বর ১৮৬৬

উত্তরপা'ড়'ব। সনঃ

মান্যবর প্রাযুক্ত দোমগুকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

न्वित्रय निरंबन्त्रवित्-

সন্ধানক মহালয় ! ৩ রা পৌরের সোমপ্রকাশ পাঠ কবিয়া কামবা আহ্বানিত হইনাতে।
আমানিবার দেশের অহুনেয় খে আসার ইইনাচে
এলস বোর হউনেছে । আপনি লিখিন ছেন
"কাশীবিদঃ" হ্যানি এ০ নামে একখানি সংস্কৃত
মানিক পত্রিশা, প্রাশিত হউরু ছে এবং সংস্কৃত
ভাষাক অর্থী লন উলোধেই ইঙাব করি হইরাছে।
তুলবানি কল্ ত কা লিকো নামে এই ভাষা ওল
কাল মানেই পুন্যজ্বল ইইয়া উঠিবে, এটি তার্ন
পূর্বিদ্ধান।

चामता प्राचित इहेलाम (भागश्रकानकार्वव मपुन राक्ति व এই मप्रश्रुशित छै : माइतान ना कतिया विभागे व मह शकान करान, छ। हा छ। छ क्षारकत्र निगय। नि। ध्यारकन ज्यात किছ मिन বিলয়ে এরপ পত্র প্রকাশ করিলে ভাল হইত। अकर्ण देशंत्र ७७ व्यक्ति ध्रेताः मञ्जादना माई। কিছু আমবা ত বিলয়ের কোন কারণ নেহাডেছি ना। अकरन अ क्रांचात्र ठकी कत्रिक क्रांचार्कर व अ इरेब्राटइन, मश्वाक्षणक कालानिद्राव विक्रव **E भकादी इहेर व मरमाइ बाई। स्वधार**न खेशना সম্ভাবন' আছে সেখানে আছক হটবে না, আমঃ দিপের এক্রপ প্রতায় লাই। সং ৮ ত ানা সকলে नुबिर्फ माहिर्दम को अभरत । या १४३ व्हर्फ भारत बर्छ, किन्न छङ्ख्य स्र. भागारशय वक्कवा अहै, मन्नाक्ष्य यहि भाष छ . विदिव नाम्न यारिका माथ जाश्रमा करतम गत व मान्छ। नभी होन बढ़ो, किन्द्र ब्रह्म ही यमि भागा अध्यक्ष रत करा माराहर माराद्वरण अपन अ जानत नीय हरेरद मरक्तर कीरी। अञ्चलपर्वत मान दर क्ष ७ (३) अक्टने ज्यानक्रे वृक्षित भारत्य। कामता क्यूरहार कतिएकि मन्नाहरू (यम मत्रम

(.) কাশীবিদ্যান্ত্বাদিবির দ্বিত্ত, কর্ প্রেরে ন্যার নয়, ক্ষমিকতর প্রধান্ত। বাঙ্গারূপে সংজ্ঞ চর্চাধ উপক্রম সাত্রে ইইয়াছে. এখন কালীবিদ্যান্ত্রানিবিয়ে সমূপ পত্রের ক্রিক গ্রাহক

ভাবে রচনা করেন ভাহা হইলে অনায়াসে কৃত-কার্য্য ইটতে পারিবেন।

আনহা বিশ্বয়াপন্ধ হইলান আপনার বতে
ন্ত্রীনর্মাল করণের কাল উপস্থিত হইয়াছে কিছ
সংস্কৃত পাত্রকার হর নাই। ইহা কি আপনার
পাঠকবর্গের সুসক্ষ বোধ হইবে? যে দেলের
(ভার চবর্গের) পুরুরেরাই অন্যাপি অলগ ও
অধুবল্ধর বলিয়া বিবেচিত হইতেনে সে স্থানের
ব্যাণীগণের উইকর্গান্ত অধিকতর স্থাবার্তী
এ কথা কি অযথার্থার সে বাহা হউক, সংস্কৃত
ভাষা একটা জাতির গৌবব ও প্রাচীন্ত্রের চিপ্প
যে কোনরূপেই হউক, ইহার পুনুক্তরতি আমানি
গোগ প্রার্থনীয়। আমরা আক্ষাদিত হইলাম গ্রণ
নাই এ বিবর্গা দৃশ্রিপাত ক্নিরাছেন।

महन्त्रीद्भवे अञ्चनवन मह, क्षित्र कर्डवा वीम এমন হইল তেবে আমরা আপনাকে একটী অস্তু-(बार करिएक भारत, प्यापना प्यापनाहक रवज्ञभ জানি ভাষাতে এ অসুধোধনী আপনাতেই বজে : দে অনুবোৰ্টি এই--আপন্য বিধ্যাত সোমপ্র-কাশেব কিঞ্ছিৎ স্থান সংস্কৃত ভাৰায় ভূৰিত कक्रम (२) खांश इहें इन प्यतकाल मह्याहे जना मिथन अभागी अवस्थित इहेर्स जन्द गरम् ए जावा !! कार, आदिव (व व्यंजीव (वर्ष) बाम्र खाहा छ ধাইতে পাবে। এবিষয়ে আপনান শভ্য तात्र क्रेबरवर मधारमा माहै। छट्ट अञारीहर কবিতে পারেন-ছে সোমপ্রকারেশর স্থান নাই। स्थान कतिया कहरू कि नाता गाग्न मा? एउ **टिटिय उट्ड नहां विद्यार्गत क क्यन क्यन** क्रकिक्षिक्कत (अ.तेष्ठभाज कि क्रामधकार्भर পুঞ্জিবাধন করা হয় না ্ সেই সেই স্থান সংস্কৃত ভের আন্তর হটলে ভ কোন হ'ন দেখিত। ছ मा। এ जन्मसार्धी जानामितात मन्न छना छन। আমৰ ভাৰৰ কৰি আপনি এ অনুৱোৰ বগা স্থায়িয়া কগথকে উপস্থানিস্থানে বন্ধ কংগোন। काणमारक ज्यांत धकरा निग्नय कतिएक घरेरव, भग ্বল হইতে প্রপ্রেষ্টেক্টা সংকৃতভাবাষ এ

হটবার সম্ভাবনা নাই, পাচে সম্প'নকো ভাগো।
সাচ হইরা অবলবিত বিষয় পবিভাগি করেন,
এই জালায়ে আসরা কহিয়াছিলাম, ঃ কিছু নিন
পারে আবস্ত ক্রিলে ভাল হইড, কিছু সম্পাদক।
দিলেব উৎসাহ ভঙ্গ করা আমাদিশেন উদ্দেশ্য
নয়। ব।

(২) আমরা আদ্পর্শক এ শহরেষ্টা । বাহণ করিলাম, বদি জন্য জন্য পাঠকগণ বিরক্ত না হন, আমরা অক্সরোধ রক্ষায় ঘরবান । হইব সা

नक्त शब्द (ध्वत क्रितंत त नम्छ वश्वास्त एंगेज व्हेर्य। भाषा व्हेर्ण भारतक छे९माव ध्वा श्र व्हेर्यम ७ मण निर्मेरन केव्यक्ति स्मृत्र क्रिया

গংকুত পত্রিকার সংবাদ পাইয়া আমাদি— গেব সুভূচন জামরাছে, এবং আমরা এহনেকু চটবাচি। কিছু কোথায় পাওরা বায় ভাষা আ— মধা ফাড (৩) নহি, আপনি অসুনং করিয়া

১ ৮ ই পৌ.ন কশ্ব চিকেনেশ্বাসিনঃ । ১২৭ ১ ।

মান্যবৰ প্ৰিযুক্ত সোমগ্ৰকাশ সন্পাদক মহালয় সমীপেয়।

' সবিনয় নিবেনন্দিং---মহালয় ৷ আপনাব ১৭ ই পৌৰের সোৰপ্ল कात्म करिनां छ है दाली भर कृष्ठ विन्हान द्वित्र ष्ट्री बोबक श्रास्त बर। भरीकाग्र देखीर्व इहे-য়াকেন এই জ্ঞাত প্রখাবহ সমাচাব পাঠ করিয়া ৰে कि गर्य । ज्ञा का लिख इंदेलाम, खाहा निविद्या কি ব্যস্ত কার্ব। এত দিনেশ শব আমানেশ मत्न अक्रुण विकास छ जिल्लाहरू ६६ अभनीश्वर सामा .पद्म अहे ३ ट छोत्र, भभारकत <u>अ</u>खि **स्र**मन क्हे-ब्राह्म । 'डाइ' एडहें এই 'अकु उधु में घटेन। प्रक्र याद्भा महान्य ' प्रश्राचन कथा कि कविव जात्रक वर्ष भवर्षिय हेत्र काश्यामान थया अवर्षतन অব্যবহিত পরেই এদেশত্ব কতিশর বিদ্যালয়ানী भरमानस्मानगीतक यश्च । व्या वर्षे क्यूर्य একটা সাহায় কৃত ইংয়ালী বাজলা বিদ্যালয় প্রভেক্তিত হয় ৷ কারক জন স্থানী নিত ব্যক্তির कर क डिक दिर, भरप्रत छर्दिशास्त्रत छात्र भम-পিশ্বইশ, তাহাণ উপযুক্ত শিক্ক নিযুক্ত কৰিমা বথাৰী জ শিখ কাষ্ট্ৰ সংপাদন _কাইচুকু ला जरलम । भर्त भरत भाजनादा छेपश्चिष्ठ থ কিয়া ভত্তাব্যান ও বাস চিন্তার পাঠ। বিষ यत पत्रीयाः शहर कर्षिक कविद्यान । এইরেপে। কছু। দন কার্য। চালিলে পর দিন দিন चित्रतेमात्त्रम् **५। ज म**्चं इं कृष्ट **अर्थ भएक मह**क ब्दाश अबि इंट्रिंड मानिन पेनवार अक्फी अब्र ख बहेन। छिना इव ६ अब्राट्ड व्यवस्थितिय প্রপর মনোভঙ্গ হুইয়া গেল। প্রভরাং ওঁ ধারা আব সেই ভারবহনে সমত হইলেন ন। ।

জনতের জান,ক গনর। শ এটা জ বালু গোলোকনাথ বোৰ মহাশয় উজ বিদ্যালয়ে ই ধাৰতীয়
বাষ ভার ও তশ্ব বান ভাৰ সহস্তে গ্রহণ করি
(১) বাশীতে ব্রু গঠেইবেই ২২বে। সা

विषयी स्थाक: डाँशांत मा चार्क अवन्य उनी भारह उद्यावनाम कम्छा, सुराता विन्तानरसा अध्य खारत होन स्था जिल्लिक संदेश ना भगना क्रिस क्रिन होज भर्थन क्रिया शहरा वाशित। फिल्मी (य महाधिकिन्। बहेग्रा अहन्त्य । ५ उक्रांम নায় 🖄 জ ঘ'নকানাব বিনাক। মগাশয় অংশতি ছিড উন্তিশীল একী সংক্ত বালো[া] विकार को देश - भारति बाली महिला महिल रमाञ्चित स्वक्षा पर भार १वर डे.जि.चेर वालना । बान ह छाउनिका भवीकाग्र छेन्छीर इंबर्ड भारत বিসালায়ে: ৬'এ, সাংবাহন লোক লাগৰ, শুপাসন | নাই : ইনপেটর ও ছেপুটী ইনস্পেটর ইহা लंदर प्रदर्भ के भा उद्देश मध्यात्र अर्थ भि ।। (म देश एक । बर्गाल में जिल्ला किया भारे के विचित्र व त वक्ष प्रतिया आधार होता माहास कार्यन कवि লেন। নাহাযাত প্রহাত ছইন। জিনি কৃতন শিক্ষর ও প প্রস্ত নির্বন্ধ করিয়া খহন্তে সমুনায প্ৰজ্ঞাৰণাম ভাব এছন ক্ৰিলেন, এবং বত পৰি আম স্থীকার কাষ্যা নিয়ুদ্ধিত দিনে।বৈগ্লাপুর পঞ্জিত হট্যা বাহাতে বেদনালয়ের আন্ড উন্নত ট अप्र काष्ट्रां ३५**४। क**िएल अप्राज्यता प्राप्तना भारतेकि उकाल १९४० वृद्धि गरेए मात्राम क्षात्र इस गारमर नर्स छेकात श्र कीच्छा भः विक्रि क्षेत्रा व्यात्र वृद्धि स रेजनियम क्षेत्र के नगुनरभाइन इडेर्ड माजिल। शास्त्रांक वातु विमास्थन महा महाप्र प्रशादनांन करन शुनवाम क्रीवृद्धि श्टर्डर्ड ৰেবিয়া জননি হাঁছাৰ সহিত বিষাদ উপস্থিত क्षित्वम । विकारिक्षण भ्रामय (क्षिक्टेक्स्य), व्हिन विद्वाद कतिर्वन (कन, जालन विद्वाल पुषक पर्वत्वा वहेशन।

জীবুজ বাবু পঞ্চানন ঘোষ মহাশ্যের বার্চাতে জিলি একটা ইংবাজী নংফু ত বেলালয় স্থা পত : ক্ষালিন তিনি ব্যন্ত ভাল ভাল লোক **श्रिक्शि निक्रक निर्देश क**िवामन, अवर अग्नर क्षा किमिन विकार गर्द भवन ७ उद्यावशाव क्तिएक व्यक्तिम्बा चिक्तदांत्रकात्र चिकाराम रैमनुर्भः अवर खाँश्व भाखनिक यस ७ खवा 🕆 थान छटन व्यक्तितित ग्रांशहे ऋटनव विनक्तन क्रिकि स्टेब्रोट्ड। इडी वालक श्रद्धानिका श्रदीकाञ्च উন্ধীৰ হইয়াছেন। সুভৱাং সাহায্যকত বিদ্যাল इक्षेत्र व्यवस्था मणेन कानेग्रा का'मार्टन गरम अहे हों दे अपने अविश्वादक, यह किन मक्तर ने विकासित । ,, ३५ ५७ मदबबन करेएक ७१ आहे सेन्स्र. 🗫 भिक्ति । अर्फ दिया । ने कक नियुक्त मा सहैर्सन 🐞ছ.দিন কোনরপে মফসল বিন্যালয়ের চববছা 🖰 कुंद्रब्रीके क्वेट्रय मा । विकारकृत्र महाभारपुत्र अहे क्षां क्षेत्र करिया लामारमञ्जात है नश्या प्रारही क्षान्य महेबार्ट। १ गरन क्यांनीयरवर निका mentale at feela र क्षांभारक किन्त निज्ञ

এলন। গোলোক বাবুধনী এবা এক জন মন্ত | দীৰ' গ্ৰীবী কলন, এই কভালা; সমাজেব শীল हेन के रहेवाद मध्मिक मञ्चावमा आहि। जिल्ला विভাগের প্রধান অধ্যক্ষকে একটা কথা জিজাসা এবং বাজপুৰ বিদ্যালয়ের বর্জমান সমুবস্থার বিদয় याना ना कतिया अखारवत छित्रश्रात किर्छ পানিশাস না । প্রায় ১৩। ১৪ বংসর জাতীত চুট্য'ড়ে নাজপুৰে সাভাষাকৃত বিদ্যালয় প্ৰতি क्षि व वरेशादव अहे भीषां कारणत गरण भवनंदबर हेन अहर वा अधिकत होत्रह. विस धन्त्रे अ चहरक (मिथ्यान्ड देशेय मश्राथम ८०छी म' क्षतिया कि विरयम्मा कविशा (मानावलयम कविशा এাছেন, বলিতে পারি লা। জালার। কিঞ্জেও कि कोरान एवं डोल्य विद्यालापूर खिंड भक्-भारती, छाइ। जाम ने व्यानक विष्युत्ताः करिया ० चित्रिक शहिएक इ.स.। शकरन खाँका मिनारक किकामा करे, वं शहा जाद क्छ किन शवर्ग्य-्षेत अर्थ अन्तर्भ वस्य क्वित्वन ? उँ। श्रद्धा धानि **এই क**िन्द रिम्होन्स छेरमाइ नावि रहत करतमः भीखरे देशएक मनाबाम् (पशिएफ भावे (नन। यहाँ नव । विकास विकास दिवस वार्य वार्यकान a रक्ष'व विषय वर्गम कविएछ श्वत्य विदीर्ग इकेटफट्क. (प्र याम अ मार्डे (प्र व्यट्यारत अ मार्डे । क्रिक विद्वार सदमय भूतिकम बाजिन क्या इक्या शक्तिकथाम इन्यारः । विशालग्रेमे अक् नानामजुमि जाजग कविद्यारह । ब्राजनश्चा नम्बद्धक क्यान इहेग्रा शियां हि। भिका ७ विन्, तर्यव स्नृश्वाहि ইহার অন্তর্মণ হটয়াতে 🕡

बुना व्याधि ।

3:-

শ্ৰীৰুক্ত বাৰু উমেশ্যক্ত মন্তল PEPI ১২৭৩ অগ্ৰহাৰণ হইতে ৭ঃ কাৰ্তিক 10 कीशनाह » জীনাথ রায় 9 » विभिनविश्वति भन्नकात **ভ**টান ১२१७ जवसायुन स्ट्रेटक १८ कार्किक 30 ৯ ব্যুরান হাজীয়া পাত্রসাগর 10 বীরভূম महत्त्रम श्रामन १४४१ बांचुराति स्टेट डिट्रिश्व 30 (मनिने श्रु গ রাজকুক রায় চৌদুবী ३२५० शास्त्रेष्ट १८ क्याहारान 190 ⁴ কেদারনাথ মার্কাডা वर्त्रमश्र

म जगवर्जी हजन (पव ১২৭০ পৌৰ ইইতে ফাল গুন V4 . ------

> নোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা विर्मिष निश्म।

অগ্রিম মূল্য ও ডাফ মান্তুল না পাইলে মন-वटन । महाकाल (श्वन वदा य.व ना।

हेश्य अक्षिम भूता व्यक्ति ३० . . . १ वर माना-निक ।। • है।का. यनचटल छ।क्यासन मरमक वांतिक ५७, बांग्रानिक १ वदर देव्यानिक ७५०, હિન શાંદ / વ જ્યારન અહિમ મૃત્યા લ હન્ના પાસ ना । হু: গু. বরাজ চিটি, মানজড ব, নোট, ও স্থা প हिंकि है. इहाव जान। उन्न बाहा दि पाहात अधिका হয়, তিনি সেই উপায় ধারা মূল্য প্রেবণ করি বেন।

योश्हा क्षेप्लिशिकि भारे।हेरवन হার। যেন এক ভাগবা আধি আনার অগিক भूरमाय ও द्रमीरान्त्र धिकिने श्रायन न। कर्वम । वधन विनि मक्यम व्हेएड (मःभक्षकार्यव

मुला भाष्ठाहरवन, खादा एवन विकिन्ति करिया और क बादकारा व विष्ठा छूपर पत्र बाट्य शाठा देश

. धौर्शिक्तित भूना कियोत नमम का शेष्ट दहेश. व्यक्तिरंग, अक बात शूटर्स डीशामितर है दिनि लिथिया कानान याहे(त. काल अडीड स्हेग्रा शाला अकवात किंकि ताथा इहेरा, साहाय पर এক মাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বন্ধ কর वाकेट्ब । ब्यय कारवज्ञ शक्त व्ययक्तिक शाठीन स्रेटन ।

भाषका जनश्रद्धत्र मानाभूत्र हिन्दनत् जांक ঘত্রে চিটি আইলে আমরা নীত্র পাইয়।

बैं। होत्रा बाक्टन मा निष्ठा भडानि ध्यत्रन कवि (बंद, क्रीक्षितित्र मिहे श्रेडांकि अर्थ करी याहरूव मा। ^

(क्र. जामश्रकारम विकासन निर्फ हेफ) করিলে ভারাকে প্রথম জিনবার প্রতিশংকি 🗸 बाबा छार्श्व शत /> बाबा मिट क्हेर्रि । विभि अविक्काम विकायन विवास देखा कतिरदन ভাগার সহিত পাতর বন্দোর্থত হইবে।

এক এই পত্ৰ কলিকাকাৰ দক্ষিৰ খুৰ্নী নাতেলা বেকঞ্জের লোকাপুর জেলনের দক্ষিৰ চার্নুজি-ल्याञ्चल जीवक कृष्टिकानाचे विवर्गक्रवालक ৰাচীতে প্ৰতি নোমীয়াই আকাকালে প্ৰকাশিত

मायका

৯ ম ভাগ।

5 तर्वा

" प्रवक्ततां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरस्वती अतिमहती न श्रीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ টাকা অগ্রিম বার্ষিক ১০) টাকা অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ টাকা।

मन ১২৭७। २ द्रा भाष । ১৮৬१ । ১৪ हे लानूबादि

' মক্ষলে মাস্থাসনমেত জ্ঞাম বাৰ্ণিক ১০ টাকা যাণ্যাদিক ৭, ও ত্ৰৈমাদিক ৩০০

বিজ্ঞাপন।

,गरुत कित्रकांकाव वक्रवांकादि आमात्र स्य বাবেরী গদি আছে ভারার কর্মকার্য সহক্ষে আবা হইতে এই নিয়ন সংস্থাপন করা ব্টল যে, कुछ। इंस्ट्रांकि यथन यांशे (य उदन धरिक कथना दिक्य एहेरवक, छाजान वावज वसन त्य विहि ও এশ্যেক ইতা:দিতে দম্ভখত করিতে হট বেক ভাছা জীবু জ কৈলগেনাথ প্রধান, জীকু कानीनाम भारक व विश्वष्ट धानहरू धान এই তিন ব্যক্তিৰ মধে যখন বিনি উপস্থিত शकिया जामात न'म रक्ताम के नक्त मस्थ्र कर्तिर्वन जाहा आमात वीयक्टड ब्हाइ शन्। इटे(वक, देश जिल्ल अभव कान क्यांकावक कि দালাল ইভাদি কোন লোকে ধনি কোন রক্ম चित्र वा विकासित कांग कि कांग बिका श्युबंख करत्न, खाहा व्यवाता इहेरवक, अवर তাৰ ব্লোম বুক্ষে দায়ী আমি হইব না, আৰ ঐ কাৰ্য্য-সহত্ত্বে আমাৰ যে কোন রক্ষ্যেৰ পাওনা টাকা ভাষা সেই সকল টাকাৰ বাৰত চিঠির পুঠে গুয়ালিধ বা দিয়া কিছা উক্ত ভিন বাজির मर्ध्र कान या किन्न मछच्छ तः मृत्र मा महेना क्ट कान होता ज्यात कान क्कीवातकविश्वक भिर्म किहा जाम'त्र (मना छा मात्र कान किछिएछ উক্ত তর্যজ্ঞির মধ্যে কোন বংজিব দপ্তথতে याकत ना रहेरन छाहा खाबात जाहा नरह, दवर আসি ভাছার দারী হইব না।

द्धिवादकामाथ मित्र।

-:0:-

প্রীযুক্ত রামকমন বিদ্যালক্ষাব প্রণীত
"প্রকৃতিবাদ » নামে একখানি অভিধান সংপ্রতি
মুক্তিত হইয়া সংস্কৃত বঞ্জালরের পুস্তকালরে
ত ভাষাবিটোলা মাখনওরালার গলিতে
প্রীযুক্ত ঠাকুরদাস মাষ্টারের স্কুলে বিক্রমার্থ এ—
স্কৃত আছে। ইংাতে প্রায় প্রত্যেক শব্দের বু:—

পত্তি অর্থাৎ ধাড়ু প্রভান্ন সমাসাদির উল্লেখ করা

मूना ६ नें ह होका माज ।

ভবানীপুর লগুন মিদনার

সোগাইটা বিদ্যালয়।

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রথম পরীলা ছাত্র প্রস্তাত করিবার নিমিন্ত আগামী ৭ ই আগ্র-রারি উজ্জ বিদ্যালয়ে বিজীয় বর্ণের একটা ফান খোলা হইবে । কালেজ ডিপার্টমেন্টে সাম যুক স্কারনিশের পরীকা গৃহীত হইবে।

রেববেণ্ড ডবলিউ জন্মদন বি. এ

'' স্কে, পি, ফাইন এম, এ

'' স্কে, নেলব বি, এ,
ইইারা ঐ বিদ্যালয়ের জন্যাপক।

ভবানীপুর লগুন মিসনবি সোসাইটা বিদ্যালয়ের কালেজ ডিপাইগেণ্টে এক জন সহকারী লিককের প্রয়োজন আছে। অন্যান্য প্রাথার অপেকা কলিকাডা বিশ্ববিদ্যালয়ের ছাত্রকেই অন্যেন বিনামীত করা হইবে। রেবরেগু ডবলিউ জনসন বি. এর নিকটে আবেদন করিছে হইবে।

তন্ত্ৰিদ্যা।

क्षणम थस कानकार।

জীয়ক্ত বাবু থিকেজনাথ ঠাকুব কর্ত্ত্ত প্রণীত। কলিকাতা বাক্ষসমাজ পুক্তকালয়ে বিজ্ঞান্ত কাচে। মূল্য এক টাকা।

---:0:---

নীলামের দারা ভূমি সম্পত্তি এবং নীলকুঠি বিজয়।

১। छविशां ज भाग वांब्राणिया सामगदरभद्र

অবর্গত সমস্ত তালুক পত্তনি দ্বপত্তনি তার্ক গোএম কানুন মহল ধাবদা রুতি মৌরসি জমা এবং পাটাই অমী ও নীল কর্ম চলতে পারে এমত আট কুঠি ও ছোট ছই কুঠি ও নোকান ক্ষগঞ্জের ছইটে উৎকৃষ্ঠ পাকা ঘর, সমুদ্য ইষ্টেট এফলাটে অথবা পুরিলে পুরক পৃথক লাটে প্রকাশ, নীলামে বিক্রয় চইবে।

২। সন ১৮৬৭ সানেব ১৭ই আনুয়ারি বৃহস্পতিবাব দিবা ছই প্রচর একটার সময় খাল বোয়ালিয়াস কৃঠি যোকামে নীলাম আর্থ চইছা যে পর্যান্ত সমুক্ষ বিষয় বিষয়ে না হয় ভাবত প্রভাহ ঐ একই সমধ্যে নীলাম ছটবে।

১। এককালীন সনুদয় নীল কানসবন অধব।
সনুদয় জনীলাবী কিছা ভালার কভজাংশ আপসে
বিকয় বিয়য়ক দয়ধাত ল প্রতাবাদি ১০ ই জায়
য়বি ভারিখ পর্যাত গ্রহণ করা মাইবে।

৪। জগব রুতান্ত নিমু স্থাক্ষরকারির নিকট ভব্ত কবিলে জানিতে পারিবেন।

> জ্রীমে আব, চি. হিল সাহেব বালকোর কোম্পানির বাটী কলিকাতা।

विप्रदेशक निश्च ।

১। শে ব্যাক স্বাংশকা উচ্চমূল্য ভাকিবেন ভাহণৰ নিকট বিজয় করা যাইবে। কিন্তু প্রভেগক নীলামে বিশ্বের দিন্তার কর্মাধ্যক এক ভাক ভাকিতে পারিবেন বিজেভার অধ্যক্ষ প্রভেগক ভাকের উপর যে পারমাণ রন্ধি ভাকিতে ফইবে ভাহা অংধারণ ক্রিয়া দিবেন । যদি ভাক সহজে কোন বিধােগ উপস্থিত হর ভবে ঐ বিরোধি ভাকের পুর্নো যে ভাক হইয়াছিল সেই ভাক ছইন্তে পুনবাষ ভাক ছই ব। কেত কোন ভাক ভাকিয়া ভাগে অপক্ষৰ কি অধীকার করিতে পারিবেন না।

২। মে মুলো ভাফ সাল্যক হা ভাষাৰ চকু-পাশ্যেক একা পে প্ৰি।ৰ ভাল কৰা বি

वि, शरीत अमाभात भित्तम अव वर्ग त्र त्र प्रवेशका मीलात्मव क्रिय अवस्थिक ন্ন নত্ত্ৰ, পৰিশোৰ কৰিছেন। সাহ, না ক্ষিপে । ीलाम प्रकट किएडव (म निका स्थान क्रिया एक इति । बहाय विद्याखात देशेरवा ४०° रहत्का सञ्च कालहन र अनामा वीपार रिक्रक राज्य आडला सं करिया धुकेसा यः । य १ विद्या १ (१८मा कियोग विकास अथम গুণ্ড নং (ব) যে মৃত্য, কৰি বা পাঁড (ঘণ 13 प ता किए पानियाँ स्वा निवासी के भूगोत् अवश्वाकात्म प्रदेशकांवान्तः । ॥ '

ीय ति । इन श्राह्मणयाः **सञ**्चन व्याह्मणः वेट १ छ। आक्टरमा (वि । ट्यून पहला है जा । भाव उद्दे समञ्ज (नदास कावन दहेश अकर्णा । लि, श्या जिस्का।

বোম্পানিব বহুত্ব প্রহাতাব নিকট সন ১৮৬৫ সালোসপথ বি পরিশ কবিবার সময় ত্রিমার मम्पूर्वताल एककिक उन्हानता इर्वा हेन व्यक्तव वृक्षर उ व्हेरदक स्थ विद्वारक । म दनन প্রাপ্ত ইইবাট্ডেন, ওফারা ভাষার এপাত্রিব সম্প্র अर्भ अञ्चान अवः स्तिक इहेश्वा इन, अंग्ति। के मण्डि महस्य श्रीशि द्यान भाग थे. আপতি উপান হইবাৰ নকে।

ম। খাবদা সম্পত্তিৰ হস্তান্তৰ কৰণ গ্ৰা । দাৰ বিভ্ৰেডাকে দিবেন। লিখিত পড়িতের মুখান বায় মূল দলিলেছ इंख्याबि स्थातक त्रा र का भनुष्ति व दमनाय । अतुर विकय इंडेर्वक । क्टिवन ।

e। গত লি দংগভান গ্রন্থাত স্থানিটোর মিকট লওখ চইয়াছিল তাহালিকে মান হকি গ্ৰেষ মলিক জন্ত ৷ চান তংক্তিকাৰ ঐ সমস্ত : भौकात क्षिएंड व्हेर्टिक ।

ভ। বিক্লেডালিনের জননান বিষয়ের সহিত क्ष त्यारश १व दिसग्न विक्य इत्र कारोत म्खाद्य ज विट्रम्धा जानन इट्र वा चित्रन । (व वज्र नामा-म करल निक्रम करा बाईदिक उपरांत मेलिन विक्र ্ষ্য পরে যিনি ভাগিক মূল্যে খরিদ কবিবেন. ভাষ্থিনি প্রধান খবিদদার ছইবেন উহোকে ' गमरान त्या भाडे (क्य अवर विद्वार दा अवीन ক্ষেতা এই উভায়ের মধ্যে দক্ষাবেশ বাঁহাব নিকট श'किएवं के जिल्ली क्षामाना, कांबलमान्ड एवंच धर्ममा भएक एक्सिएमद मिक्टे धक्त शब स्ट्रेग मूल সহলব্যাদ নিল করা ও ভাগার নকল দেওরাব अकवाद जिल्हिश निरंदन ।

৭। সম ১২৭+। ৭১। ৭২ স'লেব জমাওয়া ন'ল ব, দি কাগ্ৰেষ লিখিত যে বকেয়া খাজনা 14 বৈর দিয়ের প্রজাব নিক্ট পাওমা হয় তাহার 5: যেতে ্বিকেতা বাঙ্গল ইভিগে নিক্লানা নৰ্ম বিজ্ঞায়ৰ দিন চইতে ছয় মানেব भारत कि युवकित स्वयंत्र अञ्चलकात दिए स्टोरक ¹ .wran, १४० जे व'की श्रवित्माम्यव काविथ नि ि াছ দ্বোৰ ঘৰল দলিলা লিখিয়। দিবেন।

b । वर्ग्याम प्राप्तन (य श्रीक्षांना क्छाख्रत किट्न अभार निकृषे श. बना शास्त्र प्लाहात **मर**क সমস্ত্র শৃষ্ক্র। ১০ দশ টাকা ছিলারে মিনছ नार्व का ही अधून'स् धेका वाजाहर ५०५ ० भारतर э. ६ रेड क्र अमर्राणन किस्तिन भी घरा श्रीतम

३। चिक्का अस्ति। अभीत नार्मन चन्छा वा याहरू । जनहम्ब छ रांखरेशि नहर । जबसा वावड स मास्ट होता शका व जनाया हेर्ड्डान्स, क्यांबारणच मुन्तर धरा चित्रतारण वाम , लार्ट्ड मिकछ शास्त्रमा खार्ड खार्स निर्देशका कांत्रभावि (भरतकांत्र का दव कालिएनन कार्य । त्यक्कानुसार्य न्धित प्रक्रिय अंकार अंगरण वा शृथक-

নি-শন পত্র বে জৈইবি সম্পর্কীর विकाधनभद्ध।

স্থাৰর সম্পতিতে শহাপ্সন্থানের কার্য, সক্ষ বন্ধোৰত্ত কয়িনা নিতে ভাজনিতে সম্পূৰ্ণ কুহিশা কৰ্ণাভিগ্ৰায়ে স্বল বেভিষ্টবি কাৰ্য্য क्षमको हिल १मछ एक्टर काउँ, उन्हेंद्रका वादकरक अहे आहम करा शाल, रकान सांकि अवर के ममा अपना भरण होने नश्चितारक्ष्य (मुक्तिके'य करियाद समा निम्मेनमञ्ज देशकिए मुखारतस च अमारत .ना वित इच चाङाना लिन- । कहिरत तिहे म भ द व दिवर से छिशूरण (म भाज भिनाहार कार्यमाजा ह दा म भाषामा शिलाना (क्रिकिने न स्टेशाहक य न उपके स्थायमान मर्याक ধেয়া অপব সংলোগজনত প্রমাণ প্রদশিত হুইলে । ক্লিডে পানে ব তবে উপস্থিত নিল্লীন পত্নেব ভাষা ঐ সমস্থ পত্রি দ,পত্নি সংকাল্প ভাবং , প্রতি লিগী সংপ্রতীর গুড়ান্তের যে স্থচিপত্র अरुद्धत ও निश्रासन अण्यात अवस्था व लग्ना अयुना । (सथायात्र, एक कार्य, त्रात्क छात्राहक के महत्राहर খাবিদ ছঙ্য়াব সন্ধ দাং দুখে সন্পু ওহার নি । লিখিনে । তাহ। লিখিবার কোন খরচ মাছে বলিয়া বিলা বি প্রনি সভূতি ও অন্যান্। লাগিবে না। কিছু প্রয়োজনীয় বৃত্তান্ত নিশ্চিত ৮ন্তাবেক্সাত এ সদস কেছ এবং বলবং বলিয়া ; ৰতে আনিবি'ব আৰু তবেষ্ট্ৰৰ প্ৰাৰ্থনা ছইলে ্সেই জ্বেদ্পর খ্রচ দিতে হইবে।

এই প্রকাব কার্ম হইলে কোন পত্র রেজি 🕏 রি হইবাৰ জন্য উপস্থিত কর। গেলে ভদিষয়ের श्रुक्त (ब्रक्टिप्टेनि विषयक १,९२१५ छाना धाँदैत. क्रुब्तार हेग्रड छानिकाल एरनक, विनव छ সন্দেহ নিবারণ হইবে। এই কারণে এতথিষ্যে সন্মা।। পের সঞ্জাবিতার প্রার্থনা ইইতেছে।

প্রতিনিশি য়েজি সাব জেনবল ।

निम्न निचिक्त नहरूव ताहे हाराहेब्रा निम्नाहरू. যিনি আমাৰ নিকট অথবা গোমপ্ৰকাশ সক্ষা-महक्रम निकटि छैनक्षित्र कन्धि। मिट्ड शासिद्यमः हैं। हो देव रह में हिम होका भारति । विक त्वा य'केश्र

'ন'টেব নম্বৰ এটা—

<u>ሂ</u>ል የ ይ৮

८৯१८क बर ५०० ठोकात हिर २०० जे.वर

. 8642

2264

4 N F & 0

· 8 # 8 *

* 59 PS

• ५१७> सर ४ • होताव दिए ००० हे का अभूगंध ६०० हे कि।।

জীবিপিনবিধারি সাকাব ভূচান বাকশা স্বডিটিটের ইনচাব পুলিষ इंसर कार्य ।

নিমুখানসামাৰ গলি ১৫ নধৰ বাটীতে মংগ্ৰ ় শীত ও সংপ্রচারিত নিয় লখিত পুস্তকঞ্লি

| वेक्त क्षेट्डाइ— | * |
|---------------------|--------------|
| প্রণীত | भूतः |
| এীনইজিহাস |) हें। कं |
| রোমইভিছাস | 5 .* |
| ভূষণসার ব্যাক্ষণ | 1 🛊 |
| নী ভিসার (১ ম ভাগ) | J. |
| নীতিসার (শয় জাগ) | ٠ ال |
| প্রচাবিত। | |
| মুক্তবাধ ব্য'ক্ষণ | i n • |
| का बाल | เมาด พ-น์! |

आधारकामा स ल भा।

किन्रक प्रतार रेनम्भूब अभग्न सर्गि अक्क চা বুছা নির অন্তর্গত পরগণে মহেশ্বপালা যাছা কোনা মনোহরের **নি**ম্ভ কালেটর নাহেবের ভত্বেদানে ধানে জালে উক্ত পর্গণা রেথিয় বোডে র আনেশাস্ক লারী আগায়ী ১৮ ১৭ সাবের २। यति व दिवाडामा जिमा किंगानाक भारत-नाम कावर्गाक किंगा विद्यासमी भाजक ने एएट्स बालावस हरेशा बाक्ष किया (य काववाडे किंगा देशायास विद्यांक बाकिरव केंग्र दिल किंग्र कार्यांडे मार्ट्स

 । (४ क्वांत्र विकानन (१६वा: याईएउ इ खाकान वार्षिक बाक्य न १२ ६० ते र होका १ ३४ ५ ५ সালেব ৩০ এ এন্ডেশ পর্বাক্তর উত্তলবাদে বা ক ১७९५ 🗰 हेरका जन्महरू व्यक्तिरूप हेरका ल (भारत ज्यामात्र इहेग्रारह। १४७१। ७३ व मान्ड পাছে যে বাকি থাকে ভাগা ভাগায় করাব क्षमञ्ज देश प्रानाइयन व्यक्ति (क्लिया) याहेरव हेला-हानांत्र (गोर्र राजित घरईक कि गठ २६ होका महक्षामी बादन मन ३ / १६ म'तनव महन । व व हरी क्टब्रिक जे मछ नवभानी वाटन नम ১२१ ६ नाइनड़ भरिश कार**लके**, १८७ माथिल कविरास वांधा इहेरव । আনায় সৰ্যো সাকুল্য ব য় ইড্যানি উক্ত ২৫ होकाव मनागं धाकिल এवर बकान्न राष्ट्रका প্রত্যেক সম ইঞ্লারার হ'ল খালমার অভিরিক্ত क्रिएंड इंदेरन। य क्रिके देखां । स्टिशा चाँदेरन फाश्य जीमाना भवरमः। शतिकात्रताल निर्मिष् काशास्त्र महामञ्करकत् विहालका गञ्च कार्छ। व्यानाभी ১৫ हे क्वजन्त्राति वर्षाया हैहान महवा छ ब्बना परमाइरवंत्र कीएक कारमहेत मारहर अहर क्त्रिर्दन। দরখান্তকারি যে বার্ধিক মধা দিতে बेक्क व्हेरवन फोरा प्यष्टेन्नर्भ मत्रभार छ लिएसम् ।

ঃ শী গর্থাত্তের লেনাকার উপনিভাগে (भन्नभर्य बरस्यक्रभामात्र स्थान्ना नश्रत्वय एत-चाक) निविध व्हेश्रा ना महेत्र कतिहा कारमञ्जूत म् 🚰 वत मधीरण कार्यन 🙃 थ्यात्रन कर्नत्र छ ३६८व। में में इस भन्नपाछ । ता मार्क फ़ाहिरन की रूज कारनष्टित मारहर बाधनि क देशा हे जावागांत्र द्विय कतिर्दम। क्लाम का एवं माल्याहिया क्लापुष्क कारन केत्र गारहर श्रीष्ठ एका अञ्चाद मदङ (व :वान अस चाच रखेक कडाश किंद्र अम्थुर्न पनवान . व्यक्तित्वम् । अन्यविक कृष्य भवत्व वर्षात्र नयाम यरनाश्ट्रतत्र काटलक्षेत्र ३३८७ किया भूननियान मर्कूमा स्ट्रेएक 8 बाहेल ठारधान होन्छ पुरुष 🌉 वेक बाद क्यांद्रशायां व व्यवहारीयां व व्यवहारीयां -অরের নিকট হইতে অথবা খুলনিরার ডেপুরী कारणाडेन जीवुंक बाबू जन्मभाथ (करमर निकर्ष 'स्ट्रेट बाल स्वयो'बाहेटल गाविटन्। देजात्रामा-(तत (व क्षूनजी भिष्ठ हरे(व छाहात क्षांजिनिन

উপরেং লিখিত ভিন ছানেই দুষ্ট করা হ'ইছে। পানিছে। ইহা বলা অভিনিক্ত যে প্রভে,ক ব্যক্তি কর্শভিত লিখিত এবং জন্ত বিজ্ঞাপন প্রেশ শরত আমলে আনিজে হইবে।

৫। ইঞাৰার বার্ধিক খালনার নেকনার ইরা-রাদাবের জালীন দিতে হইছে। বেরূপ জানীন পিতে ইঞাবাদার ইচ্ছুক হুয়েন তবিতারিত স্পাইক্রপে দরখাজে লিখেন।

জে, মন্রো জফিনিয়েটিংকালেইর যশোচ্য।

किममण शहरार देममणुत खगद्र व महामाखकर विशिषानिय ष्यक्षां अद्यादन शामित्र य विश्व का कि है मारहार देश का वार्माहर के मारहार विश्व का कि है मारहार विश्व का कि निर्माण कि विश्व के विश्व के विश्व का विश्व का विश्व के विश्व के विश्व का विश्व के विश्व के विश्व का विश्व के विश्व के

२। यदिस मार्ग माना चानिष्णुत च नार्ग-भी ई श्रावण्ड्मी छ विन भाषमा छैगर्थाक भारतात च्यां ठ किश्व भारती वरणावणी छैक नार्ग चत्र छ विस्तद च्या भिष्ठिक छैस्तर बरणा-वस इहेता बाक्षण किया व च्या होई हुकैक हैमा-तात विश्व चाकिरव छैक बिन छ भारती हुहै वहां कि कुछ कारत हैत्र भारहरूद चामम्बर्ग चाकिरव ।

৩। বে ভূমির ইকার'র বিজ্ঞাপন দেওরা রাই (छट्ड जोरांत वार्षिक थोजना ১-১ e² de ग्रेका। ১৮৩৬ স'লের ৩০ এ এথেল পর্বচন্তর উচ্চল। वाद्रण वाकि ১७७५॥२ होको फश्रद्धः अधिकारभ টাকা পরিবেহৰ জাদায় ব্রয়াছে। ১৮৬৭ স'লেব ৩১ এ মাৰ্চ পৰ্যন্ত যে বাকি খাকে ভাষা আলায় ' কবিৰাৰ ক্ষৰতা ইন্সাৱলিটেৰ প্ৰতি দেওয়। ধাইবে। ইজাবাদার মোট বান্দির আর্ছেক নি मञ्ड २४ ठोको मरमाबि सार्त मन ३२,१८ भारतन्त्र गर्भा छ वक्षी कर्षक के भड़ महस्राभी बार्स भन ১२१७ मालिय मह्बर कोहनके द्विष्ठ माबिन क्षेत्रिक वापः इहेटव । क्यांनांध्र मबटक माकना वःत्र हेरा। ने फेक २६ मूकात मन, गण शकित। बुद्ध वरुति। बाजना श्रद्धांक यन हेव्यतित हान बाज-। पन भन्ना। নার অভিরিক্ত বিতে ষ্ট্রে। যে ভূমি ইজারা मिखना बाइँदि जाइदि गीमाना नवहम् भतिकात क्रांभ मिसिंडे ७ प्रामीटेक महाम अवेटना मिता-भेजा मह चार्डि भौतामी ३६ वे स्टब्रावि পর্যান্ত ইজারার দরখান্ত জেলা বলোহতের खिवृद्ध कारन्त्रीय गारव्य धर्भ कविरवम । त्रवाच

কারি বে বার্নিক জনা নিজে ইচ্ছু ক হইবৈন ভালা স্পাইরাণে দরখাজে লেখেন।

8 । अनुसार्**क्षत (अकाकांत्र क्रिमेत्रिकार**मं (**भ**व गटन पालिक्ष्मुद्रुव हेकाउ। मब्द्रक्षव प्रवेषा) निधि अहेशा का भहत कविषा कारणकेत मारह-त्वन मगीरम व्यर्भन छ त्थार्ग कदिएछ स्टेर्न । औ সকল দ :খান্ত । লা মার্চ ভারিবে জীগুজ কালে ষ্ট্ৰৰ শাৰেৰ বাছনি করিয়া ইব্যারাগাৰ স্থিয় করি विन। कोन कावन ना प्रभाष्ट्रेत्रा अपुष्क कारनहेन्न সাংহ্ব স্বীয় অ.ভপ্রায় মতে যে কোন দরখান্ত ষ্ট্ৰক অগ্ৰাধ্য করিছে সম্পূৰ্ণ ঘৰষান থাকি-। भन । श्रेष्टाविक कृति मब्दब्द ममुमान्न मबान यस्मा हर्ति व कारमार्थिन रहेर्ड किहा चूल नेगात महकूमा इहेटऊ ८ म रेन व्यवधान मोनजनुबन औरु अ को व कि इर्लाभाग व कि । भागा व कि । कि । निक्छे इंडेएड अथवा भूमानियान एडपूरी कालाने व জীয়ুত্য খাৰু জন্মনাথ সেনেব নিকট হইতে প্ৰাপ্ত हें अप्र बाहेट जा बाद । हे काराना दिव तम कर्-मणी मिएड इडेर्ड खाश्रंत श्रांडिमणी खेनरनंत्र नि शिक्ष फिन द्वार्यहे पृष्टे 'दा घाहेर्ज न निरंग। इहा वना बाउतिक थ धरणक वाकि व्वत-ভীৰ লিখিত এবং অত্ৰ বিঞ্চাপন পত্ৰের সংজ আমলে আঃনতে হইবে।

৫। ইছারার বাংসাইক খাজনার মেকর্নাথ ইক্রানালের আমিন নিতে হটবে। যেরুণ আমিন দিতে ইজাবাদাব ইছাক হয়েন ভাষতা। রিত ত্পষ্টরূপে দরখাত্তা নিখেন।

> क्ष, भन्दा जिन्दित्रहिः कारन्छैय गत्नीहत्।

> > कांत्र छवटर्यन विवत्रन ।

ভারতবদের বিবংগ তৃতীয়বাব স্থাতি হই "
রাচে। এবানে যতনুব উংক্লপ্ত হইতে পাবে
তাহাব চেষ্টা কৰা গিয়াছে। চুকলিকাভার সকল
পুঞ্জানায়েই পাওয়া যায়।

শ্ৰীশশিভ্ৰণ শৰ্মা। ভূগোল পৰিচয়।

উৎসূত প্রণালীতে সাগবাদির চিত্র সর্বাচিত একখানি ক্ষপ্র ভূগোল মুদ্রিত হইরাছে। সং-কৃত যতের পুস্তালীধে প্রাপ্তবা। মূল্য 🗸 ॰ দশ পর্যা।

श्रीम मित्रुवन मर्ग्या ।

সোমপ্রকাশ।

২ রা নাব সোমবাস।
ব্যবস্থাপক সভার বিবেচা
প্রভাব।
ব্যবস্থাপক সভার নৃতন আইন এস্তত

হইবার সময় উপস্থিত হঠতেছে, এট সমান আমবা একটা বিষয় সারণ করা-हेवा बिट रुष्टि (य, उत्र अक्टबंब श्रिकान विकि कान अक्त माधात्व निक्कि প্রবালী যেন নিগমবছ হয়। স্থাসবা দে थिएक भाषे कि शाम हाउन, कि टेडन इक्ष गक्य धारार प्रदार श्रीवमान जिल्ल ভিন্ন ছানে ভিন্ন জিল রূপ, এমন কি ৩। 8 उद्गारमात्र मरश्रात बक्क्षण (मर्थ। गाव ना। शना ठाउँल आणि मार्गिवात जना পালী, পশুৰী, কাটা, আড়া, ইত্যাদি ত ৰমূপ্ৰকার প্ৰথা বহু ছানে প্ৰচলিত; भारात्र (काथात्र /२ (काथात्र /२॥ (का थात्र /६ त्मरत शालि इहेता थाएक। टमदात कावाव काहि लाकि बिना थ-(क्रम करा एता। इसामि मालियांव विष-स्तु अहेक्र शांतरवांत चारह । अध कांत्र व्यक्तिम सांता शंकात्रगात शर्थ विवा भाग आमाजिक तिहिशादक, अवः ममूर य-तिके मर्चिं इंटेटिए मान कर का श्कृति दिवाश मना कणियात्व, उ छोडा कि आकात मूटना विक्री व क्वेट उट्ट भव-र्गानियात किंद्र के किंद्र का नियात ক্রপায় নাই। বিশেষতঃ বিকেতারা আপনাদের নিকট ভিন্ন ভিন্ন প হাৰ মাপ व्यक्तिमा बादक, बदः सूर्याश गुनिया ক্রেডাদিপকে প্রবঞ্চন। বরিতে ক্রটি करत सा । यपि मर्वाड अक श्रकांव शर्वि-भाग निक्षि हा धवर शवर्गमण्डेर कर्य . कादिशन मन्य नम्य व्यागया व्यक्तभाग মাধেন ভাষা হইলে প্রস্তাধিত পনিটের विशासन स्ट्रेट आहत ।

মিজিত দ্রব্য বিক্রম আব একটা বিষম অনিটেট মূল। এবেশের বিক্রে ক্রায়া সক্ল চাউলের সহিত মোটা চাইল, পুরাজনের সহিত হাতন, ৬০ছা সহিত ক্লা, লবুণের সহিত মাটা, মহন্যর সহিত হাউলের ভাঁড়ি নিজিত ক্রিয়া প্রায় সচ্যাচ্য বিক্রম ক্রিয়া প্রাকে। ইন্নতে কেবল দ্ৰেরে প্রভারণা নয়, স্থাস্থ্যেরও হানি ঘটিয়া থাকে। অতএব ক্লিমে দ্রের কেহ বিক্রের করিতে না পারে, এনিমিড গবর্গমেন্টের লোকদিগের বিশেষ দৃষ্টি রাখা আবলাক। দণ্ডবিধিতে এরপ ছলে কঠিন দণ্ডের বাবস্থা আছে, কিন্তু অনু সন্থান অভাবে ভাহা নামমাত্র গহিলাছে কোন ফলোপধারী হইভেছে না।

> ্ **১০**ডদ্ধেশীয় শিক্ষিতনিগোর কর্তব্য।

(मर्गत गर्क श्रेकांत प्रत्नवृष्टा विमाति अकार्य किर्त्वाहिक स्थ, ध्वर् परभात गर्काकी । ऐइंडि बिनांत्र छेपात्र विर्वत करत, देश भागांगिरशंत कक अकात वि-भाग। এই क्रमा अरहरूम विमान यजह थानात व्हेटजरह, ज्ञाजिरहात मध्या यठरे द्वि इरेटिंड्स, आंमता नमार्यक প্রকৃত উন্নতি তত্ই প্রত্যাশা করিয়া থাকি। কিন্তু আমরা কি আশানুত্রণ কল প্ৰাপ্ত হইতেছি ? এ বিষয় একবার চিদ্ধা कवित्त निषाय वियामश्र कहेटल कहा। विश्वविद्यालतम्ब श्रीकाय कछ छात छ-ठीर्ग रहेट उट्डन, कछ हाज महर महर छ्यापि लांच क्रिया ध्यान भेष मक्रत पाजियक वरेटलाइम, किंद जीवांत्रा यदन শেব শুভোদেশে কন্ত চিন্তা বা কত ज्ञांशयीकांत्र कतिया पाटकन ?

ভাষাদের যুবকেরা পাঠদাণাতে উৎসাহশীল থাকেন, পঠদাণাতে সদে শীলদিগের ছংখে ছংশিত হন, এবং ভাইাদিগের মঙ্গশ নাধনার্থ বহুলাং বা প্রতা প্রকাশ করিয়া থাকেন, কিন্তু কার্যা ক্ষেত্রে বেশ করিলে তাঁহাদিগের খনে কের আর দে ভাব লন্ধিত হর না, তাঁ হারা স্বার্থার হুইয়া সনেন এবং স্বীয় পবিজনের প্রধাধন ক্ষুরিয়াই আপনা-দিগকে কৃতার্থ বাধ করেন। যেমন জী পরিপ্রহ্ করিয়া খনেক পাক্তজ পুর বীর জনক জননীর ছঃখে উদাসীন হন, আমাদিগের দেখীয় অনেক ক্তবিদা নেইরূপ আত্মসুখে রত হইয়া জননী ক্মভূমির প্রতি হতাদর হইয়া খাকেন।

শিক্ষিতেরা কেবল বছল পরিমাণে षर्यायाकान क्षिमा घरमभरक मान क.. तिए नीतिरमहे कुछक हन, नरहर नत्न, আমরা এক্লপ বলিনা। অশিক্তিরাও श्रामिक कतिया थाटक अभिकि-**ट्यतां नमरत नमरत नाय क्रिकार्ट्या** मान कतिया पाटक। भिक्किकारभव नि. কট আমাদিশের প্রত্যাশা অধিক। **डीवांत्रा व्यक्तिक स्का**टनत तथान धावर उद्गिष्ठ गामन कतिया चार्यामात्र ण्ना छान ভাণ্ডার পূর্ণ করিবেন, তাঁহার। এক এক জন সাধু চরিত্রের সৃষ্টার পর প হইয়া জা जीव अश्वनक मूत्रीक्षक कतिरवन, डांशा দিগের পরিশ্রম, উদাম, সাহ্য ও একতা प्रियो अभिक्डि अनम, क्रीक उ कमह-আিয় লোক অনুকরণ করিতে লিখিবে **थ**वर कैंक्सिंग नर्विविद्यक डेव्रेडिंग श्र. তাকা ধারণ করিয়া ইতরেভয়দিগকে षांभनारमत्र षमुयांकी कतिहा हिन्दिन. उँशिक्ति निकृष यायात्मत अहे शकात দাশা। ইছা ছইলেই সৰ্ব্যঞ্জার ছীনতা অপসারিত হইয়া জাতীর গৌরকীক্রমশঃ विकिष्ठ रहा श्वर दिक्क कांकि कांकित मर्था পরিমণিত হইতে পারে।

বিদ্যুল ব্যক্তার দেখিতে পাই। সংশারে
প্রবিষ্ট হইরা অনেকে প্রমাঞ্জিক জ্ঞান
ভূলিয়া যান, এবং অধারন ও আলোচনার সহিত এককালে সন্দর্ক পর্যান্তর
পরিত্যাপ করেন। উল্লেখ্যের অভাব
ক্রমণ: ভূবিত হইতে থাকে, এবং উল্লেখ্য রাপ্ত আতীর পোর নক্ষের আধার হইয়া
প্রেক্তন। এই জ্ঞাই এত ছিন পত হইল,
জ্ঞানি একে জ্ঞাই একং প্রাথীন প্রতি

जन्दभन विश्वविकार्यका भूका क्ष वर्क्षण देव मकते बांज विनिर्गेष्ठ क्रेटिक टब्न, जाबना क्षिटकहि, डीश्वित्यन मर्था (क्षे माहेन क्ष्य विकिश्मा, (क्ष् शिक्षकेषा अवंद देशक समाविश देवशीयक कार्या जीवनयांशम कतिवात नःकल्णां केत्रिशास्त्र , जांशास्त्र माथा विनि य कार्यात्र खडी रक्षेत्र, डीशास्त्र मक्टलत श्री आमारित व अन्तु, (यन डांशांत्रा चार्चत महिक चामनार्थ कर्रता यहन द्रीरश्चम, त्करत पात्रण मह, भूका स्वेटण खेळाना विम मृत्रशिष्यक्षण्यनवादन करतन। ट्यारजारकरे यम चार्रमारक जक जक्ती विट्निय कोची माध्यमंत्र समा खात्रसस विश्वकता करतकः अंबर छोडा नोधन कतिया श्रामभीयम्द्रभव आभीस्वादमत পাতা হন।

कामाविद्यात स्टब्स अधनक ककाहनत অন্ত নাই। যে দিকে দুকিপাড বরা বাঃ मिटके एक अनिविध विवाद, शतिलामी क्रवरकत एक वाकीका कति-**ख्टा । (कर चरमणीव्रविद्यात मोदी**रिक वंत वी:यात क्या एकी कब्रम, तक छारा पिराने कारमाद्रिक माध्य स्क्रम, त्वर खाशिक्तित वर्षक्रा लित्रिष्ठ करिया अवहर्दंक लिएके जबर बिलके कंक्रन, এবং কেছ বা' লিম্পা সাহিত্যের গৃত गुर्व क्रिक्ट बादून। विश्वभीश गण জিতীয়দিপের দোব ভাগ বেন কেই न्मार्म ना करद्रम थदर डीहाबिस्मद्र मम्ख्य সকল আপুনারিগের প্রকৃতির দহিত মিলিত করিয়া ভাষার শোভা ও উন্নতি विशास कडिएक शास्त्रम। कांत्रकवर्रित स्तार्ग खेरा अथम डेस्टानिक श्रेटक्टर असन चांत्र चन्नणतात मानका नारे। 😎 देखरण विनि यञ गाँतसम कति दब्ब, क्रिकि कर्छरे नामधा नास कतिदबन काशंव मरस्य मारे।

अख्डानीय राजाम्हात् क्रिक् क्या . यरमनीविद्यात गरांगलाव वर्ष प्र पूर्व कांक कंद्रेड शाद्र, कठद्यभीत বালগণ ভাগ ভোগ করিকেছেন। कांत्र कव होंब्रम्भ श्रेक बांद्या अकटमानीत ताव्यविद्धत व्यक्ति . काश द्राचित्रत अखार्यत अबूरमाचन करतन। छाहाता चानम चानम बार्यान चल उत्तर मान नकार्या जन्मूर्व चारीनचा (कांशकट्राम नक्ताधात्रण मक्षा এই क्षास्था शकाम कतिता बाटका। विद्यारकत স**হিত্ত এতকেশী**র রা**রা** আজুনাৎ कतिवात बाक्कीकि निविध्ये हरेग्राहि। এক্সেদীয় রাজগণ অংশকারত বঞ্চ ष्य डा त्यांत्र कतिरख्यांचा। जानानिर्धात डेशरत क्रमां (यक्षापुर्सक अंडाराहर करिवात छेशांत्र नाहे, छाहा हहेटल शबवं (मक्टिक माधावर्वत विकट्डे निक्रिक क रेट रा बर कांत्रकर्यीय भवन्त्रातित विरम्भ को इरवज्ञ विषय अहे द्य छी होता विवाद मांबातन मा निर्वादां का करता मामानाज्य, देशकीय मर्समाबातन, विटम গতঃ অন ডিকেন্সন সাহেৰ প্ৰভৃতি ভারত ব্যার রাজাভিতের এতি সভ্রেছারের (भाषकणा करतम। ए। मकन तासवररणात वात त्रांक्य मारे, डांशाताव चक्यका ७ यापेक इच्छिक्षां करतन व बिन्द्रत चिम् व मारे। देश्वर्षभेशीत स्पादना वक् व्यक्तीतिमात्र अधान मनम् त्राञ्जीत देखा डीहात कथात विक्रम्ब अवधी काम ना इय, এই अना (यपि आमापिट्शव मर वान गटा इस) अंखी निटम छेत्मांनी वर्षा बरीयुत्र मिष्ण ताबाहक श्राज्य क्रिक्टिइन । ब्रांकी विक्लिक्रियां केमार्था ও ধর্মলীনতা বিশ্বাত, এটি এমত বি-छ ७ ताकारिकाहिबीत भटकेत छेभयूक काल, छथानि छोति मजिन्म छात्रछ-दर्धमंत्रीक क कार्यात चन्नुत्यामन वृद्धिया मोधांत्रर्वतं क्रचंक्रणांष्ट्रांसम् इहेशास्त्र ।

১৮৫৮ অজের বোষণাপত্র ঠাহারিলের ছার। লিখিত হয়, কার্যতঃ তাঁহার। এডদ মুনারে কান্ধ করিতেছেন।

महीयत्र क्षार्थार्थक एरेटन क्षर है. হাতে ভারতবর্ষস্থিত নীচাশয় উপনি-বেশিসংক্ষার বিশিষ্ট ইউরোপীয়েপণ ষাদা বলুন এবং সংখ্য মধ্যে ভাৰতৰ্থীয गवन्यके बहे नोह त्यानीत कानाहत्न वांका कक्रम मा दक्रम, अक्टमणीर वाजनव व्यवनारं वृत्तिरवन (व, रेश्नरक्षांती, क्यांत मिश्विगा, महामञ्जा अवर देरल्थीत भव माधातन कथन व्यक्तातरन त्राकामिरभन चक लांग कहिर्दम मा। " यक काल श्रूमामन ७ अञ्चिक आप्रमिंड इहेर्द. छछ दिन देश्नार्थभेटी डीश्विरशत रख অব্যাহত বাখিৰেন দ এটি কেবল মুখের कथा नहरू, जिलिंग शवर्गाभके अख्यम्बादत ৰাষ্য ৰবিতে দৃতপ্ৰতিজ হুইরাছেব। अक्टन त्रांकान त्य खकात्र बांका कटतन त्व डाँहाइन हिन्दकांत्र व्यवाद्य श्री. जामि का:म रेशिजक लामा रकाम कति-(नन, मिरे धारात शवर्ग्यक ७ मर्सनाथा त्व क्षांको करत्न (य, श्रेका, परमत সুধ ধর্মন করিয়া ভাঁছারা আপন আপন शरमञ उर्शयुक्त इहेरवन । यरथक्षाहादतत ममत चडीड हरेगाए, এक मङ्गत्र ध्यान विकास करत " दर्गम् आहेरन जमूक वाक एरेन ? " भागन बारन द्रांटका লিখি 5 সাইন, শিক্তিত ও সং বিচার পতি এবং উৎকৃষ্ট বিচাৰ প্ৰবাসী ধা-शंदक श्य बांकांपिटशंद खादा कवा क-র্ত্তবা। " রাজা নিজে প্রত্যন্থ বিচার করি (लन " " निष्म चार्वमन खेवन क्रि-त्मन " এ छाति खोडीनकारन खांदा भाषि छ। अक्षनकार मखाउम ममात्र श्रिनागर विकास व्यक्तारत अर्डाक कार्यात होत শিশিত বাজির হতে দেওয়া উচিত। खाद्रख्यमी व भवर्गामणे एव महा धाहेन क्रिएएएक, एक एवं मक्रड मिरे मक्स

प्रदिन अक्टरमणीय शक्ता ममूर् ७ ह লিভ ক:1 রাকাদিগের কর্ত্তর কর্ম। श्कामित्रा विनारितया ३ माधारनिक एर कार्या डाज्यभागत्वर धक डीशांव । भरभ। नक्षां क्रांगरवन गृह्स रा मर न्द्राव श्रीकृत २० (कर. १५) होता क्षेत्रब ८८१तिष्ठ ८ ४० । यक्षात्रान् ६४व ३ में १३१हि त्वि यूर्व दक्षार्थ एत्य न हरेगाट, क मन क्षांत क्ष अधिका जलानीर उनाह, जन व्यक्ति भीष्र देश राक्षानन प्रभूती वहत्यत यम नीठ व्हेर्द। कडाल्डीय राक्षांतरभव क र माथ का क दी है तो माधारन अरो গাৰ ছই তেবত আৰুশাক অৰ্থ ৰায় ক-(रन, डीकालाश्वर काय कुशाहेटन धनः वात्र का । अतिवर्ग भौनोगाङ: गकल न **ৰা**য় দুটান্ত জ্যাগ কৰিয়া ইউৰোপীণ বাজাদিসের অনুসরণ করা উচিত। ও থায় শ্রুতি বংশর বাজেনে আয় নিবেচ নায় রাজার নিজ বায়ের জন্য কতক छाका (पश्चा एइ, देशत किटात डाहादक अक्षा बाद्य कतिएड हरेटव । देश्यर छत १२ क्लिंक ग्रेका पाह, किस देश्वर वर्षी निक वाम चतुल ७५ जक छाता, व्यर्'र অতি কোটিছে অন্ধিলফ টাকামত্র न,रेग्ना बाटकन। अध्यात्रात्त अख्यात निख बाब ट्रांड बदनत ३६ लक छ। मा महे(व । রাজাদিগের বর্তমান অপ্রিমিত ব্যা প্রথালী পরিভাগে করা উচিত। সং **(क्ट्रन डैं।श**तिश्रदक कोन्ट्रेसन कुछा इहेशा है (क्षण शक्षाभिर्व यभगार्थ नियुक्त वाक्टिक कर्रव । वेषानीरक पूर्वर कृष भूम त्रांका हिल, स्थि ममुनाब पण क्ष्या विश्वेत देशनिष्डेक्टलंड प्रधीनकः हेश्मादश्यको मह्नाम कात्र ७२८एव अधि श्रीतिणी, बाध्यक्षय उन्हात यतन माज खिल भवर्गामा है। मान्य का नहीं कार । इंटिजाबार ब अवस्थीत क्यांती व-भका छेरकृषे। अभा एटल एवि शंक न डेक्टमहार्थ माग्य मा कर्यम हाश 'शृष्या बच्छाश्व शृक्षक स्थन बित्रहमार्थ |

হইলে টাক্ষনি, মোডিনা প্রভৃতির রাজ কুমারনিগের পথ ভাঁছানিগকেও দেখিতে ष्टित। विज्ञात व्याक्तारमञ्जलिका कृत. ८ लाजि अञ्चि वाका ममूट्र ताक गग रेम-स्मिन एवं ठ माधन कविर उरहन. किन्न बन्ताव आकार्त नाग वाजून ७ ভারলপুরের ভূতপুর্ব নধাবের ন্যায ष्यातान माननकर्षात यागना (नाथ (उ.६) वज्रासभीय त्रामा व्हेटल्ड नर्स নাধাৰণ ভাঁচার স্থায়তা করিবে.. ध्यांभा हृदोना। यङ पिन तांभाग **प्र**भा यन करियम, इ.इ. तिम व्यामद्री डीहानि গেব সহাধতা করিব— আব না। অভএব थायता डीहामिशाक शहामन मिर्छोड याक्षर क लीकाना यदनभीत्रनिकात नताव গাতেৰ ন্যাণ যথাৰ্থ **প্ৰদ্ধাম্পন** হন দে (ठकी करवन। वारकाव छेड़िक उँ/श्रीक পেব 'থান্ডারেব এক সাত্র প্রতিভূ, যিনি हेबा छल करिटबन, छोशाहक हेबाब बिव ময় কলও ভোগ করিতে হুইবে।

नक अथा।

पन बाद्या वर्गट्य यद्या व**ञ्**लावात त्य अकार डेम्नांड इहेगाए, जाश हिना कति । प्रभारक व इंशेख हरा। देखि पूर्वत हेशार्व जागा विश्वधा गांनना करा याहेड ना, किस इंडिमरक्षा देशत क्रानक्षान नाहिडा अञ्च, बाकितन, कृत्यान, देकि-काम **बदर दि**ण्डान श्रुखर क्षाक्षात्र इहे-हारक, देशएक नामानाद्रभ निका जर द्यकार, जीतर ज शास्त्र बन्धा याव। पिख वक्रष्ठाता अध्यम् मण्डूर्ग इत्र मार्डे, हेहात धर्मन बातक शेनजा उ चर्चात चारह ! भवर्गारका डेरमाट्स देशांत अत्नक 🕮 द्रश्चि इहेग्राटह देश बना बाख्ना। किन्न क्षमल गवर्रमट्जैर माहाया ना भाहेरल ইহার ভাৰী উমুতি পক্ষে অনেক আশস্কা হয়। সভা বটে দেশহিতাপী অনেক ম

वस्त পরিশ্রম স্বীকার করিয়াছেন, কিছ भवर्गामा मकत श्राप्तिक क्रेश यकि छाँकांकिरभन मक्कांत्रिका ना করিত তাহ হইলে দে পুক্তর সকল প্ৰচাৰ এবং তদ্বারা ভাষাৰ প্ৰতি সাধা वटनव ष्रमुक्ताश कानक होन (एवं। बाहेड गरमार नारे। अमन कि व्यक्तिक शुक्क মু'লই লিখিত হইত না।

मर्खां विमेविभागदा वामगात भतिकार्क मर्फ एकत व्यवस्त व्यवभाष्ट यानम् कत क्रेशाटि । किंग्ड वेराटि वक्र ভাৰার উন্নতির গ্রেমণ প্র গ্রামা আছে, মৰনতিয়ও দেইরূপ আশকা হুইতে পারে। সংস্ত বঙ্গারার জননী এবং मः कृष इहेट तम्बानात करणतत शूकि हरेशाँड वना यांग्र, स्कवार मान्द्रकव चारिनाहना इन्हि स्टेटन वक्त हाराइन আর্দ্ধি কেন না হইবে ? কিন্তু উচ্চ বিদ্য় भग्न मक्रम वज्रकामात ज्यात श्राह्म । कांत्र अध्य ना । इंश अर्थन निक्छ छाता-अट्र निजय विष लिए हिन । এখন देशांटल जन्मारमुक बालकविट्नान शिएणांश्रायां भूखकरे अत्वक क्रिक क्टेर्टि, निष्कांत मण्डेन ध्यार ध्यार मन्त्र अठारदात्र मञ्जादना अन्थो। विश्व (भटना ক্ত একার প্রায় সকল বির্চিত না হই लिख खावात मालान डेए वर्ष माधन इहेर इ भारत ना ।

भः वार शजानि छोवान 🗒 इहि व्यनाजन धेरकुचे डेभाग्न । बन्नस्वाबाद इंशार निक्षे अथम इंदेट उरे वाली। किन्न हु: दिवेत विवस अदे एए अप्तर्म वाक्रा मर्वाष भट्यत छातृभ खानत इत्रमा अवः छाहात आहक ७ छएमाह शाजा व्यक्त (मधा यात्र । धहे कना गरवामनंज मुक्त जकारण विभन्न थांख एन । वज्र ठः সাম্যাকপতা সকল ধ্রি রীতিমত চলিতে भारत, जाहा इंदेश कक्षाता कारात नमू मात्र पद्धाव पूर्व ' एरेश वात ।

वक्रकाराम छेरमार विभागर्थ वर्ष **दिन्द्रिक जामना विवास्त्र भा न (व-क्यांना** बच्च नकरन बच्चमूत्र नक्षर विच्छ वाश्र ना शामिक क्यान। भवन्तिक क वि स्टब्स त्य अक दिन उदानीन चाटहर देश माजिला द्राराज्य विवतः। (य वाक्रमा লইয়া প্রব্যেক্টের কাজ কর্ম চলে ভাষা (य कि विधित्व छोत्रा किছूरे बना याय न।। (कर यमि कलिकांछ। मधारीय ७ छारार खनमधी मञ्चरदत अक मीमा स्टेटल भीमा स्त्र भवश्य भे नित्र शास्त्रक्र व्यवः श्रीकाणः शृक्षित्र निकर्णन कनक भाठे कतिया बान, जाहा हरेटन (हबिट जान (वन बक्काशांटक बाक्र कतिबात क्या ८४३ जक्म क्षा इरेग्ना । श्वर्गाम । श्रृक ध्यकाना करण वज्रकाश्चर अध्यक्षात कर भानना क्याने उटलक्षानीत इहेट ज्ञादित मा, देश (मसिता चरमभीत कांवादित बाज्जित क्षत्र अवगारे बाबिज का विक्र अगरन अनिज्ञ कर्यमात्रिमरभत कोर्या बबर भवर्गामाध्य व्यवसामका देश निवातन ना इहेबात कारन। खत्रांत्र अ नकत्मन्न मर्मायन निष्ठांत्र चौद्रणाक । देश १६८७ वर्षन व्यामानएकत्र वाक् লার অভি দৃকিপাত করা বার, তথন ড ভাষার সর্বাদীণ বিকার দেখিয়া কলিভ व्हेट्ड क्या वाका क्रेक वनित है दशकी गरेवा गर्गरमरणित कथिक कःक, किन् व शेषना हिन्छ थादक जाहा विकड **एटेटल बक्रफाशांत प्यट**नक ८क्तीतव त्रस्ति ह्य ।

माञ्चात्रम श्रीक जामाणिशत मिनीत लाक्षिरगत रेष उ जार्तारगत रेमिना, जारातरे जेना जामाणिश्रीक श्रेष्ट्राटिंग भत्रवाशम रेक्टिंग क्षेत्र चरणीत जारात्र श्रीक जीवाणित मध्य जेशात जेलांकिक रेशा जेलांकि मध्य जेशात जेलांकिक रेक्टिंग श्रीक श्रीक जेलांकिक स्टेटिंग श्रीक श्रीक जेलांकिक स्टेटिंग श्रीक स्टेट्ट मध्या जेलांकिकन, णादन । विरम्पकः भागाविष्यं की ला निरम्पकः भागाविष्यं की ला करम विषम् याद्या क्या याद्ये नाम्पूर्ण कत्र कारात्र के का मरम भरम भरम का नाद वर्ष श्रात्र के मरम मरम भरम का नात्र वेद्य श्रात्र के मरम मरम भरम का नात्र वेद्य श्रात्र के मरम मरम भरम का नात्र वेद्य भारम । सम्भीत वाक्तिमण एन मरम मा करम रम रमम का वा पाना वम गाम मा करम रम रमम का वा पाना वम गाम का मा वर्ण को विषय के स्थान के मा वर्ण को विषय के स्थान क

ভূগির অংইন সংএ। । ভারতবর্ধের অধিকাং শরাজন্ব ভূমি **बरेट जानात स्त्र, किस फूमि नश्की**त बाहेन अरहरण (वसक श्रवित अगक जात कूजानि मुके एवन।। न्यामानित्यत कत थानानीत पून चक्क, देशटक दतिस क्रव क्ट्स अधिकार्य जोत वहन कतिहरू हरा थनिद्धनी नामाना कर पिया द्रका भाग। ভণাপি বে ভূমি রারতের এক মাত্র नक्यो, रनरे कृषित উপরে ভাষার অধি কার অভারী ও অনিস্চর। হয় ত জনী नाब बत्न कतिता छेठाहेबा लन, याशिन भारत नथानी क्या व्याद्य मनदा ननदा व-क्षित्र कर बिद्रा ना भारतम्ब जीवां विश **८६७ উঠিয়া याहेटक इ**छ। **णार्वात अ**धान जम विवादानास्त्र मिकाटस भाषायान भारक दृष्टि कतिएक छ। এटक भारेन ঘটিত গোলবোগ, তহুপরি বিচারালর ব্যুদ্র সময়ে আত্মবিপরীত বিচার করি-हा जात्र अभिने कटतन । ५५ वॅ९ नव जीव कांत्र कतिराज एकंगी .चच हरेत । धार्मन ভন বিচারালয় সিদ্ধান্ত করিলেন এনিয়ম क्ष्मण कृषि कृतिएकं बाटि । वास कृ- नामना भूटकां के शानत्यात्मन जक उनाइत्रम् निटलिष्ट् छेशनश्रद्धत् मास्त्रितः তলা অৰ্থি শিহালদহ প্ৰান্ত মে ভূমি चाह्य जीवा एक बाका मृति इ बार्यह নিকর তালুক ছিল। ১৮৫১ অব্দে প্রণ भिक्त वार्यमान वार्यमध क्रिया हा-कांत्र महिन्छ २० वर्गात्रत कता कांत्रमाः (छोग नत्याव छ कटत्रन। धरे वट्याव छ অনুসারে রাজাকে উপস্বত্বের অর্টেঞ্ गवर्ष:मन्द्रेटक मिटल एवं। ब्रांका मृजिर् ए अहे ক্তি সহা করেন, তিনি প্রকালিগের বি-(नर शिश्वनाज ছित्वन, क्षक्रमेरियरिक गी-कुन कतिया करें गिया भागांत्र कहा উংহার স্বস্থাব বিরুদ্ধ ছিল। তিন বৎসর হ্ইল-ভাঁহাৰ পুত্ৰ কুমাৰ রাজকুমার রায় প্ৰজাৰিণের নিৰুটে হুছি চাহিচা নালীশ क्रताः अवाही २० वयमस्य अधिक कारलंड अक हार्यंत्र माथिया वाहित कर्य অমীলার অসাওয়াশীলৰাড়ির কাগজ नाइ पटलन, वनः निक्रम कान ध्यमान षिटि **भारित गारे, घड** वर श्रमापिर्भन মকররি স∴নাণ হওয়াতে কাসেইব, অব ও প্রধানতম বিচারালয় " কর হৃদ্ধি रहेट्ड भारत मा " मिद्धांतु क्रत्रम । अक मक्क भाव लाशांनकम विष्ठांतांनव न्याकी-क्टब बटलन अभीनात भवर्गरमण्डेक ठेका-

देशकित्वम दिला अकाशाधत निक्दि शब्द अव देशिका महेट छ भारतान मा कू-মার রাজ্যুনার রায় ভারাতে সম্ভত না हहेवा (संबद्धानी धाना : 5 शूनदेशव ना-भीन कट्टन । २३ जिलाव अस्त महत् मामीम बार्ड टेम्सा उठक अप अवाद मक इति चढ घोषात करतन. शाकान कत हुक्ति इस, जिले अग व व्याप्त (र.धन मी, কৰ্মানি ও যুক্তি অনুনাৰে গ ভিলি भाका पिशाद्वन स्थानी नाटन सभीनाद । इ क्य वृद्धि इस्तार्ष तार भी महून अका । वृद्धि (अ द्वा डेिड) थ्रदा मन याभी तिक अ भक्षता खंडरवर भन डा छिन कि मा १ षाहित न। पालिट्स गुल्लि पर्मार्ड िनि फिक्नी निष्ठ शादिक कि ना । अवि ৰবে শাসেৰা এখনৰ কিছু বলিব •া, এবি बरम्ब चान्नीम क्रेम्सार्ड, वन नी ब स्थात निक्षि क्रिएम।

কি**ৰ একটি** বিশেষ গোসংখাগ দেখা शाहिस्करम् । कभीमादतत्र २८ वनः भदिवर्क ष्ट्रेल कि महियान शकार चन भारत्व है **क्ट्रेटब अबियट**वद दकांन आहेत गाडे, **अप्रेड** हेरा गरेखा छात्रांतक शक्या अ अर्थ वाश स्टेटब्रह्मः भागिकखना अविध निर्धासनस् नवाक विकार बीजि, कारवासा उ स्थानः चारक, बनीगांदार ध्यानत्याचा मक्टन विहक्क इरेग्नाइन अर् अम्मक्ति मुना ष्यदनक कमिशादिए : वसु 5; अस मश्य अव र्वामान्त्र । अकामिरात वर्षे इम प्रवर्गाम क्ष्रि अस व देखा नटह वैषः असीनादश्व क्षेत्र श्रुव करिएक अका । वाखरीन एव रेका गात ७ यू छवि एवं। दिन वाहे त्व त्यांगरवाम थाकाइ विकूष्टे ६३-इंड्राइ न। जामना सक अलावतन क्षत्रका क्षित्राम, अध्यक्ति य गण क्रम् क्रे-हारहें। अरे नकन कार्ता जुनिव लाइन नद्रम्हीक कता चाँड धनन,का अक कृतिक अभीमादित अञ्चल कर विक क्रांन क्ष्मित्री कानिया छाठा ठ गर्ख भर्थ

होता वात किता वाही अपृष्ठि अश्व क किति तात वाकी बाक गांव कर्मा करीहारी मीलाय श्रेल डीहांत এड वात विश्वा करेल। व्यथा लाखेतांक वाटक मर्थ हरेल, कृतांव ताळकृशांत तादात गांव कभोतांव अकारक वाळकीन कितवांत हिंडी शाहेट लालि-व्या अवियदा क्यारे बाहेन बाकिटल व्यान अवियदा क्यारे बाहेन बाकिटल व्यान कितान मान। वाळ अवस्थात ला किता की वानत मान। क्यों वाल क्यारेन किताल हेंहा को ज़िला ना लहेट ड शाहन व्याह क्यारे बाहेन कि कार्यांक।

भित्र भित्र भित्र काटणी-हैंद्रित श्राफ हेर लिन्हात्विक का.च अञ्चद्दांत (

मञ्ज्ञतिजा भिन कार्ट्सकेत छात्र उन्हें १६८७ यरमण अजिभयनकारण मत मिनिल् বীজননে এক পঞ্জ লেখেন। ভাহাতে বলিচাচেন " (হল্পুবালিকারা উপযুক্ত निका भारत नक विचारत रेशतो व त्रमी क्षित्र जुना अवर क्यांन क्यांन विषद यरभक्तांक र देशकारी स्ट्रेटि भारतन, हेश यामात मण्यून क्षत्रज्ञम इरेशारक । " इंश्लिमबान अ कथा महा कतिएछ পाहि-(वन कम ? जिनि मिन कार्रिकेरक निद्रमंत्र विवश अक आखान निविश क्ति। जिन ब्रालन देशल श्रीयमित्र केमा त डा मोबनीकनिक। डाँशांवा निक्टिब णुन प्रविद्य भाग ना, मूदबब छ्नास त्रहर कतिहा (सर्थन। किस जिनि काशी बरणन एवं भित्र कार्लिकः स्म स्थानीत त्याक वन, देख चरत ीव खीगरवंत्र महिन्छ विवाक्त भरिक्षि ध्वः डाशमिटमन य, ब छे छेशकान माध्रम कांश्माहिम। छत्त विम बार्ट्यके कि समा अक्रम डेकि कतिरामन १ जाना छ छ: कुँकित बार्का सम किष्टू ष्मगर लक्ष बिलिया (बांध एवं क्लामा फिनि इरे जित्न मत्या अत्र नी विविद्यात का कि कि द्वारा अवशायन कविराजन। किन्न कानी **७ वक्षणी** लाक एक बात क्**डाक्षणांक** क्डिया व विवयं वृत्तिएक न्याद्यमः स्व

বৃদ্ধি বাজি বহুদিৰেও ভাষা জ্ঞাত करिट्ड शारव मा। बखकः शिम्बूतम्बीकाः किছू वाज मिकालाख मा क्षिया बद्ध मंख-मश्य क्मः कान मृश्रम वद्ध वाक्यिक বেল্লপ বৃদ্ধিষত। ও সন্ধিৰচক**তা একাশ** কংল তাহা দেখিলে আক্ৰ্যাহিত ছ-हेट इस्। कांगरा व्यावक सिव्धिकिस ত। हा पत जिकात क्या चन्त्र गङ्ग कतिरहा আশাতীত কললাত করা যায়। এসকলই व्यानात्वत आठाक। बक मूर्व हिन्दू जीटक य भक्त मम्खान निष्कृतिक दम्मा वात वर दा भविवादवत सूच माध्रामत रमञ्जू ७ शर्पात्रिमो, देश्डाक तम्भी अधिक जान रुडेन, किछ क' मक्त देनमर्गिक्छा (वः वज् व्यक्तं बहेर्दन जाश भाषता बिलास भारत ना । मर्गा क्रकु ७४० डी हात्र मरहायत्र इरे बर कर देश्यक जिल्ला मकत्वदे छ विरम्भार्माहितात शक्ति ७ वावकात स्तिया यायस धामान्त्रा कतिहारस्य । अर्थन देशात अर्थात यात्र जूणिकाताच स्क खाश करेटल क्लिब्रमनीता य कर्ड मूत **७२इन्ड रहे**८७ शास्त्र विविधान नरहा था मता देखिमस्था इहे अवकी जनकानणाहा क्षिकिका क्षिमिनीह मुक्तेत्व. व्यथिश य-(वर्ष-निव्हाननाक करिटक्टि, वस्तक **উत्रक्ति प्राचानमाज क्षकाम भारेतारह।** व्यक्त विम कर्दर्शक्रित्त वरका व्यव्यक्त क्रिक छारा कि अकादत्र मधामान व्हेस व

देश्तिमकाम छेशमः वादण्या निर्मितः
हम दर विक बार्यित भन्नीय निर्मितः व्याद्धित भन्नीय क्रिकेट्यं छन्न
वर्ष्टि भारत करः कांकित क्रिकेट्यं छन्न
वरेट भारत, किन्न विस्तृत्रमनीय वेश्ताक
जीविद्या ममकक ता क्रिक्ट्यं मनीय वेश्ताक
जीविद्या ममकक ता क्रिक्ट्यं मनीय देशाव वर्षित्या ममकक ता क्रिक्ट्यं शिक्ष देशाव स्थ्या मुस्स-भन्नाव्या क्रिक्ट्यं माद्या क्रिकेट्यं माद्य क्रिकेट्यं माद्या क्रिकेट्यं माद्य क्रिकेट्यं माद्या क्रिकेट्यं माद्य क्र विक, क्षमा जामाहित्यव स्ट्यांना वस्त्या चिटक जांबता वृधिए भारतिना, किन्न अरह भीव बम्बीबिश्वत बर्डमान शैनव छ। क्रिका जिमि (वैन अञ्चल नःकात-लेडाप्रण मा इन ষে তাহাদের প্রকৃতিগত অপনিবর্তনীয় त्मांव चारह, खानां मत ऐकारतत भव नाहे वदर क्रमिका पाता छाहाय। देशकीत विकासिटमा मयजूना इहेट भारत मा

कीर्वशतक मध्यालमा । विधिया द्भा।

क्षरंद क्रशास्त्र विलयन थान. य नग्रांद्र, क्षुबक्धारवर्धा मलारबारव क्लिंड इंश्टर . मेरे मकन धान, त्रम क्वन क वेशा शृहक व्यक्ति । वह विश्व ভাষ্টের সমূর্তি ধ,ঞ্জ কথা এখা। গ।। ইউদ্দি त्त्रहे भाने र इक्ष्युक्तर क्ष्या विकाद महत्त्र छोज ष्ट्रेका भाष्ट्रिय छाइ'वा अवदगत्र भत्र€श्रूर्थ অভিবাহিত বারতে পারিবে।

২। লাভপুর ডিবিজনের ইনস্পেটার ক্রণান হামীৰ বিজ্ঞা অকৰ্ত্তৰ্য কাথে বৰোচিত পৰিপ্ৰান करिक्टा । एवर वार्गायक करने असन अधारत यम करेंगा आंग्र मण्डलिंड व्हेंएएरव् नी । मार्विद्य भूतिव अहेज्ञान बहेरत त्याव स्थ भूतालम भूजित्यत्र 'असम्बंध लात्म भीतरे विकृष्ठ रहेन्रा

5 : 3 १ हे (शीरखंद्र स्थामश्रकार**न** देवल ज देवना माइस्त्र खेबप, दिवसक क्षर्याच माठे कहिया আমি প্র আছাতিত ইইয়াছি, এ বিধ্ব में बाहे बाह्य क्षांकिमितित प्रकि जन्मवा के हरा। श्रम् कामापुर (मण्डेन हे प्रदत्ति काना विस्त्रहे ि डी पूरत ता येवा अदिम्मीत स्व. उक्क डि.क शतक अर्ण्य हिक्सिशा किवायरणम यनि कान आदेन क त्रवा माहिएक माहरूक, कांद्रा कहेरम करनहमर मश्रदशब भीना था: कना । कि.ने निक्त क्रांसि-त्स्म. क्ष्मुद्रक देशानात्त्र किनिश्मात अस्मरम घण (आरक्ष क्रीवन महे इप्न, ६७०) ना नरदर्गमक (अप्ता एक्षा मध्या प्रभाग वकारभाव रहा भा। উ৷ভ্ৰণার ছার্ভিকজনিত মুক্তা সংখ্যা কেংখাঃ था।क ! शक्रांशकांत्र ए कथारे बारे शा

क्लाइकाणिक मर्वानमाका निर्धि-TILES:-

३। क्रिवृश्चिम शायः स्ट्रेन, शांब्राक्ष व्यक्ति विवागी अन कम कमरणांक कुए। नशक्ताशांत स्ता-

भीरनाथे उन्हेंया हाका इहरा ए ए गामन कात লেন। তথ্য, খ্যা আন্ত প্রনোনুধ ভইগাতি বেন। ড'ছাবা প্ৰাস্থাৰ প্ৰতি না ক্ৰি **एडरे उन्ही मेंबागण इप्र। ७**९४७ अस्त (सन। खाउँ इन वि अक् काळणार छ छिन सूत्र इतेवामाळ ভূষিত্বে পঞ্জিয়া যান। ড় ও ও দথার উপরে-मन करत। अञ्च जार । यह साहित जिला अवर গায়ে শীতৰ্মৰ তাদুণ উহন দল না প্ৰভাগে **ाराट इत्हत मृद्ध २१। स्वा**ार्य में महारू इःथान्ड ७ हवरकात सम् क माल्य न १।

२। बह मिन श्रेंग, रंगम्म छोड़ व क्ष कई য়াছে, কিন্তু শুনিভেছি ও লেইডেছি এ সঞ্চ मीय अमीमायगान जोकिङ विजेह कथालाजा निक्रे स्ट्रिफ शिकांत्र अक् काना कहिता कह अहत कतिर्ट्ट्रहर । जाफरी अहे (४), हेनकम छे। म ज क्या हरे केंका हाटत हिन, अभी। विकेट हर्न कता त्यां खत्र हो है। व्यक्तिय हरे (क्ट्रिं) क्यी मात्रिंग्रित रकांच पुल्ले अथनक व्यपूर्व त्रहिप्राटकः

७। এक पिरम ब्राजित्यात्त काञ्चित भागमा नामक अ'रम अक्षी आई छा हाहे हि इहेगा शिय: (इ। इर्न्युक्ति अपर्व, ख वृष्ट इस बाहै। (वांव इत्र, विक्रमभुद्रत्त वनवक इत्रोक्षानिर्वादे अर्थे

। जनार्कित सारमङ्ग जीवनाविष्ट हा राषा पूर्व वापनाक निविद्याद्वित्य मध्यि डाहर कामक क्रांत्र सिक्ट व्हेट्फट्ट । मीलारिक है अट-श्रमगद्भव स्थाम कार्य ।

e। यथन आधारिशत कुउन्ते देनएमे हेत ষার্টিন মহোদ্র একঞ্চল প রত। গি ক,রর। ব'• 'अबस आंगड़ो अहे आह्मा किसा हिला गरा শহার ন্যায় কোন ব,জি নাও ছাসিতে পারেন क्ति मनागल् एक्,चराक्रम क्रार्क म'स्ट्रवर वार्व, कुमन्छ। ९ पश्चिम्रहार्छ। ११ प्राप्त-११२ प्राप्त क जिर्द्रात'न इर्धाटक । अस्वतान दिशाँह (मर् हेत लिए (कह देशेंग कान कार्या ताराहिशा करिया बार्डम किस वर्क निरंदन महकारत विरवष्ट्या कविद्या (मिरिव (म (h'द अर्गएक् भ ब्रेग्फ इस ।

মেদিনীপুরস্থ সংবাবদাতা লিখি-शर्बन ।

১। পুরীর এক বন্ধুর পত্রে" ভারণত হইলা ष्ट्रां बिक्त क्रियां व (क्रियां क्रियां क्रियं क्रियां क्रियं क्र জীবৃষ্ণ বাৰু প্ৰসন্ধচন্দ্ৰ গলোপাধাৰ মহানয় এফ বার কাসিরাই সঞ্জানে প্রশোক গ্রম ক্রিয়া

हैनि এक सन खाना डिएनम, व्यक्तिमेशुरवत मा-बिनी क्या स्ट्रेंड हैनि बूरणक स्ट्रेज़ाहिरंजन ।

२। कारकर कथिनमा स्मानीशृद्धन देख्न ইনস্পেষ্ট বজাফিলে বে টেলিপ্রায় করেন, তবারা कांना य'हेरलट्ड रव कथाकाव छैश्कम विन्तानाई मभुष्कत ा अपूरी देवराज्येत दिवुक वांतू छेमाहत्व क्षणाय किहमित्रव विविष ख्याकार इकिंक সং এন জ বিধ্যেক হিলোট করবাথ ছেপুটা কালে-क्टिर्य भरत । नयुक्त स्हेत्रारकन ।

 ८० अवरम्द्रकेव वाजला हाज्यवृष्टि भतीकाञ्च ्यतियीश्रातन व'क्ना विकासरहत की इंडि छै क्षार्थ दहेशार्यका, फबरता र ही देश्याकी विमानदत्र ९ ७ में क्यू के नकाज विष्तांनात यादेवात जा-নেশ পাইয়াট্রন।

8। वाष्ट्रस्वश्रुत बर्म्स खात्रस्व e मि চাত্র বাদদা ছাত্ররজিপবীক্ষার উত্তীর্ণ হইরা ৪ টা অত্ৰতা ইংবাঞী বিদ্যালয়ে ও একটা হুগলী रुम्। व । त्रान्द्र **अर्थभ सूत्रिक शहित्राह**ना এই किर्नाम्यात अक्षी इ'ख अहे विचारतत मरबा गटकाळ नवत्र वार्यवाद्या, अवर अह विमानव्रश्चे এ वरतव भाने इरेग्न एक एका वार्टरकर । फल्लमा देश**्लिके**। সাह्य म**ख**ष्टे हरेवा विम्राण-(पूर्व o क्षान निक्**करक आमी गिका शुक्रकांत्र विवास** स्त्र। डाइरवनेव मारहबर्क । विश्वास्त्र । 'गण्ड यदमक्छ (अपिन"भुद्र काष्ट्रे ब्हेर्काकिन ।

का स्ता वाहेरएट काजका भवर्यन हैर द्राकी विकासाद्र उ व मिक्क की पृष्ठ बाहु भूम ধর বায় কিছু দি'লব নিমিত ওয় জেলীর एक की इस्टर में केंद्रिय भारत सियुष्क क्रेया किट्स गम्भ किमाट्डिन ।

७। अ वरगठ विभिन्ने शूद अवर्गाय देशायी विकासित अक कम हाज अन है। ज नहीं कार्य उंखें ने स्वेगारहम।

विविध मर्याम । २ वा याच त्न'मराव।

সম্প্রতি ব বু মনোমেহিন খোবের বাসিতে क म डा हत. 'डाशा'छ। **यन कार्लकेंद्र चार्कन** क्टब, हैं होवा अटम्भीवाहरगर क्य क्य अ (पानीभूतिराधन (ब्रह्स विकिय व विकास करिया **दे**र-বাও জাতের উপনী কর্মস্থ জানগুন করেন। কিছ निव र गरलन, अ मनल निर्शासक लाक अवर हर्गद्रा हरद्राक कात्वर लिखिनिय मरहम । अक জন সোভা বলিলেন, আমাদিশকে নিগা**র বলা** श्यु, देशाएक भिन्न कार्रा हेन दिन क रहेन्। वाल-लन. " क नाम करिएक मा हहा छाड़ लाक ও নীচাশ্র লে'কের কথা। তিনি ব'বু **মনে'নো**-इम शाधारक जानुर्दान करिएलम हेश्लाख केरिक क्रीक त्य वत्यकाः य ता हरे शहर है. जिसे जारा चाक्भीयुक्तिनारक विकित्स लिहाता इरणास स्वाधित চ**িত্র বুবি তে পারিনেন। এশানে যে সকল ইউ**-(वाभीय बक्र:कुल न्यी ड किन्द्रा स्टान स्टेग्रा अव्यान-वैद्याणिकत क्षांच वृत्ता अव्यान कारन क्रमा देशीय विण्ड कानत्महे इन्विक स्टेखाइमा। हेशीया दा त्महर महस्म, छीहः उत्त्ववधीयमन

बहे मक्क भी होस्य (ल क ग्रंट - कांच अणान-শার শাসনকর্ত্তনণ চালেও ১ন :

গৰার জেমবল আরু ালাভ মাইককে ''द्रोश ब'हाब्रव अ द्रेश पि ८ । व दद्रियाद्रवन । ষাজেন্দ্ৰ বাবু ইছাপেশা ভা किन्न वर्ष्ट्रमान श्वर्राप है । इस असीन কবিতে পারিবেন ন।।

অল প্রাক্তরালে সামগুরেশ্ব কার কাইকলৈ खात्र कानिशास्त्र ।

· ১ লা জান্ত্রয়াবি করার নিশীন ভিতর পর্যন্ত (युन कर्त्य भन है के माध्यम के तर है है ।

আসামের কুলিদিগের হপালামত গৃহ,য क्षक्रद्रभावार्थ (य कथियत इहेशांद्रक्रत, तक अ.चेक **च्यानारकत्रा उ**न्होत मचाः— এ४,**३**८ वटः, (४ चात्र, बुरमम, स्मिथः, चारक्रवता अदः छ। कर ডি, বি, শ্মিব। জীছট্ট, জাসমি ও কাই': হব मस्त्रिक्ष भाष छ हात्करत देशां इत्राह्म हडेशा কিলে এক মুত্র হয় ভাঙা জানিতে কইবে। ১বর্ণ ्य है किमिनारक लाधरनक्ष्मार्ग पद्या, कृति umand, कृति । शहरका । ५३ छ क्रवितान म-बिख भहायमं किल्हा काक कहिरान कपुर ह विश्वाद्यम । अक स्मन अकालनीय क्रिमन १३१म । ভাল হইও।

क्षिप्र (मिर्ही यहे छै दक्त इड्डि मरवाम भाइ-मारक्ष्य यक्ति शवर्षयके मानादन कार्यात छना विश्वत होका चात्र कविश्वा मबनकात लाक निगरन क्षी विद्यात आका निवादकन, उथान सामनी পুর ষ্টুডে মালেখর ও আর আর রাভা गरकारतत बना कान होता है वा न'है। **উপুৰে জিয়া প**ৰ্যন্ত এই রাস্তার শেষ হইরাছে, **बहे जान हरे**एए (य.मेनीपुत्र नय,न्य हा हात्र जन-**भा कड़क** कान, खरभरत हेश अंखि अधना। এই রাজ্য তাল থাকিলে ছডিকের সময়ে অনা-ग्रारम हो छैन बाईर ३ भा वड ।

উক্ত পত্ৰ এক জন সংবাদদাতাৰ ধারা অব आह रहेप्राह्म, बारलधरत हुए स्थाना माज क्यल PRICE I

🐯 পত্ৰ বলেন, ১ ই আইয়ান্ত্ৰ মিস কাপে 📆 ভুলিকাতা ছাগা কহিয়া মাপ্রাঞ্চ ও काराहे इदेशो भारता अञ्चलकाम करिएक। ক্ষিত্ৰেট্ৰিট প্ৰস্থাৰ বিশ্বাহেন, ভাছাৰ নিকটে क्षित्र क्यांत्र कुछ कड़ा श्राम का करिया गर्क श्रीबाइदेव डीका कविशा छे, हात लाख्य अमान क्षा क्षीया। किस व श १६८७ है, विभिन्ति अक्न कतिर्वत ?

24 3 (0)4 37 17 41

व्यापक किम बुर्लगारहरू । १९५ - १९८ मन । वस्त्र | भक्त । तारांश विद्यान छेखा । भक्तककारमह किवस्त्री के विस्तरिक सारवात साना (क्षेत्र (महाके ति कर नेता निविद्यारको , प्लाक्ष अफ मिर्म कार्रा धार्याय। विक्र तथा बहेटलहरू मार्ड का त्र नग साह हाति गर्भव अहे का छहा স্পানর পত্তি বিভিত্ত ক " প্রপার ন ক না ১

> बार्ट्यत व विकासन बर्यन का रवकार इन्हरून माञ्चरकी ७ भार 'व त्रहासाराव कमा नारहारू अक मर्का देशा ४०० ए'तो b'tel इहताहर। नभारवर याव केन इंडेर्जा ने य अप्राप्त क्य প্রণালীর স্থায়তা করেন : এটি ক্লান্ডর্বার বিষয় नरह । वाववेटकट हैं । हर्भ ही बांश क्षकान कक मा (क्म, भक्षार प्रशासक शहसक्तिहार > .५.४) लारक अक्षनानी एक का जनात काल है। का गा (त्रव क्थ निकास क्षेत्र क्ष्या: वर स्ट्रिक्ट वर्ष পড়িতে ইর।

७'वजनबींग ८ स २८म्र (नाम्भाजित , इंग्ड)। बार्गक इका रहेएउ मुक रहेग्नारह। कलिकाक। ছাহাত্রও ভারিতে পারে, জাপান্তঃ এক यानि अस्टरमोने वान्भीय सार्गस्य सार्ग्यनी षार्द्धत महत्व महत्व बार्राहिनिगरक भाव कवि एएइ। लिक्नी हे अग्रांस्मित्र करि न देखांद करि गांव चरत्र वार्व कांद्रस । वि प्रस्त अवर्ग) स अक् था. व जम जोराज जात विद्याद्य ज'रा जीराक । सम्बोग करा क्रिकेट। १ मा संभूषा द्वेत्र इव টনার কারণই ঐ ভাগ ভাগায়।

क्रमा (वायाहरस्य विवश छ मित्र कार्ट्यकेस महेन सांशास्त्र कनिकांचा एतान करियाहरू ।

कर्यक वरमदायि कद्दिना कम खात्रख वर्षिय यावजीय निमानम ज्ञारभका कविक जर थ क छेड़ीर्डाब श्रम्भन करता. अवात हिन्ह क म जुनकीय पूर्त थीयांना लोख कतिहारह। क्यु शिमात्र पाकाविक विजीत श्रम भूगर्गात हरे 1 #JIF

जना भवनेत्र रक्षमात्रम अवर मिन्हेनाने भव ব্র আলিপুর জেল দর্শনার্থ গ্রম করিয়াছিলেন। (करनव सुनुधनानि बर्गन कतिरा छ। हादा चणा गर्छाम थकांन कविद्रार न।

जायता जनभज इहेगांव करवक निवम इहेग का तिश्व (कारतक अरु कान काप्रती काणी गणात ধানে কর্ম ক্রিডেছিল ইত্যবসত্ত্রে জনে ভুবদিয়া পঞাইবার চেষ্টা পার। কিন্ত জেলর্ফক ডবসন সাহেবো দৃষ্টিতে পত্তিত হওয়াতে যে ধরা পড়ি BICE I

के छित्राम भवनिक अभिमिश्रम दहसाह होस्राह बबाउँ बाहे े मार्ट्य व्यापार व्यापार अक निर्कृत्ति कांत्र अक देशास्त्रण क्षाप्ति कतियारहत । वाली कतियार समा देश सक होता कर्क कतिएक

याका विन्यव व में। याज क त्रवा हरे करणारकत विवाह मिश्रान्ह (सम । टेप्य'र अक विद्रांश करना डी(क वन नरा। देशएक ताका विज्ञानदक जानि क्षा छाइन्द्र । ५६.व क ब्रह्मा क्लामी विद्याद्वम । हैशत भर काका बर्देशांट्य बत्रमान चान विद्यान ताथा इहेर्य मा. ५७७व लोडान फुडनन फ्रिनेव বিবাল ধরিয়া অন ত্র ছাড়িয়া দিয়া আসিডেরে এই ছডভাগ, রাজকুনার জান ছাবাইরাছেন (मधा व'इटएटइ।

हेरल क्षेत्र अकटा भगात्र भारत (सन्देश के अाउ ७ म्ह'मञान भन्ना वक् मधेन माहित्वन পত্র প্রকাশিত হইয়ুছে। বেপটনাত বাও आहमकात श: न माहश्वदक आवद्याद (विमा वि bice) काँभी (भना वक्रणेन मार्डव देवाव श्राप्त वाम बढ़ाएड अल्हेबान्डे बाख डाँग्स्ट मिथ्राचानी अकुं कि कथां प्रमाय करिया हिन । बक्राहेन नाइक दे। इंटिन क्या शार्थना कदिएक बर्लन, কিছ এই যোগা ভাষাতে সম্বত্ত হন নাই। লেক্ট नाके बारका पर व लाकिप्रांत अचलाव मरह । पेट्यमन ग'रहत क्वम सुनिहादत क्रमा जान खबरीय दोस्रा पर्गार एक करलक्ष्म करियार्डम । कांत्र उपरोप्त है रहाजी जरवाम शक्र जपूर माहादक **উৎকো**চ आही किलया च एकना जिल्ल हेहा ম্পন্তাভিবানে জন্মীকাৰ কবিয়াছেন, তথাপি ইংলিসমান ও ফোডজন ইতিয়া ভাষা আখন करदन नाहै स्थमकन छा। छ देदन्नछा दांदा हानिङ रह, जारामितात यकाव जिल्हेमाने आख श्रवान ক বোছেন মাত্র:

ইংলিসমান ভূগান ষ্টতে সংবাদ পাইয়াছেন (स्वक्षांक काकाभिद्रार्ट्न द्राजग्राह कन्नुवाद ব্যাস্তীত কোম ভোট ভারতবর্ষীয় প্রব্যেক্টের नीयामर्या व्यानिटक शाहित्य या। शवर्गस्यत्केत्र त्रहित त्रहाद वजाव कावा ध्ववतारकत त्रम्थुर्व ইক্ষা। প্রিনি আপাততঃ বাংসরিক ২৫,٠٠٠ होता शहिता बाएकम । अक्षकांत्र मरवात्रशह কৰিৱা দীয়ে ১০,০০০ টাকা পাওৱা রাজার পতিলেড !

উखनज राजन वांधारात त्रांका श्रकाना दनरकरक मन्त्रुर्वसूरम भनांकच स्टेश अकरन छुवातकरम ১०,००० देनमा वर्षेमा जानक चा-(इत । बाहाएक मिक स्त्र देश र,साह मन्द्र 4 (हर्ष)। द्राया व्यवनारे जात्रक्रवर्धीय शंचर्यक्रिय निकटि माहाया क्षांच १वेटवम मा । तनीव्रावन (य मधि करत त्यांच स्थ मा।

ক্লিকাভার অভিনেরা স্থাজগানীতে পর্যান

मनक् कतिय'एडम । अ काना दीवाया कालीमके भवर्गदात मन्यकि आर्थमा कर्यमा, किन्न गत्र निर्मात विक्रम यिग्राएडमा, अक होका कर्य लहैशाई कस्पाकि मिश्राएडमा, किन्न होना कर्यक लहैशाई कस्पाकि मिश्राएडमा, कीश्राविष्ट १ ७ विक्र के । क्रिके मिश्रा मक्किक्ट्रिया, कीश्राविष्ट १ ७ विक्र के । क्रिके भाग्न मान्न किन्न होस्तिमात क्षम श्राप्त अक कालिका होसा क्रिके

२७ म लीव बुधवांत ।

हाकाश्यकान निधित्राद्य "विश्वनाद्य काम यक्त भट्ड ज्यकाणि इदेश, ज्ञाण जिङ्गीने द्रभ-तिटलेट जा कट्यत दश्य क्योगी दश्यामन मृक्तितान क्षक जन दश्य कन्त्रीय काम कर्यक हाका निश्न शाहास श्रामा मुनास हाकाय वित्र रहेशानिश्तन । क्षेत्र जनताटम क्षिणवानी जानान-जित्र विहाद जाहात ६०० हाका ज्ञानाना ना निद्रनियस्त कात्रावाद्य श्राद्य स्ट्रेस ख्रान्य जाकित इद्देश ज्ञानक दश्यामन दश्याह । विद्रनियस्त ज्ञानक व्यक्ति स्ट्रेस ख्रान्य भाकित स्ट्रेस ज्ञानक दश्यामन वाहित स्ट्रिफ भाद्यन । भावकान । "

बाव প্रভाপठल मसूमकात । महिकान कारन-ক্ষের চিকিৎসা**স**য়ে কাবের পীড়ার অন্য ,খ্যস্থ। भद्र कानिएड भगम कर्तन। त्य कामरन हिकिर नक डांड व माक्नामात्रा छिन्दन्त करवन, र्क.म ছাত্রের কথার তিনি ভাহাতে বাসরাছিলেন। **फाक्टब ब्राट्स क्षार्य क.ब्राट्स क्षांडाल बाबू सीहारक** নমস্বার অথবা অন্য কোন সন্মান চিব্ল এইশন न। कतिया ज्यामात्र कान नरीका कतिएक इंदेरर, খলেন। ডাক্তর মাকনামাধ্য সৰ আসিষ্টান্ট সা क्रिन महालङ्क त्यावट्क देश कतिएक वर्णन. अबर मधाल बाबू व वक्षाणक शिविदन निद्र ভালা দৰ্শন ক্রিয়া প্রভাপ বাবুকে প্রদান ক্রেন, ডাক্তর নিম্নে পরীকা কবেন নাই বলিয়া প্রতাপ मानु वित्रक क्षेत्रा कें।शाटक अक कर जमा सुहत পত्र मिथिष्टा भागानें। .छनि मिर्चन र बानि मेव (दत्र अक्त्रान अकावान खुर्छ। क्षेत्र अवर चुने कामारक निवादेशारकन मक्षा मार्क्स कामाव खा**डा, अबर सामाह कुडलीवन मानव व**र्णक केनकाहार्व विविद्धाक्षिक एक । वेबरवह मण्डूच चार्यन ७ चारि त्रवान, अक्सन देवेदतानीवरक আপনি এপ্ৰকান বাবহার করিতে নাধুদী হইতেন ন। আপ্রি বে অব্য বেডন পান মে কাম আ मात्र व्यक्ति करतव नावें " केळानि । काकन माक नामात्रा देशम अम उच्चत्र निश्चित स्वाधवाय छ भूतः भवः एक ध्वर्णन भूदान । जिनि भूतान विकि काव क्रेट्स बाद क्रिकेश्मामुर्ट वर्तिसमित्रात्र सन्। न्देवारकः व विद्या पक्षका जानवाष्ट्र भिदा बाह्य

च नेशा छवर नहेएड हार्ट्स छांश्विगरक अवक्ष वाजीज जात्र काहात्र महात्र वहवर्षकवा वाहेरव ? প্ৰতাপ বাৰু ডাঁহাৰ আসিবার কাৰে স্বজীত কার এচ পত্র ক্লিব্রি। ডাঞ্জর মাক্লাবাবাকে कर्मना करतन, गरन शक्का विश्वाभित्रित्रके श्रका निष्ठ इत्र । एक्सिय योजनामात्रा खीहार প্ৰতি অগ্ৰাৰভাৱ করিয়াকেন ইয়া প্ৰতিপদ্ধ করা पीगात हैका। किन्न जामता इश्वीप स्टेएकि अविषयः जिमि गांशाग्रद्धः नहायका श्रांत हरेएए পারেন না। ডাক্তব মাকনাদারাহ নিকটে ডিনি अह । हाथीं बहेगा बान। हिकिश्तरकतः क्षिष्ठ मफान क्षमर्गन कहा गकरमङ कईवा कर्ष, छिति **छांहा कटलन मार्छ। एथानि मिकिश्नक सीहाटक** ज्यवर्ति थियारेश सिन मारे । क्या शार्थना यति ক'হার করা উচিত্ত হয়, ভাঁহা প্রভাশ বাবুর করা উচিত। ভবে ডাক্তর মাকরাবারা ছাঁহাকে প্রব क्षक व नित्रा जान करतव माहे, श्रदकरकत दिख्य रक्ष शतिशान कतिहा बाग्न ना ।

কলিকাতা আহাজের কাপ্তেন টেলরের কোলের উদ্রুক সাহেবের প্রার্থনাস্থ্যারে বিচার পতি কিরার নিছাত করিয়াহেন করণার কোন ব্যক্তিকে হাজতে রাখিতে পাবেন না। কাপ্তেন টেলর ভদস্থারে মুক্ত হন। কিন্তু মাজিটের পরস্থানা অসুসারে উহিচ্ছে অনতিবিশ্বরে গুড করা হয়। কাজেন ২০০০ টাকার জানীন দিয়া মুক্ত আহেন।

नावित्तत चानक वृक्ष करें धानाव अक जबी न जैनाव बावा नन्नहें नहरन विख्य ऐका छैना कान कविरक्त । जांबाता छेक तालधानीव वि बाज क्षण्यतीनिरगत खाँकपूर्वि श्रम्पक कविया नावधारम मक्तक विक कार्येवा नाव । बात छै नाम खीरनारक शिक्य कार्येवा नाव । बात छै नाम खीरनारक शिक्य कार्येव कार्येवा (प्रता । मक्तक कार्येवा प्रकारित मण्डल वगावेवा (प्रता । नन्निर्म खाँक विराह नाव कार्येक होको विद्या कार्येक क्षण करत । कर्याक्रक मुनिरय वाहा मृष्ट इव वारत । देश यथाय विनाको स्वाहित ।

अन्यक व्यास सिन्माकाय १४,१४ हैक इसि इत । श्रुक्त वरमात्र के - ४৮ हैक माज रहेग्राहित । महनावत कनिकाकाय १३ हाकाव हैक दृष्टि रहेग्रा बारक अरे प्रश्मन अन स्रकाय व्यास्टित वर्षन बंतिएक रहेरव । कर्य अनाव स्था ममस्त्र वृद्धिर त प्रारक क्रमन व विद्यार ।

জানজিবরের ক্ষতান সৈণমজিলের তথী বিবি সালিমার বরাক্রম ২৫ বংসর । তিনি জাত শ্বয় স্থানী। কট মামক জার্মেনীয়ের সহিত বাহার অন্যায় প্রেম প্রকাশিত স্বস্থাতে তিনি ইংরাজী জাধাজ হাইপুনারে এডেনে পলা দ্বন করিয়া এক নির্মানিত ক্রীতলাস ব্যবসাদ্ভির বালীতে আছেন। রাজকুবারী ইউরোপীয় বজ্ঞ পরিগান করেন। একজন করালী পুরোহিত জার্ম্বেণীয় হাকে শিক্ষা দিতেছেন। ছর্ম্বেডিত জার্ম্বেণীয় কার্যাক্ত আছে।

२१ अ शीव तृक्लिकाता।

क्रमीयांत्र युवतांख बाल फिक्रेक चारमञ् লাণ্ডাৰ ওয়েল দেৱ রাজকুমারী আলেক লাণ্ডার अभी फागमातरक विटाम कतियारस्य । बाक्स् ' মারীর প্রথমতঃ সভাটের স্কেটে পুত্রের সহিচ্চ विवादस्य मनस्य स्य । किन्न ब्रास्क्यूबादवव मृद्धाः ছওয়াতে দিভ<u>াগে</u>রর সহিত বিবাধ হইরাছে। প্রিক কর ওয়েন্দ্রী, ডেনমার্কের রাজপুত্র প্রভৃত্তি विवाद छेनलएक छेनिहिष हिस्सन। এই छेनसरक সারকেসিয়ার বিখ্যাত যোগা সামিল নিমন্ত্রিত হন । সমাট ভাষাকে বিশেষ সমানতে এছণ करतन। इच वांचा कत्रशूर्ण वनिरमम " महा রাজা আমি ৩০ বংসর পর্যন্তে আপনার সহিত বুক্করিয়াছি। একবে আমালু বুক্কাল। এ नगरत विक्रियांगात योवत्तत्र कमा व्याप्मिन इत् त्न है योवन शूनः श्राप्त इहेरन कामि कानमात्र রাজ্যের মঙ্গদার্থ বাপন করি। » রুত্ব বোদ্ধান্ত निमान करिवात मन्द्रत मधात छाँशात रूल बात्रन कर्तमः। मामिन श्रनिभाषः कतिता चार्रमक् मा अति बिद्ध कें शिक्ष के स्थित करता। मन बं হারে এ প্রকার ভয়ানক শত্রু বন্ধু হইয়াছেন। क्यांची महोटेंब क्यांट्ड कादह्य कारमब क्यांची দিগের শুক্তাকাজনী হইয়াছেন। পর জিত नअन क्रिक भ्यावशायत विवस्य कतानी उ क्रमीवरान हेर्शक स्ट्रार कार्य प्रमा । छार्छ वर्षोत्र माजम कर्कुंगर्वत्र अहे जरुकान, जानीत দিশকে যত পদ দলন করিবে ওতই বাহারা क्षाद्रक इट्ट्रा !

নবেশ্বর মাসে ব লিকান্তার ট কিশানে ১৯, ৪৩,৬৯৪। সাক্ষান্তের ট কিশালে ৪৬,০০০ এবং বোঘাইরের ৮ কিশালে ২,৯৯,৯১৬ টাকা বুদ্রিত ইইয়ারে। অস্টোবর মাসে বাবতীয় ধনা গাবে ৭৯০,৫৪,৬৮০ টাকা বাত্র ছিল। পূর্তা বংসরে ঐ সময়ে ১০,২৫,৭৮,২৫০ টাকা থাকে। ব্যাক্ষে অনেক টাবা থাকান্তে বিশেষ অনিষ্ঠ ধ্যু নাই। জ্বা টাকাব এন্ড অন্তার কাবন কি ১

মালাজের বিশ্ব বিধানারের পরীক্ষার সময়ে লাভ নেশিয়র তথায় উপস্থিত ভিলেন। এখা নেশাসন কর্তুগণ কেবল মিসনরি বিদ্যালয়ের পবীকা ও পারিভোগকের সময়ে মনন দেন। इंडेरबालीय किलिक्षाः काल करत हेश्ला है श स्वर्था के क्षणांच्य २० छन शृता के उत्त के लिका काम विलाश श्रेष किला का हिन्द के शिकाया का त्याच इस काल वाइत का गांड कारक । कार्य के न त्याच इस काल वाइत का गांड कारक । कार्य किला कार्यक विभागित श्री कार्यक क्षणिया

গশুভি বিচারপতি ছণ্ডায় এদেশে নাগাসপে নিদ বৈজ্ঞার প্রতিবাদ কবিব এবিষয়ে
এক আইন করিবার প্রস্তাব ক সমাছেন , বোষা
ইয়ের বিষ বিজ্ঞোদিগকে শুন্দতি পত্র লই
হ'র মাইন হইরাছে। ত্রিবন্ধ রে ও ইংগ আছে।
বানানাত সর্কত্র এই আইনইন্তিটে লিভ করা
ইচিত।

বেছুৰ টাইমস ব্রজাদেশের হাজাব নিপুর ভার এক ভয়ানক উদাহরৰ প্রদর্শন কবিয়াদেন। গালার জেওঁ পুত্র হত হইলে মার্কাব ইবাহিন নামক এক জন আর্মেণীয় বনিক ভানীয় পুথকে গুলন করিতে গামন করেন। হতরাজকুমাব বিদ্যো হী হন বলিয়া বনিবকেও বিলোই জ্ঞানে বাজা র এক জন কর্মচাবী বনিককে ইংর'জদুতের গালীজে লইয়া গিয়া এক লোক হাজুকি দাবা প্র হার করিতে লাগিলেন।

ৰোহাই গেজেট বলেন স্নাইনিনিয়ার বন্দি রণ জীবিত আছেন । কিন্তু রাজা থিওডোব উহাদিগকে মুজ করিতেছেন না। আবিসানয়া আক্রমণ না করিলে বন্দিনিগের উমাব হইবে মা।

२४ এ भोव शक्कवाव।

গারো পর্মত সকল এক মুতন বিভাগের ক্ষীনত্ব ক্রয়তে গ্রেপিন্ট তথার এক জন লিখিল সর্জন প্রেপেশ্ ক্ষিতেকেন। বিভাগের সদর মহকুমার স্থান অস্যাপিও নিশীত হর নাই।

विश्वास अत्यक देशिक शृतिष कार्या भिश्वास विश्वास होका निम्ना त्यामक स्टेस्ट मुख्य क्षाम्माद्धा उज्जान गवर्गमक काम्रास् वर्षीय गवर्गमितिक किथान। कर्यम, यथम रैमिनिक्स शवर्गमितिक कार्या प्रक्रिम, क्षाम स्थितिका शवर्गमितिक लोजन (पञ्जा स्टेस्ट कि मी क्षामकवर्षीय गयर्गमित जात्याहिम कार्या

চটুরাবের ক্ষিণ্ডালর ক্র্রোগালুনাথে প্রতিকেট আগামী যাগোর জাগালে ভত্তভা পুলিবের আন্তঃ ১০০ কড়া বন ও পালিন প্রেরণ ভারিবার আন্তা দিয়াকেন। উচ্চ নগারের বন্দ

स्वर कुन्नार्थाः सम्मात् स्वर कर्षाः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः

भध्यकि श्रवानम्भ विहातान् निश्चात्र करि ग्राहिन, क्षेत्रम्भ भएकत् माकीतं स्ववंशविष्टि क्षोणमाति मानीन मन्पूर्व विश्वतं क विवृद्धिः इसकं भक्षमान सा स्टेशन विहास्त्राक श्राप्ट भएउ

ইংলিসমান অবগত ইইয়াছেন পঞ্চিতি মাসনক্ষী মেসেজাবিদ ধ্যোপীনি ইতিমাছি ভাহাজে কলিকাভার আসিকেন। ভাসনত্ত্তী গবর্ণর জেনববের বাসতে অবস্থিতি করিবেন।

१क अ (कीवं मनिवाद।

म्ह्यां विश्व श्रेष्ठां स्थान महत्र जानीन सर्वत स्वा मिश्वरणीत माहासाधा विन्नस्ति-तात्र (मस्त्री व्याक कृतियात आस्त्रा त्वा द्या नस्त्र विश्वालक कृतियात आस्त्रा त्वा त्वा द्या व्यात क्षा क्षा क्षा तास्त्र व्यात महत्र जा-वीत्वत आस्त्रा विश्व व्यात वात्र विनामस्त्र (मत्त्र अक अक विश्व व्यात् । यात्र विनामस्त्र मा नाहरम्थ " वृक्षि व वृज्ञा क्षित्री त्वा । स्तिक मासी वर्षमा, साहत्व क्षामस्त्रि क्षा क्षा कृतियात् व्यात्र निक्टि स्वामस्त्रि

क्षि चान इंखिता ब्रह्मन, कहें कि इंखिन इखाल को निरांत कना कि किनम निर्देशिक के इहेग्राटकन, डीश्राटन कक्षणकाम क्षान त्यन इहे ब्राटन, डीशाना जुतान किन्योखीन क्षाच्यानमन कित्रियम। इंडिटन बोह्या वर्गन सुद्ध धेक्स गाधादांटा छोश त्यु किन्या धितिहार । किस अस्त खाननमा जीरहरून निम्नोक्षणीरह के इन्हिन्

চতুৰ্ববিশ লোক অৰ্থাৰ ১২ সক্ষ ৫০ হাজার লোকস্মিরিয়'ছে। যেদিনীপুর এবং পঞ্জান সন্মেন্ত গটিলে মৃত সংখ্যা ১৫ লক্ষ হইছে।

ইউরোপীয় সমাচার।

লভন ২২ এ ভিনেষৰ। পোপ হাৰভীর কাপ লক বিশপকে আগামী জুনগালে রোমে মা সতে আজ ইনিয়াছেন। পালনাল গেলেট গর বাইল কি য়ায়ের ক তক্ষ্ম প্রশংকা করিয়া থলিয়াছেন ষ্টেট সেক্ষেটরির কেলিলে ভাষার লাগনম বিশেষ ক্লাখৰ বিষয়।

লগুন ২৪ এ ডিসেম্বর। আর্হিনের বিভার উপলক্ষে ডেলিনিউল পত্রে বিশেষ তর্ক চলি ডেছে। সেনালাড লার্মান ও ক'বেল মেলিকো হইতে নিউ জনি মুক্তে প্রত্যাগদন করুরাছেন। উ'হারা যে উদ্দেশ্যে লিয়াছিলেন ডালা সফল হর নাই, লোকের এই বিশ্বাস। আমেরিকান হুত সেনালাড ডিল নেপ্লিয়নকে জাপনান-শ্বোপ পত্র প্রদান করিয়াছেন। পরস্পাবের মঞ্জ ও বৌহান্দি বজায় থাকে এই জ্বিপ্রায় প্রকাশ করা হুইরাছে। ভারত্যবীয় রেলওয়ের লাজ প্রায় প্রবিদ্যাতির আমিনীটাকার সনান হুই রাছে।

শগুন ২৭ এ ডিলেছর। প্রীক সেনাগণ কাথি ছাতে মামাতে ভুরক গবর্গমেন্ট প্রতিবাদ করি লাভেন। ভুরত্তের দীমার নিকটে গেনা সম্বেত করা হইরালে।

नथन २७ अस्टिन्डत । द्वास्त्री रेडेक्टिन्स स्ताद्व भवन श्रद्धार भतिष्ठ,ख रहेग्राहर ।

केषंत्र कार्ण्यनीत अक्जिङ श्रास्थ नमूरश्त श्रमानी प्रदेशारत श्रमीत ताका नर्स श्रमान १४ भारेत्रार्ह्मन ।

লক্ষা ২৭ এ ভিলেষর । ২০ জন ভারলো ক্ষে কলিকাভার বিশলের পদ দিভে চাহ। হয়, ক্ষিত্র প্রডেয়কেই অধীকার ক্ষিয়াহেন।

কেবিব্রান গেনাপজি বিলায় সহযোগিলিগকে এক পত্র লিখির: বিকেন্সের যুক্ষারাজ্যে প্রস্থা বের প্রতিবাদ করিয়াছেন।

> नवर्गायक विकासन । वक्षाविक व्यक्तिक स्वर्गायक व्यक्तिक विकास

২ ৬ এ ডিলেছানিয়লিখন চেপুটী কৰিবনর বিশেষ শন কৃতি ক্ষেত্রিটো চা

न विकास महत्त्वभाग एउन्हें क्यिनाय कि केस विकोध (स्वेती क्षेट्रक अन्न अन्योदक र स्वोध তের ভেপুটা কবিসমর ই পি লয়ত তৃতীয় খেণী হইতে বিভীয় জেবীতে, শিবশাগরের ভেগুটী क्षित्रमञ्ज कारश्चन এह, स्काल हजुर्य स्ट्रेस्ड ज्ञीत (अर्थेटिक शासामना प्रार (३९६) कवित्र**न**द कार अन अ हे कारबल ३ वें (अनीएफ, अवर कार्या মের অফিনিয়েটিং আনিষ্টাত কাম্সনর বিভীর (अगीव चातिष्ठान्डे किममार. त शरम नियुक्त ब्बेग्राट्डन ।

७) अ ভिरেশ্বর বাবু অভয়াচবণ বহুর অন্ত প दिखिए अम वि शास्त्रहें म वर्षमान जिल्लामन (एन्डी मा करके) अवर एउनुनि कालकेश्वर श्री विभिन्न इति वनु अवर विजीत । अभीत विभीन माबिटिंग्डा क्या शाक्ष श्रेट्या ।

ডেপুটী মালিটেট ও ডেপুটী কালেট। বাবু রক্তন্দাল ঘোষ কিছুকালের জন্য গড়বেভিয়া সহ ডिविসনের ভাব প্রাপ্ত হইবেন এবং মেন্দ্রী भून व दोकुड़ा इसलाय मा.सटकेटहेन भनकाय कार्य, क तरवन ।

ৰাধু হারকাৰাথ গেন প্রেনিকেনী ডিবি কেব श्चरित्रं (प्रश्रुष्ट्री बाक्षित्रे क्षेत्रार्ट्स, स्मा ৰনে ভাষার খানা হইবে এবং তিনি উজ বি ভাগে এবং বাকরগন ও ছাক বিভাগে ভিতীয় (अभीत अधीनम् मास्त्रिकेट क्याका शाहरा। (\$41

প্রেয়িত।

भागावत औयूक त्यांभधकां में मणार्मक अशंभग मधीरभष् ।

मन्त्राहर यहां वय

জেলা ২৪ পরগারে আন্তঃপাতি বাকীপুর क्ष्मकान पुत्र नामक क्ष्में विष्टेगतन काराकी एक्सिक्डि, बाना चूठे धक् खेत रश्वाम धार स्हेश वक्ष कृत्थिक स्हेलाम। वीवीशूत है। भागत मबहानिमारभक्टेराव कार्याकारिका कर्मान ध्यक्षक स्देश ज्यापनकात निक्षे एक वर्षा विद् म्हत कु उत्तरकत भ्रेतिया, अञ्चार किन्य, अन्तर মার্বিখ্যাত পত্রে স্থান্দান করিলে বাডিড रहे । अवरमत क्र्डिक मन.त **উर**न्टिग्ड अनाकाक रहिएक পुत्रनियांनी अकृताय क्छारी ও ইনাভপুরনিধানী ভাষাচ । দ চক্রবন্তীর বাটাতে **ভাকাইভি এবং লোৱাচক ও খান,ঘাটা পড়তি** फरमक कदनक छाटन थांचर खु ३ एहेंग्रा नाम्रा ৰাকীপুর ইষ্টেগনের সৰ ই নিশেষ্টর জীয়ক বাবু **इ.ज.नाथ कडे**ाइ।ब्रा केश कताबुक कतिब्रा कट्युक জন ডাকাইড ও চোৰ খুড ক্রিয়া ভায়মও হাৰ

रातक (छ भूषि मा किए है हिन निकड़े जर्भन करतम। किছू मिन भूर्त्म छथात्र ३०।३७ में वालिका टानि ना छात्राज्ञ किर्कात्व अव्याद्धि शाहेल। পরে ভাষারা বস্থানে প্রভ্যার্ভ ষ্টরা আপনাদি গের তক্ষরতা এক্লপ প্রস্থলিত করিয়া ভুলিল যে जाराष्ठ लाकमिर्धाव धन, मान, श्लान नर्श स तका भाखन्ना इक्व इहेग्रा छेट्टिन । उरकारन ञ्चलाचानभुद्रि अकसम अधाम डेनिएन्स्हेर ও এकस्रन मन केंग्राम्मकेव करमक्षमा। (इडकरमकेवन दिन । वीकीश्वर अवजन मर्वेड्सिएलडेंस ७ कर्ड कहन ং ৩কনে ইখন মাত্র ছিল ৷ কিন্তু স্থপতান পুরে यउ टाकाहेलि ७ कांत्र मृख इय, दीकीशुट छ ज्ञ ४ ७ रहेम्राहिन। मदानदम् छु,नाधिक पृष्टे भक्त जामामी भूक इरेवा आहातात भार्ट म इरे त्व औरुअन्तास्त्रहे मिद्धात त्वन्त गार्क. ও জীগুজ ডিনট্টি ই প্রারিটে গুল্ট মিইার পা **उपूषी यांगित्रेष श्रीयुक्त** में मार्थ्य, ৰিয়ম বাৰু ও জীগক জীপচক্ৰ বিদ্যান্তৰ ও **जीवुक्त बातु खराती गर्बाध ताम्र उ.हे भरहातरम्ब**ा मानानएउ धाकिया करश्वकातातः विज्ञाचा उ কয়েক স্বাকে কা গাক্ষ ক্ৰিয়াছেন। মহাশ্য वीकी भुद्धाः हैर है मरमद्र मच है निरम्भ हैव विस्था কার্যাদম্ভতাহার সংশয় নাই। এতাদৃশ স্থানিপুল বাজি প্রধান বুনিদেশ্রীর পদে নিযুক্ত হইচে ध्यमात्र राष्ट्रक्रमण यत्र जाहात आवि अरुक्षकृति १ बीलकावत कहाहारी।

३२ हे बाङ्गाति कैसि ५कः

মান্যবর 🖺 যুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক महानग मभीटलयु ।

मिर्वायु कित्न-विभिन्त ---

कदन्द भिरमः। পर गिवायहे अप्यक्षणंन कतिव गर्षाहे श्रीष्ठ क जाना मा इहेलान। अस्तानकार विनासिएयत पृष्ठी। बनाय सहिकाय क्रांसनार इत-नारक भारतेमात च्यानक चन्नु द्वा धरिन्ना जिला, राष्ट्रा ७ अक्से स्थानश हे हे कालश वि. चा उ इहेशा সে জন্তাৰ নিলাক্লত হইয়াকে। এদেশেৰ প্ৰয় क्टिंगो जीवर दां न ने दूस कर भश्या. अक्रमा क्रान, धन् वर्ग श्रमाम मा कि है। कार বে'জুল ৰুংস্টেব্ৰ অধিক ছট্ল ইপাৰ উন্ধত সংগ্- 🔻 बार्व (बक्कण अर्थराष्ट्र छ श्राद्धिम चौकांत्र कार ভেছেন ভাষ্য দেখিয়া খনেশবিভেক্ত বানিজন। অনেক শিক্ষাল'ভ করিতে পারেন। যাহাইউক. श्वाञ्जी स्केबाद अहमक महावना स्थेत ।

/इस: 'तन कार्य केर्य केंद्र केंद्र 'तन प्रतान केर्य किस प्रतान

পাওয়। ভাগ হইত, একণে অনুনে ৩২ ট্র বালিকা নির্মিতরূপে শিক্ষানাত করিতেছে। ছাত্রইত্তির भुष्ठक भर्ग व व्यक्तिक इट्रेस्ट्र व्यव वानिकादा गण्डायसम्बद्धाः भद्रीका नाम कतिए भारत । জীয় জ বাবু কামাখ্যানাথ ছোৰ এই বিদ্যালৱের শিশক। বিদ্যালয়ের বর্তমান সৌভাগ্য ভাঁদাবই क्षांच वह उ श्रीत्याम्य क्षाः।

নিবাৰই আমেৰ পাশ্বভী দক্ত পুকুর আনেও अक्ही ईश्टाक्षी वाकना विम्तानम् व्येगारङ् अवर **उद्ध**ण्डा वाल २ ४८११त विषय के देशकां मध्या महार्वना छ इहेल। किन्न शहे छे छन्न-तात्वत्र राजभेत्रीकेड ७ कम्छा छाशास्त्र हरे हैं। यक्क विम्हासभ कथनई छैड्यक्रटल इसिट्ड साट्य ना। प्रभोत (लाटनदा (यमन अन्।विषय गहेशा भनावमी करतन दिनाविषरप्रक मञ्जूकिरिक्ट् न, देश (म.चना व्यराख मुक्क इश्वतार्थान । छीहाता यकि मान्य यथार्थ कन्यान, वानकमिर्वाद शकुड हेब छ अवर जाशी कम लास्त्रिय अछ,।भा करवन जाहा व्हाल এकनि विमानम विलिष्टे आर्थ वका করাই উত্থ কল বুলেতে পরিবেন। আমি এই উভন্ন আমের কল্যা। ইক্ষা করি এবং উভন্ন প্রাধ্যের ই হিভাবে ভাঁহাদের নিকট প্রস্তাব করি-टिहि य कें.शदा अक्की छेरकुष्टे इरवाकी विन्ता-त्रव ०२९ अवकी के प्रमुख्ते अवस्थित। सम्मुलका कहिएक .७६। कश्रन । निवाध हे आद्मद इत्ताकी विकासम् वञ्चित क्रबराचारक हिन्दिक अवर खाशास्त्र गवर्गस्टिहे माद्याया चार्ड, म्ब्डीरक्ट अधाम है । वाक्षी विकासिय करूम । अहे । वक्षा व्यक्ति (ग्रह्म হানে প্ৰতিষ্ঠিত হইয়াছে ভাগতে উভয় প্ৰাপেন ব'লকেরাই জনায়'লে শাতায়াত কাবতে পাংৰে। বি ভীয়ক্তঃ দকপুত্ৰ হৈব প্ৰাত্তে বন্ধবিদ্যা সন্ধনী স্থাপন করিলে ভাগাতেও উক্ত প্রধার क्षेत्रकार कांगटक शाद्य। विकासिय ब्रकान वसः शेजनर्थत अन्य अंग्रह्म रुप्ता स्थान स्व न क छोड़ा अहे धकाव धिनदर्दछहे निश्च इंहैटड भारतः। यमविकालायः श्वनाभटानेतः माश्रायः लाख चाका बाग्र मा। विकास विकास करिया अवर्त । १३८३ পাবে এব॰ ইংরাজী বিদ্যালয়ে নিমুজেনী ना वाशिदा अथ न स्ट्रेंट्ड वालाक्त्रा किছू क्रिक मिका ल'ल करिक्षिण्यात अविष्टे स्टेर्ड भारत।

वामक श्रवान (काल्क्या यनि धनमा रहेग्रा करे जान छन'य व्यवस्थन करतन ए।वा वहेटन ইব্ল'লয়টা এক্ত হইরা বিদ্যালয়স স্টেম্বনল । ইহাব এই উপাদেয় কল ৮ খিতে পাইবেল বছ-্বেদনালয় স্ইডে ছাত্রেবা ছাত্রেবি লাভ কবি-नियो हि नाम गरिका नामुद्र विजय क्रिक्क किएक अर्थ हे का विशासिक करें के विश्वास प्रतासमान भागीय । दिशीर्भ क्रेनेन्स्य । स्थान

हहेंद्र नामाना नामाना भावेगांना ब्रास्थित ड আর প্রয়োজন হইবে না যত দিন উছোরা এই রূপ উপার এংণ না করিয়া স্কুত্র স্কুত্র স্বরু বিদ্যালর রক্ষার প্রতিজ্ঞান্তর থাকিবেন তত্তদিন পরস্পারেন উत्रिप्ति वृत्रचाक (मास्ट्रिन । मन्छि कुम कुम विष्यामञ्ज करणका अन छेरदृष्ट्रे विश्वासम् व्य व्यक्तिमित्र, हेश्राधनर्य स्माप्ते अवर :मनीव स्माटक्द्री यक मिन ना बुखिटनम उक्तिम उँ शास्त्र गन छ व्यवसान करनक श्रादमार्थ (नफल ४३८४)

क्रिडची शादबंधक !

মান্যবর ঐাযুক্ত সোমপ্রক<u>্র</u>ণ সম্পাদক महाभग्न ममीर शयु।

बांशामिरशत हर द तासकीय क्यां थारक कंडमूत्र सीव ও मछक रहेग्रा य जाशासन कार्य, कता विरुष्ट छाडा विरुवहक दाक्तिवादबरे दिलकत बुक्रिएक भटरन । अकानियांत्र धन भीन এवर আৰুরকার কন্য রাজফীয় ক্ষমতা গৈচয় সেই क्ष्मका (मनारम लादका पन मान वरर धानि-बारन निरम्भिक एवं मिथारन जांबी कि उग्रा सक मूर्खि थांत्रव करता। किन्नु निम क्टेन वर्ताक क्षेत्र कृष्टन मोखिएक्टें बनरना जारहर अक्षी प्रधा नक कार्य। कत्रियारहर । एखन्डा कारलब्रेट्रब्र म्बद्धानात्र औषुळ वाव डेरममञ्झ स्वाव अव 🚁 অন্তি সন্ত্ৰান্ত লোক। তিনি বহুক'লাৰ্থি अवर्ताहर के कार्य। कतिया वसकी हरेग्राहर अवर ভাষার উপরিস্থ কর্মচাবিগণ চিরকাল তাঁহার প্রাপুর্যা ও কর্মদক্ষতার ভূমনী প্রশংসা করিয়া चानिवाद्द्रन । वर्षाहर तव এक वर्षक चान क्तिप्रोहिन, मनदब्ध गार्ट्य (क्षांन क्षेत्र) त्वार्ट्य नेबाबर्ट फेटमन वाबूटक रुग्हे स्विवगर विष्टे ৰ্লিয়া ৰে প্ৰকার নিগ্ৰহ ও অপম'ন ক্ৰিয়াছেন আহা বলিবার নর। উক্ত বাবুর সাহত আলকা-ब्रीप्र वित्नव भवत्र नाहे, उद्रश् क्रांत्रक विवद्य ভীহাণিগের পরস্পারের মকদ্মমা ও বিবাদ চলি স্লাছে। বে ব্যক্তি মনরো সাধেবকে পরাহর্দ বেন, ডিনি এক জন অসং অভাবের গৌক পুলিরা পরিচিত এবং ট্রামেশ বাবুর।টরবি-देख्या, । अधीवक अवजी किश्वतीक कथा शाहन त्सीय विकास रहा। এरेज्ञाल माजिएके मार्ट्स 🍅 क्रें केनर लास्त्र डेएडक्नाय व्यर वक् बीक्राम्यक्ष वशाम अवशे विभिन्ने उस छ किर्देशिक वाकिएक क्षथाम शंकरण वाचिरम्म, बार्य कीवाकेष कड़िरनम । जानक अञ्चनकारनद न्य स्वा किन्द्र है दीकात जनवार मध्यान इंदेश के करण दीराह टा रन सहेशा मू क श-

श्रास्य भगन कविहा अविवृद्यं क्यूनकान করেন এব ভাগতে উমেশ বাবুকে সম্পূর্ণ बि: शिथी (व चश्रा मनद्वा मार्ट्स्क वर्ष है जिन्न स्राव कर्या अक रिट्ना है कर्यन ।

खेरमन व'व अकारन मिक्कृष्ठि भाहेब्राइम, जि'न ककर्व मन्त्र्र निर्द्धाची विविद्या मध्यमान হইবাছেন। কিন্তু এমুলে একটা কথা উপস্থিত हरेट एक म ध एक छन् विवाह द कि अहे भर्याच रहेशा (अब रहेर्द ? जिंन अक सन छम्डा भवर्र (मा हेत्र स्था, जि में अक सम महा ए जानक দার, <mark>তিমি</mark> এক জন অতি সাগচরিয়ে ব্যক্তি। ভিনি ৰোগ্ৰা সহকাৰে, বছকাল'বদ পাৰ ফি (केंद्र (अव) किन्त्रा शकारण श्रेप्तादिन अवर कारमक ममंत्र अवर्गरमा हैन का कि निवाद में क वर्ष सुष्ठ श्रामन कतिहारहम। একশে ডिनि का ধায় প্রবাতি পত্র সহ '' পেন্সম » লাভ করি विन, मा निव्ननवारित कर्म स्ट्रेंटिंड विद्राप्त स्ट्रे (नन, कांत्रा घढना छान कतितन अवर अकी क्रमक्षक छोडान बहेरमा । श्वर्गायकित कि अ विश्व नामाना विनिद्रा ऐरनका यहा कुर्वरा? गाहारा साहात निजय ७ जनवारनते हुन ७ नर काती, ভाइणिराव श्रांख कि नमूहित मश्रविधान क्ती विद्या नव ? फारफ इंट्रिंग सम्बद्ध इन्द হু^৯বে, ভাহারা মির্কিলে লোকের সর্কমাশ করি ए थाकिए विविध कि? इंडे प्रमम अवर निर्व भागन विभ द्रायामच् **रह, ए**टर अविद्र शवर्ग (मन्हें देशानीन शांकिएन निमान्त्रात अवर क्षड़ा वांग्र क्षांगी इहेरबन मरमाश्चाहै।(३)

-----মান্যবর জীবুক্ত গোমপ্রকলি সন্পাধক महाजब नमीटनय ।

चाकि कानि विश्वविद्यानार्यप्त भन्नीकात छेगड অনেকের মান সম্ভাষ এবং ভাষী সৌভাগ্য নির্ভন করিতেছে। এই পরীকা কার্যারী অভি ক্রমন্তর वताशात बनिएक स्टेटवं। देशी विशिष्टको सुवायम মতে এবং অধ্যালগাতে 'সম্পন্ন হয়, এইরূপ সক-(शदूरे देग्हा | किश्व जामद्रा देशम माना विवास বিশ্বকা ও পক্ষণাত দেখিয়া শুনিয়া নিড়াছ कृत प्रेटिखिड़ि अवर कई मुक्की रस्त्रा कि इवावर्त भावशान इन मिहे समा होहे हाति कथा विनिद्ध बानग्री कवि।

-)। छाउन (गाहैकाकिम शरह शक वि **अन**, वि ७, धवर कार्ट कारहेत भन्नीका रहेन । भन्नी-कार्थीपिरशंत्र मर्या नंकरलई य बालके ७ विज्ञान-जर्मक काञ्ज किल एनेहाँ गरह, जादनक दलक सामा
- (३) अ विवयनी वाम गाउँ। एक फरव प्राचि कल जा योगरक स्ट्रांच अवर देशरफ भव्नरवर्द्धन विरमंग मरमारवांश कहा कर्यम्। ग

দান ক্ষেত্ৰৰ। ক্ষিয়ন। ভাল্পিয়া। সাহেব উক্ত । শিক্ষান ও ছিলেন। প্ৰবের কাগজ ক্ষেত্ৰ স্থানে বুরায় প্রোরত হইপ, কোন স্থানে ১০। ১৫ মি-निष्ठे दरेशो राज उथानि जाहा एक नज दहेन मा। এদিকৈ লেখবার সৰ্য় নিশ্বপিত আছে, ভাৰার गर्पा निधिष्ठ भा बहेरन काशक शृहीष्ठ इत्र मा। বীহারা প্রশ্ন পাইলেন ভারারা লিখিতে লাগি-लिय, योक्षित या शहरमय लेक्षित यन यन्तरम দ্রায়মান বা প্রথ পাইবার জন্য জন্তর হইলেন পরীক্ষা সম্পাদক আনিয়া ভাষাদিগকে ধারা প্রদান অথবা অন্যন্ত্রণে অপশান কবিছে ফ্রাট क्रायुग माहे। यामदा प्यकाख हरेलाम, अस्त्री প্রাসম্ভ কলেন্তের শিক্ষক এইশ্লপ এক স্থান মন্তা-त्रमान स्टेब्राइट्लन, (मधे ज्यापदाट्यत मट्खत क्रमा পরীকা গৃহের এক পারে ভাঁহাকে কিয়ৎক্র দ্রায়মান থাকিতে হইল। উচ্চ পরীকায় এমুপ वारहात्व श्रकामा करा यात्र ना अदर अन्नन ব,বহার ভদ্রলোকেও সহ্য করিতে পাবেন না। আমরা আলালতে বিচার প্রার্থীদিলের বে প্রকাষ इत्र हा दिख्य भारे विश्व विमासदात भवीकां औ বিগ্রের ক্রমণঃ সেইরূপ ছইতেক্রেঞ

> ২। প্রশ্ন লিখিবার সমধ্যে উপস্থিতির তা লকা করা হয়, ইহাতে বিনি ব্যক্তভ, প্রযুক্ত উত্তর দিডে না পারিলেন ডিনি অপুপস্থিত হইলেন। এই সমুপশ্বিভিত্ন কিন্ত্ৰণ দশু ভাষা আমনা ঞানি না, কিন্তু লিখিবার সময় এদিকে কর্ণপাত করিয়। খাকা জড়েছ কঠিন এবং বির্ভিক্ত বলিয়া বোধ হয়।

> ৩। এম লিখিবার সময় শেব হইন সানিবার জন্য ৰঙীখনি বা জন্য কোন বিশেব উপায় নাই, বলি পরিদর্শকেয়া কোন দিকে অপ্রগ্রহ করিল্লা কলিল্লা দেন ভবেই যাহা হউক, কিন্তু গ-बब अकट्टे डेजीर्न स्टेटन नडीका नन्नावक एठाए আসিয়া হয় ও কাহারও লিখিত কাগল ছিড়িয়া। बिरमन, रक्ट रक्ट मिथिएएह जारांत्र बिरक कृष्टि পান্ধ করিলের না। এক ছিকে প্রাথ পাইবার বি-मध्य ज्ञां निष्कु गत्रिज्ञायत्र विषम् छ। देश ज्ञान्य স্থান কর্মের কারণ হইর। উঠে।

> । পরীকার্বিভিগের বসিবার ব্যবস্থাও চমৎ-कात । अक विद्यानहास महामान हाज भवन्यदि প্রায় সাত্র করিয়া ইনিছে পান্তে; 'গাউ ন নাৰ নাজ, সকল সৰ্বাধ ভাৰায়ৰ, সভৰ্কজা প্ৰেৰা यात्र ना, देशोएक क्ष्टीकर्रायत व्यानक शारनाकन त्रवद्धां रहा। 📜 🎾

भक्तिका रिवर्डक काह जाह क्या भट्ट वर्गन-मात्र देखा रहिता । अवस्था आहे अवस्था विवटका **উत्तर कतिश्री जीका अजार लग कति।** পরীকার " কী ^৯ ক্রানে অবৈক বাজিয়াছে, জিয়া 🗎

লিখিবাৰ কলম কংগজানিয় জন্য এড় কাৰ্পনা श्याम स्ट्रेएएइ (कम ? क्यादा भरी काथी। म शतक वाही इट्रेंड कमन जानिएक अञ्चनिक करा ब्हेब्राड्नि এवर कांगल यान (मख्या ब्हेब्राडिन, ভাহাৰ কৰক অভি অধন্য এবং কভক এক সৈ भवीकार्थिनात्व कुन्डाविषष्ट भारत वागद्य कल মানিৰ অপৰয়ে হয় এজন্য পৰীক্ষা সম্পাদক অৰ भारे भावताम करें एक शारान किंद्र उच्छना शही कार्विमिश्राक कहे (ल्लग्ना छ खाइरामन कार्याह वर्षाचाल कवा कथनहे विद्राव क्षेत्र भाद ना। आमानिर्शय विकिष्ठीय मार्ट्य प्राटिश्याण । क्रुड्ड्र उच्छन, ज्यारता छाराटक वन वान श्रमान ক্ৰি, কিন্তু ভিনি অপেমকৈত উপাৰ্কত ভইয়া आभागत महर कर्षता अगन्धात कतिरता क्षा । अ আনেদের বিবয় হয়।

> ब निकाफा विश्वविद्यालस्यव के द्रांक धार्यो।

यांगारत श्रेषुख भामश्रकांण मण्यांपक महान्य मग्रिश्यू।

ज्ञित्रय जित्रप्रविषयः---

মহাশ্র! মেনিন পুর ভিলাতে গড়বেতা क्रमत्र व मध्डा अहे जिन्ही नर्दा हिन्न भारत उन्दर्भा नक्ष हा भव हिविकारनह नाम अविवर्क ना कईया द्वान পরিষ্ঠ इरेग्नाइ। क्ष्यंक वर्मन भड इहेल. উद्याव (छ भूमि कालिकेन । छ (इ भूषि नामि किन का जाविन के खिटल अवः बूनमर्कोने पाइ-्न देहिंश शिश्लाद्धा ७३६०, नथ्डा ५८७५। उ হতপ্রী হৃহয়। গিয়াছে । যাতা চটক ভাছাতে काराद्वर (सम्माष्ट्र कि व अ अविशिवस्तरी त्व त्य भवनवात मन्दर्शी किन डाइड्लब पटन-विकः छेल्व धूर्या विভাগের লোক। भग्ने अधन शादनव नाके दर्छ इडेग्रीटका विदर्भगा गात्म, आधारणव वाम ध्यमवली शन्तना ४३८७ न्छ । ७ । इ .काम व,वबारन किन । क्रू उद्गार न्द्रांग-ক্রে এত, চারপীভূত ব্যক্তিরা তথাৰ গিয়া | শীব্রই আপেন আপন রকাব উপায় বৈ ন কারতে পারিত। ভজনাই এপ্রদেশে তথন हर्वि ও अम्मान अधनाम अधिक हरे हैं न। अवः अक्षान स्ट्रेट्ड (मन्प्रांति, त्रोक्षमावि स कारमहावत कार्यः निकार इधे छ। अभरन अवस्ती एईएड क्रोजि ३३ दलान क्वरान स्वर हा इस ও (सूनमको रहेगभा) ১२।১**० व्या**न বংবধান : এই দুরভা নিবন্ধন উল্লিখত স্থান-वः नी दिशास्य दिश्वानित नालीम रहेदन अक्यात

বায় কাঁখিতে বাইতে হয়। এক ব্যক্তির ছই द्रात मकस्मा चित्रवाव विक्रित नहरू ज्यथ् इरेखारन मा (गर्म नाहां न पर्क क्रामिन्ने, गर्हे। अब उक्त म वास्ति कि छे छत्र भन्ता है भाष ना ? ना छ'हान वाय अयात शत नाई शतिकाम এবং মন:পীড়া হয় না ? ভাহাতে আবাব এদেনে ण्यं वी भ्रम्भाष शमनोशमानह सुविधा अर्कवारः गाँहे। वालिक्यांभित कथा ब्राह्म थाकूक, काउ वि भाक मा क्हेर्स स्मिट्क अक शांत इंहेर्ड कम श्रीर्थ योष्ट्र मा। जीन जन निर्श्वासन्त जीतम द्विश नाहे। (य बार्व ब्रेडि जिस्क इप्न, त्व बार्व निक्ष कोळा इष्ट अवर साम काडेवाव ए ज़िल थान ७ शुक्रविनी बाहे रा क्लक्ट्रे बिवायन करव ক্তৰাং অনানুষ্টি চটনে ১২৭৩ সাল অ'নিয়া উপস্তিত হয়। ধানেরে তালিপথ দিয়াই সানান্য। गमनागमन कवित्रां भ'त्कः। अथन त्म कथा पृत् णे प्रेक, विकार करेगा कथा। अमान्य अल्लो**र्की** नश कविर्फ मा भाविष्ठाहे स्म'रक विहानासर्गन बाट्यय अहम करिया भाग्य । जाव अहे हिट्फालहे বিচারালয় বিশেবত স্বচিবিজন স্থাপিত হয় ' যধন ভদ্মারা সে টিকেশ্য সাধিত হইভেতে না क्थम विष्यात विष्यातम् अभिन कवित्त अनि-কাংশেব স্থাবিধা হয়, সেই পানেই স্থাপন কংগ উচিত। গৰংমেটের নিজেব স্থাবিরা লইয়া বয়া [†] नय्न, अव्याव धन श्रांव वकार्थई विहोराञ्च निर्ना श्रांभरनव अभाग छेर्ल्स्,।

गण्यांत्रक महाबंध । हिख्य निवी वि पूर्ण अवसी नामिल करा। जनविष (मधानकाव नर्म शकः भरे मार्थ अवश्री भूरमाती काइ वि ने शिए । यहा घड़ेरव हेश एक वि एख कि जोरह ?

कट्टेरक अनामार्म नहां कर्तिमाहिन। किन्न नश्डी বিত'গের ছার্ভাগক্রেমে মাজিকেটী কাছাবিটী আৰু কিবিয়া আসিল না এবং দেই দুষ্টাড়েছ বোধ क्या. मञ्जाब भूरक्षिष्ठी ७ मा हुट्स छितियः (श्रम । এই উভয় का बर्ग मञ्जूष जूबरेष्ट्रा परिष्ट भ'रह. নগুংর ভাষে সকলই ঘটিয়াছে। নতুংতিত '' চটনাগ্র ৯ মাধে একটা বিহা'ত শিবমূর্ণ্টি, প্রতিষ্ঠি চ আছে। শিবের মন্দির্মী : হব ও **মুর্গ**ে বটে লেকা যে এখনকার নয়, দেখিলে ইছা 🛴 न्निक क्षाना बार्य । त्मरे भिर्वत श्राष्ट्रभाद वास मान उथ्य प्रमाखन स्वार्कत दिलकत नमानम इरेश: थाएक शन ५ तखन द्वानि उ इहेरल मकल-মানি নিব্দুন আনও জাধিক লোকের স্থাগম क्ता अहे छना नए शत वाष्ट्रारव जवकाय करम উংস্তু ১ইয়া উঠে এবং ভূতপুৰা মুৰ্পেক ও (छश्री कारलकेरप्रव घटन छथाय अक्री देश्वाकी বাপলা বিদ্যালয়ও স্থাপিত ইট্যাছিল। এই भक्त छा वि छेत्रीय सुद्रक कारा (प्रविश्व। नशुका গে জেলে উল্লভ এবা বানে আলোচন করিবে ভথন आधारितात हैर। विन एव .दांव बिल । किन्छ करम ৰিয়াবাল ভেলি সামান্তবিত হওয়াতে এফেবারে खारा जीवर्षे बरेगा। भगाइ। देखिरान ए ज्या। कर्मन ब'या मध्यान हरे ब्राइक रच काकान छिएमा-(इहे वन नज का अब अवर वीख व अध्यापिक नजव वस हता कात भी छाति (क स कार्मनर्गिक का न्रान (प्रमा । दम क्या (म क्या, कथा। आमामिरानय · জন'র প্রধান স্থান বা সদর স্টেশন মেলিনীপুর ষভান্ধ জেল। ছিল। সত্তা বিচারকার্য, নির্দান । ১ ১৪০ বংসর পুর্ণে বাজ ও ভল্লকর আবা । হার্থে পৃথক পৃথক বিচার'লয়ও স্থাপিত ছিল। । স্থান ডিন (এখনও তারা অধিক য়ববভা দয় ७॰ वरमत्वम् अतिन इहेन, छेहा (प्रक्रिकेश्ट्रा ने नारे) छाहा (न क्थन वर प्रत्य करिया स्थान, वनाने ष्यम नक पि धान सुर्गात्वे वर्षा বিসাবকার্যন মেদিনীপুরুত দাপর হঠত। প্রানার বালয়। সা এ পণি চাত ইইয়াছে এবমার দখন সব্ভিত্তিজনের ধ্রতি হয়, তথ্য পড়ের লাভুরেল ও । বাংগ্র উৎসংহই কি প্রাচার উল্লেখ্য जमलरका नताय नश्रद्धारास्त्र अक्षेत्रो कितिका । प्रश्नाका वाष्ट्रप्रदेश एका स्टेड दिलाना-স্ম। ভাষাতে কাঁথি বিভাগেৰ ও মেদিনীপুৰে । ল্যাদি নানা, বঙ কললৈ অভিনেই কি ভাগ। किमाश्रामन कलक्षानि भागाना विष्ठ नामारः। भू १६८ ६ हेवाच महता वर्षा पा व में व किमीन নির্মাধ কইডেডিল। কিন্ধ তেল্পের নামাল প্রিল্পের বে ব্রপুক্ষনিবের অভ্নোতে ছর-

ক্বাপিত হয়। অপ্রণপিও তাহা বর্তমান আছে। এবন এই কবা হহতেছে যে, কাথি বিভাগের श्रीय ৮ । ১ ॰ वरनव इंडेल, ज्ञवन प्रश्नाय कर्ष- । २० । ७ ॰ ही भन्नतनात प्रतीर यथन अव ही सूनम्की हातिनार्वत कार्डाहात कार्षि विकारनत अपना कि कि हिल अर म जनामूरी अकारकी म অত্যন্ত প্রকীতিত হইলে এবং সংভিবিতন মুলে ভাত ২০ প্রণা খাণ ফটলোঁভাছ,বজনগ্রখন এই श्राकारण प्रकृष्ण :bicतबाल निर्वोदशरनम् न निर्माण । जम ५ ठन्न ए जुन कारतकेव निरम्क श्रेष्ठारणन्, क আরভ করিলে কিছু দিনের জন্য ভেপুট মালি । খন প্রধান আর গনসী ছেপুটা কালেইব ও মান किंदी काञ्चातिही की शिएक উঠিয়া यात्र । किञ्च तक ो जिएके धक्त खान स्ट्रांट स्टेटिश या अप्राप्त किञ्च তার মুদ্রেফিটী নও গতেই থাকে। স্থান্তরাং বিভ্ প্রদেশের বিভাগ ক্রমত ও জনত প্রদেশে তার্থ দারুনে এবং দণ্ড ও রাজ্য সম্পর্ক হইলে পুন দিন কট হইলেও পুনবাগমন আশায় লোকে সে । গ্রন্থা করিব। এবন হয় নাই। বিচারপতির

সংখ্যা যতই বৃদ্ধি ২০বে তত্ত বিচাৰ কাৰ্যের সুবিশা স্ইয়া দেশে শান্তি বেলাফিত হইশে। এক স্থান বিচারপতি ধুন করিয়া অন্যত্র তাহার भूषि मारस क.विटल (म स्थार तांत्र मकल इहेवाव डिविशा विश्व। मा क्य आश्मिक कर्षक विविश्वादित, किन्द २ ६ ६:व भूरण की छिटिय या अधारण यात्र श्रेत साह, क्रिनि है अविद्युष्टमात नाम क्रेसाइल । व किथारत मुक्ताली है हैया निया वराजरत (দাত্রনে) স্থাপত ইইয়াছল, জনেরর প্রভৃতি ক্ষেক্টী প্রসান প্রায় ছই বংস্ব হুচল পেল' नगरन करतन भीमा इंक्ट इंध्योदि । न अधियाध चिम्म स्वेद्वारक । भाउर्यय म्हण्य भ केंद्र वाह्न শরের নীমা ও পকিমে মধুবভঞের সীধা। ফুডরাং মুসফিটা দেশের এক পার্বে ইইর, পঞ্জ सार्छ। अ वे छ'रशद (लाक्षिशहरू अध्याभीय বিচার প্রাণনাম প্রায় এ জেলাব সীমাও ভানে थांब्रेट ड रेब्स् । स्टाइटाट अवटलंद शहरू अर पृष्ठा अ मधान कष्टे घटने।

এकरण भवर्गस्य मिक्टे आर्थमा (व. अन्धी পুৰেন মধ্যে ক'৷ থি বিভাগে দেৱণ বিজ্য হান | ভাছাতে ছইটা স্বডিবিজন স্থাপত হইলে ফুচঃ इस्तरिश विष्ठांत्र कार्यः निक्तां हर्रे । किन्छ त्म जाना আমাদের ছুরাশামাত্র। এখন মুনস্ফটা আংশন व्यक्तिरात्त्र मधा १६८म वर्षेत्व अलग ष्टि अवर श्रकायक प्राप्तक कहे निवादन इया

२ ती जानशांत्र বাল্য গোবিক্সপুৰ। 3509 1

মান্যবর ঐযুক্ত নোমপ্রকাশ সম্পাদক महानंत्र अभीट श्रम्

'' চিরকালই সডেঃব জয় ছব্দকারীদের म् धर्दे अदिनाम क्ला । n

- আমাদিশেৰ এখানকাৰ ডিক্টীট পুলিষ হাপ ब्रिटकेटकके मध्याकत क्षा पुरुषि यातु अक कान গ্ৰন্থানত্তী, চত্ত্ব ও ব্যাবভার প্রভৃতি বিবিশ श्रमान अवान विरम्बन नक दावा कृषिक बहेवा **ুলিয়ে আগন** একারিপাতা প্রযুক্ত বি**তা**-क्षेत्रक हिंदू कार्या अर॰ कराज केर्रेड शकुंच क्षिक्रक्षेत्र मुलिए। अर्थम एउविश क्रांगन अवर्थ विशे**ट्याः, विलक्**न प्रमान अन्यान **राष्ट्रीकेट**िक मामाना प्राच्यांकि के ५० ६ पर स्वर्गारद हेर करें विद्यास्त्र हेर्नाटक महत्त्व । अत्यादक्त । महत्त्व्यद्वित । ক্ষিত্র প্রাপ ৩০ লায় প্রতি মাসেই

इस्राम्बेदः गवदेनएम्बेद १ इड कम्होद्मानि-গের মানিক বেডনের ও কন্টিজেন্ট বিলের টাকা धाः धव विमादव कागरण शंधम छ भाष विमा লি: যা প্রায় প্রতি মাদেই অনেক টাকা ''হাও-নছে। যাজা হউক, কেনুদ্রী মণ্ডকেটী ব।ছানিটী । লাভ লোধের ভাগুবে অধা দিয়া আসিতেছি÷ लग » देनवार जे शक्तांछ त्यांथ (स्थांत्र फेलत সাংখ্যের দৃষ্টি পজিড হওয়াতে সরকার` কাগতে (कड्नेष्ट् विव हां उन्न'फु (नांध (निश्वा नाट्हर मूछवि वादुरक बिकामा करवन एवं '' कुमि मानिक ১৫ টাকা মাত্র বৈতন পাও, ক্রিন্ত মংগে মাণে এত वेकि काथा स्टेट देशिकाक अञ्चल एउ य शात्र श्रेष्ठि मार्त्रहे डाहानिरगव श्रा श्र विस्तृत টাকা হইকে কাটিয়া লগু ? » ভালতে মুভ্রি वांतू अक अकात कांतू रहेशा शाररदित अस्मत প্রকৃত সহক্ষ প্রধান করিতে পারেন নাই বরং माय विनिष्ठाहे चौकात्र शाहेब्राट्डन । साहा रहेक স্থানাদিলের পুলিষ স্থাপরিন্টেভেন্ট সাধের যেরূপ সন্থিচাবক, উপযুক্ত ও কাৰ্যদেক লোক ৰোধ কৰি ইনি অবশ্যই এ বিষয়ের বিশেষ অসুসভান ना कदिया अधर पूछति बोबुटक किছ मिका ना मिन्ना वमारु क्लेख इहेरवन मा । विरम्बन्ना**ण प्रश्न**न ক্ষান কৰিলে আবও অনেক নিগুচ বিষ্ট্ৰী প্ৰবা-শত ইইতে পাবে। জ্পরিন্টেণ্ডেন্ট সাহেব ববেচনা ককন এপী কি হাওলাভ শোধ ?

भूग। आवि ।

কলিকাভা

जीवक व'तू अगृजनाम वस्

১२१० - भोद स्टेंटिं १८ व्यवहायून '' जरबात्रवाथ भूरबाशावाहा वास्तिकशूव OH. '' देवकवहत्रन अस কোতলপুর **१५७७ काञ्चाति स्ट्रेट फिर्नरत** 10 " धनक । प्रात्नहा चा विवश् ३५७१ काञ्चमा वि स्ट्रेटिक फिट्रनबन्न '' यहनाथ सक्ष्मात राष्ट्रपाना ১२९ 5 (शीव **स्ट्रिक १८ टेक्स्क** e#. ' देकला महत्व (चाव কলিকাডা 1२१७ भी व इहेए १४ टेंब. हे t#. " अवक्य हर्डिशिशांत्र আপু নরা ১৮५१ छाञ्चाति स्टेट्ड स्म " প্রিয়শকর কোব শেরপুর ১২৭৬ নাথ হইতে আৰাচ ''कांनिकृष पत्र कनिकाडा 6# · " (গাপারুক্তর মলিক কলিকাড়া ell >

''জে ওরেলণ্ড সাহেব কলিকাডা

কলিকাড়া

' द्रिकान गाउँ

वक्ष मा भवनिक नाईरवित ১৮७१ ब्लास्थाति स्ट्रेड डिट्मबर

भाग श्रेकां नगर कर व करवक्ती विद्यात निष्मा

অত্ৰিৰ মূল্য ও ভাক মাস্তুল না পাইলে মদ-ৰলৈ সৌমপ্ৰক শ প্ৰেবণ কৰা যায় না।

हेशात्र व्यक्षिम मृत्र, वःश्विक ১० . अवः योगाः-সিক ৫০: • টাকা, মদন্দে ডাক্ষান্তল সমেড বাৰ্ষিক ১৩, ষাণ্যাসিক ৭ এবং ক্ৰৈমাসিক ৩৮০, ভিন মাসের স্থানে অঞ্জিম মুল্য লগুলা য'ল না। ছণ্ডি, বরাত চিটি, মণিজত র, নোট, ও স্থাপ िकिंह, देशंव अनाष्ट्रत याशास्त्र बाहात अविना হয়, ডিনি সেই উপায় ছারা মূল্য প্রেরণ করি (বন **।**

যাঁহারা স্থাস্পটীফিট পাঠাইবেন, লা-হারা যেন এক অথবা আধ আনাব অধিক मुर्लाव ও त्रनीरमव छिकिने (श्रतन मा करतन।

यथन विनि मनयल रहेए जामश्रकारनव মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা খেন রেজিপ্রবি প্রবিয়া জীয়ুক্ত মারকানাধ বিদ্যাভূধণের নামে পাঠাইয়া (44)

ৰ'হানিগের মৃদ্য দিবার সময় অভীভ হইয়া जामित्व, এक मान शूटका डीशिक्तिक किछि निर्विद्या सानान वाहें (त, कान जाजील श्हेन গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর এক মাসকাল প্ৰাতীকা করিয়া কাগজ বন্ধ কৰা বাইবে। শেষ বাবের পত্র কেয়ারিও পাঠান रहेटव ।

মাতলা রেলওয়ের সোনাপুব ষ্টেসনের ডাক ৰৱে চিঠি আইলে আমহা শীত্ৰ পাইব।

বাঁহারা যান্ত্রণ না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাহাদিশের সেই প্রাদি এহণ করা बाहेरव ना !

কেং সোমপ্রকাশে বিকাপন দিতে ইক্ষা क्रिति छीराद अथ्य छिमवात अफिनरिक 🎺 ज्याना छाहात शत /> ज्याना मिए हहैरव । विवि अधिककान विकाशन निवाह हैका कतिरन ভাহার সহিত শুভন্ত কলোকত হইবে।

ৰ্জ্য এই শত্ৰ কলিকাভার দক্ষিণ পূর্না বাজনা রেলওয়ের সোনাপুর ঔেননের দক্ষিণ চালড়ি-শোভার ত্রীবুক্ত ফার্কানাথ বিদ্যাভূষণের খাটাতে প্রতি সোধবার প্রাক্তকালে প্রকাশিত

সোমপ্রকাশ

৯ ম ভাগঃ

५ मरभाः

" प्रवर्त्तानां प्रद्वतिकिताय पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमक्ती न कीयतां।" .

মাসিক মূল্য ১ টাকা, অগ্রিম বার্ষিক ১° । সম ১২৭৩। ৯ ই মাখ। ১৮৬৭। ২১ এ জালুয়ারি টাকা অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ টাকা।

{ মকত্মলে মান্ত্ৰসমেত অগ্ৰিষ বাৰ্ষিক ১৩ টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও ত্ৰৈমাসিক ৩৮০,

বিত্যাপন।

প্রতিক রামকমল বিদ্যালয়ার প্রণীত

''একডিবাদ » নামে একখানি অভিধান সংপ্রতি
মুদ্রিত হুইরা সংক্ত মন্তালয়েব পুতকালয়ে
ক শাখানিটোলা মাখনওয়ালার গলিতে

প্রিত্ত ঠাকুরদাস নাষ্টারের ফুলে বিক্রার্যার্থ প্রত্তালয়ে প্রত্তালয় করা

হইয়াহে।

गुल; ६ नाह होकाताता।

তত্ত্বিদ্যা।

अथ्य चं कानका छ।

প্রীযুক্ত বাবু ছিজেন্দ্রনাথ ঠাকুব কর্তৃক এণীত। কলিকাতা ত্রাগাসমাজ পুস্তকাণয়ে বিক্রয়ার্য প্রস্তুত আছে। মূল্য এক টাকা।

> নিদর্শন পত্র রেজিষ্টরি সম্পর্কীয় বিজ্ঞাপনপত্র।

স্থাবন সন্পতিতে অন্নান্ত্র কার্য্য ক্রাথন কংগাভিপ্রায়ে সকল বেজিইবি কার্য্য ক্রাথনকৈ এই আদেশ করা গেল, কোন ব্যক্তি ক্রিজেটার করিবার জন্য নিদর্শনপত্র উপবিত ক্রিলে সেই দর্শান্তব বিষয়ে ইভিপূর্নে যে পত্র রেজিইরি হইয়াছে যান ভাষার আবদান সংবাদ দিতে পাবেন তবে উপন্তিত নিদশন পত্রেব প্রতি লিপী সম্পর্কার হুলান্তেব যে স্তচিপত্র মেখাবায়, উচ্চ কার্যকারক তাহাতে ঐসংবাদও লিখিবেন । ভাষা লিখিবার কোন খরচ লাগিবে না। জিন্ত প্রয়েজনীয় হুলান্ত মিন্দিত মান্তে জানিবার জন্য অন্তেবনের প্রার্থনা হুলান্ত দেক্তি অন্তেবনের গ্রের্ড দিতে চন্দ্রে,

अर्थ क्षेत्रक र १ वर्ग स्थान स्थान शत तिक क्षेत्रक स्थान अस्यान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान পূর্না রেজিষ্টরি বিষয়ক সংবাদ জানা ঘাইবে, '
সুভরাং ইহাতে ভাবিকালে জনেক; বিলয় ও
সন্দেহ নিবারণ হইবে। এই কারণে এতবিষয়ে
সর্নাশাবণের সহকারিভার প্রার্থনা হইভেছে।
প্রতিনিধি রেজিষ্টার জেনবল।

নিম লিখিত নম্বনের নোট হাবাইয়া গিল্লাছে, থিনি আমার নিকট অথবা সোমপ্রকাশ সম্পাদ দকের নিকটে উপস্থিত ফবিল্লা দিতে পাল্লিবেন, ভাঁহাকে ২৫ পাঁচিল টাকা পারিভোবিক দেওরা ঘাইবে।

ब्लाटित सबत अहैः---

46 F GE!

ভ৯৭৬৯ নং ১০০ টাকার ছিং ২০০ টাকা

. 8482

- 39 66

. 4944

. 8 c.

. 64 27

•৬৭৬১ নং ৫০ টাকার ভিং ৩০০ টাকা সমুদার ,৫০০ টাকা।

জীবিপিনবিহারি স্বকাব
ভূটান বাকশা স্বভিত্তিটের ইনচাগ্য পুলিষ
ইনদেশীর।

কিসমত পরগণে গৈদপুর ওগধুবহ মহালওকক চারিজানির অন্তর্গত পরগণে মহেণবপালা থাহা কোনা ঘণোহবের জীনুদক কালেন্টর সাহেবেদ ভজাবধানে খাসে আছে উক্ত পরগণা বেধিপ্র বোডের আদেশাক্ষাদ্বী আশানি ১৮৬৭ সালের ১ লা এপ্রেল ভারিধ সাঙ্গে ২০ বংগর মেয়াদে ইজারা বন্দোলার হইবে।

২। শনিও বিশভাকাভিয়া উপরোক্ত পরগ-শার অভর্গত কিন্ত বিলের জমী পভিত উল্লেখ বন্দোবস্ত হইয়া থাকুক কিয়া যে অবস্থাই হউক हेब्बाद्राव विश्वित थाकित्व छेक विश क्रीयुक्त कात्मक्रेव मास्ट्रिवव थाममथेता थाकित्व।

৩। বে ভূমিব বিজ্ঞাপন দেওয়া বাইতেছে **ভाराववार्षिक बाक्र ११३ है। ४६ छाका । ১৮५७** সালেব ৩০ এ এপ্রেল পর্যান্তর উত্থ্যাবাদে বাকি ১७९১ ८) होका एनट्स अधिकारण होका भिन्न **ल्यात ज्यांनाम क्रेमार्ट्स ३५७१। ७३ अ मार्ट्स** পর্যান্ত যে বাকি থাকে ভাষা আলায় কর্মে कमजा देशात्रांगात्वत्र श्रक्ति (मञ्जा वादे:व देखा-বাদার খোট বাকির অর্ডেক ফি শত 🕫 টাকা नवणांभी वार्ष जन ३२१९ जात्मव मर्वा ७ वर्षी অর্ছেক ঐ মত সরজামী বাবে সন ১২৭৫ সালের मर्ट्या कारलहे ेराज माथिल कतिराज बांगा स्ट्रेस्य । আৰায় সম্বন্ধে সাকুল্য ৰায় ইত্যাদি উক্ত ২৫ টাকার মধ্যান্ত থাকিল এব° বকারা খাজনা প্রত্যেক সন ইজারার হাল খাজনাব অভিবিক্ত निटि क्ट्रेरिय। ति कृषि हैळावा मिख्या याहेरव ভাষার সীমানা সরহদ্দ। পবিভারপ্রপে নিদ্ধিষ্ট ও ভাষতে মহালওককেব নিরাপত, সত্র আছে। व्यानामी ३५ हे क्ष्यामात्रे भर्ग, छ हेवात प्रत्या छ ब्बना यत्नाहरतत बाहुन्छ क'लाहेव भारतव अहन कतिर्वत । प्रयाखकां वे (य वर्गिक अभा पिएड रेष्ट्रक स्टेरबन खास न्नाष्ट्रकृत्भ मनशास्त्र क्रिथ्य।

ঃ। দর্খাত্তেব লোলাব দীপ্রিভাগে (পরগণে মহেশরপাশার ইজারা সখলের দর-খান্ড) লিখিত হট্যা লা মহর করিয়া কালেন্টঃ নিহেবের সমীপে অর্পণ ও প্রেরণ করিতে হট্রো ই সকল দর্খান্ড) লা মার্চ তালিখে জীমুখন কালেন্টর সাহেব বাছনি করিয়া ইজাবাদার ভির করিবেন। কোম কারণ নাদশাইয়া জীমুক্ত কালে টর সাহেব বীয় অভিপ্রায় মুদ্ধে যে কোন দর-খান্ত হউক অগ্রাহ্য করিছে সম্পূর্ণ কমবান থাকিলেন। প্রস্তাবিত ভূমি সয়কে সমুলায় স্থাদ বশোহ্রের কালেন্টরি হইতে কিয়া খুলনিয়ার

মহকুষা কইটে ৪ মাইল ব্যবধান দৌলভপুরস্থ ঞীৰ্জ বাৰু ক্ষেত্ৰগোপাল ৰক্ষে পাধায়ে মেনা-জ্ঞাবের নিশ্র হুইতে তথবা খুলনিয়াব ডেপুটী कारणही: ब्रीहिंक वेष्तु ब्रध्यनाथ हारवज्ञ विकर्षे 🎚 উপরের লিখিত জিন স্বারেই দুট্ট কলা যটিতে भारतार । इका बना बर्धित है (य श्रास्त्र)क का क ক্রুকভির লিভিত এন' ভব্ল বৈজ্ঞাপন পত্রেব সৰত আমলে আনিতে হইবে।

१। इंडाबान नातिक था प्रमाव (मकनाव इंडा द्रानार्यव आधीन किएउ हहेर्य। (यज्ञाल छाभीन inco destatata des o echo estatico क्क देखरून प्रतिशास्त्र विरिधन।

> লে, মন রো অফি সয়েটিংকালে ইর यद्भारत।

কিসমত প্রগণে সৈদপুর ওগমুকে মহাল ওকক চারিজানির অন্তর্গত প্রগণে খালিষপুর বাহা क्रमा एटनाइरबब खी।क वालकेब मारहरदव क्यादशाहर्त बार्ग बार्ट्ड खेळ भद्रश्वा :इवि दिष्टे रवार्डित बारक्षाङ्काशी कार्गानी ১৮७१ मारलत ১ हा अरक्षम छात्रियं २३एछ २० वरमञ्ज सियारम देखांत्रा यटणांबछ हरेरव ।

२। यभित्र मारिकायाम चालियपुत्र ७ मार्ड-की विश्व अवश्वकी ए रिन शावना डेशरवाङ পাৰনাৰ অন্তৰ্গত কিছ পত্নী ৰন্দোৰ শ্ৰী উক্ত मांग्रे बन्न ए विद्यार क्रमी পणिल है (सार्थ वर्षा-बस्य बहेता थाकुक विश्वा य अवदाहे एटिक देखा-बाब बह्शिंड धाकित हें छ विन ও পত्नी इहें श्रद्धा 🛅 कु कारमध्य मारहरवत यामनयरम थाकिता

৩। যে ভূমির ইক্তাব'র বিক্ষাপন দেওরা বাই তেছে ভাহার বার্ষিক থাজনা ১০১৫২৯৮ টাকা। ১৮৬৬ সালের ৬০ এ এপ্রেল পর্যান্তর উত্তল बारम बार्कि ५ ७७ ७॥२ होका खन्नारमा जिल्लिशन টাকা পরিবেধে আদায় হইয়াকে। ১৮ ५৭ সালের १३ अ मार्क भर्रा ख (व व कि शारक ए'श अपान শ্ববিষাৰ ক্ষমতা ইজারালাথের প্রতি দেওয়া धीरेट । इंडातानंत भाग चार्किक अर्फिक कि अंख रह केका नवकाबि वारण नम ३२७८ जारतन सर्वा व वकी करहर दे यक नवश्री वारम अम ३२१% मारमङ्ग मध्या कर्ति छेदिएक साथित कंद्रिक बाबा हरेएवं। जालात मनःस माकना वात्र केल्यामि केल रेंट है किया मनाशक यानिमा । अवर বুরার ক্রিকা এত্যেক সন ইকারার হাল খাজ-

দেওয়া যাইনে ভাহার সীমানা সরহদ্দ পরিকার क्रांभ निर्मिष्ठे ७ जाशांख मशांम क्रांक, निहा-পত্য সত্ব আছে। জাগামী ১৫ ই কেন্ডেম্বারি পর্যান্ত ইক্রারার দর্থান্ত কেলা যশেহরের হটতে প্রাপ্ত হওয়া খাইতে পাশিবে। ইজালাল- । ব্রী দুক্ত কালেউব সাহেব প্রহণ কহিৰেন। দরখান্ত ाय। एव कर्निकी भिर्व दहेरव हाहात अणिनिशि | कावि एव वीविक स्त्रमा मिर्फ हेन्द्र क हहेरवम खाहा শ্রপ্তিরূপে দর্খান্তে লেখেন।

> ৪। দরখাল্ডের লেফাফার উপবিভাগে (পর গবে খালিবপুরের ইজারা সম্বাদ্ধ দর্থান্ত) निधिक रहेशा ना मरत कविया कात्नहेत नारह-वित मगीरण व्यर्ग ७ स्थरन कतिरु हहेरव। ये नकन प्रशास । ना मार्क छाटिएन जीएक कारन ঠা সাংধ্য বাছনি করিয়া ইজারাণার ভিত্ত করি विन। (कान कांत्रण ना मर्नाहेश क्रीएक काटमहेत्र गार्ट्य योग पा जिथांग माउ ए काम मत्र्यां छ **হ**উক অগ্নান্ন করিতে সম্পূর্ণ ক্ষমবান বাকি-লেন ৷ প্রস্তাবিত ভূমি সম্বন্ধে সমুদায় সম্বাদ যশো रत्त्रव कालकेति रहेरिक किशा चुनानेषात्र मरकूमा হইতে ৪ মাইল ব্যেধান দৌনতপুবস্থ শ্রীণুক্ত বাৰু ক্ষেত্ৰগোপাস বলেগাপাগায় মেনাঞ্বের निक्रे इहेट अथवा चुननियाव ए शुन्ने कारमहेत ভীষ্ঠ বাবু ব্রহ্মনাথ সেনের নিকট হুইতে প্রাপ্ত দওয়া বাইতে পারিবে। ইজাবাদারেব বে করু-লতী দিতে হইবে ভাষাব প্রকিলিপী উপবের নিখিত তিন স্থানেই দৃষ্ট কৰা যাইতে গারিবে। ইহা বলা অভিনিক্ত যে প্রত্যেক বার্কি ববুল-ভীন লিখিত এবং অত্র বিস্থাপন পত্রের সবত সামলে আমিতে হইবে।

৫। ইঞারার বাংসরিক খাজনার মেকদার ইজাবাদাবেৰ জাহিন দিতে হইবে। বেরুপ साधिम भिट्र हैसाताभाव हैश्व क श्टबन छिन्छा-.द्रांड क्लाप्टे क्रांटिन हेंद्रची एक किट्**चेंब** ।

> त्य, मन् त्रा अभिनित्युप्तिर कारलहेत यानाव्य ।

छात्र छवटर्वत्र विवत्र १।

ভাৰতৰৰ্ধের নিবৰণ ভূতীয়বার মুদ্রিত হই দ্বাদে। এবারে যন্তনুর উৎকৃষ্ট হইতে পাবে তাধার চেষ্টা করা গিয়াছে। কলিকাভার দকল श्रुक्तनामरहारे भावता यात्र ।

जीभभिष्ठ्यन स्पर्धा।

ভূগোল পরিষয়

कें - कृषे अनामीएक मानतामिक किया महतिहा हात करिए हरेरव। त पूर्व रेखारा अवशान क्य पूर्णान स्तिष्ठ हरेसारह। तर-

ছুত ৰয়ের পুত্তকালরে প্রাপ্তব্য। মূল্য 🗸 ১ • मन भवता ।

जीमित्रिष्ट्रदश अर्थ्या ।

ক লিকাভা नश्रक्षिश्म मारवरमदिक विकारमान ।

জাগামী ১১ মাৰ ৰুব বার সপ্তত্তিংশ সাধং-नतिक बन्धनमाञ्च जेननत्क भूनीह ৮ परिकात দমত্ত্বে ক্লিকাডা ব্রহ্মদমাজ গতে ও অপরাহ ৭ ঘটিকাৰ সময়ে প্ৰধান আচাৰ্য্য বহাৰল্লের जन्दन बदकाशामना रहेरन ।

> ত্রীবিজেন্সনাথ ঠাকুর। मण्गात्क।

নিসুখানসামার গলি ১৫ নম্বর বাটীতে মংশ্র ণীত ও মংশ্রচারিত নিম্নলিখিত পুত্তকণ্ডলৈ बिक्त ब्हे जिट्ट-

| প্রদীত | भूगा |
|---------------------|--------|
| গ্ৰীসইভিয়াস | ३ होका |
| রোমইভি হা স | 3 • |
| ভূষণদার বাকরণ | 1. |
| নীভিসার (১ ম ভাগ) | - ارم |
| নীতিসার (২ খ্ল ভাগ) | ٠ يا ٠ |
| প্রচারিত। | |
| बुक्दवीय वशक्त्रम | ly • |

জীয়াবকানাথ শৰ্মা।

সোমপ্রকাশ।

৯ ই মাঘ সোমবার। আগরার দরবার, সোমপ্রকাশ ও ३९निगमाम ।

रेजेटब्रांगचेट्थ लाग्नुक यथन छारेटन বিখান করিত, তথন ভাষার পরীকার यह दीकि हिन क्लान खीलाद्या एखना वज्ञन क्षिया अरम बिट्यून 'स्त्रा इहेछ। নে কোন অকারে ছীরে উপনীত হইলে छाष्ट्रांटक प्रश्न कहा हुई छ, ब्यांत्र टम बन-मध रहेरण लाइक फाराटक निर्माय कान করিত। ক্লিক হৈছু, উভয়পাই নিশ্চিত हिन । बरमणीके नमाहाद्यनाक मन्नामक-विश्वास नाम नाम श्री-भाव नावशादन श्रीचक अवेदक रहा । यहि .

देव का बाबकीय विश्वत अंबईटबर्टकीय कार्टीक अनुदर्भाषन करतन, जाहा, स्टेर्स कांक्रक्त विक विद्यानीतामा (का वंदा अग्रटण निविशिकान । प्रिथनिविशिहक वाके क्षेत्रका मा) बरलन " अल्पनी स्त्रता क्लाडे बावकाती, देशाया दिस्स क्षिक अनेत अवस्ति हति छ। हन, भात निर्देशका शवर्दमानिक ल्यादक मना खेलाचे क्टान चार्मीन वती हरा " এই नकत লোকের প্রতি সুক্তি রাখা উচিত, ইবারা बिटलाकी केटड शादत " देक् मिटनत किशारबद माधुका कान एरमई थी-कुछ, दर्भिष्ठ ७ चामृष्ठ इंड ना । याश एउक, अव्याभन्न पाधकारण चेंछरतंत्रीन धामानित्वत चामर्भ यत्रथ नटहम, डाँश-विश्व हेर्द्राक काष्टिक क्विविविवा बिलग्ना वंतर कलक चक्रण विकिश दुवर्गन क्रारे नावाद्भ उ रहा। चठवंद वह अ শীর সহিত তর্ক করায় রখা কাল হরণ माज । कृत्वा:न, उत्तानवेत्रज्दे करन-(भात केंद्रेद्राणीय करनेत्र गर्मात्र किरलन, क्षि भारत के बाक्षि के कम बूर्ड, क्षत-कृत, विविवाहकाती नानिक बनिवा वर्गिक इम्र। नार्फ दिन्तिक ७ नड नार्ट्य क वित कार्ट्यक्रित दर सांकिर्ड समाधारन कृतिबाद्यन, देशिक्यदक खळ्याकीय विनदा अवना कहिएक कि चुना अस्य ना ? अस्तरम स्व मनन देश्जाकी मध्यानगढ धकालिक हत, हुने अक बानि छिन्न मात सञ्चात्र आहे पूर्वको छ देउटताशीत मटलत ्युक्ताम् । जातको दशका भरकारमञ् . स्बोद्ध (स्व ममुबाध नार्क क्टनन, विक द्वय आशा स्ट्रीज वर्ष, वर्षमीक, अधिक क्ष्यों के सामक्राति था कि अवविद्यात क water standing Pagers with REST AN WHERE HE ONE MOLY THE. A NEW REAL PROPERTY NEW PROPERTY THE OF STREET

mingt wingin natican Motin कतिकादिकार्षि, की शहर है। किनदान गणा मदमम् द्रमादश श्रीकत्र स्त्रमानि । स्ति आयोशितात संबंधात पृष्टिक कार्यात त्य (क्वम क्षित क्षित क्षित्रोहस्य अञ्चल नटर, देनि अटमनीर्वे नश्वकित्राई नग्नुदर्श रियट्य अरे क्षा ब्रह्ममं " देशाँदा अथान नभन्न मगुः स्थः नभारकंत कक विरागत भार-लिंग या क्षाम महान मात्र, वह गरण ताटकत्र मक काकत्र " कुरुदिश वाकानी निर्गत-मर्ड व्यानस्थित प्रवादन तथा वर्ष क्य व्येद्धारक, विक " याजाजीविद्यत वाक्तीकि में काक दकान मधान नाहे ! '• উष्टाडा अ विषय्के 'क्ष्मण पक्षणणक वागदकत्र मात्र नीकाम क्टबन बंदे माजः 😷 देखत् शिक्तांकृताकृतात् (काकिश्रिगरक विकाम क्षित्म, देशका, देशक दिन-शीक बिह्दबर्म में दे कार्रिय

वेश निज्ञाम राज्ञण वर्णन, वाखितक क्षित्रमा वांचानिक्तित मेठ नमार्णत करण विर्णालक करण विर्णालक करण विर्णालक मेठ निज्ञों करण विर्णालक विर्णालक करण विर्णालक विर्ण विर्णालक विर्

बंद अन जातकवरीत्राक वाहिता वाहित करमें, य किमि वह मकाई अस्तिनि गर्तकन कन्नावकत्र कछाव क्याक्र क्र विका शादका। व विच्छा वालाकिविद्यार्थ व्याधाना व्यवनाय करा महत्व नटह । छेउन भन्तिभाष्मत्वत त्वार्कता अश्राद्यामीक्षिः । भारत व्यापका वासा । अ मार्चमी बढ़े, किछ जिपिना अवर्गरमार्थेत त्रांसनीचित्र । व्यथीदन व्य माहम व्यवसाय करत, वृह्म वात्राशिविविवत अटनका आत काहाइं, नारे। यांचा २७क, याँचांजा अध्यादन भक्त बहेश अहेन्नश विरवहना करतन, स्व ठीहाता (य कथा बर्णन छ।हाटड जम माहे, छाहाता त्य क्षेत्र कटत्रन छाहाटछ प्ताव नारे, उाराता वा मामपिट्यत धारे गरण बाराटक बार्वाणशकु बालादकत्र । बारकाह गाप्त भाकांन खान कडिएक है व्यान्त्रद्याव विषय नग्न।

🤻 तिममान चीकात कंद्रतन, बाजा- 🖟 লীদিলের রাজনীতিসংক্রাস সংস্কার भीज मनुपात छात्रकवर्षवाभी क्रेटव। क्यि देशां छ जिमि आक्शांति अस्म। তিনি "ভাৰিকালে অনিটের আশস্কা ' कतिशारहन, बदर या जिला धानाशी : নিবজন বাজাগীয়া ও সভাতম*রাজনী-ভিজ্ঞাদিশের ও নায় এই মত প্রচার করি তেছেন, দেই প্রণানীব প্রতি তিনি रमावार्थन करिबारक्म। **डीकाव घटक** है धाउटकभीवनिगटक मूर्व कविया दाविहा अरमरण केर्द्रायमिरशत कमल। वित्रशंती कहा कर्डवा । ऋष्य विवय जात्रज्यार्जन स्टेटराभौत्रिमरभव मठ देश्यट गृही छ चय गा, धवर छात्र छवर्षीक श्वर्गरमा छेत्र छ भीद्रदेव वियव धरे स्म डीहाता अकाणा ज्ञारण करे व्यवास क्षांत्र क्षांक श्राम व्यकांभ कतिया शास्त्र । देश्विममान दाकाशी तथकप्रिशतक अध्यानक व लाक विकास गाजि नियोद्धन। जिनि बारमरमंत्र कार कार्यन मा, देश डास्त्रेत

सन्। छत पृथीशः। वाकानीया विकित्तं स्वर्णः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्व

क्र करेकर ।

कारकामूक अ एश वाञ्च প्रकृतिर चार्कादिक क्यां डिवेश चार्छ। बाख प्रश (पिश्विक पाक्रमा क्रिट्ड यात्र। अड क्षर्यात यामा पर्याः भरत विश्वत सरम मा । अत्रीक्षत्र कार्यत यकाव निर्श्व क्तिता विदार्टक्न । जाहात व्या नाहे, भन्द क्रांन नार्ड, जबर कांगानात विटवहना मारे । किन्न त्य त्य काडित अ मकल खन चारक, खाराबिटमत कािंटेवतिवयान পদ্দশ্র আক্রমণ ডেণ্টা অভিশয় বিসায়া वह। अवर्षामक यसि अरम भी शिम भर के छेल नाम वार्यात महाराम करवम, व्याजिरेवन मिक कंकक्षाति देशहाशीय उरक्रार क्षक्ष प्रेश डेर्डन। धना कथा कि, द्भूक् बांकालिजियात वृद्धिमान कार्याक्रम क अपेरी केक विकास बर्गन कहिएल किशा बि: शह मीएवं गया यह मा अक्र ने बादयांत लिखिला (भारतीय म्याहर नारे।

स्वा व विश्वत श्रमण करिवात कार्यम्था वर्षे, व्याचारेट्यय वक वास्तिरक विषय गटक निर्धाणिक क्रमाटक व्याचारे क्षरणाई सम्बद्धि हरेश निर्विधोट्यम, मिने कार्यम्बनिट्यय स्टान्ड कार्यः करेशास्त्र। व्याच्यान्यम्बन्धाय श्रास्त्र केर्ट्यापी-व्याच्यान्यम्बन्धाय श्रास्त्र कर्मन, का

कात अहे कादन '(बांध क्य, डाँक्ति। डांदबन क्रम क्य क्रियार्ड्स, चंडबर क्रियां अक भगापि डाहापि: गत्रहे थाना, वरमणी हित्रा अहममना इहेब्रांख शतानि व-विद्या छोड़ाटल अधिकाती नट्या अट्य-भीत्यरा मारम वनवीर्वनिक विवद्ध दे है (हानीशिवरभत अर्थका निक्क, चांकी न ठा विमाभाजभ छात्रात प्रकृष स्रेगांटक, किछ-खना खना विष्ठत अटलकीरयहा विव धेडेटबाशीशक्रिरशंत मनकक्क वन, देवाँका **छन्तरशहम अधिकांत्री हहेर्द्रन गा, अजि** कां जिदेवन विक् अन माम नाहे। या-स्था अध्यक्षीतिवात्र छक्ष्णमानिकारक ध्यमात्राव अकाम कात्रन, उत्तित देशात्र ভাৰাপল্ল হইগা যানি জন্য হেতু বিবেচনা ना कटवन, जथानि जीहासिरभन्न अहे विद्वान कता डेडिक, अरम्भीतिमादक श्रमुख्क राथिवात बक्यां केनीत बहै। मुन्त्रमान बाकांता छातृन मका ना स्रेमां छ এই छान अरमनी त्रिनगटक चारनक चर्दन অসুরক্ত করিয়া রাখিয়াছিলেন।

भाक्के च क्रमफीय हर्जक्रियो। वाबीमाद्वता धाकांत कनामांची हरेश मर्खां ठ এकी नांधू रुखें। बाइक क्रेग्राट्यन । भाष्ट्रा ७ क्यूलकीत ः त्रिक छेती अमञ्च कतिया जीवांता अवर्गेटनट्लेव निक्टि এक चार्वस्य क्षिशिष्ट्रम । ১৮७७ व्यक्ति ३० चारेम चनुनारुत्र अरू दूरम রের অধিক কালের প্রকরীয় পাটা ও त्रवृत्रजी ।तकिसेशी नता अर्राष्ट्र चांव भाकः। चार्रेटन दक्षण शास्त्रा दहिनामेत्रीह कथा चारह बर्डे, किन्दु करूनजी ना जहेता भाग्ना सब्हा रहे मा। नवर्गम्ब आव्यकः बाखा तन, गाउँ। दिक्किशे स्क्रियां मी निरम जाशास्य करूमजीक रहिक्सी **१३८४। किंग्र अञ्चलको अंश्वर्यको** (प्रक्रिकेडी कड़िकांत्र कता कांग्रेहन हैंवे रतिक्षाद्वीत (सन्दर्भ प्रेस्ट्रिय प्रकार

चक्रत की गरेटच वाधिक रमन आह क्-किंग वाकिएकरे विकिन्नीत वाम विक रमा अञ्चद च वाम (क्ष्मिवकविद्धार्में फटक गणिक्टर देश बना बाल्ना। स्रवीता-दात्रो दम कथा क्षेत्राताच्यत चीकात कहि-ब्राट्डन । जाहां हा चार्यहरू मृत्या विधिन्ना-ह्म, जारेन जन्मादत दाकिकती कतिएक रहेटन क्रुवकटक द्रिकिक्ट्रिय मिक्ट्रे चा-निएड रह, अक निएन दिक्किती रहा मा, विनव रत्र अवर आयमाष्ट्रिताक छेट्टकांड मिटक क्या । अक्टन वक्रामटभेत्र त्य काःटम **चित्रकां वे विकास कार्य, उथाय धारा** डिन क्लिंटि ल्लाटकंत्र दान, देशीमः भन इंदे क्लांक हुद्ध । तिक्रिकेती व्यवमा क-र्खेवा स्वत्राटि कृतकविद्यात व्यक्षिकार न्यास गर्दना चामांगट बाहेट एत, मूजतार তাहामिगरक विजयन क्षाउश्रस हरेएस হইতেছে। আবেদনকারিরা তরিমিত্ত व्यार्थना करिशाट्यन, धारियदात दालि-छेत्री कत्रा चात्र ना कत्रा (यक्षिन कत्रा কৰ্তব্য।

क मीनाटेन्द्रा अभागन ना कतिया स्त्रक्ति छेत्रीत बात सामनाब्दिनत छेट्टकांठ अहन প্ৰকাৰ নময় ও অৰ্থ কৰি প্ৰভৃতি যে বে क्षाक्षति केरियाट्सन, ८४ ममुपायरे मछ।। नकाष्ट्रद नाष्ट्रा ७ क्यूनकी नहेश गर्यका भागटकांश एवं मा। य निगरंत स्वीतांत छ क्षयात्र भव्रम्मद्वर दियोद्धव देशव निर्देश क्त्रोर् क्षीया। यथन धारण त्रांबाह्यो चारेन इत, चर्कारम करमस्मक मर्कमाधा-तर्व अविवयंक दिक्कितीयं भरणा कर्क-या छोत्र व्यक्तिया स्वीत्र में माना नाजः सिवासी नात्री कर्वेश सिन्धर देव सा । अवनी वृद्ध विकास अवनी विवास वरेश पाटक प्रथम सम्बद्धान कर्मात कर THE PERSON WHEN THE PARTY OF IN WHEN COPERATE WINDOWS . THE PROPERTY OF what of laft wit allow, column मकाति श्रीके विश्वा दश्याप्रती करिएक

285

फ से हेमरान्त्र मेरागम श्राक्त वक्तरह । बक्षे बढ़ाजिका बाह्य बहिया यहि कारात कित्रवर्भ साम जीकिया शक्ति जान कता बात, दन बात विकास एक ने-त्यक नाहे। अहेक्करा क्षेत्रात्मक विवेद्धात क्रिक या वात्र कार कारकात्र एवं मा विकास विषय क्ष का बाद थीड़ (बहेंद्वन करेशा बाटक । अक्टबंटनत व्यक्तिकार्य नाशवाक्रेंक विषानित हात्र विकत् हरे. त्करम, अ कथा विल्ला त्वांप एवं पाणूर्विक ষ্টৰে না। তত্তহত্তে উত্তৰ শিক্ষ ও তাল निकाराम बनाली मारे। प्रकार का-भ ७ जोण का जो। पश्चितिक भिक्त हरे लाहे निकासादका केंद्रमाना माहिक इरेन, बज्रा सन्त कहा विश्व विश्वताः गटमह MIN I WARD TREE PROPERTY WALL WAS भारत विक्रियां सहन्द्रवरके व्यापात गमेरी के निर्माण निर्माण पर जा tire la banja eta e erre fulba CONTRACTOR OF THE SECOND THE PARTY WAS A

त्वांत्री राष्ट्रवा अस्ति एक एक राष्ट्री रिक्क वृद्धि असे वाक्र राष्ट्राक्षित कर कार्य वृद्धि अस्ति व्यक्ति कर्म सर्वद्धिक कि अस्ति असे के वर्ष सरवादेश कि सार्वकृति करिक्ट

भाव क्षेत्र केन्द्र निर्मात कर्तना, याशका माराबा आबी बहुत जातिरवन, डी शक्तिमार का के अध्यक्ति कविर्दय, उन्हांश यति जेक्स रिनाकी जिल्लान, स्वाह जिल्ला मान दीवांगी स जान क्यावनान वांतका कडिएक के काश्रीय जिल्लाकी बाह ,मध्यार कडिएक आदिक गाँचीया गोरिक्त आ माना नारहित्य सी। क्षेत्र हिन, हेनदुन्तरि रत्रत्री अञ्चल क्षांकक क्रांत्रन माहे, छा शांक कार्राविक्षेत्र सुविक क्षेत्र । बाहरू शांद्र मा, असम अवन नक्स कारणहे वातना निर्क का। किंद्र क्यन वात टेणियम् विद्यम् यतः ना । साक्ष्मायस्य सामा मीत धार्यम कार्यका समिति सनेना विदिश 38 ब्रेट्सब वरेटक, इंकिस, क्यांकिक ट्राइ वेद्यक्ति भिक्षेत्रं स्वयक्ति गृहिटका स्वीक दंगीबर्दनत्र मत्। बेंश्कामं ज्ञांकि दर् भएन त्नत्रं छेत्राक प्रमृद्गाश्यक व्यवाद्यम्, के बाद काम कि देश आक्री के निश्च करेंद्रव ? aven his and pain dend on व्यायमास् । मन्बद्धमेन बार्यामंत्र जीनि-कांत्र विकित्त वर्ष के किंद्रित किंद्रि क्रीताकाक्ष्य मा क्रिक मान्य मुक्तावत विद्राणिक जिल्लाक कियोग विद्यालिक रहेता क्रिकांत्र क्रियाह विश्वित होत्य, क्रांबर त्महे स्कृत दमहे मर्थ, अपूर्वात जगान-वित्र जुना सिहर्षक प्रदेश शहर नाहे। स्पर्भाजना ग्रेस इंड्रोटिंग मधिकार म letters es miner etenie et. en मना कातान जनके दरवान राज न्यूड नक the next ten land, this after नीरमं अ क्या संबंधि कृत्यी गरीब बाद POPULATION OF THE A

कात्र क्रिक्टिक शहे । सम्बद्धा स्थान कात्र क्षेत्र कर्मका, स्माद्ध स्थान बोक्कित केर्रिक कर्मन बात्रमा महत्वे क्रिक्ट क्षेत्र शहेबानि त्याचिक स्टाक्ट क्रिक्ट कर्म त्यत्र मानाक्ष्मत्र नात्र विकास स्टब्ह

> ভार उन्दर्शन हाथ १ जीत क्रिनेड्रक स्थान क्षांस स है.

কলিকাতা ক্ৰমে নামে যাত্ৰ রাজ-बाली रहेश शिक्टल्ट । हास्यूक्तर्गन बर्गातत चिक्रिंश में कांग द्वारित ध्व-चान करतन या. धक अंक वात करतक बिटनंड सन्दर्भा अने माज । त्रांसवा. भीत क्लेन शतिवर्शन मश्रद्ध। मर्था मर्था नांना धकार अखार ६३मा बाटर। करान खामा योव मिल्ला, कथन थूना, दशन भ-कार्य, बहेन्नरण कान मरनानी क क्रेरकर्छ। इंश्रंव अग्रज्य (बान्हीन अवापूके आनि मा, किस प्रवर्शमके चिट्टमंत्र विद्वसमा स नदिवास वर्णन भूतिक व कार्वाची अल्लास क्टबन अहे आयाजित्त्रत्र हेण्या । अख्यान मन्मदर्क क्रांजकांको देश्याकाष्ट्रियंत्र कांगा मक्यी विलिध्य ब्हेरवां अञ्च कांन हाम প্ৰতিনিধিয়ৰ এখানে খৰছান কৰিয়া नर्वज पूजानन कहिद्दाद्वन । देशदक रहार शतिकांश कहा युक्तिनम् मरर। वखक: अक अक मिटक अक अकी द्रामि ভেন্সী ও তাহার গৰণর প্রাক্তিল প্রণ্র क्मित्रव वाहाहत अवाह्न शांकिया ताब सर्विह नामन केत्रिया भौतिन ना फोरोन वर्ष वृत्तिरक नाहा बाह्र मा। महत्त्वह महिक विकिक्षा देश्हाकविद्याह क्षांन रण, अयान स्टेट्ड ममूज अधिक मूत्रक मर्टा महाजानी क मक्स नशरत दान क्रिया नमूराष्ट्र जिपिन गाओका नामन क्तिएछएस्य, ज्याना बांद्यावध हाट्याव हान इंचित्र नाम गाम त्रामवानीत शाह शक्तिवर्धन क्या मा। अक लोग नगर कथ

बच्च महाताका भागम कतियाक्ति? अठ धव देश्तारकता ममूबाय आर्मियांव अथी खत क्हेरलं किकाडा क्हेरक काई। एति बार अम्यायमा मार्चे।

তবে কলিকাভার জলবায়ু প্রধান न अल्युक्रविम्हित्त महा हर ना उ अनाना कातर प्रमारिया यक्ति ताकशानी शतिवर्धन करिएक इड्ड, छोड़ा इहेटन व्यामामिश्यव মতে পঞ্চাৰই উৎকৃষ্ট স্থান। শিমলাৰ পৰ্কতে বান করিয়া সর্কতা দৃতিকেপ করিবার স্বিধা হইবে না। পুনাও এক भाष फिड अवर खबात ताकरानी सह ৰার কোন আবেশাক্তা দেখা যায় না। शकार नार्गी ७ शैवर्क्स्पिट्गंत अभ जुनि, शक्षाद्वक सम्बाह् स्टि উপाप्तम, शक्कांव भीषाष्ट्रिक बाब्यः नवटलत्र निक्छे वर्डी, धर्यात विद्यार छ भक्रशरकर আক্রনের ব্রুমধিক শহা আছে, ভারত बर्दन और कान सुन्दित ७ स्तक्किन्याः क्टिंग ग्रेंशंक श्रांत्रफताका चुनानिक ः वर्षिद्धे भारतः। । वर्षे मनन सावदन,वति शक्का हो स्थानी होत (क्या सर्वेन्टम ক্টের নহ, কাকারও অধিকতর লাভের अख्रीवमा व्यदिष् । शक्षाव चन्श विन माख वैद्वामाधिक व बहुता चान्त्रश देवि अवर्णन क्राह्मिद्दक अर्थ गर्नट्यटेण व्यक्तिक कार्यक्रिक्तिकार वालुकुना टानान क्षित्रका क्षित्रक्रमां का अक्षा करिवार**छ**। जासभानी सरेटम निष्ठांत समितिक स्वाटका क्या रहेशा अध्यक्षकि जीख मका गरेकीएक व्यविद्वार व्यविक नेशीवर्थ । व्यनंत्र, क्रीय-्यात्र वन वस्यणः (यद्भाग विकातिक प्रदेश ं भौति वास वदः कारात निक्कं लोक-ं त्याकृत्याच रहेशा जातजनक माळाड हुई े नेहिंद्ध क्षणाई भागदा भारत, काराटक अक्रमें पूर्विक नीयात विक्रमान कराई में दूर्ण जार्गाक

मुमान निज्ञानकांशी वाका हरा।

व्यापना नाकृषितात, व्यतीकात्रवनते मिर्शत वावसारतत व्य छवान स्तिती है नाम, ভাষাতে नमाचनक्रिणायंकाती लाकारण आमाजिएबंद, छेनटत वित्रंक रहे शांद्यन । आभवां अक्र. निम जैंक्शिनत्त्रत विदारम छरलका कतिहा स्मानातका इरेशाहिलाम. किछ बिट्रहमा कृतिहा मिक्नाम, जैरिनिमा खम्बक्रम (इस्ट्री मा शारेंश कुकीखाद चक्रवरा प्रेटिक्टर । डीशंगिरगृह ध्यंत्रय खन वहे, छीशहा মনে করিতেছেম, সমাজ পৰিজ্ঞান कतिया मनाच मर्कात कविता कुलिह्द ।। किन्न रेफिरांग देशक विश्वीक क्षा कवि **उटह । रकान मर्द्धात्रक्षे अक्क्शक शह**. माद्वत विश्वायम (इन्हें) लाम मोहै। त रुड़ी शाहेगा काश्तक क्रूंडाईड़ी नाटकत मुखाबना नाहै। सूचत युक्ति चुक्के धर्य विश्लायन कतिहा महत्त्रस्थानीत्र वर्ष अपना अना वर्ष धादावित क्षितात र्रोग्धे। कडिएजन, कबनई क्रूडकामा बरेएड गाहिएकम ना। स्वास्थान कार्यमिकविद्यन जय धर्मार ७ ब्रांकांत्रगोतिक्वक त्य नम्द्र भनाश काश दिन, द्वित काहा मानदक दंशीरेश व द्यारेश बिता खर्मेर्टभावम ८३के नारेटनन, चटनटक दुक्टिक नाक्षि लन, क्रिनिक कुड़ार्बड़ां बाटक मध्य हैहै.. নেন। যে জাখনন নমাজের প্রক্রিক্তি वरेशा ७२ गात्रकाश कतिक्रायम् , वैदेशा-बिह्म उंटिंड हिल, मनारक्षक बहुआ अधिका नमारकत जार सर्देश्योधन दहकी करतन । पूर्व श्राफन सार्वक अवस्तुन Plan fo was dista pera git कामरकाक्ष्म कार एक्क् चान्यक का कृष्टिका स्ति खासनुसारम् । व्यक्ति । व्यक्ति भूतिcan, minat fe mile date dans क्रिमोडाना जानदेव निविद्यात्र

्यन्त्र, नेपायन्त्रिकांकी सारवहा

नमाम निक्का व कहिया के बहु है जिल किंगक कार्या करिशाद्यम । अवदिवास थानि नान्द्रका त कर्मना चार्ट्स कार्राष्ट्र गणाम कता व्यवस्थित । अहि भाग कर्व गटक र्को है। असे क्रान गाउँटबाइक अस्ता जिल्लि ब्रोडिस्सन, क्रेमोर्टनत आफि कर्न्यान कर्नुः त्रांक्ष भाषता नमारकत क्षेत्रि क्षेत्र मध्यम कतिएछ शाति। काँचा एरेट्स क जिम्मितियमे मेटक शांग शूर्ण बादक मा । भ्ना भना वर्षावसदीविश्वतः स्थान भाग পুঁলোর শ্বরূপ বলিয়া মিরাছেন, কিন্তু जाननिर्मदेक रमक्रभ वृतिहा रहम नाहै। উপর অধীত বলিয়া ইহারা কোন এছে वियोग करतम मा, देश्वीतरभन्न दगन्नभ (कांव आह नार्रे। नगर्णत रेखेनिक विद्युष्टनाद्व है । विद्युत्र भटक भाग तूम किलेपिक परिते । किल प्राप्त प्रदेश मिरे नमावलंबिकाशी वरेटनम, जबन कांत्र देव विद्यान भागभूनां कि १ की कि বেজাচারিকা নর ? লেকপড়া লিখিয়া भटित कि **ड्रीसंक्रिया त्यम्**तिका इरेण १ मेच्या नि "विकाहातित शक् धीनव इन १ . 🛶

> नीना स्टब्स विकास मका सः वैत्रेश द्वान जाता । निध्यमम्

The stopped across as in factor of the stop of the sto

वर गणा महुनात तर्भ त्यां गएका चर्नार बन्दरम केवत अन्तियांकत ७ संबाद्दत गांशिक विषयात चौट्यां वन कतिरवन। मका चना कान नमार्यप्र चरीनक नरहन। चढकः वाँशंत्रा वांदमितक ३२ छाना **हों भा सिट्डन, डॉइडा नडा ट्यानी मर्ट्डा** পরিগণিত ছইবেন। সভার কার্যা এক विरम्भर गका पाता गन्नाविक स्टेर्टा ५७ सम मरकात सारम व मका स्टेर्स मा। এক জন সভাপতি ও চুই জন সহকারী मणानिक बाक्टिया। एमवामीपिटम् म मास. वृद्धि ७ वर्षनीजि नः कान बाब-তীর বিষয় সংগ্রাহ করিয়া তামিবার প্রবন্ধ गाठे **उ**र्क विक्रम अवः छाहात केत्रिक माध्य (छक्के। क्या इहेरव ! क्षत्र भार्थ ও ভিষিত্র তর্ক বিতর্ক করিবার জন্য क्लिकाकात्र रेखमानिक मुखा बहेरवा नेवर প্রতি জানুয়ারি মানে এক সার্থগরিক मका इरेशा मकात कर्यहातिमित्रदक यटनाः मीठ कहा हरेरत । भर्याक्षमध्यामः मधा উপস্থিত হইলেই সঞ্জীর কার্যারন্ত হইবে। का, विकास गारहर कर, वाबू शाही চাঁদ মিতা সভার অইবভনিক সম্পাধক क्रेग्राट्यन ।

मन्भातिक स्रेट्य। कथात नभारकत त्य धाकांत्र व्यवस्थान मन्द्रांत जानाटक विश्वत रलोक्टक मिश्रीखंद्रका मिक्क्रम खरन्द्रभा-रान्त्र मर छेनात्र मा नाहिशां अनका नान क्ष क्रिएक इस्। ১৮६० चरक लाख याक्षेत्रकि महाम्बात बर्तम, " मश्राम ৩০,০০০ বস্ত্ৰহীন মলপূৰ্ণ পরিভাক্ত গৃহ হীৰ আশিক্তি লিও লাছে, রাজধানীতে यक भाग कर्ष अनुष्ठिक रह, छाराह দুলাংখ্যেদ্ধনর অংশ ইহাদিশের দ্বারা সম্পা रिक क्रेग्रा बीटक, लक्ष्ट्रमंत्र नाम जना चना नगरत्र के लाक मध्यात्र भतियां शह माद्रा अरेज्ञन निसंत्र मर्था। पाद्य। क्षि नंत्रदम्बद्धः बनावातः, जामर्पारतित रमर्भ बद्धन नारे। आमामिर्टेमेह रस्त्रन मामाजिक वार्याणी, छाश्राटक रेमभराव-স্থান্ন এককালে কাছাকে নিরান্নার হইতে इम्र ना। मंत्रीता वन ७ देव्हा पीकितन धात्रफरार्च नकेटलरे नर फेलाह पाड़ी वर्ष केशांक्षत्र.कृतिहत्व शाहतत् । काशत ৰক্ষিথ পথ পরিস্থাত আছে। দেশের যত वानिका इचि वहेटल्ट्स, एक म्ल्ट्राज गरका तकि व्हेटल्डा हेशता वर्गातत किश्वद्भकांग मसूत्री ७ किशंगरण कृति कार्या कतिशा थाँदिक। कटनटकत धरे मह-कात, अक हत वरुद्ध बसूद करा कर्डना। নামাজিক বিজ্ঞান বজা ইহার প্রচিত্যা रेन्फिछ बिरवडमाः वृतिक्षे वर्डवा दिन क्रिट्ड नाशिद्वेन । सामग्रा अस्ति माज वृक्षेत्र खन्नमीय कविष्याम । मकान कार्रधान मान भाष विश्व क, धर्द विद्युष्टना पूर्व व भाय भ्यान्यक्त काम स्तित्न विखत क्रिकाक क्षेत्रवा आस्त्रामात्र जीमिका छ खीदमाकंदिकं कांबीनका तिवात विस्ता भूटाई प्रक ट्रिंग आदा । देकें मक्क गूर (क्रेंड्र) अक क्रमा बहनन, आहीन पन कात्र अक क्या विक्रा पार्ट्य। गण्डा अ धर्म इक नद् मीमार्था क्षिए भारत्व।

বাহাতে উজন প্ৰিক্ষাংখ্য ও পঞা वित्र क्र किमानने मकांत्र औरवनः करत्रन, कारात्र टक्का भावता क्या। भानीत एक टेमन **मास्यातक मान्न** लाककिरनन षात्रा नमारकत व्यवस्य शुक्ति स्टेबात वि प भग महावना। अहे सना द्वरण क्रिका छात्र मा कतिया मटश मटश चमा चमा नभटत ग्लात अधिद्यम्य स्ता आविभारः। (तन ७ एत पोकाट उ देशांत्र दकान चार्या वश रहेर्य ना। क्रमणः (बाहाई ७ माळाक्ररक चांसान कता उठिछ। चानाविधात चा-कीत अवका इत, फ्राइस्ट्रास नकः नत बच्चनान एउम्रा कर्छवा। जिल्लिंग भवर्गस्म **्के**त भागनथनानीत्र अहे धारान **উटक्ष्मा । देशहे औश्रामिटभत ऋशिएजत** প্রধান প্রতিভূ শ্বরপ। সামাজিক বি জ্ঞান বভার অংশকা পুন্দরক্রগে মার काशंत पाता अहे छएमना नाशिक इहेटड ाःत १ व्यानता घटमणीयमिश्रास्त्र भूनद्वाद অসুবোধ করিভেছি, ওাঁহারা শীম্র এই সভার প্রবেশ করুন।

कात्र उवर्षत उन्निक रहकू देश्मर " रेखेरेखियान चारमामिश्रमम भ नामक अकृषि मणा एडेशाट्य। जामामिटनत शतम हिरेडवी अन फिरक्सन मारहरवत्र (हछोत्र এই সভা প্রতিষ্ঠিত হয়। কম্মেক জন बांकामी ७ भारमी मध्यम य मजा क्रान त्मरे मचा এই मचात चायुर्गक इहे য়াছে। ভারতব্যীয়দিপের কণ্টের বিষয় মহাসভা ও ইংলভীর গবর্ণমেন্টের গো-চর করা সভার প্রধান উদ্দেশ্য। আপা-ততঃ অনেক দৈনিক আফিদর সভার मका श्रेतारक्त। जाशता अकरमणीविन-भटक देशोत घटना व्यायमा कतिएक जानु-রোধ করিতেছেন। আমাদিপের বিবেচ-নার এইরূপ নিয়ম করা কর্তব্য, বাঁহারা खात्र उदार्थ थाक्टिन, उँहिंद्री धर्म ৰীতিমত ১০ টাকা कड़िया होना

দেন, সভাপদ ও তংক্ষতা প্রাপ্ত হুই (यम। रेमिक्शन गडा विना प्रामित গের উদ্বেপ নাই। ভাবতবর্ষীয় দেনাদ-लाज एक किन इमेटनेज बोजा यांमानिटमंत्र অনেক উপকার সাধিত চইগছে। সেনা-शिक्त का, मत्र किमति लातका, कार्यका দ্রিমান, দ্র জেনদ ক্রটাম প্রভৃতির শুণ (कान् दाक्तित क्रमरण जाशक ना तरि-श्लार्छ ? विट्यां हिनिरंभव हर्ल्ड यथेन नव रह्मति महत्रम व्यागठान करत्रम. छर्चन बनिशाहित्वन " बात्र निर्द्याध लार्किता! स्थानामिरभन्न मना कि इडेर्ड १ " विद्वा ८६३ भरक मत (अभग केपुन्म बटलन म्ब्लामि এখনও উাহাদিগকে (ভারত वृद्धिष्टिभटक) जान्यामि ও विचान कति। " कात्रक्ववीत्र ग्ला अवः व्यापारे, মান্ত্রাক ও কবোধার সভা নির্মিতরপে क्षेत्रियामः, भारमामिश्रमनरक प्रत्नेत व्यक्त व्यक्त क्लन, भारतक कांच ক্ষাৰ ইংগ্ৰাভ ছ ভারতবর্ষের আর্থ व्यक्त कात्रक्रवर्द्धत्र अकटन अरतरभार यान भीत कर्पाणीतित मक्ता। अरे मजन ता-্রেই মক্টোনের উপর নির্ভর কবিতেছে। अंबेह्स करिक इरेश क' क करित वरे मुद्रबुर्व १ अहे सम्मद्रगढ़ दर्गन दिश्र घरि-क्षेत्र महाबना नाहे। जात्र व्यक्तिक केन मिरविभक मध्यात्र विभिन्ने देउरमंत्रीय बिट्नय मिक्क मस्ताव न। एरेटक मिट्रक, किन गामानाजः देश्यक क जात्र वर्गीत शक्तिभाषाहरू विकला शाक्तिक व नगरक প্রাহ্য করিলে কোন কভি হইবে না।

नुष्टक को छ।

ভারতবরীর সভার বাঝাসিক বিবত্রণা ইচ-৬৬ অকের ৩১ এ ভুলাই পর্যায়
ভারতীর মধ্যে এই সভার ১ শক্ষ ভারতীর আলোচিত ও নির্দারিত হছ ভারতীর উহাতে ভাহার সংক্রিপ্ত বিবরণ)। मृज्यस्थावनश्ची अत्यभीत द्वाकेतिः भारत ज्यान्यकानटम्बन्धियतक मार्थेटमत्र भारतुकिनि।

२। विकिछेत्री विन।

৩। শস্ত্র সংক্রান্ত **আইনের পাতু**-

8। दिन बस्त विम ।

ে। কলিকাভা মিউনিসিপাল বিল .

७। (छण्डी भी दिशाक दिन।

१। क्लिकाका जिब्दे के विन ।

৮। কলিকাভা পুলিব বিল।

৯। কটকে অনীবারীক চিরছায়ী বন্দোবস্ত হওন-বিষয়ক আইনের পাঞ্-লিপি।

১০। স্থারবনে যে সকল পাহশালা ক্ষো।

১১। উড়িবার হর্ডিক ;

১২ १ अरमनीय मिनिया मर्सिम कृट्यंश भारीका ।

" २०। गाउँ शांतकाञ्चटक अजिनमन शव अराम।

১৪.৭ শবলাহের ঘাট নংক্রান্ত চাঁদার উদ্বভ টাকার ব্যয় ৷

১৫। উভয় পশ্চিমাঞ্লছ ভায়ত বৰীয় নভা।

১৬। विजनआदमह महोहोटकह निक्छे स्ट्रेटच गान् क्षाखि।

১१। एक हाजा टाकाशहरू शिश्त भि, धन, पि। कारकवर्षीत नका व काशहर नारमञ्ज्ञाका काज कहिएकहरून, देशह कोला कोवा विश्वमण टाकीक व्हेटकहरू।

े नामानिश्चार क्यु स्याधिनीक नेश्वक क्याका निविज्ञारक्षेत्र ।

এই বিজীপ বিজ্ঞান প্রজ্ঞানী বিজ্ঞান ব

काइश्रांति क्या रामाक बाँग करिया बार करे। हे हारका व्यक्तिश्यह विका वर्ती जन्मीकार व के हैं बाटा मकरन अक्वाका प्रदेश की म सारवन विकाशनम द्वारक वश्ववीय हम, जोश स्ट्रेटम देगान (क्य प्राटमक किलकात वहेटच शहर विश्व केर्टवड विषय करे (व, मस्मिथायन अमग्रेटको अवस्था-(बृत्तिका ७ करेनका निवयन मञ्जूषि अश्रादेश নিয়ন্ত্ৰ প্ৰধান ছুটা গুডকর বিৰয়ের অভাব সন্দিত इंदेरलाइ। अचारमं कि चंग गर्थ कि खेगगर्थ नधनानधरमाभरयांची कांन जान बाद्धा मा থাকাতে গ্ৰমনাগ্ৰম আড়ুডি বিষয়ে বিসাদণ क्यूनिश कनिएकरह । यनि नवरन जैरापू र्फ्त अयादा अक्षेत्र भाग चनमार्थ गर्छते इदेशा ाहारेख य य केररयाहिक छ नरमहिक कार्य পান কণ্ণতঃ ভক্ষমা গৰ'ছেটেই কিছ সাহাৰ্য श्रार्थना करत्वन करूर भवन्यके माधानत्वन मण-लिय निर्मिष् कियुरगित्रमान वर्ष क्षमादन कर्माल व्यक्तिक सहरका मा। अवर लोश हिंहेश व्यमा ब्रोरनरे ऋयात्र अकेजी थान चनन स्टेटन ७ छ~ স্থারা মানব নিকরের ধার পর সাই উপকার হই-एंड लाहिएव। प्यायका श्रीमस्रोकि, वजरवा तिमीश्र विका क्रमीनात जीपुक्त बांबू कांनीकिरनात सर् स জীবুক্ত বাবু কুকান্তুন্দার ঘোষ মহালয় ভারিমিত্ত এক সহস্ৰা টাকা প্ৰদাৰে সক্ষত আছেন। ক্ষত अव उ. ब्रेवानी जरूरमः है, हाशास्त्र अञ्चलका कवा कर्त्तवा। व्यनद्वा भारे आदिषत् व्यक्तक ज्वांन नन লকলে আর্ড থাকাডে ধন্য ব্যাল ব্রাহ প্রভৃতি लानी बाता लाएकम (समन व्यामहे हरेएकरह, (महे क्षेत्रात सम्बन्ध स्ट्रिक सुविक वाष्ट्र अवहिक **ৰ্ট্যাংলাকের অভ্যুক্তা সম্পানৰ করিয়া সক** गर्क व्यारमञ्जूष्यमाञ्ज क्रान्त्र कविद्वारम् । यति अधारम् अस्त्रै जिएलाम हे स्थान श्रृतिक, ब्राटेनक (वसिव काकार बाबा गाय, करने समग्री करने वंबरम्ब नकावम। । व्यय्द्रने वरेट्ड विक्रम श्रीकर्श किसी किरणान्त्र सागति जारम भागवादम् । अकी देशमधीर अधिन स्थितिक रहेतारह । बार जर वर्षात्यातालीक क्षत्रमन क्षे erningen auf ferning at fin कानाम कार्नामा बादकान सक्तिम केवनी के farreng a marife mets mares) titlle treated with the state of the state of SECTION !

The state of the second state of the second second

छेटा केंद्रिया पारेशीय प्रशासन स्वेडाहरू। असे विकासकी दिल्लाची नाचियात समा कार्या क्रफ विकासकी प्रशासनी नाचियात समा कार्या क्रफ विकासहम्म प्रशासिक कारी विद्यात वांतु के क्रफ्ट कार प्रशासिक कारी विद्यात वांतु के क्रफ्ट कार प्रशासकी कार्यात कार्यात विद्या विद्या

- (৩) সমাজ্য নার্থনের সাহাব্যপ্রাপ্ত ইংরাজী বাললা বিবালয়ের ক্রমণঃ উর্জি ল'ভ করি তেছে। সম্রুভি এই ভালে প্রায়ু দেড়পার ছাত্র অধ্যয়ন্ত্র-রিভিছে এবংঃ শিক্ষকগণ নিয়ুনের সহিত খীর কর্তব্য সাধন করিতেছেন।
- (१) কভিপয় দিবদ অভীত হইল, কামার
 নাবা প্রামের কোন বিশ্বা প্রীলোকেব গর্ভ হট
 লে মুলীগড়ের ডেপুটা নাজিটেট প্রীয়জ লায়েল
 লাহেব উহা জানিতে পারিয়া এই বলিয়া দেন
 যে উক্ত বিশ্বায় দেন গর্ভ নই না হয়। যাহা
 হউক অর দিন হইল, উক্ত বিশ্বা প্রীলোক
 বঙ্গবোগিনীর অভর্নার্ত্তী লোমপান্য নামক স্থানে
 কোন ভরলোকের বাজীতে জাপিয়াছে এবং
 ভাহার গর্ভে একটা পুত্র সন্তাক, ক্রমিয়া এখলো জীবিত আছে। এতহ্পলক্ষে ভ্রমার দলা
 দলীর উপক্রম দেখা ঘাইতেছে ঃ
- (৫) প্রায় ৪।৫ দিবস গত ছবল, ইন্সীবাড়ীর ছরজাতে একজন লোক বন্য খুকর কর্তৃক আক্রা ভ হইয়া হত ও অপর ৪।৫ তন অ'হত ছইয়াতে।

विविध मर्वाम ।

गण मनिवात शवर्गत खनवन होननोह हिकिय मानत मर्गन कतिए निवाहित्मन । जैहात गहिण हिकियानात गणात मजागां ज मह वार्यम निकल किम्मनत एम गांद्रक, बार्मकाो त्ररमणी शक्ति मानत किमाहित्मन । मत कम नातम हिकिया-नात्म किमाहित्मन । मत कम नातम हिकिया-नात्म किमाहित्मन । को निवम मणां मनत मत्मा किमाहित्म । के निवम मणां मनत महित्मन । कोका दिक्यानात मणां मनति ग्रोहित्मन । कोका दिक्यानात मणां मित्मन वार्था किमाहित्मन । कोका दिक्यानात का मित्मन वार्था होमनीत हिकियानात जा मिल्ना बार्क मा । विकास वह हहेर्स किसान व्यानम करता ।

विश्व विशेष कविषयत कार्या क्या रहेमाटक।
क्रिय विशेष कविषयत कार्या त्यात त्यात त्यात व्यक्ति
वावर्गद्यात्मेश विवर्ण कार्यात्म कविद्यव वा। यद्यात क्रियां क्रियं क्रियं

কৌজনারী সেসিয়ন আরম্ভ ক্ররাছে। বিচার-

কাণ্ডের টেররের অণ্য কলিঞ্চার মাজিক্টে টের নিকটে বিচার আরম্ভ ধ্বরাছে। ডি.নি ৫, ৫০০ টাকার জানীম দিয়া মুক্ত আছেন।

दिस् व हेरिया न्यास्य, भागितास्य ताला विकथ मारी भाविक् क कतिवात करा अक सम अस्मान्य मिन्नक कतिव देशा । किंदू पित्र कर् ताभी शवर्षाय केत्र आंखाक्ष्माद्धि अक सम कतानी अहे मारीत भावि श्रमान कतिहार्क भागा करता, किंद्र जिति कुछकार्य इस मोहे। ताला विस्न व, एस फुरशारमात और सरावार्का कृष्टिकहम । किंद्र खाराव भाविकात्रक भागायत त्रीमा अखिल्यमा कतिराव ना । अविवास सम्बद्धारमा ताला मर्गान्यान राजी स्टेरम विकास्य सम्बद्धारमा वाहरू भारत।

देशीनेवाम अवलंख ब्रेबियाहर, नामाखि हारनम्यादेश आक्षित्रक लोदाचा कदारक भक्षाव शवर्थमळे कांशितपुर्व लक्षाय जानिवाद भक्ष जवरवाय कद्विय एकाः संभाष शवर्थम्य नेवर्णम्य महत्र कांशित कथा ?

मञ्चिष मार्ड कार्रसिंद गर दे क्रियान এक श्रे निवित्र। दलियाद्वेस श्रूमा श्रूमा निवित्र क्लाबनिरगत मनदम क्लिबन्दर्वन जासक वृद्धि रत, क्वि गत कन सहज्ञाहित अवदा क्वि विशिष्ट इकि रहेरफरह, ब्रिकटचत्र अवका नेवान। लाङ কাশবোরণ বলেন সুর্মিকার স্থাননকত গণ কোন मा रकाम क्षकांटर अरम्हणंत्र द्वासम्ब वृद्धि कविद्या-हिन। जाउ कर किनि क्षकांत् करतन अरमरणत क्रुनित त्राक्षक दक्षि कड़ी कर्तनः। नःत्र क्राडिमद इक्षि हरेब्राट्ड गटण्स्याहे, वर्षदान 'द्राक्षण नृद-चीत्र मंजित निस्ताच काम कारमत वह माहे, है न कान काम करतेन गाहे, क्यम अतर्भद्र (सनत-लात गर्हिङ नियानाम चार्न देशान काम। किस ताबाय दृष्टित विवद्धं मार्ड कानरंबादन स्मरभद बाकुष व्यवद्यां व्यवकार सदस्य । कृषित कत कात इंकि स्टेड्ड बाह्य मा, श्रेट्स मानावय मोछा-रमात्र है कि रहेरेंच। ताथ रहेर छटड छेखर शक्ति मास्मा ७ फ्रेश्सेंटगंत्र हिंद्रशांती बटमावन्त्र रहेन ना ।

শাৰমা অভিনিতি হইলাৰ 'কলিকাতা ৯ জায়া জেম অন্তন্ত্ৰ কইবাঁয় দিখলে বে ক্রেক জন মাজি জন্মবঁপয় হইলা সাহস পূর্মক[্]লাবোহিনিলের জীবন রক্ষা করে ভাছাবিধকে সাধানে চালা ব'রা পুরস্কার দিবার জন। এক সভা হইতেতে।

আনুজ্ঞতি ভরতপুরের রাজা ইংলতে গ্রমন কুরিবের। রাজার ১৬ রবণর মাজ বরণ, ইনি

वेरहांकी केषण जादनव : वैक्ट्रिशिन नर्पन जाद-भार के किए हरें अक बात नर्धन के भातितन बाकिया जातितन क्यूम काक रह मा।

कार्त्तन मानक वेर्टिनेश्रद्धत अस क्रम अवत-সিবর সম্পতি এক কুলিকে একার ক্যাতে ভা-कात मुद्रा क्या। काटर्न व्याप्त करत्रकवात्र क्रुकि প্রবার অপরাধে কৌজনারিতে আসিরাভিল। কুলির মন্তকের দক্ষিণ পার্বে বেক্রাঘাত করা हरेब्राट्ड व निया नामीन रहा, कि**छ निविम मर्ह्डिय** वरान वामनिरक जभाक बारक अर्थ काहा विज्ञायां वर्षा रह मा। अहे सनः माजिएके मनकार्र ग'रहर खाँशत्व मक्क क्रिया मुक्क क्रिय ब्राट्डन । अ विवरंद्र जरवाबनद्य चाटणालम इत-चाटि शर्वराव मनशांके नात्रत्वत्र टेकक्कितंर **हार्ट्स । फिलि निविश नर्क्स्स अवान्यकी**य উপর নির্ভন করিয়া মুক্ত করিয়াকেন বলিয়া रहम, अवर शवर्षम है अहे कावून प्रक्रिक्य विन-ब्राह्न । मिक्कामिटक कि वासमिटक, व्यञ्जाबादक অথবা লাখিতে কুলি প্ৰাৰড্যাণ কয়িয়াছে কি मा, अति विरवद मध्यान ना स्रेटन करन। कथा अरे रहेरफर्ट्, कार्यरन्य श्रशास कुलि श्रान फाल कतियाहित कि ना ? देश वंति द्रेश পাৰে তবে মাজিটেট তাঁহাকে মুক্ত কৰিয়া আভি শন্ন জন্যায় কাজ করিয়াছেন। এ বিষয়ের নথি ध्यशंनक्य विहातानात चानग्रंन कता क्छवा। वींन का हेरनत विकंटक शुक्त करा, हरेश थारक **कटन कारबनरक शुल्लाहित को अभावीरक (पश्या** देशिय ।

मञ्जिक विकास कार्यालया देश्ताकी (अ-ণীর ছই ক্ষম ছাত্র কালেঞ্জের এক নিভূত স্থানে श्रद्धांत कहिर्फ्राइलन। खर्गाशक क्रिन हैरा मिविद्रा अरू क्रमहरू अरू चूनि अदर ज्ञान এक भगचां अनान करत्न। कार्यास्त्र याव-তীয় ছাত্র একবাক; হইয়া অধ্যক্ষ ডাক্তর ইও-इस्टैंड निक्रि मानीम करतम, किन्न फिनि जाश প্রাণ করেন নাই। ছাত্রেয়া ভারি বিস্তা একবাকা হইয়া ক'লেছ ভাগা করিয়া আইসেন। এ বিষয় गवर्गरमद्भेद भाइत कता स्वेतारह । जास्कत कतिन अधिभय अकासत महात्र काल कहिया-ह्न, এवर ছाञ्जनश्व विम्हानम् छहात्र कतिहा क्षमार्थे क्रिवारहर । यथा विश्वत्ये काशमान्त्रात्र কাজ কৰিয়া অভাচার নিৰাব্ৰ করাই মাবার বিষয় ৷ স্বাহ্বক বৎসহাৰ্ষি মেডিকাল কালেভের व्यक्तानकमिट्रांस मट्रा मट्रा अहे द्वांश क्या गरे (कट्ड, अडी रस कड़ा छेडिछ।

विकासिक विकास, ३४%त व्यक्त मध् ।ध

विषयित १८०० समस्य मात्रीतिक मध मिछता विकास कर मिछता कर १० की छेनिक का नारम कर ११ के का नारम कर ११ का नारम ११ का नारम कर ११ का नारम ११ का न

खेक ना मश्यान नाम्मारहम, तास्माहित अकर्गक निमानरो अवर नारमात कालिनम् स्व बरेरक्ट्। अक मार्कत नीका रहेनारह राक्मन कालियान स्वार नार्दे। गवर्गमने अन्य नार्व। काल्यकान कतिरक्षाहन कि ना खाना याग्र नार्दे। नाम मिनिन बीकरमन बनारक मान्य मानि ।

ও সা, খাব মঙ্গলবাৰ।

कृतिकृष्णित विक्रिकान काटनम वागित यार्थः क्रिमक्तिवार्थं अक नका स्टेनाइड ।

क्षेत्रावाणकिएक निर्मानांत हाय कहा इहेट्य।
क्रियमात इक्कि किनात्त्र श्राह्म न्या देव क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र

नीय क्रांबरवात्रन वह्नविवाद निवाद्रण क्षणां दिन विवाद अववंद्र स्मारमस्य अमन्य निवाद्रणं स्थापां द्रवत क्षण्यानन प्रसान सा । स्रुप्तिमा स्थापां स्वत क्षण्यानन प्रसान सा । स्रुप्तिमा स्थापां व्यव्या परमान स्थापां अध्यानिस्य वाह्म स्थाप्त हत्र, अस्था परमान स्थापां अध्यानिस्य माहे । प्रस्तु स्वत्या स्थापां स्थापां अध्यानिस्य माहे प्रस्तु स्वत्या स्थापां स्थापां अध्यान स्थापां स्थापा কাজ নহে । ভারতবর্ধীর ব্যবস্থাপক সভা হইছে হওয়া উচিত। ভিনি উপসংহার কালে আছ্ত বলিয়াছেন এপ্রকার আইনের প্রস্তাব করিবার পূর্ণে ইংলভীয় গ্রথমেন্টের সম্প্রভার করিবার করিবা।

পঞ্চাবে ও কিরিডি ও নামক এক ধর্মসভা ইইরাছে। ইহাতে জি নেসনদিগের ন্য'র যে সে প্রেণিব লোকে প্রবেশ করিতে পারেন। কিন্তু কার্য্য ও উপাসনা প্রণানীর বিষয় কেইই অবগড় নমেন।

नकनदमद्र विद्वदक्षित एक्टिमत छेशव বিশাস আছে। এডরিবন্ধন অনেক সহর অভ্যা চার হয় । সম্রাতি বোরাইয়ের কুলিজাতির षरमरक्षं बुष्टा इक्षेत्रार्ड छाहावा चित्र कर-के ब्रांटिन अरू कुछ छीटलांटकन महत अहे ह्रथ हैमा र्देएकहः अख्या छाईन्टक अस करिवान सन्। এক দিবস ভাষারা এক পঞ্চায়ত করিয়া তা-शटक विश्वत करत । श्रीत्मांक्ष्र आश्रादात्र विश ত্ৰণ ভাবিয়া আপনাত্ৰ যাৰভীত্ৰ অনভাৱ পত্ৰি-धान केतिया बाब । शमन केतिया भक्त छाहारक **फाइन विनिद्रा कहिल (म म्राह्य (वनकम इक्**ष कतिराधर् छाषा चात्र ना करता (न अत्रक्त অঅ'কার করাতে ভাহার ভাহার পরীকা न्द्रेष्ठ मनक् कतिल। अकडन पूर्वकान क्किन এक सरिटकन मञ्ज शुख कतिक्रके खानात स्ट**छ** দিল। আর এক ব্যক্তি গ্রেই পুঞ্চল হারা তা रांत नव वर्षन क तेत्रा काश्रदक् कित्रक्ष व अवन করিছে বলিল। এই পরীক্ষার তাৎপর্য, এই মন্ত্র পুত নারিকেল হজে ল্ইব্রা অমণ করিলে বদি बीत्नाक्ष निर्द्धाची वह चट्ड विक जिल्ला वाहरव, भावी बहरन छाड़ा स्वयन रहममहे था-কিৰে। লৌহ নিগড় ভগ্ন না হওয়াডে সকলে ভাষাকে নিশ্চয় ভাইন কানিয়া প্রহার আরু करत अवर करत्रक दाकि अहें . इस्तारंश काहान শ্বনভার কাড়িয়া লয়। অভিভৱে দ্বীলোক্ট वैक्तिकारक । भागासारमञ्जूष श्राम् अन्तरक जन পিত হইছাছে।

দিলীগেলেট বলেন একাছ সমৰ্থ জেনমান অন্য অন্য কংগম অংশকা আন্ত ক্ষীত্ৰ বিশ্বনাৰ নামন কৰিবেন। সেকেটারি আক্সিত্র কর্ম চারিগণ নাটলালের প্রথম সন্তাহে কুলিকাভা ভাগে করিবার আজা পাইরাছেন। ইংলভীর গ্রণ্ডিক ক্ষোপ্ত না ক্ষিত্রে এবোণ নাই-বে না

উক্তপত্ৰ বলৈন বোধারা ক্ষনীর্নিধ্যের হয়। গঙ্গ হইয়াহে। সম্পৃতি, ক্ষণীয়ান্দ ক্ষেত্ৰ

টাইমস অব ই ভিয়া বলেন আবিসিনিয়াছিত বল্দী নিগ্ৰে মুক্ত করিবার জন্য এক চল সৈন্য প্রেরিড হুইবে। এই জনমে নিভান্ত অনুসক। ইংলাণ্ডের পূর্বাকার ভেন্ত থাকিলে ইয়া চল্লভঃ কিন্তু গ্রাধারণ বাণিজ্যের নিকটে করেকজন দরিম লোকের জীবন সামান্য বোধ হয়। ইংলাণ্ডীয় গভাবেন্টেয় লোব জাঁহাদিগের এন্দ্র বস্থা ঘটিয়াতে।

चाउँ होत (भभद्र बर्गम सम्मानातम इर्ग निष्ण कर्म्यम अवस्ति क्षण देशनात निक्र वैद्या भीव कान तका भाग ना। उथानि शव निमके विक्रम होक। यस कतिमा देशन भरकात कतिएएइन । निमीम कानिम जा निमा समानाराज्य अव दर्गमका काना दे मुख्यि काळा।

वीवात्रा क्षेत्र शारेबाह्न धावात्र। यहम वीवविद्यात्र निकटं विद्याय स्थान शास वरेहण्ड्या प्रकार पहिला एवं निक्यम व देशि पार्टेबाह्म, त्रंकूत लाह्मत्र। पाद्यात्र इस्त १००० शास्त्र विद्या स्थान प्रवास क्षेत्र सरकात वरे द्वात बात्रा स्थानिक स्थान क्षित्र सरकात वरे द्वात बात्रा स्थानिक स्थान क्षित्र स्थानम् वार्क्षत्र स्थान व्याप्त स्थान क्षित्र स्थानम् स्थानक्षत्र स्थान

ca, filta a arau avait beginille chimia mita di con ilgora attalan cuican chimitan gini ullega di ulgura cati alogica diamata fasta ulgua alba ilgania diamata avait fast con unangana ara avait diam con unangana ara avait diam ultaci · 李代本教教堂中的第一

more mineral president their with the दक्त हिक्किमानद्व व्यक्तिमान्यक्रिकत्व वाक्टिय कर्क का कार्य केन्द्रशास्त्र माहि रहकरे वांकीक जास महात्या वा १व क वर्षे सना सामाना वाल मध्य मा । मकाहिक अक्ट्रीशिक रचायरम् अस्याया कर्या ब्रा । क्षेत्राह्यम् मेल्यूरक जात् व्यक्ति छ रण स्वद्ध (क्या) प्रशास्त्र । वर जन। वर जाना PERIOD I

ः वर्षः मधावचयद्वतं स्रोता सदयम द्वित्रिक अपि क रेवना देनमा जरवर्गीक स्ट्रेटन । असना क्रम खं श्रेट्रंस कर्र्य कर्योग नर अध्य कर कर दश्च करी वर्ष 那海!

जाना ज बक्तानीय शास्त्रभीय शोख्या गणः क्लिकेमां के अवर्गित विक है जोर्गमा कर्रन है में त्थव मार्ग्य अत्तरम मंत्रियः कार्यम कान्या कम्मू भारत कत्र मर बर कत्रा एत । वीवादा जात छ छी-र्चना क्रिन, शर्बार क्षेत्र काम कृष्टि इता गर्छ। कांत्रत कृष्टिक क्ष क्षेट्रक हाका हास्त्रिक्तिका (मक्टेनाने शवर्त जनपर्छ ब्हेबा बलिबारक्न, जनमंद्रमण्डे दर होका विटल्टर्स कार्श वटनहें। अवर प्रकिटकत्र केटलत् होको व्हेरक कामानिल साम व्देशकाह । जोक कर काचा रमक्सा ' वाहरर भारत ना । मानकं काहरनतं विकास लोकीनोकि अवर्त्त मानाव निकार विकासिक वृष्ट 🕷 मेरिया एवं। अरे अहेन अल्ला प्रेएक नार्ति नी, अवर देशेत अरहासम अ दार्थ मे। । गर्का माधादर्गः वेकेरवानी व सेवासिन एक कालक स्वतं। नाथा इर्ने श्रम क्षमा नवास।

वेक मार्रिकेट केंद्रकरमें स्थान स्वारक निना स्मत्र के विश्वादिक । है के कवित्रहानत अकस्मन नकः ब्राह्म । विकास करित है नि 'व्याननात निर्देशिक कार्या कार्या क्रिया क्रिया क्रिया क्रियारक्त ? वेश्शित मान विकास के एक के माने वा पाने का नाम करते निक के विकेश के अनुभानक विकास सक नारक भारति । विशेष क्रिकेट विशेष के विशेष के विशेष THE RESERVE A TO MARKET WITH SHIPPING CHE STR CARLES - T WELLIA ग्राक्षा वज वृष कांकानित जिल्ले मेक्सि जाएक, लिकाक कांका गुल्हिं। स्कृतियोग चाला (२७३) स्ट्रेग्स्ट्रः। हैनेडिकिम्मा अहे लाट्न यक बुद्दानिक्या विज बारको, क्षांके किया। शबान एकं नुवित्र विरागन क्रांच्यां इस्कार्ट क्रक क्रिक्ट्य अवर अभ क्टिन २०० मुख्य कूम्सा अवाद्धि व्हेशास्त्र । ० कर्ष मासून त्युं के बंब देशत क्रिकीयांत्र मान । मह शानन महिट्यर्थन ।

| विद्याद्भारकी गरूरमह नश्कातः "मृह्ये निनिन बीजरबर बार्वाक्षवामी विरक्तिशे करिएक देश जब्गक्य ध्वीत् इत्र क्षेत्र

रेक्ट्रकांच वक्षम अक (रामार्टक केंद्र कहिनांच **েটা পার্ক্সাতে জাইার সাভ রংমর বীপাল্পর** बादमत जांक इर्देशदिक । (वर्णना जाना देश विदेश व्यानिदेश विश्वार्थित वेलिया अहे एक्काश्वर अहे रवनारेख मधीरका भाना करतः।

'' 🛦 है बाच बृह्नुंशिक्तात्र'।

मकल्याहि कांबुन स्ट्रैटल मरवान् शारेबाद्यम क्षत्रीय जन्मित्रभन् जाकसूत्र न्योदक निर्देखना **क्तिएक्ट्रिय (: ' (ब्रनाशकि - (म्टक्युड वं) | १**३३४ আক্রমণ ক্ষরিতে নিয়া শিয়ার আলি। পৃক্ত অব नवन कृतिबाद्दन् । ऋष्य महत्त्व भात पूर्व माछ। चाकहर देवन और नाहाकार्य (शक्कि देन) क्स पाकिम बीज प्रकृतिहरू वीवाही निम्नीन काशित भटक शिवादस्य । काश्विम भी गाँदस्योक थी श्रेष्ट्रिक करमन क्लिमार्ट्स । अहे मुक्त इन्हिना व्यवन कृतिशा क्रीकृत्यन चा व्यक्तिम बीदक राजन " जुनि जागाएक निक करिएक দিতেই না, আমি নাম মাত্ৰ রাজা বাভবিক ক্ষ-क्षा (शक्ता) कावान क्षेत्रका, व्यक्तिस मु कारव भावि किलाक जातित में वेक खेकि केरि खांव। अव्यक्तिसन्ति। क्रेंकिन नदिश्यन फिनि अक হায়পুঞ্জ ক্রিবেস, ভাষার পর আকল্প খাঁর यांक् देखा अब के बहरता । आक् बंदा में। निक शुक्र क्षीबहुक इंड्रांस व रहे बहुक फिर राजन भाग, कि व ज्ञारिक्स स्रोत्त (ज्ञाना क्रांतिक्दिक्स)

, वृत्तिकाखात्र क्राफित्यका (अ.न. क्राफिताकीर काला (व १०) कुक के क्या का का विशेष की मेरी क्षिशास्त्रम्, अवर्थन्य केंद्रकं काल्या कालीन क्रेट्रक विश्वाद्वारम् अस्तिक्षातिरमम् , स्थि अन्तर्देशस्य सर्व। अपि कार्य कर्म मुक्ति को तक स्वरंग स्वेदान जान On 15m 共同的数据的 1 可以使用的问题 報刊 40 इंट्रिंग क्षेत्र क्षेत्रियां क्षेत्र बाद्य क्षेत्र कारण ना अक्र रेंग्ड्राह् अर्थः, रकाया सहरक चानित्व ?हेर्र चट्रम्का अक्ट्रम्मीत कहिननिर्मय अक्रावाङ्ग शक्त बर्ग बैरश नुक्तिनी कतिरह स्नान रहेख ।

বিকুর লোকেরা সর বাটল ক্রিরারকে, ছাড भक्तं न्यान्दत् अव्य कत्रिवारक्य । क्वाहिएक क्रीहो-त्र भारतार्थ अस जीवातन (क'ल स्ट्रेग्नक्ति। (वाबाबेद्वात क्यादकता-बीवात चन्नवार्य अव विनेता

বিনুৱের পাশা আপন রাজেরে মধ্যে আপুরি क्षांस्त्रामं वाविका कार्या कृतिहा चोर्क्य । किर्रा हिमित्र पार्वना अञ्चला, अ जुला जिल्हा कर्रा नमुक्ति मारकते वैद्या विकृति प्रेया हा है त्म प्रदेशास्त्र जानिहास नार्टन गाँ। विश्वदर्श मिन्ने (मानीस कर्रका कर्ति समा । वेकेरशनियानियास है निक्षि नागनक्षा तथा संवासी सम्बंद कर्तुस् 🗝 কিছ বস্ততঃ কেবল তাৰ্থ নক্ষ্ম কল্পা কৰা ক্ষিত্ৰ শাস भित्र अक माञ् किरणवा। वरह्यु मुख्य अक्षांकि रगद्र मिक्ट के कह लक्ष्या एवं। क्षेत्रहार दशक साम् শং দরিত হইতেছে। প্রতম মিসনীয় মধানকার १ - कर्न गर्का चारहन हेरीता सर्व मानाको स्रोत्र बर्तानी छ.सून ।

, भार्किरमञ्ज क्षरमन क्षेत्रमास (भनिसञ्ज्ञा)ह किल्लामि व प्रवादि स्वर्त्वेषम् नृदेश्य पर्दाकः कांकाप्त कारताहि मिनाटक कात्र वर्षे श्रेटक है है-ब्रांटिश सञ्जन ও एक। स्टेटिक क्षाप्तानवस क्षित्रीक्र ষান্য করিয়াকেন। এটি জনরত ছাড়েন পেরিন্ন মুনীৰ কোন্দানির এ বুঝি হইছে সোধ হয় লা : । सम्बीय रेमन। भेन मन्त्रा उ चाहि बादक श्रीवाहिक করাতে প্রদীরদিলের অভিনয় অংক্লার্ড্রইয়াছে এ জুল্য সাহিত্যনের বিশেষতা জ্বাক্ষের লৈচিক नैशिषिरभव छेभव वित्रक स्नैवारक्षेत्र । भारतिक कः की महारम्भ अक (काम द्वेनशर्क अक्रीय ছত নৰাশী ভুষ সংক্ৰান্ত **নজিকে জিলা**ন্ত क्टबल '' काथनांपिटभव (मनाम्यवर्षः क्रुप्तमे बेट्केर् : नरका क्छ पूत्र। जामाहिरान विकास है है। व्हेटक्ट्र ^{, य} भद्धी खरकनार निसंक्त व्हेश खेलह कद्विरमन, ''माननमिरमंत्र विकटक २ मीधाकिरम्हः আপনার প্রবিধার জন। ইহা হইড়েড়ে। আপনা -किरनात विवास देश दिनाटन यद्याङ हेरे**र**, यवस क्षा चामना क्षणीय देंगम,विभएक 'निक्रिक भावि। 'कठिन वर्?, कि इ छेकिल खेवन वर्रे-

हेर लिमधान कमन्द्रन व्यवन क्षित्रार्ट्स, वर्षः बाद्यक क्रिक्स कु भू निरुष्त है स्टब्ल है स बुल वीकुड़ाड़ शिवा हुई कर्न शिविधियांन अवर ছুটু কম এতদেশীয়া কর্মচারির চরিজের বিবরে (नाभनीषु प्रश्नेत्रान केतिएकदृष्ट्यः। कीशामिरशत विक्रम अञ्चल जनशास्त्र कंकिरवान स्टेन्नारङ, अवर एक कार्वामिटका महार गहान्यात पर रहेरन ।

नाभ जान नारहर इन्डिक छेशनरक रक्ष छ जर देखिन्द्राटक कार्यम नाफ क्रान्ट्रावर वर्ज जाव मास एक हैको लाइकत माहारकाव अना वात क्षित्रात्र काका सम । किन्ह " अकरन काम्या

न्द्रमिनाव रीष्ठ'र यहाँना, प्याजित्यप्राञ्चमाद्य नाष्ट्र क्ष्र काहे, कांट जाय महायात्रभाव (मा) अहा भ्राटक ज्याप के समहत जा महात भ्रम है है जाने। भक्त शक्त वाका वार क्या द्या विश्वास्त्र । वास्त्रा त्यु बाद खिननरक गान् र'न र'हि । अवराप्त स्वाप्त माटबर् ভাষা ব'লবেন।

৬ ই শাঘ স্পাত্র বার।

भवीकाव ४२७ र स गरीकाची - माधा ५७५ सन মাত্র উল্লী (ব্লান্ডেম) ভাষ্টা, ১৮ জন এখন १९ सम् १७% अवर १० ४० ६ ी स् (अनीट्ड ্মিষিষ্ট টইমাটেন। ফে গুজার মাতার। এখেলেশের কলেন্তে দিকাৰ অসম্পূৰ্ণিত নিৰ্দেশ কৰিয়া (क्रम , क्रमाफ, क्रिकार हा निका छैरक्षेत्रण कहे . (खर्फ मा. এजनः भवर्गधर हेन्द्र वित्यव हसिनाउ कत्र भावन का नामान,क्षण विवासिका बाटा অধিক কললাভের সমাবনা নাই।

क्ष अध्यवहाँ छन्ना बलाय आती कान्या मन সহিত কলিকাভার পরু এবে লী নির্মানের ব্যক্তা चक्छ ब्हेश्वा शिवारकः। खाक्तिश खान्यः । नाडेन माद्यत कार्यशाहक कत्रियाद्यतः विद्यादिकः । रहरा**अस्य क्षाप्र अन्त्र** सहस्राधः अवः ३ राजद बाधानमात्र (बादाई नापी गाईवान हैनान क्रेश्राट्ड ।

মধ্য ভারতবর্ষে ক্রমি ও উদান ঘটিত গমান্ত ১৮७२ **चटम श्राविष्ठित ३**इता अविष प्रतिक कार्ये कतियारह। नाजनुरुष महाज्ञास अवस्था मजानी बाजा परनक हेंडेरड नीज जुक्त जरन इन केश्मेत कृत्रशिक्षण्यम ।

१ हे बांच भागवाद ।

भिष्यागिष्टि ब्राटेक प्रांड अन्तर्गात्क श्रीनकराञ्चव म्बद्धवार्त्र अक्कि क्षेत्री निका निका न क्रेंग स अनः म्हर्मिन व्यविधिकात स्ट्रेट हेश । किस बांग्रा ३०,००० हाकात्र विक्षित सनिक्रमां अर-শ্বৰীত ক্ষুত্ৰাছে, প্ৰভৱাৎ ইতাতে গেকাৰ, সম্পৱ बहेद्भ भारत या। कर्थत अवादकरा मणांच अक्षे मका कविदा किय किम्बार्थन वा वे क्रीकाङ अंबर सचीप्र किर्गाय क्या अरु शुक्रका अप अमिक स्टेबा स्विक्त्य नार्य हेर ক্ষর মুক্তর। এই পুস্তকালয় ভারতবর্ষীর সভার वार्षिक अब खरान शंकित अवर देशत पछड के ही बाक्टिया। बाहाना देशव के बिधान क्षा हे हो सामा जा बाबर नह जिल्ला ना मार्व है । WALAR 1

अस्तिक अस् शरकामभाज (मार्यन देशमञीत मानिक मानिक मनाइन वक विमानी (दव।

युवाद महिल्ला मान एक एक एक एक एक एक ८ अन स्टा, भटत कान मानक्षरका बुक्करक ান প্রতিক রয়া ভাষার একটা খড়ী ও ৭০০ মুদ্রা वर १४व कां.श अश्राम करत । धूर्व श्रीरमाक यादेवात प्रमय स्टारिटनत अधाकाक मनिया तन कामात यामी काशंदरत शत अक्ट्रे मिखा वादेवा शह हम, हे शहक लालाहेट्डम मा। जानमि बा कलियाचा विवास अपन । अवादव अधन । (मात्र मूलाव दिभाव यक्तम, कालि अधनहे जानि তেছি । বিলাতার সভ, হার এরণ দুষ্টাত শৃহরা **एउ शाउमा साम्र**ा

भवर्गामकी विस्तानम । बन्नद्रभीत्र त्नर्धनन्त्रं गवर्गद्रत्र व्याटम ना नुगारी

निरशोध ।

এ লিবিন সাহেবের অন্থপস্থিতবালে ছাকাঃ व्यक्ति व अहे हे बाज्य है है ए एक्ट्री कार्या हैन এ এন কে বাছেৰ আপনাৰ বৰ্তমান কাৰ্য, ভিত্ৰ े लिवार श्रीमार्केट क कालकारत श्रीदिविध क्षेत्रा कार्यः कतिहत्त्व ।

फाउन जान खोन नाइब जीहाहैन निवित्र कार्ष है। है गर्कन स्वेट्सन।

कांगन नहें हे जारमाक ग्रहत अन तिर है एक है ि भीड़ि माटब्ब कहरक १५४० चटमव ३ चाहेम অস্থ্ৰপাৱে ধাৰতীয় অপ্যাথের বিচারের অমতা ाध व्येषाद्वत ।

ডাক্তাৰ জো এম কাৰিয়ণ সাহেৰ মুলেয়ের कि देश चाकिष्टै। हे शांत्रकात हेरे (बन ।

। है। अक दक कीन जादिक किए निराम सना গর'র মাজিটেট ও কালেষ্টরেম্ব প্রতিমিধি হইয়া कार्या कतित्वन ।

एवलिडे कर्द्य मारहर क्लिक्स्यात काराब কলম প্রভূতি বাধিবার আহিসের ও স্তান্দ भाक्षित्रत स्थातिर हैर एक स्ट्रेस्स्।

अरेड राक्षि जारूव पूर्वज्ञानारुत सहे हैं बाब्बिक्डि ७ (एन्डी काट्य हेंद्र इहेट्वन।

नि अक अरमनि मार्ट्य (फक्रश्रं विकारमंड ভাবপ্রাপ্ত এবং জিল্ড জিলার মালিবৈটে क्यका बाल रहेरदन ।

ৰাষ্ট্ৰক্ষমোহন চট্টোপাধায় বাৰৎ অস্ত্ৰপ-्विक शाकित्वम, फान्य बाबु मीमवक्क मामारवा ১৮৬७ कटपन २० क्रिय अञ्चन एउ क्रिक्छान ডিটিই রেভিইনের প্রতি নিধি ধ্রয়া কার্যা করি

वानु विवाहेडत्व (बद्धावी), अवार्षम् द्वम् व क्रवाध्यय रामणातः वेवस्तं अक्रितिक दश्युं वर्शिक (हेटकेंब्र कमका शास इक्ट्रेंबन ।

ৰাৰু গোপীকুক বলে, পি'ছ,বি ভাকা ও ময়-यनि एर्ड चाडिननाम शिकिशास मनत जामनी रहेंदवा।

দৌলবী আবছল মজিল রুলপুরের সদ ছ जामीन उ ने जिलांब नमत (हैनानत मूरशक ११०

अहें। अन शांतियन याद्यत वर्षमादन अफि निनि वालिएडेंडे ७ कार्न्डे इस्ट्रिन ।

चात्र बहेर कि कर्किन गास्त्री वाक्यश्रक्त भूमित्वत जिल्के क्षेत्र हेट्स हे इहेटवन ।

शुनिद्वत सिम्ननिचिक महकादी सुभविद है (शटकेंब्रा विश्वविधिष्ठ श्राम रहेट विश्वविधिष्ठ शास्त्र वननी इहेनारहनः--

फविनेडें फि क्षांठ नार्ट्य नार्ट्या हरेटल ত্রিপুরায়।

नि, जि क'रवन जिन्दा इहेट इक्कें म'रम। नि क कार्षि इतक स्टेटक मानना। कि अविष्ठि, ब्रिकि तम्भूत स्ट्रेंक वीव हुन्। **एवं निष्के, ८ असि और है रहे**एक को हो ए ।

B, cm, त्र, आके गारहद वर कि फ्लून স্থিত থাকিবেন, ডত দিন মি, এইড, এইচ, এট मोर्ड्ड मिलिनीशुरत्रत खाहे हे मा अस्ति छ। उ পুনী কালেইবের প্রতিনিধি হইয়া কার্য্য কবি (44 1

चानिक्षेत्रिक मास्तिरकेत छ कारमहेत्र कान अक রাম্পিনি ভয়ক বিকালের ভার প্রাপ্ত এবং কিছ हिटन स्वतः स्वीक्ष स्व.सारमस्य रमलाह बास्किरकेड के रहलू है कार्य हैरज़ा कमका बाल स्ट्रान ।

ति. अम, बरम्पानायाम् करेक विकास शक्ति मिषि विरामय छानुष्ठी यासिएकेरे छ एउ नुष्ठि कारल केरतह अवका आश्र व्हेब्राट्य । इति वारमदात चन्द्रिक विद्याला

क्ष क्षेत्रहेत्र विष्टु निरमत स्था श्रितात करे ने ना करते व दर्जनी ना दर्जन आहे निधि स्रेप्ता कार्या कविष्टनका 🖰 🚉

क्रिकारम् रहेगाँव मामित्रके व रक्षाच कारमंद्रेत करानक कि देवन विकास स्थानीत मरीन मानि केटनेत कुमुल आले ब्रह्मा कायाelle co seel seelles

cateralist well attacks a confi wiends court grown silver wiferfactes THE RESIDENCE OF THE PERSON NAMED IN

AT CHART ARE SERVICE THE WITH (पन, कार्य, बाह उद्यासक्त मक उस्पुटाक अनाम मन्त्रचानीयम् वाजितित्र प्रदेश सार्गः करियमः।

बार् केका बाद्य कर्ष नावर अञ्चल क्रिक क्रांकि त्वम, क्रांबर देशेमबी चानि काइमह न वर्गाः मध्यान्त्रियं । व विभाव मना रिषे भटनव विद्राल क्ष्य श्रीकृषि प्रदेश कार्यः क्रिएनम ।

हिं हेर्डि म'रहर विमास १८३३ खराजर विका रकात भौतिक व आरवरकात दर्शक्ष देश विदयन ।

(m कि हातकि न'एश्व वंश्वेकात कवा खत किका क्षात्र महीन क्षांद्रायक्षत्र अव द्रिक्षित्रे दि हरेरवन ।

ইউরোপীয় সমাচার।

मक्स 8 है। साम्प्रावि । अवक सम्बर्धि ্রিপটেইটের কাইকার ভাতের বিলার কলকাঞ্চার लाह विभाग रहेब्राट्स्न ।

भुक्क अवर्गाय मरवाम भावेषाद्य भावेष কাভিয়াতে সেলেখিয়া ও কিরাম্মন মুর্ছ देशकिन्दिशत स्टब्स जाना तम वि कतिशास्त्र।

मधन १ इ जाल्याति । दाख्यिम पत्र मुखा পতি सम्मारक मार्शात्रभक रहिंद्वा विहोता करम व्यर्गनं करियात कता शूनशीत व्यरकातम कतिएकरक्षा विद्वाहरू भाकि शुन्ध संशिक क्र्येश्वाद्धः। क्लिकाचा क्र्येट्स लक्ष्य साहेवाव मध्य हीता वारवंकिशाम श्रवहिष्यक्षेत्र आश्वाक मृष्ठ कविद्यारक। करवक्त्रम मान्वेकःक वध कवा वयु, जाना जनगढक मधुरूत की काल फानाहेवा (नक्ता हरेबाहिन । किन्छ फाराबा পৰ। আহাজের দারা রকা পাইয়াছে।

ক্ষাদীয়। সিয়াক্র জের কটমবারী বসপুর্বক कार्यकान के बेब्राट्स् । हेरांब्र मह्यह्र २,४०,००० ভলাব ভিল।

क्षा १ व देवां प्रमासि । ३३ वे (क्यापादि। महामामात्र धवामी प्रश्नुवादनामं कांत्र अक्याह मक्रम कक्तिक हरेग्रा प्रक क्षराम कविराद करान के इनेटबर्ट्स के अमारिक बहान कान बाटन विक्रमा क्षण व्यक्तिमा अमुनि क्री प्रेट्रिंग ।

क्षणी है वस कि अप भारता अकाम कविद्रा क्कीक्षेत्र अस्थि रचाचाक्षरक क्याब्रेफ क्षित्री केलके केल अस्कार्य भारती स्थितिहरून ।

ंगारिया अधिक देशालीय वर्ष अध्याप नत्मानक स्वेद्धारक ।

्र । अनुबंधिक के विद्यालया । जिल्लीकान प्रक्रीका नानात्व जानमा अधिकात्रका स्थित पर प्रार्थ । अधिवासारम् सको माना हैन वक जान नश्चितक विकासभाग मानव स्टेटक कुक प्रविश

अञ्चार्व अगिलक्षम वरम्टरक स्टब्स (नवरन हेर्ड (मनिम्बाक्नाक्रीक्ष वर्णका करिया जाना करि बारकत केलाह जिल्लामन क मराबीकाजीह त्रीकानाः क्षांकी-वरिकः। किमि करिवास्त होटक नांकि के प्रकृष्ट्रंत श्रेष्ट्रंत काटन श्रादन कतिक रहेत । अवस् राष्ट्राची विश्व अवस्ति । लाक सिरंत्रत त्ववाति वार्क कृतिया और विवादक नाथा का चार्यत्र वाचि क्रिक्ट भरमारवाशी क तरव।

· चंड क्राइ-चांत्रज्ञं सोच भून तीत्र कार्यत्रकः कतिज्ञादक्षते । अ'नदमीत्र गोह्हर न'ओ वा'क गठ लंद कार्य। क्षणांनी श्रांनुसार्थ 'खात्रकदर्ध शयम क्रिशाटकम् ।

চারি খন সভাজ শেনীয় মহানভার সভ্য ভত্ৰতা বাজীকে এক এত্ৰেল দিবাৰ চেষ্টা পাও রাতে দেশ ব্রিক্ত ক্রপ্নাক্ষের। শেলনীয়া মধ गर्जी एक हरेशास्त्र । हाकात्मव गाउ देवांशीनक विश्वक्ष ७३,०४,३५० शिका सम इवेहारह १

स्त्रामी बाराइकत बारमत सम्बद्ध देविश निवाद्य ।

विक्रिका प्र. एक क्राभी रेमना विश्वरक व्यापि ৰাণ্ডনা ৩০ বানি ভাৰাজ প্ৰেড়িড নইয়াড়ে 🌢

प्रमाणक रंगाचारमान नेवास कहाती नवर्रशानी हरगरका गरिक अस्त्र कार्क कतियोग जन्मि श्रद्धात कत्रिशास्त्र । »

বাদ্যিলিয়ান মহাসভাকে একজিত ক্ষিয়া जिल्लाका कर्विशेष वसक करियां कर, 'न्याहार बाजव बाका जीकंतिरात कविक्रक कि का ? ক্তিপ্ৰান্ত ৰাজীয় ৰে প্ৰাংশ উঞ্চলগায় ' দেখ मध्रकत अवहानि वानिका कारा नहे व्हेबारक ! कारतानिनाव केकत अहमण भारत सबकीय अना-नीत्र आखादिश मेश्टनाशन क्रांडाः वृद्धिशाद्यम । विक्ट दिएक्ट स्थान्द्रवादवा ग्राप्ट द्वार

नक्षरं पदा केंद्रशाति । औरमर्त प्रत्य प्रति-बाध्यमान व्यापना मित्रत वार्व। धन'नी पट बालम बाबिक कि श्रिप्रविद्यात अक्टि की बा किर्शात नवदान स्वरा क्टि, एवानि पुरस्त प्रदेश पुरुष निव्रात्मका अनुस्वन कतिरान ।

भाष्ठकना नश्चद्रम सङ् रहेत्रा विचात वत्रक **अक्षित्रारः। तान्त्रा निष्ठा नक्ष्राति इतिएक शा**रत महिं।

मध्म ६ में काञ्चमाति । क्यांनी समामराज्य परकारंक अनानीय कडक अंद्रिवर्क रहेशारह।

न्यांगवितियारकं कृषिकं न्या सहस्रा निगरन स्व 和**有事 湖市 對江 為數/明復於北**安 1

টিয়াউলিনে এক জয়ানক জামিকাঞ দুইয়া व्यात के किए कि कि व्याद्ध ।

(प्रकार होती-विक्रित क्षमा प्रतिक्षा एका ন্ট্ৰিড হইয়াছে, ভাষাবিগকে চীবের সক্ষাদে বাস परिट के कि देवन करता कहेंद्राटक ।

থিয়াও নির মুগলমাম বিজ্ঞাবিশ্বা ছারিটি মধ্য व्यक्षिक ह कित्रिवाद्य ।

वि उत्र , बादबर्रिया ब्याशंक वर्ष्ट्र क्या ब्रेजाद्य ।

প্রেরিভ।

यांगावत वियुक्त मांगथकां नन्नामक

बरानत नवीदनम्।

मनिवयं निर्वद्यविषर---

अक । वे बाल्यांति सक्तवात्र स्वा ३ होत्र সমূদ্ৰ পৰিপ্ৰাপাতি নিবাসী জীবুজ পঞ্জিত বন্ধৱ माजिला किंदीवार्य, प्रश्'भटवत भीविज हुई खुद মুটিয়া, দ্ৰানা একটা সিস্কুক কাৰ্য্য ৰাজ্যানীয়া वागिएक महेशा वाम्रहाक्ष्मित । स्वाद्विश्वा श्रीविष का ए काव निका की हित क्वका व्यक्त বেলগৰ তীহাকে চোর বলিয়া বৃত্ত করিয়া বলা-देशां हाटच । क्षांत्रम् कटनक क्षत्र क्षत्र क्षांक की হ'র।দর্জোবত। জানিরা ছাজিয়া দিজে করিরে श्रुभिव अवसीक्ष कोशहर कथा आहा ना कहिया कैंग्रिक जनमान करत व मासिएक्टि जानाम कतिका क्षत्र । क्ष्मिति हे देखें मारहव पीश्रास्त्र ভন্তগোক জানিতে পাট্রিয়া থাকান দেন। এই क्षमांच काळाडाहारत करा को वा का कि किला श्रीमनात्री केन्द्रम जामागड क्रमक्षेत्रम प्रियात्र भारम मानिम विवादमा । विवादमध्या क्रि

बद्धानंत्र नगीरनंत्र ।

श्रीवाच ।

ष्पांचारमञ्ज्ञ मश्कात् अहे, स्मः कर यम, श्राप. क मान त्रकार्यरे मुलिरवत एकि। मुनिय, व्यक्ता हात्र निवातर्थत साः। अध्याहार कत्रिया समा मर्दरा प्यरंगात पार्थ समात्र त्राचाहे श्रृतिरात्र श्रवात केर प्रमा प्यांगरात पार्य प्राश्चक । अहे अबैकार्याक्षेत्र - क्षांत्रक क्रिकारणीय अवस्थित । काइरण शू नवरक श्वरूपंत्र, जापरम बहुवास रहिय-

লে সাবার্থে ১৬ট ⁻⁻ ৮০ জন ১০০^৯ হল - উপস্থিত বিষয়াতে যে জিনি কডক**ওলি প্রা**ন म । माधानन, शुनिमार २२ . २०१ न हेमारीन | विकास भी ए आञ्चार कनियादक्रम । स्मानात | करणमा कुलिस्म मार्ग त्र अर्थाम मार्ग है थुला ए कालना एक दाव कार्या स्ति (मार्ग्यान(उ.स. त. १-१०४ ६७)अ। क्षां काकार पुन्तरम् क्रम । या प्रमाण के तिम श्राम करायक करिए गाहेबाव आवम, क्यू: পুলিম এরত । পূর্ণ - এর পাস্থাপ্ত । বি । কড়া হল। বি স্থানটা ভাইকে বাটাব নিকটবভাই। व्यक्ताक क्षित्र एक विश्वतः भारत् श्रुविष कर्माहातिवद्दश्य ७८३४ र । । १५ ए स्ट्रांस ,থিৱৰ, কুডীয়া এৰ্থায় গোলনা বাজানাভ काउपा (सभारत १८॥५) छ। ८,३ व ५०३ बाहा मा, (मनारम आका-) । तर्र ा गर र र । । छ १ भीता, अदर विश्वादन भिना त्रक एकि यारनके व्यक्तांकात अव्यक्तिया च्यांना श्रीविविधा हादिया महवाहव (समान करावि नाम निस्ता খাকে, প্রচলিত ব্যবস্থা সকলে ২টি না ধা পায (म्बीय क्रिकाश्य लाक गर्म हरान ए वि श्तित्र बुक्ति अञ्चलकार्या कत्ति । देखें नक छान कांत्र कारक अवद छाइक्टिश्य नांश्य छैक निर्ध **माञ्चल वावशाय कराना । स्टबा॰ 🗓 व्यक्त**ा (प्रक्रिय कण साहत्य एउ काहरी कालन का পৰ ছক্তেডিত সাধ্যের ক্ষ্মিড্র অবকাশ भाव । अहे जकन का एवं शुन्तार स्माप्ति प्रकार

ষে সকল বাজ্যিব প্রতি পুলিষ কার্যের ভার अधिक इम्र छार्गांभरतय को क्ये व लाग दला। উটিত। কিত আমরা ভানি এ সকল ব লিং बद्ध (यह तक्ष अड भारहर (य) दाल'हा वांचा কহিতে বা ব'কালা আকর লিখিতে তাগনাকে व्यापमानिक मृत्य कर्डन। (कह वा এक वांचानी (व, डीशंड श्रुका हाम s (काँ) शांतरवरे निव %সের অধিক সময় গাড় হয়। এই অবকাৰে ভা ষয়া এক সাঁব ইনক্ষেটাবেব নিকা প্রসভাতার क्या मा वंशिया श्वितः शाहिलाम मा । अवना स्थान वाक्षि, कश्चकि छडाता कर ग्रेंग्स उँ। रा म् (मब देनेटम्भक्रे(बुड़) और त्मथा गड़ा ए विकाश्वादमव कथा दुरत्म. यव हमएव्याहरू वाबुक त्रथारम हिटलतः। १७.स (मेडे क्या शुन् च्चा अक्टोरूम अन्द्रे १६ क्या वृत्रे व्हेटमन द्य (योज क **खरकाटन को**हार इटल फलनान थ किटन छोड अवश्याकात्रीरक कार्रिश (कश्चिमा) करश न्तिर श्रवण वाशाणामानी के चार्डक महाग्रव क्ष्मीक काहर कारहर । भिन्न सि. ४३ घटेश क्लेडी अर्हे बारनहर मध्यम वि उटहर् -

সাঞ্জি চাক্দানের কভনত নি লোক তত্রতা धानात वामाहाराता नाम धरे युक्ता नानिक

েখিলেও ছাত সমাটে লা নাম ভাল কে নিজে । আপাত হন কাদ্যনতে খাদান আছেন। ধেরপ ফোন প্রকল্বর প্রপ্রাণ করিলে পেপ্রেখন প্রাণারশালের বানি সভা হয়, অধানার ব্যক্তীত

> कि. निव ४३० छे छ थान'त महहैबरालहैदहरू তনি বোক কবৈতে ৰাইবেন বলিয়া গুড প্রা হন্ত ভোগাড় করিয়া কন্টী পাঠাইয়ে भियात क्रमा है जाराज हो विश्वाद य छेनन निधि ত পরত্রানা আবি করেন ৷ চৌরিদাবত অভা চারের সাহত কৃত্ব না প্রান্ত কুব তোমল করি द्वारक्ता

२० এ भीत श्रीत मन्द्रेश नम्य अक सन বুঞ্চার জন্তত্য কোন গুহুছের য টিচে ছুপ ৭ন» ব**িতে করিতে** বাংল চুপা পতে। চাপা পুঞ্ वात कि छि । भट्टत अक छन बि । भट्टत ब बालक এই मर्ट्स এখানকা र शु.लब देन एन्ज़िक्टी र दक भए। 'नग्न रा, महत्र हुनिट्ट श्राहित्न हेक कुंक्कार বাঁচিতে গাবে। ইনজেটীয় বাবুর বালার ভখ 🌦 ১না লোক ছিল না বেংল এক জন ছাত্র ठाकव डं.इ.स्ट रडल मार्थाहेरर दिल क्रुडवार क এসম্বাদ থানায় দিবে 😗 তিনি উক্ত বালককেই थीनात्र मधीन निर्फ कहिरजन । योगक थानात्र । पान नरेग्रा धान, प्रदेशस्त्रीत वि. क्षि अकान किल्लिए छाश्रंदक विश्वास कहिरणने। शहत अधान কার মিউনিসিপালিটীয় ওভর সিয়ার শবু গুরু कार भूरधाभाग, रिव्रव यहच दबना स्था ७ छोद সমন উক্ত হৈছির শব-উত্তোলিত হয়। থানাঃ द्यानीत शिरे भगद्र ये शादन अञ्चात शामीर्शन क्रिशिक्टिलमः त्रकंत्र स्थानम् विरूपकः सार्गा-चार्णेत श्रुनिरस्त्र शांक कामार्द्रित कल्द्रीय अहै তাঁহারা অভঃপর সতর্ক হট্টন।

हिनम 'हार वर्ष दा अहै, या गवन वांच वदा দিয়া বাজীয়শকট গ্রনাগ্যন করিয়া খাকে, (महे मक्स कार्य इन्हरू द्वादिर। द्वानि स्मय अक हें अ बंधात विश्वम । कारहा करन बन्न प्रि য়া খলিতেছি যে, শকট গ্ৰমনাগ্ৰম কলীৰ ছুক-प्याप्त औन्नम विभव विधिवान विशक्षण मण्डावना आहि। ममहात्र शक्षि ताब वाहे शक्तिसाध कति वात अवकारमञ्जू केल बहेन। मध्य रिक रुग्न ।

मानादत श्रियुक्त त्मामध्यकामा मन्नामक महानग्न मभी(शब् ।- ..

পত্ৰ এবং তাহার স্কুর্যেশত এম থানি গ্রথ্যেন্ট विद्या कार्यात्र (४ क्ट्रांस स्वाय अर्थ **েশান বাবু এই ছই জন বালালী এত দিনের** भव अङ्गटक में ने डिमान्टिम्ड हेन्न (अभी धिकारण न व्यक्ति वेष्टे हिर्देशीयन । के मर्यान वाशानी माटकार्य भटक भवन अवस्थारमा विवश्व व्हेबाटक गरम्बर सारे। मध्य उधा से अक स्वत स्व केरहारकत सूर्य ए नियान (य प्रतः इतिहास ভূমেৰ ৰাবুকে ভূঠীয় খেনীয় মদে উঠাইছা मध्या १६१४। धिन व मार्क वे कथा विजिधन ।তান এ বিদয়ে জামা। জতিন র বিজ্ঞাস। केर्टिन क्रिमि व नतान 'यभि मध्यम्। ध्रेत हेश করেন অবাৎ ছুদেব বাবুকে ভূতীয় দেবীতে লন ज'श इंदेरनहें बुविटिंड शाबि स देश्व दुखन नवन नमरब्रे दोरा छुपन (तिरिधा छ्रान्ना) । घषाव दिख्य, बुद्धिमान, चारिनशङ्गांड अवः कार्य)क्षम ब,िका (भीषक हिंद्र ह १११३म । शहर ५ भूव नाइनियाना जाइन जदनन, शित्रे भित्रे करिया हैश्रो नी करहम अवर के वास्तरिकार सन खुतान य। वहात्र करत्रन, डीइ हाई जाना (मरत्रत्र अभान लिकि नम । ^क क्वाफः जुएव दावुश अवस्थित कार व क नग्न (को इर्डा इर्डेग्रेट्स है है। है। हो शह क धकरी एक इ विचारमत मण्जूर्य छात्र क्षान कहा उहेरा।

> अक बन अड्रायमन हिलारियरिकेत राष्ट्रानी।

মান্যৰয় জীযুক্ত দোমপ্ৰকাশ সম্পাদক महानंत्र मधीटशब् ।

न विनम्र निरमनिमार---

সোৰপ্ৰকাশে অভ্নত বিষয় বৰ্ণনা হয় বলিয়া, আমি সাধারণ সমীপে ইছার পৌর্য সম্বর্জন 🗫 द्रिया चोक्जिम, मञ्चिष्ठि बद्दानद्वद्व कुरुन खन इट्डे वरभट्यांनां छि ह बिफ अवर मांधांत्रव म-মীপে কাজত হইলাৰ। পাত ১০ ই পৌৰের সোম क्षकारम विविध मश्योग बरक्ष निश्विष्ठ रहेशाउ त्व " शिव्हमिष्ठत वरत्वम, बाज्यांक त्रंग वरश्रव **'**ख्याव्यावरेक्या निष्ठमं कविद्याः इन, त्य मकत कृता खकूत मि धनकान विदेत्। याम्, फाराता विजीतः বেৰীর ছাড়া নিয়া প্রথম বেৰীজে মাইছে পা-तिरव १ अवर मेलामधीय खेलिएक निविद्यादन " अ वर्ष्यावर्षः व्यक्ति छन्न, कात्रकवर्षेत्र द्वान-धाः देशानोनि देशव पञ्चमत्र कतिए वि गार्भी स्ट्रेट्य ? • वेक्स स्वित न्तर विकास रहाना । गाम । १ मीस्वाति वर्शनयवान वर्गायक तर प्रकार निवन कारकारीय जिल्हा ওরেতে প্রচলিভ নাই। কিছ মহাশর। এরণ দেখা। व्यामण हो ब्राह्म, व्यार्क जो निवय कात्रकवर्गीत त्रमक्रमम बर्धा वङ्कानाविवरे शहनिक जात्ह। बारा रहेक, बराबदब्रा अहे खत्र शाहर गार्ठक গাৰের মনে ব্যায়ণ হয়, এই আশস্তার আমি এই পত্ৰধানি পাঠাইডেক্সি ইহাকে মহাৰয়ের शबक् कतिका वाभिष्ठ कविद्वन

८वन-७८ग वज्या । সিরাড় (ইসম। জ্ঞীজগৰতীচবৰ দে। ५० ই जालुबादि। 35491

মান্যবন্ন উ্ৰয়ুক্ত নোম্প্ৰকাশ সন্পাদক , মহাশয় সমীপের।

মহাশ্র ৷ আপনাব গতবাবেব সোমপ্রকাশে मिन कार्ट् केरबंद श्रांक देशलप्रभारत अञ्चरकोत বিষয়ক প্ৰস্তাব পাঠ কাইয়া অভ্যস্ত ছঃখিত ঃই-লাম। মহালয় । ধনক্রিফ সাহেব যেরপ ব্যবসায় ज्यवस्य कर्यन छोशास्त्र डीशास्त्र मर्सम्। कडक श्रीन पार्थ-गर्माथ कुलारक्य गृहिष्ठ गहराम कतिएक हम् छोहाता डाँशास्क व्यापन श्रकारव প্রবঞ্চিত করিয়া থাকিবে, স্তভরাং ডিনি যে আমানিগকৈ গালি দিয়াছেন ভাছার কভক কতক মূল আছে ইহা অবদ্য খীকাৰ করিতে इक्टेंद्र । किन्न हेरलिममात्मव व्यामाहितात अकृति गष्टक अक्रम कथा दिलदांव प्रम कि? जिल याहानिगदक निगाय यहनन गाहात चहननीय लाय ভাহাদিগের গৌরব বৃদ্ধি করেন এই জন।ই কি উলোব এত বিধেৰ ? কিছ মিদ ফাপে-টর আর अमिनीय खीनिशाक कथिक बाजावेब्राएम কিলে ? ডিনি ড এই কথা ব লয়'বেন যে লিকা भाइटल इंश्वा आमानिश्वत समीय खीन्दिश्व ভূত্র। এবং কোন কোন বিষয়ে ভার্টেব অপেকা उरकृष्टे बहेटल शादा अहे कथाएउटे कि हिन्द्र খ্রীদিলের এত গৌবৰ বৃদ্ধি বৃহয়'ছে ? আমরা देश्लिमबाबरक मिक्छ विमाएकि, व जिनि यक्ति जायाविरात श्रीहरवर वि:वन करण च्टार पाना वियान करून अ विवास रीशांक विद्वार कतिएक बहुद्व ना । हेरब्राट्यादा जामार्भव উপৰ আধিপতা করিতেছেন বটে কিন্তু আমালি (बन्न मिन कान करकेनिया नरहा हेश्नारकार আমাদিগকে যাহা দিয়াছেদ আমরা কেবল खाइन्हें भाहेबाहि, हेश्त्रारखता आमापिशरक बाहा শিথাইয়ায়েন আমরা ভাষাই শিথিয়ারি, এরপ कराइटे बटर। अवस जाबता देशकीय नछाजात অনেক কল ভোগ করিডেছি বটে কিও ইহার দিখিয়া অয়ানবদনে বীয় শরীর ভন্মণাৎ করিও

भूटर्स जामता दरकमक गति माहे जात मृतदानक गारम बाहेबा बीचन वामन कति माहे। वहि फाना रहेछ फ्रांस स्टेटन देरनिनवान बाजि बावा निगरक कि कड़िएडम किंह बिग्रेड भागि ना। ইংলিগমান বিজ্ঞ ও বুজিমান লোক, ভিনি এড निम अरमरम शांकियां कि हेरा वृक्तिएक भारतम ना त, मक्षाचात डाकडिका व,कीक खीतिरमन দয়া ক্ষা হেছ ধৈৰ্ব্য আভিথেয়ভা ও পাডিব্ৰড্য श्रकृष्डि य कप्रकश्रमि यशीव छन चाटक विक মহিনাবা সেই সমস্ত গুণে বিভূষিত ? ইন্ত্ৰী সমাজে লা ডাইয়া বজুতা করিতে পারেন না বটে কিন্তু বক্তৃতা করিছা জীদিগতে বে সকল कार्यात्र निका मिटल एक त्र त्रक्त कार्याः हेशावा विमक्त न सिश्व। (कन, जानक देशसंज छ এ সকল विवदम देशविटणत वर्षके धामरमा করিয়া থাকেন: আবার স্বশহদরা নিস খেরি বয়ং ইহাদিবের সহিত সাক্ষ্য করিরাছিলেন जिनि देशभिरभन्न मिर्च समस्य अर्बन कि स्वकृतक वर्णन कवियारे देशमिशास्य अभरता कविया निवा क्ता ज्यांनि हेश्निमघारम् अक्तन जानि हहे-তেছে किन? आमि छ न्मर्छेर मिसिएकि की बाह्र अ नक्न खेत्र नश्च अफ की मजाव अकान कवि বার কোন কাবণই নাই। প্রত্যুক্ত অল্ল দিন দেখা পড়ার চর্ছা করিয়া ইছারা আপনা,দর বৃদ্ধি শক্তির যেরূপ প্ররিচয় প্রদান করিভেন্নে ভাষা দেখিয়া গাঁহাৰ নিস কাৰ্ণেন্টরের বাক্য নিভান্ত সম্ভব বলিয়াই বোধ হওয়া উচিত। ভবে কি देनि यत करवन स देशमिताव मिनीय लाकिया বেরণ উর্ত্তি লাভ করিরাছে ভারা অপেকা অধিক উদ্ধৃতি আরু হইতে পারে না. অভএব মিন কার্পেন্টরের বাক্ত অসম্বত ? কিন্তু ভাষাই या किन्नरभ बना याहा ? अथवा देवाच कहि जाता रमत रामीय लादकता कथात्र कथात्र डांशातत्त्र ष्पार्गन वावशास्त्रव राष्ट्रकत्रव कदित्रा शास्त्रन अहे खनाई वा जिमि बाम कविद्याद्य स हेरावा मि-ভাক অগাব ৰ্ট্য়া গিয়াছে। তাহা তিনি সনে করিতে পারেন। কিন্তু এইরূপ দশা কি আমা (मत्र किर मिन संकित्य ? छविछव्यात कथा क বলিতে পারে, ভবে ভাষা ভ কোনমভেই সম্মৰ (वांध रुत्र मा। अधम आमारमज लिए। मकन विव (यूडे प्रतिवर्धन रहेएछए, किंशु अहे जक्श पदि वर्षन शरिरन्दन जामानिभरक के जानिया फिरव ? **दे**९लिनवाम कि मत्न करत्न ? किছ मिन श्रुट्स, ति (मर्टन भवित्रका नातीश थानीव विद्यार्श ममञ्ज नरमात्रक भूनामध

त्म त्मरन कि चात्रिनतिकान खेरितत , मा-फिशक नेक्न रहेशा बीकाइरिन ? स्व स्वरण क्रांटर क्षारम क्षत्रना द्वाचीता अनहतित्व क्ष्रेट्रशरमा,^३ গলিভাল সামীর এখনও স্থাঞ্জন্য করিখেহৈ সে बाल कि कुनाम्या नक्त हुई खिन सम श्रवतीय अभग्न विभावत्वत्र अत्र अक् अत्मत्र त्रहिष्ठ छेवांव-. छात्र वस रहेग्रा भक्तिमानात्रत्वत अञ्चलान आसम क्हेर**७ शांतिरक ? ता सार्थ शिका मार्का छ** আত্মীয় পরিবারের জন্য বুবক্যো এখন প্রায় नकन शकाद नाश्नादिक क्षत्र विनक्षत्र कहिन्ना" शास्त्र मिलाय कुनवर का कि यांनी नक्तरक পরিবার হইতে বিভিন্ন ও এক্সকার ভাষাদের श्रीधम चन्नभ कतिया शहेबा व्यवस्था जानमारमञ् ত্ব বদ্দতার উদ্দেশে ভির ভির স্থানে চালিছ कतिया (वकाहेरवन ? अभनकात न्वाव स्विता इंश ज्ञान (वाथ इय वटि कि इ देश्लिज्ञान देश) विकास क्रानिद्दन त्व अ मर्भन क्रमारम विवाधा পত্ৰৰ এতমাপ উন্নতির ব্বেছা লিখিয়া দেন নাই। তবে সমুধ্য দাত্রই ভিন্ন ক্ষতি, আর ভৌগ विमानी युवाकत यन कुछन काम विषय शिथ-लिहे महर् भागमानुष्क हत अवर अञ्चल माबाबा সামান্য বিষয়ে বুক্তির শাসন বা ধর্মের শাসন ক্থন্ত বল্পকাশ করিছে পারে না, এই ফ-(राज्ञी कांबर्टन करननीर वर्गा कांन कांन विवरत क्ट्रिक्ट देश्वामी हिन्द धात्र कतिरमं कतिए পারেন ভাতির মার'কোন বিশরে বে ইংরালী बीक कांबारमञ्ज स्मर्म सामिक हरेरव कवंबा ভাষার রোণিত ব্রবার নিভাক্ত প্ররোজন ব্টরে **डाहा आम्हा क्येन्ड विश्वाम कड़ि मा । পরিশেবে** कामना हे श्लिममामरक अहे माज विनया कांच হই যে তিনি আমাদিগকৈ যত বার নি গার बलिए इर् बल्ब, किन्न जामारमत (राम मञ्चार) माध्यानातानी अञ्चल छेरकुई छेलाधान नकन वर्हमान व इयादह (य कुन्र कांत्र श्रक्ति कर्मकि **খোৰ খুন্য হইলে .এক সমন্ন ভাঁহারাও সেই** मक्न छेलागान अइन कतिया पृश्व स्ट्रेंदिन मरमन् नाहै।

अक्रिमानहस्य व्य

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক महानय नमीर लघु ।

न विस्य भिट्यम्मिमिर--वह किन एड्स जन्दाना चात्मत्र नात्र जनाने भूदन ' हज्दर्वर के भिक्षविष्ठा नाम अन्त्री भारे भागा कानिक ह्या हेशांक अवर्शमके माश्या किया जागिया हम, किय अखावस्वित्तर माध

एव**न अभ॰माशज गाज** नार अन्य अनिनाती हहै-अ'रङ ।

অস্তের প্রশায়ের নাম ও এব প্রশংসাবিক প্রভাবায় ক্লক বেখে শালি উক্ত পাইৰালার ल्यान निक्क श्रीमुक क्रीन'श द्वारात स्वकी रेन। ना कविशा काछ इहेट भागिएडिंड ना हैन। বেলন সাধুশীল ভেমনি কার্যাকুশল। ইটার আল-কাৰিতা গুৰুই আনাৰ এই সুসংবাদেৰ মূল। हैं इंद शार्रमाश्रद्धी मर्गत्न आमरा भक्तह স্বিশেষ স্ব্যোষ্ঠাত কবিয়া আনিতেছিলাম ভাষতে আবার এই ঘটনা আমানিগকে পাহাব तिको कु**उक्क**र्जाभारम **वश्च** कहिग्नाहा। चकर्तकः मण्णान्द्र मञ्जूरवात्र भीत्रव नार्ट बुट्ट, विश्व अध দিন মাত্র পাঠশালার প্রবেশ কবিয়া যখন এরণ मक्का **शकान कविद्यान उथन ज**नभीचरु व निक्र क्षार्थमा जामाहिरगद्र अवनः कर्येवा स्मार्थम त्यम स्वतं क्षत्र दम भाठेमालात्र भाविभागे। नार -म्दन कूमनी श्राम देखि।

इंजिनरनव नाव।

রুণ্ডিপ্তাপ্ত।

की कालीक्ष्मम हर्द्वाभाशास्त्र।

🔊 ৰোগীপ্ৰচন্ত বোৰ।

धनरमाभज का छ।

व्य श्रीभागहत्त संक्षेत्राराः।

ঞী হারাণচক্র ভট্টাচার্য।

वनवान्त्र कन्त्रितः।

वांग्रहत जीयूक मात्रधकांन मणांत्र शर्मित नगी(भर्।

नविषय मिर्वप्रमाणिष्ट--

ক্ষেনা গোয়ানপাড়ায় জীযুক্ত ভেপুটী কমিস-ন্তু সাংহেরের রোক্টারীর আলেশাসুসারে জঞ্জত मुट्यक क्षिपुक बाबू क्षांबाटमाहन शाचामी महानम् इक्किनियान्त्री मखात्र माहाबरार्थ अकृत्य अकृष्टि ক্রিট্রী কার্মা চালা করিতে প্রবৃত হব। তিনি প্রথমতঃশ্রীয় মাগিক বেডনের চতুর্বাংশ ৩৭॥• । है।का इंका निया हैकामक मखाय मकना करे किं कि कि कि उरमार भग। जम्मूनार्थ मक-लाई हिमायक किंदू किंदू अमान कहा है स्माप ३३व हैकि होना जानार रहेन्ना छैक नारहरवत ক্ষিত্র করিত হর্যাছে। স্থানর । এ স্থানস का काशांक मूल्यक यानूत सर्वताह

একটা চাত্ৰও চাত্ৰত্তিগাতে বৃত্ৰাৰ্থ, হৃহতে বৈ,ভীত কথনই ১২৫ টাকা আলায়ের সন্তাৰ্মা পাবে নাই। সম্প্রতি ১৮৬৬ খৃঃ শকের ডিবে- ছিল না। কেবল উহার উল্যোগ ও উৎসাহের गानत दृष्टित भरीकांत्र हाति। प्रांत भरीकांत्रीर्थ प्रांता विकासीर्थ प्रांता विकास विकास विकास विकास विकास क्टेब्राट्ड । खन्नरूप, वीलक्ष्य हुन्डि अवर प्रकि अस्ता बूर्क्य वातु धार्मा धनावामनीय मस्म्ह | नाहे ।

> त्रक्तानक गराभवा। अक सन वर्ड लाटका ৰাৰু নিরিব বিবরণ আপনার পাঠকবগকে আনা केटिन । श्रीवासशाक्षाक जिति इतिहरू जारका कर्द्धक अक खन हेण्डितानीय हेनत्न हेस्तव कर्ण्य नियुक्त इहेशा लोबीशुर छिमटर जानिया অবস্থান করেন। ভদ্রতীর বেমন পানদোবের ज्ञांत, अन रहांव ज्ञांव छ छन्त्रूला १११ हाकाव मन ना रहेरल देननिक कार्य निर्माह रहेजू না। এদিক ওদিক হাত বাড়ানব অভাগৰ ন कि थव किसा। निरुक्षय मत्रमोहा अ अन्हर्भक अवर অন্নান বাবলৈ আনুদ্ধা দশ টাকার কো করিয়া সূত্রপান ও বাবৃদ্ধিবির স্থান্টা বেশ কবিডেচিল, েত সময়ে গুলেব কিছু কিছু বিবরণ ডিকিট ञ्चलदिए छे । वार्ष्टर्यं कार्याहरू इहेवां माञ्चे वत्रकाता वेमरम्भोत्व कर्ष इहेर्फ हाफ इत्र। धिम्दक श्रीद्वास्थाञ्चा छ शोहीशुर्व श्रीद्व হাজাব ৰাবশত টাকা পাণ কৰাজে সহাজনগণ ট'কার ভাগান কলিভে লাগিল, কেচবা নালীল কবিল - বেচারা অসুপায়ী হইয়া গোরানপায়া हरेट भगारेया धूवकी रहेग्रा कृषिया काण्यात्व প্রধা হইয়াছে এমত ভারিতে পারিলাম। মহালয় 'দেখুন ইনি কেমন ধুৰ্ছ '! এখন পুলিব म्टल र अट्रपट अभन खुताटकात निवृक्त एता । । আপনার বলখন धुरङ्गी

ঞ্ৰিমভিলাল লাহিকী २८ क (भीष ३२१७

-- 90 --মুল্য প্রাথি।

দ্রীযুক্ত বাবু ঈশ্বৰচক্ত মুখোপাধার মুব**সিধাবা**দ ১२९७ शोव व्हेट्ड १४ अशहाब्र " ঠাকুরদাস সন কলুটোলা বছবমপুর " हाडीवालाइन वीग्र) २१० मास **इंडर** १८ (शीय 24 বাজিতপুৰ क लीयम्ख्यमान ১২৭৩ মাথ হইতে, চৈত্ৰ (महिमी शुद्र कं भराबाहरून छोस्त्री १२२७ (भीस इ**हेट्ड** १८ टेकार्ड ٩ কাখি » सुर्वाध्यमात्र (वाव . ১২৭৩ পৌশ হইতে ৭৪ অগ্রহারণ 10 बर्यमश्रुत्र १ - दुन्दी बन्दहराष्ट्र मान कदिमशुर » हञ्जरभारम स्वाव ১২৭৩ পৌৰ হেঁডে কাল্খন

- ° লোহারাম শিরোরম বছরমপুর ১৩ में ह्रजीदमास्य मान काँ विम
 - দোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা बिद्ध्यं निशम।

অবিম মূল্য ও ডাক মাকুল না পাইলে মদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা ধার না।

हेरात खिक्क भूला वार्षिक ३० अवर सान्।।-সিক লা. • টাকা, মধসলে ডাক্মান্তল সমেত বাৰ্ষিক ১৩, যাশ্বাসিক ৭ এবং ক্ৰৈমাসিক ৩৸৽, ভিন মাদের স্থানে ঋঞিম মূল্য লওক্সা যায় না। ছণ্ডি, বরাড চিঠি, মণিঅভ র, নোট, ও স্ট্রান্স क्रिकिंग, हेरात कानाजत्र वारा उ वारात अविशा হয়, তিনি সেই উপায় দারা মূল্য প্রেরণ কবি

याँशता क्षाणांगिकि भाषांक्रितन, सः-হারা যেন এক অথবা আধ আনার অধিক ধূলেরে ও রগীদের টিকিট প্রেরণ মা করেন।

यथन यिनि मक्चन रहेए लामश्रक्तामन मुना भोठोहरवन, छाहा यन दिखिष्टेति कतिश्रा ब्रीपुष्क चात्रकामा ४ विषश्राष्ट्र यटनत्र मारम भारति है।।

योशिनिर्भत यूना निवात त्रयग्र अञील इहेश्रा व्यानित्व, अक मान शूर्त्ता डांशिक्शित्क विकि লিখিয়া জানান ঘাইৰে, কাল অভীত হইয়া গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, তাহার পর এক মাসকাল প্ৰতীক। করিব। কাগজ বন্ধ করা ষাইবে। শেষ বাবের পদ্র বেয়ারিও পাঠান रहेरव ।

মাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেস্নের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

याँ शाहा माञ्चल ना निया भजानि ध्यप्रन कवि त्वन, रीशंपितनंत त्महे भजामि अस्म कता वाइटव ना।

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা কবিলে তাঁহাকে প্রথম জুসবার প্রতিশংক্তি 🗸 • वाना जाहात शत /> भाना निएउ हरेरन। विनि कविककान विकाशन मिनाइ रेक्ट्रा कतिर्दन ক্ৰাৰা সহিত অভন্ত ফলোৰাত হইবে। .

🗱 এই পত্ৰ কৃষিকৃতিয়ে দক্ষিণ পুৰ্ব্য মাডলা রেলওয়ের মোনাপুর টেননের দক্ষিণ চালভি-পোতায় প্রিয়ক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের वांक्रीएक द्वर्षि त्यांबर्गम द्वीक्रकाली व्यक्तिक

मचर्त्रतां प्रकृतिचिताव पार्थिकः सरकती सुनिसचती न दीवतां।

विका कश्चिम सान्।क्तिक है। वेशका । ∫

सांसक ह्या १ हेकि। अधिव वार्षिक १ रे नक 5६१७। ३७ वे मांच्या ३५७१। ३० व साङ्गाति

বিক্তাপন।

ৰীতি পাঠ প্ৰথম ভাগা ও বৰ্ডম'ন বলদেশ मामक चालिनव शनः ताइ वह बुद्धिक स्वेदा शहेश क्षामा ह किर्मा नमहत्त (वार्यम ३३ वर शुक् कानएम विक्रेत्रार्थ का भित्र चारह। श्रथम चानिस হুল্য 🎤 জানা, বিভীয় ।• জানা যাত্র।

क्यानवहस्य वस् ।

इक्ष्यिमाग नाएक ।

अश्यमधन व्याधकाती श्रमीण।

এই অভিনৰ এছ প্ৰকাশিত বইয়া কলিকাডা রা দাসমাজে ও সংখ্ত পুতকালয়ে ও শইলভা খার সমস্য পুশুকালরে বিক্রবার্থ আছে। যুগ্য 2 FI#1 1

--- : 9:---

छेरकुई नीमकूषि ७ स्विमात्री विक्रम् ।

বর্ণসূত্রে বিজ্ঞান ক্ষতা প্রাপ্তি বেও क्षिमा बट्नाव्य । अभीग्राय अक्षर्य मानवय मुक्तिता भीलकमावन अवर छर्मरकाच अविनाती ভাবুক ও অমান্য ভুগলান্তি এবং কৃতিয়ার লোড नमूदर विकन्न कना वाहेरव। अख्यनरकांच व्यम्। विषयं गान श्राम स्ट्रात । व । श्रामिरगत ক্ৰম্ম করিবার ইন্ডা প্রাক্তে, উল্লোখ্য ইতি সংখ্য निश्व चाक्तिक वाकितिश्वत निकटी जारवस्त क्त्रियम ।

क्रक्षिम् अध्यादिक्षः। (क्षिश्त के के ३० वर अवम ।

क्रिपुक , ताबकमन विशानकात अनीफ ्राञ्चा क्रियोत » सार्य अस्थानि अस्थितान नश्सिकि क स्रोधाः, अरम् च यदागरपद भूखनागरम भिक्तिश्राणा भारतकामात

क्षित्रक बाजूनराम माह्यात्रके भारत विज्ञान थ-क्षत्र कारह । देशरिक श्रीत श्रीक भरवत कु९-পত্তি অৰ্থাৎ পাছ প্ৰত্যুদ্ৰ সমাস্যানির উলেব স্থ্যা ररेशात (

क्षार के लिए डाकामाज ।

क्षाविमा। समय प्रथ कार्याका

জীবুজা বাবু বিজেজানীৰ ঠাকুৰ কৰুক ध्रेषेष । क्षिकृष्ण वास्त्रम् भूककानस विक्यार्थ अक्षत्र कारह। जुना उप हेर्नु ।

> अक्ष विकिति राजवीदः 小河 通過19前中面

कारत रेप्प्रेक्टिक वर्षाञ्चरकारनत कार्यः कृषिश कत्रताकिकारत मनन त्रकिष्ठति कार्यः कांतकरक अर्थ चारतम कहा त्वन, त्वाम वास्त्रि রেজিউদ্ধি করিবার অন্য নিষ্পন্পত্র উপজ্জি করিলে সেই সম্পত্তির বিবন্ধে ইতিপূর্ণেয়ে যে পত্ত विविष्ठेति रहेत्राद्ध वनि छोहांत जावनाक नरवान किटक शास्त्रम फटक फ्रेंशक्ति विश्लीत श्रह्मार প্রতি নিশী সম্পর্কীয় খুড়াজের বেঁ স্কৃচিগত্র লেৰাৰায়, উক্ত কাৰ্ব্যকায়ক ভাষাতে ঐ সংবাৰও নিবিবেন। ভাষা নিখিবার কোন খরচ नागित मा। किए श्रासनीय इंसास निकित ৰতে , জানিবার জন্য অবেবণের প্রার্থনা হইলে लंदे अत्यवद्गत्र थक्र विद्रक व्हेटव ।

এই প্রকাপ কার্ব্য হইলে কোন পত্র রেজি ষ্টবি হইবার অন্য উপজ্ঞিক করা গেলে ভবিবয়ের धूर्क त्रिक्रिक्कि विवश्रक मध्यात स्थाना वाहेत्व, कृषदार देशांटक कविकारम करम्क विमन्न क जरण्य निवातन स्ट्रेट्य । अटे कांत्ररन अफवियरत नर्मनागाज्ञत्वत नव्यात्रिकात् आर्थना व्हेरकहः।

अधिनिधि तिश्विद्वीत (स्रेमहर्मः)

मित्र निविक मक्टबर मार्ड कात्राहेशा नित्राटक. विभि जातात मिकडे जथवा लाब होने गर्जी- । मरकत विकट्ठे छेनचिक कत्रिक्षा विटल नाहिरकरे গাহাকে ২৫ পঢ়িল টাকা পারিভোবিক দেওরা बार्ट्स ।

त्वार्डिन नवन अहेर-

-

क्षेत्रके बर ३०० होनात्र हिर २०० होका

. #7 cc

. 4760

* \$ £ \$ K .

• ४१ ७६ वट ६० केम्बात दिर १००० केमा সৰ্দায় ৫০০ টাকা।

জীবিশিনবিহারি সরকার ভূচান বাৰণা স্বভিত্তিকৈ ইনচাৰ্য পুলিব वैनाम्भक्ता

কিস্মত প্রথণে সৈমপুর এগছরহ মহালওকক চারিআমিন অন্তর্গত পরগটণ মাহেমরপাশা বাহা (अना घटनाश्टवत्र जी।क कांटनकेत नाटश्टवत्र कबादधारन बारम जारक केक शहराना त्रिक्ट বোডে ব আনেশাসুলারী আগামী ১৮৬৭ সালের) मा अटधन छात्रिथ इंद्रेट २० वरमत विद्रारम हेळात्रा वरम्भावन्त स्टेरव ।

২ ৷ হটিও বিশ্চাকাডিয়া উপরোক্ত পর্গ-ণার অন্তর্গত কিন্তু বিলের জমী পতিত উরেবে श्रामानस रहेवा थाकूक किया (व जारकाहे हेफेक ইক্ষারার বহিগতি থাকিবে উজ্জ বিল প্রীযুক্ত কালেইর সাহেবের খাসম্বলে থাকিবে।

७। य कृतित विकाशन (४७३) वाहेरण्ट ভাষার বার্থিক ধর্মিনা ৭২৯৫। এ৫ টাকা। ১৮৬৬ बारमङ ७० अ अस्थम भवास्त्र छैस्मवारम वाकि ১७१) ७) होका खबर्या व्यक्तिश्य होका शति

लिर्स कामात्र म्हेयारक। ১৮৬१। ०३ अ मार्क পৰ্যান্ত ৰে ৰাকি থাকে ভাষা আগায় করার क्ष्मका इक्षातामात्यत श्रीक त्मल्या वाहेरव इक्षा-ब्राश्व को ने या कर व्यक्ति कि न इ २६ ही की जबकाबी बार्ट जन ১०११ ज'रतन बर्धा व वर्धी व्यक्तिक जे यक मध्यामी वंदन मन ३२१६ मारनव अर्था कारलहेटिए अधिन कविट वांब रहेर्व । आनंध महात्म मांत, या हेडापि छेळा २६ টাক'ৰ মণ্যত থাকিল এবং বকাধা খাজন। शर्फ कि भन है नावात हाल था सनात व्यक्ति वस बिट्ड क्टेर्स। (य 'पृत्रि केंद्राता प्रत्या गाहरक प्याचार जीवाना जतककः। পरिकातकर्ण निर्कित उ ভাষাত্ত মহালওককেব নিরাপত্য সহ ভাছে। আগামী ১৫ কুমু ক্রয়াবি পর্যান্ত ইছাব দন্যান্ত ध्यना गरमाहर्ति आयुक्त कारमहेश भारत्व शहन कतिर्दम । मत्रथा खकाति ए वार्षिक स्प्रा मिर्फ ইন্ট্ ক ইইবেন ভারা পাষ্টরাপে দর্থান্তে लिट्सम ।

 श मन्याद्यव (मनानात देश्वंचण्टन) (अत्रशर्भ यर्श्यक्रभामां व देखार् । जबरबाद पत्-भाख) निभिष्ठ बहेगा ना बहुत कतिया कारलहै। नाररावत मधीरम व्यर्ग । श्रामक विराण करेरवः ধী সকল দর্বান্ত ১ লা মার্চ ভারিবে নিযুক্ত कारमञ्जत गाँदरव वाइनि कतिला हेजातानाव विज कविद्यम । क्लांस कारन मामनाहेबा खीवक कारन केंद्र गाएरर चीद्र अभिशास यस्य दन दक्तन सन्न थास र्फेक क्यांश क्रिएंड जन्मूर्व क्यांन থাকিলেন। প্রস্তাবিত ভূমি সম্বন্ধে সমুনায় সমান यर्भास्टरम् कार्लहेति इहेट्ड कियः भूतिमात अर्कुमा स्ट्रेंट ह मारेन वावशाब होनजन्य क्षेत्रक बांबु (क्षेत्रहेशांशांस वरकताशांशांस रसमा-करत्र निकंषे इहेट उ कथवा चुलनियात (इन्ही कारणकेत क्षेत्रक बाबू खन्नानाथ (रहसद्र विक्र करेएक क्षां के कहा वारेएक शाहिएक । हेकाराहा-त्तर त क्षूनकी बिटड स्ट्रेस छाहात श्राक्तिन केर्राक्षेत्र निविष जिन शास्त्र पृष्ठे करा व'हेटड পারিবে। ইহা বলা অভিরিপ্ত বে প্রতে,ক বা' ক্র কৰুলভিত্ন লিখিড এবং জন্ত্ৰ বিজ্ঞাপন পত্ৰেষ্ট পরত আহলে আনিতে বইবে।

৫। ইজারার বার্বিক থাজনাব বেকদার ইজারালারের আমীন বিভে হইবে। যেরপ ভারীন
বিভে ইজারানার ইন্ছক হয়েন ভঙ্গিতারিত
ক্রেরিক সরখাতে বিধেন।

্লে, সন্ রো অফি সরেটিংকালেটর বশোহর। किनयं भन्न रिनम् अभन्न स्वान स्वयं हातिकानित क्षणं भन्न स्वर्ण स्वानियम् स्वान् स्वता स्ट्लाहत्त्व क्षिण् स्वर्णके नार्ट्यम् स्वानमान्न सारम् कार्ट्यक् भन्न स्वर्णके सारमान्न स्वर्णिके स्वार्णके सारम्बान स्वान्ति स्वर्णके स्वर्णके स्वर्णके आता स्ट्रांस हरेर्यः

২। যদিও লাট আবাদ থালিবপুর ও লাটকীর্দ্ধি প্রস্বপত্নী ও বিল পাবনা উপরোজ্ঞ
পাবনার অন্তর্গত কিন্তু পত্নী বন্দোবতী উক্ত
লাট ব্য ও বিলের কমী পজিড উল্লেখে বন্দোবস্ত হইয়া থাকুক কিবা বে অবস্থাই হউক ইজারার বহির্গত থাকিবে উক্ত বিল ও পত্তনী হই
মহ'ল জীগুক্ত কালেইর সাহেবের খাসদখলে
থাকিবে।

৩ - বে ভূমির ইজাব র বিজ্ঞাপন দেওছা বাই তেহে ভাহার বার্থিক খাজনা ১০১৫২১৮ টাকা। ১৮৬৬ गार्त्रकः व व्यवन भर्द। एत डेसन वात्त वाकि ३ ७ के इर मेका खबारवा व्यवस्था টাকা পরিশেবে আদার হটরাছে। ১৮৬৭ মালের b) क्र मार्क गर्व। ख (व वाकि शास्त्र फाष्टा जानाव कहियात कमण रेमाहोशाद्यत शक्ति (बदहा गाहेटन । हेबाद्रामात्र (बाँव वाक्तिम प्रार्क्ति कि नच २६ डॉका जद्रशांबि वाद्य जन ३२-३ मार्टनब मार्था क बकी चार्कक के यह महस्रामी बादक मन १२१६ माइन्द्र मत्था कादनकेदिएक नाथिन कारिए वाथ। इहेर्द। जानाव मदस्य माकना वाव हेर्याहि छेक २८ प्रांकात स्थानक शकिन। अवः বকারা খাজনা প্রভাঙ সন ইজারার হ'ল খাজ-নার নতিরিক দিতে হইবে ৷ বে ভূমি ইঞাচা দেওয়া বাইনে ত'হার সীমানা সরহক্ষ পরিকার क्रार्थ निमिष्ठे ७ जाशास्त्र वशास्त्रकारकत निहा-भका गए जाएक। जानाभी ५६ वे क्यानाति भर्ग, ख बेबाडार मरबाख त्वमा बर्गास्टर्स **अभूक काल हैत मार्ट्य अर्थ कि (यस। ४२ची छ** কারি যে থাবিক ক্লম। দিতে ইক্ষু ক হইবেম ভাহা म्माडेक्स्प स्वचार्यः (मर्चन ।

র। দরখান্তের গেফাফার উপরিভাগে (পর গণে থালিবপুরের ইজারা সবজের দরখান্ত) লিখিত হইরা লা মহর করিয়া কালেটর সাহে-বের সমীপে অর্পণ ও প্রেরণ করিতে হইবে। ঐ সক্ষম দরখান্ত ১ লা মার্চ ভারিথে ক্রিব্রুক্ত কালে টর সাহেব বাছনি করিয়া ইজারাদার ছির করি বেন। কোন কারণ না দর্শাইরা ক্রিব্রক্ত কালেটর সাহেব খীর অভিপ্রার মান্ত বে কোন দরখান্ত হউক অগ্রাহ্য বরিতে সম্পূর্ণ ক্ষমবান থাকি-

लिन। अखानिक कृषि नवर मन्तात नवाव वर्षा वर्षात कारमहेति वरेटक किया भूमिनाता मन्त्रमा वर्षात कारमहेति वरेटक किया भूमिनाता मन्त्रमा वरेटक अपने पान कारमान कारमाना कारमान

৫। ইজারার বাংসরিক থাজনার মেকণার ইজারাদারের জাবিন দিতে ফটবে। যেরপ জাবিব দিতে ইজারাদার ইন্ফুক হরেন ডার্ডা-রিত স্পষ্টরূপে দর্থান্তে লিখেন।

ত স্পষ্টক্সণে দরখান্তে লিখেন। জে, মন্ রো অদিসিয়েটিং কালেটর

यदमास्य ।

—----ভারতবর্ষের বিবরণ।

ভারতবর্ধের বিবরণ তৃতীওবার মুদ্রিত হই রাছে। এবারে বভছুর উৎকৃষ্ট হইতে পাবে ভাষার চেষ্টা করা নিরাছে। 'কুলিকাভার সকল পুল্ককালয়েই পাওয়া যায়।

ত্ৰীশশিকুৰণ শৰ্ম।

—::--ভুমোল পরিচয়

উৎকৃত প্রণালীতে সাগবাদির চিত্র স্থলিত প্রকৃষ্ণনি কৃত্র ভূগোল মুদ্রিত হইয়াছে। সং-ভূত বজের পুস্তকালয়ে প্রাপ্তবা। মূল্য ১/১ ॰ কৃত্র প্রদা।

अमिमिक्सन मन्द्रा।

নিমুখানসামার গলি ১৫ নহর হালতে সংশ্র শীত ও মংগ্রচারিত নিমু দৈবিত পুজুকওলি নিমুদ্ধ হইডেছে—

| वनीष | भूगा |
|-----------------------|----------------|
| ত্রীসইডিখার - | 3 शका |
| লোবইভিহাস | 3 7 |
| ভূৰণগার ব্যাকরণ | 1. |
| নীজিয়ার (১ ব ছারা ঠু | ه ان |
| ন্দ্রতিসার (২ র ভাগ) | . ` 🐠 |
| প্রচারিত। | 4 |
| व्यक्तार नामक्त | b 4 |
| Agreem | arras usalis) |

সোমপ্রকাশ। ১৬ই মার সোমবার।

मद्र मिनिल दीखन 'लार्ड कान्टवान-ধের পত্তার উত্তর দান ও ব্যবস্থাপক সভার আত্র পক্ষসমর্থন করিয়াছেন। डीहात लिनिरेननुना चाट्ट, चड्रव তিনি আতা শুদ্ধির চেতা পাইয়া দুবছ बाक्तिमिर्गत मिकटें वानेबाटक निर्दर्भाय ब्रिजा अভिश्न क्रिएंड शाद्यम, किछ उांशांत्र मत्राष्ट्र इंगे विश्वत्य अत्मणीयिन-श्री क्षिर्य व विक्रक मः कांत्र कवि-য়াহে, তিনি সহত্র চেক্টা পাইয়া ও ভাহাব अमाथा क्रिट्ड लाहिट्बन, अन्नल दोध इय ना। अथम, त्वाध क्य कैंक्सित खत्र হইবে, তিনি ধৰন উজিনায় ধান, ভত্ৰতা िलाटकता इर्डिटकत विवय खैरिकात भीठत করেন, তিনি দীব প্রাশস্ত এক বস্তা ক-तिश्च म्लाको कर वह कहिशाबिटलन, भारतहरू कांत्रिता अवर्गदम्बद्धत निकट्डे क्लानक्रम नाहाया भारत्वन ना। त्यत्य तमरे शवर्ग टमने माहायामादनत निमित्र वाधा स्हेटलन च्यक ममाक् ईक्वां छ हरेन ना। मत निजिन बीकन जरकारन कक्रवान्टनात मात्र बाव रांत्र ना कतिया यपि मार्थामान स्तिर्जन वदर मंत्रिकिविद्ध ना शिमा किटाएखडा महकारत इंडिंक शाम छथ् नावि थ्यत (११ डेशाहिकाटन पष्ट्रवान स्केटलन, अड लाटका कि रखा रहेड १ बक्डी असम कि अतना आध स्रेम सरिज ?

विजीय, डाँशांत व्यवधानडा, व्यवधानडा, व्यवधानडा छ श्राचात हो कि सम्वाण्माडा स्वाद्य प्रविद्य प्रविद्य व्यवधान हो कि स्वाद्य प्रविद्य प्रविद्य व्यवधान हो कि प्रविद्य हो स्वाद्य क्ष्य हो स्वाद्य हो स्वाद्य हो स्वाद्य हो स्वाद्य हो स्वाद है स्वाद हो स्वाद हो

শৈক্তির এত ব্যস্ত কমিসন নিয়োগের প্রদোজন এইত ?

श्वर्गटम्टलेत बात नमुख जुला, नमू-एत हुई कगम अन वाजिताहै कि आव কমিলেই কি, ভন্নিমিত আমাদিগের তত শোভ কৰিভেছে না, কোত এই, ছিয়াত दित महस्त्रकादी अक्नकांत्र नाम वानिका कार्सात ७ यामबाइनामित क्विभा हिन ना, फार्शाफरे इंदिएक लाटकत प्रदा स्वेद्योक्ति, अक्टन 'ममुमात विष्यात ग्र-विश इरेशाट्स, आमामिट्या गवर्ग्रमणेड প্ৰকার প্ৰাণ রক্ষার্থ অর্থ ব্যয়েও কাতর नटकन, कथानि व्यनांशादतत्र व्यनहा बद्धभाव यमः था त्यादकत आंव विदेशांत हरेल। देशांट कि क्षणाटक श्रुव्हित कतिया ताथ। यात्र ? जामाजिएनह ज्वान करे, बीखन भाटहर यभि कार्यस्य गर्नाट्यात्केत्र पार्य तका जरनका क्षत्रोत थान तका वज জ্ঞান করিতেন, কথন এ অনর্থ আপতিত

ইংগ্ৰন্থে এনেশ হইতে প্ৰতি নিৰি ভোৱন।

भाषा कृ: व निरंदमन क श्रीतर्दमन कतिषां ए जां छ । य भवर्रमार्थे । ष्टिकटक चार्क कहा ना यात्र, कामृण अवर्ग **्मट्फे**त स्वभीटन दोग चाकिला। सम्बद्धत, **जामून भवनी (भटन्येत अव्यक्ति मक्**ख वाक् यूर्य यूषी ब्हेरनक वा खिवक्यू भी वहर क भारत ना। आ मामिरगत रमी अरगड विवस बरे, भाषता छातृभ काछि ७ शवर्गम **ब्लिंड अधीनका मृश्राम दख हरे नारे।** व्यासता व्याप्य इःथ निटवत्तन कतिता कन्दन कतिरम देश्याम माजि ७ देशनिम गवर्ग मिन कर्न शास्त्रिका भनिया परिवन। उद्द नक्य विषया य चामत्रा थां की कारतत मुच मिथिएंड भारे ना, जाहात यानक श्वित कात्रण सारह। धर्यास्त किन्न किन স্বার্থনার্থির বাস'। সত্ততা প্রধান

পুরুবের। অনেক সময়ে বিমোহিত ছইয়া वर्त्तवा श्रेष श्रीतकाशिकदत्रम । उत्तर्ष्ट्रम **এ** हे विश यांत्राविष्ठांत यांना यांन रहेशा डेट्ठ। जामता यपि जामाविद्शत হঃথ স্থায়থক্লপে ভব্ৰছা ইংরাল লাভি क देश्त्राक भवर्गत्मत्नेत्र श्लीहत कतिएक शाहि, नि.मटफर इंटथंत काडीकांत रहा। व्यागीमरभव व्यागकविश द्वार्थत व्यक्तभ उँ। हा बानिए भारतन ना। भार्ति মেণ্ট সভা ও ইংরাক ক্রীতির অলে खात्रकवर्षव भारतक विशेश भाषांचिषकारी दर्भिष्ठ इया अर्थन यसि त्क्र आमासित्भेत शक करेवा किছू बरतान, मा दक्वन डीहात দরা কবিয়া বলা হয়। সুতরাং ভাষা ভত कादकर इय ना। यादांत इःथ छाहांत নিজে জানান আবশাক। তাহা হইলেই जाशएक व शदस्य मन अधिक उन्न आहर्ष इत्। षड १४ वर्षान इरेटड षानामिट्यर र्ट्या जिनिधि (श्रेजन कवाई कर्डवा।

है: १९८७ अकरन कार ठवर्स नवस्य क्ष्यकृषि मला हर्षेत्राष्ट्र मका, किन्द्र अथान क्रेटिक थिनि व्यक्तिमिश्व करेशा यारेटनन, তিনি ঐ সকল সভার সম্ভা অংশেকা অন धिक कोम कतिएक शोहित्वत । देश्व-থের লোকেরা এথানকাব প্রতিনিধির बोकः तिक्रशे यष्ट्र ३ व्यानगं महस्ताति व्य-द्व कतिर्वन, धेन्द्रिश्च मुकार मञाभारत्व बां भ रमसर्थ अवन कतिर्वन ना । छाहात कातन जहे. याँदाता डेलिथिड मधीत शकाशम क्षाप्त कतिर्दम, छीहाता उपर् वर्षान रहेट जमन करतन माहे. उाँश्राह्य कार्याष्ट्रहार अवारत चार्ड्न, धानक नक-जिक्ता मकार्गम अव्य कता व्हेग्राह्य। পুতরাং তাঁহাদিগের বাকা ডভ গুরুতর स्देश ना । किन्न गिनि अशान स्टेएक व्यञ्जिमिष इरेश याहरवन लाटक छात्राव विषय अरे विद्युष्टना क्रिया, जात्र जवशी-स्त्रज्ञा विर्मित्र ककेथान मा क्रेटल आह প্রতিনিধি প্রেরণ করেন নাই।

এখন আ ভিনিখির যোগ্য লোক পাও स्व अञ्चल नय । आजि आंत्र राष्ट्र (क्ल वहन्त (मनदकरे भका कविलाम। डेरिन নাস সভুম হইটাছে আমানিগেব কি कि प्रश्न जार्ड, निजान डाहात अक्रि यावश्र व्यक्ति वयः वाका मोरा वाङ कहिया लाउ। व विक ध्या भर्मन कहिएक ণারেন, ভাঁহার এরপ ক্ষমতাও আছে। ষ্মতএৰ ভাহাৰ ধাওয়াই কৰ্ত্ৰা। ভিন धर्यात त्र काक करिएडाइन, त्रशात গোলে ' ভাই' 'সপেকা বহুঞৰ অধিক হাজ কৃতিতে পারিবেন। ভাঁছার তথায় গমনের ফুক্র সময়ও উপস্থিত ইংল্ডের लारकता इंडिंटकत यथायथ त्रुषा छ जा-নিতে পারিভেছেন না, জানিতে পাবি-! (वन, तम महावनां अल्भा। (कनव दा) यमि हेहां बुक्त वर्गन कतिया लाए व मन चार्क क्रिएंड शारतन, উত্তর কালে अञ्चल चढ़ेना ना इत. डाहात डेलात ह हेटल शाहित्व । अभिएउमित्क वाञ्रला দেশের চতুৰাংশ লোক নিঃগেবিত ষ্টল। এ পর্যান্ত এখান হইতে তাহার क्षित्रादात (कांन मह्भाग कहेण मा, इंग्र ड भिवान वहें उ वरं ड भारत।

সব সিনিল বীড়ানা সপক্ষমণনে।

১৯ এ জানুয়ারি কনিবাৰ বাজলা
দেশের লেপ্টন্ট গবনর সর নিনিল
বীউন বন্ধনেশীয় ব্যবস্থাপক সভাগ
উৎকলের ছডিক প্রদন্ধ করিয়া এক
বক্তা করিয়াছেন। ব্যবস্থাপক সভালে
করেশন করিয়া বক্তা করা হই
য়াছে বটে কিন্তু বলি অনুধাবন করিয়া
দেখা বার প্রতীর্মান হইবে, সর্কান্ধা
রবের নিকটে আত্মন্তির চেটা পাওয়া
হইরাছে। উৎকলে অদ্যাপিও সহপ্র সহস্র
ব দাত্রের উপরে নির্ভর
শ্রী ক্ষা পর্যায় অর্ধাৎ
তাহানিগকে সাহায্য

मिटक इहेरव। चाक्र बच कक्र कि कड़ा উচিত, তিনি ভদ্বিয়ে ব্যক্ষাপক সভার পराমर्ग किकामा क्रियाट्सन। वक्राप-শায় বাবস্থাপক সভা প্রতিনিধি সভা নহেন, व,वस्राधिकतिरशत भागनगत्रका ক্ষভা নাই। সুত্রাং এন্থলে এ বিষয় डेशिङ्ड कता 'व्यथानिक इहेग्राट्ड। অতএব দর দিনিল ৰীডনের বক্তা অবিক্রিংকর বলিয়াই উপেক্ষিত হইত, কেবল দুটি গুণের নিমিত্ত আদৃত হই **क्टाइ** । तम करें — माननकर्जुनन चा-वाची इकेटन भूटर्वत नाव जानमानिगटक সর্কোত, সুভরাং সাধারণ মতের অগম্য विद्युष्टमा क्षिया चात्र माधाःद्यात वादका উপ্তেক্ষা কৰিতে পারেন না। অপর, ব্যব হাপক সভাবে জনুমে প্রতিনিধিকভা इहेशा डेठित. छाहात उभक्तम हरेटल्ट । इंडिंग मयरका भन्न मिनिन वीखरनन

বিশ্বছে এই কয়েকটা অপরাধের অভিযোগ वहेबाट हु:--- क्षरम, जिनि निष्य छे २ कटन शिशा (जाटकंद्र कंछे चंहरक, पर्णन कहि शांक छाहा चौकार करत्रन माहे, अवर अण्णक दानीय कर्यागितिक्तित अमृतक पाटका स्माहिङ इहेशाहित्यन। विकीश, यथन जानीत कर्यकारिशानतथ इर्जिट्यन विनय जनलान कविवाह मामर्था हिन मा, ভখনও ভান রাজধানীতে অবভান ক विशा वर्षे निवारिश्व (छकी मा लाहेश मात्रकिला८ शिया बान करवन। पृथीय, ब्रिकं मञ्जूबाय मोधायदेवत निक्षे स्टेट्ड চাঁদা সংগ্রহেব প্রস্তার করিলে তিনি ভাহাৰ আৰশকেতা স্বীকার করেন নাই। हजुर्ब, इंश्वाद्यव कादिका है। मा मिट्ड शास कि हिलान, तार्कीनके भवर्ग तह कथात्र लार्ड कान्द्रशत् नार्ड (मग्रहटक एम अर्व नित्रथ करतन।

প্রথম অভিযোগের বিষয়ে তিনি কোন কথাই বলেন নাই, বস্ততঃ কিছু বলিবারও নাই ৷ স্থানীয় কর্মচারিপণ

विनिशंहितन महाजन ७ अमेरिटन्ना अक्रोका क्रेश भरमात्र भूमा दृष्टि क्रि-बात्र बना हां डेन मुकातिक कतिया बाटबन। मिरे मुकाबिक हाडेन शहत वास्त्र इत नारे। लाक्ष्रेमके अवर्गत्तत्र विद्राप्त पूछ मक मार्ट्य बर्जन छे दर्शन ज्युष्ठः)२ नक मन का डेन मा शांडीहेटन enters व्यानशारण कता चात रहेरत। लुकाविक চাউল ভবে কোথায় গেল? ১২ লক मन ठाऊँटनत अर्गाजन एत रकन ? कन छः ভিনি হুর্ভিক্ষের ভয়ানক ভাব এত অল্প वृतिष्ठां हित्नन रव शंक त्य मार्टम यथन চাপমান সাহেব রেবিণিট বোডের প্রতি निधि यक्तरी बर्लन, मांबादन हीमांद्र श्राह्म क्रम नारे, उथन जिनि छाराएछ विभाग করিয়া উত্তর পশ্চিনাঞ্চলের ফণ্ডেব ছয় नक छोकात मर्था इहे नक छोका সাহায়,1ৰ্থ श्रान করিয়াছিলেন। পরে বলিক সম্প্রধার সাক্ষাৎ সহকে भागव स्थानवरणत निकटि दिलिशाम করিলে আর চারি লক্ষ টাকা দেওয়া रहा विकीश अकित्यात्भन्न त्कान छे. ত্তর নাই। পীড়া ইহার উত্তর নহে। এমত কটের সময়ে সহজ্ঞ পীড়া হইলেও बाबधानी कांश कता उठिक हिन ना। क्रक कर यथार्थ कर्राह्म श्रीता भारत-क्डा बद्धश क्रा रुट्रां खादा कान করিতেন। কলিকাভার বৃণিক সম্প্র माग्न माथात्र मृह्द्यंत्र ममदत्त त्य काकात माहाश क्रांत्रम, अमक क्लांन (म्रामंत्र विन শ্বিণ করেন না। উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের इंडिंक, गड बड़ बदर वृद्धमान इंडिंक विविद्यालय अविवयंत्र क्रिके शामिक क्तितारह। किंद्ध नत्र निनिश बीखन छ्-তীর অভিযোগের প্রত্যুক্তর বরণ বলেন रानिक मध्यवाद्रात कथात्र छिनि छाता नश्यह कतिवात कार्या जन्दनावन करतन नारे। ज्यम जानता बाक अवेशनता

प्रदेश श **केशमा**क एइ. मोशांत्रन नकरम विज्ञक हिएलेम। उपालि दनिक मक्तमाम माथातव होता मः अप कतिएड क्षान्त क्रियान । जीवांता भवर्गत क्यानत-महरू अहे क्ये। दिनिशारम बनिशंकितम ৰত দিন উত্তর পশ্চিমাঞ্চলৰ ভ্ৰতিক্ষের कर्शक हाई नक छोका अवाधिक व किरव জন্ত দিন সৰ্বলোধাৰণে চাঁলা দিতে সমূত इंदिन ना बदर भवर्गर कानतलंख लाफी नकी शवर्गत्व अविनिक्षे हाति शक है।का विवाद नभाव वह कथा वित्राहित्तन। সর সিসিল বীড়ন এমত অবস্থার বণিক म अमार्विय फरका स्मित्र (क्लान कतिवांत চেষ্টা পাইয়া অনায় করিয়াছেন। চতুর্থ অপরাথ তিনি স্বীকার করিরাছেন, সু ভরাং ইহার সমর্থন ভাউকর ছইবে সম্ভাবিত नट्र । यथन এथन्य कछ दक्षित्राट्य अथन्य ांच द० लक्ष होका बाह्य कविका हाडेल (अत् कतिएउ व्हेट्न, छथा। हेर मटल होंगा मः खह कता कि व्यवतामर्ज निक्क हिन p मत्र गिमिल बीजन देश्नाए हैं। हा बका ना कतिया आह अक्टी अनिके कतियाद्यन। विकाशिक क्रिका विकाशिक विकाशिक लिकीनके अवर्गदात सार्व दे वाशी लाटकता हीए। त्यन नाहे, किन्नु माधातन লোকে ভাগা ক্লণ্ড। ও সমত্রখ পুথভার অভাব বিবেচনা করেন। অত-बर बा का श्री के मधार बक्त है। तिली नके शवर्गदत्रत अक्षेत्र कांवि कांवि करत वर्षे बंबर अर्थगांबाबरन अगड मगः व अम्ड कथांश वित्रक हहेशाद्यत ।

ৰাগ হউক লেপ্টমন্ট গৰণবের বক্ত তার क्षार्भ माधात्रत्त्र विरुगत महनारवारभत छे शबुक्त । अक्टल क्षित्र इहेग्राट्ड छे दक-लाइ किन ष्राट्मक क्यांश्म त्यांक खाव फार्न कहिताद्वन, कहेटकत घट देक कार्क बाह्य (शन्तेमणे भवर्गत्र २००० वरणन. किंकु चामके कामि क्षात . ১०,००० माजू स्मि भिष्ण माधान्यवात्र करात्र किर्दत निर्कत | विवत्र मर्कामाधान्यवाद शाहत कक्रम । मर्क । अह कतिया । मण्डी वर्षन कार छ

क्रिटिंग्ड । विजनित्रिर्भग्छ क्ष्रक्षितिक প্রতিপালন করিতেকেন, ইংলভীর মিদন क्ष बहेट डाँश्हा बाह्य होका नाहे दिन। खर्थानि कर बन्न इरेडिए कम क्य भित्रम विष्टम कि कहा উচ্চ है हैश ভিন্ন আৰাপিও ভিন লক লোক সাধারণ नाशंद्याव डेन्द्र निर्डह क्रिटिएए। नक मार्ट्रवत केखावानुमारत भवर्गमणे मीध 8 मक मन कांडेन खारन कहिर्तन। करतक मारमत मार्था आंत ৮ नक मन यारेटन। नाथांतन होता ना क्रेटन ध **ोका क्षरभारे मांशांत्र बनांशांत व्हेट**क मिशा गांधोत्र कत कांत्र द्रक्ति करा व्हेट्य। পিটদন সাহেবের প্রস্তাবাসুসাবে ভূমিব कत तृष्टि अथवा मतिज आहैन कान मटक रहेट माद्र मा। उदक्तत्व समिताइकि গের উপর বিশেব করও অভ্যাতার स्टेर्द। मांशाबन हीमात्र कि अक ठाका উঠিবে ? আম্রা ভরিমিত প্রতাব কবি তেছি, देश्यद्ध श्रेनर्सात हाँमात्र कता षादिसन् सत्रा इडेक, त्मश्रीन इहेट्ड শাসরা অন্তঃ ১৫ লক টাকার প্রত্যাসা क्तिएक शांति। अर्थात्न आत्र शांत क्ष উঠিতে পারে। তংপরে মিদন কণ্ডের हों जा इहेर छ । श्रांत ब म लक्ष चामित । णविनिके ट्राका नाधातन बनानाव स्ट्रेंड बिट्न एनिट्न । त्मण्डेनले श्वर्वत विक मध्यनोद्धर महकारी महाशिष्ठ गर्ना जिल्ल সাংক্রের মত চাহিয়াছেন। এ সমরে বাজি বিশেষের মতে কিছু কবিতে পারিবে না। বণিক সম্প্রধায় ও ভারত বর্ষীর সভার পরামর্শ আবশাক। ইহাঁরা रखार्गन मा कतिरम भवर्गमणे किहूरे क्तिए भातिर्यंग ना । त्निकेनके भवर्ग-त्त्रत चारमक चनताथ इहेतारह बर्छ, किन्त वर्डमाम कछ यथन याचनारे, छथन डाँशात । सुरवाम ७ सू वीन नारम प्रृष्टि इक्न विरूपाव महोग्रेखा कता कर्द्या भामता अनुताध शु अ हिन । उपाणि ৫० वरमत वगः कम করি ভিনি সং ও সরলচিতে যাবভীয় , কালে ভিনি

নাধারণের সহিত অকপট ব্যবহার না क्षित्म डीहाम्रा काम्मत्नावात्का नम मिनिय बीखरमद्र माश्या कतिर्दम अ আশা রখা।

---- 20 ----

ি নবনটিফ ও ভাছার আভিনয়।

भनियात आंगता (साफागाँ दिनात मांछे,भावात गरनांछे कत्र अखिनत पर्भन कहिटक शि किलाया अवादम नागे ह व्यक्तित्वत (य अनानी लाम, जाहा यपि मर्द्र अप्रतिष्ठ हरू. चार्मान्दर्भव विश्वक चार्यान ट्यारभन अक्षि डेश्क्रके डेशाय इहेशा डेटर्र । नाहे: भागा शकु हो जिट्ड निर्धिक । प्रचेवा र्थकृति युक्तत विश्वातः पूर्वास ७ সক্ষাৰ সমা অভিনানে ভারাতিল। चिक्किक कांग्लारिक विवय शहे अन মুদারগুলি এতাকশীন শিপাসভে। पर्म हिंदियर डेश्टरमंग श्रेशानी समाशिष उरक्र का नाई। अवना शानाति क्या धावनाक। मरकीर्व छाटन अधिकमरथा टिकिं मित्रिविभिक्त इस्। धक्काटल स्रोत उन्चारिक इवज्ञारक श्वकीय मर्भक थर्बण क्रिया मक्रम्थ मन्त्र व्यापन वार्ग कदिवांत्र टाछा कटडन, फाहाटक (भागत्याग, भाजपर्यंग, ও जामनज्ञ हेहार कत हरेता छ। ये । ये ड पिन भागाति ना ११८ अट्डा, कड मिन आंश क्र विमिटक कक् कक करिया छे" (वर्णन क्**बिट्ड (क्**ड-हारि शहामनीमन, नट्टर आत्र ১० मिनिडि কাল বেনপ্রয়ে ফৌনের তৃতীয় শ্রেণীর हिक्टि अहेबान कांग्रे लाजट्यांश इक्ट्य।

नवनाष्ट्रक्त अल्ल अहे, अरबल बांबू এए कर शलीखानक वर्गीनान, उांश्रंत े প্রথম জী সাবিত্রী সাবিত্রী কুল হিলেন। विजीवनाव मानगांत

অভ্যাচাৰ সহা করিতে না পারিয়া এক बन मा बुशानदा वाशत वास्ति नटकोटत शमन करित्सम । मार्विद्धी अक ध्वकात পৰিতাক इंटेरलन। ভাছার अद्वालिकां वाम भिन्ना এक भर्न कृष्टीत वाम बहेल। এখানেও আভ.বিত্র যাত্রণা হওয়াতে ভিনি উদ্বানে প্রাণ্ডাপ করিলেন। शहबन्ध बातु:कवन कविवाब निर्मित क्षेत्रध দেওয়া হয়। ভাহাতে ভাহার পীড়া ও गान। श्रकार भारीतिक यञ्जना (जात हरे য়া পত্য হইল । প্ৰত্যুকালে ভিনি দ্বিটীয ৰার বিবাহ করিয়াছিলেন বলিয়া অতি শন্ন পরিভাপ কবেন। স্বোষ্ঠ পুত্র সুবোধ লক্ষে হইতে হঠাং আদিয়া গিভাব ত্তু ও মাতার উদ্বহনে প্রাণভাগে সমা कार खबन करिया मुन्कि उ एरेटलन, त्नहे मुक्र् दि लाय हरेल। अञ्चलि बङ्बिदा स्व भाष कीर्डनार्थ अघ्य स्हेशाटह। अरमटमात्रं कु उत्रिक्षाता भारतत्त्वन मृत्व पात्रा त्य अनुदर्भाध कटहर, अन्दर्भाह नहीं । नहीं व मुच बाहा नकनटर तिर अन्द्राध कति-1 序翼对接

ঞীযুক্ত রামনারায়ণ তর্ধরত্ব নৃতন क्षिक नरहत । जीहात " कुलीन कुलम क्षेत्र । नांद्रेस अक्ष्यकात्र चात्रक नांद्रेटकत्र चाचर्च यज्ञ श रहेदादह। किन्छ मामाजिक विषय लहेशा या गकन खाल ह भी है इस. ख्यात कित का (इन्त्र चाना कन यात्र ना। नदनां हेट कर वा भद्रमायु जन्भ, जाहा महर्ष्ट्र बना थारेटक नारतः। मामा क्षिक कांन विषय वा महत्त्र भाषक्षा क ब्रिट्ड (भटन, श्रात च शृति ও मण्डिनन क्षांव चित्रा छेट्ठ। विटणवड: अरमटलत গ্রন্থকারের। অভ্যান্তরিবার। এভারবার্যন केशिक्टबन चर्निमार्थक वर्गमाय विश्वकन संतुष्टि करक, यू ठतार वर्गनीत वाकि मुर्भन हिल्ला शृद्धांगन नम्बि भारक हिं। ब्रेड्सांडेक लायक विक्रमण त्यक

क्टेन। शर्वका वाजूव श्राजना विमालात . स्टेरां अत्नार्यत स्ट स्टेट व्यक्षा-रुठि शांन नाहै। शदबन बाबू बाढ़े কের নায়ক, কিন্তু উাহার চরিত্র পূর্বাপর नक उ रा नारे। शुक्र तिश्व जीदत विश्व বাগীশ ও সুধীরের সহিত যে ক্রোপ कथन रहा, ভাষ্তি গ্ৰেশ बाद निकां निट्यांध बिन्दा वर्षिक हहेशार्यन किन्न পঞ্চমাঙ্কে তিনি यथेन थ्येन क्तिएएंइन, তথন তাঁহাকে নিৰ্কোধ বলিয়া ৰোধ श्रा ना । यथार्थ विका वाकि रेमशर বৃদ্ধিৰ অমে কোন অপকর্ম করিয়া খেবে विश्वकात्र अविकाश करतम, शर्दम बार्व পরিতাপ দেই প্রকাব হুইয়াছে। তি.ম चारका कदान. " व कि १ तारे मःका (वत मना अर्थन कि अरे एट्स फेंग्रें न ? श विशाह: । माविजी फर्यन फर्यन आ. গাকে কত ভক্তি প্রতা। *** আমার সুবোধ ত অতি সুবোধ সন্তানই ছিল, তার গুণে আমার মুধ উচ্ছান হয়ে हिन, त्म काकियानकता किस्ट्राह्म रता। *** अमन वि ल्लाहमीय चवचा আমার ঘ:ইছে তার কারণই ত আমি।" अड बराटन युवडी जीत मत्नांत्रश्चनार्थ " नदीन कन रमहा » वद्ध अतिथान, छ নিখুব টপ্পা কণ্ঠছ করা যে অনায় इरेतस्ट, फारात सना शतिकाश हरे (उट्ट। चर्चा भाग बना अफ मृत नर्वास यता तम उँशित शक्ति थानक एत नारे। · (मरे जानम गांत्रिकाटक सपन्न निश्चति व्यावक " कतिवाद এ ठ किया है। ज्यानि (म बता म। विशा " क्मकि शक जालात " করিয়া "নিয়তই " উভিয়া বেড়াই-(ठाइ। क्लड: अपरम गावन वादुरक व शकात निर्द्धांध बनिता वर्गना सत्रा इहेब्राष्ट्र अवर डॉहार य नाम बिख्या इहेशारक, काशारक कैंग्रांत अवक स्थान-গঠ পরিভাপ । বড়বিত নয়। অপর दिरहाथ अरे, शर्यण बांबू ऋरबारश्य छन खांच हिर्मित मा अंतर्ग नम्, व्यप्त

प्रदर्भ र्य मिन्न वाष्ट्री खाल करतम, तम विवम छोडे शृहिनी "कृत मृत " क्रिया क्डांटक कि विलिटनन, जात जिनि व्हाटर बाष्कृतिल इहेत्वन, अडम्बाता प्रदर्शासत প্রতি বিমাতৃহরণ দোবারোপ করা হয়, কিন্তু খেবে গবেশ আবার তাঁহার গুণ वीकात कटतम। अन्त अधिवर्गन साम बहे. চপলা সলা পরিচিত। মনের বে ভার थोंकूरु ना, गराः পরিচিত ব্যক্তির নি-क्टि क्लांन् खीरनाक ब्राह्मन, नम्बीह क्षम सम्बन्ध मर्थीक घटनकाव মিউ ? গৰেশ বাবুর শেষ অংশটিঃ काल इस मारे। शारशंत शतिकारशंत नमरत्र चिक भारत्थत्रथ मन चार्ज हर. কিন্তু গৰেশ ৰাবুৰ উদন ক্ষীত, তাহাজে ৰূপ প্ৰদান প্ৰভৃতি দৰ্শন করিয়া প্ৰোত ग्रम चनवत्रक स्था क्राना

षा जिन्दा ह विवदम व स्वा की. ष्टिम्पुन्न शाप्त नक्टनरे पक्रह्या অভিনয়ক্রিরা পুন্দরত্রণে সম্পান করিয়া ছেন। গবেশ ও চিততোবের ড কথাই নাই, কৌতুক ও রসমগ্লীর অংশ উত্তম स्रेतारक धनः नामत्र छ आरमात्र **চ**िखंक रेनगर्शिक इदेशांट्य। तक कृत्रित नाभन यनि यांच्छीप्र यूदक क्र छवित्यात चावर्ण रंघ, छात्रा हरेटन स्वटलंत शत्रम মঙ্গল হয়। এ ব্যক্তির অভিনয় ধর্মনে मिंदिलेंच श्रीतिष्ठांच लक्ष्य इहेत्राट्यः। ত্থীর পঞ্জির চরিতা অতি উৎকৃত্ত रदेशाटका मानिकी मानीत क्रेग्राट्स । गरुराष्ट्रहे (रभ জিলায় উভয হুইয়াছিল, কিছু সাবিত্ৰী ना खीरनारु ना विकटफ क्रम शांतर करता व वास्तित कथात्र कारक कृष्टि कृत एत मारे। सूरवारवह स्था पर गति विहासि छेर्नावस कहित्राहरू। मूर्छ परिका नवान रम्बल क्षेत्रक रकान वाकि व्यव अतिरक शादतम १ द्व सूत्रक पाकिमादन व्यवादार्ग द्रमाष्ट्रं श्रवन क्रि.प

शास्त्रम, **क्षेत्रात्र खीटगाटकत्र मात्र क्षम्यन** मण्ड महा

क्षेत्रक्षिकारम बेखना करे, कान कान पर्म किंदू निष्टू काणि पाकृक मान्या निर्देशन केतिया अन् उ पणि मान्य केत्रह देखन क्रेत्राट्य।

ক একাতা সপ্তত্তিংশ আকাদনাল। গত ১১ ই মাথ বুধবার কলেকাতা खाक्रमभारकत मार्वरम्बिक छेरमव ममा त्वारक मन्त्रम क्रेग्नरक । खान्तरम्य काता कात्र अपर्धित बस्स छेन्न छिन्न छान्। कता बाग्न, এर सना लाभगमात्सन वर्गान्धिन স.জ গজে ইহাম উন্নতির আলোচনা করা ক্ষে আনে ও লাভ আছে। সপ্তত্তিংলত ৰহ সর शूटकं कलिकांडा जानगमात्मत्र संबे स्त मारे, उथन बामामारन बाब बन्ध जीराव महत्त्र करत्रकृष्ठी वास्त्रित स्वराहे वह धर्म व्यविष्ठ हिन। अक्टन शहे श्टर्मत नाम ভারতের নীমা অভিক্রম করিয়া বিশ্রেত स्रेटडरह। जातरजत सक्ति छेन्द्र शूर्स शिक्तम मर्दा**कारमार देशा अन्दर्गा**षिक छेगामना कांगा अमूर्किंड स्टेटक (नर्थ) बारेटल्टा एक शूक्राय नव, अस्मानव व्यवनात्रमण अरे वर्ष प्रदन्दन कतिएक मक्त्र स्रेशिट्स। खाक्षश्चात क्षात्रक्षण जिन निभए अर्थिन क्षित्रा हेश्त अर्थ कात विखारतत्र किया शाहरज्यम । अहे मक्स (मिश्रा विमचन द्येषीश्रमान व्रेट्ड्स व अधिताय जोकार्य है जात्र कर्दात अरू माज वर्ष क्षेत्र । जनारम स्व त्रीविक वर्ष कडावर क्रांम क्षाडामक एरेबा जानिक टिंड्स, वामन्द्र खास्त्रं विकाशमणाहे मिक वेरेटकार । कर महिनाई पृथ्यि, महत्त्वीष्ट्रवा जना क्षान श्रीकृतिक अर्थ काम कावियात व्हेदन अखरितन जाकात्र दाकात पूर्व हरेक। किंद्र कात्रकरक न्दिशिक्षण क्रियाम् मनायन जायवर्षर त्य व्यक्तिक श्रेता क्यानः देवक तम

शंक्रण कतिरव पाछि श्रुण्ण कारकत नवी काट उठे छाए। क्षांक्रभन्न स्टेटफर्ट । जान मर्गत व्यक्ति भाषातिर्भत बक्तवा त्य और हाता चर्याचीय गर्माच श्रीत्रक्षांत कतिया ধর্মোমতির চেন্টা করিবেন না, ভাষা इंदेर्ल क्षेत्रहे कुछकार्यः इंदेर्ड शांति विम मा। छाँशांता प्रभी। मनाहात छ जूनीजि नकत यङ्ग शूर्वक प्रका कतिर्दन। বে সকল বন্ধসূত্র কুসংক্ষার ও পাণ তং गटक मश्जिके सहिशादि, कामणः व्यक्षाव. সার সহকারে জাহার উন্মূলনেব চেকা ক कृत, अटङ,हर क्रांटन डेन्ड इरेश चार्यम আপন চরিত্রকৈ সাধারণের দৃতীক্ত বরুপ कक्रम, बदर यं पृत माधा क्रेकार्ययम भूक्तक चरमरमञ्ज हिन्छ मः बद्ध प्रश्नमञ् इडन, य उन्नेष्ठ इरेशारह, यात्र अक्ट थ উয়তি ভাষপুরপ কাল মধ্যে প্রতাক

खाक्षिरभंत विरूप्य थीर ७ भाष कादन जाननानिरात क्रिट्यात जानुकान कत्रा विश्वतः। नजूना अहे शतिवर्डत्नत म मद्भ डांगंबा क्षेत्रांनं क्षित्त डेलडांमाञ्चर एक्टबंब : डीएक्टिश्त मुकाटकत त्कर अञ् क्षत्रपत्र कतिहरूम मा। गमान नरकांत्र कति टि इंदेर नाश्वादानंत जनुतामकाजन रहेट दत्र। दिख्यत कार्या नक्य प्यूकान कतिहरू शेषात्रदेश छिछ चाहुक विदेश शास्त्र। चल्याव बक् बक्ती जाक्रमा-ब्बाइ छश्त्रीमान्दर्गक अक अकी चारनत मर्द्धकांत्र विख्यकत् कार्त्या खणी रवना श्रीवनाक । विद्यालय, हिक्टिमालय, अन एक शङ्कि मोता डीशता तरमत डेल कांद्र माध्य कक्षमः। बानक ७ यूवकपि বের চরিজ বাহাতে বিশুদ্ধ হয়, তথি बर्टेड अविदेशिक राजुनील क्डेन। धर्मा (लाइना, नर्मण अवर नार्वोत्रः विक-कत्र कार्रात चनुकान एउ व्यक्ति इत, नर्स ভোভাবে ভাহারই উপায় করুন। ঈশ त्र श्रीक अकार्य बाष्ट्रा उ करिक जात्कत

(यक्कण कर्त्वा, नाशांत्रद्वत्र क्लानि वर्षां क्रिया जाशांत्र (श्रेष्ठ कार्या नाश्मक रमहेक्कण कर्त्वा।

> বে'ৰাই বিশ্ববিদ্যালয় ৩ সর বাটন ক্রিয়ার।

(बाधारे विषे,विशालत कनाश्टम क्रमानि কলিক।ভার ভুলা হইতে পারিভেছে मा बट डे थवर काम काम विषय बास्ता-क्षत्र व्यापकाश निकृषे तहिताद्य, किस देशक नियमावली ७ कार्या थनाकी मर्खा थ-क्र है विनया शना हरेटच शादत । कलिकाचा ७ माञ्चाक विश्वविष्ठालस शवर्वस्थरित ताभकारमा व असर्क्ष धक धकति विकाश वस्त । देशारमत निरमत सांधीनका ७ वि. भव पामणा नाहे. मक्स विवर्श शवर्ग-মেণ্টের উপর নির্ভর ও ভাহার আনুগত্য चीकात कतिएक इस । शवर्गमण्डे बेह्, मि-शटक मामाना मुख्यिक पर्यन करतम-देश एम्ब्र यर्था कि का श्रीत्र वर्षन करत्न मा। বস্তুতঃ বৰ্ষে বৰ্ষে এক একটা পৰ্বাকা ও উপাধিদান ক্রি.৷া ভিন্ন সাক্ষাৎ সমুদ্রে ইহাদের অ্প্রত্তের আর কি চিক্ল উপলক इप्र ? नाकाद नद्यक छेलाधिधादीनिटशद क्या शवर्गामधेरे वा कि विद्याव स्त्र हिम-र्णन धामर्णन करिया थारकन ?

व्यविषय विश्वा विश्वविद्यालहरू नमिक मोणांशांशांली विल्ला हरेंदि। रेश या करी शांधीन क्रमण श्रवा हरें। कार्या क्रिक शांकित क्रमण खर नश्त-किरु रवेतारह। त्याप्य हेर्यत भवर्षत महा मिक भव वार्षेण क्रियादत भवर्षत महा मिक भव वार्षेण क्रियादत स्माधावण हिर्हे विर्णाण विद्याद्यादिखार क्रमधावण क्रिये विद्यालत निमानजूरु । ठीहात मर्ड दिश्व विद्यालत भर्षेरम् दिल्ला श्रियदिक हरेंग्ड भारत ना। रेशत कार्यादक स्माधावण हेर्येड भारत ना। रेशत कार्यादक स्माधावण हेर्येड भारत ना। रेशत कार्यादक स्माधावण हेर्येड भारत ना। रेशत कार्यादक सम्माधावण स्माधावण क्रमण स्माधावण कार्याच्या सम्माधावण कार्याच सम्माधावण कार्याच्या सम्माधावण कार्याच सम्याच सम्माधावण कार्याच सम्मा कारम ७ निर्मायत वर्ण की जवर गवर्ग (क्टिंग लाज कांक ,विट्यमा कटण निक्छ कतिया प्रेथित हेगांत कांग्य कथन मुस्तव करण मिल्क भ दत ना, मुख्यार हेगांत केटक्रमा अम्पूर्ण कांम करेगांत महान वर्मा मारे। वज्रुक आमा, मिलांत (मिट्या क्रम्म कर्मी विमाला कांम कांम धनमाणी वाक्षिय क्षामवाव चन्न करेगा (यन क्रम्म वर्ष मृत्ये कर, विश्वविचाला प्रदर्ग क्ष्म क्रम कांमवाव चन्न हरेटाल (महेन्स मिल्की) हरेट गरमहर्गाही।

সর বার্টন জ্যার বোষাই বিশ্ববিদ্যা লয়কে সম্পূৰ্ণ স্বাধীনতা প্ৰদান করিণাছেন এবং যত শাঘ্র ইচা স্বতঃ কার্যাক্ষম চইগা উঠিতে পাৰে একপ উপায় প্ৰবৃত্তিত কবি हाटक्रन । करव यह पिन देश अक्रन था क्रिय, एक पिन देशत वश्विकान ७ छन्छ 'मधिम क्रमा शवर्गटमणे हहेटल मर्व अकात महिया अपस हरेट्य। धरे दहर लगा **ब्रिज ब्राधिया गारुटिक देशाह बायवर्गा ला**ज बुद्धि हत, बाहाटक हेश ब्लाएनाझिंजत अक माज रख चक्न रहेश (मनीत नमुप्तः स्मिटकत हिन्त चार्क्यन कतिएक भटत. याश्रीटक देश मात्रवास त्रक चुक्त रहेहा চিরকাল সুমধুর কল এমৰ ক্রিতে পারে, ভিনি খীৰ বাজকীয় ক্ষমতা ছাৱা তৎ शरक रहकीत किছूमाज कृषि करतन नाहै। ভিনি ভত্তা কুত্ৰিদা বুৰক দগের প্রতি यबाभ (चार ७ अन्धर अमर्भन उद्विश-ह्म ध्वर यक्त नरखरू च जारा मिर्शन क्षभर्भावाम करिया बारकन मिका मुख्या ब आर्चेणीय वर्ड्सकार्यत किंग्रे कथ-के दि थाल हरुया यात्र मा। इंग्रेटन के वाद शास विकास देमाशीनवर ।

अब वार्षेल क्षित्राय अकेरन चीत्र अम रहेट स्वयुद्ध अञ्चन कतिराज्यस्य । किनि बार्षा है विश्वविद्यालय हरेट अक स्वांक स्वयुक्त भारेशायस्य । कष्ट्रभेग्यक स्वांक ही य भागम विष्टा किनि य अकि मूम-

হান ভাব প্রকাশ করিয়াছেন ভাহাতে তাঁহার উদার শ্রক্র তব পরিচয় হইভেছে। তিনি ইংবাজ দাগার ভারতবর্ব অধিকার ত গাদীশার প্রদান্ত একটা গুরুতার ভার ব-লিগ্ৰণন করিয়াছেন তিনি যেমন বিশ্ব विशासक्टक वांधीय ও अभ्यय कविता एक-छ। शर्वामालीत महर कार्य विमान নির্দেশ করিয়াছেন, সেইব্রপান্ডারতবর্ষক স্বাধীন, সক্ষম ও উন্নত করিয়া দেওয়া हे लाएक महर कर्खना नाज कतिहास्त। ' बारे कमा देशलेख जगनीयात्तत मिकछे पाती। " ভाরতবর্থী হরণ এ একরে উদার বাক্য কলাচিৎ শুনিছে পান। ভাঁহারা ীতির একান্ত বদীভূত। সর বার্টলের নাাৰ মহাস্থাদিগের নিকট তাঁহারা ভির क्र उस्त हो सान् वस्त । किस सामता ज अ-त्मरम् चारम् देश्यारकत् निकाम् विक्रम् **छ व मिथिता वाहर्वात भित्रकाभ व्यक्ताम** করিয়া পাকি। তাঁহা দিগের মতে ভারত वर्ष देश्लाखत भागाव थाकित्व, देश्लाटखत जालतात चार्य माधन सना हेशंत्र मर्द्यमा-निक (म.बन क्रियाय अधिकात आहर. हेहा चारा देश्लरखत्र लाखाश्म यमि ना द्वीत हा उद्य देशास्त्र श्रद्धांक्रम कि? একপ দীনাশবভা সুসভা ইংরাজদিগের य चन क्षां छ। तन्त्र सरह।

यान इष्टें के हेरल छ यान छात्र ज्वर्य देव छ अभीषा व छ अवि छात विद्युष्टें ना कित्र में इर्ड सम्मान माधनहें अक्सा जा नामा खित माद्येन, जारा घरेटल छात्र छ व छों छात्र मह्यु छ भीत्र देवं कित्र वीर्छि निमर्गन इरेगा धाकित्व। छों हा इरेटल देश्म छ छ छ अजीतिम्द्रित मद्या क्ष्म क्षम मह्यु भिक इरेदन, भन्न भारत्र द्यांग भन्न भारत्र म खाम क्लान माधिक इरेदन, अवर त्राम कीत्र छमात्र छात्र असे खाल्या मुखेटक देखिइ ट्रिन भा छम्म कित्र छाति था कित्र । अहे छात्र छवर्ष चिक्र था कित्र होता छीं । सात वाकिरन मा। य क्यू वस ७ विश्व भाव स्टेरक वेदारक मुक्त कतिया केंद्रकित् शर्थ भीक कतिर्वन, सीहात चश्च तरशाधा सन देश कानकारलहे विश्व छ स्टेरन मा।

কলিকাত। পুলিবের :৮৬+। ৬৬ करकत्र विलाहे। আমরা ফুডজভানহকারে স্বীকার क्तिएक , वक्ष्यभीय भवर्ग्या है निक्षे ছুইতে কলিকাভার পুলিবের ১৮৬৫। ৩৬ অব্দের রিপোর্ট প্রাপ্ত হইরাছি। এ ৰৎসর কলিকাভার মধ্যে ৪টি হতা৷ अक्षे रठा रठा। अक्षे विश्वारा एउ-कान क्रिया प्रति, क्राकृष्टि श्रम्कृत আবাত, ৭৪ টি গিঁদ ও ২৬৩১ টি চুরি হয়। পুলিষ যাৰভীয় হতাকোরিকে ধুঙ कतिएक शीरतन नाई, व सना रशकीमक भवर्गत्र व्यमद्यांत काकांन कतिहादस्य। शूनिय क्यिमनद्र चार्या करहन, नश्रव मस्या वर्क् क्रुनि क्य, छोहोत्र व्यक्तिकार लोत मक्षमा इत मा। कातन स्ख्य वाकिनन নালীশ করিতে চাছেন না, কিন্তু উপনগ্রের देश यरशका यधिक मेर्च हहा विकिशकात्र যত দ্ৰৱা অপহাত হয়, তাহায় অধিকাং শ यवार्ष अधिकातिभिनाटक भूनः धनान कता ष्टेशारक। व विधाय छेशनभन्न व्यासभा नगरतत श्रुणिय व्यक्ति कार्यापका छ। श्राप-র্শন ক্ষিয়াছেন। বিশেষতঃ আগিয়া আহাজের বাবতীয় সপতি পুনঃ প্রাপ্ত হইয়া পুলিৰ বিশেব প্ৰাশংলার উপযুক্ত ष्ट्रेयोरहन। कलिकाजात्र यज लाक्टक विठाजार्थ अमर्थन कता हत. छाहात जंड क्या ४० वन वन् ऐशनशर्त्रत्र भेठ कता **३) जन एक शार्याट्या किमिनट्रब** ध्यक्षां वाजू नार्य कनका वनका वर्णन इक्ति स्रेग्नाटम् । शृद्धिविखन्न कार्यः भागा र्वकन ७ व्यक्ति शक्तिका रहेकु शतावन क्त्रिष्ठ, (बद्धम-उद्धि चन्द्रीय अ चानिक्रे चरमक किया दिए । त्रेष्ठकः मगरत्रेष्ठ शू-निव वेशनशास्त्र मुनिव चार्यका त्यके। ववार्य शुनिव कोक् दर्शिकांकांत्र चाटल । यक्षणां भूतिरात क क्यारे नारे।

रकामश्रीक वर्तमभाषा निधि-可花度時 1

 अस्थलक । शृहकी जानगढक व विश्वन **शुरुत्रे क्लब्क फक्**यक्टिश्व खल्डाकारण्य विश्व স্বামাইরাছিল'ন্ সম্প্রতি ভাষাদের কুডকন্টের क्टमान्टकारात् मध्य रहेशा ऐतियुर्गाः अध्यातः এক লবা পুত ছইলে ভাছাৱা অনেক সাফাই माकी माह्न। माक्तिन मगहन कप्त लाक। बुजिनास्कृत कानिहा है साजिएक नार्क्द " प्रदानाक (हारवह माकी " এই मरच र द्रा कार्योक्तित (जाकी वेद्धत) थाना रक्षांत्र कर्षे बांद्र जारमन करत्रम । जरमकारमक माफी खांशास्त्र । দক্ষিত হইপ্লা আদিষ্টা উনহামতি লপ্লেল সমী লে खेळब ममहे यमबाद्दम दक्षिया गांधा क्षमान य द्वम । यो दश्य घटश्यदश्य विकादय ह्यांचारा এক বংগালে নিমিয় জীখন নিবাদের আদেশ পাইয়াছে। ডি.নি বে কেবন উহাদিপছে দণ্ড দিরাই ক্ষান্ত র্ছিলেন এগত নহে, অপর দলেরও ১৩ জন ধু জ করিবাছেন। জনেকে আদ্ধা করি ग्राट्म, इन्द्रिक ता निकृष्टि भारेग्रा भूनद्रांभछ ছইলে উহাজের প্রভাব ম্পেকান্তত অধিকতররূপে প্ৰকাশ পাইবে। ভবিষ্যতে আৰু উপত্ৰয় না হয়, अहे जना जाणियो के मारहरवह विस्तर बरमारवार्ग विशास विद्यम् ।

২। বাইন খাড়া নিবাদী কোন এক প্ৰাহ্মণ इ।का इटेट्ड गृह' डिमुट्ड जानिट्डिइटनन, श.ब ৰধ্যে টলীবাড়ী নামক স্থানে একটা আহত (बाउग्राज) भूकर कीश्रंदक का श्वा भूक रेख কত বিকত করে। উ'হার সংখ আবর হই অন ব্ৰাকাৰ ছিল। ভাছাল দৌ জিলা আত্মৰকা কৰি য়াছিল। পরে ভারারা মুক্তর রাজ্পকে সে'-ब्राहिकविता शुरू महेगा यात्र। एः निमाम रगरे ब्राजिएकई केर्स्य मृद्रा बहेब्राइड । मन्य (लाहमीय

ण । करवक बिन रहेन, काम'त भी d'ta अक् इशामी देवकाने मानवलीन। मध्यनं करि ब्राट्ड। जानट्क बर्मम, श्रांच्डावरे উखनान আলুড়ার বিলান। সহাশ্র । কভিণর খনিম यायर क्षोबता (करल काक्षरहान्त्र विस्तृत्रहे श्रीवेद्रा वात्रिद्वेदि । कि श्रम्स विशीर्वकेत प्रवेता ।

व । ७ । हे विश्वन शक विश्वन, को हो विद्वार निक्षेत्राक्षं में भवा महीट्रक अक्षाव मर्बर्ड अक मर्गक्ति स्मानाक व्यक्ति । इत्र । स्वीक्ति (स्मिक निर्मात क्षेत्र) दिसे को क्षित्र अवि THE THE REAL by Man ATT किने। समिनाम भाग (नाभाई कविषात खरणात्वह

१ जन गांनी किन। मालाग्य मुखापिरगद्र पर्ध श्राचीन वर्ते, (करते असे असे मात्र प्राचीत কোন নিজ্বত হাবে তুকাৰিত থাকিয়া নিজ্বতি नांच करने। म्यानी खांचादक स्मनिएक शहेत

द। कालीभाड़ा, मध्यबाद्यसभाव, कीहानिया বটেরর প্রভৃতি স্থানে ব্যাস্তের অভান্ত প্রাচর্ভাব इरेशारह। नथावत होग, श्वन, (गा क्षाफ्र. छ नितीर क्या महै,कतिएएए। त्रीकाश अहे अन ই।শ্র মন্ত্রপ্তার প্রাণ বিমান করিতে পারে নাই। ভত্তংগ্ৰামস্থ লে'কগণ শাৰ্ষি ভয়ে এককালে वाष्ट्रिकाला

७। मूल ध्यांशय श्रीमात स्थीन त्यान द्वारमव करत्रक जन सूननवान, जुनिव सर्श्वक्रविद्यार विन भारत करिया निक्षेत्र ही लाक्तिराह छेल्ड ৰতাত্ত অভাচার করিছে আবস্তু করে। শুনি-नाम, भरव भूख रहेवा मुजीशस्थ्र मर केरहेरडेत विচারে ছ্রাছারদিলোর আছে। কর ৬ মাদ করিছা শ্রীমন্দির বাদের আদের হুইয়াছে। শান্তি কিছ क्ष व्हेपाटक।

१। गण्यामक वहां सम् । श्रांत्र हुई मात्र श्रंड হইতে চলিল জখন পর্যন্তেশ বাদালা । ত্রীয়বুভি क्ष महिन्द्र शर्दीकांद्र क्या वाहित हहेग ना। शका कुद्र जीवात कछ गर्व श्राद्धिकः गरीकः रिकेष रहेश क्रमतिन नर्र. एउ वर्तन यहा हुँहैल। ८। ६ जाका कि ५०। ५८। ५৮ ट्रिकाउ निकड अञ्हे अञ्चलका इहेन २ कर्जुलाकन वि दिवद्यु स्टमाद्यांत विभाग मित्रुजिन् म कर्ज्यः। ক্ষনাথা ছ্রভাগ্য ছাত্র দিগের ক্ষতির সম্ভাবনা। b । इन्या । इठार भाग क्छिन क्यन इहेगा **उटिल। करव्रक पिन इदेश अश्राद्य हार्किल २०**। ২২ সের টাকরি পাওয়া বাইত। আতি কাল ১৫। ১৩ সের পাতিয়া ছকর। যান্য ২৫ সেন रहेत्रा देशितारक् । वजुरे करहेत्र विवस् ! ज्यार जाबी कर्कारमञ्जू कामका करिएउएक।

कालमात्र मरवारमाणा निभिन्नारहम। अथानकाँद्र ऋदिवा विवर्ध तथ अतिशो है जाइ জন বাৰু নবীন চক্ৰ নিজ নহানয় এইন্নপরিপোট कविद्रार्ट्स ! अफ कामगात स्ट्रेट अस्त्र बार्यहर्नकोङ स्ट्रेश कार्यिक शास्त्र धावन व्य এथानकाव माखवा हिक्किश्मानरम क रंगछ व। क গণেৰ মধ্যে বার জানা আহের রোগী। প্রতি महारे हरे वा जल्हारिक लाक खत्राकास हरे-ब्राह्म ७ रहें एउटह । व्यटकंत्र अनाव (हे के ति-े की को स्नामास्त संरक्षिक । त्योगोर्ड (के कियांत्र) संराद शानास्त्र, सरिकार्यात्र

वाण रूक पहिल, मालाहिक, नांकिक के बाजिक बारेक रहका बाइएकट्ट। काशाब काशाबक विका इत रहें एए दिन पान । श्रामी केनन बाहत न्ह्राची विक्रम इस्ति हर्षेष्ठ अवस्मत् तम्भन स्त्रे ्टरइ सा। औरा ७ यक्तर चान कार्न (माँच किन वी, कर्वभूती, भूचरवात व मध्याक तकारिका शकुष्ठि উপদাৰ বাটিয়া খালে। অবের পর ছু চলতা ও হক্তের ভল্লডা নি বন্ধন অনেক উপদৰ্গ इहेट्ड (वर्धा यांच्र । ১৮७०वट्स क्यांदन (व अपि (**उधिक इहेग्राव्हिश काहा ताळ** शुक्रव शिरानेत कावि किंड माहे। उत्शास्त्र काम का महाम हिंद नव आव रहेवा भिषाद । ১৮६४ नांदनत त्यद्य क्षांटम क्रीन्डिय क्रिम्स्य व्यक्तिम, जीहा (मृत क्षक्रद्वाद्य. अथानकात गर्मेख शुक्रतियो अवस्थ वन भारत उ इहेग्राहिन। एक्ना अ०७६ व्यक्त এখানে পীড়ার প্রান্তর্ভাব হয় নাই বোধ হয়। क्षित के मक्तान भूमहाधिकः भूमताम व्यर्थाय ১৮ ७७ मार्टनेत्र (मर्टन खेत्र क्षेत्र) रेन्द्रे खरबत् न हेन्छ अ श्वास्त्र कोनाहुन। सारह। छो বাতে অধিক লোক পীড়িত হইয়াছিল ইহাতেও वर्ष (ताक जाकास स्केटकरम्। अव्यक्त अवित वथा वमा कावनाक। कक्ष लाक्त्रा विद्वार कर इन्द्रशास्त्र प्राम करत कृदेमाहेन (म्बन कति शिहे बुक्ति जो स्नभ हम्न। किश्व खादवर स्म वाकांत्रहे ইশ্লেপ ভাঁছা জন্মবাৰৰ করিয়া দেখে ন। । বিচৰত मा का नेवा काराइक श्रांख माराइल करा क्षिक्र वर्षे

क्षां जियम व अनात के क्षां भी त्ये वा स्व **छाहा एक महिन ६५ मा, इन्डवार माम'महिकिए** সাতে রোগী আরোগ্য লাভ ক্ষে ভক্ষন্য गुजुन्त गर्थान्य जाब रहा। तथा वाहराज्य कार्य প্ৰিচন ছিকেই জ্বের পত্তি ছইতেতে ৷ ৬৩ সা লের এপিডেবিক কালনার নিকট প্রায় কালনা পর্যান্ত বিস্তুত হইয়াজিল, এবংসর উহার পশ্চিম १'७ गाहेण पूर माउना हिला, मनियक्ति है, हीका लुंब क्षीबविद्यां छ दांशा क्षाकृष्टि श्वारन विशक्त ৰগ প্ৰকাশ করিতেছে। **অ**বেদ এমনি প্ৰভাব (य क्षेत्रमञ्ज्याक्षाका कान अक्टार्ड ह्र्विछ কবিয়া কেলিয়াছে। আব দে 🗐 নাই আরু তে मन छ उम बाह्य वस्थान स्त्र नाः फाउन्त वान् इरे पिरम निवास ये सार्य खरन करिया (बारगव नक्त निर्मेष्ठ करा मुख्यमारक्य छ होत्री कारखन সংখ্যা কবিলা রিপোট করিয়াছেনা তিনি वरनम ১৮७७ महिन कानमान रा खत हत. अधा मका ख्दाइ नकन्छ दिक (महेक्सन। वे अकत आरमत व्यवदान किছ किছ नि रेप्नारहम । जास **ब्राहिया ब्राह्म बर्व है कहा है। व्यक्ति वार्व** লাস ভাষাতে ভাত ন, গাবাণত তপ্ৰাব হট (चट्ड ऐंडा- ऐ.एड्यूक स्नामध्य चर्मा न् वसा विश्व एविष्ठ स्थान १५ ती होहे. साट उट (स इ.स. १६ १६ तम् ए १६ ুষ্ট্ৰে নেএকল স্থান , ১২ছ গ হটবা পীড়া চি मान हम । शिक १ ५० (महेकल । उद्योग ५ (डोघारया छाएन रख'ल (लाक खाएडन रहे শিক্ষ সান্তাখাটোর ভাতৃষ কথলো নাই। ঐ সংগ कारमद्र लाक अभूता नहना।

ৰদ্ভি লেকসংখ্যাসূত বোগাত্ৰাস্ত কাতগাছিয়া

C SC Of t 84 74. মহিষ্ডিসি 19 54' রেছার **जिवाश्व** এনাত সেখ মাহক যে ৰ জি এখানকাং ্টবশ দাবগাকে ছোনাৰ ছাৱা আহাত ক-িয়া ছিল, সেসনে বিচাব হইরা ভাছার সাভবংগর (सम्रोम हरेग्नारकः। अमृत (व श्वा ও ভाकाद देन পতি হপতিয়ণ সরকাব উজয়ে একসি গুবাহী श्रीत्क उत्तम्न कतिमाहिक, भ् छ इहेमा उद्धी बार्क विवादत (नगरन नमिष्ड इतः छाहार-त इत इत वरगत त्यज्ञाम क्वेत्राटक । अम् छ ज्यांका (संव विवस् । कात्रन अहे (प्रतीव लाक इहेएउ भारमञ्ज ब्लाफ वृष्टि स्हेटफर । काननात निक्रे কুলেপাড়া প্রামে একটা বুৰতী নৌ অভিসাহসিক 'স্কুপে আত্মহত্যা করিরাছে। দ্র'লোকটীর সন্তাম ৰা হওয়াতে ভাহাৰ খানী পুনৰ্কান্ন বিব'হ করিতে खेन, छ इया (न जनपीत जेर्दा नतम एक इडेटन कारिया शिक्षम याना जीवन ४९म करद्र। हिट्ड শুলা এক্লপ লাগিরাছিল যে তাহার মুখের চিত্র ছিল মা। জীলোকের এরপ সাহস জল্প দেখা बाब ।

विविध गरवाम ।

১ • ই মাঘ সোমবার।

क्रविकारात्र (अधिकास कार्तिस्कात जनातिक ভাজন কলিস যে চইঞ্চন ছাত্রকে এচাব করেঁন. खासंबित्धत निक्रिके भाग शार्थमा कतिग्राष्टिम। কিন্তু শ্লিবার কয়েব জন ছাত্র অভিশয় অনঃবি कांक करियोष्ट्रित। ऐहीश ए। छात्र कलियाक किश्वाम १८३ धर्यत कदियात कद्वम। करतम। অধ্যাপক তাহা জানিতে পাবিয়া জন্য এক হচে ৰাম। ছাত্ৰগণ ও ইছ'র জন্তুগনন কথিব'ৰ চেষ্টা शाम । अवकाम वंदर्शन निवातन कहाएक का श्राम शुरताहिक स्थान वृत्तीमार्थ अवन कतिरवम, वादा निवासन ।

Annual of the Party of the Part হাকে গাড়,প্রিক প্রহাব করা হইয়াছে। একাজ बरा, ए बनाय। এकारबाद महावितिश्रक कारबाब ्देर्फ बहिकुए क्या कर्डवा।

भिन कार्यक्षेत लाबाई शवर्षाकरक वक अङ निरिया यावकीय क्षयान विकासिक स्ताधाः हर्रात अञ्चर्शन क.रेवाय अञ्चरद्रांध कविद्रांटक्रम । গ্ৰণ্ডেট এট বক্সখান শিক্ষাসংক্রান্ত কায়েন্ প্রধান অব্যাহ্যে হল্ডে দিয়াছেন। আমরা মন্ত্রে মদ্যে এএ তার করিয়া থাকি।

विश्व अधिक्ष विक्रांताम्य विक्रांत भ उत्तर मकश्रम बाहेट्ड आवल कतियार्डन এখানকার কয়েকজন বিচারপতি মুক্তরলে এক বাৰ গিয়াছিলেন কিন্তু হাছাছা কি উন্নতি স'ধন ক্ৰিলেন ভাষা কেইই জানিতে পারিলেন না

ভূমিতে অল্সেচনের ক্রবিধার জন্য থান ধনন প্রণালী অবলয়ন করা সকলের মত। ভারত ্ধীয় ও ইংল্ডীয় উভয় গ্ৰণ্মেণ্টই এডনমু गार्य काङ कतियाय मानग कविशाः इन। **(हे**हे নেক্রেটাবি একামের ক্ষম; এক পুথক বিভাগ কলিয়া কর্ণেল টেচিকে ভাষার অংশ,ক करिएवन ।

भ बरात स्ति ता जि १ वर्षिकात नम्यू व किन कालाव व कारखन छमहरक मांधी वरमन ; किए क्यांत क्या क्यांचां करांच्य कार्याम्बर्ग करिन পৰিভাষেৰ সহিত ডিনমাস মিয়াদ কইয়াছে। কবণ'রের জুরি ভাঁহাকে যে অপরাধে দোঘী वरमन चार्करवारको (सन्द्रम जिव्हार शक्त रमन नाहै। य जानद्वादयव विकास क्या, खाराष्ट इग्रमान बांख ऐक्नश्था (भन्नाम (इन् । अक्षकांत्र দোযীব ওরুতর দতের প্রয়োজন।

निष्ठेलिमा क्रेटि जरवाम चात्रियारक, ভৰায় যুদ্ধ চলিভেছে: আদিমবাসিগৰ এক মুতন হৰ্গ করাতে উপনিবেশীর দৈনগেণ ভাষা আক্রমণ করিয়'ছে :

সম্প্রতি ইংলণ্ডের অন্তর্গত বার্ণগলিতে একখনি উড়িয়া যাওয়াতে প্রায় ৫০০ সমূর হত হইগ্রাছে। এজন্য ১০০০ শিশু নিরাপ্তার ছইয়'ডে। রাজী ইহাদিগের সাহ'ব।বি নিজে বিলয়টাকা দিয়া সাধারণকৈ সাহাষ্য কৰিছে क्यूरवाध कविद्यार्डम ।

কলিকাভা জাহাক জলমগ হওয়াতে কয়েক क्रम निन्ध क विथवा निशाआय रहेयारहर । रेही लिएनव अभा की मा इहेर कर ।

३- हे बाच बन्धवाता

इंखिन्नान जिलिक्डिन बर्लन विगवन चृष्टि-

मिशरक मानिक चर्डि बुक्क e के का एउट्टा महेरव । जे श्रकारत द्विन्त करत्रमिता कांद्रभाकात ठे क्र कथवा चक्रत्र शाचाबी मिश्र क्य यूननमान करप्रकिश (यो ज्ञानिनादक शाहेर्ड शास्त्र। व्यामना भाषारिकात अहे व्यक्तिक भूद्रकारत्त्र প্রতিবাদ করিভেদ্ধি।

লাড মৈপিয়া মাজাজেব স্বাস্থ্য ক্লার ক্লি-ननः वेलिन नार्श्यत महिष्ठ य वर्षीय विभ छ नगरतव अञ्चलभौत्र विकाश पर्णन करिया त সমুদায়ের ট রাভিব চেষ্টা পাইতেছেন।

पर्योक्ति नवारवद खन्नानक व्यव । खीश्रव অধিকাংশ কর্মচারী ভারাচোর। নিয়মি**ত পেলনে** 🕏 হার যাপ্তে হইতে পারে। কিন্তু এতে অপ্রে नीम व.स स्ट्रेटिए हि, त्य छोद्र छ वसीस अवर्गक ভিনিবাৰণাৰ হস্তাৰ্থৰ করিতে পারেন ষ্টেটনেকে টারির নিকটে এই প্রার্থনা কবিয়াছেন।

अवीत माद्यारम १,३৯ के२ ৮० • ग्रीका जान **३वेट**व व्हिव व्हेडाट्ट । श्वर्त्तवरगढ क्रांगका ७३৮ २४०० अधिक मिथा बाहर उद्या

পর লক ওপি নিয়নের একজন পরপ্রেরক বলেন বোখানার হাজা রুশীয়লিগের নিক্টে श्रद्वाख्य इहेम्रा अक कार्ल माहमहीन इहेम्राह्म. ख्यारिक भवश्यक हहेब्रा क्षांका सुवातकरूक भना রুম কংন। তত্ত্তি ৩৫০০০ কর্মচারি প্রভৃতি क्षीयामिराध्य भक्ष व्यवस्था कर्यम । होका সর্বাদ প্রস্তাদিগের নিক্টি তাপন জীবন বিশন্ত বোধ ক্ষেন এই জন্য ব্ধন স্মিলে যান তখ্য ২•• অস্ত্রধানী লোক ভাঁচার চতুর্দ্ধিকে থাকে। কাবুলের সংবাদ এই. সংস্রতি আবহুল বৃহ্মন খী। এক উপড;কায় আমীরসিয়ারমালিখার ১৫০০ বৈদ্যাকে আফ্রমণ করিয়া পরাফিড করিয়াছেন। जाककेन भा देश (उ जिल्मा देवानिक १६-ब्राट्डिम ।

কলিকাতা ভাহান পুনর্কার ভাগিরাছে। एमाय अक् मुख्य माशिया अकृष्टि मामाना हिस इवेशाहिन। आसाहिनन औष ना श्रेरन कशित्र थान महे रहेज मा।

(बाबाई शबर्दमन्डे कर्त्रक्डी व - डीकांव छाज वृष्टि क्षि क्षित्रार्ट्स । य । मक्स महित्र हेर्डे देश भीत युवक श्रादिनका भड़ीका मिर्दन, दीवान গাকে উচ্চত্তর জোগীতে পাঠ করিবার সমর্থ ক ব वाब काना हैश हरे प्रांट्स

সম্প্ৰতি পিয়মিয়ৰ জ্ঞান্তেপ ক্ষেম, গ্ৰৰণ-मिन्हे ७ कर्षकातिशन छिप्तेक अब आहमस्त्रकरनत প্রতি যথোচিত সমাল প্রদর্শন করেন নাই। इति शक्ति प्राव्यवश्मीय, किय विश्वविद्यास বৰ্জমান বাজা মধন আগিয়াছিলেন তখন চতু क्रिक हरेटड डींशन शक्ति जनांग समर्थित एवं। পিয়নিয়নের আছেণ, অবুলকঃ ডিউক অব चालक्षत्र लाभरतं व्यक्तं कतिरवरद्वतः। कविका ५ फाइ शवर्षत्र (क्रमहर्म केशिएक मिक्स पार्किएक) विवि द्धिमान मान वक वेजेदानीम सीताक साम्राज्य कतिमा सामनावास व्हेट्ड फावान पामीन मारम ৮१ ६० हें। सी वादिन कतिमा सात्न त्म इस्मानग्दा भनानम कदिन्ना छ। ए दे न विक्र प्र स्थान धाकारण मास्ति हैं। स्थान मार्ट्य क्यानी कर्कुनकरक श्रम मिथिना सीरमाकरिक गार्था-देश विवाद समुद्राध किस्ना छोरमाकरिक गार्था-

निव्यविद्यंत्र वर्षान जागत्राव जागामी क्षानंदन माना (एन इटेंग्ड क्ष्या जानप्रन करा बहेर्त। होन क्षक के एएन्वरं प्रवा जीनित्य। क्षानंदिकता विज्ञत् स्था कि ना अहे कर्ष्यं यित करा ना स्थातन कर्ष्यं करा इटेर्स के गंकन ज्ञाबा क्ष्यं कि तथा क्षानंन कथा इटेर्स के गंकन ज्ञाबा क्ष्यं कि तथा क्षानंन कथा इटेर्स श्रिक स्थान क्षियं मा करिया जारहरवंद्र इटेंग्ड ४००,००० होका विद्यारम्म । क्षानं व द्वितिय छाहा पूर्ण है वना याहेर्फ नारत।

স্থেত গেছেট বলেন প্রসন্মর রাজা বাব তীর লাই ও কয়নার খনি ইজারা নিবার বিজ্ঞা পম দিয়াছেন। কিন্ত তিনি এই কথা বলেন ইক্ষা হইলে এসকল অব্যবস্তানীবন্ধ করিবেন। প্রস্থানেশ অন্যানিও সম্পূর্ণ শাস্তি স্থানিত ইয় নাই। গাড়িও মিগুরার বিশ্রোহী দৈন্য গণ অন্যানিও দেরিয়ায় করিতেছেন। রাজা বন্ধি বিটিশ গ্রম্পানিত নিকটে অধিকতর সাহাযা পাইরাছেন তথাপি স্তন সন্ধি করিতে সম্প্রত হন নাই।

বনিও শসা উত্তম অগ্নিয়াছে, তথাপি চাউনের
মূল্য বেরূপ হওয়া উচিত, তাহা হইতেছে বা।
চম্পারণ প্রভৃতি ভাবে পূর্ণের নার চুর্দ্মলা
হহিয়াচে। কলিকাতার কল্পেক লিবস সভা
হইয়ালেল কিন্তু পুমর্মাধ মূল,বৃথি হইয়াছে।

গহর্ণমে ই হায়দরাবাদের রেসিডেন্ট সহজ্ঞ ইউনকে ব্যালাছন বেরারে বাহাতে পিঠ জুঁড়ি দ্বা চড়ক পাক খাওয়া বন্ধ হয় সেই চেটা করেন। রাজত ইভারা নেওয়ার প্রবাদীও উটিয়া ব'ইবে।

३ ३ वाच बुक्कात ।

প্রকৃতি বস্তেশনীয় পোষ্টমান্ত জনরলকে মান্নদর্, বিনাজপুর, রসপুর ও আ সাম দর্শনার্থ গয়ন করিবার আক্রা হিরাছেন। তিনি প্রত্যেক আনে কিয়ুদ্দিবন বাস করিয়া ভাকের প্রকালী ও কি ক্লিক্সী আছে, তাহা অরগত হবরা প্রতীকা-ক্লের চেঠা পাইবেন। আসামের ভাক প্রবালীর, সংশোধন আবশ্যক।

. ३१ के जिट्टमबंद कविन्त्रमंत्र प्रत्नीक्टन वासी-

۳ م ا

দাবনিগকে আহ্হান করিয়া রূপদ্ আৰ্ধি দেব-পাড়া পর্বান্ত এক খাল করিয়া ভৈত্তব নদের আেত পরিবর্ত্ত করিবার প্রভাব করেন। ইহ'ণে কুবিকার্ফে।র বিশেব কুবিগার সভাবনা থাকাতে জমীদাধেরা ভাষাতে সমত হইরা যথেই টাকা দিয়াদেন। গ্রহণ্ডেই ভাষাদিগতে খনবাদ করিয়া প্রশিক্তয়ার্ক বিভাগকে খাল খননেব বারের অনুষ্ঠান ক্রিবার আজ্ঞা দিয়াছেন।

शवर्रवरकेत क्लियः था जा इत्यार हिंगारमय यम मर्ग्रह अक ध्यम करिवाय स्माः अक सम कर्षात्री श्वितित्र इत्याह्म। हिंगा-भव सम्रा स्टानक क्ली स्वाहः। शवर्रभार हैन क्ली अस सम्राह्म क्लिया स्थार गुन्नमम् हिंदित ३०० क्ली क्ला क्लिया स्थार हैंगार । मध्यात्र वर्षात्र मण्याति ४१ मि क्ली ध्या स्थः स्थान क्लियम हिंद्यार क्या क्लिया श्वार हिना कालान क्लियम मिनिक करियात श्वार हरे-ग्राहः।

आयता शः विख इहेनाय, शूछन शिष्टे आकिन वाणित हुई कि काणिया नियार । श्विनिक हुई कि काणिया नियार । श्विनिक हुई कि रित्त कि कि कि कि स्वार नियार नियार कि कि स्वार नियार निया कि किन कि स्वार निया कि किन कि कि स्वार कि स्वार कि कि स्वार कि कि स्वार कि

क निकाजाय बाज्ञिष्ट्रीम निश्च जानए। गर्नाख्य २०० हि मिल कार्ट । हेशत मध्य ५७० दि माह बरम्य क्विश क्य वर्म्य नर्ग क्याम। গত ভিনেশ্ব মানে সমুধার আলবের জন্য ৩০৯॥ টাকা ব্যুক্ষ। গভ শনিবার এক সভা হইয়া बिग ज, नि, नैनास मानिक > • होका (यङ्ग आनामुद्र अधिशासी निशुक्त कहा रहेग्राह । भिन মীল তথার রাত্তি দিন থাকিবেন। ভাকর টনিয়ব ও পেইন শিশুদিগের আহারের বন্দোবস্ত করি-বার ভার পাইরাছেন। ত্তাবগার্কী সভা बानम कि ब्रिजार्ट्स ३२ वर्श्य रण अ व व्हेरल भिक्षक्रियक भागन भागन बादन (शहर करा হইবে অধ্যা অন্য কোন প্রকারে তাহাদিপকে निवुक्त कहा स्ट्रेंदि। जानी उत्तः जक्ष कर हरे जन मुख्यात मण्या महेवा युप्त निकरक अर्थ करी इंट्रेंड मा।

১২ ই মাথ রুছম্প তিবার।

উক্ত পত্র বলেন বললেশীয় হারস্থাপক সভার বাবে ববরপের যে বৃত্তাঞ্জ পর্বপ্রেক্ট সম্পা-দবের নকট প্রেরণ করিব ছেন ভাহাতে লেপ্ট মা-ট গবর্ণরে ছিডিকের বিবয়ের বজতুতা নাই। ভবে কি ।রপোটক রের অম ? ভাহা হইলে গবর্ণমেট অবশাই ভাহাব প্রতিবাদ করিভেন।

গত কল্য বল্দেশীর সামাজিক বিজ্ঞান সভার প্রথম অধিবেশন হইয়া কার্যকোরী সভার সভার প্রথম অধিবেশন হইয়া কার্যকোরী সভার সভা দিগকে মনোনীত করা হইয়াছে। সিটন-কার সাহেব সভাপতি ও বারু রমানাথ ঠাকুর সহকাবী সভাপতি এবং ছাই সন অবৈত্তি কার্যকালক নিযুক্ত হইয়াছেন। ১৫ জন সভা এই সভায় থাকিবেন। বারু রমানাথ ইঠাকুর মথার্য বিলয়ছেন আপাত্তভাইউবোপীর সভা হত অধিক থাবেন ততাই ভাল স্বামাজিক বিজ্ঞান আমাদিগের পাক্ষে লুভন বিষয়। ইহার অঞ্জী লনে ইইরোপীর দিশের সাহায্য বিশেষ আহানাক।

উৎকলের অল দেচনকারী কোম্পানির ১১ জ্বোল খাল হইয়াছে। সম্প্রতি জীহানা কেন্দ্ররা পাড়া র খাল খুলিয়াছেন। ইংাতে ৬০,০০০ একার ভূমিতে অলু দেচন হইবে। ছতিক্ষের সময়ে এই কোম্পানি অনেক ফাল করিয়াছেন। এবং ইইা দিলেন কার্যের উৎসাহ দিলে ভবিষ্যতে ছতিক হইবেন।।

১৮৬২ অন্বেব ২৪,৬২৫ আইন অন্থানে প্রথা নতম হিচারালয়ের বিচারপতি হইবার পূর্বো অন্ততঃ তিন বংসব জেলার অজের কার্য্য করা আবশকে। সম্প্রতি হলদেশীর গব-দেক ভারত বর্ষীয় গবর্গমে টকে জিজাসা করেন বিভাগীয় কমিসনর জঙ্গের ক্ষমতা পালন করিলে তাঁহাকে প্রধানতম বিচাবালয়ে আনমুন করা বায় কি না ? গবর্গর জেনরল বলিয়াছেন হথার্থ জজের কাজ না করিলে এই উন্নত্ত পদ হইতে পারে না, এবং ক্টেটসেন্টোর্যারি ইবার অনুযোগন করিয়াছেন। বকলাও সাহেবকে চিরবাল চাক র কমিসনরের কাজ করিতে হইল। তাঁহার জন্যই এই প্রথা উপাশিত হয়।

টাইনস অব ইতিয়া বলেন সর বাইল জি য়ার সংবাদ পাইসাছেন ১৩ ই ফেল্রেয়াবি পর্যুক্ত ফিটজারলড সাহেব থোছাইয়ে জাসিবেন। १७ हे साम भागवात ।

আদা রাজপুরের বছবিদনালয় ও বালিকা বিষয়ালয়ের পারিং টারিক বিজর্গ স পর হইব। करे प्रहेली विशासिक उदाने जूदक मि ना दिश्तिक हो ৰূষে স্থাপিত এবং অতি স্থাপ্তাৰুণে চলিয়া कामिएउट वर्षानभाषा बहेर्ड धारा वरमव वरमन वाध्यक्षत इ। ब्राह्म देश भरीका निया উদ্ভীণ হইদেত্তে আত অলকান মধ্যে বালিকা বিশালবুদীৰ আশাভীত উৰ্ভি লাভ কইয়াছে বিদ্যালয় ঘ্রের সম্পাদ লীয়াক পেইন সাংহ্ব অনেকগুলি গাছেব ও বি.বি উপস্থিত হইয়াছে-सन, छाडाभा वालकव'लिकाशर्भक ऐक्रीं क्षित्रा नरस्याव धक'न कवियार्डन। यमा नि ৰাদী জীয়ুক্ত বাবু কালীকুক ঘোৰ এব দিবত कालिकाभएनव विरमन शबीका अपन करियाहि-বেন, তিনিও এই উপলক্ষে তাহাদিগকৈ স্থপাব कुंत व बाबादिन (चलना भूनकात्र पित्रारहन।

कलिकाञा विचित्रशालाम अ वस्मम वि. अम, भवीकाम १५ करमद मर्सा २२ कम दिखीर्व स्हेमा (इस । उसारतः अध्य (अवीटिंड ७ अस १२९ विश्वीय (अने एवं १३ कन। अन अन, भर्गकाय) । २ करनत भटना ৯ अन खेलीन प्रेप्नाटकन

এড চিন কলিকাড়া ও ভংগনিধিত উপনগৰ गकरमध् भूषा त्यमान मध विक्छ हिस, शक ১৯ এ आञ्चादि दावशांशक मञात्र व्यनदिवन आत् नि हैएएरम् अन्तरित अहे का हैन दक्षानी व लिण्डेन हे भव रिमर होते अथीन व मर्भ खरण होता छ। अब छ बाग छोहात छेशामना विकित वहेनार है। क्षेट्रेख शारितः।

38 हे बाघ भनिवात

हैश्लाच्यान स्थित्राह्मन. द्वमाद्याह्मत अवर्वत দাভ বেশিয়া কেব্ৰুৱাবি মাদে কলিকাতার শাগমন করিবেন।

ष्ट्रिक किमनरमधे किन्नहारि बारमत २ त्रा ग्रेबिनिके खाटड अधिरवसन क्यिया हे विटिंग्स **इष्टश्का अव्यक्ति हाथमान माहरू अङ्**टिव व्यामनगी गरेखन।

মিব্লুলিখিত মূলো গৰ-মেটেৰ কাগন্ধ বিক্ৰীত ででしま!--

s डोकान्न निका p 4--- b 91 **" কো**ং Adr. -- -- 2 400, **।** '' त्यार 300-206 \$110" (TIE 25 . 11 .-- 27 . Ho.

देख, छ। ॰ नर्नम भूत्रान ७ (बोक्स्य। . (जन्दाविमी)

राज शकात भाषा साम-जाषा साधिकाव कविया हिन उरमम्माग्रहे :बम-मूमक्। किश्व (बोक् विद्यापक शींग आर्थ,ता हेशात कांच करोत्र मृद्धि वर्गन मिणा। कतिएक्तः। वि'स्थिति काननामिर्गित नेन्धिरै नात ধর্ম বিবেডনা কবিয়া তৎকাল প্রচলিত বেলেজ मत्या विद्यम् श्रमणेम कृतिखः अहे कांद्रत्य (बोक দিনোৰ স্থিত বেলোক্ত পশ্ম বলখী দিলেৰ যোৱ-एव विराम इय। ये प्रवृष्ठ छे अप्र अभाई ज्ञानमामि भार भारत मध्यम कृतियोव सिमित वक्षा छाए चिं छेरम है। भा न छाभिक मान्तामन का धहार करनम । शहरिक अ**हे धर्मान इस्ता**छ প্রসারে প্রসারে প্রাপ্ত হওয়া যায়, তাহা বর্ণন শার। দর্শনশাহের পর কছকগুলি পুরাণ প্রস্তুত रुद्यादिन। जानवा मिरे नमेख नुत्र'रनः मर्द्या গবেশ পুরাণ পাঠ করিয়া দেখিলাম যে, এছ কন্তা প্ৰয়েশ্ব প্ৰতিপাণ্য বিষয়েৰ সহিত বৌদ্ধা-শ্বকে জনুহাত করিয়া দিয়াছেন । একৰে अहे नियम्ने मुन्भे क्षेत्रप्रय क नाईदान विविद्य शासम श्रवास्त्र केन'नान काल विद्य केन् क করিলাম।

> गरनम भुरान कष्टीतम भुत्रात्मत वास्त्रीक नरः। इंश अकथा न छिपशुक्षात । अहे भूबान इहे कार्ण विकक्ष। हेराव छेजब्र कार्ण्य अर्गर्गम फुँगामना अवस्थित कर्ता इंहेब्राइ । अहे- भुवारण গণপতি বেদান্ত প্রতিপাদিত ত্রন্ধের মর্বায় বর্ণিত र्हेशार्ट्स । वैशार्ड काम चान धाम छ काम স্থান প্রতিমুর্ত্তি নির্মাণ প্রভৃতি কার্যনিক পুরা।

এই পুরালে প্রসঞ্জ গ্রসম্দের উপাধ্যাম উविত इकेश्वारक । श्रयमम विमर्करम्प्लार म वाका कीरम्य भोजा। बहेक्रम विविध चारक त्या, बहे भाका भुरञ्जत अकर्तर रश्मत्रका श्रेम ना मिथिया মণ্সাবে বিশ্বতি প্রকাশ পূর্ত্তক জরগোঁ প্রস্থান नराम। ७५'च श्रवी विश्वापेट्यत महिल लाहात जाकार इस अवर छार के जारमनासूत्र देव (भव श्रवान गर्वद्भव कात्रावना क्रवन । ५०० (सर्वार अत्राप्त महाराक जीत्मत सर्वात्र मार्म এক পুত্র উৎপর হয়। একণা ঐ পুত্র মূলরায় গমন পুৰ্বক কৃণের তল্পন্যক্রমে গভাৰা পথ বিশ্বত হইয়া এক মহৰিব পৰিশালায় উপৰীত क्म। अधि-लडी रीमत ऋटन (गाउँ इरेग्रा ভাঁচাৰ নিকট আপনাৰ কোন অসৎ 'সভিস্থি প্রকাশ করেন , কিন্তু রামকুমার ভাহাতে সমত ना इंडव्राप्त जिल राश्यक करियो सन्तिन चूर्कक्षिक्ष्ये काञ्च वर्ष विक्रका कि करण मा किया किया कार किया के स्वतिक भी । का के विक्रक्ष किया किया किया करण

क्रिति छेन दिस इस। करे इसद्वी हेत्स हरे-छारे गुरमधानक छिरणांच वृत्र। किन्न ब्यादारक ংশার সম্পূর্ণ বিপরীত। এই নিমিত্র ভারতব- । করেন থে ভীষতময় ক্রমান্নই ভাঁহার জঞ

> अक्तो धेरमस्य मगम (मान क्लिन बाह्यान লকে গমন করেন। কথায়ু জন্যানঃ কাল্যনেরা के बादक कांत्रक व लिया विशक्त क्वानमा कति ग्राहित्नम। फिनि टांकानशन करूंक अहे क्रण भगवानिक रहेशा लेहांन्द्रिशत मध्यर्ग शतिकांत পूर्कक कशकी भूभित महिछ भिन्नकर भन्नमाथा र क्रण शर्यस्य व्याम बाबवात काला छ्याछ कति ভেন। এই রূপে কিচুকাল জড়ীত হইলে গণেশ उँ। शांत श्राप्ति श्राप्तम इस अवद पीक्षत श्राप्तमान् मात छ। इ'तक मकन लाकारनंत्र माता आगाम, उक्तकान ७ १ कोर वन श्रामन कटना।

अक दिन प्रश्नारम शुल्लक दरन धान कतिएक किटनन, इंडा अन्दर प्रमुख्या मा ता छे भी नन कित्रा एश्वित्वत ए अक्छ वाहक डाँशव रि करी आध्यम कतिए एक। शहर तारे बालक की 'हांद्र निकड कें पहिल हहेगा ही हाटक व्यक्तिवासन पूर्वक किल, छरणाधन । सबसा बाबारक कान নার নিকট সমর্পণ ক রলেন, একণে আগনি व्यामात ब्रष्टक रहीन। श्रुष्टमयाम वामरवर्त्न अह यात्मा अव्यक्त बहेशा जीशास्त्र स्टिकिस्थान क्षेष्ठिभावम केन्नेष्ठ भरतस्वाभागनात्र मिथित करा ब्नेत निका मिया हिलान। वे वानकक छन्नभिक्टे थाति मानिविष्ण पूर्णक जलकान मध्य गाउन শক্তি প্রসন্ন করিয়া ভাঁহার নিকট ত্রিভূবন প্রা क्रमण्डियोत्र वत्र धार्वमा करतः। भरमम छ छ त वेष्ट्राइस्त्रभ वत्र शंत्रांव कतिया कहियादिस्त्रम, वश्य নিবের অল্প ব,তিয়েকে তার কিছতেই তোম,র मृद्धा स्टेरव मा। जामात यत्र श्राचारव (जामात्र लोर, वर्षेष ७ स्वर्थम फिनिए मुत्री १३८५ अवर द्वि (नराटक शक्तमात्राम भीन रहेन्। बाहेट्य।

अहे बामकक्रि जिलुबाइन्द्र। अहे प्रमुख बन्न - -- जन्म देखा छ समामा 1160 V. রেবুং লক্ষে পরাভূত করিয়াছিল। দেবভারাত णाशत **चर्न दि**रानरत्तन अक गंस्टरें भः 'एके कहिताब्दिशम । जनकात में हुई व कहाँ व वकाहि नम्य दिश्व करिया समारमांक क विक्रमांक তাদিশার করিয়াছিল। পরিবেহের কৈলান পর্বা ভে'মহামেবের নিকট গ্রন করিয়া উহার লক্ষ্মি क्षरा देशक अधिकात काता। अहे अवसदी वहाँक कतिशाहित्सन। अकृषा त्वतास देख कीमजनद्वा मार्ग कवित त्वताम्य विक्र नवस कहि

शर्पनाक शतक करिया करें क्रम शक्क नाक कतिवारक, काम अमे एकामिता मिन प्राप्त निर्मित देशानमा अश्री भेरतहर कर. ए श स्ट्रेस गरमम् राजामाहिद्यात् विशेषात् क्षामा विद्यान । जनकर क्षत्रका क जन्म किन् करिन के नाइरनड कड़े बोटका मधाक हरेगा शाम बटन कविनाम श्राचनारक क्षेत्रके करियाकिरमञ् । अर्गन ९ किंश দিগের মুর্মনা মুর করিবার নিমিত্ত প্রতিক্রত रहेत्रा अक ठाणात्वर त्यर्च जिल्लाहर्षाहर मिक्टे नमम शुर्मिक कहिलाहिएनम् प्राप्त ताल । फुनि বদি অনুসতি কর, ভাষা বৃইলে আদি ভোষার নিষিত্ত কৌছ, মুজত ও ক্লুবৰ্ণময় 'ডিন পুরী প্রস্তুত্ত कत्रिया निर्दे। भटव कि मि जिल्हर चरवत्र कारम्य ক্ষাৰে ঐ ডিন পুৰী প্ৰস্তুত করিলে কচেৰ সম্ভৱ इहेगा डाँशहरू शुक्रकात श्रमात्नत हेन्द्रा कतिता हिन। फथन शर्थम किश्राहित्सन, टेक्नारम य हिन्दांवि नायक गर्भरनंत्र शक्तिवृद्धि कारक, ভাছ'ই আমার এই পরিঞ্জের প্রস্তুত পুরস্তার। মতএৰ তুমি আমাকে ভাছাই 'ক্ষেয়ন ক্ষিয়া (म्छ। छ बंग क्य युद्ध बंद बड़ा (बद्द व्य विकर्ष अहे विमा अक बूज ग्रीहेबाहिन य, यम जुनि एव ক্ষাদ্রতে আমাকে চিক্তামণি প্রদান কর, ভালই, नजुरा जाबि रत शूर्वक छात्र। सहेवा जीति । महारमय अहे वाका स्वारात् कृतिक हहेन्ना से क्यू রের সহিত লোরতন এখে প্রস্তুত হন। পরিলেখে ডিনি তাহার বল বিজ্ঞা পরাভূত হুইরা ছিনা नरवर एए। बर्धा भनावने करतन । कर्चन जिलु হাব্র ক্লয়ন্ত্রাতে ন্বপিত হুইরা চিপ্তানবির মন্দিরী ভগ্ন করিষ্ণা ঐ দেৰভাকে উড়োলন পূর্মাক আন वस कविया हिन। अन्तिक नात्रम स्वारम्बदक অফ্ররের নিকট পরাভূত ও বংপরোনাতি ক্র ा लिखेबा छोड़ांब निक्रे भैमन श्रीक छाराटक छन्न माखार्थ नेर्भाष्ट्र हिन्द्राना क्रिक्ट डेशानन रमन। वर्गात्मव अरमरमञ्जू काताथन। कवित्रा र्राहादक क्षत्रम क्षत्रम । श्रेट्स फिनि शुनश्चाय (क्वशर्वज्ञ गरिक विशिष्ठ हरेका के अक्टरात गरिष बुद्ध थन् उ इन। विश्वतास्त्र काणमात्र বৈনা সামল সম্ভিব্যাহারে জাহার সহিত তুমু ॰ नगरजाम करत । शतिरवास दम महाक्रांकर पूर्व क्यांक की किम्तिमा सवानी त्वकाता विकृत वरण करणवत्र शक्तिकालं कतिका शक्ताकाम की व व्यक्तित्व ना, नांत्र शिक्षा छै।शिक्तित्व हेश्व

खेंबचि क अक्सकि केन्य्र निर्म परेब्राटक। क्याक वर्ण कारतन विषय मानूर्व केरतन कता जिनुद्धचर मुख्य देनाम्या सनाजी अवज्ञवन क विद्या यात्र यक श्रञ्जूषि काञ्चानिक कर्नुमान नकत् के क्ष कत्रिमित्र । अहे भूराद्वत्र व्यादिश्य

व्यथारत जैतिनिक व्हेत्रारक ति जिनूताक्त मध् किया को वर्ष कालकारक शहर अवे दन नोत्र मिन्त्रीय के क्षत्रिक्तिए ग्रीकृत कर्य वक्ष इतः शून्त्रकात्, स्वानम्, शान्तिकतिराज्य का आज जान किंग किंग छ छेश्नाम करता । छाराज छरत् चारा, चशा क वर्षकात्र भृषिकी रहेएछ चिद्रश हिउ रहेन्ना यात्र अवश (बद्धन्त्र आदिनाहनः। त्रहिङ रय। जारदा यथन बर्बिश्ल जात्नाक दाकाव জীবন চরিত গাঠ করি, তথন দেখিতে পাই বে जिमि वर्षम (बालीक वर्ष श्रिकांश श्रूकंक (वीष शर्यक्र जांक्षर अर्थ करहर, उथन छीरा स्ट्रेट এই রূপ কতক ওলি অভ্যাচার সংঘটিত হইরা हिन । अर्थतार दोहक्ती त्व सत्न त्रीकृतिक দিগেব ক্রিয়া কলাপ উদ্দিদ্ধ করে, অনুব কুত अरे कार्द्धक महिन्न काराह विशक्त महतूना जारह। देश बाता अहे सण श्रांडिशानिक हुई-क्टाइ व श्रम्म काम्बरकाद देविनक वर्ष পরিভাগ পুর্মক বুজের শর্ণাপর হইরাছিলেন, अवर वास्त्र महा चहाला व नमक सम्बद्धाः चिकियान त्रवया करहान, कांक्षानिरशत् शक्ति चान दीशंत किंगू बाज फक्ति हिन ना। कांत्र जिलू-রাহ্ম ভারাই শিবা ৷ ত্রিপুরাহ্ম দৰতাদিশের थि व क्षेत्र अक्षाहात क्षेत्र, छाहा काहात्रहे मिक्सिक भरमस्माम्।

म्बर्का मिर्शन **के स्मर**नं यात्र वृक्ष छ के हिं-निरंशत छाउँ शाम (बर्राक धर्म छेपाममात फैश्वृडे झनानी बनिहा क्षपिछ चारह । किन्त ग्रमनमं ७ जिनुसासुत शानके सङ्घ छेनायना বলিরা ভারার অর্থান করিডেন। যখন গৃংসমন मगर (मान मुमिशन कर्डुक जनमानिक रहेगा. ভীহারিদের সংগর্গ পরিডাাগ পূর্কক এক নিভূত शांत् बान कतिशांहित्नम, छथम जिलि धार्म बाडाई शतनरक अन्त्र कटहन अक्ट जिलुहासूह च छारात भिना हरेगा छेशानमात में सभ अनामी व्यवस्त्रम करत । देवनिक छेशाननात्र आर्थना क्षान ছিল। বেদ জন্মদান ক্রিলে ভাষার প্রচুর निमर्भन शांश रुख्या यात्र । हेरात श्रुट्स काद्र म श्री विष्ट्रवास श्रेष्ठिक हिन ना। व्योक्ताह छेश सङ्ग्लिक कवित्रा बाह्र। श्रश्मवत छ जिलूदा-वितन व्यवंशक करंडल, अवस्तिका कांड कि कि वह क्षेत्रात्रात्व सभक् इत्य व्योक्ष्याच्या सर्वाक्षक कृतिशाहित्यत । हेश वाता रहेशाहरू।

> दिश्वित्र मिनीनिक मुक्ति विनश्च बाहक inter the market are seen.

মুক্তির ভাব লোকের মনে উদিত হর নাই। লোকাৰতে বৈৰত্নিক কুখই বাধাননের প্রার্থনীয় हिन। कर प्रशासाक कर भ उत्तरनाक शयन कतिया नामाध्यकात कृष (कांश कतिर्द, मिनगरनत निकड अहे सनाई सार्थमा कतिया। क्षि जिशुरतका महाराद्यत हरू शानकात कत्रिया जात्मा गीन श्रेत्रा श्रम, करे वारा वाता वोच्यट पृक्तित व बाकाम तस्त्रा रहेताएड, छोरात जांत्र कांन म्हण्य गाहे।

ध्रमस्टक्त सीशुजामि किष्ट्रे दिन मा। जिनि ঐ বালকটিকে দত্তক পুত্র ক্লপে প্রতিবাহ করিয়া हिरमन । देशंख विश्व महाामी मिरमंत्र अक्की क्रिड़ा (बीच मतामीता विवासनि किन्नुहे करतम না এবং একটা দতক পুত্র প্রতিএই করিয়া ভাহাকে বংশ্বে দীক্তি কবিয়া থাকেন।

अरे नमस मिस्ता ताथ इरेक्टर ए, बाइकांत्र (कोमारत (वोष धर्मात मण अवर छेत्रकि ও অবনতি বপ্ৰণীত গ্ৰন্থে অভনি বিষ্ট ভরিয়া-द्दम, अवर (वर्षन शक्कान एरमधन विदिक्तिक ধর্মের বছনমুক্ত হইয়া বৌদ্ধ ধর্মের আহন করেব, ভাষ্য ইবিলগণ প্রতিপন্ন করিয়া शिक्षाद्व । १

> डेक् छ। (क्षेक्रीक्त्र)

^{त्र}शंकिम ७ हर्जिक। व भनीचन्नटक अनावाम । यक्षरमण अकारन इकिंद्रिक रेफ स्ट्रेफ फेंब'त स्ट्रेबंट्स । छाव-তবর্ব এখন গেলাজসভার কর্তনে, সেই সমদৰ্শী রাজ সভা এলেখের বিপদ ঘোচনে कांत्रम्या यत्र करत्व, किन्त बीसाविद्यात्र दाना कार्षः इंदेरव, कांशक्तियात्र अन्नकश्चल विभाग्रामव मात्र वित्र केवर अभाक महामाग्रहत महान গন্তীর। কলিকাভার নমকলঙলি যেমন গুঙে क्षि नातिहरू क्रदानर क्रांत्रिया क्यूना निर्मान করে, কতকঞ্জী ব্যক্তক্ষারী তেমনি কার্য কুশল দমকল অল্প! যে সকল শান্তিরক্ষক ছৰ্জিকেব সময় কলফত্ৰের ডক্তাবধান ও সাধ্যমত गार्'ला म'न करियादान, कानता जारामित्वत निकड जङ्गालक वृहें एक हैका कति ना, जाहारा जननाई मधाहरनद्र धनावान खाळन महत्त्वह माहे। मारावय बीछन माटश्य झ्लांभाउनस्य माई मध-কালে শীভিত ভিলেন, হই দও স্থির হইয়া काल-१ डायु थाकिएड शास्त्रन नारे, छेड़िया as क मलपात शहरात मिक हिन ता। (AR TE MANITES ARES A

14

विभिन्नेश्वरत्र माकिएकेने स्टान नारह **८हे अवकार्य धार्मात्रेख दश्वाह्म । होहा** এক খানি দৈনিক বিৰুদ্ধ প্ৰকাশিত ইইয়াছে किनि इकिटकर हत्य कारत बादासुन्छ ह. तानी महाहे एडिन, जनारनभन, र धन'तावन, छ . **र्णिकां कि अकृति कार्यमर्णन कविष्ठा किए।** न न न **क व्यवन बुकाख टेसम्बन लिभियक क**र्रस कामियाह्मन । ना गन्ननगरकत्र शूनिय हैन् रन्नहें। ाक्र लाहि करतन, कींकांत्र **अकाकांत्र स्**न। यश्या >*** (कारकत मुट्टा व्हेन्नारक ' मांजू न कर्ता-(शका कविक। फजाठा इथान कृष वार्यः ১२६ खन (मार्कित भट्रा 🕶 करनत्र श्रृष्ट्र १ हेशां-ছে। এক এক বাদির অংগকে,তে আগব निवात कराहादक्षां गणांचां क त्रप्रादक । न ब भाजाञ्चन लाटबन्न २५ थानि वाणिव मटमा क कार्ति शहीरक अकी ७ लाक नारे । कत्रहाअह व्यम् जिन्दु स्ट नक्न घटेना बरेग्राइ । ७०% , पारिवामी मरच । इ इड्ड्यारम (माक श्रांविकाः) क्तिप्राटक । बारम व मारक्त छनिया मोशिवारक्त. स्मीशास्त्रता कान देशकात करतन नारे. जिन अम श्राम अधीमात (क्यम ६० मिका क्रिया होश विद्या जिल्लिक हिट्यम। अक कर्म क्या क्षिक्षित सः । स्वाकत्क प्रहे त्वता आहाव कि-अविद्यान, किन्न दौरांत चात्री मान प्रमादिका कांड्रक रुट्याट क लेगांत्र अ यक रुट्या गांव । व्यक्तिहर्मा व्यक्तिक देशकांच क नगारम्भ । व्य भीप्र अन्द्रभावी किरशहत विভाज अस्ताम किन ना, कि होशा बरमन, कार । १६ मिन १८ मिन क्षिण्य अधिकाद अभित्राक्षी म्हेटलन, स्टेटन ক্ষান্ত ক্ষান্ত্ৰ কৰি ৷ লে'কের প্ৰাণto strain work

गांदरांगडा रिकृष्टे व्यवमाधिक एम मार्थ । अहे यां जिएक है हार्य न अख हिन क्षांत्र दिएन १ गमन्द्रभटक मुख्य भव मर्भन का हो। गरहा (ब्रिकाह ন্যার অমন্ত সিঞ্চন পূর্ণাক আচাত্রা, জিনোল उंगाय कारह । त्यर शामितिय (ब्रांधनाम) ज्ञादन न्नाष्ट्रे (वात हतु, प्रिमि विश्वप्कारम अ मिन छ कार्य, एक्ट्रांच पर्यन भारत नारे। द्वासनार सिधिया अ फर्ज क किस एवेदि स कार्ति किर द्राचित्र हिरसम् । ज्याच्या ४२ थिए । इंटरिक अक छन शाक्तमह, फावक इ. अक अन विविधि शास्त्र प्रक यह व्यवस्थात । काम के विकास আদির না। একটা স্থলউপকারে জাবিতেছে फिलि (मार्थमारहरू, " (मिर्कत चार कहे बा इननी एवन १६:: १६ वर्गन १३८० मसूत्राप-त्रांत्र । क सूर्य ? अम्बी विषय म र्शया 🖷 व्हेषा 📭 अहे मध्यत याहाता प्रतिम अहम, जाङामित्राव क्रिक किन्नाम । एक्सिन्स् विकृत्यहे स्न-(बार्ययान्त्र मञ्जावना माठे, रम भएक महिला कृष्टि वाचा मालिकुककमरभव करीबा । এই कुं अरन य इ । लारकत्र गुए। इहेन्नार्छ, छोड़ा निर्धा मर्थ बुक, यामक छ छ लई पार्क। कांच्या (बांध कति अवताना प्रस्तत्र शाकिरमञ्जा । शहने म শাংখ্যের নাায় পৌযমালের বাছা শোভা দেশিয়া ষ্টাবাটা ও নাই। তৈত্ত্বের পর শঙ্গের জিণ্ডাব ও बाब्बारवत मूना धरे ऋष शक्तिरव कि मा, चादा এই বেলা ভাষার চিন্ধা করা । আরশ্যক।

্প্রিলিড ।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদ্ক

মহাশার সমীশেষু ।

গড়বেডার কেনিরালয় ।

गनामा । आय नव वर्ष चाली छ होन आक्ष्म । भगामा । श्री विषय निवास । श्री विषय का विषय । श्री विषय निवास । श्री विषय । श्री

जामता काष्ट्रभरमा सार्थः शार्थक कार्यक कार्यक्रिक जिनि हिर्देश है । इस्का क्षेत्र कार्किक्ष कर् क्य मा करा पथा है कथा, 'क्षेत्रक 'क ज़िन, प्रश्नेष्ठकें यूटर्भ कि इन्टबर क्या दिला पृत पश्चिम माह-रहेरन भारति न महा संबदर्गत्र । महीके विश्वस्थान ष्टारमञ्जानकात्र इति गर्दणक् नाकृति अवश अक्षरमृद्धि को ाक क्रूरचंत्र प्रचा केणिहरू क्र्ड्याटक के **स्ट्रेंस** 'त्य विश्वान शक्तिकृत वाहु मट ५ मटन, खेविक इहेहा **बर् क्वा इक्टीर्क बारकांक्रड छ अन्दा छन्-**मिष्ठ कतिएंछ एक्ट्री कि.जा.क्य. अमर्ग तिह य हिंदे अञ्चलक इरेड़ी यक सक्त मंत्री तम क्षेत्री है हाव यम पुराभन्न विमन स्थान केरडानन भूकंक सम मगरमात्र किन्न समिना प्रतीकान काल्टक खड्ड स्देशोद्धः। शूर्वा एवं नमस्य वान इम्छनी स्थामा-লোক স্বাভিরেকে স্কান ভিনিংক্ষিও মুর্থ পর বীর উত্তাপন ধইয়া পশুৰংকালাতিপাত করিত अकरन ७ इ.स.हे द्वनिकिष्ठ रहेशां क्वतिष्ठ महिम भतिष्य अवास कविशा बास्य सार्थत । शोद्य दका ক্রিভেছে। সে বাহা ক্টক, সাপাদক মহাগ্রা मञ्जूषि वामनानी क विस्थान। मी कर्यकी कर अखान हें इ. के.ब्रिज़ निषदम् या अकाल महना लाश थानान कवित्राद्धन, विति विश्वापी पृत्रथ विक इन, काका स्ट्रेडन अविश्व'र धर्म किं।। समूचि त्व -धक्ति स्वधानकम् विकालम् महतः शहर कहेरन डरिन्ट कात महसूर माठे। विकल महाबहसूर व भू कीर्रभाकः। व्यक्षिके अस्तिविद्यम् अर्काट भारेषां कार्यः मण्यायमः कांत्राख्टहम्, हाज्ञवर्थः। শৃতাবিক ইইয়াছে ৷ একলে ভিন জন শিক্ষক वैद्वितं रमन्त्रितः व प्राम क्याम स्ट्रेटक्ट । ध्वर পরোপকারী ডেপুটা নালেক্টেই জীয়ুও বাবু হেম-एकं कर्व कंड मध्य (विनि किंडू निरमेन क्षेत्र) क्रेन हिकारण शहिराखिक व्हेशारहम) जाक्यत विका विकास मामार्थ न श हिल मात्र विकासिया वांशकगन्दक वंशनियाम इर्दाची विका विका मान-कतिरेक्टर्स्स । अरे कटेंबर्डिस्स सरा विकल ेमरान्य प्राप्ते निक्र छन्त अखिलारा विकासिकः िष्ट्रेशेश विश्वकात अनोट्स इन्छ स्तेरिक स्विति न्दर्भ । विशेषक्ष मिल्नित्व महिला का साम

eine water enterleten nur wähnlich, au geste beite de ministeren den Artenbere war alle enter enterleten war eine enterleten war eine enterleten war eine enterleten enterleten

संस्टर अकार्य क्रांडिएकि स्व विकास स्वमहत

निवन्ते जिन्क विवाहिकान् आव अशास्त्रक भावन कींच न देखेश्वर केरबर्ड कर्म खाश नक्टमरे जस् कर कहि: बहुका, भारतात उन्हरं। महरूक सन्दर्भ अक्रम नामहामहिक काशाहक जावना समाचार ध्यास अहिट्छाई।

क प्रवाहि त्यांत्रवागरं करेनक भवन बहुत प्रश्न- व्याहि वि कार्क विदेश विकास निवन करते. किंत ह्यादन अहे विश्वानसभैन जीतृकि कतिएक निशाहि-शाब। शाहेबां कार्यात प्रमुखना पर्णम कतिहा शुक्रव शब्दि इत्रिश्चाक कविद्वादि । जना विनामहत्र সর্বাপ্তম ৫০ জন বালক উপস্থিত ছিল, জিজারা बावा कंत्रकंक बहेतात्र त्य भटनाभेगटक कटनक দ্বাত্র পড়িতে আইনে নাই। হাত্রগণের স্থুলীলভা ও যিলোৎসাহিতাৰ কথা কি কৃষ্টিৰ, শুনিয়া हमरकुछ रहेशाय (व शक हर्किएक महिल्लाट-इ বপ্তপ্রার্থী শ্রাহ্র সম্পাদক মহাশয় এই বিদ্যা मनिद्द वर्णिकशभटक ही जाव कमा क्यूर्याप कताश हेराता नकटन महानत्र्यम महेता २० जिका क्षमाम कतिबादह। शार्ठकदर्ग श्वनिद्वा वाक्टियन । '' सिवितीश्व स्थानात्र मर्था चर्मकक्षी विमा तप्र मश्याणिक जारम अवर फलक्रान करमका-(नक वात्रक व्यथावन कविद्याहरू, किन्न भक्रव-তার স্বুলের ছাত্রগণ বেষন জ্পীল ও শাস্ত अम्ब जात काषात्रव नाहे। । काहा स्ट्रेटिंड विद्वेद्वा करून।

> আপনার একাত বস্ত্রন। क्षकरणका मिनानी " 🗐 ता, मा,

भागावत जीयुक (मामध्यकां माणांपक महालग्न मगीरभष्

अ.देगरा शिट्यलगमितर-

धहे कृतिहा, (वनग्रक्ता, मानिद्रभीता, নবলাঃ শিবুলিয়া মাৰক পঞ্চ পত্ৰী সূস্টিত আমধানি অস্তান এক জোৰ দীৰ্ঘ, স্বান কৈ এক क्रान्य अवस्य अवस्य कृतिहात सूत्रिविद्यात साहिय श्रान बनिष्ठा यह कुनीन मझुन। श्रेर्ट्स अवारन कि कामी क्रमीय विक्शिक, कि धर्मी शाक, किन क हुच्नादी, वि समाभन्न किनुन्दे सक्ष्म हिन वा। कि इ अवादन शुरक्तिक नकन केनिहरे मण्यूनी बांबर्क बांकि कि किमिनिहराव नका इ इडलूमी बांब क्षकाव बहेबा शक्तिहाटकः। क्ष्याम्बर्धानात सन्। विकि बेडेन् क्षिकि क्ष्यानी कविटनर चाटजर (व्यक्तिमा बाकिटन र नेकाद कवित, त्यक्ति बेटकेट देव व्यक्तिपत्तव अंकेरी केनाव रव । क्षमानात्वत है। वह सम्मान समाना । जारादम भूकारियों मरकाश मामूलि २० । १० में विका जुमक के लिहे (चांका के कांचकराकांक रक्षाकारत न विश्वत स्वयान व्यवस्थातम् तन्त्रात् वात् कर्

क्रेमा रहेका गर्दक र स्थ्यम-आसिट्गालांक फेला गिनिव बार्ड अङ्ग्री वास्त्रिक शूक्टा-निवृति-ब्रीत अक्षेत्र दीनगींची गठा ब्रह्म, मदनाव अक्ष्रि नांगणा गार्च क्यंकित सन् बांदक, ख्याताहे वान भागाविकाल, अना क्लानाधिक वृद्धवार्खेनी, कॅममरशासकारम निरंत्रण व कानि ३६ हे एकबार मण्डातम् अस्य महीत्तम् वा वार्यम् वस् अवारत कविक क्रमांभव जिल्ला संस्कृत वर् कान महर । मिटन्सका स्थाधनि स्टेट्ड वर हवेगा व्यविक परिक परिकार करणाटका सम देवेटकटक माज्ञान अन्तरक क्रिकारना भीते अर्थ कारमन दर्ग कि मना वर्षेटव काविया किय के हिएक भारिएकि मी। अधिक प्रमिश्रद्भे मूच-दर्श्वेष्ठेगके गात्र, कारका क्या कृतिहा कर्क्य आता केवाम । बीहारा कुछ विशे वर्षेश चेष्ठिरेश्वेन केशिश अस अस नाम कर्ष भारेश आम. सामिश्ना अव्यक्ति देश रहा कृतिया राहनेत्रा अक्षेत्रात क्षेत्रक श्रंत अववान-क्या बाद थ जी क्या मार्च मेनानक्या नाम ध्वर वसता निवामी शांकादही पत्री अक्षाचन किट्रांस, सत्यर कारायक देशहरू महनारयांकी ब्रह्मक स्मिद्धक्रि ना । किहू विम शूर्व हुदेवबागंद्रः माळपश्चित्राद्वत क्लिन नवाभीन वाकि जननार्य जानवर क्रिया अरे वाटका ब्रह्मभाग्रं मश्राम् ब्रह्मा गण्य । ब्राब्भा नियां व विषय देश वैद्यक्तिया प्रकाशीयमं का कृतिया तारम्य । प्रारंश्य कृता कृतिक कि कृत्रिव यथम (मात्रीच्यम् किकिक् भटन) भाक्तिभूत्रम माराम गांदशामाः चूक्दीमी हेर्द्धात्रः रहावा मुहाक चन कर्चन बानदम है। मा कर्किंग् । अर्थ मुरुबाद उफी रहेरान जन्म काञ्चिमाम स्वतंत्राहेष काळकः अक्षाह फोल 'क्लोम'इ स्हैरवर् क्लाम्बर्क महोसङ्ग ल्टिय[े] (मिष किष्ट्**रे प्**रेशक्टिम 'मा । ভাষাৰ পরেও এক বাব কেখান্যায় তেল্টা मा अटके कि एक वर्ष अविद्यानक शाम बद्धानक देखा विषयक बायकात विश्विक अंबादत चालिहा-हिटलन, किन्न देस कार्य के किन्न के मा अटक के जेबानकात करिकारम त्मादकर जबन हीन, चाहारू कालात क्यावरत मरामात्री शतन बार्छ। उ इंकिंग बार्श नियास खुरमा हरेगा शक्तिहार्देश अहें अव्यानानिगर्देश कि (कहरे प्रश क्षिएयम नी, कि क्रीशिश्वनन, कि फैक ब्रॉक्स नि THE ASSESSMENT OF THE PROPERTY OF

高年1

मानावन अपूर्ण द्वानिकानान जन्मातन THE PERSON AS IN THE PE

'वार ७ । s. स्थित प्रदेश श्रीमच (हैंगेक स्टेटक र इर्डे गारेन शुक्ष श्रीविज्ञाति अने क्या क्षामा नगागद्वत वानिटक अवस्थित्व । स्थानावेकी व्येत निपादक । जाकारे क्षाव करेंग्रे हे भन्न देशांक करि विश्व राज्य महिला खालक्ति वाहित्य देने क्षिक वृष्ट्र। 🌃

श्वमणः क्षामानाः क्षाप्तं निग्रहार गुक कतिया परत व्यक्ति करता अवस्थित व्यक्ति। জীলোক নৰ্শায় পদায়ৰ খনে, জৈয় ভাষাইত भग एरपायीरक ७ भगास्य कंत्रिएक (मिन्ना) कमा वानि वाहा व कटक के महीदन आवाल केटर 🚉 भागता करत्रकी रेख केला महासंबद्ध क्रिक्टिश महत्व क्षित्रोवि, योगिटन क्षेत्रक हेरोत् स्ट्रेटक हैं **जिन्दिन्तन नवन ১०,००० वर्ग स्थापन विका** महेश निश्रारक। किश्व चेदलानिश्व बाम्रीटल बर्फ । ছট্ডিশ হাজার টাকা ছিল, টের বা পাওরীভেই नवृष्टेक ३०.००० वय राजात होको सहया सिन्हे राटका प्रयामी किह त्यात्र मा क्रांटक त्या जाकार जन्म जाकारक जाबाज क्रिकारक हैशाएँ व ब्बार रहा काराज कान माजे से किए ज महारा हिंगा, मह्या जाकारेकर्गन स्करण यात्र स्वाक्त्रप्रकल स्ट्रेग्राहे बाब अवस्थ क्षेत्रकांत्र कार्यात श्रीक पनि दक्ष वाचिक्त वो सामाहेल करन एक फाराडी कार्यं वास्ति बाक्षेत्रं सहित्य ? शुनिन ब्यांच्यंकृदिन बेन्द्रत्न बाहेशा दक्षान मार्ज मान्त्र **.७ क्यार गरेवा जानिवादकत कि कटकर बना** ৰাজ না চুট্ট বালের বর্তমান পুলিম কর্মচাধিগণ व बाकान कक देशाएक (यान हम सा त्व का काहर जन पुष्ठ स्ट्रेट्य । यांचा रहा नग्ड**ं: आ**आदिय ।

व्यानमात्र २४ अ (गीरवह त्रीव्यकारन " विवि गश्वान में कलाइन अंक मृद्रिम सिविछ चारिक एवं छाजनशङ् चार्य तुष्ण काठी व्हेत्राहरू क्लिया जनाकेंग्रेव शाहकीय ब्रेयुट्ट । किस व्यायाधिरतत विक्रीनिशिशांत काबाह्यर्थत यह **ভবিণরীত। এখানকার ভারাদের-মত বুকারি** कंगिरनहे ज़ान सुम रहेरव, किंग्र करन सम्बर्भ বিপরীত। পুর্বের আবের বানের অর্থেক গোলে ব্যারাথের সবস্থ অতীত ক্ইয়াকে, ভাবিত্রা জানরা मिक्तिक स्रेकाम, किंख हकामि कांग्रा या बन्ना एक नस्रोत वरनसरे चन हरेशा बादक। अकटन चाव सिक्राणिक नवत्र गाँदै।

Finty ! २ वा बाब ।

वजवम । क्रियामस्य मान।

४२१७ मॉर्ग (

মান্বর জীযুক্ত সোমপ্রকাল সম্পাদক মহালয় সমীপের।

(শুক প্ৰি ক্লে আৰু চুঃৰ প্ৰকাৰ) (क् क्रांक्स वर्ग निक्रवताति काच नाचि । न्छभित्त कि भावन। कविष्ट् अकांकी ? श्रक्ति त स्थ किरह सरस रहामात কারতেছে, উদিত ধ্ইয়া, তিব্নীর ? मुद्रम भवम निरंह कशिएएक कारण, मात्र (याज वगासत आमान केनारन ? সাধিছে ভগাল শাখা ভাছে কি বসিতে ১ क्रुशांत्र महाभ क्या खक्त किएक ? শক্তেছে কি মনে দাধাস্থাত পরিবাব। काई प्राप्त नगरनरण वरह भीत थाव ? अकृष्टित होक्ष्या कति प्रवस्त, কত ক্লখ সঞ্জো । করিতে অনুক্রণ। (रह्% पारीन छाटन नाराज माराज, शंगाहेट वनश्मी ननिष् भागतः। क्कू संत्रभीत क्कू फिमीत नीत, ু ছুব্দার ভোষার প্রাণ করিত ছুব্রির। क्षिए क्षरे (थला खार्मीन गरन, कारह कारह मूर्त्र भूरच नग्रत नग्रतः। ें देखि (सहस्र देश्टन प्रवस्तानीत) ু 'দাইতে হে কডরুপে প্রশংসা ,বিধিব ! ्कंब्रह्म कार्य गाव गकाणिक हरा. क्षिक भाकित तथा फरूत जाजात. বলি শাৰে ছুবি ডাকে গুনাইতে দীত, क्य दिएंड कांत्र मत्न व्यवस्था श्रीक ংগ খালিডে প্রতি খালি খানিত বধরু ৷ क्टेड (में कान्द्रमुख जग्रुख वर्षन, স্বাচ্ছু জোনার অব্যান শতাননে,-विगरिक क्षम्बर म क्ष्यद्वत्र मनः। मिनाकाद्रम वमक्ती शनाख हरेगां, তানিভ্নে তব গীত মনোনিবেশিয়া। ' বিষ্কীর সুষ্কবে কর্ম করিয়া অপণ, করিছেহে ক্তরত প্রথ আগানন। विभारत देवान कृषा, जानत्य विधित, ্মানিক-ক্ষম হয়ে ললিভ গাইডেৰ এত্ন পূর্বের ত্রখ হাবরে ভোমার, ্ঞান করিছে কিছে যাতনা অপার। 🐃 🕞 কি আশালারা স্তুতের মিলনে। वृक्तिक (१ शुमद्राप्त स्थ निर्धांगरम ? ্ৰাৰ্থির শিক্ষয়ে আহ, গোনার বাইডে নিয়েহে গানীয় তব, খাদ্য চারি ভিতে, क्षि जादर प्रथ किहू बादर कि छातात ? क्षेत्रहे किंदू बार्रेशीलताह (र गाहा

বেঁ গৈছে তোষার পদ দাগৰু শৃথিল, द्वा थानः द्वाफ्य प्रशास्त्र जन, বাহির হটতে নাব বিশ্বর স্ইতে, ৰভেগে নিয়ত ছোমা বন্ধনে কাঁদিতে। সত্যাদে এছাখ যদি হয়েছে জোমার, তবে ত নিশ্চয় তুমি বাশ্বৰ আমারণ এখন ভামার হংখ ভোমার বৃত্তিব, (र भावि । नित्रता पूरे जशाब सँगविद। रुएक्र १६ क्रुमि (यह इश्टबंब व्यदीन, -खनिएडिइ जानिक त्र इ रथ दिन दिन्। অধীনতা নিগড়েতে বে থেছে চর্ন > ভোষাৰ ঘডন করি পিঞ্চার রোদন। ' क्विरह मरनव खोला बरमएक 'स्मिलन वादा पृर्टना त्नारक वर्त सूची अहे स्वत । অন্তর জনধে কেছ দৃষ্টি নাছি রাখে, कारन मिहे यम नम मित एक बारक। बुशिवा जीवनवृति काच कावांतारत, অস্তরিত হবে, সগ করি অককাবে। (भद्रकाम गरा राम) ना सानि छथन, **ग'हेए**ड किन्नम मास्त्रिकविद शब्द । বিশ্বাধিপতির করি নিয়ম লঞ্চন > ক্ৰিয়াছি কভ পাপ স্মন্ত্ৰিৰ বৰ্তন, তথ্য কিব্লগখন হবে উল্লেখ্য, कावित्रा (कथिएन वृद्ध क्षत्र कांग्रज़ । ক্তকালে বন্ধম সুচিবে আমানের: করিছে কি চিন্তা, পাবি। পার নেকালের? বোধ হয় পায় না, কার্ন এই উরি, পাখিহে আমার মড অবস্থা ছোমার। बार्टना अवात जोत्र इंग्वं जोत्र नहि, দীননাথ ! তবপৰে এই জিলা চাই, বহালি আবার ভবে হয় জনমিতে, मात्रव भृष्यम (यन मा इत शहिएक। क्माहित्र।

त्रा थावि।

अनुक चानु न सक्नान वर्षे नार्वश्रक १ १००१ काल्याति क्रेट क्र न नवं क १ १ व्यासन्त्राति क्रेट क्र न नवं क १ व्यासन्त्राति क्रेट १८ वर्षे १० वर्षे वर्षे १० वर्षे वर्षे १० वर्षे १० वर्षे १० वर्षे १० वर्षे व

- » » प्रदेश्माची महामान अवामी जूने ।
- » » शासनमाथ (श्रीभूती देशानुव

নোমপ্রকাশসংক্রীর ব্যৱক্ষী , বিশেষ নিয়ম।

অধিন মূল্য ও ডাক মানুদারা পাইলে মক-ঘলে সোমপ্রকশি প্রেরণ করা বাস্ত্র না।

देशत खेळिय चूंगा कार्तिक १० अवर कानानिक था। केका, सक्चरन फाक्काक्कम नरमक् वार्तिक १७, यानानिक १ अवर देशवानिक ७४०, दिन मांस्तित छारन खेळाय स्नार मध्या यात्र मा। इति, बन्नाफ विति, यनिकार म, स्नाक, क्ष क्षेण्य पिकिन, देशत जनाफत्त यात्राफ काला छात्रमा कन्न, फिनि राई छेगान्न बाना स्नार स्टान्न कन्नि रन्न।

বাঁধারা ষ্টাশ্লাটাকিট পঠিটেবেন, গ্রা-বারা বেন এক অধ্বা আধ আনার অধিক গুলোর ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মক্ত্রন হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা বেন দেক্তিস্তরি করিছ। জীবুক্ত ভারকানাথ বিদ্যাসূত্রণের নামে পাঠাইলা ধেন।

শাহাণিগের ঘূল্য দিবার সমস্ত্র অতীত দইয়া আসিবে, এক মাস পুর্বের উচ্চালিগকে চিঠি লিখিয়া আনান বাইবে, কাল অতীত ইইয়া লেক্ষণ একবার চিঠি লেখা হইবে, তাহার পর এক মাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া আগ্রন্ত বন্ধ কর। বাইবে। লেব বারের পত্র বেয়ারিও পাঠান হইবে।

ধাতনা রেলওরের গোরাপুর টেসনের ডাক বারে চিটি অবিলৈ আলরা শীল পাইব।

्र वहाराजा बोक्ट्स वा विद्या माजानि त्यातन कति त्यान, बीक्षविद्यम् (त्यारे माजाति व्यक्त कता मारेद्रव वा ।

কেই সোমপ্রকালে বিজ্ঞান্ত বিতে ইকা করিলে জাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রজিনথকা ১০ আনা ভাষ্টা পদ ১০ সাসা বিতে ইইবেন বিনি অধিকভাল বিজ্ঞাপন বিশ্বাস্থ ইক্ষা করিবেন বাহার স্থিত অভন্ত মলোমত মইবেন

বাল এই গাঁও কলিকাকার বিশ্বন প্রশাসকার ক্ষেত্রতার কোনালার কেবনের নাজিক চাল ক নাজার জীয়ক বারকানার বিদ্যাভূতকের জীয়েত একি টোকালে প্রাক্তবালে প্রকাশিক

১ ম ভাগ ;

५२ मध्या

" प्रवर्णतां प्रक्रितिचराय पार्थिवः सर्खिनी श्रीतसद्देशी न दीयतां

मानिक मूना ३ होका, पाखिम दार्विक ३० ष्ट्रीका व्यक्षित्र वाशानिक वा प्राका।

স্ম ১২৭৩। ২৩ এ মাম। ১৮৬৭। ৪ ঠা কেব্ৰুয়ারি

মক্ষলে, ক্লকুলসমেত অপ্ৰিয় বাৰ্ষিক ১৩ টাকা বাৰ্ণাসিক ৭, ও ব্ৰৈমাসিক ৩৬০

विक्रांशन।

নীডি পাঠ প্ৰথম ভাগ ও বৰ্ডম'ন বদক্ষেশ নামক অভিনৰ পদা এছ ৰয় মুদ্রিত হইয়া পটল **जाकाक क्रीरशःविक्काल (घारिक ३३ मर भूख** कामद्र विक्रयार्थ क्वाणिड चार्ड। ध्रथम चानित মূল্য 🖋 আনা, দ্বিতীয় : ত আনা বার :

श्चिमानवहन्त्र वस्त्र ई

Бअविनाग नाष्ट्रक । ब्रीक्षिम्यम व्यविताती थ्रांनी छ। এই অভিনব এছ প্রকাশিত হইয়া কলিকাণ্ডা ব্ৰাক্ষসমাজে ও সংখ্ ত গুৰুকালয়ে ও পটগড়া भाव गमछ शृङ्कामस्य विक्यार्थ भारत भूगः

१ मिर्च १

अवुक वामकमन विमानकात शनीज 'প্ৰস্কৃতিবাদ ৯ নামে একথানি অভিধান সংপ্ৰতি बुक्तिक रहेवा मर्क्क वद्यानस्व भूतकागस्य ख माधाविष्ठीला माधन छत्रातात अबुक्त राष्ट्रवामान माहीरतत कृतन विकासार्थ छ-खड़ wits। इंशांड शांत्र श्राफाक नास्त्र कृष-र्देशारक ।

মূল্য ৫ পাচ টাকামাক্ত '

নিদৰ্শৰ পত্ৰ ব্লেঞ্জিৰি দম্পৰীয় विकाशनान्त्र ।

স্থাবর সম্পতিতে বহাসুসন্ধানের কার্য্য क्रुविश क्यूनोकियास मकत (त्रिकेति कोर्या कांत्रकटक अहे कारतम कहा त्यात, त्यान वास्ति (बिक्किक् क्रिकार क्रमा मिन्समण्ड উপস্থिত क्रिक्रिक साई मन्नावित विवटत देखिशूर्स स्थ शत अक्रिकेनि व्हेशास स्मि जीवान आर्थनाक मश्याम मिर्क निहंक कर केन्द्रिक निहन्ति भरकत । बहुकाबी बाह्म मन ১०५३ मारमह बर्द्धा ६ दकी । हाबादबह कानीम विरुक्त स्ट्रेस । एवल कामीम

श्रांके निभी मामकींत्र दुर्लाखन व एडिशन आर्थक के मक मन्नामी वारत हम ,२१६ मारनद লেখ। যায়, উজ্জ কাৰ্যকোৰক ভাষতে ঐ সংবাদত দিখিবেন। ভাষা লিখিবার কোন ধরচ ला गिर्द मा। क्यि श्रद्धावनीय वृज्या निकित् । क्रांकाय महाग्रु थाकिन अवर वकामा शामना गए वानियात क्या कर्ष्यान्त्र क्षार्थमा हरेल ्राष्ट्रे व्यवस्थात्र सत्र विष्ठ हरित।

है वि हरेवात अवा छिपश्चि करा (शाम छिवरातर , छाशास्थ सराम छक्रकत निवाभणा अच चारका े शूर्वा तिक्षिष्टेत्रि विवत्रक तरवाम कामा बांहेत्व, जानाची हैत है कि कि कि गाँव हैशव मतकाल क्रकतां देशांट काविकारन करनक विमय । स्मान विमाशका जीएक कारनहें नारहर धर्न · সম্পেষ্ नियात्र व वेदेव । अहें कांत्रर्व अर्फादवर्त । कांत्रर्थन । प्रविधानिक विकास विकास विकास विकास विकास गर्मगांवात्रव्य गर्याप्रिकार क्षार्यमा स्टेटकदर

থাতিনিধি ধ্রেজিষ্টার-জেনরল।

কিসমত পরগ্রে বৈদপুর ওগছরহ মহাল ওকক हाविकानित अकर्मक श्रृतात् मरहचत्रशाना याहा (समा घटनाइदात आकृत कारमहेद मारहरवत उद्यादशास्त्र चारम चारम किक भवगना व्यविद्व (बार्ड इ जारम्भानुकारी जानामी ३४७१ मारतन) वा अरक्षक छातिच हहेरछ २० वश्मक (मधारम इब्राजा बस्मावन्त स्ट्रिव।

२। यनिन विम्हाकार्किता उभावाक भवग-শক্তি অধীৰ বাতু প্ৰভাৱ নমানাদির উলেধ করা বার অন্তর্গত কিন্তু বিলের জনী পতিত উলেবে यत्मावल रहेवा थाकुक किया ता जनवार रहेक इस्रातात विश्वित थाकित उस्क विन अविश्व कारमञ्जू मारहरवर चाममध्रम शक्रित।

> (स क्षुत्रित विकाशन (मख्या पान:करंग) खाबाब या विक बाक्य न १२३८। / ८ छान्। १४४ ४% भारमञ् ७३' १ अरक्षम् भर्गासत्र ग्रेक्ट्रनवास वाकि 363316) होका उन्नर्भ अभिकारम हाका शरि (महम काश्रास बहेगारह । ३५-४० । ३) ज मार्क পৰাস্ত যে বাজি বাকে তাৰা ভালায় ক্যার क्ष्मका हेक्स्मीनारतत् अखि लिख्या धाहेरव हैका-ताबाह क्यों शिक्त कार्क्त कि वेख २६ में का

मामा काल्बहेरिएक मासिन कविएक वांश स्टेरन। बाताब महस्य माकूमा काम हेडामि फेक रेट প্রয়ে, ক সম ইজাবার হাস খাজনার অতিরিক্ত णिएक हरेरव । (व कृति देखाना स्वत्रा वाहेरव अहे श्रेकात कार्यः बहेरम काब भाव दिन कार्यात मेंगाना महत्त्वा शतिकातकार निर्मिक छ इंग्ह्रूक ३३:वन कहा न्यष्टेक्टल मत्रबाटल

> ৪। দর্ধাক্তের কেন্দ্রকার উপবিভাগে (शत्रशात मार्थ्ययशास्त्र हेकाता स्वरकत पत-था छ) नि थिए इहेग्रा ना महत नि विमा काल है व নাছেবের সমীপে অর্পণ ও গ্রেরণ করিতে হইবে। क्षे मकत पत्रबाख । मा बार्क डाहित्ब खीतुक कात्नहेर बारहर बाहनि क्रिया हैनातानाव विश्व कावावन। (कांन कातन नामभीहेता अध्यक्त कातन ট্র সাহের স্বীয় অভিপ্রার মতে যে কোন দর-थान्त इंडेक अज्ञादा कविष्ठ म्लूर्व कवरात থানিলেন। প্রস্তাবিত ভূমি সবকে সমুদার সবাদ ग्रामाहरूर कार्भकेति इकेर्ड किशा भूगनियाप মংকুমা হ'টতে ৪ মাইল ব্যবধান দৌলতপুরস্থ শ্রীণৃক্ত বাবু ক্ষেত্রগোপাল বন্দের্গপাধ্যায় মেনা-জবেব নিকট হইতে অথবা খুলনিযার ডেপুটী कारमञ्ज क्रीहरू याच्या अन्तर्भ (मरमन विकर्ष) श्हेर्ड आक्ष र द्या गाहेरक भावित । हेकानामा-রের যে করুবাড়ী দিড়ে হইবে তাহার প্রতিবিধি উপৰে বিধিত তিন স্বামেই দুই করা ৰাই'ছ भाजित। इंहा बना अखितिष्ट , ब श्रास्ट क वास्टि ক্রুলভির লিখিত এবং জত্র বিজ্ঞাপন পত্রের नव्रष्ठ कामरम कानिएक रहेर्द ।

६। देखांबाच वार्षिक चास्रवात (प्रकराव देखा-

निष्ठ देखाद्रानाव देख्य र स्त्रुव छविछादिछ । न्मद्रेव्राम महथाद्य निर्थन।

> (क, बन् रवा ए, कि मर्वहिंदकार्त्तकेत गः भी हत ।

কিন্ত্ত প্রগতে গৈলপুর ওগ্যুত্ত সহলে ওক্ক চাৰিজানিৰ এন্তৰ্গত প্ৰগাৰে থালিবপুৰ ৰাজা टक्का परमाद्भाव के पुत्र नात्वहेतू भारहारेव ভত্তাৰণাৰ:, খাদে ড'ছে টিঞ পরগণা বেবিনিট বেডের আনেশান্তভাগ্নী আগামী ১৮৬৭ সংলেব) ना अध्यम ए। दश श्रीक २० वर्गत्र (अग्राटन इंजादा व्यान्य इक्ट्रेन

 श्वित वा देशाबाद शांत्रवश्व छ लाई-की ह धनरशहरी छ दिन भारता उपरवाक পাৰমার অহণত কিন্তু পভূমী ৰংশাবন্তী উক্ত वाहे बंद ও वितान अभी পडिए ऐसिए रामा-व छ ब्हेग्रा थाकूक किया य जाबहाई ब्हेक हेछा-রার বহির্গত থাকিবে উদ্ধা বিল ও পাবনী দুট बहान बी । अ कारनहेत्र मारहरवत्र चामन्दरन थाकित् ।

७। (६ फुनिय हेक'व'त विकाशन अध्या याहे (खर्ड खोश्य योर्बिक क्षां छन्। ३० ३ ६० de ी कि।। about गांत्रत or a दाधन भर्य खत्र ऐसन बारम बांकि ১०४४॥२ होका जबर्या अधिकार्य काका পविर्वाय कामाध स्टेग्नारक। १४७० मारलव ७) अ मार्क न्यं,ख (य वाकि शादक छाहा अ,मात्र थाईद्व। इंकाक्षानात भाग वादित शर्कक कि अक र होका महक्षांत्रि योज मन ३० न ह मार्नय शांश ख बकी कार्ड क खे भड़ जवधःभी व.रम मन ३२१६ भारतत्र बर्धा क'लिकैब्रिट्ड प्रारित क्षिट्रंड दोधा श्हेर्य। जानात्र महत्यः माकना व, व क्षणामि छेछा २६ ठीकात सर्भाष्ट शक्ति। अवः वक्षां भाजना अ.ए.क मन देखातात इ'ल भाज-मात्र अधितिक निष्ठ हरेता । य जात्र देखाता শেওয়া ৰাইনে তাহার সীমানা সরহত্ব পরিভার ऋष्य बिक्टि ও ভাষতে মধান эক্ষের নিরা-পতা সৰু আছে। আগামী ১৫ ই ফেব্ৰয়াবি श्ये । देशायात मत्रथाल त्यामा यःनाव्यक्त **बीवुक्त कारल हे**त्र गार्ट्स अस्य कव्टित्न। मत्रशास कांति य वाधिक क्रमा निएछ हेक क हरेरवन छाहा न्शहेब्राम प्रशास्य (लाएन।

्यार्थ श्रीनिवभूतत्र देकावा नवरकत्र प्रवर्ग) । हेन्सू क फाएस्स । . निधिक स्टेश ना मस्त्र काल्या कारणकेत शरह-

नकन प्रवास । मा मार्क जातिर श्रीहरू कात छैत गार्टिय बाइनि कहिन्न। देखानामात्र श्वित कहिन वन। (काम कात्रन मा प्रणाईश्वा औप्रक् कारणहेंद्र সাংহৰ খীয় অভিপ্ৰায় মতে যে কোন দরখাস্ত र्फेक् अक्षांश विशिष्ठ मन्त्री क्षत्रदास चाकि-শেন। প্ৰস্তাবিত ভূমি সৰক্ষে সমুদায় সহাদ বলো स्टबर कारमहिति स्टेटफ किया भूमनियात मस्कूमा क्ट्रेटल ३ महिन यायधान मिनलभूत्य क्रिनुस वानु (कञ्चाभाग राम्माभाषाच (बनाकरत्व निक्रे रहेरछ अथवा भूमनिहात राजुनि कारमहेव भीराक वार् उक्समाथ मित्रव निकृष्ट इहेएल आक्ष रक्षा सहेर्ड शाहित्व। हेब्बाहानात्वत त क्वू-ल-की किएक बहेरन खाकात श्राविकाली छेलारवत লিখিত তিন স্থানেই দৃষ্ট কৰা ঘাইতে গারিবে। हेश वना कांछ विक स श्राएक बारिक कबून-তীৰ লিখিত এবং জত্ৰ বিফাপন পত্ৰের সংভ जागत जानिए श्हेरव।

৫। ইভারার বাৎসরিক খাতনার মেকদার इंप्राचीनार्वत अभिन निष्ड क्रेंट्र । तक्रम জানিন দিজে ইঞ্জাবাদাৰ ইক্ষ হয়েন ভবিন্ধা-ति उ म्महेब्राम मत्रबारण निर्धम।

> त्म, मन द्वा पाकिशिद्धिः काटनहेत मदनांदम ।

ভাৰতবৰ্ষেৰ বিবয়ন।

ভাৰতবৰ্ষের বিবৰণ ভৃতীয়বায় মুদ্রিত হুই कहितात क्यां हेकावानाराव श्रांड (मखद्रा हार्ड। अवारत यस्य उरक्षे रहेरक भारत তাহার চেষ্টা কল গিয়াছে। কলিকাতার সকল शुक्रकान(यह भारता बांद्र ।

क्षिमां माष्ट्रपन मन्द्री।

ভূগোল পরিচয়

উৎকৃত প্ৰণালীতে সাগরাদির চিত্র সৰ্লিত্ব अन्यानि श्रम कृत्रान मुख्य स्हेश्राह । तर-क्ष क यद्यव भुष्यकानास्य आख्या। भूता ४) • मम भग्ना।

विनिम्हरन निर्मा

पूर्णेन भारतम्बद्ध हिंख त्थला कतियात निधित कानामी ১৮৬१ जरमत) मा এপ্রেল रहेए अन्तर करना का व मार्क भवा क ৪। পরখাজের বেকাফার উপনিতালে (পব । বংরধ মিরামে সাঞ্জা দিতে নিম্ন আক্রকারী

হতি মরিবার নিমিত বড কুন কি নিযুক্ত করুগ विश्व अभीरथ अर्थन छ 'टा:श कतिए वहेरव। छ । याहेरव, छ। हाव कि कून्कि श्रांत र होता हार्ड ।

माञ्च मिरा इहेरव, मृष्ठ इष्टि प्रवत अब कड़ियात अधिकात क्षत्रक शवर्गस्त्रकेत वाकि-वका श्रेन दिन के अन्य क्रिए के के का स्केत गांवातन वाक्तिमन कन्न कतिमा नहें एक भानिता।

অম্যান্য আছ্লাক বিষয়ে নিয় স্থাকঃ কারীর নিকট অরং উপস্থিত হইরা কি পঞ্জ যদ্বি। विकाम क्रिएन जामा बाहरण भातिरवः।

एप्रेजे कविनवदी जाकिन क्षितक (क. जक्र. ३२ हे जिटनबर्त । ३४-७७।) ए भूजी क्षिण्यक

১৮৬৮ অस्ति हर्डेनिकार्निष्ठे वर्षे । महाराज्य प्रसर शामाज गमाजूरोण, बाजू, श्राप्त, मधान, কারক ও ব্যাখ্যা সহলিত অথ পুত্তক (কী) मुक्तिक बृहेयः क्याँ क्याँ क्षकानिक ब्हैरकटह । व्यां क क्यांत्र मृता / - अक कामा । वारा वक् मश्नाद्यका भवेलाखांका स्त्रामकी वित्र प्रक्रिन " (हे. निश् इमिकि हे कि तन न नामक विकासित छ व क्तिरम शाहरका

> क्षीतावनक्षय मन्ता। गारेकनाका शवर्वस्थले देश्त्राकी मध्य छ বিশ্যালয়ের প্রধান প্রতিত।

क्ला मिनाकणूरवृद्ध काटनहेवित खोलिन ने १ ३७ (क्रमा व्युपात हिमन मालवासाहित चरीम नाडे काष्ट्रभूत बाहात मनत बना ७६৮ 2/33 附後 1

निम्न चाक्त्रकातीत छेङ समीनावी वर्रमान বৰ্ষের বিগত পৌধ কিন্তির ২০৬০ টাকা আন छजाती बाकीत निमिट्ड आक्रिंट व हे कान छन नीमाम स्टाबत विकालन चल्हांत्रके कारणा প্রকাশ হইবেক, ড'হা অবিধিত নয়ে, কিঙ্ক পশ্চাৎ লিখিড ক্ষেড় বিষয় উলিখিড বিস্লা পৰে অপ্ৰকাশ থাকিবেক, এপ্ৰযুক্ত বৰ্ণনা করি द्विष्ठि, बर्गती १७ क्वेब्रायु, स्वाडे ३४ श्रकाङ् ष्ट्रवित नश्बंश अवश् झामनी निहोच, विकीह अहे ভারতবর্ষ বংগ উক্ষ বহাল ভিত্র স্বার কোন্ कारन गीवा फैरनव स्व मान अफिन रेकु रहिना नितिमा देखानि नानाविवे मध्ये स्वेतक स्था किश्मात रह जारे। वंदिन कहानको क महस्त्रकाराय, जान गडार्य विकाशन सकान चंदा लंग

(सनाः विवासमूत् क्षिणकंष्ट्रात्मव वं। 7 - \$ 414 | 243 mg

১৮৯৭ অজের ১ লা এজেল হইবে ১৮৯৮
কালের ০১ এ মার্চ পর্য ও চন্দ্রনাত " মান্তুল্লাক
ভারিও ডিলো " কার্থানাতে করারমত সামান ।
রাধ্য সকল যোগাইবাব প্রাপনা দিল মোলন ক
ভিরা-আগামী ৯ ই মার্চের মধ্যে সাঠাইলে দমচন্দ্রার " মান্তুলাকচ্বিও ডিলোর " অধ্যক্ষ ক্রি
সারী অব অভানত্যের গ্রাহ্য হইবে!

सन्धारक शिक्का, गवर्गमारके सम्बद्धा-स्मारत शकार केशांतिय शिक्सांतित होन दिस्त, राम श्रीतिमा (श्रीत केशिए हरेंदि अवर करीत गरित स्मारत, याशे श्रीवीत श्रीत स्मारत कारित १ अक मेको स्टूलात होला वमारेता पाकत ७ स्मारत करिता निट्छ हरेंदि— यह नमन विवत त्रीवात अनर श्रीह श्रीक श्रेटकाक निम " मानुसाय जिल्ला हिएला में कात्रशांता स्मार्गमार निम

প্রাণনা সকল ছইখান করিয়া এবং ইংগ্রা জীতে কলিতে হইবে। বে প্রকার স্থবা বোগান হইবে তাহার প্রত্যেকের মূল্য অক্ষর ও অ্যুপাত খারা লিখিতে হইবে।

देन रण्णेडेड क्यांतम जब कह नाज आर्थ-मा बारा जयवा जडारा करिए शाहिरका। कछि गामाना क्यांना जयवा क्यांचा विराम वर्षमांत मरिक क्यांचा मारेट्रिक, जयवा क्यांचा नाज कि व सरवाद मुगा जाकाकिक जविक वाथ रहेरव कार्याक किमि जडारा करिए शाहि वान । क्यांचाडा मरिक चीकु क वस्ता मुगाप्त गारत कक करा २॥० ठाका विश्विक, जिएक रहेरव, करावश्वा क्यांचा क्यांचा जडारा रहेरव में किश्विक क्यांचा क्यांचा जडारा

১৮৬৭ অন্বের ১১ ই বার্চ বধ্যাকে নাপ্কা-কটরিও ডিপো আফিসে কনিযারী অব আড-নাক প্রার্থনা গ্রহণ করিছে আর্ভ করিবেন। প্রার্থী ব্যক্তিরা উপজ্জি বুইতে আর্ড ক্ই-ভেজেন।

মাসুকাক চরিও ডিপো আর, এফ,' বুইদ আফিদ্ দ্বাসা লেন্টনত ক্রিগারী ২৫ আয়ুয়ারি ১৮৬৭ সন্ অভিনাস।

-१०१-विक्थानसम्बद्ध स्ति ३८ वदत्र वाहीटण मध्य-नीक क सथ्यक्षतिक विद्याविक भूणकक्षति विक्षत्र वृहेटकाद--

स्रोके वीजकेकिशन > गाँका (ज्ञांककेकिशक : क्षांकवाक कार्यकान - विकास कार्यकान বীতিসার (২ দ্বাদার) প্রচারিত। মুদ্বোধ ব্যবহুণ

জীয়াবকানাথ শ্ৰা

বালিয়া প্রগণ'ব অন্তর্গত লাই বাট্রা
ভাষাধ পভানী ভাত্তক বিক্রে করিব, ভাত্তাব হস্ত
বুল ২০১৪৮৮৭ টাকা ভ্রাধ্যে ১৪৬৪৮৭ টাকা
রাজস্ব বালে ৫৪৯৬ টাকা মুনকা আছে, এছনে
স্ক্রিম্বরেশ আমার কালীপুরের বালিছে
১৫ ই ফাল্পনের মধ্যে ভন্ত করিলে বিস্তাবিত
কাত হইতে পারিবেন
কালীপুর গলকৌ
ভিনির পুর্ক—

ভিনির স্কিন্ট ভিনি

म्स्र मर्थिता ।

কুর্কংগ্রন্থত দীকা ও বাজালা অনুবাদ সহিত্য, সংখ্ ত কালেজের আ তি পান্তাখাণক জীবুক্ত ভনত চক্ষ নিরোমনি কর্তৃক সংশোধিত। পটোলফাঁলা বিধুখানসামার গলি ১৫ নং লাই-বেরিড়ে বিক্রার্থ খাছে। মূলা ৬ চন্ত টাকা।

वीवध्याथ बार्ष्यकावन ।

तमश्रम कृष्टे। केमान श्राकृत्यक विकाशम

कता बहिएकहा, त्व त्काला बीड्रक्टबत्र व्यक्तिक रक्षित्रभूतात मानाकी दिए मध्याक क्रम्यभूत नावक कम्यात भाग कार्ग निक क्रम्यभूत रविकारिय ३৮७१ माराज ३३ हे बाँठ छात्रिय रविकारिय ३৮७१ मीलाव कता बाँग्रेटव ।

২০ ইঞ্চি বেড়ের পরিমাণের আগ্র্যানিক. ৩০০-জ্রিশ হাজার রুক্ত আছে, এবং অগ্রভাব হইজেছে বে রেলওরে জীপার কি হাল্কা কড়ি আনির কার্য্য ক কার্যে চলিতে পারে।

चित्रगारतम् स्विधा काम विकास कता वार्रत ।
भूषक माठे कतिया काम विकास कता वार्रत ।
सार्काक मार्रेड गर्क ७६० विचा कामन जार्ड,
निमान साम वर्षेवामाळ आर्काक अतिवास्त्रम् कार्राम् व्यक्तिमारतम्
कारका प्रमात जेनत मक्कमा २६ मेडिम होका
सिमार्ड जावामक कतिरक हरेर्ड, जास द्रामान
वाकी काम निमारका कार्रिक हिरेटक अवारमत
सर्वा साविम कतिरम जावामक होका जन

শরিষণার গোলেকে স্পষ্ট বুলিতে ধ্রতি বে নিলাবের ভারিব হুটতে ৬ মানের মধ্যে সমুদার জলন কাটিয়া স্থান,স্তৰ করতে হইবে, ভারা, মা করিলে উজ্জামন্ত্রাল গণে কর্মান্ত যে স্কারীশ থাকিবে, ভারা নাবালকের স্ক্রেট্র বস্থা প্রধা ইইয়া হান নিলাম কইচেড প্রারিবে।

(यस श्राम कृष्ट्री केंभार अ कार्य व अश्रास्त्र अ स्वतः स्वतः, या स्वत्रभारक स्वास्त्रात स्वतः। वाहे-त्याक त्याच स्वत्रप्रदेश केंग्राचा सम्बद्धा स्वाद्ध-स्वत्रक त्याचना कि त्याक कार्यक्र मार्ड्ड स्वत्र त्याचना कि त्याक कार्यक्रिय मार्ड्ड स्वत्र विश्वत्र स्वाक्त्रकारी स्वत्रिय निक्टि

ভেলা হ'বছুন নী উ-ছ । এ ভিটম শিহৰ ৩১ এ শ প্রা'র । মেনেজার ষ্টেট ১৮৬৭। হতমপুর।

সোমপ্রকাশ।

২০ এ মান সোমবার। জয়পুর ধর্মনির্বন্ধ সঞ্চা ।

আমানিগের এক আত্মীয় জনপুরে
গমন করিরাভিনেন, ধর্ম সংক্রণক বিষয়
লইরা তথ্যতা মহারাজের প্রজার সহিত্ত
কে বিবাদ উপাহত হয়, তিনি (আত্মীয়)
তাহার আনুপ্রিক মানতীর র্ডান্ত
অবগত হরা আনিরাজেন, এবং অনুথাহন
পূর্বাক নোমপ্রকালে প্রচারার্থ নিবিয়া
বিরাজেন। পাঠকগন তাহা ভানান্তরে
হর্মন করিবের।

शब्धानि शांठ कतिया आमावित्यरं महान ।
महाराय ७ अमहाराय छण्यरे असिन ।
महाराय कात्र वह, मह्मानी लाह्निया वह मान्या वह मान्या छण्या छण्या छण्या छण्या था वित्र छण्या छण्या छण्या छण्या छण्या अस्त्र छण्या था वित्र छण्या छण्या अस्त्र छण्या अस्त्र छण्या छण्या

শানিয়াছে, তাহা ভ্রম থমাদ প্রিপুরিত **ইইলেও দও দান ছারা রাজার তাহার भः त्ना**धन करे विधा हय ना। त्म চে্টা কংতে গেলে রাজার গোড়ামী ছুইয়া উঠে। রাজার ধর্মাবিখরে গোড়ানী ৰভূ অনধেৰ মূল। যে বে রাজা এরণ क्तियाहिन, ठाँकारा यार व्यविष्ठ हरे ब्राट्डिन, এবং প্রকানিগকে यात পর गाई षाञ्चिक क्षिया जूलिहाट्डन। देविसाम সাথেষণ করিলে ইহার বহুতর প্রামাণিক छेशांच्रव शांख्या यात्र। (राजान कायांजिक क बारिकोले कांश्व वाहेश हे अरवारन कि **पृप्त ७ जनाव कां । ना क्रेबा.** ७ १ वरे विभिन्न विका ित्तर शकाता विकार वर्ष विवरत इंडिक्श करतन ना। यहान चौक्रवन व नियदि डेमागीनवट वावधार संविद्या अधिमधंश स्थाना अध्यक्षिम विद्या निधा हरने। अरे निमित्र छात्र उपयो त भवन दमने क्षाचात्र वर्षा नष्टरश्च दकान कथा कट्टन ना। রাজা বলি এজার ধর্মগত ভ্রমপ্রমাদ र्मश्रमाधन कहिए ज्यान, काश क्रेटलके धाकात्र धराव रखाका कता रहा, च छत्रु-मार्क वस्टात व्यन्धि चारिता छेऽछ। बेर्जाक चांजि ए वर्ष चाला करिसाहन, जीरा विर्देश मृंबिए दिन्छ ७ जुननमान वर्ष जयश्रमारम पूर्व। किन्त दिन्छ ७ मुननमा-देनेता जीव वर्षात्म जय अमान शूर्व वर्णका क्रोन क्टरन मा। छैदिता निय निय वर्षेद्रक पूर्विक ट्रांशांन विवश चित्र क्रिजा त्रोचित्राट्य। अज्ञेश एटल क्रिकू **श्रेम्मणयान धर्मा है** दोक्क अवर्ग्यस्थितः किरण कि विश्वत स्म १ वेश्वरिक नेव-देंगेके यति दिन्छधार्य स्वेद्कश कटान, शिशुद्रवामशान उथन अर्थीय हरें! हमें कि ना जरु बात बिद्द्रहमा कतिशा (यून । यमि अल्बिड इन, डाशांत इस ক্ষু নিবন্ধন রাশাসুজ গুড়তি সম্মান । श्रे (लीटक्या ८क्यन चार्राच उ इहेग्रांटह्य. लेबादन प्रक्रियोन कडिया नरेटक शाहि-

वन्। य य धर्म व्यवनद्य करह, चार्शिक তালার নির্মাদি নিবস্ত খাকে, সেই ভারার व्यवन्तीत नाजा। बना धर्यावनदी बचवा वना । खानारतं र तारकतं काहारक याचा ना थाकिटल है रव छाड़ा खुळ्यमान इहैन, अयन निवय नय। (यह ७ स्वाहि भारत তলোক পুৰাপদ্ধতির প্রদন্ধ নাই, তাই বলিয়া কি ডন্ড্ৰণান্ত অপ্ৰমাণ स्रेटन १ क यूक्तित चन्नाटत ताबान्सानि मच्छानाटयत त्माकविटशत व्यक्ट छत्र धनी छे व्यागात वावशातानि-भवानि भारतात वामू-মোদিত্না হয়লৈও ভালা অপ্ৰমাণ हरेट अर्दार ना। कार्य, जाहाता वस्तान व्यविध सम्बेजन कहिया व्यक्तिहरूहा ভাহাদিলে মহাত্রবারে ভাহার প্রমাণ श्राशामित चारह, चड्रव चय्पुरवव बर्गितां कार्गानिगटक केट्युक्तिक क्रिया जाल क्रांत्रन नारे। अधनरे जीरांत्र अधियंत्र হইতে নিহুত হওয়া উচিত।

- 0

🗾 মোক্তারী পরীকা। भूवनिमावान १३८७ अक वाक्ति चाटकन ্করিয়া বিধিরাছেন, ভত্ততা জল নাহেব निश्च क्तिशांद्रम, मना मटलत (वः मक्लः वाक्ति देश्ताको ना कारमन, जिनि छोहा निशटक रमाज्याती भ्रतीकात म्हमानीक क्तिरतन ना । व्यावता म्हांबिक हरेगाम, পত্রপ্রের মতে মড দিভে পারিলাম ना। जन गांद्रक्व ए बिट्डिमा क्रियोख्न, ए राहारे ऐकन कण्या। (य राक्ति हेर्नाकी আনেন্ ভাষাকে নৌজার ক্রিলে এই गांक, रहेर्न, . रन्यां राष्ट्रा जारमन अवन विक नाक्षित्क क्षिकांत्र करा इहेग। ,चर्मिक्ज मार्डे कांग्रे चर्लका स्म वाकि व छरक्के छवित्र व व गांव नश्मव मारे। मिलिएज्या यति भूमरः পথাৰলয়ী হয়, ভথাপি অশিক্তিরি: दमज नाम कड़का रहेका छिटिए ना। व विभारत जामानिक्षत्र वेख्या करे, कर्म

गार्वरवता यथकिकिय वेश्वाकीकरक मर्गानींड मा क्त्रिशा औरविकश नहीं कात छेत्रीर्ग वास्तिविधादक ক্রিয়া মনোনীত কল্পন। প্রবেশিক্ **नहीरकां छीर्न वाकिका वीव कांगानरफ** মান ও লাও কেবিতে, পান মোকারী. नाम जीकारत असून स्वेटनम मटकर मारि। विन विन कार्यामिकावि शतीरकार्जीर्यन मर्था हिस् इरेटल्ड, अञ्चव देशींबी जब मारहदिवरभेत इन उ हरेरदम मा। अई गक्य वास्कि मास्काती शर बाहन क्रिटिन. भागांगाजा धर्मनीजिष्ठिन विवस्त **উव्रिक्त नाज स्रेता छेडित्व।** निव्हात स्रे बात्रकं कात्रक मखाबना इहेटव मध्यक् मीरे। भून९ माजनदबहारे तर विठादबन वं वं करात कित्वक्र । फ्राइता चर्चि প্রতাশিকৈ মিধ্যা ও প্রবঞ্নারি শিশা-देश जा। जीशवारे चर्च के खेळाचे ब কোধায়িতে উত্তেজক বাৰ্যৱশ আহতি धीराम सुद्र । ज्ञांशायार मरूममात्र अस गरेचे। इचि दरेशास्। किन्न मिकिन दार्किति। स्वाकाती नम अन्न कतिरन न मधुनाई दिवेदमाँहै भारती किन पिन नवनद्शांडव स्टेटन मदभव नाहे।

> नीमका इत्स्य सनीमाती इसोता (मध्यो।

'भीनका ली एउ टाका म करे बाक्टरण करवानि राज बामाहिट्या बटक बानियाटर, छोरा प्रांताखात करे विक करेंग। राज्यकारका बटका करेंग तांगी रेकामा व्यक्ता राज्य रहन करेंग बाठियम अकाम। व्यक्ताक राज्य करेंग वाठियम अकाम। व्यक्ताक राज्य कर्मा तांगी रेकामा व्यक्ता राज्य रहन कर्मा वाठियम अकाम। व्यक्ताक राज्य कर्मा तांगी रेकामा विद्या कर्मा तींका करेंगा वाठियमा विद्या कर्मा तींका करेंगा वाठियमा वाटम, जांग्य सांकाटक देवामा वाठियमा वाटम, जांग्य सांकाटक देवामा वाठियमा वाठिया वाठिका हर क्ष्माका वाठियमा वाठिका वाठिका हर क्ष्माका

THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS O द्शिक्ष क्षामध्याक सा १ १६ अमिर्ग मानद् वाकिएक संगीताती रेकाही रेका जिल क्षेत्रप्रश्नम् मार्चम, देशहे बनिश centi bu | Eminufalutan amin अधिकार त्यर पाटन मा। छाराता श्वानंत्रावनार्वदं वाता एत, प्रकार संवात क्रिक्षाद्विक विश्वात व्यवस्त भीत भी। त्व सीकि क्षाचात्र क्षति (श्रवण्या वरेग, নে বে অভ্যান্তার ও পীত্ন করিয়া ঐকার निकृष्ठे प्रदेश्य वर्ष त्यांश्न कतिर्व कवि-बर्स नर्भंत्र कि ? अहे निविष्ट क्रम क क्रणावरमञ्ज्ञ क्रवीनारम्या व्यानीरक भागर वास्त्रिक भगीवाती देखांता त्वन मा। देश्मा अनेतीय प्रशंक जोतं ज्यान कात्र क्षारंग, देशांत करेंद्री मश्चन मुस्तिक। वयन देवेद्रिक्षी (काणानित स्टब्स्कावन उन्दे देवाता हिन, उपन क्षणाति औरमर्क बर्दान प्रथी दिन, फंपोलि अंटेन बार्फ विद्यार स्थाहक रेश्नरिकी गरन করিলেন, কোন্দানি একার এক্টিক্রা **छात्र कतिएकरहन, काक्ष्म हा क्षेट्रक क्राब्ध हा** विद्यारी एकेश ध्रुत ए और अञ्चलि कतियारे पंतरक प्रांचा कार्या अर्थन क्षिन् रमन। अभि कामने स्रेमारक र व जिल्ला विश्वत किमि चत्र क्षांशत छ्या-वयान मा करिएक क्षेत्रक काराज राष्ट्रक क्रिक्ष प्रदेशों कार्य के किया जी वस्त fried martin Turit Charles STRINGER RICHERS OF STREET जाना प्रतिक नेता करिया है कि के PRINCIPA CONTINUE MARINE WINE PERS अनवा अभीवाती केवाडा विद्यालिक distribute apparation that BON PECE WITH BUTTER OF THE अभव जात्र मीनक्षत्रत का कार्य हिंदी कीम क्षेत्रक बार्क्टन अहाकक क्षेत्र क्या किंग जीविकाल क्रोप देखा जारे

वर्ती कर्डा विश्वाका विद्यान । अवन कांत्र जीवनिद्यान देन कांत्रियं जा नारे । मर्वाक् क्षत्र आकि माहबूक जावानिद्यान विश्व नड क्या करिता वाकता देवटांक अकडी मट्डा स्वाह करिता विश्वादित ।

नक तितिन वीष्ट्यक विनि । इंडिंक अनिमनन जिल्ला विनास गृहसे कारियक संस्थित का निर्मा रीकन चांच मध्यम निविक अक विनिष्ठे निविवादसम् मात्रशं जारातं अस वर्थ बाह्य प्रेवाकि । मार्ज कार्याप्तरेशेल अन भव निविद्याः सम्बद्धिक सवर्गद्धक महिलायः त्वन जिनि योशोत्रम् एणास्य प्रथम विश्वकात स्वरं क्रतम मात्रे, १४ मध्यक्षे ब्रह्म स्वा क्तिका ठाँका कहा केहिच किना, हमें जनता चिनि भूकात हरका केवत गन्दिवाक्टनात इक्टिका महिलके होना त्रिया डीनहरू भर के कि स्थाप के कि के कि कि कि कि कि अवर गाँवामान्यः अद्देशियकाट्टन वृत्रवीध क्षेत्रातीनाः श्रीकालं सर्वेददार्थन । इक्कि स्वितंत्रका विद्यार्थित शृहक वह गाउ न्ति प्रकाम क्या केटिक दिन किया रेशांक देशांक क्यांक विकास करा माम ना में नार्याक मह निश्चिम में पिटना

नवं विकित्त श्रीका क्षिण जिल्ला निर्मात व्यावस्थ निर्मात कावरण विकास के विकास कावरण कावरण कर वाल कावरण कावरण कावरण कावरण कावरण कावरण कावरण कावरण कर विकास के विकास कावरण कर विवास कावरण कर विकास कावरण कर विवास कावरण क

THE RESERVE THE STREET THE

शिव छार्मित मनदा क श्राकात क्या की व नक्ष ज्ञान करेत गटचड नाई । चक्रका चामता गर्दा छीरात्र शांत हर्मन कहिएक देखा कि ना।

मत निर्मित बीखंब बहुतन, ३५-७६ व्य-(अत २५ व चर्डोवत किवि केन्द्रकत कवि जनदत्रत्र अरु दिशिक्षांच कांत्रा व्यवस्थ वन -कार्तिकमारन इकि ना क्षत्रांटक कनन अक्कारन मखे व्हेतारह। ठाउँन छावार चांडे त्यत्र विक्रींक स्वेटकटक अवर व्याका मनोद्रिक्षी स्थाकांन यक्त कतिवारक। नीत ्वित्र किम बर्गन लोकामग्रेष्ट्रजा व्यक्त क्तिका ज्यानाम वचा कतिवाहिन, शूनकांत्र लिनिय-त्यांनात्क हाकेन नांच्या गाह-क्षा १७ व माजीवत त्राक्यकान नीवै क्तिका जिनि व्यन्ध रन गोधांतरण क्रमेंच मेरे श्रेष्ठाट्य, चक्काव क्रम्मादम केंद्रकेत कश्चिमनत्रदक थ विष्टाति विश्वा-बिक बिटमोर्ड स्तिट्ड स्ट्रान। स्मिननत बर्टनान परिक क्षेत्रन नके स्वेतारक किन्न बहास्त्रवं। व्यक्तिमाहित्त्रेत्र नाटकत्र समा शक्क मिन्द्रे ब्यांडच मिन्द्र कतिया क्षत न्ति वृद्धिकारमें। और शाकात नहीता, क्रिक्ट्रिक ७ भागिना विकारशत क्रियम्ब निर्मार्क ब्रिटमॉर्ड कब्रिट्ड बना स्व। ७३७ चार्कीवत रमन्द्रेनके भवर्गत व्यविभिक्रेरवा एक निकटण विदेशक जिटलाएँ छाट्टन अवर জিল্ল ভিন্ন ছামের বালাক্তবের মূল্যের তালি का झारकाम क्तिएक वटनम्। २५ व चटकावत क्षेट्रक क्षित्रज्ञ स्टाम अञ्चक्छ जन्मणः अधिक स्वेटिक्ट्स, लाकान वंश, वाटलथ-ति विश्वमिक करें। उदाशि बना क्षा भ महीर्जनिविधात स्टब्ड এङ हाउँन मार्ट्स एक इरे वर्षात्र श्रीतात्र लाटकत कृषिकां क्रिक्टिश्वा । नरवचरत्रत्र व्यातर् केशिक्षपूर्क, मसीवाँ, वाक्षणांशी ७ शांविता विकिर्देश किम्मनद्वांत्रा क्ये कीकात क-क्षिन, विश्व चारा अक अधिक बरलन नारे दी शूर्ककार्या त्याकृतिश्रहक नियुक्त कत्रा

याता अनगत्त क्षेत्र होकात छत्र त्यत **छाडेश विकोड** करेटडिंड, क्रियनत टिमिश्रान करतम शाक्षार नत महिन ठाडे-त्वत वावमात्रवशः इरेशारक्। क**छे**टक कां डेन আভি কটে পাওয়। যাইতেছিন। ১৪ ই मद्यक्त कांगमनत शूनकांत तिर्भिष्टि क दबन, हिन्क। इ रहत छेड़न शास्त्र जारक व्यक्तिश्व कर्छ भारे (उट्टन, किन्न व्यन) धाना विकास जबन ना एखहाटड क्षित्रमय वटलम माधात्रम धनागांव स्टेटङ नांकाया पिवांत धारतांखन नांके, खलरगठन क्णामित्र कार्या विख्य लाक शक्-भागित वहेटलाइ। २० अ नटवयत पात करकेत करा करेरकत कृषिकामर्गन वश्च क्षमान क्रिएनन्। डांश्रीश बालन क्रिक क्षत्र बच्चे क्रेशांट्स, द्रशंत दक्त क्रल -इर्डिट्यंत गडायना नारे । मञ्चास दक्षक- | जिल्हा केटमथ कतितादहन, कि छीहात - ८म भेटमात मूना अधि व वहेतांट्य कांवा दवाई विद्वतमा कता छिठ हिन विभिक्त-िक्रीकांत्र कटतन, किन्न बहनम पूर्वकांत्रनात्र । तत्र क्षण्यक जनभविन माज कांग्री इह। · अ हुत क्रमण श्रेमार्छ। त्महे ठाउँन मर्खाज थारेटक्ट । अञ्चव डीशाहा शवर्गरमंक्टिक क्खार्थन कतिहा " यांचीन वानिका उ বার্দ্রাশাল্ডের নিরমণ কল করিতে বলিতে भटतन मा। डीहाता भवर्गरमध्येत वह माख कर्जना हित कर्यन या मकन कारन लाक अप्रितास व्यक्ति नम् कर्षे क्रेश्वरक कथाप्त शब् र्वामक मेजूनिमाक जेवनाइ ७ कार्या विशा किंत पाईएलाइ, किंत कंट्रक क्रीका बांहन जाहाया कडिएड शारतन । सन्दर्भवन ्योक्नांनित्र कार्या क्रेक ७ भिनिने न्राह्म द्वादक्र यर्थिके गांश्या स्ट्रिंग, जात्रक्र-वींच द्राचारता भाषात कार्या शहा ध लाहियात प्रतिस्थान ब्रांचिया नाहाया नाहाया क्राह्म । प्रमुख्य भवन्तिक स्वीतात्रिक्त विकेश अक्षार्महमद बना वागमस्टलन श्रमा

দাতব্যের উপরে নির্ভর করাই উচিত ।"

अधिन नत निनित्त दीछन निटक दी-कात कतियां द्वारा । मरवन्त्रमारम अख करे रम य पृर्वकार्या ७ जामा निहा स्टाटन चारन मार्थाय कतिवात व्यापनाक एक। उँ दक्त त करें इहें उद्दिल जाहा चन-नां विविधात छेलात्र माहे । छाकात इत **(मत ठा**डेन सर्विज स्माहकती क्**र्यन जन्त** করিতে পারে না এবং বার্তাশান্তের নি-प्रम वर्षार " उक्र मृता ७ आहुत चना " ब इत्य कि हुई बार्ड मा. त्यार इक बबार्स मिणारवान नगरत छेक मृता क्रमणः एक। ्राचारन ट्रांकांग्र ५० रमन ठाँखेन महत्राहत হয়। ২৫ এ ক্গলীর অদর্শন স্থপিত হইল। । বিক্রীত হয়, তথার শ্বা নিডান্ত চুস্পু পো २६ व नर्ववत त्रविनिक द्वार्ज त्रिटणोर्छ ना इहेरल वक्तारल नीम्छन बुना इह मा। व्यक्त वीशात्र मानाना क्यान बाटह, क्री-" হারও বিবেচনা করা উচিত देशक कम स्रेमारक। लारकत निर्मः। निर्णात मुन्ताना स्रेमारक। लालेमक नव्य या क्राक्तिरात कछ स्टेर्स बट्डे, किछ | ग्रंत वात्रवात वार्तामाला ७ अस छ तार्डे हरे मान गर्था कि हरा वाक्टिक भारत १ ७० त्मरत्रत्र कारन क्ष त्मत्र क्षेट्रल चार कान विश्व हाउँव तीर्वत था. (क्न १ भवर्ग्दमणे निटक इक्षांभी मा क्क्नम उँशिमित्भन त्मथा छेडि उ हिल, डेरक्टल काकेन वाहरण्डास कि ना ? त्रिविनिक्रेट्सिकें नामान्द्रवा बटलन शूर्ववः ज्ञा स्ट्रेटकं हा-भटन किन भारत कार्यात कार नारे। न्यांग्री भवर्गस्थे ७ तिविभिन्दराष्ट्रक क स्थात मंगीमच टाजान सहित्य विता ভেছি 1

देखिनामा मेर्नामं नव महुद् किंदुकान चारक कर्दमा जायरा चालमाता । कड़ त्वांत्र अविवासिकांत्र त्य त्यांत्रस्थ अधिकारिक पिटक पाइन भी पान ने ने महान के स्वयं के स्वाहित का मानावार के

यथार्थ हर्ভिक रह, फारा रहेटल नाबात्र कांक्रेस ब्रखानी क इंक्रिक्नीकिक चुन्द्रस मितिरचंत व्यक्तांय कति । देश वासीमा-त्वत्र नाशात्र नितरमध्र विक्रम् सारा चा-मता (मण्डेनके चंदर्गद्रम माप्त कामिकास। क्सि विरमय बंगरत विरमय देशांत्र चार-শাক। শ্ৰম্ম বুৰিয়া কাল ক্রিভে পার। यवार्थ बृद्धियात्मव कार्यः। त्मर्गानवम यू-(कत नम्दत स्टवांश नाहेटनई नावतिक निव्रत्यत्र नष्णेर्ग विक्रम काम क्रिट्डन। অকারণে নিরম ভঙ্গ করা যেমন লোহ, ভা-पृथ विशेष दिश्वा द्ववत निव्यास अकू-রেকে ভাষার অভিক্রণ বাকরা ভেমনি त्त्रात । धर्मीत्मत्र अक सन त्रांशात त्य क्-ट्यात अधि निकान कता कांच हिन त ता बाकारक बूट्य एकू। इस । रमण्डेनले भवर्गत्त्रत वार्काणां वारेता तारे एणा ष्टिबाट्य। त्यट्न द्यायात वार्तामाञ्ज अविश ? त्मरे भवर्गास्त्रें कि कि त्मार्य जिन द्विषं कतिया हाकेस्पर्धं बादगांत कतिएछ क्रेन ना १ शुक्रक देश कात्रता ३६ नक लाक चनावादत ज्ञानकांश कतिक ता। किनि वर्षानगात मध्यान गान नाहे अ बाका अनुकृत, डीहात नमर्थान अ कथी क्षेत्रां करत मा। यूर्वन झाटक क्षांन कांश क्रिट्रकृष्टिम, फर्बन, बाहा द्रिविश व नहिक व्यवस्थानिक वस्त्रात्व विभाग क्रतम् क्षिति यानक न वर्षम कि १ आकाक भ्यक्ते, मध्यामभटक्य किश्रकातः **क** क्यांताति विद्यान जिल्लाम्बर्केन गरायाने स्वीत क्रिके देनका गाक्किक वस प्रथम संशिक्त भागत 李章节 有多数: 山平 海河 COTACA MEANING PLANTE WAS COTAC कहा छेडिक हिंग

THE PIST STATE OF THE WAY CHA CHICAG PAR WALLER | CHAP THE RESTRICTION OF THE PARTY OF ALLA MERCAPA CARRENT METALEN क्षांतरक प्रतिक कारलके महत्रमा बाद्य .

ब्याप्त क्यानार्थि ज्यानवान्तिक वस्त cultural sides sides sicen ! कर्मात्का क्रिकेट्टिन निक सदर विकास ठाउँम महेश साम । कीश्रीराश्व अर्थन कटर्नम इंश्राम के दूर्वि कार्ट्स के श्राम क्टबर । नव व्यव क्छेन बक्ना प्रश्नाक्षर क्रिशिक्षिम्। मह निनिन दीखन चौकाह `ক্রিয়াছেন মার্কমানে গবর্ণর কেনরল নিজে अभना चित्र क्रांत्रम, किन्त (जीवांत्र मुक्र निनिम बीचंद्यत) क्षात्र व श्रखांव शति-फांक रहा। मः वार्यादय क क्षकार नर्वारिक मेरेशिशारिनत क्या निथित स्टेर्डिश । এমত অবস্থার বে শাসনকর্তা তথাপি इन क्त्रिशिहित्नम, डीहात या कार्या चंडिणंड चनांड रहेशांट्ड, त्म कथा दकान् बीकि ना चौकात कतिरवन १ रकुकुत्राति मारन रन्छेन्छ अवर्गत्र छेरकरन शहस करत ন। যাৰতীয় লোক অনাহার বিৰন্ধন क्टकेंग्र विवयं आनारेटलन, किंद्र किनि ৰাৰ্ডিড ভূমির কর ও বার্তাপান্ত অনুপূর্ कतिया कर्डवाक्यं मण्णीयन कतिरुगम्। क्षिमनद्र दिवनमा अश्विष्ठित्रदेक श्रेष्ठ क-त्रन, चल्पव किनि लाल्डेनके भवर्गप्रत मान्न वार्खाभारत रक, फिन् छे दरलन क्रिक्र भागात्रक मर्याम प्राचिशिक्रिक ন | ভিনি সহাজনদিনের বড়বজের কথা बनिद्यान राष्ट्रीनके भवनंत्र मक्के रहे-लम।। २৮ अ भार्क भवि ३६ दे स्थ नवीक वरे अकात कर्यन भव लब्दी जिल्ले के देशिनियत देशत विभवीछ निर्विटण साम । तम प्यर्थन करेम करत्रकथानि '(बोर्क) विश्वविषयाटम विश्वक कतिया छो-छेम दिश्वहत्त्र दय क्षाचा क्षेट्रम छाणा. इयां हरेला छद्यदा तारमगा बार्ट्स निर्देश के हिंद कही के हिंदा का बेस्न दिशाना यमिर्देश (करणेश क्रिकेश के रेगनिक्षि-, त्वत्र भाराव शांध्या महित्यत्व मा गाँधन ब्याजन कहा कर्डहा । पूर्वान पूरवत वह-निके क्षित्रीहेंबाई 8000 वर्ग जाते। दिन, कारी बोटकेलंद्र स्थातिक वरेन । स्नर्कनक अक्षेत्र अञ्चलक अस्तरण महिन्त, प्रकार

कैशिय भाग केंक्टि हिम केंदबल हाड़े-नरे लाटक्क चाराज्यका । बाटनचटत्रत अन्तिकेत कार्फ काहिताटक करे 8000 मन षाणे जानुसभूद्र ध्वातिक एतः। ५५ हे ध्य इरे जाराज हाऊन बाटनभन्न भा कातन नरेटके ध्यतिष्ठ रहा। 8 है। सून काराक क्षेट्रक शब्दाह, २० व क्षूत्र कांश कीरत **উঠে। এই गगरत अञाह भंड भंड रता**क রাস্তার মুক্ত পার্গে আন্তর্গের করিতে-हिन। वर्षाकान साम्राह्म एक, यक ठाउँन यात्र जारात कृष्णीतार्थ नयुटक कनमध स्य । त्य क्ष्ट्रियांश्या मश्रदारे रहेशांत्रित । मक्षरलत विटमंद क्षे निवातिक दश्मादे। • চাউল প্রেরণ করা উচিত্,কি না ? বদি উচিত হয় ভাষে 🚑 अकारत তোরণ করা इह ? '' **लिन्डेंबन्डे श**र्वनंत्र यति द्रांखित ं गरिष्कं क्रेब्रम देशा भज लियानियाउ ক্ষমা অভিযাহিত না করিতেন, তাহা र्देश संस्ट्रिक सीयत तथा नादेख। अक ब्रिट्नक मूट्स २०,०,०० मान रु रहेरण खोड़ा नश इत किछ सनाशंदत एका वर्नन क्षत्र विमीर्ग करत । यथानमध्य ठाउन ध्येवन क्रिका देशन अधिकारण परिव मा। अ दर्गंच यति नव निर्मित बीखरनत ना रहे फर्टन चात्र काशात श्रदेटन १

मंत्र निर्मिण वीजन अक प्राप्त बिलान-(इन, आशातक्षा जिल्ला के कार्र ज क्षिक बारबासम सिन। किस क्षेत्रम पूर्व ब्राह्मन, ब्यांत्र डीकारे वा क्लाबात वरवरे राषदा रह १ ३२ वे बटका रक्ष व वर्षे विश्व अवस्थिः श्रीकांव सरवनं, नांधावरतां इंकिन्द्रक हैकि। क्षित्रशिक्ष्यान । मिननति सन् वयीनांशा नाश्या विशाहित्सन। ७० स्विक अव्यवित शक इंडिटकड हत शक है कि अक नामात्रन नकात रख निरंक ब्रामन । मधानांत्र होता नश्यक क्तिएक अक्षेष्ठ दिलान, विक छीवाता

बरणम, खबेमें अमन वर्षकृष्णु, केशन्तिक (ब् नवर्गटमद्कित स्टब्ड क्रांका वाक्टिक नक् नाथातर्ग होता निर्वय माः (मण्डेनके अव र्वत था धारतम विद्यार्थ करिताटहन, किन् वनिक मक्तवाब खारोब दिनंत्री छ बरनाव, नक्नाधात्रान डोर्गिस्थित बांट्यात जन्द्रभागन कत्रिवाद्यम । यदिक मध्या লারের প্রস্তাব অগ্রাহ্য হয়। ৯ ই জুলাই তাঁহারা প্রভাতর পান, লেক্টনত গ্রব্রের नाशांत्रव कानांत्र म्र धारतांकन নাই। উত্তর পশ্চিমীঞ্চলর ছয় সক্ষ্টাকা षांना किनि, त्रद्वनिष्ठद्वार्क । त्रुद्वका माट्ट्य इर्फिक निवात कतियात मानम करतन। क्षित्र मार्क जविष कुनारे भर्यास इर्किक करछेत्र काष्ट्रिका रह, बदर थोकार भक भंड लोक व्य बनाश्राह्य व्यागिकांच क्रिएक्टिन। म नर्सनाथत्र । यथेन प्रिचिटनन, लाल्डेनके धर्नट्यं योता किছू श्रेट्य मा, फथम स्निकालान मजांत्र अधाक रंग जारस्य कार्याचः त्रारव निউ বোর্ড ধ প্রণ্মেটের অক্টির অকী कांत्र कतिया गोराट्यांत कांच मणान रत्त पानिरान । व नम्सिक राजनिक প্রপ্র জানীয় কর্মচায়িদিগকৈ সভার মতে কাজ করিতে বেন নাই। এ প্রতি वक्षकणात्र समा विरमेव सन्दिश सर्छ । रत गार्य गथानत गार्क स्वतरत्रत्र निकरके नांश्रादात क्या टिनियाम क्राया काछ त्यात जाना कतिएज, दावक हिर्लन, करत्रके विस्तित मत्या चक्रकः सर्व स्क টাকা আদিত। কিছু নর সিসিল, বীজন बटनम, नांबाटगात्र व्यटतांजन माहे, नक्टम **होता व्हेल मा!! (अहे होतांत्र क्या अक्टन** शूनव्हात्र आर्चना कता एरेग्राटहः भवनंत्र टबनतम अवात्र निएक आधी, किन्द्र वर्षा-न्मात रहेरेन कठ कीवन तका शाहक। 'ছুৰ্ডিক্ষিবারণী সভা ঘচকে ২উ বেখেন, काशादकर नाश्या ठारियाहितन, किंड न्द्र निर्मित वीजन स्वतंत्रिति विश्वते विद्र

রূপ দর্শন করিয়াছিলেন। এবিষয়ে জাঁহার क्ष्म क्षेत्रामीमा न**र**श, देशांटक धाउनिया কভা প্রকাশ পাইয়াছে। এখন্য তিনি সম্পূর্ণ সারী। তিনি বলেন, " আমার যত मूत्रनाश कविशाष्ट्रि, व्यागांव क्रिकेश व्यात अक स्थातंत्र शांगवका इहेठ मा। । नकरन होता रहेरन कि छाहा हरेछ ना ? এ জন্য অভাব পক্ষে বিং শতি সহজ্ৰ লোক व्यांग्छानि क्रियार्छ। अरमाय कामात ? नत निमिन बीज्ञान जात थक मात बरे, स गार्था विषय्रदेश क्या किन बर्षके लाक सन महि। माकनील महिन-बटक बिटलंब मास्टि हे है कहिया बाटलबंटन ट्यांत्र करा इत् किंद्र कंग्रेटकत्र माकिट हेरे ৰারংবার ছুই জন ভেপুটা কালেন্টর ध्यार्थना कतिया भान नारे। वातंतना गारश्व डेश्करंणत्र व्यवस्था डेसम व्यक्ति-रंखन । कहरकत्र कारणकेरतत्र रम स्था हिन मा १ हेरात छेशत छीस्रत इट्ड विष्ठांत ७ त्रांक्य गरकांत्र विख्य कांक् स्पन्ना एवं। जिनि अरू सम नहकाती मंबिर देवे गांन बर्टे, किन्द्र स्कल उपूर्व केरिनकेत कांसांक्षतिक क्या अवस्थाधात्र बीबर्शक बहनन, धेरू जन डेलयुक उद्धा-बीबब्रक्टक क्षेट्रक त्थात्रन कता देविछ। किक छार्श स्था स्था। बर्दनभटित विक्रा कार भीजा। वानजान करतनः। त्य क्रिक अन अंडरमभीत চिक्टेनक ट्यात्रिक रून, डीरात्रा यटकाहिक कृष्टि कतिएक नमर्थ एन नारे। व दिश्यक अहे निवास बार्य के स्टेरव, राजकीयों सर्वन हेरात मधर्म रुतिएछ विसा 'अनिद्यक्तात'. कांच क्रिजार्डन।

নর নিলিল মীজন সংবাদ পজের রিষয়ে বাহা বলিয়াছেন, তদিবলৈ আসর। এই হাজ ৰলি কেতে অব ইতিয়ার अविकृति कथा वना प्रदेशांदर काशांदक क्रिके गरमें कि के मा बीटबाब दिश. काम बारान शाक्षण्य । जीवान

रत, किन्न गर्वाम शक्त नरेत्रा कथा सरेवा মাত্র ভিনি ভাষা রক্ষা করিছে প্রয়েন नारे। जिनि बर्जन, अश्यांक राज्यसमुद् डीशटक यपीनमटब जरवान दक्त काहे, 🙀 करा किनि देश्तिनयान, लिक्टिक्के, क रक्ष वर रेशियांत्र कित्रप्रभ केंद्र छ कतिशारहम । य विषद्ध - छेक श्लाम्ह হের সম্পাদকেরা উত্তৰ প্রাত্যুত্তর বিশ্বাহেন। त्रांमध्यकांच ध्रवसकः स्वांच (वह ভাষা তিনি স্বীকার করের বিশ্ব ইয়াডে বর্থন বার্ডা শান্তের সম্পূর্ল বিশরীক এ-खांव कता हा, उथ्य (व विटान विनाह चिमारक अपि त्य किमि बुरक्म मार्च अरे बड़ भारम्भ ।

नत्र निनित्त बीखन नात्र वित्रिक्ष भीषानिवसन भयन स्टबन, श्रीका स्टेटन কোন ব্যক্তিকে প্রাটান অফুটিড. व करा भागता जाहात हारि हिएक हाहि ना। किन्दु विशेष शिक्ष्या यपि भाषक কর্তা অপক্ত হন, তব্বে অনোর হতে **६न जात (मध्या फेन्फि। विद्यारक्त** नगर्ग छेंछत्र शक्तियांकात्मत 'लक्तिके भवर्गत अस शिरमत असा शीक्षिक वन, छपानि के विवन नहसाना यात्रा जाने নার কার্বোর ভার অন্য ক্ষেত্রের 🖟 विशरणत भगरत भागनकतीत जेशीहरू বাকা অভিশন্ন আরশ্যক, ভাঁহার ক্রমা **७ উৎসাर्ट घरनक कांक रहा। राजकीने कें** श्वर्व निरम गणांगी जिल्ला अस्व क्रिक्ट क्रीवा क्रिटिंग माने क्रीकांत्र प्राप्त ३० क्रीका जानाव रहेक, बाह्यक अनुस्कारी ficeta weit wicht, Stein an-बात बाबाबा कीकात कतिरहते। नावि ला क्लाकेंग्रं नेम्द्र महावे विन्तिस्य o ब्रांको बारकी है विकट मानदा ने सर्वे विका केर कार देवने । तेत्र निविध शिक्षानिक मञ्जारि दननश्चित्रहरू महिक पूजना एवं ना

विनिद्धित गर्स भारत बाडीबा सक्ति । छवानि छैत्ति विकित सम्बद्धि स्वीका वाक्टिम क्रिकि विद्वा वेदक्टन पाइका क्यादशान क्रिटेक्न नटकर माहै। वागराज्य कांबारे करें। किया कर परंग बर्गन " यस्त्र यावंत्रानुक शकात व्यवि दर्भन का, देन नैया गाफीक चात्र नक्न नवर्षः वक्ररबंदलन नामम मोप्रकिलिएक बसिद्धे। इटन । ए जन्न जिनिम बीखन प्रश्न दर्ग भटकेट्रबन शिएनाई खनन ७ नट्ड क्रीकड केलिड़ा जोग्यक्षि क्षित्र केलिड हट्ट. ्रम क्षेत्र नेप्रेटनम् नंटर्। अवस्टिन संदर्गत (व्यवहानक इंक्का बक कन भागन कडीत व्यक्तिकाः देशकाना इच्छिएका मान ष्ठेमा विषास देवेषाटन स्टेटनक भागन কর্তার কটের স্থানে উপস্থিত থাকা सर्वना नहां निर्मित्तं बींचन खादा मा कतिहा जनाहि कदिशास्त्र । जनार्थशह भौनमक्की व्हेटन चकाईदा जायन कतिया আঁণ দিতেন। বাঁছার শরীরেরর উপর এত মারা উহিত্য পদতঃ কবিছোর পন্য स्टब्स् स्वयंत्र के किया।

> অতিশ্র ইঃখের বাহিত সর নিসিল बीकटनत विकास विकास करेगा जाकात वृक्ष त्रनीय व्याप्त क्याह्म देश काश-त्र हेन्द्रा गर्देश, किन्नु जिनि त्य स्वाय क्रिक्रोस्ट्रम् , कार्या आवजाः, जन्मानः कः विद्रक गावि मान् कीशक मुच्चन मन्दर्भ बद्धा रेशा क्रिकी बाह्य प्रति काशा त्वाक मेंचू कति छ, जोसहा ,जोस्तार अस् कर्तक का बाद महारामन करियान। किनि निविधे के निविध्य देखि कोच करेखें। wining follows with Ministra Factors त्यान कार्यन एक नाने, स्वीतिक स्वतिहरू resident the same of TRANSPORT

मनीय त्रः वाद्याका निर्ववादका । नकार मानवादिक दे कि । " व कार्ने के

मणानाम केलामाना क केला केला किया कि की में प्रमाद स्टाप माजिक्क स्टेड्डाक्का । मुल्लावक ঞ্জিক বাবু ক্রমান্ত্রণ ক্রেটালাগার সভার বার্বিক ब्रिटेनाई गाउँ अविद्या अविश्वासक कवितन क्रिकुक कार् मनित्वमञ्जीकारीय मुश्यू छ अवर गणना **धारायक मण्डाक्रकोहर विवाह वर्दर। कदिरान ।** ভাষ্ট্র সভ্য এবং স্ভাশতি জীবুক্ত বাবু जितिमञ्जा मटलेत मक्ट्र कात शत मका कम स्टेन।

40 W WIN SENS !

এই সভাটী অভি দামান্য স্থাপে সংস্থাপিও रक्षेत्र ३৮५७ गारमत पर्छोदत नारम अनुक वायु शीकानाच लाव नामक अक कन जाना अधारम **भाभवन फाउन । फिनि जाका धर्मन देश**ि সাধনার্থ- " ওড়উইল ক্রেটারিটা এ নালক একটা সভা স্থাপর করেন । কিন্তু এবানে এমুণ नगारकत्र क्रिकृषि स्थ्या वक् महत्र स्था स्था मरकाम मरका किंछ जा प्रेम । और शाम नकरनरे बांच्य नवांच्य पनिश्रा वह नवांत्र वाच्य (यर ध्यांन कतिएक मांगिरमम । किन्न किंग्न विवेश भटत बाहाबनी अवर अध्याताह्न कीटनटकत कार कीमुख्य मानु जिल्लिकार क्षा नेपा निवन भटन निरुक्त अवेटनन । वे'विद्या मानीटक प्राथा गमास मरवागरमञ्ज ममञ् असम क क्रिमेक्टि रह नाई अवर अक्षण भवाका कार्याक स्वाटकी केनका ह वरेटन मा निरमध्या कविता कंकात मित्रमात अवर कार्यात्र कारमक अतिवर्धन कविरमयं । ताहे कवि मणामें बिन विम चेंब्राफ ट्रांचि इरेटफर बदर 'अटकात सर्थाकि **करमक इकि इरेन्नारक**। अथन कामीर्ड अं बक्षी खरान मुखा । 🎋

विकास नमत्रक झांका चीम लातिबाद क रेनगा-वन गर्वाक्षेत्रांशास्त्र परमरण अधिकवन करिया-्ब्ब । मेंश्रांत्रांत्रां चाह्य चात्रक लाक हाथिछ बरेबाह्य अवः कालीत देखन विक आप्र चुना (मनाहेदकदस् ।

सामाचि भाषाक मार्थक कियम अवादन व्यक्तिकार्कित्व । किमि वास्तितात सम नाट-(यह पानिद्रात क्षेत्र हाजि त्योग पंतिहा अलाहांबाहरू भवन कड़िशाद्य ।

10 auflig boatte na mar sinten कं नि व्यवदिक अब प्रके कि ब्रीटिक तथा अधिक प्रांकित्। हिरास निर्मिष कृष्णिक (सामास्यापन अर्थित स्हार्य

अवादन महत्तु महेन। इकि क्षेद्रप्रदर्श देशीत्य अन्यक्षेत्र भटनात्र विटलन छन्याक्ष सहरकः The second secon

विविध गर्याम ३७ वे नाय लाबदात ।

फेरब निकासित्तक हुई सन ज्यात सम अञ्चलकुक्तका निवसनं लत्तृ। इत्हाद्दन्। ज्ञाचा अधातकन विठातांगत राशांतिकत विकटक विरमाई क्षित्रीहिरम्म । এश्वम स्मान्त । किञ्च चंड दिन मुँचेक विशाशिक्षिद्रमधी न। कहा हरे-(पटक चंक दिन पशार्थ काल हरेदन ना।

উত্তর পশ্চিমাক্তরে বারতীয় বিদ্যালরের মধ্যে প্রবেশিকা শরীকার ৩ জন প্রথম প্রেণীডে, २२ जन विकीन व्यनीएक अवर ३৮ जन कृतीन (व्यंगीटण क्रेडीर् स्टेताट्स्स । वित्रामिका विश्वत वक्टमटनंत्र धारामा बहकाम शक्टित ।

अयक कॅमक्क क् ब्रिश्तानां वाना नाद्द्दबढ अक काम क्षांकुर्म के कुंच स्टेबांट्स्न।

गिकि वित भागमक्**ड**ा क्विकेश्वास जागम कवित्राद्यम । देनि अर्थ (ह लानहर्तिक वितिष्ठ चाट्य ।

ছর্তিক কবিসম ক্ষেত্রারির প্রার্থ্য ক্রিন্ काळात्र अच्छातस्य कतिरवने । त्य नकन कर्क शंबी इर्जिक कियाक कारना नियुक्त हिरमन क्रीश्विटनेत्र, अस्तिमणी महत्रा स्टेटन । कटत्रक बन अज्ञानीत समीमात्रीम व नगरत साम्हाम क्या डिडिफ।

विनी त्यार्क्षके बदलके, कवित्रभन (बाबाहाह क्रीकाटक विश्वादक्षेत्र कार्यादक अक नक होका वार्शतिक कर बिट्ड इंदेरन। हेश न,धीड ক্ষবিদ্বলণ ৰোখান'ন নিকটে এক নিবিত্ত স্থাণিত कड़िद्द में दर्शिक्ष क निवस्त्र में पाफ मा इन छ पुक् ्रागिदेव) चाकजून थीत्र अस कुछ स्वत्रमिरगत সবিত সন্ধি-ক্ষিত্তে গমন করিয়াছেন। বোগা-श्रीक्र मान्य कार्य महात्म स्थानक स्टेश्व मा, इन्ह श्रंद क्रिएक क्षिरेंग जिल्लिम श्रव दिवन्ते व्यवनाई ब्खार्थन क्षिएंछ, वारिक स्टेटनम । ১৮৫৫. चार्या राष्ट्रि यश्यम बीत शूख शहतात थी विक कर्राम काशांटक सर्वाटक कांक्ट्रिक कांक्ट्रालंड थानीयर्थात अन्न अकात कामीन स्टेटक श्रेताटह ।

वहीप्रदास विशेष गर्दकाच कवित्रमत एकए। বিচারালয়ের ওকালডীর নিমুমাব্দী প্রকাশ क्तिबाद्दल"। देश्यात्रा द्वेशयुक्त शत्रीक्षक्तिद्वाय निकृद्धे अद्भविषादा उपानकी नदीका नमन भारेबारम् फारांदा विमा अभीकात बरीकार किलीत सरदान गाविद्यंत ।

फेबी बेटीहेंब क्षिका निकित्वतार्क विचार्रात क्रिनाब मानाम मारहपरक मधार्थ '' ब्रक्नाकरी क wille gefie die " un entre gena bein bent wirn !

भतिमर्थक ⁹ छेशादि भाहेशा निवृक्त बहेशाद्यम । कर्दना क्षिक जात्रकार्य अक्रानाम क्षिति रीशंत्र कार्यात्व बहेट्न।

श्रुविष्यत देवरण्यकेत् स्थायतः गण्यकि वक् मिनीय शवर्रवारकेड विकास क्रमाना वह मास्टि किंगे विवय मार्ट्स्य विकास खेरे विश्वा खिला र्याग करतम, जञ्जकः शुलिव श्रूपतिर केरिस्टें केन् निक्रि अक गढ़ जिल्हा का आहे हैं इसराजा केन त्यानतरमञ्ज निका कतिशादश्य। त्यानीया नवर्षत्र निष्णाच कविद्यारक्षत्र श्रृतिरमते बाह्यिहे (ध्रेप महिन्द दर्ग समझ जाटक (मःविनदेश विकास मह (रदवत्र अम स्त्र माहे, किन्न कीशत्र गरअत कार्या. " अधिभन्न मुननीत्र। *

५१ हे बांच म्बनादात ।

,मार्श्व क्रिक्न बर्जन, निद्वासर्वाहै 👁 ,जिल्लानिकादत स्वेति सर्ग निर्माण स्ट्रेमीन जासा व्हेत्रारह। फिनि रामन निग्नानाकार्ट हुई जावन नै।क बटने, क्यि विश्लांत्रविद्यादत देश कहा निखास चैश्रवात्र, व्यट्ट मिन्नी हरेटक नारहात्र अवर मा-क्षिक्र स्ट्रेटच कक्षांकि नवीच दानक्ष्म स्ट्रेटम् अर्जिन धरकाणम शाबिएन ना। इर्ग निर्मान विवास वर्षेत्राम वदर्गम्बद्धाः विरुप्त जिन्न हरेहार्ड ।

फेक भक्त बाह्य बरमन, भ्यान बहु कहिबाह, शूर्क बीक्षिरसंत्रश्रहिष (र त्य शांत युक्त युव् रवहै अबहे वनश्कर है अब अबूबी म्यादनाई खक । सरेटन ।

্লপৰজিক ওপিনিয়ন বলেন, পঞ্চাছের পুলিব শটিত করেকসী লক্ষ্যাকর বিষয় প্রকাশিত হই-দ্বাছে। ইহার অনুসন্ধান জাবলাক। পঞাবের শাসন প্রশালীর বিষয়ে সরকারি বত উত্তম हिर्मा है इंडिक ना रक्त, कि व मर्समाधायन बान त्म डेक शाम कि ममद्भाग मानिक हरा।

ইংলিসমান বলেম, রামপুরের নবাব পীড়িত ধ্ইক্ষাগত কলা কলিকাতা ভাগনকবিতে বাণিভ श्रेत्रं एक्न

देख शत कृतित्रक यानीत मारहत्वव विकृत्व भूनकात्र अक श्रास्थाव निधियाद्वन । शूर्ता मानीम जारूव भारू। ७ व्हेबाहिरलम । এ विराय प्रष्टे थामि शत शकान करा स्टेप्नाटक । याणीन जारहर शर्म कि हिराम तम प्रवा हरे-ভেছে না, একৰে ডিমি প্ৰভ্ৰা উভয়ূপে कदिएक्टइब, फांश स्ट्रेटन स्वयष्टे स्ट्रेन। डा-क रहता **अहे** कर्फाहिएक हुन्न कहिबाद रहेंडे। शाहेश ্ ক্রিলের খাল্ খানুন ও জল সেচন এগানীর। আপনাদিনের ক্ষতি করিতেছেন। এতফেশীর

ভাক্তর আতার্শন, ফেয়ার, ইওয়টি, মাকনা- \ দীলা, কৰিল ও পাট্ট ল এবার মেডিকাল কালে ভার পরীকক নিযুক্ত ংইয়াছেন।

रेरलक्षीत अवर्शन वायकीत हो निशासकता ক্রিয়া ভাষা পোষ্টভাকিনের সহিত একত্রিত केर्दिबात बाबम कविद्राट्टन : किमिताक ও दिल-**बर्ट्स** क्या का प्राप्तित गारहरवत शकाव

ডিউক অৰ আলেখন পেনোগাৰে গমন কৰি ब्रांट्सम्। जारहारत चीहारक यटवां डिक नन्मारमय मेंकिड अर्ब कवियात छित्रांश स्थ, किन्छ यांच-কুমার গোপনে জমণ করিতেছেন বলিয়। সাধ। त्व मुखान लहेट चौकुछ हम नाहे।

त्व नारस्वरक वक्षरम्दानत्र त्नन्देगः हे शवर्नत क्या छेडिए कि मा, देश महेवा एक व्हेटएट । প্রে সাছের নিশ্চয় লেপ্টরণ্ট গবর্ণর হইবেন। কিন্ত গ্ন সিসিল বীডমের কার্ব্যে আমাদিগেব সিবিলি প্লাপ লাগস্থাৰ উপৰ অভজি হইয়াছে।

Sir है बाक बुधवात ।

গত ক্ষ্য মাজনা লাইনে একটা বৃদ্ধ জীলোক हक स्थैताहरू । शूर्या चारता क्य वात् , रक्षा स्थे होटह । विशे रहे महित्मत्र काम क्रमेवियास ना धाकारकर अञ्चल चंडेना स्टेटलट्स । बाराटक ब्राह्मीक्वारवर जान निवृत्र कहा वृत्र केवा कर्डवा।

বিদ্বি মেন্দাৰ মাধ্যে এক স্থীলোক ভাষার श्रीप्रक्रीय क्षान यदिका जानता राज्य स्टेड हाजु अन्तर के कि वारित कतिया गया। अकरन श्रीक श्री श्री के श्र राजीन रहा। ता इन्तर्यनत्तर भनाइन कराए म्याची कईशत्कत्र मचि जन्माद्र काराद कि कडिया काना व्हेबारक। माजिएके **कारा**रक সুসিয়াৰ সমূপৰ ক্ষিপ্তাহেল। এই মকদ্মানী बेर्ज्य ज्ञाहकीय।

(बाबाई लाटकड़े बरहाम, ১৯ এ ফেব্ৰেয়ারি हि बाडिन किसान त्वाबारे फान कतिर्वन ।'' है 🗚 है कुछन नागमकर्का जानिद्दन । किन्नु गहरी ার বে নিয়ন আছে ভাতার বিরুদ্ধে সর বার্টন क्षात्र या विम श्रांकित्वम, उप विम नार्मम म्बला शावन कतिरयम ।

व्यानद्वा यहारकत कार्यः मीख भूमवात्रक रहेर्द, हिन्द्र अधिन हार्यमत छेक जाका विद्रा क्षेत्र कारिकत् वहाक्षरसङ्ख्या जानाकरः এक अक चि शाहरवन, देशत मखकत नाह हाका छन लिएकं। बहारणत अणितिवि वार्तन नारहर ब्रांबिद्धिक्र भाषा वर्राहेक्त्र कार्य श्रुनदात्रहण्ड । भर्यत्र वाक्र सक्तीहरू के अधिकारकम्।

রপ্রামী হইরাছে।

১৯ এ বাধ বৃহস্পতিবার।

विजीरशरक मानका कविदारक विवेद शकारव कशन स्टेरव ना। ख्यांत्र इंडिंक की रुक्त, विद्यास अवस्थे स्टेट्र ।

যান্ত্ৰাজ টাইমস বলেন, ভত্ৰতা মিউমিসি शांनिष्ठि शवर्रावन्त्रेरक कार्याहेष्ट्राट्य व्यवा व्यवा नज्ञाख लाटकत्र नतात्र कर्नाहे श्रीव्यवस्थीत्रप्रित्र কেও মিউনিসিপাল আইনের অদীনত্ব করা উচিত। মিউনিগিপাল কেন? সাবতীয় আই भारत प्रशीमक करा छेडिछ। अ विश्वत्य काहात्र**ः** অভিযান করা অগ্রুচিত।

১ লা এক্রেনের পূর্বের লক্ষে রেলওয়ে খোলা व्हेरव मा। त्राच्या मन्ध्रार्थ क्हेंब्रोरह अवर करसक দিৰসাৰ্থি একথানি কল ভাহা দিয়া যাইভেছে। কিন্ত কোন স্থানের রেল পরিবর্ড আবদ্যক ২৩-য়াতে বিলয় পতিল।

৫ ই ক্ষেত্রারি আগরায় একটা কুছুর প্রদ-ৰ্শন বইবে। ৬০০ টাকা প্ৰয়ম্ভ পুরক্ষায় আছে ই अ ध्रमनित्री कि कृषिकार्र्यात उत्तरित निर्मित्र पहे १ बाठा

मञ्जूषि (बाह्यद्वेदान अश्वयम विज्ञातात्वव विष्ठात्रभिक्त गत्र ष्ठात्रमात्र मार्ट्सके व्यक्ति विष्ठेति, मान जारका जवाद कतिनारका । देशहा অংশের থেকা থেকিয়া দেউলিয়া হইয়াছেম।

शंक वि. ब. शरीकांच ५३५ जन शरीकार्बिट मर्था ७० वन फेकीर्न रहेवारहम । देशविरमञ मर्था ३ वन श्रथम (अनीटक, २४ सम विकीय (अनीएफ, जबर २२ अन कफीय (अनीएफ फेक्सीर्य र्देशार्यन ।

२ अवाच साम्बाहा

চীন হইতে সংখ্য আলিয়াছে, অনেক विद्यारी र किछि नर्गत जाजने कतियात केल्हा त्र कतिशादक । नव शांत्र काशीन वस्त्र निद्दरशां वारिया ज्वारताहरू शमन् कविर्छोहरूका, खबन अक जब देवाकूरेन जननगरन जरकारत जाहात र्मश्र क्षा करता देवेवांनी काशास्त्र विदेशम श्रेतारक्षा । फिनि बनिजारक्षा विरवंभीक्षतिरभन সহিত সংআৰ বৃদ্ধি করিয়া দেখের উন্নতি সাধন कता टांशात बाजनीचि श्रहेब, यनि जातिब्रान फैरिय त्रशक्षण ना सहस्य क किनि शह कार्य केतिरवम । देशादक) , शाबाब विकास अमुन्नीक जारून मात्रिवाहिन। (कार्फामनार्वत हुई (स्वान

मण्डाचि मन्द्रसंप्रकृषिकं विकार्यत्र १३० कर क्षेत्रिकेम् काव देखिला बहस्त्र, शत्क किर्मावृत् (शिकानकाक क्य मार्च क वाहेबाही द्वाबाटक

मार्ग (वाधाई वहेटक २,२৯, हैं - वेकान कुना आवानिरात अतियाना विवारक क्षेत्र कार्यान मोन्निर्राष्ट्र शर्मकास श्रेकेल समाम ।

२) व वाक्लविक्रां

क्षा क प्रसदि करणतुरस्य क्रांन्य तक रहे ब्राएक । बरुक विकेश सावरंग क्रियम से के की क TO THE PERSON OF THE PROPERTY AND LABOR. केवन गर्थ जाननिक देश। माननुत राजी अक याकि गर्नारमका कैसन अक हुए अपनीत कृतिहा পুরকার পাল। বেদ; স্থানাক ও পুর্ণালিভ भक्तीक करा एवं संकल शूर्वकात सम्बद्धा एवं, कोशं थात्र रेक्ट्रितानीरहृता थाल रहेबार्डन ।

शवर्गत्मत्त्रेत्रः चानाव् अक्की श्राकां छ वृत्ती श्चवं भूत्रकात माच करतः। जिरुगक्षं ७ वेषस्य 'काल्यांवि উश्वय क्या अवर्णन कविकाहिरमन्। मार्काएक विवत्रं अक्टब्स्मीय भटनक अमीमात त्र अक्त क्षेत्र क्षित्रार्ट्य । इतिकाशास्त्र केष त्यनीत्र अक वृश्किः विशिष्तं कम् अप्तर्गम कतित्र। शुरकात नारेवाटकन । संस्थाशहरत अक सम अफ ন্দেশীর এক উত্তৰ লালবধিকবাটারি করাতে खारादक कमिनमरबन भूतकात स्वत्रं व्हेतारक। अंकेषित्रं भाषु श्रक्तित कवित्रा कारतरेक शूर्वकात भवित्रिरिष्टम । वेदीनिटमत् भ्रांतिकारम अव्यक्तिनीयं. উৎসাধ বিষে এখানকায় নিয়ও উন্নতিলাভ कतिएउ शास्त्र।

रेউद्याणीत गयाठात।

नश्चम अ हे आक्रेप्रांति । ज्याद्यात्रिकाश वद्यानको নজাপতির কড় হুর করতা জাহা ছির করিবার कमा अक कमिन्न मिन्नुक कहिन्नारस्य। समनव का ক্রিপাকে প্রতিমিধি মনোমীত করিবার ক্ষমতা দিবার শাইনের প্রতিবর্ত্তকতা করিখেছেন একন্য টাবার বিচার করা মহাসভার উল্লেখ্য। ইংল-क्षीत गर्नामके अज्ञानिश्वेतक वेरमास वृत्रास छैगरमभ निप्रार्थम, चिमि चारमहिकान श्रवन-বেউকে জিজানা করেন উভয় আংডিয় দাবয়া चित्र, कतियात अर्था कैश्रिक म्याप मानिक चीक्रक काएकम कि मा ? शुर्क काशिक्षविद्याह तिरवहमात्र विका गरुश क्षित्र ह्रिया । अधिकाका क्रेंट्र जानक स्वयन सम्मिक्क बोन्स्क नाम्बर्ध करण क्षेत्र वहेत्राहि।

जारम ५१ है जाएगारि । मानी स्वीति ्याम वादेकांत स्वयदश्च क्यांके विश्ववादाक करित कांकात माथ विनय निवक अधिकारक सीता वादल क्यांन्यांने बीकात अस्य क्यांने ब्यांने कांत्र क्यांन्यांने बीका अस्य क्यांने क्यांने PREISTA I

Allerta freelings there and resident alter and resident a

्षण का कि कार्यक सक्ष्मारत कार्य अति। इ कर्म केरक्समा करियारका

कार्वाकाव नीया केल्यकारण स्थित क्रेट्डर । क्रिकेट क्रेस कार्यात जीवा कराई क्रेस्ट । कार्यात नक्ष्म कार्यात कार्यात करियारह । ३१ कार्याति क्रिकेट्डिस्ट्राणिस क्रिक्टर बाखरम न . क्रिकेटक्ड ग्राटिय (क्रिक्टर) व्यक्त का भावि .

जाशता वरेटण ११ है मरवर्गतत मिनिए जा ।
जाश्येत्रमें मुख्य भागमांग शास्त्रोत मिन्दा ।
द्रांतिक हरेग्नारम । यह छैरेणिहर मानमिनक है। ।
निर्द्धा मिनियारमा । वि जाना कारक वर्गितर ।
विद्यान कार्यम निर्देश कार्यम कर्गा रह माहे भूका ।
जाश कार्यम निर्देश कार्यम हर्गारम । मानमिन ।
वर्ग कार्यम हिल्क स्थारम । मानमिन ।
क्रिक कार्यम् स्म नाहे । भागमांग (मर्ज्य विद्यम कर्गम मह ।

প্রেরিড় ট

बाबारत जियूक लामकामा मन्त्राहर

श्रहामग्र मनीरम् ।

अने जुन वर्षिनिय बंधा ।

अन्न जानिन नवानिक नामिनिय नामिनिय नामिनिय नामिनिया निया नामिनिया नामिया नामिनिया नामि

A MERCH STREET, AND PAUL A MA-MINISTER ALL STREET, AND ADMINISTRATION OF MARKETS AND ADMINISTRA

CHAPTER OF THE PARTY OF T

निविक्त कोश्नित्तं साहि बराश्रम के कवात है कह क्षणात क्षम करिते क्षा करता । काई है इस काश्नित अहें

के विकास अञ्चलके क्या सिन सकति —— ; रहेब्राट्ड ७ क्षांहात हुन कान, भाव ? ज १ ये जाहाई नक्तं कि जासहाई वर्ष हे भूतवारि । टैयवान।क्रियं क्लाम् व्यथानाञ्चनादव ? मूखका ह देश्वांशांकाय अव्त कवित्व किथि मानवास्त्र ह क विश्वशृति भूका कात्रव द्यांत्र समार्थ ? देर । माध्यम अपन विक्रित किनि बीमरतमं क म । गरवरं कार्यन रेकाह व्यवहरू है वाकान कवि देवना श्रुव काकृष्टि श्रुवता वर्ग के वर्ष क्यंता कतियां क्षक श्रीकरिक दर्जाकम् स्ट्राम द्वा समार्थ ? अवर चूंब कडूक गढ़ का सक देवाला रह न वासारम्या र कोकन सहस्र (कोक वासार भूम नवित्र महाक स्थेतन नार्गक काल मान wante vande order रेगरनग निरमान काला विकास श्रादिन ? जिलांकिय अर्थ सूत्री बाजन देन कही ह डाहा काम्ब्रह्माल है डाइन व मा माह निया का छोड़ी किंति क्षेत्रार्थ केलिय क । यक क्षित्र कान कहा भावनितिषं स्वेटनंद काहा करत क्षिम् 'सब्हर्त २ क्षणरम्' बङ्गकोहर्गहर्म मञ्चानाट जाक्रवार्थन अक जाठाइ सहित्य जाटह जाहाटच अर् एक - लिका गढ़ी। कहा के बाकावगर करता अवर कुत्र क्षाकीरकं बहुबक्षाकतनं कृतिक प्राप्त इक्षेत्र क्षेत्राहर हे नामास्मित्रक संवर्षक अस कर सूर्य विकेती भूजकाचि । संदेशकृत अर्गाहित शर्द जान्यतिक्षि जीया कि श्रमारंत्र ? यह कार्यो विश्व-बात श्रीकांक । कश्राता विक वर्षारे वृत्ता बाक्रात्व किन्नदर्भ आहा क्य ? " "

वर्षे मेहल फांश्यातं केल मुन्यामंत्री (गाएका निरुष्टि क्षण कवितन कालाता क्षण कर केला त्मान करत्व । कालाए मानक निर्मान मधानक निर्माण रम नार्षे । कवाया इस्मानक निर्मानी तोन क्षण मण प्रमानी केल शक्ति क्षण निर्मान निर्माण कर्म कर्म प्रमान कविता के कुछ व्यक्ति क्षण निर्माण कर्म क्षण काला के कुछ व्यक्ति क्षण कर्म निर्माण कर्म क्षण काला काला काला क्षण क्षण कर्म निर्माण कर्म क्षण काला काला क्षण क्षण क्षण

न्यात्रकार्त्त क्षित्र क्षेत्रकात्रकार क्षेत्र विद्या वात्र इतिहासि वृज्यक विकासका वात्रकार कार्या कान्निक वृक्षत क्षेत्रकार विवृद्धत वर्ष कान्निक त्रिक इतिहरू व्यक्षताहरू विद्यो विकास कार्यका के अक्षत मकामनविरात्र श्रीक में श्रीपत्र श्राप्त श्रीकेर सम्बद्धिक करिएम केंद्रिक स्थापनविद्यालय हो। विक श्रीति श्रीक श्रीक करिया। कांश्री साथीं स्टब श्रीतिक श्रीकारक। Į

जनेका बहाताक जानन मकामनीरणत सारि में नकन मञ्जानाती शर्मात महानक मा निर्म् का मिनेत करिवात स्वाम कार्यन करिएन कीश्रीत दिन ও मदानिमर्श्याटक कथना क्षांत्रीति कान नाह्य में मकन बर्द्यन स्वामन का गाउँक कारात निर्म महानित्र कार्यना

शक देवनीय मारत महाताल जानम जुदिकाल अर्थ (स्वेंबना गञ्ज सह म बरतन त्य मञ्जाबादी) वर्ष अनामीत देश क्य मिन्स ज्ञा बाहा मिन्छ क्ष রাছে। অভএব ই সকল ধর্মে বে সকল আয়ায়ায় ধ্বীটে ভাষার প্রারশিক্ষ বন্ধবার করা উচিত। विके द्यायना आगंतिक परेटन पटनट्ये बाह-विक्रों सिवा में बरेश वर्ष निवास के विक्र विशेष क्रिलिन। यह नगरत क्ष्याम क्रिनान जन्म र्राष्ट्री (कारक्रा महाद्वारक्षत्र शक्ति विकाशन करत क्षेत्रका समाम शक्षित्र वादा देश नथवान क्षित्र। प्राशास्य होता नवाय रहेता अहे जाला. । विमः त्य धर्मा मिर्नेष्ठ मुख्यान मेरिक्स क्ष्मांसम् मेरिक्स क जिल्लामान्नीरमञ्ज नर्शकान मन्त्री कर मेखिए क प्रेफ्ड वांकी मध्य महाश्र लांह कम शिक्ष था-किया म'श निर्नीष्ठ श्रेट्ट खाशास्त्र यति मद्या माग्री वर्ष क्षामाशिक में खाइमात्री रंग, करव र শব্দ শ্লাচনশ করিছেত্তে সেই শভকরিকে পারিতে नर्छंद ब्याधनान प्रदेशन शाम्रान्धिक कविया छात्रा निविद्यान्त्रीक्षिक्ष ६३१व । मृत्यमायिक्ष अवस्त्र এজিয়াপু<u>ল ্</u> ভৱে পিলে বেশ রেশাভয় रहेटचे अधिक ज्ञानदिश कार्या चार्या रहेटव । **এहें क्रफ हिंद्रीकुंफ इंदेरन** राज्यकारी निरंगत निक्र প্ৰতিকাপত্ৰ স্বাহ্মর করিছে বারবার বিশিবাস कोब्रोजी क्लिकेटवे व्हांकेड क्टर्स मील किए किए या त्र शाम स्टेट्ड श्रामाश्रास स्टेन ।

अहे गवर व नाष्ट्रांगाही क्षिण्य वहां वहां हो कि विश्व के क्षेत्र के क्षेत्र

আমার নিডাভ ব। জুনীয়। ড ছাচে যে প্রকার জাঁহারা খুম সংস্থাদি দারা দেবদেবা দুষিত कतिराष्ट्राञ्च । असे देमरदणः या विश्वनार ना করিয়া পুদ্রমাৎ ও বিক্রয় করিতেছেন, তারা নভাত অসদাচার। স্ততবাং ইছাব সংশোধন লন্য বিশেষতঃ বলভাচাবীদের আত্মদমপুৰুল ,র অত্যস্থ কুংসিতাচার আছে, বাহাতে বোঘাই এনেৰে এক মকদ্মা উপস্থিত হট্য়া বিলাভ नर्वात पुम्लका छ छ । इंक इरे मार्ट्स, धवर या-ার বিপক্ষে গুরুর অন্ত্যাচার নামে একু খানি ংরাজী পুত্তক লিখিত হইয়াতে, ঐ কুংনিডা-ात मर्गाधम कमा जानि अहे सकात छैनात ন্বলম্বন করিডেছি। এইরূপ এক পত্র লিশিয়া व्यक्ति भाग कानहाद महवादि गवर्नद (कन-लात ममरक्ष चत्रर जे विषय क्यानां वेवारण भव-व (अमन्त्रम अदे अधिशाय-श्रकाम करतन रा ন্ধেপ অভ্যাচারের দণ্ড না করিয়া সুদি কুরীভি ংশোধনে প্রবৃত্ত হইয়াছ ইহা আক্রের্যের বি हा जाकवा व विवदम जामारमम् कुम्मरकरणव ন্তব্যেতা নাই। গ্ৰহ্ম এইমুগ ক্ষতিপ্ৰায় काम कतिबारका कानिया मञ्जानाब्रीमिरगर क्षक्कि भगावन कतिएक क्षात्रक कितिहनन, मोक्र्यक्त माजी बादम त्यांचामी चानमं त्रव तका जो महाबादणा अस्ताभित काम हक्त |बीहात **रह नारे निहा धाराय गयाह्य फिक**। शाहितान, ना। । । । भूक्षारकात्र सम्बद्धे काळात्र विदारहर । ग शास्त्रकः कि**न्न** विस्तत बस्या औ व्यक्तानात कार्निक हरेट्ड जाराव ह्वीकृष स्रेटन ।

সম্প্রধারী লোক্ষ্যে অন্য কোন প্রকার উপায় । পাইরা কানা ছানের ব্রাজপুত ও রাজগণ क्रियादम अर्दे ध्वायनी कतिया निरफ्टकम स्थायन । स त्रामनिक्य देनं पश्चीक्सकी स्टेबा कामारहत বক্ষবৰণৰ জ্বিপন্ন করিভেত্ত্বেন। কিন্তু প্রাইক্ষণৰ ই সকল বুজান্ধ আয়ুল্ড অৱগত হইটো আ-ारक शाहित्यम (य महासम्बद्ध रेजस्थर्य क्रमहरूकाको कर्षी क्षिटिक कातक करतन नाहे, क्षत्रन नाहे वर्णक कार्तीन महेवाने कहे कार्या कतिएए हम।

मञ्जूष्टि कारनत श्रदाम श्रापन क्षित्रान হান্ত সময় সহায়ামের অভিনত বে প্রতিক্ষা **জ্ঞান্তাতভ্, প্রাক্**রু না করিয়া এক **অভিন**ৰ किल्ला अक्र कवित्रा शाठीम्, जाराट ই মিলিড হয় যে উভয়প্তের ভিন্ন ভিন্ন हार्ष्ट्र स्वाप्तकारण विष्ठात अवेटन, विक् ७ । इवेछ प्रत्मार अवि । अन्यापक महानव । क्रियन

मिरब्रांकिक इस ও १२४,१२६। উত্তমন্ত্রণে इस हैश | भिव **এই উভরের সুরক্তা উ । উৎকর্ব ও ভব**র্ভের ম্যুনতা বা উৎকর্ষ বিবেচিত হইরা বাহা ভির श्रदेश छाहा छेखन्न शक्तरवरे बार्व सहित्य रहे:व। किन्न टेनव्यर्ट्यंत कोन महोन्ड विन चाकत ना करतम, खाहार्ड कान देवसून गेंका-मारप्रद बहायक न्याकृत कविरयन ना । ज्याद ভুন্যকৃষ্ণতা ৰাজিয়েকে অপবের সহিত ভাঁইারা श्रिकाशज वा निर्देश श्राज चाक्क्स क्षित्रिक ्या। এইसन अधिकान्य कानिरंग महाश्रीक পুমর্কার বোৰণাশত্র প্রকাশ করিয়াছেন বে লৈব रा रेक्कर धर्मात छेरकर्व का अभगवर्ष जानात विद्यार्थ। मञ्चाकांकी कारेकत व गरून जना हात श्रुत्त विकिन्न श्रेक्टीक आहा नगुनवा निर्म स रम देशरे जाताह जपूर्वासक्तः जात्रका राजिक रवत स्त्रीकाशार्व श्राप्तकार पूर्वक तिरव कि ना ? ब्रह्मि अस बाटने बेरिया आ आजा वात ত্তেৰ সম্প্ৰীৰীদিগকৈ বৰ্ণান্ত্ৰীৰ বহিছুত বলিয়া श्वनः कर्ति चौक्रियः।

ST

যান্যৰৰ জীমুক্ত নোম্প্ৰকাশ সঁপাৰক महालग्न ममीटनयु ।

महानप्त । (क्षता मंगीयात, ज्याप वानावारे ষ্টাধ্য প্রধান বোষী বস্তভাত্ত্রি, সংখ্যবাত্তী দৰভিবিজনের ২ মাইল কজিন " আছুনিরা आटमत् किंगन नवेलन बेटरावन नेग्रीकृत वार्टिक देश विक्यतिक्रमें बाजपानीरक निर्वारन कति निर्वारिक प्रमुखानेप्रक्रम अन्यानी आवन ऋषिया कंदरीय मामध्यकारम मा हिलिया निकं प्रेटि

> क्षाय ०-। ७६ जन कत्रमहान् विनिष्ठ अस्त्रा সন ১২৭ - সালের পরে একটা সমাজ স্থাপির कतिशाहित्यम । जकत्वरे आहे महारेष्ट्रेक, সম্বাদেরই উপ্রতি হয়, ধাবং বে বে উপায় করিলে क्षामगिरक मच्छा त्यांनी बरचा शननीय क्यां बास, इहारे डांश्टमत श्रथान डेटब्रमा हिन । विरमयक क्षुंचि नदारम मीरिक विवहत्त प्रक्रमा प्रक्रिक हरेहा मक्तान कर्कूक मेकाम् शतिक एरेफ अवर स्रार्थम् मर्था भाग श्रेट वित्रस शक्तिया मण्ड ७ मना डारतत वनवडी स्टेबात (इंटें) करनर्कत प्राप्तः बन्नवर्की हिन। बनिएक कि, वेशि 'कन्नको क्षिक' भा रूप सर्भित्र 'केंक गणाद अधिवाही हो। रहेर्डम अवर मधान विक्रियंड अरे जिन कर्मह हिल्ल भाविष्य कार्या ऐर्देल कार्यान्य व्यक्तिय नन। नशासात्रन 'स्ट्राह्मक् सावन' सर्वान' हरिएक गातिएकम अवस्थाद्यत जातक क्रिवृत्तिनीयम

विरम्न এই বে সভায় সময় সভাবে এক काराशत विश्वा दक्ष बरामद्वात वाह नेत मोहै क्लिक व्हेरमन, अवर तका, विक्, बरस्वत शक्य कि भूतमात अकृषि अक्रोकः स्रेताः(यह्न चार्त करणत विवास शासन कतियाहिरणत, रेहा व्राक्त कामुम्बन नक। शतनंत्र, क्षतिवादी। क्रेमान क अकाञ्चादक विश्वास्य कतित्व वयुवान स्टेरमन। माहाटक नवाक ना हरेटक भाव हैशह खाहाद्वत প্রধান অভিপ্রান্ত হইরা উঠিল। বেল্পে নায়ংকালে शकीह बहुन। मध्या अकरी निवाद्वर स्थानिया-बाज खिक्केच नबुशात विशिवानी निवा-গণের কোলামুল শুনিতে পাওরা বার ভত্মপ वैशामक मास् मान्द्रके अक्तरा करनवन कतिया टामास्यत में कृति क्षित्रको दरेश देशिः ल्ब । त वाशिए नवांक हिन, बडाब क्-রিরা ভথা হইভে সমাঞ্চ উঠাইবার চেষ্টা করিতে नाजित्वत । ভाराट्डक छारावित्वत बत्नाद्रक धूर्व ক্রিডে না পারার উজ্জ সভার সভাদিসকে এহার করিতে বস্ত্রণা করিয়া- সভার পরমোং-जाही अक गक्तम बाक्तिएक विमानवाद्य मानिएक উদ্যুত হইয়া পশ্চাং শশ্চাৎ থাৰিত হইয়া ছিলেন, পরিশেবে ও ব্যালারে কেই গ্রন্থত বল ও সাহস व्यवसम्बद्धाः कविष्यः नामित्रः मा, काइन नकतन রই পাঠজুলিং কাছারই অর্থ ব্যয় করিবার সাম্প্র हिन भी किस्तित प्रकारनत अवस्थ हमरकात जा চরণ দেবিয়া সাম্ক্রিক উর্ভিন্ন আশা ভর্নায় क्कमानीक विगर्कन विद्वारक्त अवश् कमन्यि गक लाहे फामानगाम् । सिवाण महेद्रारम्म । नकरमञ्जू गण्णांक्य महालक्षा केंक्क जाञ्चलिया ब्राट्यक विमान किंद्र मुक्किक हेक्टकटक केंद्र जाना अंद्रिकारिक विक्रम वर्षेण शिक्षा जारेगरक इस प्राप्त क्रांत क्रिट्डिट्स । अक्ट्र क्र्याकांत्र क्रांती इतेज्ञा कीज ब्यापामा विकास के केना वांच राज मारे को कि मान कहिएकर हते। काशासन हर्दन नीव नीवा नारे, बेटलाबक कार्य अकता विकिट्स मान्ये कार्यद्रकाम । मान्याका समावाद । स्टब्स जिसके जाति कि कशिक संकार के काशिक अधिक जवक ster wife. Acutes, was visia wie er transfer and a water of the said nes garin fün, amer, min türe bafte what the " would have all the PARTY TO THE PARTY OF THE PARTY THE STATE WHEN BY THESE AND THE STATE OF THE attend on the second on a second · 阿丁中村市 医中枢神经神经病 如何 中華 有意识 में चाकिएंक की जाना है।

क्षिक्षिक्षित । अभिशेष व्यक्ति व्यक्ति स्थानिक क्षा लेक्बरिक कार्यक कार्य देशवंश में इंडन. यति प्रति जनप्रोप्ते कीकान्न श्रूपीक रहेवज्योगिरशक् म्बेटन खेनिराख क्या, क्षायात्र स्रोतन क्या. स्केरन । अम्बन्धाः द्व न्। कि यद्योशन् अस्ता नाम बन्ममा कहिटन छाड़ात्र (बार्यय कवा इड-**प्रोटक । मञ्जीवक वह,अंत्र । (आदिक दटन क**'लएए বেবতাপৰ নিমিত আছেন, কিন্তু দেখিলান. কথার দেবভারা সম্প্রবিভাবে ভারে।

> अकाष्ठ वनवन এक क्षेत्र किरेक्यी भविश्वासक।

बीनारवे व्याप्त मार्गयकान नेप्लीवक महाभन्न मभीटलम् ।

न वितय बिट्यम्ब विषय

गण्णीभक बहानत । जाननाव ३६ हे जातुत्रा-রির গেমপ্রকাশ পরে " চিরকাশই সচ্চে,র অয় इंदर्जा कार्त्र किराधा कथारे शतिनाम क्या " এरे ृ निरहानार्यत्र श्वितिष्ठ भज्ञ था!न भक्ति केतिया অভিশর ছঃ,খত হইলাম, কারণ আপনার পত্র-(श्रेतक महानम् । त्राधाम्यत्वत्र मिक्ड प्रश्रीहरान्डे-(**७ के जार्टश्यत मुख्**री चानुरक अर्थशक कंत्रवार्षिक बारिहर तम्ब्री बाह्न कतिहारस्य, किनि बर्जिनह क्षित्राट्डन (व मूक्ती स्त्र प्रक्षकात्री, व्यर्थाय द्यक्ति मार्गहे श्रुनिय क्लाडी द्रिनिएमत विष्य छ क्निप्रिंक्ट हेंने होका स्ट्रेंट्ड सं ब्लाख (मीर बलिया चारमक गाँक। कर्यम कतिया गर्देश्विद्धित्मन रेम्बाद **फारा एड जुँगे जुनिय प्रभावत्मेट अर्थे मार्ट्य** কৰ্টনাচর ইভয়ায় সাহেব মুহুরী বাবুকে সম্পেণ্ড कतिबार्देष्ट्रन । ज्याननात्र भज्ञरक्षेत्रक विटरम्बा কৰেন ৰে ঐ হাওলাভ শোধ প্ৰকৃত হাওলাভ ब्बार्थ नरर क्रफेरीर क्रुनिहिट केटल के नादश्य मुद्दी बर्सिक विश्वनि मी द्वीक्षित्रा दिशा दिशा विकू वि ৰেন, তথ্যমান্য ডিনি সাহেবকৈ অনেক অপ্নুৰ্বোৰ্থত क्तिशार्षम । अकेषांश विमुक्त विरवहना १६-জেছে বে আপনীর পত্তপ্রেরকের সহিত মুহুরী बार्य मुक्तावित भक्षण चारह, बेकना भवरथहरू क्यम अपूर्णक अनुवाद धाना मूधनी बाबून क्षांड देवहामिक्षा कर्मन (हेड्डी शहिर कट्टन । वाहा रक्टन, बढ़ेरी बाद राष्ट्रात न्यांच भड़की कार्यं नेटरन चित्रि क्रिक क्रावरणबाक, उक्ता किनि विह प्रमुखं क्रिकिं गरम्म । बोन्डविक छुण्डिरंकेर छक् महिन्द बूंड्डी बाबुट्ड किड किट किन जना मरन्थं अविशेषितम् वर्षः, किन्न अस्त्व श्रेषिकातं वर्षः काहारक बाजान विका बक्क क्रिक क्रिका प्रमें निर्मादका बाहित कहें तम सुन है कि ते के जारा जनशे दरेश (कर ?

गार्ट्य स्तिवाशिक्य हर, खेरमनक्ता कल नामक এখ'নকার এক জন পুর্বোধ স্বইনশেশইর কডক গুলি সন্কারি টাকা ভছরপাত করিরাছিলেন बुक्दी बाबू तम विवस् अवशक्त बाकियां छ छिएन-চক্ৰ দত্তকে ধরিবার কোর বিদেব উপায় করেন माहै, अहे विनयाहै भारत्व क्षत्रफः मूछ्दी वाबुटक শক্ষেপ্ত করেন। পরে বিশেষ ভদত্তে জানা গেল व উत्मन मरखत्र हाका फहनागार्डतः विवस सूह्यी বাৰু গোপন কচেন নাই। বরং ভাষাকে ধরিবার ष्यामक (हरें) कविदाहितमा, किन्न अक्डी विटम्ब कातरन फेटबन एक इठे व जानावाजी स्थ्यास बृह्बी वाबु छाहाटछ कुछकाई। हहैंटड शाहरव मार्डे । क्राञ्जार मुस्ती वाव मिर्फाय स्टेग्ना माला जन हरेए कराहित भारेतारहन।

পত্রপ্রেক বলেন है। को खेरिय हिनाद्यः সর চারি ক'গজে হাওলাত শোধ বলিয়া উল্লেখ পूर्तक मुख्री वांबू जानक हीका जाचानार कति-ভৈতিৰে। সম্পাদক স্থান্ত। ইংগি কখন সভব হইতে পারে না, বেহের ইংা নিডান্ত অসকত ও বিচার বিরুপ, বৃদ্ধি হাওলাড লোখ বলিয়া কোন कांगरम लिया बारक छहर खाहा जरमाहे हाल-लाख सन्बत् हेक्स्त्र नृतिस्ताम स्ट्रेटन। कातन अक्षण निर्दर्श करहे बाहे (क क्रिंग्डाक खंदरनम नमञ्ज नाक्षी द्राविश होकी सञ्ज विद्यानुष्ट नद-कात्रि कांचरक (जार्श वित्रकाल कांत्री) फाहारण क्षित अकादन फेल्स कर्म । हेरा छ जाना गाई-टब्रेंट्र (व. अरे डिनाडिटाटके वालविक **कामरक**ई मेकि। बादनाँक (मद्या नद्या कृतिया बादकन -प्हती बांदूत (राजन विभिन्न) ६ ठोका माज कि इ हैन अर्क बन फत्रवरनकाउ ७ शृहिशु वाह्यस्य धमनानी व्यक्ति, टब्पूँग श्रुनिय क्रुश्विटलेट छन নাহেৰ মুছ্রী ৰাবুর সক্ষিত্রতার ও কাঁই।দক্ষতা त विषय श्रुकीविध क्रिकांक रहेश विध्येषक्रण मक्के बाद्धन, विश्वष्ठः जिनि कृषिष्ठात्रेक । जिनि कर्ष बेरे जाममात महिल्लेकाच्य मार्जाधारकंत कथा। क्रिकेड अविचार्ग क्रियान वा ।

नाअरबाँदन कारता यर्गन मूख्यी वादू (करत পদোশলকে হতুর ও গর্মাবতার প্রভৃতি প্রদান अयोगं विरेमयन भंभी बाता प्रविक इहरकांडरलम अकरेन जोरी हेक्डि रहत, किन बाखरिक जिला बरहाँ जिसे बागीकांगाचि के उपरंशीय वर्णत गर्कानेष प्रतिनिक जिल्ला विकित्त भक्त बाह्य स्विष्ठ रहेशे स्वार्थन । देव क गजरेशनक जानक नमग्रे के ब्रेश वित्यवन नेक शामान चाना काक्सानं क्रिकारकेनं। यूक्ती बाबू केंक्क विश्वविन मर्द्यमं बाहा बेट्डिम, किटर क्रोलनाव अबटह मुद्देत

माउटेटावर स्वती वाचून आगंख स्ट्रेम अस्त जित्र गुनित्य शहर भाता अवस्थिता अह कातम् धार्णमः कतितारकमः चांचा अधारधारकमः निडांड सब क नेर्वता । (बाध कड़ि, खिनि शुनिद्धर " श्रविष्टे बहेबाव छेनातुक लाक महबन। छहक मुलबी बावन भविष्ठिक साविक्षा विक भूनिएक **क्षरवर्ग केत्रिया शास्त्रम, फट्ट छाङ्गाता जैनकाई** যোগ্যপাত্র ও সঞ্চতিত্র, কাছৰ ঐ সকল লোক इतिकान (इन्हों मुनिय स्पिति केरख के मार्ट्स (वन बाना महनानी क कहेताहकम।

२२ ज कालगावि। ו איף דפים

মানাবর প্রায়ুক্ত নোমপ্রকাশ রন্ধাবক "महानश मभीटमञ्जू।

यविगन्निद्यानमान्य-

चामामितात भनीकारमत स्वतका वर्गना-ভীত। কোন কালে বে ইহার উন্নতি হইবে '(অনেক দেখিয়া শুনিয়া) ভাগার আর প্রস্থানা করিছে পারি না। কারণ বাহারা এসকল স্থানের

टारा रा शासरे कुनर बाजानब निश्य। चर्च प्रयोगिशन किए किइ क्रभा कंग्रेक निरक्रभ পুৰুঁক বিদ্যালয়ানি সংস্থাপন ৰ'বা দেশের उत्रक्षित्रक यत्रभीत स्टेटन काटल क्यक्थित्रहुन ঐত্তৰি ছইতে পাৱে ৰচে, কিন্তু আমরা ছুর্জাগ্য বৰ্ণতঃ সে আৰ্ণাতেও একরণ কলাকলি প্রধান করিয়াটি। বলিভে কি ইহারা জাপন আপন जमीशादी (बार्बाम्हणद अधिवान जान) नील-কর ভূতকের ভীষণ করে নাজ করিয়া প্রকাব হরবস্থার এক শেষ করিয়া তুলিয়াক্তেন। মৃহ্ণবয়। ইহার উদাহবৰ সকলে নিৱে যে প্রস্তাৰটা লিং-নাম ভাছাভেই আপনার এবং পাঠকগণের জ্ঞ্য क्रम व्हेट अरिट्र ।

আমগ্র * * * নিবাসী 🛍 বুক্ত বারু * * * * छभीनांदीत खरीमण् श्रष्टा। चर्तीस वांत में में में कूरी में में में में में में में में नि कर्दश्र करण वैकाशा सद्भ जामानिशक जावक করিয়া মিরুদ্রেন। বর্তনান সমর প্রাভি পুত্র मरामग्रह छम्नाथा मा कतिया ऋत्य देखातात अक विवान व्यवनान स्टेटन विवान वाक्षित निवा भौनकरत्रत हरछहे भाख कतिया दाविदार्हन। क्षाम मन्त्राहर महाभद्र । ब्राब्धक्र का कबीबादवः शंखात मनन ७ केविंड नावन करा कि सम्मीय-देवत निष्टम मर्टर हे बिक इत्र, क्षेत्र रिष्ठ बाबू कि केचत मनीत्म जनतानी वहूदवन मा १ जामतः भरा मङ्ग वाश्विकवह बाबूह भक्षणीर्जन तट। अध्वार-

क्रिया बाद भद्र मंह प्रस्टिक (बन्न) श्रास हरे।

তিনি এক জংশের প্রকাব সভোগ ও মদলাথে

बिर्द्धत नीत्मत दूरी छेठारेबा निया चानि अमी-

क्रिक्टिंग करे भाग अक्रमा छ।शा भर्गा अ मध्य क्रिन

लान, विषाणिका प्रमा अवनी रेश्याकी वामना

बचारक विक्रंप्र विश्व नीलक्त्र राष्ट्रत क्यांन

क्षाम ममर्थन कविशा द्वारितन ।।। देश कि

ভাঁহার সদাশয়ভার চিহ্ন ? না উদার্ভার কার্ব্য ?

बा धर्मवारांत्र अञ्चरमामनीय ? जामता अनिवाहि

স্বৰ্গীয় বাবু কলিকাভার কয়েকটী হাউসে জাবন্ধ

ৰাকাতে নীলকর প্রভৃতি সাহেব লোকের অন্ত-

রোধ পরত্ত্র হইরা কোন কার্ব্যে সদসৎ বিবেচনা

क्तिएक मा। किय जामत्। तिक्ष जान वर्ष-

মান ধাৰ্মিক বাৰু সে গোৰে দুষিত নছেন। তবে

কি জন্য ডিনি হিডাহিত বিবেচনার পরাঙ্গুখ

इक्टलम ? कि समा समनीय दिस निवय छैस सन

कश्चित्रा कमग्रार्था नमार्थन कश्चित्रत ? अवश

কেনই বা নিবাঞ্জ নিবন প্ৰজান প্ৰতি এক বারও

সময় কটাকপাত করিলেন না ? আম্মা ভাষা

पुष्तिया देविएक भाति ना । देश कि क्षांशांत वर्ष

जीक गतम कारतित जञ्जूमा काद्य केंद्रा रहे-

ক্ষেত্ৰ বাঁধার মগুলিন্দিত চিববাঞ্জিত ধর্ম

খতের মূল আমাদিগের দীন নয়নেব বারিভে

व जरहरः विरमेख हरेश कछ विकल हरेलाइ

ম্বের হতে পড়িয়া যে কত কষ্ট পাইডেছি

ভাষা অগদীবরই আনেন। তিনি কি ইহার এক

পাঠকপৰ ! আমরা চিরজীবন চর্জন্ন নীল-

देश किमि अक बात सिवशंक पर्यम मा।

সান্যবৰ জীযুক্ত সোমগুকাশ সন্পাদক महानंत नमीदनम्।

স্বিন্য নিবেশনামনং---

शाबी वाधिस्मन, भारक श्रका नीत्मत्र मिठि ! ৯ ই মাধ্যে সোমপ্রকাশে চ ক্রবৈদ্যির পুলেব আভ ডার কনষ্টানগেয় সাঁড্রাগাছীনিবাসী जीवुक स्मध्य महावय उष्ट्राण महानायस विकामम मर्मायम कांत्रमा किल्मन, अनार्यम । (म) विज्ञासक कार्य दिलक्षा अभयान किम्बाहिक, ভাগার বিবরণ প্রকাশ ক্রিয়াছিলাম একণে উক্ত বিষয়ের অভিযোগ উপস্থিত হওয়াতে হাবড়াব ভুবিজ্ঞ মূলেক মহাশ্য ছব্দুজের লাবিছ विवरम् छिक्नी भिन्नारहम । जानामी जिन्नात কৌজদারি সংক্রাপ্ত সক্ষরার নিজাতির দিন क्ति व्हेत्रारक, निकातारक नक्त काफ कतिय।

> गांजांगाही है 39 B मांच)

--:•:--

মান্যবর জীবুক্ত দোমপ্রকাশ নন্দাদক यहांभन्न नवीटनंद ।

শ্বেলা মুদ্দিদাধাদের মোড়ারি

এ জেলায় বৰ্জনান জন্ম নোজাবি গৰীক। বিবাহ अमा रख नतीकाची केन क्रिक रम, खनारवा वी-शंता देश्याची ना जात्मन डाँशंनिगरक भरोका দিবার অনুপর্ক্ত করিয়াছেন। কি চমৎকার! भार्कि महाभारत्वा मकामहे व्यवशेष व्याहन, ১৮७६ गाम्बर २० जाहरनम् ६ यात्राञ्चमारम् सह कार्षे रहेट अहेन्रल विश्वयांवयात्रव रह व नही কার্থিদিগকৈ সছরিত্রতা ও শুলিকা প্রাপ্তির निवर्गन वर्गावेटक क्वेटब, किख कक बरहाबरव्रत কি উপস্থিত মতি, তিনি দর্থাত দেখিয়া ইং-হাত্ৰী ভাষা জানে মা ৰলিয়া একে একে গৰন্ত পরীকার্বিকে অস্থপর্ক্ত করিলেন। কি ভরানক কাৰ্ব্য। উক্ত আইনে কি হাইকোটের কোন विशादन अपन क्वांन म्मेड कि जम्मेड विश्व नाई व नहीकार्वितिगरक देश्त्रांकी कावा कानिएकहे इट्टें। अरक्ट् बरन (स्तर्भ माद्रे वा ह्रातंत्र हांत्र छा) कांत्रन हाहेटकांडे वहेट्ड अञ्चल कांत निश्चन इस बाहे (व ब्याखनादि नहीकार्वितिशत ইউরোপীর ভাষা আমা আবশ্যক। ফলে জঞ गारिव देश्हाकी स्नाता कुकत निव्रम साहित कवि-लम। महत्व बरहावत বৰুগোল কঞ্জিক वहें कर करावणी कारन निर्देश करिया हा-कान्नि भन्नीकार्वितन्त्रः देश्मधीन काना साना व्यविभाक बहुनव ।- ३ म व्यव् वाक्रम (क्रमा महुद्रह

भवीका ।

(कर्ड् । विक्रीयकः अध्य (वाक्कोन्नविवद्ध क्षत्रकड क्यका (क्वजा स्ट्रा एकीक्का तरा शुक्रास्त्र क्ष्मिन वालमा आमिहा भृतीकात केली र स्ट्राक् अरहरन हेरदाओ फ़ांबा निकार जाना बानिएक ना । ३ व कार्न जाबद्ध नुकास् त्व, त्व मन्ध कार्या भूकी हरेएक वाक्षणाएक मन्त्रात करेक कर्या फाराज किस्माज हु।न रह मारे असर अस वारहरे ৰে বাঁথবাতে কোন কাৰ্ব্য ব্টৰে না, এৱণ বোধ रत मा। विकीय कात्र महत्व, बना केडिक त्य কেবৰ বাদলা ভাষাজ্ঞ ব্যক্তিকে গুৰুতৰ ভাৰ विश्वतीय राजि कि । देश्ताओं मा जानित्व कि लाटक शक्रकत कांत्र बर्ग कतिएक शादन मा ? अवर वृक्षियान नकतिज्ञ स्त्र मा ? वेश्त्राकि कांबाक वाक्रानित कथा बूरत थाकूक, इंछेरताणीवनितनव मध्य कि निर्दर्शाय ७ मन्त्र इतित बाक्कि शाक्षेत्रा बाब मा ? अजि कारकात मन्तूर्व कम। त्वन कात्रव नवर्ष अधिक विनिवास श्रास्त्र मारे नवः शुक्र-বেরা কেবল বাদলা ভামিরা নোজারি পরীকার छेडीर्न स्ट्रान करनटन देश्याकी निकात जाना थाकित्व मा देश वृक्तिवृक्त नदर । विव खटकेंद्र बान। উतिथिक क्टब्रक कांत्रन महाब्र मक्क बनिवा चीकांत्र कता बात्र, छाश स्टेलिट वा कि करनावत्र रहेटक, चांकेटकाटकेंब्र कटकता अञ्चल विरयम्बा করিবার আদেশ করেন নাই ও আইনেও কোন क्ष्मका हुई रह ना । वाक्ष्मः कार्याक हुनकतिब বে সকল ব্যক্তি বছডর পরিখন করিয়া আইন चाक् हे चश्चान कतिबादहम क्वन हेश्ताकी मा জানা হেডুডে জন সাহেৰ ভাৰাদিগকে পরীকা বিবার অসুপর্ক করিয়াছেন, আর সাংহ্র मिकात गरनत मर्या यांचाता चीत्र माम चाकत করিতে কম কি না সংক্রত, কেই **যোজার** मिरमत बागात थाकिता बाष्ट्रात ब्हेतारहम अञ्चल লোক ইংরাজী না জানিয়াও সাবেক নোজার वनिवारे भवीका विवास क्षेत्रक क्षेत्राटकः अने कि क्षा गारस्त्वत छेशबुक कार्वा बहेतारह ?

মানাৰর জিবুক নোমলকাশ নন্দাদক वराज्य व्यक्तित्व ।

নহানর ৷ আবার পুর্রগত্ন নয়তে আপনি বে শাভিনত প্ৰকাশ ক্ষুদ্ধিয়াকের অধিবরে ক্ষিত্র বলা আৰুদ্যক লোধ হওয়াতে নিয়ে করেকুলংক্তি मविद्रान कविकाम प्रश्नेत्रक कविका भाषामध्य (गांडिक क्रिट्स्स ।

 । वीराह त्यक्ष क्षेत्र विरक्षका किति रमें थांत्र पविकारन कार्या देश्तांकीटण जन्मात हरें- । सन तक त्राक्क कृतिहास देशे आणि क्रांत्रीकात करि

क्रिन विवाद कदिएका ना ? क्रष्टे शहद कुर्विद यन वाशदिता हलि, खबाह खाँदानिरभद्रवन शाहे ना। व्यक्ति के बनिय बीमक्दब्र पार्वमाधनादर्ग আধানিগের অপ্রকণ জনর ক্ষতি বীকার করিছে **ब्य । इश्र्यंत विषय अहे, केश्वांता (मीमकत नाट्ड** (बजा) चार्मामरगत इर्च नमूचि इक्ति, बिम्रा জ্ঞান ও সামাজিক উন্নতি করা হুরে খাতুক, क्षत विष्टे वारका छ नरवायन करतम ना। हा विशोषः जूनि बांगानिरगत् श्रीक विमूध एक **डाहात्रा गर्ना छन मन्यत वास्त्रित हरछ निम्छिछ**

नीनका सभी किछ सका १। ১- हे माच।

रहेरात छाशानिरभन्न विक्वनान त्वन रहा

19901

मा ! ! !

मा अवर जानमारक क्षेत्रकारत जा क्षिक कामान कतिएक श्रिका जानि जानगरक जन्ने জ্ঞান করি মাই কিন্তু জনোর বাক্য প্রবৰ সা করা অসুসায়তা ইবাই আমার বাক্ষের কজিপ্রার ছিল। আপনি বেষর আপনার মত প্রকাশ কার-(वन, (मरेश्रम (कह छोड़ोत क्षांडियोन कतित छाहा । अकाभ कहा कईवा। जानित्र जातक नगरत अहे जी जिल्ल विशय श्रेयशंत ()) कविष्र। थारिकन विन्ता । अभरखत्र वार्त्यत्र अधि विन्ति । धरे कर्यक्री जन क्षरवांश क्षित्राहिनाय। आर्थात्रे क्षणि बरार बरार जानि जे बन वर्वहात कवित्रा-্রের। আপনার সন্থিত ব্ধন আমার মতের জনৈ ক্য ওখন ভাহাৰ দোৰ্ধৰ বিচাৰ ক্রিভে আপনি भक्त नहरून क्रुएज़ार छारा नांधातरणय नमरक शानन कहा कर्डवा। वनि वरमन व्यानीन चान भश्कुलाम कविएक भारतम ना, जारा स्टेर**न** थे थे-কার কোন প্রস্তাব লেখা নিতাত ন্যার্রিক্ষ

१। जानित अवात प्राथीनवावूनिनेदक व अक्षा "प्रदात्मक » " वाम्यकात " अकृष्टि ৰলিয়া বিশ্বাস্ত ক্রিপ্লাচেন তথারা আপনার ক্ষেদ অৰৌজিক প্ৰত পোষকভাই প্ৰকাশ भारेटफरका जाभनि निविद्यास्त्र वारातः स्थानी खांश्या नाइविन्दर्भत निर्वे भागति भागति । कृषत (२) कटतन ना, द्राचानवाबुता केवान कतिदा (इन, जाउ. व दाँशादा जानी नर्दन। अ युक्ति অত্যন্ত হাস্যকর। আপনি যাহা প্রমাণ করিবেন खाराई अक्षाय चीकात कतिया महेबारहम । विश्व ৰাজিয়া সাহেৰ্দ্বিগের সহিত পানভোজন করেন मा, हेश कि चडश्रीक मडा? काम विक वा-क्तिहै कि देशन वारशांत करत्र मा ? अवर छाहा কি আপরার নিশ্চয় ''জানা আরে ১০" পক্ল-खरत यांक्या अस्तर व्यवस्त करवन खँकाता (१ অঞ্চ ভাষাও কি বঙংগিছ ৮ 💠 🌣 व्यक्तित कहा यनि स्माप एवं छात्रा हरेला द्राचान বাবুরা নিক্জি পাইতে পারেন, কারণ ভাঁধারা **উপবাচক हरेबा ना:हवनिराज्य जिम्छन करहन**

नारे। मारक्वनिश्वत वीता वास्त्रक व्हेशा श्रीवाता डैं। शामिर शत्र विश्व कि विश्व हिर्देश के अपन कि नार्यक्रित छेपर्याभी देख्यमानि मार् बनिया এক প্রকার জনিকা প্রকাশ করাতেও কোন कोत गार्व जानमाविक्षत रेकस्यापि विद्याहि-लिन । मार्शामक स्वेद्धा ज्ञानमाहित्यत्र अहे मकत भूर्ति मर्वित्व अवश्रष्ठ (a) रहेद्वा लिया कर्डवा । হিশাপেটিয়টের ন্যায় ধার ভার মুখে শুনিরা व्यवीक व्यवधा विषय मिथित मञ्जानकीय (जीत-त्वत्र शमि श्रा देश आमा कर्डशः।

শরম কলিকাভার লোকদিশের কার্যের দিন্রা द्रमंबान करतन ना (कन ? ज्याननाहिर्वंद्र कवि काषांत्र कान " क्यांत्र » वथम वीदम गार्ट्य ७ धारांत्र खीर्ट्य निम्ह्य कृतिशाकिरम् **जर्भ जामनाता निः मम हिट्टान क्या ?** নে দিবস সতোজ্ঞ ৰাৰু স্ত্ৰীকে লিভিডে লইয়া क्ष क्ष वाकि गार्वकितात गरिष त्याब-नांकि कतियां बारकन, किन्छ छाश्वितारक ष्माभनाता ' नाट्रवितिश्रंत्र मदमारक्षक " " व न चकाव " श्रकृष्णि बाववात्र करतम ना त्यन ? हेहा षात्रा व्याय स्टेटफट्स शूर्टलाकुन्न नावसात कहा है य व्यनीय देश जाननात कछ रहेटल भारत ना। क्लान बुक्तिमान चाकिए अन्नश बनियम ना (। বাৰার৷ সাংহ্ৰদিগের সভিত ভোজনানি করে जाशांत्राई मूच ७का हुँकाव (8)।

७ जारिमान धर्मजान ३ कहना छ। नर অপরিশভাবকা কেড় আপনি এক্লপ বাক্য কহি-য়াছেন ৰে " উপৰীত ,ধাননাদি অনুচিত কাংয় कतिरम् इ चत्र कामान्तिभव जनत्। वहन क त्र-বেৰ না৷ » জানিয়া শুনিয়া অনুচিত কাৰ্য্য कतिरम जनताथ इत्र र। देश धर्मानी कित विक्रम বাক্য। আমহা শত শত গছি ভ কাই। কৃণিলেও नेचन कामाजित्तन श्रांख निष्कृत इंद्राम ना, किन्न **एक ने वावहांव आंगानिशांव भएक भाग अरक्**र

मेरि। क्षेत्रक क्षत्राच बाद्ध वान। क्रांहादक অবস্থার বিচার নাই, দেশকাল পালের ফিট্টি नारे। मेचरत्रत्र क्षकि जामान बाहा कर्जना काहरी भानम कतिराज्ये स्टेर्स। **जरमात्र जञ्चरत्रारा चीक्र** कर्षकारक व्यवस्था कहा धर्वविक्रम कार्या, व्यवस्थि कमा अभि भागी स्ट्रेट्ड भादि सा। कामहा कहाँ (द्वार উপরোচে आमाর পাপ क्षत्र इट्टेंक शाहित्र) ना । देशदे अভिनिधिगाल आद्यानिक घट--देशेंदे च् किंग्रभप्त (e) ज्यान ७ कूनरकाता विष्टे नवारकत अञ्चलात्य कर्नभाष्ठ वा कतिवा नेश्टलक श्राप्ति चकीय क्रंटरा गाधन कतिरम भाग इत्र. ज्याननात्त এই মুক্তন মন্ডটী অদ্য আবণ করিয়া বিশায়ার্থবৈ यम इर्गाम ! जावाब थे कर्जवा माथन अविन्छ शाश मार्क्यनात (शागः मट्ट, देश **भाक्र**७ हमश्कार्त्र मण !!

ह। नवाद्धित विख्याधम कत्रा काव्यक वर्ष शिलम फोराए मार प्रेम मा ? এইसन फिर्दा जानमाव जान जिंछ प्रस्तां दों। स्ट्रेटिंड् । मध्याक कुमरकात्र माथा धाकिएड (मक्त्रा नमाळनः सःवर्कत्र कार्वर मरहा स्वाश्रास **উপদেশ ও पृ**टेश्य थाता कुनःकात श्रेटक मूल्क कतिए७ इइंटन। निष्ठ जानि यम जार्गादक्ष अधरम मः गुड ना एति छ। इंदेश महाक कामांत्र व'कः ॥३० कतिदव क्वन এवः आमान्नई वा ৰলিবাৰ মুখ খাকিৰে কোখায় ? প্ৰসাপায়ী ছুৱা পান বিরুদ্ধে বন্ধু তা কবিলে কি উপদেশ দিলে त्म क्या कि त्कर व्यवन कर्त ? अज्ञर्भ खनार्ज्य কোন সংখ্যারকার্য্যই (১) হয় নাই। জপিতু উপ বীত ধাবন ও ভাতিছেদ রক্ষা করা যদি পাপ হয় তবে তাহা পরিভাগে করিবার জন্য সমাভকে

⁽১) বাঁহাৰা নিজাজ বিবাদসল হইয়া जरमेक्टिक ७ जॉर्किक्टक्द्र बारका भन्न शूर्व करतन अथर। अक भूतीन कथा नहेशाहे बाउदात व्याप्त्रामम करत्रम, शाठकशर्भन्न विद्रांश कर्म ভাঁহাৰিলের পত্র উপেঞ্চিত হয়। স।

⁽२) जामडी विकासात मध्यन कृति নাই, ক্ষাৰুদ্ধি ৩০ তর্গণভাব ভিন্ন সাম্বান लाटक जाक्यतं करत्व वा, जामाविद्यातं अहे नश्कातः धरे विशिष्ठरे आङ्ग्रा भन्न श्राप्तांत करा ररहारहम्। म

⁽ ७) गोद्धि प्रियान शिक्ष भ्राम्भामि किंडू अहैन कोम गन्न (य छ।शाव स्था अञ्चनका -बार्य बंगेका करता लाइ (श्रवन करिएड इत्र) व्यावता हेकुर्मिक व्रेटंडे कांक्वरत्त्र य गमाज्ञ नारेबाहिनाम, जम्मूनात शखाब तथा रहेबा-हिन । नादरहित अ'काजि कृति जाकानिराह महाब अस्ट्रांव करिया निम्द्रने सहैटि जाउड क्तिब्राएक, अप्रै कामर्श कानिएक शवि बाहे, मामानिरनत अ अजी इहेबार्ड । म्

पृत्यक । मा

⁽ ६) वाटकाता याम श्रृष्टभटकात (माराई मिश्रा **इला**न, डाइ। इहेल लागामितात हिर्नाष्ट्रक एक উषाभन करा है. 6 छ इव नाहै। स्वाबद्धा स्वाब्ध जाका विराद भए जमार जन देशा नहें कहेगा है পাপপুণের বরুপ নিরূপন করিছে হয়। যে ব্যক্তি সমাজের ইউসাধন কান্বার উদ্দেশ্যে উপ वीष्ठ भारत करा. रम भागे नम्रा अकरन छि-क्रीमा अहे येथन आजा गर्ड मगरिकत हेर्ने लिके িত্র পাপপুৰা নিরূপণের উপায়ান্তর নাই, ক্ষথক विनि भवाक निविद्यान करिया नवारकत क्रिके क्रबन, डि.म .बाद भागी इहेरबन कि ना ? म।

⁽ ७) ग्रें होत्रा वर्णार्य नेमाक्षत्र स्थान हो होत्रा ক্ষম সমাজ পরিভাগী আন্ধানিগের ন্যায় বাব - বিষয়ের বিস্লাহন করিয়া সমাজসংস্থার চেঠা करवम मा । लेक्स्मिवक चुने खबब देहरूमा ब्राम ('ह) ज नी दिशाकि है। भूर करू स्मार्ट । किन्तु प्रीय दे विमाना गरवत नामे श्रामी वास .विमेक देशो सिविद्रमारे यूक्टिक गाविद्रमा गा

আপনি ধে বু.ঝয়াও কেন বুঝেন না আমি বুঝিতে পাহিলাম না ৷ আপনি কহিয়াছেন ধাছারা সমাজ পৰিজ্ঞাগ করে ভাহাদিগেই ছাবা সমাজেন যখন विश्वानियां कार्या कछ पूर्व कुछकार्या बहेग्राहिन? ब्रां वर्ष होका विद्या किहा करत्व मध्य मध्य লোক্ষে এইদত্তে ভাষাদিলের দলভুক্ত করেতে भारत्म । गारा रुखेक, जाशीन जित्र निक्त कृति थित स आश्रमाव ना'त्र छुटै চाति छन शिक सहेवा सत्तर माह अवर कता छत्र जात कान वा त्महे जाननात नाम काफिटडम मारन ना पाउ अर আপনার উপকার না হউক ' লগভের ৯ উপ কান্ন নিশ্বরুই হইবে ভিলমাত্র সংশব নাই।

e ৷ পরিশেশে আর একটা কৌতুক্তব (৭) অনৃত্যভিষাদনেৰ বিষয়ে কিঞ্ছিৎ উল্লেখ করিয়া প্রস্তাবের উপসংহায় করিতে বাসনা কণিতেছি। चार्गान विनद्गीरहर विन्तामाध्य महानरवृत मनाव ভাগ করিয়া কার্য্য করিবার অভিপ্রায় থাকিলে

(4) शक्राधात्रकत्र विधवाविवार शुक्तक পাঠ করিয়া অথবা কোন বন্ধুর নিকটে উহার ভাৎপদ্য অব্যক্ত হইয়া " কেভুক্কর অনৃত-बारमव » कथाने रम्या फेठिज किया । भदानव किन शर्म अन्डादबरे " बर्ड मृट्ड " रेजािन वहन লিখিয়া গিয়াছেল ৷ বিদ্যাসাগর ঐ ৰচনদী সনে-भीवाल्ट्राव गाठव कवित्रा विश्वविदाह अठलिए ! कत्रिवात (हर्ष्ट) भाष्ट्रया वशार्थ नमास्त्रभश्कातरकत्र कांक क दिशादिन। चुं ने भूतोचन बाहिनम व्यव লখন ক্রয়া খনত প্রচার করিয়া শান, কিন্তু স্ত্ৰাছার মত কি একদিনে বিশ্বব্যাপী হইয়াছিল ? বিখ্যাসাগর কৃতকাষ্য হইবেন কি না ৮ পদ্রপ্রে-ক্লক এন্ডকারাই অপুনান করিরা লইবেন। যাহা इ, प्याचामिर्द्रन्त्र भाग चन्द्रच अहे, श्राद्धात्रक पूर्व मा जानिया ও ना वृत्यिका यनि वान किन मानि क्षक्र है। अनान बारका भारत ক্ষিয়া পাঠান, ভাষা গোৰপ্ৰকালে স্থান मा । मा

উপলেদ দিতে হইবে। একণে জিজাস্য কোন | ডিনি কট করিয়া " নটে মুতে ৯ ইডাাদি যৌক সমধে देश कता উচ্চত ? यथन ममुनाम्न मम'छ ! व्यादयन कतिएक ना । এপুन महानम्हरू छि-একমত হইবে ? ভাছা কি কখন সভব ? বোধ : জ্ঞাসা করি বিদ্যাসাগৰ মহালয় যে সমাজতক হ্য় কোন বুৰিমান ব্যক্তি এ কথা বলিবেন নাঃ, পরিত্যাগ কবিয়া বিধ্বাবিবাছ প্রচলিত ক্লেন আপনার নতে সমাজেব এক অংশকৈ প্রিডাগ বাই ভাছা কি ঐ খোক ছারা প্রমাণ হয় ? ডিলিং করিয়া াধ কবা উচ্চত নতে তবে ত স্থাঞ্জ ' কি স্ভায়ুগে বাস করিতেছেন যে তৎকালের ज्ञ व क्षेत्र भारत ना, याकांत नामाना वृक्ति नियम ७ वावकांत विश्वम ७ वाक्साता । হে বে বাঞিও এ কথা বুলেতে পারে, কিন্তু সঙ্গে একা ক্টবে? বিখবাবিবাছ कি বর্তনাম विक्रमभारमात विक्रम कार्य। सरह ? "विक्रमभास" কি উহাতে যোগ দিয়াছে ? বুখা তর্কের জন্য विरवस्कृत विक्रास्य वाका कहा कथमहे कर्यवा नरह। केशका इहेन मा उसन अगरणत कि छेलकार विश्वादिकार श्वीकारत कामिक हिन विनिया इक्टर शिकामा करि जापनाश ममाद्य शांकिया । यहि ममास विक्रम कार्या ना दब जार सामाम्ब किहूमाज नमास विक्रम नार् कार्य छेगाई आहा কে আপনাদিগের সহিত বোগ দিভেছে ? বাব্দে : দিগের দেশের সনাতন ধর্ম চিল এবং ভাতিভেদ ড়াগ করাও কিছুবাত্র গহিত কার্ব্য নত্তে কারণ আনরাও পাল্ল মছন করিয়া " নৰিলেবোংখি বৰ্ণানাং " প্ৰকৃতি ভূৱি ভূৱি বচন সংগ্ৰহ কৰিছে भाति । विम्यानागतं वरामतं न्यांक छात्रं ना कति वात देखां, कतिया श्रांकिएक शादन। किन्न सन षाता वथन तथा गाईएछहा (य नमाझं छाँशात सह নকে অগ্ৰাৰ্য করিয়া ভাষাতে ৰোগ দিল না তথম उरकार्वा कांख रंखन्ना खेंहान गरक कांच कर्डवा ् (वेन) रदेशारकः। जिलि क नमालक सांक्रिक कारहर ना। किन्त नमान त्य जीशास्त्र शहन करत ना अ वर्गाचित्र केवर कि / उथानि वनि नवाक दका क्तिएक मान कविज्ञा कहानी शास मानम विस् नर्क श्रे वानन। कतिए प्रित्रा सूची श्रेशन रखेन আমি আর ভাষাতে বিশ্ব বঞ্চার করিতে ইন্ছা कविना।

३६ वे बाजुवाति। धक सन शाहक। 1 1046 यशियाता ।

म्ना वासि।

বাবু অক্রমারায়ণ দাস काशि **३५७१ आञ्चाति वहेटक छिटनवन** 30 " नमक्षां है। वहां गार्ड देशक १४७१ काञ्चात्रि स्ट्रेट सन '' বিশালাচরণ মরিক শিপ ল १४७१ क'स्त्रावि स्ट्रिड क्न " अधिमान्य पछ व्यक्तिनेतृत १ " वीक्कृष्ण द्राव ম গিকভলা ১৮-७१ किन्द्रशिष्ट्रिक कोन्द्रशित :• " क्षात्र विदिनहत्त्र निरद् शाहेकशाङ्ग ১० " प्यात, अन, माहिन गार्व्य (यहिमीशूह ३२१० साथ स्ट्रेए (भीव 3010

ताका कामीत्रवी मदस्ता वाश्वाहत अञ्चल ३२१७ माच रहेटछ (शीव

সোমপ্রকাপনংক্রান্ত করেকটা विद्यान नित्रम।

অতিম মুদ্য ও জাক মাজুল না পাইলে দক-परल सामधर्कीय (धन्न कना वान या।

रेशत कविम मूना वार्विक ३० अवर वान्।।-जिक क्षार्थ है कि अक्चरण क्षेत्रकाल्य महसक वर्षिक ५७, काशांत्रिक १ अवर देखनात्रिक ७५०, चिन बारनत माद्रव कवित्र मृत्रा मञ्जा बात ना । ছন্তি, বরুত চিটি, মণিঅর রু নোট, ও স্থাম্প क्रिकिड, देशंत अनाज्य संशास्त्र वाशंत्र क्रुविधा হয়, ভিৰি সেই উপায় বারা মূল্য ধ্রেরণ করি বেশ ৷

ৰ'বিয়া স্থান্দলীকিট পাঠাইবেন, গ্ৰা-হার৷ বেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ও ব্লনীদের টিকিট থেরণ না করেন। ' বর্ণন বিনি সমাধ্য চুট্ডে সোমগ্রহালের मुना भाष्ट्रीहेरक, फ्रांस् तन त्रिक्षहेत्र कतिवा क्षीयुष्क बोह्नकानां वृत्तिकाष्ट्रकाता नाटव शाठी हेन्रा

यौर्किक्षत भूमा विवाद मुनद्र अखील स्रेत्रा चानित्व, अक मान शूर्त बारामिनत्व हिर्द्ध निभिन्ना जानान बारेरव, कान चाठीक स्टेना भारता अकवान किंद्रि स्वया स्ट्रेस, खाहान शत এক মাসকান প্ৰাতীকা করিয়া কাগন্ধ বন্ধ করা বাইবে। শেব বারের শক্ত বেরারিও শাঠাব स्रेट्य ।

মার্ডনা রেলওছের লোবাপুর ষ্টেসবের ডাক বঙ্গে চিঠি আইলে আইর। শীন্ত পাইব।

व कित्रों बाक्र्म ना निद्रा शक्तानि ब्याजन कित्र ्रे स्वन, काशनिरशत त्मरे नातामि श्रेष्ट्र कता बाबेरव मा।

কেহ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিতে ইচ্ছা করিলে তাঁহাকে প্রথম তিনবার প্রতিপংক্তি 🗸 -আনা তাহার পর /১° আনা দিতে হইবে। বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিনার ইচ্ছা করিবেন ভাহার সমিত শক্ত রলোকর্ড মুইয়ে 🛌

बार वह गाउँ कतिकाचांत्र विकेश भूती बाचना तम उरम् लाम्स्यूच श्रीम्यूब मिन कोक्कि-त्याचात्र जिल्ला वाजनाताच जिल्लाकुराजनः राजिए बाज मान्या वामानाम असमित

সোমপ্রকাশ

S A MIN!

७० अंदबर

" प्रवर्त्तनां प्रकृतिश्विताय पार्थिनः सरस्ती सृतिमश्वी न श्रीयतां

বাদিক মুল্য ১ টাকা, অবিধ বাৰ্ষিক ১০ । টাকা অবিধ বাণ্যানিক ৫॥ টাকা।

মকৰলে মাজুলসমেত অঞ্জিম বাৰ্ষিক ১৩ होका वान्यानिक १, ७ देवमानिक ७५०

বিজ্ঞাপন।

जीकि शार्व क्षत्र जाता क वर्षमान वर्षकान প্লামক অভিনৰ পদা এছ বন্ন মুক্তিত ব্ইরা.পটোল क्षामान् विशाविक्ताम (चार्यम ३३ नर मुख कार्यस्य विक्रमार्थ काणिक चाएए। श्रमम पीनित असर' । जाना, विकीय । जाना माल र

क्रिशंबरुक वर्ष ।

-----इञ्चित्रांग बाहेक । 🚉 अध्यक्ष अधिकातिश्रनीय ।

এই অভিনৰ এছ একাশিত বইয়া কলিকাজা बाधानबाट्य ७ तरम् ७ भूत्रभानद्व । १८हानछा श्रीक ग्रवेख भूखकानस्य विक्रवार्थ आहेव। 'ब्रुगा ३ डीका ।

अपूक्त त्रामकमन विमानकात धनीछ "প্রভূতিবাদ » নামে একথানি অভিধান সংগ্রতি चूजिक बरेवा मरकृष वजानांद्र शृक्षकानाः মাধনওয়ালার पांचितिकां अपूक शिक्तवान बाडीएतव कृत्न विक्रवार्थ ध-चक चाटा। देशएक क्षाप्त कारणाक मास्यत पुरि-পদ্ধি অধাৎ ধাতু প্রভঃর সমাসাদির উল্লেখ করা क्षेत्राट्ड ।

म्मा । नाह हाकामाज ।

ব্রিদর্শন পত্র রেডিটরি সম্প विकाशनगढा।

वान्त्र गणिए चनाम्मनात्त्र कारी कृषियो क्यूनाकिशास मकत त्रिक्टिकि कार्र क्षिक्रक करे कारम कता लग, काम वाकि अभिवेदि परिवास समा मिनर्गमणा छैनविछ क्तिएन ताई मण्डाकित विवर्ध देखिलूटर्क व श्व अविकेशि वरेगाटक वृति कामान कावनाक मध्यान क्रिक भारतम् चरनं देशक्षिक विश्वनेन शरकत लिया बाह्र, केल कार्राकाह्रक काशांक के तरेवावक कहिरत शाहरवत । লিখিবেন। ভাছা লিখিবার কোন বর্ট मानिद्व ना। क्षि श्रासमीय वृज्ञान निर्मिष्ठ बर्फ बानियात खता चर्चवर्गत क्षांच्या हरेला **ार्ड प्रायवर्ग्य भन्न विर्द्ध हरेट्य**।

এই প্রকাপ কার্ব্য হাইলে কোন পজ রেজি है कि ब्हेबाब अवा केनेन्द्रिक क्या शास्त्र कि विचार प्रत भूर्त त्रिक्टिति विषय्रक भरवात काना बाहरत. ञ्चदार इंशांट जानिकार्रेन अत्मक निवस अ गटक विवासन क्रेट्य । अहे कादरन अक्षिक्त गर्भगायात्र्रभन्न जन्मोतिष्यंत्र क्षार्मना स्ट्रेट्डर् ।

প্রতিনিধি রেজিষ্টার জেনরল।

चात्रच्यदर्वत्र विवत्रन ।

ভারতবর্ধের বিবরণ ভৃতীয়বার মূত্রিত হই ब्राह्म। अवादत राज्यूत छेश्कृष्टे स्टेटज भारत ছারার চেষ্টা করা গিয়াছে। কলিকাভার সকল नुस्कानदब्धे भावता राष्ट्र।

श्रीभाष्ट्रप्य भन्ता।

ज्राभाग भनिहत

উৎস্থুট অৰানীতে সাগনাদির চিত্র সৰ্লিত अकथानि क्यं कूरनाम पूजिक इहेताह । मश-দ্ভ ষ্ট্রের পুঞ্চনালরে প্রাঞ্জা। মূল্য ১১০ क्रम भव्नभा । '

क्षिमानपूर्व मधी

अन्दर्भ चर्चात्र देखेनिकार्गिष्ठ अने । जरकार्गात्र इत्तर गरनंत्र गराम्याम, थाकू, क्षेष्ठःत्र नमान, কান্তক ও ব্যাখ্যা সংলিও অর্থ পুস্তক (কী) बुजिक रहेत्र: क्या क्या क्षकानिक स्टेरकहरू। व्यक्ति क्यांत्र मुना / - अक जाना । अव्यक्त मरानद्वता भटिनाकाता लामरीचीत रूपिन

श्रीकिमिनि मन्नाकीं : वृक्षारक्षत्र त्व व्यक्तिगां " (के.निश देनकिछिकेमन मामक विनशानात एव

ঐপুনামসর্কাশ শর্মা। निविक्ताका अवर्गामक हेरतानी मरक क বিদ্যালয়ের প্রধান পশ্চিত।

१४४१ व्यक्ति १ ता अध्यम स्ट्रेस्ट १४४४ অব্যের ৩১ এ মার্চ পর্র,ত সমদমার " মাত্রকাক চরিক ডিপে: " কারখানাতে করাব্যত সাবানং দ্ৰবং সকল গোগাইবাব আৰ্থনা সিল বোহর ক-द्विया जानामी के हे भारत्व मरक्षा शाक्षीहरण मन-নবার ''নালুকারচরিও ডিপোর দ আধাক করি मही क्व क्व नारमंत्र वास हरेरव !

ज्ञवाका जानिका, नवर्गाकित जञ्जका-স্বারে পশ্চাৎ ভাছাদের পরিমানের হান বৃদ্ধি, যের পথার্থনা থেরণ করিছে হইবে এবং করার পত্রের कातम, बाबा धार्यमा बाहा हरेला कशातकातिएक ১ এক টাকা মুলোর স্থান্দ বসাইয়া আকর ও बार्व कविता पिट्ड श्रेट-- अरे नकन विवद রবিধার এবং পর্কার বাতীত প্রভাক দিন '' মান্রফাকচারও ডিপো ' কারবানার আফিদে क्षाचीतिशस्य संयोग याहेरनः

প্রার্থনা সকল ছুইখান করিয়া এবং ইংরা कीएड क्तिएड हहेता। (व श्रकाद प्रवा वांगान হুইবে ভাষার প্রভোকের মূল্য অক্য ও আছপাত ছাৱা লিখিতে হইবে।

ইন্ শেপটির ফেনারল অব অড ন:াস আর্থ-না গ্রাহ্য অথবা অগ্রাহ্য করিতে পালিবেন। व्यक्ति नामाना क्षारांना व्यवसार्य सार्थमा विराम वर्धवाद महिन्द (मध्या वा स्टेर्ड, म्हास्यू, वार्च-नाव (क त्व बारकाव पुनाः आकाशक विभिक् ৰোধ হইবে ভাহাৰ ভিমি শুৱাহা করিছে পারি व्यत । आर्थमात महिष चीहर्ण वष्टत म्मा इ সারে শক্ত করা :॥ - টাকা ডিপ্রেট, বিজে হইবে ক্রারপত্র 'এছ হখর। প্রাপন প্রত্যাহ। হঠনে জ হিল, জচ প্রত্যাহি, ড হইবে।

১৮ ৮৭ আন্তের ও ই ম ক মধ্যাক মায়ক'স্থানিও ছোলো কাক্ষ্যে কমিনতি ভার আহনাল প্রানো কণ কাবটেও মান্ত করের।
নানী গ্রিকা ই কিন্ত চলাত আহি ত কর্ব-

मार्था प्राप्ता कार्य, श्रम सहित्त स्राप्ता मार्था (स्राप्ती काम्ब्राप्ती (कार्युम दे कर्ष के क्वाफ्रिसामा

নানের প গণার অনুগত হাত গাট্না লামা পত্নী দেৱক কেন্দ্র কবিব, ত হা হও ! কুল ক্রিল্ডান টাফ তথ্যধ্য ১৪ ৮৫৮/৭ টারা বাজা বালে ৫০৯, টাকা মুনকা আছে, ১২ল জু মন প্রা লানার কান্দ্রব বালারে ১৮ট ফাল ভানের মধ্যে তকে কবিলে বিজানি ন ক্রান্ত হলত পারিবেন।

मान्तिका शमास्ता । क्रीमहिमहत्स्य ग्रादर्शि

म्ब्रुनरः इसः ।

কুমুকভটাত টাৰা ও ৰাজালা অনু দে গহিত, সংস্কৃত কালেজের সংজ্ঞ লাক্সানা পক্ জীবুক ভবত্ততা শিরোমনি কর্তৃক সংশোধিত। স্নিঠনিয়া সংস্কৃত প্রতালক্ষে বিশ্বধান খাছে। মূলা ৬ ছয় টাৰা।

बीयक्रमीय नाम्मण मानम

त्यम ५८त के हे^{. क्रे}माद आकृत्वतक विकासन

करा यहिएडरन संस्थान निवृद्धित कर्षान र द्रिक्य रूप्तन सोदानकी राज न प्राच्छ कर्षान्त्र सामक क्षणांत्रत मान कार्थ सिक्ष क्रथनश्रुर भौकरिय १७५१ महिला ११ के महिला भौकरिय १७५१ महिला महिला

২০ ইঞ্চি গ্রেছ। প্রস্থানের আদুসনিক ৩০০-জিল হাজান রুজ সাতে, তবং অসুভাব হ**তৈতে** যে যেল গ্রেম নীপর বে হ'ল কা কড়ি। আদির কার্য্য নিগ্রে গ্রেম

পরিদ্যাবের সুবিধান জন, ১০ টা পুথক শপুণক লাট কবিছা জনত বিচ, ল কলা দাইবে। আক্তোক লাটে গড়ে ১৫০ বিঘা জন্স আছে, নিলমি স্থা ঘইবলোক্ত প্রতি, ক বরিদ্যাবের ভাকের মুলোর উপর মাজনগা ২৫ প্রিল টাকা হিসুবে আমানত কনিতে ২ইলে, জাব মুলোর স্থানী টানা নিলাবের ভারিব হইতে ১ মাগের मर्थः नाशिन कदिल आमान। छ गिका अस १हेरवः

খরিদনার লোককে স্পষ্ট বুঝিতে হইবে যে
নিলামের তাত্ত্বথ হচতে ৬ মানের মধ্যে সমুদায়
অলল কাটিয়া স্থানান্তব করিতে হটকে, তাহা
না কবিলে উজ্জানিয়াদ গতে অবনিউ যে স্ফানি
থাকিবে, তাহা নাবালকের জেনেন বস্তা গণ্

রে প্রায় কট্টাইনার ও তার্টের মহাজন ও মনং এনা বাজিগংগুক আহ্বান কণ ঘাই এতে বে ভাগে হইতে উছিলা জঙ্গন দুই ক্ষিয়া ক্রিক্ত যে কোন কথার সংবাদ লওয়া আব-নাক হয়, জেলাব জীয়ুক্ত কালেন্ট্র সাহেব অথবা নিহেব স্বাক্ষরকানী ব্যক্তিব নিক্তে লিখিনে প্রাপ্ত হইবেন।

জেলা ব' জুব শিউড়ি । এ. ক্লিটেম শিল্প ৩' এড ক্লেয় রি । মেনেজাব প্রেট ১৮৬৭। কেডমপুর।

নন্দ্রির সংপ্রত পুস্কালয়ে মং প্রশীত ও মংগ্রচারিত নিম্নিবিত পুত্রকণ্ডনি বিজয় কইতেছে---

| ્ટ ને જ | মূল্য |
|-------------------------|-----------|
| जी महे डिहान | :कार्व ८ |
| বোষইভিহাস | 3 * |
| ख्रानम'न वर्शकदन | 1. |
| नीरिनात () म छात्र) | ٠ او |
| নীতিসাব (২ য় ভাগ) | J. |
| প্ৰচ*িব ৰ । | |
| भुक्रावाय वर्गात्रम | in • |
| क्षी पारकाना व | ধ ৰক্ষা ৷ |

देखें देखियान दिल्ला

বৈজ্ঞাপন।

(ুপীশ ফডস / অবং বপ্তাদিস গাঁইট যাহা উত্তমন্ত্ৰে বাসুসংক্ষ হয় নাই ভাছার বিষয় /

ধতকাল সর্কুসাধারণ জনসন্ধে জ্ঞাত করা বাইভেছে, যে জাগামী ১ লা এপ্রেল্ক জ্বরি মীচের লিখিত জাড়ার পরিবর্ত্তন চইবেক :

भौग ७५७ सर्गार वढावित विशक्ति भाक करा गाँदेव सदया अउद्यानीय भाक करा भाँ। देवे कार्ट्य वाक्रट वह शक्तित विजीत कारमत खाड़ा सर्थार मनकता श्रास्त नाईरम देश्यां क सक्ष्मार नामिरवकः। এবং বে সকল শীস্প্রচন্ আর্থাৎ বারাধি বারুতে (পানক করা) অর্থাৎ মোড়া হয় মাই, ডাছা তৃতীয় রাসের ভাড়া অর্থাৎ মণকরা প্রজি মাইলে ইণরাজী এক পাইয়ের জিন অংশের চই কংশ সাগিবেক।

বোড়ে শ্বর এক্ষেন্সি ক্রিইন্ডিয়ান রেলভরে সাউস কলিকাভা ১৮৬৭। ৭ ই ক্রেয়ারি

সোমপ্রকাশ।

৩॰ এ মাধ সোমবার।

পঠिकशन स्निष्ठत पर्भन करिटनन. " চিত্তভোষদা গ থাকরিত এক থানি প্রেরিতপত্র প্রকাশিত হইল। এড়কেশন গেলেট সভাদক সর সিদিল বীডনের লিখিত মিনিটের প্রদক্ষ করিয়া তাঁহার **शक्तमर्थन करत्रन, छोहार्छ भद्धाः अस्** বিরক্ত হইরা তাঁহার প্রতি কটাক্ষ করি-য়াছেন। এ কটাক করা অসুচিত ও অনা वभाक। अकुरक्षन श्राटकार भवन्द्रमान्छेत्र कांगम विज्ञार अमिछ। भवन्त्यत्नेव वर्ष दारा देश अखिनानिक स्ट्रेफिट । প্রতিপালিতের প্রতিপালকের বিপক্ষ-তাচরণ কি বিধেয় হয় ? বিপক্তাচরণ করিলে সম্পাদক অক্নডক্রতা নোবে অভি-युक्त रहेरवन मर्प्पर नारे। अखाविक বিষয় লইয়া পত্রপ্রেরকের এডুকেশন (भरकटित्र क्रांकि क्षेत्रिक क्रांक्र क्रांक्रिकार ब कथा किह्लाम, खाहांत्र कांत्रग बहे, मन्नोत्रक यपि नित्रदर्भक ध्रेशा व्याननात्र বিবেচনা ও দংকাবালুক্লণ লিখিয়া খা-কেন, ভথাপি লোকে ভাঁহার বে ভাবে প্রভায় ক্রিবেন না। এই সকল বিবেচনা क्तिवा पांमाहित्यत्र अत्रथं रेखा हिल ना य উল্লিখত প্রথানি শাসরা সোমগ্র-কান্দে প্রকাশ করি। তবে অকাশ করি-दात्र करे कांत्रव स्टेन, जन जिनिन वीष-त्वत क्षांक वहरूरामंत्र क्षांटक्ष व गटनत **जार जिल्लाहरू शब्दानिए जारा ग्र**मन त्राल **भविराक्त व्हेताह** । উक्का नवक् क्षयांन पूजरवत्रा छाश क्रांनिट्ड गाहिता चट्यक छेनकांत्र मर्न्मिटक नात्रित्व । विटन বতঃ লাজিও ছাতিক কমিনমের কার্য্য ल्य सा नाई। छेश अक्तिकान मधार-मान क्रेट्य । नत्र मिनिन बीखन वर्धम क्षेट्र वान, ख्लुका लादिया चार्रनावि-গের কটের বিষয় ডাঁছার গোচর করিতে किष्मात विषे कात्रम माहे। छरकात्म लाटक यांत्र ७ भाक जयन कतिया जीवन ধারণ করিতেছিল, তাহা পর্যাত্ত ভাঁষার দুক্তিপৰে উপস্থিত করিয়াছিল, তথাপি ভিনি নিতাত পাবাণ্ড্ৰরের নাার হইরা व्यजीकारतत्र काम देशांत्र मा कतिता हिन्सा बाहितम, छाहाटाई बदर्दभन লোকে উাহার উপরে অধিকতর বিরূপ स्देतारहर । अधिक कि, नकरन विशे कति-শ্বাছেন, ডিনি শাসনকর্তার যোগা লোক नर्म ।

" जातानी वर्षत्र छैनात्र कि?"

বেহুড়বার উবুক্ত কৈলান্ট্র নার মহাশর উপরিছ শিরোনামের প্রভাবটা লিখিয়া পাঠাইয়াছেন। আমরা এই স্থলেই উহা ভূলাক্ষরে মুক্তিত করিয়া প্রচারিত করিলাম।

ा श्रष्ठ खराजन हुर्लिक ताने बन श्रकात उरमा रहेनाटा। भूती, कठेन, वाराज्येत, र्वामिश्त श्रेष्ठि खार्म स्व महार्ज्याक्षणम्य निवातनं काश प्रतिमा निवारा, छाहा काशात ज्ञिती, छानारेखी छ गृहमाश्रक्ति छेनश्रद्ध बन्ध स्त्रोत निवार्ख बन्ध आध्वा ३०।३७ जक धरम्पीत खाका क्रिमीट्स विवस्तरात्र बन्ध श्रक्ता निवार्ख वर आध्वा ३०।३७ जक धरम्पीत खाका क्रिमीट्स विवस्तरात्र बन्ध श्रका हर्गाद्ध स्वां, निक्क विवस्त महर्किन मञ्जू छ स्रेशार्ख स्वां, निक्क विवस्त महर्किन मञ्जू छ स्रेशार्ख स्वां, निक्क विवस्त महर्किन मञ्जू छ

स्देश वर्षाकारण मञ्जात व्यवस्य कता क्टेंज, जांदा क्टें(न कि अंड लांदिक एज़ा इश ? नांबाहरन यथन इ र्डक नाजा-दमा कतिया अवर्गरमण्डल छित्रास माना-वांगी हरेख बर्जन, छर्चन यनि छानीत कर्षातिभव ७ जामानिश्वत लाग्डेनकी श्वर्वत मानावत मत मिनिल वीजन वाही-হুর ডৎপ্রতি কর্ণাত করিতেন ভাষা र्हेटन कि जानि भागतिभटक जनः था यटकजीविष्टिशव विनाम किथिता वियोग-मानात्र विषयं इंट्रेंट इत ? नवर्गमणे अ स्मिहिटेखेरी मरशास्त्रभव अक्वांका स्हेत्रा इर्जिक क्षणमनार्थ (य महा छेत्नार्श कति-वाहित्वन, यनि वश्वकारण कारात अञ्-ठान रहेज, जारा रहेदन कि के मरा टिचात अनुत्रण कननांच ना रह ? তাহা হইলে কি আজি ভূরি পবিমিত क्षका क्षत्र मन्दर्भन कतिया मशालू जिणिन भवर्गामकी वाक्तिक रहेएक एम ? बाहा इडेक, जात तम नकन कथात चारकण करांत्र कार्याकन नारे, शंठात्रcuisal विक्त । अवन मतानू तांकशूक्य-मिरभन्न अवर सम्बद्धियो बाजिय्दर्भन नमरक नश्रक्तनंतः अहे माज किन्नाना त्व, व्यानांनी वर्दन देशांत कि ?

सित दिन बर्गन, जांत विन्ना किरात ?

शक वर्षाकारन छन्न त्रकि नरेशाहिन,
कार्जिक्मारमध्य यर्थके जन नरेशाहिन,
कार्जिक्मारमध्य यर्थके जन नरेशाहिन,
कार्जिक्मारमध्य यार्थके जन नरेशाहिन,
कार्जिक्मा कार्जिशाहिन, छर्य जांत विन्ना
किरात ? केन्ना धार्चके यित विक्रित्य
जिल्ला महकारत जन्मावन करतम,
केन्न धार्थित जगांत्रका महस्म वृद्धिएउ
गांतिह्वन। अस्त वृद्धिकारम प्रवर्षन नरेशाहिम वर्षि, किन्न मिन्नि धरमराजेत जरमक
चान्न वर्षि भक्तीत, छाश्राह्म धर्ममध्य छान्न
वर्षत स्त्री निक्र त्राह्मित प्रकृत घर्णना विन्
चेत स्त्री निक्र त्राह्मित प्रकृत घर्णना विन
चेत स्त्री निक्र त्राह्मित प्रकृत घर्णना विन
चेत स्त्री निक्र त्राह्मित प्रकृत घर्णना विन

क्तिएक शांदत नार्रे। भटनटक बीज जना-ইয়াছিল, কিন্তু অন্নৰতে সমুদায় ভূমিতে রোপণ করিতে পারে নাই। এই সমস্ত (रजूरनेज: नमुसार जूमि जाराम स्त्र नाहे, चात्र वारा चाराम स्टेबाट्स, छारात उ परमकारण कि ताव वहेर मुक नरह। बिरवहना कब्रिटन भएए एम याँ-नात उर्क कमन अधिशादह, अमन (वाश रत्र ना। উर्दात व्यक्षिकार वा जव्या है । मिट्रांतरे चांबाम कता। बाशनित्रात किंकू নছতি ছিল, ভাষানাই যথাকালে সুচাকু क्राण क्रुविकार्या मुल्लावय क्रिकाट्ड, यू-छतार छारानिरभत्रे त्यांन आना लाख। **भक्तांश्वरत रव मकन लाक वृत्रिय, अथ**वा इर्डिक नीएांग्र निःच रहेश निएश्राटक. ভাষারা ভাপনাদের ভোত ভামীর নমু-माग्र ष्यांबाम कतिर्देख शीरत नाहे, शाहा ष्मानाम क्रियारम, खामान व्याकारम উপযুক্ত মতে না ২৫রাতে সম্পূর্ণ কন. धाम इम्र नारे। जारायम के चन्ना नित-মিত ধানা ৰাভীত অন্য কোন সংস্থানত नारे, डाहाड जारांद्र अन नात्रत्मीत्थरे পर्याक्ष इस कि ना मत्मन इन। उदाछि-। त्रदक त्रांककत्रध मिटक स्टेटव । अहे मकल (पश्चिम) छनिया (वांच व्हेटलट्ड (व, আগামী সমের আরম্ভ (বৈশাধ মাস) **जबिक अर्का**विक मीन हः थी *।* नारकता পুৰৱায় অন্নৰতে পতিত ছইবে। গত ভয়মর ময়ন্তরে দেশের যেরূপ ভ্রবছা चित्रार्थ, छाहार छ वर्गिष्ठ ध्यकांत्र मीन शैरनत मः था निकांड जन्म क्रेरव अमर (दांध इय न।। े मकल लाटकन शति-कानार्थ अथन व्यवधि दक्ति मङ्गान ना क्तिक शूनतांत्र अवग्रविवातक निवातक বাপার সংঘটিত হওয়া অসভাবিত नद्ध। विद्यायकः चामना नावनिक शदम (भन्न माडिनाम स्थाननीम स्थान) स्थि-তেছি। ভত্তা অধানণ হর্ডিকণাতের भुक्ताविष्टे उभवू भात विभए भाष्मा

পোন্তান ডিটিরা যাওসার গরে প্রাসিদ্ধ व्याभित्मत चराकृत छेरशाच, लावनिक ष्यञ्चारत, यसच विक्रु हतीन द्वारभंत क्षाक्ष के कि माना क्षा र क्ष्मितार 'নালি, ড কইমাতিল— গবিলেণাকে ছডিক গুপাল চ ২টা ভাষাদিগকে পিটলেল। यहिल्ला मा मा मा मा के निर्मात वर्षित निर्मा লালৰ লয়ত লাবেলিক ভাষ্যলৈ বছল - তি-बार्य पृष्ठ इहेर्द कान्ध्रमा कि १ पर्डिक २ न ५ (मार्ग वासा नोविधिक छात्र। নিভানে এপেল নতে, সমুদ্র সহিহিত সমু-मा। १५३ डेक छात्रिर अपूर्व । गांत इडेक, विश्वावय शीमहीनिष्णित शि. ত্রানের জন্য যথোচিত উপার শীঘ্র অব লম্ব ক্লা নিতায় আৰশ্যক সঞ্চেহ नाई।

अट्टल जात अक्टी कथात्र উत्तर করা অভান্ত আৰশান, জাহা এই--গ্ৰ इर्डिक्क सबकार पाँज्या आत मकता है শাকশক্ষী প্রভৃতি চুম্পাচ অপুষ্টিকর জব্য व पा। पतिप्राप्तकः "ठ द्वेबस्त्रन अथन सार्तिक (कहे (वाषश्रस्थ (क्या याहेट इटड । (बार्य, चर, यमग्र, अभाकेका वयर नागावित्र छेन यामह, देशव अना छत भीड़ा (य मृ:ह मृष ा इहेर इरए, जाना शृब्दे नरह। बरे मक्ल প্ৰানুৱ যদি শীঘ্ৰ সমূচিত প্ৰাতীকাৰ লা इश, काहा इदेशन करम स्मूलार (क्यरे थाशाशामिता निनम् व्हेरव ववर बद छ। त्याद्रक्त आंचा विनये बरेबार मार्जुर्ग महावनः

वर्षन कथा वह हरेए ज.स. हिलारिक विशेषदाणि किक्रटण निवादिक इहेर्व प सीनद्रः विशेष किक्रां निष्ठांत्र भावेत १ দেশের গীড়াব কিরুপে উপশ্য হইবে? **এशन धाकाशिकती तालगू** स्थितित धार अरम अका का अका महा चानर १ व চিত্তনীয় বিংল। স্থানার কুর বুদ্ধিতে क्षे करश्किति छेनात खेँके व वहेरछहि ।

कर्छातीक इ इहेग्राधित-काशादा, नियक । श्रायम, इंडिक डेशमार्मात सना देशनार्धत (य नांश्या जांअबा इहेबाटक, जांका इहेटफ বিবত না হইয়া দেশের প্রক্লেজ অবস্থা दर्गन श्रुक्तक ज्यान जाहारयात्र भावणा-কতা প্ৰতিপাদন পূৰ্ব্যক তথা ছইতে দান ट्याबटनव व्यार्थना कवा एडेक। देश्लट्या लारकता चलांबनः प्रताला। विराधकाः মাপ্পেটবের নিরা এ। মজুবদিগের আহু-कुमार्थ अपना रहेए अपूर वर्ष (अविष হইবাছিল। অভএব ইংলগুলেরা এদে শেৰ উপকার নিমিদ বদান্যতা প্রদর্শনে डेमागीन करेट शांतिर्वन ना। विजीश, উলিখিত অভিপ্রায়ে গ্রেণ্ডের সাহায্য मीख्न आर्थना कता इडेक । भवर्गरमन्त्रे शख र्जार्डएक यरथानयुक्तकरण मान करबन नारे । विट्रचनकः आमानित्वत मझानु त्ये हे (मटक है। वि गहासीना बार्फ क्लानरवांतन বাহাট্ৰ যত আবশকে টাকা দিয়া প্ৰস্লাৱ क्रिन निर्वापत्ने चारमण क्षेत्रान क्विश्रान **ए**न। योग ३ धरा आका शक इंडिंक সহজে, কিন্তু যথন প্ৰস্তাৰিত সাহায্য ঐ মৃতিক্ৰনিত ক্ষত প্ৰশাসনের ঔগধ वज्ञान, उर्चन ऐक्रिशिंड पारिकः এउ२ मण्ट्रोर्क ना थे.पिटवं एकन १ अक्टना द्वाध इस भवर्गमण अवादत मुक्तच्छ इहेर्दन। ङ्ठीय, सम्भीय मनालू उभाव ए स्नाकृषि लित अवः अनमानी क्यीमाइश्रुव्य निकृष्टे হুটতেও দলে সংগ্রহ আবিশ্যক। জাঁহারা इंडिटकांशनरक प्रनामा छ डा ७ स्टाम हिटेजियजा पर्भा है?! अहूत वाश कहिता-(धन् मरमह न:है। कियु उँ। इपिश्रदक। चरमरभंत इ:थ विरमान्दन भूनन्तीत इन्छा-বলবদান করিতে হইবে। দাভাব বর্ষণ वर्षाकालीन वर्षानंत्र नारा मगत्र विरम्दात व्यथीन नार । शतकः बेकाजत महावाता माधाम खु लड़िक माधरन कथनहे काछ भ्रेटि शारतन ना । शत्य **आयां पिरंग**त দেশের ছ:খ নিরাক্রণার্থ দেশীয় লোক निरंभवर नकांत्य यश्नत स्थम भाव-

भाक । हजूर्व, उपितिनिधि ह जितिय नक थन वांवा अक इहर कथ कहा इंडेक। তাহা হইতে বান্সারিজাতীয় নিঃস্বল लाकितिशंदक मूलधन चत्रेश किंदू किंदू ८न अया इंडेक, व्यवर वर्षाकारण एति म लाकिनिर्देश चन्ने मुर्गा छशुन विक्रय করা হউক। আর, রোগীদিগের চিকিৎসা হেতু মেডিকাল কালেজের বাললা ক্লা-भारत अमृत ১०० कन ছাত্রকে **अ**यथ मय-লিভ ছডিকপিষ্ট দেশে প্রেরণ করা रुकेक । शक्षम, भागीतमान सहित्यनिद्यात মঙ্গলেনেশে সাধারণ হিতকর কার্ব্য কলাপ সন্তরে ৰাভ্লারণে আরম্ভ করিয়া मिडेन, এবং मिक् श्राटनमा हहेए**ड मा**ना तथानी वश करून। आमता श्रेका विख-कत बदर अवर्गामानीत लाफकत बक्ती इंड् कार्था (मचीहेश मिट्डिह। छाहा **এই त्य, भवर्गत्यकी निमक महत्व वांध** क्तांडेन, बदर छज्ञछा वर्द्धनमील निविष् कानन (इसन कहारेश डारा आवाम कहा रें एक व्यवस्थ रहेन । अक्रुश रहें एक अक्रुटन त्वाना मक्त्वत अमकीवी क्रिप्रतारकत्र त्रका शाहेर्द अवर अ व्यक्टनत व्यक्त র্দ্ধি হওরাতে সম্প্রতি বাড্রের অত্যন্ত উপদ্বে **अक**ाभराव स्माद्य अञ्चिमाः वन व विषय माग्न दहेशा छेडिशांट, छा-राउ प्रोक्न स्रेट्र । भकाष्ट्रत के महत वस्तात्र ज्या यादान इरेटन थानमश्तत नाम विक्तीक हरेता ताकटकाटन आहुत धनान्यत छेणात हत्रेत, व्यथह छाहात्रा गांधात्रव (मोकांगांध विक्रिक हहेंद्व । "

রার মহাশার মেদিনীপুর অঞ্সবাসী। ठिनि के व्यान नित छ छे ज़िवार विद्यान রতাম্বজ। তাহার লিখিক ধাকাঞ্জির याथार्थः विषद्ध अनुमाज मरभन्न बाहै। ভিনি গ্ৰামণিক লোক। ভিনি ভাৰী विशेष व्यामंद्री कतिया गण माधा य काकी श्रेष्ठांद क्षित्राट्डन, उन्नुक्रण कार्या कर्त किन्नित्र कार्यभागः। शक वर्दित्

नाव नव एका मा एव, अहे जानकिरभद्र चनुरत्राथ। উलिचिक श्रष्टीय मञ्जारव्रव मर्था व श्रीन श्रीशंन शूक्रविराभत कर्खना ° বলিরা ভির হইরাছে, তদিতরের অসুস্-श्रांन कतिश उत्रवादन कहा व्यवणा क्ब्रा ।

वर्षे अन्या जामानियात जात वक्षी বস্তব্য উপস্থিত হইল। কলিকাতা ও ভারিকটবর্তী ছানে এ সমরে ভণ্ড লের महत्राहत त्वज्ञ श गृना करेत्रा थाटक, धवंटर्य ভদপেকা অনেক অধিক হইয়াছে। তরি-भित जात्मरक मंत्रा करिए एक्न, ३२१8 गालिए जन्नकर छेशिएक हरेरव। कि धवात्र अ ष्यभारत इर्छिक स्वेरव, कांन करमहे कामधूमिरभन जन्म त्वाय स्ह (खर्ड ना। अधन छशु न महाचा हरेतारह, ভাহার এই কারণ বোধ হয়, চাউল নানা चारने त्रथानी इरेटफरइ, किंद्र पाणित जवन भाग स्टेटि आमनानी स्व नाहै। यां हा इंडेक, ज बर्रिक त्रांक शूक्रविद्यंत्र किकिट मान्यान स्रेश छन। जीनणार । এবার ঘেমন পর্যাপ্ত পরিষাণে লামা क्षिश्चारक, एकमन क्यांना दर्भातत नाति পूर्व बर्धन किছुमाज निक्छ नारे, 'नकन शृहरे मृता, मीजन चान पार्थमा उध স্থান আন্ত্ৰ'করিতে অধিক কল লাগিয়া शास्त्र। अञ्चद भागता व वर्षत वार्ता-শাল্পের বিরুদ্ধ প্রস্তাব করিতেছি, রপ্তা-नीत्र विद्यात एक जाँशाविरशत मुक्ति पाटक। बन्नेरमण स्टेरल ना स्टेश भक वर्ष व व স্থানে মুর্ভিক্ষ না হইরাহিল, তথা হইতে त्रश्रामीत वावका क्या इंडेक।

ৰারীভয়েব অম্যতম কারণ।

क्रा ७. रक्राम निम्नकृषि, क्रा-कोर्न ७ चार्स विना चनाना रहन च-পেকা করাত্তকর, ভাতাতে কাবার पश्चमत्रकांका क्रावरकी विटलंब कान्नर्वन मध्यवेन एउनाएक देश पानिक

তর শবাস্থাকর হইয়া উঠিয়াছে। বজনে শের মধ্যে বে বে হান অপেকারত বাছাকর ও বহুদ্ধ বিলয়। প্রনিদ্ধ ছিল, তাৰা মারীভগ ছারা আক্রান্ত হইয়া নানা धीकांत्र इतवकाशक इहेग्राटक। य य কারণে মারীভর হইভেছে। উৎকৃত জন নিৰ্মশপ বিরহ ও প্রাম মধ্যে দূষিত चन धार्यमे उचारश धाराम। अकारन वक দেশের অনেক নদীরই জ্রোত মন্দ অথবা क्रम रहेश निशांटक। त्य त्य क्रत वहे यहेना रहेबाट्स, त्मरेशाटनरे मारीखटबब गमिक बाइडीक इस। क्रकनशत हैशत अक्री छेथ्क्रके मुक्तित चन। किहू निन रहेन, पांत्रता २८ शत्रभगत प्राप्तः शांकी বাফুইপুর ও তৎসন্ধিহিত ছান সর্লেব धतकत मात्रीखत दंखान गाठिकश्रानत গোচর করিয়াছিলাম। যে বাঁধ থাকাতে शृंद्वि धीम मर्या लोगा चरनत व्यवम নিবারিত ছিল, ভাহার সংস্কার না হও. ग्रांटि नोंग कम अविके हम, छाहाटिहे े जिनके माथिक इरेग्नाहिल। जनूमकान क्तिएम धरेक्रण चरनक चरनरे कन निर्मा মাদি দোষ মারীভয়ের কারণ বলিয়া निक्छ रहेर्द मरमह नाहै। यहा अथ-স্তাব উপস্থিত কবিবার কারণ এই, क्तनी जिनांत जल: भाडी वतमां भंतभ-ণার নদীর ভোত রুদ্ধ হইয়া একটা প্র-कांश कना स्टेग्नाटम्। तारे बन निर्मारमञ পথ না থাকাতে উহার চতুঃপাশ হ গ্রামগুলি নিভান্ত অস্বাস্থ্যকর হইরা উঠি রাছে। প্রার এক কোশা ভূমি জলমগ্ন इवब्राटक शृद्ध ख्याय त्य ज्यर्थाख नामा-বিধ শাসা ক্ষাত টোহার সম্পূর্ণ কতি হইরাছে'। স্থানান্তরপ্রকটিত প্রেরিত পত্তে পাঠকগণ ইহার দবিজ্ঞর রভান্ত विष्टि मार्देवन। मख्यास्त्रका छो-र्यना कतिरखरहम, भवर्गरमणे डेरमहात्री स्रेता जन निर्गत्मत अरुपि शय कतिया एका स्रेमाहरू। किन्न हिशू विनन तम एक

রোধ করিভেছি, এ কাজ করা অব্পা कर्तवा । देशए७ क्वम व धानामत निवादन एडेटर बद्धार नग्र 🗗 सनग्र क्रांत्नत छेक्तांत्र हरेता कृषि ७ वांनिका উভরেরই দৰিশেষ উন্নতি হইয়া উঠিবে। ইহাতে গ্ৰণ্মেটের সাভ বিনা অলাভ नारे। भेजर्धात्रकता राज्ञभ कहिराउट्टन. তাহাতে গ্রণ্মেণ্টকে নিজে সমুদার बाब्रक मिटक स्टेटन मा। छज्ञ सभीमांव ও প্রকার নিকটে সাহায্য পাইতে পারি (वन।

-:0:

পুলিছেব আত্মত কাও।

म्डन श्लियत विश्वता आधारा ध আশকা করিয়াছিলাম, তাহাই ঘটি-एक्ट । (महे शूट्वंत नाम निष्ते मकक्मा नामान, चाहरनत विकट्ख कराम ताथा, স্বীকার করাইবার জন্য প্রহার কবা এস-ৰল সমানই বহিয়াছে। সম্প্ৰতি প্ৰধান , **जम विहातालास এक अञ्च** ज मकक्षमात चाणीटमत विठात हरेग्रा निग्नाटक। विज्ञा तानम व विनदा य अधिशास वाक कति য়াছেন, আমবা ভাছার সম্পূর্ণ অনু-त्यासन कतिरक्षि।

भक रेवज मार्ग अक मिन इक्ष्र्राहत चन्दर्गक महाधाना आत्मत किन् नात्म এক যুবতি স্ত্রীলোকের বাটাতে এক জন किनोमात्र निया वतन, मनीएक এकि पर्केटलक् भावमां भियादक् । किছू किन পূর্বে চিপু ভাষার খণ্ডর আদমের সঙ্গে ৰিধাদ করাতে ঐ ৰাজ্যি ৰাটা জাগ क्तिया बाग्न। हाकीमांव विश्व के वाकि रफ रहेब्राट्ड अवर हिश्रू जारा कारन अहे ৰণিয়া তাহাকে ও আৰ ছই ব্যক্তিকে उपात्र महेशा भिन्। (विशेषांस्य त्रांग नांसुक **७२ वन वमानात जीदनावर्णिक ख**र्गनः कतिता विनव ভारात ठकाएडरे भागत्यत विश्वा क्षेत्रा क्रमा क्रमा। चित्रां अञ्चर : त्म क्षेत्रां चेल्टवत न्टर। स्रमानात

ভাহাকে অনেক দম দিন ছুই রাজি ভাহার সহিত বাদ কবিল এবং অনেক (कोमाटल (महे एक) प्रकार काहात थे खातन क्ष कथा श्रीकार कड़ाईस, जवर ज् कथा व का इ विश्व स्थ माइक हो ए. (दारा अदः का वर्मा अहे कर्म करन ভাষাকৈ বধ কৰিবাছে। ইতিমধো ইন স্পেক্টৰ জগতন্ত্ৰ মেন আমিয়া মহা ধুম-शब यौर ह करितन। डिनिड हिन्द्रक লইবা ভূই বাত্রি যাপন করিলেন। ভয়ন্ধর शहरा मह करिएड ना शाहिला मार्क শ্রভূতি হত্যাপরাধ স্বীকার করিল। মহ-फ्या गांबिए ड्रेएवेव निक्टि एथा दिख इहेस. চিপু তথাৰ শিকামত সমুদায় স্বীকাৰ क्रिन। विकास इटेटिए, अयल मुग्य চিপুর শশুর আদাগতে আদিরা উপ-चि इहेल। हिंभू अथरम हेनटम्म हेटत उपरिमाजन्य जाहारक भ्राप्त विका चौकांत कतिमा। किन्नु आति मकटन তাহাকে চিনিবাতে শেষে পুলিদের वर्ष्यञ्चकारा श्रीकां व विद्या मिल। अक्टन অবার ঘাড়ে বোঝা পড়িয়া গেল। বি হারিদেন, খাতিবুলা ও তমিজুদিন নামক তিন ব্দন কন্টাবল গুমুত্র আছা। **जित जबर केश** रुख (मन ७ क्यांमात 'ठारात मरावडा दरियात अभवाद्य हु ৰিধির ৩৩০ ধাৰাত্সারে সেসিয়নে আ পিত হইল। দেনিয়ন জন্ধ ভারাদিবের মিয়াল দেন, কিন্তু প্রধানতম বিচারালয় প্রমাণের অভাবে জগতন্ত্র সেনকে চা **क्यि। निर्वाटकन , विद्युष्टना क**द्विष्टा स्मि**श्र**टन अजीशमान एक. अहे कासिक अधान দোষী। ইহার অসুনতি ব্যতিরেকে কথন পীড়ন ও মিথা মহদ্যা সাজান ইয় राष्ट्र। श्रृभित २८ च्छिकात व्यक्षिकताल शहारक क्रम करिया त्राधिएक शास्त्र ।। কৈন্তু তিন দিবদ চিপু ও অন, অন্য नाकरक इंदिन श्वादन वद्या होवा हरू। निर्मित्रेद्वत क व्यवतार्थ विष्ठात ७ मत ্**ওয়া উচিত ছি**ল |

প্রধানতম বিচারালয় এই আকেপ করিয়াছেন, এ একার দাজান মকদমা थात्ररे डाँशिरभेत निक्रि उपेन्डिड হয়। অতএব এবিষয়ে প্রণ্মেন্টের মনো योशी रुख्या कर्तवा। श्रीनरवत कछ मूव क्रमणा, छिद्दिरात डीहाता अहे कथा बतन य श्रीवर निक विद्युष्टनाञ्चादत्र याहारक ভাষাকে আটক কবিয়া রাখিতে ও বিচা वानरिं मगर्भेष क्रिंडि ममर्थ नर्हन। माकिट्डेरिटेड शेरहामा जिल्ल ध्याशांत क-रिट इहेटल को अनाती आहिएनत ১०० ধাবাব ২ ব পারেপ্রাফ অনুসারে পুলিবের विस्मिय विद्वहना कता डेहिन एव शुक ব্যক্তির বিরুদ্ধে যুক্তিনন্ত অভিযোগ यथेश दूकिभन्न मस्यह निवादि कि না ? ৰিচারপতি কেম্প ও মার্কবি ব্লেন " যুক্তিসঙ্গত অভিযোগ ও সন্দেহ প্রকার প্রতি মকদমার অবস্থার উপরে নির্ভন্ন कड़िर्द मर्स्स् नाहे। किन्नु स्मह কোন স্পন্ত ঘটনা নিৰ্দ্ধন হওয়া উচিত। অনিশ্চিত অসুমান ও অবিশাস্য সংবাদ নিৰজ্বন হওয়া উচিত নয়। পুলিষ কোন क्लान वां क्लिक वह बिलाया शुष्क कर्त्रन, যে অতঃপর তাছাদিগেব বিরুদ্ধে কোন व्यमान बाहित हरेटन। अणि डाहामित्तत ক্ষতার নিতাপ বহির্ভ কর্ম। খেচছা পূৰ্কক কোন পূলিব কথচারী আইন নিক্তম্বে ক্ষমতাতীত কাজ কবিয়া কোন বাল্টিকে ত্রেপ্তার করিলে দণ্ডবিধিব ২২০ ধারাসুদারে ভাঁচার দাত বংসব মেয়াদ रत। " अधान विठावानय निषान कति-याद्या, कान बाक्तित माका प्यावभाव । रुरेटन, शूनिय शत्रश्रांना नित्क शांद्रन **७**वर के राक्तित जाहा माना कता केहिज. किन्न मामीरक निरम बलश्र्वक आनद्रन चर्यरा डीराटक अरू पृङ्क्तान ४७ क-রিয়া রাখা পুলিবের ক্ষতায়ত নহে। महत्राहत वह घटना इहेबा चाटक. ব্দন পুলিব আফিসর নিজে গুড়ন। ক-

तिया क्लांच वास्टिक खामक लाहकम नकत्रवनीएक त्राधिता (दन। अहि चार्न विक्रम कार्या। अक्यर यस्ता भूतिह कर्यागाती मधनीय स्टेटक शादतन। त्य कटन कांन वाकिएक वर्षार्थ कारव छा-खात कता रत, तम क्रांच मानिट द्वेरहेत विटमेर अध्यक्ति वाजितात २८ घरिकांत व्यक्तिकान चांडेक क्रिया हाथा चाई-त्तत्र अन्तानिक नत्। भात अन्तन श्रीतर क्षांत्रो डाहाटक थानांत्र जिन्न जनाव वाधिटक नमर्थ नट्टन । विषात्रशिक्शन श्रीतर्भरम बिला १८६म भवर्गरम्के यहि আইনের এই মর্ঘাসুসারে আপনারা কত क्छनि व्यवादत नित्रम कविशा छम्बू-गांद्र मकल्टक कांच क्रिट्ड वाश्वि क्टतन, जाहा हरेटन व ध्यकात वाशताद्यत वित्रम धार्मत एता " इंडांभा वर्णकः व्यागितिरशत नच्या थ त्व नक्स मक्स्या আবিরা উপস্থিত হর, তদ্বারা আমরা শানিতে পারিয়াছি প্রধানতন কর্মচারি भगंक क्रम बाकिमिश्रदक बज्जना मिश्रा थाटकन। किछ नावधान स्टेता काव क. तिल त्य अरे अन्य कर्यानितिनित्तेत्र लीव नः ट्रामिक रहे. डाहा व्यामहा न्माकी-ক্ষরে বলিতে পারি। "

দেশের সর্বা প্রধান বিচারালর সামা
নাত: বর্তমান পুলিবের প্রতি দোষার্পন
করিয়াছেন, কিন্তু কোন যুগ হইতে এই
দোষ উৎপত্ম হইতেছে তাকা বলা হয়
নাই। আমরা বলিতেছি অধিকাং দা ইনদেশকৈর সবইনস্পেরার ও হেডকনভাবল
পূর্বাজন পুলিষ হইতে মনোনীত হইযাছে। যাহারা নৃতন লোক, তাহাদিগেরও অধিকাং দা অসহ ও অপদার্থ। রজপুর ত অনেক দুর, ২৪ পরগণার অনেক
ভান অবেষণ করিলে বেণীমাধব রারের
মত অনেক জ্বানার ও জনকন্দ্র সেনের
মত উনস্পের্টর দেখিতে পাওরা যার।
আন্মরা কেবল আড়েরর ও বন্ধ ব্যর দেখি-

तिविशे क्षांकिक महत्रातील सहा प्रतिकत्व क्षाओं नवक्षारण्यकेतः यसि नक्ष मा शास्त्री कविका देवकाँन, कावा 'इवेटन' स्थित देव डेश्टकांड सन, डांसंब धांत्र मटबर कि 🕆 षश्चमकाम कतिया अहे जनम धनवार्थ त्माक्टक विक्रिय क्या, श्रीमद्वित त्मात्र গোপ্য করিও মা, তারা বইলে শীস্ত্র श्रीतिक कार्याक्षक मा एउँक व्यवस्था नर क्टेंट्व िक्षचन रक्ष्यण रहरत्वणा हरे-CHEE !.

कृषि मरकाश कारेत्रक कमिला व्यवसा क कांकान मरहमाधर्म ।'

विद्यारणा शृद्ध व नक्षे कार्र्या माधातद्वत व्यतद्वाय वर् व व्यद्वदेश शांद्र त्रांक बाटक बंध करा, केवर गेकियांक्रटन भारतीय गारमणक कहा जबर देशवाहिएक ইনাম কমিনত ভাকার অমাতর জীবন বলিয়া निर्मिष्ठे वरेतरिष्ठ । कृतिकृष्ठि वैतिकृषिट्यंत्र व्यक्तिकार ने विद्यारिका जनताः व्यक्तिन क्टबर गाँचे क्रिक बस्काटलब्रफ्रीय व्हेटफ विक ए क्षत्रांटक मक्टला देव अभिनेत्रं यनः नीयां यम, व्यवर, विद्याद्यम ज्यानक সন্দির এখনা মনাবারণ নির মতা প্রস্থান कट्यम, खोरा कंगलान क्रियांत नेट्र ह मार्थकाम कारम मरक्षक मन्ना अरु टाकान भाकीक क्षेत्रहरू, कांट्राकेश्वन महत्क a feath whitely were in, fee yet करतेक प्रश्नीत क्षेत्र करूत पूजि नारकार्थ states, white faxor we waith's क्षिक्षिक्षरक क्षात्र कृतिहरू वरेट्डएक

वानीत्रको प्राप्त मानाव महत्रकार के क्षेत्र कार्या । कृषित जा MAN CHAM ATEM CHAMPAST OF PART where the middle fence which cran wirte gen angenter actes with theme wieten facts wifert

त्वकि काम रक्षा करावदाना । काम वाशामर्थय महारका कमिर्टर । अ०० महस्र ३३ संस्ति अहित कहिन्। मा । अक मन कारोमा कर दिया आयम । जमान मान केरिक विश्व मान मान मान Ged Tomein at fant wite, nim ब्रोटक विको कृषित उदग्रता किवरः न AND THE PROPERTY OF THE PROPER न्तर देशा छा।न स्ताम मधान व्यक्तांत्रेन क्षेत्र' वृष्टिख प्रका नाम । " वरे मुक्तिकर निकतः कृतित का चालन सर्वन । अह गार्यक्रोंक कृषित व्यक्तिकात स्वक छ चना चना क्षणीत्र निकास कृत लहेट छन्। व बर्भ अंग्रिक्टकेन खोना छाना ं निरम्भ को ।" अवाहा नार्थन्नाकमारतन বড় ছিন্ন জানিয়া মীকর্মি প্রান্তী। লইনা পাকু। ৰাষ্ট্য,ৰামান, পুক্ষরিনী প্রভৃতি করেন न। एठाद ३७३३ मार्यंत २ जारेन एरेल. केरिमाञ्चेत्र कारियक्षण योटबायक्ष कविद्रासम् नाटबंधावतात्र क्रक्षणात्री जमीलाह 'ब्हेट्सन । किनि प्रथंग जांग्रफविश्रटक दक्ति े लोन, 4 (बॉबिडी) शुर्क रहे होता कर रिट्ड कार्य अकट्न बटबडे बहर, जोशांत . तरिकंप विरुष्ठ परेट्याइ, ट्यामानिट्रंभत म्ह्यति चर्ष जाह बारे, बक्टन जानि বিশা আজার ন্যার খেল্পামত ভোমারি त्रांत्र निकारे कत्र चार्मात्र कतिय । ११ त्य मलक करीमार्स । विश्व महाति " डी. बाता क्यांच महत्र संबंध हो होति धार्चा বিবের নিশ্রে ভূলিয়া লাইভেন। ভূত पूर्व अवस्थानां क्षा क्षा के व रम केरे शिक्षीय करतन त्य नार्थनाक मंत्रिपट्यम् स्वेट्यरे सामापिट्यम् भवतिम या का महारक्षे अर्थन कार्या पर नाम या वारेटकाक, कथन अवाधितमह प्रवर्ध कार्येद्र । अभीय अमे असे जाद्रवेशांचरात्र कालाहरी सहिता अधनक्षा सर्वर्यस्थ आरोगी लाइन दाल वाले । क्यांन स्मा Manten Gielen wern on Giel मार्थ के जो विहाद परेन, नवत जीवीव छत

বতে ভিনি প্রখাদিদের নিক্টে ভারার · मंत्रं क्षेत्र पांत्रोत कतिशा शहेटल शाहि । त्वम !! चारितमा मर्च बरे, देशम गासि चाननात्रं धारक्षमा मिरकान । । जाना रकांश कतिहरू गांकित्वम मा, किन्दु समूत चारांगरका निषां अञ्चारत मर स्ती-नरित्रज्ञा र्योत्रशियांत्रणिशहक किंद्र विनास পারিকেন না, কিন্তু জুরাচোর বাজেলাও नाटबंत्रीकर्माट्यता नमत्र क्यांत मणं क्या महेटल नमर्व रहेटलंग। याहा रूखेक, मौखा भात विवस और, ३৮७७ चास्मत ३० हे कून প্রবানতম বিচারালয় সিদ্ধান্ত করিয়ারেন नर्दकानमाद्रत निक्टि त्राक्ष्य गृहीक श्रदेशक मकत्रतिषादतत क्या क्रिका हरेटव मा। किंद्र नाट्यराजनात्रदक दच छाक्य बेंबन स्थान प्रज्ञान निरुक्त व्हेरव, फ्रांका কি উৰ্বাৰ প্ৰভাৱণাৰ মণ্ডকানীৰ হয়ৰে দ পৰ্বৰা তিনি প্ৰজানিগের ভূনি ও করের गितिषाट जीकाबिट्यात विक्रि क्हेल्फ षांश अदन क्रिट्रन १ ५०६ जुन विहाता-नवं अध्यानीय विष्ठांत करतम माहि। किन्न অভারান্তরে বলিয়াছেন রাজভের টাকা ध्यात करेक शिक्रव। किन्न के बर्मरत्रत अक मक्कमात हुई जन विश्वतिक बरनम, नारंबज्ञानमात्र शवर्गट्यकेटक व श দিয়া 'অংগিতেভিলেন शिष्ट ' कांकि बिक्स बाब्दधंत छाका अकटन क्षापांड निक्टे जानात कतिए शांतिर्वन ना। কলকঃ এই পূৰ্কাপর বিশরীত নিক্ষান্তি দুটিলোচর হইতেতে। কিন্তু এভরিবস্তান ভয়ানক অনিউ ঘটিতেছে। প্রায়ী অধি-कारण काटक योवनि भाषा महेवा वांचि ও বাধান প্রভৃতি করিয়াছেন ৷ ভাঁহা-विरुपंत्र छेनात्र कर दक्षि कतियात रहते। वासक कारन रहेएक्ट्स विविधान रमारकत जनरहात ७ कत इति वहेगारह। **अकरन दास इरेटफरह, अ**शकांत जान-किए जर्मा क्य मिन विविद्ध ?

भागमा बाजधान मुख्याचि ७ विल. छिष्टि कृषि मध्यां ई पार्टित प्रतिक

त्तांनत्यांन चारह। क्लोबनात्री ७ व्यक्त श्री बाहेन व धकात मरश्री कहे-রাছে, ভূমি দংক্রাপ্ত আইন দেইরপ े क्षकञ्ज महत्त्राङ्कता कर्त्त्वरा। क्षकत्रा व कत्रमान श्रांभी चार्ट, डाहा मात्रमङ मार । धनी त्लारकता चार भक्ताकृष्ठ चण्च कत जिला मूल वन, किन्त अधिकारण कत जात प्रतिप्रमित्यत करता প्रकित हरे-तर्राष्ट्र । अक स्थम शृद्धि सर्राच्यात থরণ ২০০০টাকা পাইতেন, ভূমি বাজে चश्र हरेल डॉक्ट्रिक ১००० छोका मनत जमा निरंड श्रेम, अरे छोका जिनि श्रिकांव निकृष्टि जानांव क्रिंत्रि नांशि লেন। ভুনাধিকারির সেই সমান আর त्रहिल, चाठांशांतकाती अभीमांत बत्रश व्यक्तिक जामात कतिरक नानिरमन, कछ **(कर्म अक्षानिश्वर स्टेम) किन्न अ**रे जक्त अनिछे कड पिन शंकित्व ? कड हिन लोकटक वास्त्र अखिटवृत्र समा गर्म क्रिक बाक्टिक इरेटव ? नाटबेबांक बांदक चंश्व इहेट्स शकात निक्र इहेटल ना नहेशा क्रमीसादात्र निक्छ ब्हेटक लक्षाह উচিত।

यथन जित्रकांकी बटकांवल इत, उथन क्रमीनारतत पात्र पन बरगरतत करतत धार्म कतिया ऋरेशंत्र ३५ चः दर्भत ५ चः भ अंबर्वेरिमके लग्न, वाकी समीमादत्रव बादक। अभगत स्मोहनमानिक्शत कत त्रिकृ मुखीय गाँदे, विधिश्व गाँदे। मार्थनात्कार क्षात्रक यंक्र शांखेः लग्, ख्यंन स्मर् गम्प्रत स्विक्ष मन्था सत्र विशा क्यूनिक रमम । धाकांत्र निकटि गांका ज्यानात्र स्त्र काशंत्र (य जन्म भन्नियांकीत क्यामा, खोका कार्यशंक्रमात काकावना संतिवा व्यक्तिक करत्रन । अकरन विनि धत्रा श्रीकिएकर्द्धन्। भाष्ठ वय भवर्गा मार्थः। सामा भेर्नेर्श्निकेट शिष्ट्य डीशांत माहि माहि. वस्त्रीकार्ताः विषय स्व वर्गायके शुक्क वर्गत्य दावक अरेटकावन

ना । अवछ ज्याबन्दात क्यांत्रीतात्रहरू विश वना रथ नमत कमात्र क्रीका किनि अकाह निकटि नरेट नारतम, छांदा वरेट काहा युक्ति ७ मात्रविक्रम् ११८७८६। सन्द লোকের অসাধুতার যথ কি কারণৈ সং लाकटक ट्यांश कडिट्ड महित १. भागता अरे जना अवर्ग्द्रमचे छ वावकार्यक দিগকে অনুরোধ করিভেমি, ভাঁছায়া ज्ञि नश्कान जारेन नश्कापन कांत्रहा **बरुव कक्रम । मार्ट्स्ट्रांस वाट्स्यक्ट** व्हेटन श्रमात कछ वृत्र चयु श्रीकिटन, कारा न्यायेक्राय के भारत दिव कविशा (मक्या উচিত। ১৮৫৯ चटला ३১ माहि নের ৩৯ ধারালুগায়ে বাস্ত্র বান্দান, ভূমি প্রভৃতির কর রৃদ্ধি চইতে পারে না व विषय ১० पारेत्वा महिल परिनका मृके स्रेटजरम् । बाखकृषित्र करत्रत्र दिवर्देश बक्षी निर्मिष्ठे चारेन कहा क्रवा। क्रिका कृतिएक बाक्ष कतिएक (मेंबरा अक्रूहिक। ক্ষমীলার যদি তাহা করিতে দেন তাহা रहेरण यस प्रित्य प्रथम इडेक वा रकन. क्लानगरण क्य इद्धि क्रिनांत्र क्या ভাৰাৰ বাৰা উচিত্ৰ নহে বেন্দের সন্থা-वित यक मूना दक्षि रह, कुछ है नाशांत्रन मोजाना ७ अवर्रम्युक्तेत्र मजन । वर्डमांम यशिक्टि व्यक्ति कार्य इंदिक्ट मा। सभीनादत्रता वित्रकाती वटकावटलात स्वि খা ভোগ করিতেছেন। কিছ ভুরিব্যান छीकानिरशत य करत्रक्षी कर्मबाक्य फिन रा, छाशाब अफंडिंश स्टेटजर्ड मा । क्य शहेश कारितित माम आसात महस्र। क्रा क्रिक्श यहि भारेन ७ क्रुमान अवानीक्षद्भवा स्थीनाद्यत केन्द्रश्री केर करता वह आहा हरेरक प्राणिन अंतर्न त्वके शासका कार्य वास्त्रहा अभिना करि (कार्य क्रिकेट) क्ष्मीय केरान कार्यात अक्र कर्वन चेर्क जा। नाम क सव र्रायके देशका अधिकात्र विदेशक भारत इंदि कहिरकरकर में के

विजनपुरतन बार के अ साम विक

neime fagge

वर श्रांत जलून तक लक लाह वर्ग छ कतिएएइ। ध्रांत्वेती, त्रथना, भवा, श्रकृष्ठि उत्तिनी गाता श्रांकितिष्ठं विक्रमभूतत भ्रणार-भाविका लेखा रुखि कतिएएइ। खित्रभव वर्षात्रं श्रकृत निवारंग, नार्वाविध लेका छर्भन्न वर्षेत्रा, प्रारक्। काफेन थाना क्रमणा नाथादन का एकत क्षेत्रान क्रीविका। अक्रमणा हित्तिक स्वानन थाना, निवा, श्रिमण, क्रमणा, वन, क्रिन, भाग, कार्नाक्रमा, ध्रमणा, क्रमणा, वन, क्रमणा, कार्भात, विक्रमण, स्विद्या, क्रमणा, ख्रांचित्रक वर्षन क्रिकृष्ठं, व्यक्ति स्विद्या क्रिक्शिक्तिक्र वर्षन क्रिकृष्ठं, व्यक्ति स्विद्या क्रिक्शिक्तिक्र

(4) THE DESIGN WHEN THE STREET

THE REPORT OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF T

श्राहम व्यक्तिक है की कियाना , वेश्वाहक किन्त नीटचं व्यक्तिया कुल्याकाहत अवसंपूर्वक कुनकर्गात (जन्मेंबा, कान्योंके, बांकान नी अपूर्वि वान निव्यक्त काक्षीति अविद्यक्ति करियी कृत्यिक्ति कर्तिप्रारम् । रीमात्र क्रम स्वत्रम, कृष्टिकत्र अवरे चाक्रक्रमकः। भवाद्व हैनिम भरमः 'स्थाद मेनिया मानाशास वह्न्द्रणा विक्रीण बहेबा ब'टक। क्षेत्रभी बर्वाकार्त क्यूक्त पूर्व धात्र कतिया क्षीकारबाही विदेशन जाया केन्द्रण महास जाया करे উৎপাদন করিয়া দের। তথন ইহার তেনত অভি अब श्रवत रहा. अवर यथम श्रुक्तिना स्ट्रेएड निवे-जिल्ला कीयन वाष्ट्रांमहकारन देशन गर्कन जन-বালি পর্যন্ত সমান উত্তাল তর্তমূপ খারুর করে. ভবন পজা এম.ম ভীৰণগৰ্শমা হয় যে সেই সৰছে সমুস্থাৰী কে'ন,কোন স্থানপুৰ নাৰিকও कर्षातर्थ जारुजी रह जा। अखार्टक कथन অপার তলিয়া অম হয়। পজাঞ্জলীর উত্তর,পার্কে लारकम् ७ (करावर्षः। अर्रे सर्वे म्राट्स प्रदेश "क"कि » हिन, किन्न हरे वर्ष रहेन कन हो बुनाई **लुजिरिय परि प्या**थि (क्यांत्रशुर्त क्राहक क्रम इत्साकीनवाती कमहोदन माखिनिहान कदिएक हिन। लार्काल अपन अपने जानकाति जा-अक्कारम छेविश्वा विश्वारक।

लाइमक यनिश्चयाम शांगक्तिशत भाष्यान कृषि। भूत्रकारम देशे मिरमह विश्वन क्रिकिन्धि क्रिन। किस व्यन्ता कैंक्कियन यनसन्त्री विन्द्रकिनान्नद्रत निवध वेदैश्रोटक। एवान नवस ভারবাস ব্যাপিয়া একটা খনতা প্রসিদ্ধ বেলা बहेबा चार्क। (महे (मनाच क्रांका, विविधान, कृषिता श्राप्ति मध्य वहेट्ड वृश्यिकान चांत्रका পুর্মক আপণ স্থাপন করিয়া বিহুবিং শিল্পাত प्रशासक्ष क्षेत्र विक्रम क्षिमा बाटक। मुजीवक क्ष बाक्रमनात्र अहे प्रहे:ब्राह्मक क्षाना (मना एवं। श्चारमास त्यमांत्र नाम " मार्चिक वासवी = अवर धारा अक्यानकानगारियो। अर्थ विश्वास भारा विक्रिश्या विविधा मूना अवर मानगाम अत्रानित कोक्यों के बेहें विश्व

व्यवस्थिति अवेद्य क्षेत्रं क्षेत्रं हिन। क्रिन स्व मीरवार्टन स्मेर्ड बारलंड बंग अवारे जारणाजुन्ह श्वभद्यत्व अवाष्ट्रिय हर्देश्वश्याय अक प्रमासक भाष स्वेत्रा शहकः। कविनक्षेत्रात्मतः वदश् अप्री-मधी विकासका नियो । अन्यवस्थि होती नेपने रक्षांजन क्षेत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षी महिन्द्र मिनिकारण विदेशाण करते, विविद्या के metron ale is all dailer i a

্পঞ্চার দক্ষিণ ফুটবর্ডী রাজনগরী (২) প্রাধক । পরিসর ধেতি উত্তরীর বসনবং অধ হয়। বস্ততঃ सारम होको होजवज्ञक श्राप्तक भंताकर्गगर्कारत बान क्रिएकन। ए।शह महीतूनी की खि अवर বিপুল ঐখার্যা ছিরা। অনেক ইতিহানে রাজ বরভের দাস অস্যাপিও দেশীপানান রহি प्राट्ड । केक्स मम्छ ब्राट्टन इ ब्राव्हन की निहांड गृरक् माक्षिका क्षुवर वक्ष्मान काला हिस्सन। সান্ধিও আৰালভূদ সকলে বাৰ্জনগন্তীর রাজানি-रमंत्र मारवारत्वथ क खारानित्मत कार्य। वनी न्यत्र করিরা অবেক আুকেল প্রকাশ করিরা থাকেন। অন্তেও জ্বিদার এ, তবিক্ষারদিনের গুড়ে এব , न क का श्वामिक क्लील क्लारिकापि किस ल-क्षिप वरेबा बादक । कक्षेत्र जायता जदमक देखि रांग गार्ठ कतिशाहि । किन्द प्रमुद्धा त्राव्यसहरूत मानि स्थान नमाने अर्था (स्था कान्यवर्गेन प्राचि की वियोग किरमम, अब्देश, मर्पम करि नारे। त्रांबाधितांक त्रांबवस्टकः व्यूपादानिव व्यत्नक विकर्णन व्यक्तिक मधाप्रमान धाकिया কালের করাল হয়ণ শক্তির বিলক্ষণ শরিষ্ট্র প্রব र्मन कड़िएउँट्ड ।

় দৃশভির বহিন্দাসীত্ব সিংহধাবোপরি উদ্ধ্ हुए। महत्रिक अक विश्मकि इप अधिकानिक किंग गरणां निष् चारह, किंख फल्का किंदिन तिहित्रांटक है निर्क बाह्न वसून काकारत वेहेक निर्विष । पहनदक के बचत्राकि शंतनाकाटन सम अवारित निर्माणक स्वैदारहर । अन्त्रांत्र मार्गादन लारक हेहारक " अकून दव " न'दक व्यक्तिहरू करत । वषत्रांकि रशाकावश्वात विवासवात वाकि मा माना राजीय करनकाती ও प्रांक उटकार माना (मञ जाम्बर्ग प्रतेत नाहेत्री क क्षिएएड। क्षित्र-ेत देहेन नरिष्ठ अवनि लोगनक সংস্থাপিত বহিয়াছে। কোলমঞ্ এলপ উক্ত বে ভাহার **म्कात व्यक्ति वृद्धिशाक ऋतिरत पशीव सिर्द्धात** श्रं चित्रियांच स्टबः (बालजी जक्षाया द्वरः ৰ্যক্তিক ও ক্লেন্ডিক। বুল 'প্লাদেৰে ক্ষতুকাৰে गातिक, जनसंखन र्गामनाकृत शब्द खाउन (बाह्यरक लक्ष्मक्य "बाक करहा) हाहि दकार्य शास्त्रि, सक्ष्मत बंधा स्टब्स कार्तिने, कबुर्स অন্তাহেশ্যানুগর চারিটী এবং চুড়ার উপর অব-विश्वे प्रवृत्ति मेंशायमान युविहारक । द्वारकी सम्बा-। शहर केंद्र । अप हारतित गटनीक निवदशनिव উপিড মুইবা অধ্যেদিকে দুখিপাত কবিলে পথ पूर्वी अवस्थीन अनिविधिकारक चन्न विकास क्लिको कथिक वेद त्रवायु मा अवर वेस्नी क्रांत्रमही क्रिक्क का गंबारकेट अन्यानि कत

(३) क्षतिक्रिक अस्तर्गादत्र क्षाधीन बाह्यत्र क्षांत मिल्य स्ट्रेंग

একুশর্ম ব্রুডে সপ্তদশর্ম বে অপেকাঞ্চত সম विक व्याष्ट्रिंश वर्णम, छोहात्र (काम जरमह नाहे। গোলনকোণারি একাদিক্রমে গোপানপংক্তি অভি क्रम कडिड़ी फ्रेडिए स्टेटन चारन चारम इन्हे जिन वार्त्रेषिकाय कतिएक हम्। अहे देहेक विनिर्देश দোলমঞ্চেই মহারাজ রাজবলত প্রতিব্বসর উৎসৰব্ৰিয়া মহাসমায়োহে সম্পন্ন করিভেন। উৎসধ সময়ে ঋত্বিকগণ ধোঝায় কেব্ৰায় " লক্ষী मात्रोत्रत्य : इ.क. स्मार्टन केठोड्ट इस । इ.क. नावा রণত: '' ঠ'কুর » বলিয়া অভিহিত হয়। উখা-পৰাত্তে এন্ড অধিক পরিবাবে ''ঠাকুরকে * चारीत मिश्री रहेंछ, मि छाराएं नेत्रांत्र और चाम्। भिष्ठ । त्रकावर्व भ्रदेश केतिक।

व्यक्त जारह मृथिक्षुवर हाव्यवहारकत चारमधारमादा इत्र भश्यति इत्वर्ग होता अवसी কাভারনী দেবীর প্রজিমুর্জি নির্ভিত হয়। প্রজি निन छेरात चर्छमा क्षित्रा मरा चाउरत नरकारत নিন্দাহিত হইত। অধুনা ভাহার চিহাও আছে कि मा गरण्य कृत। त्राधारात्रित व्यक्षिकारण कृत्रहे শতাতি ভয়ানক ভুগল ও বিংগ্ৰা **লভ** নিচয়ের ব্যবাস ভূমি হইয়াছে। ভাহাদিগের ভীম গর্ভনে बिक्डेड रक्ष्या काराव नावा ? इद्यावनी माना-क्षकांत्र क्ष्मन मुखान जामहोतिक बाकारक रवाव হইতেছে বেন ভাতারা রাজাবলীর বিয়োগ **मारक प्रधीत ७ वशकूत २६त्रा वज्ञीत्रण मनिन** वनम এवर क्षत्रवान भावन श्रीवन कृतिका नरना ক্লো জনিক,তা প্রতিশার করিতেছে এবং कार्य करू हव अविकृष्ठ बाक्किश (यन हवुछ कुष्णरंखक वन्नर्थ अन्य क्रियारह।

প্লাকা কডকগুলি ফুগ্রুখন্ত দীবিকা খনন क्तारेष्ट्रोहित्वन । फर्नमूनार्यत् अक अक्री अन्नन भीष व अक को इहेए बक्क के साम कविरम লেকেরা শুনিতে পায় व।वह'इस्मिगद्र काशरक्त बायक्यून इहे-ब्राह्म प्रशास के निविकात भाग कतिराज्य, ভাষ্যর নাম " রাজনাগর। » রাজীবিগের স্নান নী ঘ্রার নাম" রাণী সাগর। » গাড্রীনিচরেছ जान समा बनिए हैं वि " सर्हे मार्था के खर অন্তুচরণণ যে জলাশয়ে পোষিত ৩০ পদীকে নান শ্রাইড ভাষা ''শুক্লাগর * বলিলা অভিহিত। ওদভিনিক্ত আর আন অনেকওলি পুক্ষিণী ছিল। স্নাজবাসীর সমূর্জিকে বে চৌগারা ছিল ভাছার পরিদর পজার কোন কোন নাথা मनी चोट्रभंका कृत स्टेंद्रव या। উतिथिए कनानग्र গৰুদৈর অবিভাগনই পঞ্চার সহিত সন্মিলিও হই

লাছে। কেবল স্থানে স্থানে ভগাংশ নাত্র রাই-স্থাছে।

রাজার বহিন্দানী হটতে রাজাবাড়ী, কেলার মার দীখিব পার ৩) মাকোহাটী বজুবোগানী প্রস্কৃতি স্থান অভিক্রেম কবিয়া চাকা নগরীর সহিত সামালিত একটা স্থানস্থানাথ নির্মিত হয়। তাহাব পার্শ ছয়ে রক্ষজেনী বোল পিত ছিল। অদ্যাপিও স্থানে স্থানে ঐ " রাজ্য সর্ব্বার ৯ চিহ্নবালি নরন পথের আভিথ্য স্বীকার কবিয়া থাকে। কুঞ্চলাস (বিনি বাজালার নবাব সিবাজউদ্দোলার ভয়ে ভীত হইয়া ইংরাজ্য কর্মচারী ভ্রেম্ক সাহেবের আজ্রয় গ্রহণ কবিয়াল ছিলেন) বাজা রাজবল্লভেব ভ্যেন্ত পুত্র ছিলেন। আজিও ভাঁহাদিগের বংশ প্রভাতকালীন চন্ত্রন

বিবিধ সংবাদ। ২৩ এ মান সোমবার

क्षमनः शकाना ।

সম্রতি মাজাজের কৃতবিদ্য সমাজ পাটথাপা বিদ্যালয় বাটাতে বিদ কার্পেউরেব প্রস্তাকিন্ত স্ত্রীনর্দ্ধাল বিদ্যালয় স্থাপনের বৌজিকতা
বিবেচনার্থ এক সভা করেন। অনেক ভর্নাবিভ
র্কির পর প্রস্তাব একণে স্থানিভ রহিল।

আমরা দেখিতেছি ক্লিকাভার মি
পালিটির ন্যার মক্তরেলর মিউনিসিপালিটিও
ইউরোপীর বিভাগ পরিভুত করিবার নিমিত্ত
অধিক ষমবান। হগ সাহেবের আগমন অন্ধি
ক্লিকাভার দেশীর বিভাগের ডিঞিৎ উম্নতি
ইইয়াতে।

সভ্রতি পঞ্চাবের লেপ্টনান্ট গ্যবর্ণর ডাক্সত, বিদ্যাশিকার রিগোট সমালোচনা করিবার সমরে ডাজের লিটনাবের বিষরে বলিয়ানেন বে প্রকার নিরম আছে তদল্লারে তাঁহার কাজ করিলে ভাল হয়। অধ্যক্ষ নিজের মতাহলহম করিয়া কাজ করেন, ইহাতে সাক্ষাৎ সম্বন্ধে অনিষ্ট হইতেত্তে, অভঞ্জৰ ভাঁহার এটা পরিত্যাগ

(७) कविष्ठ आहि, होति शांति हरें हा

आत्मक वित्र भर्ष, छ छ। हाट छ का छैटी ता।

भटा पश्चालमा नव या "अक शुद्धवरीत शुद्ध

काक्षित वक्ष नाम किंद्रत ही विष्य बन छैटित। "

क्षित्र वक्ष नाम किंद्रत ही विष्य बन छैटित। "

क्षित्र देक्सी की वित्र वित्र व्याप्त है वित्र वित्

উচ্চত । লক্ষাবিভাগের অনেক স্থানেই অনেক গোল্যে গ কাছে।

মগ ভাগত কর্মের প্রধান কমিগনয় তক্সমা করেওনিক নাজিকেটিলিগের কার্য্য প্রণালীর ক্রুখনিত করিয়াহেন। আপাডতঃ তপায় ৩০ জন অবৈডনিক মাজিটেট আছেন পত বংসর ভাঁছাবা ৪১১৪ টি সকদ্দনা নিম্পুত্তি করিয়াহেন। অর্থাৎ সমুদার প্রদেশের বার্তীয় ফোজারি মক্ষমার পঞ্চমাংশ ভাঁছাদিগের ছারা বিচারিত ছইয়াছে। ৪০৬০ জন এই প্রদেশে শারীরিক মণ্ড পান। ১৭০ জনেব শারীরিক মণ্ড ও বিয়াল উজয়বিগ শান্তি হয়।

কলিকাতার ক্লবিসমাজ বসদেশে কারোকি নার ধান্য চাবের উদ্যোগ করিতেছেন। মাজ্রাজ হইতে কিঞ্চিৎ বীজ আসিয়াছে।

গত বৃহস্পতিবার বিচারপতি নার্যাণ কিয়ার সিটনকাব ও মার্কবি, ইছেন ও মাবিগুন লও ও মেবরেও জারবো সাহেব এড়জি করেক জন ইউরোপীর ভঙ্গশোক কোড়াল কোন নাটলোলার নবনাটকের অভিনয় দর্শন করিতে যান। গাঁহারা সম্ভন্ন হবরা জানিয়া-ছেন।

२८ এ সাহ সকলবার।

इर्डिक क्यिन्न श्रारंगनिन नहीत ६ नर् विदेश क्यित्वन क्रिएएइन । क्यारंक्य क्यानविन नहेत्वन । क्या क्यारंक्य यिवा क्रिक्त नर्वान्त्र क्यांनिक हरेत्व ना । क्यिन नन केश्करनत मक्यान वाहरक त्यादान नाहे । क्रिक्ति क्यांनिक क्यांनिक व्यांनिक हरेबारह, क्यांरिक्य क्यांनिक स्वर्गतिक क्यांरिक क्यांरिक क्यांरिक व्यां

সম্রতি লাভ সাকটসবরি আকেণ করিয়াছেন, ইংলণে প্রোটেণ্টান বর্ণের বুলি হইডেছে,
বাহারা অভিবর কৃতবিদ্যা, তাহারা কোলে
কোর ও নিউবানের সভাবলকা করিভেছেন।
সাবারণে কাথলিক ধর্ম পুন প্রবন করি
তেছেন। এবড জনজাতি ইংল্টোর প্রবর্ণ
রাজ্য গোলে তিনি ধলি কেবল ধর্ম লাইছা
থাকেন ভাহা হইলে সমুধার তিটেন পুনর্বার
কাথলিক হইবেন। উপধ্রের ওঞ্জার আরার
কাল লাক্য আহে।

ইংলিস্মান অবগত হাষ্ট্রাছেন চক্ষরনগর হস্তান্তর করিবার প্রজাব করানী গর হৈন্ট, আর অবণ কবিজে ইচ্ছুক নট্বে। সরাট নেশলিয়ন অর্থ পাইয়া রাজ্যনার্গ করিবায় লোক নহেন।

२० अ माथ पूरवातः

माञ्चाक है। क्षांच बरमम, नकू मरवषत्र मारन

मारा (च)), ७), ৮ - २ वस्य के का व्यवस्थित । १९, १९, २९ ६ के का नवस्य मुखानी व्यवस्थ । व्यवस्थानीत के कात्र प्रतिकारण क्षत्र व्यवस्थ व्यवस्थ । व्यवस्थ । तथानीत के कात्र अपूर्ण वर्षत्र व्यवस्थ । व्यवस्थ । तथानीत के कात्र । व्यवस्थ व्यवस्थ व्यवस्थ । वानि (कात्र विवस्थ कात्र व्यवस्थ व्यवस्थ व्यवस्थ व्यवस्थ ।

देशीतवाय कृषान दहेश्व मरवाम शहिताहम स्ववास अवर श्यामानन अववादा हहेग्रा अव्यक्तियम मणावाणित वावद प्रभारत काळ क्तादेश्व वदमान इस । किछ, छवात अक दिश्चव विवाद । विशिन नव दिन व्यविकारन शक्त स्ववाद्यत निक्दो (अवन क्राजन, हेग्रास्त वर्ष-व्यक्ति मेर्न) एक्बारण जिन मणामनिद्वत महित गताको क्राजन स्वता स्ववाद्यत नम क्रिनेश वर्ष क नामन क्रेजन जान व्यक्ति क्राजन व्यक्ति हम नाहे ।

२७ अ माम असम्बद्धियात ।

विश्वास्त विश्वास मुद्दारात समान ताला गालिका जर्म (गामिक विश्वेरण्डः) हेशल गहरमती मुद्दारात्तवा कृष्टण त द्वन पविश्वादः । व्यानुक कि " तृष्ट्यात » महिक माकार मित्रण व्यागित जीवारम श्रामात वर्तम हेश नगा वृत्र । विश्व व्यान्तरण अफागमन करतम हेश नगा वालगा । अस सम गारेशी , क्यानाम मद्दावः " तालादः " भूनित्य तम, सिक भावेरम मूण्डम " ताला » तका गाहेशाद्य । स्विका-णात पूर्व अस वालि अश्वास (ज्ञाव » अ " ताला " हेला श्रामात, श्रिक्तम अकृषि इण्डिकीका स्वित्र, विश्व अवीदम मील प्रश्ना गढ़, अवर सहस्त्रम सम्बीत बालेगाइ " मवाव विश्वत्य " विश्वोद्धा विका श्रम ।

নার্যক্রাকেররাজা সর বেষক ক্রাকের পকা-বাত হইয়াছে। সাজা ক্রাকের উপুরে বোণীও বীপের জীরুজিনির্বাচ ক্রিডেয়ার।

কাৰুন হুইডে পদ্ধতার বিপরীক সংবাদ আসিতেছে। ইংলিসমান বলেন নিয়ার আলী খা সম্পূৰ্ণ আৰু লাভ করিরা কাবুলে প্রবেশ করি | নাই ब्राट्न । एक् अव्यव देखिवा मरवान शाहेबांटहन व्यामीत भवाकिक स्ट्रेश स्त्रिति भनावन कविया-ছেন। বাহ, হউক শীক্ত ঐ হতভাগ্য দেলের গৃহ विश्वाम गाउँ एक इस्ता । शखकक्रा वृद्धानरम्ब ্ৰায় কাৰুল কৰিয়ার গ্রাদে না পড়িলে শাস্ত भू वि वित्रिष्टर मा।

त्वत्व अह, केड अध्यक्तः (अपिकेशके পাদরী ছিলেন। ভাষার বিক্রছে ছক্তরিক্রভাব অভিযোগ হওয়াতে কলিকাতাব বিশপ ভাঁৰাকে পদচুগত কৰেন। বেৰবেগু উড সম্প্ৰতি কাথলিক शर्मे ॥ इन कविद्यारकन । देनव इहेद्रा देवकव इख्या ग्रह करिन कथा नहरू।

পাটনার ক্ষিসনর রিপোর্ট কংলে, ত্রিছড ও हम्भावन चित्र विश्वतित्र गर्वाचारम गर्थहे শেস, ক্ষিয়াছে। ত্রিগুডে শস্য কাটিবামাত্র ৰণিকেধা ক্ৰন্ন করিলাছেন। জ্বৰ চরা উচ্চ মূলে।ব লোভ ভাগে করিতে পারিভেছে না, কিড পরে তাহাদিগের অরক্ট হইবার সভাবনা विद्वार अधिकाश्य भना भागा कानावतिक स्रे-তেছে। স্থানীয় কশ্মচারিগণ ছর্ভিন্দের আশস্কা करवम बाहे। स्वित्रेय कर्षात्रीविद्यात्र कथात्र जाव विशान रहाना।

इंखियान नविनक अभिनियन बर्जन, नकार्य এবার অনার্কি হেডু ছর্ডিকের আশকা জান-अंदि ।

इकिक कमिनवर करेटक अक विर्मय जनगर काक करतन। काँहानिएगत मन्त्र प प नकत लाक खवानविक एन, खाराबिरशत वाका संबीह कर्षात्रातिशन वचन हेन्। भाठे कतिए भान । अहे क्षत्र करनक लाएक कीय हरेत्रा टच्य-किर्नात विकास गर्छ। कथा विकास गाइनो इन माई। डाइाश बाद्यम धमकूरैकरमा गमन क-हिटल कुश्य कारण है शुनर्कार अशह काइक कट्टिय । छैरकरमत्र मकरम अक्वारका यरमन माजन प्रशिक्ष कर्ष्टेड नगरत कविनमत (त्रवनना शवर्वस्वतिक (क्यन (व अधूनक मःवीक स्व এমত নতে, কিছ ডিনি দুৰ্ণীয় উদাসীনা প্ৰকাশ করিয়াছিলেন। তথাশি এই ব্যক্তির হল্ডে উৎ-কলের ভার রহিয়াছে '

निविश्विद्याविरात्र अउरयनीत कारात्र भवीका हेश्मर्थ इंडब्राएक माञ्चाल भवर्गमन् **च्याचा गर्नीकक मञ्ज्यमात्र फेठाहेश्चा किटल्ट्स्स**ः इंश्लास्य अञ्चलनीय छावात भत्रीका नाववात हरेरव : अवादमरे दा नहीका एव, खाशदक

लाटक रात्रा कतिया भारकत। इहे अक सम किस गकरनत कथा कि कथना, देकातरनत क कथाहै

- ২৭ এ মাঘ শুক্রবার।

ব্যবস্থাপক সভার আগ:মী অধিবেশন দিবসৈ रवराष्ट्रेत्र नारहर अक विन व्यर्गन कविरस्म । देशत छेटकना अदे यक शुक्क अटकटम मूजिक **१रेटन व्यवमा छारात दिन्छिती कित्रिक १रेटन**ः বেক্ষাধীন বেজিইগ্লীডে কোন কাজ হয় নাই वाष्ट्रकारिकार किक्किर प्राष्ट्रविदः जिल्ल विराम्य रेष्ट्रेफ्न रहेटव (बाव रह मा।

विष्ठांत्रभक्ति भर्गाद्भव क्षांधान्यां व भना ক্রমশঃ দুবণীয় হইতেছে। তিনি আগরার প্রধান তম বিচারালয়ের অন,তর বিচারপতিদিগকে পুন্মাত্র করিরা বাখিয়াছেন। পিয়নির্ব বলেন সিবিলিয়ান বিচারপত্তি পিয়ুর্শন এজন্য পদতাগা क्तिबार्ष्ट्रन। नियुष्ठत कर्ष्यात्रिक्ट्रिव किथिए यांधीनका ना बाकित्म (र कांक रंग्रना, कांहा क्रांचरक बूरवन ना। यि मक्स लारकद व्यिकास প্ৰাথীন থাকা জভ্যাস ভাঁহারা প্ৰধান ক্ষতা প্রায় উত্তমরূপে ব্যবহার ক্বিডে পাবেন না।

डाक्टर बार्श्वाम विर्थाष्ट्र करवन हार्ह्य-मेर्ड अकरन ७,२६,8 % है निस्हाता तुक কাকে। গাত ডিলেমর মালে ২৬,৮ • • কলম হয়। বৃক্তলি উত্তৰ হইতেছে। ডাপ্তার আগ্রাসন बाद्र विद्यार्डिन :वराधि द्वा वल्रान्यत नकत স্থানে হইতে পাবে. বিশেষতঃ আসাম ও গিকি बर नर्भाखन नीतः श्रीफ উडमब्रान कविए भारतः भवर्गस्य हेव हेम्लस्य स्व मकन स्वराधि वृक्ष दिन, छांश अटम महे हहेग्राटह, किस (मधीन व्यक्तान बर्धा बृहर इहेम्राहिन।

२৮ १ माथ मनिवाद ।

চাকার কমিসনর সি.টি বকলাগু সাহেব श्रद्धांव क देश्रारक न नागारमञ्जूलिक्षिरण व विषर् (र नकन जारेने श्रेगात, छारा द्रश्छि कतिया কুলি ও চা-করকে পরত্নারের বন্দোবস্থ কবিতে দেওৱা উচিত। কোন চুক্তি পত্ৰ এক জন মাজি क्षिरहेत्र निक्रिं निश्रोहेवांत्र निष्म कवितन यर्थष्टे स्रेटन । हा-करत्रता (को क्याति करें हे व्याहेटमव क्ष काम कदिएएहन।

कत्र दह्याङाव -वाशिकावित्रांनसूत्र भावि ।

कता क्रिकाफा मरसुष्ठ कारमस्बद्ध गावि खादिक मान किया गल्या रहेमा शिवादह।

ইউরোপীয় সমাচার।

नस्य ३० हे स स्थाति। देश्नस्य, स्थान स আর্মণীতে অভিনয় ব্যক্ষণাত ও কড় বই তেছে। ইহাতে ভাক আসিতে বিলম্ব হয়। 🕆

অকুলান পরিপূর্ণ করিবার জন্য ইটালীব वास्रच मरकाख बस्ती ১৮ ७৮ व्यक्त भर्गाख याव তীয় ধর্মালয়ের সম্পত্তির উপরে ১০ কোটি कु कि कत जानाम कतिबाद मानम कतिमारिका।

नश्च २७ এ जालूग्रंवि। मत्र क्या नार्त्रका অভিনয় মিতবায়বিষয়ক রাজনীতি অবলয়ন कविद्याद्या विश्वा (व भाष (५७३) इयु, हेर्हिम्स ভাষার সমর্থন কার্য্নাছেন।

ভুরত্ব সার্শিয়ার দাওয়া প্রবণ কবিভেছেন ঃ मतानी मात्रव श्रवानीत यत्वक छेरकर्ष १६८व । ইহাতে মুদ্রাবপ্লের জাণক স্বাধীনতা দেওয়া रहेरव ।

यानील बारकन रेजन, मिगरक याकनियान-ब्रात्नब्र अधीत्न कर्ष महेवात अञ्चयिक पित्रोद्द्रन । चार्यिकात क्षांमध्य विठातानम् वनिन्नारस्य পবীক্ষার শপথের রীতি সম্বত।

স্থান ২২ এ আছুয়ারি। লাভ কাণবারণ আবিদিনিয়ার দৈনা প্রেরণ করিবার আক্রা দিল্লাছেন, এ জনবৰ অকাল জাতঃ কৰ্ণেন সিয়ার **श्टातना अफ**ातमन ना कतिहान कि हुई हेरेटन ना। वाबाई श्रेट व हिल्लाय व्यक्तिप्राट क्रम् मार्य शवर्रमञ्जूषां अकृशन । कार्काव ज्यामा मुख्यां आहेर ए मन शिक्षित अनाम कविर्यम ।

সভাপতির অসমতি অগ্রাহা করিয়া আমে রিকার মহাসভা কাফি দিগকে প্রতিনিধি মনো নীত করিবার ক্ষমতা দিখার বিশ বিধিবন্ধ করি বাছেন। সভাপ ভির ক্ষমা কবিবার যে ক্ষমত। ছিল তাহা রহিত হইরাছে।

मध्न २८ अ खाद्य शंवि। १३ हे (क अग्रां वे বিক্তব্য সভা ট্রাফালগব্এক্লেয়ারের কৃষ্টিকা

कर्मनित्र श्रमान श्राप्तन ममुद्दित अक्छोर সন্ধি আঞ্চবিত হুট্য'ছে। অন্ট্রিয়ার স্বাট হল-রীয় প্রতি নবি সভার এড়েন অবংশর সমরে व्हित्र १६व. मेख अत्रथ अक (घाषना स्ट्रेंत, या-হাতে যাবত মু ভয়েব কারণ হুব কবিবে।

कृतक लाशास काशिवाय धीक বেরা উক্ত দ্বীপ তার্গর করিতেছে

मध्य २६ अ बाह्याति। भूति न एत प्रि ভোষিক দান অতি সমায়োহ পূর্বকে সম্পন্ন । শন্ত অনুকট্ট হইরাছে। ভেপট্রণাড ও এীণ खेर्ड शास्त्रत कना क्षत्राफ्रव छ एत।

नधन २६ ७ काङ्ग्राति। कानाकृति यकन किनिय्रामय भूष्ट्र। मरश्चय जाका स्य, जासानि রের ভাষার পরিবর্তে ২০ বংগর মেয়াদ হইয়াছে।

ক্রিকেন্সকে পদচাত করিয়া নিধানকে ভাইর পদে নিযুক্ত কৰা হইয়াছে।

লণ্ডন ২৬ এ জালুয়াবিঃ শ্বমি ৰু মেবি (शहको बहुनन, देशन और कड़ा कि का प्रित्र भान-विक विश्वास काका खनल कार्याका मानम् थिनाइत्क करमनी बद्धा उद्देश । तथ एंझाइम । পদচুতে বৰা ইইবে লা। লাভ কানবোৰণ ভাষত ব্ৰেব সৌভাগোল্লিভিছের এক উপায় উলাসন করিয়াছেন। দেখেব টিয় তি . ২ বু বে সপল ইপাব ध्ववन्त्रम कता व्यविभागः, लाग्ना क्रिट्ट छिन কর্বেল স্ট্রেটিকে অনুমতি নিয়াংক্র। বিশেষেত্র (बहैन अर्य व के अ अनाम्प्रम अभिक हम देवाहै केशिव केश्वा 1

প্রেরিত।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সংগাদক बहानम मनीरभम्।

আপনাৰ ২ বা মাণেৰ পত্ৰিকাতে তথ্য দেশীয় রাজগণের কর্ত্রত কর্ণ্যের বিষয়**ী** পঠে কৰিতে কৰিতে ত্ৰিবাসুৰ পা কেন্দ্ৰীর মহাব ল धरमय रेजनिक्सन स्टेबन्ड भानरमञ्ज विषय शांत्रे क-বিয়া সভষ্ঠ হইলাম। কিন্তু মহাশ্য। এ।প্রি अवर जामनात भारतकर्ग (कडीव महावादकः भवि **भिष छेम्ना जिल्ला अवस्थ का ज नर्दन, उक्त ।** षात्रि नम्ख ना निथिया काल धाविन्छ भानि-काम ना ।

মহাশয় ৷ ক্ষেত্রীতে একটা দাতবং চিকিৎসা-লয় স্থাপিত হ্ইয়াছে। ভাষতে পাচ হয়টা বোগী সর্বদা উপস্থিত থাগে এবং ভাহাবা আহারীয় মবা চিকিৎসকের অভিমতে সম্পূর্ণ 🤲 রূপ প্রাপ্ত হইতেছে। প্রচিদ তিন্টে বোগী थाछ र जानिया अपन नहेत्र। यात्र । श्रामा १५ ইংৰাজী টীকা দিবাব এড দুৱ পৰ্য্যন্ত অভিলাখী **(य व्यक्ति पृत्र रखीं कृति (व्यत्रामा दोक्रांत का**र्य ब्राहेटफट्ट ।

> **এकनै विभागमञ्ज स्थानित ब्हेग्राट्ड, खाशाट**ख **इेश्ताको, फेर्क, अदर मरक्कृत्व । रन फ**ामांच जिन एक ३०४ सन ।

ক্রোল অন্তর কোট পুরলী। তথায় একটা দাতব,। মহাবাজ রাজন্মে উর্ভি সাধনে এবং প্রজাবর্গের क्रिकिश्मासम् अवर अवनी विमानम প্रতिষ্ঠিত। इन्थ विस्माहत्व मध्यिक प्राचन स्ट्यारहत। स्रेक्सारकः। विमानियः बाजनन देश्तास्त्री, ऐक এবং সংস্কৃত তিন একার শিকা পাইতেছে, বিদি জন্নপুর, বোধপুর, ভন্তপুর, গাভিয়ালা

আমে এক চিকেৎসালয় ও এক উর্জু বিদ্যালয় अदर वावाहे आरम्ख अक्की छेर्फ् विन्तानम हरे-शारक ।

মধাশয় ' অত্র স্থানে একটা ব্যবস্থাপক সভা क, शक ब्हेग्राट्ड, जांबाद कार्य। आंख खक्रवात वक्रभी ৮ पछिकार नगत आवत्र इत्। ए हिएए बहादाञ चगर, औपक वांतू बम्मनाल हान नव আাস্টাত সর্জন ও আয়ুক্ত বাবু ফোয়ালা ৰ হাই এই ভিন ব্যক্তি উপস্থিত খাকেন। र (य मम श बावका मरश्री छ इस्र, खना, ध, १न तिष्मि अवर्गस्य क्रिय वावस्य । अहे গভ টাব স্থাপনাব।। দেশেব যে কভ অভাচাব নবাবিত এবং কভ যে উম্বতি সাধিত হইয়াছে जांका बर्विय लासभी लिखिएक स्वक्रमा । स्वन्धा-নার অধিকাংশ নিয়ম বিটিশ গ্রণ্মেটের চ্লে-लिन आईरनव नगाप्त स्हेग्राट्स । श्रीमरवत श्रीवाहण এবং কম্প্রীবলের চাপ্যাস বেক্স পুলিবের ন্যায় ু হুইয়াছে। ক্ষেত্ৰী সহব অতি ক্ষুদ্ৰ, তথাচ বাজার এবং সভর প্রিকাব রাধিবাব নিমিত্ত ২০ জন মেগর নিযুক্ত আছে ভাছাবা প্রাত্তে এবং অপ-व.र. १३ वाव काळ कब्रिएएइ। भक्तं काय प्रम প্রযুক্ত পূর্ণে এখানে কান্ত। নিয়মিতরূপ ছিল না, এकर व महावास जानमात्र अनाका मर्या स्थान স্থানে বাস্তা নির্দ্ধান করাইভেছেন।

श्राहीनकारणत नाम श्रमाणियात श्राह जनगत्र ७ जडराहार मार्ड, शुर्कत्र नशत्र हेकारीन অনিযুমিত কাবাবদ্ধ কবিবাব প্রথা উঠিয়া গি-गाइ । একৰে चाहेन उन्नाद्य कांत्रावादमव ज्ञारमभ इटेरज्ञ । देश्वाकी, जेर्फ क्रवर हिन्तरज भारमनी जीयुक गिछि जनमनान की मिनदानी পদে অভিবিক্ত হইরাছেন। এত দিনের পর यहातास्त्रत तासक हरेएक छेप्टकांक शहरनत व्यानका पृथीकुछ रहेन। महातक मर्भा मर्था চিकिश्नालाय अवर विन्यानाय चत्रश भवन कतिया **ভर्णावधादन कर्दाम। अवश्रमा त्राक्षशानद्व मार्गद्र** কাব) হইতে বাৰ ক লইয়া আনিয়া সক। দেও । কেন্দ্রীব মহারাজ নৃত্য গীড়াদি আমোদ প্রয়োগ जिया यामिनी यानन करत्रम ना, क्यम विकारमा চনাব আমে'দ প্রধানে সময় যাপন করিয়া वारकम । मा कवित्वम स्कम २ " विकाशिष्ट वहा अब निक्क नियुक्त आहिन। छोडामश्याः मर्ता । धनशः छात्। जिनि वृत्तिशाहिन, छोत्राटि धनान , भी औ क वांवू भवनात हान नक्वानिष्टी ने बहाबाटकर निक कविकात कथान स्हैएड २६ | माईका। १डे यहाबात क सारम जानमनायि

সম্পাদক মহাশয় ! কেন্দ্রীর ৯ , বাজের আর

আরও কড স্থানে কড চিকিৎসালয় ও বিদ্যালয় गरशाभिक रहेक काहा क्षमाक्रीक । अक्रान किळामा कर्त्र, अवस्थि अकाश्चित्र चरत्यविरेखसी রাজাকে গবর্ণদেউ হইতে প্রার অব ইভিয়া উপাধি প্রদান করা উচিত কি না ১

মান্যবর ত্রীযুক্ত লোমপ্রকাশ সন্পাদক महानव नगीत्रम् ।

जन्मानक महानव । रक्टनर्भव (नक्षेत्र हे गवर्वत वाश्वष्टदात विनिष्ठ छेललाक अञ्चरकम्ब গেজেট ও নোমপ্রকাশে লিখিত প্রস্তাবহর পাঠ कतिता जामात गरन विश्विष्ठारतव खेमग्र इह য়াছে। আমি ক্ৰমশঃ সেই সকল ভাৰ বংক্ত করিতে প্রত ব্ইলাম, সোমপ্রকাশে প্রকাশ করিয়া অসুস্থীত করিবেম।

षांगि षांगनारक रहक ଓ विकारनिया জানিতাম, কিন্তু সেদী আমাবই অম। আপনি अक अक मनदर श्रु निभन्न विरवहना ना कविश्वा এক কথা বলিয়া বদেন, কিন্তু কে আপনাৰ কথায় কৰ্ণাত কৰে। আপনি ভবু বলিতে ছাতেন না, এই ত শাপনাব একটা প্রধান বোগ দেখিছেছি। व्यानि भवर्गमिक करनात मुचारमकी ना वरेश ऐज़िया शास्त्र काउन भागिरेट क त्नरे ठाउँन **यह पूर्ता विक्रम कविर**क श्रुमः श्रमः जञ्चरवाध कविद्राहित्सम, त्र कथा (क श्रमिद्रा ছিল? সে কথাডেই জাপনার বার্ডাশালের অঅতাই প্ৰকাশ পাইয়াছিল মাত্ৰ। তবু ভ আপনি বুঝেন না।

ৰূপন্তিরা চারচকু এ কি আপনি জানেন না ও কথন গুমেনও নাই ? '' স্থানীয় কর্মচার্বিদ-त्त्रम् विकानसे देशवर्गस्य क्रिक् कर्षत्र अस्त : a কালেকীর কষিসনর প্রাকৃতি প্রধান প্রধান কর্মচা রিয়া স্বয়ে স্বয়ে বাঁহা লিখিয়াছিলেন, ভছিত্র আর কি লেণ্টনন্ট পর্বহের ছাদরকর হওয়া সম্ভব ? একি আপনি বুৰিতে পারেন নাই ? **ঘ**ার " বেরুণ এডীডি হয় আহায় বিপরীত বা অডি तिक कार्यः (क कतिया भारक ? (कहरे करतन ना, अड्रु (कमम (शरकरंग्य शक्ति मुन्ति करितनरे वृक्तिएक भाग्नरवन ।

ष्मशत्रु, त्माक्रेयके शवर्नटहत्रु '' वित्रण मश्कात বৰুমূল হুইয়াচিল ভাহায় বিশ্রীত কার্ব্য ভিনি कि श्रकाद करतम र इकिंक विवस्त " जरनक लाएकत्र क्षान विद्धांश स्टेशास्त्र वर्षे * एकाना लान्हेम के समर्गत या गयर्गदान होता कतियात श्रकृष्णकात्रण व्यक्तिक हम् मा । * विक ! विक ! हाव्यवश्या शात ३ का । जात कि छा छे नायक अकृष्ठि ताजात नात वहेक, छारा हरेका व नावित्रास्त्रता कि कि वर्षानास्य नायून वहेत्रा

 इहे अक गांवित जाचारक (व मक्ष्र) एए। करत. এখানে ত সেরূপ হয় নাই। লেণ্টন ট বাহা-হরের অর্থলোভ ও নাইই, ডিনি লাঠির আখা-**७७ करतम मार्डे, ए इव रीहात भाव कि !!! विदर्भ** বক্ত যুখন লাটিয়ালদিগের এর প নরহত্যা क तेवा जार्मियार्कन कता मरकात स्हैबार्ड **ख्या खाशांनिताहरू वा त्माय कि? ख्रुत (य** वीभ बाएकृत वीरम लाटि इहेग्रारक, ताहे वोभ क्षां बाहात क्रिक्ट चाएक, (नहे वास्त्रित्रहे मन्भूर्व (कांय व)लट्ड इहेर्य । উड़िकाय ज्यान-्रेत्र " व्यक्षिकाश्मरे कट्टाक्की (वशव्छी भनीत অলোচ্ছাস ফলিভ ৯ যখন স্থির হইল, ভখন যে य्य इट्रेंट वृष्टि वर्षन इट्रेग़ जिल महे साध्यहे পোৰ, অথবা যে ৰায় তে সেই মেঘ উড়িদ,ায় महेग्रा वाय, तह दाग्रु बहे लाय, व निष्ठ हहेरव। লেপ্টনক গৰগৰেব কি দোৰ ? এইটা প্ৰবল বায়ু-রুই কার্য। আপনাদিগের প্রস্তাব্যয় পাঠ ক্ৰিয়া বুঝিসাম বে আপনাদিগের কাহায়ও ভর্ক শক্তির ভারশ উল্লেখ হয় নাই। ছর্ত্তিকের প্রকৃত কারণ কেছই নির্ণয় করিতে পারেন নাই। যিনি যাহা বলুন, ছৰ্ভিফেব প্ৰকৃত কাবণ আমিই ঠিক করিরাছি। ছার্ত্তক হেতু বেথানে যভ লোক महियाद्य, त्रहे नक्ल रुख्यात्राह क्यारलंड দোধই প্রকৃত কাবণ। ভাছারা কেন আর কোন प्तरम निवा कथ वार्य कवित्र ना? व लाङ्ग ভারতবর্ষ ছাড়া আর কি পূর্বিবৈত দেশ নাই ? যেমন কর্ম ডেমনি কন!

আপনি লিখিয়াছেন "ডিনি বিনিট্না निविद्या वृद्धित कांक रहेक। " कान्ति कंदज विका मिथि। अष्ट्रक्नित हुकि क्रम, मिन्टिय তণ বুলৈতে পারিবেন। ঐ মিনিটে কন্ত লো-क्त अम मर्मानन कविया निष्ठात्त्वः । क्रम् क्रम् म्हिन्स मण्डलक् रहेन्रा एवं कार्यक्षेत्रंत्र कतिया-हिरमम, अकरन के बि.नेर्टिंग करन निक्र मन्द्रमञ् क्रेग्ना क्या काव बाह्य क्रिया हुन। तो ।न.न-ैत अब ७४ !! जाननि सिविद्याद्यन ए इकिंग किमरानत तिर्णाएँ ते भूटर्स मिनिष्ठे ना नि. चयु। সর সিসিল ইভিনের স্থির হইরা থাকা উচিত किन। किन " केक्कियर कि ? जामि कना चार नि। अ के विनिष्ट (मधाएक क अञ्चल दशा वह (ज्रह ना, ज्रांत देशांद्र कि लाव व्हेन ? क्रो बिनिटि (व कछ का अ स्ट्रेटव भट्टा जान्न जा-নিডে পারিবেন।

चानमात्र कि इन्हें कि। मिरकत्र जय मा ति-थित। बकुटमारकत्र जन स्मिवरक्ररहम्। जाशमि क्यन कतिया श्रक्षक प्रवेशक अनुवास कतिरामन ? কাপনি বিখিয়াছেন শ**্ৰাসনক্ছা**য় কটের

স্থানে উপস্থিত থাকা কর্মব্য। "ভাল ইহা মানি লাম। আপনি কি জানেন না যে স্ব সিসিল वीछन मात्रकिलिए बाकिया भागनकार्यः निर्कार कतिएउ मक्तम म्हेगां अकि अकरात छे एकन व्यटण गमन कटरन नाहे अवर मात्रसिलिङ ছाङ्गिया किङ् দিৰের জনা কলিকাভার আইদেন নাঃ? আ-পৰি এসকল কথাৰ উল্লেখ কবেন নাই এ আপ নার বড় লোব। দারকিলিঙেরও ওণ আপনি बादन मा। तव ति तिन वीसन ए ति कीन्छे গর্গর, ভাঁহার অর্টের ত ফীবা নাই এবং বেরুণ मिनिष्ठ विश्वितारकन, काशास्त्र किनि मात्रकि निर्क भाकिया (य भागन कार्यः निर्फाइ कतिरदन এ विष्ठित मरह। किन्छ मात्रस्थितिरङ्ग अभि छन বে এডুকেশন বিভাগের ডিকেটরও সেখানে शांकिया निकाकौर्यः जनायारम निर्माष्ट्र कतिएउ पारकन जवर मिथारन खाँशव जख कांच ৰে প্ৰায় এক বৎসৱের মধ্যে জিনি জধন্তন শিক্ষ-কদিগের জোনীবিভাগের বিষয় স্থির কহিলা রিপোর্চ করিতে পারিলেন না। এীদের সমর কলিকাভার থাকিয়া কি তিনি এত কাল নিৰ্মাষ্ कविष्ठ भाविष्ठन । धना संस्था कार्यनकष्रा यना दौरात अवनीमका !!

যাহা হউক, আপনি এই কর্তী প্রধের উত্তর দিন দেখি। কিন্তু আপনার বেরুপ অভাব দেখি-ভেছি ভাষাতে আপনাকে সভর্ক করিয়া দেওয়া छेड़िक, रामन राज्यन क्रिक्स मिलाई डॉनस्ट मा। एन, काल, भाज वित्वहन। कतिवा नावगारम উত্তর দিবেন। বঙ্গ লোকের কি লোব আছে? নোৰ থাকিলেও সে নোৰ কি দৰ্শন করা উচিত ? क्ष्मंत्र कविद्रमं कि स्म क्ष्मंत्र कार्या जारमान्न কৰা উচিত ? সম্পাদক্দিগের কি লোপক? गटबार मञ्जानदम यह कहा छेड़िक महा? वड़ लाटकत पारवारमध करिया लाकरक प्रशेव कि উচিত ? রাজপ্রসার লাভ করিতে না পাবিলে कि अमृद्रक्तातम् सिद्धः स्ट्रेवाय मकादना बार्ड ? चात्र अन्नभ कड शत्र निधिव अकूरकम्रान দৃষ্টিপাত করিলে অনেক প্রশ্ন দেখিতে পাইবেন। कान बार्ड ब्रुस (मर्थि। छात्रक्षर्थ कि योगीन দেশ ? ভারতবর্ষ কি ত্রিটেন ? সভ, দেশের সহিত कि जगड़ा स्टब्स डूनमा रहा? जड़ा स्टाटकत বহিত কি অসভা লোকের উপ্যা ইয় ? ভারত-व्दर्वंद्र मञ्ज्या कि मञ्चरवाद मद्दा भन्। २ विमार्डित পশুদিশের সহিত কি ভাহাদিশের তুলনা হইতে পারে ? বিলাডের কডকওলি পশু নষ্ট হওয়াতে रव धून याम ७ वस्त् छ। स्टेबाट्ड, अट्ट्रबंद ३० नक लाक महे बहेबा तथ छेर्बंब बहेता कि

কি শুক্লকায়ের তুলনা হইতে পারে? খুঁ টীয়া-নেব সহিত কি পেগানের ডুলন। হইতে পারে? **উरकालद्र मञ्**ना कि मञ्चा ? नाल्किव (बरादा र **বহিত কি বিলাতি অধৈব তুলনা হয়? ভাল** ताथ कड़न, यनि छैश्करमत पूर्छिक निवारण করিতে গিয়া "সর সিদিল বীডন মহোদ্রের প্রাণ নাল হইত, ডাহা হইলে কি লোকেব ছঃখেব आत পरिनीमा था किछ ? छैं। होत न्याम हमानान ও গুণবান লোক জার কে:খায় মিলিড ? অপর, हेश् विरिक्त करा दर्खन, ३६ नक छेफ्सिन প্ৰাণ নাল হইয়াছে, ভাহাতে ড " কোন বি:শৰ कानि इहे (उद्दर्भा। " (त त्रकल लोक थाकि-ल छ इग्न, ना शांकिरन छ इत्र। अक स्नन स्वांकियांत्र পৃষ্টীয়ান সভা ওণবান লোকের সহিত কখনই ১ शक कि महत्व शक मुक्काम, (भगान जनका ७ निर्देशप लाइका जुनना कहा याह ना। यनि बर्तन, य ग्रव गितिन बौखरनत स्मारव जातक जार्थ रावं कात्र बहेशाएं छ अकरन्छ इहे-**उद्या शान वड़ ना अर्थ वड़ ? अवर्यदे**त शान वक्र मा श्रष्टांत जर्भ वक् ? अमन जात्मक जर्भ छ निष्य वार्थ वात्रिक श्रेटिहा एक निम्नियात পর্মত ও দারজিলিঙে যাভায়াতের ব্যয় ও ভাভা দিতে কত টাকা প্রতিবংসর বার হই (७८६। व्यञ्जव व) स्मय कथा मृत्यंश व्यानिदन

দশ্যদক মহাশ্র ! আমি ও আপনাব অনেক দোষ দেখিতেছি, আপনি ও যাগা করিবার করি-य्रोटक्न, श्रष्टाञ्चलाहनाश कत कि। अफरन दूरे अकरे। हिक कथा वृति अदन कक्रमः। अहे कथाय जरू गत्र किताल भरत कन मर्भिएड भरत २ छ।-পনি কি শুনেন নাই যে সম্প্রতি বছকালব্যাপী विरनम्बाद शद्र अन् छन निक्कितिहाद (अनीदि कारभव विस्तिष्ठि विकल भवर्गस्य भिन्नारक ? এচুকেশন গেজেটে চুকি করিলেই ভানিতে পাবিবেন। অভএব এই সময়েপুর্কের মত প্রলা শ वाक, मध्न श्रद्धांश ना कदिश्चा इहे अक्ट्री छान কথা বনুন, কান্ধ দেখিতে পাৰে। সুযোগ शाहेश्रा हा क्या प्रवासिका निर्द्धातित क्षा जा शनि छ अङ्दरमन भारेशांद्यन । भूदशन ना कि त्य " (भटि (बटनई भिटि भन्न में बान बटनन, अर्ज ना वृक्षिया कांच काविद्यारहरू, अक्टन जात কি করিবেন ? কেন এডুকেশন ভ পাইয়াছেন, व्यालन माजिया बद्धन, मिनी भौमतित प्राक्षकत व करून मा, अब्दुर्कमध्यत्र कांচरन करनस्य कर म ना, मनशृष्टि चार्ट चत्र कि ? श्राप्तिक कवि लाइ छ मार्च कानन इहेरव ? " नव निनिन (मज्ञा वृत्रधाग इवता केडिंक ? इककारका गरिक । शीक्षम मरहावक में अक्षम स्थान हरेता व वेश्यान

এইবার বুঝি ভাষার ধামাধরা সাধক হইযা देविद्य ।

" চিডতোৰস্য *

মান্যবর জীয়ক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

ছুগলি জেলাব অন্তঃপাতী বর্লাপরগণাব মধ্যে উত্তৰ শাওড়া দক্ষিণ পেচাড়া প্ৰলভানপুৰ ও আগড়া পশ্চিম কোটা ও মঙ্গরোল পূর্বা माट्यापद्रश्य, এই हजुः गीमाव अवर्गा आह अक क्यांभ मीच **शक्**ष्मि कनमश स्टेगा तस्यादमः। छावास्त्री नमी शिक्त किस क्रेट्स श्रेक्यूप जित्रा मिक्नमूर्य श्रवाहित जारमानव नरनव সহিত ঐ বিস্তীৰ্ণ ভূপতে সমত হইমাহে। পাঠ ক্ষাণের স্মরণের নিমিত্ত কলিডেছি, এই অমো-**अत्र नामत्र विषय प्रामनिक नी श्राप्त विरम्बन्नाल** श्रक्षिण इहेब्राइ । देशत श्रवीह विव्रकालहे অবিহত ছিল। কিন্তু কয়েক বংসর অভীত হুইল পুর্বার্থী সভিহিত স'কেরা নদীর সরকারি त्मक बर्गा भर्गा वनावरम क्य इंडव्रास्क श्ववम প্রধান্ত্রোংকিশু বালুকাবাদি আসিয়া টেওয়া थानि नामक शास्त्र हेरांद्र शंखि व्यवस्तां कित्र ब्राष्ट्र । वर्षात्र करण शतिशृष्टे स्टेरण इहे अक्यांत्र মাত্র ইয়ার গতি শক্তির কিঞ্চিং উদয় হইরা থাকে। নতুবা অন্যান্য সময়ে সম্ম থ পড়িড গতি প্রতিরোধী উন্নত বালুকাধানিতে প্রতিহত इदेशा देशत ममण सन धुर्मनिर्फ्ट पृथ्ट অবক্রম হয় ৷ ভাহাতে উক্ত ভূমি ভগাবহ মুর্জি शादन कदिया नेशिक्ष वानवानीमिशहक माना शकारत कडे जिएकाइ । मनवाकुछ भीचाकुछ মুবিকুশ্ত হরিকুশ্ত প্রভৃতি স্থান সকল এই ভূমির অন্তর্গান্ত। পুর্বের এই এই স্থান সকলে স্থানবিখেবে **কোৰাও বৃথি কো**ৰাভ ধান .কাথাও ব্যুক্ত উচ্চা

অগং গমন ও দাবজিলিও ছাড়িয়া কিছু দিন) এভু,ত শ্ব্য সকল উত্তম্প্রপ উ পদ হইয়া ক্লবি কলিকাভান্ন অবস্থান জন্য যে অশেষবিধ কষ্ট জীবিগৰের পরিপ্রামের সমধিক পুরস্থার প্রদান ভোগ কবিয়াছেন এবং দাব জিলিওের সুশীতল কবিত। একণে সে সুখের জাশা একবারে শেষ সমীরণ ফুল্বি চিত্তে দেবন করিয়া যে নিজ হইয়াছে। প্রভুত উচার ভয়ক্তর ভাবই নয়ন श्रीन नका कतिशाद्वन, उक्कना जिति जामानि (भावत क्षेत्रा बाटक। जाताकृति उ जारमानतिर লোব অভিশয় কৃতজ্ঞতা ও পনবোদের খোগ্য প্রবাহানীত যাবস্ত উভিন্দ বস্তু আ স্থা এই হইরাছেন। অতএব জাঁগাকে এক অভিনক্ষন পত্র। স্থবেই অবস্থিতি করে। ঐ সকল বস্তু পচিয়া প্রদানের ও উহিার এক প্রস্থরময়ী প্রতিমূর্তি। সভত পুতিমগু ৰাম্প উথিত ইইতেছে। তা निर्माटनत होना नृश्काटन कम्य अक्षी नीच हाट्ड शाचवर्डी आम नकरन मरमा मरमा जन्नामक প্রস্তাব লিখুন এবং সেই সঙ্গে আমাদিগের। মারী উপ।ক্ষত ছইয়া থাকে। গ্রামের লোকেরা এড কেশন গেকেটের সম্পাদককে এক অভিন-। নানা প্রকারে উদ্বেজিত হইতেছে। একে উপ-ক্ষন পত্র প্রদানের প্রস্তাবন্ধ করুন। ডিনি ছড়ি জীবা ভূমিতে শনে।র নাম ও নাই, লে'কে সভত ক্ষের সময়ে যে অন্নের ধামা "ধরিয়াছিলেন তা- পিটের আলায় অলিত ও ব্যক্তিবাস্ত, তাহাতে शास्त उ डॉशांत किंदू चार्रमाथन रम्न नाहै। किन्छ। धार्वात खारात खाना। किन्नरम विश्वित थारक ? क्षे जकम श्रास्त्र अधिमात्रमितात 'बर्धा नजामत्र মহাশয়ধ্য় স্থ স্ব ক্ষিকার রক্ষাব নিমিত স্বব্যরে अक्षी थान थनन कहारेबाएकन । इंडाशिक्टम ব্যয় ভায়ৰ ফলোপধায়ক হয় নাই। যে পরিমাণে অল নিৰ্মাভ হওয়া আৰশ্যক তথারা ভালা সম্পন্ন व्हेट्टर मा। (य इन प्रिन्ना करनत स्कालक গতি হইতে পারে, ভাষা অন্যান্য ভূষ্যবিকারীর व्यविकाद। विभिन्न स्था उँखरक्षा मिश्रा विवर्गड হইলে তাহ'লের বিশেব ক্ষতির সম্ভাবনা নাই, তথাপি বে ভাঁথায়া দেন না, ডাহার কারণ ভাঁহা ব্ৰাই বলিতে পারেন। হাকিম লোক মধে। মধ্যে, উত্ত জলার নিকট দিরা গ্রহাগ্যন করিয়া থা-क्ति। कह कह विशासाती हरेन्ना कथन छ-হাতে জলচর পক্ষিত্রীকারে গমন করেন। উক্ত ভূমি জনমগ্ৰাকাতে ভাঁহাদেব আমেদেব বন্ধ क्षेपारकः। किन्न र्याक्षरत्त्रः त्रक्रनीय अकावरर्गत বে উহাতে কি সর্বনাশ হইতেছে, ভাহার প্রতি ভাতিক্রমেও একবার মৃতিপাত করা হয় মাই। हेहा पञ्च जारकरभन्न विषय्न नरहाः वाहा इक्टेक, ঐ অল'স্থিরফ্লাবে থাকিয়া'লোকের অনিষ্টকব ना रहेशा क्षेत्राफ विश्विक रहेशा वाल, काराहे আমাদিগের প্রার্থনীয়। কিন্তু প্রব্যেক্টের হস্ত क्षिन वाणित्रक हैश जन्भन्न हरेवान जावना | जाइब व मनकन क्षत्र कन्नियाहित्सम छाहा कि त्यथा याहेरचरह ना । जत्म इन्हेरकन क्रिया र्व कुफकार्तर वर्षेट्ड शाहित्यन ना, जामदा छ-भरत छारात कात्र मिर्फाम कतिशाहि। अमी-मार्त्तेदाः शद्राप्यय श्रीखिवचक्काइद्या कर्द्रम । किख भवर्गामके উদ্ধোগী इंद्रेश मक्नाइक्ट मक्निता रहेवा शाकिएक रहेरव । शवर्शके चरकाव रहेएक সমুদার ব্যন্ত দিয়া जे कार्य। हो^{त्र} अभाव क्रिया किंग, जायता এ श्रार्थना कहिएक्कि मा। भवर्ष (वन्डे फेब्र् द्वान कड़िता किंकिस समीतात ७ स আর নিকটে সাহাব্য পাইতে পারিবেন।

ক্ষিত্ৰত প্ৰকাপণ।

মান্যবর জীয়ুক্ত সোমগ্রহাল কলাক্ত महानंत्र नमीटन्य ।

न्विन्त्रविद्वन्यविन्द्-

महानम् ! कात्र उत्रहंत अस्तिकान इहेटक रिष्ट्रभन अबे ध्वन्नाभ महत्त्रत्र जित्वनी चाट्ड मर्फ গাত্র মুখন ও স্বান হেতু মার মাসে স্বাগমন करका वालया अधारम अक्षी बृह्द (मना हहेता थारक, खाश नकरनवर विविध खारक। (मनाजै প্ৰায় ছই মাস কাল স্বায়ী হয়। অভএব বলিক সক্ৰদায় দোকানগুলি স্থায়ী গোচেৰ নিশ্মাৰ করিয়া থাকেন। এইরূপ দোকান ও বাজিদিগের বাসস্থান প্রায় চতুর্দিকে অর্ছ ফ্রোল ব্যাপিয়া থাকে। পত রাজ্ঞি ঘটিকার সময়ে উক্ত घाटि पति नातिया परनकशक गृह चण्यमार रुखतांटल विविक्तित्वत ७ व्यवहामः ब्लाटकृत यर-পরোনাত্তি ক্তি চইয়াছে ৷

সম্পাদক মহাশর ৷ উক্ত স্থানে প্রার মধ্যে मर्था अञ्चल क्या नाविद्या बारक। किन्न प्रः एवत विवयं अरे, भवर्गांके रेशांव श्राजकात्वत कान উপায় করিভেছেন না। এদিকে প্রভিবৎসর तर्ज्य देखिरबट्ट याचरथनात जान २५००० होक। অন্নত হইরা থাকে। কিন্তু কি প্রকাবে উদ্ধ ो हा नश्यशेष इस, अवर्गाम के अक वान हकू উন্দীলন করিয়া ভাহাও দেখিলেন না ৷ ঐ জল দিনের নিষিত্ত বালুকামর গলায় চাড়ার এক বর্গ-रख अभीत तास्य ६। ७ होकांत्र हिनादव मध्या हरेया पाटक। एछित्र कॅनामा क्रीक काटक । किन्न পাশু ও ৰণিকদিপের নিকটে এও টাকা লইয়া ভাষাদিগের ধন ও প্রাণ রক্ষায় রাজপুরুষগণ পরাওমুখ থাকেন, ইহার অপেকা আক্রেপের বিষয় जात कि जारह ? जना मक्चरश अन्नभ जनांत्र হইলে ডড ক্তি হইত না, কিছু এই স্থান উত্তর পশ্চিমাঞ্লের রাজধানী বলিয়াই এও কোডের रहेटजटह ।

গভ বংসম একজিবিসন সময়ে মাজিটেট কেবল দৰ্শন প্ৰথের নিষিত্ত ? বেলা হইতে বাহা जाशांत्र रहेता भारक, उरमबुहाबुहे शिक्रेनिमिशांन कर्ण वस बहेग्रा करन निकित क्षेत्रका क्रिक क्या जरुका माजाविरमत धन । शान बकार्य किथिए यात्र नवा कि देवित मरहा श्रीवाधक म्बार् कडीक रहेम २१७ थानि ध्रुष हरेंगे शानी प्रक स्टेब्रा निवारकः। काश (प्रविक्रीक यानि (क्रेंडे म'एएएवर म्हेंबर्क इक्स कि कर्डवा हिन না ? এই প্ৰকাৰ অৰ্থি কাণিয়া পাণ্ডা ও খনিক- निर्मात करमक क्षि इदेशी थेरका कछ-এব মাজিটেট সাহেব অগ্নি নির্দার্থের নিমিত্ত **जाहां किए शहू बार्या को को किए हैं । ७ है।** দসকল ক্রম্ম করিতে চেষ্টা কবিলে অবশাই ব্রত-कार्ध रहेएक भीरतन । महामग्न । अत्रथ विभूत्रामा ৰাব কোঞ্বায়ত আমার দৃষ্টিগোচৰ হর নাই। भू.निरवत प्रम वित्रक्षण शृष्टे कारह. एथानि श्राप्त মুহ র্প্তে চুরি ও দারা ইইতেছে। কিন্তু আকা (पव विवय अहे कारवदा करनक मध्य प्रविक দশু পাইয়া থাকে। থাহা হউক, এ বিষয়ে शनर्ग्या केत कि कि र दिएनम महमार्गात काव-**制/空**|

क्रकान वस्त्रम। এলাহাবাদ দারাগঞ ' ७३ अ सानुवाति। এক স্থান দৰ্শক ! >- 64 I

মান্যৰর ত্রীযুক্ত নোমপ্রকাশ সন্পাদক महानव मभीत्नयू।

সম্পাদক মধ্ৰয়। আপনার সোম্প্রকাণ भाव थात्र जकल श्रीतिबर्दे नवाहाव भाखवा वाब्र, किश्व वर्षभारतय छ टेक किश्के मश्याम प्रचिट्ड शाहे ना। (कन, २। ४ भ[®]।के वामना লেৰেন এৰানে কি এমন লোক নটি সা लियाहरू अग्यान भजारू हे**र्**गिता घुना कतिहा शाहकमा ? मा छ। बट्टी. अथाहम (निष्म वर्षमाहम) अभन कान लारकर वनिष्ठ एकि ना य स्टाहरू भर्गः ज्यान्जात व्यक्तीतन् आह्म। किश्व रहि नाम, अञ्चल बालांगल अ गांजराजी मदस्य এখানে ত জনেক কুতবিদ, বিদেশী আছেন खांशांता 3 ।क वश्वमानवामि किराय महवारम खांश (प्रव भरक'त्र भावेषात्रका ? हेश कराह महादिख নহে। নিজ বৰ্ষণন কতকণ্ডলি ক্তিয়, কতক তুলি বেদ্যা ও অপরাংশ ইতর লোকে পরিপুর্ণ, প্রায় অধিকাংশ অতিহাই লগারৈ ববধারে, সুভরাং স্পদ্মী উধ্য জন্য সর্বভী সে পত্নী দিয়া কথন कर्म ८ शंदन करतम मा। (कर्म जामान ७ রাজ বারীর রূপা বর্জমানের নাম সার্থক করি-ब्राह्म । ब्राक्तमधास ७ ७९म १काख विम्रामञ्ज, श्निनवि विमानव, यूपा वजामव, मरवाम शिक्ष কালর ও উবধালর প্রভৃতি বাহা কিছু উর্ভির **क्टिल अधारन मिन मिन जिल्ल इक्ट्रेल्ड्** फाराटफ वर्षमानवानी अक शानीवर मार्थ्य, छैरमार वा वष (एका वाम वा। ममतारे विस्नानीय কুভবিদ্যদিগের কীর্ত্তিভ্রত সম্বশ। এখানে একটা अवर्गाम विमानत এर९ अञ्चल महातुः (जत अक्षी मश्कर्ष, अक्षी हेरदाओं अक्षी

राजना ও একটা বালिक्य विमानत चारह, कि বর্ত্বমানের মহাবাঞ্জের উপবৃক্ত ভাঁহার বিদ্যালয় চারিটা দুই হইল না, বিদ্যান্ত্রীলন ও উর্লড বিষয়ে ভাঁহার যে বিশেষ অপ্রাগ আছে, ভাঁ-হার স্কুলের ভাষা দেখিয়া ভাষা বোধ হয় না। वर्षमात्नत्र अमनि इत्रवृष्टे स आमा किरणत् अका वरमम भवर्रा । विकास वर्ष विकास वर्ष विकास वर्ष দৃষ্টিকেপ করেন না, ইश নিভান্ত ছঃখের। ব্যয় मत्मक् कि ? अचारन अक्षी भवर्गमके कारलक ধা তদভাবে একটা হাইত্ল সংস্থাপন অভি आदमाक हरेब्राएक, अङ्गा अख्य दक्ष्माहनत् सः रुक्त, अ अक्षरत्व यावजीव लाइकद प्रमुह (क्रम **१६.७८६। मह'त्राटलत कारेस ड. मक विनालय** নিসনরি বিশ্ব লয় এবং ইহার স্ত্রিহিছ অপৰাপর वर्गानव हरेएड श्राटिशका भन्नीका ह हीर्न **হইলে একেবারে কোন কালেকে বাসা** খবচ यानिक क्षांत्र २०।२६ डोका बाग्न कविया भीत्र ধীয় সন্তানদিগকে লেখাপড়। শিখাইতে এল (म्टबंब २ । ३ खन धनांचा मक्तम स्टान, इन्डवार वळानाचकांव त्य विन्तांत विमल स्ट्यांडिटक बाष्ट्रक कतिया धरे स्वनात वार्थ हरेया वृति রাহে, উলিখিত অভাবই ভাষাব মূলী ভূডাকারণ। একণে অত্ততা কয়েক জন তল সন্তানেৰ কল विदिध श्रक्षांबरमल विद्याञ्चात्री आमान्तित्व राख्यभुत्रविष्ट्रशेष विकट्ड जानात् এहे श्रावना स्व শামার উল্লিখিড বিষয় অসুশক্ষান কবিয়া দগু মাণ হইলে এ অঞ্চলেব প্রজানগেব উক্ত অভাব দুবীকরণ পূর্ণক ভাষাদিলকে আনচক প্রদান करतन अवर महानरसः निकट) ९ जागाव ७ छ<u>त</u> छ. যাৰতীয় বিনাপ্ৰামীর প্রাপনা যে মহাণ্য নদি ইহাদিগের প্রাত অলুকূল হইয়া প্রস্তাবিত विषदा व्यक्त्यामम करत्न. खुद गवर्गम है व्यव শাই আমার এই প্রস্তাবে কর্ণপাত কণ্ডিং शास्त्रव ।

रक्षान बदेनक विरूप्यी न्यागरनम (स्टिन পর্য্য কৈ।

মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক महाभव नमीदभवू।

স্বিন্যু নিৰেল্স্নিলং--

शंख ३৮ है टेवमा चन्नु स्तामश्रकान गर्भ. '' কেরিকও ভবাবধায়কগণের অনবধান্তা 😉 মহং অনিষ্টের উংশত্তি " হিনয়ক প্রেরিডপত্র খানি প্রকাশিত স্ওয়াড়ে মহৈশিকার সাধিত व्हेसार्ड : व्यक्तियार्थिक विभिन्न कविहा व्यक्त धवा बहुनई विकेटी जनभे रहेगाम थ, अक करन दिवस यनि त्रांगधकान मर्भः धकानिक ना रहेज,

हेरवाक ७ এक वाकाली बादु (त्वाव इम्र अक ইঞ্জিনিয়ব ও এক ওভর্গেরর) সেখপুরের ভোট সেবুর বিশর ভাষাবক করিতে আসিয়াছিলেন। উक्त म'रहर ও रातु ध्यथन्छ। म्यशुत्र नियामी প্রজাগণকে জিজ্ঞাসা কণ্ণেন, '' কে সংবাদপত্রে त्यिशुद्र ह त बुद्र विषय अकाम कित्य **एक् ? त्य** ব্যক্তি কি উপস্থিত আছে? " কতবন্ত লি প্ৰজা উত্তর করন তিনি উপস্থিত নাই, কলিছাভাস্থ গমন করিয়াছেন। তংপবে সাহেব ও বাধু केंग्राज्ञ के त्रिपुरीय व्यवश्वा धर्मन करिया बनिया गियारबन, '' এই সেপুকে চানি ফুকৰ বিশিষ্ট कतिएक रहेरव, नरहर अधिक शवित्रवाचार তম্বা দিয়া বৰ্ণাখালের জলভোত সুচারুরণে ৰহিগমন করিতে পাবিৰে না এবং প্ৰস্কাৰণ ভট্নি বন্ধন যথার্থ ক্ষতি ও ক্লেশভোগ করিবে ৷ " সেখ-পুর বাদী প্রজা সমূহ তচ্চুবণে যার পর নাই আনন্দিত হইল্লাড়ে। সেতুলী একণে ধিফুকর बिलिष्टे बाद्धि, हार्त कुक्त इहेटल क्षुक्राजर्भव व्यमिष्ठे निर्वादन बहेदव महस्क नाहे।

भन्भानक महाबद्ध । (मधून, .भानका क्त कन्ध-माब्रिगन क्यन भानारयांत्र भूतिक भक्रबंग শব্দাদন করিয়া থাকেন। তাঁহানিয়ের অনব্যা-মতা দোৰ ই'ছাবা সমুৰেই কি 'বীকার করিলেম मा २ मधन उपनाव चाका १ क्या ५३ हो छ। उपन टीहारा जनग धनरमा व कामन इर्ग्राट्न, कि ह डे|ब्|.बेश्राक अञ्चल क्रिकांत्रा क्रिये वांगर र्हेन'म, अञ्चल क्षकावर्ग जाना एगेत **प**नव-ধ্যনতা নিবলন যে জনীন অনুষ্ঠ সহং করিয়া क्यानिए इटफ खाराब क डिश्रुवन (क कार्एव ? বুক্তি অনুসংবে কেনিফতের কর্মহাবিরা কি टोबाब माग्नी इके फिर्डन ना ? य'श ब्रेडिक, फेक मारश्य ७ यामानी क्ष्मान्त्री व्यानानिकाय বাক্যসুদ্ৰ উত্ত বহু নিকে এফৰে ব্যা-वर्षक्ष्मर्बाई छ उन्दर्भ विश्वान क तरल अहा-গণ ভাঁলনিমের নিকট চিবকাল কুভঞ্জাপাশে বন্ধ লাকিবে এবং যে বানাভীত উপকার সাধিত इट्ट्र ७३६वा मार्नाना एव क्यान धनावीन क्षणान करिएव।

উপসংহার স্থান বস্তব্য বে, উপবিশ্ব কউপক (यम मर्रामा काग्रमांमारा:का य दर्खना छ व।वभान कांधा मञ्जामन करतन, न इवा विश्व व क्याजीतिश्व त्व बदमारवांश महकारत कार्य। कतिरवन, स्म প্রভ্যাশা করা রুখা। নিয়স্থ কর্মচারিগণেব কৰ্জব্য কৰ্ম্মের প্রতি ঘাণুশ সনোধোগ, উপস্থিত দৃষ্টাত হারা ভাচাব কেমন প্রিচয় পাওয়া याहेटडट्डा नम्लामक यश्नव । त्वर्शुद्वत (मजूत धाश शहेरन कि छे छ है ? । छ ४ वालाभी कपा हाबिष्टब्र अमर्राभि देह बन्द ३०० ?

भिष्णा । वन्त्रम । 🗟 कोल'डान भूरचाशीयापु I BIK R OF 33901

মান্যবৰ জীযুক্ত সোমপ্ৰসংশ সম্পাদক মহালয় স্মাপেষু।

त्रक्शांत्रक ब्रहांबंद्र ! क्यांबा: "टाउ क्यांबरश्राद्धर ब्रह्मान माजिएके ७ काल्डिंग डीग्रन्ट का स्ट्रेन मार्ट्य बर्शनेषु बस्यान श्रीत ब्रब्ध अवरत्र महर्वित बीनकृतिव महिकारे व्यविकृषि कविशा थालकृताव बानक ७ वानिकाविन्यानय (मन्त्रमी स्टेटफ সক্ষম ও প্রীকার্থ ৮ मार्टेन वाववान) আব্যন করিয়াছিলেন। বালক ও ্থালিকা-ष्ट्रियत नश्लीका कविया क्षत्र मगुरूर उँदिव अवरन अवहेटिए जाराभित्मत्र छेरमार वर्षन कविश्र शिश्चाटक्न ।

भारत्य मर्शामम विलालग्र मर्गनानखन् य মভব্য ইংরাজীতে লিখিয়। গিয়াছেন, ভারার ৰাজনা অপ্ৰবাদ একাল উদ্ধ ও কনিলায়। "খাল कूनांक्षिक कृत नमर्नन करिनाव स्य श्रकादव প্রমের উত্তর দেওয়া হইল তাহাতে অভাত্ত সম্ভষ্ট হইলাম। এ অভি সক্তোবের বিবয় যে ज्ञान दिन्त्र्वा जाहारात इहिङ्गनरक निका দিবার জন্য বে ফুঘোগ করা গিয়াছে ভাছা **অৰণ্ডন করিতেছেন।**

मार्ट्य बर्हामञ्ज (य त्करन এই विम्तालय श्रि ্মর্শন করিলেন এমত নয়, ইনি মফখলে অমণ मनंता त त ए दल विमानद्र जारू जानिए পারেন, ভাষা সাভিশয় আগ্রহ সহকারে ধর্শন कतिता थारकम । हेराव विषय विषय (बद्रान উৎসাহ, বিহার সধক্ষেও ওজপ। এই মহাত্মার স্বিদপুর আংগমনাব্ধি প্রকাগণ সম্ধিক স্বিচার थाशिष प्रयो रहेरज्द । भवनकईक इर्कारनव উৎপীত্ম ভিনোহিত হওয়াতে সহার্বিহীন হঃশী হুৰকেবা প্ৰশংগিত সাহেব ও জীগুৰু বাৰু अभव्यक्ति वस् एउ पूर्वी माजिए छे । महामात्रव বেল্লী এবকীর্ত্তন করিয়া থাকে এরপ (একেলায়) আৰম্ভা কৰনই ভানিতে গাই নাই। মহালয় ! এক্রে আমরা অগদীবর স্মীপে কুডজচিত্তে व्यापनी क्रिंति व अर्जन विधानशान्त बाजा यन ভিমি শান্তি দেবীকে চ্যাঞ্চতা ও অনমূভা चिर्मानः आयर गयमा । तथरत्र विवाहशक्तिनिक्रोंक

फ शाह्य कांत्रज्ञा (कांक्सियाया निवास कांक-জ্যে তিকীৰ্থ ক্ৰিয়া দেখী।

শ**্বপুর**। श्यक्तिर ४४ = अ ১ লা কালুয়াবি 120041

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশন্ন সমীপের। रुप्तनभन्न विम्नालय।

🔻 ছাত্ৰবৃত্তি পৰীকাৰ কল।

हक्तनगर गाहायाकुछ विल्हालय माधावरवद . হতাৰে স্থাপিত হইয়া শিক্ষকদিগেৰ যদে ক্ষ-ৰঃই উন্নত হটয়া আসিতেছে। গতৰংসর इं तांकि जिनाहरबाद्धेत की वानक शिक क টাকা কৰিয়া এবং ৰাঙ্গালা ডিপাটনেন্টের ১ চী অল্ল বয়ন্ধ বালক মাসিক ৪ টাকা কমিছা ছা-ত্রবৃত্তি পাইরা স্থগলি কালেজে পাঠ করিতে अधिकार शास इरा अवर क्रमानि स्वताय नमूप्य विमानम व्यापका अहे विमानम छिएक्ट स्ता এবৎসর এই বিদ্যালয় হইতে বে কএকটা বালক বাদালা ও ইংবাজি প্ৰীক্ষায় উপস্থিত হয় ভাষারা সকলেই উত্তীর্ণ ক্রয়াছে এবং ভন্মধ্যে 8 है। वासक द केटल क्रिया र बरमाबद सन् यांत्रिक डाजर्खि शाहेशा इशिक कात्मा शाहे করিবাব অধিকার পাইয়াছে। এবংসবও এই বিদ্যালয় ছগলি জেলার অন্যান্য বিদ্যালয় অপেকা উত্তম হইয়াছে। চক্ষননগর ও তৎপার वर्सि बाम ममुरस्त बानकान अहेन्नभ काखबुछि धरे विमानम रहेट अधिक नतिमारन शांश रहे लारे अध्यक्षणन शहमाक्षांतिक इर्दन।

চন্দনগর ১ লা কেব্রুছারি।

बुगा थावि।

এটুক্ত বাবু ছৰ্গাদাস আচাৰ্য্য চৌধরী মুক্তাগাচা ১২१७ माथ बहैएछ १८ (भीव 30 " बात्रकामांच महिक প্ৰোন্ডাল। ১২৭৩ মাৰ হুইডে ৭৪ পৌৰ 3. ৯ রযুষণি বিশাস পাটনা ১৮৩৭ আছুরারি হুইডে ডিলেবর 10 * शाशीरबाह्य बङ्ग्यनात् सूत्रतिनादान ১২৭৩ নাম হইতে ৭৪ পৌৰ 10 ব্রীযুক্ত রেবরেঞ্চ বে, লঙ সাহেব জাসবাজার ১৮७१ व्यक्तिति व्हेटल जिल्लाहर 3. কাশীপুর ১০

- * वरिवरका हक्तर**ीं**
- ^ক অভন্ন দান কৃষ্ট_{েই}কুক্তিভাতা ধাৰ
- * बद्धनाथ जांब

- " জীনাথ কটোপাগার বছবাজার ১•
- " অক্রচন্ত্র দাস বছ্বাজার
- » नवीनहरू बरम्यानागामः श्वका ०॥•
- ^৯ নীলকমল বসাক ট্রেজরি

সোমপ্রকালসংক্রান্ত করেকটা विटल्य नियम।

অতিম মূল্য ও ভাক মান্তুল না পাইলে মহ-चर्म (मानश्चकान (श्वर्व करा बाहू मा।

रेशंत्र काञ्चिम मूला वार्षिक ১० अवर वान्।।-जिक el! • होका, सक्याल **डाक्साञ्चल ज**रमञ् বাৰ্ষিক ১৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ক্ৰৈয়াসিক ৩৸৽, তিন মানের স্থানে অগ্রিম মূল্য লওয়া যায় না। ভূতি, বরাত চিটি, মণিজ্ঞত্ব, নোট, ও স্টাম্প টিকিট ইহাৰ অন্যতর ঘাহাতে ঘাহার ক্লবিখা হয়, তিনি সেই উপায় ছারা মূল্য প্রেরণ করি বেন।

याँश्रांत्रा द्वार्र्णिकिके शाहीहरूवन, ची-হারা বেন এক অথবা আগ আনার অধিক मुलात । त्रीकित विकित थित्र ना करतन ।

यथन यिनि यमपान रहेए लामश्रकारभन भूगा भार्राहेरवन, खारा सन तिब्रिक्टीन कतिया ঞ্জিক দারকানার বিদ্যাত্রণের নাবে পাঠাইয়া

य राहामित्रात मूना मिवात नमन अकीक हरेशा जानित्व, अक मान शूर्त्स धांशिकारक किंद्री লিখিল্লা জানান ঘাইবে, কাল অভীত হইলা গেলেও একবার চিঠি লেখা হইবে, ভাহাব পর এক মাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগক বন্ধ করা বাইবে। শেষ বারের পঞ্জ বেয়ারিও পাঠাব रहेरव ।

মাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসনেব ডাক যরে চিটি আইলে আমরা দীত্র পাইব।

ৰ'াহারা মাক্রল না দিয়া পঞ্জাদি প্রেরণ করি त्वन, क्रीहानिरमंत्र त्रहे श्रामि अहन कन्ना बाहेरव ना ।

কেহ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিডে ইন্ছা করিলে জাঁহাকে প্রথম ডিনবার প্রতিপংক্তি 🎺 -जाना जारात भन्न 🔑 जाना निष्ठ स्ट्रेटर । বিনি অধিককান বিজ্ঞাপন নিবার ইন্ডা করিবেন डाहात्र महिष्ठ चषक्ष बर्जावुष्ट हहेर्द ।

🚛 এই পত্ৰ কলিকাভান্ন দক্ষিণ পূৰ্ব্য বাডনা রেলভিজের সোনাপুর প্রেসন্তমর দক্ষিণ চাল্ডি-শোভার জীবুক্ত ভারকানার বিদ্যাভূবনের ৰাসীতে প্ৰতি নোমহায় প্ৰাক্তকালে , প্ৰকাশিত

३ म काला

18 7º 45

प्रवक्ती प्रकृतिहिताय पार्थियः सरस्ती श्रुतिमहती न हीयतां।"

ষানিক মুলা ১ টাকা, অগ্রিম বার্কিক ১০ । সন ১২৭৩। ৭ই কান্তন। ১৮৬৭। ১৮ ই কেব্রেয়ারি होका व्यक्षिम यान्। त्रिक ।। होका ।

मनवात याञ्चलमामङ जिल्ला वाधित ३३ हाका बाब्रामिक १, ७ देखमानिक ००

विजाशन। इन्नदिनांग मार्के ।

📆 धन्न च भका नधनी उन्ह এই অভিনৰ এয় প্ৰকাশিত বইয়া কলিকাণা काक्रमवाज ७ मासू छ पुन्नवीतात ७ भट्टीनही भाव मुख्य नुष्ठकानात विक्रमार्थ आह्य। भूना ३ है।को ।

१४७ प्राप्त । ना जासन बहुएन १४४४ चारकत् ७३ ७ मार्च नर्वाख ममनमात " बाक्काक-इतिस 'इत्ना " कार्यानीएक क्रोहमक मार्थाहा अव। ग्रम्भ वात्रादेवार्क्षभावना त्रिन (ग्राहद द-विद्या जानामी के हे महिन्द्र मह्मा भाके हिन प्रम-भवात " माञ्चलाकप्रतिक डिएलात " व्यवःच कति नहीं चार चार नारमा बारा स्टेरन।

अक्षारा का का का माना, भवर्राय होते क्षेत्र माना स्मारत नकार सी दिन पत्रिमारनत साम वृत्व, रवक প্রধার্থনা প্রের-ক্রিডে হইবে এবং করার পত্রেব कारम, बाश अर्थना बाह्य हरेला क्यादकादिक 3 अक होका पूर्णात हो जो बनाहेब्रा चाकत ख ब्बार्व कति। भिर्ष रहेटर-- धरे नकत दिश्य इ. दिशान . वर शकीह व, छ छ । अ छ । क भिन '' মারুক্টার উ ডিপো ট কারখানাব আজিনে क्षाभी अदन दश्यांन याहेटन :

क्षर भा मकन इंदेशीन कहिता अरद हेरहा ভীতে রিভে হইবে। বে একার দ্রব্য গোগান হইবে হির প্রত্যেকের মূল্য জফর ও অক্ষপাত बाजा विकि हरेरव !

ুশ্ৰেট্ৰ জেনাৰল অৰ অড ন্যাস প্ৰাৰ্থ-मा स. अथवा अधारा कत्रिए भातित्वमा व्यत्नामाना श्रायंत्रा व्यवश (य श्रायंत्रा विरम्ण क्षेत्र महिछ (मस्या वा इहेरन । नवा कार्य-মাৰে বে মধ্যে শাল, আভাত্তিক অবিক हर रहेट अहां ह जिनि वक्षांश कड़िए गाहि

বেন। প্রার্থনার সহিত বীকৃত বজাব মূল। স্থ न'दर भेड कवा २॥ - होका डिपलिंगे, बिटड न्हें(न, क्रांविभज निष वर्षता श्रांचेना वर्धाता हिनाद जामान कतिए बहेदन, बाह मूर्ताह रहरत से फिनकिं श्राणिक रहेरव।

১৮৬१ जास्व ३३ हे मार्क मनतारू मारुक:-কচরিও ডিগো আহ্নিসে কমিদারী অব আছ-ন।ব্য প্রার্থনা এইণ কবিতে আইছ করিবেন। প্ৰাৰ্থী ব্যক্তিবা উপাস্ত ব্ইডে আৰু ড हहे-তেছেন।

माज्ञ माक हात्रकरण आधिम सम्बन्ध (मण्डेन-५ कमिनाई २८ आधुताति ১৮७१ । अन् फर्डिनामा

उस्मर्श्या

ब्रूक्क हेक्ड शैका ७ वाकांना अस्वात সহিত, সংস্কৃত কালেজির স্মৃতি শাস্তাধাপক প্রীবৃক্ত ভরতচন্দ্র শিরোমনি কর্তৃক সংশোধিত। हेनहेनिया भरकु छ शुक्रकांनाम विक्रवार्थ आहि। मुना ७ इग्र होका।

विष्ठ्रवाचे लागुनकावम ।

त्तन द्वा करे हिमान धान्दिक चित्रा भर

करा शक्राहरू, या कला वीत्रवृत्तर करणेड एकमशुरत्व साथान की एके गश्काख क्रमनशुर मामक सक्तार भागकार्थ निम क्रान्त्र मा कार्य १४७१ मारतन ११ हे बाई जादिश (मात्रवात विवरण नीमान कहा य'हरन।

०० है कि (बर्फ्ड शतियारण रूप्स्मा सक् ৩০ - বিশালালাল - কোছে, এব' অনুভাব इहेट्डिक , (यम अर्य होनित कि इंग् का कि ने नाहेट्डिक, (व आगांशे 5 ना क्षण आहे रे ब्यान्त्र कार्था वे कार्य प्रसिद्ध गाँदि।

चंद्रिम्मारम् इरविशाव स्मा ३२ में शृथक श्राक नाटि श्राक ०६ • दियाँ अवन जाटर, दि कार्ट्य वाला वर्ष वाकित विजीय कारमत

भिकाम नाक हरेवामाञ्ज आएकाक चवित्रकाटवर ডাকের মূল্যের উপর শতকরা ২৫ পটিশ টাকা वाकी जाता विलासिव छाविच स्ट्रेंट ७ मारमव মণ্যে াথিল করিলে আনানতি টাকা কৰ स्ट्रेटर ।

थविन्रात लाकरक न्भाते वृक्तिता वहेरव व विलार्यन काविश्व इंडिएक ७ मार्गन महाना नमूनाम अनम कोरिया अभाखन कतिएक वहेरन, फावन শ কবিলে উজ্জ দিরাদ গতে অবশিষ্ঠ বে বৃক্লাদি थाकितन, जाहा सारानात्कत छित्वेत वस भना रहेशा कामि निलोग सहैएक भागित्व।

(तन अरम करें हिनोज क कारके**व वश्य**न ९ करा जना वः किंगनरक खास्त्राम करा याहे एएक व्याचा इहेट डिहारी कक्त मुखे कतिमा অধিকয় যে কোন কথার সংবাদ লওরা আব-भाग इय्र. स्ममात श्रीयुक काटनहेन मास्व অথবা নিডের স্বাক্রকারী ব্যক্তির নিকটে तिशित आश रहेरवन।

एम वै: मिन्देडि अ किसेय निस्य (यर्जकार (हैं) o. राष्ट्राष्ट्रगावि (इश्रम्भाव ।

इछे देखियान जिल्लाहरः। विद्धार्भन ।

(भीन एउम) खरार अञ्चलनेत्र में हिरे दाह' डेपनज़र्भ वाक्रव'क इस 'নাই ভাহাৰ বিৰয়।

এড ঘাৰা সৰ্মসাৰাবৰ জনসৰকে জ্ঞাভ ৰয়া নীদের জিখিত ভাড়ার পরিবর্ত্তন হটবেক ।

भीम् ७ छन्। वर्षार दक्षांदित विमाखि भाक भूथक मार्ट करिया समन विक्रम क्या सहित्य । क्या गाँहि स्थेवा अख्यानीय शांक करा गाँ। खाड़ा खरा: मनक्या श्राफ माईरन केरदाखि खईनाई नागिरनका

এবং ব সকল পীস শুড্রন অর্পাৎ বস্তাদি বাক্লডে (প্যাক হরা) তাথি মোড়া হয় নাই, ভাছা ভৃতীয় সালেব ভাড়া অবাৎ মণকবা প্রাড় হাইলে ইংবাজী এক পাইয়েব তিন বংশেন ছই অংশ লাগিবেক।

্বাছ অব এছে ল ইট্টেড্ডান বেলভয়ে সিনিল টিফেগন হাটেদ কলিকাডা ১৮৬৭। ৭ ই ফেব্রুয়াবি

____ •n • ----

প্রচায় বস্তালয়ের নিম লিখিত দ্রবা সকল বিক্রাথ আছে:—

-) बाल विम्न वम्राल श्रान
- ১ वड़ श्रयस्य काली विवाद मिन
- २ (वालाव
- ১ লণ্ডনে প্ৰস্কৃত বন্ধ বাঙ্গের আফুডি (সম্পূর্ণ)
-) बृह्द कार[्]व क्रिट अन
- ०६ मिनद्वार्ड
-) बृहर हेटलां खिडाडीन (त्म महिख
- ৩৫ পাউও ছাপার কালী

বাঙ্গলা অকর।

à

3

श:उना

১ ম- তেটে প্রার্থমাৰ অক্ষর

- ৬ ঐ ইংলিস
- १ में मानशहिका
- े जे बरकारेन के
- उ ज वरकारन
-) में नामा श्र**क**रि अ

गाइन शक काकगन है छ। मि जे इंश्वी व्यक्त

৭, রাড়াপাইকা অকর (প্রারমূতন/ইটালিকদ্ধির

- र्ष कि दीचा है -८
 - क्रे विविषय ध औ
 - जे नग न देश जे

वबद्धाहिन के

(इप्रमाडेन जनत्।

> आहेब न्यानशाहेका नदा

- ২ বৈ মিলিয়ন ঐ
- গ্ৰেট পাইকা চোমান ঐ ডোট ৰ'কে
- ১ জোড়া পাইড়া আফিক ও পাতলা
- ५ के के के त्यांग

D

- 🚁 নমপিরিল একব্রিড ঐ
- ् नाक्ष्म विश्विष्यम देखिननिष्यम 📑
 - লওপ্রাইমার সেনসিরিক
 - कार्ट्ड जामवाद।
- a (क्यां को बाकता व्यक्टरतंत्र क्या
- , जेहिरहासी जे जे

১ - প্রস্তুত বৃদ্ধি। কেল ৪ - চী অংশ ৪ খানি ইলেন্ট্রিটেট । ৪ পেজি গালি। ৩ মেজ। ১ সেগার মেজ। ৪ টুল।

व्यवद् व्यवद् ।

े वड़ क्रम कविवाय शिख्रामत हैं है।

- ৪ পিতুলের কপোলি ওবিই।
- ১৬ চন পিত্রের রুল।
- ॥• মণ প ই ফা কোলাবেট।
- ॥- जे (हाउ शाहका जे
- ा। अ (क दिन्ना
- २ जे (लड़ जिन्न जिन्न अमरमन्।
- व शकात कृत कियात्रात स्वाः ।
- ও প্রস্তাত কোণ। ও প্রকার চেন।
- 8 (डाम (हरा 8 द्रश्रीन (हरा)
- ६ मण्यूर्व कृतकान (हम।
- ১ তহ তথা এ
- र्गाव खे खे
- ১ পিত্তৰের কল কাটিবার বন্ধ কাঁচি। নিবের উপর নানা প্রকাব ছাঁচ।
- २ वाक्र इंट्रप्नामिङ जागवाव ।
- ১ মালেট। ১ প্রেমার। ১ জাতা। অক্সার বারব ন্যাপ্রেম । জীলালটার বিখাং

গড়পার বাংহর মূজাপুর) গ্রীলালটার বিশাস ২০ এ মাঘা ১২৭২। স্থালবভ্রের অংগ্রন্থ বাঁচারা হুগলি নাম্মাল কুলের ইংরাজী

वानातः स्थान निष्यान कृत्वत स्ट्राक्षः
ि शिंठिराटि श्रे वह हरेट स्का कर्यन, कांनानिश्च के विनामास्य श्रे धान निष्य कि निके ।
स्थानी २- अधि अश्री कि विद्युत श्रुर्स च्युर
डे शिंक स्ट्री बादमन कि कि स्ट्रीट मान्यार
उ. मन जाना कि तिया ३२ जि स्ट्रियानि खाट । ।
या । रिनः दृष्टि ३२ जि जा व शिंद्रा ।
स्ट्री । देश जित्र कथा श्रुर्थ धानि खाट । ।
स्ट्री । देश जित्र कथा श्रुर्थ धानि खाट । ।
स्ट्री । देश जित्र कथा श्रुर्थ धानि खाट । ।
स्ट्री । देश जित्र कथा श्रुर्थ धानि खाट ।
स्ट्री । देश कि कथा श्रुर्थ श्रुर्थ । संशिता ।
स्ट्री । इस्य (कान का स्ट्रीय श्रुर्थ क्ष्म स्थान ।
स्ट्री । इस्य (कान का स्ट्रीय क्ष्म स्थान कि स्ट्रीय ।
स्ट्री । स्ट्रीय का अथा स्ट्रीय ।

মধ্যবিকাগের জ্ব ইনজেইর গ ৫ ই ক্ফেয়াবি ১৮৬৭।

সংস্ত্যন্তের পুত্তকালয় নিম্থানসামার লেন ১৫ নং বালী হইতে কর্ণগুয়ালিদ ক্রীট ১৭৬ নং সাবেক বালীতে উঠিয়া আনিয়াছে। ৭ই মান ১২৭০। জিচ গ্রীচরণ চট্টোপাধাায়

ঠনঠ্নিয়া সংস্কৃত পুস্কালয়ে মং প্রণীত ও মংপ্রচায়িত নিয়লিখিত পুতক্তলি বিজয় হইতেছে—

প্রনীত

ক্রীনইতিহাস

রোমইতিহাস

ভূবণসাব ব্যাকরণ

নীতিসার (১ ম ভাগ)

শীতিসার (২ ম ভাগ)

প্রচারিত।
মুক্রোধ ব্যাকরণ

৮০

ট্ৰাংকাৰাথ শৰ্মা

< गामथकाम।

१ रे कासन (मामवाद्र।

এক জন প্রজ্যেরক লিখিরাছেন,
চাঁদনীর চিকিৎ দালরের এড ওরাড রিলি
লাহেব রোগীদিপের প্রতি সদাবহার
করেন না। প্রপ্রেরক বলেন, রিলি
লাহেব পর্বিত ও উদ্ধৃত শভাব, রোগীদিগের প্রতি শভাবালুরাপ জাচরণ করিরা
খাকেন। জামরা ঠা বিগতের চাঁদলীর
চিকিৎ দালরের কর্তৃপক্ষের দৃতিক্ষেপের
অন্তর্গধ করিতেছি। রোগিরা ঘাহার
হল্তে জীবন সমর্পণ করে, জিনি বলি
ভাহাদিপের প্রতি শ্বেহ ও নমতা খানা
হইরা শভাবেশ উফতা নিবঙ্গন রোগভবে
কাজ করেন, রোগিরী ইউলাভর সন্তাবনা কি ?

-10:---

इ.ईक भिषात्रशी मछ।।

गठ मजनवात इर्डिक निवतनार्थ छोडेनहाटन अक मण एत । भवनंश्र्यकन-त्रम निर्म मणामित्र ज्ञानन श्रुक्त करतन । विख्य देखेरतांभीत ७ अर्रभीत खारमार अवश् करतक सम देखेरत्रभीत्र खीरमार मणात छेमीक्ष हिरमन । मतः सन मरतम अक वर्ष्ण कतिया काः रमत, ३७७४ सरस समात्रक रस्पू मा नचे हत, अवश् मक वर्षामारम सम्मात मा

ও লোকের অবশিক বশাভি মই ইই-হাছে। প্ৰায় ১৫০০ বৰ্গ মাইল বিস্তৃত श्वात्वत त्वादक अञ्चित्रकान श्वाञादिक कछ भाके (छटह। किছू दिन इहेन, वक-त्मभीव भवर्गप्रके (बार्एक **अना**जत महा मा मारव्याक उपकालन व्यवसा मर्मनार्थ (श्रीतन क्रिशांक्रिया । जिनि ममुपाय चहरक त्विशा चानिशाट्य । उाँशाव तिर्भाष्ठं भार्ठ कतिरण क्षम विमीर्ग इस। ३२ लक्क मण ठाउँन (श्रातन ना क्रितिल त्तारकत भीवन त्रभा इंड्रा छात्र। 5 मा এপ্রেলের পুর্বে ইছার অর্জেক চাউল बाहाटक गाप्त अवर्ग्टमणे तम वटकावस ক্রিয়াছেন। অবশিষ্ট অংশ যত শীঘ্র भारत यात cश्रांत्र इहेटव। वथा**र्व** इतिज-क्शिंदक विना मूटला हा छेन एम अया इहेरव। याँशिक्तित मक्ति चाट्स, उाँश्रा मधा-विश्व मृत्या क्रव कडिरवन, धवः यावछीव मनलकारा लाबटक कर्च (मखरा इंदेरन। बक्ता श्राय २० नम देका बाय क्या আবশ্যক। আরও ভূমির রাজস্ব কতক তাগ করিতে হইবে। ভূমির যে বন্দো **থক্ত আছে, ভাছার সময় অতীত হ**ই ब्राट्स, क्षित्र चांत्र २० वश्मत्रकान जाहात दकान शतिवत इस्टिंग मा। सत्तरमध्य द्यान्नामि लाक्टक कर्च मिटवन वित्रा डीशामिशाः होका कर्या एवशा स्रेशार्छ। এডस्टिस, ১৫০० व्यवस्य २००० পर्याष्ट অনাথ গিশুর প্রতিপাসন আবিশ্যক হই शाट्य हिराटल अवतः तम नक होका वाश स्टेर्ड किছू दिन स्टेन, डिनि लार्ड कः व-द्वांतरक दूरलट्ड होता कतिवान अमू त्त्रां क्तिशाहित्तम, किंद्ध अवात मकत त्तर हे करे, जात उदार्थ अधिक माज। कि मिक्किमित विविद्यारिक्न देशमधी: द्रा नाराया कहिएक शाहित्यम ना। कृतार ভात्र बर्वी धनिरानत जाशमात लेएबरे विर्डन क्तिएक स्ट्रेंट । नक्नरे बंदबन बाबक, बर्खमान विशेष हरेटड

उन्निर्म स्वात कता मकत्वत शूनर्वात विद्यानिकत स्वता क्रिक्ट । त्यानित क्रिक्ने मात व विविधान क्रिक्ट स्वाता स्वत्य व्यापनामि त्यत व्यक्तिस्व वसामाञ्चात विक्रस्व क्राक्त मा व्यक्ति ।

मत कर नरक्ष उपमश्हातकारण बर्णन " जात जबवेरित्रता मता अ मान भो उठात करा धामिष्ठिलांक कतिया हिन, याँ होता क्षेत्र विना करे भाग, जहा मिरात महामा करा जाँहानिरात माज अ धर्मनीजिस्ज विस्मित कतिया विधि मित्राह । अहे विभाग करिण्डामिरात समीत खाज्मा करो भाहेरज्ञहम, जा मात मृष्ठ विभाग चार्छ, जाहाता चाणना मिरात ज्ञान्य करिया चाणना मिरात ज्ञान्य करिया चाणना मिरात ज्ञान्य करिया चाणना

শ্ৰোতৃগণ ৰক্তৃতা শ্ৰৰণ কৰিয়া বা ৷ चात्र श्राम् नार्धान कतिरामन । अन्यत भारत नारहत देखिक इहेरनन। अञ्चल শীর ভদ্রবোকেরা সহজ্ঞ সহজ্ঞ চ্র্ভিক পীডিতের যে সাহাযা করিয়াছেন, তিনি তাহা প্রশংসা সহকারে স্বীকার করিয়া वितालन, वर्षमान इर्डिक् वार्वामाञ्ज लहेशा भारतक कर्क विकर्क इदेशांटह । किन्ड इडेटबाटन व नाट्यत्र नियम स्वतन थाटि, ভারতবর্ষে দেরপ খাটে না। বৈপ-রীভা দৃষ্ট হইতেছে। অভএব তিনি शवर्गात्केत हाउँम आमरानी कार्यात षञ्चरमामन ब्रुकतिहा श्राष्ट्रांव विदित्तन, धाराट यावजीय निवत्रांका व्याहार পার, ভাহার বন্দোবন্ত কর। উচিত। क्रमांग्र क्रवन्द्रा (छम कर्रा इहेग्र (यन काहा রও তৃত্য ন। হয়। তাঁহার প্রস্তাবাসুদারে পুনস্কার চাঁদা সংগ্রহ করা আৰশকে শ্লির খুইল। তৎপরে ফাডিনাও শিলাব बीद्रक वर्डमान इकिंट्यन माहाया उ अविकादक अखिताबादनंद्र छेलांग्र कहिवांत भन्नामर्ग निर्मन । ताका दांगीहरू मह.

विनातन नित्रम्दनांकिकारक नाश्या कता मक्रा के कर्जवा। (तवरव ७ जिम्म एक छ এই क्षकांत कर्डवा कर्यात छेश्रामण पिशा এक बद्धुष्ठा कतिराम। बातु किरमाती-हाँक मिछ बनिदलन, नार्छोद्वत ताका व्यानक्षनाथ तांत्र ১००० हांका अक्काटन ও মাদিক ৫০ টাকা দিতে সম্মত হইয়া-ছেন। বাবু দিগম্বর মিত্র বলিলেন, ২০০০ भिक्षत बना महिया आर्थनाय त्यन त्रक উट्टिका ना कट्रान । निष्ठेनकात माट्टव मीर्च वक्तृ ठा कतिया बनितनन, डे०करलव তুরবন্ধা ও ভরিবাবণার্থ সকলের যতুবান ए अया अकान्य सावभाक । वांतू क्रमान भाग दिनातम अभर्श ह ७,००,२०० होका ঢাঁদায় ভঠিয়াছে। আৰও টাকার আব-भाक। अटन भौरमता यउ मृत नाथा मारुग्या कविद्यन। अञ्चना अदम्भीत त्राकांमिरधत নিকটে দাহাত্য প্রার্থনা করিলে ভাল इत । कर्रन महरक देशित अक कथा बिलाल বিশুর টাকা আদিতে পারে। তথপরে यांत करम्रकन चत्रताक वक्त् का कति-लान। अनम्बन्न होता मः अहार्थ विटमन मछ। कित इहेगा भवर्ग (क्रमतल विल-(नन, किनि वर्खमान कछ निवातनार्थ).. ••• টाका पिर्वन। क्लिकां जात मन जन প্ৰধান ৰণিক প্ৰত্যেকে ২,৫০০ টাকা ক-विदा हाना मिटल नचाल हहेशारहन। ऋहे भनक्तिक मार्ट्य विलित्तन यक्ति नाउ कानरवारव महाबंडा करतन नाहे उथानि हेर्डमन भटज विख्डांत्रम मिश्रा श्रार्थना कतित्व देश्वरखत त्वारकता कथन (योना-व्यक्षत कतिया शाकिएक शाहिएका ना।

রও হতা না হয়। তাঁহার প্রস্তাবাস্নারে
পুনর্কার চাঁদা সংগ্রহ করা আবশাক হরাছে। এজন্য আমরা সর জন লবেশির হইল। তৎপরে ফাডিনাও শিলার সাকে বহুতর ধন্যবাদ প্রদান করিলাম।
শীক্ষের বর্তমান ছাডিক্ষের সাহায়। ও সভার পূর্বে তিনি নিজে অনেক ভর ভাষিষাতে এডিরিবারণের উপায় করিবার ক্ষেক্তে লভার ঘাইবার অন্তরেষ করিপরামর্শ দিলেন। রাজ্য কালীক্ষণ মন্, য়াছিলেন। ছাডিক্ষের আরম্ভ অব্ধি
নাদি প্রভৃতি হুইজেক্ষাক উজ্ব করির। তিনি সহায়তা করিকেছেন। এবারের

দানের ত কথাই নাই। বিনি ভাঁচার বস্ত। প্রবণ কবিয়াছেন, তিনিই স্বীকার ববিয়াছেন, তিনি অলকার দারা আপ नात्र वाकः (गांडिक ना कविशा मतल ও धाकशोद्धार्य स्वयं क्षेत्राधीन बाक्त करि । (छन। इंडिन - अठिएम्मी शिक्टिश्रत वर्गाना-छ।त উপবে । । छेन करियाद्वन । विभ-पु भागांगा नाइ। अपनी अपिशांक धना माहायामियरभक्त इहेशा हेहा इहेट छ छेन्नी इहेट इहेटवा सड्यव गक्टनतहे व्यक्षि जारा मारा मारा मारा मारा मान कता कर्छवा। महात्रमाधा कार्या मःघ রভিতা একাম্ব আবশাক। গ্রব্র বিখাস क्टबन, अरमनीयामिरशत अभावायानान मागर्थः व्यादह । नाई व्यापना व्यापनान माहाया शाहेलांग, मकरल एक विदिल कि डेंदकन डेंदगन इंहेटड भारत ? अन्यत व्यामित्रित बक्कवा वहे. व ममत्य माव शांन हरेशा कांच कहा आविशाक। श्रयीख गः थाक कर्यहातिक অম্বিতরণার্থ প্রেরণ করা কর্ত্বা। ক্লভবিদামগুলী रहेट यन कर्यकाशी मदनानी क कहा रुत। (य मकल कम्हांत्री अञ्चित्रवार्थ निरक्षां कि इहेरवन, जांशां कर्णात उपदव যেন জন্য কর্মেব ভার না থাকে; অন্ন বিতরণ কালে কোন প্রকার প্রভেদ করা कर्त्र नम्। व शास्त्र कतिएक शास्त्र ध तिक कर्षे ७ व्यक्तांचात्र इहेट्य । (य चाट्र, **डाहाटक यम माउ। मञ्जीडमान लाटक**न्ना मार्नित खरत कथनहे छिकाथी हहेन। चामिटर ना । त्यमिनीशूटर शूनकीत ममु रांत्र ज्ञा क्रम्ना इरेट उट्ड। क्लिका उत्त गवर्गरमञ्जेव काँचा वमारङ প্রভাষ हाडे .লর মুগ্য রুদ্ধি হুইতেছে। পাটনা প্রভৃতি रात्न क के जात इ इरेशार । जना जना हात्म विरम्पियङः हम्भावन ও दिङ्ख रश्कित्रक कर्षे इहेवांत्र मञ्जाबना आट्डा रामक्रा व्याद्यांति छ इंदेनाम, १४० त (अन अ अ अक्न चाटन माहायामादन उपाठ

षाएन। जिनि किमनविष्यं मर्डि থাকিতে বলিয়াছেন। ভাবতবৰ্ষীয় প্ৰবৰ্ মেণ্ট নিজে স্বীকার কবিয়াছেন, ভারতবর্ষ ৰাৰ্ভাশান্ত্ৰাহ্ৰদানে সম্পূৰ্ণকৰে কাৰ करिवांत कान नदश यथाविधि वाधीन वानिका श्रविक हरेबात शूर्व वा ণিজ্যের অনুস্ধী থাব তীয় বিষয় গুলির महा। यावमाक। डाहा वथाटन या-जिउ हा नाहे। थिसाजनापुत्रण तांखा थान अकृषि कि इहेगाए ? यथन छे ?-कटल টाकांश जिन (भन চाउन विक्री छ रु, उथन आनाकारण २। २१० छोका मन विकी छ इहेश हिल। छथानि क्लान् विवक এত লাভ দেখিয়াও । আৰশ্যক হইলে जना यहित " व नियत्मत अवर्थका मन्त्रा नन कतिशां धिटनन १ किছूकोटनत सना भवन्तिक विवादक कांक कतिएक इहेन। वार्जानाञ्च अकृत्व कि कि वित्तत कता মস্তক লুকায়িত করুন। যথার্থ কথা विलाल कि. ठाउन तकानी वक्त कता কৰ্তবা। এখনই কলিকাভায় ১॥ - ১५० টাকার ছাবে 8No টাকা চাউবের মণ माँ ज़िंदेशारह। यनि द्रश्वानी बन्न ना इस, रेखार्छ । जावार मारम हा छन अधिमृता म्हेश উঠिব। এখন यে मूला हाडेन विका रहेटउटर, यान देशात व्यापना जाटता अधिक ध्य, प्रविद्वप्रिटशत कीवन त्रका रक्ता कात रहेत्।

--- 202---

ভূমি সংকার আইন স্পত্র

আমবা আহলাদিত হইলান, আমাদিগের প্রয়ান বিজল হয় নাই, মেইন
নাহেব স্বীকার করিয়াছেন ভারতবর্ষের
ভূমি সংক্রান্ত আইন সকল একত্র সংগ্রহ
করা আবশাক। রোমীয় সমাট জ্যি
নিয়নের সমযে রোমক আইন সকল এত
বিক্ত এবং বিচারালয়ের নজির এত
অধিক হয় যে সামান্ত; লোকের দেশের
ব্যবস্থা জ্ঞান সাধ্যাত্যীত হইরা উঠে।

क्षिनिश्न व बना शांवजीश बाहित्यत সার সংগ্রহ করেন। যদি আজিও স্কুড়া যত্ত্রের স্থাটি না হটত, তাহা হইলে এদে-শের ভূমি দংকান্ত আইনের পোল্যোগ तामोग्न चारेत्वत चार्यका वक् चल्ला रहेड ना। आहेन व्यानक इटल क्रान्त के আছে। বিচারালয় সমূহ ভির্ভিন্ন সময়ে जिन्न जिन्न अकात बार्था कतियारक्त। এডব্লিৰহান অনেক অনিষ্ট হইয়াছে ও हरेटण्टह। दर्गन वाक्कि खान कतिया कारनन मा कान् चाहेन चनुनारत जिनि বাস্ত অধিকার বরিতেছেন। বাঁহারা গাকাৎ নহন্তে গৰ্গমেণ্টের ভূমিতে বাস क्टबन, डाँशिंप्रिव महिल এहे निव्य षाट्ट, व्यद्यायन इंडेटनई डाँहाविशदक ভূমি ভাগ করিতে হইবে। समीमांत्रमि. গকে অপ্রপশ্চাৎ ভাবিয়া সদা চলিতে एत । अभीनारतया त्यारमत नाम पर्मन कतिरज्ञाहन, क्वांचात ३० चाहितत ७ ७ ৪ ধারার স্থবিধা রহিত করিয়া প্রকার कत तक्षि इंडेटड शास्त्र। नक्तरे व्यक्ति न्छिड, नक्षरे शोनर्याश पूर्व। अम्ड অবস্থায় একটি স্থিরতর পাইন সংগ্রহ इरेल लाटक जार्गन जार्गनच्य वृक्तिर उ পারেন এবং মকদমার সংখ্যা অল্প रहेशा नाथात्रद्वत त्नोजाना विक हस मरणह नाहै।

আমরা ব্রেক্টাপক সভাবে নিম্ন লিখিত করটা বিষয়ে মনোযোগী উত্তে অসুবোধ করিতেছি। অমীলারপিলর সহিত চিরস্থায়ী বন্দোবন্ধ হইরাছে, চা-হার পরিবর্ত করিবার উপায় নাই এই কাহারও সে অভিপ্রেত নহে। গবর্ণফো রাজ্য স্থিরভার করিরা দিরাছেন বর্টে কিন্তু নির্দ্দিন আবের অভিক্রম হইবে নার এরপ প্রতিভূ খুল নাই। লার্ড কর্ণওরার লিস স্পান্তাভিদ্বের নির্দ্দেশ করেন ওজনী লার্ছিগের স্থাপালী অনুসারে বে আর स्हेटन छाहा छाहाबिटनन थाक्टिन। " कार्याणः कळ जन जमीवात व कर्खना कर्य শশাদন করিয়াছেন, তাহা কাহারও অবিদিত নাই। ক্লয়িকার্য্যের উন্নতি স্বামী मात्रमिटभत निकटे के नी नटक। क्वकिम-भाव त्य त्यांकामा मृखे स्टेटलट्स, भवर्ग यে कि वानिका अनानीत छे वर्ष छाहात भूत । नाम ७ यूकि पतिता विद्वनना किंद्रिक क्षाजीव्रमान स्ट्रेंटिन, त्य त्य निवृत्य क्टब्रब हिवस्वाविकांव बटमावल क्रा हरे-হাছে, জনীবারেরা তাছা ভোগ করিবার अञ्च हरेए विक्थ इरेशारहन। इःरथत विवयं अरे विकात। तय ममूर दत प्रकि अरे, त्य च्रत्न कत्र वृद्धित कथा हर, त्मथात्न डीहाता कात क्यीपादतत इहेश होत्मम। এক খন বিচারপতি সম্প্রতি বিধিবল না शाह्यां वाटकथ्थं वाटवंताक्रांत्रटक त्रांकच शतिमार्ग कत्र जामात्र कतियात्र क्रमठ। पितारहन। अधीर राम भवर्ग मिक वहेन्न थे विविद्या सिवाट्डन त्य क्रमीसारतत निर्मिष्ठ कारतत कण्णाजा कथन आंत्र इरेट्स मा। अभीनांद्रत्या वित স্থায়ী রাজস্ব নিতেহেন সভা, কিন্তু তাঁহা ब्रिट्संत मर्था चरिक नह, द्रमाव जीहा-(सर्वत्र निकट्डे व्यथिकछत्र वर्गी नारः। डीश्कित्वत क्या कि त्यरणंत करश्या क्षरक ও मधावेश ट्यानीत व्याक्तिशटक कित्रकांन व्यक्तियात्र नाम वीता वर्ग कितिए ६-देख १ वं मकन खुमिए वामकान, छक्तान, श्रमित्री, कात्रधान। প্রভৃতি इह शांद्ध त्रमञ्जादात कत तृष्टि कता चिक भा भागीत। विश्व ১৮৫৯ व्यक्त ১১ बादेत्व ७৮ शाहा छित्र व विरुद्ध म्ला छे बाइनाहि। के शहाटक बाट, ३२ बर्गात मर्या वित भाष दर्जी जूमित कत र्क इरेता थाटक, छाहा इरेटन नीनर ब्लंडा के अक्न कृषित कर दृषि क्षिक शांतिर्वन। अफ्रीवक्तन भागां-

্লত সমূহ মকলমায় পরিপূর্ণ হইতেছে ফিকেট লইতে হয়, ভূমির মূল্য পরিমাণে वार भारक विज्ञ हरेशां हिन। सभी । कहाल ब्रस्म गृही उहरेश थारक। कृतिब मातित मूना धन्ने स्हेता बात आमानि-श्वांत्र चाँचित्थाक मह, भवर्गरमाति स ब्रांजनी जिल नरह, किन्त अभोतारवद अञ्-বোৰে নিম্নতর জমা সকল ঠিকা অবছার রাখাতে দেশের দৌভাগ্য ভোত বন্ধ इरेब्राट्स बरे भाज। वामकान ७ উम्रान ना क्रेटन कृषित्र मुना इश्वि कत्र ना, किछ यति अभीनाव व्यव्हार्श्यक कत इधि করিতে পারেন এরপ হয়, তাহা হইলে ভূ मित्र मूला व्यक्त रहेता वाहरक शारत। कभी नात्रमिरशत भिज्ञांग बर्टन कत त्रिक् कवि वात चय ना पाकिटल कभीवातित मूला কমিয়া বায়। আমরা তাই। অস্বীকার क्ति ना। किन्न अवर्गतमालीय अहे शर्यान्त দেখা উচিত সাধারণ রাজ্য আদায়ের क्छि इरेट कि ना ? डांश ना इरेटन अभीमादतत चादतत अधि चार मृष्टि कता অনাৰশ্যক। প্ৰায় বাবতীয় জমীদারি ক্রমশঃ পত্নী বেওয়া হইতেছে। তা-हाटक कि मृना कमिएक एक ? समीहां अव-বিধ কর দিতেছেন, পত্তনীদার, দরপত্তনী सात अकृष्ठित जेक्रण ककिय कर मिर्फ (इन, *(क्वन मार्का*ं मश्रक्त य नक्न হতভাগা ভূমি অধিকার করিতেছে, काहातित्रात्रहे यक चानताथ ७ यक कर्षे ! যাৰতীয় প্ৰজাৱ সহিত যাৰতীয় ভূনির **हित्रक्षांत्री वटभावस्य क**ित्रवात ममत्र अम्।।- जित्रवाटक । लिं बार्टन नारे, किस बामना श्रमतात बिलाएकि बाख उ ऐस्रान ए मकल निवर्गण नारथे विक नारक करि-कृमिटक इहेश्राटक, खादात हित्रणाशी कर : त्वन १ कान् कटल कभीनात छाह। कनि इत्रम डिव्डि। देशट क्यीनाद्यत गांड না হউক ক্ষতি নাই, কারণ অন্য বস্তুব স্বাক্ত দূর রক্ষিত বা অণরিবর্তিত नात अभीवातित ताज्य त्रिक स्त्र ना। इहत ? अधि कित करा यांवभाव । কিন্ত প্রকার মঙ্গল ও ভূমিব মুগ্রা রুদ্ধি তৃতীয়, ১৮২২ অদের ৭ আইন ও ১৮৬৩ इत्र । ১৮७० व्यटमत २१ व्याहेन व्यष्ट्रशांदर व्यटकत २७ व्याहेन के इतित व्यक्ति व्य

मूना अधिक स्ट्रेश उन्तरिष्ठ मकक्षमाग्रन व्यक्षिक देखीन्त्र जारत । वास पूर्वित कत क्कारन हिन्द्रांशी क्षित्न वह लाख र्य, श्रकात निन्द्र ७ महुके पाटकन এবং ইমারত প্রভৃতিতে ভূমির মূল্য वृद्धि इदेशा छेर्छ। ऋखतार अवर्गस्यन् गार्किक्टकठे ७ मकसम्। छेननटक अधिक-छव ताबच शाहेरछ शास्त्रन : समीना-রেরও ফতি হয় না। অতএব আইন भाता अककाटन ए। देशंत निक्ता कता আৰশ্যক তাহা কোন্ ৰ্যক্তি অধীকাৰ किरियन १ मकति भाष्ट्री उ २०वटमदत्र দাখিলা প্ৰভৃতি থাচুক আৰুনা থাকুক, শ্মীৰাৰ ইমায়ত প্ৰভৃতি প্ৰস্তুত কথিতে नितारहर यपि वदाश - मार्ग इश, फादा इंदेरन डीशंत कत कृष्टित खज बक्त करः डेविड। भागवा भवन्याने ७ वावकाशक मछादक माजर्क कहिराकहि, क्षांचरन पश्चिम कत बृद्धि लहेशा व्यत्नक महस्र न। सात्र ग्र इदेशोटक । देशोटल दक्षा क्राविशा महक, मश्विध क्षांक्यारखरे व्यवस्थ रहेटछ-ছেন। চিরস্থায়ী বন্দোবস্তেন সময়ে লাড कर्व उदालिम अवाषितभन्न हिठार्थ चाहैन कतिवान व्यादमाक्डा स्ट्रेटन व्याहेन क्तिएंड इरेटव विनद्धा व्याप्य द्राधिया निर्माह्म, उम्ब्रमाह्य काक कतिवाव मण्ड

षिकीय वख्नवा अहे, स्थान् कटन (वन ? वारमच्या कतिरन अकानिरान र्ड वाकित देखताविकातिक करणत गाँछै। दिभम वित्रा (पश्चा कांपमाक अध्ये অবের ১০ জাইন প্রজাদিণের সনন্দ বরুপ। এতদ্যটিত যে সমস্ত নিম্পত্তি হইরাছে, সে সমুদায় বিবেচনা করিয়া ১৮৫৯ অকেন ১১ জাইন ও ১৮৬২ অবের ৯ আইনের সহিত ইহার সাক্ষাহ সহজে সংজ্ঞার বাধা উচিত। একলে অনেক আইনের প্রস্পার গোল্যোগ দেশিতে পাওয়া যাব।

ভূমি সংক্রান্ত আইনের এ প্রকার
সংগ্রহ ইলৈ দেশের যে অভিশান উপ
কাব হইবে, এ ধর্মা বলা বাভলা। এটা
করাও অভি আবশাক। বোধ হয় গবর্গ
মেন্ট অবপত আছেন, বাস্ত আমাদিগের
অভিশান সেহের বস্তা। বাস্তব অসুনোধে
আবাধার লোকেরা ওয়াজিদ আনী
সাহেব ও তালুকদারদিগের অসভা অভা
চার সন্থা করিয়াও ভানান্তবে যাইতে
পাবেন নাই। আক্রেপের বিষ্য এই,
এ বিষয়ে এত গোল্যোগ আহে নে বাস্ত
হুইতে জমীদার কপ্রন্ বহিন্ধত ক্রিবেন
এটা লোকে বলিতে পাবেন না

व्यक्ताको भनीका छ विक्रा भने। আমরা ইতিপুরে মোকাবী পরী कांग्र हेर तांकी आंश्रंजिनिशतक गतनी-नीज कतिवात य यज ध्यकांन कतिया-দিলাম, বিজ্ঞাপনী সম্পাদক তাহা-**ंड जमस्ये हरेगाइन । जिनि बर्लन** व्यामना देश्वाकीन शक्तभाठी व्हेना वक-ভাষার প্রতি জনাদর প্রদর্শন করিয়াছি। वख्र व नामात्र व्यामानित्रव अक्र व করিতে **भा**द्यग उत्ममा व्यवसात्रव नारे। बाजना छाउ। निकात उरमार वज्ञाशांवक वास्थिमि-P14 6 উপার নিণ্য खोबिकाव 付款 क्रिया (एछा। आभाषित्वत निविष्ठ त्म क्षांत्व डेटक्चा नटर । चालामटडा क्राव मर्टणायनहे डेटक्या। त्महे डेट्यणा मीबन कतिएक इहेरल बालांगरक कि कि

মারাত্মক দেবে আছে, এবং তাহার मः (माध्यात छेशांवह वा कि छाहांत অসুনস্থান করা আবশ:ক। অদ্য তিনটা श्रधान प्लाटनत विषय डेक्सिक हरे टिए। এक, जामनानित्रांत ज्याध्या, विजीन, माक्नातिम्य अनाय छ। ७ व्यायात्राज्ञा, जुङीय व्यक्षिकाश्म विष्णात्रः পত्रिय अरम्भीय खावारवारम अशाहशका। देश्ताकी कांशाक्तगारिक मिशादक यमि कांना লভে মোকাৰ ও আৰলাক্তপে প্ৰৰেশিত कतान यात, जान इरेटन अहे जिन स्वादव तहे स्मारात्म मर्ट्यायम क्रेट्ड शादा। ঘাঁহারা আদাসতে মোকারী করিতে यान डाॅंशिस्टिश्व व्यक्तिश्च व्यक्ति किंड, व्यथी श्राजीत विद्रांश बाष्ट्राह्या मिशा कोभारत आर्था भार्कान है जीहा हि-श्वित अथान लका वर डीहाडा शक्ति सिर्धिय चाजिक्षात **चर्गाड ४३८७ धर्मा** তাহাদিপের নিকট আপনাদিপের অভি-क्षांत्र सूप्पत्रक्रार्थ बाज्य कतिएक श्रेष्ट मर्दन । वांजनांत्र जुलिक्डि धवर বুদ্ধিমান ও সক্ষরিত্র ব্যক্তিগণ আধা-टाविके हहेटल जातक स्वाव নিবারিত হুইতে পারে বটে, কিন্তু তদারা সকল অভাব পরিপুরিত হয় বা। আলা लट्डि कार्या हैश्त्राखीत जाभ त्य कामनः व्यधिक हरेटव जाहार मट्यह मोहै।

বিশেষতঃ হাকিমছিগের অনেকে
বাজলা ভাষা ভাল কানেন না । এরপ সংলে নিরবভিত্ন বাজলা ভাষাভিত্র নোক্তারগণ বিশেষ কার্যাকর হইতে পারেন না। ইংরাজীতে শিক্তি ব্যক্তি-গণ মোক্তারণ হইলে আনালতের সম্পূ-র্ণ উপকারের সম্ভাবনা। আজি কার্লি বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবেশিকা পরীক্ষো-কীর্ণ ছাত্রগণ বাজলা ও সংস্কৃত শিবি-তেছেন এবং তাঁহারা ইংরাজীও ভা নেন, স্তরাং তাঁহাদিগের হারা আন্ধা-লতের কার্যা বেরপা স্বান্ধর হইবে,

एक वाक्तानामास বাজি (मक्) elata প্রভাগে 771 যায় না। আবও মোক্তারদির্গের পদ ও ক্ষতার উর্বত দেখিতে চাহিলে তালতে শিক্তিও উপ্যুক্ত ব্যক্তিদি-भाव व्यादिशास श्रं कता चारणाक । विश्वितिमानिट्यत हाटजता त्महे शटन चाकि বিক্ত হইলে ভাৰার উপকারিতার নাার मधीमात्र इन्ति एरेट अधिकत्व, छात्रात मरमह मारे। এक जन दक्तन वाजना कारमन आह अक कम देश्ताकी छ वाकता चारनन, এ উভয়ের মধ্যে শেৰোক্ত ব্যক্তি বে অধিকতর আদরণীয়, বিজ্ঞা-भनी मन्भावक अञ्चादकात चीकादत क्बांठ विमुध इहेटवन ना।

্ব কয়টি দাম'ন্তাক দোবের অভিযোগ।

विद्यमीताता अदमभीत्रविद्यात अपि बरे ह्यावार्णन क्टरन स्म, श्रकाणा मणात्र अरमभीरमहाः शामरयान ना कतिमा मोक्टिक भारतन ना । त्रवा अववार्ध नट्ड, इंशात मश्यम्थन कता पाकिनात व्यादणाक। व्यामका एविकाहि व क्रत्ने भातीतिक कोर्समा भारत, त्रवारमध जिस्ता वनवजी वशः औरनाटकशः शुक्रव व्यापका व्यक्ति काका वाले कालम । हेड-द्यानीवन्तिक मटनमा छेत्र क्येतीत्वर्या भण्यो कडिएक अधिक छात्र वेश्नम, छात्र-छन्दर्वत यान्डीत व्यटनत्थात स्वा नामा. नीनिरमत व द्वांन अधिक । अधानिरमत मर्था य मक्न लाक मूर्च ७ माज्यत थ्रित, छांशांनित्यत क ताथ थात्र œनम । e. बरनम मूह्म कहे संग्रिश-वकामिनकान कामाबिएनत स्य मानिक व्यवका क नामाजिक व्याप्तार दिल. कारा अवस्त पूर्वा रहेशाइ । इवन वाचि नक्षीसारम् अर मधीमधनः विश बंधकार्य विश्वत रणाक समार्थकहरू

८७न। ख्राणि जूनक हिन, भारादित ভাৰনা প্ৰায় কাচাবত ছিল না! ডামাক ধাওয়া, গশে করা, ও মহাকারত অথবা য়ামায়ৰ পাঠ ইহাতেই সময় অভিৰাহিত **इहेड। भारत्व डेभनटक मटक्त क्विडा** ও যাত্র। ছইত। নিস্ত স্বাধীন বাণিজ্যের थां हुई। इडशाउं धक्त न जन स्वाहे इर्गुना इरेशारह। नक्नरकरे পরিশ্রম ক্রিতে হয়।বিদ্যাশিকার সহিত সভ্যত। রুদ্ধি হওয়াতে চণ্ডীমণ্ডপ ও বটতলা भूना इडेब्राट्ड। बाल्यीकि ও विषवान गःवान भवत्क छान विद्या दक्षण विद्या-লরে অবস্থিতি কবিতেছেন। সকের ঘাত্রা ও কৰিতা নৃত্য নাটকাভিনয় দর্শন कृतिशा अवश्रिक वृहे:उद्वा अध्यतकार चारमारमंत्र महिङ এथनकात चारमारमत बङ् रेवनका वाजिशाह। ८०वरमत विद्या যাঁহার পজু হইয়াছে, তিনি বদি পুনঃ कोषिक इहेश एखानि पृतित कारन म्डन कुछ वानाकतरक मर्गन करतन, विचा शानम इन माण्य नाहे। क्य था इहे. তেছে আমরা সূত্র আমোদ চোগ कतिएक मनर्थ स्रेशांकि कि ना ? उत्तर बाबा ख्रवा नम् एवं उननीक इहे नहे ज्बि नाज का ना, क्या व्यायमाता। क्षि जांगोनिश्मत तम क्षा जिल्लाह কি না ? বে আমোৰ ভোগ করিতে त्मरम चर्म चल्लीन छानि स्नार्यत गतिः श्राह ७ व्यिक्तेकात पालाम पार्याक हा। कि चा चं व कारमंत्र त्रांद्यत उर्हे अर्थंत्र रंप्पूर्व अधिकाती एरेवात विलय 潮江更

क्षेत्रां भी गणात जी त्यां त्या था दिन बचन चल्ली कठात प्रत्य समन दत्त, जामा-हिर्द्धा कठा दक्षण, शूँक्षण स्वाता व्यक्ति छित ग्रह्मार भी प्र बद्दार महिल्लान धन जिल्ला नाहे। किछ दव शिक्षार्थ बद्दार मुख्य हर्ष भारते। ब गक्षण शादकत

थिष चनाचा श्रमर्भन करिताहे (बाध छः এলোৰ ক্ৰান অস্তৰি তি ছইতে পারে। আ' এक्टिरम्। देमानीयन मञ जांग हेर "त हैं - ! ब्राट्य। व्यामदा आंश त्रिथंट क माहे त्यथा-নে নৃত্য শীত বা সভা হয়, দেখানে হুই এ' -টি মাতাল উপ, হত হইয়া থাকে। এস চল लाक जानां प्रिंशत आही निम्मात भमार ज श्रादम कतिएँ भारतक ना। इंडेटराशीय मछ। ইহাদিগকে বহিষ্ত ক"লা দেন। अधित क्षाञ्चन (मंडरांद्र नन्।मदलत करक **इंदेट छट्ड। जा** भौतिर्शत नगरस्व परि বর্ত্তনাবস্থা আরম্ভ চই ছে। এ সনং লোক আমাদিগকে ন বৈশেব মতর্ক হইয়া हिता इंदेर । य भ्रम ग त्य ति । य स्मा मानिक थी.किरव, जाहा व्यवनाः बद्धमून इहेजा डेडिया

মুন্তন পুস্তক ও প জক।।

১। हक्षिनाम नाउँक। डेक्कब्रिनीब व्यक्षिणीं बहर्त्तरभव शृज हेळालेथेर ইহার নায়ক এবং অৰম্ভীয়াল কন্যা विनामवन्त्री नाहिका। विनामवन्त्री विना-नातर्गा ध्यमानिगाथरक पर्मन विटिड यान, बदर हत्यरमधंत एशता क्षेत्ररम के व्यव्या डेशिक्ड इन। के स्थान डेस्ट्राइ अवम मीकार्यात ७ व्यागा मकात हा। वित्र व्यवद्वीत बन्धता डेक्झतिनीटक डेश प्रव कराएड रमहे स्ट्रांख डेन्डन बामाब भर**ण्या युद्ध उ**निष्टित इस । डेज्जिमिनीर व्यक्षिणीक व्यार समहत्काल भगग यहन। ঘোৰভর সংগ্রান হইনা উচা প্রেক্ विख्य रेमना विनये स्ता। (भारत एन्स्: भारत ও বিশাসৰতী উভয়ের সমাগ্রহল সনিল प्रात्ता अर्थाभागम निर्दर्शन करेता वा।। किन्नोर्डेक शांट्रे इति द्वित्यात चुमार देश (मर्भ शांख्या गांय। এक, ताबादा जातक नगरत चहुर्दे ७ ठाड़े बहनानि हारा बिटमाहिक स्हेश यम २ वालि मिगटक ब्रोक न्यार शाम नियामिक करत्न। तारे कर्या-

हारिति शर काशाशुक्त निरक्षन हाँएक्ट्रेस ा। भन व्यक्तिक इत्र। विक्रीत, योशक्ती यथार्थ शाचिक, डाहाता कूटलाटकत्र ক্চ'ক্র পড়িয়া সহজ্র বিপদাশর হইলেও क्षन धर्माशय इंडेटड विह्लिं इन मा, শেৰে সমুদায় বিশদ অভিক্রম করিবা উঠেন, এঃ ই ছাছাবা ব্পার্থ পতিত্রতা हन, क्यान क्याहात्रहे क्यानक्ष्म जैसिन গের পাতিব্রত। চঙ্গ করিতে পারে মা। डेक्क्किनी क मदश्यका क धर्मान नाम এक क्रम श्रवम शासिक ७ जूनीना नारम উল্লেখ্য পরম রূপৰ তী বিধ্যা কন্য ছিলেন। ध्यक्षिमीताच कर्मन यूद्धगाडा कारन क्षीयत्वज् अ धनराम नात्य इहे कर्य, हात्रित श्रुष्ठ नगर तकार जात्र ममर्भव क्रिया यान। े इताचाता बक्बाका इरेशा अवात्र थन ७ मान इरान श्राहरू इत । जीमरक पू (हैनि नश्व तक्षक) जूनीजाटक प्रमद পर्यभामिनी कतिबात विखन टिकी भार। ভাষার শিভা ধর্মাদের নামে বিজাহ व्यादाय विद्या डीहाटक कार्याक्रक श्राप्त करर, ज्यानि स्नानारक समस्ज लहेशा ধর্মপথভাট করিতে পারে নাই। শেষে े इंबाचातार खंबम्य क्षांख रहेन।

ফানতঃ গণশতী মনোহর ও ইহার রচনা প্রায়ল ও বাজলার খীতিবিশুল হইরাছে। এই এছে প্রস্থকারের বিশক্ষণ বহুজ্ঞতা প্রদর্শিত হইরাছে। যে বাজি গোদশ ভাহার মন্তাব ও চরিত্র এবং কথাবার্তালে দেইরাপ ব্যিয়া লিখিত ও বর্ণিত হইলাছে। ভত্তখন পাঠ ক শিলে কবিশেষ লীত হইতে হয়। কিন্ত প্রমেষ বর্ণেষ লীত হইতে হয়। কিন্ত প্রমেষ বর্ণেষ লীত হইতে হয়। কিন্ত প্রমেষ বর্ণেষ লাহও ঘটিয়াছে। প্রথম, এক এক স্থান এরাপ দীর্ঘ বর্ণনা করা হই হাছে যে পাঠ করিতে করিতে শোকে ভাহা বিবস হথ্যা উঠে। দ্বিভীয়, এন্দ্ বাহ্নারূপে আদিরন দ্বানা প্রিপৃত্তিত হইলে জনসমাজে সমন্তির সমানবে গুরীত হবৈ, আজি ক লি নবানগের

अष्टकार जिल्लान रन वर वन्त्रे जम स्वीय ठळ वलाग गाँउ म्याव छाडा इरेट मुक्त इन नारे। धडा स मुक्तात तरमत जाश व्यक्ति मुख्य होता : अहे झूरी क्रिय घडेटिङ नेश्त च छन्य तांशाखा-রও ব্যাঘাত জ্যা চে। ভূতীৰ বাজলা नांचे ह त्वथकांनात्या कानाय त्य अवकी अवार जब वध्युत हहेश आहर. एस विवास नाविकसाय छात्रात इस हरे-ভেও পরিত্রাণ পান নাই। গ্রন্থকার " ছজি বাজি " ত্রি। পদগুলির লোভ नांग्रेटकत्र व्यानक स्टालत तहन। धार्गाह क्रेडारक। व्यशां बचनांत्र महारा " र्ष्क शांक " किवा श्रम श्रमूल स्ट्रेश श्रद् क्रिश्चकर्ष्डा पाव घठिश य दहनात छेमार्मः । विनचे इहेश यांत, अञ्चात उदब्दि अन वर्ष इदेशाहन। " इकि याकि " एकि । भन्तामवभन्नः कर्यायकथरन जान नारग बढ़े, किंगु लिथं,न निजाय कर्कण स्त्र। हजूर्ब, अञ्चलात मनन ऋत्व नार्के। निर्विख बाक्तिपरभव बक्तवाध्वित मामभग वाबिएक शार्यन गाँडे। एक्स्यार्थेत सर्वित्र-রাজের অন্তঃপুর হইতে পিতার সমুধে পানীত হইলে গিতা ৰলিলেন "কে रंगा युवत्राय ताय कर्ष अंत मरशहे व्यक्ति क्टबर्ड्स नां कि ? ट्यांमात्र ध्यनत करवात कि स्वात स्वतनत (शत्न मा र देजानि। এতদারা রাভার রাজোচিত ও শিভূ নমুচিত পাত্রীর্যা রক্ষা হর নাই। ক্রোধের সময়েও রাজার এরপ গারতা খোঁতা 에게 제 1 7

२। वार्षः व मीनक। ध्यानि वाजक।
छात्रात्र वार्षः व । द्विष्टुक दात् म्दरः अकृमात्र वत्र हेरात क्षत्रश्च कतिशास्त्र ।
वाजना छात्रात्र वर्षं मध्य मध्य मध्य कित्रशास्त्र ।
वाजना छात्रात्र वर्षं मध्य करिय छात्र ।
वाजना छात्रात्र वर्षं मध्य क्षत्र ।
वाजना क्षत्र व्यवन्ति ।
वाजनिक व्यवन्ति वाज्ञि ।
वाजनिक वाज्ञि वाज्ञि ।
वाजनिक वाज्ञि वाज्ञि वाज्ञि ।
वाजनिक वाज्ञि वाज्ञि वाज्ञि ।

ইফুও কাতু প্রভৃতি পদ সাধনের সূত্র করিয়া অকারণ গ্রন্থানিকে কুলাব্যব করা হইয়াছে।

৩। সংগীত রসমঞ্জী। ইহাতে
নানাধিবদক সংগীত আছে। শ্রিমুক্ত
বারু মহেশচন্দ্র মুঝোপাথান ইহাব
রচনা করিয়াছেন। সংগীতগুলি রাগ
রাগিনী সভত ভাব বিশুক্ত হুইয়াছে।
ইহাব মথা হুইতে মুটা গংগীত উল্কে
করিয়া বেওয়া গেল।

निवस्थन।

বা গাৰী চেতা-গোৱী--তাল কাওয়ালী। শিব শহুৰ বম বন ভোলা।

रेयमातर वर्षाछ, त्रहे वांश्य गाँछ, भाग प्रकार के गाँउ वांग्य मा इन्हें छुत्रा बांग गाँग माना व व्यक्त वांग, क्षेत्र पूर्व बांग, शिल काइमाना ॥ विभाग कि गाँउ, हुए हुन् महिन्न, विद्रा को का व्यक्त वांग जिस्तिका। न मा कुन कुन भारत कुन द्वार कुन वांग भावना कुन कुन भारत कुन द्वार कुन वांग भावना कुन कुन भारत कुन द्वार कुन वांग

• शांभगी (नर्'श—डान अकडाना । मध अंक इरना ला जायात्। ए। हा। विवदश, बुका वा मा गरह, अ (भट्ट संगेधन माद्र॥ (रा शान जीहति, अस शहिहति, ए ज याजा कहिम्रोह रथ गत्। विट्यानकारम, जना खान खान. আপনাং মন নহৈ তাপনান। सम्बन्धियोः समक्रानानीः विव त्रम भानि. वष्ट्र खाना छोव। तिना विचारती, क्यून्या मर्वि, अ वत मा कि कत्रि, जेगांब हें हर ।। भग्नत्व चन्द्रतः स्थ्य सोहि ब्राम, क्विन (र पन कर्वक्र मोद्र । यात (१ हर गड. (र'ह्य म'न स्ड সমত শঞ্চিত নামা গঞ্চনার। अथंग (न उन. क.दूश रामम, वर्षा क्रांभन कामाद गाउ॥ ल्बनिद्धानीतः । काल क**िनीतः** ठा अस ता किएत. अकि द वर्षेत्र॥"

৪। চারুপাঠ হিন্দিভাবার অসুবা-দিত। ঐযুক্ত ভাসুদত পণ্ডিত অক্ষরকু নার বাব্ব ক্লুত চারুপাঠ হিন্দিভাবার অসুবাদ করিরাছেন।

ए। ১২৭৪ সালের মূতন পঞ্জি। वालीत अयुक केन्द्र विद्यापिति देशांत टानप्रन कित्राह्न। अयुक्त वांत् क्रिक.

ं हें राष्ट्री क्षक्रिक निर्मा महिष्ठ वस्ति महिन म क्रिक किया क्षिति मिश्री विधानि खाउ। हिक लग्न बृद्ध कृत्कि कर स्मार्थ राम छ छ क्यन क्ष्मिक निर्माण छ राजार गोना क्षकान वहस स्थि-क्षिम क्षिण क्षमिकनान के क्षिण वहस्य छ क्षिम क्षिक क्षमिकनान के क्षिण वहस्य छ क्षमान क्षिण क्षमिकना

ত। ভাতবোধ ব্যাক্বন, প্রথমধ্র।
এবানি সংস্কৃত। কলিকাতা গবর্গমেন্ট
সংস্কৃত পাঠলার ব্যাক্রনাধ্যাপক শ্রীমুক্ত
তারানাথ তর্কবাচল্পতি প্রক্রিরাকেনিমুদী
ও নিদ্ধান্ত কোমুদী প্রভৃতি পানিনি
সন্মত ব্যাকরণ অবলয়ন করিরা ইহার
কর্মন করিয়াছেন। প্রেনিডেন্সি কালেজ
গুড়তিতে ইহার পাঠনা আরম্ভ হই
রাছে।

প। বেহালা হরিভক্তি প্রদারিনী
সভার সাবংসরিক পত্রিকা। প্রতি রবি
বার অপরাত্ম ৫ টার সমরে সভার কার্যা
আরক্ত হইয়া পুবাব পাঠাদি বে৻বে বিনার হইরা থাকে, এবং বে যে নার্মে
সভা চলিয়া থাকে, ভাহার বিশুরিত
র্তাত্ম ইহাতে লিখিত হইরাছে।

े। अनीविकात। अयोति मानिक शिक्ति। চोकान स्मानिक स्त्रेल स्त्रेल स्त्रेल रेक्पनात्र विद्यालय स्टेटिंड देश श्रीकारिंड स्टेटिंड्डा, देशांड निव्यालिंड स् विक्रं मिन्निक्षिण सुके स्टेन। श्री स्मिका। विक्रीत, शालीविकान। एकी

ভারতবর্বের প্রাচীন সংস্কৃত ভারা। ड वृर्ष, नमत्र । लक्ष्म आमा दिन्तात्र । बङ, (स्टामंत अञ्जिष्ठ यस । नश्चम, देखि श्रम बरः शूनाइछ । अध्य, शब्दर्शित महामात्री এবং देखनमात जिल्लामात्र। मबम, दमरने हैं कि किनने।

" अवः विकासाः।

' এইক্ষণে পৰীত্রামে বিদ্যালয়ের আর ক্ষান্তার माहे। इति शात गार्यक्र स्वा मधुर সংস্থাপিত হইয়াছে। তত্মায়া যে কেবল ভয় मस्तिमन्दि উপর ७ ६६८७८५ এमन नयू. हेळ्ळ कृषक ध्रकृष्टि योशास्त्र मध्य क्षेत्रख विणा-निकात एका किल मा, जाहानात अहेक इन गोब्कि: विश्वान फूलांस चंत्राज्ञानि नामा শান্তে শিকা প্রাপ্ত হইতেছে। ইহা কি সামান। भाक्षात्त्र विवय । वश्वातः अत्र क्रिन । द्वावत देशन की व महासारभव नरब मय र जाहारनय जान फामना यनि जामारमन निकाव क्षेत्र। नष्ट्रिंड क्रब महेशम खरा मा माने এछ पिरम धाराम পভাতা গোপানে কত দুর আনগর হইত।

जावता शुर्दाई द निया है ये बाब छ भनी-ममुर्दत्र खेब किएनरे (मर्पन श्राह्य छ । कि. पात्र अर वाषा स्मर्का ना दिवा जिल्ला कर्जुनकार नाटक विद्यान बहराज होंद्र इस । विक्रक मिन्द्र শংখাপয়ক কেতন দিউন, ছাত্রদিলেব উৎসাহ विश्व छेलान्न कक्रम, क्ष्यावशास्मन नियम्क्रीनव नर्दाधन करून अवर जागावन्छ। यक्तव शतक मात्र (व कान छेन व इरेटड भारत, जवनपन कक्रक। निकास विकास वागुरूत कोन् विका লয় কৰে সংস্থানিত হইয়াছে, তাহাৰ ছাত্ৰ मश्रा कल अदर भा।'यनला निकान देवित शरक कि कर्डदा, निक्षक क्षेत्र विनाष्ट्रवाणी प्रश मध्रम् विशिषा भाउपरेज छारा खरान करांच्र आश्रदा यहवान हरेता

विदिध मरवाम ।

৩ - এ মাঘ দোমবার।

গত শনিবা।ে সর্ঘতী প্রকা হওয়াতে টৌন क्रिक इर्जिक निवासकी मठात्र क्रिक्निम इस माहै। यम्द्रमणीय वार्यश्रम गर्का अवना স্থাগিত ছিল।

वत्रज्ञाहेन निश्तात कान्नानि शारतानर्वाएक क्युमा क्ष्मीं ए। काम धनिम प्रवा भावता बाय, जाहा देखांनन क्रिवात सन्। भवरिमानित अपूर्वाक अस्त्रिहरूम। कि कि वर्ष प्रयाप

भवर्ष है : इ खानाहे : ना

मक्का ज क्षा हर १५ तम बादन १५ जाई-বের ১২ ববিজ্বারে লঘ ক'বেইবরে জপ্রাপ্ত विविश्रात्मक लो ये व विश्व अवस्थि । अर्ज । छन्ना-वर्गार । त्र जान जा वेर जा वे न क तर व भारतम कि मा ? आमा १ इसी (ग्रम्म व लेब्री इस) অত্রের এ ক্ষমতা নাই। আমধোক্রার নামা পাই-त्तव कारतकेत अयोध व वश्देवन म. ० ड श'थ व्यवस्था भर्मिन विचा नण ४. ७ लईए७ भारतन भा। कि इ गा। तिश 'उदाव। प्राकृतक के क्रमण बिटंड शास्त्रम ।

गण व माग जनित जनश्य है विद्वज्या कविर्द्धाइन बांबानडाम এम है भूथम (सन्। कता के हेळ कि मा ? २३ भागपात्र १ भा है है। কাৰ্য্য আৰ্ক হওৱাৰে এ প্ৰস্তাৰ হয়। এ প্ৰস্তাৰ সাধারণের অমুমোদনীর। বারান্তে একট ভে वानागड ७ এक कान मन्य व्यामीन इन्हा ট চত।

ইণ্ডিয়ান প্ৰলিক্তপিনিখন বাল্যন, কবিয় भवर्यके रवाचात्रात ताबारक दृष्टि चन्नभ कन्मा नगर् क्षमान क तेया छोरात तारक त्र व्यविष्ट **जरटनर भागन छात्र धाननाता अर्न क**ित्रा-। ছেন-১ এটি ভারতবর্ধের শাসনপ্রণালীর অনু कर्न ।

भवर्गिक लिनमान अक स्तन श्रीक वाध द्वाचिवात यानम कडिव्रास्त्रमः। शकाय इहेरफ रव नक्न दनिक जिल्लास वानिका कवि: व यान, কাম্মীবের রাজার লোকেরা ভাঁছানিগের উপত্র অভাচাৰ কৰিতে না পাবেন, এ জনা এই হৈ শাল व्यवनयम कर्ता इहेग्राटक ।

चारमतिकात फारून (व विश्वतीकात अ.ट.एन শীয় সমাজের উনতি বেছু শীল্ল ভাংভবার व्याभित्यमः वादर'दत्र (व मञ्चा स्टेट बद्द, कथाग উপস্থিত থাকা কাঁহার অভিপ্রেড :

भवर्षाम् हे विष्टाभीतः कःमिनमहःनिगदः ज्ञास्त। क्षियाद्यम, यावजीय तमस्या । क्षेत्रान्त्र निकः हे निर्के विभिन्न एक रहेड महाई श्रेष्ठ करवन । वाजैश्वनि करप्रकृष्टि ग्रेट्स् विकक्त स्ट्रेस्व । मञ्जास अउदमनीत्रमध्य नीत (धारीत महिए विद्यंड श्री का रत, अ सना अहे जाका हरेताइ: के कोक दोने श्राप्त का लानिय करा है। उ हिना क नक्त छ हरेत, अकर्ष खीरतार हुत नक्ते स्रेवाच विजय कि ?

चूडीबानमित्वत्र भूमर्रात विवाद्य जारेतम मांबाज्ञरनत जानरकाम कवितारह : caffen पहल्दा विकासभाव कीता अरबाद एं.ब्रेटक्ट्य,

विष्यु। याग्, उप्तार्थ शहर वस्त्रहत मर्पा | डीहावा देश्तर**् अक सन श्राक्तिय (शह**न कवित्रा छिरे(पदक्रेशवित्र बाह्म ब्रह्डि क्रि-वांव असुरान कांद्रेटम । अविषय अस्मर्क ভাঁহ, নিগের সহায়তা করিবেন।

> गच्छि ह≈न्नगाद्य **এড**েमनीम् व्यक्तिनि গণ পণ্ডিচারির শাসনক্ষাকে এক এতে স বিশ্লা विनयाद्यम, डाहाया क्यामी शवर्षावरुत व्यक्ति । भारतार्थं चार्टन । **चाउ** अद खनन **इंजनदेव छेडि** धारक जश्चगारत त्यन अश्वान जिप्तिन शवर्रान-केंद्रक (तं अता वा इस् ।

अभारतरणव यांधीय अश्यक्ति आह्य कतियांत श्रक व रहे (का का व का व का व का व का विद्यान প্রীতিখন হইল না।

विद्यान द्विता वात्र मान्य वात्र वात्र के विद्यान বো সাহেৰ আমনা উমেশচন্দ্ৰ খেছির প্রতি বে অম্যায় আক্ষা দেন, গবর্ণর জেমরল তৎসংক্রোক্ত কাগজ সকল দৰ্শন কবিতে চাৰিয়াছেন।

উক্ত পত্ৰ অবগত হইয়াছেন, বাৰু **নাইকেন** মধু স্থান দন্ত বাবিষ্টব হইর'লেন। **তিনি বোরা**-ু इरम् छेनभी छ इहेम्रार्ड्स, भी अ कनिकालाम

উক্ত পত্র কলিকাভার কমিদনর হৃদ সাহহ (वन्न भक्क भन्नर्यन कतिष्ठारहन । करमुक प्रिन्ती वि **টংলিগমান কমিনমরকে আক্রমণ আরম্ভ করিয়া** क्रिया वर्ग महिद्य अकटमनीय कर्मासीमिद्रगत्र প্রতি সভাবদার করিবার চেষ্টা পান বলিয়া অনেক ইউরোপীয় জাঁহার প্রতি বিংজ।

টেম্পল সাহেৰ ভাৰতবৰীয় গ্ৰহমেটের বিদেশীর সেক্টোরি হইবেন। অকোধ্যার রাজত गरका ए क्षित्रज्ञ (प्रविध मार्ट्स मना कार्यक (र्वत्र श्रम् । का कि भवत् रहे (वन ।

) ला संदिन मुक्रनवाद ।

পঞ্চাবেদ নি স্তর আচহিত কর্মানারী ভব্রত্য প্রবামতন বিচায়ানয়ের একার্নজি করিবার জন্য विषय) शिक्ष के केटक इस । (यथादन क्यान्यक्र নেখানে এই অবস্থা। শিক্ষাবিভাগে একৰে গ্রার কোন উপ ভে লোক গ্রেবেশ করিভেছেন 41 1

সম্প্রতি বোৰাইছের এতখেলীয় ও ইউরো-नीय बीरनाकिमरभद्र गर्य अक गरकत शासात श्य, अरदसमीय खीदनाकित्रिय यात्रा शक्क বন্ধ সকল বিক্রীত হইয়াছিল। কাহারা এতাদে भीत्र बीरनाकनिगरक विजी अङ्ग भशार्थ बनिग्रा बाद्यव खाँचादा भारती ७ वर वाकी प्र वनीय-গের লাখন্য ও ফুলরগতি দর্শন করিয়া আন্চর্গ্য (बाद क्रिज़ा हिल्ला। भारती खीलाटका मरबा 4विष स्त्र !

İ

्ष्यक्षाच्च व वश्यक्ष मण्यस्थि । इत्र भागव मन्पर । व ं क्रा १८ १८ १८ १८ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ ১৯৮ होडी भाज कालग्न स्ह्या। इत्र । में नि(लिक्स. मृत्रु आमात कर्यामानी ऐडिस्क्रांभ व वाडर्ड, ११५ बाइटडट्ड । भृष्ठ ताकात क्रम शत्र्रवादात सन्। 3e,14.8% ो ११ १२७ । एउ । करनड मार्ट्स े हेवित श्वर्रश्यक्ति कांश्रस्थ क्रम्न करियाद्य এতকেশীয় এনিলৰ বত কো আপৰার কংগে अवर (हरें। कित्त हा है। क्षेत्र कड काळ भग, ্ৰ কাৰত সাংগ্ৰহণ কৰাৰ উত্তৰ দুৱান্ত প্ৰৰশীন करियाद्यम ।

७ दा दिसम वि न बदाव अदिवि ७ हे भर्य। ख চন্দাংৰে কবিৰয় গৃষ্টি ও সংগ্ৰহণ বাদ इहेग्रा द्वियम ७ कहिर्तराव विस्तय फ.फ क ? श्रीरङ् । करम्रक खारम कहिरमस्य हारा अन्तर्भार मा व्हेशारक । है जिन्द्र मी विविधान कियम करन স্বাত্তে বাৰভীয় শগ্ৰ সন্তা হইরা।ইল। কচে जान कछ जानके कर्त्रशास्त्र, खादा सामा याय

इरिनिम्बान जरवाम अ'हेशार्डन, मुख्यांड धक अन रेडिस्वालीय वर्तिस्व कुछ। (नप'रनेव नवर्रमान्द्रेत अञ्चलित मा लहेता वास्त्रकारे कारिए हिन, अभय नगरत खत्र । करत्र बन বাবৰ্ণনেও ভূত। ভাগাকে বণ কৰিয়াছে।

উक्त भन्न अवन क देशार का, मानाद **उ** हे कि श्लीवश्रम (कदलशावादनव भागन कर्छ। नयल्ला খার পুত্রকে আক্রমণ করিয়া কচ ডর্গে অবরোধ ক্ষে। শাসনক্ষ্তী ভারাদিপকে দমন কবিতে है अमन करिय़ाइडन । त्रफोड़ अभीव थे। जारु जुल ने बीब शक इरेब्रा (करमनावान व्यक्तिव करिएक 🎚 चामिट्टर्म ।

खादकरम्बर (न'दक्ता नामा जित्रभी व नाटित र आदीमछ। यं काद कविद्रा नियमिष्ठ শপৰ এছৰ » করিয়াছে। এ উপসংক তথায় ভে'ল নৃত,দী**ড** शक्ति इहेब्राइन ।

छ, (क इहे हिन (व भाव न'नव अक कन है छै-त्रातीय कर अन अटरन्येय वयवावनाधीत विकरि करप्रक (काफा रव का का का कित्र करिए सद्य मा बनोर्ड इड्डार्श्य वीलन '' आमात ্ব মুল্যে হবে ন। দিলে আনি ভেনেকৈ ওল ্বিক্রির । শ্রে, বসারা অসমাত হওয়াতে এই ব্যক্তি সম্পাদককে পত্র লিখিবার ক্লানুষতি দেওরা হয়। ভাষার ভেলপেটে গুলি কৰে। নাজিটোটের কমিদনর এ প্রার্থনা এছো কবেন নাই। বধন किक्टो हेहेट इस स्वकार प्याणन त्याय पीतात किमिनवत अवादिए देवेगन मानित वालीन कति कितिन, कि इ अथेरि नांकीत कथात्र मा किट्डिटरत दात अञ्चलिक नारहन, एचना हुवं कम्डीर्यनिन-প্রভায় না হওয়াতে সে মুজ হইরাছে। এ কি গৈব **অ**পরাধ কি ?

১৮৬৪ অব্দেকেটি অব ওয়াডেব হাস্ত যত ! বিশোটবের এস ? না মাজিটেটের চমংকার ।वहाव ? कनिकालांत प्रकाशस्यकः करम् वरमदाविव अथानका । मांब्राइके मार्क्य वे अर अक्षे हिहे (तथा च'हेटडटह ।

> चारामें के ना अन खद्र उपवेश द्रमश्रत आसाहार क करवीय भाःकृषि भयाष्ठ भूमिटर। १৮७५ काट्यन गाम उद सर्ममभूत गरी छ

গভ বৃহস্পতিবার এফচেছ গৃহে নিম্নলিখিত টকার অহিকেন বিক্রীত ইইয়াছে.—

(TE'C'S 2 ---

क्षेत्र व्य

अहिरक्टान अव'त्र जनां छ रहेवात गञ्चायना माउ नारे।

र द्रा लाखन बुदबात ।

সম্রতি এক দল দস্য চোলপুরে বড় দৌ-বাস্থা করে। ভত্তভা রাজার দৈন্যাণ ভাহাদি-গকে আক্রমণ করিয়াছিল, কিন্তু পরাজিত कित्रिक भारत नाहै। मञ्जूलान करनकरक वन्नी इंड क्रिज्ञा करेग्रा शिक्षांकः। छोशांमिरशत मन उन्न कविवात स्था अक मन देशना (स्थतिष १६-ब्राट्ड । এই म्यूनिन मन्बादन नगरम जानदाः निकरण फांक क्ठे कतिवाहित।

সোমবার যখন কলিকাতান ভেপুটী কমিসনর কাছা,ব্ৰিডে বদেন তথন কলেক জিন ইউবোপীৰ कम्हीरत छाँहात निकार कार्यहन करत, मर्ळार ভেলিনিউসে ভাংদিগের বিজঙে এক প্রতাব निधिक स्टेबाइ । छाहानिश्वत छ। छैमहाटन वावशाद्वतं विकट्स श्रेष्ठावंत्र थाकारण जाहारा शार्थित करत (नश्रकत बाब का,निवात द्यान)

भागवीत भाउमेरहत्र वीका कानकवाच होत्रहरू चात्र वर्षीत है। त (अस्या व्हेताट्स । स्म**े** व के भदर्यत्र मधामामा वर्धम ताकात्र माधात्रव क्टिक्त कार्यात वर्गना काद्रशा शवर्गत (क्यनत-लार निकार भारतहार (श्रमा नवर्षेत्र रक्षमञ्ज উरमाइट इक बन्दुन्छ। क ब्रब्र। द्वीत अनाम कब्रि-ब्राट्डन । भी पृत्तवबन आका चान्त्राय गाईएड नमर्थ इस माई।

हैर्राजयमान वर्तना, फरनरक श्रकारदव (श्राका मञ्चलक्षित्र यञ्जर्ग किः एए इन । मञ्जि এक भनि किक दिक्कि। हैन अक जन मुद्दर्शन बालम, करनक निष्के छहे मछ करणक्ष कदि-**्ट्र। देशाः अवश्यिते चाक्या निवाद्यम, এই** गडावनशीमिनारक देनमाम्हा श्रादम कित्रिक (एएस) इहे व मा, अवर (च मकन निशाही मछ এইণ করতেতে তাহাটিগতে দল্যত করা ংইবে। এট অএছে, কবিলে ফি ভাল হইত না? ব্যাফাণ খোকা সম্মান্তের রাজন্তোই 💺 ভ সঞ गांग ना हरा, एक लिन क जाका व्यक्तरक धर्म-धामनोत्र क्षांच्यक्तक निवाल भारतम। अ ব্যয়ে মূতন ও পুৱাতন জান না করিয়া নিবপে-কতা অবলঘন কর'ই (आय:।

আন্দামান দীপৰাসিগ্ৰ ক্ৰম্নঃ পুৰ্বভন वन। वाजाव एतान कहिटारहर । देशता अक व्य-সভা বে গণনা করিতে জানে না। পুর্কে নালাই গৰ সৰ্কদা ভাষাভিগকে আক্রমৰ করিয়া की जमान क देशा नहेता बाहेड व निश्ना विद्यानी प्र নাত্রের উপত্ব তাহা দিলেব শত্রুভা হয়। আন্দা मारमञ्जूषामिरभन्न भारत्र कि ७ जन्न मह बाब क्रमा कानियवाणियन गर्नामा काशमियत्क আক্রমণ করিত। ইংার' ভরে ইউরোপীয় मिरगत निकरो जानिक मा। म<u>ञ्चाके</u> **कडका** ধ্মকে সাহের সহবেহার করিরা ক্রমণঃ তাহানি-उ.ट्रक (भाव मानाहेटल्ड्रह्म। त्रम घोटा जाशाह-গের এক বাসস্থান হইরাছে। এখানে যে কে'ন কুধার্ত্ত বন, আসিলে আছার পায়। ইহাবা अ स्ता स्रे पानि कार्याद्या स्वाक्त नीटर्व আন্দামান ভাষা এড নিৰিয়াইছন যে ভাষানি গের সহিত ভাষতে কথোপকথন করিতে পারেন। তিনি অনুযান করেন একণে সর্মশুদ ৩০০০ হাজার আকানানবাসী আচে ৷ এ সংখ্য কম বেঃধ হইভেছে। জ্ঞান্ধান ৰাসিগৰকৈ সভ্য कतिएक शारितम स्थाल, मास्स्य माभवमक्षेत्रीत এক মহৎ উপকার অভিবেন।

স্ত্ৰতি বোৰাইয়ের এক জন জাটণীর দোৰে मुद्द्यत्तम् सक्त्रमा सहै दश्चे। अधानपन विवासी- णत्र करे कांत्ररण भूगार्किमारतम चारवणम वार्थ कत्रिप्राट्स । कामकाका ७ (वादानेट्युव व्याहेनीं भिरतात्र व्यवस्था अक भाव व्याह्न, फीश्रा श्रविद्वा शिका नन, किंश्र याव जेश का ध क्षाबी मिटगद्र याता भारतम । सक्थलबा १ भग काउनी वेशास माकार यम वर्णन करवन।

৩ রা ক জন বৃহত্প তবার।

२५ क छाञ्च्याति स्ट्रांटि इत्रायम स्थिकाछ **भ्हे**शा श्राय हो। ब्रम्भ के कार जन्म_ा उप्तार है। বা**নি নাট হই**রাছে। ১৮০৭ শ্বের এপ্রকার এক অমিকাও হইয়াছিল। সৌলাগ্য এনে বয়ে চ दरमागरि कलिकाछात्र जालन कम इहर७६७ भाका हैमद्वाछ खाद (श्रीम'द कूपीव कावेटन अ'खन क्य लार्म।

चायहा कानिस्था १४१३ वस छ। ८ वर्षी पहुंचक मि**र्शत प्रनम्भक्षल ১० का**हेरस्त *छन्। वर्शा*ण । । धैव ९ द्वा भारत मगरम (करन रेना छ रा मारे, ধ্যসমূজেও ইবির বিশেষ মূপ। প্রদান কাংয়া-এছন। বলোহরে ঘাঁছাবা প্রেড সম্বাধন করেডে हिन, गच्चिक हेश्मधीय विश्वाप लागक जात्र नम डीहानिशास स्नामीरेश्वारहम १४०० जास्यत b. अ प्रक्रेयर श्रेश्व (श्रेडमिनटिक काळा (ध्व चौहारा পुथिरीटङ आमित्रा (नाकटक प्रभन पिया **ধর্মাবোহণা করেন। লাভ**িকণিগুয় নিপের নায় नेषरत्त्र श्रथमकात्र अम मर्गाविक इहेग । कि ह আবের্কার ১৮৪৯ অনেব পূর্বো প্রেত সন্থাবণ আরম্ভ হয়। উপ্রচম্র গুপ্ত উত্তম কবিতা। লি विदा (श्रष्ठमञ्जाबकिक्तिराज मर्गात्रक्षम कहिएड ছেন। আমরা দীয়া ইহা দর্শন করিবার প্রত্যাশ कति। कामन्। (श्राष्ट्रमञ्जाहकमिन्नाटक अक नदशवा क्ष प्रिक्षि, देश्य अ देवनाथ प्रेमाग हुन कविश ৰ্বাং**ছে যেন সভা**ষণ পুনশার্ভ ব**েন।** ক্রি কারার সম্ভাবকনিগকে প্রেত্যাণ ত্যাগ কবিয়া (इन अचा वाईएउट्ट।

मन्द्रक्षि (वेष्ण्या मार्ट्य ग्रेस्प अम् । रिष्ठ अस দরবার কার্যয়া এডমেন্ট্র ব এক ও ধনী লোক-শিপ্তকে ব,লয়াড়েন যাহাতে নগ ,বৰ আৰু, উত্তৰ ৰ্ম তবিৰয়ে ভাঁহানিগেব বন্ধবান ছওয়া উচিত। ताका वाणि निर्फा न अनानी अञ्चलित छेरकार्यन প্রাম্প দেওয়া হয়। নগর্যানিস্থ প্রধান ক্ষি अनदार प्रशास अक देश्त्राकी विन्तां सा শিত করিয়া আসুতুল্য প্রার্থনা করিবেন। গণর-अशोदांत निकटें विख्य कथला आहा ! हिल्लान मारश्यक यस त्म प्रमुगन्न थाने हरेला छेणु छ F8C4 |

বোখারার রাজ। আফগানি স্থানে বৈদ্য गरश्रह कविष्ठाहरू । ब्रोक्षा भूमसी । वागी मछाव व्यवः पुष्कं कविद्यवनः।

कार्डन हाब्रवब्राक जाशताह माजाके शानक नार्ट्यम नार्य e · · · ग्रेकांत्र नांदी विद्या (य मानीन करतन, खाहा खताना इहेग्राह् । हेहा वाना कृशा।

त्रायनिरह नायक अक् राज्ञि पञ्चावी (शाका मञ्जनारमञ्ज श्रवान भूरमाहिक। हेनि हानि एन वर्ष य यकःक ज्ञारन ज्ञारन त्यत्रव कवितारहर । त्या-कानिरात बहे शार्वना भीज चालाना (भीक) নিগেব হয় ও একাধিপত। হয়।

ত্রিবস্ক বের ব্রাকা মাজ্রালে আগমন বরাতে এতবেশীয় ও ইউরোশীয় সমাজ ভাঁথাকে েলওয়ে টেসনে এছণ করেন। বোয়াই ও भ आदि कि चित्रक का।

বোধানার মুভ মধ্যে মধ্যে দর্মা ছোমগা কবিতেইন। ইনি বখন খজুছা কবেন তখন বিস্তব মুগলমান ভাষা অবেণ করি,ত খান। भवागश्काख जासक कृष्टिन शत्र दीहाव निकार দ্দি। করা হর। দুত ফুতন কাল করিতেত্বেন

মধ্য ভারতবর্ধের অন্তর্গত বিলাসপুরে সম্প্রতি ৩৮ টি হকী ধরা হইয়াছে। ওখানকাব বনে বিশুর হস্তী আছে।

श्रदेश

আসামের যে সকল চা-কর অপরিমিত ভূমি क्या कतिया विश्वष स्टेबार्ट्स केस्किरका पूर्व क्तिताहेजा नहेबात विषया भन्न भिनित्र विस्त या প্ৰস্তাৰ কবেন ভারতবৰীয় গৰণদৈও ভাহা আছ কবিয়াছেন। পুর্বের চা-করেরা ভূমি ভূমি কবিয়। गवर्ग**रम**न्द्रिक विवक्त कृतिवर्गकृत्वा ।

शदर्गम् के कहरुत छ जात्नाचा त्व पाळाति গের বিবান ভঞ্চন করিবাছেন।

ल्. ७ अवहे छिया वासम श्रामकृत भ**ा** मन्त्रूर्र खत्रता छ कात्र्या कात्रखवर्षीच नावर्गमा केव नि करि এक পত্র প্রেরণ করিয়াছেন। আমীর নিয়ার আলী খ র বিংহাসন প্রাপ্তর আলা जहारे जादह। शर्वात्म हे प्रश्त जाकस्त सीएन ्रीका यनिया चीकात कतिरस्य मा।

উজ্জনত্ত বলেন ছঠিক কমিদন গত সন্তাহে (त्र्राविकेरवारक व मण्डानन **७ क्**ष्मूर्म (त्र्यू. हो दिन्न स्वानविम लहेलाएक्न। स्वानामी मधार क्यवास्त्रक्ति अहन त्मच इहेट्य। विट्रमाप्त्र राष्ट्रा করিতে জার চই তিন সপ্তাই লাগিবে। কমিগন मुद्राद शिक गर्था मिएक शातित्वन ना. किन्न মাহা প্রকাশিত হ্ইয়াছে, ডাহাতেই লোক্কে लायां कि उ रहेट इहेटव ! उथानि मत्र निमिल विक्रम रहान छानात हिट्टीय यनि अरुक्रम (गः

কেব প্ৰাণ ব'চিত তাহা হইলে ডিনি ডাহা कहिएव।

উক্তপত্র বলেন ভাজমহলে ভোজনিবার idবয়ে সংবাদ পত্রে বাহা ধি**বিত হর ভবিবরে** शदर्दन है अञ्चलकान कद्दन। देखरणिक शक लिव भवर्त्य हे । उन्यान भूगलयान अधरनाकरक क्षिक्रामा कराइ उ इश्वा विविद्याद्व जे स्था कवत अथरा पत्मा तत नाइ, अवर अथात आवक पूर्ण पूर्ति लाज दय । वेयनव नारस्वरक একবার ভোজ দেওয়া ইইরাছিল। ভাষও সা (इव विलिधारकम इहा | क निक्तियान **टाउँ (व** : সম্মান প্রদর্শন কবন হইয়াছে ভাছাতে বাদানী া সভাৱেগণ উৰ্ব্যাক্ত হইটা এই প্ৰতিবাদ প্ৰকা-শিত কংন। উত্তর পশ্চিম কলের মুদলমানেবা ट्डाट्जिय क्षता विद्रक्ष इस माहै। (१ जिनकान भूगलमारनव मञ लख्या रूप्र उँ:शवा जानामछ সংক্ৰান্ত লোক কি না ভাষা বলা উচিত ছিল। आमामिर्गित हेन्हा क्यादन,रख (सम এ मिलत प्रिन য়া আৰু কাজ না হয়।

8 है। साखन शास्त्रवात ।

চাক্ষাব ব জা আপন রাজ্যে ক্রীডদান রক্ষার कमा इक्षिक निवादनीमछात्र क्षविद्यमन क्षया त्रहिक इदेवांत्र स्वायका निम्न'रहन। गवर्वत्र (सन्तर हेर' (५ जानन धकान कृतियाहन।

ভরতপুরের বা জার ইংলগু দর্শনেক্ষার প্র-ৰ্ব ফেনবল সম্ভি প্ৰদান কাইয়া এন। তিনি মাসিক ১০০০ টাকা বেতনে কাপ্তেন ওয়ালট-ब्रदक जाननाव कर्माने के दिया मरल लहेता याहेर्दन अवर यह (है) मिरकोबी अविक हुन ভ্ৰমণ কাৰবাৰ অনুষ্ঠি মা দেশ পাছা হইলে इंश्राटक कर दरमव शंभम कविद्रमा शंभात वारमव सन्। ७ मक होका वि. पिष्टे बहेगाइइ अदर मेश्वर याद्याय स्थला इहेहरर छ।

(हैडे अहत्तरे। ने विल्याहरून य यनि किन अनुर्व व व चर्मा अनी इसमारमन खना स्कान दिएनव वार्ध- व्याप्त करेंचा अक्यांन कर-ক'ল এং। কয়েন এবং সম্পূৰ্ণ বৈভন পান ভাষা रहेटल उपनक (जीनत्यांत इय. शर्वायकेटक क महिनद्र भारवर्र्ड १ मार्टनेय विख्न क्रिक्ट इस्. कांत्र पनि किछि ७ शहगत महा कार्या नामा रुग, एक्। इडेरल ६ मारतव काट्य ७ मान वास करिया कार्यक (बजन विषक्ष स्त्र । स्त्रं क कृतिस्ता वन बर्मन व बिर्मव ७ मामब्रिक कार्यः निर्मारहत्र জনা যে বেতন নির্দিষ্ট হয়, ভাহা বাস্তবিক কালেন সময় ধরিয়া দেওয়া উচিত এবং ভবি-बाट्ड करे निष्ठायत क्यूगद्रन कतिएक जाएन कतिप्राट्या

ম্পেকটেটর বলেন উড়িষ্টার ক্ষিসনৰ শেৰে बना इंडिएकत अक निर्णाष्टे देश्वर छ शाठाइया-ছেন, ভাষাতে গভ জ্বাইয়ের পুর্দো ৬ লক (माटकव मुड्डा अवर (कान कानवटा ३२ कान) লোক সংখ্যার হাস খীবার কবিয়াছেন। द्रायम मा शवर्गमान्द्रेय कर्मान ने अवर लाल्डेमले नवर्ग्यंत जास्त्रक वस्तु, श्रीर्वक नमानकरूप जावर उ না হইবার আবও অনেক ক'রণ আছে। অভএব ষ্টেছিখার শর্মেক লোবের মৃত্যু প্রায় সভা বলিয়া বোধ হয়। লাভ ভোণ্বোরণ এলেপের क्वी अध्यक्ष विदात्वार्थ , ५५१ ५८५७ १ मर्छ्याकिरमञ्ज यार्थिक शत्य बारमव निर्वेश ক্রিয়াছেন। ইছাতে কর্মচাবিগণ বর্ত্তব, সাণ্ডন ৰ থিত হইয়া ভাইাদিগের প্রাথনাশ হয়। বলিয়া क्ष्युद्धान विदियन, कि हु डीश्रानिटगत्र औरन अ-(भद्भ द्वांक दका मर्भायक श्राद्यक्षीय । अवस्थि गर्ध हैगात्र करनदम कवित्त कार कार कार कार খাকে না। যদি ভাইাদিনের পর্যন্ত বাদের জন। বিদায় দিয়া অনুপস্থিতি কালের বেতন স্থাতিত कर। रहा, छार। इरेटन डीहावा खनाबाटम शहा অপেকা নিয়কুমি আৰু কৰ দেখিতে পাইবেন :

e के काक्कन भानवात ।

ইংলেসমান বলেন, প্রধান সেনাপত্তি যখন গারজিলিঙে যাইবেন, তখন তথায় মাসিক ১০০ ও ৫০ টাকা বেডনে ছইজন কণ্মতারী রাখিবাব बारमाक्टात कि अञ्चनकान करिएनन ? এই इके नम अक्ख कतिरत शवर्गरमान्वेय अनर्थक अर्थ बारम्य कि इ लाच्य अध ।

रें डेटताशीय मगाठात।

नथन ७ हे कि उन्हों हि-न छन्। शिक्ष हे राजा কভাইরের লুঠের টাকা বিভাগের ভাকা প্রকাশিত হইয়াছে।

বিবয়ে আত্মযত প্রকাশ করিবেন

बादन विकेष्ट मुख्न करीय मिख्रवर्ग निगुक्त করিতেছেন।

व्यक्तीश महाग्रहा । कराशान्य क्षा श्रद्धनात्मस প্রভাব পরিত্যক্র হইয়াতে।

न्यन ৮ हे क्यादि-मार्विकान श्वदाय बस्मावख विवश्नक मंडा मक्स दिलाहे शताब कतिया विष्यारी श्राप्त नवल नाह कर्म বিশ্বক করিয়াছেন। এ গুলি সৈনিক শাসনপ্রধা-भीत जभीनम् इरेटवा

প্রন ৭ ই ফেব্রুয়াবি-কামেরিকার প্রতি-নিধি সভা বৰ্ত্তমান বৰ্ত্তে নোট প্ৰচলন কমান , বন্ধ কৰিবাৰ জন্য এক বিল প্রস্তুত কবি- য়াছেন। कात्र बाक्या निशादक्त ।

बार्यका कथिए बादिक म्हलन सम्बेन-हे বাস্ত্রকে রেপ্তার কবিবার এক প্রয়'না বাহিব क्रियाद्या । हे न शर्ड स्वय नामांवक विवादां नता व्यक्षक क्रिक्स ।

विद्यान्ते म् भार्क बदक खा इन्या आग्र ६० , सम (बार्ट्स् मृड्) इहेग्रार्ट । श्रास्त्रीय चन्त्रु जातः अक्षाहरत अरङ्ग निवांत अन्तरं न लांड क्रायन एटलर धादा कता इहेट्य । अक्रिकेटन कारक है-্যা মৃত্যু হইয়াছে। ডুবক প্রব্যেন্ট ক্রিসীতে नाज्ञाय,कादौ टेमना ध्यत्न कतियाद्यत । मछवि-उन म्डू: शार्त्व मीमाव काम शालरगं माहे। कि ह वाद्रिव विश्ववित्र हिरू मिथा बाहै: उर्छ। ফ্রাশী মহাসভা খুলিতে বিলয় হওয়াতে অনেকে অনেক প্রকার কণ্ডমান কবিতেচেন। জনসনের नाट्य नालीम कवियात প্রস্তোবেব অবেক প্রতি যথাবতা দইতেন্তে, ইছা পরিতাকে ছইবাব সম্বা थन। अगड क्रमक्रांज शादिवन्छि क्रिकेट शमन ক্রিয়াতেন। সাইনর ফিটজাবলডের ক্রানস্থিত লণুগণ শাহার নিজেব এক চিত্রিত প্রতিমূর্তি ভাঁছাকে উপটোকন সক্ষপ প্রদান করিয়াছেন। টেট ও কালেইবের প্রতিনিধিত্ব কবিবেন।

ल धन ४ हे क्ष्यात्रि—लांड खानरवात्र व विन য়াছেন, একণ অবধি ভারতবর্ধে ধাবতীয় হিসাব ৩১ এ মাচ দিবলে প্রস্তুত হইবে।

भवर्ग्यके विकाशन। बक्रामणीय त्नर्धनन्छ शवर्गदब्र **जारमनाञ्चनात्री**

निशांशं।

২২ এ ফাল্যারি ১৮৬৭—নিম্বলিখিত ছেগুরী আগামী সোমবার গ্রামেট রিকরমের মাজিটেট ও ডেপুট কালেটরগণ ষঠ প্রেণীর ক্ষমতাত্র স্থিবীকৃত স্ইয়াছেন---

> को नवी खेरे लग्न (शहनम, मा महत्रम हैनांक, वाबु मि, अने, वटकराशीमतीत्र।

> २० व बाह्यारि—डाङ्ग्व 🖙, जाक्षात्रम्य क्रिकां । (महिक'ल कालास्त्र डिक्रिमास्त्र অধ্যাপকের প্রতিনিধিত্ব করিবেন।

রঙ্গপুরের ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালে-केत बाबू व्यक्तिकाइतन होश किकू किरमत निमिछ ভবানীগঞ্ উপবিভাগের ভার প্রাপ্ত হইয়া-হেন।

ক্টকের ডেপুটী মাজিকেট ও ডেপুটী কালে-ষ্টর বাবু হরচন্দ্র ঘোষ খাত্রুগার স্থানাম্বরিত হট-

७३ ७ बाष्ट्रप्राः — ब, उदलिक, व्यक्ति हत এম. এ, বঙ্গদেশীর শিশাবিভাগের ভৃতীয় लागीएड डेबानिड ब्हेग्रहम जबर भागमा कारलाखन जानक शाम निष् क श्रेमारहम ।

त्त्रवृत्त क स्म, स्मारिक अम, अ, कुर्यन्तर्य कारलाख्य अक कम कर्मालक इंहेरवम।

- e हे (कळग्राह्ने-- a, अक, वर्तन व्यक्तिक 14 विल ७ (त्रत्रम क्षक क्षेत्रम ।
- है, ति, क्वांहीत ब्रम्पुरवंत माजिएके व बारम क्षेत्र रहेरतम, किञ्ज अह, खाव, बाडक मार्ट्स्ट ब অনুপত্নিকাল পর্যাক্ত অথবা বে পর্যাক্ত তন্য जारिन ना रया, जाशनश्रुत्वय शिविन । त्रमन **ब्राह्म व अ** जिना थड्ड कांत्रराजन ।
- अन्, नि, खनी पुरक्तःत शक्तिकष्टे । कारम টা এবং এখন শ্রেণী মুক্ত হইবেন, কিন্তু আশা 'उठः डाँहारक सम्मादिमीय शवर्तमा केंद्र कृतिव्य সেকেটারিব প্রতিনিধিত্ব কবিতে হইবে।
- টি, নন্দাণ ভূগলীর ডেপুটা মাজিটেট ভ (एभुने कारलकेंद्र क्हेरवन।
- ७ है (अञ्चरादि-- १६, कार्र वीकुड़ाव मासि-
- ণ ই দেজগ্নারি--- মার ডিকন পাবনার সিবিগ अगिष्टी के मुक्ति कहेरवन ।

নিয় লিখিত অধীনস্ মাজিক্টেটনৰ পদ সৃদ্ধি लाख कतियाद्याः---

৩ স ছইতে ২ ম জেনীতে। वानु धांवकार्याश वरमाश्रामाध्या । वानु ने बहर छा भेजा।

৪ র্ব ইইটেড ৩ য় শ্রেণীতে । भोगवी महत्त्वन खानहृक्षा । एवलिए, जि. जिल्लात । अ, ति, शहे ।

म इहैं एउ ३ थें (अनीरख।

बांबु एत्रवाल कत्, वाबुषीगवन्त्र मसिक, नवै'म कुछ प्रवस्ति, भारायकामा आदयम्बानी थी. योगवी जिलासाय । शारमम जारमम वि. ७।

७ हे इहेर ड ६ म (अनीर छ।

स्रोमनी व्यावहत अपृक्ष । वायु इत्रमहात সি তে। বাবু মাববচন্দ্র মৈত্র। বজেরর মুবোপা-शंधांत्र अव अ। इन्लाम वरम्भाभाधांत्र। अति. फेंड क्यांड । स्थ एवलिंड, नुबंश्हें। (मे)नवी আমীর ২েবেন। খাবু উমাচরণ গাজুলী। আর এচ, রেলী। বা<u>লু</u> গোপালচজ দাস।

विकासित । मालगण मुनिया भीनमः का प्र विगय।

১৮৬१ व्यक्तित अने मार्क व्यक्तवीत त्वनी , क्रांत अम्ब अक्रदक्क क्यांत्रील (जनापट् मा (क.स मॅप्रम अवर (काम्पान वसक अही एर्स विक्रय त्रवाद्यगात्त्र श्रकान, निनाम दावा परना इव अमियात महर्गा गानगड़ मूनशा देखि (गाक्तमाहर्ग, माधक श्रामिक जाउ पूनावान ও সুবিজ্ত নীল সংক্রান্ত ভূমি ও তৎসম্বন্ধ সমুদার অমীদারী, ভাতৃক, প্রাম, বসত বাসী পত্রি, দরপত্তবি ও কুর্বিয়া জ্বোড সমেত সমু · भात्र कृ.व সংক্রান্ত বিষয় প্রকাশ, নিলাবে বি-ব্রায় কবিবেন। উক্ত শক্ষান্তি প্রকৃতির জন্যান। विद्यम विदयन कामा य हैए आदा अवर य কেই জানিতে চান ধলিকাতা হেন্টিংশ ট্রিট ১০ मर कवाम हेक कुलियाँ व यो प्राक्त प्र मारहरवत क्रो, करन एस करिएम यावना क्रेट्ड माहिएवन ।

·--:0:-#প্ররিত। मानावत्र अयुक्त मामक्रमा मन्नीवर बहामध मनीरभय।

(सना इन्नान्य प्रसःशांकि नाइनाइ। यह ्र विकासित गां**ड वर्षिय क्यान्यादि मारम खी**ल जी बुद्धा नावर्गरमदेवेत मांचाया आश्र एम अवर एम विधि क्षांभवानी महद्दादम्बद्धवत्व क्रमामान यह के कि विष्णानियात निषा वार्ता अधिकार सूध ণালীতে নিৰ্দাৰ হইয়া আসিতেছে যে বোৰ इत बड़ा शिवरमत भर्ताहे जात्मक कांद्र जनियांनी चाडिश्राश्चाश्चारी कार्यनावन गहां पागर नंत कहिएक भावित्व । विन्तान दश्य कर्नुभक्तीद्यक्षात (यक्न यह श्रकान क.द्रश का.र.ठ(इस, छाइ। দর্শন করিয়া কোন বিদ্যাপ্রবানী ব,জি ভাছাদি शक्त अने ता का कार्या कांश्व धारिएंड शास्त्र ा। अवन कि. शवर्रायां नाश्या आहा रहे-বাব পুর্বেই বিদ্যাদন্দির প্রস্তুত হইতে আংজ হয় ও এক বংশরের মধ্যে ভাষা এপ্রকাশ क्राप्त ७ कुन्दब्राण मन्द्र बहुया केरिकाटक व्य ष्यक्ष मिवरनत गर्भा अमन इंडम्भा क्रकटिन। विदय मण्डः खेळ बाम मियानी अवर विद्यानातून माना मक क्रियुक्त वाबु शाहनांकहत्व हरहानाथ, विश्व महा मंग्र जराज ज्यावनांग्र ७ यम महकादा अहे दिवन কল্পের উল্ল'ডসাগনে সবিলেব সচেট্ট রচিয়াছেন। नाउ ३ - वि स्कारमानि अध्यक्षानी यरहामग्रमन विमा न : इ नम्दर्क रहेशा वामकतिनादक भाविद्रकारिक क्षनाम कतिशास्त्र । हाजनर नत्र छेरनार वर्धमार्थ গোলোক বাবু नर्न नमरक धक्छि वस् छ।

अकारन भरा उन्न इन माई । अकारन अन्नीवरतन निकः शार्थना अबे त्व अवे श्रीमञ्च नवस्त विस्तृति न ही यहानम्र नर्भक्व झूर्य ६ नक्तक थाकिया दिन्तानदञ्जत अन्तिक माधरन मन्द्रक्रक बाटकन ।

জীনীতানাথ চট্টোপ'ধ্যায়। भै। हशाका रहतिका निरुष ध्वान निक्कः। -101-

गण्णीतक बहामत् । जालिन हिळकथा खनि-(वन मा, जारमात्र मिर्थ वृक्षिर्दम मा, र्फर्टक निश्चितम माः धरे जानमात धक महर माव। গত গোমৰাব্লের পত্রিকাতে আপনি কেন চিত্ত-ভৌষেব প্রেরিভপত্রখানি প্রকাশ করিলেন? যদি वा श्रकाण कतिरमम, रक्त उद्दूशनरक हुई अकृते 'कथा निधित्नम ? जान समिहे वा निधितमम, তবে किन मिष्टे कथा निधिया पूर्वे कदिवान हिट्टा किंद्रितन ना। कर्ने कथा (हिड कथा) करिया लाकरक क्रोब्रांत्र श्राह्म कि? " क्रिड मत्निहार्वि ह हर्न स्ट वहा अ अकि अ भन सार्वन

अष्ट्राक्ष्मन (भारक) मालाइक लिबिग्राहरून আপনি " যে কি অভিপ্রায়ে এ প্রকার বলিয়া-(इन, छारा (मथा शाहे (छाट ना। " किनि कि मा नवेन, छारे (मन्द्रिक शान माहे, जांत्र किथिएर) अवीन रहेरलहे सिंबरड ना भान, बुबिरड भावि-

डेक गणामक जादव निविद्यास्मन व्ययमि ভাঁহার লিশিত বিষয়ের অনৌক্রিকতা প্রদর্শন করা আগনার উদ্দেশ্য হইত ভবে আপ্নি गैशो १ ' के छ १ कराइ बर्ट्स १ भर कि त. १ ही কথারও উন্নেখ করে। ভাষার বিপরীত পঞ नयर्ग करिए (हरें। शहिएक। छाहा छ स्तुन নাই।" আপনার গত ২৩ এ মাথের পত্রিখার নিখিত গর সিসিস বী চনেৰ মিনিট ঘটিত প্রস্ত। বসী অভিনিৰেশ পূৰ্ণাক পাঠ করিয়া আপনাব कि श्रीय दुवित्व जथवा " भन्त मा ति च खेवन निरंव (काशाय " এहे वाक ही न्या न कि ता त्यांव रुप्र जिनि खाद खेद्रभ लिप्टिन मा। यहा र्डेक, अर १ लंड्यरे त्रका मार्डे बादात १ ल्या ।

অপর আপনার লিখিড " সম্পাদক যদি । मिन्द्राभक्ष रहेग्रा जाननात विद्यवना अ मध्याता-প্রকা বিভিন্না থাকেন তথাপি লোকে ঠাছার সে বড় লোটার দোব ঢারিবার চেটা করিরাছেন। **कार्य श्रद्धांत्र क** इत्यम भाग अके बाका ही जाका । करिया अप्रत्मभम (गएकरे मण्यातक निविद्याद्या " किन्न (कर्वे (र क्षणाय करिएक मा अक्रम " श्वाध्यव्यक्ष भक्ताक्रम क्रिक अक्रम् हे ৰাক্য প্রয়োগে তাহার কি অধিকাব আছে? "বচনে হুই একটা দেব ব্যবহার কবিয়াছেন ৯ गरा, जानमात अज्ञान वाका शर्याकान किन । " न्नाहे विकासिक विकास निक्र विकास किन नाहि। अ

क्रान, जीही ध्ववन कतिया (र नकन सानक) अधिकांत नाहे । आवता श्रीकांत कति । क्रिक् পরিলভাবিক পার নাই, ভাগারাও সংস্থাম, আমানিগের জ্বিজাসা এই, পদের প্রসিদার্থ পরি छ। ११ कविया व्यवधा व्यव प्रशिक्षात खाँकात कि অধিকার আছে ? তিনি ত আমানিগের মত ''কুড়াতঃকরণ মনন, তিনি ত এমন অভয় चाहत्रन कतिएछ भारत्म मा, (य. चर्च न्मू हारक (कांन (नण्णांतरक्त्र) कांक्रनिक वर्शनात (क्क्र निर्फान करवन। डिनि छ माध्यभएक काहात हाव मर्भन करतन ना । अमन माधु ताकि इहेबांट व्ययथा वर्ष परोहेराव व्यक्तिकात काबात शाहे-लिय ? এकि डीहान्न मन्नामकीन्न भरमत व्यक्तिनान्न ? ना मस्मारखन व्यक्तितात ? " लाएक " अहे পদেৰ অৰ্থ অধিকাংশ লোক বা সাধারণ লোক না করিরা কিলপে ডিনি ''কেট্ট এই 🗝 ফরিলেন ? লোকের এইরূপ অর্থ করাতে **ভা**হার সরলভা কি কুটেলভার পরিচয় পাওয়া ষাই-**. ७ (७),** (मारक्रे छाशत विठात करून। अथवा তিনি অস খীকাব করুন

আপনি আপনাৰ সংস্থায়াসুদ্ধপ কথা লিখি यारहन, ভाराए जिनि (कन এड क्रष्टे स्रेर्सन ? जिन निष्म छ लिथियादम (य, कान व्यक्ति निस्न সংকাৰাসুৱাপ কাৰ্য। করাতে ভাঙুশ দোষী इग्न ना, फरव फिनि ज्याननात छेपव अफ लाया-বোপ ক্ৰিতে ৰাকুল হ্ইয়াছেন কেন ? এ জাবার কোন সংস্কারের কার্য্য ১ এইরূপ कार्य है कि डाँगाव "चलात्वत अ भएनत मझड कार्या भ व्याध कविशार इस ?

अष्ट दिनन (शिक्ट दिन) १२ श्रीत ७ व लाध्य (चारम (य क्युंकी व्यात्मय हुउ। कारह काटा · बराव शक'ड छेण्ड्रहे, सा । हेडाट'ड कि मण्याहक ग धेरे रहे जिन २ छोल छिनि वजून (पश्चि । अकल मक्यादकर कि मक्यानक न मक्या (सथारे क (नर्ग ? नक्स (नाक्षेत्र कि (माक ? नक्स (साबहे कि नमान्य २ व्यक्तिहरू दि दि विकास वर्षेत्र, अस्म ,লাক জাত বিবলাক না ?

विरोध भवारियान्त्रेय कलक्षाति ज्ञानानाता र्वेश मध्य छ। या हा हैशा नकत्वाई श्रीकात करत्र ও ভাত रा, के हा दिए के नकट्टा है नांध वाब क्षतान क'ता अ ने प्रत्या प्रा शक्क, डीहा मिर्जात গত্তাও দেই সফল গুণের অপলাপ করিছে : সাহসীক্ষ্রি না। এড়েকেশন গেলেট সম্পাদক সেই দক্ষ মহং গুণের কভিপর গুণ উল্লেখ करिया भारकत हरक भारत विराध भारत के अक सम डें:६'त वह किंश मारीव्रमी कि ना खादा लाएउड़े বিচাব সরিবেন। গাঁছার লেখার ভলী ও কৌলল কি চমংকার, উচ্চাব সাহসও কম নয়। আপনি

क्रितिन । २ (माध्य वाच लाठे क्वर्ग । जाननाव, स्टब्स किया ह

काशत (मार्यारक्षच कदा व्यवशाम कि ना ० प्रश व्यव क्ट्रेस वर्ष्ट्र स्मार्थिय स्मार्थितः ये मः कन्त्रः (प्रदेशिय होका व्यवनाय किया । दूशा कष्ट र । माय भागन कविएक क्रिक्ट पर क्रेग्रा ५ खा बा कर महेटल इश्चिकाञ्चःकत्रर । व्यदनः व नारस्य ग करा मन्नाहकष्टिश्व के इंड कि मा १ मन भटा है অয়েগ্যকে বঁহারা অভিনয়ন শত্র এলার क्रान्त्र डॉम्ब्रा अहे खाद उत्तव लोक वि नी । वर् लारिक्न (मोब म्यन कविष्ठा क्षर'य करत्र अपन লোক অভি বিবল কি না ? যেখানে দোষ প্রদ र्भन करिएन উপकार महायन। आहर, मिर्चास লোম প্রদর্শন উচিত কি না > সম্পাদক মহালয়। जाशनि मायधान बहै (यन (यन " ध ग क्रक ना इब्र ভাষা হইলে (এক জন ও পথ পান নাই) জাপ निष्ण भथ भारेत्वन ना । किमिर्किमाण । ६ हे सम्बन 1 **本7.1 5**名 34901 जा छ। छ। वन्।

रमदिरम्य 'अये' मात्रम कहा।

মহাশয় ' শুনিতেভি, অ গ্রমী এপ্রেল মাগে সভাবিনিল বীডন পদভাগ বরিষেক, ইহাতে ভাঁছার নিবট আত্মীয় ভিল বেত্ই জাভাতু চুই-বেন এরূপ বৌধ হয় না। সাইসাধানকে^{নিন}এক একার থিব ভানিয়াছেন, ভানাবপৰ ত্রেসাংখের বেলবিভিয়বে র'জন্ব কলিবেন। কিন্তু একটি **अक्रकत्र (न्यट्य**त्र काटकाजन रहेन्।श्वन्त (माधा-८७ ছि। चाउश्यत काव ६कान नि.व. महान जरन-(अत् त्व की नकी भवर्तत इन देश व । वाद छ जिल्हें পৰ হৈ হন, তাহা নিতাত বৃদ্ধান বলা বার মা। ভাষ্যর করেণ এই, উাষারা কেবল ক্ষিন্দভার

জিনি রাজা ভীমসিল্ছের মনায় " মলা কাঁপেবে | কিন্তু বালককাল অববি এদেশে থাকিয়া হাঁছারা | প্রমাণ কাগজে প্রদশন করিছে পারিলে যথেষ্ট পড়িয়া ইতিকপ্তৰাত্ত বিষ্ণুত মইয়া পড়েন 🖈 নিজেঞ মহয়াখান। ইউরোপে কার্যোর এ বরুদ नाई, अदर , यमन " कृष्णकृषा तीव वसमानन व दाहि । अध्वतक मन्न वर्ष, कि ह अधारन छाई। स्हैग्ना ভোয়:বল দ'ড়োয় ৯ ডি'ন ডেখন দ'ড়োন নাহ, ∤ থাকে। দিজীয়ভঃ সিবি:লয়ানগণএখানে ধাৰিয়া किश्र ' अल्लामहरूत भर्तन राष्ट्रम । अशिष्टीया 🗻 । अञ्चलकोत्र नागात्रनमञ्ज अवस्थकात व्यवाहा कवि वक्षा कांद्रवाय क्षत्रा एक को भग ७ गांहर कांत्रप्ता । एक अक्षण करदम देश्वरक भी कृष्णि हा स्ट्रेस সম্প্রসর্ভ চট্যা দ্রামুম্ন ইইয়াছেন এবং । ইছাবা কিছুভেই গাল্ডোপান করেন্না। ছভিজের আপনি সম্পাদক হয়ে যে উপনেশ প্ৰাভিপালন সমগে এত ভম হইয়াছে, সেই এম নিব্ৰান এত कांत्र अर्पायम नार्थ कम, अन्यामकरण मिर्द केंप आर्य हु इड्रेगाएड उपानि मह मिनिस केंद्रम ठान নেল দেও কুটিত চন নাই। সম্পানকেরা ক্রিব ' নাব লোব স্থীকার কবিতে প্রস্তুত নাচন, কেবল हिटा का उर्राप्त (क्ष्रुवारमञ्जाभग्र काभग्र नार्या), हेर्ज्य ध्वाल्याल प्रहेश्वारत दिल्हा कि न प्याच গাল্পারে সহিত প্রয়োধন স্থাবিষয়ের বিচার স্মর্গন করিছে যাধ্বান হইয়ালেন। ভিনি হে প্রোনীর অন্তর্গত, হাঁহাবা এদেশের যত উপকারী बिकार करिया দেখুন, । ত.ল গেইরাপ বিচার কবি। হউন না কেন, এখানকার সাইসাধারনের নিকটে প্রামর্শ লওয়া অপনাম জ্ঞান কারন। বঙ্গুদেশ थार। इंडेक, वायवा क्रिकामा कति, क्रकावन ' धन, विष्ता ও वृद्धित ভावण्डरार्धेत्र मर्माश्रधान অংশ। এখানকাৰ সাধাৰণ মত অভিনয় প্ৰবল। ব্যুদার ড'বতবন্ধ স্থেদেশের সাধারণ মতে চা-লিত হটতেছেন াসবিলিয়ান শাসনকর্ গণ ইহা खानएउएम, उथानि देशीत खानाएनेव (ह्रेशिस जाट्डन । (म मिवम का गर्वा जाम्हर्र) विक स्हेशा शार्व कविशाहि, व वेबान (ल क्षेत्र है भराव बर्सन मात्रिक लिए व नवा वन्द्रत्वय भागन काल हता। प्रिवितिश्वाम भागनकर्क् शर्वत कार्या धन'नीव मुक्त गढ जा जाएक । जानागर विकस्मीत সমনে বিচারপভিব নিজ সংস্কাব যে প্রকাব হাটক मा (क्म. जिम अमारा या का क्रम मा (क्म. यनि अन्तायकारी काथन यह रखान द्राधियात स्रवा श्रमान (नमः, जनसूत्रात्व मास्त्रा भारतमः । वनीत कात. गांकी कात गरतह कानिए-তথানি বিচারপতি নিজ সংস্থা-व'स्नाद्य कोळ कविटल अवर्थ बरहम। भिविति-য়ান শাসনকর্তাবা ভাবেন ঘটি কাগতে উহিলা आप्रतानित्रव जासभी जिंद महाब्रेडा कविटक भारतम, छारा इरेश बाद काम हिंखा मारे! এক্তানে মানীজন হইয়া সহত্র সহত্র লোক প্রাণ মীমাংসা করা হয়, সর্বায় ভারতবর্ষের ভাষা काश कविस, अर्घभाशात्र । ही श्लाव कन्नितनन, গিবিলিয়ান শাসনকরে। এক বছৎ পুত্তক মুমিড क रेशा व नि: छ अक्र निनित्र नि श्रिया श्रामन करि त्मन भी ए न मबर्ध क्रियनश्रुक दिर्भाष्टे करिए वला इम्रा (१३ विट्नाजिल्यमाद्व निवित्त मकत নিপোট কবেন, তদনুদারে এক সভা হয়, গাঁহারা তাব এক বিপোট করেন। এই সময় মণো পীড়া भाक्ष इहेल । छुछताः भाजमक्टी अधितन व्यानमात वादकर्ड ममध्य इहेल । अस्तिवाद कर्या. প্ৰেক্ত মছে। শে বয়াসে সি,ব জানেগৰ , পপ্টৰ ট । চাবিৎৰ মিনিট লিখিতে যে এত ভালবাদেন

ক্ষান করেন। উৎকলে এড লেকে প্রাণড্যাগ कविन, श्रष्ठाम हो।क मानुष्टाह मुस्यामणाज **छोहा ज्यनगढ १३८मन, उधानि कमिनन (नव-**, नमा ७ व्यविविद्धेदाङ दिल्लाहे किल्लिन व इर्किक गाई, इंश अपनीत कारणा नव निनित्त ৰীউন আত্মসম্পন কৰিছে চাংনে তেবে ভিনি कि सन। कोटइन ? कम्प्रधाविशन प्राप्ताथ इस्टेल कि कमा छेनाव माहे ? এই मृहाएख (कर ল দ্ব সিদিল বীড়নেৰ নত্তে সি বলিয়ানু এবণা মাত্রের অম প্রকাশ কবিভেছে। ভাঁহারা कथन क जम जाज करिंद्र भारित्य ना । हित-वान अउरम्बीय्रनिश्वत खेनात अञ्च कहिया (मर्य कांन विषया मधकक्का भीनांत करा और मिर्मिय बाहा ब्यू मा । किन्न देशीया यू-বোন না এক জন মাধিটেই এক সমূৰ ও ব্যক্তিকে कुछ करिया भाव भावेएड भारतम । भागमकहात जाहा कतिएन स्पष्ट फानिष्ट हता मिदिलियान मिरान এই দোৰ का डीज कात 🦛 দোৰ আছে. হাঁছার। চিংড়ি মংগ্রের ন।য় পর্পরিকে অবল-बन ७ भवरभटिक (मोष भागन करहन। बन्नम्भ সেটী করিবার সময় জাতীত চইয়াছে। একনে क्टिश मारक्रवत माम मामिरकेष्टरक अन्य दे थ अक क्षकाव जागायन मण्डल भेडम म्लन कद' इर। দিবি লিয়ানদিগেব আৰু এক দোষ বাহাৰা কতক छति कुनश्यादिविभिष्ठे। माभनकर्दी इदेशा छाहा छ। ज क ब्रिट्ड भारत्व मा। এই जक्त कार्राभ वक्राल्ट ना मामनकर्ख कि देशक द हेर्ड प्रानयन করা কর্ত্তব্য : প্রশাস্ত অন্তঃকরণ বল্পনে त्मव मानम कंदरे।त श्रद्धांक्य । निविनिष्ठादमक्री এছবীর লাপ্রণ মাত্র, সহত্র বৃদ্ধি থাকিলেও (बचारम कार्लाक (प्रम. (प्रहे चामहे पित्रकुछ হয়, আর ডিন দিক অক্ষ গ্রেম্ম থাকে। শাসন ব্যবস্থা বিদ্যানিখা বাণিজা প্রভৃতি প্রশ্ন লইয়া वक्रटम्हम मतिषा कार्याकम स्त्र । अयात्म व वार,। अवड क्षत्र स नि.च लेग्नान नाननकर्छ। আরু নিযুক্ত কর। অনংস। আ.ম তা,ও প্রস্তাব नविद्धिक, त्व याहे । बाज्यादिक नार्ष अवादन अक सम चट्स मामनवर्षात्र श्रीकन । (वाषाहेद्य ১,৫० जन क्षार्य द्र दर्गाफ, अवस्मि ৪০০ লক্ষ লোক আর্রন। রাজব, সভাতা, मिका क्षप्रादित विषया छ पुराना स्वामा, किष् विशिष्टित अर्थ कम भूषक भीमनवर्का व मिन्न मुखा ब्लाइम, अधारन अक क्यू दुक्क करुमेला जिवि লিয়ান বংসরের অভিকাশন পর্কতে ব্যিয়া ঘার্ছা क्रम्ब ।

ज्ञानपु : मधुजनात् सम्बद्धारम ब्हार सनम्म हरेश याँग त्वर भष्टत्वानू व अक वश्च फूनित ेशरव छेटिहा व्याभाष्ठकः जीवम अका करत्र. अ्वर छड्नदि म्दाब्राम स्रेश क्रिक्टन जामह মুব্র প্রতীকা কারতে থাকে, এমন সময়ে चमां छर्दा अक्षांम चर्वस्याम धर्मन केतिल ঐ ব্যক্তির মনে যেরপ ওনিবাচন।র জানন্দের क्षित्र इष्ट्र, २० अ व्य विश्वतः । हत्र व्यववीदः वर्ष्ट्रज পর গত অভূতপুর্বা হাতাকা হাত একাইরা ও ধান চাউলের ধাঞার নে।খয়া লোকের মনে সেই **अभ जानर पत्र ,**छेनम् इट्या छ १ । किस छावी ছ্তিকের আগভা ক্রেশ: সেই আন্দেব স্থান वाषकात कि. टिड्ट इ। २। ३ मान भूटती अवास व क्रीका प्रक्षीय का छेटनद यन व अंग्ड बरेया इन। ভন্দৰ্শনে সাধারণের বে কি পর্ব;ত আনন্দ হই-ब्राहिन, छाइ। स्वयंनी धावा राक्ष क्या गातना। বোধ ক্ইল এত দি,নর পর দরিম্নিরের উপর লগৰীধরেন স্থূলাঞ্চি শতিত হহয়াছে, ভাহাদি-श्रित्र क्षान्त विशादक करतेत्र हत्रमकान छैन्। इन्त्र । स्रेवारक। किन्न अकरन तारे ज्यूबानरक अव विनिष्ठा (वा । वहे:जर्ह । 'क्रमनः हाउँ त्मा पूना -वृद्धि ब्हेश्रा अकटन क्षांग्र आ॰ ठोका वन मासाई-मारह। क्रमनः त कांत्र वृद्धि क्रेटन छ।इ। ७ विनाकन त्यां प्रहेटब्टड । स्मीत्र ठाउँत्मत ৰ'লাব ও এইরূপ । আবার বালামের বিষয় শুসুন। আমরা ছই জন বজুতে সংশ্ৰভি এক দিন আৰে দৰ্শন •ক সোন, লাভ এগ বোরণ মানস अञ्चल तामगुद्धत ग्राम भाषा निमित्र वालाम कांचेन अप कांब्रास्त शिया स्थानाम, बाकाकारन (ब हाछिल ०,० होका मन विकी उ स्हेब्राहरू. प्यन अरद्भ कार द मृत्रा ४ होका भी जाडेग्राहर । अज्ञान मुला दृष्टित कांत्रन किकामा कर्वाएक लाकानगत्र क हैन, " बर्ब्य । ज्यान उडेबाब व नेयायान बहेटक व्यक्तिरङ्कि । हाँ छैटलय वं स्रोत (वज्रा) (क्षिम्ना काहेनाव, अथम ७ º ८ छे'को मन भाहे ख्डिंब २। ६ हिन थ'कून, लिखिट गाहेदन। » काविनाम अवाद क्षित्क स्टेटन बर्धर गृहारक मर्गन कविटल क्हेर्टन। कि किन, मा क्हेरन महा। ১। ৪ বিন শরীরের শোনিত শুক্ত করিয়া এবং निद्वाद्वस्मात अगरः सञ्जना कृतवः स्थान कतिप्रा वस् अविक्षाम महकादव काका खेला किन वहें माहित ভবিনিময়ে ১০ সের মাত্রে চাউল লইবাই সভাই हिएस श्रं अकाश्यम कर्तिए रहेता। जामानि रात्र मांत्र व्यवद्वांनम् व्यक्तिप्रदेशव नदकः व देश श्कित्रण कष्टेकत्र छाता महत्त्व व्यक्तिमाद्व हे जना-রালে ক্ষরকম করিতে পারিবেন। তবে অভ্যান हेब्रास् विनिन्नो अकृत्य एक को वहेर्छ। इ.स. ाच मारत छ अहे। अथमक ৮। अ मान चारह।

मिष्या चार्यरक्रे ' व्यापाङ्। शहर शिंहरव নেম দর্শনের ⁹ ন্যায় ভীত হইরাছেন। এই সময়ে ৰাবাকে চাউলের মূল্য আৰু বৃদ্ধি না বৃদ্ধ ভাছি-बर्द्र बहरान इन्द्री गर्कर डाकार्ट कर्ह्टा। भूक्र नरशांत्र निविष्ठ कवित्रन निरम्राश व्यक्त व्यक्त ভাষার কারণ অনুসন্ধান কবিরা তৎপ্রভিবিধন **छिट्टी कहा कि ऐंडिड मट्ट २ वैद्धित खार्या**क्तिक क्कानमुद्धा रहेए वका कतिवात मिनिश्व कन:-বাত্রার প্রতিবেদ চেটা পাইয়া অভূত্রিন প্রজা-स्टिजिक्जित शिरिष्ठत (मन, अहे नकन एक्ट उन विषय कि डीइमिटशेव मानावादात वाम मर्ग २ अछमात्रा (य शक्त कछ हुत जी दृष्टि रहेन्रा शास्त्र, छाहा छै:ज़िशान निरम अक बाव हिकिला छ कविटनई विमक्तन प्रमुख्य हहेट्य । प्राय उँ। हात्रा यनि बाखविक श्रकांव कन्यानाथौँ इहेत्रा जानिया प'एइन, बाह्मएड जानामिगरक शूनवाय शांतन व्यवकाने शक्ति हरेक ना ऋत, छाहा

কোদালিয়া। २१ अ साम्याति। 3421

ক্ৰ্যাচৎ **দুজ্ঞানো**

আবিসিমিয়। ও ভারতবর্ষ। মহাশর ব্যাহ্রতি একটা ইউরোপীয় টেলি कतियाद्यम यनि ब्रह्मिर ब्रह्मिन कर्मन निर्मात ভাश बहरम उथाय देनमा ध्यान कतिराम नाफ क्षांनद्वांत्रम कावित्रिनियात बाधारक मध मिएं खेर) ठ इहेग्र'रहन, कि ह कि श्रकारत अका- कि हिया अ कथा (यन ना चरनना र्वाणि मन्भात इत्रेश्व ? असना क्षांब उपरांक वारि बाख इक्ट्रेड इक्ट्रेंट कि ना । यनि जान क्य, काषना विकास कविएक भारत, रोका थिए-(ডারের সহিত বৈবালে ভারতবর্ষের জি সাপর্ক कारक २ भाकेकवर्ग (वार क्यू कार्यक वाका थि व वश्यव हर्न, वाका विक्टांव रेश्नट छचड़ीरक এক পত্ৰ লিখিয়া ভাঁহাকে বিবাদ করিবা প্রস্তাব কৰেন । এই প্রের কে'ন প্রস্তার। (म छत्रा इत संह । यद हेरताकी नश्वानभटत ' রাজার নিক্ষা ও ওঁছোর প্রকি বিশ্ব প্রকর্নিত स्या तारे चारकारन चित्रमात देश्नास यजन ७ आव करबड़ अनरक कोवांक्रक करतन । जिने अकः भन्न त्य भन्न त्थलन वर्त्वन, लाज इर्जल / मुल्यानक्शन त्यन चारिनकः नक्शारत एक नव उन्हों व पूच्य काम कृतिया कान बाङ्गाउँव एक | बोका बास्क के तेष्ठा स्थादकर प्रत्य जिन् १८न गत्र

देशत भारत कि स्टेटन बना बाब मा। এই अमल मारे। तारे जायनि जातक क्रिकी स्टेटजाहर, किसी। विकृत्यहे विकाश मुक क्टेरब्रह्म ना। विक-ডোরেব ক্রোধ লাভ রদেলের নির্ম্ব ছিডা নিব-बन रहेग्राहा । अविवाह क्वन हैश्न छोत्र भवर्न-(मर्। छेत्र मिर्ड स्ट्रेर्डिस, क्राइक क्रम देश्ताक र्यान्तक मूळ कवाई विवादनत मूथा छैटमना । বাণিজা অধবা অন্য কোন জাতিসাধারণ স্বার্থ मधकीय नाइ । अवल खबकाय कावकार বিবাবে আকর্ষণ কবিল্লা করেক শক্ত ভারতবরীল্ল रेम्रान,व क्षांन श्र कर्याक लक्ष छाद्रखबर्योग्न होका নই কৰা যুক্তি ও গছনীতি সমত কি না? याम । अ श्रेष्ठारित न्मष्टे श्रेष्ठियान कविर्द्धि। खात्र उवर्व हेश्न ८ ७ व क्वी न स्थान मा मा स्थाप वाहि। हेरलट छत्र आवमान इहेटल छाइ छवरीत क्रमा-मिश्रास पुरुष (अतुन कत्रांश **जनक** नर्र) कि সে বিশেষ স্থান হটতে পারে মাত্র। ইউরোপীয় कान हारकात महेक युक्त ६३८० अरहरणत भौक व्यथदा ७७था देवना ध्येत्रग कतिबात वाथा नाहै। किञ्च व्यविनिनिद्यात्र कि श्रीवन व्याटह ? स्व विवास (कवल है:लट्छत चार्थ खरान्न प्राथापि-গের অবিধয় বরান অবশাই অভ্যাচার হই-তেছে। वाहोद्रा नरमन **हे नर**छत् ७ छात्र हर्र्स् यार् अकृतिक अञ्जब हे न्तर ७ इ. ११ . त कार्रक ভাৰতবৰ্ণ সাহায, করিতে হুইবে। ভাষ্য डीशामिशन्क में कथा कान'ए'ना मिनिशन्क জিঞাসা কবিতে বলিতেই, অখ্য এ পর্যাস্ত यामानिरात गानमधनानी जानाकात वर्षक ওয়েনার অংবিদি নিয়াণ রাজাকে প্রামর্শ নিয়া। খানীনভাও ধরণ কবে নাই। শীক বৈনিককে हैश्वाक करमितिगटक मुक्त करिएक मा भारतम । यथान त्रथान भार्महेवाव कथा वाह'ता दरनम ভাঁহাদিনকৈ আষর। বলৈতেরি পূর্বো ভারত-वर्षीय्रानिगरक अ'हेरिमन्द्रियन नाष्ट्र खन्न अभाग ना

<u>چ</u>.

हान्न'व हि.क्रिगालाम अहस्या ह বিলি সাহেবের অ চবে।

बदान्य । एर महन क्षकानः कार्यत्रावय मार्गा-खादरद्र महिछ विवादम्य कावन कि ? श्राय छिम | वर्तन छेप ए। व म'ननाव का पिछ व्हेत्र'ट्र एशांत्र र्वास्त्रिष्ठक दर्भागविधन च च कर्रवा क्षेत्र कांग्र महमादारका मण्यान्य कांत्रस्य व्यक्ति कर्यम, जाहा इहेर्न वे नकन कांकातम न जालक स्टामम गर्भव प्रकारमार्था विकास सरेशा गांत्र अरु লোকের শোহনীয় অবস্থা নয়নপথে প্রভিত্ত इहेर्ड बार्क । अंडब स म प्रतिका अपूर्ण जन यद्रावन्न अधान देशांत्र मश्वानश्व । मश्वानश्व

नीत इत्त्रम, (जयम चार्य क्रिक्ट इंग्र मा । फर्मा (य केटलाटन अबे विसरवात अनम क.वट इ वाथ, रहेनाम खांका निष्म निर्वतन कार्यकान, अञ्चल श्रीक कर्वभाख करून।

চাদনীর চিকিংসালয় যে কিরুপ প্রনিধ স্থান ও তথ্য বিখ্যাত ভাক্তৰ বেলি সাহেব খীয় प्रश्ना । क्रुडिकिस्तात छर्न (व क्रियन गर्न वी इव मार्डिन, खोड़ा महान्यु ७ महान्युत शाहेकदर्शव व्यविभित्र माई। किन्न प्रश्चन कथा कि वासिव न এমত উৎকৃষ্ট স্থানেও এক উদ্ধৃত ও ও বিবেচক बाख्ति यात्र कांब्रट्डट्डन ! किड़ निम स्केन, निया-बन्द्रम भूरवाभावतीय नामक अक काकि कर्नव শীভায় কাত্র মইয়া আবোগলোভের প্রভা-चान होन्दीद हिकिश्मालस्य भ्रमन कविया हत्वन । ভথায় প্রধনতঃ দয়ার ও বিজ্ঞ ডাব্রুয় বেলি সাহের ব্যাহর সভিত ভাঁছার বেশি পরীক্ষা করেন अबर प्रस्काती कन्द्रशाबी स्वत शहे ध्य गारश्यक अपन मिट्ड बर्मन । भन मिन्न निवादन वायु नीइ'त्र किथिए डेन्सम (वाश करिया पुन्ताप केल हिरिश्मान्यम् श्रमम करत्न। श्रुक्त भिन ए अवट्रा (ज्वनदाक en विका, यथन ज्यानक (क्षाजी बाब) एबाय छेन के इंदेर जिल्ला, এদিনেও সেই সময়ে উপস্থিত হয়েন। কি: ছুৰ্মানা বৃশ্ভঃ বেলি সাহেৰ অনুপাঞ্ড क्रिलन, अवर इक्टिद्राणीय कष्पकाविमारशय मार्यः (करम कि.न गार्व उरमारम जाउ देश उ जनि म्बू क कारत दाशी किशरक किशर बिराइटनम । मिश রধ বাবু উচ্চার পাঁড়ার অবস্তা রিলি সাংহ্রের निक्रे वर्गन क ब्रेट्ड डेबाड इट्ट्रेस ब्रिस गार्ट्ड अद्यवद्वि द्यांश महकाद्व कर्कन ও प्रमाक्त श्राद्वान क्षित्र। डीहाँक डेबन हिए जनचड रून, कुछतार छिनि खेरर ना शाहेत्र। विकासाद ৰাসীতে প্ৰভাগানৰ করেন। হাঁহ'ব প্ৰতি সাহে-ब्बह किन इर्वाव (इड्र এर् ल, लिन चनहारू 🗯 रन छेपन्छ इहेग्राहिरनन, मार्ट्स मगरह क्षरा मन्नामन किंद्रिक व्यक्तिका करतम । त जक्क प्रनीकः श्राप्तां कर्ता हरू, जाहा १४ है আছুরারির হিন্দুপেটি বুটের ক্রোড়পত্রে প্রকা-निष ब्हेब्राट्ड । छाश भारे कदिता विलि मारह-বেৰ অভাব ও ওলের ভর্নি কথম বিশী ভি जानरत्र निमय इस्ताः ' उँश्वात न। स्वात्रभत्रका ख আচরণেব ফুদ্দৰ পরিচয় গাওয়া বায়। রোগীদি গের অাবোগালাভ দুরে থাকুক, ভাষার। ভাষ্রে निक्षे गोर्टेए हैका करा ना। छारात चलाव এখন সার্বিড ও উঞ্চ. যে তিনি এতদ্বেশীয় पाखिमिन्दिक होन स्पानित नहां स्थान कविहा ক্ষমণ ব বহার করেন। একলে উক্ত বৃদ্ধিনান।

र्दिश थ दर्दन किक्टिक करमुक्की क्षेत्र करिएक। इ. তি.নি তছত্তর প্রদান কবিয়া সাধারণ সমক্ষে यभाग ममभग करून। होत्रभीत हिक्शिताहरू ांव कान महत्व वस ब्ह्या शास्त्र ? विकि मारहर त्य अभशाद्ध ध्वक्षका मुख्यान कहिएछ | ইফা করেন না, ডাহা নিবারণ বাবু কি প্রকারে : बार्बर्व ? यह प्रिन क्षकान, विकालन हात्र ক্ষণা'ক কালীন নিৰূপিত সময়েয় পাইবর্ডনের विषय ग वंगारा । त्वांत्र (शांध्य क्या वा स्ट्रेटर, खल्ड निन बादक कि अकारत आनिएक भ्रांतरक यथन देवकारम छेला देख इहेबात निरंपत इहेरब, एथन कि कह उरममात किकिस्मालाय भवन हिंख, बद्दांफ किटी, बनिकड़ त, तारे, व है। ज्य क वर्ष ? मार्ट्य कर्ष्ट्या मुल्लावय कांत्रएड व मह्, उज्जमा क जारी हरेएउटह ? वांशी ব-জির। কি হইডেডে ? বত দিন চাদনীর চিকিৎ गानाप्रत कर्जुनम श्रकाना निव्नव बाह्य देवकारनत क्ष व रू का कित्रिका, एक विस क्षित्र शाहर क (नई मनदार कार्यः) अनिका या अनवशानछ। প্রদর্শন কণিতে পারেন ?

भण्यानक बहानग्रः " अप्र वा इहेरन अरप्रव ব,বহাৰ বুৰিডে প'ৱে না " এইটা সিদ্ধ থাক।। নিবাবণচন্দ্র মুখোপাধায় অভি ভয়, শিষ্ট ও नाम्राम् राक्षि । जिनि कुष्या श्वरम दिले সাহেবের চিকিৎসা ও **অনুপথ দল্লা স্থীকার করি** प्र इ.स. किन्न विकि मार्ट्स्ट्र महावहाई ! ! গাঁহার চিবস্মরণীর থাকিবে। অতএব যে স্থলে वक सन छेक्ड देउदानीस्त्रत वादहात अक्षी প্রানির চিকিৎসালয়ের উপর কলত আনহর ভরি তেছে ও ভশু नक লোকের উপকার না इहेग्रा ব্যুৎ অপকার হুইবার সম্ভাবনা হুইতেছে, সেম্বলে गरवामभद्र मण्यामकन्नरान्त्र छोषः वृद्धि षाछि जावनाक ।

ভবানীপুর। यम्बर । ३ वा काइन। अव्यायनाम ब्रुट्याभाषात्र 1 0956

युगा धारि।

अध्य वाद् वृत्रायमध्य वात्र मान्द्रामदानि ১२५७ काञ्चन स्टेएक १८ जाव ম চক্রমোহন শব্দ রার চৌধুরী क्छीनमः शुक्र देशी ১৮ ७१ काञ्च्याति रहेए जिरमपत 7.0 " ছুৰ্গাচৰণ চোধু বী नडाहेत ১২৭৩ কান্তন হইতে ৭৪ আবণ আহত বাসভার দুল সন্পাদক বাধরগঞ ১২१७ बांच इंहरफ १८ (कीय 30

मितू है " (कम ज़राध प्रख

(मामश्रकाणमः कान करत्रकें ने 🎏 विट्यं नियम।

ভাত্রিম ঘূল্য ও ভাক মাজুল না পাইলে মধ-चटन भाष्यकान क्षान कवा वास ना।

इंह'त क्रांत्रम मूला वार्षिक ३० अवर वान्।।-त्रिक el: • है कि।, यक्षरत फाक्रवाक्रम नरबंक वार्विक ১৩, बान्यात्रिक १ अदर देशमात्रिक ७५०, जिन बार्मन सुर्म अधिम मृत्रा मञ्जूष योग ना । छिकित, देशांत जन । छत्र वाशां छ वाशांत छिविषा হয়, তিনি সেই উপায় ছারা মূল্য প্রেরণ করি (दन।

वाहान्ना क्षाञ्जनिके भाष्ट्रीवेदवन, की হারা বেন এক অথবা আধ আনার অধিক मुलाय ও क्रमीरमञ हिकिन श्रिक्त न। करबन ।

यथन विनिधनपत स्टेडि लोमधनात्वर भूमा भारतिहरूवन, जाहा त्यन त्वांकाङ्गेति कतिया क्षिपुक्क विदेशकामाथ विद्यापुष्य एवं नाम लाजे हैं है।

व"।वामिट्रान मूना निवान नमप्र अफोड १रेप्रा | जानित्व, अक मान शूर्ता काशिमातक किंग्री लिबिया स्नानान बाहेर्त, काम अजीख श्रेप्रः त्मात्व अकवात किंद्री लाबा स्ट्रेस. छारात गत এक भानकान आडीका कतिहा कानाम दब करा ষাইবে। শেষ বারের শত্র বেরারিক পাঠান रहेरव ।

খাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেস্মের ডাক বরে চিট্টি আইলে আমবা দীত্র পাইব।

बीहाना बाक्रम ना निया भजानि (श्रम्भ करि त्वन, रीक्षहित्तम् ताहे भजामि अपन पत्रा बारे दि वा ।

क्ट्र लावश्रकार्य विकाशन किएव देखा করিলে ভাঁষাকে প্রথম জিমবার প্রতিপংক্তি 🗸 -जाना छारात शत /> जाना मिट्ड सर्दर । विनि अधिककाल विकासन प्रिवास हैंक। कतिरवस তাহার সহিত পভন্ন বন্দেগুরুক ইইবে।

এই পত্রী কলিকাভার মন্দিণ পূর্না মাডলা রেলওরের সোনাপুর ষ্টেশনের যক্ষিণ চাকড়ি-शाखात्र **शिक्षक बाह्यकानाय विद्यापुर्यात**त्रं, विकास क्षेत्र मामकारा क्षांक्रकारम क्षकानिक 第1

化对甲 化 &

३० मध्या ।

अवर्णनां प्रक्रतिविताव पार्थिवः सरस्ति। श्रामकती न कीवर्ता। "

भागिक पूर्वा ३ ग्रीका, पाक्षित्र वार्षिक ३० हे जल ३३,५७% 58 क्षाका , काश्रिय बान्। ज़िक स्त्र के किया।

গ্রদার । ২৫এ কেব্রুয়ার

মক্তবে মাক্তলসংখত অঞ্জিম বাৰ্থিক ১৩-होका यान्।।तिक १, ७ देख्यांतिक ७५०

विकाशन। নিউ এপবিকারিস হল।

आवता विमाख इटेंट्ड छैश्कृष्ट खेवश नकन मुक्त जाताहेग्राहि अवर भन्नीबारमह किट्नानांत क्षकृष्टित सुविधात कता वर्गम मूट्नी बाकाद्यत অতি কৰ দৱে বিক্রয় করিতেটি। মঞ্চন্দ হইতে ! क्षेत्रपत कर्क ७ जाहाय मूना चलक हमाहै, एकी हा बढ़ाकी किंद्रि शाहाहरण जानवा क्रेक्स जारि जबत भार्तिहरू भाति। वेयस्य पूर्वा वैविदा कानित्य हार्ट्न, जामना डाक्टबार्टन डींब्रिक्टिंगन निक्रे जानिका भागाईव '

भात किंगरी (कार 1 बह्बाबात्र की है मर ७३ वाही।

> ------रस्मरहिषा ।

कृत्यक हैक्य हीका ७ वांत्रांना प्रश्नीय সহিত্ত, সংক্ষা কালেজের স্মৃত্তি পালাধাপক क्षित्रक व्यवकारक भिरतायनि कर्वृत्र गरामेथिए। ঠনঠনিয়া গংকুত পুঞ্জালয়ে বিজয়ার্থ আছে मुना ७ इत्र होना ।

खिष्ड्माच नार्त्रभक्षांवम ।

(त्रम क्रांत कर्ते। हेमात्र श्रेष्ट्रिक विकाशन

করা বাইতেছে, বে জেলা বীরত্ত্রের অভর্গত (एउम्बुरबर मार्चामकी रहें। गरकांच क्रामिश्रू मान्क कर्नाम शान कार्व बिल क्रणन गुर मामार्व ३৮७१ माल्बह्न ३३ हे बार्ड फात्रिय ें भागवान दिवरन नीमांत्र कृता वाहेरव।

२० हेकि व्यक्ति असिवादका विवासकानिक के - क्षित्र शाक्षात प्रका सार्वेश, व्यवेश साम्रक्त व्हेरक्ट्रेंड् (इनक्ट्र जीनक कि वान् का कि कारिय कार्ड के कार्ट प्रसिद्ध गाँउ।

अभिनेत्रकारका प्रविधात क्या ३२ के प्रव कार बार क्षित्र व्यक्त विक्रंप करा गरित । कहा गरिक व्यवस वशरकतीय मान करा गर्

श्रीकार मीटि गर्फ ७६० विया समन जारह, নিবাস সার্গ ইইবাসায়ে প্রডেকে ধরিদগাবের ভাকের মুল্যের উপর শভকরা ২৫ পঁচিশ টাকা হিসাবে আধানত করিতে হইবে, আর মূলের वाकी होका मिनार्थंद्र छात्रिच इंदेरक ७ मारत्र गर्था गांधिम कहिरम जाधामिक होका छंच क्ट्रेटव ।

थित्रिमात् (माक्टक न्भाई वृक्षिएक इक्ट्रेंट (व निमारमञ्जानियं रहेट्ड ७ मारमन मरशा अनुमान জুন্ন কাটিয়া শুলিখির করিতে হইবে, ভাষা মা করিলে উজ মিন্নাদ গতে অযুশিষ্ট বে রুকারি थेक्टिन, फार। नावामरकत्र (हेटहेत्र वस भना रदेवा हानि निमान पर्देट भादितः।

सिम्बर्स करें किया । व कार्यन महाक्रम क जना जना वाक्षित्रगटक जाञ्चान कहा चाह-क्ट्रिंट र्व व्यद्भ व्हेर्फ काँहावा अन्त पृष्टे कतिहा অবিকল্প বে কোর্ড্রকথার সংবাদ সওয়া আব-मारू रुव, **व्य**नांत **जीनुक्त कार्**नहेव मार्ट्य व्यथ्य नित्त्रत योक्तकाती वाक्रिय निक्टी निधिरम श्रांश रहेर्वन।

মেলা মীঃতুৰ নিউড়ি ध, विकेत निराध ७) व अधियाति (मरनकांश (है) 35.25 (হ'ডমপুর।

रेके रेथियान प्रमध्य ।

विकालन ।

(भी क्षेत्र) व्यर्ग (ब्रह्मानित्र भी केंद्र

বাহা উভমন্ত্ৰে বাক্ৰলৈ হয় मार्चे फारात विषय ।

- এতথারা সর্বাধারণ অনপণকে আত করা बारेट्रकट्ड, दब शांशामी हैं मा बटबन प्रदेशि बीद्रक्त निषिष्ठ छोणात्र भतिवर्जन इहेरवक।

পীদ্ভৱদ্ অৰ্থাং বল্লাইর বিলাতি প্যাক

है कार्र्य बाहरू वेद शक्रित विजीत होरनत चाका वर्गार मनकहा क्षांक बाहरण हैरबाकि वर्षभारे नाशितकः।

अवर (व जकन भीज् ७५५ वर्षाय बंदानि वाहरूख (भारक कहा) व्यर्थार माका इह मोहै, ভাহা ভূতীয় ক্লাদের ভাড়া অর্ধাৎ মনকরা প্রতি মাইলে ইণ্রাফ্রী এক পাইল্লের ডিন অংশের इहे जर्भ नागिद्वक

ৰোড অব একেসি हेंहें हे लियान दिन स्ट्र হাট্য ফলিকাতা ১৮৬৭। ৭ ই কেব্রুরারি

निनिन है क्लान

-:0:-

क्रुक्रांक बजानदात नित्र निश्चिष्ठ प्रवः गकन विक्रवार्थ चार्कः---

- ১ জালবিয়ন রয়াল প্রেন
- ১ वर्ष धरातत काली विवाद विक
- ২ রোলার
- ১ লগুনে প্রস্তুত যত্র ব্যক্তেরজাক্রতি (সম্পূর্ণ)
- ১ बृहर कार्टित इंटरश्रम
- ২৫০ গিলবোড
- ১ বৃহৎ ইপোজিঙক্টোন দ্রেম সহিত
- ৬৫ পাউও ছাপার কালী

वाजना सकता

- > मन (बारे शाहेमात
- 🕶 बे इश्मिन
- १ ये जानभाइका
- ১ अ बद्रकाहेग
- ১ ঐ নানা প্রকার
- गारेस राक कु कियन रेखानि

देश्याकी प्राक्त ।

ণ্ৰোড়াপাইকাজকর (প্রায়মূভন)ইটালিকস্থিত

- ७ जे क्षि à
- जे जिनियत जे
- जे अवभित्रिम, जे

(रड़ताईन अक्ट्रः न्यम्भाईका मधा २ लाइन २ हे মিলিয়ন (बाउँ भारेका (हांसान थे (इति बांटक ১ কোড়া পাইকা আন্টিক ঐ পাতলা अ É Ð (A13) 8 मिट्टेंग के পাতলা è ान, शहल এন ব্ৰিড ২ লাইন মিলিয়ন ইজিপ্সিয়ান 3 मख्याक्रेम'त । तमिनित्र कार व ज्यागवाव। ৪ লোড়া বালগা অফারেব ফেম जे हे खाओ <u>'</u> ১ - প্রস্তুত বাঙ্গলা বেশ ৪ - টী অংশ 8 थान इंटम्लिक्टिक्ट्रिं। **१ लिखि ५** लि। ० (२ छ।) (महात्र (४ छ। ४ हेटा। प्रमः क्रमः । : ৰ দ কল কবিবার পিত্তলের চুঁচি : ং পিত্রের ন**ে**পালি ডফিড়। ২৬ ছন পিত্তবের বল। ॥ अव भ हेश (क्यां दुवे । া এ ছোট পাইকা জ ११० थे कार्टिमन। औ (लड किन्न रित ६ कर्मन्त्र) a अकात कुल विभावात सन्।। ও গাস্ত্ৰত (কাণ। ৩ প্রবার ভেদ। इ १५ कि । 8 वृत्र'ल (इम् । c मण्यूर्व कुलकाम (5A। र । इस केंद्र ६ ः ^ট ভ সিকি **ঐ** शिवः त्वत कल कारिवात वष्ट्र कं कि। भिरमव छेभव सामा श्रकांत्र इक् है। २ वाक बंद्रकाखित कामार्थ। গড়পাৰ বা ইৰ মূজ'পুর) ঞিলান্টাদ বিশাস २ अ माच । ५२००। ু প্রত্যানগরের অধ্যক

সংক্তবত্বের পুত্রালার নিমুগানাখার লেন ১৫ নং বালী হুইতে কর্পত্রালিস ক্রীট ১৭৮ নং সাবেক বালীতে উঠিয়া আর্সিয়াছে। ৭ই মাস ১২৭৬। - জীয় তীচন্দ চট্টোপারাছে

জীক রামক্ষণ বিদ্যালয় দ প্রণীত "প্রস্থাত্তবাদ সমামে একখানি অভিনান সংপ্রতি মুদ্রিত ইইয়া মংকৃত ব্রালয়ের প্রবোলগুল ও শাখারিটোলা মাখনওরালার গুলিতে আয়ক্ত ঠাকুরদাস মাষ্টারের কুলে বিজ্ঞার্থ প্রদা স্বত আছে। ইহাতে প্রায় প্রত্যেক শালের খ্রাংক পতি অর্থাৎ ধাতু প্রভান্ন ন্যাস্থানির উল্লেখ করা ইইয়াছে।

हुना e नाह है। का का वा

गानगण्यू मिता नीनगः कोन्ह विवत् । ১৮৬१ परकत्र ३ मा भार्क एउन्दात (वना ১ होत नमह अक्रटब्स क्यान ।। न तन्त्रहरू मारकिय लजन अवर अभूत्रानि वसक अशेषात विकार पद्मास्त्राहर शकांना निवाद दावा यहना रत ७ निवरात अधर्गक नामगढ़ पूपिया है छि भाकनमारण, नामक अनिष पाछ मूनावान **ৰ হৃবিভূত নীৰ সংক্ৰান্ত ভূমিও ভংগৰ**ৰ সমুদায় জমীলারী, তাজুঞ্চ, গ্রাম, ব্রন্ত বাসী শন্তনি, দরশন্তনি ও কুষ্টিয়া লোভ সংগ্ৰন্ত সমু मात्र फूबि भश्काख विवश्न श्रकामः विमादम वि-ব্রম্ম করিবেন। উজ্জ সম্পত্তি প্রভৃতির জন্যান্য विराम विवत्न कामा घारेरा भारत अवर स क्रिका निष्ठ होन क निकाषा दिक्रिश्न নং ভবনে ঠক্ কুলিস ও মার্যফলত সাহেবের কা কিৰে ভব করিলে অবগন্ত হইতে পারিবেন।

र्वनर्कतिया नरक्ष पृष्णकानः ॥ सर श्रामेष र मर्थामिष नियतिथित पृष्णकविन विक्य स्टेरण्डस्न

| दानीक जीनदेखिशन ऋतिकः | মূল্য ১ টাকা |
|--------------------------|-----------------|
| রোমই/ভিয়াস | 3 * |
| ভূবণদার ব্যাকরণ | l• |
| শতিসার (১ ম ভাগ) | . 41- |
| নীতিসার (২ য় জাগ) | ٠ يا • |
| প্রচারিত। | |
| भूषर्थाम् बरामञ्जन | h • |
| बिधा का वा | र अन्दि। । |

সোন্থকাশ।

ত ৪ ই ফাছন সোমবার। মকবলে করণার নিয়োগ।

ভিন বৎসরের অধিক হইল, আসরা প্রভাব করিয়াছিলাম, রাজধানীর ন্যায় নক্ষতে করণার নিয়োজিভ করা কর্ত্তবার্ মক্ষতে যে নকল শাস্তিত্য হয়, ভারার

माधिकीरामंत्र टाक्क मंद्रवस्ताक स्त्र मा व्यत्म व्यान भागान एक्टनर् भारिक वा नवाहिक रव। या एएन नवींकार्थ **छेरा (अहिक बरेहा थाटक, त्म क्टन**७ উহা এত পচিয়া উঠে বে প্রাক্ত অসুস-साम रक्षाः नजाविक चटर। अरे समा चारनक क्छाकितित ए७ इत ना । পদীআমে সচরাচর দেখিতে পাওয়া यात्र कारात्र व्यापाठ स्टेटन यनि शांद्र গুরুতর পাৰাত জ্বি না থাকে, ডাহা **२हेरन एक वाकिं अवस्थान व्यावज्ञान** क्तिबाट्ड देश नश्माव क्तिया विवास অভিপ্রায়ে শবের গলার দড়ি দিয়া इटक ठोकार्या (मध्यी रहा। श्रीवर अञ्-नकान करतम माज। व्यामानिश्वत शूनि-रात्र प्रमथकात्र श्वन दकान् वाश्वि वा भव-भंड मा चार्ट्स ? हिस्टिश्तरकत्रा यति य (थाहिक ममस्य भारीका कतिएक भाग, षर्मक ष्राण शक्रुठ कात्रानंत देन्द्राहेन स्ट्रेट शास्त्र वर्षे, किंद्य सक्त्रतन ज्ञान কাৰ্য্য প্ৰশাসী না পাকাতে আইন অসু-गादि जन्मकान एवं ना। पुलिटएव निमित्त निस्त्रत वर्ष नाम स्रेट्डिंट्स, धर्माधिकन्नट्रान সংক্ষরণ ও তদর্থ বার রাজি হইতেও চলি ब्राट्ड। चाठवर व नगरत मक्दरन कत-**गात्र निर्द्रार्गत अछाउँ गन्न हरेरण्ट** मा। भागना श्राप्तान क्षिरिएहि, अक अक वन छ्लूषे माजिएक्रेवेटक कर्नारप्तत क्यांका (नक्या २३२, देनि नक्यांत्रिकार्के. নর্জনের ভারা কৃত্বেছ পরীকা করি-(बन। द्वयादन मक्षामिकाल मर्जान ७ निधिन वर्कन बाहे, त्रशादन अख्याभीव विषिध्यक (स्वर्षिक फाउन्हें) विरुष्ट्र उन्दर्भ के कात्र नमर्गन कृतिएक श्रेट्स । कत्रनात निद्धान सार्थियोत्री क्रायक जन ভন্ন ও ক্লিকিছ বেট্ডেইক ভূমি স্বরূপ भारतान क्षित्वन । भारतीय के एका नदा-मान स्टेटन ब्यान ब्यानांबटक अन्य दिवसन कवित्री विष्यंत्र कतियोवः व्यक्तीकम स्टेटन

का, क्लाटकप्रक करकेत चटनक लावर स्वेटन । सहस्र जन्मन महान छेत्रकाटन आर्व जान इर्टन अक्टन श्रीतरात य छेना স্মাতি পূজা করিতে হয়, তাহা আর क्तिएक हरेरव मा। कांड क्ला नथमान स्केटन जानकाशीहरू अक्काटन ट्रिनिश्चरन अप्रकृष करा इहेट्व ।

भागता छे। दन स्व श्रीकार करियां ग, व्यक्तिरह उत्त्रुत्रण वक्षे चारेन क्षरा আৰশাক। তদার। ফুট্লেভীট নাধিত इहेबात महाबना चारकः। टार्थम, चन-इन्न मर्था होन क्रेश चानित्व । चिकीम, श्रीलद्यत इन्हिंबिन्दिनत चर्छा-**চারের অনেক নিরাবন इইবে। অপপ্**ত্য चिक नकसमारे श्रीतारात छेशार्कात्वत थामछ दात । तम दान इन्द हरेडा बारेटन। সম্প্রতি নেইন নাচেন নিজাপুরে করণার निद्राटिशत अक विश व्यर्भन कतिशाटिसन । ভারতবর্বের যাবতীন বিভাগে উছা প্রাৰ-र्िंड रह, रेश कामास्तिक आर्थनीय

मुख्य हेड्राच्य बाह्म। ১৫ दे य्यञ्चाति शुक्तवात द्वदांडेन নাচ্ৰে ভারতবীগ ব্যবস্থাপক নভায় इंग्रेल बाइन मर्टांधनार्थ अह न्छन चारेत्व भागृतया छेशन्डिक कतिशां (६न । श्रीप्र कृष्टे बर्मज इंडेन, भक्षार्वज त्रवार्षेत्र नाटक्य अखाव कदत्रन, देखीटणाव মুলা রুদ্ধি করিয়া ঘাহাতে মকদমার मर्था। स्रोम एत, मिर कियी कता कर्खवा। তিনি ৰলেন, কানান্য সকক্ষমায় পত করা প্রায় ৬৫ টাকা ইউান্সকরস্বরূপ গৃহীত इत, किंद्ध धक शक लेकांत्र अधित्वत यक्षमा हरेता भंड कहा ठाति व्याना माज नक्षा स्हेगा थादक हेक्क्रीचा काहित (व श्राकात मृता दिव स्देशांटस, छोटा माणानाकः दर्गन विटणव आशाबी चंत्रनाटक स्व नाहे। चंड अव নড়ে শত করা ১২৪০ টাকা ইটালা का मानदात अकार रह। इर हाउन

मीरहर अजनसूनात केर लाखुरनथा ধানি প্রস্তুত করিয়াছেন। ভাঁছার স্কুত পাণ্ড লেখ, মধ্যে চারিটা এতাৰ দৃষ্ট ! स्टेन। क्षया, अक्टन (एउरानी मरूनमार व रेखेन्त्र अर्टनत नियम चाटह, जाहात পরিবর্ত করিয়া রাজধানীর ছোট আদা लटकत्र नाहि थिकि होकात्र पृष्टे आसा वर्षाय भव कड़ा ३२% । ऐका हेस्रीटमान मर्थाह कहा कर्तवा। विजीय, अकर्प নিয়ম আহে, ভূমি সংক্রান্ত মকদমাগ নিষ্ণর ভূমির বাৎসরিক বরের ১৮ ৩৭. চিরছায়ী বন্দোবস্ত ভূক ভূমির ৩ গুণ वदः भिशामि स्थित नमत तास्यवत পরিমাণে ভূমির মুলা ভির করা হয়। किन्द्र कार्रा क्षिटिक शिक्षा योग्र किन शामी वरमांवस जुल जूमि नीनारम मण छन मृत्यः विकास दहेश पात्रः, निशामि खुनित्र छात्रि खन छोका खानाव श्य । व्याउ अद श्र शांडेम दत्तान, अ निय মের পরিবর্ত করিয়া বাজার দরে ভূমিব মূলা ছির করিয়া দেই পরিমাণে ইফাম্প नवश क्रवं। ज्डीव श्रेखांव धरे, ফৌজনারি মকদমার পূর্কে (১৮৬০ অব প্রায়) ইক্টাম্প লাগিত, কিন্তু দও विधित श्राप्तांत व्यविध एकोकसाति गरुक-.माव नानीच मात्रामा कांगटक स्टेश पांट्स। अञ्चितकान मामाना मकफ्मा मध्यानि अधिकछत्र द्वि व्हेगोट्य । ১৮७১ चटक ममुनात वक्रामण ७८००० मकनमा इम्न, श्रेत वद्यदत 88,००० इहेग्राहिल। किन्न व श्रिमार्य नानीम द्य, छाहात উর্দৃশ্যা শত করা ৩৭ জন মাত্র দণ্ড शांत्र। मक्कमात्र देखाला नार, माकीव मश्चामत चंत्रह माहे, प्रकतां एवं मि वाकि देवन निर्वाकिना की बहेशा ना नीन करिएक यात्र। मका बढ़ि, मखिबिद्द मिथा। मानीरमंत्र मध स्वारम, किन्न कार्या (मधा बाहेटजाइ, तमहे बिका मालीन

विष्ठात्रानत्यत्र श्रमः भाकामत्य मालिए देए वे जिन्दर वज्रवान इन मा। चाउवर श्रद्धां कता स्हेताहर, त्य नवन मकसमान क्षेत्रिकु वाश्तान महोदमा चारह, डाहार नानीत्म ॥ जाना, डिहा मकलमांव > है। कांत्र है छो ने बिट्ड इंडेर्व। অপর, দানান্য মকদ্মায় 🌬 আনার हेकाला । धारा माकीय मगरनय थुंत्रहा सिट्ड इंदेर्स । अख्रियोश भडा बिना मध्यान इहेटन माजिए हें है कोज. माति बारिटनव 88 शावाज्यात धाठः-র্থির জবিনানা করিয়া অর্থিকে ইন্টাস্পের मूना (म 3 विदेश मिरवन। यक्तम अका-बीटक निजाय महिल विनया व्याप क्रेट्व, मिन्द्रत मानिट्युं हे हेथोरान्त्रत मूना नव-कारी धनाशांत इंदेख नित्वन। छुन् প্রস্তাবটী ইহার অপেকাও গুড়তব। ১৮৫৯ पदकत ३० आहेम धानुगारित यञ মৰদ্ধা হৰ, ভাছাতে নিঘ্মত দেওয়ানী व्यानाल उठव हेकोटलाव छपूर्व : न माख मि**डि र्**ह, व्यथन ১৭৯৯ चास्मन १ (गउम) षाहिन षञ्जाटत कत्र षामादात हेकाला नाधित ना, छित्रविधन नरुप्रभार मध्या. স্তরাং ক্মীবার কৃষ্ঠ অত্যাচারের ইজি হওয়াতে ইন্টাম্পের স্থাট হয়: বর্থনা ১৮৫৯ व्यक्तित ३० थादेन १ इत्र, खरकारन मत बार्ल्य भिक्क चिन्त चार्रित कर्नाट्ड गण्न हेक्टाका लहेर्नात शांत्राणि विधिवास हहेट भारत नाहै। मत बार्लम निक्क वह जालिक क्रियाहितन, क्षकांव अन्तत्व परनत्र छेशरा क्रमीनारस्त ब्राफ्य निर्देश करत, श्रांचय विट्ठ ना भावित्व भवर्तमणे किश्वित्र मिर्ग द्यान-ख्य शत चनीताति नीताम करता, **च**ठ-धन याहोट न्हरक समीप्तादत क्व व्यासात रत, ध्यह निशम कवा करिता र्व हाडेन माट्रव अकटन करे अखाद कतिएछएइन, ১० जाहेन चिष्ठि मकसमात मधामान क्या এত कठिन व्य क्षानकम | च्रान मणून देखाला लखा कर्डवा। बाब बहेट डट्ड । वर्छमान विश विधिवध विषय । " भारत मकत कथा है। देशल दिस्त র্দ্ধি নবা ব্রহ্মান আহ বুদ্ধির অপর एकिना। इसंस्थि इहेर्फ वार्गाउउ: co नक bाका जान हरेए छ। वर्छमान विश विश्ववद्य इडेटल कांग्र ७० लक्क ठेका व्यर्थाय (प्रथमानी मकसमात वाम त्रिष् নিৰন্ধন ২৭ লক্ষ্, ভূমির মূল্য বৃদ্ধি ক্ষেত্ প লক্ষ, ১৮৫৯ অব্দের ১০ আইনের मकलगांग ७ अक जब र को अमाजि मकल नांग & लक्ष, अधिक आंग्र क्टेंट्र

त्रिक त्य प्यत्य कर्डवा, काश मकत्लह ৰস্কাল অবনি বলিয়া আংসিতেছেন। ট্র মচিছিত কর্মচাবিদিপের বেতনও প্র-याखि नरह। किछ कथा इन्टिंड इव-शक्ति गारिस्ट कुछ देखेरा का द्रिष्टित अस्तित कार्य कार्याया अन्त ट्यानभीय इरेटव १ स्थोकनाति मकस्ममार इंकेंग्ल करता शखार माधातर प्रमुख रहेर्दन ना, कियु (मध्यानी मकस्माव वाम র্দ্ধিতে অতিশ্য অসহত হইবেন, ভাছা म्मा के (मर्गिएड भरेश्या वाहेट उटहा कि बना व श्रञ्जाव इहेट उट्ड ? श्रह भी समि-ब्रबर्गटमाने इव को उम माटक्टनत मुख बाता बर्मन, जरमनीरात्र। नकम्मना थिश, नश्चादन ! त्य अकारत मकक नात मः थेश कमान इह-श्रांटक, गर्राज (गरेव्राण करा डेकिक।

मक्ति ममून्य छात्र छर्यत यानाव । आभानिर्गय स्टम मक्समा अधिक इह, সমূহেব নিমিত ২,২৫,০০,০০০ টাকা তাছার অপলাপ করা যায় না, কিছ चामरा विन भवर्गमित हो सामगीज ক্রিয়া আরু ক্রিয়া আর ৩০ লক ইহাব প্রশ্রের বিভেছে। আমাদিনের होका बाह्य प्रक्रिक करता हव हा डेम मार्टिट्य प्रमासाय **कृति मरकास मकल्या क्रांबिक** ऐत्या। यात्रामरशत भाविद्विक विकास क्या देश्यक वानिकाश्यक्षाम सम्म । প্রতিগণ অ ড সামান্য বেডন পান, : সেখানে যে একাব চুক্তি ভালের মকজ্মা আমলাদিগের বেতন এত অলপ যে তিথিক পরিমানে হয়, এখানে জুমি " উচ্চারা যে এপর্যাত গড়ে ভাল কাজ সমস্বো সেইরপ ছইয়া পাকে। খত প্রভ क्रिया व्यामिएख्ड्म, खाम्हि धान्हर्यात जित्र मकक्रमा मधत अधुरम्हे व्यक्ति। व्यानक क्रमीमांत ७ धनी लाक सक्कमा क्रा अकृषि कर्डवा क्षा ७ आत्मान बनिशा . विद्वाना करत्रम । अश्वान व्यवशार्थ मह किंख देशंत क्षकुछ कांत्रण कि ? आभा मिर्शन मञ्जांच लाकिन्दिशत भीवनवान त्वत कि छेशांश चार्ह ? जैंशिशिक रव रेखिर पूर्य नाइट मकममात्र मख पास्टिक रहा। (जपूजी माबिएक है । ्रा वे व्यानां न एक ब्राह्म के व्यानां कि-श्रित छोना। याँश्रीमानत वादन-चार्नालाजत बांगलामित्व (बजन जिंक है। १ वक छोका चात्र जाहोता এ कांच कतिर्वन (कन १ डीहारा निका मश्कार्यात अञ्चर्कान कतिहा सूर्य काल (क्प क्रून, भरे कथा दिलादन ? मक श्वित मिका ७ व्यक्तांत इस देक ? আমরা বিজ্ঞানা করি ইউরোপে কত कन लार्ड मांक देशवाह आहर १ रही। স্পের কর বৃদ্ধি কর, আর যাহাই কর, यङ दिन अञ्चलभीयनिर्गत तमनामन अ শাসন সংক্রান্ত উচ্চতর কার্য্যে প্রবেশ कतिवांत चञ्च ना श्रेटफट्ट, उठ विम এই व्यवकारे हिन्द्र । रेक्टीटलात बुना त के कतित्व मकसमाधिव धनी दाकिमित्रत থের নক্ষমা প্রার্থিব নিবারণ নিমিত্ত १ কিছুমাত ক্ষতি হইবে না। বে ক্ট দরি-দ্রের।ফলতঃ একণেরাকর সংক্রান্ত রাজ নীতির, দরিদ্রের উপর কর ভার কেশ্র कता, मर्च मां फ़ारेबाटह । कारात धामान वरे. वारक्षक नार्वत्राह्मत हास्य जात अजामिरतत करकरे रक्षण कतिबात

रम्के। इरेटकरहा एवड्राकेन नाट्य निटमाई ত্বীকারকরেন, গত বংগর বে৮লক দেও शांनी मकलमा रहा, छार्चन मट्टा १ नेक बूटन क्तिए इरेग्ना: ह। वर्षाय गांवजीय मक्क-মার কাট অংশের সাত অংশ ৩০০ धारमाव **उर्का नय। देशांत्र मृता इश्वि क**तिदल বদি দরিদ্রের এতি অতলচার না হয়, ভবে কিনে হইছে আমরা বলিতে পারি मा। এ नकल महिन्सुमात बाग्न चल्ला इन्, रेरारे व्यार्थनीयमैं येनि वन चामानटज्ज সঙ্গশিত বার বৃদ্ধির নি,মন্ত এ চেন্টা हरेटज्रह, जाहात्र उन्दर स्टल सामानि-भात बक्तवा और, महिल् वश क्तिया এ চেন্টা मक्त कर्ता विद्यस इय ना । जना উপায়ের শরণ লওয়াই উচিত। বিদান দ্রব্য ও পুরা প্রভৃতি মাদকদ্রব্যের মাপুল রুদ্ধি করিয়া এ অর্থ সংগ্রহ করিয়া লও। পুৰা প্ৰভৃতির মাসুল রুদ্ধি হইলে আর वकी केशारमग्र कननां वहरत। मानक-मिवित मः भी। किमित्रा सहित। याहाता मानक रमवन कतिया शतिशक हहेग्राह ভাহারা যদি এককালে ভাগে করিছে না পারে, ভথাপি নহার্গ হইলে অর্জভোকী इंदेर्ड मटम्ब्र नांडे, काहां हे शतम लाक।

> यत सम कटहरमह भद्रशाधि विविधिनी ब्राङ्गेष्डि।

क्षांत्र छुदै वरमत हुदेन, शकार्यत अक थानि मः वामभाज विनिशाहित्यम भन्न सन नारत्यक भवता है विविधिनी जामनी कि मारे बलिटन एक्ष्। देश्नाधीय भवर्गस्यन्छ এই মত ভিরু ইরিয়াছেন বে' পর্যন্ত हेर्तक जाकान ज्ञाबन जाकियांबान चार्च वा बन्नाइनेन हानि ना स्टेर्टर, फफ मिन (काम बूद्ध धारूष रक्ता अपूर्विक। बाद साजान प्रकारकी नरायका करा रह माहे कर कांत्रदन चारमनिकात विवादन व्यक्तिम् क्या एवं गरि। देखेटतानगटक व भूदर्बत माति विश्वाद्यत क्याका मारे।

क्यांक्रियोग मुरस्का नाम क्यांस हरू पदम्ह । बाबायन क्यांटन क्यांटन पटनंत्र इकि जन काम हरवांचे वास्थानंत्र बीका प्रोकारि-र्गत विविधान दिन, किंद्र अकरन पणि भागामा शंका । क्या क्या करान मा। ३५-७५ चटन संविद्यात स्माटक वर्षम शाहबीक देवनाक्षण दिशांके ब्याव्ययन करते. खरकारम नार्च नामत्रकेन कार्कके स्वरंगन स्त्रारकत्र गावि मिक्टिक्क गर्क द्वांत ७ पुना गर्कारत शव निर्वित्र विकास स्विता-हिराम अ क्रियांत्र शासनीचि विश् वेश कि मंजिनितात त्यांचना व्यथना क्यनितात कार्या योता चित्र कतिएक व्हेट्स १ म निक गार्गित्र गमुन गर्निष्ठ मखां । ১৮৪६ चरम मिट्य बेर्मए भिन्न बेरम्एक रेमजी व्यक्ति क्रान्। देश्मरकत्र वाकान क नवाक्यमम्भिक कीर्वि (मर्ग निष्य मंत्र लाटका अन्दर अस चार्कन कतियादिन বে ১৮৫৩ খনে ভূরতের বিক্লভে যুক र्यायमा कतियात शूर्क निक्लान देश्याक मुख नम्र शामिन महिन नारेमदर्बन व्यवस कीत वात विवाहित्वम अ देश्वात्थत्र गरिक वृति जानात्र नद्याव बाटक जीवा व्हेटन चात्र एक कि विभागन ना विभागन তাহা আৰি কাহা কৰি মা।" কিছ अकरनं त्न करकांत्र भातमुक्तं व्हेबारक। देवेदवां गंबंटक देशलटका कथा वक् त्कर थांश स्टान मा । त्राजनीकि नदस्य বিলেশে ইংলওের প্রভালের জনেক ব্রাস क्षेत्राहरू । मात्रांचे जिन्नानित्रज्ञ मह्न क्रिक्राणीम क बुद्धियान एमारकत्रा दिरव-क्ष्मा केरतम दन आधिक ३१० जन्म , क्योंक সংখ্যা ও ২০ কোট টাকা ভাৰতের 'লাখাৰে ২০ বৰ্ণৰ কাল কুচেলার-নাহিত্ব ्यूक कतिया पृत्यक्तिः सत्या अवस्थियान CONTROL MATMERCANIAL WARDS CONTRA WAS AND CONTRA STREET 1/2 भागी प्रदेशक दा जाकि गुर्क का जारी नुस्तिक विक्रियानक अर्थन एर् अतिएक PRINCIPAL TO THE MANTEN WAY I FINE

ाटन जन्माना दराव धाविके क्षेत्रा देशनएकत ভূতপূর্ব ভেজবিভার বিনাশ করিয়াছে वादाता देश्मरकत व्यवस्था केरात प्रकार मीकित सर्पारवाटव नामर्व, खावाबिटल्ल विज्ञा नः कात्र कविनात नकानमा माहै। किंद गांशंत्रा हुएत जा, चांशंविरशंत अध-কার বংকারে কভি সাহে। পঞ্চাব ও উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের লোকেরা ইংলডের क्षेत्रात्र तामनीकित गर्थ त्वादश नवर्थ नटर । विद्यारक्त शृंदर्व निर्गावितरभन्न भवे नः का त रत, क्रविवाद गर्डिय यूट्ड देश्न ए एक्टरन स्रेतारस्य, त्यवन स्त्राणी नञार्षेत्र करत क्रविता देशमध्यक उंदनत क्रिक श्रांद्रम .मारे । देश्मक चारमका कविद्यांत वन কৰিক এ সংখ্যার উত্তর পশ্চিমাঞ্চল ও शक्षादवत्र व्यत्मदकत्र व्यादव । कृषिता व्यवनाः ज्यानम् व्रेटिक्ट्यन्। द्वाचीत्रां, रक्षित क्षेत्रका मुख्यन भवर्गन स्थान-निकदं नावावावाची व्हेश थानिया रूजान व्हेबाट्यन । देश्नश क्रीय-ब्रांटक कंत्र क्टबन क मरकांत्र देशांटक चात्रक वसतून वरेटकट्ट। चानितात मर्या कारावध देश्मरखंद्र नमान क्या गार्द, क्षरे मरकात्र जिल्लि तांबरवत्र क्षरांन वर লয়ন ক্সত্ত অৱপ। বিশ্বীত সংক্ষার এক बात बस्तुन स्केटन चात्र किंदू मा क्केक नीमात्र नदश मदश विद्यांह ७ त्रीताचा क्रेगांत कडावमा कांट्स ।

्मार्ड रक्तरांक्षेत्र शर्याक देश्मध मामाद महत्त्व कथायान मकत्वत्र (पाडत क्तिश्रास्त । गार्थ कामिश्र विद्यां ए नमन क्तिका व्यवस्त कतिकारकन जिक्रिक रेगनि न्यमः वक्षा । मह सन महद्रातमा देशाः 'বেখনীর থাতাপ পরিচরের কিছু প্রদাপ ्रक्षका चारमाम् । च्यामहाः अत्मनीह देवनि 'दक्त' गरिए देश्यांच रेगिगटकत जात्रजमा व्याहर्गरसङ्ग्राचित्र मा। अधिका Bust series Maces masts

कृष्ट पुत्र द्वांस प्रदेशाया, अवर कि केलात सहस्राहम क्रांदे वा कर्मवा १ अदे शक्ष व्हेटकट । देशक यहि सविवादक जात चलागत वरेटंड मा त्यम, छारा र-देश कार्त, त्यांडीय, त्यांचीता अस्टि कटम क्रवियोत शक्त क्रवन्त्र क्रिटिक এবং ভারভবর্ষের ছল্ডেভিড লোকেরা संवित्रोत कर कामना कतिरव ।

अक्टन करन नवर्गत्मरकेत्र कि कर्जना ? ভারতবর্ষীর প্রশ্র জেনরলের সহিত कांबून, मशामानित्रा, भातव, जनातम छ कीन महत्वत्र मानार नवत्र नात्व । त्वयात्न देश्यांच पूक ज़ारस्य, त्यथाद्य देशकीत अवर्गरमाध्येत समाजि कित द्वान काल व्हेटक शास्त्र ना। विक श्रह्मांक স্থান সমূহে গবর্ণর জেনরজের ক্ষরত क्षक क्षकांत्र भनीय। नद्र स्वय महत्रका तारे वक्त कात्मत गरिक शतना है विव विनी बाक्नीकि नांशातरनत , कहरवाहनी कि ना निर्दर्ग क्रवा मानुगान। द्या हांतन अरनत भाषीय ब्रेन नत म बारबका (फर्चन होनि शंकारवन श्रीमा क्षिणमंत्र किरणमं) (शांक महत्त्वन वी महिक शहिन्द्र, केराकामात्र निक् कैरतन फ़र्सन वित्रार्थक होजनीजि दिन न भारता ७ स्विता चक्षत्र स्ट्रें शास्त्रम वर पांडिशास पांचीत्रक मानि बर गक होना त्रवता रत। त्राक्षवर वछ दिन की विक हिरमन, क्षेत्र दिन की जान्नज्यस्त्र शन्त्रमधित्वत्र क्लांहे यत ছিল। কিন্তু সিরার্থালীর সহিত্য তাঁব लाञ्चात्व विवासकारण भवर्गत रकत मूबगीत प्रांचनीषि च्यनद्य कात्रम वाकिम बांदक नकाएदत नीमात्र वानि रक्ष्यत क्षित्र। त्नंदर क्षत्रमर कार् स्टिप्ड एका सा। नियात्रणानी अवस् वाक्टिक वह कव बटतक वाक कीटक बाला निवास बीकांत्र करवन ना क्ति गुकार्षि ता धक थानि शव का लिख ब्देशांट्स, खादांटक त्रथा गाँदे

গৰ্ণর জেনরল বংশন যত দিন আফজুল পা সমুদায় কারুলের রাজা না চন উভ किए डीशांक चानीत विश्वा चीकात মন্ত্ৰ **বাই**ভে পাৰেনা : ইউরোপীর বার্ত্তী श्वारखन मात्र काम्य दे हेदतानीत नित-एक्स ब्राजनीति भाषाद गवरदा फलिके वाहिनी। बड़े यह धारा हरेता भानिन গাঁ বার পর নাই পাত্রাছার আরম্ভ अविद्या बोक्सिक मित्रांत मार्गिटक देश्यह ফরিভে পারেন সেই চেট। সাবস্ত করি-য়াছেন। প্ৰণৰ ছোনৱল বলি বলিতেন नियार वाली जित्र भात को होटक शेवर् মেন্ট আমীর বলিয়া স্বীকার করিতে भारतम मा, छांहा इहेरन कांत्रलंब ला. কেরা ভাচার অর্থ বুদিতে পারিতেন। भिन्नात्रभानीटक रमाखनस्यरमत निक्टि

अक ट्रांका नित्न डांकांत्र कर শ্ব হইড এবং করেলম্পার্থই পশ্চিম ^ট দিশের কৰাট স্থানপ ক্ইড। বেরুপ পত্র প্রকাশিত হয় 'ছে, ভাষাতে আলিম গাঁ ৰে ত্ৰিটিশ গ্ৰণ্মেণ্টের নহিত প্ৰকৃত वक्रुकृति व्यवण्यन क्षित्वन अञ्चल त्वाध भूति ना। एडेन ७ जनातान नत नन হৈরত্বের রাজনীতি ফ্লোপথায়িনী হয় নিবি। ভূটানের যুদ্ধ ও সাক্ষ উভয়ই मञ्जाकत किंदा कियात नित्य निश् অব্যাদেশের রাজার সভিত করির করিছে र्गादबन नारे। मकारिक हेमारनत रुजुाह भार भवर्गसम्बद्धाः व्यवस्ति मिनाइक हासा विका चौकात करका, छ हा, छ छाहात विद्धं सक्ष्म हे रेगडीद माना क्या गाहेट्ड निरंद मा ।

संस्थिति अधिनदश अविधेय मह सन महत्रकात भवता है विराजिती हो करी कि विश्वाद अरु शखान निश्च इन्सारह रम्बेक मित्ररमे के ताकनी उर अनुदर्भावन क्रिंड्डन हे दर्शय देश फिलि क्रांतरानेत काव अक्टिन्स जा तित्र क्रम श्ट्राफा में (गांक, क्षेत्रकर्ग द्विया पनायान काक दहा उत्ताह

यज्ञविक मार्ड । जामना अव्यक्ति व्यक्ति-(छहि उँ। हात श्रृक्तांशत किक्किश इंडक्स व्यक्तम कता कर्वना स्टेरफाइ । अरम्पीत व्यक्षीनञ्जू बांबाविशतक कर नना क्षतिराहर रत्यत त्र देशा क्षताम शाहत ना । पर र्गड ध्यनद्रम कार्न चैंपेना मधा-चानितात्रह रेनना त्याद्रथ स्क्रम जामता अ क्या द्वा मा, भिष्ठी जेमाजशानां एरेटर । किन्द विनि इन्वितादक अ कथा बनिएक शोदतन, रे कानूम, वाबाता ७ ब्योहीत्नत श्राधीनका तका जिप्टिम भवर्गस्यत्येत मक्तात्र सना षाविभागः । वितादेषेत निवदः ॥ कथा बना रहेबाट्ड, अरे कांत्रदारे हुई वात कांत्रदमात निक द्व वह । (बाधाता e (बाह्यातन देश्ताक नूज व्यवस्थ करा उक्तिक। देश्यक यदि श्रेकांगाज्ञद्रश विकास करतन क्रविशांत चलमत स्टेट मास्म स्टेट्स मा। पुत्रक्त শহিত কবিয়ার পুনর্বার যুদ্ধ ক্ইবার সম্ভাবনা, এমত ছলে সম্রাট আলেক-কণ্ডার সহজে ইংলপ্তের শক্ষেতাচরণ क्तिद्दन ना

च्या सारव छैरके भिकामान छन्न विद्यम

गरूटन विভवादिणात जक्रभेटवादव ममर्थ नटहन। त्यटनदृक्त महत क्रद्रम, कार्या मण्यांच्या काटण वात्र मश्टक्य कतिएक लाहित्वरे मिछवाहिडा रह, कार्या छान क्षेत्र कि अक करेत, डीक्रिश (न बिटब-हन। क्रतमं ना । क्यि यनि प्रमुशावस करिता त्रथा वीर, धाँके विक्तातिकाँकः लक्ष नटर । बात मध्यान कतिएक शिक्षा यति कार्या मण का, जीकारात विक्वातिका रत ना। लाटक जारात्र बारक्षेत्रा अहे नाय विद्या नाकविक व्यक्ति वर्णशासकात अनेत गांग । गांग कांक गुम्भवर, जिन्दाह त्व किंडू बाद कता बात, त्वंत्रह्वाहरे भन बाब नदमन कि १ ज्यानका बाक्स एकदमूत

नारस्वरक डेजिकिक खनाव विख्यानि वक्तात्वर क्षेत्रिके विषय गारे। संस् मात्यक्ष 'निकासर्गन करे लात्यक निविष्ठ डीश्रत थांच करेंक क्रियोह्न। भिष्यंमश्रीनंत्र शतिशास्त्रत्र अर्थके जामा-बिर्मन बन्धामाननीत मन बढ़े क्रिक किनि निकानर्गतंत्र करोक निटकत्वत स्वात बर्दन। किनि चण्यांबारत अस्मनीतिरभत বিবালিকারার চেটার একাত পক-गाउी। धर किया विवस्ति वर्तत स्थि क्षेशांदश् किनि बद्यन, चण्णेतादत है:-ताकी लिका व्हेटक भारत। किंह ता शिका कि शकात, डीवात विस्कारकता डेडिफ। अरहरण " स्वयन मान रजमनि मिक्ना " अक्षी धित्रिक क्या चाहि, त्म निका छाराबरे असूद्रभ रहेवा पाटक छेट्या मार्द्द निष्द्र सानित्वन प्रक दर्दे ए अंक्टल महासात्रकण इह ना। शक्नीआदमह पविकारण विकासका व नागमां विकान नम, विमानित श्रीष्ठिशिक्षा । देनएमारोत उक्ततः प्राण्यास्ततं महमसागरे छारात मुका कांत्रन। दन बाह कर ध्यकांत्र शर्छ-लाख यात, र,महम सञ्चाक स्त्र नाः। योग बन व्य किहू विका रह तार नार । त्म लांक भागातिकात श्वर्गत्मके नाख क्यांन करतन अक्रान दर्शन एत मा। करन-नीर्वानगरक अनिक्षित नित्रम छेद्रस कतिका जुनिएकन, शवर्गस्यातिक यनि अञ्चल भिक्रियां एतं, त्म गाहक मार्च स्नान स्टेट्ड भारत मा। मायांना रारसत्र मायांन् विवारिय काता दस केटकमा विका करेवात नकावना कि ? बच्चर का, लोकरक वर-किसिश निका निराप्त केही के क्लाना ग्रिजान क्रिया सुवि बन्ध्रमध्या स्था-काक जानका निका संकश्चानका जाना रमदर्भन बाहुन्त केहरियत त्येश्व वृदेश केटरे META TIE SOLET STATES META THE REAL PROPERTY. मधा विकारमात्र का हैनाएमोड्ड कि हो। साई प्राचीतिक महिलाई के अवस्थिति

ও মিননরি বিদ্যালয়, নগর ও মফ্রল পুলিব, নগর ও মফ্রল আদালত প্রভ্ তির এত বৈলক্ষণ লক্ষিত হয় কেন ?

प्रक्रिक ।

উৎक्रिक लाक्तिरात क्छ क्रमणः कृषि एरेटल्ट । क्टेट्क्न महकाती मालि **्र्रेड ७८**शबक्षेत्र माट्य तिरुपार्छ कति-য়াছেন, হুটা পরগণা ব্যক্তিরেকে কেন্দারা পাড়ায় যে শদ্য আছে ভাহা ছুই মানের অধিক কাল লোকের জীবন बात्रदेव निर्वाख क्षेट्र ना। अक्टर्न शदर्न-মেণ্টের অরছতো অর এস্তত করিয়া नित्रियं गरत विकास कता श्रेरफर्ट, किन वाहां क्रिश्त किश्वित का छ। क्रियान कारह. खाइाता देश धार्व कतिएछएइ ना। देश मिर्गत मर्था। अल्य नरह। ठाउँम विक রণ ব্যবস্থাতেও তাদুশ কাল ব্ইতেছে ना। बक्दलणीय शवर्गदम्क चाळा विद्या-ছেন যাহারা নিডান্ত অপারগ, তাহাদি-भटक ठाउँम अथवा अज्ञ स्टिश हरेटव। कर्यक्रम ब्रेटलरे शतिखंग कतिहरू इरेटर। जीताकिषिशत्कथ अरे निम्राम्य अवर्गक क्त्रा इरेग्नाट्य। किछ अ बावका करलान-शामिनी इटेएक्ट ना । अरबवर्केंब वरतम নিতাম বিপদাপর না হইলে উচ্চজাতী-तित्रा जाशमन करत्रम ना अवर प्रजा निक्षे ना इरेटन जीटनाटकता वांनी इरेटन वहि र्गंड इन ना। य नकत औरनांक चन्नहरज আইনে, ভাহারা প্রায় বেশ্যাতুল্য ব্যতি ठातिनी व्हेशा भएक। देशत चरभका খোচনীয় অবহা খার কি খাছে ? এক শত ফুট কাজ করিলে তিন জানা মজুরি (सब्द्रा एत । जीत्मारकता अन कांच क्तिएक शांदब्रम ना। क्खि नव निनिन बीखन এफ काम ना कतिरन चन्न निरदन না !! উড়িব্যায় বে এড লোক কি कांत्रदेश ध्यानकार्य करिया, गाउँक्यन द्या व

व्यक्त, उज्र उल्लेखा । यथारन काण्डिक्स व्यक्त, उज्र उल्लेखा जीत शूर्यका कर्षन वस्त्राप्ति तीत कार्या व्यानार एवं वास ना, खोरमारकत क कथा है माहे। वित्र वीकन गारहरवत्र काना केल्कि क्ति। कात्रन किनि वरहरून वस्त्रन कारहन ७ वस् प्रमिकात कार्यमान करतन।

अद्यवचेत्र गाट्य चात्र क्य चाटन विधित्रारह्य " अभीमारतता क्रवक्षिरभत সাভায়দানে একান্ত অসমর্থ হইয়াছেন। जीरानिर्भत घरत व्यव नाहे, छोका नाहे, कर्क हास्टिन क्रिक्ट कारा तम ना।" অভএব ডিনি প্রস্তাব করিয়াছেন বে च्टल ठाउँम विकास करा इटेंटन, छथांस ২ ৷৷ টাকা মণ কোন কোন ছলে ২ টাকা यन विकास करा कर्डवा। भार जीताक. দিপের পরিশ্রম আবশাক হইলে ভাহা-দিগকে প্ৰভাকাটা প্ৰভৃতি গুতে ব্যিয়া (व कांच एवं छोटा (मध्या उंडिक। क्रव-क्त्रा संशंद छविशाट क्षे ना नात. ভাষার উপায়বিধানার্থ বীক্ষান দেওয়া भावभाव । এ श्रेष्ठावश्रम उंदक्षे नरकर नारे। अक्टल कार्माहरभन विटलंड बक्तवा थरे, व्यवशास्त्रात मान कतिवात কণ্শনা সর্কতোভাবে পরিত্যাগ করা কর্ত্তব্য কোনু ব্যক্তি সে প্রভেদ করি-त्वन १ इरे बरमत हरेन इर्फिक हरेताह, যাঁহার যে সঙ্গতি ছিল, ভাহা নি:শেষিভ হইরাছে। অভএব যে ব্যক্তি আপ্রর চাহি द्यन, डीश्टिक्ट चाल्यत्र (एक्ट्रा स्टेट्र, बाइ निवय कड़ाई कर्खवा। अन्त कर्खवा अहे. अब्रह्म छेठारेवा विवा टाल्बारम ও প্রতিপল্লীতে চাউল বিভবিত এবং व्यक्ति मन २ टीकांत अधिक मा इस, अक्रम बुर्ला विकार वावचा करा एउक। छा-शटक वर रेकेनांक र्देटन, बारासिटनत কিছুমাত্র সক্ষি নাই, তা্হারা বিভারত क्षक कार्य कतित्व, जांत्र वाश्वित्वत किंद्र अवस्थि । अधिमान पार्ट, छारामा

ক্ষা করিবে। যে কোন উপায়ে প্রজার।
পোণরকা হয়, গবর্ণমেন্টের ভাহাই করা
কর্তবা। অপর, জীলোকদিগকে থাটাইনা
লইবার প্রভাব প্রকলালে পরিষ্টিনা
করাই কর্তবা। উচ্চজাতীর জীলোকে
প্রাণ্ড্যাগ করিবেন, তথাপি ভাহাতে
শক্ষাত হইবেন না।

কোরহাটাত সংবাদদাতা লিখি-বাছেন:---

 शाहित्रशाङ्ग निवानी अक सम बनस धिमिक भिवादी बताख भिकात कतिएउ घाहेला দৈবৰশত। ড'ছাব এক অসুচরকে আঘাত কবি~ ब्राह्म । दक्क किया धालपूर्व किल बीनबा হতভাগ; অনুচ্য় কত বিক্তাপ ও মুভকল হট্ট-बाह्य। जार्ड वाक्षिक हा क्षेत्र निरुक्ति शिल्लेन **घाटन नी** उ रहेब्राट्ड । खीवन जरभग्न । खु'नीब्र পুলিব কর্ম্মানিগণ ইহাব অপ্রশন্তান করিয়া শিকারী প্রাক্ত কয়েক ভানকে ধৃত করিয়া কৌক দার্গ্রীডে প্রেরণ করে। কিন্তু আছত ক্রাঞ্চি ও অপর কাতপর সাধীব সাক্ষ্যে মাজিকেট गार्व जानामीनिनार निकृष्डि क्षान करिया-ছেন। মন্ত্ৰা,র এতি গুলি কথা শিকারীন উদেশ্য ছিল না ইছা সপ্রমাণ হয়। মার্কি-(क्रेंडे बट्डान्स क्रियन निकृष्टि निया कांड तक्क् নাই, ডিনি ' এক্লপ বাজিকে মৃত করা অন্যামী र्देषार् ^१ विनया भूनिय कर्मानं विभिर्णय स्थि षर्भाष । स्थाप थकान करतम । निकाही ব্যক্তি এক জন সভাও লোক।

»। (कांश्राति विकास की कांस आहे । কুলোটবা খোড়ৰ ব্যবি। এক গাৰ্ডবভী কামিনী क्ष ठाकरमा ाट १ (मञ्चाम कहियारकम । अवसा द्राद्ध प्रदे तस श्रामिएड से वामा काम कोश बन्छः अकांकिनी वा रेटर पार्टमब अवेद करनेव शृद्ध वाहे हो है जिल्ला (बन्दोग्न का हत ଓ व्यक्ति इटेग्रा भट्टा अक्रम व्यवसा प्रिया दाशिक्ष त्रकाल शक्ष्मंत्र नमार्त चारत वर्षात्र द्वारिक (शास्त्राचा विदेशको कहिएक मानिया। करम पुन , बीव खेरव विके किय व मानि श्लीख बरेवा खेठिन। कृत्रदेश शिक्षि क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र हेराव নানাৰিও অইবেষ চিকিৎদা অ'ব্ৰক্ত করাইল। মহা-भव । अक्षां कि क बहर ? कंद्रभूर । ये बर्फाव ७ मृष्टे एत ? यादात अखत विकार कार्कतिक फारांक कवानक कविता कि **फारांत्र (क्या** ज्यानीक इदेरव ? व बनदे ना । अक्षा महामाख्यान

लब नहां कड़ (उहे किए हरेल बना पाछत विद्यान की छ। इन्हरम खास्त्राचा यार उन्न बकाव না দিল একাশ বলিংশ আৰু 'জে ইয়ন। ্টিক্স কড ভাবে বিশেচত প্রী নমুক্ত বে हिक्रिया छ इव किन्ना स्माहन यथ मा मरमहे छ ्रिश्चर्यस्य । ग्रामानाः २७२ दर्गेन्न यस १६४४ कारत छ भएकान्ट्रिय विनक्षण कारण के दहेगा हे द्विति । स्तर्भ कालाति । स्वया प्रदेश शास । स्वयः छ।इ.स. अक्र वा । अहर अर्थ वापन, धन। छ (मो डाज का इहें त शान नरन कियं) न (' ') योकी गर बाहोराइ अपान अलान निराम के हुए शर्द रीम-(क्टेंब सि : हे E'माएमद अहे खायन। ।

৬ । বালে। ছাত্রবৃত্তি সম্বন্ধে এত দিন বিভাস্ত বৰ্ণানা তিলা কতিপয় বংশর হইল बेनरम्भ हेव मरहानश भारे । भू खक निक्रिण करदन बलिया भरीयाधी नेतात कथ के र स्विमा रहे-স্থায়েছ। কিন্তু জাত্রিও জাত্রক বিশুঝালা বৃত্তি মাছে। ছই বংসা হাতীত হইরা গেল, মহামান। डाइटब्रहेत्र मट्हाएय महिनत क्या तिनिश भवीषात्र बिग्रम প্রবর্তিত করিয়ারেন, কিন্তু এই পরীক্ষার¹ পঠি, भगदा क्रिकृगाञ मृक्षमा (प्रचिएक्रि ना ! इश्टल भन्नेकानि तन कि श्रकात क्वांज अ दः भ পাইরা থাকে বলা যায় না। ছাত্রগণ বিদ্যালয়ে मम् वर्ता अप वर्ष शक्ति शुक्र के करत, भेदोक भारत एउक उर इहेर्ड श्रम बाहेर्त । हेश एक नव अलाश, अञ्चलान मुक्तिमारअहे कुलन्धि क्षित्र अपन्ति। इ क्ष्रिंद् विस्त्र उद्दे एम, विका तेत छात्र' अन २३ द्वांकी छ'दा म्बर्फ भाउतिह त्रिक । अ ७ वन का निगम अंशित कर्छ भारकात बख्रोह माना त श हु है हर, अरवनीयाँक-পের প্রিব্রভাষা ১,৯৭৩ ন সম্পর্কে ভাগর ष्ठ इरेश्य वर्गाल्यल छ एकर वर्गा क्रिया अफ-এব অভিনয় নির্মন্ন ন্বনারে এই অন্নরোব, ৰঙ্গদেশের ভারণে গায়ক কাং। তবিদ্যানত ইনগ্ৰহা केंद्र) निक्र मिश्र पर्तानता है न य ईमर अही-कांत्र भारते, यापालय नहर पाएकत महिला विसान त्रिक किश्वी अधिन ।

8 । करिश्व क्रिका भाग शाल, सर्वारक्ष ्ट्रेनरम् प्रतीय मादीय। खार्य এक दिश्यानमा क्षक किन फाइन्। ने। 5 वर्ष क्ष प्र अपनी श्वादक সভে লইয়া নরীয়েত তান কৰিছে যায়। মাত। श्विद्वातिक जान क ग्रेश यो १६८० । केन सुरव विश्वास्त्रा चन्नर यामात्र श्रमतात्र याटि याम् । कन-क्षेत्रं स्नानंकार्यः मन्त्राप् कृतिमः शूजिमितक रयथारन विकार के कारन पारेश (परित পूजरी क्षेत्र) विवाद विकास कि
্বীক্ষাপন', ব বালিচাৰ পুটল' বা দলা কত ৰেখ- তথাৰ ন ই এবং চত্ৰাদ্ধকৈ (যত ছুৱ দৃষ্টি 🏥 সমুপাঠ ও জ. দিয়ে ঘটিত বহন। বন, বি কবি- চলতে পাবে তত মুর) রুটিপাত করিয়া। ्रकाशा अल्लायरक लाइन मा। इंशांट (म हा शुरुष्ट या च लिया ही ५क'व कविएक कविएक श्रह का भना किह (ग्रसाटन अपनियम ना । श्राह व्यक्ति ম্যে এই সংবাদ বিস্তারিত হুইলে পুরের ক্ষাৰ ्व 4573 लोजिन। इहे भिम श्व अक बाकि वन अटा माहेला मिथल अवसी सव उत्रेमश्या कर्या जा गएउएक। ज्ञास त्य यादेश व्यवस्थाकन भूतिक छेर्डि अ दान एवं गुन्द्रिक दिव कर्तिन । গবার এগনীনাত্র সন্তান 'ছল : বছই শোচনীয়

ত্যোলুকছ্ সংবাদদ'তা লিখিয়া

ছেন:--

১। এখানকার নিউনিসিপা জটির অধীন বন স্তাবলগণ আৰু কমেনীর ও,বান লাই। ভালানি भारक । उसे हे अभाषा के एक दिन इरेड হইয়াছে। ভাষাদিগের নাগিক বেডন ও পরিদ্যুদ প্রভৃতিব বায় সকলই কমিটী যোগাইডেছেন, किन्न डाशिभिरक श्रीनरवत अधीन इरेग्रा कार्य, क बिटल इहेट इट्डा भू शिव मध्य इहेन्ना प्रकर्धना ৰ পাদন কবেন, এই আমাদিগেৰ অন্নরোর।

२। ज्वज्ञा भवनिक्श्यार्क डिगाँडेबर्न्डर আসিষ্টান্ট ই.জ.নরর ও ওভবসিয়ারে অভিশয় বিবাদ চালতেছে। এক দিন ওভর্গিথাৰ সাংহ্ব ब्यामक्री हे गार्ट्स्वर वात्रीटि श्रम दर्दन। कि व्यानिष्ठा है बहान्य जीकात भरवस्ता कित्तन ना। जाहार अञ्जानियान कृति उहरेवा कर्ने बाक, প্রয়োগ করি লেন। ক্রনে উভয়ে বিলকণ বাগু गुक्त इहेग्रा शाला। नातर्वात छे छशा पा व कवा धुनाद्य छिश्व उस कष्मजाञ्चलद्वर निकण दिएगाउँ कार्यान । विहादत् अध्यतिशाव मश्रामश्रदक छैर् एनं क्षान्तित्व जनाम जनमान क्विकत जन द्वार्तिमाल्लेख कवा इश्वारह। शात अक विन প্রস্তবসিমার জ্ঞানস্তান্ট সাংহ্রের ভারির সন্দু খত্ম श्थ विद्या मक्कीय अभन क विट अक्ट्रिलन । ल्लाबाक भइ' ब्रा के शांद कार कार मारे व्यवमान करना। ওভঃসিরার তেওুগী মালিটোটের নিবই অভি खाश कविदलम : आतिशेष्ठे गारहत्वत व • नेका वर १हेद्राट्ड। क्षेत्रातिभिरतत भवन्त्रन अञ्चन वारहात मर्गन कहिया नकरनहे अनलके हहेबा (इने ।

৩। গৃত ২ রা কেব্রুরারি রক্ষনীবে'লো এ অঞ্চ त्तव काम क्रिन प्रत श्रवन बीच्डोगर निगाइति

निष्ठ श्र (जन कविया भाष्ठ इरेग्नाहिन । াহাতে বছসংখ্যক "হ পতিত হইরা গ্রাদি करनक भश्चत्रं श्रांभन न इहेब्रोटक। (श्री क्रांरशहर विषय (य काम म'सूर्यत क्षान महे इस माहे।

 8 । अवाद्य किन निम ए छ त्यात्र मृत्राः वृष्ट श्रहे েডছে দেখিয়া সকলে সপজ্যিত ভ্রয়াছেন।

कौलनोच् मर्वापनां जा निर्विशाहिन। वाय 36 मिन शक इहेंग कानवाव निकृष्टे ञ्चन है बार्य शानान तहमन हो द्रीत वामेरक দিনেৰ ৰেলাম্ন ৩০০ লোক (লাচিয়াল) উপ-चिक रहेशा विद्यास कालामात्र महकारत हार्क कतिशाद् । वानिश्रत्वत अध्यक्ष्य कामा क्षम नगर २३००० केला (नाउँ । २००० केलाव जन স্থার প্রস্কৃতি ৪০০০ হাজার টাকা মোট ৪০০০০ गर्थ देवि स्थान स्थान स्थाद । स्थादन किर्मन विभाग अभयान कहा इहेग्राइ ' अतिक कि ।म गम्दा महातानीत वाषा अञ्चल वाष हिन मा !! খোধার নিবাণী মুন্দ নবাবজানের সহিত উক্ত शोशाम त्रह्यात्नत ज्ञातक निन्'भर्या विवाम' हरेता का निरुक्ति। श्विनाम छैर'त छेशत्त्रहे अहे দোৰ স্পতি হইয়াছে। অত্ৰত্য পুলিৰ ইনশেক্টর ७ दर्बमात्तर भूतिव हैनटम्भहेत अवर जानिहा है ञ्^भित: हेट थ के के हैं न किया गार्व फेक कारम छेलांच्छ इहेन्रा अञ्चलकान करिएछएइन। ० । ७ र अन लाक (नाबी विलिय्न) युष्ठ क्रेब्राट्स नकरनहे शंकरक फार्ट्। मुलि सर्वास्क ^{খু তে} কবিবার বিৰেণ চেষ্টা করাতে ভিনি স্বয়ৎই अर्', व शांकित व्हेन्नोटइन । हेर्डीत चट्टांत कथा-इन नाहै। अधनह कोला काकनम माहरक याना इहेब्राइं। मार्ट्य परमक छर्क विछर्क कराटक नवाब्यान ১ * • • शक्षात छोकात का यम निया शिखित जाएहम। बाहा इंडेक, भामरा এই बनि (य अञ्चाहावनी अधि धकछत्। আমানের মুড্ন ছেপুরী মাজিটেট প্রছাপনারায়ণ मिट्र वाराष्ट्र स्थन काम कतिया अधिवरम् विवास करतम । विकिम भवरियरिकेत जानमाबीरन अधन छ अयम अज्ञाहात । अही नित्म क्षांकाहेकी !।

अथानकांद्र कोकीबादी होत य अखास अविक धार्यः स्ट्यार्ड छाहा शुर्त्तः लामक्षकार्यः (मधा रदेशाहा अकरन भूनतात सूचन वरकावरस्त्र गमम देशमिक। अवाद्रत समाप्ति केक मूना নিবলন লোকেয় বিশেষ কেল হইয়াছে, ইংলা উপর আর টাঙ্গ প্রক্রন সহ্য হইবে না। এবিগঙ্গে एक को को के कि के कि को कि क्षाईमा द अवन विश्व प्रमाण का विश्व में



াসিক বার অবগত ব্ইলাম। টাক্ল সংক্রাক্ত স্থাপও মিনজা থাওয়ারকৈ জলকর অবাদা व्यक्तितित्वर्गव व्यञ्ज ५० होका होनीमादन গর বেতন ৩০৯ টাকা। আর রাস্তা প্রাকৃতি গংকাবের জন্য সালে যাবে ২০০ টাকা রাখি লেই মধ্যেষ্ঠ হইতে পারে। তাহা হইলেও ১৯৬ होका होक्र काराज स्वेटनवे नकत कोळ मिर्तास श्हेर अरा । कि व १७० होका आवाग्र हहे-(छाड्। बिट्यहमा क्रिट्स १७५ होका ए जना ब्राटमरे छ।क रहेटच शास्त्र, अबिक्ष विविक्टल मारम मारम २०० होकांब किछू कम ताथा इत्र. जरम बाज़ अ बा हो हा रहें जिल्ला हो । (इन्हें) बाबू मीन इः बीमिरात श्रांख कृषाविष्ठा करिया बाहार अवस्थासूनार हो के बाब हुन छ।हाउ कतिराम अहे व्यक्तिमान ।

এখানকার ভুতপূর্বা ডেপুটা [মাজিটেট বাবু अखब्राहद्व बक्ट् २२৮ होका कहिता (नवाम नहेवा क्य इड्ट अवनत धर्व कतिहारकत। देनि अअधि कार्यक्रमत लाक ছित्तम। हैनि देश्या कीएक मीकात कोवन हिन्छ निविद्यास्त्र । अकरन निन्दित रहेवा किहुनिन विकास सूर्य जानुकर कक्रम । अज्ञान मार्चत्र जान वर्गत्र विद्यापन क्या निथिव्रोहिनाम, किन्न रुख्छाना के नाज বংগর দীপান্তর বাস করিবে শুনিলাম। আমা দের মৃতন গুলে চ বাবু ওচেপ্রসাদ সেন মহালয়ের कार्वः विविद्या नकरम श्रेम इन्हें ब्हेबार्डन । किन्न आंगत्री किंदू जिन कोई। नी (क्षिप्री क्लिन क्यी बनिएड हेम्हा करि मा।

क्यादि हार्डेरमत बूमा क्करन २५ होका भी शहियादमः आंत्र अधिक मा महेरल हे बनना इक्कि बरमात भूमा अथम व्यक्ति आहि।

বিবিধ সংবাদ। १ व कामधन त्मायवात ।

न्यात्वत कृषकवित्रात्व यह छुत्व छावा वर्ष ছিবার ধান। এক কোম্পানি হইতেছেন। অস-क्क कृतीववारी महासमितिता रख रहेत्व दूर ক্ষিগ্ৰহে রফা করা কোম্পানির উদ্দেশ্য। জনী शास्त्रत पूकायां के कृषक विदेशक यांचा थारक, श्लीताचा यस एव अप्रे विरागन जास्तारमञ्ज विनय ।

क्षेत्र कर्माश्रमात्मत् (यखन ७ त्राष्ट्रा श्रक्षि) शूनक्षणित (इक्षे भित्रकार्य करतन माहे। ন্মানের ব্যারাপ্রোমী যে অর্থ ভাষা নালগুরা। পঞ্চাবেং ভিন্ন ভিন্ন জেলার লোকদিগকে সং-া এ অংশে যত বায় হইবে সে পরিমাণে স্ত ও পারস্কের প্রতি অধিকতর বছবান করি তে কাহারও আপাত্ত নাই। একবে ইহার বার উদ্দেশে রবজিৎ সিংছের সভাপত্তিত রাধা নিংজা পাওয়ার একজন প্রসিদ্ধ করি। আন্ময়া चर अब खायात त्यान , बहेता यात्र दीवाता असन ज.किशात्र करद्रव, बाहादिश्वद इत्रक्रिशात्र गरमह

> त मार्च्य (मन्द्रेगांके गवर्षत स्ट्रेटम मत सर्कः इंद्रेश भवर्ष स्थानहरूत को निर्मंत्र मुख् स्ट्रेट्स ।

> छेड्लभग, जान्हेन ७ मिरकानाम नामक ভনক্ষম লোকার বোধাইয়ের এক মামোরাবির माकारन श्राटान कार्रमा खोशांक वश्र ७ हरे জনকৈ ভয়ানক আগাড করাতে ভত্ততা প্রধ:-নতম বিচারালর ভাষ্দিগের মৃত্যু দতের कांका विद्यारक्त।

बाबू माইक्ल मधुस्मन मरु कनिकाराप्र श्राकायन क्रियाद्वन । छारादन महेवा अधान कात श्रामक्षम विष्ठातालाहा - सम अउटकारीय वातिष्टेत विशेषान ।

नक नारहर इधिक कतिमनत हरेया छि करल शधन कत्रिशादहन । फिलि शदर्शस्त्रेव ठाउँन विख्यन क्षित्वन । छिमि अवर्रामानेत्र जाका | मेटा लाग क्षिर्फर हरवर्डी महि। धीरन शाकिरवन अवर इक्षिक निवादन मकाव महिन्छ भारतानि सिचित्यन । मक मार्थरवत छैगात क्रांकि क्रिमाट्ट , कान क्रमण थाने (व मा। अवर्गमने ଓ इंडिंक निराहती गणात क्षमञा পরশারবিরোধিনী ছইবে মা ত १

कांतून श्रेट्ड मरवान चानिहारक, निग्नाइ जाति चौ एटबर्ड स्वैद्राद्यन । जाजिन चौ गुटक (य आयोज शांश इस् जोशांत शांगकरात कर्द য়াছেন। একমন ছুন্দেন্ডিত দিপাৰী আকল্পন थाँकि दोभाविनत्त वर्ष क्षित्राह्म । मश्योप मका बहेरल कावहन इहबन भी निरशंतन शांख

नार्ड कृ १०८वातन प्रश्नाकाञ्च वनिग्राहम. 2 शिखन व स्ट्रेटर कि मा गरमस्यता त्राञ्चलित्भव चर्चत्र विषय जिन ज्ञानवर्गीत गावर्गयन्त्रक अक शब निविद्यत । ३० अहित প্রজাদিশের বে শন্ত দেওবা হইয়াছে তাহা মহিত कता कारात्र गांचात्रज मार्थ । अवर जानता शहाकात्मत्रा छाहा आँग कटतमः इहीमिर्शात्र छत्रमा कति शवर्गसमे अटाई। उकतिर्वम मा। ভবে ভূমিগংক্রাভ আইন একতা সংগ্রহ করিয়া सकाव श्वर्यप्रके कर्यका कवितारकन वर्षे क्रमीमात क स्रवात यह क्लक्टेंबरण विद्यातिक े किया कार्या विकेशक जातियात जातान कहा जीकेनत जारणाक श्रेताहर ।

ब्राट्सळ महिक ब्राय बार्शहत प्रक्रिक निर्देश द्रवार्ग ८००० है। क्षा क्षत्र क्षित्राद्यन अवर श्राष्ट्रभारम ६ । क्रीकाम हिमादव निरंबत । व्यवधाना ধনাচ, ব,জিরাও অগ্রসর ছটন।

আম্বা অবগত হইলান অবেধ্যায় নবাৰ च्थित्रामा श्रकृष्टि चारम श्रित्रं कृतिहारहम। । ৮०,००० होको नित्रा बोतू तारकञ्च मनिरम् পত্তিত রাধাকুঞ্ এক্লন বিখাত সংস্কৃতক চেভিনাধানা ক্রম করিয়াছেন। নবাবের প্রতী পুৰবার এমনি দক যে চান কইতে যত 💩 আইনে উ'হার লোকেরা বিধাতবিতে ভশব্যে গনন করিয়া বাৰতীয় উত্তম পঞ্চী ক্রন্ত করেন। गक समा नयू। किन्त यहमीयुक्तियात श्रक्ति একবার পদীর ন,ায় বৃটিপাত কর। বর্তবা।

> २ द्रो मार्फ हिं। नहारत मूनलय'न नाहिन्छ मठा स्टेरव। लाउ' त्विशत्रव चानिरवम विनदा সভার অধিবেশনেব কিঞিৎ বিশ্ব ষ্টতেছে।

> बाह्याति गारा कनिकाला इहेर्छ २४,७३, •२० छोकाव पुना वश्वानी इहेब्राइड ।

बक्तरिय शूनर्तात शामद्यान जात्र व्हे-রাছে। কর্নের দেরার প্রভাগমন করাতে জ-মেকে রাজার ক্ষতা লোপের চেষ্টা আর**ত্ত** করি ब्राह्म । ब्राह्म (क्वम बर्ध) मध्य काकालिक निच्रेयण अन्नि किश्री कडक लाक्क वी করিতেছেন। দেশের সকল অংশে বিশ্ববাদা स्टेटिक । अहे रेडिका शांतिक वस्ति स्रे ब **एउराव ज्ञान रहेग्राट्ड। (वाग एक हेर्गत जाबी**

মহাসমারে'ছে জাগণার প্রদর্শন জারভ হই-য়াঙ্গে সহত্র সহত্র নোকে ইয়া দেখিতে আসি ডেছেন। উত্তৰ ক্ৰাই ও শিশ্বসাত মধ্য-मनन (क्षिरिं उ रहेत्रीर ।

विकार निर्देश के व्यवन कवियार इन इक्षिक ক্ষিসন আদ ছুই মাসেব মধ্যে বিলোট দিভে পাবিদেন না। বিশ্ব ভৈছোরা দীয়া ছঞ্জিকেশ को ने प्राचित्र अवर अवस्थान अवर्थन के कि कवित्र (इन चाराव दिर्शाई क्षतान कतिरवन । कवियारक शंक्षक ना इम्र अवियदम् बिकीम् निर्माणे इस्ता চ্ডিক ক্ষিদ্ৰ ভল্লাত্ৰ দ্বয় উন্কলে অভি वर्षक मित्राइन कराव रेशानरात हिल्लाहे

৮ रे कासन मन्त्रवाता

गंख द्रांक्टिए च्यांनीशुद्धन वार् धाननामन মুখোপাধ্যায়ের ৰাসতে সব িংগিল বীভাষের अन्द्रामार्थ अन्ध्र स्थान क नृष्टा रेग्न । भवनन स्थान बल, भन्न छेड्डिनियम मान्य कलफ शकुछ जालन সভান্ত ইউরোপীয় ও বিস্তর এতামেশীর ভা লোক উপস্থিত ছিলেন। আৰু ভ ব্যক্তিদিংগ जारबारम्ब कमा भीक रमबारम ७ केंद्रेरबानी

चुकि ल क्षांपदान बाल एन पार्टरा । मार्थन (१६३) हिन्द था। भ्या । युवार शान कालगा क कामप्रकृतिका । उनकामिति याद नहार । मध्यक । साप ना थान नव ए ६ छेललाक विश्वापत इस ए छेरहा भीच क्ष म माहे। में धर्म ! विम्नाहरून । চনরস ক ভারেগর ব ৮, মবংগ স্থিতেশ্য জানন हेरहुष्ट बाल अदर कानक का निभन करायाण श्ला बाहेटल शादर। अथ अकल बादू बहुबांश শাংলার ধারা প্রস্তুত হয়। ইনি এক জন বিখ্যাত मन्भी उच्च ,लाक। अहे मश्री अकृत्व नगरनत সৰ্মপ্ৰধান হইয়াছে। দলেব সম্পাদক বাবু জস্ব-बाब हट्डीलंक्सान भावतित ध्याबाहर । यात्र । भवन्त्र (सम्बद्धा कार्य ना दि इहे शहरवन नगरव इतिहासन, जनर अक्तिई सांबु स्वतानाना न वत्मावर्थं मास्याव वा उ माप्रशाहन ।

१८७६ बाइस्य १७ जाडेस छ १८७६ बाइस्य प्याप ६,००,७६५॥/१६ प्याप ७ ६,००,५१९) ३६ श्राय वस । ३,२२७,० शत शक् । केब् स कहे-Bite .

 इ क्यां क् ভাষাতে ভাৰত্ৰৰীয় হেলওয়ে কোম্পানি ৬ লক্ষ होता माञ्च करिकार्टका, अध्यक्तीय जा प श्हेरन काम्भानि नीज जरनी हिराक बज कहा भाह है।कांत्र व्यथिक मित्रा शवर्शस्य हैव अब श्राहरभार्य । नवर्थ क्हेर्बर । देशिया औरमाक मकडे शक्क छ মুজীয় প্রেণির আর্রোছিনিংগর প্রতি জাধকতর ব্যাবহার করিলে অধিকত্ব লাভবান হইডে ঙদিক কবিয়া খালেন। এটি এর কনা আৰশ্যক।। ব্নরালার সমূহ হইটে ছেলনমান্তার লইয়া-বাওয়া । हिर्म अहे कति। छेत्र मियारन क्ट्रेंट शास्त्र।

) भा बाह चर्ना काशा वाक शुनकीत विहास कहिरका । राष्ट्रामा ३००० होता शरी छ शक्दभम हीहाभिद्रमय ग्रेका अकनारम वे १५२८म वक्का रहेरत । हेराज अधिक याँ विषयः भागेरयम 'अहाक्रमनिशतक थाछि है का हा विकास श्रेरक किया चरनिष्टे गिकांत करा चंद्र (मध्या

क डाका कुम इ.मरव। ८४ मन वाहे दिहाट उत्य केल ला उन्न आकाम स्ट्रेस बना

वादन्यदा श्रमी। व इ क्टामन सम्भ (1 कर्रा केश्राहरूव राज अव : काइजा अवि- यादे(अट्डा थाना अव। व्यस्मिक प्रस्ता ना कुट्टे-(६४ ए खुना छ कर्यर । म'णा , "गन। दिन्त (ध- एफर) । भवर्त्यको अव विकास विकास - को बाल खदन करिया वर्णन ' जिनि अधन र क्षेत्रशिकित्य मणुदानरावर स्वत्रम दृष्टित माध्या

दर अध्यान की प्रव रहेए अ बाद लाहेल-लांड बट्टर का अभाक विद्यालिय बट्ट कीर्ड , इस. ख्याय वन संदर्भ खाड कर मा करें हैं। TEST !! क्षारङ्ख्य कम अहे (हाटक) भूषा है। हो दृष्टित्यम , मसावड करनत व्यव, के खापड़ांच करिएएह ! व्याधनाचन सन्द्रमा छात्र। বারু মন্ত্রনাথ দত্ত পথ ও গীতগুলি ইংবাঞ্চীতে করিয়া প্রায়ন করির'ছেন, এবং আদ্দিত সাক্ষেতিক চিক্তে লেখেন। ইয়াব ভাকিকার। ইয়াকে । সকল বাং ব্রিয়াকে । ইণার কি কোন প্রতিকারের क्षेत्राय महि?

- ৯ ई कहिन दूधवार।

जिर्दिशियान है, एवं लिए ऋत्वानी भारत्व श्री अप निवाह की गालांत अवीरन छे श्वरता विद्यास करिननर निष्ट्रस्य स्टेश्सरहरू । ७६, छर्गिष्ठे चाहै, छेड़ ७ था ही तथ । भन नार्टर (तर्तः होति रहेम्राह्यः। व्यव काष्ट्रेव भवाव छेछ উড সাহেশ্বর আপেক। তেরুই অপিক পরিপ্রায় करान मा। शक्षिक श्रष्ट क्ट्रेज म वेजाबोल्टनव रीशित क्षांच कुडकला क्षेत्रान करा क्युंबर ३३१४।

এমত ক্ষমজাতি ইছেন গাছের সর সিদিল वीष्टानद्र मध्य हे॰ मध्य य हैएए इस । जाला-ভডঃ এম. মি, ৰে ল মাছেৰ বন্ধাননীয় প্ৰৰ্ণমে ন্টের প্রতিনিধি সেক্রেটারি ইইবেন। রে গাছেব लिक्षेत्रके भवर्षय बहेत्व साल्लिएत भारत्व क्राक्क मिति बहेरतम, नकरनत अहे विधान। जामदा जाक्नाहिन क्हेगाम, अठ, अस, हादिमन नाइक गर्नरमञ्जू कृतिग्रन (मृद्धिने वि विश्वादक्त ।

नञ्जि किलाम नाट्य हामानावाएप मन्त्रात करिया अक्रिक मधीर विशाहक बलिया हिन छेला পারিবেন। ষ্টেসন মাটারেন। অদ্যান্তিও বানিজ্ঞা । বিভাগে তুলা ও গম বংগ্রন্থ জন্মিতে পারে। এই इस स्थापन वार्षिक करान मा अपने हे सरवात वक्त वित्य कार्ये । वक्त करान वदमव (इम्मानायाज ७१००० होका मानायन माजरा चत्रन (म्बया ब्ह्याहरू, व्यउ ध्व नर्मात नन अथन जापनाता छ्टो भारेचा क्रविकार्यात्र **देविक माध्य कराम, अप्रियमा कथा वाहर**क পারে। টেম্পাল সাহেব এবিষয়ে বছবান ৩৯ জন সন্ধাৰের নামোলেধ করিয়াছেন (টেম্পল সাহে (वज् এই मक्न विषश्च चन्नुहोन चाह्न, अवर स्टब्र श्रवम अव्याप्त जीवात नाम नाटकत स्ति वर्षार्थं नाम रहा भागता हः विक्र सहैयान, 10.

তিনি এমত সম্বানের পদ তথ্য করিবা বিদেশ रिटक्कान्त्र अने बर्दन छेनाछ इर्देशांद्रक मात्रजनशीय अनुर्व-८ हेद अखाबाच्यादन मा क्रांभरवादन क्रान्नीशुराव क्रमरमञ्ज व्याल्या निटक छाना यर्ज । स्वात आका निम्नार्हन काल्यानि ४२ नक्ष क्षेत्र। इप्र माद्य काद्यन । উহিৰা আপাজত: ১৫০০০ নোক খাটাইতে-(इन, कर होका **क्ष्रेट्स** so, oo क्षिक सर्ट्ड পানিবেন। তিনটি খাল আরম্ভ হুইবে। ইছ'ডে अद्य क पिट्रक दिशकात क्षेत्र अद्यान वार्ष

जन ड्रम्डे न। भक अक छन युदक हेटे (दाल) प्र अक कोल िटके वहेत्रा हिन्द्रत मान्यालाव ধৰেৰ কৰাজে জাহাকে পুলিবে অপৰ করা হইয়াছে। ডুমট মাডাম্মানা বিশপের हिनत जाना विनरभन कमा e थानि हिटकरे (अतन करतन, अक दिवस 😤 मह इहं सन अण्डलमीय (बमा) सहेवा जरती इ छवन করিছে যায়। পর দিবস আনা বিশ্বগের নাম কর্তুন করিল্লা আপনাধ নামে টিকেট ক্রাতে जाशास्त्र भूभित्व अध्या स्हेदार्छ।

विलीटगटकटण्ड चांतुकविक एर शहसाका बटनान, স্থেতিকার চুড়ের পর জনবব হয় জালীব ानधात भानी क्छ हरेशाएकन। हेशाएक डावाय পারবাবগণ লোক করাতে আকল্পল খা উ।ছা-দিগোৰ নিকট খাইয়া সাজুনা কৰেন। আকল্পল থা আৰীতের কানত পুত্রকে জ্বোড়ে লইয়া वरतम " आधानियात साव नारे, निवात आनी ধা আন্ধান্ত্রের প্রতি অস্থাবহার করতে विवाध स्टेट उर्दें। " भूनतमान ताकक्षातमात्राय भटक 🛎 बादहातमा आकर्षा वटमे। निम्नात जासी थी जाककृत थाँ। ७ जाकिश थाँ। २७ इटेब्राट्स । अगरवीम नका (वास इहेएकर । समझ व छिन्नारक व्याकश्रम ब्रह्मम भी व्यामीत स्टेटच्ट्रम । निवास वानी की मन्धूर्रऋत्म नवाबिड इंद्याटि नवर्व মেউ আফজুল থাকে আমীর বলিয়া খীকার क्रिएएहरू। क्रिए अक्ट्रे अक छं अ सा रहेल निवादणानीई नकन कछात्र मध्य छेन-मुख्य ७ महामध् ।

আমরা টাইমগ অব ইতিয়া পাঠ করিবা भाग्ध्याविष्ठ श्रेणाम, थात्मदमत्र कारलक्षेत्र मण्जूर्व कांकान विरवहनात्र एकछ। विज्ञ छूना एक कृति য়াছেন। ব্যবদায়িগণ এজন্য অভিশন্ন বিরক্ত ररेवारहम. अवर मकरन विनाफरहम छेख्य অমিক্রিড ডুল। মই হইরাছে। ডুলার ভারাল रहेटन अदियाना कडाई आहेत, थाना अना मध বে শরীরের হানি বইবে ৷ বর্ত করা অভিনয় অন্যায় क्षेत्र कर्मान्य विकासिक स्थापिता केरूने करि गर the all whether with this sale faire few stands faire and stands where unturi Atheri

CAN'S STREET STORE, MINISTERS OF FUR. क्रिका केलिको जनकारिक क्राफाकारम विकर्णिक नकारतास्त्र सहित्रका वे स्टास्त नगा विश्वकतिकारक्त्व। श्रीकत्वाद्वतिकार्थः अर्थक्तेत्रते इंबलिनाएंक सङ्ग्रह करिया दान गर्नावस

क विद्याद्यम् । डिक्स श्रीय गरिना, कर्रान क्लाम, ब्रेश्नारक त्रामन करिएनम अ क्या कीशह अकि कुष्यका প্ৰকাশ্য ভাষত ইউটোপীয় সমাজ এক शका क्षितिका । बाजना है भार बहेराकाक । कार्नम ्मश्रम केश्मरण नाक्षांत्र जूतक अस्तिकाकात्र कानासन कविद्यम । अवादमध्यतः विकेशः । देशकि कर्तक क्षित्र तक मात्रा क्षेत्र हैं।

To S ALMAN SAME MARKET जानका प्लब्बार्क क्षेत्रान अक्रक्रिक्रिक ज क्रमेशक्या लग बरवरच चीरसंस्थितिक वच वर्षे एक फाँछ। शवर्यसम्बद्ध स्थाहत व्यक्तियोत व्यक्त क्लिक्षेत्रात्र अक गंका स्टेट्स्ट्रिक । क्लिक्से किलि ता क्षत्रकात बाहा कानक क्षाक वर्षाय

मानाश्रद्ध समस्ति भक्ति । सम्बद्ध मह (कामध्याः क 'तर्थे । एम एक के जि

sal malico miene mui i , जान क्षेत्रात बरेब्राटक । क्षीरलायकत्रक नक इंद भाषात्रकेष अहे बच्छे

विशिधित्यके यामन महयाख्य मनद्व शामक निक्षेत्र सामक् अकलम देक्ट्रानीक क्षेत्रवाच क्रीत क्राह बाग करत : गळाकि रंग अवस्थान हिन्दियाय क्षानंत कृषिश प्रत्म ज्यानाहरूम कृषिकनान आक्रिकासीक ३५०० केला सहरक समित्रीयन । "MENTER BU FAULT HAVE A PARTY WELL THE PERSON OF TH

का मरीक क्रिकां क्रिकां क्रिकां क्रिकां विशि

नार्यक्ष क्या क्षात्र। क्षातानीत मात्रकी क्कार क्षा अभिकार कार्य । त्र कार्य क्षा त्वर नामकी कीवगारी अने अंचर्ती अपि क्षेत्र का आकृषात् हें हें हुए व अभिनेत्र मा अवस्थित । क्षेत्र क्षेत्र । क्षेत्र क्षेत्र मा अवस्थित । क्षेत्र क्षम बाज्यम् व्यविश्वामाहे निर्देश वाहावैद्वत वाव की मानवर्षा उपना नाम जो नामित वान अवस्थादम्बर्धानम् । अक्षानाद्वे नातने कातने क्षानिवादसम् । मा बोहिल कि पान अपानित होता प्रकृतिका नायव, कविका ज्यानिरंग्रहिन १ (६) वास्तित कार्य अनानी अभिकृति विद्वालिक एक जीराज वर्गः विकित्र भा निर्मित विकास देश नाई वानवा विवासीत्में क्रमक महिमा शहरक प्रदेश ।

क्षिकाओई किंद्रिया स्टब्स वंशायक विद क्रिजारंहम, क्रिजिंगरंक वर्गकर्त याकि वि अ नवीका मिरक कांगिएक केंग्रेटिकार एकांन ुक्राकेर्द्राच्या व्यवाक कामता विकासिकात हैमहर्कर केरता निवर्ष गहेटल आहे जाति निरंपत आजिएल व्हेट्ड " डीव्यविष्ट्ये डिक्की व्हेबार महारमा भारक । १ अपि किर्दिक्त स्वीतिकानम्, नारवरवर প্ৰভাবে হইকেছে। এনিয়ন অভিনয় অন্যায়। कारीका अक्रमेश्वादिक काल हरता करिन केटन। ग्रीकार्विश्मं की क्षत्र, करूत्र अविश्रयम् अरम कर्त कि है चार्र किसेंस नाइस्य नह निविध विश्-त्वत बर्धार्व किंद्र ग्रीटवंद नशक कांच्य कतिएक-क्ष्म । द्य कार्कि मेहेन्स अखिकामिश्राक व्यक्तिक जिल्ला हिटन कैंक्सिंग जल (क्लाटन कर्मा) गहेटक त्रीकृष क्रेरवस मात्र केरबाई जिकारि भाव कि अक्ट्रांता क्या बाहिएक लाइत ?

34.管神器中型证明者

मामक थानिका सामिक क्षेत्राक प्रामाधकाल, बाह्यांकी संकाशिका सामृष्टि कालक वाति ग्रावः य श्रा अवश्यक्ति प्रवेटक किन्न विक्र माहावा भारे त्वक्रिका विकारिकारमें जित्तकेत जारहर कारा क्या का विद्याद्या ।

, প্রকারিবার ডিটিব বেভিকাল আলোগি-क्षेत्र मानाम मायश्राहिक प्रकार बीहरू बाहु गार अवास्त्र महरूष का कि करलांट कि ए दामिक अविश्वकृतिक अविश्व अविश्व रह जा कारता। স্থান্ত ভিত্তি আমি হাগমিয় সমাক উপকা-विक्री की अपने के देखें महिन्द काषा अक्षामां प्रकृत क्यूड्ड त्वांच क विरुद्ध क्ष नेंद्र संदेशन । ने दिस्स ने किंद्र मांज महिन्द्र मांज सहिता मिनिर्मत " नगुरुष अंशर अक्तिक सरेकार् चावाङ विवास्त्र विभेतीक क्या करमहे अभि क्ष मार्थिका । है । स्वाजिका गरिक केना आगाएन विकेशिया कर होते वासूक, जातहा कार्याक देना **自中心。(43 年**年

wangen bes Breite eiene beit de part alantil

के ज जाएशाक महात जातकार Water brills only control facts STREET BEST OF STREET STREET MAIN HAIN CANCER WHITE MUST

३१ दे कांग्रेस मंतिकारी।

बहुरकान शास्त्रके ब्रह्मन । सन्तिकाका विश्वविशासद्वत स्थारकत्र। वित्र स्तिबार्यनः व अक्न होज क्ल, क, प्रदेश दि, क, शहीकाहे शाची व्हत्त, छावानिनत्त अन्तर्भ गाउँ विकर्ष केनच्छिक कतिएछ बहेरन, त्य कार्यातमा केवीन व्हेवात व्यक्षिक महावना क्यांट्या वाक्षण एकान् विमानित ज्याप्रम करते मा, फाइनिस्ट्रिक क्लाब करमार्थान कार्यक्रमत कार्या क्लान के के देवरिका केरवन निकडे नामि निएको सहैएक क्हेरव मायान अरबनिका अलीकात शत श्रीक प्रेरमहत्त्व महत्त्रे सम अ गरीकात देगदिक रहेक खार्गाका कि बार्किए का, अकृत्न-तरमदन्दे ६० हे जिल्हे स्विति कांद्र कि लिएड बहेटर ।

ं किंदि वस्ति हिन्द्र निर्माद्ये, विनि अक्टा भीत निक्छि वःस्निवित्रक्ष पृष्टीन कतियोत सना স্থারতবর্ধে স্থানিয়াহেন ডিনি সম্রাতি লক্ষোরে शास्त्रि। स्टेप्टरीत वक्ष्णा बदक अकी हिरलती क्षण्डल जाजाम जाएका, बेनि जानकबर्दनेत जारम-क मनारक शम्ब कविएक । " हिम् निरं आहेर ना कि सत्य करिसारहम, जाउकदाई फान गुड़े भक्त बागायक माहे, क्षाहाद्वर लिएक वृष्टीन हैहें हरू को । डीहार कर का श्रीमहत्त्व द्वाहारा कुट्टे बन्धे बहन कतिया । अप्र कारात विका जाहि।

" योग्राजा किन के न को कट्टाइक को अविद्रा (क्यन गरंत पश्चिम अके क भनेका किन्द्र गर (व, छाशक्तिभटक स्त्र त्यांन करनाटकत्र व्यापन, मस काम हेम्दालकिताम माहि किता आमान कत्रिएड ब्रेंट्स, ११६ माहि क्टिको ७३ ल्ल जाडी। व्हार महाहि हिल्लिकारसम् मनीएम् स्वामन विहित्क वहर्य। "

थ काक्य वर्शनम, " (काबाहरवत स्रोप स्वय-(गरेकी किथि कार्केरहर विमानसूच अवने जन सम्बद्धाः विद्यान्याः कामान् समिकाम् वि-बार ब्रिट काल क्षेत्रावित्तम, अरे हार्थ केल महान महिल्ला क्रिकारक । तनावातर क्रिका क्षित्र के कि किया विकास किया ।"

म मेंब्रिय अवते गुण्यम (ब्रम्बट्ड क्ट्रेजाट्ड क्रिक्रिक् महित्र महत्त्व भावित्र मनदत्र गाँउ-चिक्तिका गरेरव।

请

ইউরোপীর সমাচার।

मध्य ३७ हे क्ल्ब्रहाहि-नबारे बरान्छाह বজ্জাকালে বলিয়াছেন, ইউরোপের বাবভীর तम त्य रेवजीयकाम वंच श्रेत्व, वार्ष्यनी व रेडी-ক্ষীর একভাতে ভাষার প্রকাত ব**ই**রাছে । সমাট ভাল জানেন ছুলের চেষ্টা থাকিলে আছি রক্ষা হইবে: ভিনি বলেন ক্রালের সহিত क्या क्या क्यान भवर्गान के क्रिक्षी क्यान पृष्टि-ব্যাবদিগের খব রক্ষা ও ছালভাবের ক্ষমতা ক্রা एक वाचिरम क्रमाक्त शामायां माकि अवर ইউরোপীর রাজেরে পরত্পর বিবাদ নিরুদ্ধি ক্ষতে পারিবে। পোপের রাজনীতি সংক্রান্ত ক্ষরতা প্রাকৃতভাত্তির লোকের দারা বাহাতে আক্রান্ত না হয়, সমাট এ চেষ্ঠা করিবেন। ইংস **তে**র সহিত্ত ভাঁহার বৈত্রীভাবের ক্রমণঃ বৃদ্ধি **হই ভেছে। সমার্টের চুচবিখান আছে ণাভির**ে । म्हापाक स्ट्रेटन ना । किनिमानन क्रनानी नरकाक रव छे ९ वर्ष माध्य कतिर्द्धाहर अवर त्यावरमञ् व भूवतात्र वरमावक कत्रिरक्टह्य क्षवानन अधि र्रेकमा शूर्वक खारात्र खञ्चरत्रापन कतिर्वन, व रेष्ट्रा थकान क्या रहेब्राट्ट । रेड्राजीव महिना नम्बानं कतिहारहन। २६ ७ (क्याहादि नहां-ज्ञान जेरकर गांधम मदस्य पर्क बहेट्य। हेर्ना-লীর মহাসভা ভল হইরাছে। কিলাবীতে কেনি শ্লান বিভোগ ঘইরাছে।

প্রতিনিধিগভা দক্ষিণবিভাগে সামরিক अवेरिन क्षात्रीफ कब्रियात्र विमा विविध्य कतिया-প্রদান। কেনিয়ান বিজোধ কিলানির পর্যন্ত অভি-व्यक्ति कतिका कविक इत्रगामी दश्न नाहै। रेमनागन क्लिबामिशिए (विकिक कतिरहरू।

क्तांनी टेमनाभन व्यक्तिरका छ,ान क्रिन-·श्राट्य । श्रवर्थके (वादना कत्रियाद्यत चात्रात्र-🖁 मर्च व्यक्तियान विष्ठार प्याप्तक रहेब्राएङ् । আহাজ নকন আরারনতে প্রেরিড হইরাছে।

---:0:--প্রেরিত।

লান্যৰর উমুক্ত নোমপ্রকাশ সম্পাদক वर्गमंत्र नवीरभव ।

> চন্দনৰগর সাহাব্যক্ষত ইংরাজী ও বশ্বিদ্যালয়।

'বাৰ্ষিক শানিকোৰিক বিভয়ণকাৰ্য্য গভ ৱবিবার जन्मव देवेवा भिन्नोटह । अहे कार्य। छेनलएक कट्टा ক্ষী সন্তুভি লোক ভথার উপব্রিভ ছিলেন। कृषिकाका निवानी क्षेत्र्क वांतू नीनक्ष्मन बरमा। विमानस्त्रत विराय बक्रमत अकावमा, विदि क्यांक

পাধ্যায় মহাশয় সভাপতিয় আনৰ এহৰ ক্ষিত্ৰা বালক ও দর্শক্ষিগের উৎসাই বর্তম করিয়াছেম। ক্ষাসভাকা নিবাসী জীবুক্তবাৰু প্ৰাণক্ষক চৌৰত্নী বহালর ১০ টাকা মূল্যের পুঞ্জক একটা অভিন্তিক পারিভোবিক নিরাছেন এবং জীবুজ বাবু ভোক্ত आब गांज मशानज ८ ही कतिहा होका सूरे जन বালককে দিয়াছেন। এডভিন্ন ৩০ টাকা বুলোড় अफरमन्द्र श्रीनिष्ट अञ्चलाहरूत्व श्रद्ध श्रुष्टक श्राम क्या रहेबाट्ड । हेरबाओं ७ वालना छाज-द्वषि भद्रीकात वरे विशामस्त्र हारवाता स्मनी (अमात महराय मार्गाम्क विकानत्त्रक वार्थ যথেই প্রতির্ভাগাত করিয়াছে। সভাগতি মহা-नव कहिरमा रव ७ विमानरवस प्रक्रिके व्यक्ति সমীৰ, আর একটা বর প্রস্তুত করা নিভান্ত আৰ भाक, अ अना नाशंत्रदेशत निकडे नाशंत्रा शार्थना করা উচিত।

--:•:--

इङ्का वानिकाविकानतः।

চুচুড়া মগৱে ভিমন্তী বালিকাবিদ্যালয় প্রভি-डिज स्रेशाटकः क्षार्या " ह्रूका वानिकाविना-मञ्ज न नायक विन्तानवनि महस्तारक्षरे अवर क्रेमक जनवानम, देशांख क्यान जमानाक्य क्यानाहे चवात्रम कतिता थाएकम्, हाजीमरथा मर्कारणका केंद्र अवर अधानकांत्र अक्रक्क्शि क्षुक्षवित्तात बाबारे देशप्र बाज अवर कार्य निकीर रहेश बादक। विम्हानरवृत्र मर्नकिरभन्न जिल्लाव निवि बात्र शुक्रदम दर्शिकांत्र शवर्गदारकेत्र विकारिका-গের বিশেষ বিখ্যাত কোন প্রবিক্ত ইনম্পেটর निविद्योद्दन अर्थे विश्वांनय निव वन्तानीय याव कीत्र वातिकाविकांत्रत्र अट्टाका केंद्रक्टें आवि ক ভাষার এই অভিপ্রান্ত বিরপেক বলিয়া সীকার कतिनाम। विन्धानरभन्न अभारकता जरगरकत समित्र गरवास्थाकावितक विका काक्ष्य करात जा. अ गर्गाण विमागमणी माधात्रवकः अकाम करवन गारे। मध्यकि मनुगात्र क्ष्याकि मक्षत्र कतिता अवर' विमाणटयत्र य्वाद्योमा व्यवहा (मयिहा সাহস সহকারে পর্ববেশের ক্রেডারী ও অপ্রা-পর বহোদরগণের ভস্কাবধানে অর্ণার স্থারীতে-ছেম। পারিভোবিক উপলক্ষে এবারভার সাইছর ও বিবিগণকৈ আছোন করা হইয়াছিল, কিছ হুর্তাগ্যবশভঃ সেদিন রবিষার হুওয়াতে অনেকে क्लबनगत नांक्रिक्ड- विमानरवर मधन रे जांगमन करत्रम नार्वे, कि**स शा**त्र मंक्रकेट नाट्यत अप्राप्तत निविद्या भारकन अकान क्षित्रोहित्तन अवर कविनाटक क्षाराक्षमिद्रशत महाद्वका कविद्रमेन चीकांत्र कविद्यादकम्, वेश्याकीश्च अविद्यानद्वातं बहुत्वः

क्षेत्र भावित्वावित केन्युरक केन्युक प्रदेश विशामहत्त्व अपने चार्यस्य पृत्तित्व, विमा पश् রোধে শীকার করিছাছেন।

विशामस्त्रम् जराक नवीक एक करन आह ना क्लन, क्रेन्ट्रक गुडियानी विवास क्रिक्क बाद নিয়াইটাৰ দীল সম্পাদক্ষের পরে নিযুক্ত থাকিয়া বিদ্যালয়ের সমুদায় ভার্য্য নির্মাহ করিয়া পাকেন, काराबरे यदा अवर वृद्धि कोगरम अवन क " प्रमुप यक्षत्र " अंपात्मक वानिकाविद्यान्त्र श्राविक एरेण, रहेवा जावात वित्रशाबी जन्द केवक व्यवस्थानक रहेन । महिनक 🐠 बुक्तियादनक राज नश्करावत जात जानिक स्वेटन दक्तरे वा प्रनिक केर्दर मा। इष्ट्रकांत्र चावात्र वानिकाविता नप्र स्टेर्ड अ काशंत्र भटन हिन ।

চুচুকা বালিকাবিদ্যালয়ের বিক্তীয় বাংসক্তিক পারিতোবিক বিভন্ন গভার কার্যবিদর্শ । २৯ अ.मान् इनियान ३२१७।

विदि स्विक्टिम जेवर मगद्र प्रदेश हैरजलीय ৰহিনা এবং **জিমুক্ত** না<u>ৰ মুগাচন্ত্ৰণ লাহা, কেজ –</u> व्यक्ति हरडेशियांत्र, भूरम्य क्रूपाणावांत्र अवर ष्ट्रामाधिक हरे मक योगानगरिरेक्यी परशास्त्र मणा एरम . छेपेक्च स्त । श्रीमुक्त नानू पूरस्य মুখোপাধ্যার সভাপতির আসন এহণ করিলেন্। अषर विवि (पांअप्टिम वानिकात्रनप्क भातिएका-विक विकास क्षितिका। छर्गात अपूर्क वांद्र निषदक्ष लाव विकालनी गाउँ कतिरवन।

विदि (पोअटिम विस्तव चानम अक्रापक शंगारोग्रत वारफाक वानिकारक शुरुकांत क्षांत क्रिटनद । পরিদেশে ছারেখ কারু বিবির অল্লভৌধে অভি সরল নিষ্টভাষাতে জীয়ায় অসীম আন জের কারণ প্রকাশ করিলেন এবং বালিকাগণের विनामिकार जारमाक्का अर्थ क्यारा कारी বলল হেচক বীয় বুক্তিনিম্ব অভিনায় সকল একান করিলেন। অগর ছই ডিন ব্যক্তি কিঞ্চিৎ किकिर राष्ट्रका क्तिरमम्। विशामस्त्र भगक क्रियुक्त बांचु देवकुर्वमाच भाग भगारमञ्ज पश्चम्दन विवि (बाबर्टिम ७ मणांगवि अश्वतार कावार, द्यानं क्रिएनन, क्ला प्रम् श्रेन ।

EEQ. I 湖平湖河 竹が平し उट हे त्यामाति उभक्षा । -----

नन्तिक महोनेत्र । हरे स्थमत शूर्व पहनीका (जमात चका गाँकी प्राप्त की क क्षत्रिकेष काहि-পাড়া আৰে পদা প্ৰায় হইট সাংবিদ্যাত देश्हांची 'स्वितिकालयुं दिया । प्राप्त नी स्ट्रेटच कोडिनीको चार्ड क्षिप्रदेश चारिक हुत मेरह अधिकाः बाक्नावीविरमा सक्या विवास अवने परित्या के पाक्रियाय दिने क्या सिक जिल्ला बिलामा गरशाना क्यार का विश्वास क्यार का व स्थक्त कार्वर विश्वा केकीयमान स्ट्रेगावित । देशाञ् अहे कम समित्राहिन, रोहांत्रा विश्वम अर्थ वात्र क्रवंत्राक वाश्यिक क्लनाटक वक्षिक विरमम । উত্তর ভূলে মাসিক ১৪০ টাকা ব,রে ৩০ টা माञ्ज वानक व्यम्बन कति । এ शास्त्र पूछ-शूर्व (दशूरि देवटणडेर्ज क्षिपुक्त व'वू विकृत्त्व मुर्थानाशांत्र अवर देकत्र आत्वत्र कविनग्र বিৰেণ্ড লাকী বুৰক, বিদ্যালয় ছইটার এরপ শোচ भेन बानका मर्नात्म इश्विक श्रेषा वह करे छ পश्चित्र चीकात कतिया ১৮७६ नारमत म भारम क म मुझे अक जिल कतियादहर । एवयदि अहे क् नजी भूकीरनका खेखरक्रम हनिरक्रह । इह बरमद्वत बद्धा हेरात हरें। हाज वासमा हाज-রু তার ও একটা মাইনর ক্লারশিপ পরীকার

क्षेत्राद्भा प्रश्तित विषय और । वृ, मार्टनव क्रनात्रमिश भन्नीरकाडीर्व हाखन बरन्नाधिक ब नवा हाजवृत्ति भाव पारे। अकरन करे स् त्वत म नारक क्रियुक्त बाबु इतिक स बायरहो धुनी वहा শংশুর সমগুণের পরিচয় না বিশ্বা ক্ষান্ত থাকিতে পারিলাম না 1 ডিনি নিজ ব্যক্তে স্কুলের নিমিত্ত উত্তম্ন প্রাধের স্বর্গুলৈ এক খানি বাল্লা প্রস্তুত ক্ষরাইগ্রাহেন এবং মাসিক ৭৫ টাকা করিয়া होंगा निटफटइन । श्वना वाहेट प्रदह, काछिशाका मियानी श्रीवृष्क यात्रू वाष्ट्रमात्र व्याय प्रदानत কুলের সমধিক উন্নতিব নিনিত মাসিক ৩০ টাকা कत्रिया होता विदयन जन्मीकात्र कतिबादहन।

সম্রাতি খুল.নিয়া মহকুমার ডেপুটী মাজিটেট क्री क वार्यान वहाती वस नदद्व जानिया क्रहे विमानमूत्री स्विटिंड काहेरमन उ नहींका बाइर्ट्स म कडे इरेडा अध्यम (व्यानीह अक्ती वाम-ককে ০ টাকা মূলে র- এক খানি পুত্তকু পুরুদ্ধার भिवाद्वत । कार्डिशाश बाद्य अक्षे बालका-धिमानिय अदर चांत्र अवनि भनीटड अवनी इरवाकी वाक्ना विकानम त्रव्यानम कविया जिल्लाह्म । वेष्ट्राप्त अल्ल फेक्न्श्रम् छ। विद्यान निकटी नविनद्ध निरंदरन अहे त्य. डाँशावा मक-খুলে আদিয়া রাদ্ধিহারী বাবুর মত প্রজাপুঞ্জের क्छिमानम विवस्त यह करहन ।

উপসংহারকালে কুডক্সডা সহকারে স্বীকার कृतिकृष्टिक, अरे विवासितात क्षेत्राम निक्रक জীবুজ বাবু বারকানাথ রার ও প্রধান পণ্ডিড अव्यक्त कांतू भागतीत्मार्ग यत्मानाथांत्र महानव बिह्नात जानातिक वटन क जनावातन निर्मादनह क्षांत र किए छेव कि व्हेशारह । किल कारकह श्यक्षं विषय अर (य, क्ष्टमाक्षीत्र वीयू यामानित्यत क्षर्जन अञ्चाक्षकः अवश्वन लाज व्याहर

भारेट उद्देश्य ।

· 五樓 中田 中心 ताषु मी। ३७ ई १० जनाति। ३৮७१ थ्रे : जरा

পত ৫ ই ফারন বেলা ১০ ঘটকার সময় वित्रनाम अवर्रश्यके सुरम अक कविन स्त्र, ভাষাতে জীবুক বেঞ্চ সাহেব (অজ) ও জীবুক वेमनम नारम्य (होंके जानामरख्य जम) यून সেক্টোরী জীবুক পিলু সাংহ্য ও হিউল সাংহ্য এবং গৰ र्यान्डित से कीम की युक्त वांबू स्नार्शाहन দাস ও চেপুটা ইনস্পেটার প্রীযুক্ত বাবু ভূবনমো ধন নিয়োপী প্রভৃতি সংখভাববিশিষ্ট মহামারা উক্ত কমিটাভে উপস্থিত ছিলেন, ইহাতে যাহা व्यवधातिक इप्न, काश मिर्ड क्षर्मिक इर्ग।

गछ वरमङ्ग्रह करछ वर्ष्ठ होका समा इह शाहिन, छाश भातिएकाविक चन्नभ निक्किन-शटक विख्तन क्या रहा। खन्ना अध्यान शिख क्षेत्रक बाबू विश्वत्र खडाडार्था ১٠٠ होका, ख ভূতীয় ও চতুর্য মাউর মহাশহেরা প্রতে,ব্দ এক এक चंक ग्रेका श्रांस रहेव'रहम। नंधम ७ वर्ष माष्ट्रीय महामाद्वता आरखारक १६ होका कतिवा शाहेशारकम । जननिष्टे निम्नुष्ट निकक महानम्नि तात श्रास्टान्ट्क ६० डीका कवित्रा मिख्या हरे-ब्राह्म। विजीय भिक्क खीवुक बाद स्वक्रमाव वस्य महानव ० • हाका शिह्यारहन । हेर् । ब भरक না পাঞ্চাই ভাল ছিল। কেন না ভরিগ্রন্থ निकक बसन्दित्र। डीहात जर्मका अधिक भारे शांद्वत । श्रधाम निकक महानग्रहे (कवल श्रवकाव भाम नाहै। छ। होत्र विवास ए दीहार श्राप्त मश्कारण बकावा अहे, अकारन बाहार कानीएड गमन क्यारे (खद्राक्षा)

अकांक स्थापन।

@:--

विका एए उदा वन छ द्वांग विवाद एवंद्र खतार्थ छेभाव कि ना ?

ব্যস্ত অভি ভয়ানক রোগ। উহা বাহাকে चाक्रमन कृत्यू, खादांत उ कथाहे नाहे, छोहांत्र পরিবারের এবং প্রতিবেদিদিদের পবিত্রাণ भा**उत्रा इसर। छेरात ग**र्कावनी मिक पाछ-শল্প বলবভী। তৎপ্রস্কাবে কত্যত পরিবার এক वाद्य मानवभूना स्टेशः जिल्लारकः। वनदस्त्र निमा-ক্লণ বন্ধণা বনে করিলেও ধংকপ উপস্থিত হয়। छिहा द्य सामयकूरतत अक कीयनक्त देवती काहा | अवश वावशतक वावश्य २१८ मूर्ना क्रिवियन ।

भी कि देन विनिद्धे स्थान कर वादेवाद (क्षे) | शाह नकरन्द्र पीकाह करित्रा पारकन । क्रेका क-अषा में बहुन द्वारतत निवासक क्रमान क्रमान जागारकेंद्र (बट्न बक्क व बनदक्क बीज किया जिका रिशात थेवा वहकामाविष श्रामण चार्छ। करतक बरमव बहेम, शासीक मित्रा शिका मिनात्र द्वीचित अस्तरम अवधिक स्रेवारकः सम्बद्धाः টীকার সংস্লামিকতা, প্রবল আরোৎপারকভা কখন কখন মারাত্মকতা প্রভৃতি কডকওলি क्षांव चार्ड, खळाग देश कुडविश] तळाशासत निक्टि जानवरीत रम्र ना। ना रुकेन, क्टन अवसा नकरमहे विश्वान कवित्रा श्राटकन (व. स्थीत निकांत्र निर्क्टन छेखीर्थ श्रेटन यावच्छीवम आज বসভ হয় না। ইউরোপীয় চিকিৎসালাল বিধা-রদ বাবু থাগরকুমার মিত্র মহাশরও ঐ মত শীকাৰ করিয়াছেন। তিনি শুপ্রনীত উষধ वावशतक वावशाय विवशादका, " अकथा वधार्य (य, देन चक्रुमण्टन (मञ्चा नगसवीटसत क्रेकांब) वीं हिन्ना (भरत जांत्र वम्ख स्ट्रेट्ड भारत मा । क ()) किंद्र कि फाम्हर्गा। शतिवर्षांमत श्रवत ভরদে উলিখিত তথ্টী বিশর্বকে হুইয়া গিরাছে। উপস্থিত বসস্তকালে অন্যান্য বহু স্থানের ম্যাস্থ আসাদের দেশেও বসম্ভ রোগের অভ্যক্তিক श्रादमान प्रथा वाहेरफर्छ। अवास्त्र दष्ट् छत्र দেশীয় দকাৰারী ৰাজি উহার হস্ত এডাইতে भारत नाहे, जारनकरक मामवनीमा मश्बद्धन कर्व তেও হইব্লাছে। নিয়ে একটা ভালিকা প্রবৃত্তিভ हरेग, ख्याता यामाच नाका नकत्नारे सनत्नम रहेएक शाहित्व ।

প্রগণার वारमञ् - (मनीयुजीका द्यांश-नाम । नाम गरम् हे इह NE রাও ৰাহাবা 1 বদস্ত রোগা মৃত। ক্ৰান্ত হইয়া-ए जाशास्त्र ATN 1 P

| | • • • | | |
|----------|-------------------|---------------------|----------|
| বালিশাই | जनकारी महा | देवनियम् | मृष्ठ |
| ঐ | S | त्रावश्ति गिति द्वा | গমুক্ত |
| E | 4 | নারায়ণ পাতর | , |
| S | SE | মধু মাইতি | Ø |
| 查 | À. | नक् (बहादा | मुख |
| A | कणवा | সাহেৰ ভাষার স্থী | 4 |
| à | 4 | অভিরম্ভানার জী | À |
| 4 | S | नची द्वां छ | 3 |
| 4 | à | লালু ভূঞা | B |
| | | | |

()) প্রাক্টিশ জাক মেডিবিয়া অর্থাং

ફ ₫ व खन'त्र खी হ্যন্ত ۹ Ŀ बायमार्यंत की खाँगशुर 47 371 3 गुष्ठ নারায়ণ শেট বীৰুকুল বাউভনাপুর ছবিনানায়ৰ \$ (A - - - A - 1 বছবিয়া क्ति (भीना भागादश 14 श्रू भ⁸ उ ক ष्यवस्थानश्च গ্ৰুপ,ত্ৰ এ ভাৰর ভগী ঐ 4 ধালকোড়া, গিমাপেড্য বাম্চাপ্র 21141 È অনাৰ বৰতা এ ঐ काक कार्ट्या मान्यायी, ना विश्व ने कर क्रमश 5 ঐ জানাব আৰ এফ

440 -

ঐ কামু বেছাবার বব্ ঐ

अहेक्रभ मृष्टी छ खटनक (प्रथाहेट्ट भात: म स,

कि इ वाह्ना ७८३ अहे भगान निविधाई 👑 उ

त्रशिषा । বিবিধ ফ্লেশ ভোগসহবারে দেখায় দীবা खंदन कविद्रां ७ यनि छन्। वा वगरखन नका हिन्नी কুত না হইল, তবে উহা নিক্ষলকূপে পরিগণিত क्हेएउएह, मानग्र गाहै। अथन शावसर्गाधीनहै कामारमत् अक्षमाज खत्मा श्वाम । উश्च कानात्र चञ्चिति। भूता मरह। छोळारत्रदा बरनन, श्रांफ मश्चवर्ग, एक छेहा अन अक वात अभ्य ना कतिरम जमात्रा हेट्टेला अ हम ना। (२) जान जाहां ड (यन चौकांत्र कता त्रांता । यति खबाजा वनस्य मञ्जा बुतीकुछ इत्र, छाहा इटेरन अ अञ्चितिया एक अक्षा वर्षना नरह। किंख कथा अहे हहेरछहा (व, ८शामस्यार्थायात्मन वमञ्जनिवान्नी अस्ति निक्ता श्विका वर्षे कि मा ? मड़ा क्टें ए, ब्रांकनुकरवड़ा উছ। প্রচলিত কবিবার নিষিত্ত বিস্তর চেষ্টা পাই ডেছেন, ডাজবেরা অনুসূল মন্ত প্রকাশ করি স্থাছেন সোম্প্রাবেও উহাব প্রশংবাদ লিখিত **भ्देशार्ड।** किन्न हेरू खर्न कर्दल (च कात কুত্রাণি ওনিতে समस्य (दोश स्टें त मा পাওয়া राष्ट्र मा , छेवन कावशतक कावश्वाकाव बहुन्य, ' अधुना क्षाक द पत क्षेत्र अभक প্রীক্ষিত ছইয়ারে গ, ব্লিড ব্রভেব (গোষ भटकत) वीर्य निकारितन शत्रहे नागांत्र वन (২) প্রাকটিশ আক মেডিসিল ২৭৪

र्जुंकीयु.स्व विद्वन

; ের 1 নিবাবৰ করিছে পাড়েন কেন দক্ষিণ বালিশাই বৈনিপতি বাস্ত্ৰজ | না গোবসভের বীজে টীকা ছিলে যদিও প্রিকাশক बहेटल भारत वटने, जशांनि (महे मामाना वनर्डकत षाचा विश्व अश्विष्ठि स्ट्रेष्ट शास्त्र मा। प (हरू बनाइन मरश्रा अञ्चल सह रहेशी शास्त्र, আন খাভাগিক বিষমভা শক্তিবত অল্পতা হইয়া ় উঠে। অভ হৰ ভ্যাক্সিনেশনকৈ বিশেষ উপকা ्रक कार्राष्ट्र रहेटवक, जाउनम् वर्ष (७) व अथन गश्रद अहे भरम्म क्रिएस्ट स्थ, देतिविक हि।करमा भू ४६७व मिनी में भीकाव कन बिंड भेख रेथन अने भे कुछ इहेन, उसन गोबह री। गोन रियाक भाउत या एकान स्ट्रेस मा, छाहात्रहे या উপযুক্ত প্ৰমাণ কি ? বিশেষতঃ যে চীকা (মন্ত্ৰ: रमा प्रतिकात निका) जिल्ला अकवारक यावक्रीवन বনও ধইবে না বলিয়া শ্বিরীক্বত ছিল, ভাহার क्षित स्थान वनक इहेशा बलुद्धात द्यान नक्षे इहेल, ভবন গোনপুৰ্য গানে (যাহাতে বদত হইবাৰ मकारमा डाउनारम्बारे कतिबारहम, , ए। ६१७७) ा रगक हरेगा भारकत कांग्रेड कवार मा. देश है ये कि अंदा विश्वाम कहा याग्र ? व्यक्तिह. ামসুপাঞ্চিক নানক একধানি সামগ্রিক পত্রে िर्तियक श्हेन्नाटक " आविष्य मचकीय (य दव দংশ্য রাইয়াহে ভাছার এপব্যক্ত কিছুই নিবারণ इप्र नारे। छाराज अञ्चलान वनक (वृःन (व কি প ২মানে নিবারণ হইতে পারে ভাহাও লেমাণ ছারা কিছুমাত্র নিশ্চয় হয় নাই। ইহা এক্ষাব বিবেচনা করিয়া দেখা উচিত বে, तावीक याने वमक निव'त्रानत व्यवार्थ छेनाइ **इटेंड जिंद जाराइ जबरद्र गमरह क्वेंट क्वि-**(क्षीरणायन इंदेरन ? प्यटमक अमरत्र हैं हा अक) क्र र्देशाट्ड (य, देश चांश कानस्र केशकांत्र स्य नारे रेजापि " (8) और नक्त काविया विश्वित्रा অস্তঃকরণ সন্দেহ দোলার আন্দোলিত হুইতেতে।

उनगरशकारन वक्तरा अहे रव वनि वधार्थहे গোৰীজের দীকা ৰসগু নিবাংশের অযোগ উপায় र्य, जाहा रहेल উरात कम गरकीय विकातिक এবং বিশুদ্ধ মত প্রকাশ করিয়া ভাষাতে সাধা রুপের প্রবৃত্তিবিধান করা সোমপ্রকালের একটা श्राम कर्खेंबा मत्मार नारे। ১२७१ मात्मत ३६ वे काञ्चलक लामधकाल कळ्ल्य-हिंख (य अवनी अवस अवहिंख स्हेबाइ, छा-

(७) आकृष्टिन जाक (काफिक्क २५२ जुरे)

(8) ১৮ ७६ मार्टमत ७১ अ मार्क निक्तीत ্ৰিলুপাকিকের " গোবীলৈ টাকার আদি কর্ম कि ? १ अरे श्रवस (प्रविद्वस ! 🕐 🕈

হাতে উক্ত চীকার কল ও উপকারিতা সমুদ্রে বিভারিত রভাত্ত কিছুই লিখিত হয় নাই। গোচ श्रमान जामारमत नहम हिटेडमी नाज, खाहाटख व्यावज्ञा केपून छङ्ग्छ । विवर्गा अविश्वत अधा-লোচনা প্রভাগে করের খাকে।

উপश्ता ভাচতাৰা হোমিওপ্যাবি চিকিৎসালয়ের कार्य) विवर्तन। ३१ अ माच ३२१०।

मानव जार्जित हाथ मियांत्रने ख छुच नश्वधन. মপুৰ। জীবনের এক প্রধান কর্ম। বিশেশভঃ मानवरमरह या ध्वानांत्र योखना महा कत्या हुन, তমধ্যে রোগের বন্ত্রণাই নিভাস্ত হংসহ। অভএব ্ষ মহাত্মা চিকিৎসা প্রণাগীর সৌকর্যা সাপন করিয়া বোগ বাভনার হাস ও আবোগা সুধ সডোগের পথ সহজ করিতে পাবেম, ভাঁছাংই ঞীবন সাৰ্থক। ভৰ্মনাদেশীয় মহাস্কুভাব ছানিমান त्य. हिकिश्मा क्ष्मानीत करणकाकृष्ट करमक সৌকর্ণ্য সাধন করিরাছেন, ভাষা অনেক দেখে, बादक পঞ्जि बक्षनीर्ड निः मः नाम पीत्र उ इडेग्नोट्फ। व्यटक्ष्य मुक्तीर्थ यह दू छ। व हानिया-(नत् निक्रे जायादित् कुछ छ छ। श्रद्धनेन कर। উচ্চত। क्रिश्च যে মহাত্মা বছরুর ব্যাপী সাগ্র পার হইতে হানিমান-আবিষ্ঠত সেই সুখকা চিকিৎসা প্রণালী সংগ্রহকবিয়া আনাদের দেশীয় ৰান্ধৰগণের আনোগ্য স্থেৰসভোগ্য অপেকাফুড অনায়াদলভা করিয়া তুলিয়াচ্যেন, ডিনিও আমা -দের দামান্য ফুডজন্তার পাত্র নহেন।

বোধ করি আপনার পাঠকবর্গের মধ্যে প্রায় नकरनरे भवनं चारहम (व. कमिना का दानी প্রাণীয় দত্তবংশীয় মহাত্মা রাজেন্স বাবু সামানেব ल्ला हो मिल्ना विकिश्ना खनामी व नर्म প্রথম প্রচারয়িতা। রাজেক্র বাবু যৌবনকাল অৰ্থি রোগীর রোগা সময়নে অন্তর্যানী। হোমিত भः। थि धहारतत भूर्य किमि, नानारिष वह्नमूश किनामी ও আলোপাণি छैदर मकत मरबर् করিয়া থ্রোনীনিগকে অকাডরেঁ বিভরণ করি-ভেন। জনভর হোমিওপ্যাধির জনাধারও ওর্গ व्यवशक्त रहेन्रा व्यवस्थि जिमि यन्नः अर्थ बान्न क बरभारतामाच्यि भन्नियमं श्रीकात करिया अधि भिन जरबक यागीरक (बानवजना १३८७ मूख्य करिन-(उरहर अवर जरूरक प्रमुख क्षम्कारोम् व क्रिस्क व्याननात व्यक्तामी कतिहा जुनिवाद्वन, कांश-हा अ अधि दिसे मंख मंख दशनीरक चार्रशीना ष्ट्राच क्रमी 'कॅंब्रिएक्टइम । 'এक्टर अर्थ कावूड-⁸ कृषित परमक क्रिके ब्राटक्ट चानू अगानिक र्शिक नामि क्यांत रहन क्यांत एरेवार्ट क्यांट



क्षा विकार वेश का का किए का निरंक किकिएनिस के इंडोलिस के इंडेबी क्षेत्रवर्ग सारबंध রাবুর মুখোর কৈ প্রাপকা করিতেছে।

बार्केक् बाह् भागादक्त बावृत्र बरहा भगाती, ভাঁইভিক অনুস্তুদ্ধ কোন প্রীক্তিকর উপহার নিয়া त्य, जाव क्रेक कुळकाड़ा धार्मन कति, जाबारमञ अन्नन नश्यान बाद्दे, किन, विनि दय वियासन अभय क्षत्र विश्व का विषय के देवन विश्व की दृषि वार्ट। ज्ञान है से संबंध सम्बोध स्थित प्रदेश पारक, अह ভাবিয়া অং আধ্বা হাজেন্স বাবকে ভাচতারা (इक्तिक्षानीय हिकिश्मानायत करिनम केनकाती कार्वा विवर्गनहर्ग केनकात्र धार्मात छेना क हरे-श्रांकि ।

১৮৬৩ খুঃ অন্দের ১০ ই মে ভারভারা मिनामी जी इक्ष बाबु यह अचन निश्व मधानव चीव या जाविक कक्रवाश्चरत योग त महिन्छ बान मधु शास्त्र आरक्षाता क्रम विख्यन कत्रियोह मानत्त जिस वाजिएक और डिकिश्मामय मश्यापम करतम, क्षत्रधाविष वर्षधाम गमत्र भवास छिनि स्विक पिन পুর্মাচ্ছে নিজ সাংসাধিক গুমুদ্ধর কার্য্য পর্যা-লোচনা- পরিচার করিবাও সমাগত রোগীদিগথে कावकात्रवादी क्रेयन विख्यन कविद्या शास्त्रव. पश्र अभूगान अवद विटल्प क्रिन्ने केंद्रिक भारतम मा विभिन्ना छोहारक निम्नुनिष व्यक्त विम्ना अक क्रम महकाती निश्वन ज्ञाचिएक ब्हेब्राट्स। ডাচডারা ও তংগরি হত জানেক তাব হইতে श्रक्तिम जातक द्वांभी क्रिकिशाची स्टेश-बरक्षपुत्र वायुव जिक्टे खेन, क्षेत्र क्षेत्र अवर केश्वि ব্ৰিকাশ্ৰমানী উৰ্ধ সেৱন করিয়া ভারোগালাভ कब्रिया बाटक। भुवास्त्र खद, शीहा, यहूर, त्यह, बल्ब्ज, जून, क्लाडिंगा, छेन्द्राबद्ग, दरले जिनादा, আৰুতে হাতা বেলমা, বা ফভানি বহু প্ৰকাৰ ह्मारा अन्य वाश्वित्री अहे हिन्द्रिश्माना है हिनियान ও সম্ভব্যক সমলে রে'গড়ক ষ্টুডেচে। উবধ श्यम कविरंत क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र किमादेश देश दिना मिनाग्र निवास किहान हुदेश अहे आक्रमा शहा । (हत्र मण्ड अमारा, उथन वीतू पश्च कारा কি পরিণত হইলে ফুটারা ছায়, এবএক বার মাত্র अवध-रमवा क स्टिमेर्ड अब ब्रिटिंग खग्नातक मर्फिक माजि रहा, यदक्ष वेह यो देवे हिक्किश्मावटक शूट्स हैशे अक्षादम (कर्ड विधान कृतिक ना, किन्न अक्टन चड्टक केन्द्रक किरिकाइ। अहे हिक्किन-मानव जानात्वत्र शासि अ क्षेत्रान विकिंगी छ निश्चमत्त्रक लीएं। केलिया प्रदेश माना क्षमात प्रकृतिश क प्रमेर्पत कैश्लीक रहेक है क्या निक्षतिगद्दक कड़े जिस्स कथापानि विवर्ग जिस्स स्काय हर्षके क्षेत्र, क्षेत्र वा अधिदिन बाजान े ब्लीहर कार्निक कम क्रिकाम महेक। कदमें कार्म किलाहत कार्याह, केवारन कार्ममध्, क्रांकि निया हुन करिन कर्मान्य । गामकरक माद रहेशां हु ।

गांखोद्व रिगरम बाद्रा शिक्षितीहा हो। शहर हो एक । कांद्र रकारण खन्न छात्र । अहे गर्नाह बारण किंद्र मा, क्षेत्रं वा व्यक्ति बाजाय श्रवतम श्रव्यापारि बराबर्धक छैरणिक रहेक, विश्व अर्थात बरक्षवर बाबुत कृषांत्र क स्मा वाजीहा शर्किनी वा निन्ध-गरनव भीकाकारम क्याबारम विदाय छ छव সেবা উষ্য প্রাপ্ত বৃষ্ট্যা স্থাপাতিরিক্ত কলনাতে पर्या जानिक प्रदेखाड । खीरमारक्य श्रमत ७ **अपूर्व भोड़ा बावाब (क्रमका**हिनी), कि**व के**क রোগরান্ত নারীরা এই চিকিৎসালয় হইতে জতি मार्कश्वात माद्रांशामध्य करिएडट । क्यो कीरमारकेत आहे मान अप वस भारत, अध्य गर्छ नकात्र समित्रा व्यवधातिक स्या क्षाय व्यवधाना গার্ক প্রকাশের অকাষ দেখিয়া রোগ নিশ্চরে উহার जाकीरत्रता बंदकथंत वायुत्र मिक्ट हिक्थिन। धार्थमा करन, राष्ट्र छिशाक त्व खेवथ त्वस छिम নিন বাত্ৰ ভাষা শেবন করিছা সেই নারী পুনর্বার सञ्ज्ञको एव । बाह्य एक्क, बहेन्नून जाहानः সামান্য পীড়ার মধিকের বর্ণন করিতে থেলে शकात बाकिया यात्र, किंद्र सरक्षत्र यात्र स करप्रकृष्ठि जनाव। बिन्द्रा ज्यस्थाविक (वारश्रव किकिश्या कतियाँ अकार्यका माफ कविद्याद्व्य, फारांत्र मिरिष्य विसंत्रं का कतिया श्रेष्टात्वत क्षिणगरशत क्या वृक्षियुक (बाध हुए मा अह निमिख निर्द 'छाश्रक्ष करत्रकी के हिब्क रहे-

कों इंडाइ। वृत्तिक कुनीन आदि अक छम् वश्लीक नांत्री, कक्षांत्रक श्रमकरत्वारण काञ्चाक হন, ক্রমাপত কুড়ি বংগরকলৈ ভাঁহাকে অনহ, बक्षण महा बिति हरेसाहिन, छानाव चाबी छ खाउ। विश्वकृत मन्त्रीय लाक, खळ এव एँ।इ।वः य अहे बीच काम मर्द्र कवित्रांकि, जार्जान्तांबि, का क्यानिक हिकिश्या कतिहास उन्हें कतिहास-तिन् खीरा कांत्रक्रमर्थे शक्य वाध रहा ना. क्लाफः दीवाता कटनक क्षकात्र हिकियना कताहेत्रा ब्रिक करतेम् ६४, य वाक्ति देशारक बारवाशालाक हिन्दिरहास हार्क इन, अथन पिन बाजिएक क्याहरूष्ठ भावित्वन, हिंबार्क मध्य गुना भाव- हिक्या यात्रक कवित्रा भक्षम निन श्रामाण ভোষিক প্রমান ভারির। অনেশস্থা কোন চিকিং- ' শুনিবেন বোগী স্বাস্থালাক করিয়াছে। नकरे एक वर्णाच्या किकिश्नात शत्रुष वरेशा

बटकवंत्र वायु हिकिश्ताय शब्द स्म अवश्त्रीकि -वेष अपन (वयन क्यां हैया। अनेत विदेश क्यांतीय के लोगेम्क कर्दन, विविद्ध- अक शक बाह्य केरद দেব- রোগী আরোপ্যাল করেন, তথাপি साबु भून राज्न अकुकाश नवाक डाहारक खेवबः (नवानत का पड़ा (मन, फमलनाइ केवर (नवम कत्रिया जे नाद भण्यु श्रीतर्भ व्यारता गामा कर्ति शारहम, हहे दरम.' जाजीक बहेन सीवात जांक কোন অব্যান্ত্রের লক্ষ্ণ উপস্থিত হয় নাই।

ब्राटियार श्रीत क्षेत्र है ने जाबादिन र क्षेत्रां व रेखा भोड़ा हा, जाहारज जिक्ति अरमना ह किक्सा कराहेटफ उन्हें करत्व मार्थ क्रमनः बाब विन ব্যাশিয়া চিকিৎসা হ্য, রোগের খণ্ডা সমভাবে থাকে, জনজন এক হাতুতে প্রজ্ঞাব বাস চিরিয়া हिक्शिना क्रिएक इट्टेंट बिनशा की एक जब প্রদর্শন করাতে তিনি মঞ্চেশ্ব বৈরের নিক্ট क्रिकिरमा श्रायना करनन, चातु शहरिक (५ डेक्स দেন ভাগার এই লাভা মাত্র পেরন করিরা ১ ৬ यन्त्री मट्यः ज्ञानाम भारताभागाच कतिहा छूप

ৰাৰুব নিজ ৰালিতে এক বিশুস্থানী অৱবোধে बाकास रहा, ता श्रदार विष प छेउ अवर तारन करत, गाव छेमताबाद चा का क धहरण कहिएकन সৰৰ করিয়া ভয়ানক ব্ৰজাতিখাবে কাত্য হট্যা भएक। मित्सव मध्या ७०। ४० वांव सक्रमाजाय मन निश्च हरेक ६वर अनवत्रक किन्ना ऐन छेड হইত, যথন সে প্রা, রক্তাতিসাব ও অনবয়ত विकास केवान मा का बहिक हरेगा मा कल उपन बाबुन बिक्षे भिन्न अबका स्थानहिन, यरकारन वायु अहे (ब्रार्भंद्र मरवान भाग जयन छाहादनव निवक्त कविद्राज महासम् जाहा, व निकरे छ गायुष क्रित्मत, बान के इंडिएक क्रिकिन्मा करिए जासूब कि कहिट्टम किनि करिट्टिन खन्नाछिमाला हिन। जानी

बाबूमिर्गत विश्वक शक त्रवामी विज कुषार्त्र पहेरक भारत्वय बाह्र । अर्था (भारत (त्राणीत । (धवन) (वार्ष्ण प्याद्धाव एवा । श्रवस्य एवन भाषीक्षित्रा । बद्धान्त्र नामुन 'तिका विकिथना । 'काशात मासक श्रीट वृत्र देविएक ए बन्डरकत अविका कार्य । यहकारत काहाबा बाद्य निक्रे किन्द्र मानव नाम नाम बहेरक कावण हरेत, उसन क्रिक्नियोषी प्रदेश: फेनक्रिक स्था फन्म । तात्रत । ता मा व स्ट्रेटक्ट्र क्रिक कर्तना, अकरा रम यर व्यवस्य और मक्स केमज़ब किन, क्रसवब्रक माबिकद्यार, 'वाबुब मृक्तिताहन स्टेझ डि.म उ साथ किकामा ক্লেন্ড্রীং মুর্যক্তে রোগীর ব্লেণ্ড্ প্রবেল স্থানার । করিলের মালি । তোমার ম'বায় কি হইরাছে ১

রোরে আক্রান্ত হইতেছে, অভএব। ওনি ভাহাকে कहिलान क्षि अपथ (नर्व ? (म कहिन ना, महा-अशु ना, हैशांत्र निभिद्ध जात्र महानद्यत्र छेवर जहरू इहेर्द मा हैश्र बावून निक्छे छेप्स बाह्य कविका क्षत्रमात्मत्र काःव कार्य हिंद এই भानी अक बात रहमूज (शारत आकांख इस, তথ্য বাবু চিকিৎস। করিয়া ইহাকে রোণমুক্ত করেন, হোমিওপ্যানি পথ্য সামান্য লোকের পক্ষে বিলগ্ন ক্লেকর, একণে সেই পথ্য ক্লেল नावन कित्री माली अवस बारान वायीकाव कवि-ভেঙ্গে। ঘাহা হউক, অনস্তর ইহার মন্তকের সমু-पात्र ग्राम माना क्हेन, उत्तरम वकः क्न, शृष्ठे ख करकर किव्रम् त भर्षाख श्व इहेन, खर्थन व मानी भाग महत्र कदिशा नामाना नामाना अदन्य मिए कात्रय कतिमः क्यान्यस यथन देशव श्रदेशिक শুজ হইয়া উঠিল ভ্ৰন ইহার মনে ভয়ের সঞ্চার ब्हेल, कुछवार हेशांक अवजा बाबुत विकरे ৰৈবঃ প্ৰাৰ্থনা করিতে হইল, 🖏 নাস অতীত थाध बावू देशव हिकिएमा कृतिएडएइन, थाइ अमुलाब चानहे क्रक श्रेग्राह्म, (करल छहे अवनी স্থান শুজ রহিয়াছে। বোর করি **জনভিবিন্তেই** मानी त्रानषुक्ष इहेरड भारत ।

দাসপুরে এক রুদ্ধ আহ্মান অন্তর্মুদ্ধি পীড়ায় शाकाष रम, कविवासि वा जात्मानााधि अना-লীতে উজ রোগের ঔষধ নাই। সুতরাং উছোর अक श्रुज निकास देखिश यस वरक्षमत वावुत | तकरत महवान पहेना करतन । নিকট পিভার চিকিৎসার পরামর্শ জিলাসা করেন, ভাছাতে বাবু ভাঁছার চিকিৎসায় প্রবুম্ভ क्न, বোरেগর ভীষণতাব লাভি ब्हेग्नारङ्। किन्न अम्याणि किनि नीरवाश क्टेंटक शास्त्रन माहे। আচীন বৰিয়া রোগী যথাবিধি নিরম প্রতিপা-जन कदिएल भारतन ना अहे निजिल्हे नर्धा मर्दा হাহার রোগ সামান্যাকারে আবিভুতি হয়, কিন্ত তৎকালে উষধ দেবন করিবাসাত্র ভিষো-हिछ हहेता पारक। यनि छिनि यरशाहिक नियम প্ৰতিপালনে সমৰ্গ হইতেন তাহা হ**ইলে বোৰ হ**য় এত দিন কোন কালে আরোগলোভ করিছে भातिएका। सन्। रुक्केक, कांशांक व्य भाति हार्शक অসহ বাতনা সহ্য করিতে হয় না, ইহা সামান্য मि जारभाव विषय नरह।

क्रमार्थ कामहा क्रशकी चंद्रत निकड़े निष्ठ कड़े প্রার্থনা করি বে. বজেগুর বারু ভাচভাবা প্রদে-লৈর যেরূপ মহোপকার সাধ্য করিডেছেন, বাহ-জীৰম সৰ্ব্বাসীন কুণলে ফুললী থাকিয়া দেইৱাপ क्लान गायन करण अवः जनवन् । क्रान्त स्मान

কিন্তু বাবু বুঝিতে পারিলেন যে, সে ভয়ানক আত্ম প্রসাদ ভূখসন্তোগ করিতে করিতে করিতে করি योशन करून।

কন্সচিৎ হোমিওণ,ামি পাঁলিডক

महाशत । 8 का माथ बुधवात लाइकन विन्ता লয়ান্তৰ্গত " আন প্ৰকাশিকা " দভার মিভীয় वाधिक जिथित्वमेन जनात्त्राटर निकीर स्रेत्री-গিয়াছে। সভায় সহাগত সভ্য সমূহের সংখ্য मुनाधिक ब्रहे मछ रहेबाहिन। अध्यक्ष मणा वात्रास छाजिमिनाक वार्षिक भरीकात भूतकात বিভাৰণ করা হয়। ভংগারে, সভাপতি জীবুক বাসু মহেলচন্দ্র পাল চৌধুরী মহালয়ের অল্লক্তাই-माद्य क्षथम, वार्षिक ब्रिट्शाहें, विक्रीप्त निव्रमावनी ও তৃতীয় রচনা পাঠ হর। অতঃপর অনেক সভ্য लाइक्क आर्थ अक्क्री हिक्श्त्रांगव उ वानिका निम्तान्य जानन सम् समीय सनगन्त सह-ताथ कतितान । किन्न किन्नरे त्यव स्ट्रेंग ना ।

সভাগতি, সম্পাদদ বাবু ,ও গোহজদহ अन्तरंभा धनिनन मधीरण आधारमद मविनम् वक्कवर এই, যে দেশহিতকর বিষয়দী (চিকিৎসালয় স্থাপন) ভবিষাজের গর্ডম্ব রহিল, ভাষা ফেন कठिवार कार्या भेतिनछ इश्, जांत्र बीहोती जी निकात कथात्र महनात्यत्ना शहितां श्रितम, की-शांत्र। विट्यम्मा कतिता (मधून, छेश महनादनम्बा प्राप्तक मर्द्य, वाष्ट्रविक भरनारवनमानविवासक I এ বিৰয়ুটী ঘাহাতে জুনিম্ব হয়, ভাষাও বেন

संगाहिर 3२१७ मोम I

मुना आबि।

| श्रीयुक्त वांबू शोबिक्ततस्य वर्ष | শিক্সাশাস |
|-----------------------------------|--------------|
| ३৮७१ काञ्चाति श्रेटक खून | 41 |
| " " अविकाम्यन मूर्यांभावां | व मेंबीनवा |
| ३२१७ कासन हरेएवं १८ आवन | (|
| - ''गात्रमाक्षत्रामयूर्यामायां | स्वानिक्रणंत |
| ১৮७१ (क्छाप्रीति ब्हैट्ड के बाह्य | |
| 'কানীকুক মধ্যস | कामी शब |
| ১२१० कास्त्र स्ट्रेस्ट १८ माच | |
| " ",ব্ৰাস্থান সেন | वस्त्रम् |
|) २१७ कालन स्टेटफ १४ मारु | 5 Y |
| " শেশভূষণ বস্তু | नाट्या |
| इंट्रेंश आह्याति स्रेट्ड सून 👈 | 18 |
| " स्वरंशक्षनाहाज्य पर्य | मकी मृशु |

১৮७१ बोल्लाजि स्ट्रेंप फिर्नस्त्र.

५ ९१७ न्याचन स्ट्रेंच नेत स्थित 🖓

" भागनात गार**्**व

वर्षकांक कलाहे विश्व म नेर्दर्भ काञ्चन स्वेट्ड ५३ मान

TABLE! 30

मित्र का निर्वास करहर के विटणव विद्यम् ।

व्यक्तिम क्षेत्रा ও फारू बाइन वा शाहरन पर-বলে সোমগ্ৰকাৰ জ্বেরণ করা বার না 🛊

देशक चित्र मृत्रा प्रार्थिक ১० अवर मानुइ-जिक शा॰ होका, वक्कांक फाकवांक्रम जातक वार्षिक ३७, बाब्यानिक १ अवर देखमानिक ७००, जिन गारभन्न स्थात चित्रक मृत्या मञ्जा गामाना । ছতি, বয়াত চিঠি, মৰিজত র, বোট, ৩- খ্রাম্প विकित्रे, देशक जानाकत नानाक वानात अनिया হয়, ভিনি সেই উপান্ধ মারা মুল্য থেরণ করি (वन"।

वीराहा है। अधिकि गांवीरेत्वन, श-रात्र। त्यत अकं अभवा जाय जानात जिसिक मुर्लाह । प्रमीरवह क्रिके खहुन मा करवन।

যথন বিমি বনখল হইতে নোমপ্রবাশের म्मा भागिदियम, जांदा सम तिक्षिति कतिया জীয়ক ৰায়কাৰা ও বিদ্যাত্বনের নাবে পাঠাইরা (**44**)

र्यं । संविद्यात भूगा विचात यमत अञीक स्वेशा चानित्व, अक मान शहर्त बाराविभरक छित्रै निविद्या जानान गाँदेरन, कांग क्कीफ स्रेग्ना भारत्व अक्वांत किंक्षे संभा स्टेटन, फारात भूड अक बानकान धार्कीका कृतिहा काशक वद कहा বাইৰে গুলেৰ স্বাহের পত্ন বেয়ারিও পাঠান श्रीत ।

बाक्ना लग्छेराहर त्यांनानून रहेनेरनह फाक यरत क्रिक्न आयरम् आयता सीध शाहेव ।

ৰ'বিষয় বাহুল না দিলা প্ৰভাগি প্ৰেয়ণ কৰি द्यत, चीराविद्यत्र त्यहे मुखावि अर्थ कृता वाक्टब मा।

त्कर जामभाकारण विकास विद्या हेला ক্রিলে ভাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রতিশংক্তি ১০ वाना छोरात चेत्र /> क्षाना विस्त व्हेरन। विश्व कार्यकर्षात विकासनिव विवास केवा कालिएवर्व क्षेत्रिक निर्म प्रमात क्षेत्रिक स्थिति ।

sar all ria directed utill of an रमणकरमा राजिनमा स्थापन प्राप्त स्थापन ALIBIA MANAGEMAN state the Childs Shoralla

गुरु कि

a चात्र ।

३७ जरमहा ।

" प्रवर्त्ततां प्रक्षतिविताय पार्थिवः सरस्तती अतिमदती न दीयतां।"

বাসিক মুল্য ১ টাকা, অগ্রিম বার্বিষ্ণু ১০) होका अक्षिम वाशामिक स्म हैंका।

नन ১२१७। २১व कॉब्रुन । ১৮७१ । 8 ठा मार्क ।

মকস্বলে মান্তলসয়েত জ্ঞান্তম বাৰ্ছিক ১৩ টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও ব্ৰৈমাসিক ৩৭-

विद्धांशन। निके जनविकातिम एम।

व्यानता विनाख रहेटच छेरकुड अवस नवन সুত্তন আনাইরাছি এবং পরীক্ষানের জিম্পেসরি क्षकृष्ठित कृतिथात करा नशक सूर्व्य बांकारतत অতি কম দরে বিজয় করিতেছি। শব্দমা হইতে अवस्थत कर्फ ଓ जाहात मूला चन्नभ स्माह, इस्ती ৰা ব্যান্তী চিঠি পাঠাইলৈ আমন্ত্ৰা ঐবধ ক্ষতি मच्छ भागिरेट भाति। उत्तरभन्न स्मा वाहात्री वामित्य हार्ट्स, वायत्र। डाक्ट्संटर्स खाहान्टिसत निकृष्ठे छानिका शाठाहेव ।

चांत्र ति एक क्लार । वह्वाजात की है भर ७२ वाही।

मञ्जरिका ।

प्रकृषकार्वकृष्य मिका न्य बालांगा नाश्चान সহিত, সংস্কৃত কালেজের স্মৃতি শাল্ঞাগাপক क्षेत्रक क्षत्रकटक निरम्भावित कर्तृक नश्लाविक। र्ववर्षनिया गरकृष भूषकानस्य विक्रपार्व चारह। ৰুল্য ৬ ছন্ত টাকা।

क्रिक्रनाथ नाम्राम्भागमा

क्रेमकेनिया मर ब्रूफ शूक्त नाम बर बनीक स् माधातन वाकिशन क्या कतिया नहें एक भावित । वर्शकातिक निष्ठतिथिए शृक्षककति विक्रम स्ट्रेट्ड--

| ACACA— | | |
|---------------------|----------------|--|
| લનોષ્ઠ | भूमा | |
| ্রীল ই ডিহাস | ३ ग्रीका | |
| নোনইভিবাস | 3 " | |
| ভূষণসায় স্থাকরণ | 1. | |
| নাডিসার (১ ব ভাগ) | J. | |
| নীভিনার (২'র ভাগ) | J. | |
| थहात्रिक । | | |
| क्ष्यां न्याकार | 4. | |
| Givina | मनाथ चन्द्रा । | |
| فثبره مبيد | | |

भूजोन मरबारम् (नवर्यक्षः)

मध्य भूताव मरबार्त्त विकार विवास किकिश विभूश्वना रिवाहिन, क्खि अक्टन मिन्नविष स्थः খনের প্রাৰ্কদিগতে ভাক মাজুল দিয়া শাঁটান र्देएएड अवर क्लिक्ज़ां विक आर्कनिक्र क्लिया महिर्फाह अवर विख्यन विवस्त्र मोधान्त गादा यथवान १७वा भित्राद्य, वांबाता भाग माहे अवर वैव्हारमञ्जू निर्मेष विष्कृत विष्कृत विष्कृत खाँशता जन्नवर कतिया चताय वाक्रांगाटकाच ভব্বে আমার বিকট উপস্থিত হইছা প্রাণ্য शक्त मध्यह करून ।

क्रिकानीक्षमम निरम।

ভূটান প্রক্রিম হারসমূহে হক্তি বেলা করিবার विविष्ठ जानामी ১৮৬१ जल्दन ३ ना अध्यन ब्हेटक रामका अर्थित २२ ज बाक, अर्थाक चक यथनत निवारत शाही निर्ण निव चाक्यकाती इन्ह् क जाइन ।

হস্তি ধরিবার নিমিত যত কুন কি নি**রুক্ত কর**। ৰাইবে, ভাহার ফি সুন কি প্রতি ২০ টাকা হারে माञ्चल निर्फ स्टेरन, भूफ इच्छि नक्न सन्त्र क्षित्रात अधिकात अध्यक नवर्गामा धाकि-(बक्। शवर्वाम के क्यू क्षिएक हेक् क मा वहरन

অম্যান্য আন্দাকে বিষরণ নিয় স্থাকর काबीत मिक्डे यग्नर जिमक्कि इहेग्रा कि गुज बाजा बिकाम करिए बाना बाहरक भातिरव"।

(उशूने क्षित्रवा जिल्हा) खीन्छ छ, अक, मर्गाना छो। १९३ जिएतक्त । १४७७। छन्ने क्षित्रवा

बालकपिरगत्र वावशातीर्स 🖰 गविक विकास 🛎 नार्व अक्षानि जक्षभूखक नाविश्वष हैरताली বিদ্যালয়ের শিক্ষক জীলয়গোণাল গোখাদী कर्त्तक अनीय थ की बारे नि, रष्ट्र कार बाता बुक्कि अक्षकानिक स्रेश वर्गकांत्र ३१२

गरबाक है।।नरहांग खारा ७ कारनंब कीरहे गरक्ष आरमत शृक्षकांतरत विक्रतार्थ शामिक चाटह। बूमा ১।॰ भीत भिका माख।

मानथकान ।

২১ এ ফান্ডন সোলবার। গোসমূৰ্যাধান ও তেওছৰ।

भावनम् वीरकत् हिका ७ मन्स बनंद बीटबन जिला क छेल्टहन मर्या क्लानी डेरहरे, वहें थया निकाना ক্ষিয়া গতবার এক কল পত্রপ্রেরক এক বালি পত্র প্রেরণ করেন। পত্রপ্রেরক चत्र रे डेक्टबन अन्ताय वर्गन कतिया-(स्ते। धक बात मिका बिटन चात कर्चन-दगढ रव ना, क्लान जिकाबरे अब्राथ अन बारे। क्टर जामानिकांत्र (मटणत लाटकत धरे नः कांत्र जारा, मन्या वनत वीरम क्रिका किरल ब्यांत कर्यन बम्ब इत ना. দেটা জমাত্মক। এ বিষয়ের প্রামাণ্য প্রতিপাদক উদাহবৰ বিরল নয়। পকা-खद्र भारमञ्ज्ञ वीटकः निकाशात्री व्यत्नक दास्त्रिय चात्रक मनदम का एमाकिस प्रमू हरेतारह। यपि व षश्य केंक्स्त्रत जुनाका রহিল, ভবে কোনটাকে শাশ্রর করা कर्बरा। देशांत निर्वतार्थ पाटवा छेपटबन श्चन निर्नेत्र व्यादभाक । बाहोत्र ७० व्यक्ति स्टेटन, जासाबरे मंत्रन मध्या डेविछ।

मन्या बनाइ बीएका की काश करने छ दिश्य भन्ना अधिक। এक এक राक्तित এক্লপ বসত্ত হয়, কেবল বে তাহার প্রাণ म्हण्य देनिष्ठ रह अज्ञण नह, इह

মাদের ন্যনে সম্পূর্ণরূপ স্বাস্থ্য লাভ করিতে পারে না। অধিকাংশ লোককেই क्रमः था वमत्त्रत वम् । यञ्जना महा क्रिट हम। किछ भारमञ्ज बीटकर जिका खर्न मन्द्र व कर्छ । व भक्ता नाई। श्राप्त वनपु इत ना, (य २। ६ ही इत, छाइ। कछ मायुक् नहर, न्याशिक इदेर्ड इय ना। ভবে মধ্যে মধ্যে টাকা লইতে হয় এই ৷ কি ? मित्र । किन्नु वर्थन (नथा यो हेट उट्ह, तम টীকার গ্রহণকালে কোন কন্ত ও অনিষ্ট নাই, ভখন মধ্যে মধ্যে লওয়াতে কাত কি ? দে অসুবিধা অসুবিধা বলিয়া পরি গণিত হইতে পারে না। উভয় টীকার खन्दारा इ स्थ्न এउ चारुत लिक्ड इह टिट्ह, उथन डेडरमन रेवनकवा अमर्भन क्रिज्ञा अटक्त उेश्कर्ष ७ व्यन्तरत व्यन्दर्य প্রতিপাদনার্থ অধিকতর প্রয়ান পাইবাব व्यात्रांचन (मथा गारे (उद्ध ना।

প্রেডডয়ের তত্ত্বিজ্ঞাসু পরপ্রেব-त्कत्र श्राप्ति वर्णवा वहे, हेहात्र याषार्था বিষয়ে আমাদিশের অণুমাত্র প্রভার नाई। डाहान कारन बहे, श्रथम, प्राप्ता चटलोकिक भनार्थ. चटलक यक वड़ मर्चन ও विकानकाव इहेगा शियाहरून. त्कहरे তাছার অরপ নিরপণে সমর্গ হন নাই। रेबमाण्डिकता मानाविष्यम शतमा शाहकरे कीवांका विता निरस्त कतियाहन, रेनतारिटकडा य ठाउँ गड माखा ७ य उछ कीवाचा चीकाव करवन, वोटकवा त्रका-তিরিক্ত আঞ্চা বীকার एरहम ना, खना व्या पर्णनकात्रिक्तात मस्ट देशात একার -ভেদ আহে। স্ত্র পরেও আত্মার গতি বিষয়ে বহুতর নতভেদ कृषे र्या (य भनार्थ चित्र नटर, त्रहे পদার্থ যে, যে দে লোকের আচূত হইয়া क्षभरत्रत्र मध्किकिक विवस वास्क कहिरव, कारा दकांगकरमंदे निकांगरवांगा नटह ।

দিতীয়, অন্যে আছ্যান করিলে আত্মান্ন আবিভাবরূপ অসুগ্রহ হওয়া যদি যুক্তিনিদ্ধ হয়, নে অর্থ্রহ সহলের প্রতি না হয় কেন ় প্রেডডর্থ্বাদিরা বলেন, সক্ষেব প্রতি হয় না।

ভৃতীয়, শ্রেতাগ়রেরা শ্রেড শ্রেরিড ফইনা থে বে কথা বলেন, তাহার অধি-কাংশ অসভা হয়। প্রেততত্ত্ব সভা ফইলে এরপ অসভা হইবার সভাবনা কি ?

চতুর্থ, আমাদিগের এখানকাৰ ভূ তের ওঝার ন্যায় ডেবেনপোর্ট ভাদর-দিগের প্রভারণা অনেক ছলে ধৃত হই য়াছে।

পঞ্চম, প্রেভভন্তবাদি আমাদিগের ভূত ভবিষাৎ ও বর্তমান জ্ঞানের প্রকৃত উপায় হইত, প্রাচীনকালের লোকেরা এ সহজ্ঞ উপায় পরিভ্যাগ করিয়া কথন দর্শন বিজ্ঞানাদিরপ উন্নতির জটিল উপায় অবলয়নে ব্যগ্র হইতেন সা।

(वरादात्र भी नकत छ ध्यमात्र ।

यथन नमीया ७ यटमाहरतत नीलकत-ब्रिट्शंत व्यक्तांकांत्रनिवद्यन क्रवक्शंव नीय বপন পরিতাপি করে, তথকালে বেছা त्वत्नीशक्टबद्धा अदे विश्वता श्रद्ध क्रिनः श्रीहिट्यान, अथानकांत नीलकतिरासन नामा তাহারা প্রকানিখের উপর অভ্যাচারকঃর भ ना। एवंडा अकांभर्भन क्लान जगरकांव **हिंद्र ना (पश्चिशा फामता अ क्या विश्वानश्च** कतिगाहियां मा कियु अकरण (बांध स्हे ट्टाइ, नीनकत मांटाई धक प्रादा भिठिल क्रेग्नाटक्त । करत्रक् वश्यत्र व्यवस्थि विकारत নীল ব'পন অলাভকর হইয়া আদিতেছে। शर्वात्रके षहिएएता क्रिक्तित्र दिखन इषि कतिशा निशास्त्र। जानि कानि जूनात गरथके नाज देरेरकरहा फारांत উर्शानकितिश्वाध काम डेक्स्बाहा मारे, श्र वद्यत्र क्विक स्वग्नाटक क्रवक्शन অধিকতর লাভের আশরে অধিক প্রি-

মাণে ভূলা ও ধানা উৎপাদন করিবার मानन क्रियाट्ड, नील चलाक्ट्य दिन्सा তাरात कृषिकार्या जाराता विश्व धरे-ब्राट्ट। किन्ह नीलक्टबर्बा ভारालिश्रटक ছাড়িভেছেন মা। ১৮৬० অব্দে প্রতি विचात्र (य मूना प्रकार इत, अर्थनक मिह রূপ কেওয়া নীলকরদিগের অভিপ্রেড। এরূপ অবস্থার বিবাদ না হইবার সভাবনা नारे। नतीया ७ यटणांक्टतत्र नाम्म (वक्-त्रिक नीन कतिवात इहे ध्वकात जूमि আছে। প্ৰথম নিজ জোত। দ্বিতীয়, রায়তওরারি ভূমি। প্রথমোক ভূমিতে नौलकत क्रुयक चानीय बहेता हलापि क्रम क्तिया नीम উৎপাদন क्रान। विजीव क्रयक मानन लहेता खबार्या नील वर्गन করে। নীল কমিসন লেখোক্ত ভূমির विषया अरे निव्य कविता प्रितादहन, প্রকার। নিজের ভূমিতে বে শাসা ইক্ষা **উৎপাদন क्**तिट्ड शांतिर्द। हेराट्ड नीनकत्रविद्यातः भूजीकैनिषित्र वाश्रीक व्यविशाद्य, पूछतार छोरात्रा क्रक्तिशहरू नीन बननं क्यारेष्ठ वाशिक क्षियात बना बांगांगरजत्र बांद्यत्र वहेरफरहन। অলাভকর বিষয়ে লাভেজ্য পূর্ণ করিবার **बर्र बक छे**० इस्के छेलात्र। - गृक्यालात हाकिमिनादक वीकांत्रा कार्यक्रिकाहिन গের নিকটে বলা বাঁছল্য যে যুবক সিৰি-निमानसन् वर्श्वम जालसमात पत्रांख्-मुच नरहन ।

विष्ट्रिन वर्षेण जिल्ला साम्प्रणीत नार्का कर्मान कर्मान कर्मान कर्मान नार्या कर्मान कर्मान कर्मान कर्मान कर्मान कर्मान कर्मान कर्मान कर्माल क

प्रवटन जाटह ए दलन संटिक् जार, नाजीक चन्ना क्रेमिक स्टेश कविताहरू, स्थि केश्वाद । किन्दु प्रिंगि चवाका नमबैगार्व चना दर्गन माँची छेशिएक क्टरन नारे; चारा नक्कारी याचिए है होत्र निविक निर्णाष्टिकं पुके स्टेटकर । अवा करतक कनरक माकी लेव, निकान गकरनर बरन फूर्वि, क्रांबाह्र। अक जन माज विद्यादिन चांछे बर्नदेवत मध्या छचात्या सीन स्व नारे। बांबबन्न मारब्ब बरणम, फिनि বচকে বেধিয়াছেন ভূমিতে নীলের श्लोका प्रश्लित है । किनि बटनम, " व कृषि बीवकृष्ठित निव बाट बाट, काशांट कृषक वनगुर्वक हाव कतिरव थि गडाविष्ठ नद्द, क्डि गांक्विवादकात अञ्चर्गातः विवास करा जायोत कर्षे । क्या। " डाहात मटि शिलात गाँचारे প্রমাণযোগ্য। এই প্রমাণের উপর নির্ভির कत्रिया जिमि जिङ्ग्यम ७ व्यष्ट्र जैक्टिन ৪ সপ্তাৰ মিয়াৰ সিয়াছেন !!

व्यक्त क्षुत्रकिरशंत बादकात वर्षि शृक्षां शतिवात स्रेश बादन, जारा चान्क्रदर्शत विषय मध्य। अरहार्मात्र मिश्र ट्यनीत काकपिरगत काका मत्या अ विद्यारशब् गतिकात कृषे का ना। अञ्चल ছলে বিঞাধিচারপুতিরণ বাব্যের তাৎ-भवा ७ मात्रारमः अवन कतिया कर्जना व्यवदात्रनं कतिर्मा चीट्रकमः। चाष्टे वदमदत्रत्रं मत्था होन 'स्रेज़िक्न कि मा ? अ कर्मा विष्ठार्य। सन्न, कृति अकार्यन कि मा १ देशहें विकासी । अधिवदत कि धीमांन भोतम् व्यक्ताः । जात्र, त्यान्ते गढा निक बात कान्या भगवानिक वर বিহ্নদা ক্রিয়া বিচাপ্তবিদ্য বিভার করা क्रवान मीलका विश्वांत मरक्षक्र करही-वद्य राजा वरुगांद 4441年4 (सर्वात छवत विश्वतंतिक रक्ता वरे अविका क्षेत्रका विदेश पुरुष के विद्या विदेशन देव ME ASHCHE MERCH MICER, MICEI.

वर्णनाष्ट्रां क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क

कतिता क्षत्रकरिशहक कीश्वल कतियात क्रिकेश बार्ट्न । डीशहा इंडिक क्रिके मत क्टब्रम माटब्र्स्ट्र करे बनियो स्थाय विख्या व जिनि क्राविशाक विष्यांशी ৰইবার পরামর্শ দিতেছেন। এটি শ্রিবৃদ্ধি कांत्रि बरनत रात्रोत्री। काहारफ कृति तकक मार्मक सार्व्य प्रकृतिहर्भन्न व्यवस्था यहरक नर्मन क्रिक्ट्रह्म बदर आहेरन काहानि খের খে বস সাছে তাহা বুঝাইয়া দিছে-द्भनं विनिधा को क्टबरा की बार अबे धूर्नाम विष्कृतका त्य किनि कैंग्रिक्ति गरिक मकुत्रमिटभन भक्रम्भन विवास खेठारेशा निटिष्ट्य । न्यूनांव विषय जन्नकादत ্ব্রাকে ইহাই জাহাদিপের শতিত্যত। আসরা বেহারের নীলকরমিগকে সক্তর্ক করি তেছি, वर्षन नहींग्रा ७ वर्ष्मार्द्धत इस्रन क्षयद्भा सीलकारिकाटक छेरमञ्ज विशादक, कथन द्वराद्वत धोकांता छिवरता कन-मर्थ क्वेंट्र (वर्ध क्ष मा। मील, वर्णम टेरिया, बाह्र देश काशांत्र अधिराधि नर्दं, (क्वम भागाशाश्वरे भगविरथक। क्षरकतिहमान का जिस्केन, यात्र गांच रखेन, मितिस मुक्ति या द्वीधिया जाननादारे लाफ कतिय, मीलकदनता यपि धरेक्रण महम करतम, अखाधात धूर्नियांत स्टेर्स अदमहे नारे। बाराहर छेरतमात्मन क्रि

ना रह, त्यारे बातका कवाने केवला असीत मीनकार्यन कृति तथा क्षितिकार्यक है। भग अक्टूबिटमक छेगटक अक्टूबिक अक्टूबिक भाव त्वांक शांदेरण्डांक कांद्र क्रिकार्डर गारका भूनकात करेंग श्रीतिपूर्व एटर । वर्गातव निवन्त्रेत्रन कि भवका वर्णन क्षिएक छाटक्षे १ क्षेत्रशिद्ध मानीचा कतिकी कछ निम हिंद्रे विश्वी हैं जल क्रिया बाधिएक शाहिएक ए क्रिकेन विर्णत त्रिक विकास कविशा केंब्लेड् व्यातमाण रहेटर मा। व्यादातमा मीन. कत्रभन मखा व विश्वाद्यम, ही कामहा राजिताक श्रेतारहत, द्रशास्त्री मीनकृत भनं व नम्रत यनि गङ्गाव विकासेन के करतम, अरे शरवत्र शावक शरेर हो। वर नक्स मर्भन कतिश कामहा एक इंडेटबानीसका क्रम्म च अंकृत-बिर्णंत गरिक महाबस्ति । शाबीमें छोटब कार्या कविष्ण कारमम मा, मूक्तार कारावितात द्रवार्थका मारकत मेखा-बना नहि, त्वशास की दंशान अथा काहरू त्महेबोदनहे कें शिक्षा मांक क्षेत्रिएक महित्रम ভারতবর্ষে সেক্লপ হওয়া কন্তিস। এউদ্ধে नंदांनिमिश्तत निक्षे ब्हेर्छ खदा अध कतिका वायमात्र कत्रादे उदाविष्यंत्र शंदक व्यवस्य ।

> পুনিষ সংখ্যান্ত **জাইনের এক মুন্তন** পাড়ুলেখ্যা

मर्खांट शिक्षण मार्ट्स समातनीत वारणां के मार्ट्स कार्ट्स भा छूटनवा छेणिए कि कित्रांट्स है हैरात छेटममा और, आवशानी च मक्त्रुट्स मिछे-निमिणांत कत हरेट शूनिट्स दिखन विवास करा या होना स्वका रहा, छोड़ात बारम का या होना स्वका रहा, छोड़ात बारम का प्राप्त स्वका स्वा शूनिय बारमण कित्र कारणां का स्वा शूनिय कारमण कित्र कर भा शूनिट्स हर एउड़ा

হইবে ভাষাৰ ছিব্ৰতা নাই। ভাষা ছিব করিবার নিমিত উক্ত পাঞ্লেশ্য হই-হাছে। এতদারা কার্যতে, মিউনিনিপালি টির ক্ষমতা পুলিবের হস্তে দেওয়া হই-: उट्ट। ১৮৫७ षटकर २० षाहेन **७** ১৮৫৪ অভেব ৩ আইন অসুসারে যে কর प्यापात्र इव, उप्ताता शतीशुर्य हाकी-मादतत (याजन (मध्या हरेगा शादक। डेब् न ठोका धाम मनूरम्य ब्लाखा हिस নিমিত বার করিবার নির্ম আছে, কিন্ত कार्या (कार्याय है। हरेट डर्ड ना। भंड कत्रा श्राप्त १० होका श्रीनरवत (ब्रष्टान প্রাব্নিত হয়, অবশিষ্ট টাকা অন্য প্র-বাবে বায়িত ছইয়া থাকে। প্রস্তাবিভ পাণ্ডুলেখ্যে প্ৰস্তাৰ হইয়াছে টাকা মিউনিসিপালিট আদায় क्तिर्वन, পুলিষের বায় প্রভৃতি স্পরিক্টেণ্ডেক बिरान इट्ड पीक्रिय।

श्रीकटवन कवा किवल्भ मार्थात्रदवन দেওয়া উচিত বটে, কিন্তু অবস্থা তেদে अतिमान LGF करा कर्डवा। वर्छ छोसा श्रुं नियं के मित्रा व्यविषये व्यव्य नेषाद्वत भाजार्थ बाब कतिबात निव्यय हरेला वचार्थ काक रहेएक शादत ।

গত বুৰবার ভারতবর্ষীয় সভা গুছে अरे विण উপলক্ষে नगतवामिलिया अक नका रत्र। कनिकां जात्र श्रीनाद्वत कियु-ष्या नमत्रवाभिपित्रित एए जा कर्वदा देश मक्टन चीकांत करान, किंद्र वाधिका निव कान व्यक्षिकम् थी। अहाति अहाति अहा क्रम इहे-য়াছে। অতএব সভা বে আবেদন করি-তেকেন ভাষাতে এস্তাৰ হইবে প্ৰতি টনে চারি আনার অন. ২ক পুলিষ কর चन्ने भोगांत्र कता रता । विकिशन स्थेन শান্তি রক্ষা নিবস্থান দৌভাগ্য ভোগ করি তেছেন তখন ভরিনিত কর দেওয়া অস-**क**ठ नरह। मलाव दिखीन श्रास्त्राव अहे चात्रजनकीत भवर्गस्यक्षेत्र ১৮७८ बद्धत

७) व वाशरकेंद्र क्रुड मर्क्ण्य चन्नारद পুলিবের চতুর্ধাংশ ব্যর গবর্ণমেন্টের দেওয়া উচিত। উচ্চার। আরও এর্থনা कतिरवन नशरतत चांच कांती कर मिडेनिन-गानिपित आशा व्या । गदर्गमान्धेत छ विश्वकितिशंत स्वयं अश्चान योश अविश्व থাকিৰে, তাহা নগরবাসিরা বাটীর করের হিনাবে শতকরা ছুই টাকা পুলিব কর শ্বরূপ দিবেন। বাটাতে বিনি বান कतिदवन, उांशादक धारे कत्र मिटल स्रेटन । এ প্রস্তাবটি ছাতি সঙ্গত। বাসীর অধি यांतित निक्रे इहेटल लहेवान विजय इहेटल ভাঁহাবা ভাড়া হৃদ্ধি করিখেন সম্পেছ मारे, जारा श्रेटन क्रमात्राष्ट्रत छेला ভাড়াটিয়ার ক্ষাৰে পতিত হইতেছে। এক্সপ পরস্পার সম্ম স্থীকার না করিয়া गांकार मद्दल छाजाविहात निकटि शब ग्राहे छेडिए । मठा मिडेनिमिश्रीकार्य रूटक श्रीनारवज्ञ वात्र व निर्शारवज्ञ कांत्र मिनात्र (ग व्यक्तांन कतिशार्यन, फोराटक चामतः जनूरमानन कहिटक शाहिनाम আদায় হইবে, তাহার নির্দ্ধারত অংশ না। শান্তিরক্ষার ভার শান্তিরক্ষক পুলিষ ভিন্ন স্থান কাহারও হজে দেওয়া উচিত नटर । रेश्मरण मारकता परिकतिक मानिट्र के विकेशिनानिति हर्छ পুলিবের ভার फेठोरेसा शिवात टिकास भारक्ष । श्रृतिरयत थना क्षां वरमत होका जावगाक, मिडेनिनिशालिहि छोहा व्यानां क्रिया श्रुनियदक सिर्वन, आहे **वर्षाय डाँशतिरशत कम्बा क्विंक्र**न्। পুলিব কর্মচারির সংখ্যা অধিক ছইলে ভাঁহারা প্রণ্মেন্টকে ভাষ্বির জানাই-উপর পরস্পরের নির্ভর করা উচিত।

> १४-७६। ३३ **मर्**सत् स्वत् श्रद्धां । ছিলোই।'-

व वर्गातत्र व्यात्राक स्वर्गात्रक ভিন্ন পোলায় ১০,০৯,২১% মৰ:

नर्ग दिन, गूर्फ रहनत चंट्रपक्ष व रहन गर ६२,७२,७२৯ मन ज्ञा स्ता वदम-त्त्रत्र मत्या ४०,०१,५४० मण मन् भार हेरत । ১৮७८।७६ चर्च ४४,८১,७६५ मन नदन विक्री छ एत, किस ३५७६।७७ षर्प १७,३७,८८३ मन माज विकास हरे. तर्हा । जिनत्रभूरमत्र जनन व्यक्तिमानी एउ-রাতে বে এরণ ব্রয়াহে, ভাষা বলা राष्ट्रणा । क्षेट्रकं क्रमण्ड्ल ७ स्वाकाटम चातक कांत्रिक नवन निकीक व्हेतांद्र। कछेक, भूती ७ बाटमचटत छात्राहे नव-८०त बना ১১७১ টि मकसमा रस, काराटक ३३२३ वन एक भारेशांट्य व्यर ३४३ वन मुक्त ्रहेशमस्य । क्यारकाक्षेत्र (क्यात्रण चारकन कतिशारहर अ नकत यकस्थात माजिट्डेटिना थात्र एथ विट्ड ठाट्डन ना। लाव नद्यमान इरेटन नामाना कति-माना रह, माजिद्धिकिता जन्म स्टलह लवन बाटकक्ष क्टबन। क्लिकेनके भवन्त व विवास मिन्छन नृष्ठां स्थानिवान निवित विकासी महेताद्वन । आयानि-लात त्यांवे व्या, शृश्यित कर्वावातिका लाख ও পুরকার লাভের আলহে নিরপরাধ वा अनिशदक वृथा करु एमम विश्वा मामिट्डेटिजा प्रकाटन निवृष् इन । भड वर्गत मब्द्यत जिल्लां ग्यादनाच्य वित्रवात नगदत जामतो जाटकरा कतिया-विशाम विक्रिकीय मध्य नामाटक जामा-निर्मंत र्गाकान वक्त स्टेबा स्ट्रांत अविग क्षरांन वालिका खरा मध्ये वहेटलाइ अवर त्य जना भाषाविद्धन लिएमें क्षेत्रन महिन मार्थ क्षा क्रिकिक विस्तरमंत्र मुना-(यन। अक्टल शहल्लादात्र महित्यहमात्र। (नक्। कतिहरू इक्ट्रमाह्म निर्मा महा कामा विक रहेगान वैदर्गटनक सादन सादन सन-भारत जगरत मानकाती करतत नाम बालक मरेशा रसांकरक देशा बांब्यक स्वित्राह लाह NO RESIDENT SHORTON MEN ATON-THE PERSON NAMED AND ADDRESS OF TIRE CONTRACTO AND TAKE

করিরাছিল। ২৪ পরগণার রিপোর্ট পাওরা হার দাই, এজন্য কমিসনরের কৈন্দিরাত চাওরা হইয়াহে।

निद्रमबहिई ७ श्राप्तान स्वार्थ । स्वार्य । स्वार्थ । स्वार्थ । स्वार्य । स्

লাভ ভেলচৌদিৰ একটি বিশেষ इंडिरिशात विषय এर, जिनि य गमल কার্যাক্রপ প্রস্তব ছারা আপনার চির-श्री कीर्डि छन्ड तहना कतिवात जाना করিয়াছিলেন, তাহা এক এক করিয়া স্বিচা পড়িতেছে।ভাঁছাৰ জীবিতকালে অনেকে ভাঁছার যশোগান করিয়াছেন, অনেকে ভংক্ত কার্যান্তলিকে ভাঁছার বিপক্ষা-(नत्र बांट्यात थेखनार्थ ऐपार्त्रण यद्ग्रण প্রদর্শন করিয়াছেন, কিন্তু তাহার অধি-कार्भरे बक बक कतिया अमरर्थत जुल विनयां मध्यांव इहेट उटहा शत वाका অহব রাজনীতির্গ দুড়তর সেতু বিজো एकारलंब स्मिनिङ नहींत श्रवण श्रवाह (बर्भ दक्बन य उच्चनिक इहेन्नोट्ड अन्नर्भ ভারতবর্ষ ইংলণ্ডের লাভার্থ भागिक इह, अ दावनीं छिए अक्त निक्छ উপেকिত ও পরিতাক হইনাছে। তাঁহার বহকারিগণ একণে এক এক করিয়া তাঁহার কার্য্যের প্রতিবাদ খারত করিয়াছেন। কিছু আজিও ভাঁহার একটি काक क्रांट कामू उ कारह । अपि भित्रमविष्कृ उधारमामा कार्याधानानी। र्य क्षनानी जन्मरन शक्रांदन विरमनक्ररण थाइनिक चारह। मरकात्र क्या वित्रकान **ब कथा यहि क्षत्राव** विवर छात्रछत-वीरतता चत्रः छूक्टकाकी इरेता व कथा बद्दान, कांश् यति शतकात्री धार्यनकाती ৰাক্তির মত অপেকা অধিকতর আদর. गीम इस. खाहा इहेरण निसमविष्ठ्र उथा-स्तरभन्न कार्याक्षणांनी वस् स्तारवन जाकन স্ভা ধ্বশ্মেণ্ট ও স্ভা জাতির

নিতান্ত অনোগা ও অহপক্ষ বলিয়া প্রতীয়মান হইবে সন্দেহ মাই । নির্মন क्षिक् कार्या अनामी हिट्नाएँ स्वक्रम दर्शिष्ठ इन्डेक ना ८कन, ८३ व्यक्तिमंत्र नकन লোক ইহার অধীনে আছেন, ভাঁছারা वरमन, त्रगंकिर मिश्टहत भागन धानानी देशत यार्थक। यातक यर्भ उरहाउँ हिन। भक्षाद्वतं त्यादकत् उद्धाठा विकास লয়ের প্রতি ভাদুশ স্বাস্থা নাই। বিচার-পতিদিপের প্রতি তাংগদিপের মত ভক্তি তাহা সম্প্রতি সন্দার প্রতাপটাদ সিংছের वनभूर्वक होषा महेवात्र चित्रांश दोत्रा নপ্রমাণ হইয়াছে। তত্ততা ক্ষিণ্নর **(जिल्ली किमनेव ७ महकादी किमनेव-**यद्यम् विनिर्धान গণ রাজশক্তির करत्रन। ज्यांत्र त्नांटकत्र गमान नाहे, व्यक्तां हार्य व्यव दिन विश्व विभिन्न विश्व विभिन्न महनी इन ना। এই खना श्रकारवत রিপোর্টে " শান্তি শান্তি " এইরূপ লিখিত দৃঊ হয়। পঞ্চাবের পূর্বতন ব্যবস্থাপদ্ধতি ও বিচার প্রবালী একণে পরিবর্তিত इरेशारह। यह मूच वक् করিয়া আন্দেপ ও অভিযোগ ৰন্ধ করা पूर्णामत्वत कम इत्र, छाड्। इड्रेटन शका-(बंद मीमन व्यनांनी উत्तम, क्रमाधा हैहा অভ্যাচার এবং সভ্যতা ও মানবসগুলীর অব্যাননার অপর নাম্যাত্র। ছেনরি लरतम बन गराम जिंक भारते थाएंडि गहिम्यांनी वांकिया श्राद्य थाकिया যশঃ ও উন্নতির মূল পত্তন করিয়াছেন गजा, किन्तु काहा ध्वनानीत खटन क्षा नाहे, ादिकत **भारत इरे**बाटि । ट्निति गटत-ভোর গদৃশ মহা<u>স্</u>কব ব্যক্তি চীনের শা-সন কৰ্ডা হইলেও তত্ৰতা ব্যবস্থানুসারে याञ्च कतिमा धरभौनाच वरिट्ड भारि-**८डन। फगडा विभिद्यार्शित अपि निर्मि**धे भीमा ना थाबित्न चंडाांचात हरेत मरकर কি ? কনতাপ্ৰিয়তা মানব হতাৰ্চিত্ৰ।

পূৰিবীর অধিকাংখ লোক জোক শক্তভা ७ देवतिर्वतिष्ठतन्त्र श बाता ८थति ७ एई, रगांक गल्हा हाकनिश्चम ७ हाकम् ७ वह धे नकत चरण्डलंब्र निर्वाहरवानांब, क्रिड বেখানে নাজনিয়ম প্রভৃতি বিশৃষ্লাবছ स्वन मिएटवरमात्र **উপরে নির্ভর,** কেই थात्नरे षाञाहात, त्मरेथात्मरे लाटकत क्छे। এই कांत्रर्वि चानिवाबरश्चत त्राष्ट्रगण स्टेटल नानाविश चलानात हरे. য়াছে। তবে পঞ্চাবের কল বাসুর এক্লপ অসাধারণ গুণ নাই বে তথায় সমুদ্য বভাবের ব্যতিক্রম **হটিবে। ফলতঃ** ভত্রভা কমিশনর ও ডেপুটি কমিশনরগণ रायम् व्याजात कतिया व यमि तिर्नार्षे শ্রেশং দালাভ করেন, তাহা আক্রেয়ের विषय नट्ट। नक्टलत रुख्यम ७ मूथ वक्का कान् वास्ति साव व्यक्षां कतित्व ? विम (कह এ इ:माइम क्टब्रन, डीइटिक भविनाय औषत्र मर्भन कतिएक दश्र। यथन बजरमरण णातीतिक मरखत चारेन हछ-নাতে এত অভাচার হইতেছে, ভবন राष्ट्राद्य स्टेरव सार्क्या कि ? वस्रामान যৌষ বলিবার লে।ক আছেন। মুভনাং सावी मानित्यु हेदक भद्रानद्र हिन्द स्रेट स्म। भक्षांदर ठारा नारे, शक्षांत्रज लारकत " रेक्करजत " जत्र नारक, স্তরাং চার্ক থাইয়াও " বো তৃত্য দ विता डीहां पुकीश्वांव व्यवन्त्र क्टब्रन।

विष्ठांत व्यवालीत छन त्वादय ममर्थ नटकनः किन्द डीश्मित्रंत वज्रतमा, मासाम ও বোৰাইয়ের নিকে দৃষ্টিকেপ করা कर्डवा। द्वांडे जामाग्रदछत विवादतत वाशीत नारे बनिया मर्कत व्यमार योग मु इहेरछ:इ । अयह मशांवश्रामी खित्र वाक्तिता बालन, व्यामधा विश्वक ও कुष्म विष्ठात अभानीय मध त्विमा। बाहा इडेक, मञ्चां जामना बक्ती माथी ब्रभी हिन्हे। स्विशा किकिट आधाम अ প্ৰিচোৰ লাভ করিয়াছি। ভাতেপ नाट्व यथन शकाट्बत एका। ७ पाकन-नदाही क्षीक्षिरगद मरखन विन छेश-ष्ट्रिक कटतन, भागता म्यक्तिकिशासन हेरा था डिवान कतिता दिलाम। अटनर नेत देव के बिरमत अनुस्मापनकाती नरहन । जना भवर्गदमनी देश विश्विक कतिवात करें। चारहम । किन्न चांट्लारमत वियम अहे, मा जिनित बीखन, यत देखेलाम मानम्बित ह ७ महेन भारहर जातज्यसी ह वार्यां । সভার ২২ এ কেব্রুয়ারির অধিবেশ स्वित्न देशीत अञ्चित्ता कतियारक्त अव क्रम मात्रका ३ किशम र म देश मिर्ग সহারতা করিয়াছেন। কভক্তনি উ चलाव लाटकत्र मुर्यारशकात्र चारेरव महिमाप्त कराशित (४७३) देवाँपिशि अधियञ नरह। जारथप मारहरदत्र वि । विविवस इरेटन मासिएके, एवेत क्या मण्या अक व्यक्ति अक मिर्द्यत मर्था क ব্যক্তির বিচার ও ফাঁশী পিতে পা 🤒 বেন। কাহার জন্য এরপ উসহ, গ व्यक्ति व्हेटल्ट्स १ मटवा मटवा हुई । ह क्रम काश्विमत (श्रीफात पात्रा काज ड क्न विशिश क्रेटिंडरक मर्पिक नारे। ि খাহারা গোঁড়া, ভাষারা কি ইহা চ नित्रस ष्टेर्व ? कार्या धरे मीका हैरव स बाक्ति क्वांन देखेदबाभीत्वत्र व्यटाता द्र म् इ क्रिट्ड ना शाहिश नार्मशृक्त छ

এ আইনের নিকটে নৰাৰী অধিকার কোথায় আছে ? এ বদি অভাচার ও অগতা ব্যবস্থা না হর, তবে তাহা কিরপ ?

--::--

ত্মোলুকছ সংবাদদাতা লিখিয়া-ছেনঃ---

ः। এই नग'तृत्र निष्य क्रुननात्रायुन मा । अक विखीर्न नम चारह । वर्षाकारत जम्हात र । এত প্রথম ও ভরক্ষালা এভাবুল ভয়ানক হট । बादक त्व, त्य मबद्ध तोकांनद्ध शबसाशमरः। স্বিশেষ প্রতিবন্ধকা ঘটিয়া থাকে। স্থতর : याव । दाव भएक मान्यु बेस्राल क्षा ह्या । कि -ন্দিন হইল, কলিকাভাব কোন বিখ্যাত শক্ষীন ১ কোপানি * এখান হট্ডে কলিকাভার প্রমন -शमन अ यहनाव नाम ही अफुडि दहन कहित व अध्याद्य এक्शांनि कीमात्र अश्रास तिषु ह व्राथिप्राह्म । यहानि अथम ७ वाजी व्यक्ति । य नारे अवर मक्त महास्राम वानिका स्रवा था।व केंद्रिएक्ट्रक्रम मा 'टब' ह कविवादक (य क्रिक्स वध छविधा बहेर् जाबाद कांन महस्य नाहै। नग ग्रा निष्टाहर नरे सभीत न निष्मानार ने अक विष्टी रे। इर निक्रमार्क। कार्याहिशालक गमनागमन ७४ म जया बहरनत क्रविधात समा मधन घटेट महीर देत পর্যাত্ত একটা পথ নির্দ্ধাণ করা আবদান । **बिकुक कारमहेत्र मरहामन् (महे ब्रांकान्न पान् ।-**क्छ। धर्मादेशा कशिमात मार्ट्यम निक्र छ। ह शार्थना कतिवाद्वत । चामुन ७००० होका . हा मानित्व। जिमि निरमत क्याजानगात को ।-

কার্য, আরেন্ত করিবার আছেল নিরাছেন। বোধ বরি কমিসনর গাছেব এই বিস্তু¹র্ব দেশের হিচ্ছ কব কার্ব্যের নিমিন্ত কালেটার স'ছেবের এই প্রার্থনার সম্বৃত্তি প্রধান করিবেন।

৩। এই মহকুমার অন্তঃপাতী পাঁশকুরা ইংরাজী বিদ্যালয়ের (ইটা প্রায় ছই বংসর হইল স্থাপিত হইয়াছে) বালকগণ রন্থাবলী নাটিকরে অভিনয় প্রভারেপেস ভার করিয়াছে। এপ্রদেশে নাটকাভিনরের পথনর্শক এই তামোলুকের বিদ্যালয়। এখানে প্রায় ৫।৬ বার অভিনয় কার্য্য হুচ'করেপে নির্বাহিত হইয়া কিয়াছে। এনেশের মহারাপণ আল বিদ্যা বুদ্ধি সম্পন্ন। এইরাপ অভিনয় কার্য্য করিতে পারেন পরন আলোকের বিশ্ব।

> প্রা প্র । বিক্রমপুরের চাচীন ও অংগ্রেক সংক্ষিপ্ত বিহংগ। প্রেক্ত প্রচাশিক্তর শেষ।

त्राका राजवहार य উद्विधिएतान यानावि-তার করিয়াই আপনাকে চরিতাধ আন কবি-या हिर्मिन अवक नरह, कार्याना बहुविह गर भार्तित सक्ष्मीय क्यांश लेक्द्र विस्मन कीर्क कारह । फिनि कामनात क्षेत्रवर्गेया विश्वा कमात्र विवाद मिवात सिमिष्ठ चारतक क्षेत्रांग छ উৎদার অকাশ করিয়া নিয়াছেন। কথিত আছে ভূপতি সৰ্মদেশীৰ পণ্ডিভদিগের ব্যবস্থা প্রান্তির बन। यदननीय बाक्सन,विश्वदक् छैं।शास्त्रियद्र दिक्ट्रे ध्यान कतिप्रोहित्सन। खान्तनमन साथमका काना কুতে উপস্থিত হইয়া ডক্রতঃ প্রধান পরিভানি-গের সদীপে বিধবাধিবাছের ব্যবস্থা প্রাথী হন। তাঁংবা রাজ-প্রেট্ডিড অধাণক্ষিগ্রকে মহাস্মাল मत्र करिएमम । जान्त्रविद्यान खारामम कार्यक তত্ৰত। আবাল স্বধ ব্নিতা স্কলেরই কর্ণগোচর ब्हेन । भ. ७ उम्छनी वित्यविवास्त्र केहिन् विभाधिनी रावणा धनाम कतिराम अवर मैहन खेव उपमक्तांत्र कार्यः, ब्रास्टबहु कंत्र जानुनी खेर इंक्फा वर्णन कड़िया बात शह नावे शब्दे वर्षे

तामनमन कथा वर्ष के कहा कियू व बाजा कहितान। कांबान त्यादन के यो कहेंगां के अपू व महकारत मनावृक्ष क्षेत्रमन। क्ष्मका वाव भागकतन क्षेत्रमकः भागितिका (वावष्टा मिकाञ्चित्रमा) महस्मान के क्षान कहितान। किय स्टब्स कि भागकी गृहित्रका । कि विक्रिय कार ? प्रशासाव विक्रका होतानी भागा किया ही

वती (कारका अक्षरिप्तार्थि वृद्धिक () अवना सूरिक संबंधिकां सकार्य केंग्रेक, केंग्रिक अव्यक्तिय व्यवानिर्माटक देनश्र प्रकृत अवश (बायरम् स्थानिम्। निराम अवर चनिराम " विध-খাৰিবাৰ প্রচলিত করিবার ভাল্য আপনাদিনের ताका क्रिक व्हेन्नरहर, छेश मात्र मंत्रक अर्थार माहे । किन्न अकूप मिरमय त्यां बदन कथन (नमन भोडानुस्मानिक, छोर्। क्लिए बार्गिक मारे, तरेक्षण विश्वविवाद युख्यिमण्ड अवर भाक्षित्र प्रेटन अ समाहात्र यटक कविद्वत्र । यसि আগমায়া এই গো-শাবক ভক্ষণ করিছে পাবেন छाड़ा इंदेरन जामन। विश्वाधिवादह मछ ७ वांश ৰিজে পারি। শ দৃশ-থেরিত বিস্বাদ তথ্যপন ও আহন করিয়া সাভিনর শক্ষিত ও বিশ্বিত হই-लान। खाँशांत्रा जनाज गमन कतिरसम कि ? किश कर्जवा विश्वष रहेशा रीहा विश्वद चटनटम श्राजाहरू क्रेटक क्रेन । चार्त्रक बर्धन अहे विवरत अक ব্যবস্থাপত্র বয়, ভাহাতে নানা দেশীয় অধ্যাপ-কের নাম সাক্ষরিত আছে। আকর্ষা ও আকে श्वित विवय अहे (ये, नरतका उध्यवस**ण्ड** डेक कार्टा निषयत्नात्रथ रहेट्ड शास्त्रम नाहै। याहा क्षेक, हेरा चांक्षा दिलक्ष अखीवनाम व्हेटब्राइ त्व, जानक क्रिन पूर्वां अथारन गरकात सर्वत (आहि सका निक इरेशाहिन। अरूबनर्वी (व नकर चाचाकिमामी विशवः श्राटकम रू, अरमभीवरणव মানসিক্তাৰ কোনকালেও ভায়শ উন্নত ছিল मा, जामदा धाराविश्वरक विकास करि, ताब वज्ञ कान् (क्नीव इंटनम ? कांधा व्हेटक क्षांबात अञ्चल बरमद्र फांच ब्हेंस ? खिनि कि श्रृत वाक्तात्र मम ? (सर्व ३ फेंड कि स समा व कारात वन व्यमम बाक्तिए हिन करे विवद्रवर्त शार्र করিয়া সাধারণে ভাষা প্রনাররণ উপনধি कतिएक भातिएक, महस्मक वार्थ । ताक्षेत्रसरकत बढाव मध्य मध्यहै ए। फेब्रांडर जाना अककारन चित्राहिष् ब्हेश्राद्ह अन्त नट्ट, चामहा चालिक व्यामा डीहात व्यापका डेवांडमीन त्रान ক্ষিত্রা ব্যক্তির হংখংপন্তুনের প্রত্যালা ক্ষি (पहिं।

अवक श्रवान चारक रव कृतान " चात्रिरहाम " बावक बहायरकात चार्यान कृतिहाहिरहान। वह रिक्तीय शिक्ष अपूर काहार व्यास् क स्म " शिक्षकारी नमात्रक स्टेश्न नृत्रकि काहानिश्रक केर्जान सामादेशन। कृष्ट्रात केरिया समि त्वन " (स्नूर्भुक्क । याहासिश्यक अक मान भेरी ह प्रत्योह (फान कहिएड इय क्यर य'हा । हिस्स बर्क्स इके (प्रमा क्षेत्र अर्ग करते. अकार्य यकाञ्च की उस जोक्सिए बाई का बेक दे साह । अ जनकार न रैयम, मिर्गत के अभीए दिन मा। त्रांखवशक काश रिश्तित बाकादक शांतक कार्यात काष्ट्रांत य না করিয়া অনুডোভারে তংগপাদন চেঠা कदिएक नाशिशन । विभि तारे गर्या प्रश्न वाद्य मध्याज देवमादक छेपवीच मान जवर जाशामिनादक अक्ष भाग मा ब्हेग्रा इहे शक आर्थाह कतिएड क्हें(व बनिया गर्या बाका क्षांत करवन । जन द्धि देवरमुद्रा भिरम दिएकाष्ट्रम करतम मा। जन-ন্তর অভি সমৃথোহ সহকারে উপস্থিত পণ্ডিড मिट्राय नवटक सका नच्यामिक रहा : ब्राइवस्ट अव কড বুর প্রভাগ ও প্রজাবজনকারিভাগুণ ছিল এভদারা সকলে বিলক্ষণ ছানয়সম করিতে পানি ৰেন। ৰাজ্ঞৰিক উছোৰ মধ্যে প্ৰতিপত্তি ও क्षजाननामी बाका अजि विक्ता देशीय नम्म विवर्ग भूषाञ्जूषकाण मिथित व अक्यानि हरर भुक्षक रहेला भएक खालात (कान नरमंत्र नारे।

भएनामनीत शन्द्रियशीटर्य द्वामशास नामक चारन को नीना अया अवर्डक देवश्वरभगञ्ज বলাল সেন রাজত্ব করিছেন ৷ জাঁহারও ঘহীরদী मिं बंदर कीविंकनारभन्न छूनि छूनि हिसे व्यक्तांनि रम्भीनायांन त्रविद्याटक । जारतरक बर्टनन नहान राम त्राध्यक्तरण्य शुर्का द्राजा कदिया বিশ্বাহেন। ডিনি করেকটা প্রসিদ্ধ দীঘি কা খনন कत्रोहेद्रा समीव लाटकत अनक्षे मिराइटवाशाव ক্ষিয়া নিরাহেন। কবিত আছে জিনি শীয় জন भीत निकार अध्याप अधिकाव्य शायम (प " ভিনি (বলাল মাডা) একাদিক্রমে অপ্রতি इडकार्ट वक पृत्र गयम क्रिएक शाहिरका बहान দেন ডার মুর বাংশিয়া এক দীঘিকা পরিখাড क्राहेरवन । এक बात लाजाहरून कात तथन क्रिट्ड भातिरका मा । अ खाँखे अभूगार कान क्रमनी क्रमांगाच अवन क्रिंतिए लाभिएनन। डाँहाउ गांकि मर्नाम नृभववं विरवहना फंद्रियन अन्नग 'रहेरन कीहात अधिका त्रका निराय हर्ष है হুইবে। অভ এক কোন কৌশলে এক বাব মাভার गांडितार-कतिएंड भीतिरलहे हता समजत वासात नक्षात्रभीक्षणाद्य कारीय अञ्चात्र अक वृश्चित बलिय र्केक्ट्रानि। 'कानमात्र'नाम्रत्वरम (व मिनिक क्रिस् বেধিডেছি ? ডাছ যথে ব্যাহ্মসাডা সচকিতা হইয়া मान्ध्रहेलान । इन्हार वहांन माटाइ शब-नामक श्रेट कीशार जनकिति नवाक अधिकाक नाई।

নীৰিকা খানিত করিলেন। ঐ ধীৰিকা এইবং নীৰ ধে, ভাষার এক পাৰ্ব হইতে ছক্ষ্মিকানি, করিলে অপর পার্বস্থ লোকের ভাষা আভিগোচর্ম হয় না। উলিখিত দীবিকাখনন সদরে বজুরেরা মধন নায়ংকালে কোলাল গুইয়া বাইত, অধন ভাষাদিনের প্রভাতে জন্য এক স্থানে "এক কোলাল মাটি শ কাটিত। ইয়াজে এক সুপ্রশস্ত দীবিকা উৎপন্ন হয়, ভাষা " কোলাল থোৱা দীবি শ্বনিয়া বিখাত হইয়াছে।

अल्ला क्रिक्की त्र, कांग त्यांकिर्विक থানিরা রাজার সহিত সাক্ষাৎ করেন। আগত পণ্ডিত সাৰ্বাজ্ঞ। পরতন্ত্র ব্ইরাই ব্উক, অবস্থা त्राकाकास्त्राद्वरे रहेक, धनना कविता श्रिष्ठ कवि लाम रन, मश्रामात्र कर्कक अनाम वाविता जान्तास (पर्छ। भग प्रदेश । अख्य धर्म वहन वहां म त्यत शिक्ष তেং নিকটে আত্মরকার উপার (অপমুদ্রা নিকা त्र(नव छेनाव) विकामा करतम । (काण्टिक्स निक केक वा कांधन अवता एकरवत्र विवास क्रिन्ते त्वन। उत्रष्ट्रगादा नृशिष्ठ अधिकित भवा रहेरक चनात्राग्र€का, कांक्रकि श्रीकृ चांनादेवात निविक्त এक भग शक्षक कर्ताम्। कमविष्यो भश्र "काइकि দরজা » নাবে পরিচিত হইয়া জাসিতেতে -। দর্জা ফরিদপুর মুখে পথার সহিত দলিলিভ रमा चावित साम चारन छारांत हिस हंडे TR I

সনেকের এই একার বিবাস আছে বে, কোন এক সমানী রাজার সহিত সাকাংকার ক্রিবার নাৰণে ভাঁহার বহিন্দানীতে আদিয়া উপস্থিত रन । भवागी बाद्रशामितिगटक बसाटनत वर्गन शार्यमा जामाहेल फाहाता मृश्यक्षक बलाटबत निक्रे गवल निरंदनन कविन । तांका छश्कारन निज्ञःकर्वत्व विद्यादिक । विद्विष्ठन शांत्र हिटनन, वाश्वतक्ष वे कथा प्रवासीतक जामाहेल। किंड সমাদী রাজাকে আধীর্মাদ কৃত্রিব বলিক্সা পুন-हांब्र डीहांब्र मर्भननां ए क्षार्थना व्यक्ति। बाब्यांव এইরপ প্রার্থনা করাতে রাজা বিরক্ত ভুইরা শ্বলি বেন ছ'লপাল । তুমি যাইয়া সন্ত্যাসীকে বল, आणि अथन रीहात आभीकीम बहुद्व हेम्छ व নহি। ইছা হয় ভিনি ভাহা লোখাও রাখিয়া वाष्ट्रिम । नमानी जक्ष्म, वटन त्लावाविक रहेग्र नवशाखर में बांगारमांगति बानीका हाविय भारत्य। बारामण शकातिवरमञ्ज्ञा अस्टरि আশীর্কাদ পাইয়া কর্তিত গলারিয়ুক্দ খাখ भत्तरव. (भाष्टिक क्रेसा केटिग्राह् । क्रेस अवनर জীবিত আছে। এটা কৌ কুকাবং ব্যাপার সংক

^()) আনেকের বিখান ক্ষরীধারণৰ পঞ্জিবিয়াকে মানাপচারে প্রকা বিয়া ক্রীপুক শ্রেক

व्यक्तकत्र वनाकीर्ग आवर्कना मन्युन्तिक स्रान्दक बारमाश्रद्धांकी कविद्रा छशाय हारकवितेत्र मन्दित निर्मा । ও ডাहार मना थ छ'(म अरु खनल श्री-नन श्रक्तिनी धनन कहान जवर डॉहार जान-ত্ৰাক্ষৰ ভখাত বাদ কৰিতে খাকেন।

विविध मः वाम ।

38 हे काइन (मानदीत्।

কালোৰ বিখনত পত্তিত বি**ইংকুলাও** সম্প্ৰাত १४ वरमञ्ज वयाम श्रांबाख्याचा करिसारहर । प्रमान मास विष्या विकासमा अधार अधि अधि होता । कारणव यहंगान निकाशनानी देहाँव धात्री স্থাপিত হয়। ডভীয় নেপ্লয়ন সম্রাট হওয়া व्यविध है ने क्षे छ। क करिया हिट्नन। एशानि अशो हैशदक वादम्बिक द्वांत मिट्टम। मण्या- चित्र बहुबा कुकाइकर अक्र शृष्णकालग्र मांज चार्ट्ड इंश अर्थ्यावार्वारक (संख्या हंद्राहरू ।

चात्र कानाहेनान (न ज्याभतात श्रमणीत त्य जक्त अख्यानीय अवश अ शाक्का (श्रवन कार्यम, डांशांड डांशांक ध्रथम शुरुकात (मध्या ब्देश्वादकः। जिल्ने अ नकन शातिम श्रापनीय स्थतः। कदिर्वन।

व्यामदा योष्ट्राभिक इहेग्रा अवशक हहेगाय निवादनी गुका अजञ्ज किं। देश जिल्ला श्राप्ति बांगेरक क' ध्रम हिरदन।

গত বৃহস্পতিবার লাড নেপিয়র কনিকা-ভার আমিরাছেন। তিনি গবর্ণর জেনরলের । ক্ষতি হয়। খার্টাভে আছেন। এড নেপিয়ব কলিকাতার विकाल काम ७ (वहनाता मण्ड मर्भन कर्त-ভেমে। এবড কমজেডি কলিকাভার সমাজ ঙাহাকে এক সাধারণ ভোজে অজ্ঞান করিবেন।

ৰাৰু মথ কুমাবল'মা পলিক'ভায় জাসিয়া-(क्य) हैंसे निरहरसत्र नावज्ञान क ने खेंब अक सब প্রভাগ ভারতবংশব নানা স্থান দর্শন কর। হিছার উদ্দেশ্য। অন্য তিনি বলিকাভার হিন্দু 🛎 ল দৰ্শন কৰিছে হ'ব বি নিগাভাৱেন।

(भाषीएक होता लिवां इ अथा माधावन कतियां इ ब्रम्। नवर्षके जा का किया हिन समीत किया-शैव अध्यनिमित्र स्मित्रात विकिश्यक मिर्टा करी एक कतिहा शाबीक श्रमान कहा रहा निकाल-लाही (य अक्न ही मा विद्या मधन स्टेटवन फाइनिय के लाबेटका । नरीयां भूती, ও निरहतकृत्य अहे

बहाबिक बनान (यन ठाका केन्द्र वांग्रदकां वस्त्र वे कानारवता जानाता शाबीज क्य कतिया शिका लिएएएक ।

मू ने नकत्त्र व्यक्तांशांत्र दाञ्चात्र वाज्ञात व्यक्ता-वशायक ও च'मर सबर जरबाइक हिट्सन । जिनि সম্প্রতি বাঞ্চার বিরুদ্ধে ৪০ লক্ষ্ টাকার দাবিতে भामनाद्वहे हार् हन कि (नव') छमा क्रमक छम । नाजीन कर्तना २८ भरवानात श्रामन नव्य चा-। मीन अहे नश्याम कर्नन श्वादाहित काहिमक्रमारक धानन करत्रम, देशांख शदर्गमिन स्थापन कराएक मकलमा चारिक करिया (मध्या देव, मुनि সফলত জ্ঞানিত প্রশান্তম বিচালালয়ে আবেদন ক্ষাতে প্রধানতম বিচারপতি ও বিচারপতি ভাই জাত্রন সিম্বাস্থ করিয়াছেন এ সংবাদ ডিক্রনীর পর (मञ्जा धारमानः अड्डा लक्षान नमत् धार्मीन मकत्रमा खावन कश्चित्वम । जाद्यापाव दास्त्राव गरमात्र बार्यय विवरम् शवर्गामान्त्रेत्र रखाला कता कर्छवः।

> त्र नकत वेंद्रेर निषेष्ठ देनिक कांत्रकर्द কাম করিয়া সময় পাতীত হওয়াতে এক-কালে বিদায় পাইত, তাহাদিপের অনেকে প্রতন गरवार होका भारेषा (भनान्त्र सहस्य कहिन्छ। क कना थएकाक विकास है वेकेताल शुनः एथ वर्षक नगरम श्रेनः शर्यायानंत काना जकना क नमस (मंड्या स्ट्रेस । नरश्कि देश्म ही य हार्यन (मर्ग-शिक जाका विदारहर काहेन अप्रशास हैश करा प'रेटफ पारत मा। এडि फाँडमग्र अन्। व প্রত্যেক ইউরোপীর বৈনিকের ফন; একংশ ১১ - के कि वास स्था अभारत मा कि है ए भ अ डोका चारिह । त्वांभ इत्र छ!इ:८ इ इर्ष शार्डत

> গভ ভিষেষৰ মাৰে জিল ভিল টাকপাঁলৈ নিয়নিথিত টাকা মুদ্রিত হইয়াছে:---

কলিকাণ্ডা 84,00.00 माञ्चाम Apr. . . . বোৰাই D. 25. 66.6

शक्त ब्रोजि गोदिक्त फानेति चात्वत श्वर्भ भारतं कांश्वन कांशियां कांशि ३२६ थानि कृतित नष क्रेहाद्व । भीख श्रीक उ ममकल आनाद्ध আর অধিক ক্ষতি চইতে পাবে নাই।

क्रिकाजार शुक्तिम वित्र विश्विष प्रेमाट्ड । त्रिविशियात्मत्रा अपे हेश्या विद्याप 🕒 🦠 अप्रे मगद्रवातीविष्यंत्र शक्ति विष्यंत्र खुक्ताहात्र

्टेड करे किए प्रमुखा। आवता आकारिक বইশাৰ আয়তবৰীয় সভা ইহাত অভিবাদ করি यात सनामश्यक्ष निविधादकः अस मका कहिएक व्यासान कृतिशाद्द्य ।

छैश्करनात्र क्षत्राथं निश्वनिदर्गतं नशासकार्य अगर्वा अ >, ७१, ३৮४, मर्ट की ना किविवाद्य ।

हेर जिन्नान करणन, शक्रिया है विकार श्राचकता श्रेषादह श्रमीक्षात्म व नक्स छङ्ग মহালয়ের পাঠনানা আছে, ভাষতে রাত্রিকালে कुनरक्ता गाउँ कतिएउ गाँदब अगाउ बरमायश्व क्ता छेडिछ । এই मक्स विनामात छेख्न बासक 8 वानिकाभिन्नत्क निका निवाद शकाव हहे-ब्राट्ड। ब अधार डेउम तटकर मारे, किस निश् বিদ্যালয় স্থাপন করিবার সময় স্বদ্যাশিক बाहरम् बाह्रे ।

३ ६ रे माञ्चन यजनबात ।

মণ্য ভারতবর্ধে অনেক চোর্রাই লবণ বিক্রীভ হওয়াতে গৰ মেট বেয়'রে এক গোঞ্চান করি-(स्टर्ड्स ।

जानजन्मीत हरमक्त सनम्भूत रहेरक मश्र ভারতবর্ণের শধর্মত জোহিলি পর্যন্ত নাইবে, তথায় ৰোবাই রেলওয়ের সহিত ইহা সংযুক্ত

गण एक्नाप वार्थातात हुछ क्रिकाचा फोर्ग कविद्रोटक्त । गर्दर्शस**े गा**कार महत्स भाराया मित्रन मा, अक्था न्याहे सामाएक हुछ त्रवत्र वानिकात्रवधीत मक्तिन- **अस्ताव कतिना**-हिल्म । डेंसिक यमा स्टेब्राइ नमाद्य शक्ता-गमन क्रिया लाक्नेन अपनियद्य मध्याम विका । তবি গ্রণ্থেপ্টের মক্তব্য জানাইবেদ।

গত বংগর প্রলিকগুলার্ক বিভাগে ৮৫,১৯ ১৯· केला वांत्र करदक्त कहेबादक। अवर्गत्यके कडक रेनिक कार्य। वश्र क्यांटक क्रे डीका वं। विशादम् । देशनिक वाह्रिक स्विविश्यत्र वाह्यक क्षेत्रं साज्य काज्य ।

रेक्ट्रबा-कामधीम दिविज्ञान जुनक्षीत शाहरमा वस स्टेशाटक

निविभिन्नामहितात्र संखानिवादक विका-वियात समा मध्यम् अकः क्रोरंगकः स्ट्रेस्ट्रहः।

गण कर्ना अयोगक्य विकासामध्य विकीस कतिरव, कातन वे शिक्तिरगत कुमच्यकि बादक श्रीकानित स्वित्रम् अतिहास । विकासम्बद्ध ठाहारिशात छेनत्र कत कात गिक्टिक्ट । काक्षा वाक्यान्त । अतिहिति क्षेत्रमात्रक विश्व नामीत विज्ञानन अर्थाव देखेरवानीक नर्बनावातन नार्कि नाम क्रांस अधिकां स्रोहादन कार्की विश्वास्त्र । तकात कमा विष्टे निष्ठाए मा । अहे जाहेत्मत ः वामीलेई मिक्स विषय होने का वहान |असी अवति का करेशात । इरे वरनतावि केपात माधातम् वक करेगात सायक प्रवृत्त का कारक माधा का कारक माधा का का का का

माह्न्य अहे मंदन क्षावाम क्याह्य ठा-यहब्रा বাঁহার উপর এড বিরজ। আমরা ছঃবিড হই-় काम हा-कटबुदा स्कटम्बीय जीलकत मिर्मत नहा-मार्न काम कवित्रों किछान बहेर एर इन। बाहारी अवस्थ वृत्तिया काक कतिरन हात हाव महे द्य #1 1

इर्शिनवान वर्जन गवर्रायन्ते कृतितत बाळाटक (ब ७·,··· ष्टोका अवर्ध.ख विचारहर जानात কোন অংশ কোন্ ব্যক্তি পাইবেন ইয়া লইয়া। विवात क्रेटफट्ट। ब्रांखा ७ जना जना महाद्रशन **ष्टेक्टर**भनत्मात्र विक्रस्य युद्ध स्वायन। कतिप्रारहन ! किया श्रद्भावा वशास बहेशा अनिएडएस विश्य-लिना अभान मिनानिक अवर शक बुरकत नम । जामक करन बिकेनि.निनानिकि अहे कत जानात्र য়ে ভাঁহাৰ হল্তে সম্পূৰ্ণ ক্ষমতা হিল, অভএব ভাহাকে সর্বাপেকা অধিক অংশ দেওয়া উ-

লাহোর ফ্রানিকেল বংগন সম্প্রতি করিদকো-টের রাজার জ্যেষ্ঠ পুত্রকৈ বিব দ্বারা বং করিবার (हका द्या त्राक्रमात ७ डाहाह এक सम मर्हत् बारमात महिन्छ विष बाहेग्रा शीक्षिक क्स, महस्त প্রাণ্ডরাগ করিয়াছেন, কিন্ত রাজকুষার অনেক क्टडे वीक्रिशास्त्र।

উজ পত্র বলেন গ্রথর জেনরলের জ্জুরোধে कामी(अत ताका कातरकात्रव केन्स्काब अक वज ইউরোপীয় বৈন্যকে অবস্থিতি করিতে দিবেন। वदा जानियांत्र कनीत्त्रता क्रमनः (जलनद सह-ভেছে। ইছার জন্য সতর্ক খাকিবার নিমিত্ত केवव भीषाय देनमध्यभाष्य होन्या स्वीदेव अध्यक्षक रैमिनिकृत कार्राद्वांतरम भाव बेडिटराभीष ब्राचिट्ल कांन कांन क्रेंटर ना, बद्रद कांन्बीएत शान्यात रहेटन देन भिक्त व विभन्न प्रेट्व।

উজ্ঞ পত্ৰ পৰলিক ওপিনিয়ন হইটে সংবাদ লিখিয়াকেন আজিম খার সূত্য হইয়াছে ৷ আফ-জুব ্র্বাকে বধ করিবার চেষ্টা হর। নিরারআবি बा बड़ी इरेप्राटका य गालि रेशन উस्तर ক্রিভেক্তে কাবুলে ভাবার গৃড়া দণ্ড হইভেছে त्रकृति क्षमा कील कार्षा क्षमान्तिम वी कारशाम थाँ कांत्रकरार्व भनावम कविद्रा-(হল) ৭২ এ ডিসেম্বরের পর বৃত মুক্ত হয় সে সমূ বারে শিরার আলি খার আর লাভ হইর'ছে। निवादकानि की कुनकामकारमञ्जू नुकारक विदारि প্রেরণ করিয়াছেন। আকলুল গাঁ। ওয়ালি বহুসদ चौटक कौभी बिटवन बनिद्वारहन्।

वाचातात ज्ञांका क्रमीयुक्तिएक बारमहिक अक क्षेत्र विद्या (भूजा) कह के व्यापातांत्र इत ক্ষেত্ৰ বুলে শিৰিত্ব স্থাপিত ক্ষরিতে নিয়ে সমত वृद्दिनाद्वान । वृद्देश-संवृत्तान क्रिक्टान्य १० द्वारान

इटर जातिहाटहम, जारहम त्रश्म की जारह **হইয়া কাবুলে আসিরাছেন। সিরারুমালি ও** देशक मस्त्रम अकरता कानुद्रम चानिएएएवन। কাবুল হইতে বিপরীত সংবাদ আসিতেছে।

১७ है काश्वन वृथवात्र । আগামী মদলবার মাসি সাহেব বাংগরিক काय बारबुब किनाव श्रामा कविर्यम । कमस्य উঠিরাছে এবার ছই কোটি টাকার অকুলান .बार्ड । इनकम छात्र श्रनःश्रां शिष्ठ कहा खाँशह हेम्हा नरह, अहे कब कामाधात्रव विभन ए बारब्र সমধ্যে স্থাপিত হটতে পাৰে। আপাততঃ ৫০০ টাকাব উপরে যত ব:ৰগারের লাভ আছে ভাচ্^ত **উপরে কর এহণ করা উ'হার অভিপ্রায়। কিন্ত** क्रिएएडब 1

विश्वनिचित्र वाजिया विश्वविद्यामस्यूत्र जानायी भवीकाश भन्नीकव निषुक्त **इहेश्रारहमः**—

वि, ज, जवर दश ज, नहीकांद्र सुरा। इंश्वाकी कावा।

नि, अठ, ऐबि जार्थ्य। दिवदेशक अक भात, राजिकम अव, अ,

नश्य छ छ बालमा । (इबरेंद्रश्च दुष्मरमाहन बर्ग्नानीशाष्ट्र। **शिक्ष बर्द्शमञ्ज नाविष् ।**

इतिहाम । द्विवरहरू एवलिए, निकारेक। षांत्र, इहेश जारहर ।

. म्यक न्य न्यमान् हिन्द्रश्च । चीत्र, छिहेलक्षके आह्रव। वय, वड, वज, वि.वं क शांगिक विद्यान।

क्रम्ब विश्व म'ट्राव । ब्र, **एवंगि**ष्ठे, असरे "

এক উ বিজ্ঞান। फांखद अन. वि. गाहिया खेठ, अन, बू'छ,कांड मार्डिश क्षद्विका, अभ, अ, ७ वि, क, नद्वीकात्र। धीक छ लाहिन।

देवदर्थ अल, विम । ब्ब. मंदिम गार्ट्य वि. . . সংক্ৰণ্ড হিন্দেও উড়িয়া ভাষা। ৰাৰু কুঞ্জনল ডট্টাচাৰ্য্য ৷ *

भावती, भावनी छ छेर्छ । **अठ, बुक्यांन जार्ड्य अल, अ,** [ু] **প্রতি**শিকা প্রী**ক্ষা**র জন্য।

इश्हाकी । ति, स्रोत, सूक गार्ट्य दि, এ, कांब, भारत गारहवा (表, 使为 n CH, GENNA?

वाक्ता । বাবু গোপালয়ত বলেগ্ৰপাধার। स्थानिक मास्त्रका विधान्त्र प्रस्वार्थी। इंडिशंग ७ प्रशास । तिस्ति**च वि, वाडीत गा**र्वि ।

জে, কে, রস্কার্দ खि, कात्रवड्य এচ, বৰ'ট্টৰ TE! (ज, धम, कहे महिना त्रि, ध. बाहिन अम, महिना " **डेहेम**गब

১৭ ই ফালগুন বুহম্পতিব'র।

खबरमां ध (महेम बदनन लांडे हामि काक्र मेन्यू (सर्ग कारतानः नाक कतियारहर। यक्षिवर्भ शुमर्कात निवृक्त स्टेटन फिनि शूनकीत ভারতবর্ধীয় সেজেটারির পদ গ্রহণ করিবেন ।

ভাক্তর সুইনলান স্থরাপানে উমত স্থয়াতে ভাঁদাকে সেনাবল হইডে বহিন্দু ভ কর। হইবে । षायामिरात परनक हिकिश्तक अहे हुटी छ मर्पन कतिया गढक हहेरदन।

ইতিয়ান ডেলিনিউল বোধাই হইছে টেলি ब्रान्धारेग्राट्य, शक क्वांट्स वावारे साक হইতে এককোটি পাঁচৰক জনা চাকা বাহির করা रदेशांदर। गवर्गस्य हे अनमस्य नाशंषः क्षिट्ड पीकुछ स्रेग्नाएक ।

मक्चना हेरे कांबून इहेट्ड मरवान नहिम्नाट्डम निप्राप्तवानि थे। वन्तिनिक कायुन क किनाफि शिनिकात्र वया प्रदेश स्वाट्या । भारत्यात्र साम्रा हिहाडि लहेबात समा अकार देवना (श्राप कर्ने-प्रोट्ड्न। टेक्समन्यम थाँ। शक्तर राज्य করিয়ারেন। আজিব, খাঁবে জাবাত পান धाराष कहे भारेरहरून। कानुरम जानुर मक्राम्य कंट्रिक्ट

এমত অনজাতি বিদেশীয় সেক্টোরি ই, গি, र्जान गारम्य रायमायारम्य (दिनिर्छन्टे द्रेरन्य।

) e हे जबिष ७) **७ छा** छुन्नों ते भये **छ** । वादन-िউবোড উৎকলে ১৪৯,৩-१ মন চাউল প্রেপ্নন 'क्रियाद्वन । ১৮७७ व्यक्त्य (मृद्ध छेश्मरम भय-(१४८ हेत्र ४४,३०३ मन हार्डेल जिलः शुत्रीएउ गर्छन राधिरा । উত्তम श्राम नाहे , राहित्वत বারাভায় বস্তা ফলি থাকে। কভঞ্চ নষ্ট হয়। কভক দুরি ঘাইভেছে।

ला ७ वितादराजन मही स्टानत वर्षमान ब्रामान মুডুার পর উক্ত রাজ্য উংহাব দপ্তক পুত্রকে প্রত্যর্শণ করিবেন স্থিয় হুইয়াছে।

পারিদ প্রদর্শনে ৫২০০ প্রবার রাখ্য প্রেন্ডি इहेर्डाइ । सदरप्रद्र शंड क्षर्नाट्य ७०६० क्षर्वाद्र ত্তবা গাঠান হয়। বাজপুতনা ও সধাভারত-यार्वत्र मध्याञ्चलान व्याप्त क्षा नाठाहराज्यकः । बक्रायम स्ट्रेटिक होकाई मनरन, यस्त्रमशुद्धत দাভির দাভের কাজ ও ক্কনগরের পুডালকা व्यानक बाहरण्डाह

हारकराइव मध्यक्तिराय मृत्य करिन जारन नार्थ ए कविनन निष्ठक इन छोहारा, िर्शिष्ठ । ध्वांच कदिशाहन । आवश दृःवित दरेशांव क्रिन भाष गछ साकित मूना वष्ट. टाइरिके मलम्बान रहेवाद्य । हाटकट्य ७ मध्यदस्य मन ত্ৰ কি হয় ভাষা আনাই আতি আবশ্যক। গোল थांगल देश इंग्रेड इंग्रेड । तर तितिन विक বের কোন ক্ষিসন্ট স্থাল প্রস্তুর অংহবণ করি एक शास्त्र मा।

ক্ষ্যেন কটক অব্ধি ভালদণ্ডা প্রয়ন্ত ২১ ফ্রোল ब्रेट्स भरतात हिरू माहे । शक क्लक्षायरमत कुछ ব্দিনিষ্ঠ অদ্যাপিও লক্ষিত হইতেছে। এতন ফসন ्करन, लाकितिशद अग्रेड क्रम्**डा नाहे.** (ह्र्ष्टीक । ষ্ট্তেছে না। কটকে টাকায় 🖊 সের চাউল িবিক্লীত হইতেছে। তালদণ্ডার অন্যন্ধঃ অধিকতার লোক আসিতেতে। এখানকার ১২১ भारतत गरेश ১०० वहः शास शुरुव माजः निवात मक्स अंदिशाक । विश्व । हेर्गित्याव २१ % कन कार्य जायांच रहेतारह : वाड ० रत अहरू ल मानुभूति ४४० सम प्रमाथ काट्या छत् प्रश्चन পাঁচ সংশ দ্বীলোক ও শিশু। ইচাদিগের সক-লেই শীৰ্ণকায় এবং দেখিলে বোধ হয় অভিশীত্ৰ व्यक्तिकारम शांबद्धांत कतित्व। अवर्रामरकेत अधिन मा या अग्राट्ड (मारकेत क्यांसक कर्ड स्टेरण्डा बाइउ क्षे स्ट्वात म्हारमा। मत লিসিল বিভনের • মহাজনদিদিগের বড়হত্র ৯ কোথাৰ ? বাৰ্ডালাক্তৰা কোথা ৱহিল ?

দিলীগোটের কাবলভিড সংবাদদভা बहुतम चाककृत या विज्ञशुद्ध चारश्त रहमन **वैदिक कान्नाशास्त्रत अमनकर्छ। नियुक्त क**िहा-क्रमा जाकज न था। बी प्रकान (सरनदाराह अखिराहिक केंद्रिक्त। महत्त्व गहिक व । शुनर्वाः আক্রমণ র পক হইরাছেন। ওরালিমহম্ম व'। देक्सवहन्त्रन व' एक प्राक्तवन कतिवात अन

बारक शबन कतिएकरहन ।

গ্ৰৰ্থৰ জেনবল আক্ষুল্থ নি পত্ৰের উত্ত অনুণ ভাঁচাকে কাবুলের শাসনকর। বলিয় **ত্রীকার করিস্নাছেন।** গবর্গনেক্ট একণ ভার^ন निवाद कालिएक विवादित माननकर्छ। विनेद काबिर्वन । अवस्य शहरा देशना कामाहारा শীৰায় আসিয়াছে। এমন ভনজাতি সিহারআ ची क्रमीका ७ भाग्रत्माव मानाय। सहेदा कायज चौरक हुत्रीकुक कत्रियम । अहे माहारवान मुक খন্ত্ৰণ পাৰুস্তুত্ত (নামে, কাৰ্স্যতঃ রুশীরাকে विश्वाह मिद्रक स्केट्ब ! शेर्य (मेन्डे अस्ट्रन कि क । क्ति १ अ**४६७ व्यटक**त भातिरमत शक्तिक करन । नीरिकः (अ क्या वरमन अवर्गमा जारा इ 1 क्तिएक्के शक्क आहम कि मा १ शबर्ग है शांकनिष्ठि अक्नांव शकान कवित्त तनीया शांत इ --- व्यंत्रकी ब्रह्मेश्वर स्थ ।

। हो हो हो से से के चर

লাড নেশিয়র কলিকাতার জাগিয়া নানা স্থান দর্শন করিভেছেন। গাড কল। ডি.ন প্রধান-क्य विष्ठातालस्यव कानिय विकारण जिल्ला इतना। विज्ञातकारे कियात क माककार्यन विकास कविटक कित्न। कित्रश्यन्थाकित्रा लाउ विशिव्य श्राप्ता श्यम करवन ।

छि । कटन माहाचा निवाद स्ता, बन्दानमी व गवर्ग. त्म हे दिविनि है (वाउरक जाना मित्राइम । नक কটকের কালেইর ৩১ এ আমুরারি রিশোট সাহের এ ছফ্লিফ্লিযারণী সভা বে প্রণালী স্থির करियाद्वन, जारा बारा बरेबाट्य। क्रमार्थनशत्क माश्या मान मखात रुख घ'ता इरेटर, शवर् बार-हेव शास तक जादहर ठाउँन खामनानी अ विक्य कदिर्दमन मताली नार्ट्स मास्टिके अ কালেইবেৰ সম্পূৰ্ণ ক্ষতা পাইলা সভাৱ স্থানীয় श्विमिषि चतुन काम कतिर्वम । कडेक, वे'लि-শুর ও পুরীর পাহায় কারী কর্মচারিগণ ভাঁহার वाकाशीरम शांकिरवन। छीइ:त जामूनवानकाल পर्छ। ख द्वादन भा -शास्त्र काम कविरवन । कृषक निशास वी स्थान (म ब्या इकेट्य । छे दकरण यक सूर मुख्य भाम क्षत्र कता स्ट्रेप्य। काहाय निकार क्षत्र का बहेरव ?

> देश्लिपणान नरमझ, बिरक्षोहकत अप्र जाल কানিও ৰে বে লোককে সন্মান করিতে বলেন फन्नापा मिळात स्थानस्थ रमसीस, क्यिनस्य छेड्रीन प्रम हिनद गार्ट्य स ए इप्रान स्मोनायस्त्र मीम ছিল বা। সেবাপড়ি সেরার অলপিঙ্কিডে বিমোহের প্রারম্ভে ভাষা নিবারিত করেব। এত बिटमत शत्र केंग्शिक केंग्रि (मन्त्रा स्हेबाटक । फेरे লিয়ন টেলর পটিনার ক্ষিদ্দর শ্রুণ বিশুর लात्कर कंग्नी एन, बीनावह डाँशह लाजडा मात्र ७ शर्रतमा हिल्म । उदावि योगवीविशस्क हशाता अध्यक्तः वास्त्रि करतम । किन्त जनावीकम भवर्षाम् अवमा कविमनत्त मामाविष छ (मक्त्रानदक शक्तुक करत्व । दक्क्तान द्योगा वाक्य शायकानिविधि अहे काम इह, विस्त নিৰ্দ্ধোৰ লোক ভীত হব। টেলর নাহেবের রাজ নীতি অবলবিত বইলে ক্লমেক লোককে একাশ্য तिया विद्यारी व्हेटक व्हेंक। त्रमानकि त्रहारहर । पुना लाक क्रिलिक्सित मीम हिल्ला। क्राफ्त ্টি বিলিয়ান বলেন " এক শভ বংশনে দিসন विता पछ लाक्टक मुख्याम करियाहित्स छन शिका जविक लाकटक विद्वेदिक जनदब कानी দেওরা হয়। + দেনাপতি সেরার নীর্লের বোসর याचा। व महन लास्त्रक बालेनीकि नंतरकी हरेता काविजाधावन विश्ववं वंदेख : र

১৯ এ কান্তৰ শ্বিধার।

गंड करा गर्व व (प्रवर्गा, मार्ड विशिष्क । সত্ৰ সিমিশ শীক্ষা কলিকাডান্থ বিদ্যালয় সমুদ্ নর্শন করিতে আইনেন। প্রথমত আয়ানা, তৎ-পৰে মেউকাল কাজেলে যাওয়া হয় ৷ বেলা ছুই मात नमाय नत सम मार्क्स ध्वनिएक्सी स्नातन छ हिन्द्र क सर्पन कर ना मांड (मेलिइइजरक फ कारणाय यान, मत निर्मित बीडम कब्रुटीमा वास्य नुत्रके मधाविष्ट क्रास्त्र । भागमक्र्युत्रव श्रीत कर्ष वरिकाकाल जिल्लाव । विकासमू नमूह मधाम क्यूनारन वर्षक क्षां इत। याहा इंडेक. ना का मानिटन श्रेव (त क्यावन जानि ्टम कि मा महत्त्वक । अविषद्ध अवर्गता केंद्र विकार লর অপেশা নিবনরি বিনালয়ের ভারাবল

ব্ৰুম্প,ভিৰাৰ মাডাম্খানা বিশপ ৩ বিবি नानिनिन इर्डिएम्ब नाहावरानं कीमहारम भीछ कविद्योहिएजन । श्रीयु अक महस्य धर्णक गमन करवन, क्षांत्र व • • । शका मश्राहीण वह-ইটিছ। জোডাসাকোব শকের সময়েত ঝালা দল এই সাধারণ হিভকর কার্য্যের সহায়ভাকরিয়া-हिटसन ।

হুপলীর জঞ্চ পেও সাহেব আপনার কাছারি ৰাটা বৃদ্ধি কিয়াতে প্ৰকাশঃ রাখার ক্রিলংশ चाकाच बहेबाद । बांछा विकितिनाविक्रित স্পত্তি হওয়াতে সভাপতি পার্কর সাহের আপত্তি করেন। জন্ধ ভাষা অগ্রাহ্য করাতে গ্ৰৰ্ণৰেউকে জানান হইয়াছে। জনত পাঠ্ছ गारंदरका विकास निविद्याहरूमा लाख गारहर चनात्र कविष्टदंडन । 🕐

বিচারণতি ট্রের সাহের দীয় পরত্যাগ করি-বেন। প্রধানতন বিচারালয়ের আপীলাবিভালের উকীলগৰ জাঁছাৰ কাবৰাৰ্য এক চিত্ৰিত প্ৰতি-দুর্জি আয়ালভের পুক্তকালয়ে রাবিবের। বিচার পতি ট্রের এ সন্ধানের উপর্জা। ভীহার পর कतिक विवादानम् श्रेयाम क्लक्षांत्र अवर त्यन এক জন জনকণাতী ও অভিতীয় বিচারণতি হারাইতেভেন।

কে ভারিকটিইউন নামক পূর্ব বালনার রেল-ब्राह्म अर क्या क्याहोती कालीहतन उम्म मात्रक अब काम अक्टूबर्टक देश्यांकीर्टक अफ़ि जानिएक बरमा त्य काहां बुनिरंक गारत मंग्हें, त्यहें 'बना फाहारक बाह्यांक क्यानक नगापां क्यारक छोड़ात्र बुद्धा रहा । विहात्र विकास विकास विकास विकास रामन के गांकि सांगी किल काकत विनम white files were printed to the lines. CURIN APPRICATE A MAIS HANDS Marie Contract

स्टब वक्ष स्टेडव है अवाह ख्रिकिटनह अहे छन स्नाह इहिं मक्ष्माय अकानिक स्टेहाटह ह

करमक विवयविष विविद्यात विकर्णनित विकर्णनि विवयविष्ट मिन त्र त्र कार्य विवयविष्ट विवयविष्ट विवयविष्ट कार्य क

নিয়লিখিত মুল্যে গ্ৰগ্থেটের কাগল বিঞীত হট্ডেচে:—

হ টাকার সিকা ৮৭৪ণ-৮৭৪৮

8 " (416 P.J.M.) -- P.A.

e " (कार 3.44.--). #.4.

बा॰ः (कांश २००॥०—५००॥० बा॰ः विश्वकित्याक् १००॥०—५०००

- 40%-

इंडेटबाशीय नगाहात्र।

ন্ত্রন ২২ এ কেন্দ্রারি—নহাসভার উওয় বাটা এক বিল বিধিবছ করিয়া দক্ষিণ বিভাগে কৈনিক গমপ্রেণ্ট স্থাপিত করিবার বিধি করিয়া ভেন। বে সকল প্রানেশ কাফ্রিনিকে প্রতিনিতি মনোনীত করিবার স্থানন ও শাসনপ্রণালী সংশো খনের জাইন প্রান্য করিবেন, শাহাদিগকে পূর্গতিন শাসনপ্রণালীর জ্বীনস্থ করা ছইবে।

আধারলতে হেবিয়াস কর্ণস আইন - হি s করি বাব আজা আর তিন মাস প্রবল গাকিবে।

मधन २० वं क्ष्यप्रशापि—चूकारताहे वक्ष्यव

লওম ২৫ এ ফেব্রুয়ারি বৈকাল—ক্ষেন্ত্র মেলসন ও লেপ্টনন্ট রোগুহে গাড কোম্বাটার সেলিয়ানে বিচারার্থ সমর্পণ করা হইয়াছে।

মধান্তার বিচার সহজীর কমিটা সভাপতির নাবে নালীল করিবাব প্রক্রাবের সহায়তা করিয়া রিপেটে বা করিবার মান্স করিয়াকেন। প্রশীরার রাজা উত্তর স্থাতেনীয় নহাসতা স্থানীয়াছেন।

অক্টীয় স্থাট হলাবির কন্য পৃথক নত্রী নিয়োগ করিবার বোনগা করিয়াকেন।

আহেরিকার প্রকিনিধি সভা অভ্যক্তরত্ব ভুলার কর উঠাইরা দিয়াছেন।

ं इंडक्टड काळ कतियोग जना देशन शीय भवर्ग भिने स्वयुक्ति मर सुद्धीक कडिटनम । मध्य २७ अ क्या विश्वास साधःकान—प्रवर्ष विश्व सिविनिन महानीएक प्रतिने सूचन १६०१ स्टान् क्रिजाएकाः—श्रमम्, निमा नवसीतः। विश्वीतः, वेश्विम् द्राविक्षण काएक ७०० क्रिका सारकः। क्रिजेज, वेश्विम्पत्रं ६०० क्रिकाः। क्यान नवर्षम्बद्धाः अवस्य वा ज्ञान स्वर्ष्ण अवर्षः कृष्णं, नास्त्रं नवस्य वेश्वाः। ५० क्रिका स्वरं ६००।

वन्याभादित्व ७ गरथा छ काछ कि ते । गरथा क्यान दरेबाए । मूखन वित्त ३ नक पूष्टम श्री कि वित्त वित्त ३ नक पूष्टम श्री कि वित्त वित्त वित्त वित्त वित्त वित्त व्यान श्री द्वि दरेख । जास्त्र निवार महान जात्र मुख्य द्वि दरेख । जास्त्र निवार महान जात्र मुख्य वित्र मुख्य वित्र मुख्य वित्र वित्र मुख्य विद्य द्वि दर्ष दर्ष हरेबाए । ७० छि मए अत्र अत्र मुख्य विद्य वित्र वित्र मुख्य विद्य
প্রেরিত।

भानावत अयुक्त लामध्यकान मन्नाहक , अहानत मनीरश्रम्।

১। গড় বংগর 🕶 । দিগের দেশে বে ছর্ভিক र्देशंहिन, व्यववर्गकः थाना, नर्गास नति मार्ग फेरणब न। र उत्र'डे क'रोत्र धारान कावन। বৰ্জনান বৰ্ষে যুখন আলাডীত শ্স্য জন্মিল, গান্য अ गाउँदिनंत मूना क्रमना सूच स्ट्रेटिक स्रोत्रक स्ट्रेस **७**थन ग्रेण्यांत्र मानवगरनत बरन भूनवात्र खेरिन রকার আধা, আবিষ্ঠুত হইতে লাগিল। বিভ त जाना, त्क्वन बदबहे जीव हहेद्द, (ताध हहे-(उट्हा कांत्र नद्यां के कहा सुना समानः वर्षमान बहेटाब्ट्स, मार्थना जावाद जकर १८३ मन याक्ष्मणी रहिर्गत नशक्त, भवनभी धूध्र्यू व मराव **५ इफन**्निक्त्व निक्रे शास्त्र नाष्ट्र, कर्य কম্পিড ও নান্দোলিড ব্ইডেচে। সমধ্যি ছ ব मात्र विषय अहे (व, शक दश्भद्र छश् रमव ছালাপাডার ক্ষমা, ছাতিক স্ইয়া একটা দেশ, थात्र-निर्मित्र रहेत्राट्ड, खादात्र गांच कास्त बार्त् हाक्रिलंत पूना, अर्ड के हिन या। यथन वर्षमान नगरप्रहे फेब्रात मूत्रा अञ्चल वर्षिक हहे-ब्राह्म, खबन बश्मरतम् त्यान त्य कि व्हेत्न, खाश ভ ভাবিয়া কিছুই দ্বির করিতে শারা বাইতেছে ना। विभाषकः (दावन कनिकां अध्यदे व ष्रश्रुन

महारा (हरेन्ना फेडिएफर्ट्, अनफ नरह, मक्यरनम चरमक द्यान चल्लामा बाहा । जाना गरिएएह (ब, (नहे नकत शांतरन छ **छेश**) बरावर्की नमस जर्भका करवरे एक मुर्गा विक्री ७ व्हेरफर । হইতে অ'মধানি ন। হওয়াতেই কলিকাভায় 📚 म्ता चार्ट, यक्यान चर्णकाकृष स्तरक, जारात कातन किहूरे (मचा रैवारेटल्ट्स मा । यास इक्रफ, এই नक्त कूलकन प्रविद्या कावी प्रक्रिक অস্ততঃ ভয়ানক কষ্ট অসুমান করা ধাইডে भारत । अकन स्ट्रेंटि, देशत श्रानि विधारम वश्रवान रहेटल रहन পরিমানে উক্ত কণ্টের নিবারণ হই বার সম্ভাবনা। দেশান্তরে তথুলের রপ্তানী वस ও वाजनात नर्गाञ ध्यत्रर्गत क्र्विभास्कक বন্দোৰত করিলে উপকার দর্শিতে পাবে। বেবল কাণাজের উপর বেশোপকারিতা একাশ क्त्रिल काम कम मारे।

२। अरवाद भूगा ७ अरमत (बङ्ग, क्रियूरे এক নিয়মে নির্কারিত হইয়া খাকে। উত্তরই ছুপু । প্ৰে: প্ৰয়েশ্বনীয়তা উপকারিভানি প্ৰণা প্রসাবে ভিবপৃত বা পুরস্ত হইয়া থাকে। रयमन, रवान अक्ती प्रवा देश्यांक वालांन, মগ প্ৰভৃতি ৰিভিন্ন জাতীয় ব্যক্তিগৰ বিজয় করিলে ভাষার মুলে।ব তারভষ্য হর না, যুগ্য ज्ञरवात ७न'ज्ञादिर वित्रोक्ष रत्न, त्रदेश्वन দোন এককার্যা, চীন, বালালি, ইংবাজ প্রভৃতি ভিন্ন ভিন্ন ভাতি কর্তুক সম্পাদিত হইলে ঐ कर्ण्यत्र आविक दृगः पर्शाप (वष्टन काष्टि (छर् হতন্ত্ৰ বিশেষ হওৱা উচিত নহে। ঐ বেতন উল্লি বিত ছলা পাডাদি গুৰাল্যাবে টুনিছারিড হও গ্লাই চিব্লখনিছ, বুজিন্দত ও বার্তাশাল সন্মত। প্রস্তু অভিশয় ছঃখের বিশর এই বে, আমাদিগের স্থবিত গবর্ণমেউ লোক নির্মাচনের সময় উক্ত পৰ্যাবাদিসমত নিয়ন প্ৰতিপালন ক'হতে শ্ৰহ্ম হন হা। সৰ্বাদাই দেখিতে পাওছা बाबू (व, (व कर्ण्य अक कर है? डांक रक्दन ऐर-ব্লাক্স কেন ইউবোপীয় বেশধানী এক জন স মান্য किविक प्रदेश उठाका विख्य भाग, ताहे वर्ण्य এক জন এতদ্বেশীয় নিবুক্ত হইলে (যদি তাঁহার **छात्रा (बाद बारक, छर्द) देंई मरबााद नक!**-नः मूजः माज बाल स्टेट्न, कश्वा शक्षाम টাক। বেভনভোগী এক জন এড দেশীয়ের কর্মে (अन् ननवादी अक सन पृष्टीवान निवृक्त रहेरनहे অমনি বেডম উল্লেখ্ড কইয়া ছই শত হইলা फेटो। अञ्चल विश्वित्र क्रांडि दारो एवं क'र्दात ইতর বিলেখ হর মা, ভাড়া বলা ধাঞ্লামাত্র। उदानि (बटरनर (बद्धन क्षक्रिया मण्डके रहे,

ব্লিতে হইবে।

अङ्गल .कह तकह कहिया श्व'रक एप हैश्तांज वा उरमत्न लाकम्पान अभिक जाम मा स्टेरन श्याद्र य'जा निर्माह इस ना, चाद्र अस्मीरप्रदा चन कार्यहे भएभाव हालाडे एक शास्त्रम, अहे स्माहे फेक्कर परिनक्ता इहेशी थेरिक। किस পক্ষপাতী হইয়া যুক্তি অনুসাবে বিবেচনা। ক্রিলে এই আপত্তি অকিঞ্চিংকৰ বলিয়া বোৰ ! ছইবে। যখন শমত। ও নৈপুণ্যের উপর বেতন নিষ্ঠৰ করে, তথম বায় ধরিয়া বেডম নির্নির ক্ষা বিধেয় নয়। অধিক বেডন পাইলে কোন ব্যক্তিন। অধিক ব'ষ করিতে পারে? সেবি-ষয়ে থিকেনা কবিলে উভাঃই সমান বলিয়া গণ্য श्रुप्र (कांग अञ्च अधिक दाष्र्र वण्या क्रम যুক্ত ভূভাকে অধিক বেতন প্রদান করিয়া থা-**(कत ? आंध अश्राम मग्राच** कार्यः बिन्यां छ विद इसो करा याग्न मा। कांबन यथन मक्काल्यादि বেতন নিৰ্দাধিত হঠতেছে তখন এককাৰ্য্যে এক জনকৈ অধিক, স্পেন্তে জল্ল বেতন দান পক্ষপা ভিভাভিত্র আৰু কি বলা বাইতে পারে? बिस्नवज्ञः वाक्षांभित्रा क्वतन काग्र अतिवान सहै-द्वाई मुक्क नरहन, हेर मिगरक पूत्र मन्नर्दित चार्त्रक लाएकवल खरन भीषन कविएड रहा। मिवियम महेमा विरवहना केतिरमा है है। बी व्याप । कर्षात्रीत् व्यापक। कि काराव व्यव महाह পাত্র হুইলেন, বুঝিতে পারা যায় না। এ বিধরে সমদর্শিতা নিভাক্ত আবশ্যক।

😕। मञ्जलि এकनी बाक्या मृजुः हरेग्राह्म । कर्यक निवंश रहेत अक कम উভিয়া शकांत्र वश्यादनत चार्षे ज्ञान कतिएक शिवाकिन । अथ-মত। সে স্নান ও পূজাদি বীতিমত সম্পন্ন कतियां कहिन (य चनः अननी अनःट्रान्धी जांगाटक व्यस्य क'त्रद्वम । डाहाव अहे वांड्रमवर दाइनः প্রথমে কেন্ট্র বিশ্বাস করে নাই, পরে সেসর্কালে गमामुखिकारमध्य शार्यक उरम जनशीर्व इहेर्र "মা আনংকে এছাকব" এই কথা ব্লয়াই লক্ষ্পানপুৰকে দুৱে অধিক জালে পতিভ **म्हेन अवर ज**्याची (बिराय स्हेंस) (शहा । हेहा मिष्या विकासिकार है कि ली है निर्देश निर्देश **तकरकता व, छ** वरेता जाह, न हिकान का हा स চতুটিক কলুসন্ধান ক **कार्शितिय मधुमान्न य**्षे जान्य १५ छ भिर्म तुन्य बाह्य द्व इहेशा (भवा এই উভি্লাকে या शक् वर्षापर बर्ग के हिंदन ।।।

८। नक्न (ब्रम टर्प्य वर्षे निव्य कार्ट्स (स्, (दह विना हिक्टि भवना अक सात्नत शिक्ति हार्ना १रएन।

छोड़ा ब्यान है पूर्वनीत 🗷 व्यवित्ववनात कार्या / छोट अर्थको पुरुष्टत श्राम करिएन क्षयम স্থান হইতে সমুদার ভাড়া অথবা অভিবিক্ত গম নেপ হ'শ। দিলেই আঝোহী নিজ্তি পাইত। हैशेव अगःथा कदिएन कथवा छ डाव्रना कविवान छिड़ी क देश ए उद्देश । इन छात्र (काण्यान ভাৰা, মাজিটেটে মহপ্ৰ কবিভেম। কিছ সম্প্ৰতি ইষ্ট্ইভিয়া বলভয়ে ৰোম্পানি সম্পূৰ্ণ करण देशेत विश्वाहरण द्वितिरण्डामा । छाँश्वा বিনা চিতিতে এথবা টিকিন্তা নিৰ্মিন্ত স্থান জ-लिका मुद्र हत हारन क्रमकारी खारब हो कराउ বোনকথা জিলাসাঁ ব। ভাজা প্রাথনা নঃ কবিয়াই বিচাৰার্থ লাজিটেউটিতে প্রেরণ ক্রি-তেছেন। মাজিক্টেও নব্মী পূজার দিনের কর্ম कार्क्त्र मन्त्र चंद्रा क्ष्या भारत्म, अह লোক পাইবাম'ত্ৰ কোন কথা জিজাসা না ক, ইয়াই अस्टर्वत प्रम बहैर्ड प्रभाग होया भ्रयं, छ प्रक কবিয়া ভাহাদিগকে মুক্ত করিতেছেন। শুনি-নাম কেবল এইরা জবিমানার ত্যালির মাজি क्टिन्द्र विहासनदा अक मारमत मरभा 3· 13° राजाय होका प्यानाम स्टेबाट्ड ।

यांभे अ अविषयं व्याद्यां है निर्देशक माद्या २। ६ জন প্রভারক থাকা অনন্তাবিত নয়, ভাছা বলিয়া দাধারণে প্রবঞ্চ বলিয়া দও করা অভিনয় व्यविष्टमान कार्य। विलास्य इहेरव । भरन कव ना-ভীতে গৰন করিবার সময় নিমিড হইদ্না পড়াতে অবরোহণে অসমর্থ হইয়া যদি কেং টিকিটে निर्फिट (ईम्प्स भव्वर्टी द्वीम्प्स निवा अवफ त्रग करत, जर्भवा अक्रम घटना ७ जनकाविक सब (य, न को द्वार्वन्त्र शृटर्स (व श्वारन धारमास्रम) ছিল বলিয়া বোধ ছিল আরোছণ করিয়া অপর त्कान काचीश धारा कनाकात्वर धारशकात्म वांश बहेबा वाम विकि जानकां अधिक बुब বায়, অথবা কোন অসমাবিত কারণে বদি কোন वाकि मृत्यत श्रांत यारेट वांधा एक, अवर गनि नाबिज्ञाहे एथाप्र अधानिष्युर्व हरेना हिकिने ও অভিনিক্ত ভাড়া প্রদান করিছে উদ্যাভ হয়, তाहा रहेरत ठाशंदर दिस्ता अरोहक (दिन एरा (काम्पानित धरकनाकांद्रक) वनित्रा विज्ञा नागाप्त ध्यत्न कता गोहेएक नाएत ? विहादनांक्टर বা কোন বুজি ও কোন নিয়মান্ত্ৰারে প্রতাবক ও সাধু নিৰ্মাচন মা কৰিয়াই এক্স সুকল লোক १६२ थाजातगान मधाडांभी कहिएड क्रीमर्थ इस ? আধনীয় সক্ষেত্ন।ই। সাধারণ্যে এরাণ দ্ও

' श्रुक्त अरेक्षण लाक्षणित निक्छे हहेर्छ বে সকল অভিনিক্ষ ভাড়া আদায় विनश्चात्र विकिश्वारी वर्षातीता, विकास ধানি নষ্ট করিয়া পয়সা আত্মগাৎ করিভেন মুডরাং এরপ অভিরিক্ত ভাড়া প্রদান হাংগ কোম্পানির কোন উপধার দর্শেনা, অভএব বাহাতে কর্মচারীরা আর এক্সপ করিতে না পারেন তাহারই চেষ্টা করা কর্তবা ন ইহা ভা বিয়া রেনভারে কোম্পানি বনি এরণ কাঠ্যে धव्य हरेत्र। चारकन, खाश हरेरान अरकव অপরাণে অন্যের শান্তিতে'ল করা কিরণে দলত হইতে পারে ৷ কর্মচারিরা ভাড়া আ্যা नां करतम जाहा बिलामा जाता शिविभाटक प्रश्व नीय करा वश्मरानाचि मृथिक मास्कर नाहे। गोह। रखेक अविवास कर्डुगटकत महनाटयांश (मिछन्ना व्यक्ति।क।

का विश्व इत्र नक्षा के कावश्व काष्ट्रम (व গত কয়েক বংগর অবধি আমাদিগের দেশীখ युर्वाचन अक्रमाठेमान। मधूर निर्द्धांव ও विश्वस রীতিতে চালাইবার জন্য চেঠা ব্ইতেছে। ছই जन देनराभारत कडक्छांग (एशूरी देनराभारत **७ काप्रकृति अक्राह्म (बिश्च सम्बाग क**ून मारे छिएसमा নাবনে প্রবৃত্ত রহিয়াছেন। গ্রাম্য লোকের খীকুড " एक र क्यानप्रनश्चिक अहे नकत निर्मातन शुर्त अक वरमहकान निका (मध्या इहेछ, मञ्चिष्ठि के काम পরিবর্তিত ব্রীয়া সার্ভার্য নির্ভা রিত হইয়াছে। বাক্সার ক্রেক্টা জেলার এই कार्यः भर्यास भद्रिमार्ग्य काश्रक हरेत्राह्यः। मञ्जलि छाहेदब्रहेब मार्ट्य के मकन भावेगानात পাঠ্য পুত্তক নির্মাচিত করিয়া দিয়াছেন। পাঠ্য भूखक नकन भौह वश्तरतत खना विख्छ हरे-नारका वानकश्य अध्य क्रमदा वर्शक्रिय । म ভাগ ও ভালগত্ৰ লিখন (!!!) হইডে আরম্ভ করিয়া ক্রমে উম্ভি পাইয়া বেবে পঞ্ম বর্ষে বাঙ্গলা ছাত্রহৃত্তি পরীক্ষার নির্ব্ধারিত পুজক সকল व्यथाप्रम कतिहरे । गर्या कृष्टीय ७ हर्स्य वरमस्य वानक विशासक करिन करिन भूखक छ विषय अवर काभारमत्र कविष (१११) अत्रक्ष भिका श्रमान कतिए स्टेरव ।

यनि अरे नकन निम्नव (कर्म माज कांगरवान উপর অবস্থিত না হইয়া কার্ব্যে পরিণত হয়, ভাহা **५३८म क्रिन्ड प्रश्वत विस्त मध्यम् नार्ट । अक्र**भ ब्हेटल निकादिखारगङ्ग जनगाना जरम जकत वृक् তবে यथायं अर्जातकमिर्गत अक्रम पर तकरताहरे स्थ्यं वात अगरायं। कतिका यक एव क्षिए मन्ध द्य लाहें, उक्रम बाज कानिक कांत्र होका निग्नाहे क्षमान जात्यमंत इः दश्त ७ त्नारमत विषय विन्ति जारा आहमका अविक स्ट्रेड हिना देश आहमका माध्यस जोत कि सार्ट्स किया देश द्वानिक रहेगांत्र

विवास चार्ककालि कंजिंदकक देशके सुनगरकी तिहे अविक कारहा " त्यम मान क्यमि प्रक्रिया व अर्थे क्यांकिकाती मित्रव देशरंकरें हुई क्ट्रेंट-जाकश कि? सर्व (यगक्त दाखिक के সকল পাঠৰালায় অধ্যাপনা কাৰ্যা সম্পানন করি (फ़र्ट्स, फॅं।हाकिरगत 'क्यिकाश्मदे जामानिरगर र सम् यात्र ता । " পূর্মতন সমুদার ছক্তেরি আগার অরপ কাণ্ডা-কাও আৰু রহিত, গওমুর্থ, ব অক্সহার্শর " इरेटज नश्गृहीख। छाष्ट्रामिश्रेटक श्राब्द कविता अक वा मिछ वश्मत निका अमान श्रृत्तक ছाछिता किरम, खाँशांश किल्लभ विधान श्रेता वस्तिछ इस, छाहा द्वाव हम्न शाठिकवर्ग छन्नम बुक्तिक 🎋 भोतियादश्म। जामात्र (योग स्त्र, म्बल्स कर्णि-गरक क्रमानाछ ००। ४० वश्मत निका पिरमङ বাঁহাদিনের অভাবেধ পৰিবর্ত্ত ও আনের উরত্তি इस कि ना मरणह। यक शक्तवश्मर्टक महमाकृष्डि কর। সহজ ব্যাপার নহে। স্কুতরাং আঁহাদিগের ৰায়া যেউল্লিখিত পাঠাপুস্তক সকল ক্লিয়ণে সংগ পিত হইবে তাহা ত ভাবিয়া অনুভবৈই আইসে না। নাজসা ছাত্রহৃত্তি পরীকোতীর্থ বাধাকশণ ভিন বংগর রীতিমত নর্ম্যাল স্কুলে শিক্ষা করি वां विश्वका भूखक व विषय्वत जिला धार्मन করিতে কঠিন বোধ করে, উজ্জন্প হৈনিকিত खक्र बांगा ला जकन शुख्यक । विवस्त्रेत्र 'निका দান কতমূৰ সম্ভৰ ভাষা কি ভাইবেইর সাহেব मातिकिनिरुद्ध कनवासूत्र ७:० (मिरिड शान माहे ? अडेक्स न क्ष्म बाहा केंग्रन विवस नकरमह निका मीरनव जाना के मनतिहार संतिस केक् পের আকাশে উডডরনের ইন্ছার সহিত অসপত विज्ञा (वीथ इब्र 'ना। यूनि वश्री गणः है आया भार्षमात्रा नकत्वय छेत्र छ कविय व बावना चोटक, फट्ट अवर्थमञ्जे मान लीह है। कार ज्हार इन है। का कतिया व्यादनय भंगीत्याखीन यातकविगतक इशास्त्र मितृक्त कलनः। अक्टून मन्धारमङ नही क्वाजीर्व होहजूब क्वांव नाई। सम हाकांव वायम्। इटेरम (वायम्यकाषायाः अञ्चल कर्णा पी कुछ इडेरवन महम्म बांडे। कांत्रन के भन गेकिंद्र সহিত ৰাসকাত বেডৰ যুক্ত হুইলে তাহানিগের একস্কপ পোৰাইয়া বাইৰে।

अहेब्रूण हंहेंद्रण अधिक आर्थ दात्र 'आक्ष्माक ें कृद्ध वर्षे, किंड कार्या आमाजूकण इतिरव नरमञ्ज मारे। यनि अ विश्वतः नवर्गदक्ते निष्णास्तरे ुम्रायुक् रत, काराजः वर्षमास तामः निर्माता হুইটা একতা ক্ষিধেত এ কাৰ্যা প্ৰসাপৰ হুইতে शांद्र । निष्टुडे विशानग्र भट्टमक थाका भट्टमका केंद्र्ड विव्यवस्थात् अन् शास्त्रोत धार्यतीय।

^{१९}इई नक्त जरभका भूमहरनाग्राज जान न नवदिक আঞ্চর্বেয় বিষয় এই যে, '' অনেক ঘোড়া থাকি एक एक स्वाप एवं साहाता कारनन मा त्य, া আনার শতবার খৌত করিলেও ভাহার মলি

> रभवन (544)

--- : • :---क्षि कार्रेष विभवीत।

न कैनाबाबरवंत्र बन्दनाद प्रदय (व न कन रहिन् ना जारेन थ्योज दरेबाट्ड, खाडा वधार्यक्रान कार्या निविधक रहेरत छेळ छेरमना नकत हत्र, किड विभि ७९ममुनाब्रास्क कार्याः निर्देशक कित्र वात अनानीशफ स्मिन भारक, खाहा हहेरत विवयस कत छैरभव रहा। अवङ कृत्म " हिछ क.द्रांख विभावी के अहे श्रामिष, बाक, छोत्र श्रामा एरेग्रा পাকে। এন্ডলিবরের একনী সভ্য কৃষ্টান্ত সাধার **। अहिला के निरम्न अपनिष्ठ इहेल।**

আজি কালি কালীঘাট, ভবানীপুর প্রভৃতি উপনগর মধ্যে মিউনিসিগাল কথিসনবগণ প্রজা পুষ্ণেৰ ছিড করিজে গিয়া বিশহ্লীত কাৰ্য করি एक्ट्न । बाहामिरभव कार्याव क्षामीनाक मान निवधन क्यानक क्षांशांव कांत्रम हरेश एह। अवाग्न जन्मक द्रान गरा कहिएंछ न। शाविधा অস্থির হটুরাকে। বিউনিসিপাল ক্ষিদনর মহে। দয়দিগের নিরোজিত কডকগুলি নিঃস্থ ফিরিলি কর্মচারী ও এডদেশীয় চাপরাসী আছে। উপনগরের অপরিকৃত স্থান সকল তদারক করি ৰার ভার ভাহাহিগের উপর অপিত হইরাছে। কোন ব্যক্তির বাটী অপরিষ্ঠ ও পাইখানা ৰয়লাতে পরিপূর্ণ এমত সংবাদ ভাষারা উপব্রিক कर्षां विद्यासिक विकासिक विकास विकृत्क " जनम " वादित इम्रा अववादिक नि नतन रमें तादिक खेळनवण कर्चात्रहित मृत्य छैन क्षिण हरेल कार्शत कमत्य १०। ६० । । । अतियामा इया मान के राक्ति कहर त्य, जारांत वामि शार्वेशांमा अथवा जना हान किश्माज जन त्रिक्ष मेर्रे, अवर जनातक बाता (महे जकन স্থান, প্ৰায়িক্ত বলিয়া সংগ্ৰমাণ হইলে সে আঞ্চাদপুৰ্ত্তক বি ৮৭ জব দণ্ড সহং করিতে अञ्चल चारह, कोरा १३८न कर्छ। नार्श्व एक वंश-कत्रिज्ञा क्रियाचा क्रम, अर्देश दिना दिहादत छङ्ग **उद्ग मर्थत्र काका अनाम करत्रता ५० होका**त **ञ्राप्त काराब अ**तियामा रूप्त मा। जनवाधीव অবক্ষেড়িত অধ মণ্ড বিচারপতির অভিপ্রেড नदृह। विश्वेतिनिशाल क्रिएक शतिशूवन कताहे

दौरात के एक विषय (वाद रहा। के कि कि कि কর্মচারী ও চাপরাসী বাধা (সভাই হউক, আর ক্ষেত্র প্রাধা শিল্পীরা ঘোড়া করিবার চেষ্টা হই- \ মিথাই কউক) উপরিস্থ কর্মচারির গোচর করি **७८६, जाराहे केंारात्र विश्वामत्याचा स्टेटकट्ट** ह विठात्र ना थाकाद्रुष छक्त निश्च कर्षातिका क्र्यांग शहेबाटक। त्व व्यक्तित वाही प्रथ्या भारे**थान। जभ**तिकृष्ठ मरह, छेहां दिशांत बोक्डांक् गारत जारात मध रहेराउरक, अवर वाहात भार-थाना वा वाही बग्ननारक निवर्ग, खाहात अखि नमन्य वंश्वि रहेरण्डह् ना । अहेन्नभ विभन्नीक হইবার কাবৰ কি? ডাহা স্পষ্টাক্ষরে প্রকাশ করি বার প্রয়েজন হইডেহে না। যে, বাজির সকল স্থান অপরিভূত ভাষার গোৰ কি জনা প্রধান कर्षानित भागत रहेएछ इ ना, ज प्य नाकि সকল স্থান সম্পূর্ণরূপে পরিষ্ঠিত রাখির্নছে जाराद्र कि बना मध रहेएजरह, जारा भावकार्य नरखरे कि वृक्षित्व भावित्वम ना ? कानीवार्वे ও ভবানীপুর প্রভৃতি স্বাদে উল্লিখিড বিপরীভ ঘটনার ভূবি ভূরি উনাহরণ প্রভাচ প্রভাক ক্ট (जरह । मरामभाउ: अहे बिलाति गर्वाश इहेर्द, উজ निवय कितिकि छानतानी बाहाविर्वाद छैनत श्रमहरूम, खारायार तथा भारे एक हा भारे करान भटम कतिरवन ना (व कांशता (अ कर्महाविता) দরার পরতম হইয়া কাহাবত প্রতি কুপাদৃষ্টি कद्व ।

সম্পাদক महानम । (व ছলে विচার নাই, সে इरल पूछि भिर्देश्व এक पर अवश (नक्रल क्रम विश्वादक घटेन। नकल चनु कन बहुत अन्तरक বাধিত করিতে থাকে। দেখুন, মিউনিসিপাল ক্ষিসনংগণের কার্চ প্রণালীগভ কড দোষ দ ১ ম. ध्रधान कर्फाजादिशन लाएकत्र ज्ञानिष्ठ व्ययं मध्य क.व्राफ्ट इन । २ व्र. जीकाता व्यश्राती ও নিরপরাধ বিচার না কবিরা দণ্ড কবেন। ৩ যু, দে সকল নিম্নস্থ কর্মচারিব উপর ভলারক ক্ৰিবীয় ভাব আছে, ভাছায়া স্থানিকিড নছে, তার্দিদের চরির স্থানিকার অভাবে পাণে কলক্ষিত রহিয়াছে। মহাশয়া মিউনিসিপাল কামসমরগণ কোথা হইতে এরপ ক্ষমতা প্রাপ্ত १रेया आनियाद्यन ? कि समारे वा कालाया धन्नभ क्ष्मण। थाथ स्ट्रेन्स ? (माक्त्र छेभकाद क्रिनाव समा ? (य होका होक्र पद्मभ मिडेनिनि পাল ক্ষাও প্রণাত ইইডেছে, ভাষার হ'র। নগাবের দকল স্থানের কি উন্নতি ও শোভা সম্পাদিত **इहे** ४: ८६ १ अफ एक नी प्र व्यक्ति गर्ग (य व्यव्या वात्र ক্রেন, গেই অংশের রাস্তা প্রভূতির অবস্থা पर्भम करिएम खाराज भित्र हा भावता इक्स रत भा। किछिनिनिभान क्षिननत्रिम्तत वर्डमान

नियम कार्या निर्माणी नरह उक्ता এक विभुधन । বটনা নম্নপথে পতিত হইতেছে। উছের। ,লাকেব অভিনিক্ত অর্থস্থ কবিধার কে ? তাঁ-श्रंक होत महेब्रा छोल बास्ट्राव न्याय नगरत्त्र भाषा वर्षन कक्रन । याने छाराद्वा विना विहादह जायक व्यर्थ व कर्तर का का ना रन, अवर ক্লশিকত বাজিদিগকে নিযুক্ত কবিয়া উ'হা দিগকে ভাগারকের ভাব দিতে অক্ষম হন, তবে खाँशमिरशत निक्र भिर्मन ভালাগ নিজে (यथर वार्षिक्ष) भकरमञ्ज পाইशान। পরিকাশ কবি बात कात लड़ेन, उक्कमा दोशिक्षित्व (य दाय ব্ইবে, ভাষার নির্মাষ্ট্রে প্রজাপুঞ্ল ভাষাদিগকে मानिक किছ किছ श्रमान कदिए।

যাহা হউক, সন্পাদক মহাশব ! উলিখিতরূপ বেচ্ছাচা,বিভা নিবন্ধন প্রজাবর্গের যে অদীসম্ব-বস্থাও অনিষ্ট ষ্টিতেছে, তরিবারণের চেষ্টা বিষয়ে चामानिटात क्षणांवरमन भवनदगर हेत मह्यादयान व्यक्तिक । बर्गम्य । मञ्जूषि कालीयाह, ज्वाबी शुत्र अकृष्टि छेननगर निवानी अञ्च व्यञ्ज्ञ, धनी निर्देश, मक्न वाह्मि अक्वाका दहेता थी (प्रका-চার ইইডে নিস্তার পাইবার নিম্নলিখিভ উপায় **अवन्यम अतिएक या ३ वर्षेप्राटक्य । अवस्था**नि हां भारत भुष्यक स्थेतारक अके भुष्यक मकरलहे চাঁদা দিখার স্বাক্ষর করিতেছেন, বাঁদার বেনন क्यां जिनि (जयन गांश्या क्रिट्वन, अवर अहे श्रकात्व स्थिश्र हाका प्रश्निष्ठ क्वेंद्रम वर्शवचेव निगुष्क कतिया शवर्गमा के निकं भी खा खार्यमन कता इहेरव।

कानीयार ख्वनी म्र'स् अहाका इकी ३४ हे कांछन जीनियापनेहजा मुर्वाभा 19656 थाव ।

मन्त्रानक मराज्य । जानि य विन्तावजी, वक्षभाषिका ও धर्मभराष्ट्रमा बाँग्लाब स्रीयन রুভাত্ত সংক্রেশে বর্ণন কবিল্লা সমুস্পন্য সোমিপ্র_{ক্র} কাশে স্থান লাভেব আশব্দে ধ্রেরণ করিভেছি, আপনি উট্টার প্রতি ক্ষেত্র প্রদর্শন প্রাপ্তক স্থান দাম করিলে যথেষ্ট অনুগরীত হইব।

सरक्षादी मात्री।

ছবিশ পর্যণা জেলার অন্তঃপাতী ভাটপাতা कारम ১२३৮ मारमज (भाष मारम १० क्रमारम अवस्थातीत अर्थ रहा गङ्भावा निरामी खेबा-ছমুম নিজ্ঞ নৰভূমারীর পিড। । নবকুমারী নিজেজ बहाबरप्रत ब्यार्क करता। अहे करता स्वित्य किनि कांक्रेशाक्षात्र कार्मिया नाम करतम । स्वापात बाय अपने भूज ७ करा अभियादिन। किय प्रकाश

তিনি অভান্ত হেছে নবকুমারীকে লালন পালন করিতেন বলিয়া ঐ পুত্র কন্যা খোক অনায়াসে । ধিশ্বত হুইয়াছিলেন।

নবকুমাৰীৰ অনাজৰ নাম চন্তীমনি ছিল। ভাষার অননী অপত্যাভাবে নানাবিধ বোগ ৰাগ ও ত্ৰত পালন কবিয়াছিলেন। পরে বীরুই চণ্ডীৰ পুৰুৱিশীতে আন কৰিয়া ঐ কন্যাদী প্ৰাপ্ত रन, जबना टांशायू नाम हतीयनि बाद्यम । किया र्रेग्नाहित्सन । कांश्रत माजा । त्य मकात्मन অভাবে পথতনয়কে পুত্ৰ নিন্দিৰে প্ৰতিপালন करत्वा नवकुमाती, शंशास्त्र (अ) शामत विश्वा बागिएका अवर रेमनवादि के अरम अक মাডার নিকট লালিত পালিত হওয়াতে অসা-মানা জাত ভগিনী স্লেছে আবদ্ধ হইরাছিলেন। দৈশৰকালে সৰ্মানা জাতাকে লেখাপড়া কাৰিতে त्रिथया छोशांत विम्हाजाद्य वेष्ट्रा व्या अवश গোৰীকালে ভাভার উদ্যোগে বাটাতে ৬। ৭ মাদ এক জন গুরুষয়ালয়ের নিকট আল বাললা লেখাপড়া শিখিয়াছিলেন।

नरक्षाती, ननमर्थ बद्धान भिष्ठहीना इत। मन्यवर्ष दशरगत्र अयत् हृह्कात व्यवः नाकी नाम বাবুর ঘাট নিবানী জীয়ক বাবু উমাপ্রসাদ সোম মহাপায়ের স্বোষ্ঠ পুত্র জীবৃদ্ধ বাবু শিবছলা সোমের সহিত ভাঁহার বিবাহ হয়। ভারভাবর্ষ বয়সের সময় ডিনি প্রথম খলুৱের গ্রহণার্থ্য कतिएक यान । जननखर उँ।शतक श्रांत्र मर्कमा ৰগুৱালয়ে থাকিতে হইত। তিনি অভিতীয়া ज्ञभवछी हिर्मन मा, किन्न रक्तभ (भोडाकी माडियून, नाडिक्नन, गाडिशीर्व, नाडियर्त, क्रुक्तत व्यवध्रवन अहां । अहां नामुची हिट्टान, जाशास्त्र खाँशास शक्र छन्त्री रनित्रा पर्वमा করিবে অড়াজি হয় না। তিনি বাহারণ লাবন্য অপেকা আন্তরিক সমগুণে অধিকন্তর প্রশংসিত इटेब्राइटिमम । डाँशांव चामी विश्वकर्षावर्षकः निर्मा विरम्ति थोकिएजन् क्विम वश्यक्ति मरग ২15 মাৰ বাটাতে আসিয়া বাৰ ক্রিটেন¹ काशात मक्षप्रभावन बंबरम रेक के बारम श्रास्त्राहारा (कार्ष भुज्जे कृतिर्थ कर । ये भुजारित नाम भत्रभ् नशी प्राथिशास्त्र ।

मबक्रमात्री, अकविश्मवर्ष वृष्ट्रां व्यथित नगः चिवाशिदेश वारमबद्ध अंत्रम कर्त्रम् । छाशाह चानी खरकारम खबाकात शबर्राके के दिनत रहक ষাতার ছিলেন। এই সমধ্যে দীর্ঘ কাল বীর স্বামীর সংবাদ কাভ হয়। ভারাতে খামীর নীভিগর্ভ **সহপরেশে উভ্যরণ বিদ্যাধিকার ভীবার** ৰপভঃ ভাষারা দনসংয় মুসুরোধে পভিত হয়। অভ্যত স্থা কলে পূবং বারীয় বহে ও পরি-

व्याप क्षित्राच विकाशामा कृष् स्थारनामम रहेटक जातक कत्रिता क्रीवृक्ष वाबू अक्तब्रुवात वस वानीक कृतीहरू न शहनाई नर्वाक सराहर করিয়াছিলেন। সুশীগার উপাখ্যনাদি স্থললিভ अब नकन चानादन सहाजनार भूतावेश विदेख भारतार्थम । भेठम ६ वटत छात्रात्र विमक्तन करि কার অধিয়াহিল। ডিনি রচনা ছারা মনের ভাব হাশাই বাক্ত করিতে পারিতেন। ধর্মনীতি পরিশেষে তিনি ''নবকুমারী " এই নাম প্রাপ্ত পাতি ও সামীর উপুরেশে তিনি ' একমেবা-चिक्रीतम् भ এই महास्टिकात्र मन्ध सुन्ततस्य सुरुष পৰ করিতে পারিয়াছিলেন। খাদীর সৃহত ঈশ্বর উপাদনা করিয়া প্রভাবে গারোখান করিভেন ও রাত্রিতে উপাসনা না করিয়া কখন শব্দন করি त्छन ना । संशमीबद्दव शक्ति छोहात पृत्कक्ति किन । चहरमः श्वमणिका शतस्यदात्र नाम श्वर्ग कड़िट्छमः। वार्रमश्चर्य भत्रश्मभित्र अक्यात्र বিস্তৃতিকা শীড়া উপব্ৰিড চ্টলে ডিনি ডাহার कीरवामा छ। व कतिया अवास्त्रवा हे बहुत मञ्जूषाभव क्य । किछ त्र याज। अभिनेशदात क्रुणाय ও गर अतिष्ठां हे गरबन केंद्रिक नार् कामीक्षमद्र मिटज्ज हिकिश्मात्र भत्रश्मी जाता भागांक करवत ।

> नवक्षाती चामीत निकते भिन्नकारी निका করিতে আরত করিয়া কারণেটের ২। ৩ প্রকাব উপানং প্রস্তুত করিছে পারিতেন। কিছ এ নমরে জাঁগার ফলের পীড়া উপস্থিত হওয়াতে निज्ञकार्दि। विराम देवशून्यां कतिए शास्त्र नाइ। व्यक्तिएव खाँशांत्र हत्कत्र शीका व्याद्वाताः व्हेरन, शूरजब निकात विवदत रहवणी व्हेरनन । अवर महरूपमीरक मेथाइड शक्ति कांक शहर्यन করিতে ও বৰ্ণবিচয় শিকা দিতে আরম্ভ

नवस्याती, वाविश्यवर्ष वहरत शूनवाह गर्छ-वको रन अवर इत्रवादमत अकः त्रवात अवनात बारमबन्न कार्य कतिका चांबीत मुस्कि हेहकात चार्रेरान (ह्रष्ट्रकांत्र अक् बान शाकित्रा फालेशा-ভাৰ স্থীয় ৰাভার নিকট প্ৰসৰ বৃইতে ঘাইয়াছি-त्तन । किनि सामग्राहन विकीत शुन्ती सामन क-विया नामाना सर्ग नीकिकंदम । काशरक काशन व्यक्ति अन सन प्रतक दाति कांकरता यांत्रा विकिथना स्वादेश कार्यामा स्वित्रविद्वामा अहे नवत बीराव पानी पनिकालात पनिका म् रमा त्नरंगते गाउँ व संस्थ

मर्भुवाती, ब्रह्माविश्यत्रचे वज्ञान प्रश्नामातः. श्रेनशांत्र माममाज्ये श्राचीत्र श्रावनी श्राम्य करत्व । वरे पूर्व कीसन विकास सामग्राहर कर क्षेत्रा

हिन । फिनि नर्कता फाशटक क्लाबनाटक पातन क्विया विविध शकौर वारकः जामन क्रिडिन। এই পুত্রটা হওয়ার পর ভাহার আনী হুগলী नर्वास खुरमद इत्ताकी आर्त्यत बायव इन । স্বামীর প্রতি ভাষার অন্তব্রিম প্রণয় ও অবিচ-निज जिन थाकाट जीशत मकन कार्ता है भरताब श्रकान कतिराज्य। हाहान यामी जुल्ल প্রিয় বলিয়া তিনি ফুলের প্রতি বিশেষ অমুবা-शिरी इन। छारात करक क्षारन कविरत माम। স্থানে কুত্রিম, অকুত্রিম বিনিধ প্রকার পুষ্পাও সৌষভাতুক দ্বৰ সকল দৰ্শন ও তাহার আন্তাপ स्टब्स् कतिया जाभडक व्यक्तिय ज्यक्तिय श्रीजि शांक हरेंड ।

व्यव्यावीरक अडे भगर्ग मा॰ मात्रिक कार्याः भूगधिक व, छ इंदेंडि इंग्, (महे छाडू आभाग्न कवि বার অধিক সময় পাইতেম না কেবল সময়ে भगरम वामारवाधिनी পত्रिका भार्र कविएन। তিনি ব্রাল্কার প্রিয় ছিলেন না। সর্নাল কেবল গৌত বসন পরিধান কবিতেন। সামান্য অন্দার পরিধান করিয়া জাতিবর্গের বাসতে निमयर्थ गाइटड मक्तिड इइटडन न। (स्थारन বাইডেন, দকলেই জানার সংগভাবের ছুন্নগী প্রশংসা কবিতেন। তিনি ক'হাব অপ্রিয় ছিলেন ना । क नहरूक फालिन म खन्न कतिएक । वांकीएक क्थन क्यान क्यार व्हेट्ड विष्ठन ना । खाराय महीरत व्यक्ताल मग्रा ७ मग्रका किल। यामीत निकंड इरेड निज व सार्थ (य कि कि र वर्ष भारे ভেন, ভাহার জল'ংশ ছাবা নাভার সাহায্য এবং व्यविकार्य की नविषय छ अभिकादकविद्याय अस्त्र। कतीत्र प्रदा क्या सना भाग कहिएलम। देशमात्र निकार कि एक किन यथ बाज्या किति राहित कारी वे वे कि के वेन कीर वेस निरूप मा। माग मात्री मल्टलहे टीइवि मुम्स व्वव्हाद्य वण्डी-भन्न **रहेशकिन।** भाषिकांत मामानः भीषा इहेरल ভিনি শ্বয়ং পাকজিয়া সম্পন্ন করিতেন। তল্প मध्य बद्विध प्रदाव दिशास्त्र भाक करिएड भाक्षिक । बाखकी भिज्ञानस्य वर्देश्य चय-রেব আহারীয় মধ্যেদি স্বয়ে প্রস্তুত কবিয়। রাবিতেন। গুরুজনের প্রতি ভাঁহার প্রগাঙ ভাক্তি আহা থাকাতে ভিনি সাগ,াতুসাবে গ্ৰাহা-আভাব কুলত হিংসা তীয়ার উপর আবিপত্য আবাত পাইরা অবস্থাত্তর প্রাপ্ত ইয়াতে এই

क होत मत्न (बहना दनन नाहै। (कान खोटनाक कांबात निकृष्टे शहेरल महत्व काया छात्र कतिता ভাষার ধর্থা চিত্ত অভ্যপনা কবিতেন। অনে।ক সম্ভান বাটীতে আগিলে উ'হাব আব কানলেব भीमा बहिष्ड ना । जबन की प्र महान मिर्गव करन कांत्र करमात्र मजारमय अधिक आमत्र कनिएडम क्षांच व्यवसारमञ्जू करा करिएल क्वल शहात অঞ্চণাত হইত

सरकुषाती, हजुर्सिश्नवर्ष वरारम शूगदांच गर्ड वडी इस । अहे खबदात जाहात खरुषि मध्य' एउ কিছুমাত্র আহাৰ করিতে পারিতেন না। जाराज अजिम्म अनम्भा स्टेम् हिर्लग । ঘটনাক্রমে ২। ৩ বাব ভুগিতে পতিত হন। গত ज्याराष्ट्रभ मार्ग कष्टे मान गई रहेरन निर्वाद अह ख्य रह ८ में ख्य यन अतिही के महस्म श्रीपृष्ट বাবু কৈলাসচন্দ্ৰ দত্ত চিকিৎসা করিয়া আবোগা कृत्वम । ज्ञमञ्जूत श्रुमनाम छोहात ज्ञुत हरेश निम्न উদরে ও হুদরে অভান্ত বেংন। উপস্থিত হয়। ঐ বেদনায় যাব পৰ নাই বস্ত্ৰণাভোগ কৰিয়াছি (सन । अनिष्टात्र व्यात कृतात १६ हे व्याहा-মুণ বৃহ্পতিবার রাত্রিতে অষ্ট মাসে দাবার हरूर्य शुक्रिति कृति हेर्स यसनात कात्रक लायन হর। কিন্ত অষ্টাই পবে ঐ পুত্রটা প্রাণত।গগ করিল। ডালেডে ডিনি লোকাকুল হন এবং प्रत्नीतिष्य जान कतिया शूनतात्र प्रधानक स्थ अल हरेशा अकवादन नगानाग्री इहेटलम । छेनदव অল্ল বেদনা ও নিতৰ হইতে পান পৰ্যান্ত এম ন বেলনা হটল যে জিনি জানে,ব সংহান্য তিল পার্বপরিবর্ত্তন করিতে পাবিতেন না। সে সমস ভাঁহার যেত্রপ যাতনা হয় ভাহা দেখিলে পাষ'ণ कारा निर्कृत्य घटन इत्थ हिल्डिक बहेत । हेन्क देकताम बाहुत हिकिस्माश (बन्ना कार्यामा ना | एन कामान करे आपना पूर्व कर्रना " হওয়াতে দব এনিষ্ঠাণ্ট সবজন জীবুক্ত যাবু নগ सीन ((तरे) बाहा होहाद हिकिएना करान हम। नहमें कर्निटनन, ए। मन बाद्रव किकिश्नांय ७। ६ मिन शद्य (मतान कात्मक छेनामम स्रेमाहित। किन्तु नृत्रीय छ। হটবা উদত্ত পদীত হটলে তগলী হটতে সমত'ন-है। है भवस्म की पुष्क बाबू शादिगानका मांड छ। कविहलन " (छोमान काव लोग कहे काए) দেব নেবা শুক্রাৰা করিভেন। খীয় আছাকেও ভূচুড়াছ প্রথ'ন কৰিবাল জীয়ুক্ত ব'বু বার্ক'ন'ব। 'ক ় " ভাগতে মুছপনে উভর যেন " দান। ব', ধৰেষ্ট্ৰ ভাগ বাসিতেন এবং " জননী জন্ম-। গুপ্ত এবং কলিকাতাৰ চিকিৎসালয়ের সব এনি । মৃত্যু ৯ ভাগা কিয়ংকণ পরে আভাকে অত জ ভূমিক অগাদিশি গরীয়সী ৯ এই বাকে।র মার্মক তিনিট সরক্ষ্ম জীয়ুক্ত বাবু দলালচন্ত্র : খাক কালব দেখিয়া বলিলেন প্লাদ। তমি আগাস ছইলা বংগরের মধ্যে ২০১ বার মাতার সহিত আনাইরা ৪। ৫ মনেব প্রার্শ কইয়া চিক্রে। তেন্প্রন করিতে চকেন । আনাব ষ্মণতের সাক্ষাৎ কবিতে ভাইপাড়ার ঘাইতেম। থাহার , করান হয়। দল্লাল বাবু বোগীব দেহ প্রীকাল । ৮বিতেছ না। ০ উচ্চা ত তা ইছা তানিরা म्बीरत अस्कारतत लाममाज हिल मा ও ही। त्यांश निर्मय कतिया विलिशन, गर्काववात छवात्र

कहिर्फ शाविक मा। कि.म क्यन कर्तम वार्का विशेष स्टेश्ट , प्रकावकः स्त्राष्ट्र श्रक्त प्रवस् मा हरेरन भी का कारताना इंद्या क्रुक्टिन : उत्व এकर्त भगा ७ अयर महावा की तम द्रकात रा (ए हैं। बहेर डर्फ हेराने छेरकुट छेलात । बहेकल উপদেশালুগাবে শিবচন্দ বাবু খীয় সহধর্মিনীর বংগচিত চিকি দা কৰাইয়াছিলেন

नवकुनावी. देनदहर्शिशक वनकः शक २५ अ তিমি অত্যন্ত অভিমানী ছিলেন বলিয়া বেড পৌৰ শুক্ৰবাৰ বাজিতে ঐ অবস্থায় সামীব पश्चित कर्षा प्रकार अवृत्त वहान महना छात्रात राकट्यान इत्रेशा मन्त्र बन्न इस 🖚 । छ दक्षाद्रक निवम्स यातु यहर हिकिरम। कविद्या खें। हाटक (र प्रदेश ३३७७ मुक्त कविट्लन। एमनखबु जिनि धीरमाना जात कार्या विश्वतानामनात्र अकाळा हिं इन अदा मध्यादित बादा दिन्द्रिय विश्व चार्योत উপ र পুত্রগণের রক্ষণাবেক্ষণের ভারাপ্র কবেন। ভাঁহাব সামী, ডি.নি ওখন দিব। আনম প্রাপ্ত হইয়াছেন বুঝিতে পাবিয়া জিজাসা করি-্লন '' ডোমার সংসাবের স্থাব কোন বস্তুতে ল'লগা আছে কি ৪ শ ডিনি বলিলেন '' আমাৰ আর কিছতেই লালনা নাই। তুমি একৰে আমায় বিদায় দাও আমি আনন্দধানে বাই। » পুনরায় উচ্চার বানী বলিলেন 'চোমাব মাকে मिथित कि? वल डाइटिक अश्रीम खानाई। a ভিনি উত্তৰ কৰিলেন " এখানে ভাঁছাকে णानिस ना, अकरन दीशिक जात शासन কৈ। ভূমি, ভাষাব মুক্তর উপায় কয়। " ভাষাতে ধাৰাৰ সামী অপবৰ্গ লাভেব নানা श्रकार উপদেশ भिन्न कश्रिलन " এ याद्य। ·ভাষাকে রক। করিতে পারিলাম না। **স**ভeর ভোমার উন্থারের স্থাব মিল জোড়ে অপণ কবি-(टाँड) द्वान खाँकार निकृष्टे माहेबा जनस्य अर्थ ह्यांशक्य। व्याद्ध त्या जात्राहिक अहे का सुध शामान्य मध्यादि व्यक्तिएक सा व्या अवस्थित

नवदूषाती, उत्तर इन अर्गन मायकाव च्यर-*ংহাৰ পীছাৰ अ 'न , रात प्रदार। जिल अमन क'हार शाखी उड़ा x+३। भ स्थान এ शांत्र पंतिका। भश्य उ हत् দাতা ভাগনীর শান্তভাব দেবিয়া জিলে।সা

मंख्यनाति स्य ।

वियम हरेगा श्रमवात किकामा कविरतम " फुप्रि মায়েৰ সহিত একবাৰ দেখা কবিৰে কি ? " ण्डिन देखन करिएमन " अमन नगम (मेचा करिया **डिम्हिटक ४:** विक दना डिम्ड नय । भ भरव ড়মি —বালয়া নিজক কইলেন ভাঁচার ভাতা বাললেন " আরু কিচ বালবে কি? " উত্তর हिरक्षम, " हाना खात कि वालव किছू नशा " এক বাব ছোট ছেলেকে ডাক - ভাষাতে ভিনি साहात क्रिके शुक्री लहेया निकार यह एक रम मार्गित भुश्र पर्शिया व्यवकाता क्षित्र । जिला ভিনি কহিলেন "দাদা দেৰেছ কেন্দ পাৰা ছেলে। আমি মবিলেও এর আব বোন ভাবনা बाहे। " उर्भाव छाहादक " इसे बा " विनिशा विमान क्रिए। मिलाम । कि किश्मकरमव छेलाम-শাসুসায়ে ভাছাকে প্রন্মত পথা ও উবধ দেওয়া যাইতেছিল। দয়াল বাবু আড়াইটার সময় নাড়ী मिश्रा वरमन बाध दम देनि अ गाजा वका भारे

जनकुषायी चाह्यभार स्ट्रेटिक विश्वश की होते । भश्यत जात्मक देशव कार्यात जाष्ट्रभाम करियाहि-লেন ৷ শনিবাবে পুরোজিত শভায়ন করিয়া ভাঁহার বদনে চন্দ্রামৃত পান করিলে তিনি खाँशांक पश्य अमिना श्रमान करत्न । गाप्तर-কালে বখন ভাঁছাব নিকট ক্সব পাঠ হয়, তখন काहा श्रमिवात सन्। विकित्रकथरत शाउँ कतिएक बानन । ब्राजिष्ड जाँगांत्र चल्फा छानांगी स्हेजा বৈদ্যের মতে তিন বাব মকরণরঞ্চ ও মুগনাভি त्त्रक क्यांक। ब्रविवादि यथन डीकांत शृह्यादि দ্রতীপাঠ হয়, তথম ভাহা উচ্চরবে পাঠ করিছে | জীযুক্ত বাবু বাদৰচক্র মিত্র চাঁপাতনা অসুবোধ করিয়া ভাষা আৰণ কংন এবং চণ্ডী পাঠ সমাপ্ত হইলে ভাছার দক্ষিণা দেওয়া হইল কি না ভাতার বাবা খণ্ডরকে জিলাসা করিয়া সংবাদ ধন। কিন্তু রবিবার রাত্রিতে প্রস্রাব না हरताए । शब्दाव क्यांदेवाव अवस्थ्य कार्वा वार्थ रक्षतारक क्रमनः जेनद्र न्योक रहेवा द्राक्ति अकारण वरिकात नवत्र नतीत्र वर्ष व्हेटच পারত হয়।

নবকুমারী, সোমবারে নরঘট্টকার সময় भाखफ़ीरक निकडेक क्रिका ब्रह्मन " जाशनि चात्र चामात्र समा काम हिन्दा कविर्धन मा, अकरण (कांके विकेटक सर्वेद्या मरमानुधर्य करून। " একাদশ যটিকার সমর আভাদে বলিলেন " দাবা আর বে (ঈশব) উপানন। করিতে भाविता " र्छिनि (काष्या » ? " भिवरका वाव निकर्षे चानिया करितन " এই (य चानि ? " ভাষাতে অতি মহাবনে উত্তর করিলেন '' এসেচ

अयादन थाक । क ब्रहे अहरतत नमग्न छोहान मृजा কাল উপস্থিত হট্যে ভাছাকে পবিত্ৰ শ্ৰয়ায় भग्न कहाईयां शिव्हागृह इतेएक काँहान चानी, काला, च्छात ७ जनाना करने वाहत वाजित প্রাঙ্গণে আনিলেন। তথার আনিয়া উত্তার यामी भरताव एकिन्सार्थ छेपर्यमन पूर्वक কিয়ংকাল পরমেশ্বরের ধানী করিরা স্বীয় পিতাকে বলিলেন যদি আপনাদের ইহাঁর মৃত্তিব सना किছू किरिए इम्र उत्य अक्तरन गरान । इनि এক্ষণে নিভাধানে গদন করিভেছেন। তৎকালে र्राहात जाछा निरद्वारम्यत निक्र वित्रश विन-ভেছিলেন " ঈশ্বর ভোষায় বেন শান্তি নিকে-ভবে স্থান দেন। " তথনও পর্যাত্ত ভাহার নাড়ী ছিল ও হস্তপদাদি শীতল হয় নাই। কিছ সকলে প্রাণনালের উপক্রম দেখিয়া ভাছাকে লইরা গলভীরে ষাইলে ভাঁহার প্রাণভ্যাগ হইল। मुकुरत अन श्वानकारम छोडात भतीरवर मोन्नर्रा দর্শনে সকলের এক্লপ অয ক্ষত্মে বে, ডিনি বেন जीविष्ठ इहेग्रा जारवाना यांन क्रिएटहरू। अहे রূপে গত ২ রা মাখ সোমবার ছই এহরের পর छिनि नक्षविश्मवर्ष बहुरत मानवनीमा नद्दन करान । नवकुषातीर मृष्ट्रा मध्याप मरुगरे पात्र পর নাই ছঃখিত হইয়াছেন ইজি।

বলবদ অনৈক লোকাছুর ৮ हे माय की त्या, ह, वर्ष, ১২৭৬ সাল

बुगा थावि।

>-

'' রামধন সাশমণ कंचि ১২৭৬ মাঘ হইতে ৭৪ পৌৰ " मीनवच्च मिनीक वामाजीश्रत ১৮৬१ बाङ्गनाति स्ट्रेस फिरमबन 30 '' शिद्धिमंडस नदकांब CHIST ১৮৩৭ বার্চ হইতে মে Bh. ''কালীপ্রসর সিংহ জোড়ার্সাকো ১৮৬৭ মার্চ হইতে ৬৮ কেব্রেয়ারি ١. '' কুঞ্চজ্ঞ সাহ্যাল চৌধুরী মন্ত্ৰন্ম সিংহ ১৩ '' প্রতাপচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায় কালীবাট ১৮৬৭ ক্রেয়ারি হইতে ৬৮ আছ্রারি " গোলোকচন্দ্র সেন দীনাজপুর ১৩ ক্লিকাডা '' हांद्राधन कविदास >२१७ कासन इंट्रेंट १६ व्यक्ति . 4#-'' মুদ্দী মডিয়ালা রঙ্গুর

নোৰপ্ৰকাশনং ক্ৰান্ত কল্পেকটা विटलंब नित्रम।

অবিস মূল্য ও ডাক মাতুল ন। পাইলে মধ-যলে সেরিপ্রকাশ প্রেরণ করা যার না।

रेशक खिक्र मूना वार्षिक ३० अवर वाशा-तिक eli • है।का, यगचात छाक्यांकृत नामक वार्षिक ১७, बाग्राजिक १ अवर देखमानिक ७५०, **चिन मारमङ क्रारम जब्बिम घृमा मञ्जून योग्न ना ।** ছণ্ডি, বরাড চিট্টি, মৰিক্ষত র, নোট, ও স্তাম্প विकिन, देशक जनाजत बाहाटक वाहात अविधा বয়, ভিনি সেই উপায় ঘারা মূল্য প্রেরণ করি

ব'বিলা প্রাম্পদীকিট পাঠাইবেন, কা-হারা বেন এক অথবা ভাব ভানার অধিক म्लात ও त्रशीरमतं विकिष्ठ श्वतन मा करतन ।

ৰখন বিনি মদশ্বল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা খেন রেজিইরি করিয়া এবুক্ত হারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে গাঠাইয়া

व । एक्टिशं मुना विवास नवस अधीक रहेश আসিবে, এক মাস পুর্কে ভাহাদিপকে চিট্টি লিবিয়া জানান ধাইৰে, কাল জভীত ব্ইয়া গেলেও একবার চিট্টি লেখা হইবে, ভাহার পর এক মানকাল প্রজীকা করিয়া কাগজ বছ করা যাইবে। শেব বারের পত্র বেরারিও পারীন रहेट्य ।

মাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসবের ডাক যরে চিটি আইলে আমরা শীঞ্র পাইব।

শীখারা বাস্তুকা বা দিয়া শত্রাদি জ্বেরণ করি বেন, ভাহাদিনের নেই পত্রাদি এহণ করা याहेट्य ता ।

কেহ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা क्तिएन खाँशिक अवद किनदात्र अकिंगरिक 🗸 • আনা ভাষার পর /১০ আনা দিতে ইইবে। विनि अधिककाल विकासन दिवान रेक्। कतिरक काशात महिक चल्का बरमावक स्टेरव ।

🕶 এই পত্ৰ ফলিকালার দক্ষিণ পূর্বা যাতনা রেলওয়ের সোরাপুর ষ্টেসনের বৃক্তিণ চালড়ি-শোভায় এতুক বারকানাথ বিদ্যাভূতবের বাটাতে একি সোধবার প্রাক্তংকালে প্রকাশিত 地口

(मायशका-

म के जाता

३१ मर्था ।

" प्रवत्तां प्रकृतिवितावं पार्विकः सरस्ती जुतिमक्ती न कीवर्ता।"

स्कृतिक स्वा ३ होका, स्वतित्र सर्विक ३० १ हेनका स्वतित्र सन्।तिक ४३ हेनका १

मन ३२१७। २४७ कोइन । ३४७१। ३३ हे मार्क।

्र वस्परन वाञ्चनगरमञ्ज्ञासम् विकासिक ३७ होका वान्तानिक १, ७ देववानिक ७३०

বিজ্ঞাপন।

निष्ठे अनिकातिम क्रम ।

আমরা বিলাত হইতে উৎকৃষ্ট উৎধ সকল
কুজন আমাইরাছি এবং পলীপ্রামের ছিল্পেলরি
প্রকৃতির কুবিধার জনঃ নগদ মূল্যে ধাজাবের
আতি কম দরে বিজয় করিতেছি। সকলল হইতে
ইতাধের কর্মিও ভাহার মূল্য শুরুণ গোট, ক্রতী
বা বরাজী ছিঠি পাঠাইলে আবর। ইবধ অভি
সভ্ত পাঠাইতে পারি। ইবধের মূল্য বাঁছারা
ভানিতে চাহেন, আমরা ভাকবোৰে ভাইনিধ্যের
নিকট ভালিকা পাঠাইন।

আৰু সি মন্ত কোহ'।

बह्मधाव क्षेत्रियद ७९ वर्षा ।

अञ्चन्दर्शिया ।

मूज्यक्षेत्रक शैका क सामाना व्यवस्य मिन्द्रक मरक्ष कारमाज्य महिक माज्यकार कि माज्यकार कि माज्यकार कि माज्यकार कि माज्यकार कि माज्यकार कि । कि माज्यकार कि माज्यका

श्चित्रमाच नाहरकानम ।

इंग्डेंबिया गर क्ष मुख्यानस्य भर खनीच छ सर्वकातिकः निश्चनिषकं भूसक्यनि विकास

| TRUMES - | |
|------------------------|--------------------|
| ejalo ; | सूमा |
| बीमहर्म्डश ान | , ३ ग्रीका |
| (शामधीकराम | 3 * |
| कृष्णनाह सामग्र | 1. |
| मिकिनाव () म कार) | 4 1 |
| ं नीक्सित्र (२ व क्या) | + 44 + |
| A distribut | (1) |
| " Beckle 41444 | 160 |
| - A | प्रकाराच सन्दर्भ । |
| TY La balan | 4 |

नुवान नश्बंद्यत्र (मयबक्षः ।

वर्षा भूतिन नेर अर्द्ध विख्यन विवास किथि । विभूत्यमा वर्षित्राक्षित, विश्व अकरन निम्नाकि वर्ष्य वर्षात आदक्षित्ररक काक यासून किया गार्कान वर्षेत्रकर अदः कृतिकाकात्र विद्या आदक्षित्ररक राज्यता वार्षेरकर अदः विद्यान विवास गार्था म् वारत वप्रवास एक्स निम्नारक, वांक्सा नाम माहे स्वार वांक्सिस मण्डल (मर्गेद विरक्षत का विवास वृद्धाता काल्या किसी प्रवास वांकान रिकाक प्रवास काल्या निकां केनिक्षित व्हेश आना कृत्यक मुक्ति कर्मन ।

अवानीध्रम निरद।

क्रिया आवामी ३४-७१ चटका ४ ता अद्यान विश्वित आवामी ३४-७१ चटका ४ ता अद्यान व्हेटच ३४-७५ चटका ७३ अ गाठ १ गर्व छ अक व्यान विश्वोद्देश शांकी विटक निष्ठ चाक्तकाती देका स चादका।

विश्व विश्व विश्व विश्व वर्ष कृत् कि विश्व करा वाहरत, कारात कि कृत् कि शक्त २० के कि वर्ष माञ्च निष्क वृहरत, कृष्ठ क्षि नक्त क्षत्र कत्रिवात क्षिकात क्षत्रकेष्ठ नव्य स्वत्व वाकि-राक । सर्व (याने क्षत्र कतिएक केक् क वा क्षरत नाथायन वाकिकान क्षत्र कवित्रा करेएक भावित ।

ভাষামা আৰ্শ্যক বিষয়ে নিয় আকর কারীর নিকট অন্ত উপস্থিত হুইরা কি পত্র বারা জিল্লানা করিলে জানা বহিছে পারিবে"।

(एन्ड्री कथिनसरी जानित) औथुक (इ. ०क. यथुंशाक्ष्मी) हिर्देश गारिव ३२ हे जित्नवत । ১৮४७। (एन्ड्री कथिननत

यानकविश्वत्र पाष्ट्रांड्रार्व '' शनिक विकास के मात्र अवश्रीते क्ष्यपूक्ति नाणिशृतक देश्ताकी विकासात्रत निकंक क्षित्रशांशांत शांचानी कर्मूक अनीकेश क्षेत्र क्षात्र कि, क्ष्यु क्षार यात्रा विश्व क सक्तिक व्यक्ति क्ष्यां क्ष्यांकात्रक १९९ সংখ্যক স্থানহোপ থেলেও কালেজ জীটে সংজ্য থেলেৰ পুজকালতে বিজয়ার্থ স্থানিজ আছে। মুন্য ১৮ পাঁচ দিকা মাত্র।

मरन्यवात्रम् शृष्णकामम् निष्धानमामास्य ।
तम ३६ नर नाण रहेर्ड कर्नका निम् अपि
३१७ नर मारवन वाणिरक देवित्रा जामिसार्थे हेर्नु
१ र माय ३२१७। व्यापकी विकास महिला वाणिरा

MAZA I

বর্ষাদ্যার প্রবিধাক চিকিৎনক জীবুজ বাবু ভোলামাধ কবিরাজ ঘহাপারের জাত্মজানুদায়ে নাধাববুলনগানকে এভজারা জ্বাজ করা বাই-ভেচে যে জ্বিষ্যকে উজ বাধু সম্বাদিষ্ঠান্ট সরজনের জিলিট এখনে চিকিৎনা করিবেন।

अशिहानान सनी।

গাদীগাৰিত লাখন ভাগ।

निकाय के हां के करा तहें या वारा ता गरिया के साथ के वार्य कर्मा करा कर्मा करा कर्मा
क्षिणानीक्षमह महणानामानु ।

শ্রিক রাষ্ণ্যক বিধানকার প্রশিক্ত শ্রেক্তিবাদ ৯ বাসে একখানি অভিনান সংপ্রতি ভূমিত ঘট্টা সংকৃত ব্রাসারের পুরুকান্তর ও পাথারিটোলা মাধ্যতরালার প্রসিক্ত শ্রিক ঠামুলার মাইারের ভূবে বিক্ররার্থ এ— ভূম পারে। ইতাতক প্রায় শ্রহতাক শতদর রাং- পত্তি অর্থাৎ ধাতু প্রভার নরাসাদির উলেখ করা হইয়াছে।

मुला ¢ नाैं है होकामाळ ।

-:0;-

ইক্ট ইণ্ডিয়ান রেলওয়ে। বিজ্ঞাপন।

(পীৰ গুড়স) আৰ্থাৎ বন্ধাদির পাঁইট যাহা উদ্ভমরূপে বাক্সবন্দি হয় নাই ভাষাব বিষয়।

শ্বতথারা সর্মসাধাবণ জনসণকে জাত করা বাইতেকে, বে আগামী ১ লা এপ্রেল অবধি সীচের লিখিত ভ ড়ার পরিবর্তন হটবেক।

পীয় গুড়স অধাৎ বস্তাদির বিলাতি পাক করা গাঁইই অথবা এতদেশীয় পাক করা গাঁ ইট কাঠের বাসতে বন্ধ থাকিলে ঘিতীয় সানের ভাড়া অর্থাৎ স্বক্ষা প্রান্ত মাইলে ইংরাজি অর্থাই লাগিবেক।

' শ্ববং বে সকল পীস গুড়স্ অর্থাৎ বস্তাদি বার্লাড়ে (পাকে করা) অর্থাৎ মোড়া হয় নাই. ভালা ছুতীয় ক্লাসের ভাড়া অর্থাৎ মণকবা প্রভি মাইলে ইপ্রাচী এক পাইরের ভিন্ন অংশের ছই জংশ মাগিবেক।

বোর্ড অব এজেনি টাইটিজনান রেলওয়ে টাউস কলিকাতা ১৮৬৭। ৭ ই যেব্রুগারি

সিদিল টিফেসন

সোমপ্রকাশ। ১৮ এ কান্তন সোমবার।

ब,बङ्गेशक गणा ।

পুরাণ্লেথক ও প্রাচীন কবিরা
কণ্ণনাবলে ভিন্ন ভিন্ন পদার্থের এক এক
অংশ লইরা এক একটা অক্তুত পদার্থ
রচনা করিরা গিয়াছেন। নর্মাণ্ড মুর্তি
প্রভৃতি সেই কণ্ণনাশক্তির কল। সম্রতি
অন্তুত কেপ্নার কাল অতীত হইরাছে
বটে কিন্তু আঞ্চিও উলিখিত প্রকার অকুত
পদার্থ নয়নগোচর হইতেছে। ভারতববীয় ব্যবস্থাপক সভাগুলি সেই অকুত
পদার্থ। ইহা বিচিত্র উপাদানে নির্মিত
হইরাছে। যদি ব্যবজ্বেদ করিয়া ইহার
ক্ষাব্যবস্থালিকে পৃথক করা বাস দেখিতে
পাইবে, ইহাতে সম্পূর্ণ ক্রেক্সাচারিতা

ও বৃক্তিপরতক্র স্বাধীনতা প্রভৃতি নানা পদার্থের অংশ ইহার অন্তরে ভাছে। আজি দেখ ব্যবস্থাক সভা একটা প্ৰভাব লইয়া কতই ভৰ্ক বিভৰ্ক ও আন্দোলন করিতেছেন, বে কোন ব্যক্তি द्यांन नम्ड कथा कहिएउएएन, छांहा नामरत ध्येषन ७ अइने क्रिडिश्हन, क्रांनि रिषं, कोशंत्र (कांन कथा ना खनिता जान नामिटभन्न मकल्लि विषय विधिवस क्रिना লইতেছেন। অগ্রে কেছ কিছু কানিতে পারিতেছেন না। স্বতরাং কেই কিছু আপতি করিবারও অবসর পাইতেছেন না। যে অবধি ৰজেটের রীতি এবর্তিত र्देशाएक, त्मरे व्यवस्थि यद्यक्त् यावस्थातत ममिथक वृद्धि पृथे स्ट्रेट्डिश शृद्धि शृद्धि এই নিয়ম ছিল যে কোন প্ৰস্তাৰ বিধি-बद्ध क्रिट्ड ह्हेरम भ्वर्गरान्ये अवरम ভাহাৰ পাণ্ডুলেখা করিয়া ব্যবস্থাক সভার বিবেচনার্থ অর্পণ করিতেন। শর্ম সাধারণের মত কি ভাষা জানিবার জনা विवश्वनि किंदू निग (शृंद्यकि क्षेत्रांनिक **११७। किंद्ध वटक्ट**ि ११वित शत्र अविध तांक्य भश्कांख कारेत्नत विवदत व क्ष কার ব্যবহার প্রায় করা হয় না। সূতন विध कत स्रेटव १ कि वर्जनांन कत हिन्दि र्देरव १ अ नकल विदय आह जन्मकाता म्ब्स थोटकं। द्व निवंग ब्राम्स्य मश्वनांड मञ्जी जांत्र वाटबन दिनाव अनान कटतन, त्नरे किन नर्समांभात्रत जाननानित्नत खांशा कानिएखं शांदत्रन । नांशांत्रद्य दन विषय महेशा छकी क्रियम, रन व्यवनत टैक ? नांशांद्रदेश कोष्ट चांकांदखन मान विचित्र इन। नायगात्व विज्ञाति अपेम, মিজীয় ও ড্ডীয়বার পঠিত হয়। গৰণ त्यने शृद्धं क्रवंश चित्र कतिका अध्यम, दावकाशक गका अवर्ग्यस्त्रीत व्याच्याः रहिक्छिती क्रतन मांज । 🦚 विश्वना त्वन ? लाक्टन अ **प्रतीक श्रा**यन विवास व्यक्तां क्रम कि ए 🐍

ফলতঃ ৰউমান ব্যবস্থাপক সভায় উপরে লোকের বিখাস নাই। এখানে कान विवास वार्षातिक कर्क विकर्म एक ना। भवर्गद (समद्रात्मद्र (को,स्रात्मद्र महा गटनंत्र भवन्दियरकेत विश्वरक्ष कान स्था विनिवात क्यका माहे। जिन्न जिन्न व्यक्ति-ष्टिचि इरेट्ड वि नकत मछा चारेटमम, कैं। होता विशेष क्रिक दिन देन किছू वरणम बर्छ, किन्तु डांशकिरशत्रक क्लेलिटन श्रदेश वित्रवात यांगा शा-काटि नर्समा युक्तकर्र छेडिछ कथा विनिष्ठ नांस्नी इन ना । विस्कत्रवां अ ७ दिवनातात्रण मिश्ट्यत शत्र व्यवसि व्यटेव-**७निक गणानं (मोनावनवन्दक त्राक्रनोडि-**জ্ঞতার পরা কাঠা ভিব করিয়াছেন। পিতা ও পিভাস্থনী ও ক্ষ্যতাশালী हिल्लन, अहे निशम अवनवन कतिया गडा मदनाजीक कता रत, डीशांता द्य कार्द्या দাইদেন, ভাষার উপযুক্ত কি না, দে विद्यक्रमा क्या स्य मा। व्यक्ति स्वामि भवर्ग নেকের এই রাজনীতি ল'বড়াইরাছে। স্-তয়াং তাদৃশ সভ্যের নিকটে সভার শোভা বর্জন ব্যক্তিব্লিক জন্য কি প্রভ্যাশা করা बारेटक भारत ? मुख्यार विरेत गार्ट्यूक. ममुन वाजिला दा मक करतन, जाहाई हत । गर्सनाय त्रांत में थे थे कारणह मार পর্বা এক সংবাদপত্র আছেন। পার্টে देशीमिटमंत क्या अभिटल एम अरे अर्थि शवर्यमञ्ज्ञ आधि शिवकीत स्वास्त्र आहेन ভাড়াভাড়ি বিশিদ্ধ করিছা ক্রেনেন

याश एक, जामश भवनीयनिद्ध करत्रकी विवरतम विस्तायक्रम विस्तरता कतिवास जन्दतीय क्षतिएक्ष । योशित भाग केनरत क्या क्षतार्क्षण कतिएक व्हेरन, क्या कानम सन्दर्भ केशिक्श मक स्रवेश जिल्लाम साम्यास । स्री क्या साक्षत जीकारिक कर स्वयोग्य केशिका आस क्या हत, स्वर्थारक ज्ञान कान- भागमधानामीक पूर्व क्रिकि। क्रविका प चूत्रक किन देखेरमान्निरंकत स्वान दारा-(महे स्वाहित्तात्रं श्रीकिमिन्द्रभाव कंत-चार्किएक क्षेत्र निक्षांत्रिक व गृशीक दत्र मा। কোন দেশেই মূতন করের জুকিকারিতা मारे। छरेलमन मार्ट्य यथन रेनकमिन अहराज क्षर्राक्षं करत्रन, क्षर्यन नर्क-नाशात्रामंत्र मण खामार्थ जिमि विविध्मत अरम्बा कामर्भन कतिशाहित्सम। नार्फ कांबिक जरून विश्वताई लाद्दिन भठ लांबी व्हेटजन । किन्छ अक्टन है वात्र विक्रम ব্যবহার হইতেছে। এটা অতিশর হ:ধের विनम् । शक मञ्जनवादन जानज्वनीम बाव-স্থাপক সভা হইয়া গেরুপে নৃতন কর মিক্লীপত হয়, ভাহাব প্রতিবাদার্থই श्रक्षांद्वत व्यवकातमा कता स्वेतांद्य। যদি লোকের মত বিজ্ঞাস ছইয়া কর निर्दात्रण कता अधान शुक्रधिमत्भत समिछ टिश्च रुद्ध उँदिशः वावस्थिक ग्राप्तः धनविध व्यक्तांव मकरनंत्र व्यमक केनेक्कि করিবার রীতি পরিতাপে করুন এবং আপনারা গোপনে কর্ত্তব্য ছির করিয়া দ্বাঞ্চাদ্রশে ভাষা নক্তি প্রচারিত ক্রন । ব্যবস্থাপক সভায় উলিধিত প্রকারে আইনের পাণ্ডুবেশা উপস্থিত ক্রিয়া ব্যবস্থাপক সভাবে ও আপনাদি-नाटक छेलकामांच्यान कता-विद्यत एत मा।

--- 0° --

রাচস্গ্র ভ মন্ত্রী।

भारीकी कारणा नहांत्र मारमात्री बाक्ति चर्गवारमम २७ स्ट्रेट गर्कटका-कारन मुक्क, अपि कांत्र पृथ्वित्याचन स्य না। বিভবায়িন কণা দুৱে থাকুৰ, ফুণ-भारतक मामात्र नाक्कत छ आव-भाक विदेशका क्षित्री क्षत्रण कानक कार्रात्र अनुष्ठान बरंत्र, त्यरव खर्श-अमा-े जिन्द्र के क्यांवभार देशिया गश्रमीन एता क्रीवृत्तीक दाव वर्गदातत कर्गत मान। कालिकित्यत विश्वाची श्वर्यटमणे खेळ्य

आविनाक्टवाट्य क्राविकी अनवास्थ्य स्रेक्षा प्रस्थि। इस्प्रीत नियातिक रदेश चायुनक विश्वास मितिया चायुक्ता एक मर्क्य मार्च । ब्राक्य मरकां व मजिएक चकुनान प्रवाहेश मूजन कत विशानार्थ अक बाध्य ब्देटक व्य मा । बाह्यत जल्लाका निवसन व नम्ख चांत्रांग्छ इर्मगांग्य र्देश दिकाट्य, कारांत्र अवकात अत्वक উम्नुष्टि व्हेट्ड नादत् । त व्यवदात्रस्थित 48:-

द्यवन, अरदरम व्यक्षिकमः था देखेरता गीत रेगम जानन। शकाणं नर्ज रेगना स्टेटल स्थापे एता। कात्र क्योंग भवनी মেন্টকে অকারণ অভিনিক্ত বিংশতি महत्व रेगत्मात अधिक बाद्य मिट्ड इरे. उटाइ । এ अभवात त्राव्छ इंदेश कि প্রসাধান্তর বর্ণিত মূতন লাইদেশ করের ্'সমূপ অসমিজসাদোষদূবিত নি',স্মত क्त्र क्षवर्श्विष्ठ क्षित्र। प्रतिक्र श्रीकृत्नत्र वातांचन एरेज ?

विकीश, ध्यांनशूक्षशिक्षत णिमला ও शात्रक्रिक अकृष्टि रेशनदार्वत्र सन। बभाक बाब। भंडाबिक वरगत अम्बा खिषिभ भवनंत्मा केत काथिन छ। इरेग्नार इ. व्यानक्श्वीत श्रद्भ इदेश निशाष्ट्रन, कृति कांठांत्र बान कतिया कांश्रंत्र श्राप्तक इरेग्रा यात्र मारे, आखि कालि काल्लिक जाएक धरे तालवानीटक द्यवानशूक्रवित-গের দৃষ্টিতে ৰমপুরী করিলা ভুলিয়াছে। এছানে অৰ্থান করিতে গালিতেছেন मा। अपि कि बाकशामी निविकारिनेव প্ৰকৃত কাৰণ বলিয়া পৰিগণিত হউতে गारत ? व कांत्ररण नारथत व टेमंत्रवामा नित व बात जाहां कि अभवार मटह ?

क्छीद्र, जात क्षेत्रीत शदर्गतमध बर्ख वर्ष वत्रवीरत चन्र्थारात्रवास दृश्हेरक चात्रक रहेबाटसम्बन्धन वात्र वात्र नीत ताल शानकं खालुकिक वस्त्रुम कतिवात शाक्रक

केशात नटक । ध्यवानश्रुक्तरवर्ते। विकारणेत कांत्रन डे० नामन कतिया यकि खाँकाभिरायत चडःकद्रशंदक क्यूचिक कतिया तार्थन, गहळ गहळ पत्रवात कक्रम, क्ष्महे डीहा निर्मत विचरक चार्ज कतिएक श्रांतिरवन मा। उर्शिमात्रत अञ्चिक वस्त्र्म क्या वित क्षरांनशूक्रवितात मुचा केटक्या वतः, বাহাতে তাঁহাদিগের জানচকু উৰীদিত र्देश कर्डशांक्डशांदर्शत्य नाववा अटब बदः पशिद्य जीशंदित्यत बहुद्धंत त्राच काट्या चाशीनका चाटक, कास क्रमंन, जाहा हरेल जीहाता क्रुक्त हरेता छेडि-द्यम गटमार गारे। याशामित्तक व्यक्तिक मध्यान ना क्य, महवात कतिका डीक्षि शटक छक्त कतिवात दिखे विकृति मत्महिक १ चाउधव अवदात्र यमि अकृ ভক্তি ব্দুয়ূল করিবার প্রস্তৃত উপায় না क्रेन, उनर्थ वास क्शवास नर्भन नारे।

इजूर्व, ताक्य न्यानाव मजिएक हेश्यक इहेटक ज्यानसम्। अहे ज्यानारमम अधिवांगार्थरे क शक्तांद्वर व्यक्तांत्रनी कता इहेतारह। भागता सम्मात्रस्य अरमरम চারি জন রাজ্য সংক্রান্ত মন্ত্রির জাগমন मर्जन कविनाम, छीड़ाविशटक दर बाम पिशा अरमरण चानम्ब क्या स्हेण, जास्य অনুদ্রণ যে কি ইউলাভ হইব, তাহা व्यामद्रा त्विटक शादिलांच ना। छेरेलगन मारहर अक देनक्षिण आवर्षिक क्रिया अट्राट्यंत लाटकत्र स्मट्त य विताम डेर পুতরাং ভারার পুত্বক্ষর হইবা পাদন করিরাছিলেন, ভারার উন্মুলন कतिए लाइ मार्ट्स ७ महत्त्रज्ञम हिन्द লিয়ানেৰ সময় অভিবাহিত হইয়াছে : मानि नाट्य य এक व्यनमञ्जन कार्येटनका টাঙ্গ প্রবৃত্তিত করিয়া সোকের অনম্যোব वर्कन कतिरतान, इश्रंत मः भाषन वरेट वार शत कर कार्न कार्जीक इहेरव ? अकरन ভারতবর্ষীয় ধনপুলেন্টের কর্ত্তবা, অতঃপর छाँदाहा जाह व जनवाद ना यान। अवादम वीक्षत जात वात विवदत वालि

भिक ७ मिशून इरेट उट्चन, छाँ शांकरभन । भित्र विश्वाद कतिएक वरणम । अहे अवस মধ্য হইতেই লোক মনোনীত করুন, चारनक बाह्य वाँ कि शा यादेश । तमहे वाह बावा चातक यथार्थ हिलकत कार्या इंटेरज शादित मत्मह नाहै!

बर्छ है।

উहेतमन मार्ट्य व्यवि अ शर्याय कांत वाद्या यठ हिनाव आपन स्टेशांट्ड, फ्नाक्षा क्वांबहीरे मानि नार्ट्स्य गठ मक्षत्रवारतत्र किमाव जारणका अधिक छत्र অসম্যোগ উৎপাদন করিতে পারে দাই। গত বংগর তিনি যে ফিসাব দেন, তাহা কিছু নয় ৰসিলেই হয়। তথ্ন তিনি মুতন हिल्लन। धराव रम अन्तर नारे। कलकः जिनि स्य काट्या निराधिक इक्षेत्राहन, कांश्रंत रगांगा नर्दन। मांश्रंतरण अक्वांका ছইয়া যে তাঁহার প্রদত হিনাবের প্রতি **(भागारतार्थ ७ क्टब्र एय अर्डिकाल करि** ভেছেন, তাহাই তাঁহার অযোগ্যতার शितिष्य मिर्डिह

ৰক্তার প্রাবম্ভে ডিনি প্রোভ্বর্গকে **धरे विद्या मावधान करतन (य " जिनि** বে হিশাৰ দিতেছেন তাছা বেন ভাঁছারা व्यक्तक विमान कान ना करतन। हेरात धरे कातन निर्फिणि छ इरेग्नार्छ, जातजबर्द चावेषा भूषक भूतक भानीय बटक हरेता थारक। ज्ञानीय भागरमध्य व स्नति शक्त उ क्टरन, फैंरिनिश:क आवात मृतिष्ठ क्यग्रातिनियात्र छेलात निर्वत कतिएक ষয়। ভারতব্যীয় গবর্ণমেন্ট এ গুলির হীতিমত তত্ত্বাবধান করিতে পাবেন না। अर्जिस एउटे भारकी तित चर्डे धर्म-পার আছে। ইধার উপর অক্তর গবর্ণ-বিভিন্নিক পার একটা গুরুতর কারণ বাছে। ভূতপূর্ব ভেট দেকেটারি মহা अष्ठांत्र व्यातराज्यात्र वार्यत हिमाव मिवात

कात्रत चात्र वार्षा शक्ष विनाव दक्षा. इ. क्रह। " आंभामिटशत जिल्हामा अहे विवि हि-गांव व्हित्र ना इरेल, छट्ट चकुलान दित कतिया मुख्य क्य निर्द्धात्व क्या क्टिट्ट मञ्ज इत ? जिनि कि सवा चारहन ? कि जना এछ होना बात कतिया देशनक हरेटड मुख्ति आगत्रन कता स्हेत्राटस ? स्हेकिन ७ क्छोत मार्ट्य अठ ठोका बाह्या कि कांक कतिया शिरलन १ देश्न कीय जाकव मः काछ मजी यनि बहानकाटक ब्रह्मन, उाँशत अमल विभाव वर्षार्थ विभाव नरह, তাহা হইলে কত দিন ভিনি শদ্ভ थाविष्ठ भारतम ? ১,२०,००० होता রজ্ব সংক্রান্ত মন্ত্রির বাৎসরিক বেতন (मध्या रम। अ वाग्रहे वा रकन ?

মাসি সাহেব গত ৰৎসরের হিনাবের मः (क्या वर्गन क्षिया बर्गन, अंख यार्ग गार्य डीश्रंटक वत्रा १३, ७७,७०,००० छोर्का अकूनान स्टेरव । किन्न श्रीह जिन क्लांगि गोका छेपु छ एरेग्राहिन। अरे छारुवा मत्या ३,०२,५-১,८৯० नामभाज छेषु ७ रहा श्वर्गत्थात्थेत एक श्रदेख बादक मत्रकांत्री बर्नत स्मिन यात्र। अरे छैक्ता अक बात बांच आवात জমা হওয়াতে উত্ত বোধ হইরাহিল। वखंड: १ क्रूंड जात्र नरहा अहे जिन्दर्श-वित ১,११,२८,००० होका वदाई छेव छ। হিশাৰ অপেকা ইংলতে ৩৫,০০,০০০ ष्टेशिका व्यक्ता नाम सर्माट्स वन् कानजन ध्यंत्र मिनाभर्गत सदानामधीत निर्मिष বে ১, ৭ ১০,০০০ টাকা রাখা হয়, তাহার मर्था ४ ७,००,००० होका वाक्षित्राहरू। चनत, (वादाई दिन्दरा कान्यांनि चान नावित्मत हुन्ति अञ्चलादः वर्नद्वदन्तिः धनाशास्त्र छेक्। ना ब्राधियां (सामनीव वारक ৯७,१०,००० होता वाकी बारधन व ट्रांका भवर्गरम्ब्रेटक विद्यादक्त । अहे नश्च कत्य देश्यारका गांत्र यार्फ्यारम वश्यरतत , बात्र शतिद्रण किन द्रमानि के का का का

কিছ এ খলি বাৎসৱিক আন্নানর ব্যাহ্য ष्यांश गर्या निविधनिष्ठ एव याहे। हीन मिनी व पूर्व निरम्भव का बक्षव वेश्मदक्षत निकटि व क्टार नक होका भान, खाहा लिक:नाटर्व चाट्यत्र मट्या धवना कर्ताटक नार्ज शांतिकारका यहिक बकाइत इत. তথাপি ভেট নেকেটারি ভাষা হিসাব भर्था अर्व करतन । कश्रक: (य होका गरेत्रा दिलार्टर श्रीम प्यारह, काहा श्रीम निरमक हरे क्लिंग छेव व बादक। त्म होका दक्षायाय (बन १ कि अकारत हैवा ष्यकृतान मीफ़ारेन ? जात्रकवरीय शवन (मणे ७ व्यवका तावन महकान मनी कि करानी बटकरे व्यनांत्री जदलका कतिहा-ছেন ? ভথার প্রতি বংসর উব্ত টাকা रियोन रहः, अयह क्षांक वर्णत ग्रान्त् धिरहोक्न इम्र। किन्द्र नत छन नरत्रका ভূতীয় নেপলিয়ন নছেন, মহুং কোলডের महिच यानि गार्ट्यत क जूनवारे रह ना ।

नक बटकटि व अकान विमाद धना रत, त्रांकय डाहात सरभक्ता वढ सन्भ रम नारे। यहिक इकिंक निश्यन उरकात ১०,१७,७७६ होका आध्य जाश कहा स्रेतारक, जर्थाण जुमित त्रांकच ১,०৮, ७८० हाका इषि बरेशार्छ। **जावकां**डी ब नदर्ग अधिककत्र आप्त श्रदेशास्त्र । किन् खान ३७,६४,७१० व केंक्निशास ३८, ০২,০০০ টাকা আন্ন কমিয়াছে। ধনাগারে विख्य गर्मन है कि ब्रोकोट नहना मुखिक হয় নাই। টাকশানের প্রকৃত লাভ ইহা-एडरे एक । किन्न कोषोरक शहरा **को**षिक नारे, উखत लिक्सिक्टलत स्टबक साटन देश प्रणा निष्य क्षेत्रात्ते, व्यक्तव काव्यक भरकाष महित कहिए। यह कवि हते-शांदक विनिद्धक महेदव मानि नाद्वदवञ्च विवादास्यादा पनित्कः, ध बाटच मार्थाः वर् कार्टकात्र कांत्र भागा प्रदेशाया । जातिः क्ष्मिक विकितिस्य ३०० विकास महस्रक

क्या रह । किन्न नट्ड १५३৮ छोका मीडा देशोटह । ब्योशोक्ट हिनाव ब्याशिका ३,७२,६७,००० छोका व विश्रत खकुलान লক্ষিত হয়। কিন্তু মানি সাহেবের নিজের হিনাৰ ও বর্ণনা অসুসাবে ২২,০3. ১৯০ টাকা মাত্রকম হইয়াছে। এপ্রেস मार्टमत अविट्रकटनत मूल, बहा दश मार्ड, खीदा श्रीतित ७৯,२२,५८० है। की बीम क्रिट इस । खाद्या द्रेटन ৯৩,२०.১७० টাকা থাকে। এতন্তির ৫৩২০ শিক্ষক व्यक्तिन व्यक्तित व्यक्ति । १२८४ টাকার হিসাবে ধবিলে আর ৬৯,১৬,০০০ होका बाब विट इ इत्र । कानीय अवर्गरमन्द्र পূৰ্ব্বোক্ত ৫৩২০ নিছুক হিদাৰে খরিয়। দিতে ভূলিকাছিলেন, বজেট প্রস্তুত इकेटल देश धड़ा शट्या वेदात घटशंका আর কি গো: যোগ হইতে পারে ? পর্বত बाम कि देशा अगास्त्र कांत्रण नटह प

व्यागरा डेनेट्स मध्यमान बर्सि-লাম এবং নালি নাছেৰও স্বীকার করি ব্লাছেন অহিফেনে ২২,08,১৩০ টাকা মাত্র चकुलान इंदेशारह। बाटक मध्यात्रण कार्यः व ८२ लक छोका आम अता एम ध्वर वाहा जातांत्र इत नाई जाहा नाममाज जकु লান। বোৰাইদ্বীপের পৰিতভূমি বিক্র क्रिया ३७ वक ठीका शाख्या याहरव अक्रम असूमान कता रहेशाटक। शवर्वस्ये क्रुविश्वात वाकारत विकास कतिरवस विवास জুমি রাখিয়াছেন, অভএব এটাকা ক্তি मदर । ७ लक् जामा व्याचारता वटकटछ कुल इदेशांट्य। पाडक्व व विवरतत अकू লাৰ নামনাত ইয়াছে। নিম গিথিত क्राक्षि विरश यथार्थ खकुलान हरे CACE!-- @Cat. 20'66' 220' भर्तन ३८,०२.०।०; भर्दिकतन २२,०८, ১७० ; नमुनादत ७३,७८,৮८० छीका।

समिछ अरराम माराग इर्छिया हरे सोट्स, अपिड गंड वर्षमात वानिका मनाया

কতি হইয়াছে, তথাপি ভারতবর্ষের অপেকাকৃত অলপ ব'ত হইনাতে - বে ६३,७६,७६० छोटा धानान इहेट छटह, अत्थल मात्र हिंग^६८ हरेटन छाहा ना हरेहा छेषु छ पाँजा, हा बक्या मानि नाटहरूक धार्कारामान जीवात विचित्र इरेब्राट्ड । देखेरम हैं ' रे.मा क्य, ख ইংলতীয় গ্রব্দেন্ট ানাদিগের সকু शास्त्र क्षेत्रांन कार । शक ३५ मारम a>,>>,२६ ७०० है। का आता छ हिमाद्य । 88,७०,१११० ची हा ताब करेपाइक, किस हिमाद्द वक होता कहा वहा वहा हहे-शास्त्र, ठांहार गासा पारनक राम हम गाहे, डाबा ब्हेटन ६३.५६७८० छोका ना इहेडी २७,३,६२,8१० छाउन चाम्नान हरेछ। গত বৎসর গেনা সম্বন্ধে হিনাবের অপেকা ১৯,৩৯,৮৯- টাল অধিক বায় इरेड़ाएए । এडिस्स टेमनामिश्वतक देश्य छ হইতে ভারতবৃশ্য কারতবর্য হইতে ই লতে भाषाहेबात बाहांक बांडा ७ शाया প্রভৃতিতে ৫৮,১১,২৬০ টাকা পড়ি शारह। कत् डः त्य अकूतान क्षतान इहे-তেছে, ভাষার দেড়া দৈন্যদিগের বাজে बात इरेब्राट्ड। नत उरेनित्रभ मानन फ-লত ভারতবর্ষের প্রধান দেনাপতি। फिनि निटक ৫००० इंडरवां शीय रेमना क्याह्बात शास्त्राय क्रिशाइन। किस्र इंडेएड्रांशीय मगारकत स्म मण नरह। सम छेशम् हरेट इट्रह । लाटक चार कत निट्ड शास्त्रण ना, प्रतिख लीजन करो स्टेटल्ड, e • हाकारतत अधिक हेडेरद्राणीय टेमना वाधियात आशासन त्रथा यहित्वत् मा, डशाणि অधिक रेमना त्रांशिया वाधिक वाद आउ हरेट इहेट्ड, छोत्रष्टवनीत शर्ना-त्मातीन वह वक हमश्कार प्राक्ती छ इहेबाट्ड

वर्डमान नर्भात ६१, २८,०७,७२० । कांच हर्द्य ना। कांत्र पातर वर्ष वर्ष के किया कांचा किया हर्दे विका

वात्र इति बाजुमानं कता इदेशारह । शक वरगत रेमनिक वाम ३२,७७,৮৯,६৯० **ठेका (मञ्जा) इत, धरांव छाशांमश्रदक** ३२,७६,१३,२०० देवित त्वका स्टेटिंड्स অর্থাৎ দরিদ্রের শোণিত শোসণ করিয়া व दोका चानांव कहा इहेरजरह छाहाइ চারি অংশের তিন অংশ **দৈনিক বার १रे८७८छ। वाजिक अङ्ख्ति समा वर्गात** क्ष लक्ष देशिक कर्ता इस्टिक । ममुक्ष বারিকের নিমিত লাড়ে এগার কোটি होका बाह्य स्ट्रेट । अ होका नमुलाम कर्ज কর। ওচিত ছিল। রাজস্ব হইতে জনশঃ অলেশ অলেশ পরিলোগ করিলে ক্ষি इइंड मा। यानि मार्ट्य देश श्रीकांत्र विशिष्टिन, किन्दु डिनि बटलन " रेमना-. fuc कर यो का अ मञ्चल उत्तर देशीय वर्ड भीख रून, उन्हरे जात ; हेशरे यथार्थ গবিনিত্রালিতা।" ভাল বটে, কিন্ত प्रतिख मातिया थ कांच कता छेछि इस

मामि मार्ट्य खन्क मदस्य स थानानी व्यवस्था किश्री हिन, जोश मार्गियकत নহে। চাউলের রপ্তানীর বর ছই আনা ছिन, डिन कानः इहेग्राट्ड । व्यक्त त्रांता उ करलंब एक्क एंठिया श्रम, प्रथंठ इहाटक कत लहेरन काहात कि कि नाहै। महार्भन्न मायून ममान तहिल, गणि परनत कत दिल। भारतेत वत छेठिया रभग। इव इंडिंग कांट्रटबंद छोल्न बिन बिरियक इहेरव. अहे व्हित कतिहा ६० लग होकः देखीला अधिक बदा इदेशादछ। ৮ वक यक्षाचाव मर्शा १ शक मूं जिस्तिरशत चामांगर इरेडाएड। पविस स्नात्वा शुरुगर्यः व भागात् यांन । हेरु, जित्राद उश्त व्यवित् मक्सभात वाः इचि ५३। रहेरत । श्नीरमाकविरतन देशका हि पूरे क्षा हरेद ना। महिष्मित्रात्र व्यानकदक

इहेटक इहेर्ब **बटकट**छे ৰেবল **बक्**टि स्नामक्त्रत विश्व साह्य । विना শিকার নিমিত্ত ৮২,১৬ ৬৭০ টাকা (मश्रा इहेशां ए शंड बरमव व्यापमा 58 लक्ष होता व्यक्षिक त्वथा बाहेट उटह। देशकीय वास किथिय किमांह ।

এক্ৰে আমর: মাদি সাহেবেৰ মুডন कार्डेटमञ्ज करनत विवरश्रत विरवहनांत्र धात् ह हरेलाम । देशात 'पात्रिसमात्री कृत्रण क्षेत्रे नाम (प्रशा डेविड । देश्ट कर्न मन्त्रिप्रिशिटक कश्काद्भवस्य कतिएक स्टेटव। कभीकां श्री ७ शवर्गरमत्केत काश्राक वाहाता लक लक्ष होका भान, डाइमिश्टक कर बिट्ड इंटर ना। मानि माट्ड बटलन हिंद স্থায়ী বন্দোবস্ত আছে, অতএব অমীদার দিগের ক্ষাংল আর করভার কেপণ করা व्यनाश । कांशक्यांशिदक्क कर विराध ৰাধিত করা অসুচিত। ৰুণিক 🐞 সর্বা ध्यकात्र वावजातीटक कत निर्ण इंदरव। य गक्त रेमनिक ७ श्रुलिय कर्यहात्रित बांदमिक ७००० छ। कांत्र छई मात्र स्रेटव ना ७ गवर्ष्ट्रमात्मेत्र एव गक्ल कुछा वादमविक ১००० छोकांत्र सून (दखन शान, डांश मिन्दिक क्या बिटिंड हरेंदि ना। किछ जना चना फुछा मकरलत्र वार्मतिक २०० छोका जारा र्वेटलवे कन भिटल व्हेटव । निम्न विधिष धार्गती यहमादत कत आवां प्र ष्ट्रिय:---

व्यथम (व्यवी।

वादमनिक् कता।

C ...

প্ৰত্যেক আইন্ট উক কোম্পানি याँशांतिशांत मन लया छादा ग्रन थन धारक स्रेडार्ड है ह लक्ष कर्षि प्रभ लक्ष 2000 0 कियाहासिटभन > कटकन

দিজীয় কোণী। যে প্ৰথম লোকের রাৎস্থিক ১ জী টাকা ও তাহার অধিক

व्यक्ति नरम

২০০ 🗳 व्याश इब ত্তীয় শ্ৰেণী " cooo व्यवि sc,000 गरिक 3000 চতুর্থ শ্রেণী। " >००० **भवि**ष ৫,००० श्रयास 200 পঞ্চন শ্ৰেণী। " ৫০০ অব্ধি ১০০০ প্রায় 30 0 " २०० व्यवि ४०० भर्याञ्च

श्वर्गत रचनत्रल यति चावणाक क्रांच करत्रन क्लान क्लान वाक्तिक अहे कत्र इदेट मुक कतिट्ड श्रातिद्वन।

অবিহ্যাকারিতা বিজ্ঞাতি এই কর त्रावनीषि, युक्ति ७ नाव विक्रम् । स्तिम मिश्रास्क करें एरखा हरेरव विनया नवर्गव क्य रह नारे। किन्द्र रेशंत भटनका शव ণের কর কি প্রার্থনীয় নয় ? ইহার কোন श्नाली नांहे जबर मामक्षमा नाहे। ४००० টাকা যাঁহার আার ভিনিও বাহা বিবেন, ৯৯১৯ টাকা বাঁহার আম তিনিও তাহা शिट्यन। अक जन आहेक माजिए हेड च्रुचत्रबद्भत्र क्षे ७ श्रीका क्षांत्र क्रिया बारमहिक ১० ००० होका शाम, डीशहरू ২০০ টাকা দিতে হইবে। আর মাণি সাহেৰ সিমলার বনিয়া একলক বিংশতি गहत्व छोका भाग, ও রাজভোগ করেন अवः श्वर्वत स्मान्न व्याप्ता के का शांत. ७ के मह्तां इत शांत शांतका। डीशामिनदक्त के छेन्। मिट्ड स्ट्रेंदि। মাণি माद्य क्रबंब रुकि ना कतिया ६००० छोट्यांब वार्षि ह चांत्र राम ৰা জি মাত্রের উপর ইনক্স টাক্স করিলেন २००० ग्रेका ना दक्त ? खाश कतिएन जिनि कथनहे क्रबन विद्वांशकांकन स्ट्रेटिन मा। (वक्रन वक्त दह्या वारेटल्ट्स, जाराटल जन-लाहे हेहांत्र व्यक्तिकार क्षित्रदन नाइमह नारे। अध्याम कदिरत डीहांब अक व चामक प्रेट कानकरमरे बहुन साब रहेटज्दर मां।

वंक्रक्टनद्व (ठोकीशाही ।

रेरात উৎকর্ম পারনার্য নানা প্রাক্তার * क्ष्माना ७ **अ**ज्याना स्ट्रेटकट्ट । सामा মুনি নানা মড করিডেছেন : কিছু কেংই मकाष्ट्राक छेननीय स्टेट्ड नाहिट्डह्म मा। बात्रनः एकटर्ग एव छेर कर्यवायम एक्का स्रेट्न, जाशंटक व्यक्तिक दिना रेकेनांक मखांदना नारे । यहि अधिकछत्र अर्थ गर्श्वाम इश्, छेरक्षं माध्यात ष्यातक शर्भ व्याविकृष्ठ इरेट्ड नारतः। (कांवा इरेटड तिहे वर्ष नश्युहीख हा, वादा तिहै विदा कतारे जांबणाक। जबर्गमान क निमिन् चित्रिक पर्य मिट्यन मां. छाहान्नारे वा क्षाचात भारदेवन १ श्रकात निक्रे स्रेटफ भर्थार कतिया नारेट्ड रहेट्य। घटनक গ্রামের এরপ অবস্থা আছে যে তথার প্রয়োজনারুরপ অর্থ সংগ্রহ হইবার द्यानकरम्हे मुखाबना माहै। द्य बारम অর্থ সংগ্রহের সন্তাবনা আছে, তত্তভা लाटकब्रक मूडन करबंब नाम खनित्न ছাল্য কল্পিত উদ্বেশিত ও অপুথিত হইরা উঠে। অভ্যাচারও নানা প্রকার হয়। মিউনিসিপাল ও চৌকীবারী টাল্সে তাহা প্ৰমাণ করিয়া দিয়াছে"৷ অভএব यमि अज्ञान क्लान खेलांचा बाटक. य छत्-वलवन कतिएल काकांत विकास कथियांत मञाबना थाएक मां, फाशांतरे भारत मखा त्यागःकण्यां (म डेगाम बहः---

अकटन मकचटनात दाबादम राज्रश होकीवांत्रीत नित्रम ब्याटक, त्मर्थकाटन দেইরূপ থাকুক, জাহার বিশ্বের পরি-बर्टित बोद्यांक्य नारे, त्करण बरे माज विरागन कता एक्क, आरमन अभीगात छ मध्यम क्रिकेश्वरमं क्रिकेक स्टेटनम । क्षिक्षात प्रकारता क्रियमा प्रवर्ग वार्तना क्रिया किया क्रिकिंग क्रिया त्मानिक क्रिटिन डिविश्व प्रश्यनाथ बार्माह fregit Wincia, di fremit at महात देशांका मध्यीत हरियम अर्

डीशंता मारम मारम आमस रलारकत নিকট হইতে নিয়মিতরপে বেতন আ सारा कत्रोहेश सिट्बन । शूनिटवर दशादकडा তাঁহাদিগের উপরে ভার সমর্পণ করি-बारे इब निन्दिष्ठ थाक्टिवन ठारां ७ स्रेश ना। उपहानिभटक मर्दामा लाटम धारम जमन कतिएक बन्द को की नारत त्रा कि करन धकर्षका मण्णापन करन, कारोत बसूतकान कतिएड इट्रव। धाम मत्वः क्षीयानि इट्टेंटन छात्र ७ छोकीमान व्यास्तर हो অবাহতি না পায়। পুলিব সর্কাণ এমুদ शान लन, देश काल्टि शावित कोली मान मानक थारिस्त मरापर मोरे। राथारम পুলিবের ভত্তাবধান অবিক, সেইধানেই टिशिमि आइस्य जन्म, देश अञ्चल मुके। পুनिय यनि उद्यावशान अवीपर **इ**न, दकान प्रदेश है था ६ कि भीता शैद छैद वर्ग लोक इहेरव गा।

न्त्र इस्टब्स्डेन (१९८१) इस्टब्स्डे (४) धान्य विकास ।

প্রামানিদ্যালয়গুলির বে বাঞ্চাইর প উৎকর্মলাভ ছইতেছে না, অনেকে ভাষার এই হেতু নির্দোল করেন, স্কুল ইনস্পে-ইর ও ডেপুটা ইনস্পেগ্রেরা যথাবিধি ভত্তাবধান করেন না। এ কভিযোগ অমু

যান, বর্তমান বিদ্যালয়গুলি অচিরকাল

ভাষা অপুর্ব শ্রীধারণ করে সন্দেহ নাই।

নিয়ে যে একটা উদাহবণ প্রদ্রুত হইভেচে, ভদ্মারাই পাঠকগণ স্কুল ইনজ্পে

নির ও ভেপুটা ইনজ্পে ক্রিলিগের দীর্ঘত্রার মবিশেষ পরিচয় পাইবেন।

क्षा अधार अधा अविक्र ষ্ট্যাৰ অবাব্যিত পরে বগ্রেক ব্যক্তি रञ्जान ७ উদে। भी हहेशा " तास्त्रुत हैर्डाको वांकडा विकाश्य माम निया वक्षी विष्तांत्रत्र श्रीडका करत्र । वक क्रिजी इदेशा उदाव कार्या मन्त्रीलिंड २, বিছু বিন কা**ল সুদ্**বরূপ হট্যাহিন। ि ह फिन शास्त्र कियोजित स्वयुक्तिरभन्न श्रेत म्मा मत्ना अप इंगा विद्राध छेन्छि छ হয়। এই বিবাদে কুলটা পাছে উঠি॥ বায়, এই শক্ষা কৰিয়া কেছ ফেছ মধ্যবৰ্তী **र्हेटलन এवर यिनि विदादन र श्रधान कर्छ।** 🗸 তাঁহার হল্ডে বিদ্যালয়ের সমুদায় ভার সমর্পণ করিয়া বিবাদের মীমাংসা করিয়া **जित्या | ज़ना जना (सद्दार) छेहात** সংঅৰ পরিত্যাগ করিলেন। ভদবদি छेहा द्ववकाशास करेंग। डेकात द्ववकांत्र विषदा मः एकटल अहेमाज दलिएलई शर्याथ इंडेर्ड, जाह्याधी बनावह आमन् लाकिमरभर मिक्टो निष्मित छ धिक्कुछ इहेता चानितारहर । जिनि गएश धक वांव একটা মভা কবিশা বিদ্যালয়টার উন্নতি নাংন চেকা পান, ডিস্ক তৃত্যার্থ হইতে भारतन नाहे, भारत शांडिदिणिक बकति वाक्षः। विकाशितत्व महिङ छेहात (योश इरेग शिक्षर छेन्नछि इम । पिछ (गई ! उप्रिक्त शिथकाल कालियी इहेन मा। व्यथा-ক্ৰিৰেৰ প্ৰশাৰ বিবাদ ওপজিত र रा। विकासात, श्राकीचि, विक्छे त वृदाकी मानाज्यक् लांव अंहन,..

কুয়েক ন মাণাপুক পোৰ এছে। উদ্যুলন চেউটিই এ বিবাদেন মূল। আগ-মুদ্দ ব্যক্তি বিন্যালয়ের সংস্তব পরিত্যাগা করিয়া চলিয়া গেলেন।

২৪ প্রগণার মধ্যে দ্লাকপুর হরি-नांचि श्रेष्ठि शहस्त्राव मश्त्रा करहका গ্ৰাম আছে, তথায় মধাৰত্ব অধিকদং খ্য **अप्रतारकत वम्छि। डैं। हो प्रित्भव व्यर्ट्स** ऐक घटेनांत चिक्तांत **मून इहेटनन**। গস্তানদিগকে ভালরপে লেখাপড়া খি-थान, यानाकत अज्ञान देखा इदेशाएड। বিশ্ব রাজপুর বিদ্যালয় **পুরাতন অধ্য**-ক্ষেত্ৰতে থাকিতে ৰে তথাৰ ভালৱপ (मर्थार्था रहेशा महावना नाहे. व्यान-क्ष्य व मः कात द्वारून हरेश विषाद । অভএৰ ভাঁচাৰা একটা স্বডক্স বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠা কবিলেন। দিন দিন ভাছার बाहिक महिन्द्रहेब्राप नशन्तीएव हरे-टिए । अति (निकृषेक वानक हरेबाए**ए** । <। नक्षित्व विक्षे इन्टिंड अक **७ इरे** টাকা করিয়া বেতন গ্রহণের শির্ম করা

ইনজ্পেট্র ও ডেপুটা ইনজ্পেট্রর-দির্গের দীগস্থএ'হার বিশয় সঞ্মাণ कहिबांव निमिन्न व शिखाद्य व्यव-डोर्रना करा इहैबाट, त्यईय इश भाठक-नन क क्षांकी विश्व इहेशा दोन ने है। এক্ষরে তবে প্রবণ করুন। নৃতন বিদাব ह्मर अशास्त्रका सेनाम्लाहेर ७ डाहेरहके-द्रिन निक्रि भई क्ष्णांच द्रिशाष्ट्रिन, क्षांचात्रा इर्राहरता (बन्डम ६ हर्ना केन्द्र धारक क्रजा योज मादन २०० है। का मिट्रम पात गर्गापके ३०० छोका मिन, এই ৩৫০ টাকা গানিক না: হইলে মপে काक्र बर्ग डेर्ड्स हिमान हरें ह পারে। এমণে বাজপুর প্রভৃতির নোক पिर्वात (पक्षभ विष्ताचा अधिन। अधिन-ংশ্ভ, ভাছাতে অনৃত: এরপ একটা रिकाभन इष्ट्रा अक्तंत्र व्यानकार । कि আশ্চর্যোর বিষয় এই, ও। ৪ মান অ চীত हरेता शन, व नर्शन हेर्। उपन भी उन रभग्ना। भारभं नाहायः 🔆 🖰 विमानस त्रशिक्षात्र, खर्थानि बान्द्रवात्रा त्रुन विका

वारत व्यक्ति (वाजन मि.) याहेर छट्ट (कन, हेन(ज्या है। त अह भिरत्न सरक्षा है होत्र ष्यकृष्णांन करिवात ष्यदम्य इहेन मा ? . विम ब्रिशन, शांभ कि विम बिर्ण मार्था मात करा केरेकाल, शांध व विमानिस्त्रव णशक्त बहाबर विमानित होनाहेश **जानि**-शहकत, अच्छा देशहाह दिज्ञाश दक्षिक कट्टन এवर जिल्लाक अगटका छैन माहाया मान दक्षित्वन अधेकार्य वष्टनवस्त इसे !! ८६म । इंशांत क्षेत्रानाम प्रता आमामिर्गत वछन के, ता एकाम माहाया धनाती প্রবর্ত্তিত হরিবাচে, এগুলি তাহার বিকল্প दश (५४%)व कांग शंक्रीखना ना हा, त्रथात्व माद्यायात्राच कहिवात कि निराध नाई । छानुभ रात्न हेन्टम्लक्टिया बहन-बच्च इंटर्श कि ८ ४ ज ? या विषत गाव ভীষ উল্ভিদ মুন, বাহাতে ভাষাৰ **बिहास दश, एशिएए डेश्मार्ताम कि धेनत्म्याह्यत्वेत कन्दारभा नद्धः १ धीराज** হত্তে উন্নতিমাননে ভাব সমন্। ও আছে, তিনি যদি দেই ড. ডিগথে বকীর বোপণ करवन, ভिनि क्शन श्रीश्रुदाती प्रक्रिश প্রেশংসিত হর্তি পাবেল না। আনরা त इरे विमानामा बना देशां एक केब्रि-মাহি, ভাগা এক : ক্তিংও নছে। বুত नति रे दाकी मः कुछ ७ भूगां उन्हि दे५डाकी ५१५ गा। याशिहा ग्रन विका-লয় ভালন কলি চল, ভাঁহারাই পুরা खन विकासन ८ ५४। विजिमीयर्लन । ष्म उपय भूषा इन विनामित्र व व ८५ १५ १ বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠাতা বলিয়াও লাওপা बाहै। ७:५ डि.न प्रांथक जिन दिन्नाराह हाला हेडाटएन बरे ५५, विन्दिन १ व कि ল্লান্থের ভূনি যে ভোগ ঘারা স্বয় **टामान हरेरव** १ मीनः २८८७ वित्र निराज उद्गेशिक्षेर्वेदन, डिनिये माहाना मारियन, আৰু বিহা হঠাতে ১মতিনা চইবে, তিনি न ना, अ हरे गाहांय हान अवालीव निम तुं कि निम विगा भक्षभादक अहै

हिन माद्यानांग व्यक्तीय मगर कटल्या शहिनी इरेवात मछावना नाहै। अछा-বিত্বিদ্যালয় দ্বাত ভিন্নজাতীয়, এক জাতীয় নিকটছ চুটি নিদালয়েও স্বতস্ত্র यत्यु माह्यामान क्या हरेलाइ, अक्रम मुकेष्टिक व्यानक काइ, व दावहादनत ष्यञ्चारवे इतिगां । विकास गाहार नाटि स्विभाती इहे. रिह।

এই প্ৰস্তাবটা লিখিত হইয়া দীনা-कत्र गिवक इहेट । भत्र (मधा भन छिए)। मार्ट्स व्यागिश चूजन ७ भूताइन डेजन खुटनत्र এक जाग भाषन किया भारे छ । 6েন। এ ৰিখনে যদি তিনি কৃত হাস। इरेट ज्ञादनन, दक्वल द्य जानामिद्धाव क्षांच पूरीक्र ड इरेटर अज्ञाश नटह, जीहा इहेट्ड व अरहरभव वक्षी मरहानकात नाधि इ हरेरव गरन्तर नारें। छाहा हरेरन िङ्गि व अरमर्गात (नाकिमर्गत कु डब्ब डा ভাজন ও হৃদ্যে চিৰজাগরাং ছইয়া पार्किट्यम । जिनि ८०छ। भारेटन उज्य । धर्मावनवित विकार्थ ८०छ। भारेटज्य । ফুলের একতাসস্থানন আনাধ্য হইবে কলিকাতার নমাজ দেবল মুসলমানদি-त्तानक अहे जा नामित्वय अक्रथ ताथ इत । त्यत्र निभिन्न इहेराएए, किन्न अजिल माधा-না। রাজপুর প্রভৃতি ষেরপ স্থান ডা হাতে আমরা নিঃবংশরে কহিতে পারি, टेर जा गार्टर यान डेलिबिक इपि कुरनह भवर्ग में एक व একভাসজানন করিয়া भाकार दर्ज्ञारीत वहेता यान, हैश शवर्गाना अला का ताव गांग धक्छी व्रहर छ, य हरेए भारत।

লুবন্ধান মা ক্রা মতা।

वार्थिक व्यक्षित्यां वर्षेत्राहिन । जरमणीत গ্ৰিত ও উপস্থিত ধ্ৰয়াছিলেন। মাৰণীয় स्मन्दल,,,तनकी नवर्गत अपूर्णि **भारत**क थाबान १ इष्ट् (सार्कतां व वाश्यन कर्तन्।

मिन्ट्रिय अञ्चलत्व हरा ना इकेटर, एक i स्थोनरी आवश्नमाख्टिकत क्रूष्ठ शाहि-পাটা ও শৃষ্ণা দর্শন করিয়া সকলেই मञ्जूषे रहेग्राहिन। य य याजि मर्भक्ति-श्रित औरमान वर्कीतनत छोत्र खाइन करतन. ভাঁহারা নকলেই আপন আপন কার্য্য উত্তমক্রপে সম্পাদন করিয়াছেন। আমরা ৰাবু কানাইলাল দের প্রদর্শিত রাদায়-নিক ও বৈস্থাতিক কার্যা দর্শনে স্বিশেষ ভৃতিতাভ কবিয়াছি। গ্রণর ভেনরল একটা ক্ষু ৰক্তা করিয়া মৌলবী আৰ इन निरुक्त अर्भाश्य ७ उरमार वर्जन कः इन। जिनिविल्यन, योनवीत किसोत गाहिका मभाज काबी इहेगा गुगलवानि-श्रित व्यमाधात्य विक्रमाधन कतिएव अवर धक्रमा जिमि ११ एए छ। दाहर उर्हन, भवर्ग त्मके जाहा कीकार कहिला पूरकारमात्म विमूत्र इन्दिन ना। उठत शक्तिमाक्षात ৈদ আহমদ বিজ্ঞানশান্তের অনুশীগন व्यात अ कतिहारहरू। देशन आहमान दकवन सूननभानिष्टिशय नाइ, यानभी। मक्न त्ररंगत मजनविधात्री स्त्र, अहे यामानिरंगत हेन्छा। रेमन व्याहमान श्राकांना नववादत्र পুরস্কার পাইরাছেন। এখন আমরা स्रोधवी साववृत्तविकरक मञ्जालिक ७ ' পুৰক্ষ দৰ্শন ক্ষিণেই পরিপুট হইব।

शार्तिकारिय

ছোটনাগপুরের মতর্গত পারামাউ পর্গণার ভূগোন ও অন্যান্য বিষয় ১৯ এ काद्युत भागतात ताजिए । मरकान अक थण पुरुष भागामिरगत टोनिस्टिन मुन्नमान मारिका मलात र स्थान स्टेशिट्स। मिलत कि स्केत हैय-मन क थानि निथिशात्वन । निर्वाहरण e इंडरता नीव प्रत्मक खन्नांक विक[्] शांठकत्तवत अखन्ताता वित्मव **उभकात** सर्विवात कांत्रम मखावना नार वर्छ, क्षिक्षं बीशेशा स्मान देशम विरंगत विक्री रबा कत्र श्रामी, ज्या ब्रामान

পর দেবা ও পশাদির বিবয় জানিতে व्यक्तिनाथी इम, डीझिल्लिय शक्त हैश विंट्या छेनकाती स्टेटन। स्वामता इःथिछ इहेलाम, लायंक खडांडा ल्लाट्कर मार्गा-क्किक व्यवकृति वर्गन करत्रन नाहे। उदा-কাৰ পুৰ্বাতন ইতিহাসেরও উল্লেখ নাই। বনবিজ্পুর ও ত্রিপুরা প্রভৃতির বিপোর্টে আমরা এই সফল রুতান্ত পাঠ করিয়া স্বিশোণ ভৃত্তিগান্ত করিংগছিলাম।

कानी किंदिन भागामां अंतर्भना ७७६० वर्श गारेन एवं। हेरात मट्या ६०७ वर्ग माहेंग माज हुछ, जाव २७৯৯ वर्ग মাইল বনগ্লিপূর্ণ। (বন পরিজ্জত किंग्टन छेल्ल एए इन्ट्रेंट शास्त्र) ७०५ वर्ग माहेन १३, छपूर्व, अवर ३५१ वर्ग भारेण कृतिकाःच्या अनूत्रत्यांशी । अरे প্রগণ ২৫ টা মেজাতে বিভক্ত। क्योदन क्यीनहरूरा भारातरण व्यक्तत व्यक्ति महावद्या वर्तन। कनवानु चाका कत नत्र। धवारन अधिकशतिमार्ग दृष्टि হয়। তরিবজন শীত ও গ্রীক্সকালে আর 🚜 ख खला छेठीव भवि . सब खाक् जीव इरेग्रा थाटक। वर्षाकाव व नि शह पदा छाक्त्रू। स्तात मार्था लोइ उ यहला यिक शित । में इंटिं। में इटिंग गार्गत क्यात्रल ७ · मार्त मृथे हर । चेन्य माखा ना धाकार । चनाना चरनद क्षान हैश्हाफ जनः ना। (मका देशमन वटनान Se व्यामा - थटम ट छिले । अटिशक अटिश का भर्याच कावन मानव जीत्व कामाभर भागमात विवत् भाग किल्लामा उर्भात वर्षत बङ्गान क क्यूनांत काक इहेटल का का क वर कि का मान की विकार भारत। छेउन टाखन्ड विखन भाउता। भारिकाणिक उद्यम् माभन धानाम कति यात्र । अशास्त्र जेपद्यत बाह बाह्यां स्त्र । अभागाण । मान मनाख करेरन विखन (मधा रोप्न, रेहान माद्या देखान, दिहान एहर मरहबार धारणी छेन.एम वर्भारताहर छ एडि अधार । ममुनाय , वर्ज् छ। करितान । जितिकाधारम ए जिल প্রস্থায় ১,৫৬.৭৮৬ অন বোকের প্রীটনের মৃত্যুর জন্য আ,কেপ করিবা मःथा। व्यक्ति। स्टाक मध्य विक ७ कूक . चार्छ्य ७ चीहात व्यक्ति हेरात यकण ভিন্তুত বাৰ ভাছে। ইয়ারা অহিশ্য ক্

को नाया काती ७ इछ। नां पर्मत **डा**ति **षर्भ लाक क्रिकार्या नियुक्त** था(छ।

পালামাউ একংগ জললপূর্ণ বলিয়া এইরপ, কিন্তু বন পরিক্ষত ও রাস্তা ঘাট প্রস্তুত ছইলে এটি একটা উত্তম ভান **इहेट जारत। शधान** ट्यानीत विण्या ममूह ममाख ३३(७ एनिया। व्यक्तात अधे नकन फोटना (तन्त्रद्य ও तान्त्राव প্রতি দুটিপাত হরা আবশাক। পালা मारेटर अक्टन । क बन मूर्जिक ७ अक छन एकशूटी किशमनत कांच करिएक्ट्रिंग, কিন্তু রাস্তা ঘাট ভাল হইলে অন্য অন্য । বিভাগের নাায় ইহাতেও অনেক সংখ্যক কর্মচারির আৰু ণ্যকত। ছইবে। গ্রণ্ট্য **च्छित्र प्रमा**रिभिश्व स्थ क्ष कांग्र किति ह चारह, भाषामा है श्रेज्ञ श्रारम महन जाश बानारेश निटल्ट ।

> 'ক্লিকা ণ বিশ্বনিদ্যাল,য়ুর ু উপ দিয়ান সমাজ।

৯ই মার্চ শনিবার অপর'হু ৪ ঘটি : কার পর টাউ হল গৃহে কলিকাতা বিশ্ব জুমি উইর। চাতন প্রান শ্সা। থলিজ । বিশাল্যের ব ৎস্ত্রিক সমাজ হইয়া গি-! এ সমুবাদের কাথে, পিষোগিতা দুউ হর , এতক্ষোনিস্তু ব লেবে উপৰ্ভত ছিলেন करता (तथा भिराहि। ममूनाम जारक पारेन्ड'त्रानत (किन स देव वि कलार) বস্তি। রঅঃপুত, অ'বণ ও কুঃবির তিহার নিকট বিশ্ববিদ্যালয় যেৰূপ খাণী क्रिकास मुन्नात्र अर्तन्

एक मोरहर्ग्बर अक्टप्स्थ श्रिकाश व्याप করিশ ক্ষেত্ত প্রকাশ করিলেন। ভিনি প্রতিবং সর বিশ্বস্থালয়ের শিক্ষা ঐশা-ली। यक्ष जुगमी अर्थः। कतिश धेः. क्ति अव एत् अ भूगः भूतः (मध्यभ क्ति েন। উঁহার মতে বঁহোরা বর্তমান নিকা প্রশানীকে গাধ বলিয়া দুখিত त द्वान. डॉइ.ब्रा चिक्र चन उक्का हैश ज्ञान कश्चित्र छना डिनि करगक्षी केन रहन अमर्भन कहिटलन । > म. धक्रानी (क्ष्य क विश्वविकाश्लय अविक्रिकाय देखें कारणन अथन कि शृथिकीय मार्था मर्बक्ष थ म प्रिट्रल इन, किन्दु अवादत पिनि वि क्ष अर्ताच्यात मार्जिलक है है रिक्स, केंद्रात শিশাক মুদ্রের উচ্চশিক্ষার প্রাণ জুলা (न्था शि: ८३। २ ग महत्र विकार स व्यक्त ८११७ दियं विषाः तथ **मर्बाट्सकं,** विश्व धदी त महत्त्र विकार विकार का अ श्रीकारी ্থম হই ''ছেন তিনি জনকে'ছে বিশ-विकाला को छ जेली बहरत उथाकाव , প্রম গৌ থেব হইছ। তিনি অতি প্রামা विक वेषेटा भीव मिन्हाभावमर्गी भवी ककिराव भरदा व्यक्तम्य कति।हे कक्षा विषय्हरम भाका मि। Ñ धन এছ ১৯ (সংগদ, তেনুটা মাভিত্রেই) हर्देशका ३ है के भारत कथा 😂 व्या काँचे । क्षी र कटा, शंकारि भूताक्रम विहासक िन्धत गरका के लिए स्टब्स <mark>कार कार्य कर</mark> बहुताराख के ता छ एवं **डर काश** विद्या राजी विर्तित राक्षा छाएक। देशका द्याव व उक्क हा 👉 उत्तर मारे बढ़े, विश्व নাইনেন মুন্তাল্ড মন্ধিক রুছেমন হও-াতে দে অভিশ গুনা হঠতেছে। ইহঁ'রা तिहु कित्राची प**ेट**ा कि का विष्णान एका किंदिया । स्टार्वा वेर्ड मिट्या कि अधिन। म्यु है। कर्ड अवस्पनी। निक्कित्वता कामनः इंग्रेटन श्रीत क्रविष्ट

(छन। ইল তিনি মুক্ত[∓] । श्रेची ग,त कर्त পরিমাণে আন্দোলিত ও অধীত হয চিনি এই অভি া গ্রাশ করিতে ক্রাটী करतम नारे। शतिरभारय हेशा रङ्गा नामा স্থান হইতে যে উন্নতিশ ভ করিতেছেন व्यवस्थारमभी पिनार ह दुष्य देश छेग्रज कथि । ভুলিভেছেন এজন্য ভিনি স্বজাতিব भीवत्व भीवन विष्ठ इष्टे ए धवर ध म শেব মহৎ পশ্বিষ্ঠনেৰ আশা কৰিতে পারেন বলিয়া বক্তৃতার উপসংহার করি লেন। পরফাণেই মন্তা ভঙ্গ হইল।

रूप्त शुक्रम ।

১ । জ্ডিক দনৰ নাউল। কলিকাত मश्क् काटलरकत खन. छत्र अथा। शक প্রীপুক্ত যতুনাথ ভর্মাত্ম ইছার রচনা করি-क्रांट्सन। फूर्डिक काटल क्लीटकब्र (व मास्त करी हम देशाइ छ। इ विविच ६वः (य সকল ৰাক্তি ছুৰ্ভিক্ষ পীড়িত ৰান্ডি দগের माहाशाद्वीन करत्तन, की हामिरशत नाम छे, ल अरु ७ छन् सी छित्र रहेगार छ । हेडा-তে পদোর ভাগে অধিক আছে। গদা ও পদা উভাই উভন হইরছে। এন্থানি नांक्रेकांकारत तिएव मरे १८७, किस इति কারণে ইহার অ ভাগে গোডার বাাঘাত (मर्थ) यादेरकरए । < ाम देश **क**शकर्पूर्व । আন্ত্রীন অনুশ্র রে গ্রেখাক প্রভৃতি সেনা পতিগবের ভূমিকা এলণ করিয়া বাঁহানা ক্ৰিবেন, छोङ्गाम । कर्पाभ रथन গের বাকাগুলি নৈস্ত্রিক বেংথে ভোগ্রগ- ! আমা দিগের (शब्द अपराध ही इस्टा, একপ বোধ হৰ না বিঠাৰ, ইবাতে বছ-लप्रतिभार्य भाग म तराभिष्ठ करेगोर्स । **শক্তি**রর **স্ট**ে ২০০৮ চনম্করিতা श्वाक्षित्रात्र मञ्जादार्ग र के

🤏 ভারত কুঁর, গ্রিকুক্ত রক্ষমীক ন্ত ব্যের প্রশীক। সভ্য বড়লোকের নিকটে विषेश त्कदल अस्य भाषत्री यात्र ना, देश

গুতিপর করা এবং **জাতিভেদের নিক্ষা** লেন। এদেশে পদার্থ বিজ্ঞান অধিক করা ইছার উদ্দেশ্য। লেখা মনদ হয় নাই। গ্ৰেখানি এযুক্ত বাৰু যোগীজনাগ বন্দো: भाशामिक छेरन्स दक्षिम (एउन इके-রাছে। উহার এব হাল নিধিত হইগতে. "অবিও কোন একটা ন্তন উপায় উত্তবেন कतिया चा. शनकात मन ह छि माधन कतिय, এই সক্ষপ করিল চিন্তা কবিতে লাগি-লাম এমন সময় হ'তে বিলাভী কটেতের অ,কার মদীণ মনোমুকুবে আহিভাব वत्रिकीर्वा इिंडिनेश चात्रिक का বলবতী হওাান তদ্দাও উছার গঠন কৌ-भन भूषांन्रभूश्वारण सर्दलाक्त कत्रवीन एत तत्रीत शक् उ अनुनादन करे मामाना कू-ীৰ খান প্ৰস্তুত কৰিছে প্ৰস্তুত হইলাম।" য অবলয়নে ও যেৰূপে গ্ৰন্থগানি প্ৰণীত करेग'त्र. अञ्चल हा छाहा शाहक्कारनव न्त्राहे ख्रम क्रम इरेट्ब।

৩। গণিতবিজ্ঞান। শাদ্যিপুর ইংরা-টাবিদালেয়ের পশুত প্রযুক্ত ক্ষরগো-পাল গোর'মী ইহার প্রণয়ন করিয়াছেন। द्वाक् काव लिथितारहन, , यमि उ हेश काम পুত্তक विर्णासित धानुवाम नरह, ठवानि ইহার অধিকাংশই প্রসিদ্ধ বারনাড স্মি-थित सहभूखक हरेए भतिश्हीक हरे-য়াছে এবং চেম্বর্গ কলিঞ্জুত পাটী গণিত হইতেও কোন কোন অংশ গৃহীত क्ट्रेगारक्। रेट्राटक स्वनकल क्यं क्षेत्रक । হইয়াছে, তাহার আধিকাংশই প্রায় ক্পোলক্ষিতি, কলতঃ বর্তমান সমরে वादकाछ न्यथ गार्चारकुरी विलद्धा चामि संदारकरे जाममं कदिशक्ति। , अयुक् বারু এসরকুমার সর্বাধিকারির ব্যবহৃত সাকেতিক শব্দ সকলও ইহাতে গৃহীত हरेबादह।

৪। পাটিগণিত, প্রথমভাগ। প্রীযুক্ত बाबू काला धेगम शरफ शाशांश देशंत व्य-ণেতা। ইহাতে অনেকগুলি সহন্ত ও কৌ: भन त्रिष्ठ अञ्चल्या । पिन पिन राष्ट्रा

छ वाय अयुषाय विवदयदे छान् नश्याह प ৰ্ইতেংছে। এবার পাঠকগণ ছুইধানি মুত্র পাটাগণিত দর্শন করিয়া আনন্দ ল'ভ করুন।

৫। দেহরফক। শ্রীযুক্ত পীতারর সেন কবিরত্ন ইফার সক্ষান করিয়াছেন। কৰিবত্ব চরকাদি নানা গ্রন্থ চইতে ঋতু-চর্যা এছতি কয়েকটা নেহ রক্ষার উপ एगशी दिवस मकत्रम कावण हेकाटक मिन বেশিত করিয়াছেন। মূদ হইতে সংখ্যুত লোক উজ্ত করেনা কবিবল্ল ভাহার বাস ना कतिहारक्ष। रेनवून'नि छ्रे अकति विषय পরিভাগ কনিলে ভাল হইত।

৩। মুকুন্দ বিলাপ। গ্রন্থকাবের নাম নাই। ক্ষমগা বন্ধপুতকালয় ইহার প্র-काम क वियादस्य । युक्तमत्राम हक्कविष्ठी (इंड्रेंड डेशांध विविक्कन) दर्भारतत শংসনকর্ত্তা জ্বাত্মা নাযুদ স্রৈফের অত্যা চারে পাঁড়িত হই: গৃহ পরিত্যার পূর্বক भूखन लामक ना ना भारत खमन करत्र । সেই সমরে তিনি যে বিলাপ করিয়াছি-লেন, তাহাই ইহাতে বৰ্ণিত হইয়াছে। কবিতাগুলি **উৎকৃ**ত্ত হুইয়াছে।

৭। ছাত্রবোধ পদ্যাদ্ধর। এথম ভাগ ध्युक्त निवाद्र गान्य एक है होते खन-सनकर्रा। धर्यानि भगमत्। भगाया ने মধ্যম শ্রেকার কইয়টেছ।

৮। ३৮७৮ चारकः विश्वविष्णालरस्त्र প্রবেশিকা পরীক্ষার অর্থ পুত্তক। প্রিবুক্ত রামসর্ব্য ভট্টাচার্য্য ইহার প্রণয়ন করিছে (छन। ऐश कत्रमा कत्रमा अवः म स्टेरक्ट । भूखक्यांनि किছू बृहर हरेरव वटि, विख देशाट परमक खालवा विषय महित्व भिक हरेयादह। देहादक कविकात व्यवस ७:८ भर्य। ৰু ২পজি কারক সমাস ও প্রভাগাদি বিশ म कब्रिया लि.चेड घरेग्राट्य । देश (बक्टल विनीच इहेरण्डा, जाशास व्यक्तिकात बिटाईंच कत्र यात्र, श्वासन करद्यार्ड विभिन्ने छेशकात लाख कतिहरम ।

विविध जः वीष

३५ अकामस्य (मायदाय।

बाका कार्यक्त माथ ब्राह्म वासू विश्ववत मिळ রামধ্যোপার খোষও খুলি আমীর আলিকে (मञ्जानी जानामाण फिल्डिफ ना इहेगांत यद प्रविद्यारिक किए किए विक्री का क्षाप्तान करहन। याका जानमनाथ हादात्र त्यानित्र शाहा मकरम এই বন্ধু পাইয়াজেন। জ্পর ভিন্তনই বল্পে- । এমত সময়ে ১১,৯৫,৬৮,৫২২ ও ১৮৬৪ অভে শীর ব্যবস্থাপক সভার সভ্য ছিলেন। সর সির্দে मिन्डिम अफिनम्मदनत अन्। अकाम कर्तिष्ठादहम একথা নিতাত অন্যায়। ভাছাকে অভিনদন (मन क्षण (नाक काराय नाहै।

हक्तमभाष्य এक थिएनिमिनानिष्ठि निमुख स्रेश्नार्ट्य। योष्टि नमस्त्रतं अन्।

नगत्रवाली गामक माम्रागात अक्षांक विष-विमानदाव भनीकात काशक हित कवाटक रम्भ ब्राम काश्रात्र कठिम श्री आस्मत महिक अक वरमव -मधान स्वेशार्ड।

ख्यांन विहासभिक जाका नियाद्वा । जा-পীল বিভাগের যাবতীয় উকীল কলিকাতার हा। कामान एक कमानां क्षिएक शांति स्वा (क्:शाम शाहरव हेहात (य श्राप्तिकक्षक्षा वट मा फार्म मधार् इरेशार्छ। अवस्तित शत्र यथान काम बहेल। अनश्य काठेयामामा कितिम छ चार्ट्यभीयपिट्यम् अक (इप्रिया हिन ।

श्वर्वत्र दशनत्रत्र प्याम् श्रहणुत्र देशम चार्यन्दक মেকলের এক প্রস্থ এছ ও একথানি অর্থনে- বোর বিধেষ আছে। আমারা ক্ষরগত হইলাম **ভাল পুর কার দিয়ার্টন। তিনি খনেশীয়দিশের** मद्वा विकान क्यांत काइचे द्वत रहेशे भावतार्ख धकाना मनदारत हेरा ८ 'अ स्ता।

याबू (कमाद्रक्ष पान भक्षात्व वर्ष अवकीम्र बक्ष् का कि. या गरा १.४ विश्वक काइब्राट्स्न । अक्षानि प्रदान हि बर्गन छिनि अक्सन ज्यमान वन वद्धा नङ्खाउ७ अमझात जल । ए ६ यशार्थ ७६ ७ व्यवभाग्ने भा शाहापत्र अकिनश'ह लाकक क्या

मक अधिरात्त मार्ट्स क्लापनीय राज् স্থাপক সন্তাব সাভাগ পদত্যাগ করাতে প্রয়াই इश ७ कात्, क्रक् न मार्ट्य मका स्ट्रेज़ाइन। बाल किरमध्य गार्मत्र स्मार जिन्न किन समा-शाद निमामिथिए है को समाहिता ।

| Cat saltial an action and sales | |
|---------------------------------|-------------|
| कावुक्तर्थीय गर्वस्था | 60,44,543 |
| वल्दरनीय | 3,34.1- 324 |
| বিটিশ ভক্ষ | 30,00,184 |
| केला अधिकार्कर | 3.20.35.933 |

| प्रतिश्वा | ¥9,8¥,¥98 |
|--------------|-------------|
| পঞ্চাৰ | 21,72,780 |
| বোৰাই | 3,48,92,344 |
| মধ্য ভারতব্র | 30,10,F3F |
| माञ्चिमीखा | 62,54,269 |
| মাজাল | 3,60,00,000 |

(भारे ठीका ४,७५,७७,७४) श्र हर्रन्यस ३३, ३२ ४७,७४१ है।का हिन

ম দলপুৰেৰ শাখা ৱেলগুয়ে প্ৰস্তুত হট্মাহে वक्रम्भीय व्यक्तमाने शवर्तत अहे दिलक्ष मार् रदेशत खना भू निवार व्याच्या किशाहन। व्याना তডঃ একখানি কবিয়া ট্ৰ গমনাগমন कतिरव। এখনও উভয়পারে বেড়া দয় নাই, अवना करनत गण्यु रथ शाधावक । क्र महिवान यस দেওর। হইবে। উত্তব পশ্চিমাঞ্চলের গ্রের্থমেন্টের সন্দাভির অপেকা আছে। বোঘাই রেলওয়ে োপানি বছর রেল্ড্রে করিছে পারিভেছেন मा। (वादाई ७ छात्रज्यकोग (रलक्रम कार्यनश्रुत गरयुक्त स्ट्रेटन थयान एम उपन (नय स्ट्रेन) यक्तिन अत्मीप्र नाना एमहाय ना व्हेरसह ভতদিন যথাৰ্থ কাল হটুৱে না ।

বাবু মন্মোহন ঘোষ বর্তমান সেনিয়ান এপম मकलमा भावेशंद्रजन । भावदा जाला भेर दहेलार र्षाभाग महिल्ला भारति महिल्ला कि कि हिला है । अवह र-भीय वाविष्ठेशिन्दि इ श्रीक देश्याज वाविष्ठेशिक बांच मनद्रासन धाव जिनवरमय हिन्मरण व्यवभान करत्रन मार्डे बिलेडा अचारन जार्राण इत्र । फरनक कर्ड डाहारक बाहानाकर मुखका गरप्रक अन्छ। **ब्हेर्फ ब्हेब्राट्य। अयामकाय वाव्येन्द्रांपरश**य श्रधान (श्रव अहे लाइताई क्वांचिरेवव श्रवत वाजिबात खबान है महाती। व्यानका छत्रशक्ति अख्टामनीय वाजिष्टेबगन हेर्रोहाभेगाक प्रधार कविद्वा रथाचे धर्मभी कि व्यवस्था श्री के काल कतिया व्यापनामितात छेपबुक्त आ ध्यन्नेन कति

२८ ७ रम्ध्रमाति त मश्चारकत त्वव क्य छा-হাতে ভারতখর্মীয় রেলভয়ে কোন্সানির সর্ক राष्ट्र के. ५००३ ० १००० व्याप्त व्हेंबार हा शक्तिवाहेरम ६३ ६४/६ चांत्र तस्थ। बाहेट उट्ट কোম্পানি যথেষ্ট লাও কণিতেছেন। একণে छांबामिटशत ज्ञानसङ्घ निवादन कतिया जनकाति हाका जानारमञ्जलको भाउमा भवर्यकर हेत क्रकि भव कछन्।।

२२ ५ गांतिखन महत्वांता

मांड विशियत गरम् छ कारमञ्जू पर्मन कति एक ज्यानिया जन्न करण करण कारण ज्या जन्म भक्षिभटक छिनि सर्भन कहिएक **हार्स्स। अक**् ৰম্ভনাৱে পত্তিত অন্নারায়ণ তর্ক পঞ্চানন ও कत्रकृष्ण निर्वामान्यक कांग्रम करा स्था। উভৱে শাসন কর্ত্তাকে আশীর্মার করেন। লাভ মেশিয়র আক্ষেপ কবেন ভিনি कारमन मा । जाहा इदेरम व्यवाशकनियात महिता -ग.का९ मध्य परवाशकथन केन्द्राच्य । वास श्रमक्रमात्र न सर्वे वा विष्ठियित कोज करतन । लड रिमान इक भा उड़िकारक वर्गन कतिहा গরম পবিভোষ লাভ করিয়া যান। এ ব্যবহারে भागमदर्श ७ मा त्रेड लोकपिरात्र अवस्थात्रत जो राज विश्वन रुक्ति वहा। निविनिद्राम जानम क्षांगन अहे कि उहाती न वहात कहिएक क्षांत म मा ।

পঞ্চাবেৰ একথানি সংবাদপত্ৰ ভত্ৰভা ভালা नीमिट्यत विस्टास निविद्यादस्य जादात्रम विख्यत कान विषया अञ्चलन सहरमहे वानानीनन २१ .३८ १३।६वर छोरात अल्लामन करतम । अपूर्क বলালীৰ যে বৰ্ণনা কথা হয় আমরা ভাছা পঞ্চা-(दर वाक्षांनान्द्रशंव भएन वर्णन कविना । देशहोत्री ও লাবতঃ আনপর ও আত্রর প্রিয় নহেন। হাছা गिट्राय अल्लिका व्यक्तिक ब्राक्तिमान लाक क्लित करा कामाहित्यव खादमा बाहिया किटर नार । केपन भ न्द्रप्रका छ भक्षाद्व च जा भिन्द्रिय भागभद्वत वर्षः छ नाहाया विष्णाः । ने अवस्ताव याव-जीय भग्नेन राजानितिय का १ व्हेटकटण। ভাৰতখন ব**ন্ন**দেশেৰ ধাৰুণ চালিত *২ইতেছেন*। अंके (अवन जीवांक कातीनम चीमात कविएक शक्त र स्टब्स ।

२० अ कार् छन दुग्द द

एकेन नमार अकारतीय नायर्गरमाने श्रद्धार्थक ্ প্রধানক্ষ বিচার্বাল্যে জয়গাত করিয়াছেন।

क्रमीय श्वर्गत्म है भरा आजियात (यनकन ক্ষাত্তকে অয় ক্ষিট্ৰাছেন তাহাদিগ্ৰকে পুঞ্জিয়ান क्षेत्रवात कता अक विगमति मधास स्थानिक कति মাছেন। জাপাডতঃ জনতে পর্বত ও ব্টকাল মুদের দক্ষিণ পারস্থিত জাতিসমূহকে পুঞ্জিরার कड़ियात (क्षेत्र) ब्हेट्य । क्रमीय हाकी विदेश विक नति गमारमात कथिशासी । कान्न उपने निमन रम-शुन विकित क क्रमीझ धर्माद्रमा केंद्र महत्त्र क्रक श्रर करा देव (पन सुक् विदा ब्रेग्सर्ड प्रकृत भा बार्ण इंडेर राज्य आयात्मात्मन शर्थरम है धर्म সমূহকা কেশ্য তেখাসভা ছাম্মান্ত কাৰেল ভাগ अवा अव हा । या अति। या नाम व राम भवर्ग हो সকলকে জুন্দিনাৰ কাৰ্ডেন জালনিলো কথায় कि विशाप प्रका है। इन्हर

ব্যুৱাজাবে ৷ বাদাফেইখী ভারতে লোক দ গোর সমক নিধস পাছেম কবিয়া জালাফের এক माज्ञ जात । कार्ट्रत । उत्र ५ एक वर्ती मान्हा किन कि है। एदा । भार धना ी भवकी श अर दाव। छे दिनए इह अभवाद व नाली म इहेश दह। भारिक-थ्रांत, कराज आरख कतियादिन। उत्तियश चिक्र भ**ी बदा गेशन शामन्य वि**धासामात्र अक आर्थना कर्वन । विष्ठा भारत िशा अहे आर्थना बाह, करेंगा आफ्रम के निवाहका अपन है। लोहोव निकटों मां कॉन्ट्रेंन खान रहा । कष्टितदा याम शुक्तिभी वक्त गरा मा १ ० १६ **छार्थ प्यादमाक प्रधान करिया। हेट**जन छोन् इक्टेन वावकालक मजाम नागाविता । कारता व করা উচেত ছিল। পুরুষিধীটি সাধারণ আভেয় बन्। करि कार्यक्ता करिन्दिन्तर श्राम न्य त्त्र भोषाञ्च छ कान इत्यक्त कारणांना पर् भारतम् । अहे शुक्रतन्थि ए'हरम निकडेवारी स्रोत সমূহের বাসীর ভাড়া কমিনা যাইবে।

গত রবিধার পাতুবিয়া ঘ'নায় ভাষানক লা क्षमणार्थ । श्रीय किननक जाकात क्षम । व करबक थानि भाका य ही नहें व्हेश्वारह। क्षाउ: কাল প্রয়ন্ত আওন দিল।

२८ এ वाद्यन त्रुक्का उदात ।

গত কল্য টে লগ্ৰাম আসিমাছে লাভ ক্লাৰ বোরণের সহিত মন্তিবর্গের মহাসভাব প্রবালী সংশোধন বিষয়ে মতভেদ হওয়াতে ভিনি পদ **ভ্যাগ করিয়াছেন। লাড ক্রাণ্যোরণের পদ্ভ**াগ ভারতবর্বের মন্দলের হেব্র। তিনি বে অগ্নকাল क्षि (मार्किगार्ते विश्वन एपराय माने सकी ए रत्र मधाविव ७ निश्रासनी आहोत्र निवाहे अहाई **উপকার প্র**ত্যাশা করিতে পারেন। তিনি জর্ম करत्रक मान शब्द थाकित्स कनो है जाहेस विधि वस रहेक। नामि माहिएवर महिल श्रीक्रमकारी वावमारबन्न कव लाख खानरवातरवन खेबावनी मिक्किय परिष्ठम निरंब्रह । अस्त्रम् य क्षकाव क्यांबर ७ कछ। हो र मून कार्न दहेट हिल्ल **फोर्डि** गाँउ शशिकारमञ्जू । नगांशम क्रार्वनीय SECOLD !

় অবোদায় সিবিলিয়াকের ভ্তাব হওরাতে '

ডত্রত। লে কলে জান কাবে।র চেষ্টা একা বিধ্যমেণ্ট কল্পেক তান লৈনিককে বিচাব বার্থে নিযুক্ত কবিবার আজ্ঞা দিয়াছেন।

> অদ্য ভারতথ্যী র সভার সাধ্যমরিক অধি-বেশন হইবে। সভা বেলা সাড়ে তিন ঘটিকাব ममरम इक्टिं। जाभागिरभन्न जानका इक्टिंग्स. এ সময়ে জনেকে উপস্থিত হইতে পারিবেন ন।। বাজিতে সভা হওয়া কঠন।

২৫ এ কাল্পন প্রকর্বর।

यटकांक्ट न (कांग्रे व्यानांना एउ क्रांट्र केट्स (केंद्रे रमद्वा गार्ट्य ७ अस राद् इर्गाक्षमान (याप ইহার অনুসদান করিভেছেন। বিশুর সাকীঃ न्याद्यमग् व दिन्ना क्षप्तिनाकि विरुष्ट करियोत । स्वानदिन्म रुदेव। अकाम भारेपाद्य अख्यान 'উ^२टकाठ बार्व ७ शिक्ता हिनाव निविद्याहित्सन । धाउन्द नियत (सांक क्यूनका(नव नम्हा विहास-नर्य छेप श्रि इन।

> এণ্টান্ত বঙ্গুটে শীয় বিজ্ঞান সমাজে ১১২ তন মাত্র গভা ব্ইয়াছেন।

२७ এ काश्चम भनिरान।

দেও সৰ ইভিয়া বলেন, আমীর সিয়ার व्यक्ति थाँ न मुनद्द महाना व मिन्ना व कालि था আমীবের কৃত প্রস্তাব ক্রিট্র গ্রামণ্ডর গো চৰ কৰিবাৰ উদ্দেশে কবাততে উপনীত হইন। ছেন। তিনি কলিকাতায় উপত্তিত হয়বেন। উ। হাব বলিকাভায়ত আগমন হুখা। গ্ৰথমেন্ট এরণ বলে নিবপেক রাজনীতি পবিভাগ क देख भारतम मा।

छेक शज बरलय, दिश्रश कोहमत कीवम চবিত প্রস্তুত করিবার চেপ্তা ছইতেছে। সঞ্চাদক है, ब्रि. काछे अन गार्क्दक अ निवस्त भर्लाख गत्नानीक करतन । कामाताल मन्पूर्व कारत देशद जम्दामन कविरक्ष । काउँ अन मार्ट्य दिनन करेराव विवय अधिक खाराम ।

বোধাইরের মুডন গবর্গর রাইট অনুস্বেল শাইমুণ ফিজৰালড় ২৬ এ ফেব্ৰুয়ারি পঞাৰ नामक शारील स्ट्रिंग जवकीर्ग स्टेशार्ट्स। नह वाष्ट्रेण िगात ७ दे मार्ट मात्रा कतिहारहर ।

ইউরোপীয় সমাচার।

मधन ३३ हे व्यानमात्रि—हेश्माधनती यहर উপস্থিত চ্ইয়া পালি রামেন্ট সভার কার্যা আ-तक कतियादिका ताकी (व, वक्कृष्ठा कर्त्रव, ভারতে সকলে সভোষসাত করিয়াছেন।

রিফর্ম বিলেব বিষয় বিচেটিত হইবে।

আয়'লেণ্ডে হেবিয়াস কর্পাস আইন শ্বনিত कति । अपनि ब्हेबारक।

^{হণা}মেকা শটিত **অভিযোগ আরম্ভ হই**য়াছে। भावनीत आहारहरू विकास स्टेटन ।

বাজবানীতে পশুর মড়ক চুতন আরছ' इ देश हैं।

यं धन २१ अ व्यक्त्यमारि-देवकाता विशिष (म- '- नाक खादावर्ष कि कि कड़िएड इहेरव ए कि अञ्चलकार्य अक विस्मित्र कर्मिन इस् ्वज्य बाईन बेहा मछात्र धहे श्रक्तांव कृतिहा-

ভাৰতবৰ্ণীয় গৈনিকদিগকে উপনিবেশ ও অবীনস্থ দেশ সমূহে প্রেরণ করিবার প্রস্তাব रहेय्राटकः। स्नाभिष्ठि भिन्न विद्रमय क्रिक्षित्र श्र-প্ৰাবে সম্মত হইয়াছেন, কিন্তু বলিয়াছেন কডক সংখ্যক ইউরোপীয় সৈন্য ভাবতবর্ষে রাখা ন্ধ'বশ্যক। ব্রিটিশ সৈনেরে পরিবর্তে আদীবার रेमना महेशा উপনিৰেশীগৰ স্তুপ্ত থাকিখেন कि ना, मिनाभिष्ठ खाश मास्यह निवाहन। নিয়মিত বেজিমেন্ট সমুহের পরিবর্ভে কেবল ভারতব্যীর্ঘিগকে রাখা বাইতে পারে। এই श्रक्षाव मर्भावन महमूख आहा हहेग्राह्य।

গব-থে ট শিক্রম সম্বান্ধীয় প্রস্তাব কিরাইয়। महेग्रारंहन, बुश्क्यांडियात्र विस जनम प्राणिक

আমেরিকার মহাসভা ভুলার মত্যন্তরস্থ কর পুনঃ স্থাপিত কবিয়াছেন।

ल छन २৮ এ ফেব্রুরারি—আদেরিকার সেনেট স্কা প্রতিনিধির বিশ অগ্রাহ্য করিয়া কার দশ কোটি ডলারের নোট বাহির করিবার অপ্রমতি দিরাছেন বোহিমিয়ার প্রতিনিধি সভা ভঙ্গ रहेशारह ।

शक्त ३ मा वार्क--राउन जब कमरन কিনাত সাহেৰ লাভ ত্ৰাণবোরণকে জিল্ঞাসা ক্রিয়াছেন একণে তারতবর্ণে চুক্তিব আইন কিয়াণ। লাভ জান্বোরণ প্রভু:ভর করিয়াছেন। क्लिकांटा इंदेर्ड अविनामंत्र अक विन जानि-ब्राह्म, हेश चाहेन कमिम्यान शस्त लिख्या करेबाएक। फीबाला बरमन, विरमत मर्फ कार्रेन मग्रं मरह, अबर हेशा कांहा करा श्वामर्प সিছ কর। কিয়ে তাঁহার নিজের এখনও আলা लका अमीनका केवातन कहे थान जनक जारेन स्रेटन।

मध्य २ ता माई--क्टबन मार्टस्य हाडेम खब कमरना सम्बद्धांथ करतन, जात्रज्यम् इंडेर्ड स्व नक्त कृति ध्वतिष रत्न षाराविष्यत्र क्टरेन

प्र मरमारवाची भूम । जाकावनि मारहर विश . क्टडेन क्यां क्यूनका श्रुविय प्रका (इस् वा । .

'সভাপতি অনসম মক্ষিণ বিভাগে দৈনিক ाम श्रवीकी कानरनत्र विश्वत मितिकरणत क्रिंव ार्थ अक दिन व्यर्भन कत्रिहार्डम ।

मक्स व है। मार्ड--विकादका विवस्त महि ্গন্ধ-পরস্পার মততেদ হইরাছে। অধিকাংশ য়ী প্রতিনিধি সনোনীত করিবার বাদ বুদ্ধি त्रेवात श्रञ्जाद्यत प्रमुखानम क्टरन। अ समा ত্ত কাৰ্যাৱখন লাভ ক্ৰাণ্যোৱণ ও বেনাপতি শল পদত্যাগ করিয়াছেন। ডিউক অব বিচৰও র ট্রাফোড নর্থকোট ও স্ব জন পাকিডটন डे! इंक्टिशन भट्टन बिबुक्त स्टेशप्टन । क्यांत शास्त्र भाकि ७६ तम स्व अमास्य मार्थ्य नर्थ कारकेत अप शहरणमा

আমেরিকার মহা একা সভাপতির অসক্ষতি অগ্রাহা কবিয়া দক্ষিণ বিশালো বৈনিক শাসন श्रमानी क्रान्तिय विज विधिवक क्षियारहरू।

প্রেরিত।

त्रानावत्र अयुक्त लामध्यकाण मन्नावक गरानम नमीरनम्।

> ১৮৬७ সালের বাদলা ও মাইনব ্ ছাত্রগতি পরীক্ষার কল।

-

१४७५ फारकत मध-विद्यागम् बाजना छ देश्वाकी बाकता का तुर्वाल भदीकात करा, बहि-র্গত হইয়াছে। ভাগতে প্রভেত্ত পরীকার্থীর नाम, छल्मिनाच छान् मरचा उरमम्बिय সহিত্ত, ক্রমান্ত্রপাবে মুখ্রিত হইরা এই বিভাগত্ত সমুসার বিদ্যালয়ে প্রেরিড হইরাছে। ইহার দ্বারা काना बाइएउट्ड व्य. अहे विकाश्यत मह में विकाश नंग्र रहेएड २४ ३ में बानक बानना ছाত्रवृष्टि भन्ने काबी ध्रेताङ्ग । এই वानकविताव महिए बा-দিবার জন্য জারি বা ধকানতি अहे अंबीकांत्र क्षांपरता भकाची हहेवा जनन একটা লোকও প্রীকা প্রদান কবেন। ভাহতিত त्रमुमारम २५ ह की भहीकांची हम। खारांत **म**रश ३७१ कम देखीर्व व्हेंब्राट्ड, (क्वन ३१ में बातक खेलीर्न श्रेटड शास्त्र मारे।

এই স্কল পরীকোন্ডীর্থ বার্যকতক ভিন विकार्य विकक्ष करा श्रेष्ठार । व गर्केन वानक शर्व मन्याप वर्ष वा छाश करनका कथिक जरका नाब्धादक, काराविनादक श्रवंक विकारन माहाता चार्यारका स्थान स्वेटकः स्वे नक्षार्थं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं

भवाक ब्राधिबादक, काशायिगदक विकीय विकारम अवर विश्वभवारामत निष्ठ हरेएक अक शक्षमारम क्का काम कार्याक छोरात काम उन्हें निर्देश बाब वानकतिगरक कुछीय विकारन भन्ने शनिक क्या स्टेबाट्ड । क्रम्यूगाट । উत्तिविक २७१ ही भन्नीरकाछीर्भन हरना २० ही श्रम विकारण ३२ में विकीय विकारण अवर ३६३ में क्छीत विचारम छे जी ने स्हेतारह।

> भूत्र्यं बहे विखाल ६० है। ठकुर्काविक ७ १ की এক বাৰ্ষিক বৃদ্ধি নিৰ্ম্বারিত ভিল। কিন্তু গত वश्यत प्रेट के के के क्षेत्रविष वृश्वित्रहे २ है। बाहन পূৰ্বক হগলি জেলার মেদিনীপুরাস্তর্গত জাহানা वान विकारन शमक एरेब्राट्ट । क्रुफ्तार मधाव-चारम छेख वृतिभ वृत्तिवं मरबाहे १४ ही भी कृषि शांद्ध। अहे बना विकारतन्न ब्राया २८ नद्भाना वांबामक, ध्वालि, श्वांक्षा, समीवा ও मुद्रतिनादाह এই করেকটা কেনা আছে। বৃত্তির বন্টন বিষয়ে रेनएन्न हेत्र मार्थ्य मिथियार्ड्स (व " देनगुक পাত্ৰ পাইলে, বৃত্তিওলি নিম্নাল্ডিত বিভাগে এই मक (मक्स बाजू। २८ भर्तभगाय ४ - हा, बाजून एक ३ • की स्थानिएड ४ की, बायकांत्र ६ हो। नवीश्राप्त 3. डी. अधुवनियाबादन ६ है। त्यांत्रे अर है। क्यि स्था बाइएएए व कार्यकारम से निवन शक পালিত হয় নাই। চতুবার্ষিক রুতি ৪৮ টার মধ্যে

২৪ পরগণায় ১০ টার 1 3 बाजानएकत्र ३० जी ভগলির 38 4 হাবভার 95a & cc मनी गांच ঐ 8 4 सूत्रमिनांबारम्ब ६ धे 87 ही 8 th. म्बुवय

वृश्वि अन्य रवेशारा किंद्र अरु वार्विक वृश्वि 85 कींत्र मट्या क्वन कट्युक्की मोख अक्ख, नुष्टे श्हेत । श्रवामाक कृषिएकां भी वन्तरका जनायम देश्याओं विमानदा अथवा मिक्कान कंताक अबर अक वार्षिक बुद्धिकाशी बानद्वान मनीहान क ल विवादिकास मानिक हाति होका भाहेग्रा व्यश्चिम कतिवा शास्त्र । शूर्त्स अउरश्वीत्काखीर्व इरवाकी गार्राभी वामरक्या व्यानिएकिन कारमया हरेग्राका सूच्यार छात्रा महेवा अनमा कविता बाजिरहरूक, शवर्गरमहेन्द्रेत चात्रकवर्गक्र अधूनाम विद्यातरबूरे अधावन कविएक भारेक, किल कार्यक प्रस्ताव वर्षेत क्षिणिशन गर्छ क्रिक गार्ट्स्व व्यक्ष अपन्ति कार्र अपनिष्ठ कार्र विष्ठ विष्ठ वांत्र रिक कृत्य अ कब्दिना डाक्ष कृत है है। वि-श्रित आद्रम्य बांत क्रक रहेग्राट्ड । अ क्षा व्यवधार्य ময় ৰে " দাভার ধন ব্যয় দেখিয়া কুপণ অভিশয়

अफरित अरे वर्रक कांश्रस चाह अंक्ष्र क्रका विषय भूषा कतिलाम । स्काम विल्डेमार्ड वा काम उन्निष्ठ हेनल्निष्ठेश्वत्र व्यवीदन वय व'नक देखीर्व रहेन छाष्ट्रा महत्व आमियात वि-মিত্ত প্ৰথম বিভাগোড়ীৰ্থ একটা ছাত্ৰকে ভূডীয় বিভাগের ভিন ক্রের সমান এবং বিভীয় বিভা গোণ্ডীৰ্ণকে হুই জনের সমাম ধ্রিয়া উদ্ধীৰ্ণ সকল वानकट्टके क्वन कुछीत्र विकारत अतिवर्धिक -'क्या बहेबाएड । खाबाएक मर्टमाक मरबार ३३ रुडप्राटक कुक्रमगत माश्राम् कुछ विम्रान्स ध्यवम ও ডविव्दर्डी ३३ दोवा त्यश्यामा आप्रण विमा लय विजीत भवनीटा द्याञ्चित स्टेग्राटक अदर छवित जागत ४२ में विकाशन गतीरकाछीटवंत ; त्रर्थाञ्चत्राद्यं यथाङ्गरम विनाषः चाट्ट। चात्र এইরণে এক বিভাগে আনীত উত্তীর্ণের সংখ্যার बाबा बाबा यादेरज्य व

১। হাৰড়াৰ ডেপুটি ইনশেশইরের বিভাগে

DO B २ : मशैग्राव **। इश** मेर **ं** ७० ही ৪। শান্তিপুর ধ। ৰাৱাশতের **১** ৬ ৷ ২৪ প্রগণার ১ वि ७७ व १। कृतिक,छात्र भ " २४ जि **⊬ अधा**त्र विवादनत * B . . ST नमुषाद्य केडी वरेगारक

' কলিকাভার ভেপুসি ইনশেস্করের অধীনে व'नता हाजहिंदिक अझ हाज छेडीर्न रहेशाइन वटी, क्या देश जिस जाहाय अवीत जात এक क्षकात झाजवृष्टि बारह, चाशरक परेवछिवक ছু ক্রবাভ বলে। উহা কেবল কলিক তাস্থ বাগলা विकालम मक्रालं स्थाई निश्चावित साहि। छाहारछ । भी रामक पत्रीकाशी हरेग्राहिल । छेश्विर्भव मर्श मस्री छाऊद्छि भारेग्रार्छ। जा इ क्छ छति। य देखीर श्रेतारङ, छाश निक्त्रकरण র্যালতে পারা বায় না। যদি অনঞ্জি সভ্য বয়, एट्ट इहार १। ७ है। जिस्सात गर्दाई छेखीर्न এবং এইরপে ভূতীয় বিভাগে পরিবর্ত্তিত হইলে क्लिकाका विकारत गरकी एक्ट्रे घरेशा केरते।

करल का बानक हेरहाकी बानना (गाहेनह) हाजबुल्डि शबीकां वी रहेबाहिन, कांध क छाराब স্পষ্ট নির্দেশ নাই। কেবল এই সাত্র জানা যায় (व. **এই नहीं**कान नम्न क्या विकीत विकारन क ৮৯ অন তৃতীৰ বিভাগে সমুদায়ে ৯৫ অন উভীৰ্ ष्ट्राहर्षः। क्षथम विकारम अक्जैन कुडक.री

মধ্যে কেবল ৩৩ টা মাত্র ডাত্রর্জ পাইরাছে। 'কাৰ হতক অবীত হয় ভাহাতে) ছই বংসর অধ্যান কবিতে পাবে ! किं र र्राज्ये क रमत (राज्ययक्षण न होको बार्ग করাতে তিন টাকা ইচাদিদের হস্পত হয় क्षांमिर्शिय मिर्मात भग (वर हे॰ द्रांकी यह स १) -कटन विद्वान वारा इटेटलट्ड ५ रेक्सन गरीकाइ এই বিবল্প দেখিয়া গোৱা , স্পাই জানিতে গাবি বেন। ইহা চিরপ্রস্থিতিই ভাছে, যে अधिक कार्या अल्लाब इहैए छ পादि या शिक्षता सदा वाद्य विम्तामग्र हाल'हेट्ड हाटक्न दोहाश कार्थी हिटबंद वयम जनविक 18 अ (भए कि त्तर समिक ১७ वरमत इत्या कादनाम ।

श्रदीका दिगरब्रन्थ किहू बना कावनाक । है । भरमण्ड नाहे। (छ हा वानकशन जानामा नकन मां चार्डरे আশাসুরূপ সংখ্যা বাধিয়াছে, কেবৰ অংকি यदम २ र ही वादिदारक काव (कर्डे महस्राय कनक महीका अनान कित्र भारत नाई। अपन कि रामकल बोलक कानाना विष्णु करकेरकत অনেক উপর নথব পাইয়াছে, ভাহালিনেরও অনেকে কলে এক তৃতীয়াংশও প্রাপ্ত হয়নাই। किन अविवास कान कार्मि भवीकाशीमिरणत (माय निरंख भारा याद्य रा। ১०। ১२ वर्ष दश्य সুকুমারমতি বালক্দিগের অন। যেরপ কটন ও অধিক সংখ্যক প্রখাত ঘটার জন্য প্রস্তাত क्रेंग्नाक्नि, ভाषाटि ताथ रूप, धारक श्लीकि छ व्यथिकतम्बद्ध वर्गास्कृतात ७ घन्छ। मन्द्रम् जाह्य अभूमाध्र कतिया छिटिए शास्त्रम कि मा अरम्बर । त्म निषदम् वालदकत्रा (य ज्यमभर्य इहेटव ज्यान्तर्यः) कि? य राक्ति भाजाञ्चमार्य क्षत्र शहान कतिएड भारतन, डाहाटकर बधार्य भयीकक वला घारा।

भवन्भता अवगण जाहि (य, भूटर्ग यथम এই পরীকার ধী ছিল না, সেই সগয় ভাবধি ইহার বায় নিৰ্মাছাৰ্য গ্ৰণ্মেন্ট প্ৰতি বংস্বে এক শত होका श्रमाम कविद्रा चामिर छट्डम । अछ दरनदर পরীকার ফী বর্দ্ধিত হওয়াতে পরীক্ষকদিগের বেতন ও কাগত কলম ক্রয় বাদেও কিড় টাকা देव व शंदक। जाहारक मध्यिकारगत श्रम समहान्त्र विद्वहमाञ्चनाद्व छह। शर्वाकाद विव विद्वार शास्त्र मा, अहे समाहे छहा मूजिए स्म अन मूझाक्यान दाम्लिक रुख्यारे नवामर्ग निष रहा। मा । এই जानकि विमे वर्शन विनिव्नोक कियान खहन्त्राद्व शक्ष वर्ष श्रेट्ड " का बहु कि भवीकात विद्वा वाह्य, करत (कर किकाकात भूदीकान আরভ হইরাছে। পরীক্ষার বিবরণ এইরুণে চাহিলে তাহা কি জন্য প্রধান করা হয় না ? এই

চইতে পারে নাই। এই উড়ীর্থ বালক্দিগোর সুদ্রিত করিয়া সাধারণের গোচর করাতে অনেক छनि উপকার शिष इहेट्डिए । । भ व नकन अहे छेखीर्य बालास्का a छाया अन्तित अद्वित विकालायय श्रीका छेखन वहेगाएक, छाहात्रा অপ্র কোন উচ্চ জেনীয় বিদালয়ে (যে সকল ' উৎসাহ পাইয়া পূর্বাপেক্ষা অধিত্ব উর্ভ ইইবার নিমিত্ত অভতঃ প্রশংসিত খীর নাম রফার स्मा अधिक अप्रकार सम्मारकार स्मार्थ मान्य यदा । २ भू, (व जकता देवानिय जकता अवस इस নাই ভাষা যে যে বিষয়ের সুনভার জন্য এরপ নিজল হইয়াছে, ইহা ছাবা ভাষা জানিতে পারিয়া তৎসংশোধনে বা উল্লাভ করিতে ভাহারা চেষ্টা করে। ভ্রুডরাং নিকুট্ট বিদ্যালয় नकम ७ काम फेरक्टे स्ट्रेफ श्रांक । ७ व. हेराव দ্বা সাধাৰণেও জানিতে পারেন বে, উভসরূপে লেক্ডিড ইইলে সে গ্ৰেপ্টেট ইইভেও পুরস্কুড क्क बाव हेंड्। कवालाकव कर वा अश्री क्षा प्राप्त प्राप्त प्राप्त विष्ता निकाय बत्नारवाती इया क्लकः देशव बाता रिनामिकात देवाँ विवरत व्यानक फेनकात द्य

छिलम्बहातकादम अक्षी दिवदम् आधानिद्याव বিশেষ বক্ষক। উপস্থিত হইতেছে। পূর্বে উলি-चिछ इरेग्राइ, त्य এर भन्नीकात गरम क्लिका-जात जान कि तक विद्यालय नमृत्य कता करेव তনিক ছাত্রবৃত্তি পরীকাও হইয়া থাকে। ইহা দিলের পাঠ্যপুত্তক গ্রহণালের পুত্তক হাঁতে করেব খানি খাদ নিয়া নির্মাটিত হয়। প্রভরাৎ ইহাদি (१११ श. श अ अ अ अ वह इहेट अ जिति (अव । अक्य-लात नाश देशमिशास श्रीकांत की अक निका করিয়া প্রদান করিতে হয়। কিন্তু অভিশন্ন আশ্চ (ई)त विवय अहे (व, देशमिटनंत भतीकात विवतन मुखिर्फ रहेशा श्रकानिक रहा मा। अधिक्छ व ন্দস্বলের সহিত ইহারা প্রায় সর্বভোভাবেই অভিন বিনা প্রার্থনার ভাষার পরীক্ষার বিষয়ণ গেলেটে ও বছত্র কাগলে মুদ্রিত হইয়া সাধার ণের বিদিত কবা হইল, কিন্তু কেহ কলিকাভার नइत अक्वाव हरक मर्भनमाज कविएक आर्थमा कदिरम्थ जाश भिक्रम रह । व नकम काइरन মফখলের নহব মুদ্রিত হইয়াছে, কলিকাভার উপর সেই সকল ক্ষেণের সন্তা কি ইন**েলট**রের क्ष्मीं भिक्ति हरें मा ? यनि त्यर करहम त्य, কলিকাভায় একপ বিদ্যালয় বহু মাত্র 'লাছে। অভনৰ ए शिव सना शवर्गमंत्रे जाव पाठत वाह মুল্ল মুদ্রিত হইয়া সাধারণের গোচরীকৃত হউওে ব্যাল, অনুলিপি করিয়া লইতে অধবা দেখিতে

गवन मिथा श्रीन्य कि (वाथ रह मा (व কাভার পরীক্ষার ভিতর * * আছে ১ চি बर: ইहात झाळाडू छि बन्देन नगरम कलिका পরীক্ষা পক্ষপাতানে গোৰে দুখিত বলিয়া कांभन्न भूत्रा चार्रमन रहेत, खबन जाशान विक्रे देशव दिववन क्षकां कविका সংস্থান্তের অপনয়ন করাও নিভাঙ আৰু ছিল। কিছ ভাষা প্রকাশ করিছে এড ' श.क ७ ७ अ अस्थिए अछ यह मिथा भार (गरे गरकात वक्षमून इरेबात खेलकम इरेग्रार अज्ञाद मध्य छेर। माधात्रत्वत निक्रे शक করিয়া দেই বিশ্বাদের অপনৱন করিতে চে **পা**ट्या **करमा कर्डवा**

ভবদীয় বপ্ৰদ (लबक।

शक ১७ हे काम् अम प्यक्ति मगारशारह २ পরগণ জেলার অন্ত:পাতি এই মজীলপুর প্রায় বালিকাবিদ্যালয়ের বার্ষিক পরীক্ষাব পারিতো विक विভन्न बहेन्ना भिन्नाहा आम्पटन अभीणाः e केळ विश्वानदात मण्यानक क्रीयुक्त वांब (कांटर श्रमादायन प्रस् वालिकानिकारक चर्नेत्र व व्योरभाउ অন্ত্রাক্রাক্রি মব্য, পুস্তক ও টাকা পারি ভোষিক विदार्द्य । এই পারিভোষিক উপলক্ষে এডদেশের অনৈক ভার সন্তান ও ধনবান লো-क्य जनानम इर्बाहिन कदर बास्ट्रेश्रद्ध छन्छ। মাজিটেট ও ডেপুনী কালেটর জীবুজ বাৰু ব্ভিন্তকে চটোপাধ্যায় সভাত্তল উপস্থিত शक्ति पर्ट वानिकानिश्य शातिरका यक विद्यारहम । अऔरमान कथन शाहिरणांविक विष-तर्ग अन्तर्भ नमारताव वर्ष मारे। शाहिरकाविरकत সমায়োহ দেখিরা সমাগত ব;জিগণ সকলেই পর্ম শ্রীভিলাভ করিরাছেন। উক্ত ভেপুল বারু এই সভায় সভাপতির আসন এহণ করিয়া অৰ লাগনের বিদ্যালিকার কর্মব্যতা বিবরে এক विकृषा करत्रम । खरनात কুমার বল্যোপাধ্যায় জীবুক্ত ভারাথসাদ চক इतिमान वस सबीमात वसी अनुका बाब अवुद्ध वांबु रमनत्र प्रक्षपदी आयुक्ष स्तानंत्र कडीकांचा क्रिक्क बांचू बांधांबाच, वस अ क्रिक्क बाबू मधुल्लाम बर्म्मानाथाकि द्वल्याहीत वैदीता এক এক বজ্ডা করেন, প্রায় সকলেরি বজ্জা ए छम रहेवाहिल। व्यवस्त्र शाहित्वादिक शामक र्देश गडा क्ष ख्रा।

नविनम् गिट्यम्बनियर-

4147 52

व्याद्रश्र विश्ववाद्य व्याविको क्ष्यकी स्थानिक वन ।नाजी स्य करतको विश्ववाद्य विश्ववाद्य । नि
कतित्राह्य काश्विद्यम्य व्यवका व्यवका व्यवद्या व ।क करत्, क्षित्र स्वत्रुक्त देशात्र्यकेत महत्त्राव्यक ।त

প্রেক ছাবে আহয়া অমণ করি সর্ক টি ভাষ্টাৰটোর আলগা ও অবদ র্ভাত এবনে ার शद्र बांदे क्रियामिक दश्याहि। किंक व्यक्तरक ति श्रेषा विभेरानाय वे केमजित्र शक्ति कि ह बर्दनार ग ना कड़ा अविश्विष्ठ कार्या । क्लाबाव इत्र ः न কোপাও বা এক বংগর পর্বান্ত ডেপুরী ইনকে 'র क्रमां अवस्थित अमार्थन स्त्र मा, खें। स्टिश्न व मे किया आवित्र स्ट्रेट हुविद्य विशागद्यत ह कथाहै बादे। यति अस वन्छ। अथवा देनवर्श -শাংক বছকালাকে কোৰাও গমন বয়, ভা ষ্ট্রে ভথার ২। ৬ ঘটকার অধিককাল অ -चान रम मा, किय काथा । अक्न छ स्मायां । तक चंच हाजगरका के चन्नकारमञ्जू मरका भवीकाकादा स्थाविधि स्थ्या जवादिक ? वै । श्चिषुक बताम,यह शवर्शनके त्य भूषा केत्य । এই প্র সংস্থাপন করিয়াছেন, যদি ভাষাই উ वहाजानिरमञ्ज जमरनारवःशिष्टा वन्तवः विक्रमीतः **इंडेज, ब्राज्यकाशात इंटेटड अर्र गमख आर्थ** नि चक् बाह्र रह क्या ? अक्ट्र विमीखकादम् । क्षार्थमा त्य फेक्स्प्रम् मह्मामम्भव कार्यनिक कार्यात शक्ति वृद्धि हो विद्या वाशक्त मार्य मी दी जिम्राज नकम विनामहा उन्होंने मरहामञ्जरी नद्यार्थन अवर वरमध्यत्र त्यद्य बारमञ्जल मही-श्य, **क्षांत्र विशय कतिया व्यामा**हिएतत तक्ष्मीन विमानिश्र शिलित सम्बन्ध क्षेत्रकि मेरिन बोडो थाप কেলেন বিভ সাধন কর্মন।

> निजास यमप्रमण्ड । कुछ है२ प्रमायका

''आफ्रियाट्यानकिर र निष्यमाटम्यूक,८७ के विर् यायकोत्तर भविकात वशाः श्रूट्कार्थरा कृदर्रः'

क्षित्र वार्क्यत्य विषय् कहे, करमक प्रश्नी हात्रा (मरमन पश्चित्र कर्ना वस में हहेग्रा वारक हक वधा, रक श्वाम कांद्राम विराव विद्वन्त्रमा हन्न मार क्षेत्रमा मा हहेर्ड शास्त्रम विषय कांद्रम मार क्षेत्रमच्या मा हहेर्ड शास्त्रम विषय कांद्रम बिलाम स्व क्षेत्रक कांद्रम शास्त्रम मान्याकान, हैस्स क्षेत्रम क्षेत्रिक कांद्रम मान कांद्रम क्षेत्रम क्षेत्र

त्रारह। क्रमण्ड बरमात्र बर्धा त्य ज्ञान शक्तित्र नीरत, ज्ञान श्रीजन्त कंद्रियात ज्ञान ज्ञानिक श्राम भारेत्रात ज्ञानभारक्जा त्रार्थ मा। सार्थ रुप्तेन, कि द्वराश्वरत मरकान, कि भूनिय मयलीय कि खांक मण्डालेंद्र कर्मागती, बारानिराग्य म ज्ञान मथ्य ज्ञारह, बारानिरागत श्रदकत (ज्ञान कर्मगुरुर्ध बर्गारवार्ग या रेमिशन ने कात्रत्य ज्ञारत्य प्रशास स्वास प्रमुख कर्मा व

(शब्र मध्या कोहाब्र व वधार्थ लाव पर्नन करि ग त्यम खाइण्ड्र मियांत्रभार्य जर्राज'शहरशद्र विरूप ह कर्जुभटक्षेत्र इसोहत कर्ता कर्डवा धवर नक्ट है कविषय विवासी। (महेश्रम केल कर्महा' '-গণের সধ্যে কোম ব্যক্তির কার্বা কুপলভানি । वर्णस्य अव्यासन्त् व्यत्ना छिन्त्रि नरव । व विवास व्यवजात नार्थ अहे कृषिका, खादा मि । निष्ण स्ट्रेट्डा--जोककर्महादिविद्यात मह **प्रत्यका भीर्वश्चकामि (बार्व प्राप्तका म** चामक गमरत्र कहे नाहरेख हत, साहे कहेला ह भक्तिकां अपरा भाषा (भामश्रकारम श्रकामि इ रहेंग्रा शास्त्र। यथार्थ (त्रांश निर्वेग्न रहेंदल कांत्र । क्षेत्र याव्या इहेन्ना द्वारमान्यम इहेर्ड माहिए देशाई फेक भदा शकारनंत्र मुना फेरलमा। भर । चारमक चटन द्यांबद्धकानं सभ तास्तरेवरमध्य गर রভার আদিও ব্যক্তিরা কুডকার্য্যও হই প্রাধ্যের। ফিড ভাষিবরে গোবরভালার পোষ্টবা-क्षेत्र अनुष्यः यात्र महामाधा महामानायात्र मही-শয়ের ঋলেক ফুধ্যাতি আছে, তিনি অতিশয় কার্ব্য ক্লবেশ্ব । ক্লভেরাং ভাঁহার অধীনস্থ স্থান महरूत लाहकता भावामि धा शिक्षविष्य भावम সৌজাগ্রাশালী মুলিতে হইবে; জাঁহারা মুখাসম-(सर्वे नमुमान गजानि गारेमा बारका। जनस्य र्गायत्रजांनांत्र रभाके पाक्तिन अकरन भूकी-(भक्ता, प्रायम कार्यः कृष्टि १हेन्नारकः। स्टब मामानः भटका मध्यति कि अनिक स्टेब्राइ अमक नर्द, রেজিইরী পত্রসংখ্যাও অনেক বর্ত্তিত হইয়াছে। शाय शकिमिने प्रथा श्रेट्य २। ३ वामि विक हेकी श्रेज दर्शक्ति स्हेग्ना बादक। अस्रान कार्वर বুদ্ধি, পোঁই আফিনের উমতি ও উাহার ক্ষিপ্র-कार्तिकात्र स्वीकतिरात कृषिश व्हेत्रारक वरते, কিন্তু কড় ছংকের বিষয় বে পোষ্টনাষ্টাতের বেডন ति ३६ शमन होकोई समूत्र वृद्धिहोटे । এই सन অনস্থাণর শোষ্ট আজিনের মধ্যে অনেক স্থানের (भाष्टे मार्टीहरिराम् वर्षे हैकि। (वषन अना बाग्र, किन यम बार् केशिसितत मृह्य जात्रवाही एके-

য়াও কি জন্য সৰবেজনগ্ৰাহী হইছে বঞ্জিত বৃহি-

क्रांट्स्न बनिएक शक्ति मा । महरूबहे द्वांथ इन्न,

वाकि जनुत्रकु ज बहिद्यादिन । नारी रहेंक, न (नार कर्जुनरकत निक्ट वर्णका अहे, स्व र्षांव स्मावत्रजामात शार्ष जाकिरमञ्ज अपि एकि॰ क्षित्रा वह वाबू बचार्च भूतकात्र (जिल्लाका विश्वित

---;0;---

नविवय विद्यपनिषर---

এই মুক্তাগাছ। গ্রামখানিতে অনেকণ্ণ कुराधिकातीत वर्गांक जारह, किन्न आवना। প্ৰতি মৃষ্টিপাত করিলে এ**লা** বোধ হয় না ৷ ৱ बर्गा अमन अकर्डेक स्थान नोर्डि (४ प्रश्नेम कड़ि नवम स मरनव जनुषात की कि करवा। (व : . वृचिभाउ करा याग्र, भिष्ट निर्श्वर यन यह लाय क्षेत्रिय एक्षेत्रभाग एका यात्र। পিঙ ভূতপূর্ম ডেপুসী মাজিটেট কালিকা . बाबू कछक अनम, कर्डन कब्रिहाहित्सन, कि ভাছাতে কিছুমান্ত উপকার হর মাই, ববং এফা (यन (महे समन (महे (क्रांटन चार्ट्स विश्वन स्टें। देविवाद्य । अहे सम्म सञ्जानमाहित्र महि विक्रिक इं अर्थ दिन वांचानि विरक्ष कवत जान मानि शहुब भहिमार्थ इरेबा थारक। अमन ि এই नमग् तकनी एवं शांत समीमा जिम्हा विश्व त्व<mark>्या</mark>र्म, नशन कर्भन (एक । ब्रथ) कित विषद्य वार्वे वेजन। केनति केल भावितके त्रश्रीर विषदा (व व्यर्थ राज्य कात्रिग्राहित्सन, खाश अ श्रकात जार्थकरे इहेदाक्ति बढ़ी, किन क्रमव कात (क्ष्ट्रें छ बार्ध मरनारवाग कतिरमन न क्ष के होर क्षार्य के होते हैं है कि विकास के किया है। अन बार न दुर्कार । कछ मिन म्लिट्व ? वदीकारम कि मा कि चाँ मकनहे कर्पात्म अगुष्ठ खरामा हुहैशा छ (न এक वाडी स्ट्रेटड जाना वाडीटड धा-क्य बाबमा इट्टन मल्दरमान्यांकी बन्न नार्द्धर करिए हम । भग्नध्यगामी व्यक्ति व्याट स কিন্তু ভন্মারা কোন উপকার হইতে সমা ৮বে मा धे नकत बत्न बदर कर्फरम अम्छ भहित्रति (य कारोत अम करमत यायरार्वा नय, स्मर्ग क উপারাভাব, এই নিমিত সকলেই से পৃতিক विभिन्ने बाहिरे रावश्त कहिया बाटकन । अच्न हरू महानम् । नमःकद्भारत अहे जानसम्बद्ध हरू व বৰ্ধন ক্রিলে প্রার ২।ত সপ্তাহের কাগঞ্চ । हरू। कि चान्ड(र्व)र विवयू ! । चावाम श्रामशा अछ प्रक्रमा (मधिया समीमात्रगर्नद मरन कि क बाज शब्दा बग्न मा? खाँशहा कि ऐहार र अमेरिन ज्यामर्थ ? जायता छ त्याचि अर्छा क व

जाद्रश्व जामत्रा जैंकनकार कृष्ठिताः कारमञ्जत जाद्रश्व मद्रशमग्रदक विसन्न श्रृतः गत्र जञ्चद्राथ कति-एजिंक, जिनि चग्नर श्रृताख्य नात्र स्टेता अहे आम बानित इक्षणानमञ्जन करून, जारा स्टेटल जासीन अहे मरीग्रमी कीर्जि जामाद्रमञ्जलकः करदन जामी-चन नर्वाख जानत्रक शाकित्व, अवर जाराद्रम धना वाम श्रमान कन्नाहे देवनिक कर्याय मद्रश्र जाराद्रमञ्ज श्रभान कर्या हेद्रह ।

১৮**ই কেন্দ্রোরি।** কস্যচিৎ। ১৮৬৭। জনসং।

-0.0_

नक्कि वांगित अकी वह ए हृति स्वेता
भित्राद्धः अहे वांगित्यत निकंग्यों अक वर्गकतम अने कम नवांणिक वांगित्य अक वर्गकत्य
निकंग्योत वर्गाणि (१६०) शादक गति वण
ग्रेक करेंग्री वर्गाणि (१६०) शादक गति वण
ग्रेक करेंग्री व्याप्त अक मांगित वाहेंग्री नक्षिम
अकीत मत्र वित्रणिहन, हेजियएए (निया के कि
१०, वर्गीत मत्र) रेगेर अक कम कांग्र वांग्रिता
के वश्चात्रामान नवांणिक्तम् नवांग्रम करिनः
वेत्रांणिक कित्रकृत नवांग्रम करिनः
वेत्रांणिक कित्रकृत नवांग्रम करिनः
वेत्रांणिक कित्रकृत नवांग्रम करिनः
वेत्रांणिक कित्रकृत नवांग्रम व्याप्तम व्याप्तम व्याप्तमः
वित्रकृत्वांणिता मांगिता वांग्रावां विकंग वेत्रमान
व्याप्तिक व्याप्ता स्वाप्तमानवादात नविक वित्रमान

দর করিতেছিলান, এমন সনরে ভোড়া লইরা যে পলাইরাছে, ইয়া অবলাই নোকামদারের চক্রে ঘটিরাছে। এ দোকামদার বলে "আলে আনি টাকার ভোড়া দেখি নাই। এবং তৎকালে দোকানেও কোন লোক ছিল না।" পুলিবের সবইনশেষ্টির মহাশর তর তর করিয়া তলভ করিতেছেন, কিন্তু অপকৃত টাকার কিছুই বিকান। হইতেছেন।

এ বংসর বসবাজ্যের কোন অংশেই ইংমজিক ধানের অসভাব নাই কেবল আমরাই ভাহাতে বিক্ষান্ত হুইরাছি। সভ ধন্যার প্রভাবে ঘাটালের শিলাবতী নদীর উভয় ভীরবর্তী প্রামণ্ডলি শস্য খুন্য হইরা নিয়াছিল। একণে সেই সকল প্রামে বোরধান্য উৎপাদনের আশর্মে অপ্রভ্য ভূথানি মহালয়েরা নিলিড ইইরা উক্ত নদীলর্তে এক বাঁধ প্রজন্ত ক্রিরাহেল। ভবিষ্যতে ঘদি কোন ইমবব্যায়াত না হর ভাহা হইলে আমরা গড় শস্যনাল জনিভ সন্থাপ হইতে বে লাভি লাভ করিব এমত প্রভ্যানা আহে ইভি।

মহাশরের চিরাছ্গভ। বাটালবালী।

न्। ना व्यक्ति ।

" » इतिरत्न मृत्थाणायात्र कनिकाका क्ष्मं।

» 🤚 इञ्चराध्य त्यांच च्यांनीभूतः 🐈 ५०

त्वामध्यक्षाणमध्यमञ्जलका करतका । विद्यम विद्यम

অত্রির মূল্য ও ডাক্স রাস্থল্য বা পাইলে বন-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বায় না।

देशंत कविष घूना वार्तिक ३० अवर वाबार-निक १॥० जीका, वक्षात्म छावकाङ्कालका वार्तिक ३७, वाबानिक १ अवर देखवानिक छम०, जिन मारमत लाग्न पायम पूना नश्चक्रकान ना । हिंछ, बन्नाफ हिंडि, विकास मुना त्यांने, छ होल्ल छिकिने, देशंत क्षतास्त्र वाराटिक वारात छाविया रत्न, जिन रिष्टे छैशांत्र बाता यूना स्थान किंति (वन।

वांशंता क्षेण्णिकिके शांतिहित्यन, चा-रात्रा त्यन अक अथवा आय आयात्र अधिक मृत्यात छ त्रगीरम्त्रं क्षिकि त्यात्रण मा करता। वथम विनि सक्कम क्रेट्ड शांत्रश्रकारणत्र भूगा शांतिहित्यन, छाश त्यन त्रिकिकेति कतित्रा श्रीतृष्क बात्रकानाथ विषठाक्ष्यत्यत्र नार्त्त शांतिहित्रा रहम।

व शिवितगत पूर्ण विवास ममझ व्यक्तीण रहेशा वामित्व, अक माम शूर्ण छोशाविशतक विशि विविद्या आसीन यारेटन, काम व्यक्तीण रहेशा तात्मछ अक्षेत्रोत विशि त्यथा रहेटन, छाशात शत अक मामकाम अफीका कतिहो कामझ वस क्या यारेटन । त्येच वादास मास (वहासिक भोड़ोन रहेटन ।

ৰাজনা রেল্ডরের লোনাপুর টেননের ডাফ নরে চিঠি আইটো আনরা শীক্ষ পাইব।

वीराता बाह्यमा ना विक्रा शक्कांक स्थातन करि त्वन, बीराविटगत तारे गजानि असून कता वारेट्य ना !

কেই বোৰপ্ৰকাশে বিজ্ঞানৰ নিজে ইকা করিলে জীহাকে প্ৰথম জিনবার প্রতিগংকি এ আনা ভাহার পর /> আনা নিজে ইইবে। বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন নিভার ইক্য করিবেন ভাহার সমিজ বডর বলোবক্ত ইইবে।

क्ष्म कर नज कलिकायात प्रक्रित पूर्व शेषका त्राप्ताद्धां त्रामानूत क्षेत्रहरूत शेषक शाविक लोकार जिल्ला क्षेत्रकात्राम विकासकात्रक विकास कवि त्राप्तास शाविकाया जात्रिक

সোহাক

SE TENT

" प्रवक्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्ती अतिमहती न हीयतां।"

यामिक ब्रा ३ होका, व्यक्षित्र वार्षिक ३० है नेन ३२१७। ६ है है है है । ३৮७१। ३৮ है मार्फ होका व्यक्षित्र वाशामिक वा होका।

মদন্দলে মান্তুলসমেড অবিম বার্ষিক ১৩ े होका बाजातिक १, ७ देखबातिक ७००

বিজ্ঞাপন।

निष्ठे अपिकादिम रम।

व्यानद्वा विमाज इंदेरज फेरकुष्ट केवर नकन মুক্তন আনাইয়াচি এবং পলীগ্রাবের ডিস্পেকরি अफ़ाफर कृषिधाव धनः नगम भू*रमः वीकार*वह অতি কম দরে বিক্রয় কবিতেটি। মঞ্চশ্বস হইতে ত্তবাধের কর্মি ও ভাষাব মূল। স্বরূপ নোট, ছঙী या बताकी किठि भार्त्रवेश व्यामता अवध व्यक्ति সম্ম পাঠাইতে পারি। উত্তের মূল্য বাঁহারা লানিতে চাহেন, আমর। ডাক্যোগে তাঁহাদিগের निक्षे छानिका भाठाहैव।

আৰু দি দত কোং। बह्बाजांत कींग्रे मर ७२ वांगे।

> अञ्चनशब्दा ।

কুন্তুকভটুকুত দীকা ও বান্ধালা অপুবান সহিত, সংস্কৃত কালেজের স্বাত পাত্তাধাপক 💐 বুক্ত ভরতচক্র শিরোমণি কর্তৃক সংশোধিত। ठेमठेनिया भरकुष शुक्तकालस्य विकास वारह। मूना ७ इत्र होका ।

अध्याध नाय्रभभानन ।

ভূটান পশ্চিম মারসমূদে হস্তি খেলা করিবার নিষিত্ত আগামী ১৮৬৭ অন্দেব ১ লা এপ্রেল इदेख अम्थम व्यक्ति १३ अ बाक नर्शक अक वरमत मित्रारम शाक्षा मिर्फ निव चामन्त्रकाती इष्ट्रक पारहन।

হতি গরিবার নিমিত যত কুন্কি নিৰ্তা করা ৰাইৰে, ভাহাৰ ফি কুন্কি প্ৰতি ২০ টাকা হাৱে ৰাজ্ন নিতে হইবে, ধৃত হক্তি নকন ক্র क्तिवात करिकात शब्दक शवर्गायकेत वार्कि-(तकः। अवर्गराने तकः कतिरकः वेक् क मा प्रदेशन माबाबन वाकितन क्या कविता क्येटक शासितं। क्या शास्त्रमान माडीत्वत कृतन वित्तनार्थ क-

खनामा धावनाक विवद्ग निम्न चान्त्र কারীর নিকট বন্ধং উপস্থিত চ্ট্রা কি পত্র দারা জি**জা**লা ক্রিলে জানা ঘাইতে পারিবে"।

ডেপুসী কমিসনরী আছিল | ঞ্রীবন্ধ ভে.এক. भन्ननाक हो। हिर्मि नाट्य ४२ हे फिट्रनहर । ४ ४ छ । (ए जू ही कमिन नर

-:0:-

इंग्डे देखिशान द्वाबद्य। বিজ্ঞাপন |

(পীশ্ গুড়স) অধাৎ বন্ধাদির পাঁইট

यारा উख्यक्राल वाक्रवन्ति स्त्र नारे जाशत विषय ।

এডমারা সর্মসাশারণ জনপণকে আড করা बाइएडरङ्, रव जानाभी ३ ना अरक्षन जबिर নীচের লিবিড ভাড়ার পরিবর্তন হটবেছ।

পীন শুদ্রস্ অর্ধার্থ ব্যাহিষ বিদান্তি প্যাক कत्रा गाँदिहे अथवा अखरम्भीत भागक करा भी हैं। कार्ष्य बाक्ररण वस धाकिता विजीत क्रारात ज्ञान वर्गाय मनक्त्रा शिक माहेरन हैरदाकि कर्द्भावे माशितक।

এবং বে সকল শীস্পড়স্ অর্থাৎ বস্তাদি बाइएड (भाक कहा) वर्गाए (बाफ़ा इन नाहे. ভাহা ভূতীয় দ্লানের ভাড়া অধাৎ মণকবা প্রতি মাইলে ইণ্রামী এক পাইয়েব ভিন অংশের हुई जर्भ मानिएकः।

বোদে অব এফেলি সিদিল ইকেন্সন हेके हे शिक्राम (उनस्त হা দৈদ কলিকাভা ১৮७१। १ हे (कड़ाश्रीरि)

ब्रिक्क त्रामकवन विमानकात श्रेनीक "প্রকৃতিবাদ » নামে একখানি অভিধান সংপ্রতি वृक्षिक बहेका मध्युक बढानएवर भूकवानए মাখন-ওয়ালার ७ भ थि।तिहरीमा

ভত আছে। ইহাতে প্রায় প্রত্যেক শব্দের ব্যং-পত্তি অৰ্থাৎ ধাতু প্ৰভঃদ্ন সমাসাদির উল্লেখ কবা ररेशांट्य ।

মূল্য ৫ পাচ টাকামাত্র।

-- ! . !---

वर्षमात्मव क्रविशां छ हिकिश्तक क्रीवृक्त वाबु ভোলানাপ কবিবাজ মহাশয়েব অনুমভানুসারে माधारनक्रमगन्त এডखावा व्यवगं कता शहे-তেছে যে ভবিষ্যতে উক্ত বাৰু সৰ্মাসিধানী नत्रव्यत्नत्र विकिते अहर्व हिकिश्ना कतिर्देश।

क्षेश्वानान ममी।

পাটাগনিত প্রথম ভাগ।

निक्क ७ हाज छेक्ट्यबरे ब्रव्हादागरवाधी **চয় এরণ প্রণালী ভত্নারে আমি এক** থানি পাদীগণিত প্রস্তুত করিতেছি। আপাভতঃ উহার প্রথমভাগ মুদ্রিত হইরা সংস্কৃত্যন্তের পুতকালত্বে বিক্রীত হইতেছে। গ্রন্থ মধ্যে বছল পরিমাণে সহফ জখচ ফ্রফৌশল-রুটিড প্রশ্ন भक्त मरश्रीक स्टेशाइ। मृता स्थ कामा।

किकानी धनत गरना भाषा ।

बानकिंदिशत व्यवश्वादर्थ '' शक्षिक विकास क मारम একথানি ज्ञानुष्ठक माञ्जिनुबन्द हेरताकी বিদ্যালয়ের শিক্ষক জ্রীজয়গোপাল গোলামী কৰ্তৃক প্ৰণীত ও 🕮 আই সি, বসু কোৎ ধাবা মুডিভ ও প্ৰকাশিত হইয়া বছৰাভায়ত্ব ১৭২ गरश्यक हिरानद्शंप स्थाप **क कारम** कीरहे সংস্কু শ্লেসের পুস্তকালয়ে বিভ্রার্থ স্থাপিড আছে। মুল্র ১া০ পাঁচ লিকা যাত্র।

देशके निष्ठा मध्य ए मुख्यानात वर श्रेनी ७ छ मध्यमञ्जूष निय्निषिक भूष्यक्वनि विक्रम स्ट्रेड्ड्--

াণীত ফ্লা থীসইছিলান টাকা গোমইতিকান ভাষণনাৰ বংকাৰণ নীতিনাৰ (১ ম ভাগ প্ৰচাৰিত। মুদ্দাৰ্থৰ ব্যাক্ৰণ

ৰ ব্ৰংকান থ সংখ্যা।

त्ना, नट, कृष्णि । अडेरे इ.सप्सानः

एका धकारम पृषे २वेन, शृक्षविछा-(भव ऋ ल देन। ज्लाकेत लिककिमार्शन उर्शह विकाश वह निशम करियाएका. উপরের পদ শুনা হইলে নিম্পদক্ষ निकर्दक अट्य उर्शन मतानीज क्रिवात (छक्षे। क्रिट्ड इक्टेर्ट । ममुलाश বিভাগে এই নিশ্মের অনুসরণ করা **डेहिड। डेशटब**द भन्छालिद डेफ दिड त्वत निव्यम करिया योगान मिछिल लोख নীয় হয়, তাহা করাও কর্তব্য। এবারের बटकटि णिकामधःस एम एक ट्रांका অধিক দেওয়া হই াছে। শিক্ষাদংক্রান্ত কশ্বচারিরা ইহা ভাগ কবিয়ানা লইরা শিক্ষদিগের ৭েডন রুদ্ধির ব্যবস্থা করুন। বিশেষত, সাহাব্যক্ত বিদ্যালয ভাল অভি শোচনীৰ অৰজাগ্ৰন্ত হয়। बाटल, अक्षनकार नाम विकस्य ना इहेश अधिक श्रांतिमारिन नाहारामान कतिका के বিদাসরভালির অবস্থা উল্লাভ করিয়া ভুলা একান্ত আবিশ্যক। দেশেব লো (कहा चार्नाव गुथार्थका ना किता खड: শ্ৰহুত হইয়া সাহাত,ফুত বিদাবিরভাগেকে उन्नड कतिया पूर्णित्वन, त्नरभात मरशा आंकिও এরপ জোক অধিক হন নাই।

এক জন প্রপ্রেরক পণ্ডিভদিগের হরবভার প্রসঙ্গ কবিয়া একখানি আফেশ পূর্ব পত্র লিখিয়াডেন। বেভন বিষয়ে প্রবৃদ্ধিকেইর কোন বিভাগের কোন কর্মচা

রিএই পণ্ডিতদিগের তুল্যানিরু**ই অবস্থা**কালা বিরুই পণ্ডিতদিগের তুল্যানিরু**ই অবস্থা**কালা অতথ্য ইহাঁদিগের বিষয়ে শিক্ষা

কংক্রান্ত প্রধান পুরুষদিগের বিশেষ**র**পে

দৃষ্টিক্রেপ করা আবশীক।

(मामक्रमण ।

ल'हरमन अक्र

न्डन कारेटमक ठोटला विषय माधा রণ মত কি ভাহা আর অবিদিত নাই। अठम्।ता ए मतिज भीएन कता इहै (व. ठिवटा मण्डल (मर्था वाहेटज्रह ना। না বালপত্রসমূহ একবাকা হইয়া ইহার क्षां छवांन कतियारहर । यमि हेश्लिम्या-নেৰ জন্তাৰ ও প্ৰেরিডগুলি ইউরোপীয় সমাজের মতমূচক হর, তাহ। ছইলে স্পটাক্ষরে নির্দেশ কথা যায়, উমিথিত चेक्त ३७८ताथीशनिरशत व्यक्तभावि जनता। ভারতবর্ধীয় সভা এতদেশীয়দিগের প্রতি নিধি, সভার গত সাম্ৎসরিক অধিবেশন रिवरम महाभने न्याकोजिशास दाव्हाभक সভার অবিচাবের প্রতিবাদ করিয়াছেন। বে সকল স্থানে মিউনিসিপার কর আছে, সেখানে দ্বিতা কর হইবে। এক জন मका बत्तम, २०० छोका भधारमञ्जूषा त्वत छेश्रेट कर निर्फारिक इहेब्राट्स, किन्छ ১৮৬১ অব্দে লাভ কানিডের লাইনেজ টাক ३०० টাকা আয়ের উপরে নির্দারণ ক্রিবাব প্রস্তাব হয়। আর এক জন সভ্য चारकन कतिया वरलम, कमीलारतता कन बिएक विशक्त नमर्थ, विश्व **उँ।** होता सुक्ति लाख कतिहार्ष्ट्रम । गडा शदर्ग राजनत-लात निकटि व दिवसा स्य योद्यमन कति शारहन, ভाशाटक के कतरक धनायमाक, बनाश ও बाबनीजिवक्रक बनिश नि क्ष्मि क्रियाट्या अभीनात्रिक्षटक क्रत्रत्र अभीनक करा डेठिङ कि ना, अ वियसित कर्त रहा नाहे बटि, किन्तु नखा फेकज़त युक्ति अवलवन कतिया विनित्तारहन, नाकार मद्या कत अर्गरणत उनयुक्त मरह।

বর্তমান আইনে ৫০ লক্ষ্য টাকা মাত্র
নংগ্রহ হইবে, কিন্তু যে পরিমাণে
লোকের অসম্বোব জন্মিবে, ভাষার
কাছে এ টাকা অভি সামানা। উাহারা
প্রস্তাব করিয়াছেন, নিভান্ত অকুলান
হইলে দৈনিক টাকাব সহিত এ টাকী
কর্জে করা উচিত ছিল। বস্ততঃ অহিফেল্
নের মুগ্য অনেক কম ধরা হইরাছে; ৫০
লক্ষ্য টাকা অহিফেন হইভেই পোষাইতে
পারে।

चाहरन कत्र चानारमम त्य क्रवानी হইয়াছে, ভাহা অভি লখনা। কালেক্টবেরা কর ধার্য্য করিবেন, কাহার অভিনিক্ত কর হইলে ভাহার আবেদন কালেক্টব निष्य ध्वेष क्रियन, जैंहांत्र निष्याहित भाशीन किमनात्रत्र निकार एरे. কমিদনরের আজাই চুড়ান্ত। বাঁধারা छोकीमाति छोन्न दमन, छारात्रा त्राक्य मि (बन क्र क्रांशन कर्डात्र निकटि क्रांटवमन क्तिएन कि कत रहा ? कांटनक्केत ७ क्रिमन-রগণের রেবিনিউবোর্ডর অশংসার প্রতি দৃষ্টি থাকিৰে। অতএব আইনে বেরূপ थाकुक ना (कन ? कांट्या गंड हेनकम **गिट्यत नाम २०० गिकात छाटन २०००** টাকা আর ধরা হইবে সম্পেহ নাই। আপীল নামমাত্র হইবে। দূর হইতে কালেক্টরের নিকটে আদা, অসুমতি পত্র অহণ ও আমলাদিনের পূকা প্রভৃতির ত क्षारे नारे। मणा शक्रहान निधि-शांद्रहर, " नमा दिन व्यर्गन कतिया दिशि-বদ্ধ করিলে সাধারণ মত জানা বায় না, वक्रामान्य योज अस्तिक्य मध्य नावश यात्र, माञ्चाक ७ (बाबाहेरग्रत्र शटक माथा রণ সভ জ্ঞান সন্তাবিত নহে। " সভা वकार्यात न्या े थालियान कतिशारहन। वे जाहेन हम उन्नर्ध कर चार्यन नर्वा-পেका नाबाहर मनदर विव्या करत. কিছু প্রবর্ণমেন্টের রাজনীতি चीकान करत्र मा। करतत विवदत दक्क

কানিতে পারেন না, রাজাজার নায়ি একবারে এই ব্যবস্থা প্রচার করা হর, অমুক কর হইল। এটি অভিশর অন্যায়, ইহা অভ্যাচার মাত্র।

चामता शृंदर्व विन्ताहि, अक्रात्थ विनिष्डिष्टि, मूजन कह दिवन पहिप्रिपिश्यक भी फन निविष इहेट छह । देश निक्शु त्या-জন এবং রাজনাতিবিরুদ্ধ। ইচার ध्यशानी नारे, दवर भून व्यक्षद्व। शवर्ग-মেক্টের কর্মচাবিগণের সহজ্ঞ টাকার সূত্র भार महेल कंप इंहर मा, किंद्ध धना খন্য লোকের ভৃত্তেরে ২০০ টাকা খায় श्रेटल कर मिट्ड श्रेट्त । अक सन समी-मारबंद बांटमंत्रिक क लक्क छाका आह उँशिटक वर्ष मिटल इहेटर ना, किस्र ভাঁহার এক জন ১৭ টাকা বেভনভোগী भमखारक मिट्छ इंदेर । क्लान् बाकनी कि ও কোন বাক্ষমপ্রাণালী এমত অবিচারের ष्मष्ट्रयापन करिटन, जाना ष्यामन्न, नूकिटज পারিতেছি না।

षायना मर्सनाथात्रनटक এक हो षठ्-রোধ কলিতেছি, সকলে একবাকা হইয়া छीनश्रात थक गडा कक्रन। धकर्व মহাপভার অধিবেশন হইতেছে, অতএব बहै (बला कर चार्यमन करिया कहे कहा **छेठारे**बात शार्थना कता छेठिछ। घाटब मरन प्रदेषि विचरशंत रयन विराम्य উल्लंब ধাকে, প্রথমত: কর ছাপন করিতে रहेरल अन्नज्ञ: जिन मान शृद्ध मर्समा-शांतनरक मर्याम (एउगा डेकिक। विकी शके रेमनिक वाग्र भः एपन करा आव-'শ্যক। শাড়ে এগার বোটি ঢাকা বারিকে वारा स्ट्रेटव ! शंख वर्गत क अना माधातन राज्य प्रेटफ ১৮० लक्ष ठीका वात कता हरेब्रोर्ट् । भागरन ज कांक हरेबार्ट । छिन वार्तिक कि भावभाक ? करव हैश चेत्र रहेण ? जामत्रा तिथिगांकि अक भिनां पिक अक्षारन वारिक, क्षित्र लुन, ज्या कर कर खर खाए।

मिर्द्यन । कान् वाक्ति हेहात माती १ माना ७ धर्मीतार्ड देमनामिर्द्यत जना कर भर्मवात्र हत्र मा। धर्मक कथारन १०,००० माज हेडेरतां भीत्र रेमना भारक।

.04 ----

এদেশীয়দিগের অদেশহিতৈয়িত। ও ইংলিসমান।

ननमा भाइयहे शिल खंगेरक जिल्लामा করেন " সতা কি ? " কিন্তু তিনি প্রশ্নের উভরের প্রতীকা করেন নাই। এই প্রকাব मल्या है शिममान विकास मीत यह समा-হিতৈবিভার অর্থ জিজাদা করিরাছেন। किंद्र छोरांव अङ्ग गिमांच क्रिवांत **टिको शांन नाहे।** डिनि बटलन, " खांत-তবর্বীয়েবা স্বভাবত; অল্ম, অভএব कान এक है। विरंग वर्षा अश्वनी यव লখন ক[্]রতে পারেন না। যধন যে গাধ व्यवलयन कतिहल क्रिविद्या हत, उथन उँहिता सिर् भटक शयन कटतन। अहे करा ভার চৰবী মিদিগেব স্বদেশ হিটে তিবিতাৰ वर्ष त्विए भाश गांत ना, वदः वह क्नाइ डीहाता चक्रुठ काट्यात स्कान विक्रम वोका खावन कतित्व था अरेश्या इन। य बाक्ति अटमटन व याव जीश विन-য়ের প্রশংসা কবেন, ভাঁচাকে বজু বিবে চনা कরা इत, शिनि छर्मना अथवा धान्त्र প্রশংসা করেন, ভাঁহাকে শক্র ও জাতি-रेवती खान कता करा " आमाहिशव यानमा धकाँ ध्रश्नान त्नान वटहे, विश्व अटन नीम **यटन ग**हिटे छिसित। कथन स्रटम नी রদিনের পক্ষপরিত্যাগ ববেন না। দেনা পতি মরো যথন নেগলিমনের উপবে ज्यांथ कविशा अनीश्रमिदशत मटा अविष হন, তথন আপনার পূর্বতন এক জন प्रदेखाः नजीय देननिकटक के मदन दर्भाशा विकाम क्तिरमन ' कि जान्तर्य, जुनि वावाव कि धावारन আমার নাগ্র कड़ोनी एश जांध किता। व एटन जांधि

शाष्ट्र ? रैशनिक डेंडर कतिल, " किंड বেনাপতি ৷ আমি করাশী নহি । ৷ " এ माव अरमभौग्रमिरभव नाहै। यथन समन **उथन उथन कथा** के माथाइटन कटन-लिनी वित्तित छेशदा आतांश कडा यात्र না। ইছাঁরা শুণ দেখিলেই প্রাশংসা क्रतन वर भाग मिथिताई निका कदत्रम, अहे दुक्ति धत्रिया छलिया बादकम। कांन वाकि क्मांहिए कांन धक्छि গহিতি কার্য্য করিলে, তাহার পর তিনি শত শত গুণৰং বাৰ্যা করিলেও যে ठीं हाटक अक्वांत किमा कता इहेग्राटह बलिया वित्रकान है जैविहरू निम्हा करिए इ হইবে, এদেশীযেরা এ অন্তু ত মত শিক। टिवन गाँहै। (वाथ इत, देः लिम्मान छाहा **८७३ अ.म**ीइमिर्शत वावशात यथन যেমন তখন তেমন দেখিয়া খাবেন। कल ड: अदम्मीरवना बसूत अमरमा छ ভংশনা ও শক্তর নিন্দাব ভেদ বুরিতে उ कि विरुक्त भारतन। चर्भना क्राल्ड माज हम, এ चांड चांकिविद्वद वांका। य मक्त वाकि शिव्छ। कतिताद्वन আমাদিগেব গে সমস্ত গুণ আছে, তাহা मिशां प्रतिदन ना ; याक्तिमा मक थारे, अर्मभौशाना क्यकाती देशताक निर्गित उत्ति छत्। इस्थात स्वाहित स्वाह পৰিতাহ করিয়াছেন, যাহার। उन्हें कि थाहेत्नव मृन्य थात्री नार्या मृतिक घृषिक थाहेन विधिवक कविवात विषय भवि भाग यञ्चवान इन, याँदाफिरशत घरक थटाक ভावजवर्गीन निकाबानी, सान वादी, गिजटवाही, ७ ७ अ तामा दिट्याही: र्गोद्धा ४०,००० इडेइस्नीप्र माधिबहरू धानमा मानरातः धारान छेलात छिव বরিষা রাখিনাছেন, ভারতধ্নতের। डोशंनिशतक कि श्राकारव वक्तु छ्डान कि द्यत १ हेर्निमग्ति ब्रुलन, १. जिलि (अडरनमीय ऋतमहिर्द्धि) ब्रह्म अभीनांकिष्ट्राज्ञ खना अ(मण (क्र्म

থাকুক, ভাছার কেবল এই এক ভিনতব कार्या श्वादत व्य त्क. किंग मक्यात्वर भक्र प शक् भी जनत्ती विद्या - नन विशिष्ट दशक्ता है १२ कि बाजना डेंग्डॉन हि॰ स ই-রাক্সনিগের বিশাল যে কিছু গাল, । এতঃ অপনান ও থাকার কবিবাব कशीमार्टिश्य खब्दे (एउट ग्रापुड इन्फ्द स्था विश्व छप्र विदिय धाना के । व . डा.व व कि निर्धित मह क्षेत्रे, कर्त है , मन्द्रिश्च ८ क्टरफ् व ह नाकशास्त्र (. ') ए विश्व डाँकां मिश्र के शोधातव (वी: - क्यांत्रक क्रम करें **ब्रह्मभी**य अनुरक्षारता काकारण अनुरमा मन कटरन मा रिष्यु एकत मनएन केकार विभाग कथा - श्री विशिष्ट भवर्टमणे अ अ मर्किय धानुरमान्ति चन्न्यानी नर्द्यन। অমীলাবেরা সভাচার করিলে কে মৌনা काकी बहेशा थाएक, र । वृश्चि भाष्टि व मक क्षमाकाटन कि वान्याद जगीनाइनिस्त्रव স্থ দীমাৰ্দ্ধ ব'্যা রাখিবার চেন্টা क्य मांडे १ ड्रीकारि अपटार क्ये बहेल् ८वर्ग जल्लादव मीय अमीताराय ねらいする カノミカ つ

5

कारमनार्थ भं 'रशाभ अन्तरक क्राम्मी। महाक क्या आहर म माधन कर्त्वा आताव १३ किंदा व कर्म हा विभिन्नित יוי ביוייועד פולים 一十一十 1 一型 1 年 1 日 日 निवंदका ७ घड । हार्य विकास (वार कर्तक की शव मा करि १८५ व्यक्षांन व्यक्षांन ८ तिहास्य । आर्थः त्यापास्य भरित्व त्र व्यक्त (हक्ते) १ (हेट्ड. ५०) विकास स्टब्स भी। मदौरकात करमक कन शासन त्रारक ज्ञानक मञ्जात मानागार्थ हान। निहा-

च्टा भागनकर्त्तारक **अविन्निन्छ** । श्री इएरवाभीय मी नक्त ८ प्रशिद्ध शाबादन । महकारिय छ श्रामाखारिय कांच का एड , **হবা শাননক ভা থারার ভাষা কাঁভে** 🏻 াে:রন নাই। অহাবণশত শত লোগ কে काश मानिक्कत क को करिक ' . इ ' येथ कवा इहेश्टा खीटनाकिकि क अहे व^{भ्}रत्। भारिद्धिक श्रवात कता इहेतारह। खा-ভাষা সংবাদগাত বিধেষণা ও জনা কাশী দেওলা হঠলাছে। কোন ছ. ই भग्नाः टार्का यत् ८८१किक इनेम । यथार्था छात्र स्थानाहे। अत्रथ भाग ह-दिवि कार्या अञ्चायामग **कता छ**ाह 🤊 गंभ हें लक्ष क विषया के बामीना व्यव नि .न, ७। । इहेर्स मधीनम् यना का अनि अक्षायक रहेत्वन मा १ हेन्छ . সমান বলেন এটো শীং দিগের মতে ১৮ ৭ चरकत विरात्र'रहत मगरा रहेलात्र, कुभा . হড্যন, নীল, নিক্ল্যন ওল্বেন্স প্রভৃতি ए कंख करवन जिल्लाम जैरानिए र क्षिक्षाति प्रस्तु इत्या डेविड । भावन । कारवन विषय मकरत **कारनन, हे** भएक थाकिटन भाषेनात्र मानातम **विद्या** इकेड गटमह नाहे, शवर्ष्यके निध ँ शिराटक स्थाना एकि इ कतिशास्त्र । कूश निकलम्दात वितृष्ट अक्रथ कथा (क् বলেন না। দেনাপতি নীল নরাকা राक्षत्र हिर्दान । कानशूर्व आदम कतिश र्फिन कर खन जाना पर्यमाहरू शय মতঃ হত ভত্তেপিন্দিগেৰ শোণিত প্রকালন করাই।। পবে কাঁশী দেন। यग्रामिन। होरा धाउँ इता अन्न भाता त्रा छिन अड लोक्टर कामी जा নে কাশী হইতে বানপুৰ পদান্ত একচি बन्गत इन्ड दान्तिमिर्गित श्रम धतिहा धतिहा याहेट्ड भारति : भीत यति ध्रश्नांत दिनाभी इडेन युक्त किन्द्रिंग छाहा इहेटल व काछि गाभातन विष्मा हरे जिब्द अपुत्राज मः भग्न नाहै। डाँहात व्यक्तिर-हनाकुएक निष्ठ ब्रेडाय मीटकरा कामीटक

यमः (नम मान्यन कता कठिन कर्या। हान । भाग इता। दहनति लाउटकात व्यापन काहात नाम ভाव उदार्य मगिधक ममानु হয় না। তাঁহাৰ মত প্ৰথমাৰ্ধি অনুস্ হইলে বিদ্ৰোহ হইত এরপ বোধ হয় ন বে নিষ্ঠুরতা প্রদর্শন কবিয়া হওদন, भीन विश्वां इहेशांट्सन, नव दस्ती बरवन छोम्भ निकुष्ठा कतिहा खात्र বর্ষের আধিপত্য রক্ষা করা অপেখ कारा रहेट विभिन्त रुक्ता त्यारा का করিতেন দক্ষেহ্নাই। দর জন লব্রেডে আয়ারের সহিত কোনক্রমেট তুল-হইতে পাৰে না। তিনি যদি আয়ারে নায় নিষ্ঠুরকমা হইতেন, তাঁহা ध्यांक्रमातिहरू व्यर्शन ना कहा व्यर्थ इहे नाम्मह कि ? सामनकर्ज्यानिश्वत डेपा मामन ना बाकिएन कि मगाज हिन थारकः? भागारतत प्रश्न हत, ज क्र পাইয়া ৰাঙ্গালীদিগের প্রকৃত প্রভুষ क्लित्र व्यव्याज किए हर नाई, वही हेर्।

> বিশ্ববিদ্যালয় ও মেইন সাহেব। म पिवम विश्वविद्यानाराव डेलाबि-नानकारन स्महेन मार्ट्य अरमभी । हाज-षिरभन्न विष्णां भानमानिकान गविर्णय थन:ग कतिया त चाध्वाम थकान करतन, ভाहा जामा। भंडवारत भाठेक-প্রের গোচর করিয়াতি। তিনি অক্স-কোর্ড কেষ্ডের ছাত্রগণের কহিত অত্ত্য বিশ্ববিদ্যানয়ের ছাত্রগণের তুলনা क्रियार्ट्न। अठी पास्पार्ट्न विवय गटमह नाहै। अदनभौत्रमिट्यत विमावि-त्रा शाधानामार्डत मीनाकाम विमानस लाव कारकात भर्गाय बहेगा पाटक। किन्न देखेरबाभीय क्रञ्जिमानन विमान-য়ের প্রধানতম পুরস্কার লাভ করিয়' महाके इहेगा थाटकन ना । विमानटगर निकात बबार्य পাखिडाबाड इत ना

बाक्षा कम के बार्ड मिल, ताशान,) इंबर्डिंग, विकेश कृषांख, श्रेक्टिंग विश दक्षके विमानितात्र निकात छैनता विक्य क्षिएक्स, छोड़ा इंडेरन डीड़ानि-त्यक्र माम छीशांविदशत निवास शामीत नीया चिक्रमा कतिए कि ना मामर क्षा देखेरतां नीरतता विशालय निवस्ता त्या नटक नटक कामानका कार्य क्टेंडन मा । উद्दाहा आयोहनकाल विद्याह अर्थन विवटत कृताज्ञण शतिकाम क त्रवा पीटकन। शकास्ट्रां अत्मणीत होजनन वर्ण दिन विशासरा व्यविष्ठि करत्रम उट हिन আহার, নিডা ও আমোদ পরিতাপ क्रिया अनवत्र अभूखक लहेशा कानवानन করেন। অবজত পরিতাম ও জলবায়ুর त्माद्य व्यक्तदकत्र याक्। उन द्देश यात्र। কিছ জাঁৰারা যেমন বিদ্যালয় ভাগে করি लग अमनि आदमान अदमानानित्र शिक्ष किक इरेशा चालरमात ब्राह्म चांचा मध-र्शन कतिरासन। त्यहेन मारहर क्षेत्रीकरम व्यामाणिटभत्र व क्षांटवत विवटतत्र छेटलथ क्तिशारहन । देशात मः स्थापन (हरी। क्रांच कार्याक।

विश्वविद्यालय পরিভাগের পর হুত दिस्तान व व्याग इन, छाहात जिविध कांत्र चारह। अशाम कांत्र वहे, जामा विश्वत प्राचनीजि मद्दा उप्राठि नार्ज्य चामुण जाना नार। मञ्जूनात्वत जा क्रांका पार्टिक डेरमार विदेश माझ श्वामीय श्रेश डेटरे। देश्मट याव जीव वाक्षित वद्यानकात शार्वा याचा चांट्य। মহাসভার তুলা খ্যাতিলাভ স্থান দ্বিতীয় मारे। बदात्न त्मक्रण ग्लानारे। प्रज्यार শাষাদিখের উন্নতি লাভের শাশাও मार्वे। आमातिरशत गांमाविक कूळथा বিশ্বীয় সারণ। বিদ্যালয় পরিভাগে क्षेत्रियात्रीय क्षेत्रविद्यात कत्य शतियात न्त्रागरमञ्जू कांत्र कांत्र श्रीकृषा वाटन। वृद्धि

अवास लातिका निर्देश क्रिकेट क्रिकेट प्रदेश । एका वावजीय छेरनारका छेरनामका-तिनी । पतिच कुलिब्साझाः निविकात मरेशा वाजिवाचा प्रेशा शृद्धा शृद्धन, शंकांपरत धनवान क्रडिंद्रिका महोत्रकांत्र व्यट्डणा-सित महाम अस्त्रकार कर लिये ना प्रकारण **स्ट्रांश्रीकृष्टिक अक्रमानक इरे**शा उट्टिम । क्षानिक मान पट्टिम हु छ छ छ-छत्। भवन्द्रम्भिकि विश्व वेगामट्यत महा मछा मार्च कविर्त देशत उत्तान कविर्छ পারেন। একণে প্রকৃতি নিজ্ঞান পাত্রের शकि बर्षाहिक मरनार्याम रहत्रा हर मा। এতকেশীরের। অসম শভাব বলিয়া কেবল মাম্যিক তর্ক করিতেই তাল बारमन । अहे समा नाशि, मर्मन ७ महना विकान अवादन मन्धिक धानत शास ब्हेम्राट्ट। किन्न यथार्थ देवित शहरित বিজ্ঞান শান্তের স্বিশ্বে অপুশী-नम बाजित्तरक क्यामा। व विश्वता त्य यश्किकिश भिका संख्या एवं, खाराट मण्यूर्ग भारतिका करण ना। आमरा অভাৰত: অৰুক্রণপ্রির, বর্তমান বিদ্যা मिका व्यनानी पाता भिर प्रमुक्तनथित कांतरे त्रसि परेटव । क विनद्य विश्वविमा লয় মহাসভার স্বিশেব দুটেপাত একান্ত व्यविभागः ।

> मा छेई निजय ससन केन छ अ W.इटवर्ष इ है है : । शि । (ननारमा

८ है बार्फ एकताच गत छेहे जिल्ल यानम्बिन्छ छात्र उपरोश वावका नक गडाई छात्रवर्ष इडेटवालीय रानात, मत প্রসঙ্ক করিয়া এক বক্তা বরি ब्राह्म । देश्लय ७ जान्यवर्ष छेउवन्त-वह मा कहे, जांत्र खर्य व्याधित ने द्या बेंखरतां भी ग्राप्त दोश्री बहेतारह। दिख . উक्रत च्टनत लाटक डेक्य चकांत्र (इयु निर्दर्भ कतिहा परिकृत, हैर नश्रदक्ता बरमन, अरमरमं थांजि वरमन स्य पनि-वादन रेगीनरकत्र श्रीन डार्ग व्य, रम भित्र-

बादन दलाक दश्यतन कहा देशनद्वित माना-श्रुक बट्ट । जांत्र कर बीट्यता बालिश बाटकन, क्ष्यांमकात त्राक्ट्यंत क्षांचिवश्यंत वृद्धि हरेएडए, उपाणि कुनारेएडए मा। ब व्यक्तात्वत्र कात्रव दक्षण व्यवस्त्रहरू इंडेट्रमाणीय देनना। दिश्वतद्य इवस्ति এখন এক মাসের পথ এক शित बांबशा-योग्र। गरमा विभव्या उस्टेटन व्यनोहादस अरु चान इरेटल चना छाटन देशना नीक रहेटल भारत । यक्यव धर्म १००० देशहमा भूक्तिकांत २०,००० देगरनात का**ल कतिएक** ह পারে। বিশেষতঃ বে নৃতন প্রকার বৃদ্ধক इरेब्राइ, छाराट अथनकांत्र अक वन रेमना প्रकात भीत सन यात्रशाही टेनटनात्र मयान श्रेहाटक। छटन बदयनीय रेनरनता विद्वारी रहेरव अहे अक भन्ना चार्ष्ट, हिन्छ अउरमनीव देगनाभर्वत डेश्क्रणे पत्र भारेबात महाबना नाहै। এক্ব হার নিপাহীদিনের শিক্ষাত পুর্কের नात रहेटल्ड ना। अधनकात क्या पूर्व थोक् के, शूर्व्य यथन विभावीविध्यव উरक्षे भिका इहेड, उथन छाहाता इंडेरड्रांभी व रेमनिक विरागत मयु थीन इहें ब्रा ममरुष्कद्राण मः आम क्रिट्ड ममर्थ हरेड ना। जधनअभा नस्च मिलाही ६०० ইউব্যোগীয়কে শরাব্দিত করিতে পারে नारे। कानशूरत गत विडे क्रेबार, गरकोरब मत (स्मिति वादस्य ଓ मिमार्गिक देखीलम् আগ্রার দেনাগতি গ্রেটছেড, দেনাপতি शाविता । अ स्थाव (वन्छ, अन्ध्र बाज रेमना करेश महत्य महत्व प्रमि कि मिना-हिटक में शांक उ एडियाइन। या निव वानी चाता ध्यांदमाहिक इरेगांड मिलाहिंगन इरे बंधिकालांज मन्यारण हेडेटवां भीरवत मन्त्रां पंथायांन इरेटक भारत नाहे। कत्राठः विष्मारी स्माभरवद्य ब्रायकीत रेमनिक्सिरभत्र मगरूका आंख महत्राहत नग्रनरभाष्ट्र रम्न ना। खात्रख्यस्त्र प्रक्रीय পরিত্যাপ করিয়া অন্য দেশের দুউার

वाक्न कविष्कः छ है। श्रीकिना इस । यथन क्रभीय गडाउँ निक्तांत्र निश्वांतर काटबाहर कटबन, उरकाटन रेमनाजान मधारत्या उँकित विशक्त हरेग्राहिल। किंद्ध रक्रम प्रदे रिक्शिय है रिमना व्यवस वन कतिना जिनि मन महत्व विष्का-हीत्क भराष्ट्रिक करिशाहित्सन । जाहा-बिर्शत भिका ए जरिम एकदम अक्त्रेश मार, उद्देश कर प्रामंत्र लांक करर এফ সেনাণভিব নিকটে যুদ্ধ শিকা করি. হাছিল।ফ্রামীবিপ্লবের সময়েও রাজাব भारीत:कक प्रदेशवाजीत टेमन, धर् পারিদেব সহজ সহজ লোক ও বিদ্রোহি रेनबाटक मृद्य निटच । करव । दन मिवन (म्लार्मेड विर्माहि रेमनाशः) मयान मर्था क क्षत्रक रेमना निर्धित समझक्रा नाज कविटल भारत नारे। (कवन माहन छ ক্রশিকায় কাজ হয় না, ভাগ সেনাপতির भारता**ज**न। टेर्मान र विटलाटर स्थात डेन्डम (जनां पांड शिंद न ना । यमि अज्ञाल करेंज. रेनना मन्या कमाहिटन है स्व विद्याह घडेना इहेर्स अदः विट्यांशीरा क्रुडार्य डा नाटंड मधर्ष हरेत्य, तम महायमा व्याप्ता । अच्यान कांत्र वर्श्व शूलिंग श्रहतीमिश्रहक वहेशा भगमा विदिश गर्वछा प्राण्डे नक वर्णनी। व्यवश्री लाक बाटक. देशका रव अककाटन विद्यांकी इहेरव. हैश प्रक्रांविष्ठ नरह। इंदेल ७ 8,000 इंडेट्डा भीव रेमना महत्य देश विश्वत्य प्रमन क्रिट्ड भारतिर । (रल अर्ग ७ मृजन वस्क्रक मोत्रा भविष्या गांचा माछ इंडेटव गटफर्नाई। उटव कथिकमः था टेमना त्राचित्रा अग्य छ इत्र्या (दन १

প্রধান দেনাপতি বলেন, "১৮৬১
আবদ ভাতেবর্ষে ৮২,০০০ ইউরোপীয়
দৈন্য ছিল। একংশ ৬১ ০০০ রহিয়াছে।
বিদ্যোক্তর পূর্বে ৪৫,০০০ ছিল।" কাগজে
৪৫,০০০ ছিল বটে, কিন্তু কার্যকালে প্রায়
৩৫ ছালারের অধিক হুইত না। ভিনি

चात क क्रांटन र्यानशास्त्र ११८५ क्रदन अउत्मनीविभिर्शत एतित्यत त्य शिक्षत পাওয়া গিয়াছে তাহাতে ৬১,০০০ দৈন্য व्यक्षित नहा १७ ३৮३५ व्यक्त कांकि मार्थाहन विष्मार रा, ध्रशंत स्मानिक रेजिस्त, घंडेना, ७ शवर्गस्यत्येत्र नित्यत्र तिर्भा **छित विकृत्य वर्षा अवशा अत्मन, छाहा** ररेत ७১,००० रेमना अर्थाश गर, यनि क्वन निर्णाहि विद्याह इत, अवः तिहै विष्यार्व क्वल जब थाक, जाहा हहेल ७), ••• श्रीदांबरमद्र स्थिक म्हण नाहै। প্রধান দেনাপতি এক জন রাজস্ববিং जिनि (म थटिएन, क्ड क्छ अर्मभ र्वेट कर यानाव र्वेट उद्या गर विद्याह, হু: র্ডক, নত্ক প্রভৃতিতে দেপের দৌভাগা স্রোত বহুল পরিমাণে রুদ্ধ করিয়াছে। এ অবভাগ কাংখানিক ভয়ে রাজ্যের भागवाश कहा त्य यूक्तिमिन्न नश्न, এक्था जाहात व्यापना तिहहे व्यक्ति वृतिएठ পারিবেন ন।। লোকে বারহার বলিছে-ছেন এত रिमरनात क्षरम्भन नाहे। अञ्चल ছলে বিজোহের ভায় ও অবিশাসে এজা मिगट कर्णे (मुख्या किवाकारत यूक्तिम-क क हरेरक शादत ? मन नक्स ह हे डेटबा ণীর দৈনা কমিলে অসক্তি দুর হয়, बी भवर्गमणे बृत्यन ना कन १ जास्य थानीत উरक्ष अवस्था **अवर्गाय अवर्गाय के** मड्म ७ इशिष अवः ध्वामित्तवः নৌজাগা ও সত্তোর নির্ভর করে। অত-এব यादाटा मिहे डेटवर्ष माधिक द्या. **डारा कता ए व्यविभाग डारा वला वास्ता।** তিনি সরং ই কহিয়াছেন, ১৮৬১ অব্দে be कालांत केंद्राशीत टेमना हिल. এখন তাহার ২১ হাকার ক্মিয়াছে। रेशां जना क्यारिए गा, क्या चार २) शंकात कमारेटनरे व विद्यार शहिदा ভাহার অমাণ নাই। আমরা উপরে ফেরুপ প্রমাণ করিয়া দিলাম, ভাহাতে बाखिबिक रम घरेना इहेरकछ उद्विबाहर क्छेश्व क्षेत्रंत्र गरह।

नव छेदेशिवय मानगिकाछ आह धक विवदत्त शवर्गामान्छेत्र टेमिक बद्रस्की-**डित गमर्थन क**ित्राट्म । नाटक अशाह क्लिकि होका बूखन बाह्रिक्त समा बाह्र कड़ा इहेर्द। अधान रमनाशिष्ठ बर्दनन वाजित्कत थानाली डेडम स्ट्रेंटन भीषा घटनक क्टब, कनिकाछात इर्ग छात्रात्र मुकेख । किन्न जिनि चौकांत कतियादका পেर्देनाबादत त्य अक श्रीका स्त कास वाजित्कत व्याटिश मटक, नर्वमा जन्दक्ट थोकिएक इस बनिया भीए। अधिक इस। मद ठांतलम मिलियत यथन ध्यान रमना-পতি ছিলেন তখন বারিকের অংশ উচ্চ घा मक्टनत अवाटकात कात्रणका बटनन। नव विडेटतांच चलवायूत स्वाध स्वत, याञ्चातक्ती मधा शतिकादतत कथा . २८लम । मत्र छेरेलियम मानमस्मिन्छ त्रन-ক্ষেত্র ও অপরিমিত পরিশ্রমের উলেখ क्रिएडर्हन। कान् मड आहा ? चारीत नत कन नदत्रम याहेटन त्य और नांदफ धभात स्वारि होका व्यथनाय बिका बुक्त वाजिक स्टेरन ना कारांत अकिकृ कि षाहि ? किंह य यह आंश इडेक, नक्त अक्वांका रहेवा अक्षा कांक कतिएक. ट्रनः—भाषाविद्यत त्राक्षत्र कत व्हे-**उट्ट। माधात्र जन्दराय त्रांकय महत्क** थाश सरेटण्टर मा।

णामता मन्गिरकेटक व तालनीजित उरवर्ष नाथन कतिएक विनार हि। मका कथा विनारम क्लि कि १ भन्गीर देखात तथा रमिनक तालनीजि जास्मारत दालात तथा धनकत स्टेटकार, निताल कोनात नाम क्षितिक काणिता नरिएकन,। दार्क्य वर्ष माज। माधात्रव क्षित केला गमान दावा वरिएका विकास कर्न रमेन दावा वरिएका निकार कर्न रमेन दावा कारिका निकार कर्न क्षित दावा कारिका निकार कर्न रमेन दावा कारिका निकार कर्न स्वारक दावा कारकन निकार कर्न स्वारक दावा कारकन निकार कर्न रमान

न्द ग्रहीखा श्मराम् राजिमात्वरे मुक्तरेख स्रेता क्षेत्रवाच इर्जिमनीफ्ट उत्र मारावामान ক্ষুদ্ধ, এই অভিপ্রানে ভারতবর্ষের পর-र्नेत रक्षमहरू मन कर करतका चन्न छन च्छि बाक्ति हो देवहरत नहा कतिहा रण नरूल होका चाक्त करत्रत । कामहा त्न दिवन करें बक्डी बस्य मुक्रीय वर्णन বিয়াহিনাৰ। সম্ভতি আজিব্যুক্তের

THE PARTY OF THE PARTY OF नाथ पुक्रांख कार्मन क्रिजीट्सन । जिन व्याननात्र क्रमीमाश्रीटक भिन्ना श्रकायनदक चाक्राम क्षिता जरू महा क्रून । तिहे मखान व केका मरश्रीक सा,कारा वधासारम ध्यातिक व्हेतारह। शाविकशन প্রেরিড ছলে ইহার সবিভার রভাঙ क्रम्य क्रिंद्रिया। श्रीत्रशाय, जिनि निर्वेश আরো টাকা বিবেন সংকণ্য করিয়া द्या । यदि धना धना समीशंत्र अहे मुकेटिक अञ्चलन कतिता कार्या कटतन, कात्रक्षर्दं क्षरताक्रतामूक्रण वर्ष मध्यार । अक बरक्द्र वत क कर बाना देहेकानव अवर स्था इत्र रह ना। जात्रज्यार्थर अ वर्ष मध्यम् कतिएक स्टेर्स । हेरलरक नावाबानाटका चाना नारे! व्हेडेटन-क्षिणिति निविद्याद्वन, त्रवादनक चन्नक क्षेणिकः। कात्रक्रदर्वरे भावभाव वर्ष गर अप कड़िए इस्टि वर्षन चित्र स्टेन, তখন ভারতবর্ষীয় ক্ষডাবন্ ও ঐপর্যা वान वाकिपिरवंत्र धनशकि निरम् वारा-**इ**ट्रात टार्किंड नथ व्यवनद्व स्त्राहे कर्त्वरा । अख्याता गराच गर्नावक सूचा-ৰ্তালাভের সভাবনা আছে। উপসং-श्रीतकारण वक्कवा करे, नवर्गटमके गमिवक ৰশাননা করিয়া ধনপতি নিংখ বাবার-द्वत ममुण वाकिवित्वत वयविक छेर्माव वर्षन कक्रम । नवर्गामक वस देशमाह वर्षक करिएबम, छछडे दिन दिन मुख्य মুখ্য বৰণতি সিংক বাহাত্ৰ আমানি-(अन्न मध्यमादय व्यवसीर्व व्हेद्दन।

কোরহাটিছ সংবাদবাতা লিণ্ इंटिइन |

১। আনরা দেখিরা বিশ্বিত ই পুরস্থ এক অব বিচারক গাড়ানিবার বার্চ हैं - - ज्याँब विश्वास श्र्यम अकृति क्षित्र किर्मिक् अमारको क्यानानि মানে ভয়াব**ৈ** े निषिद्वां विटिक्टकन । श्रमिनाय चिन् , বিক্রমপুরে উপস্থিত ्रांगिका ३० । ३ स् है जाब ু ্মিনিজেই ইভিপুর্মে কোন শিশিত্রিকা সন্পাদক পর্ববেটকে মক্তরত वेडाशानश्रक्तित समा अक अम ख्वावशात्रक विश्वक क्रिटिक विविद्यादित्व । अवर्गाविक अपम् विरक्षि मरमारवान विशास करा कर्चना ।

२। जामता जाकारिक स्रेगाम, कीर्वियामा প্রায়ে ভব্রতা কভিপর ব্যক্তির ঐকাত্তিক বছ s অধ্য বসায়ে তথায় " জ্ঞান প্রভাবিকাশিনী * নারী একটা সভা প্রতিষ্ঠিত হইরাছে। কীর্তিবা गांत क्षशंस वर्ती कृष्ठ ब्राक्क्ष्यात यांतुर शूल यांतू প্রসর্বার রার মহাশর্ই বা কি সভাবাশনের क्षवाम करमात्री।

 । जिल्ला प्राचित व्हेश शकान कति एकड़ि, कविश्व विविध हरेश, वस्थान वस्यदः क्रांत काश्व रहेवा त्रिप्राट्ड । यन्तरतत्र क्षांत्र ००० शांत्र ১२। ১৪ शक्षांत्र शेकांत्र ज्ञवा कन्ती-कृष व्हेबाट्ड। लक्षा बार्यनंत नार्य वननं विन দিবস পর্বাভ অলিয়াছিল। ঘটনাল নিভাভ শোচনীয়।

 अक अब बूजनबादमद जिल्ल क्लाकीद कान अन्त्री कम्याव विवादश अखाव रहा। विवा ছের পূর্ব দিবস কম্যাকর্ড। পাত্রী সইয়া পাত্রের वाकी वारेटचकिन, रेप्यवरदा श्विवर्था अश्वत अक विवाहां वी पूर्णवास वस्त्रुर्तक कमाजिएक কাড়িয়া লইয়া বায়। ৩ দিন গুলে পুলিব কন্যা-টীকে মুক্ত করিয়াছে। অপহরণকারীর বিচার जहािन स्प्रमाहे।

চাৰাছ সংবাৰদাভা লিখিনাছেন:---গল্প অস্তরপণ আপন আপন হক্ষ্মনিত भाक्टिकां कतिया शूननीत बेस्रण सनाह कारण निश्व ना रह, अहे केटकरनाई जानारनह शकाहिरेखरी अवर्शतके विविध माखित निवन विशान कडिहाइक। किंड अफ्यांडा वर्ति क्वांब डेशकांत्र मा दर्भिन, खद छेरा थाकांत्र कन कि ? व्योगता करने क्रांटन अकाक करियाहि, वाशता निक देश बामिएड शाविया तम आर्ट्टरेंड के

কোৰ ৰক্ষ কান্ত করিয়া একবার স্কুটভাগ কৰি-तारह, जाहाना शूनकीत बना स्थान वरिष्ठ कर्प कतियां क्षांचि बाख् वरेता बादक। त्व नक्ष নমুগ অক্স কারামানে অবস্থি করি দও (कांश कतिया बांटक, काशांतिरकत आह कार्य-কাংশ লোকের অভাবই নিচাত ছবিত থাকিয়া বার, সংশোষিত বইতে বেখা বার না। ছাতরাং कावाग्रह हरेएक विमुक्त हरेरमक भूगवाग्र कन्न हे हैं. कट्य नियुक्त रशा देशांत कात्रन कि ? जामा विद्यक्रमा कृतिया मिथियाकि महत्रदारमय अक्-(वहें के जकत कार्य मध्यक्रिक हरेड़ा क्रका विन কারাগার নিবন্ধ করেরী উপকে বানারণ উপদেশ প্রদান করিয়া ভাহাছিলের অভাব সংখোধনের (हरी मा करा बाद ख'दा स्ट्रेंटन कथमध डिएमनः বিষয় স্থানিক বৃইতে পারিবে না। অভএব আ-महा मनाबाम ভार्कदर्वीय गर्बरम्के मनीरण मारे बरत क्षार्थना कतिएकि, यदि कवांश्रर्थत स्थापी क्ष वर्षामय वेका वन अवर तम माना प्रश्ना ভব্দ অনিত ভদ্ন নিবারণ করিয়া শান্তি স্থাপন कतिएक वाजमा वृद्ध करव श्रारकाक चारनव (सन् थामात्र क्ट्रभवीमिश्यक छैपट म श्रवान किहा छोशालक इःचछाव लाधन कता अन अक वान সঞ্চারত্র সাধু ব্যক্তিকে উপলেশকরপে নিষ্ণন করন। এডমারা লেংকেরও বেষন চরিত্র নো-विक स्टेटन, क्षिमन जानात कर गरम गामा वकात विश्वक सूच अवादक अवादिक १देरव गटकर मारे।

উপরে যে বিষয়ের উল্লেখ করা গেল, আমা-त्वव अवर्थस्य छांच ता वक देवानीय स्टब्स নাই। প্রভ্যেক জেলখানার এক এক তম উপ (मधे। व्राविशार्यन बर्ड किंख कार्त्य कियु है दहे-(चट्ट मा। जामता वथम देशव अकुछ कारण जानू मस्ति क्षिए शर्स स्र खबन देशाम्छ। विराध छेगरमम विवरत कवरवारवान, कारहमा ७ था-লগ্য প্রভৃতিই ভারণ বলিয়া বৌধ হয়। অভএব কৰ্মৰা পরায়ণ ও সুনিকিত লোকনিককে তৎ कार्र्स नियुक्त कहा व्यवना कर्वना कर्य, मश्मय वारे !

২। অভ্ৰত্য আইউ সাক্ষিটেট জীবুক সে नार्ट्य नामाञ्चल व्यक्ताय काळ कतिया लार स्न , অপ্ৰিয় হইডেছেন। ডিনি অনৰ্থ এক এক জনকে व्यथनामिक कतिया शास्त्र। त हिन अक अन **विकार १ वटा व वर्गण्य क्यार के छे छ।** वा-कात काहान बाम शनित शबिए केंद्र व विधान क्ष्म मिक्के फड़िर्शान करदम । मामासूत्र कई

- ७। असाम **(अक्टब्यू**नियम महेन्ना पण्डे (भगक्र् चारमानन रहे:खरड़। मर्या मर्या अधि कर কোন পথিচিত ব্যক্তির আত্মানা কি আবিছু ড **इ**श्च । **फाउल्ल कांछ्शत्र विश्व वाद्य वाद्य अरु व ए**त्र বাতিকা প্রিক্সাক্রন।
- शा अवात काका कात्मरकात मण चेत्रांक (एचा वाहेट का हा अवाकार अश्रीय कर हाज বি,ও, পরীকা দিতে বাইয়া তথ্যবা ছয়লী ছাত্র फेर्स्ट १ क्रेग्राइन अवः इति हाज अम अ, पत्रीका मिना উचरत्रहे छेकी । इहेत्रार्टन । नि**छाच क्र**र्थक
- का करप्रकृतिन योजर कथात्न कारप्रत वड् क्षांद्रकाव (स्था के हेटलट्डा
- । जामाल्टर्भन्न जमकृष्णायीन महासम् भी-ভিত হইয়া ভিল ম'লো। বিদায় একৰ করিয়া-हिन । कान न, खिर छेष्णाम निष्क हरेवा पीइन्द्र चर्क, विकार कहिएक छार्। विकासकाल आ:-निएंड शाबि नाई।
- १ । शक्ति वरनवर अवास्य काञ्चनमारनव त्नर्य व्यक्तित क्षत्र वर्षेत्रा श्रीत्म । क वर्षेत्र क न-গৰে অমির বড় প্রায়ন্ত্র্য দেখা বাইতেছে।
- ৮। पात्रका हिन्द्रधन्त्रतिकती जन्मान क्रमनः केशक (तथा वाहरकरहा दिश्यात श्रामा वीव कृत्र वाहाइत छहात माश्रवनाटन महनाहवाली क्रेंडा मच्चिक से नमार्क नाक नक हाका हाम व्हेटक क्रमहत्व मन्याह शाहेत्र रहत फाक्क निवि-कार्रेश्वाद्या
- श्रृणीश्रद्धक्र नारमन मारहर विक्रमभूम यात्रिप्रिटमत याङ्ग पण्यातम अना छवात्र मिछ-নিবিশাল সংক্রাম্ভ কাডাগ্র স্ত ভিরুষ প্রচার করি । বোধ কর না। ब्राह्म । बाहोहा जी गलन निद्धारम अन्यवादन করিবে ভাষাদিগতে উপযুক্ত শাণ্ডি প্রদান করি ৰার শবিপায়ও ব্যক্ত করিয়াছেন। প্রাথম্ব ব্যক্তি भूभ और मुक्क निवस भौतान एवं गरन, रवाभी इकेंद्र व्यापारमञ्ज्ञ अवस्य करमा व्हेर्कट्ट वा ।
- अवश्वास्त्रक्रिक गर्मा अवस्त्र क्षेत्र ভিন্ন রূপ আছেশ প্রচার করিয়া থাকেন। সে क्रिय এই जारबन जानिया हान, जाबका नाजिय दक्राय ब्याद चावता च्याद विषय क्या वहि याहि। किम क्यिमस् न एम्ट्र भजाञ्चनाद्व क्षा _{। हे} कार्याच नार्या विश्वति क्षेत्रे क्षाकः । माक्षेत्रव यक्षाल भारकतः । नहस्त्रत् सन्ताल স্থায়ে, এই বছুৰ অনাথী ও বিনাই^ন বৈয়ের গোল रहोत्री (क नेद्रा क निक्र कि मा नदीय तम नदीक किमि क्षा वार्य रहेएक शासिवंग भा। राज माध्यारमात नवाक्ष करतन, महित्रक त्रामा अ

विवृद्धिम, अवर्थम हे चार्ट्स कावग्राहक उपहल्ल वक्षरिक इग्रेजारमत्र मालिए द गर्भ वश्मी कहा

क्षिम रहेग, जाजपा (जनपानात्र अक्षे मेहिड क्रेश बारक। जाराटक क्लेन करबक कार्य हेंग्री अक्सोका क्रेश अक सन वत्रकलाबादक चुन

> বিবিধ সংশ ०४ व काश्चन (जानक

वक्रिकोष्ट्र अध्यानक म आ। अस्तिक अन क्या रहेब्राटक । देशव केटकाना এই व्यक्तिक विके শব্দৰ ছেপুটী কালেক্ট্ৰদিরোৰ বিচারের জাপীল कारन हेरत्व क्षत्रकः मन्त्रव एउनुकी कारन नेत्रभः **४४० कविएंफ भा: ,८४व । बाक्किटकें ३.किट**ाब इट ३ य क्षकांत कार्ग,फांत, छाहारफ अ क्षेत्रा आह व्यायमाक । किन्न अवा प्राम जानीमध्यसमाही ⊤ুটী ক'লেইরের সহিত প্রথব .ড্গুটী কালে ^২-्रव त्वव भागाँ बद्ग-वा रहा।

বোৰাইৰে একটা সামাজিক বিজ্ঞান সভ व्हेटल्ड्र । व्हालंब रव व्यवचा खाराट अवहि भाग क्रेक विकास मखात मनन श्रास्त्र गर-नियुक्त करा कर्त्या। ८ म ७६ म बाहा । श्रवान ४० नवृह ब्राध्यवानीय महिल मरगुष्ठ हरेन। मन क घटना घटना किंद्र किंद्र कृति के जित्न कांक श्हेरव ।

ঘোষাইব্রের একথানি সংযাদপত্র এফেন **्ट्रांन एक व्हेत्रांटमन । कि.इ. जहां विन व्हेन** ভংগ্রেরিভগত্র সকল আসিয়াছে। অভএব निकंत प्रशासना भारति क यहेना प्रका बनिया

भाष्मार्थ्यत निश्च नित्रशंतरत्रत व्यक्षक फ्रांकत बारतकम् । त र्भात वसरम् ७ देखद्र १ कमा ঞ্লেবভিত্ৰ ভিত্ৰ শিক্ষত্ৰ বন্ধ দুৰ্শনাৰ্থ প্ৰেৱিক स्म । कि म अप्रभुद्ध शमन क्यारिक ब्रोका सीहारक আপন বাজে এক শিক্ষবিদ্যালয় স্থাপিত করি बाब क्युट्राथ करतम । अहे विन्हांनव भेक मा-পিত হুইবে। ডাক্সর হুনীর রাকাকে এক পত্র जिल्ला अ'नार्त्राटकन अप्रभूटत होत्मत्र मृश्विका चाट देश थाना फेक्स नामन हरेएक भारत । শুক্রতা থমিক ক্লবাও গ্রন্থ। ইচা সাজীক ছিত্র रक्ष अकृष्टिक क्रिका प्रदेशा शास्त्र : विक्रविकानक रहेटन बाज्याक भवर्गदनने कालाह मालावा कति (यत् । क्षित्र फाल्का व् होत्र आर्थना कटान काप्युटर (र जकत केलव अवा मारह चादा निका बाजा

्रक्म विमानम, क्रिक्शानम क्षेत्रक प्रानिक ক্ষিয়াহেন ভার্মিত ভাঁহায় বিশেষ প্রশংসার্ভু क्री स्टेबारह। ब्राकात अनक्त (हड़ी ऋक्ति वानश्यवीतः। जिनाष्ट्रतः, त्याजिः, व्यवश्यव श्रेष्ट्रीक् व्यवस्थ कार्याप्टर अवस्थानित हाक्ष्य विदेशाई 🔻 भारेंक উडम्बर्स मामन कब्रिट्ड भारतन, मह ्रमित्रं न**्रिलर् क**्ष्मचा **चयुनक्** सा ।

करपुराव राज। येग कार्यानेवरक चीव শক্তেন্ত জী শিক্ষাপ্রশংগীর উদ্বান্ত হেতু আন্তান >টেব। কিন্তু স্নীম নিকট মুম্বরাজে ভিনি ভাষা हिंद केरिया भारत मारे।

निविद्यान कि इत होका क्षात दर मक है।का कर्क बिट्लाइन । क्षा अधिक के विकास का अधिक के अवेदिया, कार हारे शिका कथा बरेब्रा अवनः कथ नाब-(नाथ दहेरक । अकिमधन १०केनीया कालानक वा किर्म का:कटक्टक मा

ভারতবর্ধীয় সভার গড় আগ্রেকন দিবলে পালি সাহেৰ দ্বিত্ৰখাৱী লাইলেক বিলের ভালি কার এক অঞ্চ বৃদ্ধি করিয়াকেন। ১৯ ১০০ টাকা नर्व, ख केर्कु नरबार बजा स्त्र, स्वात नव २०० ोका वित्र दब्र । ১०,००० एरिफ २८,००० शर्वेड . अत १०० होका क्य शारी हरेबारह । अवीद वादमङ्केतात्र भव भवे।८४४ लाक्षंत्रात्र कृत्र रदेवारका आहे भिषम राव वालक मुखा दिल बाधिकक के ब्रेग्राटकत ।

त्वाबाई८इव लूटन भागन कका ठाउँ६ व्यन्दर-वन गरिवत किरेकातनक गाउँव २७ च राज्य हाल छेनांच्य व्हेबाटकम । गर्भ वाहिले मालाव क है बाई फाल्यबर्द करीन कदका।

बद्धर्भद्र ३६ ई नद्य । ११६ । इस्ट्रेस भिन्न । । । । जमन कान्नदिन । (मा । मर्द्रण ७ कः । । जन 'युट र्स भिजादक्त ।

ইংলিশ্যাৰ ৰলেৰ "ভানতৰ্থের কডক থেবি সন্দার করেক বংগরাব্ধি উপহাসাস্পদ ध्रेत्रारहत । देशहा क्षांच जीचकारम देशनरक बारेबात रेष्ट्रा अकान करत्व, किन्न क्षेत्र कातिवा शांख त्य इंग्हा शिवि अक इत । ^क्यूतशिवाचाद्रवत क्रवाय च्यात्रक्षात्र अवे येखा क्रविश्वा कराश्र कार्या क्रिन । पूर्णाटनेक स्वश्राद्य होता वृद्धिपानी स्वली बाह्यक नर्वक काका केदिया व्यवस कवि महा केटल्य । फल्ल्फ्युरियद्व प्रांच्या (त'यमा केल्स्या (परिष मक्तिप्रात क्यारिकार देखार पार्ट्यां स्था क्रांत क्रियार्थ्य । जन्मी वर्धी जिन्ह्याद काल बर्ड किस महिनांत्र वर्षे देश्यरक बादेवांत्र

विवरम अक अकि वाबी हव, (व श्विन्त्रम बूर्मा THE PROPERTY. ममध्य केत्रांश कत्रिया ७ अहे हेन्हा भूति कडिएक वाविक स्त।

🍇 अक वृक्तभाकवार व्यवधि हेर निन्नाइन नाहे -দেল টালের বিরুদ্ধে বিশ্বন পরে প্রকাশিক চই **उद्ध । इंकेट्रानीय नवाब एवं देशएक दिवक** ছইরাছেন তাহা স্পষ্ট প্রকাশ পাইডেছে। এন-व्यनीय मध्य ७ निय ह्यान्त अन्र खादन ७ क्षारे नारे।

সম্মতি মহাসভার ওয়'লড় ওের লেসলি नाट्य नाक कान बाहनदक किकामा करहन, केंद्र महान । त्रहेंबर्ड बाहामाक काट्या केंद्रस्थात प्रक्रिक क्षेत्रप्राद्ध कि न्द्रन्द्र क्षि होति बालन एवं एवं कारण क्रिक्शांचन वर्षशांक छारा बाजी इ आह स्कीन खाइन करें नाई। दि-बांड बार्ट्रदं अधार्म्यार्थ मा है कान विदेश খলিয়াহেন ছডিক ভাৰষ,তে না হয় ভার্মান্ত ৰেবে উপায় জাধশ,ক তলি নিত কমিগন নিৰুক্ত क्हेंग्र'र्इन । ताकेंगे गारक्त क्रिगरमत अहे मान थात्या(एम एक्स्स, नाकश्वरूपण्य गन्ध माहे। प्रार्थक गर्या वशमधात्र विश्वव कार्यमागरनत म्बावना ।

२० अ कांचन मन मनात । भक्ता अहट उम्रश्रद नियमि वक है। कात्र कार्टिका विक्री क व्यवादिश---

প্রতি সমূক CPTF গিক্ক त्वारिय २०००)२१४०)० २४,६७,००० कानीत २,००० ३३००० २० ७०,००० श्वर्वत्र (क्षत्रज्ञ ज्याच्या ।वेद्वाद्वत्र क्यान ।त क्रिन बाधामाण करनत दियी इंदरन खादा अंश्रिमीत शकावाम काति स्ट्रेस्ड माहित्यः ।ए.क्षीत्र निर्माश्यकं स्कृत विद्या अवनंत्राद्वेष वि ३८३ चार्यम् व ब्रेटन छाहा कार्तिकता स्ट्रेटन পূৰ্বে বে কোন প্ৰথা খাসুক না কেন, সভ,ভান্ন ইয়া একৰে আৰশ্যক কৰে।ইউরোপীর স্থাতির श्रुणात् अधकाद निग्न जार्ड, क्छ बद अधान भा रहेंद्र (कम खासता छ।हार दिन काउन (न-चिएकोई ना । किंद्र भाव । क्रत्रमा क्रि अक्टप-भीव वाका भगूरका जानानाएक डिकी एक बहे खकार। १४र्वस्थर है जीमाबरना आव्हकत इते। कुनम्यांक शहता व्यवनाई वा हेता वक्षया क्षरक शादत सा ।

মুক্তবিদ্র বিধ্যাত বিশ্ববি ডাক্তর মাডকদে,

सृक्ष्याद्य । বিচারপাত ট্রেবস বচ্পান বারাস্ট্রতর সাজি क्षे हे कित्मन । क्षेत्राह क्षेत्रक खराव खरण के স্থানে অভিযা ইড হয়। ধার্যাবজের বিশ্যাসয়, রাত্রা অকৃত্রি বৃথিত বরে ইয়। বস্ততঃ ভাইছা:

वसमाब देव छ श्रवानकः केंद्राव हार्डा हे (केटक । " हो बश " म'एक्टबर मात्र मा अस्टिम अवछ ।लाक नाहै । अवर कि शुक्रव, कि 🛒 शासि वित्रक कि निश्व (करहे हिंदुक्क निहेडक किरमन वा । मुक्का क्षेत्रकार दु रहे कि वी मक (इन्. केंद्र नार्वरक *** (\$4) F क्षेत्र महिल श्रादमान कतिरस्त । ह क्षत्रायमं क्रिट्टन। ्रिटेश " निकार राष्ट्रा पूर्व इन्दी माद्यर . Teff wie wat with 14.2 PA ণক মঞ্জু কৰিয়া আঁহ'কে কোন স্মন্ত্ৰাৰ্ম চিষ্ট न्दित बर्दे के विद्वारक्ष । शल ग्रंचिताल भक्षा ररेशा किन के लग किर्दिशाद । अञ्चानपुक्त हिन् তের স্তাপ্ত চার্ল বাংলা ছারা হয়। প্রথম কৃষ্ণ বন মিল্লাইনিপ্রানড্যার কবিয়াকেন। ছিডীয় ট্রে बङ्ग मार्ट्य देशि काल्यवर्ष करान कड़िरमन । क् क्षेत्र महाब्रोहद्वन मनुकात, दे ने बाता कादक वास्त्र हेल्शिव ब्रांश्च क्षम कीन्स्राप्त कर बहिन्न क द्भव । देशेन मार्या वा भारता हि यह मारस्य (काम काक कतिएक भातिएकन मा। अहे न, पि कालीकुक विद्धाः बारानएखत्र काटकत्रा हेर्हे।८५ (यम क्षम विष्णुष मा स्म।

व्यानवा देरका, देकेटवांनीम कटामनारक्षर हे দৰ্শন ক্ষিত্ৰাস সম্ৰাতি কয়েকজন নদকে এ২০ कतियात गरदा गरकार गाउँदाचार कन्यामन छैल স্থিত ছিলেন, এবং সম্বোচিত সম্মান ও ভক্তি अभ्रमीय कतिया इटम्ब । कार्य मेक मध्यराद्धाः जन्मनः जुनः शाह्यंत रहेरण्डः अप्नि कि फार्स्स

আময়া উক্তপত্তে দেৰিলাম পোপ নৰম পাছনের নিজবার পরশ প্রভাব আচাই বাকা ষাত্র বারু পোপের অবশিষ্ঠ আর দেবল রাজব-क वर्ष कार्य। बाहिक श्रेत्रा बाटक। अपि जाक र्यात्र । अन्दर्भात विषय गटण्ड वारे।

७० अ मास्त्र बुरवाउ ।

थ्य अर्था देखेंन प्रवर्गत्र (अवतरनत्र को निः श्रदेश कतिएकछन । किनान मध्यस स्वासना वारमङ । इतिराज्ये इदेरमा। अवेज्ञल बनामां । अ व्यथ्न जग्न कहा हरेर्स। अर्थाधात्र त्राक्षण नरकाच कामन-प्रतक महा अञ्चेष्ठवर्श्वत्र क्षयान कविमनदत्रव शेव सिख्या श्हरत । क्रिम्बल भारत्य क्लिका के अवर्थ रहेवार प्रधानवा शहार्थना

मनिक्ष डा-करत्वा अवर्षेत्र क्षत्रवालाः निक्छ माभार कड़ेवा चानभारितात क्टेर विवय सामान । हात्र हात्नक वर्जवान स्ववस् (पाठ-भीत मरमर बादे। कृतित छेगात कालालारात सम देशिक वित्यानिक देशिको देशितिक

विवाहन वा बरेटन देशह स्विना स्रेमाह नहा-दमा बाहे।

देश्वित्रधान वार्येन कडिवाटकम, सम्बद्ध क्रीय (मरना बरण (बंदेनकरत कतिवात समा कार्यकर देश जनवन कार्त्रण कार्त्रेटड बाहरकदबन

डिक भन्न देरलाव रहेटक मरवान भारेबा-কেন, মহায়াল হোলভার করেকলন পরিস্কর্তক ইংগতে আগনার কোন কার্ব্যের নিসিম্ব প্রের্থ क्षित्वन । इंशास्त्र जानियान इट्टेंग कि का ভাষ্যৰ বিবেচনাৰ্থ সম্ৰভি এক সভা ষ্ট্ৰা সিধান্ত হইয়াছে, পঞ্জিজগণ নিজের কাল্ডে গেলে প'ডত হইতেন। কিন্তু রাজকার্যের ব ইতেছেন, অভএৰ সে ঘোৰ স্পানিভেছে মা। এটি প্ৰক এক্ষণ, হিন্দুটোগের জাচার ব হছার এইরংগ করে পরিবর্তিত ও পরিশোধিত হয়, এই আলাহিলের

इक्तिक क्रियमत महमानि मार्ट्य (विशिक्षाय ' দ্বিয়াকের কেন্দ্রারি পর্বান্ত উৎকলে ভিন লক্ষ ৰণ চাউল বিয়াতে এবং আন্তচার আন্তলার, 'नाही वाथ। ६६ शाटन । शाक्षात्र इंडेटन डाउँन আসিকেছে। ওয়জত ও সংলপুরের ছুর্ভিক নিবারণ সভা বলেন ভখার কষ্ট কমিয়াকে, ইহার वृद्धि पृष्टे ध्व ना । कंग्रेटक ठाउँन ও फाइन जारन काकृष्ण मखा व्हेत्राद्यः। स्टीत्नाकवित्रद्यः क्षुषा কাটিতে বেওয়া দ্বীজেতে। ভর্মলনিগদে সুলোনঃ भ उभाव कार्यक वज्र करार कारत कारत महान করিয়া কাল ও সাধান্য দেওয়া ছইভেছে। বালে इटवर मास्टिन्टिव औ विवि मनशांके स्वतावि গের সাহায় ডড়িয়া রমণী অবস্থানক সমার পরি চর এন'ন করিভেছেন। অন্তত্য সভা তাঁহার काहायार्थ २०० ज्वाका विद्याद्वा ।

रेन्याम, भिन विकर्षना करहरूकी आदि अधि मञ्ज बाजी छम् व्हेंभारक। श्रास्त । । । । ३२ सहस्त भुवः स्ट्रेड्डा

गर्दश्यके इनित्यक लिए नारम्यत्क গ্লিয়াকেন জিনি সৰত প্লিকাণ কিয়দংশ কাছা-ं द अब, हरेंद्री भागात्र फ्रांब्झाटइन । काहाबीह

चावका प्रतिष स्टेनाम जाराधान त नकन লোক পাঁডক ভূমি কাছ কাইয়াক্তমন ভাঁহায়া प्या नगाप्र मूना विट्रान नाव्टिकटइन मा. ज्यह बम পरिकाद कार्टा करमक यात्र कतिहा-हिन । कैंदि निगरिक मध्य (१०५) कर्बर । अलैक হ্রাত রিভি বড় বারুব বইবার ছরাবৃদ্ধি सुद्धा।

कविवादक वयकत हाटावेवाक्ष्मक विदेशक

(२ जन स्थितः इहेरनः हरना छ रेना स्थान आधकार्धः गमात् ग्राह्मका करनः स्थान विविध् क्षान, त्राक्षणानी । र कार्यन र्मनाशक्ति निकरः कार्यन करन्। (। नाशक श्राह्मकान विव्धः कार्यन स्थान

১ লা চৈত্ৰ বৃহস্পতিবাৰ।

হৃত্যতের খার্মকর্মা এক খত নীক পুলিদ লখনী চাহিয় হেম। গ্রেক্টেক্ট ভারতে সক্ষাহ ভাতেন। কিছু সিংহলের পিয়নিয়র্দিকের দুশিং বেন সন্দেশাকে।

্ নহ'ভা' জড়িগেরা অ'স্কু,নক্ষরের পদ है राहेगा अथवा (बस्त कमहेग्रा निष्ठ जनचड क्र्यारक्रम । इवहाप्रिन नाट्स्य बटन्न, विक्रम कर्णा ইকে হইলে সভাপতির বেডন আরো কমান উচিত। হগ সাঙেব ভাষাতে নিজ সভাতি श्रकाम करनम । পরিশেষে বেমন हिल म्बिकात प्रकत विषय् याचारे चित्र इहेत। क्रिकाछात्र बर्डशास क्रवकास वाक्ष त्रकातन न्य क्यायभाग, अध्य ७७३ मिन्नाइत कालके जानिक। जाकव हे. नग्नत डेनयुक लाक नरमह নাই, কিন্তু তিনি এ পৰ্বাস্ত বাৰ্ডীৰ নটাম-প্ৰকৃত ক'বতে পাৰিলেন না। পটোলড়ালার নিকটেশ্ব লক্ষ চন্দ্র চট্টোপাধ্যায়ের গলির ভিতকে व नक्षामा कारह छाश क्ष्मन कात्रल काछ के। क्या यास ।

দিলীব উদ্ভেচনৰ পরাগ বর্ণনে ট বে সকল হস্ত লিখিত এনে দীয় পুস্তক তথায় ক্রন্ত করেন ভাহা একল চেম্ব গৃহে নীলামে বিক্রীত হট-ভেডে। এওলে চিত্র শালিকার প্রেরণ করা উচ্চিত ছিল। এপ্রকাবে পুস্তক বিক্রন্ত করা গব বিমানীয় পচের অবোগা কাজ।

বোৰাই গৰ (মেন্ট বে এক নিজেনা উদ্যান করেন, ভাষাতে উত্তন বৃক্ত হওয়াতে আর একট উদ্যান করা হইদেরে। তথার চা হয় কি না এ চেষ্টা পাওয়া কবৈ।

কর্ণের কেরার একক'লে এক্সকেলের প্রধান ক্ষিস্নব্রে পদভাগে করিরাছেন। জিনি আপা ভাষ্টা কাল্ডাডার কাছেন, জাজনর ছংখের বিবয় এমত শাসন্কর্তার ব্যোচিত পুর্জার হইভেচেনা।

अन्य । १६ व्यक्त विष्ठं व्यव्यक्त स्वत्र प्र. ११.०३२ वेशका दश्च वर्ग, देवांत्र सद्धाः व्यक्तम-सूत्र १ ६१.३४० वेशका क्षित्रम व्यक्तम खाइन क्षत्रम । काम धृतिदान कमा ७००० वेशका व्यक्त इत्याद्ध ।

६ वर्द्धकामधानी जाताव शेव अस्ट प्रनीव

বলিকেবা বদনেরা পব্যস্ত এক লাখা রেলওয়ে
করিবার নানন করিরাচেন। তত্তত্য ডেপুট করি
সনর প্র জুলার বলিক নিকল কোন্দানি কাহালি
গকেটেজাই নিতেহেন। এলেনীর বলিকলিগের
ব'রা এ স্বল্পানিক্রাক্ত হর, এটি প্রার্থনীর। কিও
সভ্ত সম্বাদিক্রাক্ত হর, এটি প্রার্থনীর। কিও
সভ্ত সম্বাদিক্রাক্ত বিশ্বাক্তির জাতান
নাই। হিন্দু লাইক বিশ্বাক্তির ক্রিক্রানি এখন
কোন কানে বিল্লাম ক্রিক্রাক্ত ইয়া কোন
ব্রেক্ত কি বলিতে পারেন।
মধ্য ভারতবর্ষেরপানক ক্রিক্রানর বোবলা

यथा जातजवर्षत्रश्चामक्ष्मित्रहासत् वाचना कतिशास्त्रतः वाच कावणामाः, कृद्धिक ववर से श्रकात जूबि मश्रद्भात २६ वर्षत्रहास कर स्क्रमारण किर्मा जूबिमिकत स्ट्रेंट्य । केन्स्र आक्रा कर्षत्रहार ।

व काविकन रेकेदााशीय वाश्वारेखन हरे कन गांटावातर वश्व करन, 5 का बार्क काश्वारितन काभी करेवात । 35-06 क्या क्यांचि वाश्वेरक रेकेद्याशीरमध्याभी रम नाहे। अक्कन रेकेट्या भीत काभीत नमस केशकित हरेका विवाहित, मिट्टक काश्विरमय काभी किर्य, कार्य रेके-वाशीरमय काभी अक्टलमीरमय रख्य क्यांचि करात्र। अ वाक्षि स्थार्य काक्षि स्थीत पुरस ।

ইণ্ডিশ্বান প্ৰবিক্ষ ওপিনিশ্বন বলেন, কাণ্ডেন विकित ७ क्लाफ नार्ट्य जीवनभूरदह भागत উত্তৰ রূপে করিভেছেন। বর্ত্তধান বর্বে আরের वाधक वात्र श्रदेश्य मा। (तक्त्रामी कारेन कन्न गार्व सक्त्रमा इट्रेंट्र, किन्न चार्न करिन नरह । **भूतिव क्षनाजी फेलव दृश्हेरण्डा व नार्थन कि**ष्ट ামনের জন্য ভূমির বল্পোবস্ত করিতেছেন। গড वन्धता ७ कून मनत्वत्र मनत्त्र (व मक्त क्रूबक भनामक्र करत कांदाता करन वर्ष अक्रानवन করিতেছে। ভাওলপুরে বাংসরিক আর ১৪,-১ ৩১৯৫ টাকা। লাভ ভেলহাউসি যদি রাজনীতি नवर्ष अरमणीवनिरमत चष् माण ना कतिराजन फारा रहेटन व्यटनाथा । क नाभभूदन्त । क नियाबर-नीवृह्य जीवार मन्त्रानार्थ बन्दिक विटक्षन। द्रांक নীতি সৰবীয় সাধীনতায় কতি কিছুতেই প্ৰয়ণ क्तिएक भारत मा ।

उक्त नाम दिश्वानशामि था विका ही:मांक भूजवार्थी रहेश भूमा प्रिटण बाहे एट्ट इहानिश्य मर्गा कात्रक कितिनि बीलाक बारक । कितिनिश्चा हारक वामाना वाहित्य है१-हाकी वरमन । देखेरहानीम वस देखेरहानीम देख कम किछ अक्टरमनीम चीनाम्चा वाष्ट्रांम करहम । हेमारा प्राप्तन शर्मन कात्रम वामानम वि-करो योगरक्त मांच भग्न । देशेनिश्यास मामा

जिक पारीन का इंग्रेडानी किए से साम । किया विकास का इंग्रेडानी में जी लाएक में किया
२ त्रा देवज शक्तवात्र।

বঙ্গদেশীর বাজের অধ্যক্ষণণ গতকলা পুন-র্নার শতকর আর এক চাকা সুক ও বাঁচা রুজ করয়াছেন। বাণিফা পুনন্ধার বুজি হই-তেকে এটি ভাগার ভুলায়ান।

नव जानिहोके नार्यक्रानदा शवर्रामरकेंद्र নিকটে বেতনর্ভির বে জাবেদন ক্রেন বঙ্গদে-শীর গ্রণ্মেন্ট ত হার অলুখোদন কন্মে নাই। ভারতবর্ষীয় গ্রব্মেন্ট এই মতে মত দিয়া বলি -वार्ट्स (बङ्ग्ल भव प्यांभ्रष्टे) ने मार्कस्थित হতে সাধীন ভার আছে সেখানে অধিকতর বে-क्त (मक्त्रा रहा रहाई यटचडे। नाट्यात क व्याशाह्मव क्रिकिश्मा विशालग्न क्रेटफ (यमकन ছাত্র বাহির হইতেছেন হাহাদিগের ছারা পঞ্চাব উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের চিন্দৎসা কার্য্য উত্তম– ऋरण स्टेरव। अस्तरा शकाव शवर्राय अस्ताव क्तिष्ठारकन भकारि बाहरण यव व्यातिहोन्डे गार्कमिनारक व पाछितिक ६० होवा (१७वा হইড ভাহা বন্ধ করা উচিত। আবেদনকারিগ্র ৰলেন বেডন অল্প বলিয়া অনেকে গ্ৰহণেটের काल नन ना। अवर्रायके हेरा चीकांत्र बादन লাই। নৰ আসিষ্টাওী সৰ্জ্বানিয়ের বেভনতুত্তি षषि षावन (क) किन्न शवर्ग हमने हिकि शक्त ल লিক্কনিসের বেডনর্ছি অপব্যয় জ্ঞান করেন।

७ वा रेड्ड अभिवात ।

পালঘাইকেল নামক ভারভবর্ণীয় রেলওপ্লের কর্মচারী লিগন নামক অপর এক জনের স্ত্রীকে ব্যক্তিচাবিশী করে। একদিবল লিগন ও লাইকেল মৃগরা করিতে বার। নলীপার ক্টবার সময়ে যাইকেল ভাচাকে কলে কেলিয়া লিয়া বধ ভরে। ভাগনপুরের শেলিয়ন অভ ভাহার মৃত্যু হতের আজা দেন। কিন্তু গাকীদিগের বাক্ষে গোলবোগ থাকাভে প্রধানত্ব বিচারালয় ভা-হাকে মুক্তি দিয়াকেন।

পত গেতেটে করেকজন সূত্র তেপুটী কারে ইরের নিয়োগ দেখা গেল। ইহা দিগতে উংক-লের ছতিকের জন্য সাধানে। তত্বাবধানে নিযুক্ত করা হইয়াছে।

विष्क्षं शन

সন ১৮৬৭।৬৮ সালে জেলা ধর্মানে যে সমস্ত নির লিখিন্ধ লোট্ডের ফণ্ডের কার্য্য হইবে এবং সন ১৮৬৮ সালের ১৫ ই মার্চ্চ তারিখের পুর্দ্ধে সমাধা করিছে হইবে সেই সকল কর্মের অন্য সন ১৮৬৭ সালের ৬০ এ মার্চ মোৎ সন ১২৭৩ সালের ১৮ ই চৈত্র পর্যন্ত জেলা বর্ত্তনানের প্রক্ত মাজিটেট সাহেবের কাছারিছে বন্দ করা দরের কর্ম, সঞ্জা বাইবে এবং উক্ত ভারিখে বেলা ২ এব্রের সময় এ সমস্ত হরের কর্ম খোলা ভাইবে।

প্রত্যেক ব্যবের আর্কির সলে ৫০ টাকা ডিপাজীট দাখিল করিতে হইবে। উক্ত ডিপাজীট মরের কর্ম অপ্রান্ত হইলে কেরড দেওরা বাইবে কিয়া প্রান্ত হইলে পর দর নেওনিয়া ব্যক্তি অনস্থসারে কার্ব্য করিছে অধীকার হইলে উক্ত আমানত রূপ করা ঘাইবে। প্রত্যেক করের ফর্কে দর্ম দেওনিয়া যে দরে কার্ব্য করিছে চাহে তাহা লিখিবে। এক কর্মের মধ্যে এক কি অধিক রাস্তার দর দেওয়া যাইতে পারিবে।

| রাস্তাব নাম। | মৃত্তিকার কার্য্য . কিউবিক ফুটের হিসাবে | হুপার কিশেন | চাপড়া সুপার কিলেল সুটের হিলাবে | | খোরামেটালিং কিউবিক কুটের হিসাবে | সাল কাষ্টের কর্ম কিউবিক ফুটের হিনাবে |
|-----------------------------------|---|-------------|---------------------------------------|--------|---------------------------------------|--|
| ৰৰ্জনান ধ্ইতে শিউকী রাজা | 34,47,54. | 3,42,6 | • | F,8 | | and deleteration of the second second |
| à নেদিনীপুর রা ভা | 33,20,2** | *8,4r,*** | • | 04.6 | • | • |
| কাটোয়'। ধ্ইতে শিউড়ী রাজ। | 7.42 | 35.7¢ | 1,64, | ٧۵,٢٠٠ | 8 ₹ € | 6.00 |
| लख्यानगण डास्ता | ,3,84, | 3,42,4 | 3,6+,+++ | ¢,••• | • | |
| ৰোট | 03,94,14. | 08,•b,••• | 3.,4., | b3,9·• | 824 | 643 |

কেছ অপর বিভারিত বিষয়ণ জানিতে ইচ্ছুক হইলে অতা কাছারিতে জানিতে গারিবেন।

বর্জমান। সন ১৮৬৭ সাল ভারিব ১১ ই মার্চ

এ, জে, জার, বেনব্রিজ।

माजिएके ।

इफेटताशीय गमाहात।

লখন ৮ ই মার্য--আলনের ভাষতবর্ষীয় সেনাদলের কমিটিতে নিযুক্ত হইয়াছেন। ডাক্তব किविक्रहोन इफ क्टेश्राइन।

किन्याद्या हिभागादि व्यक्तिम् कवियाव **७३ अमर्गन के ब्रिटिंग्स् । अन्दर्गल अग्रानक युव** क्हेब्राट्ड । बुक्द मगत ममुटक माधि चाट्ड ।

न्य के है गार्क - (नमां शंक लिन वन' । 10 कारबाद क्या अकास देमरा भर तर कविया देमरा দিগের আব ১ই পেনি বেডন ক্লাক কৰিবার প্রস্থাব কৰিয়াছেন। বেহত টেলিপ্রাম আসি-याद्भ कम्युनादन मध्यमं वियुक्त रहेन्नाद्भन । হারগ্রেবা মন্ত্রিসভার সভাপতি হইয়াছেন। কেনি ब्राप्तकः विद्वारी चार्षः । किञ्ज देनवाणिशक **दिश्लि भनाग्रम करहा अधारमत भोकः** अ जाहायाकांथी रंगना देश्लश कहेंएक (शिविक कहें-STC# 1

১১ই মার্চ-কবানী মহাসভার সেনাদ্রের भुवः बल्कोबरञ्जत अक विश्र अर्थन कर्ता व्हेशार्ष हेंद्रा त्राधावरवद्र मर्ताना ह क्य माहे।

উদ্ধৃত। (कांकार्थक' न ।)

" किছু দিন গড क्हेल छाका जान्याविमानद्वज्ञ आखार देभनरक माबरमहिक मछ वरेता । ग-कांत्रिकहि। शाम काज़ारे भेज लाक मजाय উপস্থিত হইয়াছিলেন। এথমতঃ 🖏 বুক্ত বাবু वामधानाम (गन मर्गभरम्य अक् वाक्रमारः मह-**সম্বভিষ্টে** জীয়ুক্ত বাবু কানীপ্রসন হোষ মহাশয় সভাপতির ভাগন পরিগ্রহ কলেন। তিনি তৎপ : वाका विकास राज्य अल्लाहक वर्षा प्रयुक्त दिना स्टियुन गंख बर्गारबङ्ग कांचा विवतन भारे कतिएक अञ्चरताम करतनः नन्नानक क्षीतुक वातू नीननाथ मिन রিপোট পাঠ করেন, আমধা স্থানারতে তাজা বিদ্যালয়ের বিভাকালিকগণের অবগতির নিমিত क्षकान कत्रिमाम। मन्नामरकत्र तिर्माष्ट्रे भठिए **ম্বলৈ সভাপ**তি বিদ্যালয়ের পরিক্ষেন্ত্রীর্ব ছাত্র দি**গকে পুরস্কা**র বিভরণ ক্রেন ইভাদি।*

निक्कितिराच शरमार्ड राष्ट्रक min 7.787.43 **建(金丁)** 拉1

कर्जुष्यांनी केळलन ३ दर्शकित्राय मध्य বিনি যাত্র কেন ক্ষাতাণার কামট ও পরিপ্রামী मा इंडेन अबीन कथाती भटनव शांक यनि काशाम निव्यान मृकि ना थाटक, कथनरे जिनि देनटला है तमिता कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान

বংখাপযুক্তরূপে কান্ধ পাইতে পারেন না। সক लाहे किंद्र क्षांकित कर्डन,जारमत क्षेत्रकांत्र य य कार्यः निकीष् करत्रन ना । खन्न अवश् छेन्नछि श्रजामारे जिल्लारम् लाक्टक कर्वरा कार्रा বত কবিরা থাকে। তার অপেকা জাবার উরতি প্রভাশার কার্যকারিডাশক্তি ক্ষর্থিকতর। শত তথ প্ৰদৰ্শনৈ বে কাৰ্য্য সৰাহিত না হয়, এক উন্ত প্রভাবা তাহা সন্পাদিত করিছে পারে। করিয়া কাজ করেন না। উচ্চারা কেমল প্রভূত্ব প্রদর্শন ও কর্মল সাস্মবলে অনুজীবীদিনের करनक नगरबंधे जीशिविषक अनिक्रमान्य बहैट रम्न, वना वाहना। य कार्य क्व रखेक ना, छेब्र जित्र हात्र छेत्र का ना भाकिता कथमरे व्यक्ति किन छ'हाट छेरमाह शांकर अारत ना। এत्रमी ह भिक्कतनन हेहार अरु अकृष्ठे छेमास्वन স্থল। স'প্রতি উত্তরেখী স্থ শিক্ষকদিগের। বেডন वृद्धि । भागा जिन व वश्य वहेग्राह्य वर्ट, किन्त চু ভাগ্য নিমু প্রেণীস্থ শিক্ষকদি।গর উপ্রতি বিষয়ে আত্মি পর্যান্ত কোন নিয়ম ব্যৱস্থাপিত হর নাই। हिनकान अदिधामनक्कार्य উद्धमन्त्रभ कार्य। নি বাছ কানলেও >। ২৫ টাকার উর্জ বেড-त्मन अन डेंग्स्नांनरनात् स्नारमा श्रीय प्रतिष्ठ राज्या गात्र मा। अहे नि।भन्न हेर्द त्या किन्न भ अञ्चरमाहिक স্থাছে। আমরা এইবাবে তালাব বিষধে প্রকাশ ! ও বিষধিচাত কাল্যাপন করেন, যাঁছালা প্রাক্ত कृतिशाद्यान, डाँश्वाही जाहा जञ्च कतिएक भारतम । अञ्जीनकम देन्द्रिके कार्यात्रक व्यानक ं नि इहेता थोटक मटल्टर नारे।

এবিভাগের ভূতপুর্না রু ল ইনস্পেটর জীয়তা चात्र अत्र, मार्चि न त्रारम् त्रत् अहे अत्र महस् कटन সকলেই পরিভুষ্ট ভিলেন, তিনি ভাছার অধীনত वास्क्रिमितात डेब उत्र सन्। माखिलब यह कति-एक । क्षांन क्षेत्रक विषया भाग भूग १**३८न** छित्र अन्य कालिक मा निम्ना खना बालिक প্রায় ভাষা প্রদান করিতেন না। বর্ত্তদান 💘 ল इंस्टब्लेट्टें औएक ति वि. क्लार्क मारहरवद्य अहे ওৰ প্ৰকাশ পাইতেকে। সপ্ৰতি ভিনি ভাঁছাৰ অধীনস্থ শিক্ষকণিগের পলোক্সভি বিষয়ে যে अधिश्रात क्षकांग कविद्यादहम, खारा अधीव প্রশংসনীয়। তিনি উ'হার জেপুটী ইমন্পেইরদি লকে এডিবেরে ঘারা জ্ঞাপন করিয়াহেন ভারার गान मध्य अहे---

" শিক্ষাসংক্রাস্ক কার্য,কারক্ষিপের পরে।-ছতি বিষয়ে যতনুত্র সাধ্য প্রশৃত্তল। করিছে আমার একান্ত অভিনাম। আমি আমার ডেপুসী भिक्क मियुक्क करिया शांकि। **डीहा**द्री आशांबर-ণতঃ একটিংরূপে শিক্ষণ নিযুক্ত করিয়া আমায় व्यवस्थि अञ्चित्र कतिया शास्त्रमा (उन्होंने) अरेक्रेन क्याद्वार कानन कत्रिशत कि अक्षिर-ब्रार्थ नियुक्त कतिवात श्रुर्धा निया शिथिख नियुक्त क्षणियानम् विद्यान, अहे बामग्र वामना ।

যধন কোন ভেপুদী ইনক্ষেটর সাহায্যস্ত বিশ্যাসম্ভের কোন লিককভায় লোক নিযুক্ত করি कारकण अहे, कारतक कर्जुनक अहेंहैं। विरम्हता विन, त्यहें मराव विकासि वाजिक ०६ हांका रम, क्यन केरिक अहे कर्जर, रहेर्द, तारे ब्रास्ट्रिक व नक्त निक्क ००।२६ वा छ।लक्ष ख्रा । धाना का:वा चात्र कतिया महेटक हान । शुक्रतार विकन शांख परेटक दिन दिन वाला मरा **२१८७ वर्ड निर्माहन कर:न। भिका नश्काल** কাৰ্যে,র অসম্পর্কিত ব,জিদিপের অপেক্ষা এরুপ राजिएक प्रतिकात प्राप्तिनीय केलिया कान कविष्ट हरेव। २० ठाका विख्यान वार्थ। मध-(क्छ এই निष्म अভिभागन कहिएए स्ट्रेंट्र । নিশ্বতৰ পৰের নিক্ষক দিলের প্রেই ইংলানী नधान कुरलत्र शाक्रिकात्र शाबि शनः स्ट्रेट्य। **८५० िशरनव स्मन्न अधा छे हिन्द्र, देश लगरणे विश्** ज्ञारमत हाजिनियान माचि कारणरक्त होजिनियान मार्वि प्राथाना वनवड्या

" আমার শ্বপন্ন বাসনা এই, প্রভেক্ত প্রবে (मर मिककतनरक छोड़ा नरगत्न निस सकरनरे উष्ठ পদে निधासन कहा रहा। किन्न पति कथन रकान मिक्क अन्त धार्यरम याहरण हैना हैक्टरन मा,म छारगांत भार्केटम दीका, (म दामना धूर्न कतिएक उन्ने कि कि न।। व

'' যথন গৰণমেণ্ড ফুলে কোন ৷পদকডা णान चुना हरा, ज्याभात जानम अहे. माहाराष्ट्रण ऋ त्मन मिक्स्भग्रंक खाहा ध्यमान क्या व्या वाहादा अथव चार्टिक गरीकाय गण्यां उ क्रिकीर ब्बेब्राट्डन, धाराजिटशव जटलका से कार्या भारी ব,চুত স্কুলের পুর্মতন নিক্ষকগণই অবিহতর व्यानजनीताः "

क्रार्क नार्ट्य व्यक्तिकरत ऐस्त्र क्रियारहर्म, ८७ भुत्रे हेन् एक्ष वेत्रविध्यत्र । अञ्चात्रा । जिन्ह निश्वक कतिया बादकमः। आयामित्भन्न विद्यवसीय এটা অসমত নয় ৷ কিছে ছেপুটারিখের কর্ডব্য জ্ঞান अहेन्द्रभ धावन धार्त्यदन रहा। प्राज्ञासा यमि यद्या-क्रिक वर्षदृष्टित्रप्राध मा इस, करमक नग्दन তাহাদিবোর সম্পর্কিন্ত ব্যক্তিদিগকেই শিক্ষকভাস্থ बिर्माक्षिक थ। क्षेत्रक स्वया, बाइरकः मार्ट्सन क्षुरकत्र श्रुवकार्यशाम श्रुवस्य नगरत् नगरत् जायश रबस्य केतिएक लाहे, जाराटक अस्प विधान वजा बाब को, जरून ८७ पूर्व देनरान के वह महाराष्ट्र गाँवी

নিরম আছে, যে সার্কেল পণ্ডিত যুখাচিত পার शका अमर्थन कविद्वम, जिन जिन जाग जान्हता তিনি অন্ধিক ১৫ টাকা কবিয়া প্ৰস্কার প্ৰাপ্ত হটবেন। আনরা ি তাত কে'ভের সহিত প্রকাশ कतिएकि कान कान (एम्डी इनएम्डेंब्र अहे নির্ম সমু চতরূপে প্রতিপারন কানে না। সকল সার্কের পর্বিত এই নির্মান্ত্রালে পুরস্থার পাই-(वस. श्रांकृत. नैशिक्तित नश्य उहे क्रम अर्ज निवृत्र शहिला कार्ड, अतात केश व कार्यन क्षरभाष्ट्र सन्। खरनदक्ष्य दिल्या शास्त्रम् । एशुक ছেপ্টীৰ অধীনম্ভ স'র্কেল প্রিড্ডিদিশ্যৰ মধ্যে बाहाना डेंडांत बाबीय वा कान शकाय मण्य-কিত লোক ।কবল ভাঁছাবাই নিৰ্মাতরূপে পুর क'र लाम कर्त्रमा भारकम, बाटनावा डाँग खर-शक्त बहेर्ड भारतम म गरमिल अस्था प्रवि च'न(इंडेक. उपा प हेंग अक्दात हिल्कनीय बाइ । अञ्चल हे कि विकारित गांत गांत नह मोडे कलक्र अंशिक जिल्ला नाई ' काउँ वर कायरी ক্লাব দাকে অনুবোধ কান, তিনি শিক্ষক-फ्रिनन निरम्भाक्त अ पर गर्क क विनरण एक पुनि के तात्र अञ्चाताम आवश दशिखन काछि नाष्टे कि छ उ इंग्लिश्क बड़े विषश्री न वित्नमत्राण कानाहेश क्षिप्रेम, (काम मिणक्षाणाम भूमा क्षेर्त याथी-চিত্রতে ছোৰণা করিতে হইবে ভরপ ৰত वादिक काशी इस, कालिस्तिव खालात्कत उना-खन मर्गक असरन किसम करिया नीकान कार्वि ভিনি সভাগোঞ্চা বলবং বোর কবেল, কেচবান ग्रहक'रत डाहा कीं भेटन (देनडामधे । गारहत, ३) कालम कॅन्ट्रन श्रीम ए किट्रिक (योग जनावा माकिष्ठ की, जिल्ला हिनाफ हैय) जाहा मराना ५ १ भ कहें ज को १ को हो 44 11 া এখা নাবেনা, সুদরাং দেপুটি दल ,द .। विद्धांषठ इहेदव ' है: १८ । ।।

ট্রত পদে विश्वभाष्ट्र . ५० वर निर्माण मिषुक क । इहेर्य : । । । ११ वर्ष वर्ग अ । इस्टर छैरकृष्टे का ००० ।। निध छानी व निकर्ण গোৰ বিশেষতঃ নাই য'বত সুকোন লি ককগণে . জ্বত্য আৰু ৭ কলিলাং নপ্ৰচ জালাই, নীহাৰ ব निर्माणनाम के विकास करें के विकास करें की पिराव भवर ्रास्ति सिमात स्य कान छेलाय इইবে সন্দেহ নাই। নিয় খেণীস্থ শিক্ষকভা कार्स्स कान पूछन आहे । नवुक क्रिए इहेल এবৰে ইংরাজী নন্দাল কুলের ছাত্রদিগকে निवृक्त कृता इट्रेस, क्रार्क गार्ट्स्ट अ अधिशास-हैं। अञ्चरनभीतः। हरवाकी मन्द्रान कृदनतः काळ

দিগের নিকট ছইতে যখন একরাব লওয়া হই श्रीटि जिन वरमदात्र नामा कें हाता भिक्तकडा जिन्न जना कर्ष धारन क्षिएल श्राहित्स मा, তথন যদি ভাঁহাদিগের শিগ্দকতা প্রণিপ্তব কুনি 🕆 कता ना एश-- कुल भविक्तारभव भव यभि क्रीक्षांक्रि গেন নিজের বাইয়া গুড়ে ব্যিয়া থংকিতে হয় मार्गिक यात्र भन मध्ये कामा देवाल कर। इस সন্দেহ নাই। অভএব যেরপে উচ্চার। স্কল পরি ভাগে কবিষাই কাম পাইতে পাবেন, কর্ত্পণের ভত্তপায় বিধান সর্মণা কর্তব্য: কালেজ প্রভৃত্তির ! বর্তমান ছাত্রেয়া র.র্ক সংশেষের উপবি উজ चिकिशारत व्यवक्र हरेटक शारतम कोरन महना । (क्रमाय दीय समीनाविष्क शनन करिया व्य अनाव ভাঁছাদিবেৰ বাসনালুক্স শিক্ষকতা পদ প্ৰাথিব क्रविना बुहिल मा कि ह रोहाद्रा यनि विविधित नित्वहम। करनम, छेशाउ जनएक्थ मनिवाद ! কাৰণ ৰেখিতে পাইবেন না। তাহ'রা ধখন শিক। কডায় প্রবেশ কবিয়া একটুকি পুরুতন চইবেন তখন ভাঁছাদিগের পক্ষেত্র উক্ত নিয়ম স্তবিগ क्रमक (विध इहेर्द अटमह माहे। क्रायाक मान কবিডে পাবেন, অমরা প্রাপ্তন শিক্ষকিরেব অপেক। অধিকতৰ স্থানিকালা হ কবিয়াহি, বিশ্ব विष्यामा स्थान स्थान हेथा। साम हरेगाहि আমহা সমান কোন শিক্ষভার নিমিত্ত প্রাথনা कबिटल डाइनिराब कार्यका कामानिराव गरि ्कम मा व्यक्षिक इष्ट्रेट्ट २ व्यामाहितात विद्वहमात কৰিয়া দেখিলৈ স্পষ্ট প্ৰান্ত হিছবৈ অভি বড় প্রধান কাতিকে ক্ষু পদে নিয়ে জিড কনা অনু চিত। ভারতে উভাগিলের তা, ন ইবনাঃ **७ महनारेगांच शादकता छुएगांच १ छेट्नई छीइ ता** श्रीता श्राक्रां स्थाप का नाफ का । या गा गा चुना करवारणक बहैर्ज श्रृष्ठक विकासिय विवे मावि ऋषिक हेडा अकरत्र श्रीकार पनिस्ता। व्यक्तवर क्ष'मता क्षार्क नारश्रदा जिस्छारम मर्भ था खनुर्गामन कात।

ी । मण्डाव कारण आधामिरण व वस्त्र । अहे. क्षार्क गारहर रायन बाष्ट्रीय किरान भरनाश छह मुक्षमा विभारन मरनारयांशी बहेबार्डन, ऋ ल আৰম্বাবিদ ষ্ট্ৰক না সকলেবই সভোষজনক পিতিভদিগের পদোরতি নিষয়েও সেইরপ মনে: যোগ বিধান করন। বাষ্ট্রপতিতদিরের ় অংশকা দ্বঃস্থ কর্মচারি শিক্ষা বিভাগে অভি प्यक्ष रिलामान पार्टन । म

প্রেরিভ ৷ মান্যবর প্রীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

'লাজিমগঞ্জ নিখ'দী জীযুক্ত বায় ধনপত দিংচ বাছাছৰ সম্প্ৰতি উভিৰনাৰ ছৰ্ভিক পীড়িভ वार्ष्किम्पान मार्थान द प्रदेश क्रिया वान-লয়ন ক্রিয়াছেন, ভাষা "ম'পনাব ও আপনাৰ भारकत्रदाद शाहर कथ एफ एक है। मक ्नव विभिन्न इंडेर्स अकडी ५०२ डिमकार साइडव न प्राचना ज्यादह ।

भाग भिन कहेला, डिक्ट व'र्याशक्क वृर्विया কাঙারিতে এক সভা কবেন। সভাস্থলে উহিন্দ অনীনত্ব গ'ব তায় সতা স্ত প ভ্ৰীদার ও প্রজার। ট শশ্বত চইলে তিনি উভিয়ার ম্বটিক পীড়িত বংগ্রিদিরোর জংখ মোচনার্থ সাধ্যমত কিঞ্ছিৎ किश्चिर माद्यायाचारमा अनुस्तान कविद्यान । मछात्र वाक्तिवाछ छाँहात वादका व्यक्तवानन कविया यीग्र यीध्र क्षमान भाउकता ॥ विमादव আক্ষুকরিলেন এবং সনুদায় টাকা সংগ্রহ कतिग्रः द्वान वाशक्रायत्र इत्तक ममर्गन शूर्वक अहे মন্ত্রাণ আমাইলেন, যে ঐ টাকা ভিনি ভাগদি গের মামের দর্ম্ম সম্বলিত কলিকাভার কমিটিতে (अर्ग र र । द्राय व'काहर अर्थनाया कर्म সং । क क मरी हु अवन कविषा दिन । পूनियांत अप्रै क्षक्रकद जांशक्ति बच्च। निर्भा प्रकृत्भ विष्यक्रमा। अप्य । १५ म प्रदेश कासू नवन क विद्वा सनि जावि शान करोबाबीन अक्षांता नार्यः कर्यः अञ्चराम ধবি হাত্রভা ছড়িক প'ড়িক প্রজানিগে। সাহা दाश अलग (फर्ट्सूड ब्लास्क्ड निक्रे) आर्थना ित्र ह। । छ। दाउँ दावेद माग्न छ। वखतार्वत ভাছা পৰিভাগে কৰেন। স্তাং ভাই ভিলেগৰ। বিশ্ব ইয়াৰ হয়, এপাৰে ভালা ছইলে ভাৰত সংগ্ৰহণ প্ৰসংখ্য অ'কি**বেন**!। **যাহা** ८रू वित है। दिश्व देखावन करोटक মব। শৃত শাও শাংবাদ করি । ছাতিফ ত বাজি লগেব চাৰ বিষোচনাৰ আঁহার धना एक छात श्राम इंडव्रिक स्थान

94-

" অজনদা'ত ছুঃখ মঞাজো वितृ उदा मिर्वाभन्न प्रांड " লোক ছঃৰ বন্ধু ব্যক্তিৰ নিকট উদ্যাটিভ षांव पक्ष रहा।

कान्य, मानाहरा शांधम कविद्याहि शवर्गहम है

ভাগৰ সম্পান ক্ৰে বিশ্বে অম্নোৰোগী না

था(नन।

অমুত হতভাগ্য পত্তিভাগ্যার রুত্তকে বৰ্ণি, িক্রিয়া পাঠাইতেঞ্জি, আপনার দেবহিত্রধী পত্তে

क्ट्रेव ।

इंश्त्राक भनवासार हेर क्यीरन कि खरान कि मानाना गत क्षकाय कष्मानी चारहन भारति नाभिकापि निष्ठाम छेरमावळा थ रून विश्व अवाख ! इंख्वांका कात्मस ७ ऋ ना ५ एउत्। ७ नियस নিভাস্ত বঞ্চিত, সংগ্ৰেছ পণ্ডিত,দিণোৰ ৫ ১৩৭, कृत्त २५।२०, अ.जि. छह द्वारत य निष्ट था, छन कार्ड एक नर्धाताय बहा है। रिनास स्थ যদিবলেন ওকৰিলা ক্ৰেড ভাৰাণ ভভাব क्राम है रक्षा किल्ली इस अ कारभएक आकृतनी (५३०) इंहेर्ड क गरा १ (मा কলন ৷ আৰু ব হততাগ/কেব মাগ্ৰ কত জন भारेगार्ड २ a जी कार्यज आर्ड a छन भ'रेरनरे যে সাবারণকে উৎসাহ প্রধানের বিশ্বন স্থাপিত ब्रेंस छार' बला म'रेएड श्राटन वा वेशाएन कान (बाह माहे। नि नियुवले खाया द स्मार्गालक, अर्नक । কাল কৰ্ম শ্বিতেকে বলিয়া বেতন রুদ্ধা নিয়-म इसोहे अवर निर्धा क्रिक कार्येष्ठ शिक्षम ६ देन अनाकि अनिकि इटेल छिन्छ इटेरन देशनक। (त्रा নিয়ম নির্দ্ধানিত নাই স্রাহ্ণাংশ ইফালা নিভান্ত : হতভাগা বিন। এর কি বনা য'ইশ পাবে यथन श्रक्तां भित्रात भूषाः छन 🛷 । १ दिन्छ अस्कि श्रानिष्ठ इग ए थरा वहाँ द পর্যান্ত শে সকল বি, ফেন ক্ষমত 🐃 🕥 · 4, 195 विषुक्त किरलम ७ भित्क चार्य १८ - १५४। কাহারও অনুগ্রহভাজন চইণ' কোন

'<mark>শাৰ্ণায়ক নিয়নে</mark> মিয়মিত জয় इः ध निवादानव क्षत्राष्ट्र पृष्ट्रार एव ८ फि इडम (इ যেমন পুর্ণোকার্ট ব্যক্তি অলাগ্ডপ্রশাক দেখিলে ভাহাৰ শে'কেব হা সহয়, যেখন ১০ ক অপর কাণা দেখিলে তাংগর ছংখের নাঘৰ হয়, বেমন অঞ্লোক আর এক ভ্রাপদকে सायान काराव (कार्य अझ्या १४. मा ४७०। গাবা কি দৃষ্টাৰ দেখিয়া সুত্ত ও ফোট দূন, कहैरव ? डाहात किहूहे मार्ड कारतम अञ्चल यख् **ज्रान्त** हिरकोलेडे अक ज्यदञ्चा, हेड्रोटन्द्र क्लान

वाञ्च इत्र मा। पूर्णकार्य इञ्जिल् हे बारङः । ৡণ কলারিখালের প্রতি দৃষ্টি রাখির। আব্দাকে ¦ একটা গল্প আছে, একদা বিবাতা আসম স্বাচি কিল্পাণ্ডর রাখিনে নাই প্রকার _সাইর রাখিকে

অকুত্রহ গুর্দিক উদিত ক*িবে* প মোপর্ভ বারোপবোগী বেভন দিয়া রাঞ্জীর **কার্বে**। ं लोक निरम्रोरभव श्रथ। किल। छें। होटा बॉक्स्फर के **ठेव व विकास मिहित को विकास का**र्युव देशार्व कामामनकाध्यमुक्त कार्या सुहावदूरि मन्त्रा पिक स्टेर्ड शांदर ना । यांका क्छेक व्यक्तित অভি দেখে বোপ কলা উচিত মন্ত্ৰ, একবানি আৰ क डीप्ट लायं व गमल आ॰म दानि वर्षन इक्टेन (क कतनरक कतम विलिट्ड मन्द्र इस व मान व कन इके छन क्रुवक आह्न छाहाद्वित भट्टा अक स्व বিলাভী হন, জন দেশীয় ব্যক্তি। প্রথম ব ক্তি ত্রিবিণ ফল উৎপাদন করে। বিতীয়, দেশীয় এकविध कल ऐर्वामन करत । जे इंडिस कल ज्यामीय निकः উচ্চমূল্যक्राम भननीम स्हैमा ত্রিবির কলোৎপাদ চ যে পবিমাধে পারিভাষিক পান, দেশীয় বৃষক বিশাতী প্রত্যেক ফলেব মূৰণপ্ৰণাৰে বোংপাদিত ফ্লের মূলা সমান. এইমাত্র কাৰে শ্বনিল কিন্তু পারিশ্রনিক পাই-व'व त्रवय जन्मेय कृषक विज्ञा ए५कि। ११६ हिटन शका (त्राम मामा क्षिक क्र-भ हम विद्युष्टम। क्रि रेप्र क्रमक विकास मिल हुआ भी ह गर्क-ঞ্চ দিবাৰ অভিপ্ৰাথাকে ভবে কেন ফলেং युला नव'न कर्दन -

> चारन कारन विज्ञानी कृतक 8 · • । • • । ১ ৫ • गाम, प्रमो तसक जार्भकाकुछ छू।म भाइरव नम इ विद्वहा क्रेट्स छ । १८ ७ । १६। २० जन मछ क्य कि ना ? हेक्ट्रित पनादनाकराजन পাएड़ा है 'शुक्त वर । यांत्र मधून भूग्र (कवल वाभना । ७ त अथन मरअ, ७ भड़ान इंडेएउएइ। म बुरु व्यक्तिम स्वाप्त क्षीन भाषा, हेशान्त्र भूती भिक्षा काला खा खान कवित्र ह**रेटा हरे। (क**ा খীকাৰ কাৰবেল গকিন্ত ভাছাদেৰ পুৰ্দেও মা १थन ७ छ। । त्य वान्ति (य कप्प कतिराज्य ভাংর উচিত মত বেতন পাওয়া দুবে গেল, শাণাকে গুরুতর আম করান বিচার ও দয়ার काङ स्य कि ?

উপায় নাই। কেচ কেচ বলেন ইছারা যা পাই। ঘোডাকে অভিবিক্ষ প্রম কবাইত, এই দ্বালু বনী বেনন অভাবের ক্লেশ **অনুভব করিতে পা**রে তেছে ভাষাই যথেষ্ট্ৰ, ভাল ভাঁষাকে ফিডা'দৰ পুৰিচাসক গ্ৰৰ্থনেন্ট উহাদেব অন্যাচাব নিবাব- না ভাঁষাৰাও ভক্ষপ !!! কুলে এক বাব কবি ইছারা কি এত অপরুষ্ট কতন্ত্র জাতি ৪ ইয়া ' বাং ! নিয়ম নির্দিষ্ট করাতে নিরুপায় পশুরা ; ছণ্ডিক হইয়াছিল ভাছাতে নিঃশ লোকেরা স্কুৎ ্ৰব বাসেক্ষাদন অসত। বন,জাতীয়ুকেৰ না,সুল বাকৰ আভ্যাতাৰ ছইতে মুক্তিলাভ কৰিয়াছে। ' পিশাসায় কিপ্তপ্ৰায় হৃইয়া হাহাকারে চীৎকার প্রুবাং ইহাদেশ আন দরকার কলে না। যে । গা জ্য়ানেরা এতিনিজ প্রাইত বটে, কিন্তু 'করাতে নুপনন্দিনী সঞ্জীকে জিজাসিলেন কিসের अक्ति रा अर्थ करत (म आश्रन कन स श्रम् आहार हो १८१३ श्रविया चाम माना निका भरतेत स्वाइन श्रीमार्थान । माना विकास ্বাবে তদীয় আবশকে ব য়োপবোগী গাহিত্ৰক্ষিক | হেংগই পাইস নিজেব যোড়ার কি ইইল ১ এ হঙ | বলিলেন ছডিক্ষ কাছাকে বলে ? **আৰৱ**্তিৰনোত্ৰ वदन ना भारेटन बनक्षे द्या, खादाग्ड द्विक विवास देक भरा हरेट द्या ख जुभकुष्टे २ व न । श्रीड स्वतंभ व,वर्षत कहि दम वनि आवादन ह वरलत हेश्वा किছू वरल ना किन ? अ विशरण , उपत्र शैक्षण करत काश्वा, स्वेरन , स्वांस्ट्रित मन

দৰ্শন ক্ৰিতে আসিয়া ইতন্ততঃ অমণ করতঃ ব্যুক্তাক্রমে একটা ভেককে হস্তান্তিত ষ্টির ভার ভাগ দারা বিদ্ধ কবিলে ঐ নিরীহ ভেক অভিশয় वर्षिक इरेग्ना भीवव । निरम्पे इरेग्ना बाकिता विशाखा खांशांक जिल्लाभित्सम (७क । परमा অ'ঘাত বা আক্রমণ করেলে আর্ডনাদ করিয়া थाक अथम भीवव इहेरन किम १ एक व निएए। ক দীলদ্যাময় [।] যখন কোন ছিং<u>তা</u> জন্তু কর্ত্তক आक्रांत रहे जबन छोहा हटेट शरिखान नाहे বার জন। উল্লেখ্যে আপনাকে তাকি ও কুলাই, কিন্তু বিনি বিচাবক ও বক্ষক তিনি आक्रमभ र। व्यविहार करितन काहारक डानिय बाद काशांक्ट वा कानाहैव । विशाल एक्ट क्व **बहे फेटरब लक्किफ कहेबा खाहारक दरबड्ड बाल** अवा मिता भावन करिया मिटलय-मध्य प्रशासक কি বাজ কি মজুৰ কি কুমৰ কি কামাৰ সকলকাৰ এখনকার সমস্ত দ্রবেংক ক্রণ্ম ল,ভাকুদারে পূর্ক। পেকা অমেৰ মূল্য বাভিষাছে এ হতভাগাদের व'ड़िवांत गर्या श्रीक्ष्म ए माना विवर्त कहे वाष्ट्रिगण्ड । यन वर्तन देशां भी मान्तावित्राव কিঃ বৃদ্ধি হণ নাই ত স্ত্য ভাহাদেব বেতন अभिक अव॰ खास्यद आधिक (इस नाई क्रूडवार ভ'ছাদেন কষ্ট ও কোচেন বিষয় কি ? আনেকেই ইছাদেব অবস্থা ও ছঃখ বুঝিতে পানেন না

প্রত্যাখননৈ চ দানে চ সুখছঃখে প্রিয়াপ্রিয়ে ৷ আত্মৌপনেন ভূতেৰ প্ৰমাণ মধিগক্ষতি॥

প.। ध्रमुश कर'एड याहरकत (य व्यक्षिय हु: श আবদান দেওযাতে যে প্রিয়ন্ত্রখ তারা ধার্নি 'কবা আত্মদৃষ্টান্তে বু ঝিতে পানেন। তাঁহারা ধনি এক অবস্থায় থ'কেন জ্ঞমেব উচিত পুৰস্কার না भान अवर छाशास्त्र भविवात भागान मर्सामाई মভাব হয় তবে উাহারা কি বলেন ও কেমন সন্ত্রষ্ঠ থাকেন বুরিতে পারা যায়। অবস্থা ভোগ না করিলে অবস্থাব মন্দ্র.বুঝিতে পা,া যায় না। वक्ता (यमन क्षत्रव (वमना क्रानिएक भारत ना, स्रक् किছू कोल इहेल निर्माय शोष्ण्यातिको शक । वाष्क्रि यथन वार्यात योखन। प्रनिष्ठ भारत ना

कर्जवराकर्जवा बुक्तिएक शादा वाग्र वनि वटनन व्यक्तकतिरगन्न वार्षिकं विकास वृक्ति कन्नमा हरे-(खर्फ कारा इंदेरनई कारायत केंप्य'र व्यवदा ষ্ট্ৰে ঘাঁহারা উচ্চ বেতন পান ধাঁহানের পকেই खान वाहाना २०। २६ शान खाहाए। व वर्ष २ 1 3 होका इंदेरलई कि कांत्र ना इंदेशई कि ।

> (मकुर्वा व.में बादवाखानाइर भार्थाम भार्यामदेव त्रवाश्वर भतिविक किथि । ग्रान কাল: পরিকাশত। भूरतभूकतरम भरल ह विल्डन मीर् उथा वःकान নস্তাদ্য প্রিস্থিতে। প্রভু রহোধারাপি वांनार खन ॥

বুন্দি না হওয়াতে এক মন্ত্রেশস্থ্যক মেইকে | बिलाजाक इ.मच य नि कई मक्तन व वृक्षात सन कना क्षा । तक कना फेंडिज इंद्र फरन इन ना কৰিয়া জলদান ককন কেন বিলয় কবিচেচচেন ? সময় অভীত হইতেছে যদি বলেন ভাষাতে হানি कि हानि अहे घथन रेहात मून दमहीन हहेरत भज यथन विवर्ग इहेरव जान यथन एक इहेरव छथन ভোনার অচুর বাবিধারা ইহাকে বাঁচাইতে পারিরে না।

काहारक विभ किया खरन--

মহাশ্যু আপনাব ২১ এ কারনের সৌমপ্র কাৰে " বদৰন বেধক » আক্ষরিত পত্র পাঠ कद्रिया यरभारताना त विभिन्न इंहेनाम। त्य-क्व कि कार्का मानम। तथनी इट्टेंड याहा বংগত হইণাছে ভাষাই মসপ্তিত চিত্তে সৰ্ব্য সমক্ষে প্রকাশ করিয়াছেন। ডিনি পরিশোধিত পাঠৰালা সমুহের উল্লেখ ক.বল্লা লেখেন " বে नकल वः क्रि. अ. नम ४ अ. हमानाग्र ज्यारा भना कार्यः मण्यद्य कतिराष्ट्राहम जर्गशामत्र ज्वानिका माहे সমুখায় চত্ত্ৰিব আৰ'র প্রপ কাভাবাও জ্ঞান রবিত গওমুখ ওমস্ছালয় হইতে সং ইতি ১ बाहाव लिथनी स्ट्रेस्ड शूर्त्राक अशूर्व बाका বিনিপতি হইয়াতে তাঁহার সংশ্তা ও বুদ্ধির সহত্র সহত্র ধনবোদ না কবিয়া কান্ত থাকা यात्र मा ।'' भाउकदर्ग ! छैं:शत दुवित अक अहे बातक (याःका श्राक्टिक गामा भिष्टिता थनरमा (क्न कविटाइडि ख: त्मन ? जिनि वरशा-बरक्रम कथन शहिरगाधिक शांत्रमाला वा कर ৰুদ্মাল অচকে প্ৰত্যক্ষ না কৰিয়াও কেবল বৃদ্ধি वर्धी अष्टम्य सामिएङ मनर्थ स्वेदारहन। कृषि বলে ভিনি কিরপে একবাবে এডবুর অবগত হইবেন ভাবিয়া কিছুই স্থির করিভে পাবি নাই। (बाध इस व्यम विनिधिति स्थि आगटना अकाटन

পরোকা পরোক সমুদায় বিষয় দেখিতে পাই-তেন উক্ত লেখকও সেইব্রুগে দেখিরা ধ কি-(वम। किष्ठ (कार. एवं विषय এই (व जामार्मित অভিনৰ বশিষ্ঠের গেই নেব্রছী এখনও উদ্বীলিত বা পবিষ্ঠু হয় নাই। অভএব আমরা আগ্রহের দহিত ৰন্নবোধ করিতেছি তিনি উক্ত চমুচীর ছানি ভোলাইবার চেষ্টা করন। অনাধা ভাঁহার প্রকৃত দর্শন জ্ঞান জ্ঞাবাব সভাবনা নাই। অন্ততঃ হানি ভাঁছাৰ চৰ্দ্ম চত্মুপ্ৰ থাকে একবাৰ পরিশোবিত পাঠশালা ও গুফনর্মাল সন্দর্শন कविद्रा जन मर्टमाधन करून। विनि নিশ্চয় क्रानित्वन क्रेक्षांवसङः जर्ममानादनत्क जनकूष পাতিত করিবার চেষ্টা কবাতে ধাঁহার আব কোন প্রায়শ্চিত্র নাই। তিনি অবশ্য কর্ত্তর বেট্রে भवता छ कर्र का की का ब्रा कि विद्वा कि छ मल्लीएक निकास कलाइग इहेर्बन नरमह नाहे। किन्न इः (ध्व निषय अहे (व जीहाव अमञ् তুচনা গারণ কলতে নিৰ্দোধ সোৰপ্ৰকাশ কেন দুবিভ হয়। তিনি তাহাৰ নিৰ্মাণ ৰক্ষাস্থান वि कनक्षशक अरक्षण कत्रियारहरू जाहा छें होरहे कालन करा छेडिए।

পাঠকবর্গ। আপনারা '' বশবন লেখনে ব ^গ व्यमह्मीय भूरेणाव আবও বিধিং পরি চয় পাইরাছেন। তিনি স্থানাররে লেখেন " यमि अहे नकम निश्नम (कदन मांज कांगराज्यह छिशत जक्षिण्ड मा महेग्रा कार्या भविनक हम ভাষা হইশে অভিশয় ক্লখেব বিধন্ন সন্দেহ নাই ^স अञ्चात कीहात क्षांक आयान विष्मात व छन। (ग প্রভাবেদের অপলাপ কবিয়া সমস্মার্থরের কল্লনামেত্র গোচৰে তিনি খীয় বীভংগ মূর্জি (यस मर्मामा क्षमान ना करत्र । 'ठाशाट डॉर्ड' इ काम कडिरवान मा इहेग्रा वनः कामल इप्र वर्रे कि । भार्रकवर्ग उँकाव जग्नान भ मूर्ति छ। दिश সাজিশন্ব ক্লেশ ভোগ করেন।

তিনি পরিশেবে (লিধিয়াছেন " হথা তিঃই आमः भारत्यामः मकदमा देव ७ कविनाव दानन थाएक कर्व भदर्रमले मान "१ वे क न उदल ३ -होका कविया नर्फारलन नहीरका ही ने चालकहि-शक्त हेराएक मित्रक कश्म । ज्यान्द्रशं व विवश घाष्ट्रा कतिवान (७३१ व्हेट्डट्ड । » " (न थर » इंक् पूर्वक द्राय पिएड रहेता अडेक्न निधि-शांक्त। जिति क कानिशंत कात्रन ना य ভিনি : • । ১৫ টাকাতে যাহাদিগকে বোড়া ৰলিয়া দিতে পারেৰ ভাহারা প্রকৃত অথফাতীর बद्द (बद्देश व्याका, काशता क्वन भूतात ठेक्ते का नि । महस्मान मात्र कारफ निविद्या जाहरन।

পরিশ্রমী গর্মন্ত ও ডদপেকা সহজ্ঞগ্রে অধিক কাৰ্য্যকারী। পনিখেবে নংকেপে আমাৰ বক্তব্য এই বে শিক্ষক ও ছাত্রের পরস্পা সমৃত্ব বাজি ও হবিশেব পরস্পান সম্বন্ধের ভুল্য বলিয়া বাঁছার বিশ্বাস আছে তি ন যেন শিকাসংক্রাক্ত কোন वियस्त्र इन्डरक्षण ना करतन।

कन। हिनन्। ज्ञान व्रिक्षः।

मावनम् निर्वतन्यभिष्यः---

भन्नातक बहानय ' शंख २० अ गांखन (वेगा शांत्र ३३ होत्र मसम् अहेचारन अक्षी वृहर जामि-কাও হইয়া অনেক শহ ও বহুমূলা ছব্য ভস্মসাং হইরা গিয়াছে। জিনদী গৃহত্ব একবারে উৎসম हरेब्राइ। जन्मा अक सन डेशाब शैन, जिनि যে আপন ক্ষতায় ভাঁহার ধন সম্পত্তি পুনঃ আহ दन कर्द्रन अपन जाना नाहे। छाँहार सना सामा बिराय मिनक श्राम क्योंमात्र की युक्त बादू बाब्र श्चित्रनाथ (होष्वी मरहानम् इहे थानि घर चौथिया দিখেন শীকান করিয়াছেন। ভাছাভে ভিনি অমু,ন ২০০ টাঞ্চাব হ্যানে পার পাইতে পাবি-(वन ना। ये इ:शी वास्तित प्रवतिष अ धानति श्रुवः मरत्रक् फ.देवाच खना अ मरकानरवर क्याफे দত্তান প্ৰীয়ুক্ত বাবু বায় চূপেন্দ্ৰনাথ চৌধুরী बर्हाक्य होता क त्रशार रहत्री भावेरळरञ्जा विधि इम्र ब्रुप्ताम् जीशेष देखा पूर्व इहेर्द । अक्टब भामश कायुमनवारकः शत्र्रमभ्रद्य निक्षे अह জ্বেরা করি দে উত্ত মহোবয় ছয়ের অভঃকরণ ্ৰন এই সমুনায় কাৰ্যে, বিচনিত হয়, ভাষা रहेरन खरनक **मेनरीन राक्त**न खीवन तका १इरव देखि।

हाकी।

একান্ত বশ্বন।

1 压張河 函 85

16445

- 20%-

স্বিন্তু নিবেদ্নমিদং-

. १४ देन नक्षानि सम्, उत्तर दृष्ट्या न मरवान शह इनिएउएज, किश्व भौरमय श्राप्ति माहादिशत তেমন দৃষ্টি .. সভ হয় কৈ ? প্রাচীনটীর কিঞ্ছিৎ मृद मणस आरह दाउँ, किन्न मकल नगरत सीहां ब গতি সমান रह ना। नवीनशैत अथन्छ श्रीका इम्र नाई। फिनि वङ्ग वर्ष शक्तिमनिरभन्न श्रद्धत्रहे পঞ্চপাতী, গোৰ কেৰিয়া চকু মুদ্রিত করেন। जिनि " मुनिमावारम्ब " ख कान छैवछि । भिष তেরেন '' সে কেবল বিদেশীয় কতিপর বড় বড় लाएकव **शर्म » किन्न जामवा** (मशिएजिंह, विर्म भौरत्रता चौत्र चौत्र चाष्ट्रात, विनाम, এবং পবি-वास्त्रत्र जनकास्त्रदे छेत्रिक क्षिट्टर्टन ।

कीवण, जाव का १ हर्द्धा अनकात माट्या **গিয়াছেন। কিছু এতবড় ছড়িক**্সৰ, রাণী नीना, दीहात कारतक, नाइन ऋत, डाँका ৰলিবার কোন প্রয়োজন ছিল না। কারণ। সোমপ্রকাশ দেশের বিত্তর উপকার করিতেছে। 'কলেতেই পরিচর বিভেত্নে কিও মুব,সদাবাদ। আমাদিগের দেশের পতিভাদিশের সভা ও भरवामगारतत अक्षेत्र दिवम खग छश्रम करा हा**रे**। अहे अना विनिनाम। जाव कथा अञ्जित इंदेरनहे मरनार्वणमा शाहरण इया अक मरनार्वणमाव चमा अहे नर्गास, अधन विक्रीयन विन।

মহাশর। বলিতে পারেন বিদ্যার লক্ষণ কি ? व्यानता (माँगे पूर्वि এই स्थानि, द्व वृद्ध्य सन ধরিলে বেষন উহা ভছরে সুশোভিত এবং অব-नछ रहा। माञ्चरवत्र विमा। स्टेरलक माञ्चरक माङ् রূপ করে। কিন্ত কোন কোন স্থানে ইহার বিপ-রীত দেখিতে পাই কেন > সে কি আমাদের বুঝি बात कून ? ना, जागरनरे कून ? अथारन कृति খ্যাত বহুজনপালক দয়াবদাগৰ, দীনের আত্রয়, সদ গুণের নিবাস, নের দাস অরুপ এক महाचा चारक्रम । छाँहाँद्र भविष्ठम जाभनि अदर আপনার পাঠকগবেব অলেচ্চব নাই। কোন नित्नव चनिवादी श्राष्टिवक्क अकृत्न सांस्त्र नाम अर्थ कतिएक कास कविल । जारात निक्छ स्टब्स এড আদর বে পণ্ডিত মওলীর চক্রতেদ করিয়া थनभूना सर्मना खाँशास पिथिनाव भव शाम

भक्ति अक स्थान (लोको अर भाग करोप्र अकान | मा। उथाप्र मानी मारबार कारनाहमा, माना **ক্ট্রাছে। ডিনি ১৬** সহত্র টাকাব বেশিপানিব । দিক দেশীয় পণ্ডিতগণের সমাগ্যন হ**ইয়া খাকে** ्तरे म्हात अक्षी लाम दर्श प्रेमा जागानि-कौरात्र स्नीत्क अक्ष'त छेडडाविन तिनी कविश्रा । (शव क्षत्र विमीर्थ कतिश्राष्ट्र । बाकान निश्च মওলীব সভা, মহাশয় আনেক দেখিবাছেন। चर्नही, बाबु सहसी भर, यांकू धनरार, बातु तुर्ग प्रथनाड़ा, टाखशाद्दा, अखिभन्नभाड, कानड़ निश्दक्ता प्रतिष्ठम् स्त्रीयम हथा। कर्ष्यत्यनः, देश- किंग्रा, क्षतिकात स्वाधन क्षतिम्ना लाकानाकि ख দের কোনই হুণ নাই, উলিখিং বেণিব লো- হাডাহাতি, গালাগালি প্র্যুম্ভ দেখিরা খাকি-কেবা এক দিন জমেও এক মুক্তি লানের সপবায়। বেন। কিন্তু কানমলিয়া দেওয়া কি দেখিয়া-कविद्यान मा, ७ शामित्र छन । याच-१ व्हेल । एकस १ (वाध कवि सा। क्षिस किविस (पिद्यान ? বিচাব এইরপ্ট বটে 'বহবমপুবেব কালেজাটতে ' এ বে ফুডন! আমাদের বোন বিন্যাবিশাবদ, कान् प्रमी लाक अक बात्र नज्ञ २ . ७ वाव, विम्हालियांनी कविदास महाशत्र स्वामानिभटक বালি রালি অর্থোৎসগ করিলেন । কে দাতবং তাহাও দেখাইলেন। শাল, বিশেষতঃ হিচ্মণা-नका, ए भाकता किकिश्नानम (भारत कवि- ' क्वित, विकादिक केश्वरह केबिक निर्केत करत । स्मान १ कि अ (कर्म भूमाध्य जानारेम्रा (मध्यत अटकरे छ लाएक नाना कावरण विठात क-একসী বিশেষ উপকার করিলেন ? বার্থাস কাল বিস্তে আব অগ্রস্থ হর না এবং নানা কারণে (কি ছর্ভিক কি স্থাসময়) কে সহত্র সহত্র উঙাব অধ্যেসভিই হইতে চলিয়াছে। ভাষতে কালালীকৈ অরদান ক'রভেছেন ? োন দেশী হটি বৈদা, বালাণের কান মলিয়া দেন, ভবে লোক মিউনিসিপ'ল লড়েব দিন দিন উৰ্জি আবৈ কে বিচাৰ কৰিতে অগ্ৰসর হইবে? সকল করিতেছেন ? নবাব নাজিনের অবস্থা মন্দ তথাপি সম্ভে সংস্কৃত হইতে চলিয়াছে, আমাদিলের (महा शक्ति गढमा नाथ) पूर्रिमावामरूक का छिन् प्रश्कृष्ठ ग्राक करव शश्कृष्ठ इहेर्ड ? আলো করিয়া রাখিয়াছে। উভাব অভিত্ত গ্রামরা এই একটা চড়াত দৃষ্টাত দর্শন করিয়া य'द शव नावे काल इन्हांकि। वाहात व्यानद्व वहे চিকিৎদালয়, ভাঁহাব ছাত্রশ কারখানা কোন পুটনা সম্পাদিত হয়, তিনি সে দিন জীবনমূত দেশের লোকের ছারা চলিতেছে ৮ এ পকল বিশ্ব : **১ইয়াছিলেন সম্পেছ নাই। বাহা হউক, আ**পনান তথার বিচার প্রণালীর শোধন বিষয়ের কোন छेशात्र श्रम्भन कतिएक शास्त्रन ? क्रष्टी कतित्रा দেখুন দেখি? আমরা তাহা হইলে আপনার निकः विटमंब सनी श्रेव। सामात्मव सानीत्र इरेंगे गरवामभावरे अहे शक्त विवास अवाक চইরা রহিলেন মুক্তবাং জামবা জাগনার শর্প • नहेलाम यथा कर्खवा करून।

१५ क काहता वर्त्रभुद्र। 18001 करेनक बाजानशिखना।

मुना धारि।

डीयुक्त वानु उन्तरमाहम (वान क दिन भूद प्राक्ष ४० कार्ड हार्य ५१ जास '' নীলম্বি চটোপাধ্যায় কলিকাভা ৫ই " কালীদাস মুখোপাধান্ত সেকেটার সাজিহানপুর ১৮৬१ (राज्यावि इहेटछ ७৮ बाह्यावि পেট্রিক স্মিথ (बरनकाकीकुडी १७ " छ्रतञ्जनाथ त्राष्ट्र नशैक्षा : रहा।

३२१७ देहता स्ट्रेटिंग १३ काइन " रहिष्डम कोश्री " माथ्यप्रक कर्मानकास ३२१७ मासन स्टेट्ड १८ ळादव 41 .

সোমপ্রকাশ্রীংক্রান্ত করেকটা विटलंश नित्रम।

অগ্রিৰ মূল্য ও ভাক মান্তুল না পাইলে মদ-यत्न मिथकान ध्यत्र क्वा बाबू ना ।

हेरात अधिम मूला वार्तिक ১० अवर वान्।।-সিক ধাা - টাকা, মফখলে ডাক্যাক্তল সৰেড वार्षिक ১७, बाग्रांत्रिक १ अवर देख्यांत्रिक ७००, फिन योरमङ्ग स्थादन प्रवित्र मृत्या नश्चन्ना योग्न मा । হণ্ডি, বরাড চিরি, মণিজন্তর, নোট, ও স্ত্রাম্প छिक्छि, देशंत जनाजत वांशाटक वांशात अविधा হয়, তিনি সেই উপায় হারা মূল্য প্রেরণ করি (वन।

বাঁহারা স্থান্দটীকিট পাঠাইবেন, লা-হারা ধেন এক অংধৰা আধ আনার অধিক मुलार ও तमीरमत छिकिन ध्यत्रन मा करत्रम ।

ষ্থন যিনি ষ্কুখ্ন হুইডে সোমপ্রকাশের मूना भागिहरूवन, छाहा यम विक्रिक्टी कतिया ঞীয়ক মারকানাধ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাইরা ८एन ।

ব বিদিনের মূল্য দিবার সময় অভীত হইগ্ন चानित्व, अक बान शूटर्स डांश्रीमगटक विक्रि লিখিয়া জানান বাইৰে, কাল অভীত চ্ইয়া গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর এক মাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বস্তু করা শাইৰে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিও পাঠান रहेरव ।

ৰাজন। রেলভয়েৰ সোনাপুর ষ্টেসনের ডাক ষরে চিটি আইলে আবরা দীত্র পাইব।

ৰ'হোৱা যাজুল না দিয়া পঞাদি প্ৰেৰণ কৰি वन, छीशप्रिरात्र तारे श्वापि बहन कता गाइँटन ना।

क्ट लामध्यकारण विकालन हिएक हैका করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রতিপংক্তি 🎺 जाना छाहांव शह /> जाना निष्ठ हरे(व। বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবের ভাষার সভিত পত্ত বলোবস্থ হটবে।

এই পত্র কলিকাভার দক্তিন পূর্বা বাতলা রেলওরের সোনাপুর কেন্দ্রের ক্ষিণ্ মান্ত্রি-পোতার জীবুক বায়কানাথ বিদ্যাকুর্নের वाजिएक व्यक्ति काम्यात काक्स्मारमः अञ्चलिक

गुरा क

ম ১ ভাগ।

१७ महस्रा ।

" प्रवक्तां प्रकृतिचिताय पार्थिवः सरस्त्री अतिमच्ती न दीवतां।"

मानिक मूना ३ होका, व्याविक ३० } नन ३२१७। ३२ है टिव्य । ३४७१। २६ व्याविक ।

নকৰলৈ মাস্থলসবেত অভিন বাৰ্ষিক ১৩ होका बाशांतिक १, ७ देख्यांतिक ०५०

विज्ञाशन।

काराक्षकान गरब नाना शकात राजनी, (स्वर्गागत जरूत ७ विविध नत्रभाग श्रीच कारह उ इट्रेडिट अवर अन्न वरमावस करी इदेशाहा ता, धात्रकांव त्यक्रण देव्हा करतव विक (महे नम्दान मर्पाई भुज्जक मूजिक कतिया (मल्या বাইতে পারিবে। ছাপা বত উত্তম ও পরিছ ত कहेटल भारत छेथियरत मरबत व्यक्ति कवित मा। ভাষ্ অর্পন করিলে সমুদার প্রফাত দেখিরা **पिट्ड भाविव, अध्कारतत (यान कर्ष वा भित्रअर्व** श्रीकात कतिएक इक्टर मा। वरकावन कविएन काणिल मरानाधन कवित्रा निष्क भवि, मरस्रुष य। हेश्या क्रिकांचा रहेएक व्या कान वाप क्या वान করিয়া চাপাইয়া দিভেও প্রস্তুত আছি, বায়ও जिभिक इहेट्रव ना। विनि भरखु उ वाक्ला वा হিঞ্জিতে কোন পুত্তক মুর্ত্তিত করিতে ইক্ছা করেন ডিনি কলিকাতা, মূজাপুর আমহাউসের ছক্ষিণ ৩৪।১ নং ভবনে কাৰ্যপ্ৰকাশ বল্লে व्यथवा तरकृष्ठ विकालस्य व्यावात्र निकं लाक भाक्षे हिटल गविद्यं व्यवश्य इहेट्ड भाविद्यन।

३ मा रेडख ३२१७ गरक छ विमानिय

निष्ठे अशिकात्रिम एन।

আমরা বিলাভ হইডে উৎকৃষ্ট উবণ সকল कुछम जानादेशाहि अवंश नजीबारमत्र फिरम्शनति क्षकृष्णित्र कृषिशांत करा नशंग मूर्त्या वाकारतत क्षक्ति कंत्र प्राप्त विक्रम्भ कति एक है। सक्त्रमा हरेए ए अपराक्षकर्म व जारात मूना प्रसन साम, एखी .বা-ব্রাডী চিটি শাঠাইলে আমরা ঊবণ অভি अवंद भाकाहेटल भाति। अवट्या, मूना पालाना व्यानिएक हार्ट्न, व्यामन्ना जाकरवार्टन जाहां विरागत निक्षे जानिका शाठीहैव।

আর সি দত্ত কোং। বছবালার জীট নং ৩২ বাটা।

बस्मश्रात्ता ।

কুনুকভট্টকৃত দীকা ও বাদালা অপুবাদ সহিত, সংস্কৃত কালেজের ম্মৃতি শালাখ্যাপক জীযুক্ত ভৰডচন্দ্ৰ শিৰোমণি কৰ্ক্ক সংখোধিত केनकैनिया नश्कृष्ठ भूककामस्य विक्यार्थ भारह। मुला ७ इब ठीका।

जीवहर्माथ नार्ष्यभागमा

ভূটান পশ্চিম ছারসমূহে হস্তি খেলা কবিবার निविष्ठ जागामी ১৮७१ जरमत) ना अरथन হইতে ১৮৬৮ অব্দের ৩১ এ মার্ফ পর্যান্ত এক ৰৎসর সিরাদে পাট্টা দিতে নিমু স্বাক্ষরকাবী हेक् क चार्छन।

হস্তি ধরিবার নিবিত্ত যত কুন্ কি নিবুক্ত করা য'ইৰে. তাহাৰ কি তুন কি প্ৰতি ২০ টাকা ছাৱে ; माञ्चल मिर्फ हरेरव, युक्त हस्ति नवल क्रथ কৰিবার অধিকার প্রথমত গ্রথমেটের থাকি-्रका शवर्षमञ्जे क्षेत्र करिएक हेम्ह क मां इतिल নাধাৰৰ বাজিগন ক্ষম করিয়া লইজে পাবিবে। লমান্য আৰশ্যক বিব্যুণ নিয় স্বাস্থ্য ্টার নিকট সম্বাৎ উপস্থিত ছইয়া কি পত্র ধারণ

खिळाम कविरन स्नामा याहरू भातिरव। তেপুল কনিসনরী আছিল | প্রীয়ন্ধ ছে.এফ.
ম্যানাগুলী। | টুইণি সাহেব
১২ ই ভিদেহর। ১৮৬৬ | তেপুল কমিসনর

বৰ্দমানের স্থাবিধণাত চিকিৎসক জীবৃদ্ধ বাৰু ভালানাথ কৰিবাল মহাসংগ্ৰহ ক্ৰমভালুকাতে সাধাৰণজনগণকে এতন্দারা অবগত করা ঘাই-ভেছে যে ভবিষ্যতে উক্ত বাবু সৰকাসিপ্তাপী সরজনেব ভিজিট গ্রহণে চিকিৎসা করিবেন। अशिवामाल मन्ति।

भक्तिवादावरक काछ कवा बाहेरछहा (ब, व्यामाभिरभन्न गत्रिकानी विषय बाहा उन्नम भन्न-मनतः, विक् भूतः, वःभीधवनूतं अवर सूत्रभूव मानिन (व नम्ख द्विकः क्यी अवर युक्तियाति (व इक আছে ও পরগণে মুড়াগাছা ইনাংপুর প্রভৃতি স্থানে যে মহত্রাণ বস্তু ও ঠিকা প্রফুডি আছে ভাছা আমার অসুপদ্ধিতে এবং অমতে বদি আমার জ্যেষ্ঠ জাতা বিক্রয় কবেন এবং বদি কেছ ভাছা খরিদ কবেন সে বাজিল, নাসঞ্জুর कदः व्यवाश रहेत्।

अपनगत निवामी मा मार्क अन्यन । গ্রিপ্রসর্কুমার দান

জীমভগবদাগীতা মূল, জীধর গোত্মামির দীকা এবং বাদলা অনুবাদের সহিত স্নীত্যসুসাবে मुजिङ बहेबा था केका मृत्या विक्य इटेर्डिङ, শাহাৰ প্রয়োজন হইবেক ডিনি সংক্ত যন্তের ুক্তকালয়ে পুস্তকাধ্যক্তেব নিকট অথবা প্রাকৃত यक्षानात्र मृता भागाहेलहे शास हेहें जा दि-

द्विय (य'गांश मर्ग्या '

পার্গালিত এখন ভারা।

নিঘক ও ছাত্র উভ্যোন্ট ক্রারাপারে গী इन्न इन्ल धनांकी खनुनार्य स्नाम अक धानि পাদীসাণ্ড প্রাপ্তত করিডেছি। **জাপাডভঃ** উহাব প্রথমতাগ মুডিত হইরা সংস্কৃতবন্ত্রের পুস্তক।লে বিক্রীত হই তেছে। এর মনে বছল अविज्ञान महस्र अधिक छात्कोभन विक्रि क्षेत्र नक्त मश्रारीज इंदेश्वरह । मूला क्या व्यामा ।

জ্ঞীকালীপ্রসন্ন গ্রেশাখ্যাগু

বিজ্ঞাপন

সন ১৮৬৭ ৬৮ সা লে জেলা বর্জমানে বে সমস্ত নিম্ন লিখিডলোকেল কথের কার্য্য হইবে এবং সন ১৮৬৮ সালের ১৫ ই মার্চ্চ ভারিখের শুর্দের সমাধা করিতে হইবে সেই সকল কর্মের জনঃ সন ১৮৬৭ সালের ৬০ এ মার্চ্চ মোৎ সন ১২৭০ সালের ১৮ ই হৈত্র পর্যন্ত জেলা বর্জমানের প্রিক্ত মাজিটেট সাহেবের কাছাবিতে বন্দ করা দবের কর্ম লওয়া ঘাইবে এবং উক্ত ভারিখে বেলা ২ প্রহরের সমস্য এ সমস্ত লবের কর্ম খোলা ঘাইবে।

প্রতে ক দরের ফর্দের সলে ৫০ টাক। ডিপাজীট দাখিল করিছে হইবে । উক্ত ডিপাজীট দরের ফর্দ্দ অগ্রাহ্য হইলে কের্ড্র দেওয়া ধাইবে কিয়া গ্রাহ্য হইলে পর দব দেওনিয়া ব্যক্তি তদপ্রসারে কার্য্য করিছে অস্বীকার হইলে উক্ত আমানত জব্দ করা যাইবে। প্রত্যেক দরের ফর্দ্দে দর দেওনিয়া যে দরে কার্য্য করিছে চাহে তাহা লিখিবে। এক ফর্দের মধ্যে এক কি অধিক রাস্তার দর দেওয়া যাইতে পারিবে।

| রাস্তাব নাম | মৃষ্টিকার কার্য্য কিউবিক ফুটের হিসাবে | | চাপড়া কুপার ফিশেল কুটের হিসাবে | | | সাল কাষ্টের শ্ম কিউবিষ্ণ ফুটের হিসাবে |
|--|---|-----------------------|---------------------------------------|--|-----|---|
| বৰ্তমান হইডে শিউড়ী বাস্তা | \$ \ ,\ \ 9,\&\• | ۵,42,400 | | br,8** | • | |
| শেকনীপুব রাক্তা | \$\$,÷o,₹•• | 8,44,*•• | • | 04.6. | • | |
| কাটোয়"৷ হইতে শিউড়ী রাস্ত | 767 | 38,3€,••• | 9,6%,*** | ۰۰۹,۵۰ | 824 | 404 |
| वे (५७म्। नगळ दारः | 3,8 €,••• | 5,42,6** | 3,60,000 | e ,••• | • | |
| যোট | \$\$,\$€,}%. | 08,00,000 | 3-,4-, | b-30,9** | 836 | to* |
| কেছ অপর বিজ্ঞাবিত বিবরণ ব বর্জনান । সম ১৮৬৭ সাল | गनिएक हेक्ट्रक रहे | ্ৰে কাছা হি তে | ু জ্ঞানিজে পারি৷ | (4 7) (6 7, 9 18, (44 | | |

বর্জনান। সন ১৮৬৭ সাল ভারিখ ১১ ই মার্চ এ, জে, আয়, বেনর্কিছ। সাজিকেট চ্ছ প্রেড বিষয়ের।

তি প্রেড বিষয়ের প্রতিষ্ঠিত করিছার

প্রেডি বিষয়ের বিষয়ের বিষয়ের প্রতিষ্ঠিত

ইয়ের প্রেডেন হইবে, তিনি ভি টোকারিও
কোলানি, সংখ্য প্রের ডিলাজিটরি বা করন
ভাগলিন টোটে বাসুক্তি আনার এও কোং ৮৬
নং প্রকানেরে তথ্য করিলে শাইবেন।

ইন্টলিয়া সংস্ত পুজকালয়ে সংপ্রণীত ও নংপ্রচারিত নিমুলিখিত পুস্তক্তলি বিক্যু

| લનોહ | भूकार | | |
|---------------------|-------|----------|--|
| এ নইভিহান | | ३ क्रीका | |
| (क्रांसह। उद्दान | | 5 × | |
| कृषनप्राय वत्। यादन | • | 1 a | |
| নাজিসার (১ ম ভাগ) | | d- | |
| নীভিদার (২ ম ভাগ) | | .j. | |
| ভাচারি ও। | | | |
| भूषाः वाव वरादवन | | in * | |
| E. 413 41 | राषः | मध्या । | |

(माबथकान।

১> हे रें उद्ध शामवाद्र ।

छेजिगात प्रक्रिक्निणिए छत नारायार्च चाकीमगरअत अयुक्त ताम धनलेखि
तिर ह वाराइत वृक्षेष्ठकुष्ठ व्य नाथु
अञ्चलंग करतन, भण्यारत चामता छारा
लोकनरणत भाषत कतिमाहि, ध्यात
क्षेत्र धकात करिंग नम्म्रात नमाहोत उद्यानिस्त्रत ख्यान भाषत कर्मा नारेउद्या क्ष्मनगत कारणास धक्री मणा
हरेता धलमर्च किश्चित धर्म मर्ग्रीण हरे नारह। পाठिकान स्थाति ছाम धर्मन करिंग माहिन वर्णन किरियन। छोटन छोटन छोटा वर्णन किरियन। छोटन छोटन धरेत्रण नक्षा हरेता धर्म मर्ग्रीण हम, देश धकाय वाक्षनीत ।

हा-सर्वात छ त्रवर्त (समहत । वंदीत त्यांक निम्न पिटकर वायन पटमें। यहि पोन्ना डेहाटक डेई हिटक नरेगा यहियात दहेंगे शारे, दहन दा पोनामि द्वास करें, पाने वार्य स्वतं के प्राना पनी

धकांत्र व्यक्तिभाष्टित व्यक्ति अरग **बत्री बंत, अडीकॅमांडल बि**टेंट द्वि छ एँव जिल्ला कि निव्योधिक विश्ली प्राप्ति हैं। कतिएक लिएन नर्द्धिक्यां अक्रम युक्त 'र्रेग्रा छेंटे । विशंतकाल वाखिरतदक है ये ध बाँगिका फ्रांक चारीन खेन छ चारीम वावशंत कतिहा कार्या मन्नामन केत्रोरे डेव्डि, डाश्टि वडीडेन्टि स्य, जनावा वाजिक्रम चर्छ । मीश्रक्रतता यशिक वीटिक योगिट्स अक सोहम औरी भैरणध्य क्षिता उदम्ब इहेब्राइन, हो-করেরা কাট্রান্ত প্রভৃতি কুলির স্বাধীন-তাপহারী থত আইমের কৃষ্টির চেউা পাইতেছেন, ভত্তই অব্ভিয়ান ও বিশ-দাণন্ন হইতেছেন। উাহারা যদি স্বংশ मूटना क्या ७ छध्य ह कृति वहेगा चाहे-বার দেঁটা পরিত্যাগ করিবা নবলকায় कूनि नरेशा यान, ভाशिष्मादक कले है **भारेंग हाता वस्त्र मा** कतिया अर्थ होता बर्भीकुष्ठ कतिया ब्राट्सन, जबर बस्त শরিমাণে তথার কুলির **छे**लेनिट्बम क्त्रिया वक्षेर्यामाथन क्लो भान, विन-क्रव नाख्यांनं क्ट्रेंट्ड श्राह्म । क्रियु উট্থাদিগের বিশরীত বৃদ্ধি উপস্থিত হুইয়াছে। তাহার বশবভী হুইয়া ৩ রা रिटेंड अभिवात थीश ७० जन . हो-कर ७ डीश्रिंगंत्र अजिनिधियन अवर्गन শেন্রলের সঁহিত লাকাই করিরা চার চাবের বর্তমান ভুরবভার বিষয় বর্ণন धदर भवंगीरमण्डल क विषया इस्कार्यन করিতে অহুরোধ করেন।লাওহোলভার্ন সভার অধাক বুলেন বিধে সাহেব चार्यमम भाठे न् खर्भात्र काछिनां । নিলার নাহেৰ চা-করদিলের ক্ষতিয় विषय बांहनिक वर्गम क्रिएनच। व्यारवस्त्र কারিগণ অমুখেই খীকার করিয়াছেন, ভাঁহাদিখের বর্তমান চুরবন্থার কয়েকটা भाव और्वाक्तिक जाननावित्तत हरे-एकरे चरित्राटक। किंत रमश्रीण कि कारात

केंद्रिय कर्नन नाहै। केंद्रिया आधारानकि (शर 'नश्रीमांथंड वर्षी कांद्रित कांद्रन कित के विवादक्षम । शायम, भावनरात्के हा-কৰ ও মদুৱে, প্ৰস্পাৰ ক্ষাড়া স্থিৱ कविषा अन्। इक्रियार्ट्स्स । यारेन अनु-मार्च चेक्रीएश्टक নিৰ্দাৱিত মান नश्या दरक्रम । छोकारा अक मने हाडेम ৰিতে হয় । এ বিধিতে ফতি খনি. ৰাৰ্ষ্য । ৰিভীয়, কুলিয়ঞ্চক নিযুক্ত कितिया भवर्गान्यके धारध्यकोत हा क्य দিণের সদাবহাকের শ্রতি অবিখাস क्तिया (६न जबर कृ नित्रक्रश्री বিশেষতঃ মার্লল সাহেব অনিষ্ট করি-তেছেন। তৃতীয়, वांनार्य ঘাট উত্তৰ নাই। অতএৰ জীহারা প্রার্থনা করিয়াছেন, বেতন নির্দ্ধারণ চা কর ও ममुद्रमा भाग्मादात देखात छेपत निर्धत क्या क्रिया ध्वर कृतितक्षाकत भाष छेठारेंग्रा (एअग्रू ७ जांछ। शक्छ कतियांत्र बना प्यधिक छोका बाग्न कहा छेडिछ ।

व्याग्रहम्म भक्ति इंदेश विश्वास मीट्रव गर्गत (जनतलट्रक वृतिहलन, মেজর লিজ, ডেপুটা কমিসনর মেজর কোরাব, ডেপুটি কমিসনর কাণ্ডেন লাম্ব, ডেপুটি কমিননর কাপ্তেম কোন্দা, ও वाद्यम काद्यम ७ एकान किममन व क्लांख मारहरवन्न जिस्मार्ड अकाम रतं. ठा-कटवता नांधातर्गा चक्त्रप्रिरणत व्यक्ति नम्बारहोत करतन। मरश मरश অত্যাচার হর বটে, কিন্তু ভাহা বিরক্ উবাহরণ মাত্র। মজুরদিপের উপরে সম্ব্য-হার করা চা-কর্মদেশের স্বার্থ। তিনি অবিগদে কুলি আইন পরিবর্ত করিয়া क्ष्म हिंक खर्चन क्ष्मेषप्रभित्र न्रट्यत्र विविधि द्रांषियोत अन्द्राप्त कदत्रन। ভাঁহার মতে ক্ষিণ্ন নিয়োগ স্তদেহ शंतीकात नात धरेर्द, एज्वात कातन बाना बारेद बाद, किंगु जीवन जात शांडग्रा मार्ट्य मा

शवर्गव (अवतंत्र हेशा छेउन भारे कवियार বলিলেন, তিনি পুৰ্বেষ यणि अ मिविलिशान अ भागन कर्छा, उथीति भागप करा डा. हा इर शङ्ख्य ছার একান্ত ইচ্ছা। ডিনি - গ শুনা कहेरल निरक्ष का कर इंस्ट्रेस । 'अंक्षि-श्रित गांध डिंग ए जात हवार्स पार्थ डेला-क्या कविएक व्यागिगार्डन डिनि'निटक हैर-। ताल. व उ.व. एक्टमीयिएशर क्ये प्रका ভীহাৰ কৰ্ত্তৰ্য কথা। কিছু ভারতবৰ্ষবাদী ও রাজীব প্রতি ভাঁহার এক ও কতর কর্ম-बा कर्या कार्ष । अवर्गामा के विकास सम्बन ब्रिट्मार्ड आहेरम, जाहाद ह न्या है आहोग করে সজুইদিপের প্রতি অভাবার করা वित्र छेपाइत्र नत्र, अत्वक श्रटन निय-मिडल्प नाहायं हरेगारह। वहे काररव अकुट्टत तकांत खना विष्यंत्र वाहेन रहा । व জ্ঞান করেন। পরে প্রভাতর পাঠ করিয়া यला इहेल, ३४७७ ७ ३ ४४७० बटका माहेन **গুলি অনেক অসুসক্ষান ও সাধারণ সম্বতি**র পর হয়। আইন ত্বারা চা-করদিগের ক্ষতি इरेशांट, छाहा छिनि चौकाव क्रिट्ड সম্বাত নহেন। সিংছলের কাফিক্র মরিস সাংখ্যে আগামের চা-ক্ষেত্র নর্মান করিতে चाइरमन । जन्त्र ८क्नव्रत्वत चनुरवारम खिनि वर्फमान इतवकार **क**रे करत्रकृषि কারণ নির্দায়িত করিয়াছেনঃ---

थाथम, लोक मून्यन कांग्नानि कतिशा অপরিমিত ভূমি কর করা হয়। ইল পরিদ্ত ও কর্ষিত করিবার উপযোগী পরিশ্রম ও টাকার সঙ্গতি ছিল না। अक्षत्रवर्षेने विकत डेम्रान वन शतिशूर्ग तिह बारह। विकीय वक्तान करेटक कृति शहेता वहिंदात बात्र चारमक इस्ति इहे-श्रीरिष्ट । कुछीनं, अत्मरु भौनकार अकृत शक्ति अवस्थिता विदेशन व्यक्तिकार्म है ভার প্রাণভাগে করে। ঐ অঞ্চল প্রীড়া । হইত। কিন্ত জীর্ছিকারির্যুপ্র বে বেরু व्यक्तिनात्र कता विश्व दे विश्व व्यवक्तिक का व्यक्ति व्यक्तिक कता क्ष्रेण।

ত व्यवधारक या अग्राटक हा उच्चक्रा अञ्च इस ना। व बना देश्वर के मृता के कार्गी इसम इहेश्य । शक्य हो कांग्र धक मन हाउन (प्रकार्ष कृष्टि स्ट्रेड्डि.) वर्ष, जानक छा-कृद्रत भर्याख बुलयन नाहे। मधन, देर अटल वर्दकृष्ट् द्वतारक प्रत्नक होका वा शाहेबा ऋडि तहा করিপ্রাছেন। মরিদ লাছেব অপ্রাপাতী, ष्ट्र अवर्गत (क्रमत्र दिल्लाम, डीइनेत কপা। পোদ করা বাইতে পারে। কভির कांत्रवं का कटबता जानवाता क्रेटिकट्स । चारेत्वत (संग्रह्म अनाम । छीहात वाळाञ्चारत के क्षरच्यीत वावकाशक মভার এক বিল অপিত ইইরাছে। ইকাতে नुगम १ था বে তন निकीत्रन निग्रम त्रिङ स्टेरव । कृति त्रकारकत्र शह छेठीन जाँबात मछ नत्य। (वशात कृति ८१,विष्ठ चाइन तिहल करा जिनि व्यवसामर्गमक । इस, त्मर्थात्मरे व विश्वतस्त चाइन चाइन আসামে উঠাইতে হইলে মরিসন, ডেম্লে রেরা প্রভৃতি স্থানেও উঠাইতে হয়, কিন্তু काश कृत्रा धनकातिक। धानात्मत **आं**ह ७८ लक ठोका भाज। भागन, विठात ७ रेमनिक वाग्र वार्म, जन्मोरे डेम् ठ बारक। उदारित श ब्रम्म ख्यात् न मक **ोका नूजन दाखांत खना. (क्युहा वहे.** शांदक्। भाग भाग क्या होना माधारध राषाय इरेटक पिटल पना व्यवस्थात **छेलद्र अविष्ठांत कहा बहेद्द**े। श्रीफा निवक्त रेकिनियात्रां व्यागाहम व्यक्ति বেডনেও থাইডে চাহেন না । বিশ্বর মজুর ও ওবরসিয়ার আণ্ডরোগ ক্রিয়া-इस्त। अवर्रायर्केडच बङ्गीक व्यक्ति,माहे, শতএৰ এ বিষয়ে আপা,ডভ: যার কিছু कता वाहरण भारत यात्र अधिकत्र धाक् বিচারপ্তি নিয়েগৈর ১ বিষয়ে : কিরি भीख भन्नभनान कतिरदन विवरकता 💤 बरे नवाड स्रेश मका कम स्रेट्स काम

जिनातं नारस्य উठियां योगरेननः योगीन নাহেৰ কাছাড়ে চা কর্মানের প্রতি স্পান্ত পাজভা প্রেম্পান করিয়া কৃত্যি করি-তেছেন। জাহার উপরে কাহারও বিশাস नोरे। कीशंदक' श्रम्भुष्ठ कहा कर्ववा। वूरान निवर्ष, भनि, वाहि । क्रेन्स अन्य मार्ट्स करे धाकारत मार्नन मार्ट्सत मांग मिट्ड नामितन (व जिनि भूट्स धवर्षम्यत्मेद कार्या इहेट्ड वहिक् छ इत. তাঁহার রিপোর্ট বিখানের বোগ্য নতে, ডিনি কুলি ও **हा-क्विंग्रित मर्था** পরস্পর বিবাদ বাধাইয়া দেন, ইভাদি भवनंत्र व्यनज्ञल जीश्रामिश्रास्य बालायना. অসুপস্থিত বাক্তির নিন্দা করা অ. न्। इं इंदिटक चनमर्थन कृतिएक एन 341 छेडि । , अपि वर्षार्थ कर नेना बहेबाटक । চা करतता (क, व कान् कर्यातिहरू রাথা উচিত, আর অমুচিত তাহা প্র:-र्गायनेत्र भाकाः वज्ञान बिल्यन १ उत्तान मिर्लात य पाकिरवांश्रीवाटक, ठाहाई सामा-हैरबन ; य विषयः भवनीत्वरकेत कि कर्तना कां हा वना निर्माक्त का मूहक व्यवस्थाईम। ट्य बार्कि बाता जारीनिविध्यत साव ध्रेका निर्देश, उँशिद्ध नके क्षित्रात हाकी क्रा अविकि मंत्रिपटनात त्य त्वांश चाटक, वि फारांत উनारद्वन मोख। मार्मन गार्ट्यन চরিজের অপুসন্ধান হেডু কমিনসর বক-र्णायदक नियुक्त कता घडेगाटह । विश्व भात अक वाकिर्देक विद्युक्त कतिरंग छान हरें ठ। वक्षांटल इ उभटन माथान्द्रवा खिक भारता । सनत्रव दुर्ध है हार्श है। हाई भटनक क्रिक का दक्तान्त्रामित्र "भर्म कत्व महिद्दिभिक्त स्रेशट्ट।

ष्यांत्रता मतिने नारश्रदेवत त्रिर्लार्ड व्यवस्थान नार्वे कतिता दाविनाय, हा क्षेत्रिक जानगढितिक स्वादि कृष्टि इक्टक्ट । जीवाश अवेशाल नमुनाव जाताह कह केतिए प्राप्तक वक केरिय ्रविष् महिला कि इंदेश । वाक वि

नवना कतिएक वरेटन ट्रांडि केंक्सिक्टमह बार्क दिन ना । नांशाकीक कार्या ं व्यक्ति देशिन त्व कन स्था, जांस पढ़ि-बार्ट । वक्षिमरभन्न थाकि नार्मन्त्री भैनेवावश्वे का छोश भौषता वृष्टि ना ; क्षि चामक हा-कड़ कम्माः मीलकहरि-त्सत्र गर्भ व्यवज्ञान कतिर्देशका मुलि मेंन गर्वा निवटम (राजन नीव मी। महिल नाटरन अछार तकन रिनान कथा वर्षा-ৰাছেন। এটির প্রতি যেন ব্যবস্থাপক সভার मर्ट्नारवान्। द्वा उटनंत्र मान गर्वा निर्दा त्रन अपि सारभार। व नित्रत्र त्रहिछ एहेल बरे ररेत, इंड्यावशातकान, नींविवाकात च्टन अक छाका प्रिटवन। अवर्गन क्लमन निर्देश चीकांत करतन, कृति निषाद नित्रा শ্রম, কিন্ত ভাষার মূরবন্ধা প্রভাষিত चारित भातक तकि नरेता। कृतिविदेशता किरिश्मा अवीमी अछि अवना, छोहा भार्णन गारहर बकाकी बरमन भारे, प्रमुत चादन धकाण स्टेट्य। काशंतिरका दोन चान नागातरना चयना, बीटनात क क्षाह नैदि। हा-क्टब्रब्रा जनका दिव्दव कार्णना विट्रंबर " पार्व ७ वहार छैगर निर्कर " यक्तिएक विकारिक्य। भवर्गत्यके विव शांत्रक श्रांत व क्यांत्र विश्वाय क्तिर्देश । श्रंक्ल - क्रांस गावता वारेटर खख्येन कारावित्तत कीवर्णन क्षांक भागा है महा क्षांक्रिक हरेता विक रवकन ७ वांना अकृष्टि विवरह नामात्र नित्रचारमत्र नित्रदमत्र छन्दत निर्देश करा देश, छाना स्टेटन दिन विटान केंग्रे विधिष्ठि यात्र मा शास्त्र । मरहर् मस्याधात्रीय कित कतिर्देश, अवर्गरम् क्षी-क्ष्मित्र छटत बहै चनाति चहिन क्रिक्टिश्न | शहा रुडेस, यक विन हा क् क्षा अकातां है तक मासून महेतान केन्द्र कारमः मा मानिवन् । नकः निनं , केन्द्राह्य चल्लाकाया साहि नवान्त्राह ना प्रक्रि द्राव, कह कि नाक्यों 'स्ट्रेट महाव-स्ते वा क्षेत्रं केश्रावटनंत्रं अस्ति

होटक, क्रीनिक्तक विक्रटक सर्वटक क्रिकेट क्रिकेटक काइन क्रिट्ड शादन, क्रिक क्रीन गाड़िंगा मा बाइटन काइन छेग्टन क्रिकेट
वानिक विगानत ७ क्तकात भूतकात मान ।

व्यविता क्षेत्र करिकार्थ वालिका विकानदात्र नाति छाविक इन्हांच मर्दा तिबिटक नीकी चत्रक विकानता चत्रक रानिका अमुक अनकातः भूतकात भारेत। আমরা আন্ট এই প্রথানীর প্রতিবাদে र्थात्र वेरेगाम। जीटमार्कारणत्र त्य प्या-कांत्र शांत्ररशंत्र नीष्ठि चांटक, जाका त्याः। कोतिनी नटको देश वह स्वाट्य पृतिक कृषे स्ता अभैन, अवस्ति। विख्यार्थन रमात्र नेविएलय दृष्टि स्टेंबर बाटक। विनि व निविधार भगकात शक्त करवन डीराप्र-रमरे अप्रिमारन अमेर इसि एक। विकीतं, व स्त्रीतं चानिकार्जानाः त्वक भगवारप्रत्र भग्गका स्त्र, विक्रि विविक्षत শগৰারভূষিতা আঁতিৰেশিনীকে দেখিয়া मेर्रे। विश्व ऐस । 'कृष्टीत, व्यंनेतिस्थि चक कांत्र गतिशादम्ब क्लानि स्वतिष्ठ अद्य-नीवं खीरमारंकेश अमृति भगकाश्रविक इंदेश डेरेंडेन रब, स्वं गांकि जनकात विरक् में गोरंबन, चर्लक करन विनि मधीडि कंक्सि रहेश गरकत। इजूर्य, बक मछा দার ফোরের অভিশালন ও ভাহাদি-र्गित्रं छैदनाइ वर्षन करे। इटेट्डाइ। वर्ग कीर्रंतनारे त्नरे नक्षताता व नक्षारतत व्यक्ति स्थे मारे बिनशहे अनिहि हरेश शंक्षा, क्षे पिन चलकात निविद्यान के नीषि पास्ति उक्त दिन विशेषाक्षित्वम् अतिक्ष भाविताहा ाँ किसीयमा बाहे । **अरमणीत** खोटना

विक अहिशान क्टबन,

समारक शतिहरू समझा त्यां के स्थान के स्

णिकाका ।

गांगायामान श्राना श्रान गांगायाक विशेष णत्र व्यवि नांना चांन गांगायाक विशेष णत्र श्राक्तिण व्हेत्रार्छ। किस देशात व्यक्तिश्रामत व्यक्ता अकात लांग्नीत है कर लांग्नीत व्यक्तात त्य नमस्य कात्रम निर्काणण वहेत्रा वांटक, तृस वान्तक व्यक्त स्वां जांगात व्यक्ता व्यक्ति व्यक्ति विशेष महत्वास कार्यात श्राम व्यक्ति कृतिक अम, व्यक्तिकान गार्क्त तहे तृत्वम्य महत्वास कर्यात श्राम व्यक्ति क्रित्रा महत्वास कर्यात श्राम व्यक्ति क्रित्रा विशेष श्राम व्यक्ति व

" व व कारम नामवाकृष विमानव चारिए, क्या है विकासित क्र नमूलक देनटचारेन नराजक अंख्डी क्लीप शकारतक निवृक्त कविट ह भावित्यम, अवर त्यान् कान् वाम वा श्वान अक शकारकरणत कृतीम शांतिए। छात्राव वार्व। कृति त्वा और नक्षात्वक कर्डूक अक याति त्रिवेषुक् **প্রস্তুত করা হইবে। পঞ্চাত্তেতের অধিকৃত্র নীমান্** मरश बारमविक अक्रमड दिश्मणि मूमा वा ভাহার অধিক উৎপন্ন হয়, এমত সম্পত্তি বে नकन बाकित बाकित, जासामय माम अवर से সম্পত্তি হইতে আভাতদের যানিক আয়ু নিহিছ हद्देश अहे छिनेतृक् अख्य हश्रत भागन-त्मत्र अवीरवक्रत्यत्र विश्विष्ठ **काहा अवति जिल्हि** স্থানে সংস্থাপিত হইরে। তরিখিত ভাগ লৈওঁ। इर्फ विनि चम्ड क्षकान कतिरवन, किनि के ब्बनात्र वा मन्द्रमात्र माखिएडे हित निकंड जाशील कतिल छेशंत भरामाधन श्रेटक शांतिरव । तिहेर्क मण व रुखतात अक्टान : e निवन गरत 🚓

्रकाशक **पार्कक वा** प्रमधित शृत्भाकः । सादिक अवः छोहाटक भक्त काम गराहि निक्छि क्हेटब , ভাৰার আৰ্ছেক্ৰ, তলাধক আর্বাল বাজিয় প্ৰাতি বৃহীত হণ, ভাৰা হইবেই নেই ছাৰে क्षेत्री निकांकत विद्राप्ति अत्रशीत श्रेट्र कि मिनारन अवर एक काल अहे कत निरंध स्टेख क्षवर फरशकि अरकाक क्यूनागीय मन्ति ঐ বেট বংহতেই লিপিবদ থাকিবে । শিক্ষা-বিভাগের ডিরেটর সাহেবের সম্মাত্ত উত্তরে मि.शिवच व्हेटल भेव कर चालाय हरेटव । भेटन करे चारतन चिथकाती रस्वास वा का नगरवन बहेता धक्की भिका कर्ष न नकारप्रक सत्नामी उकवि (यम, धनः उत्रमः एकेएउ शक स्रमाटन मन्नापिक यत भीज कविरवन । से भक्षारवृत्जव ज्योन कारन यह सून माद्य विष्ट्रा भिष्ठ श्रीदर गर्नदन-ब्रहे मुल्लाव के जिल्ले श्रीकार्यन । के उन्न न विकार बार शामिक इट्टा ए कि खदा व निमान स इटे-दि अवर विन्हालय प्रमुद्धित काई। खराती नमाउई এই শিক্ষা পঞ্চায়েত কর্ত্ত স্থিনীকৃত হইনে, गण्याक्क मरश्रकीक अथ जाशम श्रास्त्रकारि-

अहे जिक्का कर जन्धर कतिरात जना जिका नेकारतकहैं। शंक मिनुका व व वस. बरर व हा-वंश्वे कर्राट्ट किम मार्ग्य जनविक क्य जनवास খাৰিকে ই পঞ্চাহয়ত উচ্চ যাজির জিনিব পত্র বিক্লয় করিয়া কর আলায় কৃতিয়া লইডে गादिएवन ।

निका शकारतंत्र शक्ति वश्मत्रं अरक्षम मारमव शक्तम विवास निकामध्यादे फिल्किय मारह र्विष निकृष्टे निर्मिष्टे श्लीख क्यूगांद्र कांत्र वारत्व क्रक विभाव गाठीहरवन ।

निका नका:इंड कंद्र जागाइ फोकीना कटिएक जबरा कत्राधी रे छिदा नकारत्रच मिनुस्त मा कतिरम निया विख्यात्रह जिल्लाहेड সাহের মাজিকে টু লয়ালয়কে ভাষিত্র আত ক্রিত্র জাহাব অনুহতি ক্লেম আপনি সেই সমু-मान करमान कमाना क्षत्र क वर्ष भावित्वन ।

শিক্ষাকর যে পরিমাণে তানার হইবে ডিরে-ষ্ট্রা কর্তৃক তৎপরিবার্ণর অবাধিক সমর্গত্তে ট नाशया अन्य दहेर्य. जे ग्र'शया पिटरनेत यथम होता वस कतिराज्य भागित्वन । शारकाक भावन-(व हे माहाबाधीम विकासाइत मन्नाकत विका-मरबह रहान मन्यां जिल्हा देश स्केबाब समा विज्ञादानाम मिलियान कतिएक प्रांत्रायन, अवर ' আপুর খাজিক জীহ'র নাবে অভিযোগ কবিতে बाजिए के र का जिलि खारांड व्य निर्मारी पकरण

क्षत्र विष्युक्त या ला एकत म'म लिचिए हरे । अंश इत्यान विष्युक्ति माहाइक महाइक विष्यु থাগ্য থাকিলে ডিনি সেই সন্দানককে করির। অভিযোগ কবিতে পারিবেন।

अहे भक्त विमागदत नित्रविष्ठ वात्र बहेता ৰেগে যে অৰ্থ উৰ ও হইবে, ভাষা বিকাশবৰ্ত্তীত डिट देखन निकंड थिन्छ स्टेटि, फरकर्ड व निवंद का प्रश्क का इन्द्र के स्वाह कहेरर ! क

আটকিলন সাহেবের অভিপ্রায় ও हिंछी अभारत्रीय त्राप्य गाँउ, विश्व श्रक्षांवित कनाविक इहेर्द त्वां इहेरक्ट मा। पश्चिमः भ भनीशास्य क्षडाव मिनिष भाविभिके वासि विनिद्ध मा। मिलिटले दिनादि उट्य चनुतार्थ-ৰান অধিকৃসংখ্য ৰাজ্যি মিলা ভার। व्यक्तिकार्य क्षेत्रक ना श्रेट्राक भक्ता-(क्रेड इरेबाक मञ्जावना नारे। दक्तन स्नारन कर्ष किश शकारमञ्ज मिनिरन ७ अञ अभिक कर्ष मः अरू रहेब्द्रात्र मुखावना मारे य कर्मात्रा मून धन गर ग्रह स्हेशा व्यटलका-क्रब देश्ब अन्तिहरू किव्यूट फेरहब विष्णां वात्र नात्र निकास एक । भाषां वि-গের ছেলে এব কোন কর করিবলৈ वागुना, क्या, क्या अत्याच वाणितहरू काशास्त्र क्रकार्यका मास्का नकारना महिन्दिक अविद्यालया विषय स्थान आहा । कां क्रवीतः काश-वरेका विवासि-कात आफि व्यादक्त निरम्य कविदा केरिया । एक गणक कत्र करता होता वाला वाला ७ वा सहस्रका महावनाः व्यक्ति । ६वहे ইনকৰ টাক্ত মিউনিসিপল টোক্ত ম 'होवियांत्री होज बिएड शास्त्र क्ष धमरतार धकाम कतिएकरह।

লাকভাও বেবা আইতেইে নাব ইনশেন केरबता यपि किंकू भेज ७ व्यंग्निक्यु इन। अक्टर् . दव नांश्याहान खनांनी प्रनि-त्करक, देवारकहे देवेशिकि <u>क्</u>रेटिन वयन दर्गन बाह्यत रमाहकः नाक्तानी व्हेश न्याद्वेषम् कृतिह्न, वेन्द्रमानित् कृद-क्यांचे प्रांचा हो। क्रिक्रो हिन्द्री

हैमएम्बोकेन पाना चटवा क्यारमूत चार्चात चन्नकांव कतिरवन । यहिर्त्यकारन , चवि-कारण गण्नेत वाकि पाटकर अवर पहिन कारण लाइकत नगछि स्त, हीसा ध शक्तम (बंधन इन्ह होन) मान्य र्देटल शादत, खारात अञ्चल कतिएक स्टेटन । यु निरदाने किथिए यशिक नित-गार्थि श्रीतर्छ हरेरा। मासि स्थि नांबाबद्वत क्लान्कब कार्या अविकार्भ लारकत धङ्खि छेरमान ७ अवायमात जाय नाई बढ़ि, किंख च च नढ़ानगरनड উভम निका नाज इस, महाबद्धाः व हेम्हा कविशादहा छेडम निका स्टेटडटह ति चंदक नहिता किकिं स्विक विकन नात्न लाहक भेता अध्य इत ना। नकन वियम्बन चन्नकान कतिहा एकपूछि हेन-শেক্তর রিপোর্ট করিলে ইনশ্রেক্তর चारनसमात्रीटक , काकाहेता दम्भारत दन क्षात कुन एरेवात नेखातमा आहर. जारा जानारेटरन जरर जाहाटक टन्हे गतियांत्व वर्षां तथ्याव वित्राय विशायन, भर्गरमण सरेटक कामा अ कृतिहरूत पूना मामाना (मध्यानेत्व क्रवेटम् । निवि विति भूदे विकास वस प्रेक्षा माना अवद् मुख्य रहेदबुब, क्रिनि बाहारा शाहेदबम्। त्व दम बाक्ति, दम .दम, स्मादिनम, कविदन रेनाम्बद्धाः कारा आस, ना कतिया यदि अरे निष्ठाय कार्या कृत्यन, जिका, क्य থেৰজিভ, করিবা, লোকেন্ট্ৰিরাপভাত্তন না হ**ইনা ডিঃটের অনা<u>হা</u>নে ক্লুভকার্য্য হ**ইডে शाहिर्दन। अकृदिता ७ क्रुमिन्छि शिश्लुक् अञ्चल कत निर्दातन एतियोत्र साथ । त्रांचित्रा ल्यास्त्रात् सेसम् विश्वम् विश्वम् बिटन गण्डाट्स डेश्युक्ट दिल्हामा अधिकी मर्भन प्रक्रम स्ट्रेटन मा। जानहा जनुमा त्मक केनन मिक्स मा अजिया व्यक्तिया श्रानिता अन्या अस्टिकित । विद्रवेश येथि श्रीतमाणि देश्याकी मदाव का विकासिक गर पात्र अकारी प्रस्ता कराता लागानि. COR VICER STRIP CHARGE fred to the state of the same

नकार्यत (जीका यात्रा जास्यर्थत चारैन।

अस्मा अक जन कुनहा चालनात (मोहन क्षित्रा विणवाधिम, अक वाकि खारात केनरत वनशंकारण के**राय ए**त, त्व द्वयम वयानगरम छारात अखारव नम्फ स्टेश वन क्षकाम स्टेट्ड त्रश मारे। নে দিবল পঞ্চাবের ক্যোড়া ছারা হত্যার বিল বিধিবস্থানকালে ব্যবস্থাপক সভা এই প্রকার প্রাশংসা লাভ করিয়াছেন। त्य जिल के दिन दिश्यक दश, त्म जिल সর ছেনরি জুরাও ও প্রবর্গ জেনরল बरमन, (मीक्षाता मर्समा चाकिनत्रविश्वतक चाक्त्रन क्रांटि डीश्रां वड क्रेड हरे-होट्डिम व चारेटम चम्छा मा विटन उन्होता चार्न बरुख नरेशन। चर्चार अवर्गामा केत्र देशिक ज्ञानन अफ जिल क्तिट्डट्स त्य, डाहामिशट्क वयाविधि আইবের মহিনা পালন করান ভার হইরা छेडिशारम्, माठावन अवर्गात्मणे छानिएछः ह्म, चाइम ना कतिएक एव कार्या चन्छा। চার ও অসভা ব্যবহার বলিয়া বিবেচিত श्रीत, चारेन श्रीत चात जाहात तारे क्रण महेबात मखावमा नाहे। व चाहेनजी छूद क्वन रेगमिक्तिश्वत क्रा श्रेटखट ? विश्वपूर्णि रेशा वृत मह ? हेर्त्राज्ञांकि अल्लालंत व्योचत, वादेन एतिया एकेक, जात दिना आहेरन एकेक, दीशांत्रा अरमरानंत्र गर्ख गर्ख तार्कः द्य ७ दखन क्षिट्छ शांद्रम। यदि क्रात्म, खाहाटल बामानिर्वत स्वरतत खावृत्र बाथा कृत्य मा, कृषा श्वर्गामण व्यवसा त्राचात महोत्र यूचि विक्रम चाहेन कतिरण (बक्काने का की आकाः विरागत रागव करकेत विवन त्यहेम नार्थव ब्रह्मेंब, क चारमरक र्वाच्याद्यन अप्रे विद्या धाराज क्रिएक्टर क्रांत्रक्ष कीय श्रम्भाष्ट्रक काचेत्र विक्रम काच क्षितार समूत्री क निरम्न केनाफ स्रेग्राट्स, विशेष दिनशीय क्या रशिएन भवाड

क्या बरणन, खाण्डत दिशतील निषाय করা মেইন সাহেরের স্বভাব। যদি কেবল केक मार्च युक्तिविद्यांथ लावश्यन र्वेड, डारा श्रेल ड्रांशन मटड मड निता चायता वनिष्ठाय, खाटलुष नाटर-त्वत्र विक अवर्गत्यत्केत्र मुख्या । अ वस्तित একটা সর্কোৎকৃত সৃতীয়। বিদ্ব সভ্যোর व्यनगान कहा यक कठिन क्या।

त्यहेन मारहर अहे चाहेन मदरका व्यानीत्त्रत विश्वतंत्र वरणन, त्म विश्वि कहा বুধা। ভাষা করিলে খত খত কোশ দূরস্থিত প্রধানতন বিচারালয়ে রাশীকৃত নিতান্ত অকর্মণা কাগল রান্তা কো भाक्रीहेटल **भ्हेटन, देशटल** विलय स्टेटन। डीशांत मांड और कतितार बार्थ के बंदेरन लिक्टेंबके भवनीत्त्रत्र मचकिकत्म व्यथान-ज्य विश्वातीय महश्र महश्र मत्रकृतीत প্রচার করিয়া কার্যা বিধি ছির করিবেন। गत्रकूतदतत्र कि अंत्रेश स्थान चार् छ छन ও কৃষ্ডা আছৈ, বে ভাষা বিচারপতি. দিলের অম্প্রামাদ ও উগ্রভা প্রভৃতির जूबीकबन कबिटल शास्त्र १ कांशक ध्येत-लंद करत जानीन स्टेटन मा ? निवस वर्ष-ভূতি প্রবেশের বিচারপতিরা কি অভান্ত ? বছদেশের শিক্ষিত্ত বিচারপতি-श्रं देशयूक देशील के जुड़ित माहाया লাভ কৰিবাও অৰ্থে পতিত হইয়া প্লাকেন। देश कि चाँवेविक ? तम निसंग कामनापू-(क्रेंब्र कॉक्स मार्टेटक्स नामक **अर्क वास्क्रित** হত্যাত দেব, কিছ প্ৰধানতন্ৰিচারা-का छेक वाकित्क पूक्त विश्वतिष्व। जाभीतात्र निवंश ना वास्तिक स कर अन निर्फारवत चकानन ज्ञानक रहेज अक्षा कोम् बाक्ति चन्नीकांत्र कतिरवस १ भ्योग शास्त्र ७ 'यायम् भिक भका चाह. ब्र बाबाव्यटक बनिटक्टहर, भीज न उ मा सिटन काकम्ब निवादन व्येट मा। क्षि जामता कहिएकहि, बाव्यानिक्षा

एरेक : श्रीकरीत नमूबात (शादक वि. अनुवक्षाम कतिता विविद्यतः, वसाधनः, অবিলয়িত দওকে তয় করে না, তাহারি: (शत नटक व जाहेन क्यांक; महे कटना-भवांकी क्रेट्ड ना। देशांत्र कम क्षेत्र क्रेट्ड. ब्राकीय व कान बर्डाकणीय व्यक्ता काम चकाहात्रकाती देउटबालीटक्त विस्टब्स रक्षित्वानन कतिरम्, काराद्म अवे वारेन् अञ्चलारत वकः भावेटक व्हेटवः। आशीयः नार, जबर विद्वारत विद्वारतिकान रेडे--ताशीय वर्षित कथात वर्षिक विष्यंत-क्तिरवन । "मर्ग अन दावी मूद्रिः नाज करूक, किन्नु धक सब विदर्भावीतः त्यन दृष्। एक ना द्या । व्यक्तित करे त्य বিশুদ্ধ মূল নিয়ম আছে, ভাষা কিছু कर्त्वत्र निमिन्त शकादव तक्कि भौकिको करे मूल निश्च एरेटव , पन अन निर्द्धाव बाक्ति वत्रः एक शांडेक, किस स्वन अक बन दावी यूक्तिकाक ना करत।"

প্ৰেক্তৰ। -

আনেদিকার অভুত আধিক্ষাব মধ্যে প্রেড সম্ভারণ একটি প্রধান। স্বাদি-क्षिष्ठ ও क्ष हरिया, विवशी अविशामी, काब हाराबीर ७ रेमनिक, जीत्नाक ७ भूकर প্ৰাৰ্থ হাৰতীয় লেণীর লোকে (সর্ব-वाकिमधाजक्रम् ना एउक) अरे बद्ध वाक्त कतिरंडिरहर । वक्षरमण चार क মাৰ্ণনিক কল্পানার প্রধান স্থান। পত্রব এ্থানকার অনেকে বে এই মত আহ্য क्षित्वन, जांदा ज्यांक्टर्याव विषय नटद्। विश्वकाल स्वथा यो हेट उट ए, मान्द्र व व व जित्र नवार्थ मिन्ट्यत दलवणी वामना ७ देखा पारह। शाहीनकारणत धर्मनार्ज-क्रांटर हो की जान दूचिएकन, अबेरे अना यक्ति डाइरा नेषद्रक निहाकात छ म्बीसित नामार्थ बतिशा स्नानिएकन, ख्वाणि नाबाहरणत के मत्नात्रथ भून করিবার অভিপ্রায়ে নানা প্রকার তেওঁ৷ र ए गूनक नाना धर्म 'छ नान'

এম্ব প্রণীত হয়াছে। প্রেত সম্ভাবকেরা बरनन, প্রেডের मাহাযো यथार्थ जेनात निर्ग रता याहेर्द। भेतकांत्र कि ? (म व्यवस्था कि स्म १ छोड़ा निभ्छत कानिएड र्शाहित्व मानुरम्त कीवन क्र्यमग्र इत्। একন্য প্রেডভত্ত অবলগন আর্থনীয়। কিন্ত অৰু হইতেছে প্ৰেডভত সভ্য কি ना ? व्यारमीत्रका ७ हे डेटवार शव ध्यंत्रीए চিন্তাশীল লোকেরা এক বাকো প্রেড-তত্ত্বেৰ অলীকত্ত স্বীকার্য করিয়াছেন। नकन मण्डालाटात रलाटवरे घटलोकिक ঘটনা সকলকে আপনাদিলের মতের पार्थार्थात्र अमान चत्रन अमर्जन करन्य। **१८८७ मधा** ६८ के इस स्टब्स्स विश्व विष्य विश्व विष्य व्यवज्ञा कतिया वर्तन, व्यव्यक्त व्यर्कत गाराया व्यक्तां जातां वर्क छ। व्यति-बारहन ७ चवळचा निविद्यारहन। अहेि डाँशिंदिशंत क्षथान प्यत्वयन। (राज्यमण দুক্তীন্ত প্ৰদৰ্শিত হয়, তাহাতে আমাদি-शत व्यविधीन कतिवाव धार्याक्यन नाहे. देख हिकिए मानाइन এরপ ছইবার ারণ স্পাট উলিখিত হইয়াছে। মিসর मट्म এक मन ल्डाबराकीका चार्ट. ।শক বাঁহাকে স্তারণ করেন, ভাঁহার विज्ञिति देशेता प्रचारेया प्रमा व्यवह र्शता चटनोस्कि क्याकात हलना स्ट्र 11 t

আমরা ক্তজতা সহনারে ইছিরি বিতেছি, সম্প্রতি প্রেততত্ত্বের বিক্লে লখিত একথানি কুর পুস্তক আমানি পর হস্তগত হইরাছে। হিন্দু কুলৈর ভূতীয় শিক্ষক বারু ভোলানাথ পাল ম, এ, ইছুার লেখন। বারু ভোলানাথ লিল দর্শন শাস্ত্র স্থলরপ্রপালনেন। নের প্রতি কোন্ ঘবলার কি প্রকার র, ভাষা ভাষার অবিক্লিত নর্গ তিনি লেন, প্রেততত্ত্বের মুলনিয়ন অশুদ্ধ ক্রিক্সুক্রক। কন কর্ক ইনানী গ্রাকালের নিরিক বিজ্ঞানের স্থতিকর্তা। তা- हात है है कहे, व्याउउद अवह मानिक, जम। देशजालिक वाकि किन के कारत जाता कि किन के कारत जाता कि कर के कारत जाता कि कर के के कार्य के किन कर के कार्य के कार के कार्य कार के कार्य
व्यामदा दृश्वित इरेनाम (कानानाथ वानू रक्वन पर्मन माराज्य छेनास प्रशास यान इदेश उर्क कतिशाहन। विद्याभीन लाटकता डाँशांत कर्क अथवनीत कान किर्देश । किंद्र ६०५७ मर्डावरुमिर्धन महास क्छ कर वधकात चारहर ? चाक् সন ছেরিস প্রথমতঃ বর্থন এই অস্ত্রত মত প্রকাশিত করেন, বেই অর্থি এই भरांक <u>८ श्रीकष्टाकृत</u> नश्राकृता हे जिल्लात ७ जोरा : स्ट्रेंट व्यविषोग উरास्त्र क्षप र्भन क्षित्र शुक्ककोनि मधात्रशंत यक्रि कछन समयशाही, इरेफ। जिनि दक्तं क्ष डिवापिरधंत निमिष्ठ विधितारसम्, किंद्र अरमर्भ नारम क्रुप्डिमा अक मन लाक चाट्टन. डाँहाता यथन विका मुखन (पर्धन, कथन दगई शिक्ष श्रावमान क्त । क्रीक्रेत्री वर्णम् न्योहत्त्वत्र बक्. श्रोत शांद्रम ना। উशांश्त्र शाहर्भन स्त्रिया **डोरोन्ट्रित सम एक्षम क**्रिया **एक्स** উচিত হিল। এত্ৰধ্যে ছুই এক ভানে भनाति विज्ञान चारहः ध मकन चारत भडीर छाररे भारभाक। विकारने पूर्व नश्कात जातक मृण्यम इस । 🔑 📜

कार्याम्द्रभन्न को समाक्ष्य में बाह्यमा छ। जिल्लिशास्त्र । एको सारमेन क्षणामा द्वार विका क्षण

त्नामक्षकार्टन व्यूषां स्टेशादह । **मक्क्षमात्री अक्षद्रग**ण বিশক্ষণ ওলতর দইরা উর্তিয়াকে। আহর। जाका कि व्हेंब्राहि त्य, ब्रांक नक्ष्य शत्य हैशाय विर्वय क्षणि शाँखाँ स्टेब्राट्ड । वर्षयात्मन्न वार्कि-(केंद्र (वनविक क किक्ट्रिके मूजिन सूर्गातरकेटलके कार क्षेत्र बार्क आरश्य खेळा बार्य छेशक्रिक स्टेश विरावदार्थ क्षांत्रक कतिया कविद्याद्य, ज्या-हार पाछ प्रशासक। क्रांत क्रांत प्राप्तकश्रीत আনানী মৃত হইয়াছে। খণুজনন সরকার ও খুদিরান মিক্র উভয়েই সনাব অপরাধী, সকলেই शक्टल निवादह। खिमनाम कार्यन वार्क मुनी নবাৰজানের বাচী অধ্যেশ করিয়া অনেক অপ-হত এবং পাইয়াছেন। মবাৰভামও ভাহিনি না म्बाद रहेशा शंकाटक निवादिस । स्कल्पाणि সেশনে সমর্শিত চটরাছে। ফাউলেন ও উকীলে আদালত পরিপূর্ব। বড় বড় সাহেব বিচার দেখিতে আসিয়াছেন। অত্ৰতঃ তেপটি বাবু পুলিষ ইনম্পেটার কৌজদারি ও বেজিটারির আমলাগণ সাঞ্চি বরুণ বর্তমানে গমন করি-য়ানেন। জনেক ৪লি বিচার্য বিষয় উপস্থিত। প্রথম, ভাকাইতী, বিভীর, গুরুষার, ভৃতীয়, पर विकास ग्रमादनन, इष्ट्रच विद्यादिका, भक्ष्य, নজাদীলভাম ব,াযাভ, বঠ পুলিবের প্রাভ व्यवका । बेरान अस् अस्त्री त्यार हि नुस्ता नाहे, गक्न छनि ध्यान स्ट्रेंक नवावकारतत्र कि स्ट्रेंदर बना बाह्र मा। जायदा जलाहाद्वर दशा (यज्ञन छिमिलान, छाहार्छ लाबी वा कित शक्त र कर र र दता উচ্চিত। শুনিষা হ্বপর কম্পিত হইরা উঠে বে ্বাদীর সাক্ষাক্ষে সাধী জীর অপদান, পুরের गमरक माजारक शहात, हेश कि बह बारकरण्य विश्व ? बेशाएक कि प्रयाद क्षेत्रक एवं ? यादा शक्ति. এ বিশ্বদীয় সমূহক নিম্পতি হইবে না। লেপ্টন ট গৰ্জি ৰাহাছৰ প্ৰ্যুক্ত ইহাতে চুনুষ্টপাত করি-

जिल्लाक वर्षमधीवनकि ताला वार्ष्ट्र क्षारम आंत्रम कर्त्रमध्यम अहे वात अवीव-कात गांकर, क्रिक्श्मण्यात जवका काल शांक भारत १ अकी भूकक व में क्ष्रोंन वक्ष केलन हमा बाला वार्ष्ट्रत अवेता क्रिक्नेन्स क्ष्मण करिएक नित्रा ज्ञाल मचले क्ष्रेत्रार्ट्म हैं क्ष्मण करिएक जावता जात अकी आर्थना अहे कहे, एवं वेद्राप एक क्षित्र होता क्ष्मण्या विश्वका लावत नाजा कि क्षेत्रम कारण, त्यक व क्षाप्ट लावत नाजा कि क्षित्रम कारण, त्यक व क्षाप्ट लावत नाजा कि क्षित्रम कारण विश्वका जावत नाजा कि क्षित्रम कारण कारण कारण हिन क्ष्मण क्ष्मण क्षित्रम नाजा कारण कारण कारण कारण कारण क्ष्मण क्ष्मण हैं हिर्देश

७ । এ माधन बाद्धि हरे तरदात नमुद्र चला मानवामित निवर्ण अन्त्री आचारता एटर प्रश्नि লাগিয়া সমস্ত ক্ষেত্ৰিত ক্ট্যা বিস্নাহে; আৰ্থণ किन्दे वादिश क्षिएक भारतम नाई। मशकान চাঁপ বাহায়র তাঁহাকে বস্তু ক্রম করিতে পঞ্চয়া প্রদান করিরা গৃংনিস্মানের জন্য উাহাকে वित्नव माहाया कहित करिवाद्यम ।

অত্তত্য পুলিব ইনম্পেটর বসির্দ্ধি সেখ স্থানাস্ত্ৰিত ইওয়াতে জাঁংাঃ স্থানে বাবু জীৱান চন্ত বোৰ আসিয়াছেন। ইনি পুলিষ কাৰ্ব্যে এক जन केनपुष्क त्नाक विजया भगा। देशि घटनक দ্য বিষয়ের অসুসন্ধান করিয়া উচ্চপদস্থ ব্যক্তি मिर्शत निकृषे वित्मवद्गत्थ विचाछ देवेतातन।

काटोताच् मर्यास्माजा निश्चिता (इन:-

मूद्रजिमावार स्थानां वस्त्रान शान नमूटर विशांत कर्का कराउ कहा रहत्वभूत स्टेटक নিৰ্গত হইয়। বাড়ইপাড়া, বহরান ও হরিহর-পাড়া প্রভৃতি গ্রাম সমূহে একটাও বিদ্যালয় नाई। अमन कि कान कान बादम करमहानदम्ब भार्तभागा भगात वृष्टे रह ना । भारति अकृषि অৱ স্থানেই সাহায,কৃত বিন্যালয় প্ৰতিষ্ঠিত आरह । याचा इंडेक, वर्डबान क्षत्रहे निर कृत व अकार्यक्र अस्तरु हुत क्तिरव विनिन्ना कत्रमा

क्षथारम कृटकत्र इंटिंग विश्वक्रण नांक चारह, উত্যৱপ আবাদ করিছে পারিদে প্রতি বিষায় खलू।न e- होका लोक (स्था यात्र।

कारिनात काफेरनात नत मरबा किन्नािकन, अकर्ण मनकरा नाइ इह जाना कथिहारह अर शक्त वर्ष हांकेन विक्रीण होहरकरह ।

कारहे। इत्कृतंत्रकावनदीविष्यत अवनी थ्यांव कृति। अथानकांत्र श्रांत्र नकन लाक देवस्य मकावादी अवर क्रांटिंग्डात महाशकु व्यानक इत जानकी कार । यह काट्याहाटकर करवकी जान व्वेद्वाद्य अव कृक्ष्मत्रद्व कात्स्ट्यत् काञ्च विति देशबीय विकास कृतिबादका, बीरांत कांत्रावात केस स्टेबाटक । वाजी अहे काटोंग ।

काकान्य मनावर्गका निवित्रहित्यः-'পিপ পরীকোত্তী/ছাত্রগণ, ফালেজানি বিদ্যাল- ক্ষিত্রাছের। ইয়া অভ্যক্ত প্রবের বিষয়। त्वत विकास वर्गीएक कामिक रहेशा निका कृतिएक स्थापनात । अहे कृतिकशं किक ,क्षाक्ष स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन । अवादन

मरमु ए निका कविया शास्त्र । किन्न कारनेवानि विगामस्त्रत विजीम स्थानीरक मश्कृष निकास আধিকা ব্রহাতে উক্ত হাত্রেরা তথার বিজীয় (बागेएक गाँउ कड़िएक **मक** एवं ना । क्वार छेहा छाहारसत्र भटक व्यविद्वेसतं हरेता विवि-शास्त्र । अछ-वन माहेनत्र कतार्लिन (अनीएड व्यक्षिक गश्कुष विकाद निवास कहा व्यक्तिक रहेएछड्ड ।

२। व्यञ्चा (क्रमचानाम् क्राप्तकन्न क्रमी এক অন কন্তাৰলের প্রাণবধ করাতে কর্তৃপক क्षान्यांनात्र व्यथाक मार्ट्स्ट्रंड टेक्किइड छन्द করেন। ভাষাতে উক্ত সাহেৰ বলেন বে ভিনি তখন জেলখানায় উপস্থিত ছিলেন বা। তাহার अञ्च छथाकात भारत्रव बारतामात छैनरत हिन। देव'एउ क्रमात छैरा व्हेएड अप श्रमात मुक्ति क्षां हत, किन्न कर्तृषक खेंशित (बनागरकत) कथात छेभटव निर्वत कत्रियारे नात्रव मात्राभाटक कर्म स्केट वश्ष्य कत्रियाद्व । नाट्यव नाट्या-शास्त्र अ विषया विष्टु किस्ताना वा स्वतिता अस्य বারে পদমুত কর। গবর্ণনেক্টের উচিত কার্য্য হয়

৩। সুলভানসাধী নামক স্থাবে হরানন্দ রায় नावक अक अन अभीतात वाग करवन। जिनि সমরে সমরে আর্থসাধন জন্য লোকপীড়ন कतिका चाकीहे पूर्व कतिएकम। त्वर छानाव अधियोत वक कांक्र मा कतिहा जिमि चारानि-शत्क नामा श्रकाव वद्यमा निएकन । अख्युननाम ভাষাত বিজ্ঞাক কোন মকল্মনা উপস্থিত চইতো छिनि माना कोणान छात्रा ब्हेटड दका नाहे एक। त्र किस खडाखा अक् क्रांसद विकडे क्रांस-कड़ी होका हो दिएनं में वालि फरशाहार कामचंड इत्र । अञ्चलः इत्रांत्रकः छोडाटकः यतिता च्यानियात विक्रिक्क आंश्रेस अभीतक अक क्षेत्र मन-चानित्व चतुर्वाच चतुर्व । फाल्युगाद अकति माना केने चित्र वहें जो, से बाल्तिय हाति कर महेशा क्षांत्रक किन्न काम शतिवर्धरमत्र क्षित्रम् माण्यीरक्षत्र भतीत्र क्षामकहरण कण विकंध र्वेद्रा बाङ्ग। अस्ररमन्त्रार्क (क्विसादी सक्क्ष्मा क्रिमक्ति इस्तारिक इतामक बारत्व माठ वरमत

 ं अंका कारमाळात रहस्माहीत खिल्ला निविध्द्वीक माइस समित्र निकासी निकीर स्तिक्ष्यस्य। जिमि अछात्र मिरमत मरवारे गर्मा-»। अवेर्गरांत्र विषयाञ्चलाद्य वादेवंत्र क्रमा- इत्तन क्षत्राहर होज वक्षणीत क्षित्रणाज रहेत्रा

.६। मध्यानित्तवं क्षित्ववं मार्ट्य वटशा मह्या

विमिनीत काकालीत मरबा। अविक स्वराध्य ডিনি ভাহানিগকে এ শ্বান হইতে ভাড়াইয়া विवाद क्रम मास्त्रिक्टिय मिक्डे श्वा निर्वत । खबस्पादा मालिएकेटिय जात्मकर्व पुनिव् खाशामित्रक मूत्र कतिया मिटल्ड ।

৬। অক্রন্তা এক জন পুরাণ চোর ছই জানার আটা চুরি করিয়াছিল। এজনা ভাষার সাজবং-সর বীশান্তর কারাবাস দও হইয়াছে। এই ব্যক্তি বে কেবল ছুজানার আটা চুরি করিয়াই এই নহং শান্তিভোগ ক্রিল, পাঠকলণ এবত বিবেচনা कतिराम मा। के शूर्ता चरमकात हुनि कति-ब्राट्ड अवः मंद्रधा मद्रधा नान्ति अवाश्व इरेब्राट्ड । अभि श्राः श्राः कुछ इक्एप्रिय कर्म ।

विक्रमभूतिय शाहीन अ आधूनिक मर्किश्व विवर्ग । (গত প্রকাশিতের পর)

बबुक्रमाथ बहाल नवह देवभूका श्रकान कहि-द्वात दिनमन यर्गामाक कतिया निवाहन। डीहांत पृष्टा विषया अक चाक्की किन्नाडी चाडि। ष्यानाक वालन मूनममानविरात्र शिष्ठ রাজার পূর্বাবনি কিছু আন্তরিক ঘূণা ছিল (১) এएको वा अ जाम्य ना नक क्लिन यननमूद चामा-। एद अवस सनोत (कोशलदाटक **रहेको अखन**सङ्ग मुनाब रूटल धावन शूर्यक वलालाव विश्वितान আসিয়া উপস্থিত হয়। খাও আদমের ককিরী वायमाय ও मरमानीय गर्य निकास पासूबाध हिल। (म व्राक्तांत अञ्च इत्रिक्तांक महा ज्यानका-लग नहस्राद्य दलिल " क्लाबाय छ। १२व वज्ञान श्रीका है तम रहकोग इरेट्ड यूमनमान क्रांखिय প্ৰতি বিজ্ঞাতীয় বিঘেৰ অনৰ্শন কৰিয়া আসি-(उट्टा अहे ककीत वाल कामम **खारा**वे श्रांड त्नाव कतिवात सना आजिहें छेनिक्छ **स्टेग्नाटक** । याजि व्यात्रात कि केशेनी यात्र कि जारात्कर वर्तानिक हात हैएक हम छाहात खिरफ। नाहै। श्रुविशादकान मनवाय रहेवा वाकाटक नवान श्रमाम कांत्रत । बनात एक बर्ग विश्विकिरिय विरवहमा क्रिए माशितम " अपि निवृष्ठ श्रमा वश्रमीत विज्ञानित वास वानि, तेव कथन महताद्यम्या मा शाह्र व्यापि अहे विविष्ठ शकुष्ठि

()) बज्ञात्मत्र कार्यक्षिणांनी वर्णय कतिहान এ কৰা অধুনক ও অনীক বলিয়া প্ৰতিপন্ন হয়। তিনি সঞ্বয়তা ও চরার অনম পরিচয় এচান कृतिया भिन्नोट्स्न ।

জ্ঞানসত্তে কাহার প্রতি পক্ষণাত প্রদর্শন করি জ্ঞানগান করিতেছেন ইভঃবসতে হঠাৎ কলেভিটী বুলি রাজনী বলালকে পরিত্যাগ কবিয়া ববনা-क्ष्मका १३(वन। " अहे सन हिस्तांत भव अहासू हर क्र अधि भूत कल अमिश्र क बाइरान भू र्सक दिन लिन " क्रा आमारिक क्र शहक এक एउर्जि সমরে প্রবেশ করিতে হইবে। র'জ্যরকা রাজ্যব श्राम श्रम ७ वर्खना कर्म । अधन निरम्राह मनन कतिरछ ना भातिरम काभुक्य बनिया मर्भज আমাৰ অপ্ৰশঃ হোষণা হইবে : আমি কোন অনুচৰ সংখ নিৰ না, কারণ উপস্থিত ধৰন শুনি য়াছি একাকী। স্থুতরাং আমিও একাকী ষাইব। আমি ভোমানের সমক্ষে এই কপোডটাকে অঞ্বন্ত মধে: করিয়া মিডেছি। যদি জয়লাভ করিতে পারি, ভাষা হইলে আমাকে প্রীতে श्रीबंद्वे (प्रचिद्व भारेट्व । भराष्ट्रक इंदेल भूगण-মানদিগের আধিপভ্য হইবে। তখন ভোমাদের জীবন ধারণ কবা বিভ্যনা মাত্র কইবে ৷ তো-মরা এখন হইতেই এক ' ভারিকুণ্ড ম প্রস্তুত করিয়া রাখ। ধখন দেখিবে এই কপোড फें ज़िया चा ाट्ड उथन, निक्य महन कतिरव वामा निथन इक्ष्में । ताहे সময়ে ভোমরা অপেকা না কবিয়া কুপ্ত মধ্যে धार्यम श्रृपाक हिन्तु वर्राम्ब (शोतव वर्षान ७ कान नारमङ् कीर्छभणाका क्रांभन करिएत।

এই বলিয়া ব্য়ালদেসন আন্তৰ্গত্ত সম্ভিব্যা– शांद्र बांक जानरमञ्ज नगरत याका कन्नितन । त्राष्ट्रवाहीय व्यवस्थित क्रिक विश्व क्रियारम (गरे वृक्ष रतः। श्रक्षांच गय(प्र वृक्षांतक्ष रहेशः। रिन्यू ও যবন উভবেই মহাবীৰ্ণ সম্পন্ন ও প্ৰচুর সাহসী। সংগ্রাম চলিতে লাগিল। জন্মনাত্রী (कान भक्तावभविनी इहेरवन खाहात क्रिन्छ। রহিল না। আনাল রুদ্ধ সকলেই বলালের **প্রকা**-বংসলতা প্রণে সম্ম ধ্ইয়া ভাহারই বিকার कार्यमा कतिएउ लागिन। এই नयरम नर्मा लाक श्रकामक महीहिमानी यस्यकानति खारताञ्च क्षत्रित्व । व्यवस्थार (यहां श्राप्त कृष्टीप्त श्रहरत्त्र क्षारम ककीत मारहर वनभागी बहै जिन । उचन সকলে চতুদ্দিগ ধইতে অবুধানি করিতে লাগিল (২)। কিন্ত কি পরিভালের বিষয়া

भूडकी भूथारणकी । विहास विकास विकास कामान | नृशह्कामणि वलाम स्वश्चाद शिशामाकूत हरेगा | মাই। অথবা ভারণালে বাও আমাধ সহিত তয় ' মুক্রর চইয়া আকাশণথে উড্ডীয়মার হইল। क्षिथोहेबात सन्। श्राह्म कवित उन्नि महम जरम वाका वास गमस व रजान हरेता एहा कि क्षित्र शांति मा। अथन निक्षेष्ट क्षानिनाम मूर्य हिन्समा किंग्र खाँशत जानमत्त्र श्रुर्स्सरे ৰিমি আমাৰ প্ৰতি কাৰ অমুক্ত নহেন। আজি । কণোড দৰ্শন করিয়া আত্মীরেয়া অগি প্রবিষ্ট क्षेत्र'ड़िल স্থুতরাং বল্লাল পরিষ্ণম লোকে म गैर हरेया ७२फ गार कनत कारन कीरना-হুতি দিলেন। ভাঁহার (বুদালের) বে শল পাবদ্শিতা हू भाकी हिन, এই ডोहाद এক উৎকৃষ্ট উনাহরণ। তিনি আপনার ঐব-বিকৈ ভালুল গৌরবের কারণ মনে করিছেন

माशावन विवद्ध ।

ি বিক্রমপুরের আকারামুদাতে বসন্তি সংখ্যা चर्निक चरिक। अधारि हिन्दू धर्मी वनदी लारकता অপেঞ্চাকৃত অধিক সংখ্যক হইয়া বাস করিতে-हिन । चहेशकां भूगां भी लारकत्रत अक्कारम अन सार मारे। पात्रका भर्त शिक्ष अप्यान केमास्त्रन यत्त्र উद्धायनीय । উर्वापिटनंद्र (शर्क् निकामिटनंद्र) चार्षिणुक्रयंगर्भ योजालाञ्च नयाय जात्रस्था स्री कर्सुक भूजीशस्थत উखत्रारीय जनानीय इत्। अवद्य গেই স্থান " কি-রিলী বাজার" বলিরা অভি ছিভ ছয়। नव्यक्ति देशका सामा श्वाम बानी बहेबाद । हानी विन्तित नहात हैश्वितत्त कृतिकार्य छेन्छी विक। कितिवृत्तिपरशत वर्षाञ्चत्राशिकात्र शतिहत्र যক্লণ কয়েকটী গিৰ্ক্তা সংস্থাপিত আছে। প্ৰতি प्तिम मात्ररकारम 'डाहाटपड माजि (**ऐ**भट्टम्बरू) कर्डुक देशप्रितात हो शुक्रव छेणत आफिर्ड छेश निष्टे बहेदा बाटक। किंग्र निका विवास किंद्रि জীরা ভাচুশ উর্ভযনা বলিয়া অনুষিত হয়

मुननवान काफि हिन्दू काफिन इंक्रेपीरम हरेट । हेशर्यन कृषिकर्य भारतहें जीविका निर्मा হের একমাত্র উপায়। কিন্ত ব্যক্তি ব্যক্তিয় বৃদ্ধি कथिक शतिबाद देशास्त्र शिव स्थान स्क्रेंक, विकाखाटन देशिनिएक खात्रन धन मण्डाक्रक कृतिव वैक्तिका वर्षताशरवात्रि स्वनामी वृत्तिका (बांध इटेटफट्ट मा । अविकारण कुननवानके जाहात वावशत रमिया जनविका स्केरका छार्व-बाई विशादिनी देशत्यक शक्ति विश्वस्थाहिनी र केदमच क्षिक्ष (क्षितिन क्रिके कि अध्यान व्यर्गंद बेवादा मात्राद्रिक पूजनवामितिरंत्रत्र मार्गञ्ज जानन वर्षाञ्चरातील **एके** रहा वर्ग । व्हेंशक्टिन ह वर्षे किन नात " क्षत्रांश नहिन्द्र अस्ति त्रास्त्र ।" किन्न किन्न वक्षण विदेशक क्षणिक कार्रिक निर्माण

हिन्द्रता विकासभूरम् स्थानिम-नियानी । किन्छ ट्यांन नवर्ष है।हाता अधारन व्याधनन करतन, विर्वेश क्यान्त्रकृतिव । हिन्दुत्रा वर्गशकाः, विनश्, ৰুৰি ও চাৰুৱাভার অন্যান্য স্থানবালিবাের অপেকা কোন অংশে ভূনে প্ৰতিশন্ন নহে ৷ স্থাৰি थां विश्वाम पूर्णा हेशियात वटवर वाहानि-গ্रেক মব্ধণ বিশিষ্ট (७) विलेश कोमिर्डिंग তিনি তাহাদিগতে " ফুলীন " উপাৰি প্ৰদান करिया गित्राहरूम । किश्व कि इश्र्यंत विवय । व्यक्ताहीय हिन्द्रश्चन छत्रविष कोमीना श्रधात्क वर्णवर्गानात हिक् मत्म कतित्रा कार्याणार्करम निवाछ प्रदिशार्थम । छतिरक्षम क्लीनश्य वर्ष ল্বু বলিয়া সমালে পরিচিত ৷ বিক্রমপুরে বালা-ট बिहर्रात् (वन्य हातिरयक का.छ, कात्रकृषिरात्व 'तिहेश्वभ भारक्षित (यम पृष्टे इत्। स्था, मार-था नशक्ता वक्ष वश्य । भक्तिमानिवान्त्र (याय वश्य) बारेनवरतन मसकी अवर कार्वालयात सन्। লেবোজেরা অর্থ সুলীন বলিয়া সর্ব্যন্ত পরি-পণিত।

এই সাৰ্ছত্তি গৃহেব সহিত পরিণরাণি ক্রিয়ান্ত ঠান সাধারণের সম্ভাবিত নছে। বিনি ইহা দিপের केवन शृक्षि कतिना अवनी किन्ना कंटिए न नि-লেন, তিনি একজন বিশেষ ক্ষমতাশালী বলিয়া । जाशास्त्र मकरमत्र मचानकाकन १३(लम, किन्न कि मुनान विवत् ! हेशामन धानन वाय हत क्वन कर्षत्र कता। मञ्जूषि अहे कोनीमा श्रवा करन-**क्ष्रिकोविका इहेग्रा म**ाकृष्टिग्राह्य । এछत्रिय-चम ब्राज्यत्नश्च (व विकाय-कंग क्रिशांगम कविएफ (इस, खादा बाद्र शत बादे ल्याकावर ७ वृशाकव । এক এক কুলাভিয়ানী উত্তনাৰ্জনাত ব্যক্তি বনলোভে বিৰোহিত ইইনা শভ শভ কুল খালার পানি এবণ ক্রিয়া অভিরকাল পার ভাহাদিনকৈ পরিভ্যান পূর্ণাক পরিণয়াভর बाहुनकाम केतिएकरहन । शहत जीवमारक केरा-त्मत्र क्षत्र मं अप्रा चित्रमें किंद्रि वा । स्कीनीका 'श्रवात श्रापान'। महम कहिंश क्रेंसक करण्यातं-ৰা লিকাংক कारतक जानेव नक्षेत्रीया चार्वी एवंदीरात्र एटच नवर्गन कर्त्रिक्टक्न । अक देरको वृद्धारक मुक्कानक र्वाकाविकी अक व्यवनावकात व्यवक्षि । त्यवि क्षा देशात्मत विश्वकार्यकात विश्वकि क्षात्मत । क्षा बार जानीवित व कि शक्ष लाटिक कार्यात अस्तिक

() mietini fanniaei वाकिन की गमर। क्षेत्रिक करणायीक संबंधा क्षा मुक्तनर है

⁽३) देशद्र द्वाध १४. अक्यां वास जान वह दशारमत व्यति हिम। धनः मूननयारनती ভাগৰ সহিত বোগ দেয় নাই 😘

क्रिनंतः न्रायः प्रकेषः यद्यश्यः ब्राटकः देशस् एउटकर मेरू गुद्धात (कार्य गांदन विशयम भूष्टे। व देशनिकारक भूका निष्क शास्त्र, देशका क्षारक रहेक शुक्रव नव वर्गनामी कतिहा पुरम् ।

पित निम विक्रमनुद्रत विष्ठाद प्रमधिक श्रवात निष्ण स्टेरण्डं । अष्टन अम्, ७, वि, अ, शक् তি প্রধান উপাধি প্রাপ্ত ব,জিদিগের অভাব ুলাই। এই অল্ল পরিসর বিক্রমপুরে সম্রেডি বোড় अग्रे-हेरशांजी वर्णविक्शांगञ्च , विश्वांजिम वर्णविक्शां লয় এবং মাইসপাকা, কোরহাটী, বোলছব. क्षित्रजा, क्षात्रदक्षित्र, खीन्ह भी, शानि मधन अवः श्रमाका आद्य वानिकाविषतानव अधिष्ठिष क्ष्रेतारक । शवर्गमन्त्रे नाहायः आश्व देश्ताकी द्विविम्।सम् बर्ध कामीशाङ्ग, क्रिमनन्, खन्ना-मेत्रा अदर लाश्यक कृत क्षरात । ऐतिविक विमानामात काणीय करमकति शास्त्वते (थक्ष) कृत अवर वज्ञातातिनी आहम अवनि कार् প্ৰবাম বুৰতীবিদ্যালয় ও স্থানে স্থানে কডকগুলি रमन्हिरेडविनी विरम्पात्र्विभाविनी मासादिक নভা সংস্থাপিত আছে। ভন্নধ্যে কালীপাড়ার " कानगात्रनी " ও কোরখাটার " कानरकाणिः বিকাশিনী » সভা প্রধান। বিক্রনপুরে আফিস भौरीभिरात्र मर्पा अस्तक श्राविश्व लाक्ष वान कत्रिः कद्भम ।

বিক্রমপ্তরে, জ্রীনগর, কালীপাড়া, ভিন্নটীয়া क्लाइहाणि, माहेकशाका, ब्लालचन्न, बन्नवानामी, वस्याशिनी मानवामगत्, ब्रिमाइटकार्शः, (नाम्ब्रिड, अ कार्गी, कनकनात, कार्किक्शूब, छात्र,कून, लाइसन, अवर यहत्र आहे क्राइक्की बान गरु बान नारम शतिहिंड र्वेस्ड शारत।

क्षिमशेद्धत पूर्व नाव डाइनवर। जाराद বলেন ভত্ৰত, অগীদার মৃত লালা কীৰ্ডি নারা-म्रव कर्ण्यानगरक जीनवात क्छाटक शामनदात (॥) রাজবাসীতে প্রেবণ কাংম': ভূত্য উপস্থিত ब्हेरन मृगक्षत जाव्यद्यक काशाहक नमावत ना क्षित्रारे किकाणा कतित्वन विग्रहः केंछारवत्र । ভূৰি কোথা হইতে আনিলে? ভূতা খলিল বংগ श्रीक । खिनशत्र स्टेटल के बारगत्र चालमा । श्रीका कहित्सन क्षिमधन कांत्र नारेमबन क्षण कांग्रत ! यथार्थ कांक रहेटर কুড; চতুর ও সাহসী হিল। মে বলিরা সহাশর ! विवाद कर व्हेटकटका क्रिक्ट वाक्षिक्री, प्राथमन क्षत्र वर्षः इत्, प्राहेशकत्र, जिल्लात्रक क्षण पूत्र। श्राका कम्ब, बदन दक्कांच शत्रवान्त्रा वरेत्रा कृषादन यह बुगा अक इकाका म्हांग व्यंगाक विज्ञान

(के)न्त्राक्तकरहरू खाडीन नाम विश्व नाक-বিয়া ৷

जीवरंग काका बाबुङ काहारक अब श्रिक्त (क्यू) वा : वत्र वाकनदशद्वयः क्षेत्रकि नुबद्धः अनिवृद्धित चानक चाः हिन।

("登出山海海山北门!

विविध गर्याम **६ है है छ ।** भागवात्र ।

প্রিষ্ঠা অব ওয়েলস বৎসরের কিয়নংশ আদ্ধার লঙে অভিবাহিত করিবেন। এজন্য এক রাজ বাটা প্রজাত হইডেছে। আইরিশ্দিরের অন্য অন্য আচ্ছেপের বধ্যে এই একটা গুরুতর আছে ब्राच्ची ७० वरनदेतव ब्राजटच्य मध्या नर्ससम्ब ३२ মাস আয়ারসভে অহিনাহিত করেন নাই: রাজ वर्ष्यंत्र एक् क्थम खोन्नछवर्ष (वृष्टिमान मा

गठिकमिरगद्र नात्र भारत, भारतकि मारह-। (वत श्रष्टामाञ्चनाद्य (वाधारे अवर्गन नर्भी हाम! क्यांबरक परिकृतिक यांबरक्रेट्टेंग्र (व्यनि स्ट्रेट्ड) ৰংক ত করেন। লক্ষীদান আপনার কৈন্ধিয়াত मित्राटकन्। देश कृष्टिकत एक्याटक शवर्यस्क फीशरक शूनकीत्र वियुक्त कतियार्थम

াত্যপ্রকাশের সম্পাদক বাবু কর্বনদাস মূলজি | नुनर्कात देरन ए वाहे एक दिन। का जिल्हा दुव गाज कर्त्र क्रीन कैंग्शंत देश्मध पाजात केंद्रक्रा। अविवास (वीवविषय स्वारक्षत जामामिराय जरगंका अत्वय अभाग।

विकि मध्यमोग्न वार्तिका मनाव नवर्वाय-করিশ্বাছেন।

विष्ठावशिष्कि कोर्यम सर्वाद्रश्चाद्रश्चन किन-मत्र इरेटवन ।.

र्वायादै व,रास्त्रत क्षांच नांभात्रर्गत व्यक्तियान अभिवृद्धि । अहे , वाकि अद्वयं अव्यक्ति मध क्षित्रारक्षमः। माञ्चारक्षत्र न।एक्षत्रं चा व्यक्ष सम्बद्ध े प्रक्रित सहस्र। स्वर्भः रय मारे, विके कृतिमिक वह हारे बालक्ष्य वस्तरभीय का -ক্ষেত্র সাইত এক্জিড় করিবার মানস করিবাছেন। क्लिक्किकि व्यान साम् ७ मान मान गाय। अवरे क्लिनंत,मारहत भाषा वन फलावधान्नक रहेरन

शंबर्वक ब्लाइक कांत्रक वर्षीय मखारक काना देशाद्भम केंद्रांता मारेशम ग्रेक नदस्य (व शब निश्चिद्वार्यन विन विभिन्न रूक्तारक छारा विद्व इसा क्तिवात ग्रम्य जात्र गाहै। किन्न ग्रेश्व कर्य क्क्र श्रेखाद शवर्गमा श्रे श्रिक्ट विरम् अस्य क्रि-बार्डम । श्रुकंडन ज्यार्नमहिष्टमंत्र मर्था कर्याक । स्तर्भ सूचन भूद

प्रकृत वर्षा अवर्षात्रके भागवास कार्याः व्यक्ति मात्रा त्य श्रकारत वर्गम कतिरमम, काशा किश ছিগের বিশক্ষণণও কাহতে লারেব লা। 🗯 ভাড়াডাড়ী আইম হইল বৈ কলিকাভার লোকে রাও মত প্রকাশ কবিষার সময় পাইবেন লা।

িবালেশয়ের ডিটিট প্রশায়িকৈটে কী বলেম ওখায় আরও চাউলু থেরণ করা কর্মি। পীকা সমান মহিয়াছে। অধিকাংশ লোক রান্ডান্ত मध्यि क्षिएकर्ड, किन्न बाहाना इस्तन चाहानि र्शिक्ष महाकर्ष । जानका जरकार निर्देशिक या बाक्रिया आह काशाकित जब मध्या व्हेरणहरू मा। इक्लार वंद कुट्टा मिक्ड दिया पारेट छ। श्रमंत्र गार्ट्य यान्य व्यक्तिभूष्टं क्रांकेलात स्ना किकिर क्षित्राहा जैनीनात क मराज्यां व्याननावित्रंत्र क्रीका व्यामारक्षत्र क्रमा व्यक्तिनद भीकाभीकि कविरक्षका, इसर्पक योशक पद যে চাউল ছিল তাহা বাজারে, বিক্রয়ার্য আসি তেছে। অমীশারেরা অতি অন্যায় কাল করিছে

) मा (म अवति लाहेरमक होक्र **जा**मान हहेटक थाकिरव। शवर्षार हेन क्लानिराह ३ मा बूर्वि क्षण्ड (बडन रहेएड अक्कारन अय वरमदात्रे क्र कांग्रिया श्वा रहेर्त । अधि कालिमन क्यानान । श्वाकः सक्याति अठ गामा जामक मिर्फ भा त्रदेव ना । घिडीयकः यनि कौशत कर्म योज व्यथवा मृद्रा हम काश स्ट्रेटन अ गिका चान्न ঞ্জে পুনর্বার গঙ্গর সেতুর জনঃ আবেদন আদার হইবে না। তিন দাস জন্তর স্ওয়া कर्षरा।

> अब्ब स्वया कि कि नाट्य (मन्द्रेमणे शर्वत्रेत्र इंदेरल बाख्यांनी विভात्तव क्षिणनंत्र काल्यात भारित भार्योगित बहै दिन । देएक भारत करि खुबधीत भवन्त्युर हैत कान विভात्तत त्यदेखेगिति ছুইবেন। ডিনি, জাপাততঃ ১৫ মানের বিনয়ে महेता हैरणहरू तमन कतिहरून । **हे** जिस्दा है ब्राह বেঁস সাহেব সেক্সেটারিব কাস করি**বেন**।

িচ্চিট্টিয়ট বলেন, বে জাছাতে ইডেন সাহ্রৰ জাত্তবৰ্ণ তথেও করিবেন সেই আহাজে ডাক্তা বালক্ষুত্র ইংলতে শাইবেন। ইনি ভাষত रार्वत अक अन व्यक्तिम च कथावश्व वक्तु। ভারতবর্ষের বর্তমান অবস্থার বিষয় ইংলভীয়ে शवर्षां केंद्र सामादेशात समा फिनि अल्ला সক্রতি পুনর্কার আসিয়াছিলেন। ডাক্তর রালকমুরেঞ্জন্যার লোক অনেক কাজ করিছে

এমত অন্তৰ্জাত গৱ তন লবেল আগানী सीमाद्वत अत्र भीजकारमत् (भटन भन्छा) क त्रांतर व अवर लाख বেশিরর গ্রধর জেমরণ হইবেন। লাভ নেশিরর এই জন্য কলিকাতার আসিরাহিলেন। কিছ ইবা জনজাতি যাত্র।

७ हे रेइज बन्नवास ।

আমরা অবগত হইলাম, তো সাহেব লেপ্টনন্ট গ্রহন্তিরের শপথ বাহণ ন' করিলে গ্রহণ্র জেনরস নিম্নার গ্রমন করিভেছেন না। সর জন লারেজ এথেলের শেষ অংশে কলিকাভা ভাগে করিভে

় গ্ৰণ্যেক আজা দিয়াছেন, সাগাবেণ কাৰ্যে।
পলক্ষে যে নকল কৰ্মচারী বেলগুরেন্ডে গমন
করিবেন ভাঁছাদিগের কিক্টে বিভীন্ন ভোনীর
ভোকা লইয়া প্রথম প্রেণীতে লইয়া ঘাইতে
হইবেন এ আজাটি ডুটিকব বছে।

া শ্রেসিডেনী কালেজের অধ্যাপক এচ, এফ,
ক্লেপ্তছনত সাহেব বলদেবের অভ্যান্তর সহিত এ কাল বেন। উংহার বর্তমান কার্বের সহিত এ কাল ক্রিনেন। এজনা ৩০০ টাকা অভিরিক্ত বেজন ও বলদেশীর সেকেটাবিধ আফিমে এক ব্য নেওরা হইবে। বাবু গোপীনাথ সেন কো-ধার্ম

इश्वित्रवान विषय लाटक निकटं व्यवश्य व्यवश्य व्यवश्य व्यवश्य विद्याप्त त्य व्यवश्य व्य व्यवश्य
বোৰাই গেজেট বলেন, বেরুচ ব্যাক্ষের ডিন জন অধ্যক্ষ ব্যাক্ষের টাকা তছরূপ করাডে জিলিনিকের নালীল অসুসারে আমেধাবাকের জক্ত উল্লিনিগেব কঠিন পরিজ্ঞানের সহিত্ত তিন বৎসর মেধার দিয়াতেন।

 চেষ্ঠার ভাষারা শাসিও হইরাছে। নবাৰ খনেক সময়ে বালকের দ্যার কাজ করেব।

বোৰাইয়ের সংবাদপত্র সমূহ একবাক্য হট্ম। মাসি সাহেবের লাইসেল টালেয় প্রতিবাদ করি য়াছেন।

রেল্ ব টাইমনের আন্দালাইছিত সংবাদদাতা বলেন, উজ্ঞাদেশ একথানি সংবাদপত্র
শীত্র বাহির হইবে। এজনা রাজা নিজ খারে
অক্ষর, মুদ্রাযত্র প্রফৃতি জানাইরাছেন। প্রথম
সংবার কেবল রাজা ও তৎকর্মচারিদিকের
প্রশংসা করিরা প্রতাব লিখিত হইবে। এটি
আন্চর্মের বিবয় মহে। রুযিয়াতে জান্য'পিও
প্রত্যেক বিদ্যালয়ে প্রশোজর পুস্তকে সভাটের
প্রতি ভজির উপদেশ কেবরা হর। কল বংসর
পূর্বে বাজনা সংবাদপত্র সকল ব্যক্তি বিশেষের
প্রশংসা বা নিন্দা ও প্রাক্ত প্রকৃতির বর্ণনার পত্রি
পূর্ণ হইত। জনুষ্ঠান হইকে ক্রমশঃ কাল ভাল
হইতে থাকিরে।

एक शब्दश्वत् कान्न स्टब्स, मण्डिक त्राक्षात्र वाक्ष्यद्वमाद्व दिन क्षण शूक्त क क्रम क्षीत्माक्त वध कत्त स्टैझाइ । त्रक्षशाक त्राक्ष धर्म निधिक विनित्रो कश्चिक व्यक्षिक्तित्र गमान्न मक्षणांक कित्रा छोश्मिनत्क वध कत्ता स्त्र । क्षण क्षण त्रांभिन विनित्र क्षण त्रांभिन क्षण त्रांभिन क्षण त्रांभिन क्षण होत्य श्वांभिन क्षण विनित्र क्षण होत्य, क्षिक श्वंभाव विनित्रक्षि विनित्राह्म क्षण होत्य होत्य श्वंभाव व्यक्ष कर्म द्वांभित्र क्षण होत्य होत्य

१ दे देख्य पूर्वात ।

গজ কেব্ৰুৱারি বাংগ কলিকান্তা হইতে ৩৫, ৯৭,৫১৫৪/১৫ চাকার জুলা রন্তানী হই-বাংত।

শাসরা দ্রংখিত বইলান, তবলিউ, এল, হিলি সাত্ত্ব শীড়া নিবছন বিহার লইয়া ইংলতে বহিতে বাধিত হইতেছেন।

भेष द्विषात्र शंक्षात्र वार्यत्र अक्षानि (सीका जनवम वरेत्रार्रह । जात्वाविधीरक्षरे आनेष्ठान कतित्रारहन । माजि ७ वीष्ट्रिशन वीष्टिशरिक । जनतिविष्ठ रहाक मध्या और नक्षण इस विभाग कार्यन ।

वानी पर्वत्री इर्जिए (व प्रहावका क्रिया-एटन, क्रिविज (विनिक्तिक क्रियाक क्रिया-वान निवारहन । क्रियानून, इकारावा के नाहेका वानिक वानीत क्रम्लान ब्रामिक क्रियाकीरक क्रियारहम । देश वाजीक क्रियाकीरका वानिक क्राक्ष्य पर्व्य (मार्क क्रियाकीर नाहे-वारह । वानी क्रिया क्रिया दीवानोंस नीरमवे

मांछा अ विवद्धे र्लंबर्ग जीवामिट्रीय कंटनी नटर नक्त चाटमद्र श्रीदर्गाक्तिट्रैगय जोवन वसन् !

४ है देवज ब्रह्म्मक्रियात्र।

কেন্দ্রারি মাসের শেবে সমুদার ভারতবর্থে ৮,৮৬,৬২,৯৯০ টারার নোট প্রচলিত ছিল। বোরাই ব্যাক্তের উপরে হাধাঃবের অবিধাস হও রাতে বোরাইয়ে অপেকার্ক্ত অর নোট প্রচল লিত হয়।

भूतीत कारणकेत तिरुशके कितार एक विकास करिया कारणिय कार्यक कार्या कार्यक कार्या कार्यक
বালেধবের পুলিব স্থপরিকেটেও উ বলেন, তথার শন্য ভাল তারে নাই। লোকেরা অভিশন্ত কউ নিবৰন নিয়মিত চাব করিতে পারিতেকে মা

গৰ বি জেনাল বিচারপতি কিয়ারতে কলি-কাতার বিশ্ববিদ্যালয়ের বাইসচাজেনত নিযুক্ত করিয়াছেন।

নারতাবাবের নিজাস গ্রথম ক্ষেত্রকার অন্ত রোগে সর ক্ষর্কা ইউল ও নবার সালারজনকে ভারতক্ষীর ক্রায় প্রধান করিয়াছেন। এ উপ-লক্ষে কর্মায়,ক্ষরাহিল।

विज्ञीत्यात्वादेश कावूकक्षिण अश्राक्षण व वात्रक, जावण्यक को निश्चात्रणांनी कीएक विज्ञाने क्या क विक्रण विवाद सावन कतियाद्यक । जाविक की नियात्रणांनीत्व अक्काइन नर्जणांक स्वतिद्य हाइका । ইक्षित्रश्या कर्षण वंश्वात की वाक स्केटफ क्षत्रणः अध्यक्षक संक्षित की दिन कावूदक क्षत्रणः अध्यक्षक संज्ञातिक संविक्ष की दिन कावूदक क्षत्रणः अध्यक्षक संज्ञातिक संविक्ष की दिन कावूदक

केत्र मन्त्रियाकातात अवस्थित आरणाक मूलिय स्पादित्वेद्वर केत्र कार्यामध्य कृत्वात (त्रिकेटी केत्रियात कार्या विद्यास्त्र कृत्वात-रमत क्रिकेट क स्वाक्तिकी की स्ट्रांस हिलाएक कि काम ब्रेट्स ? বোরাইরের মুক্তর শাসনকর্তা এনেশে আসি
বার কিছু নির প্রেই পুনাতে গলন করিয়ানিলেন। উক্ত সগরে শাসনকর্তার যে বাসী হন
বেরুল, ভাষা দর্শন করিয়ার নিমিক্ত ভিনি
ভগায় গলন করেন। সংবাদপত্র সমূহ বলেন
ভিনি লীকার্ছালে মাঠহিরাণে বাস করিবেন।
ভাগনাঙ্কলা যেমন যায়, পাছনাঙ্কলা ভেমনই
যায়।

লাওহোলডার্শ সভাব অধ্যক্ষ বুলেন শিরথ সাহেব গুডএমদ সাহেবের পরিবর্টের বভালেশীয় বাবস্থাপক সভার সভঃ হইরাছেন।

, ३ हे रेड इ छ कवार।

शवर्गमके छेरतरमत कारीमाविष्याक विन-वार्ष्णम गेराता विना मृत्या वीक्याम मिर्यम ना । कारीमात्रनियाक क कांक कतिराज रहे,य । वाराता वीक क्षात्र कविराज व्यममर्ग, कांश्राता अवर्थ रमर्गेत निकरण यामा गोर्ट्यम । किन्छ हेरात मृता क्ष्ममः वाकी-नास्ययत्र मनात्र व्यामात्र रहेर्य। अक्षमा क्षमीमाविष्याक अन्यात विविद्या मिर्ण रहेर्य। या मकल क्षमीमात्र क्षमक्षिमरक वीक्यान हिर्यम ना, कांश्रामिश्रक मण्ड्रम् बाक्रण मिर्ण रहेर्य।

উৎকলে ব্য়েকজন বিশেব তেপুটা কালেইর ভ চিকিংসক সেলিরিটি জাহাজে গ্রেবিত হট-রাছেন । সবআসিষ্টান্ট সর্জনদিশের সংখ্যা অভিনয় কম হওরাতে কলাওরার্থ নামক এক জন্ আপ্রিকারি ও চারিক্রম বাস্কা জেনীর চিকিং-সক্ষে প্রেবন করা হইয়াছে। এতজেনীর চিকিং সক্ষাণ নিয়্যাতিরিক্র ১০ টাকা অধিক বেতন পাইবেন।

রেপু ণের লোকের। বর্ণেল ফেয়ারকৈ অভিন্
মন্দন দিবার গন্ধে প্রার্থন। কবিয়াঞ্চেন ঘাছাতে
বাধীন প্রন্ধা বিউল সাম্রাজ্যের অধীনস্থ হয়,
জিনি যেন দে চেষ্টা পান। বর্জনান গুরু গোল-ঘোণে ব্রিটেশ বনিকেবা মান্দালাইয়ে অনেক কভি সহ করিয়াছেন। তথালি অভিনন্দন প্রস্তাভ্র্যানের অভীষ্ট সিদ্ধ হইবে সাঁ।

ভূটানে গৃহবিধান হইডেছে। ধর্মবাজের পর উটিয়া নিরাছে। ভগালি টওপ্রশেনলো এক বাসককে ধর্মধাতা নিতুক্ত করিয়া ভালার পক অবলয়ন করিয়াছেন। গ্রিণীনৈটের প্রকৃত টাকা লইয়া স্কার্গণ প্রস্পন্ন বিবাদ করিছেছেন। এইলে গ্রেমিট এক কাজ কর্মন, তাঁহারা ব্যুম্ন ক্ষোন সংক্রি সম্পায় টাকা পাইবার উপ-বৃদ্ধ এটি বভালিন ভ্রির না হইবে ছভানিন আর টাকা দেওরা হইবে না।

जिन जन वहादां श्रीय वांचाहे द्या दिखा । १००० होना ना ना जा जा का कि ला
লগুনেব ঠিকা গাড়ীর ভাড়া আইনে নির্দ্ধ।
বিত করাতে একনে তথার মতি জ্বমা ডাড়
টিয়া গাড়ী লক্ষিত হর, এই জন্য এক কমিদন
সাধারণ বাণিজ্যের নির্মের উপরে নির্ভর
করিবার প্রস্তাব করিরাভ্রম। কলিকাভার বখন
এই প্রথা প্রচলিত হয়, আমরা প্রতিবাদ
কৰিয়াছিলাম।

Je है देख मनिवात।

वारमधारत माजिएक मणु कि माहत भी किए इर्हेग्रा विभाग महेट्डिका। हैनि ६ हेग्राव जी इर्हिक छेन्मक वाहांव भूत नाहे माहाया ६ भूति क्षेत्र कतिश्चारहन। भीड़ा छाहात कल इन्हेग्राटका कामजा श्रार्थना कति मण्यू कि माहत भी का कारम भामोक, कविश्चा जरमान श्राह्मानमन करतन मण्डेनके गर्नाद मय मिनिन वी छन ५ कमिमनद दिवनमार कार्यन अश्वाद कर्माहानी प्रभीत विस्ताद स्टूटिन विश्वय

উত্ত হাউন শাহের সম্প্রতি মাতলা বেল নয়ে।
শক্ত হইতে নামিবার সম্প্রে গুরুতর আগাত
প্রাপ্ত হন। তিনি ভাইমিব ৫০,০০০ টাকা ফাডে
পূবৰ চাহিয়া বেলপ্রযে কোল্পানিত নামে নালীৰ করেন। ২৪ প্রগণার জজ বোক্ট সাহের ভীহার আবেদন অঞ্জাহ্য করিয়াছেন। প্রধানতম বিচারালয়ে আশীল কইতেছে

গতি রহাপতিবাব বাবু কুমার স্থাপামী মৃতলিয়ার বেধন সোসাইটিতে নিজ জনণ র ভাত
পাঠ করেন। তিনি বলিলেন একণে বেমত
প্রান্ধ করেন। তিনি বলিলেন একণে বেমত
প্রান্ধ ভারতবর্ণীয়ের জাতিসাধারণ একতা হয়
ইহা প্রার্থনীয়া এজনা ভারতবর্ণের নানা স্থান
দর্শন কবিয়া পরস্পারের পনিচিত হওয়া অতিলয়
ভাবনার । বাজিবিলেবের ন্যার চ্লাতিসাধারণ
উত্তি জাপন আপন ক্ষমতা ও গুণের
উপরে নির্ভর করিভেছে। তিনি বিধ্যাত করাকী
পাওত বিষ্টারকুলাতের সহিত আলাপের ক্থা

विज्ञा कहिएसनं कृषां विज्ञाहिएसन शक्षा छैरत अवश्री गर्यक्षधान मर स्मृक्षकादम्स व्यक्तिक कृता कर्डवः। कालीत कारमञ्ज अहे भगवीए व्यक्तिः। जिन काली ও রোমেশ সহিত पूर्णमा क्षित्रश्चा-क्रिन । वृत्राद्ववागी व्यक्तिण क्षित्रस्म ज्ञानित्रस्म अप्रकृतिक व्यक्तिम क्षित्रस्म व्यक्तिम ज्ञारमम, विश्व क्ष्मानी हिन्दू के द्वम होक्षणित्रस्म क्ष्म जाश्राक्षणानक सम नाहे। मनुद्रस्म विश्व क्ष्मिन्यस्म विज्ञ क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिक्स क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्यस्म क्ष्मिन्

নিম্নিখিত মূল্যে গ্রগ্নেটের কাগম বিক্রীক্ত হইতেক্ত:—

৪ টাকার বিস্কা ৮৬৬ -- ৮৬ শর্প -- ৮৬ শর্প -- ৮৭ শর্প -- ৮৭ শ্

৫ "প্রলিক ত্রার্ক ১০৩/০-১০৩০

* 、(全は フ・ツーフ・タ州・ * 、(生は フ・Bll へ・一)・名中へ・

-:•:-ইউরোপীয় সমাচার।

ওয়েলদেব রাতক্ষারী ও হাহার সদঃপ্রভাত সন্তান ভাল আহেন।

ষ্ঠ ক্রাবের উত্যাধিকার লইয়া হাউদ কর কমপে তর্ক চইয়াছে। গ্রথমেট বলিয়াছেন রাজাব মুহা হইলে মহাস্ত্র আত্মনাৎ ক্রিবেন না। দত্তপুত্র রাজ্যভার পাইবেন কি না সেটি কালার বিদ্যাধিকার উপরে মির্ভর করিবে।

(कार्या कानशान विद्याशीता मण्यूर्वस्थ विकास क्षेत्र १ इत्याद । कणकश्चित विद्याशी वन्ती एक इन्हें स्टाइ ।

কুলার বি পূর্ণতন পাদনপ্রণালী পুনংস্থাপিত চওয়াতে ভত্রত, লোকেব' বিশেষ ধর্ব প্রকাশ ক্লিয়াছেন।

क्वांनी (मनानटलव शुनः क्ष्मावरखन श्राचाव किथ्छ । भारत्व क्षेत्रार्ष

এগত গ্রন্থাতে শেশনের বাজীব আমী হান্তবাবিককৈ সম্বস্ত করাতে হাঁহাকে দেশ বহি জুত করা হইয়ারে। সংবাদ আসিয়াতে আমে-বিকাব মহাসভা সভাপতিব বিক্তে সক্ষমা কবিবাৰ প্রভাব ভোগে করিয়াদেন। ভবলেনে লাড মেয়ারেব হোজ উপলক্ষে কাভিনাল কলেন কেনিয়ানিবিধেব শার্থেব প্রতি লোমারোপ করি রাজেন। শাসনকরি ভ্রায় উপস্থিত ছিলেন। কেবিতে সামরিক আইন প্রচলিত হইয়াছে। বিলোমী সন্ধারনিগকে যুক্ত কবিবাব প্রস্থাব

এক জনও করানী দৈন্য আর নেবিকোতে নাই। নৈত্রিকোর সমার্টের পদক্ত থাক। সংলয়া অক

প্রেরিত।

মানাবর জীয়ুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক

वर्गम्य मनीः भर्।

সবিন্য নিৰেদন নদ -

भारत ५२ हे भोदा (वाली ३ डे.ज मनत द्रायमधान कारताल तक मुक्त इत्यालित। में मुनास क्यांत -কাৰ প্ৰধান প্ৰধান সাহত্ব কেলাৰ কোন সোন क्रमीमात महास्यु ७ कम् मा व शक् ' छ। राजाव উপস্থিত । ড্লেন। উভিযাল গভা বা,সংল যে प्रक्रिक के प्रति वाका था। यह लियान अवह प्यारह, जाहाद निवाहबन सभा है मा के । अ मञ्च दिएम् ।

প্রেসিডেখা ডিবিজনের এবটিং ব্যিস্কর 🗃 যুক্ত আৰ, গি, চেপমান সাহেব সভার সভা र्राष्ट्र इहेशा कार्य। विश्व क दिलामा । पर्दाम है । १ कीएक *ए*व केंद्रश्रेष्ट्रे अवजी सन्दुन्धः कर्त्वर न ভাছাৰ ছুল ভা পেষ। এই " মহ প্রগান । জাপ नादा (स व्यां उद्भा, मु धरे व्याप्तः व्यक्तः निव ५ ७ **इहेम्राह्म जाहा कार्यक्रेड भारहत्व निमञ्जनशट्य** व्यवश्रष्ठ प्यारुम । श्रष्ठ वर्या व के निवता श्राप्टान থে প্রকাব ভয়াবছ ছাইফ হটয়। হল ভাছাব বিবরণ আপিনারা স্থ'চারে। হার'তে সমুণার ब्हाज हरेशारहम मरलह मारे। ८,० १ वः १८ छ (भवीसर्वाद अवक्षा अन्य सम्बद्ध क्षा भवा । व करा मार्था वा जैकि विश्व विद्या अतिहास आहा मन श्री श प्रदेश्य भारत हो। शय वरमात स्व मकन लाक जे इडीक, १८५८, भगासदा ६ जारम প্রাণতাগ ক্ষিয়াকে ভাষাধা কেই ক্র পুত্র কন্যা বাশিয়া গিয়াভে ভাষানিগের অর দিবার :करुनारे अवः नद्र.शं ३३ ज्ञानक श्री शुरुष बाद्ध बारा । वास्त्रविक नि.य यतालका मश्यान बाहे। अहे बिनिम द्वानिमालन वाशास्त्र खान हाटक छारा कहा मामाञ्चमारा मकत्वाह कर्खवा a कथा करणा कालगाड़ा नकरल के कांत्र करि-विम । देखिपूर्णा अहे महरक'र्यः मन्नाममार्थ कलि কাতা নগবে গত কেব্ৰুত্বাবি মানে গে সভা হই-ब्राह्मि डार्ट्ड विभिन्न रहेग्राइक स्य उँ जिन्तान প্রকৃত উপকায়ের জনা বিশ লক্ষ টাকার প্রয়ো জন। এত অধিক শৈশ টালা করিয়া ভোলা ख्मान अव काका करेत्वत शवर्गामन वाडीफ সামাল্য লোকেৰ পাক উপাক্ত উপায় ব্যৱধান र द्विषा मना विख्यत क्या धरणात्वावाण्ड ख्राष्ट्र विदा । काष्ट्र अवर्गाय है । जन कार दे विकासित क চারী ধারা চাউল এভতি আহাবীয় । মঞ্জী

, উड़िथा अरहरना लाक मिगरक विख्यन कविया দিতে সমত হটগাড়েন। অবলিষ্ট দল লক্ষ্ টাকা ः 'मण्डर्स हडेएक होना कदिया या समाहित বিশেষ উপকাৰ হয় না। এজন্য কলিকাভায় ঐ সভাষ 🗐 ্জ গৰ্বি জেনৱল বাহাছৰ স্বয়ং मन कं योद है को अक्कांटन में न कतिहाटिकन गर र ना'राष्ट्र १८। १६ **छन अधान** अधान बहाल गला है, जाहरू होता हान करि-भ १९८ । এट रेंडिड खरारेंसर माहित ७ व साली মধেণ্ট অংশ প্রশান কবিয়াছেন। এই জেলার লোকের বর্ততে যে উচ্চিতা নিজ নিজ সাধালু-भारत कहे यह कार्या, जिक्किश कि क्रिश मालागा करनम। बन्नहीन दाखिएक कन्नम्न करा ए। शुन्ह কৰ্মে ভাছা হিক্সমানৰ প্ৰচাৰ বু নিক্পুৰ্যা ক্তন। অ'লাৰ ধ্যাংশলাবে " জ্বনীলে দান কৰা हैश्राप्त कर राज्या । हार'र हारलहा अहे ্য হাজি অনাগ্রান্ত্র উপকার করেন তিনি ইনাৰে: তলু ১ হ'জন হ'মন ' আম ি বোৰ কবি সংবাদ বাবে বনত কোন ধর্ম চচলিত নাই ! सहग्राउभागका कुरुक विकास निर्फिष्टे हडे-যাতে কেড কেছ এমত বলিতে পাৰেন বে ট্টিপ্ৰা প্ৰদেশেৰ জন্মভাৰ নিবন্ধন ছংখ নিয়া কৰ্মের জন্য প্রয়োগনীয় সমুন্যু টাধা গ্রন্ম ाचेय , ए एक्षा कर्चन, । विक्र तकः on कथा खाहा हो লেও আমি বেবেচনা কৰি আছেক টাৰা চালা पावा एमहिरात अमृति এই हहा व (व अस्टिन्त नि दोत्रोमी कि हैश्यांक नमूनोष्ट्र लाक निक्र निक खांधात बहेरड किছ किছ नाम कविशा जानम व्यंत्रम । स्थं भूतंत्र भूवा कतिहरम । अक्षी अहर বিপদ উপস্থিত হইলে মন্ত্রুবে,ব মন্ত্রুবাত্ত্রে পবি हम भाउमा गामा गर्भन कान माधारन विभन ना परि यथन गकरलई निज निक कर्य लडेवा वास्त থাকেন যথন ১ড়:পাৰ্শ্বে কাছাকেও সাহায্য করি বার আবশাকতা না থাকে তথন কে কেমৰ लोक दुसी बीग्र नो दोध इब्र नक्टलहे चार्चभन्न, न हरता है गांभाग वाकि । किंख यथन अवार সাধারণ বিপাদে লোকে হাবুড়ুরু খার বখর চতু র্দ্ধিকে বেবল ছাছাকার শব্দ প্রেবণপথে পরিছত इस यथन जरमाद्य (कवन निवानम, कान दाखित বদনে স্থাৰৰ চিত্ৰ পাত্ৰয়া বার না তখন আমাদি গেব মহত্ত্বেব পরিচর দিবাব সময়। গাড় বৎসত্তে জাকালের সময় যখন বলিকাভার চারিদিক **হট**ে নিবয় সনগৰ জানিয়াছিল তথন কলিকা-ভার ৰাজালি মহাশ্রেয়া কি মহৎ কর্মে করিয়াট্র चौकाव कविवाहम्य अदर आश्वमाण्यिक य रार्थः । त्या गम्हावय शूटर्स देश्याटमहा कथ्य कारक नाउँ व यानांतिका व्यक्ति अठ व्यक्तीन कांत्रराज भारतमः।

সাধারণ বিশিদ্ধে জার এক উপকার হয়, এক অ্তীয় লোকের মনে অপর আতীর্গ্নের প্রতি ज्ञां वारक ना। त्रकत कांचि अक्षमा इहेर्रा विशासत निताकत्व (कड़ी कादन अहे सन् प्रामि विरवहनो कति त्य अवर्गसङ आरक्षक होका शास **फिएए यो कात्र करिता ऐसम करितारहम्। आ**त কোন কোন ব্যক্তি ভাবিতে পারেন ৰে উভি নার লোকে অরাভাবে যারা পড়িটেড়ে ভাহার कता कामवा देवि कि कि के मिल ना व बरनदत्त्व মত কাগাবৈ : দ্ৰাৰ ব মূলে।ৰ আধিকা পেছুকু এট किलाग्न कार्यात्र भीनहः थी । लाइकत् हान इग्न **ए शिवरेश उद्धार होगे क**िश्चेत श्रास्त्र ষ্ঠাবে। ধাঁহারা এরপ ভর করেন ভাঁহারা জানেন ना (य भछ वरम्य अहे एकतात खनः भव्यरिक्ते जञ्चाम এक मण होका निवादिन। व्याप्त अव यनि ছ্ৰীগ্য বশভঃ এ বংস্ব পুন্নায় এখানে লোকেৰ क्ष्ट्रे इत्र एटव अभभा हे अवर्गप्रके जाहांगा कति বেন কিন্তু জামি এ নিষয়ে আনেক অনুস্থাম কবিয়া দেখিয়াছি এ জেল'র কণ্টের সন্থাননা माहे। (अनाव व्यक्तिक मध्य लाक कृष्णियारक (तन erna कर्ण्य नियुक्त क्षेत्रोटक अवट नश्रवत्र मर्पा ७ जातक मातावन वर्ष आवश्च ब्हेब्राइ. काशाउ बाहान भावज्ञान कारा भार्याचारा व्यव भारेत्य अस्म (वाव दरेटक्टक, व्याव श्राता (भन्न) हार्केटन व मुना क्ष्मनः कमिटकहर, देशांक আ্যার ক্ধনও এমত এর হয় না যৌগত বংগবের मछ अधारन अ यश्मर जावात भी नद्रः भी लाइकर अफ, क क हे हहेरत। * कबिननत्र नारहरवत्र वस्तु कान পর ক্রকনগার ক্রানের্ল্বর বেড্মান্টার জীপুক্র বাবু উলেশ চন্দ্র মহালয় সভাস্থ বালালি মহালয় দিগের ছালয়ক্ষম কবাইবার জন্য এই ব্যস্তাব दूल मर्च बाक्तां छात्रांत्र बिल्टिशन । छात्रांत भव এहे क्यांत अकृष्टि क्या ख्रीवृक्त विकारमन मार्ट्य श्रेष्ठाव कतिरम्म " अहे मञ्जात कार्य न्यानात्मत्र समा अनती कविति नियुक्त इसा जे ক্ৰিটাভে নিম্ন লিখিড ব্যক্তিগৰ সভা হয়েন अवर कारावा ज्ञापन ज्ञापन क्षत्रकाद्यगारत हाना আদায় করেন ও কমিদীর সভা সংখ্যা রুদ্ধি করি বার ক্ষতাও ঐ ক্ষিমর উপর অপিত হয়। " छप्मखर এक्छिर अधिमन्त्र जल नाटर्व अखाव कतित्वन (व अक्शंभिक , महामन्नत्क धन्।वाह (संख्या गांत्र अदर कार्यासेन भारत्व संख्यान कवि रबन रव कारमञ्जू चरत्र मका कतिवात अञ्चलकि निवात क्षेत्रा क्षेत्रिशन मार्ट्यस्य धनायोग म क्या বায়। ইহার পুর পকালিখিত মহাশরেরা নিয় বিধিতমূদে প্ৰাক্ষর করিবে সভা ক্ষ হরব।

ক্ষিটির সভ্যগ্রেগর নাম।

नाड देखेनिक द्वीन, त्यः त्वकड्तन, यहा-वाष्ट्र नडीभक्टम ब्रान वांश्रहन, त्यः त्वन, त्यः किन्छ, त्यः न्त्रिच, त्यः उत्तर्ष्ठेदन छ, क्वीपुक वांत्र स्वर्गर्वन्न वटन्मश्रीभाग्रम, वांत्र वांग्रनाण ब्राम, वांत्र् कांनिमान सूर्याभाग्राम, वांत्र् केंद्रमण्डल एक वांत्र् मात्रकामाथ (म)

দাভানিগের যাকর।

| 3 | नुष्क | मर | ারাজ সভীশচক্রে রায় বাহাছর | ₹€• |
|---|-------------|-------------|---------------------------------|-------|
| | * | (P) | , আর, বি, চেপমান | 26. |
| | * | ডৰ | निष्ठे, अक, ध्वकप्रस्व | >6. |
| | a | লা | ভ ইউলিক বৌণ | ۶۰۰ |
| | a | A | , বেল | ١٠٠ |
| | Ŕ | Q: | त, अह, बीष्टन | ١ |
| | • | | বামনদাস মুৰোপাধ্যায় (উদা) | ٠٠٠ |
| | 2 | 'n | व्यवप्रधनाम मृत्यानागाप्त | ۶ |
| • | n | • | রুক্ষাবনচন্দ্র সরকার চৌধুবী | > • • |
| | a | a | ক্রী:গাপাল পাল চৌধুরী | 7 |
| | * | নে , | , মিয়াবস | ٠٠٢ |
| | n | 8 | উমেশহন্ত্র দত্ত | 2 |
| | ħ | 77 | গৌরবেশহন রায় | 7 4 |
| | 44 | À | विश्विम्बद्ध बरमानियाम | 4. |
| | N. | (H | , সি. ডি, ফিলড | 4 * |
| | 33 | A, | শ্মিখ | 4- |
| | • | • | भन्दमध्य भागतिधुरी | ¢. |
| | a | a | स्राज्यनाथ त्रार | ¢. |
| | * | | नदूबाध बूर्यालाधाय | 4' |
| | * | A, | (ब, छ.बहेरलख | • 4• |
| | * | * | नेभावहट्य त्रांत | |
| | * | Þ | रेकनामहन्त्र भागरहोधुत्री | * |
| | n | ø | 🔊 সরি রায় | |
| | 'n | • | ब्रिक्स मित्रक | ŧ. |
| • | * | * 4 | বাসন্দাস মুখোপান্যায় (দেৰগ্ৰাম |) ¢• |
| | • | * | বছনাথ রায় | 4 * |
| | * | • | জগৰজু বন্দ্যোগাধ্যায় | ¢' |
| | * | 4 | नाग्नाशनान मूर्याभागात्र | 8. |
| | S | मजी | तानी वर्गमती मानी | ₹¢ |
| B | 3 60 | বাৰু | मीनमग्राम धावानिक | ₹\$ |
| | 9 | * | প্রসরকুমার বছ | ₹ŧ |
| | p | | নামচন্দ্র মুখোপাধ্যায় | ₹¢ |
| | * | * | स्कित विजी | ₹¢ |
| | * | • | ष'त्रकानांच (मचारोष्ट्रव | ₹¢ |
| | ٠ | ζĦ, | কে, জি, বৌরণ | ₹• |
| | • | | व्यक्तकत्व भूत्वाभाषाय | 4. |
| | * | | नवीनकृष मूर्याणांचाक है | 4. |

* গুরুচরণ দাস

" मृजुष्मञ्ज जीव

ু মে, জার, ক্রেগ

ক বছনাথ চট্টোপাধ্যার

म (म, एक, जिनिश्रम

" » जीवनकृषः हर्ष्ट्रांशांभागंत्र

🏲 ভূপতি চট্টোপাধ্য'য়

শ শ্রিশিচক্র ব্লোপাধ্যায় দশ টাকার স্থান সমন্ত্রি शारतत गर्य छैर। श्राणिक रम अवर जिनिहे
छेरात गण्यापक रहेमारहन। हहे वरगत हरेन विमानवृत्ती भवनरम हे रहेर्ड गाहाचा श्राच हरेन बारह। हेरारक जिन्ही निक्षक छ अक्षी महकाती निक्षक निवृद्ध जारहन। अक्षरन हेरारक ১১৯ अक मण्ड छेनिमडी निष्ध ज्याप्तम कविराहर अवर ज्यापानामिक मन्न रहेराहरू मा।

২৭৪৭ গ্ৰ চহ বৰ্ণমেন্ট আ কোম ও কা ভোষিক কা নাই, গা

মহাশয় গেড কল্য উত্তরপাড়া গবর্ণমেন্ট ইংরাজি বিদ্যালয়ের ১৮৬৪। ৬৫ অন্দের ও বলবিদ্যালয়ের ৬৬। ৬৭ অন্দের পারিডোবিক কার্য্য বিম্ন লিখিভরতে সম্পন্ন হইয়াছে।

পারিতোধিক সভাষী বড় মন্দ হয় নাই, त्रण छेला देश्यांची विन्तानरत्तरे इदेशहिन। গ্ৰের চতুর্নিকে ভিন্ন ভিন্ন দেশের মানচিত্র স্পৌতিত ছিল। এতলগরবাসী প্রায় সমুদায় **च्यमधनी म्हायरन देशिय हिर्मा। क्र**, উড়ে ইনস্পেটর মহোদর অনুপঙ্গিত থাকাতে সভাগণের প্রভাষাত্মসারে জীযুক্ত যার হরিক্তম বন্দ্যোগার মহাশর সভাপতির আগনে আ-गीन रम। देश्तांकी विम्हानद्वात क्षरांन भिक्तक বাবু বনমালী মিজ বহালয় বিদ্যালয়েব ১৮७३। ७६ पुः चर्फ्त वाष्त्रतिक विदयन शाहे ক্ৰিয়া উচ্চ জেনীস্থ বাসকগণেৰ মণে, হডফ গুলিকে আদেশ করাজে জাহাল ট্রন্সাধ্যয় ৩ টা ভিন্ন ভিন্ন বিৰয়ক বিদ্যাসংক্ৰাক্ত অভিনয়ক্ৰিয়া मण्या करिया । यत्रविभागाराय क्रिके (छात्रे বালকগণ হুইটা স্থাসলিত পদ্য পাঠ কবিল। व्यवस्त म्हानिक महानेत्र वहाल क्षमांबात है क इरे विकामटयूत शांति छोविक स्थाना वालक नि গকে আজ্ঞান করিয়া পারিতোধিক প্রদান কৰি **लम, अदर एक छ वहनामि नाना विश्व**ान উত্তরলেখক বালক্দিগকে অত্রণ সভাভ वाक्तिवर्शित अम्रख व्यर्थ अमान कदिरमनः--

-:0:-

নন্দাৰক ৰহালয়। তিনু বংসর গত হইল ভবানীপুব ও কালীঘাটের মধ্যমূলে জীয়ুক্ত বাবু মুণ্টাদ মুখোপাধারে মহালয়ের বাদীতে "চড়ক ভালা লিহুচ্ছেবোধ বৃদ্ধালয় ৯ নামে একটা বাল্লা বিদ্যালয় সংস্থাপিত হইলাছে। উক্ত মহা শক্ষের পুত্র ক্রীবুক্ত বাবু কেন্দ্রনাথ মুখোণা—

গত কল্য রবিবার এই বিদ্যালয়ের ভূডীয় নাৰংদরিক পরীক্ষার পারিভোবিক প্রনামে।প-नरक बक्षी गर्भ रहा। रेराएक खामक करनद-छनि खन्नताक উপস্থিত ছিলেন এবং २৪ পর-গৰার প্রধান সদর আলীন প্রীযুক্ত বাবু কৈলাস-চক্র দেব রার খাগছর, অভিরিক্ত সদবজালা জীয়ুক্ত বাবু কুঞ্চলাল বজ্যোগাখার প্রভৃতি কভিপন্ন প্ৰধান ব্যক্তিও সভাৰ শোভা সম্পাদন করিয়াছিলেন। প্রথমতঃ কালীবাট ইংরাজী विमानरम्य अक्षाक जीवृष्ट वानु मर्गन्छ मूर्था পাধার মহাশর প্রথম জেশীর ছাত্রসণের পরীকা बहरनम् रहेश जाराविष्यत अस्त्रास्य भारे অবণানস্থর '২৪ পরগণার উকীল (সংস্কৃত কালেভার পূর্মতন প্রাসম্ভ ছাত্র) জীবৃক্ত বাবু নিরিশচন্দ্র মুখোপানাায়**কে অন্নরোধ ক**রাভে खिनि कर्मकी क्षत्र बंगा डाइमिन्स्क भरीका করিলেন। যদিও বিবেশ বাবুর প্রবাতলি সুকুমার मिछि बोनकशर-।व भे.क निडोक्त महात इस नाई তথাপি ভাহাবা নেই নকল প্রমেব উত্তর প্রদান করিলা দর্শকর্দের আনন্দ বর্মন করিয়াছিল। অন শুর সম্পাদক বিদ্যালয়ের বাৎস্থিক বিবরণ াঠ করিলেন। তদনস্কর ছাত্রদিগকে পারিভো-ৰিক প্ৰদান কৰা হটল। ৩৯ চী বালক পারিভো ৰিক প্ৰাপু হইল : জীবুক্ত বাৰু কৈলাসচক্ৰ রায় বালানুর অহতে পারিতোমিকগুলি বিভর্ন করি लान । किन्द्र फिनि अन्तर छैरनार श्रममन ना করিয়া খদি অস্মদেশীয় ব্যবস্থাপক সন্তার মৌন রতী সভাগদের নাায় কেবল সভার শোভা সম্পাদন কার্য়াই বিরম্ভ থাকিতেন ভাগা হইলে ভাল হুইত, কারণ বিভরণকালে ডিনি এমনই গোগ্যোগ কবিয়া ভুলিয়াছিলেন এবং এমনি विश्रभन वःवरात कत्रिया हिटनम व छेरा मटखाव कत्र मा इहेम्रा बब्र करमरकत्र वित्रक्रियमक इहेम्रा উঠিয়াছিল। যাহা হউক, পবিশেৰে জীযুক্ত বাৰু निविमहक्त यूर्यानाथांत्र अक्ति क्रमीच मनम বক্তুতা দারা বিদ্যাশব্দের অর্থ, বাদগাশিকার প্রয়েজন, আধুনিক বলভাষার প্রকৃত বিদ্যোপ দোগী পু**ক্তক সকলে**র অসন্তাব বিব**হ এবং বি**দ্যা লদের স্থায়িন্দের উপায় প্রভতি কয়েকটা বিষয়

ভুক্লারূপে বর্ণনা করিয়া সভাব কার্ন্য শেষ করি

লেন। গিরিশ বাবুর বন্ধৃ ভাটী যে হথার্থ কারে। भरवाशिमी अवर काम्ब्रवा किनी हहेगाहिया जीहा वक्षा विक्ता । मण्डाच् मकरशह मज्रहे दरेगा क्षेत्राहरू श्रम्थमा कवियो (एक १.मन कविटनन।

र्के के की का **मर्का**। হ্বানীপুৰ। क्षे देवज ३२१०।

- 4 5 % ----

अविवय विस्तर[्] —

एक्टिकाम शर्वरमध्ये आ जिल्ल कर श्राम क्ट्रेट पूरत बीख इस, खांका इकेटन तारे आ**शि**-সেব কর্মচারিদিগের বেতন বৃদ্ধি ছইয়া থাকে। ইহা কত চুর নাগ্নাপ্রগত ত'হা প্রায় সকল বিজ্ঞা লোকে অবগত আছেন। সকল আফিংসর কর্মা श्कामितात हेहा विट्वामा कहा कर्खवा (य जरमन ब्हेंटफ विटन थ न हेटल वहरून वहरूत वृद्धि बहेत्र। शास्त्र। अहेंकी बाक्रानिमिश्तत शरक याउ पृत मका, देश्वाक्षाप्तित शत्य छउ पूर्व नरह। देश्या ৰেরা প্রাধ বাটী ভাড়া ক রয়া অবস্থিতি করেন, অভএৰ ভাঁহাদিগকৈ স্থানান্তরিত হইতে হইলে ভাছাৰা অনায়াদে ভাড়াটয়া বাসিভাগ কারিযা अबर्माद्व बांधे काष्ट्रा कर्तररः अभविवादय खीवन बाजा निकार करिए भ'रतन। किन्न वानानीयः क्षाप्त विक कार्रारम वाम क'त्रसा थाएकन। छाहा-मिश्रक विस्तरम बाहेर छ छोता छाछाता निक আৰাল ত্যাগ করিয়া হাইতে পারেন না। ভাল मधिवात ममञ्जाहात न्तरम्य याहेरङ অব্দম। পরিষারের কের কের স্বীয় আবালে বাস करता प्राञ्जार कारांटक विदेशत वाहरू इहेटन **ভাহাকে हरे ज्ञारम वाञ्च कांश्वरक रहा। राथारम** ভারার ৩০ টাকায় চলিত, এখন ৫০।৬০ টাকার सात हिन्द भारत भारत

विलाउरम मश्कांच हुई अक कार्यिन पूर्व যাওরার, ওত্তত্ত্ব কর্মচারিদিগের বেডন রুদ্ধি হই রাছে। রেল eয়ে ট্রাফিক আডিট আফিন লামা-नभूद्र डेठिश वागिवाद शृर्त वानिष्टी है जाडि हैक मार्ट्यका जाशिक्षिक कन्द्रज्ञिनिकारक कहै षाश्चाम श्रमाम श्र्कीक अश्वादन षानिवादिक रा ভাঁদারা ভাদাদিগের বেতন জামালপুৰে কৃষ্টি कत्रिया किरवन। अ शर्य छ त्वेदल आहे माळ खादन কবা গিয়াছে যে খিনি উপযুক্ত পাত্ৰ ছইবেন, ভাষাদিলের বেজন জ্লাইমালে কিছু কিছু বুদ্ধি कतित्रा भिरत्न । हेश व्यक्ष्मारक छेपत्र मण्यूर्वस्राध विकंत क्षित्रक्रि

এরণ অনেক লোক আছে বে, ভাছারা ভাল লেখাপড়া না জানিয়াও সাহেবদের সহিত জামুগতা কবিয়া ভাহাদের প্রিয়পাত্র হরেন। আবার এরপ অনেক লোক আছেন বে, **डांशास्त्र कार्यः जारश्वरमञ्ज महिष्ठ कथावाद्धाः** আবশ্যক কৰে না। স্থতরাৎ ভাষারা ভাষাদের নোটিলে শীল্প আসিতে পারেন না। ভাষাদিগের ন্ত্ৰ দীন: থাকে না। জামি শুনিয়া বিশ্বিত ব্টলাম যে, কল্পেকজন কৰ্মচারী ২।৩ বংসর এক নিষ্ঠাই করিতে পাবিতেছেন না? অপর সক-लात (वजन वृद्धि इहेबारङ, खाहानिश्त कि इहेरड পারে না > বদি ভাছারা কার্যক্ষেম হয়, ভবে जाहामिश्राक कार्गाहरू कवाह त्याहा । चांकिहेत সাহ্যেকরা ভালদিরের প্রিয়ুপাত্রদিরের বেডন द्रश्च कविशा ज्यात नकरलत्र हृष्टि मा कविशा जाना नियक कि महमारवहमा निरक्ष हम मा ? अहै कि छीहारिशन छेडिंड कर्म ? बाहाता नारस्वरमब গ্রিয়পাত্র কেবল কি ভাহাদিপের বেডন জুলাই भारम दुधि इटेरव ? ना याज्ञाता निम्न निस्न कार्या (यक्रम कार्या रहेर ना क्न) छेखनक्रटः নির্দাহ করিতে সক্ষম ? যদি প্রথমোক্তদিনের हय, जाहा श्हेरम य यन अर्थ कान्नानिक (चावजन शक्तांकात्व मुविक इहेरक इहेरद गरमक नारे। जामात दिर्वहनाश अहे सन का উচিত্ত--বিদেশে জাগাতে বারের রুদ্ধি নিবছন मिरशत राज्ञु । विरुद्ध ता के स्थल का वास का कि स्वाप्त का আৰশ্যক। প্ৰভবাং কল্প বেতনভোগী ৰাঙ্গলীরা ৷ সকলেবই ১০া১৫ টাকা করিয়া বৃদ্ধি হয়। উপ-युक्त लाकपिरशंत्र शरक विरूप विरूप क्या আবশ্যক। সর্বন্ধে ও সকল অবস্থাতে সংগুর ও ধর্মের পুরস্কার আৰ্শ্যক।

> वहांस्त्रभन्न निवाही। একজন পাঠক ৮

मूना थावि।

बीवुक बावू मन्त्रीमात्राज्ञन हक्त शहरवाना ১२१७ देइ इ इट्ड १९ छोत e# -" * स्ट्रनाथ वाब রামপুরহাট **४२१७ हेड इहेट देवार्ड** a " भिवहन्त्र भीन हरूजा **১२१७ रेडज व्हेटफ ११ का**छन इगीठ्य ठक्कवरी

৯ " চন্ত্ৰাথ মিত্ৰ 12 » » দীনলাখ-ধৰ^{*} ভুরতির্বাগাম ১০

^व व्यानिक्षान्ते कंश्वित्रमत्र नाटक्ष ३२१७ टेम्ब इंहेस्ड १३ टेबार्ड

গোৰপ্ৰকাশসংক্ৰান্ত করেকটা विदल्पेय नित्रम।

অঞ্জিম মূল্য ও ভাক মান্তুল না পাইলে ২২-चरन लास्थकान त्थान करा बाह्र ना ।

हेरांत अधिय भूगा वार्विक ১० अवर वान्।।-त्रिक ell • है। को, अक्चाल फोक्बाइक मध्यङ वर्षिक ১७, वाधानिक १ अवर देखवानिक ७५०, ভিন বাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য লওকা যার না : বেতনে কর্ম কমিতেছেন। ভাছারা কি কর্ম ছবি, বরাত চিটি, মনিঅভার, নোট, ও প্রান্ধ हिकिंगे, देशंत्र अन्यास्त्र वाशंद्र वाशंद्र प्रतिथा হয়, ডিনি সেই উপায় হারা মূল্য প্রেরণ করি (वन।

> ৰ' হারা স্ত্রাস্পন্তীকিট পাঠাইবেন, গ্রা-হারা বেন এক অধবা আধ আনার অধিক भूत्मात ও तमीराम हिकिन श्राप्त ना कर्तन ।

> वथन विनि मण्यम हरेएड मामश्रकारमञ् মূল্য পাঠাইবেন, ডাহা বেন রেজিপ্তরি করিয়া जीवृक्त बांब्रकांनाथ विद्याष्ट्रवटनत नाट्य शाठादेवा (मन।

याँ शिमिटशंत भूतह हिवात त्रमञ्ज व्यक्तील करेन्ना व्यमित्व, अक माम शूर्त्वा क्षांश्तिवारक किष्ठि . निविद्या जानीय गारेटर, कान व्यक्तीक रहेना भारता अकवात किठि लाथा हरेरव, छाहात शत अक मांगकान क्षाजीका कतिया काशस वह कहा यहित । त्यव बारतन भक्त त्वन्नानिक भाक्षेत्र रहेदव ।

মাতলা রেলভয়ের গোরাপুর ষ্টেসনের ডাক । ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।,

याँ शिक्री मोछ्न ना विद्या शक्तांवि (अद्वर्ग कि বেন, গ ভাঁহাদিগের সেই পত্রাদি এহর্ব করে सहित्य ना ।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইন্থা করিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিনবার প্রতিপ্ংক্তি 🎺 আনা ভাৰার পর /> আনা দিতে হ**ই**বে । বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিবেন প্ৰাহার সহিত শক্ষ বঁটেকীবন্দ হইৰে 🗀

८३ धरे गाउँ कशिकाकवित्राक्षित्र गुर्जा काउला त्रगश्रदात त्रामानुत्र **हिन्दिक क्रिक्न क्राक्र**क পোভার জীবুক বারকানাথ: विवश्रकूष्ट्रवर्त বাসীতে প্ৰতি সোধবার প্ৰাত্যভাৱন 'প্ৰকাশিত The state of the state of

यशक

平海 "梦知」

२० अश्याः

" प्रवर्त्तनां प्रक्रातिस्ताय पार्थिवः सरस्ती ख्रातमस्ती व सीयसं।

बानिक बूबा ३ होका, व्यक्ति वार्षिक ३० हू क्रीकाः चित्र वाशानिक शा देशका । है

मन ५२१७। ३৯ व रहा । ३४-७९। ३ मा कर थेन

ষ্কৰতে মাজুলনমেড অঞ্জিৰ কাৰ্বিক ১৯ डाका यान्। मिक १, ७ देखवानिक ७५॰

विज्ञां भन।

কাৰ্থকাশ ৰৱে নানা প্ৰভাৱ বাৰ্চা, हिष्योशत जकत ७ विविध नत्रश्रीय क्षेष्ठा मुख्य जानाईग्राष्ट्रि अवर शतीकारमत फिरम्भनित चाह्य अ व्हेटल्ट्स अवर अक्रम बटलांबस कर्ता इदेशाए (य. शहकात (यज्ञान हेन्द्र) करतम किंक त्मरे ममरग्र मर्थारे भूखकम्बिक क्रिक्रा (क्लेक्रा ষাইতে পারিবে। ছাপা বত উত্তম ও পরিভূত स्टेट भारत एवियात वरवत अपि कतिय ना ভার অর্ণণ করিলে সমুদার প্রকর দেখিয়া দিকে পারিব, এছকারের কোন কর্ম বা পরিশ্রম चौकात कतिएक श्रेटन मा। बत्नावक कतिएन শাশিও সংশোধন করিয়া দিতে পারি, সংখ্যুত वा देश्वाकिकांचा स्टेटक व क्यांव क्षंत्र क्षांव क्ष করিরা হাপাইয়া দিতেও প্রস্তুত আছি, ব্যয়ও व्यक्ति क्रेटन ना। विभि श्रद्ध वानना वा হিনিতে কোন পুত্তক মুর্ত্তিত করিতে ইক্ करत्व जिति क्लिकाचा, मृक्षानूत व्यामराखेरमद निक्न ७३।) वर खरान कानाशकान वर्ष व्यथवा मरक्ष दिशालास कावान निके लाक भाशिक्त ग्रिएम अवश्य क्रेट्स भावित्वम s ना देशक 3210 } द्वीत शरमारम छर्कानकात गरम् च विमाणम्

कांत्रकर्य इरेटक जील क्षेत्रकी महातानीत शिविद्वीयमित्न कानीम मदस्क त्व त्याम ব্যক্তিয়া নিম সাক্ষয়িত সাহেৰকে ফায়াৰ্পন कडिएक हेन्द्र। करतम केशिया फरनवर्षक सामान मादन श्रेष कि विश्व का गर ए एक विकर्ष के हैं। ब्रेटबन जनवा क्राजिशक मन्ड् (जनार नुष्टा क्य) (नाईकादिन देखीत २ वर कवान विनाच क्षाविका अरहीका मार्ट्यात्वत क्यार्ट व्यवीय निकृष्ठ शाके हरम छात्राता छक मारहरयत विकासाम गाठीका मिर्दन।

क्षिणाहेन अक अवाहिकिक नार्ट्य) यर विक्रिएकांके क्रियतः ।

निष्ठे अर्थिकात्रिण रहा।

भावता विनाफ स्ट्रेड छेरवृष्टे छेरव गकन क्षकृष्टित स्विधात खना नगर बूट्ना बाब्बादित অতি কম দত্তে বিক্ৰীয় কয়িছেছি। মহুখন হইতে देवर्षात्र कर्षा व जाहात्र पूना चत्रन त्वांत्रे, हशी বা বরাভী চিঠি পাঠাইলে আবর। এবধ অভি ভোলাবাধ কবিয়াল মহানয়ের অপুৰভাগুলারে সমুর পাঠাইতে পারি। ঐশবের মূল্য বাঁহারা क्षानित्क हारस्न, जामता काक्रवारण काराविद्रगत | विकृष्टे छानिका भाठाहेव।

আর সি দত্ত কোং। वश्वाकात्र क्रीहे मर ७२ वाले।

-:•:-

मञ्जरहिका ।

কুন্তুকভট্টভূত দীকা ও বালালা অনুবাদ সহিন্ত, সংস্কৃত কালেজের স্মৃতি দাজাখ্যাপক 🌉 বুক্ত ভরতচন্দ্র শিরোমণি কর্তৃক সংশোধিত। ঠমঠনিয়া সংস্কৃত পুক্তকালরে বিজয়ার্থ আছে। ब्ला ७ इरा जेका ।

नाच मार्म्भभागम ।

फुठेक अभिन्य द्वातमपूर्ट रेखि (धरा कविबात নিমিত্ত আগামী ১৮৬৭ জনের ১লা এথেল बंबुराव १०१६० ब्यास्य ०१ ज मान्य, अश्रास जक ধ্বনার সিয়াকে পান্ত: দিজে নিয় স্বাক্ষরকারী केक् क जारक्ता

ছব্তি ধারবাব নিবিদ্ধ যত পুন্কি নিবৃক্ত করা बाहेरन, फोहात कि कृषि क्षि २० है।का शास्त्र খাসুল দিজে হইবে, শৃক্ত হতি প্ৰণ ক্ৰয় कतियात अधिकात अधिक नवर्गाता के वाकि-दिक । सर्वरमण्डे कर कतिएक रेक्क मा स्ट्रेंस मायावन वर्गेक्कक्षन क्षत्र ऋतिका लहेर्ड भावितः। ें अविद्याली बावनाक विवतन निर्मे पानक

কারীর নিকট অনুং উপস্থিত হইরা কি শত্র দারা জিজাসা করিলে জানা বাইতে পারিবে ৷

ভেপুনী কমিসনরী আফিস) প্রীয়ক্ত কে,এফ, বয়নাওড়ী।) টুইড়ি সাহেব ১২ই জিলেবর। ১৮৬৬। তেপুনী কমিসনর

वर्षवात्वत क्षतिवराज हिक्शिक श्रीवृष्ट वातु न्यित्रं भर्जने में १८० अख्याता व्यवश्व कता शहे-তেছে বে ভবিষ্যতে উক্ত বাবু সৰজাসিষ্টাৰী সরজনের তিজিট গ্রহণে চিকিৎসা করিবেন 🏧

किशोदानान नन्ते।

नर्मनाथात्रगटक ब्यांच कता यारेटच्ट्रह (य, व्यामानिएमंत्र मत्रिकामी विषय बाहा क्यूक नकून-मंगर, विक् भूत, बरमीवत्रभूत अवर सूत्रभूत मात्रिल व नमक विका क्षत्री अवर बूज़ाह्यारहे व एक আছে ও পরগণে মুড়াগাছা ইনাংপুর প্রভৃতি স্থাবে বে মহত্রান বস্তু ও ঠিকা প্রভৃতি আছে তাহা আমার অস্থ্যস্থিতে এবং অমতে বলি जामात्र (कार्ष्ट जाणा विक्रश्न करन अवर यहि কেহ ভাহা খরিদ কবেন গে খাভিল, নামঞুর अवर व्यवाश रहेरव ।

(कड़ी জন্মনগর নিবাসী ১ ना मार्क ১৮७२ 📗 - 🗃 धनवकुमात नान

बिनंदर्भकागीला घून, बिधन गांचनित गैना এবং বাদলা অলুবাদের সহিত রীভালুসারে मूजिक रहेवा था गिका घूरका विकास रहेतुकहरू, ঘাঁহার **প্রয়োজন হইবেক ডিনি সংস্**ত ব্দ্রের পুস্তকালয়ে পুস্তকাধ্যক্ষের নিকট অথবা এাকৃত ৰ**দ্ৰালয়ে** মূল্য পাঠাইজেই **প্ৰাপ্ত** হইতে পারি-

खीयश्रामाथ मन्ता।

পারীগনিত প্রথম কাগ।

হয় একপ প্রণালী ভন্নাবে জামি এক থানি পাটীয়নিত প্রজাত কবিডেছি। আঁপাডকঃ উহাব গ্রেমভাগ মুদ্রিত ইইয়া সংস্কৃত্যন্তের व्यक्तिहा महस्र जन्म सुर्वोत्रम-विष्य श्रम अक्रम म् १ मही छ इदेशी है। मूना मन काली।

श्वानीक्षत्र गरणाभाषायः

জীয়ক ভোলানাথ পাল এন, এ, কর্তৃক ই লাভ ভাৰায় বিৰচিত প্ৰেডডৰ্বিবয়ক প্ৰস্তাব প্রতি খণ্ড চারি আনা মুল্যে বিক্রীত হইতেছে। याश्व श्रासन स्रेख, जिनि कि तोकातिल বোষ্পানি, সংস্ত প্রেস ডিপাঞ্চির বা করন ভ্যালিন জীটে বাসুবলি আদাৰ এও কোং ৮১ नः शृष्टकान्तरम छव कतिरम गाँ**३र**वन ।

இ_{र्र}क दामकम्म विका**तम**ात श्रेमी छ 'প্ৰকৃ.তবাৰ ৯ নামে একখানি অভিযান সংগ্ৰন্থি 💏ত হট্য়া সংস্ত ব্দ্রালয়ের পুস্তকালয়ে अ नौचारिद्रोमा वाचनअप्रामात জ্রীণুক্ত ঠাকুরদাস মাষ্টারের ছুলে বিক্রয়ার্থ প্র-খাত আছে। ইহাতে প্রান্ন প্রত্যেক শধ্যে রাং-পত্তি অপাৎ দাতু প্রতাম নমাসাদির উল্লেখ করা बहेब्राट ।

मुना ६ लाइ हाकाराज ।

--- 30 3---

प्रेगर्रेनिया भरक्ष ज भूक्षकानात वर श्रेगी छ ए মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুত্তকণ্ঠলি বিজ্ঞায় क्रेंड्डिट्-

| सनीय | मृद्युः | |
|-----------------------|---------------|--|
| की महेरिशाम | ১ টাকা | |
| বোমইভিগান | > " | |
| फुर्गनात स्तार र | 1. | |
| ন্ ্রিশার (১ ম ভাগ । | J. | |
| ইংভিসার (২য় ভাগ) | d • | |
| প্রচারিত। | | |
| ুন্ধোপ ব্যাকরণ | in • | |

🕴 🕃 द्वाहरामाथ भन्दा। ।

कर्तक मात्र कालीख रहेत्र, कलिया उन्ह मित নর সভা হইটে বে বাইবেস পরীক্ষার পারি-ভেগিত্যৰ এট সংবাদ - প্ৰবাশিত হয়, বাঁহাৰা क्षांशा अिला जिला निर्माहित है। हो

पिशास व्यवशं कड़ा वा**रेट्डार (व, डेक नही** শিক্ষ ও চাত্র ইভারেবই ব্রহণবোপ্যোগী । কা আগামী ৬ই ও ৭ ই মে কলিকাভা নিম-उला कि इक्ष देनिकिछिनन् नामक विनामा हरेर्य। २- अ अरक्षन - शर्गा मात्र चांकतिक वाक्ति कर्ड्य भरीकांधीमिश्वत नाम ध्रीफ छ ্রজিষ্টর্বাতে লিখিত হইবে। পরীকাষী বাস্ত-বিক এক অন ছাক্র এবং ফাষ্ট অ'টের পরীকা দেন নাই এই মর্ণ্মে ভাঁচাব ছুল কিলা কলেন্দের প্রধান শিক্ষরের আঞ্রিড এক থানি সাটি-किरके जानश्म कदिए इहेर्ड, अवर नाम विकि ষ্ট্রবী করিবার পূর্দের পরীকাব দি॥। আনা অগ क्टिड इंट्रेट । ७ है (म श्राप्टः कारन क्षा॰ **के**न्न নমৰ পৰীকাৰী দিশকে উপস্থিত হইতে অন্ত-.तांव कथा यांहरजरह । कांगळ कनव. अवर कार्ने अमान कवा याहरत।

ক্সন ডি দেন কলিকাভাত্ম নিসমরী श्वि ठफ इंगिकिकिनन কলিকাভামার্ক ১৮৯৭ । সভার সম্পাদক।

(माबशकार्य)

১৯ এ हेब्र लागवात ।

পত বুধবারে কলিকাতা টাউন হালে मानि मार्ट्यत नार्ट्यम हार्खात व्यक्ति वानार्थ এक ब्रूकी मुखा क्रेश भिन्नाटक। मखाइटन उद्देन । शिवेत्रमन मार्ट्स अदे হুই জন বারিষ্টর উপত্তিত ছিলেন। मानि नारश्रवत नार्रिन छोन्न रेव ला-क्ति अकास विविधे हरेग्नाह, के इहे বারিউরের ইস্তৃতা, তদ্বিবার সভাছদি-গের অকপট অনুমোদন ও উচ্চতর প্রশং সাধ্নি ভাষা প্রতিপন্ন করিয়া দিরাছে। त्मित्नत्र मधाधितार्ग यात्र भवर्गस्मर्गेत कार्या श्राजिकातार्थ क्षजात अकृत्भन करे कथा । व चजुायान इत दनन १ প্রব্নেণ্ট শ্ববিরুদ্ধ ব্যবহার করিতে-ছেন। অব্রতা গবর্ণমেণ্ট যেরপ ভারুন, वाभना वातक कार्याहे सिथिए शाहे-एक हिं है है दे न की स गवर्ग प्रति के का सा हेश्न श्रीप्र भवर्ग प्राप्त मकन विषय है विटर्न यका मूकन कन्न मिक्कान्त विवास धी-ক্ষার একান্ত পরতন্ত্র । অরত্য গবর্ণ-মেক ভাৰতাৰ হইয়াও লোক্ৰিকৃতি

পূৰ্বাক সময়ে লমছে নিডাত্ত অভত্তৰৎ ্ব্যবহার ক্রিয়া পারেন। ভাগতেই প্রজা-প্রভারিত লাইদেল টাক্সটা রাভারাতি विधिवक्ष ना कतिया यक्ति छेडेनमन मार्ट्स (बत रेनरूम छोट्यत नात गर्सक्त विविष्ठ করিয়া করিতেন, কেবল বে উহার অসা-मञ्भा त्यां मश्त्याधिक इंदेक अञ्चल सञ्च, नर्सनाथात्रद्रण ना कक्रम, देखेदतालीदत्रता भदर्गारकेत्र शक् व्यवनवन कतिएकम मः ম্পেহ নাই। যাহা হউক, প্রস্তাবিত সভা एउँ मिटक हैतित निक्षे जक चार्यक्र করিতেছেন, আমরা ভাহার ফল দর্শন এতীকায় রহিলাম।

मश्चाया ।

পার্লিয়ামেণ্ট সভায় সম্প্রতি মহীত্র-दबन विषद्यत अरू अर्कात निकास इरेशा गिवाद्य, किंक जामापिरभन्न हिंख এই निकांच बोका ध्वेबर्ग निज्ञ इं इहेन ना, देश शृंदर्क (व क्षकात्त्रज्ञ मध्यंत्र प्रत्य অঙ্ভৰ করিডেছিল, তাহা অপনোদিভ হইল বটে, কিন্তু প্রকারান্তবের সংখ্য উপস্থিত हरेन, ঐ निवन मार्फ कान-विकिथ बर्जन सरीय्बरक जिल्लि नामा-জ্যের স্বর্থাত করা হইবে না। রাজা यक किन जीविक शंकित्वन, कक किन ইংরাজ কর্মচারিখণ ভাঁহার নামে রাজু; শাসন করিবেন। রাজার দভহপুত্রের विमानिकांत्र कांत्र ववर्ग्टमके निट्य-करे-তেছেন। এই বালক যদি অতঃপর স্থা क्षिठ जेदर भागनकंत्र रून, छाहा हरेला তাঁহার হজে লাসমভার সমর্গিত হইবে। महीक्त अर्ग हास्कीत , चिमक नदर। সজি ও ভারতবৃত্বর স্বসাধারতের মতও वह । कार्क कार्यदात्र । रेशंत क्ट्रांसन क्रिया रव्यम गर्करणत क्रित्रक्षम क्रिरंगन, ভৈম্নি, জাৰায়' বাহ্ন্যর শেবাংশটী मात्रा विवयं भाषातः छैरम क्त्रिता विद्युक्त वन । डोकोत्र गूर्व विक सन्त्रमीक्छ छ भागमध्य में की छोंदा देरेलाई दक्तन जीवातं वटक भौतेनकात खबेक व्हेटव ; विके राष्ट्रे सुविका ७ नामनवक्रांत्र পরিমাণ কি ? কোন্ বাজিই বা ভাষার निर्वत कतिराम ? जाउ (जनशंकिन मिणाही अर्गकारम निषास करतम. নিঃসন্তান হইয়া কোন রাজার তৃত্যু হইলে जिष्टिम शवर्गरम्के औद्यात त्राका प्राप्त-मार कतिर्दन। जाना माट्ट्रदेव एकक অহণের বিষয়ে তিনি বলিয়াছিলেন '' द्रांका निरक मिकादा উভমরতেশ শাসন করিয়াছেন সভা, বিশ্ব ভাঁহার পুত্র যে সেই প্রকার করিবেন তাহার প্রতিভূ कि १ " अई अवादत महीस्ट्रतत ताकात স্ভার পর যদি কোন গবর্ণর জেনরল धरे धरा देवांशन करतन मूनक ताकक्-मात्र रव त्रांचा मानन कतिएछ शांतिर्वन खारांत्र ध्वमान कि १ करे खां के दिशो यमि जाहाटक ताकाशिकाटत यक्तिछ कटबन, एक काक्षत्र निवांत्रने केविटव ?

७२ वर महत्र व्यक्तिकाल इंडल मही
पूर्व देश्तां भागरमत्र व्यक्ति इंडेबार्ड वर व्यक्ति व्यक्तिमाण्ड क्रियार्ड। वह उत्ति व्यक्तिमाण्ड क्रियार्ड। वह उत्ति व्यक्तिमाण्ड सामात क्रिया वाकिर्द कि मा, व्यक्तिक मश्मित देश भारत। किन्न वित्र व्यक्तिक क्रियां रहेत्र विद्यां विकास वितरम् यहवां किन्न देश भारता क्रियां क्रिके क्रियां प्राप्त क्रियं देश

विश्वात विश्ववा स्वेटन, काका जामना वृक्षिएक भाविएकहि ना । जिनाक दक्ष প্রতি দূটিশার করিবে" এ আশহার चानीक्षा धार्किमन स्ट्रेश महस्य माहे। अरमणीय बांचर्गात्वत विव्यत देव बांचनी छि अवनवन क्षिट्ड हरेटब, डाहा का बाकरत व्यारेबा (मध्योरे উচिত: जांश स्ट्रेल লোকে দেই রাজনীতির উপবোগিতা ও त्राक्ती जिटलंत भाभदात केमोर्गानिद्वार्थ নমৰ্থ হইয়া ভক্তি ও ক্ষতজ্ঞভারনে আত্ৰ इंदिन, जनायां करायेजा दांच कहिरदन। মহীসুৱের বর্তমান রাজতনগ্রহে রাজ্য দে-अग्रा रहेरव, म्लाउँवाहका अहे स्वायना कतिहा मिशा यमि भवनीरमध्ये तांखकुमारततः निर्मा-কার্যোর ভার গ্রহণ করিভেন এবং সচ্চ-রিত্র সহাশার কার্য্যদক্ষ লোক নিয়োজিত क्रिया डीहांत विमानिका ও तांकरा-धांपि निकांत উপায় कतिया पिएजन, खाद्या केंद्राश कि अवर्ग्यमती नमधिक खाँचा म्लीन इंडेटल्डन ना ? छांचा इंडेटल कि अवर्ग মেণ্টের অধিকতন্ত্র উদারতা প্রকাশ পা-ইত না ? এদেশীয় রাজগণ স্থাপিকত जक्रित ख बांबकाट्या पण वर्देश अरम-भीटिसी विद्यान केरणका छ जानम गर-कांद्रत डीशंबिएनेत्रं अधीनडा खोक्त बहन क्तिएकं अधीनक क्षेत्र, विश्वभीटक्क शहा-बीनंडा चीकारत रमज्ञभ एन ना। स्क मार्ट्य बटलम " आंभामिटमंत्र अहे नर-স্থার পাছে, ভারতবরীরেরা স্বদেশীয় तांचात जामन जारलका जामानिरनंत শাসনের সমহিক পক্পাতী, এটা ভ্রম ও রুখা জাত্যভিমান যাত্র। " গার্ড ডেল-रांडेनि विश्वास्तित नार्श गर्क क्रिया শিরাছেন " ভবিষ্যত্বংশীরেরা আমার রাজনীতির জ্বার ক্লিন করিয়া क्षा प्रदेशन। " यनि बाधनी जिन्दानि সাধীনত। অবিলুপ্ত থাকিত, ভাগ হইলে এ পৰ্কী পোডিমান হইত। ভেলহা-क्षेत्र व्यवस्थात मानित त्यांक नश्टामाध्य

ক্রিয়াছেন বটে, কিছ তাঁহার সাসনে লোকের রাজনীতি সংক্রান্ত স্বাধীনতা । এককালে নত হইয়াছে। কেবল সম্পত্তি ও জীবন রক্ষা এই ক্ষতিপুরণ করিছে। পারেনা।

मिडेनिनिभाग जकाहात ।

र्याश्रीता त्य विषया चणाखनम, भिषि-मचारव करम उाहापिशरक फ्राहारफ অভান্ত করিয়া তুলা আধণাক, কিন্ত गिडेनिनिथान भकारत्रदक्ता मिडी दुक्ति-তেছেন না, সমধিক উৎসাহ বশতঃ **डाँशांश अरमभीग्रमिश्य अक्टाटन डेक-७**त भागात अभित्राहिक कतियात চেটা পাইতেছেন, তাহাচেট নামা व्यक्तंत्र व्यक्तांकांत्र चिटिक्ट्स । द्वापिन कानीचारे अ ख्वानीशूत्रवानिषरभद्र शक्ति षाजानिद्वत विषय अहे लामश्रकारण वर्गित इदेशांदिन, त्यांथ एवं नाठकनात्नव यात्रणं वीकिटव । अना कारनत कथा कि ? কলিকা তার সাধারণ মত এত প্রবা তথাপি বিউনিসিপাল অত্যাচারে লোকে " शानारे शानारे " कतिर उत्हन। क्र कारण धूर्वक्षक प्रधात करवा निक्शि इहे-, ब्हार् किंद्र क्रिम वित्रदेश के क्रिन क्रे अञ्चलि मुक्के स्ट्रिल्ट्स् ना। त्महे शृति-भिक्त निर्मात्रा, त्मरे (भटकटन मग्रमात भाषी, त्नरे त्मरकरम शामरख्ता हरे जिन দিবস পরে এতদেশীয় বিভাগের ময়লা পরিকৃতি করিয়া বারা। বাটার কর, चरिशांत्र कत्र, बावमारमत्र कत्र, भाष्ट्री ष्पिषांत्र कत्र, करत्र करत्र लाहक विजय হইমা উঠিলাছে। স্বাস্থ্য ও শাস্তি রক্ষার षञ्जार मिडेनिमिशांत कर लाटक महा क्रमा किन्न खारा नरेशा यक मृत करा यांबभाक क्लिकां का क मक्यातात निर्ध-নিবিশালিটি ভাষার কোন ধার ধারেন না। কোন ব্যক্তির সম্পত্তির অনুরূপ কর थात्र निर्दातिक दत्र ना। मन ग्रेका जा-

ভার স্থানে ৫০ টাকা ভাড়ার কর দিতে হয়। সম্রতি কলিকাতার সহকারী সভা-পতি ডেবিস সাহেব কর আদারের সর कादात श्रम छेठा हैया मिशा आखा निया-ছেন নগ্ৰহাসিরা আপন আপন কর मिशा याहेरवन, निश्चिष्ठ फिर्ना ना फिर्न खाइकारकर कक छाका । चंत्रहा । चत्रि মানা) লাগিবে। এককালে বিস্তর লোক गान, याँशिविदशव जूभातिम ज्यवा ज्रद्धत कगला चार्ड, डांहाता याहेवायाज विन পান, দবিভাদিগকে কার্য্য কভি করিয়া इन्हें होति पिन दाँ हिट्ड एत । द्रा उ व्यक्ति याना पिट्ड इर। कत शांचित कतिवात কিঞ্চিৎ ব্যায়ও আছে। মিউনিসিপাল भक्षमान विहान नाहै। कि ब्राज्यांनी কি মফদ্বলেধ নিউনিসিপালিটির কোন কর্মসারী কোন বাজির নামে কোন विशवा नालीन कतिता जाशाद शाह রিক্তহক্তে আদালত হইতে ফিরিয়া আ-निट्ड रहा ना। नामगाज विष्ठांत रहा, ग হল্র প্রমাণ দিলেও জরিমানার ছাত क्रेटि क्रिके तका भाग ना । हेराट कि ष्यवषा माष्ट्रावेशात्ह, भवर्गत्मणे कि जाहा कानिएक हार्द्म ? मकलबरे आय निव गिड कटतव डेलत कर्यहातिमिश्रटक कि थिश किथिश अधिक मिटल हरा। यिनि ना एन, डाँशह नात्म नाशीन ও कहि মান। নিশ্চিত হু"। ময়ণা স্বাম বহি াচে, সাহারখন নান্মাত্র, কেবল প্রজা পীড়নই সভা ছইয়াছে।

যাঁহাবা ১৮৫৬ অন্তের ২০ জাইন
অনুনারে চৌবিদারীটাকা দেন, ভাঁহালিগেরও কটেব দীমা নাই। আমবা পঞ্চায়তদিগের অভ্যাতারের সহস্র সহস্র উবাহবণ দিতে পারি। সোদপুনের নিকটে
নাটালোভ্যা প্রানের বাব কাণান্তর্র গুণ্ড নাদিক ছব আনা কর দিতেন। মাদিক ১০০০ টাকা পেন্তুন ইক্টার উপান বাবিকা
নিকাতের উশাব। ইক্টার উপান নাদিক

হাত ছই টাকা হয় আনা কর ছাপ্লিত হইরাছে। ২৪ পরপণার মাজিতে ট ও ক্ষিপ্তনর ক্ষাপীলে উহা অপরিবর্তিত রাখিয়াছের। অনেক প্রাচের এই প্রকার অনেক উদাহরণ আছে।

১৮७८ जस्मत ७ जारेन जन्नादत বত বিউনিসিপালিটি ব্ইয়াছেন, ইহাঁরা नाशांत्रवा कर्षाठे नर्दन् । थात्र फिन वर-महार्थि देदाँता निश्मार्गी अस्म করিয়া গেজেটের অর্জাংশ পরিপূর্ণ कतिएउट्टन, किछ देव किराब क्षेत्र। जन জত কর সংগ্রাহ ভিত্র আর কোল কাল¹ स्टेएएए ना। याद्यात्रकात द्यान क्या श्रीत मुळे रत ना । त्वचीदन इह दम्बादन এতরিবজন এত অত্যাচার ও এবত অ. सु ७ थानी भवनविष स्व त्व. नाटक नृकांवकात्रे आर्थना करत । स्थनी अक्षी क्षरांन स्वमा ७ प्रावधानीत निक्षे वर्षि छान। वधानकात करमत छ कथाहै नारे। बाबात रटक स्त्रं निर्द्धातद्वत कात তিনি সাধারণের বিশাসের পাত নহেন, क्षर कार्या मिलिया क्षेत्रा क्रेटिक्ट তিনি নিডাম অকর্মণা। সম্রতি আঞা क्षेत्राटक रकाम वांग्रित कथ राहकाति नका-माप्त पानिएक न्यूडिएव ना। लाएक क्षि बिछ वाणित सन वस कतिश क्राचिट्ड वाविक बरेबारहन। देशांटक कि नीज़ा इदेटन ना १ यकि नर्मामात्र सन ना त्रन, करन नकामात अक्षाकन कि ? पनि मतना खन नर्काश्वाश व्यक्तिर्क ना शांद्रम, লোকে,কি জনা কর দিডেছেন ? চুচুড়ার शिविद्यत निकटि याँ महाता वाम कदतन, देश्यामधारक व जमा वान डेठाइएड एडे-(ठ(इ। नाजीन उ क्रियानात क्या नार् वाहीटक शिम जलांदन महला कदत्रम. जिनिहे मधनीय। किन्न स्नलीत विक्रेनिन भाविति सारी का कारियादक , भावित्राम क्रिया निर्देश जुडतांनी अधिकांत्रिय पक कतिए उट्टूब । ५० । ६० होस्ये . स्वि

माना थिक कथांत्र इत । विनि मानिक क ग्रेनि जाका भाग जीवांत्र बादकतिक । जिन बात कतिमाना व्हेंटक्ट निक छह-दिन व्हेट्ड चावांत्र किंदू निट्ड हता। कार्याङ: देश व्हेट्ड्ट्ड । देशांत्र विगात मारे, द्वार कांने क्वार क्वार माने कांक्शका ।

त्रांबर्गात । वन्नान्य वस् हाकात कारलकेटबन नाजीब वांबू व्यव्य वर्त्र वाष्ट्रगमर्थनश्व वामापि-গের হস্তগত হওয়াতে অদা এই মগ্রীতি क्य विवयंग्रित चांत्लाह्नात व्यवस स्टेट्ड र्देश । यनि शेखशीनि जामा मिर्गत्र रहि मा चानिक, नमधिक चास्तारमत्र ११७ म्राम्य नारे। परनक पिन घरेल, अ विवश्री व्यामानित्यत खर्ग नत्थ खिवके एरेग्राटक, क्षि कान् भक्त बार्जावक लावी, किवरम হুছ বিখান লা লালবাতে আমুরা ইহার थगरण शत्रुष्ठ १६८७ भाति गाँदे। एउ-পুটी काल्कित बाबू तामकूमात बन्द अक খন শিক্তি লোক, কিছু তিনি ব্ৰচ্জ वावृत गरिष यक्षण बावशंत कतिशा-. दिन, अक कम कुछिरिशा लाटिक . दि जड पूत्र कतिएक शारतम, कामाविष्यत्र अत्रश वियोग हिन ता। नगर्यन शब प्राहा स्थाना বাইভেছে, বঙ্গচন্তের সহিত রামকুমারের सनामनि चरिक विदयां बादका जानकू-मात्र वा क्रुक्तिशा सहेशा ७ कवर्ष देवत-निर्याठनार्थी स्रेगाएम । अवार्यापि थन यूनिकिस्टरक्रे चालत करता. बहा कि केनादर्शन कार्या प्रेताट्य ? वचडळ ৰস্থ ভাষাৰ সহিত সামাজিক ব্যৱহায় क्रांग मा, देश किनि मध्य क्रिक्ट लाक्षि-लाम मा । विशेष पूना प्रवासकात अति-क्षेत्रात कि चाद्ध है जिल्ला निकात मस्या स्मापात राम १ क्यरन प्रवेगावि etionecen conten mai etherecu i

३५७६ पटियत बद्धियम बहुन रस्टे बक्र विकास महेशा वर्षन वार्किएक किरमें रेनचे नमदत बाबु जामक्यात रूप मादबर् गानिक्षत्र निक्छे स्ट्रेटक क्टबर्की मंथि मरेवा वक्षण्टेका वावाक्षमकान क्रावन अ दिश्दम छिनि कारलक्ष्टरम् अनुमिन् णम मारे। कारमक्केत जिविन मार्ड्स मह-मननिर्द्रत आमर्थन स्वेटक् अकाशमन ক্রিবে রামকুমাব বাবু ভাঁহাকে এক मायमूना चारवसन धरान करतम। अरे चारवसन ১० हे नरवष्टत त्रामक्यात बाबूत হস্তগত হয়। ইহাতে নাজিরের বিরুদ্ধে माना वियदम्ब अजित्यांश हिन । काटनक्केत नाक्तित्रदक कटबी क्षिण कतिता अञ्चनकान कडिबांत पाळा मित्तन। उँहित्क रकोक দারিতেও অর্পণ করা হইল। কিছু শণথ **र्युक्तक (कर् वर्धी हरेशा ना व्यामाटक** कार्के माबिएडे होतिम मार्ट्स वरू-क्या जिनिय कतिरम् । दक्रम्यस् षिकीयवात क्लेकनातिएक एक्का वह । কালেক্টব্রির কয়েকজন আমলা ভাঁহার विकटक माला रहन, किन्त देशएक ना-कित्र मुख्य क्य। नोक्टित्रत विक्रटक व्य क्टब्रक्डी चांडिरशंभ कता इत, छाडा #81---

श्रीम, जिन श्रीमांत जनवाना
१३ए७ निएम ८৯०० होका श्रम् करतम।
१एडीम, ১৮৫৯ परकत ५० परिन पश्१एत यक प्रमावत मणिक विकीष इत्र,
११मत श्रीक होकात जिन कर पाना
१एम श्रम् करतम। एकीम, जिन प्रम्
दित्रम प्रा वाम मकन निएम विकन्न
दित्रम प्रा वाम प्रमा प्राचनाथ सरदम।
इर्म, मामिन प्रारंग मामिन जीन माहम
विकन करदम। भ्रमम, जिनिनिएमत
विकन

नीजित्र देशंत्र व्यं छेखत्र वनन, खाँश कर-किम जनवामात्र हरात- वारक ध्यात्रन कंत्रिवाहिएनन, बांकी छाका जिन थां इन नार नाराव नामित अपकरम बीकांव स्था कतियां दिल्ला। एव वाकि ২৬ বংশর স্থাতি সহকারে কার্যা করি एउट्टन जिनि इर्ड गाति छाका पूर्ति कति-दान देश में में हो दिए मेरेंद, धरे दिद्यकता क्षिया माणिए हैं । व विवृद्ध जाहारक मिर्फारी क्रियांदेवनं। ५० चाहन चन्न-गारत अञ्चाबत गंभांकि नीनाम हरेल नाषित्र प्रेरिकात श्रद्ध धक याना मस्ति পাইছেন ভাষা এবর্ণমেটের, অবিদিত हिन ना। ১৮७३, जन जर्बि छाँहाटक बेहा नहें एक निरंदर करा है है, जिनि मध-मान कत्रिश्राद्रम् त राष्ट्रे जविष जात लग नारे। व्यक्तिकत्नत भूना वाञ्चलि वांबू त्रांबक्षात रक्षत्र निर्वत अशीरन था-কিড়া তিনি আৰ্মানী বিভাগের ততা-वशाहक। बाजा विक्तीक व्हेटन छोका मा-किटबर इस मिया वा<u>रि</u>क शाहे छ अहे माज। व विषद्धक नाक्षित्र चार्यन निर्द्धाविक। नथमा कित्राट्य । जीत नाटम विनाभी **छानुक कात्र** कतियात्र विवटत नालित **উভর দিরাছেন নদর কুমার** নামক এক वाकि बीमार्टन छानू क कह करहन, छ९-शरत आंत्र अक बरशरतत शत डेंग्हात जी नमक्षादतत निकटणे कांश भूगा नित्रा लन। देशंत्र मलीन माथिण कता इदेशाटह।

बक्रास वस् गासिए ड्रेटिस निक्टि ।
स्वाहिक भान, किस कमिननत वक्ना ।
नाट्य डाँशटक स्माह । विश्वादमस्
स्वांभा भाज विट्याना कितिसा भाषा ।
स्वांभा भाज विट्याना कितिसा भाषा ।
स्वांभा स्वांधा स्वांधा ।
स्वांधा डाँशिक स्वांधा भाषा किति ।
स्वांधा डाँशिक भूमका ।
स्वांधा स्वांधा ।

নগজির যে, প্রকারে আতা সমর্থন করিয়াছেনঃ ভাষাতে শাউ প্রতিশন্ন

कता रहेबाटक जांबकुमांत रह प्रकारिक मूनक विषय वणकः कांदात विक्राह कांछः क्रम कतिवाद्यम । जिनि ५० हे नद्यस्यकः थ नाम भूना चारवषम धारम्ब कहास, তাহার वाषाचा विवदम मटण कतियादका। २५ थ मद्देशम कोद्य केर महमनि १८६ रामन करतना मार्गित काटनहेटतरे अधीनक जामना, नाकिद्वन विकटक वार्वमन क्षित्र कारमञ्जाह । निकटें कतिएक इस्। व्यादनस्त कि व्यन्ध तीमकूमीय बार्व इत्छ श्रम ? छिनि : डाहा भारेग कि बना उरक्तार काल-केरतत रद्ख निरम ना १ जिनि वाणिए नथि लहेशा यान। हातिम माह्य नथि তলৰ করিৰার ক্লৰকারী প্রেরণ করিবার नृदर्स बामकूशाब बाद कांगकछनि है। रात्र निकटि ध्यात्र स्टान । त्रामकूषांत वांत् धक्या किमनत्र वक्तांटखत्र काटवा निक्दितंत स्माद्याद्यस्यं कदवन, देशदर्क बक्लां आरहर बिन्नाहित्सन व विधादवन शृंदर्स डीहात मत्न कूमरकांत्र क्याहिता দেওয়া অসুচিত। " বৰ্জাও নাহেৰ তথন নাজির ও রামকুনার বারুর পরকার गवका कासिहंकन ना

छेभमर शंबंकाटन बक्तवा वहे, मालिब चारिन चन्नुगोटन स्वाती रून नारे बटछे, किन किंगांत नाटम विचेट विवेदात अफि-বোগ হয়, নে দমুদায়গুলি অমূলক আমা-मिट्शर्व व प्रमा स्वाम इस मा। असूनक इसे. लोब दायक्षात्वत অবিখ্যাকারিতা लारिक काहा धारूकक रुवेता **छेठियांटर** वयर को तत मन व वक्षात्मत मिरक लक्ष्माकी द्रेगोद्ध। अथम व्यवस्थित অপরাধ ঘদি লঘু হা, আর দিতীয় অপঞ্ व्यक्तित चर्यवाद खरा रह, वर्णकहा अध्य व्यवतायकाती बांखिक स्वाती श्रेटन क्षांत्रात नाम हे व्यवज्ञवन कतिया बारक्ष अति माञ्चरवंत चलाव्। विवेशत महिल । त्रीमक्षाद्वत विवास हिलाउहिल, उत्ति

মকলনা হাং বিল কবিয়া গুরুতর অপ রাধী হইয়াছেন। বকলাও সাহেব বজ-চক্তকে ভানাস্থারিত করিয়ার যে প্রস্তাব কবিয়াছেন, আমাকিপের বিবেচনায় ভাষা যুক্তিনাই হইতিছে না। বজচন্তা মধান নির্দ্ধান কইলেন, তথান ভাষার দও কোণু নদি উল্লেক, তথান ভাষার দও বিলাপ করিনেই যে ভাষার থাকে, ভানাস্ত-রিত করিনেই যে ভাষার গোকে, ভানাস্ত-ধন হইবে, নে সভাবনা জল্প। এক্লপ ভালে ালাক পেন্তান দিয়া একলালে বিশাস দেখাই ইচিত ছিল।

e ্য ও এখনি বিশালনের ভারা

व्यामिक्ता इरे कर शब्दात्रक विवासमा क्षेत्र महाक्षा व्यक्ति इह श्रोटक्न । अत अन अन एक्निक विकासित्वत ছাতোর, অপর ব্যক্তি নর্মাল বিদ্যালয়ের ছাত্রৰ পক্ষ ফলেখন করিয়াছেন। নর্মাল বিদ্যালয় পক্ষাতী প্রপ্রেবক গুরুষ্থানয় पिरात तार को उंदन भता खुम्थ दन गाई। किन आमानित्रत विस्वहनात मःक्छा-मः कृष्ठ डेखरिश श्रीक्रमशंभावित श्रीखरे नाशांत्रां व तांनार्शन गुलिनिक हरे-CECE ना : कार श कामानिक लाक्स्टब শুনিতে পাইডেডি, যাঁহারা গুরুট্রেপঙ विकासिक निक्ति ह इहेट छ छ न, जीकाना व्यभिक्तिः क्षत्रमञ्ज्ञानित्तित व्यभिक् ষত্ অংশে ভোডভালাভ করিতেছেন। উভয়ের এরপ বৈলকণা হওল নারসিদ্ধ मत्यम् नारे। किय अष्टल देशा वना কঠব্য, তাঁহার, নত্মালবিকালয়ের ছাত্তের जूना जवना जनानमा स्थितकश्रमानी बेहा द्यानमध्यह गणाविक नद्द। याहुन কারণে শিক্তি ও অশিক্তি উভয় 🖐 দ্ৰহাশয়ের বৈলক্ষণ্য ঘটিতেছে, গুরু कितिक अन्दानिविद्यालस्य साम्बद्ध वित्र-त्त्र छात्रमं कात्र्वत महाव चार्छ।

নর্ঘালের ছাত্রের। শুরুট্রেপিডের ছাত্রনি-গের অপেকা অধিককাল বিদ্যালয়ে অধ্য-য়ন করেন। অপ্যকাল অধ্যয়নকারী অপেকা দীর্ঘকাল অধ্যয়নকারী সমধিক বৃহৎপন্ন হইবেন, সে বিসয়ে সংশাম কি ? তবে যদি কেহ কোন শুরুট্রেপিড বিদ্যা-লয় ও কোন নর্ঘালবিদ্যালয়কে উদাহরণ স্কলপ গ্রহণ করিয়া এক্লপ প্রমাণ করিয়া দেন যে শুরুট্রেণিডের ছাত্রেরা নর্ঘালের ছাত্রদিশের অপেকা শ্রেষ্ঠ। সে ছলে এই নিজার করিতে হইবে, নর্ঘালবিদ্যা লয়ের শিক্ষক ও তন্ত্রাবধায়কপণস্বকর্ষব্য সাধনে যথোচিত যতুবান্ নহেন।

একণে নর্যালছাত্রপক্ষপাতী পত্র **थ्यत्रक्त विश्विष्ठ अक्षी विश्वतं विस्मित्** क्राट्न दिव्यक्ता क्या क्योदभाक। छिनि जानभवामिए निधनमित्रभ भूके खना नीत य लाय कीर्बन कतिबाद्धन, जाश व्ययपार्थ नहरू। छेरांत्र व्यवत्रदं अत्रंभ মারাত্মক দোঘ সমূহ অনুস্তে রহিরাছে বে তাহা প্রণালীর উন্মূলন ব্যতিরেকে मर्माधिक इंदेवांत मर्ह । अरमरमञ লোকেরা ভাল কালেন কলিয়া ঘাঁছারা वा लगानीत लाख शक्यांक करहन, ভাঁৰারা ভ্রমে পতিত হইয়াছেন। এদে-मीप्रणिदभन्न प्रजाद धर, त्व दिवत अक बांव णिधकांत आश इहेशा नीर्धकांश हाँनश कार्राम, देहाँना छारांत धकांच অনুরক্ত হইয়া গড়েন, ভাষার কি তাব ति। व्याद्य, हक्क्क्ष्मीतन क्रिक्षा अक वारख खादा पर्मन करतम मा। किस वै। शांक्रत्भव विद्वष्ठमात्र छेल्दव ध्राण्यव শুভাশুভ নির্ভন করে, তাঁহাদিশের शंख्यातिका धाराष्ट्र व्यवस्था विद्या एके-ट्टाइ मा । अरहरून यांबजीय जांबी উন্নতি শিক্ষাপ্রধানীর উৎকর্মের একার शताप्रक, 4 कथा गर्सवा खाँचाविद्याह স্থাতিপৰে রাখা উচ্চিত। স্থান এবেশীর विरागत नरुष वियासक नाविष्कं वरेरणाहरू

তথন কেবল এক শুক্তমহাশর্কিথের পাঠনা প্রশালীর অপরিবর্তন বিবরে এত আগ্রহ কেন? এমেশীরেরা কি কথন বিবাস্তী মিউনিসিপাল টারা ও ইনকম টার প্রভৃতিতে অভ্যন্ত হিলেন ?

चामक्रितंत विद्युष्टनांत्र नित्रविधिष প্রবালী অবলয়ন করিয়া কাজ করিলে দেশের সম্বিক সৌভানা লাভের नजावना चाट्छ। ध्यथम, खक्टिनुनिङ विकानग्रक्ति छेठारेश निशा उराटक व्य बाग्न स्टेटलट्ड, त्मरे गिका नवाल विमान-লারে দেওয়া হউক। তাহা হইলে ভাহার व्यक्षिक्छत्र श्रीहिष्क इरेरव । धक्रनकात चरशका शङ्ग सनात उरहके वरकावस हरेट शांतित। नर्गात हाजितरात यथा इनकारनत्रक नीम। इष्टि कतियां पिट्छ क्**रेटव । छारा र्**रेटल माना विवदम् चटश भाक्षण स्पन्न भिष्मानां व्हेटन मद्यव् मारे। विजीत, आभवामीक्रिक्त निक्षे स्रेटल व्यक्त नासावा लहेशा । अवर्गदम्ब नित्य पर्क मोराया रिया मट्डन कृतनत तीकि अञ्चादत आदम आदम अर अरुनि পাঠশালা প্রতিষ্ঠিত করন। আমরা यक्त्रमन्तिविरंशत मानत जीव यजपूत्र অবগত আছি, তাহাতে নি:শদিশ্বরণে बिलट्ड शाहि, आमविशवा यनि छेदक्ष विशानित शान, क्षेत अधना एक शार्ठ-শালার নিষিত অধুরাগ বা অসুতান क्तिरदन मा। कान शहरण रक बरम बाब ? श्रुक्रभावेभागा वर्ष नश्काय दिवा नत व लाइक देशन दिखाछिवारी रहेटन । हेराटल अवर्गमान्छेत किथिए व्यक्ति वात्र क्षेट्रन, व्यावता चीकांत्र करि क्षित काम अधिक व्हेट्य । अवाद्य-निम नवरक प्रथ कथ छोड़ा अधिक (१४७: स्वेशितंदा कारोत वया स्कृत्य क विश विक विकास वारः अकटो विक अरका ficien Burmenten ein Gbitel fet नदर्भत कंप नवपणि द्देदन मा।

विकित्र प्रतिक स्थित स्थानिक । न्यास्त्रा क्षित्राका इंडिक क्षिणित असम्बद्धनात राविता स्वित्रामा ্ৰেন্স লাভ কৰিলান। তাঁখারা উড়েবার টুডিক শীড়িতের নিবিত নাধারণের निक्छ गारायमधी प्रशास्त्र। अजनाता दिलिके देवेबांक ददेशक स्वादमा चारह। बद्द्रभन्न धमदात्मक्षा प्रामनिक्रम्नान्द्रम्। क्षि देशीया बेटबिक्ड ७ समूक्ष ना स्टेटन आग्न तम्हे अख्यित अतिहासभिति नमर्थ इन ना । आवतां क क्रिके ७ इंडि-क भीषिकतिरगत क्षकिति व वस्ता चरम-শীৰ বনবানদিপকে অনুৱোধ ক্ষিতেছি, উহিলা এ নমনে মুক্তহন্ত হইলা ভারত-বর্ষের চিরপরিচিত দাত্নাম নমুক্ল क्तिशा जूरनम । त्राप्त थमन्या निर्ह वाराहर पड: अहर स्रेश मिल जबीरा-वीटक अ उनर्व चर्च मर्था स्विता क्रिन **जित निकट्डे (क्षेत्रन क्ष्मबन्ध्र कार्राट्स**ह क्षिति थाएगाहिङ हरेशास्त्र-। अञ्चर कमिछि के विषया यात्र क्रांक्सार्था हम, त्रांत वनगणि निर्व शंक्षक्षं देवात कृत विन्ता नमधिक भूना ७ वटमांकानी व्हेटवन मटप्र नारे। अष्टन भवन्द्रम्टकेत्र निक्टि আসাদিলের কিফিং ৰক্ষবা উপস্থিত स्ट्रेटिंग्ड। यामना शिविदंखिंह, इर्जिट्यन আরত্ত অবধি কলিকাতার বাবু রাজেন্ত্র महिन ७ भाजीभगरक्षत्र बांद् श्रमणीक निश्ह अ विदर्श अकाष्ट्रत माहासमान क्तिरख्रम । क्लिक्खा विकिन्हर्त कामबाजि मार्य (य नका रुप्त, कार्याक्ष ाटकल महिक नींच शकांत्र वेका विदा লে। ধৰণতি সিংহও খড: শরতঃ নানা थ ८०छ। भारेटल्ट्य। क्या देशांति-ক বে উপাধি দারা সন্মানিত কর্ शंद्रक, खारा देवें वित्यंत समुद्रान दश । भागता पृत्क स्वतिक्रितास, अवा-कृष्टिकहि, भरनक त्राक्षकर्गरात्रीक 'दिश्वत केमीयि मार्गाट्स्न। अक-

वन व्यामानितन व्यक्तां करें, अ मीन उनामि त्रिक कतिया श्रन्तमें तात नाटकल मिलक वाराक्षेत्र उत्तात समन्छि निर्म बांदाइतक बाकावाराङ्क उनामि वीता व्यक्ष करतम। जारा हरेटलरे व्यामानित्यत श्रन्तिक त्यम छट्नत उर नारमाञ्चा उर्दे ता त्यम माजा, जाराज व्यक्षण रहा।

छेशवध्यात्रकारम् जामानिरगत्र रम्भीत जिम्पि वाखिरक विद्यायद्वरण कि हू वना व्यावनाक स्टेग। वन्धं अहे व्याक छन-তিত ধ্রিয়াছে, মুরশিবাবাদেই ভাষার ख्लभाक हरेबाटहा चक्कव बानी वर्ग मयो ७ वर्ष्य मध्यीनश-निक्टश्त क विष्ट्य विद्यायक्रती स्कारणहरानं स्तिता के नश त्तत्र मूर्थ नमिक् नमुक्ता कतिहा जुला **डेव्छि। डेव्हां अध्यम्ब हरेल अस्मर्ट्स** उद्योगितम् अञ्चनत्र कतिर्दन मरमञ् नारे। कनिकाकात्र वांत्र भागाण्यन मिक व नमदा काषात रगदन १ उँहिति नाम द्व करम निवित्ता राज। "श्री उरेर काम्यू रश्ना वर्षमाहरत्रः" रज़ा कर्ज्क क्टम वृद्दीरकत नाव धर्य कर्च कितिर्व । 'एण्।कारण दक्षण अक धर्मरे नरुवत सरेदन, तक बाकी तक कृष्ठि প্রভৃতি বৃষ্ণায়ই পড়িয়া থাকিবে, व क्षांटि माम बाबूब ममुम बाक्तिवा रचन मर्था मर्था चात्रण करतन।

উলিখিত কমিটার ধন রক্ষ কমি
টীন আজালুনারে ধে সরকুলার প্রচার
করিয়াছেন, তাহা এই:—

• वहानवः

উদ্বাস হার্ডক ও অনাধান্তর
ভাতের কার্নবেশাদক কমিটা ইহার সহক্লড ১২ ই কেরোরির টাউনহালের
প্রকাশ্য সভার মুক্তি কার্না বিষয়পের
থক্ষণ আশনার নিকটে উপ্রক্তিক
রিটেড আলেশ ক্রিয়াহেন। ইংল্ডেখরীর প্রতিনিধি ও ভারতবর্তের গ্রণর

क्षित्रक के नगरत नजाशिकत जानम कर्म कित्रविध्या कि जोताहर्ग कर्मा के नगरः अपूर्यकात क्षेणरेत निर्केत क्षित्रवा किनि कर्म जाना कित्रवाहरूम स्व ताक्ष्यक नजनात्रका क जानात क वार्यमित्रक अस्त्रभीशिष्ट्रकात कर्म प्रश्नित्रका करम भीशिष्ट्रकात कर्म प्रश्नित्रका कर्म वार्यमित्रका करम भीशिष्ट्रकात कर्म प्रश्नित्रका क्षाका विज्ञा स्व कर्म क्ष्यमात्र स्रोट्टिन क्ष्य क्ष्यां क्ष्यमात्र क्ष्यमात

धरे विषय जाननात (लांग्न कतिस् किंगिंग धरे जांजा कतिए छहन, जानींगें बंग नाहांचा किंद्रिक बंदे किंगिंग किंगें जित्र नाहांचा किंद्रिक बंदे जहांची किंगें जनगढ़ जाननादक धरे जहादांच किंगिंग फिर जांग पननादक धरे जहादांच किंगिंग फिर ज्याकरक स्थ नाम निर्मेश्व किंगिंग ज्याकर स्थ नाम निर्मेश किंगोंं हमें, जांगिंग जांशांक क्षिण क्ष्रिक्ष किंगोंं के किंगोंं

क्तिण निष्णत त्यां कतिरक्राह्म, जार्शन केत्रकार कर व्यार्थनात शित्र श्वारं श्वार्थकार कर व्यार्थनात शित्र श्वारं श्वार्थक्ष रहेर्दन नां, क्षर जार्थन गांशासूगारत या किंदू गांशाया कतिर्दन, जांशांत्र भाष्णांत महकारत कारा क्षर कतिर्दन। "

মুতন পুস্তক।

১। নংকৃত বেণীসংহার নাটক।

শীযুক্ত লগলোহন তর্কাল্যার ইহার

কঠিন কঠিন পদ ও বাকাগুলির চীকা
করিয়া দেবনাগরাক্ষরে মুন্তিত ও প্রচারিত করিয়াছেন।

২। बार्गिवरायकक्षत्र । नवद्यीलात अभिन्न भार्क श्रीमुक जकनाथ विमात्रक अग्रीवर्गि श्रीमुक वाद अग्रहत्नात्र वाक्- तित जन्मि क्रिमार देशत मर्कलन |
किर्मार्टन। मद्योगि भारत्य वानदात पर्म- |
तित (नककमा किर्मात) एम विधि
कार्ट्स, डांडा क्ष्मचन किर्मा देश मर्क किड दरेतार्ट्स। देशर्ड मूल मर्क् किड दरेतार्ट्स। देशर्ड मूल मर्क् किड दरेतार्ट्स। देशर्ड मूल मर्क् किन ७ डांडात वाक्ता प्रमुवान मित्र्द भिक दरेग्रार्ट्स। विमानिक छाँ। हार्या अहे

ত। কাশীপতের বাসলা অনুবাদ। জ্রিযুক্ত গোবিক্ষচন্দ্র বন্দ্যোপাধার এই অনুবাদ করিয়াছেন।

हांकाक मः वानवाका जिथिहां एव ।

১। কভিগন্ন দিবস সভীত হবল, শুক্রভা जान्तमभारक्षय अक विश्नव क्षिरत्नन हरेता গিম্বাস্ক্র সভাতে এখানকার অনেক বিঞ महाका देशविक दिना गरा कावय हरेता ব্রাকাস্মালের কলান্ত উ্ত্রুক্ত বাবু দীননাথ रमस महानव मगारमत कारिक दिएगाउँ भार्र कर्त्रत। खर्गर्य क्यांचा वाजानभाग मध्याध क्रांबुक्जी विख्या विषया श्राप्त श्राप्त प्रदेश प्रश्ना ক্রোত্ত করেকটি নির্ণ পরিবর্ত্তিত ও বর্ত্তিত করা इब्र अवर मर्कनमा जिल्हाम अधानकान हो है भारता नरखन्न (रेड क्रार्क जीपुक्त वाबू :कालीधरुन (बार ও পাগ্লা ফাটকেব .নটিব ডারুর জীবুন্ত বাবু বাষপ্রসা দেন মহাপ্য হয় উপাসনা সংস্থান্ত कार्यक्रमान निर्वार्ध्य (उपाग्रार्थार) काव थां हर्यन, जाव छ को कार्या जन। उस। उस निक्क क्षेत्रक बाबू देवनामध्य (धाम क्रियुक बाबु कुरुकुमात्र त्यान प्रदर्शनश क्या जालाकरणक गान उपांका कोका विमानतान गाँउ छोत् इ बाबु खबाब बक्क (घोनिक मशमग्र अस्काती माना ष्ट्राक्ष भएन बहुनामी ७ व्हान । व्ययक्ष कर्यक्रि সার্থহাপুর্ব সমুপ্রেশ এদান কর। হইলে সভা क्षण हरे।

২। গান্ত ৮ ই টেক্সে বু বেবে সন্ধার পর ঐ বুজ বারু কালীপ্রসার ঘোষ মহাশার ক্ষান্ত। বাদ্যস-নামে প্রেম বিষয়ে একটি চু নিয়া বজুত। করি-কাছেন। বজুতা ক্ষানে জী পুন্য এল তিন লাভ লোক উপ ক্ষা ভিলেন। বজুত, নি সকলের্ই ক্ষান্তঃ স্বানোরপ্রকারে।

৩। আৰগ গতহারে অস্বশ্তঃ লিখি-ক্রান্ত্রীর ক্ষান্ত জেলখানার করেক ক্ষম ক্রোনী ক্ষবাস, হটয়া এক জন বর্তনাভাকে

ধুন ক. বিছে। বাসেবিক ভাহাদের বিজেবি- ।
ভাগ গোরকনশাল বা হর নাই। এক জন ।
কমেনীই প্রাণ্ডাগি করেয়াছে।

৪। ঢাকা কালেজেন ছাত্রতাৰ বাইবলের কঠিন কঠিন স্থানও ল বু থাবার জন্য প্রার্থনা করাতে তথাকাব হেডমান্টার জীবুজ লিবিংক্টোন নাহেব টংগতে এমত হয়েন, এবং বলেন যে আমি মাহ্য বলিব তাহাতে কেই তর্ক উপস্থিক কয়িতে। পারিবে না। তলুকারে,তিনি প্রতিধিন চারি-টার প্রতিধিন বুকাইয়া পাঁচটা পর্যান্ত ছাত্রদি-গাকে বাইবল বুকাইয়া নিয়া থাকেম।

৫। এখানে চুরির অন্তঃ প্রায়ভার হইয়াছে। করেক দিন হইন, বাবুর বাজারের অন্ত
গতি পুরাতন হ'ল্পালের গলি হ এক জন ধনাল্য
মূলনানের গৃহ হইতে পাঁচনত সাভে ছাপাল
লাকা অপুরুত হইলাকে।

७। वानना प्रति १ व नवन छाज वानना छाबीव हिन्छ भरीकाव उन्हीं बहेवा छानावारमरक
देश्वाकी व्यवस्था करिवाक्षारम, छाहारम् श्राव बावकाश्मरे पश्चिम करिवाक्षारम, छाहारम् श्राव व्यवकाश्मरे पश्चिम करिवा गामा चढ्र छान्छ। मर्करे श्राव हिन्छ पाता भामा चढ्र छान्छ। मिन्ना करिवा कि कर्ष्ट्र कानवाभन करिए । जित्र विव हाजने श्राव श्रावक मारम्ब विवर्ध व्यवस्था श्राव भाव । कानविक मारम्ब वा ७। १ माम भरवत भाव। छाहारक छाहामिन्छ ममराव मनरव अधिमध सम्म छाना करिए हैं। भित्र मिक्न मनरा अधिमध सम्म छाना करिए हैं।

ণ। অত্রত্য ও তবসিয়ন্ত মধানর সরকারী সংক্রে আলস্য ও অনেক টাকা বৃধ্য ব্যয় কর। মপ্রাধে কমচুতে হুইরাছেন।

ह। त्र विशे कार्त निश्चित हैन निष्णुद्वन यानक हर व प्रदाित नहें रहेन्ना है। क्षेत्राद्वन करित्रने व कार्दे हे वाकिए दे दे नहिंद कर श्रु जिने देनर श्रु के कि कि है स्थारित दे खे है जारहर कात कराया का्क्यत हरताल कार्द्वाल क

अक्ट्रन निर्मित क्ष्मित स्ट्रेश, काइन प्रमा गाई उट्टा क्षमीनात क्ष्म जानूकना द्वात क्ष्मित क्षमित
১०। अवर्गरम् अत्मनीयविश्वरण आह्मक विग्राह छैरगांच अम्स शूर्कक छात्रानित्त्रय छैत्र छै भारत कविराज्य । अक विग्राह छित्राह कर्यर-

नार वृष्टे वेश्वारित इश्वीक वृष्टिकिश । निवन कारक का विण्डानरम्भ स्व नक्त काल नक्षित्र कित्र कारणम् अक काल सवन आक्ष वृष्टिके काण माने वालना कालीमद्दि लग्नीकाष्ट्र किली वृष्टिक शामित्र । कित्र अविकारम्भ कामक भाज केल लग नवम शास वृष्टिकरम् । करमर्क कालीसम्ब केलम्ब व्यवन्ति वृष्टिक्ष निवन्ति वृष्टि शास बाज कित्र काम (क्ष्मके निवन्ति कालीम-गरक अक अकथान महिक्किके श्रमारम्भ मिन्न श्रम्भ क्ष्मा वृष्टिक कामम्म करम्ब अविकारम्भ श्रम्भ क्षम क्ष्मा वृष्टिक नारम्भ करम्भ क्ष्मारम्भ श्रम्भ क्षम क्ष्मा वृष्टिक नारम्भ करम्भ क्ष्मारम्भ श्रम्भ क्षम क्ष्मा व्यवस्था करम्भ क्ष्मारम्भ

ज्यानुकच नःवाममा ठा निविद्याद्य ।

श्रातं ध्यमेनिय इरेप्रारं त्य, खळवनियात अ जानिशे में स्थिनियत छैक्टर्यत नियान छैलिछ रहेश ज्याल कार्ष्ट जालियान छैनियुष्ट इरेट्ट्रा वेटार जानिशे ने नार्ट्यय ८० शिक्षा वर्ष क्ष्य रहेशार । त्यहे ज्यालियार ने विटायकारन स्व खजनियात छीनुष्ट नवीयात्राय यूना (देनि अस स्व मण्डाल शिक्ष्यामी) यथार्थ मान्य अनाम क्यार्ट्य मार्ट्यय क्ष्यों स्वीश्री मानावित्र क्यार्ट्य स्टेब्रा तेरियार्ट्य । छीश्री मानावित्र जात्य स्व क्षिया अस्थानि विर्णां अस्विति-देनिय विकितियात्र मार्ट्यय मिक्षे स्थान क्षिया समित्रायात्र वाद्र महन्त्रक क्षियार्ट्य ।

२। अधीरन अवशिषात ज्ञांकान्य। ভाहात् .সংক্ষারার্থ ইট্রক প্রাকৃতির প্রায় ৪ বংসর ছইল প্রস্তুত ধইরা রধিয়াছে। কিন্তু এপর্ব্যক্ত কার্বন-इक रहेज मा। जान किছू पिन शिल एनरे नक्स सर्वाव के छिर्देश स्व कि बाज चानिएवं अवर्थ (वाप रत ना। क्षेत्रहे छारात वहनाश्य कुनार्ड নিহিত হইয়া গিশ্বাহে। এই শথ ভৰোত্মক হইতে व्यक्तिभेश्रत नर्गाक विस् क । ध्रमानि हेरा नरम् प बाक्ति एएथ कि शंड बर्ड इकिंक्कारम नवर्राः हैर हं स्माध्य छ वूंज तथा नित ज्यूनिया किया कागरबाद महाम् व्यक्तिहै गरु कड़िएक इन्न ? व र उन्होंचा दे किया विभिन्न क्षेत्र में निर्देश का सर्व जन शास्त्र काथ विश्वक्षित्र क्षित्र स्ट्राट व्यापाट श्रकायन्त्रम राष्ट्रविक्रके स्वरंग अहे नक्ष सिर द्वेखां क्षानाक प्रदेश क्षारानास्त्व वदा स्ट्रेशिय नेना रोष्ट्र मा ।

७। ५५ हे बार्क गंदेशना काणीरवाकात प गाची मीलको आटन लाइन नामाः मानक । रेवह बोब्दिक कृति भागिता व्यटनक वासिकः

बङ्शंकारवत्र सीधीत निकृष्टे श्राव नपूर्वत ल्लारकता डेख्न श्रूक्तिनी ना वक रहा अ अमा शर्पत्र (अमत्रत्यत्र निक्टि आद्वरम् कृति-রাছেন। উছোরা বলেন, এস্থানে বাঁহারা প্রভাহ वाबु (मवस करतन थे न क्ल शांत्र २६०। लाक भाग करवन। शुक्रविनी वस कतिरम क्षित्रम्य क्षित्र इहेर्द । क्षामना कार्यमन কারিদিগের প্রার্থনায় জন্তুৰোদন করিতে পারি-लामना । ककिन्नान भूकदिनीते जाम्हानिष क ब्रिया फ्रियरिंग भय्रतामा निया विश्वक सम कानभून करिएकः এक कुल जल नहेवात जनः অনাক্ষামিত থাকিবে। আপাততঃ পুৰুরিনীর शाएक (कवन खमन कम्रा यात्र, किख चाकां पिछ हहेरन समर्गत श्रांन शांत अ स्टिक हहेर्य। कि क्रिस कष्टे रहेटर गडा, किन्न यथन जाधादन छैल-কার লইয়া কথা তখন গুড়ন স্থান ক্রেয় করিবার क्रमा ७। ८ मक्र ठीका नात्र करा बात्र मा, अवर क्रीका क्रेट्स **७ भग्नः श**्राभीत विजय **भट्छ** ।

মাসি সাহেবের লাইসেক করের প্রতিবাদ করিবাব জন্য টোনহালে এক সভা হইডেছে। আম্বা ভরুসা কবি এডজেলীয় ও ইউরোপীর গণ উভয়ে বঙ্গংখ্যক হইয়া সভায় গমন কবিবেন।

ইংলিসমানের এক জন পত্রপ্রেক বলেন;
গত শনিবার এক ব্যক্তি ভারতবর্ষীয় সভায়
গিয়া অমুরোধ করিয়া ছিলেন সর সিনিল বীতনকে একখানি অভিনন্দন দিবার জন। তিনি চেষ্টা
পাইতেদেন । অভএব সভার এ বিষয়ে মাহায়।
করা উচিত্ত ভাঁহাকে বলা হিইয়াছে সভা ভাহা
কলিতে প্রান্থন না।

পাৰিশে প্ৰেমানা পেলায় জনেকৈ সর্ম্বান্ত হন। সম্প্রতি সানিলবো নামক এক জন বুৰক তুরক্ষ এক বাহিতে ৩,২০,০০০ টাকা হারিক্সা-হেন। এক জন গরালী জামীর এক বাজিতে ৬০,০০০ টাকা হারিয়া জাপনার পুত্তকালয়, তৈরেসালি বিসর করিতে বাধিত হইয়াছেন। তথাপি ছাত ক্রীড়ার কি আকর্ষণ, ধাহারা ইহা জানে ভানানা লোভ ভাগে করিতে পারে না।

্ বসংগণের জেল ইনশেপ্টর জেনরল ডাজর 'রুসিক্তা ও বিজ্ঞাপর মৌএট প্রভাগেমন করিয়াহের।

मद्यां मद्यां एतं अक सब किकिश्म करतं की किछिया गर्भ घंडा कर्यक्रम सुद्धत कि युव-बीएक प्रश्न कदान। श्रथत कामकृत्विया माज का प्रश्नि क्रफ श्रांनण्डां करता चात्रात्र नर्यम क्रिश्म भट्रमंद्र विश्व यात्र। सर्गतंन भावन्यद्रक प्रश्निक क्ष्मित क्षांत्र । सर्गतंन भावन्यद्रक प्रश्निक क्ष्मित क्षांत्र । सर्गतंन भावन्यद्रक विष्णाक्षम्, सीम क वेट्रा स्था स्थान्त्र करत्ने,

क्षि किष्टुरंड है विस्तृ गारवाधिक कम निवादिक कतिए गवर्ष इस नाई। खिनि चर्तन, तरकत गरिख किन ना विश्विष हहेंद्र बुकू इस मा। स्व गक्त चारत हैंदा इस ना, ख्यात खेवथ (मख्ता हत. म खारताना, खेवरथह खर्बत भूतीका सरह। गर्भ बरभरनत शक्ष खेतथ माहे।

হিন্দু পেটি রট জনরবে প্রবণ করিয়াছেন ই, বি, কাউএল সাহেব কালেজের জব্যক হইয়া ভারতবর্বে প্রভাগধন করিভেজেন। কাউএল সাহেবের এ দেশভাগ আধরা সাধারণ ছর্ভাগ্য বলিয়া ভানিভাষ।

गत छेरेलितम मूरेराज छेशवूक्कका महेग्रा देश्लिममान ७ भिन्ननिग्नरत्त्र मध्या विशाप इहे-· एट । পিयभित्रत मन **छेडे** निक्रम पूरेरत्त (काम लिय (मर्थन ना, इंश्लिममाम बर्गम, (मुविनिष्ठे বেতির সভা থাকিবার সমস্থে মুইর সাহেত বাবতীর কার্যাঞ্চার এক জন 'নহকারীর উপবে विराजन। काम शरकाती कतिराजन नाम छोहात निरुक्त क्षेष । विरक्षारकत मभरत क्षेत्र कांगतात খন্য খন্য লোকে কোন মধ্য হৰ্গ মধ্যে খানিডে गरितम मार्वे, पूरेन गरिएवं जाननात्र श्राप्त प्रयूपांत्र ज्ञवा चानिहाहिरमन। विद्यारीहिरभन्न मर्वाह वाचा टाराव काम दिन, किस जिमि जारा अफ मन्त्रस्था करतम त्य विद्धालियात खोरहरू वृठीर चाक्राक्रश्म। क्रिनिक्रिकार्यः नत्र छेहेनिव्रम गुरेदग्रव ७० अधीकांव कहा अवाहा । विद्यार छेशल एक छारात कांक जकन शानश्जानित महरू. জাঁহাব নিজের রিপোর ছইতে প্রকাশিত হইবে।

वियुन मिन्द्रिक गाउ व्यक्तिका विवास সভাবিগের জন্মরেধে বারু তুরার স্থামী বুদলির जानक जनन वृत्तारकत विवास अक छिन्द्रम सन । व्यावता व्यक्तिनन गृहः विक स्ट्रेशाय, वातु मानविश्वी त काराद काराय विक्रण ७ छर'-দনা করিয়াছেন। এখত জনজাতি কুয়ার থানী বলিয়াছেন বনি বেশুন গোলাইটি কলিফাডার नगारकत कामर्भ वन छात्। वहेरन चन्द्रभीत **উद्रक्टि (क्वम गश्रामभञ्ज भारत आहु।** अव कारनव लाइव मकात्र अहे क्यावान क्षेट्रकट्ट। पानक शिक्ष चारह। तमिक्षांत्र कामक इत्न, विकाल साम कर्रे প্রদান করে। কেবল জ্লোককে হাসাইতে পারিলে বদি রসিকতা হইজ ভাষা হইলে বাৰ্ডীয় মাড়াল ও গুলিখোর রসি হ হুইও। স্থান 🛖বঃক্তি বিলেৱে বিল্লপত ভাল লাগে, কিল বাঁহারা বিল্লপ चटनद क्षयान शतिवय कान करवन, कांग्संता नाथा त्रापत्र निकाम में स्थाप भीता की के बिल्ह्या शहि-शनिक हरेला यन कारक्ष मा करत्न।

३७ हे टेइज बल्लवात ।

গত ফেব্রারি নাসে উৎকলে ৪০,০০০ মুধু
চাউল নানাস্থান হইডে রপ্তানি হইরাছে। ব্যক্ত পুবে রাজ্য ত্যাগ করাতে কুব্কনিগের এক সক্ষাতা হইরাছে বে টাক্রার ৪৪ কের চার্ট্রক বিক্রীত হইতেছে। বে সকল স্থানে জলপ্রাব্দ হয় সেইখানেই কষ্ট রহিরাছে।

পঞ্চাবের অমীনার প্রভাগ দিংক ডেপুট ক্ষি সনব লিউদের নামে বলপূর্বাক চাঁদা আদায়ের যে নালীল করিয়াছিলেন, প্রধানতন বিচারালয়। আপীলে ভাষা অপ্রায় করিয়াছেন।

सवगत्त क्याणियां आखबर्डेरेसाय वर्णनः व्यावारे त्रमक्रस्त नामा आए छाड विश्वत कृता स्था देनेत प्रिवारक । मञ्ज्ञिक कृत्रशास १००० क्या कृता क्य स्रेतारक । क्या इरक्कि व्यक्ति स्था क्रा क्या स्रेतारक । क्या इरक्कि व्यक्ति स्था क्या स्रेतारक । व्यावारे त्रमक्ष्तर क्या कृति स्था क्या क्या कृताणि स्य सा ।

बाबादमांत्र (१वामा वर्तान, मान्न कि कलाका अक व्यक्ति विशेष मश्कांक किमनतरक ७००० हेक्ना छेप्टवांह विश्व हारिका आर्थमा महा, कथि यनत कारात अकी मक्त्रमांत्र करीत्र क्षान्त्रमा निकालि कर्तन। अ व, क्षिटक क्षानाविष्ट मह र्मन करा हरेहाएए।

উজ পত্র বলেন, সমাতি এক জন সর্ভার ১, ২০০ টাকা লইর' ২০ গণিত মোলকাজদলের সহিদ্যালিকের বেডন বন্টন ফরিতে ঘাইডেছিলেন এমত স্মায়ে করেক জন ইন্টরোপীয় জ টাকা বুঠ করিয়াছে। ইহা বৈনিক্সিগের কাজ।

कृषा निमेत्र निकटो करत्रकृष्टि कंत्रकात स्रितं श्रकाणिष इहेत्रारह । अ जनम स्राप्त राज्यस्य इहेरण कात्रक्षर्वत् क्याना त्रश्ली हहेर्ड भारितः।

সংবাদ আনিয়াছে। আমীর সিন্নার আগী বা দৈন্য সংগ্রহাগ বিস্তব চেষ্টা পাইছেকেন। তিনি দিংলামন পুনং প্রাপ্ত হই-বাব আলা আলালিও ত্যাগ কানে নাই, এবং ছিরাটের লোকেরা ওঁছার পক্ষে আছে। আব-ছল বংষন বা কাবুলে আকত্মন বা এক অভ্যানার কবি তেনে, যে প্রোক্ত করার ত,াগ করিয়া বাইছে উদ্যাত হইয়াকেন।

ইংলিসমান সংখ্যাদ পাইছাট্ছেন ফেইক্ষণ্টেই ফ্লীয় সেমাপতি অবৈণ করেন, যে জিইল গ্রহণ মেন্ট বেংখারার বিষয়ে হস্তার্লন করিবেন না, ভংক্ৰাৎ ভিনি বালাকে যাবভীয় ক্ষতা ও দক্ষান হইতে বাঞ্চিক কবিয়া ভাষণকৈ এক জন श्रमान क्रमीय कर्षाहादिव मत्ना भनिमेनिक कदि ক্লাছেন। রুশীয়া বোখাবার বাহিবে আপাততঃ ष्यअनद व्हेटिहान ना, किछ भारतना श्रमुक इन्देनाथ अक प्रम देशना शीवाग्न धः किरव । वित्र है मा नहेरल भवर्गमहे भा ना किर करूम मा।

উक्त भव बरतन, कमार्यास अर्थासनिद्धन সহিত গ্ৰণ্টেটৰ কি সম্ম থাকিবে ভাষা বিৰে চনা করা হইতেছে ৷ সাইডেৰ সদ্দীয়ার রাজা উপাধি রহিত কবিয়া উচাকে '' সিম ' উপাধি মাত্র দেওয়া হইরাছে। কিন্ত কথা হইভেছে नक्षीत्रभव स्थाविधि काळ कदिएस कि सा २

देख भज कृष्टेन इहेट्ड मश्वान भाहेबारहन, টঙফুপেনলে। পুনাখা আক্রমণ কয়িতে অঞ্চসর **रहेर्ड इस । श**ांठ कर दान अर्फ द छाहात शक व्यरमध्य कदिया मार्थाकावी रेमना (श्रवन कवि प्राट्म । (स्वत्राक्ष जिल्नि भवर्गमान्त्रेत मिक्ट्री শাহাষ্য না পাইয়া ডিকাডের সাহাষ্য চাহিলা-(FA |

फिटब्र डेटब्रब प्यश्तिपाल्यात्व भवरियके वनएए एन इन्द्रकर्षे निनित्रत हाज वृद्धि विकारतत विवास चारेन करन प्रदेश ? कतिशारहम । अपि गारम जात ६१ ह होका अ कनः (क्श्रम् इहेट्य ।

পরীক্ষা দেওয়াতে প্রধান নিক্ষক বাবু সংহ্মচন্ত্র। बल्म्डानीयाहरू ६०० होका नुबन्धात (मञ्जा रहेकाटका श्रवम (व्यवीत क्षत्राज्य जिक्क वाव ভোলানাথ পাল ছাত্রদিগের অন্য অল পরি-अन करतन बारे।

শাৰতা অভিশন্ন আফানিত হইলাৰ, বাৰ্থ-रबके बाबू भारतीय्यन मतकायरक भक्षम स्थानीय व्यवार्गक नियुक्त क्विग्नार्टन। (अमे वानारका छ নাপুডার মধার্থ পুরস্কার হইয়াছে।

গুয়াটগঙ্গে ভিন কন ইউরোপীয় নাবিক अक अन अञ्चलनीय वर्गिकत्र वामिएड इति করিরা ধৃত হইয়াছে। আলিপুরের মাজিটেট देशकिरगत विष्ठात कतिरवन ।

33 है है देख बुधवात ।

क्रविक्षा क्षविष हिश्तिम शराय हिन्दाक हरे-श्राष्ट्र । भीख दूताबाह भराष्ट्र श्रहेत्व । जामापि-গের টেলিগ্রাফের তার সর্বাদা ছিল হয়, রুশীর ভার অপেকায়ত উত্তমরূপে রক্ষিত হওয়াডে हे (हे जिआदक प्रश्वान ध्यंत्रात खातून जारांका-मित्र चामका नारे।

ছাকেল খোলেক এড়ডি ছারে নীরজা

करिशाव स्था सभीय महाहै जानव हरिकात वृद्धि जीव द्वारन हों भा कदिवात आका भिवारहरू। तभी य अवर्शन भ्रम जानियाक्ति शक्तिभिक्त ब्हीब्राम कतिवात यर्थाहिक क्रिडी शाहरकरहन । गुग्नाम । जन्मीयुक्तित मध्या अर्फन भर् वनीय अनानी श्राप्ती ७ वाकिविरमद्व जीवत्वर উপরে নির্ভন্ন কৰে না। অভ্যান্তার প্রায় সমাম। जितिम शवर्रामके क्रमीक शवर्गामके व्यापना भंड चटन (आर्थ जाहा जाहरा चटननी हमिश्रास् वर्गम करिए विवासि !

গোনবার রাজিতে বড়বাকাবে এক জন ধনী বলিকের বোড়শবদীয় পুত্র বিষ পান করে। মেডিকেল কালেজের চিকিৎসালরে লইরা যাইলে ডাজের ইওয়াট মাকেঞি ও যাবভীর চিকিৎসক ভাষাতে রক্ষা কবিবার চেষ্ঠা পান, किन्त नकलाई बुधा हरेता। इन्हणांता निस् अप কাটবিদ খাইয়াছিল বে ভাষাতে ২০ জনের मृष्टु, इब्र । मृष्ठ मह दत्रशास्त्रत इत्छ नमर्थन कता इदेशाटह । खीरनाक शहरक आध्र अ नकन वर्षेत्रा व्हेशा वाटक। व्यक्तव भूतिय (यन देशह ज्ञ अध्यक्षाम करतम। जात्र बाजारत विव

আখৰা কৃত্তকভা সহকালে স্বীকান কৰি-তেছি ভারতব্যায় সভা মাকনীল সাহেবের हिन्द्र कृत्वत करतकश्रीत हाज श्रदाभिका। श्रश्वाविक शतीबारमह होकीशांति श्रवांनीत বিবারে যে পত্র গাবর্ণনেন্টকে লিবিয়াটছন ভাছার अभवक सम्म भारेत्राहि। भवनत करम भानत। এ বিষয়ে হস্তকেশ করিব ৷ 🚜

वित्र कार्ट्यक्रेव व्यावादेवानीविर्वत अध्य-। ক্ষের প্রত্যুত্তর্বান উপলক্ষে বলিয়াছে কুনিও অনেক খৃষ্টীয়ানের সহিত উহার মতকে आह्र छथानि जिनि पृष्टीयान। मिननित्रन अस्तर्भ जातक काम कतिरणहरून । देशमधीत लात्कता कातकवर्षित विवदत मन्पूर्व जक्का हिन्दित वरेदत। सावकिमिर्डत भाषा अकृत्व পরিশেবে বলা হইরাটে "কলিকাতা ভারতব-र्वत्र जाममं नरह, देश चक्ररमरभद्रक जावमं नत् । म्ब बरमङ्ग--म्ब वरमङ्ग (क्य ?---भाष्ट वरमङ्ग পূর্বে কলিকাভার যে অবস্থা ছিন্ন, অক্ষণে ভাষা-गम्पू । शहिवर्ष इरेप्रास्थ । अवात्म क्रफ छेड्डि रहेरणहरू, अहे केवांच व्यावाहरत्रक वृचे स्हेरणहरू । बिम कार्ट्शन्तेत्र अस्तेरमत्र माधात्रभ घरणत्र आकत्र मार्थातन यस क्षेत्र एत अमे व्यक्तीत । मध्य क्षा रहेत्राद्य । यस अरमह नक्षा १८०० (नम्क देश्न ७ नटर, कलिकाकाक कार्म देवेटन।

क्ति देश्मरक्षत्र मक्ष्यरमञ्जू महोत्र अधारम खेन्नजि ना स्ट्रेश्न अ प्यम्भ प्रमान कहा । यादेश्य मा ।

जागांनी मार्क्षक मानु जबनि जारबद्धिकांत्र महानका जुनाह कत्र किंग्रेश मिटवन, काल रहेरन कांत्रकेंबर्दन कुलान कम नाक हरेरन। कुनात এও চাব कि वच स्ट्रेंट ? ना विविकान এখনও বুদ্দিবান হট্যা ব্যৱর কল করিবেল? खात्रजन्भीत भवर्गमण्डे देशमञीय अवर्गमण्डेत थामाथता, देशमञीप्र शवर्गरमन्ते मारक्षेत्रस्य एम करत्रन, कुखवार भवर्थायके अम्पान वरसात्र कम করিয়া উৎসাহ দিতে পারেন না।

কাৰুল হইতে সংবাদ আসিয়াছে আকস্থল ৰা কইজ সহসদ ৰাম সহিত সন্ধি করিবার চেটা भाइब्राह्म। क्ष्म वश्यम मद्भक्ति कांबून रहेटल ১৮ ক্রোশ বুর চারিয়ার গ্রামে আকর্ল খার বৈদ্যালিগকে পরাজিত করিয়াছেন। তিনি ক্রণ্ড काबुरमञ्ज मिरक कामिरण्डका। नित्रात कामी था দইজ সহস্পদেব সহিত একত্রিত হইবাব চেপ্টা भारेरकरहर । करेक यहचरत्रत्र योषारक जाकस्त খা ভাঁছার নিকটে প্রেরণ করিয়া প্রস্তাব করেন. ভাঁছাকে বাকের চিরস্থায়ী শাসনকর্তা করা **इहे**[व। क्लि फिनि अ श्रकार्य ननाज इस माहे। এখনত সিরার জালী খার সিংহানন লাভের म्बादना चार्ड।

यक्षणाईके वरमम, किनी व्यवधि शांकियांगर পূর্ব্যন্ত রেলওয়ে সম্পূর্ণ হইরাছে। সম্রাতি এক थानि क्ल से भवास क्लिशाहित। स्वास्तितरह মিরাট ও মুকুরি পরাত্ত বাস্পীর পকট চলিবে।

আৰম্ভ অৰণত হইলায়, সম সিসিল ৰীতৰ ৰারাগত ও বলোহরে শাবা রেলওয়ে দীত কবি वात्र शक्ताव कतियादक्त। अहे भाषात्री हरेतन कारतानम् नर्वकातान कं केर्यन गामिन कानान वानिका भूर्त वाल्या (सम्बद्धाः (कान्यानित अक किमा वार्षिया अहे भाषा कतिता कांक रहेक।

আন্তৰা অবগত হইয়া বলিডেছি লাভ নেশি यत भीक कातकबर्दय शक्त स्थानका स्ट्रेस्य, अ जरवात विवास । यह क्या जरतक जन्मूर्व श क वंश्यन अरमान बाकिएवन १

३.६ हे देवज मुह्म्मिविवात ।

১৮৫৯ স্থালে আনিয়ার্টক সোনাইটার ১৮০ চিনিতে শারেশ মাই। বেগত পারিম ফুলের জন সভা ছিলেন হত বংগর খণ্ড এবং বর্ত-মুৰ্গাত্ৰ, শ্লিকাতা ভাতৃৰ ভারতধর্বের মত[ে], গান বৰ্গে ৬৯৯ জন **মুদ্যান্তন**ৰ সভার গত কৰি श्रकान करत । अ व्यवश्रात शहिवर्ष इदेशा मर्केख (व.अ.व निवान व्यातक करतक व्यवस्थ मरमानीक श्रेको जांद्र ७ ७,२३२ शका आहे रहा जान स्वेशिन केवन अब अकान क्रिएक्स । जार-प्रम स्वित्र कुर्व नाजिशास्त्र देखिलान, विजीत जारेन काक्यति । केवली अव्हे क्रेड्स अवर प्रम-मान नारस्य प्रमाकत्मत कांत्र गहेतारक्त । गवर्न (मठे अ विषया १००० होको नाश्या मिर्कर्ट्स । केवल भूक्षक वामना क देश्याकीरक जल्लाम क्या कर्वन । यहनश्योकीयमिर्मात नरक जार-यस्त्र जारेन मरअह विरान केनकांत्री स्ट्रेस ।

উৎকলের বিচারপ্রণালীর উৎকর্বের জন্য করেকটা উপবিভাগ করা হইরাছে। চাকার এই প্রকাব হুইভেছে।

মাজ্রাজ গ্রণ্থেটের সৈনিক সেক্রেটারি দেজব জেনরল মার্শাল দীর কাল উভ্তমরূপে সাধারণ কার্য্য করাডে ভারাকে সম্পূর্ণ শেকন দেওয়া হইয়াছে।

গঞ্চাম প্ৰভৃতি স্থাৰ হইতে এত চাউল আম-मानी रहेटल्ट्स त्व शवर्ग्टमटलेंद्र ठाउँन व्यटनका বাজার সন্তা দাঁড়াইয়াছে ৷ কর্ম প্রায় সকলেই পাইতেছে। ক্ষিস্নয় মধ্যেরি প্রস্তাব করিছা-हम, ১६ पिन ज्यात शास्त्रक महिलाक ठाउँम पिल्या देवित । अ सन्। विकिष्ठे प्रक्रा व्हेर्व। वाहाता क्वन जावात महेटल जाहेटन नाहे जबह আখ্রের উপযুক্ত ভাহারা ক্রামের বগুলের সাটলিকেট আনিলে নাহাব্য পাইবে। জীলোক ও লিখাদিগকে খুড়া কাটা ডুলা বাছা ও নারি-(करनत प्रक्ति भाकादेश्य (नक्ता दरेश्यरह। রাক্ষণ প্রভৃতি বাঁহারা আত্যভিবান করিয়া काळ कतिराम मा छै।हात्रा माहाबा भाहरवस मा। কলিসুসর বলেন, অবস্থা জনেক ভাল হইতেছে। কিন্তু আমরা এক্লপ সংবাদ পাইতেছি না। অন্তর্ভার অবিক সংখ্যক লোক আসি-(एट्ड वन उ शांदन शांदन देहेट**एट**ड ।

সাপ্রতি বিচারপতি কেন্দা ও মার্করের নিকটে তোট নাগপুরের বিচার সংক্রান্ত কমিসনরের এক আমার অপৌল হয়। এক ব্যক্তির পুরের পৌলা হওয়াতে এক জন গণক ভাছাকে বলে, গিছিলা নামক ওকা পীড়ার কারণ। ইহাতে সে মিথিলাকে বলিল ভূমি যদি আমার সন্তানের এতি কু দুটি ভাগে না কর ভাছা হইলে আমি ভোরাকে হতা। করিব। ই সন্তানটির মৃত্যু হওয়াতে এ বজি মিথিলাকে বধ করে। বিচার সংক্রান্ত কমিসনর এ ব্যক্তির কালিক আমার সংক্রান্ত কমিসনর এ ব্যক্তির কালিক আমার দেন, কিন্তু বিচারপতি কেন্দা ও মার্করি বলি ছাজেন, বখন অফারা ও উপধর্ম হন্দার কারণ ভারন মানক্রীবন মিথানের বাস উপবৃক্ত দও হতার কারিয়া গানিয়া শুনিরা হতার সহিত এ হতার ভারনের এতিন আনিয়া শুনিরা হতার সহিত এ হতার ভারনের এতিন আনিয়া শুনিরা হতার সহিত এ হতার

থে এক ব্যক্তি এইরপ সংকার নিবন্ধর হন্ত হয়। এই সংক্ষ'র শীত্র পৃথিবীকে ত্যাগ করি-তেহে না।

३७ हे रेग्ज खड़नाद ।

আমর। বিশ্বিত হইলান, কোটনের রাজা নিরম করিয়'ছেন আনালতে নীঃলাজীরেরা উচ্চলাভীরদিলের নিকটে দপ্তার্থান হইরা নালীশ করিছে পারিবে না। কোটন ও জিবা ক্তুর এডকেশীর রাজ্য সমুহের আদর্শ। অন্তএব এ নিরম্পীত রহিত হয় ইহা প্রার্থনীয়।

উত্তর পশ্চিমাঞ্লের পুলিবের ইনশ্চের व्यवज्ञ नाप्रनिक विलाट वालक. वालका-निगरक रमना द्वलि व्यवस्था क्यादेशात क्या विक्रम ७ हित क्या विश्वन छैबार्डन महि। जानना বিভাগে ইহা স্প্রিয়া হয়, কিন্তু ভরতপুর ও ঢোল পুরের পুলিব ইহার নিবার্থার্থ সাহাঘ্য করেন না। গোরালিরর ভরতপুর ও ভোলপুরে এ প্রথা किनन क्षानिक चाटक । क्योरन क क्थारे माहे। जायबा फेक्सबाल जनगढ बहेबा दनि-एक , काचीरत वर्ष बाब कहिरत हव हम शह-বালের জীলোক পাওরা বার। সভ্যকথা বলিতে কি ? সম্বৌত অখাতাখিক বিপু চরিতার্থ क्षिवात कता श्रकामासरभ वानकनिशदक द्यमहायर ज्ञाचा रहा। छोड्।मिरशब शिफामा-चात्रा अहे भारभत महात्रका करत । गर्नायके वित्वरं सञ्ज्ञाकान कंत्रित कानिए शाहित्वन। किश्व अ अञ्चनकाम इत्या करिन। नकरनरे काद्मय श्रम्बाननात्र क्षीकनानी प्राधिवात श्रवानी चारक, किन्न श्रीविष किन्नू क्रिक्ट गारतन मा।

शवर्षत्र (कार्य (गटक के विकास किया कर्रम् द्वारात्र अन्ता कविद्याहरू । कर्रम क्रियारित वारा विकित कटक (माक मरभा क त्राक्षत्र विका किया किया कर्मा क कर्रम (क्यारित किया कर्म कार्य, कर्म कर्रम (क्यारित काम्यात्र क्या क्या क्या कर्मम (क्यारित काम्यात्र क्या क्या कर्मम (क्यारित काम्यात्र क्या क्या कर्मम (क्यारित क्याम्यात क्या कर्मम (क्यारित क्याम्यात मर्गम्य) क्या वर्णात क्या

উৎকলে চাউল লইয়া বাইবার জনা গ্রৰ্থ নেও ১,১০,০০০ টাকা দিয়া ছুইখানি বাস্পীর আহাজ জন্ম করিয়াছেন।

হার্বরাবাদের বিজ্ঞানকে গালী দেওরা অনে-ক্ষে প্রভাব আছে : নিজান তার চিত্র ভুক্ত কান করেন এ কথা আহরা অনেকবার আবণ করি । কিন্তু সম্মতি জিনি সর কর্জ ইউল ও নবাব লালা রজগ্রুক মহাস্বারোধ ক্ষরিয়া এই চিক্ত সর্বর

व्यवद्रशास श्रीकृषि पञ्च श्री श्रीम क्षित्राह्यः । ये केशनक्ष्य किन निरम्भ होत्र वात्रन क्षित्रहेत्रि लगः। नानात्रस्थानत्र निर्माणक्ष वेद्यांकाः-निमा चात्र नाहे।

क्षिणमत मरणानी ब्रायन, केश्करणत अनी-वात्रण बीजधान थात जहरण हारहन सा । अभीः वात्रणित अहि जिल्ला जनाता अहे-जना जावत वात्रचात अज्ञाविष्यत महिष्य हित्रज्ञांची बर्ट्यावकः कृतिक विल्लाहि । अभीवात्रण बुनिर्दन सी द्रा, कृषित केशकि । म कार्शनिर्द्भत कुक्ति। कुक्ति ।

১৭ টৈত্র শনিবার।
কলিকাভার পুলিবের ডেপুটা ক্ষিস্থার বেল্
জার রিবলি পুলিব প্রহরী, কর্মেইবল ও ইন্দেশ
টারনিগের সভানগণেব নিজার্থ একটি ও পুলিব
বিদ্যালয় ভালিভ করিরাছেন। ভিনি নিজের
বাবভীর প্রয়োজনীয় রুবা ও পুভক প্রন্
ভৃতি ক্রম্ন করিরাছেন। রাজধানী ও উপদার্থার
পূলিব কর্মচারিদিশের পুরুগণ সহজে বিদ্যালাত্র
করে যেকর রিবলির এই ইক্ষা। মেজর রিবলির
একার্য্য জাভ প্রশংসনীয়। ভিনিশ ক্ষান্তার্দ্র
পূলিবের ধর্মন ডেপুটি ইন্স্লেট্র জেনরল ছিল
লেন ভ্রমন ২৪ পরগণার এই প্রকার এক্সবিন্যালার
করে হালিভ করেন। ইয়াতে ক্যান্তর হার্ট্য ভারা
ভিনা বিভ অন্নপর্কত হাকে সাহেব এটা উঠাইয়া দেন।

াই ক্লোর বাবু গ্রদাবর বন্দ্যোপাধ্যার ছর্ডিচেন দরিত্রদিলের বিশেষ সহ'ক্তা জ্বাডে উহাতে রায়বাহাত্র উপাধি দেওরা হইরাছে।

मानकृत्वत अक कर्नेनद्वत अक श्राचा त्यानकृत्वत अक कर्नेनद्वत अक श्राचा त्यान क्रिया हिन । क्रिया व्याप्त व्याप्त अक्रिया हिन । क्रिया व्याप्त
ইউরোপীয় সমাচার।

न्धनं १ हे मार्ठ-- हिन्ति श्रीवादनर्थ (क्रिति ग्रामिट्रशत (शानर्याश स्थाननः स्थानक स्टे (स्ट्रहः। स्टानक शूनिय धाना स्नाक्तास स्टेग्नाइड इत्रम सुनिष्ठा रक्ता स्टेग्नाइडः।

লপুন ২০ এ বার্চ—হিচ্ছান, চীব ও জাপান ব্যাক্তর পরিশোধক বিজ্ঞাপন দিরা িজন নামে মহাজনদিগকে শতকরা ২৫ টাকা বিধিকদিলের সঞ্চোহার্দি বাখাই ভাহার এক ातिका महेत्व

🖟 প্রশীয়ার ভয়ার্টনবর্গের সভিত ৭ক সঞ্চি হুইষাড়ে: ইহাতে উভয় বাজা প্রশার বকা ও হন্ধা গ সাহায্য কৰিবেন :

ল্ভন ১০ ই মাজ - স্পানে সামবিক জাইন इक इहेश्राट्ड

इंश्लिख, काका छ लाविया जुलाक्त विवास 'পাম্পের কাদ্যপ্রথালী স্থিব কবিয়াছেন। কানা জার ধারতীয় প্রদেশ একত্রীড় ত হইবে এ জন। !আমোলার মহাসভা ইউনাইটেড প্রেটসের निर्माश मध्य दिरवहनार्ग अक करि निगुक्त ক বিয়াছেন।

মহাসভা দক্ষিণ বিভাগের পুনঃ ব্যােবজের विल विविवस कविशा श्रामनीय (भगानिकिमारक বিশ্বিত ক্ষমত। দিয়াধ্যে । সভাপতি জনসন क्रेटिक्टक्न ।

इंडेरिलीक्स महाम्रस्थात गुरुव गाम गाव शवर्य-প্ৰের পোষকতা করিবেন।

मधन ३७ हे शहः-- एनिशान (मोहायाः (नव হইরাছে। বিছোহিগণ কতক গতে প্রভাগমন क्रिक्स सम्बद्धारा क्रिक्टि ।

मधन ১৪ हे मार्क--- मिहत्वाएं अवजी খ্ৰম অনিবাৰ্য হইয়াছে: সাধারণভন্তপ্রিয় দল গ্রিকারা অধিকৃত কবিতেছেন।

मिन राष्ट्रिक नहीं देननाम प्रवित्त लील-ৰুবাগ **হইবে** মালকা করা হইতেছে

প্রেরিত।

ৰান্যৰয় খ্ৰীযুক্ত গোমপ্ৰকাশ সপাদক

महानम ममीरभम्।

 श्रीशास्त्र करफ, नर्गतक वृह्या কলেকটা থাবে জমণ কবিয়াছি, ভাষার বিকাংশ স্থানে পুরাতন জর, গ্রীহা এবা বস্তুর ট্রফুডি মাবাত্মক ব্যাধিরই বিশেষ প্রাব্স্য **ভাক্ত ইল।** সামি ইহাব এরুত কারণ অনু-কান করিয়া জানিতে পাবিকাম, অপ্রিদ্ধ ভতা नाव किस कांत्र किस्हे याग्छ मधास वैवर्गदम्बद्धेत्र कारमणाञ्चनादत्र नित्रद्धानीयः जु.सय हातीका नगरस नगरा मण्ल श्रीदकात कवि-होत्र निविष्य बादम आदम शवस्त्राना कावा। तिया थात्कम, उशानि का छनावायुक्तः। कन ीं ए रह भा। देशेव कावन कि ? खिळामा इहेटल ভিপাতা রোগের আতিম্যা বশতঃ আমস্থ

মাত্র উত্তর। পাষনা জেলাব অস্তঃপাতী বাহ, ক'লীনাথপুর, ধোণাকোলা, কাবারি কোপা भारमा প্रकृति कान, श्रदेश नहीं हा द्वारात करीन भीकी महीब देख्य दीवन नामध्मि मिटन हुई श्राद मर्गम कतिरम कारांव माम मा जाउरक्रव উদয় স্বয় : অভএব উচ্চপন্ত শান্তিয়ক্ষক মহা-भग्नित्शद निक्षे मदिनाय क्षांनी, काश्वा কেবল পানার কর্মচায়ী দিতের উপধ ভর্ম দান ना कविया चत्र गरचाल जानमनश्रेत्रक कव्या দশন কৰিয়া তৎপবিকারে মনে'বোগী ছটন। নত্বা বিচাবাসনে বসিয়া " অমুক স্থান পৰি কৃত ব্ইয়াছে, অবশিষ্ঠ স্থানগুলিব শীল रहेर्द » এপ্রকার বিপোর্ট শুনিয়া पुष्ठ रहेग्रा शांकित्म अधिकारम छे श्रकाह आहीत 'डेम रणूत्रन ও ভাতনা মদখলস্থ ছঃখী প্রজাপুমের সমূহ কপ্ত

२। जाहा । मार्ट्सम भश्चिष्डिन्दगत प्रक्रिमात কথা মনে করিলে পবিস্থাপের আর শেঘ থাকে यो, विभागता नियुष्ठ २। ७ विष्यानद्व भवनाभवन করিয়া মেটো আমীনের ম্যায় কত প্রকার কট সহা করিরা থাকে। অবচ বেতন পোনের টাকা गाञ्च। डाँशांता अध्य शुरकात्रम् अपृष्ठ कन অবলোকন পূৰ্বাক অভিবিক্ত লাভ প্ৰভ্যাশায় আগ্রহাতিশয় সহকারে কর্মেডে নিযুক্ত হল্পেন পরে ভাষার অভ্যন্তর ভাগ পরিদ্রান্য দেখিয়া নিরাশা সাগরে নিম্য হ্ম, তথন চোবের ফীলের नाम गरिएक भारतिन मा, रिनिएक भारति ना। रेशंद्र मुक्षा विनि वंश्मरत अक्यात शृतकात शास হরেন, তিনি ভাগ,বান্ পুগতন কথায় প্রয়োজন নাই। ফুডন এক্সী থেদের বিষয় এই সার্ফেল পণ্ডিভবিগের মানলিক উম্বতি লাভুত্তব নিমিত पैशिशनय शुक्रकारमञ्ज है। कांत्र मधा इहेरछ किह কর্তুন করিবা অমুমূলেরে একবার্নি সংবাদ পত্রি-কা প্ৰদত্ত' বইত, বস্ত্ৰতি ভাগা দোৰে ভাৰা रहेर उठ विकास हरेराना कार्य मिन्दिकी खेविकारी वास्त्रिक वृक्तिए अ शकात मीर्च कालागढ कथकिर एए जारना निका मछात्र छेभत নিৰ্দ্দৰ বন্ধায়াত কৰিবা সমূলে নিয় ল কবিলেন আমবা ভাষা নিশ্চর করিয়া বলিতে পারি মা। কিন্তু বৰা ছইভেছে পত্ৰিকাৰ মূল্য অনুপ যে টাকান্তলি থাকিবা ঘাইবে ভাষা পণ্ডিভগণের थाणा कि मा ? रचार्व विरवनना कतिका प्रविदत देश जाशास्त्रहे साना । त्यर्ड्यू छेरा छाशास्त्र পুরুকারের অন্যরূপ म'ত । পরিশেবে কুডাঞ্চি বিবেচনা হর বে, (व श्रांत महाचा क्राहिव महत्व

পুর্মাক নিবেদন আপনি এ হডভাগ্য পণ্ডিভদি গের প্রতি কুপা দৃষ্টিশাও করিবা কর্ত্তুপক্ষকে এতংসধ্য प्रदे এकी इः एवर कवा कामादेखन । हर्ड हि ह মিতাৰ বশৰদ नीन:-754.

मधान श्रम्बक निरंवनम मिन्र-

মনাশর : ১৬ ই মাথের সোমপ্রকাশ পত্রি-কার জী: খনে: স্বাক্ষরিত বে পত্রিকাথানি तिथित जाद्व छाहार् कृत तनभर्ष श्रम् ६ श्रामि लार्य क्रमाध्य मा वाकार्ड फ्रांडांक्कन পদবাসী বংক্তিদিশের অভিশয় কষ্ট চইডেছ " এবং ভত্তভা সম্পদ্শালী মহাত্মারা কিছুমাত্র উপায় করিতেছেন না । ইহা পাঠ করিয়া আমরা যাব পর নাই চঃখিত হুইলাম, কিন্তু আমাদের ছ: ধই সাঠ, আমরা ত ভাঁহানের সে ছ:থের প্ৰতিকাৰ কৰিতে সক্ষম নহি। যাহাতে দেশেৰ जल्लाम्य नाथन इत्र, श्राध्यत्र क्लिक्या नमुस्ति रहे, লোকের আন্থা বন্ধা হয়, বালকগণের ক্রশিকা হয়, এবং সাধারণের জল কণ্ঠ দুব হয়, তজপ मह९ कार्य। मानामन कवा भननानी बहाबाजिरशत भवम (भीत्रदेश विषय । अमक्न मश्कादर्श भना छ-भूभ इट्टल डीवारमञ्जलका कि मार्थकचा इंडर्ज ? व जार्र भरताभकारत वाश्विक ना इत्र रत जार थाकाय ना थांकाय वित्नन कि ? यांश्री अर्थ সত্তে সধ্যশিক্সার্থনত্প হাখুন্য, ভাঁহারা সক लात्र निक्छे क्रुणन विनिद्रा चुनिष्ठ रुद्रान । कृतन रामगाँखना शक्ष महीकानीमिरमन विकर अह প্রার্থনা করিভৈছি ফ্যাপি ফোনছপ অপনাম वार मा कविन्ना मुत्रनिमाराद्यत जन्म किया वाखाद निवानिनी, शहम शहिरेकविनी वानी वर्वभन्नी महिनार्तन जीशाता जाननामिरभन्न जिल्ल প্রায় কার্ণক আবেদন পত্রিকা প্রেরণ করেন তাহা হইলে বোধ হয় অনায়ালে কুতমনোরও **क्टेर**फ शास्त्रम । त्रांगी स्वक्रश शत्रहःच्याख्या ভাহাতে যে ভিনি ভাঁহাদের এন কট সভুত क्रान्त्र विषय आंख रहेवां क्रक्रित शक्तिस्थ এমত বিবেচনা হয় না, অবশাই ভাষার প্রতি-कारतत विधान कतिरक्त काश्त जरभग्न माहै।

বিভীয়তঃ সম্পাৰক মহাবয়। আপনার পঞ্জিका भारते व्यवश्रक स्वेमान, शंवर्गक बहुत भग्न शकारवा प्रभावन मधन क्रियातनीय कार्यवास जना उन्दर्भरमस्य अस् अस्त्र की विश्वंत ज्ञानम कविरवम, अभ्रम बद्धना इदैराज्यह । अति केन्न कार्वे। काराज गरमार गारे। किन काना विद्यान

DR WIN!

२३ मरमाहिक ः

" मक्तनां प्रकृतिहिताय कार्यियः .सरस्ति श्रुतिमहती न हीयतां।"

मानिक मूना । छोका, खिवन वार्षिक । • } काका व्यक्ति यांशांत्रिक वा डेका।

यन ३२१७। २७ व रिखा। ३৮७४। ৮ हे वट्टात

নলে মাসুলসমেত ছাঞ্জিল বার্থিক ১৩ ग्रेका बाब्राभिक १, छ देशकानिक ७५०

বিত্রাপন।

काराधकान यद्ध नाना श्रकात याजना, रायमागात्र प्राच्या ७ विविध नदश्यास श्राप्ता भारह ७ हरे(७८६ এवः এक्रम वरमावसः कः। स्रेज्ञाह्म (४, अञ्चलंद (४३) रेज्या करतन किक मिह नमानत मार्पाहे शुक्तकं मुक्तिकं कविद्रा स्वतिष्ठाः ঘাইতে পারিবে। ছাপা যত উদ্ধেষীও পরিকৃত क्रेट्ड भारत कविषक यहात उसी कतित मा। कांत्र व्यर्भन कवित्य मधुभाव अध्यक्त संविद्या मिट्ड भाविन, अष्टमारता काम वैश्व सा भवित्राय चौकात्र कतिरञ इंहेरव ना । यटमावस्त्र कतिरम কাশিও সংশোধন করিয়া দিতে পারি, সংস্কৃত ৰা ইংরাজিভাষা হইভে যে কোন এছ অপুৰান খবিরা ছাপাইরা দিতেও প্রস্তুত আছি, ব্যুত্ত काधिक इंहेटर ना। पि.ने भरखु उ वालना वा क्लिए कान भूक भूमित कविए हैका 🍑 স্থেন ডিনি কলিকাডা, সূজাগুর আমহাউদের पंक्रिय ७६।३ मर छब्रम कावाशकां ग्राह्म व्यवदेः तरमु छ विकासदा व्यायान निक्र । साक পাঠাইলে স্বিশেষ অবগত হইতে পাগ্নিখেন।) भा रेडख १२१७) ক্রিকায়েশাংন তর্কালকার ; मरसूष विनामग्री

प्यात्रक्ष वर्ष इहेटल की ल जीवली वर'हा-ीव প্রিবিকৌনসিলে আপীল সহক্ষে যে কোন বাংজিরা নিমু আকরিত সাহেবকে ভারাপন क्षिटिक हेन्द्रा कर्यन लीहाता करवदर्क छोहात নামে পত্ৰ লিপিয়া সরামৰ ডাহাৰ নিকট পাঠা-ইবেন অথবা তলিকাতার ওলাড় (অর্থাৎ পুরা-क्षत । भाक्षेत्राधिम हेकी हैं र बर करता (यमार्च क्योडेकिन अल्लाह्या नारह्यात्वत (अग्राह्य व्यवीर निकृष्ठे भाष्ट्रीहरेन कार्यात्रा उक्त मारहरस्त्र क्रिकाबाज भागित्या मिर्क्स ।.

अधिनादेन अस अव्यक्तिक शास्त्र इ.स९ बिह्नि का है हत्र्यत THE PERSON NAMED IN

নিউ এপপ্রিকারিস হল

भानता विनास स्ट्रेंड छैरकूट छेरा मुस्ता তুতন জানাইখাছি এবং পদীবামের ডিলেক্র अकृष्टिन स्ट्विशंत स्थाः नगम पूर्तः नासार्यह क्कि कम महत् विक्यंत्र कतिस्कृष्टि । सक्यंत्र स्ट्रेड टेब्राव कर्फ व छाहार मूना चत्रभ ,ताहे, इंदी दा दब्राफी हिद्धि भाशिहरम जामना अवह जानि महर भाकेष्ट्रिक भावि । वेशस्य मूना देशहोडी वानित्व हार्वन, वान्द्रा फाक्टारा छाराहित्वत निक्रे छालिका भावादेवं ।- ।

জার দি দম্ভ কোং। वछ्बाबात की है नर ७२ बाही।

उद्यन्दिए।

क्ष्यक देव दिया के बाकामा क्ष्यवान সহিত, সংকৃত কালেজের ক্ষা ডি শান্তাধ্যাপক ত্ৰীযুক্ত ভৰতচক্ৰ শিরোধৰি কর্তৃক সংশোধিত। र्वन्त्रेनिया मश्कृष्ठ भूषकानाय विक्रमार्थ माहि। मूना ७ इह गेवा।

व्यानक्रमाथ नाव्यक्रायम ।

पर्यागायात्रवात खाड करा बाईएडएइ ए. कामानिराय मुद्रिकामी विषत माश्रा कहके मानुल-नगत. विक् भुद्र, दश्मी त्वभुद ऊव द्वभुद्र माभिन रा नथल विका सभी अवर प्रकारवार्ष रा ठक আছে ও পরগণে যুক্তালাভা হনাংপুৰ এভূতি স্থানে বে মহত্রাণ বর্জ ও ঠিবা এড়তি জাছে ভাহা আমার অস্থপন্থিতে বেং অমতে বদি আবার জ্যেষ্ঠ জাতা বিস্তন্ন কলেন এবং বদি (कर् छार्। चतिन ऋदेवन (म पाछिन, मोम्<u>स्</u>यू श्रद मधान स्रेटन (चड़ी

कर्यक मान मजी उ रहेन, कतिकालाय विम नवी नका इंदेरक स साहेदन महीकान मानि-ডোবিকের এক সংবাদ প্রকাশিত হয়, বাহারঃ ভাষাত্তে প্ৰতিযোগিতা দৰ্শাইতে চাৰেন <mark>ভাষা</mark> निगरक प्रदेशक कहा या**ईएछट्ड (व, क्टेक्स न**हीँ খা সাগামী ৬ ই ও ৭ ই মে কলিকাত মিছে-তলা কি চৰ্চ ইনতিটিউসন্ নামক বিদ্যালয়ে हरेरक। २० अ अरक्षक नर्गाच नित्र चांक्तिक वाकि क्षेत्र भन्नेकाचीक्रिक्ष नाम क्ष्मी तिकिष्टे और ज निर्धेष क्षेत्र । शहे कावी विक्रिन विक अक सम छाता और कार्ट कार्टिय नहींका

रमन नारे करे मार्ग जारात हा न किया करनारमह প্রধান শিক্ষবের স্থাক্ষরিত এক থানি সাচি--क्टिक बानवन कहिएडं इट्टेंग, अवर नाम अब्रि ষ্টগী করিবাব পুর্কে পরীকার কি॥• আনা জনঃ विद्या वहेरव। ७ वे (म क्षाफेशकारक केंद्रे कें होंचे । ममग्र भरीकाथी निगरक छेभक्कि १६८७ जन्न-द्रोष कता यहिएछएक । क्रांत्रक, क्रांत्र, व्यर काली धाराम कहा पाइटवा

कि हर इंगिए हिंदिनमें কলিকালাত বিসমী किनिहास कि १४७१) मखात मण्यान क

-- :0:---

ठेनर्रा-हा १९ए छ शुक्रकानाम ४९ स्वीं 🤠 👁 মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুস্তক্রলি বিক্য क्रेएएए६--

अभी ख এী সই ডিহাস বোমই ভিহাস कुर्वनगांच का कहन নীতিসার (১ ম ভার) নীভিদার (২ মু ভাগ) প্রচারিত। मुक्दबीर ब्राक्वन

अपात्रकामान नर्भात

গৰুকের পরিদর্শনার্থ ডিন জন ডেপুটা ইনস্পে-हेत नीख निवृक्त कहा रहेरव। श्राटक मानिक (बक्त १८, डोका अनर श्रीवृत्त्रनीय नियमिक শাৰের বার পাইবেম। কর্মাকাজ্যিকণ নিয় शास्त्रकातीत निकृष्टे य य पारतम्ब भ अ थ्यातन अविद्युत्त ।

क्रिकानीकास मृत्यानावराष्ट्र भार्त्रमाला नम्टर्द हैन एम हैव

বোরালিয়া। ১ লা এপ্রিল 3849 77 I

इंग्रेडेलियान ज्ञानव्य विकाशन।

न्याभावनक व्यवश्य क्या वाहेत्यक व শুড় জুটাইডের দিন রবিবারের ন্যার গাড়ী সকল हिन्दि ।

(बार्ड कर अध्यक्ती সিসিল কিফেন্সন रहेरे विमान (बन कर्य 74.45 क्रिकाछ। ६ हे अध्यन 32491

इस्ट्रेकितान् द्रागश्रद विकाशन।

मर्जामात्रवाक कवशक कता याहेरकरह (ए. कड् कृदिछत कना वित्य वत्मावछ श्हेत्रा अर्डे अरक्षम प्रश्मिष्ठियात्र क्षिमाछ। किश्वा সাৰভাৱ ষ্টেগনে বে রিটরল্ টিকিট বেওয়া बाहेर्द, फाहा दावा २२ अ अटबन मामबाव प्रदे बार्व तांजि नर्गत श्राप्तानम कतिरम ं इनिद्व ।

द्वाष्ट्र कर अदर्शन इक्षेक्टियान (ब्रग्रहर्ष क्रिकाडा ६ हे अध्यम ו רפשונ

बक्द नुवान त्रवाक्दत्र श्रथम चल मूजिक क बाहातिक रहेत, कालियारन अहे शरवन अन अक वर्श क्षकामिछ इंदेर्न, अछ धर व विश्वति প্ৰাছক জেনীভুক্ত হটতে ৰাসনা করেন, গৈহার৷ खाबाद्र निवृत्तिचिष्ठ चाक्रित चचवा नामवाद्या बेंच बाचामा विमानएव भन्न निविद्या छेशारछ बामचाम ७ वामित्र बंदत्र निर्द्धन कतिहा मिरन **शृक्षक** (क्षत्रन क्या वाहरन। विरम्भीत वाहनगन क्रिप्रकृत बाह्मन दिश्वा व्यक्तिय शर्विक किश्वा · बाबराजिक बनाइ ब्लंडन कतिरम अस्ति वादन शुक्त कृ

बाजगही, विनामभुत्र अ तमभूत्य विकासमा आश्र स्टेट्न, देशात मानिक मूना ॥- जारे जाना चित्र वार्षिक मुताद लोड डोको ७ चित्र वान्। সিক সুলা ২৬ ছই টাকা বার আনা বারে। বাঁচারা आहरु (अनीकुक ना हहेदन 'दाहानिनाक क्षकि यथ।। । भन जामान उत्म कतिए वहरद।

> ১২৭৩ সাল) জীবামদেবক বিদ্যারম্বর (श्राम कू किंद्रा रित्रिक्त बस्ति १। ३ वर ভবন পুবানঐমাকর আফিস

> > ----

नर्ते मार्वादनक काछ कहा बाहेत्छह (य. मन शास्त्र २ - अर्थन छावित्य (यहा 22 चन्हें व শময় মোকাম বৰ্ষমানের একজিকিউটিৰ ইজিনি ब्रांव न'दरदवर का किएन सन्नाहोत्रन @ मारमाम्ब नरमत मध्य के बाकी ख शाहेबानि नामक था-लाइ गम ১৮७१ गोर्गद ১ मा या खर्भि गम ১৮ ७৮ नारनत ७३ मार्ड नर्गाच ३३ मारमत निविच माञ्चल जानारवत देखाता क्षकाना निनारम विनि कदा वाहेरव

প্রত্যেক নিলাম ডাক্রীয় ব্যক্তিকে নিলাম जात्रस्थ व शुर्ट्स ३०० भक्त है।का जात्रावस्य कति (७ वहेद्य, अदर याश्रामित्शव छाक व्यक्षांश कहेद्य ख शांभरण इ आयामणी हाका स्वत्र स्वत्रा बाइर्टर, बदर एक भर्नद्र निमान काकभीवा ব্যক্তিৰ জামানতী টাকা ইজারার প্রথম क्टीत शतिमार्थ सामिनी होका जानाय निक (क्वण (क्वज़) यादेव। छेन्द्रिटेक विवस्त्रत जनामा मरवान मिद्र चाक्तिक मारहरवर मधील शास रहेरन ।

> खीवुका अस् अम् अवाहन नि, है, अकीर अक्लिक्डिन देशिनयुत्र, नारमान्त्र किविसान।

সোমপ্রকাশ। २७ अ टेम्ब (मानवात । भवर्दमरानेत द्रायम श्रमानी। कृषि। श्रथम श्रस्ताव।

श्वर्राया अवस्थित ज्ञास्य व्यवस्थीत ज्ञार **दक्तल स्वरणंत्र खीर्हाम ख लारका** मिकांगा मह, धर्मनीष्ठिक व्यानक वर्षा निर्कतं क्रिएक्ट्रा भवर्थस्यके स्थारम क्षतिहा कत्र काशांश करवत, अवर दक्षीरस निव्यक्तिक चारा चंट्रिका चित्रक भविद्रा कत निर्दातिक रहे क्यात लाटक व्यक्ष भार (भागन क्रेड्स मर्थ देनक्स क्षेत्र दात्रा देश नथान व्हेत्राटक। अव-र्गायाच्या वार्या धाराणीरे नाबाहरणा वरे निया अइंडिंग मून, बक्या स्मान् वाकि अजीकात कतिर्वत १ रवस्टा अन-**ज्ञान प्रतात एक गृहीक इत, ताहे-**थारमहे काताहै वानिका एहेबा चारक. বে দেশের ভূমাধিকারীরা যতদূর পারেন खिरिया कत धार्ग क्टब्रम, त्मथानकांत्र क्रवरकत्रो पश्चिम ७ व्यथ्य एता। अहे मक्स विद्वा कतिया पिथित आभाषित्र **এই गिष्ठांड क्तिएंड इत्त. छात्रछ**वर्षीत भैवर्गमानीत प्रांचय मध्याच प्रांचनीति শাকাৎসৰল্বে লোকের বছতর অনিউ गांधन कतिएछए। भवनीयकेत वाक्य ग्रवार्त्र वह क्ष्त्रकृष्ठी श्रधान छेशात-**जूमि, एक्क, जांदकांत्री, लदन, जहिएकन,** केन्नि वन, ७ लाक्टमका कन्न। मिडेनि-निर्माण करतन विषय अञ्चल विरविष्ठ হইতেছে না। গবর্ণমেন্টের জুমি সংক্রাপ্ত बाबनीजि गर्बाराण क्षणरम्भाग नाइ। वक्तारण गवर्गायके समीमात्रमित्र महिष **रित्रकारी वर्षावक कतियारकत. विश्व** ष्या थ्या टाराण मिशानि वत्मावक त्रहिताद्य। जभीनात्रमिश्रक कृषामिश्र व्यमान क्या हरेग्राट्स बट्टे. क्यि शंदर्व-**(म**न्छे ১१৯७ **चटकत ১৯ चारे**टमत (र्<u>ष</u> बारन न्या छ। कर करिवारहर, छ। दावा নিষয় ভিন্ন যাবতীর ভূমির উপস্থান্তর অংশ পাইতে পারেন। প্রকৃত অধিকারী গৰণ্যেন্ট, ভাঁহায়া এই অধিকায় সী মাৰভ कतिवा समीनात्रमिटमत सटख नमर्गन. क्त्रिवाट्या । य च्ट्रण किवन्हांकी बटका-वस रहेबाट्ड, त्महेबाटमहे समीलाविकः নের কড়ক ভূমানিত্ব পরর্থ হইয়াছে। यक पिन कैंक्षित नेत्रकाती ब्राक्य रिटन्स **७७ दिन समीपाडी (जान महिटेज नीडि-**(रम। छाहाताः नेप्हा कतिया ১৮১৯ **परचद ৮ पाइन पट्टनारन हिन्छात्री** कृत्य क्षानीक्षांति श्रेष्ठनीः विटक्त शासनः।

३, ८३८ व्यास्त ३३ व्याहेटन व मर्च करे. क्यीमातीत अत्नक अधिकारी इहेटन উ্হারা ভাষা নানা অংশে বিভক্ত क्रिया महेट मनर्थ हरेतन। এ প্রণালীতে দেশের অনেক মজন হইয়াতে, আমরা श्रीकात कति, किन्तु देश एमा मार्थारटना উপকারকারিণী হয় নাই। ভূমির প্রীর্তি बास्ताताल कृतत्कर शिकास्मर डेशर निर्देत करिएकरहा लाउँ कर्न अधानिम মধন চিরস্থায়ী বলেশবস্ত কবেন, তপন कृषित उन्नि माथन विदर भाषानिन-গ্লে কোন প্ৰকাৰ প্ৰতিজ্ঞাৰত্ব কৰাইয়া লন নাই। বেছলে গ্ৰহাৰ সহিত মৌৰণী बटकावस नाहे, तमदत्म करीनाव गरुपुत भारत्य क्रबन्। ১৮३৯ यहक्त ५० व्याहेन क्रुमक्षिराव यूविशांत विविव व्हेराट्ड बटे, कियु अटनक विषद्य डाइनि लाख बाब इब बाई। करहिन अयाका छाडानि গের দ্ববস্থা স্থান রহিংগছে। প্রজাব विना পরিত্রমে ভূনির মুক্ত, देश পারিকা भक्ति ७ डेश्पन्न जतात मूना हिन कहेतन কর রুদ্ধি হইরা থাকে। বেইলওবে প্রভৃতি क्देटल प्कृमित मृना दक्ति वस यथार्थ, किन्छ व्यवात (हचे। वःडिटत्रक एथ्यापिकः अख्यित श्रीप्र वृद्धि एव ना। व्यापेत, स्टामांत बानित्यात छेशटव छेश्शत छटवात मूत्रा निर्देत करव व कि. किन्दु अनुः। वन व विष्ः। **(मिरिल श्रकार (इक्षारे हेहार ह**ें विना) व्यक्तिमान हा। सनीलारहरा धाया छ कृषिकार्थं व दलन उद्गीत करलानात्रे, अभव पूर्ण छे इंग्लिंगरक यन अधित ক্ষতা দেও াতে আনিউ ঘটিতেছে। স্তুষ্কপণ এতনিন কেবল কৰ্ম্ম ক্ৰিয়া कृषिकार्या मानाज कातथा कामिनाटक, मखाँउ म्हा वर्षा वृद्धि हर्षाट **प्यान्य कि है कि हू मून धन मर्बा**ष्ट्र परिन-सारकः किंद्ध क्योताद्वता कत इक्षि क्तिए नाराम विना। डाहांता. अहे सून ধন বিনিয়োজিত করিয়া ভূমির উল্লাভ

माधन कतिएउ माहनी इस ना। (दाध कत थक वास्ति विखव बाग्न कहिया वांधी. ৰাগাৰ, পুকরিণী প্রভৃতি কবিয়া ভূমির উন্নতি সাধন করিল, কিন্তু জমীবার তথ ফণাং কর রুদ্ধি করিলেন যদাপি আপা ততঃ প্রজাদিগের স্কিত চিবছায়ী বলেশবস্ত করা অভিমত না হয়, তথাপি बरे नियम कहा डेलिड, य कुटल खरी-নার সাক্ষাংসক্ষো ভূমির উন্নতিনাধন ना कति वन, रमशास्त्र कत वृद्धि कतिएक शांवित्वन न। अधिकांद नियम ना थाकारक क्रमीबारवड़ा सनम इहेगा (कर्व करनत প্রতি দৃ.के কবিয়া আছেন, প্রজা-বাও করবৃদ্ধিব ভয়ে তত পরিশ্রম ও অর্থ वार कतिएउए गा। आसामाटडत दिक-छेति सिथित म्मा के कांना योग, कत वृद्धित नालीम हरेटन यानटकरे जक हाटन २० वरमदात माथिना मिता विकाशी बरमा বস্ত প্রমাণ করিবাব চেটা পায়। আমরা উত্তৰদ্ৰপে অবগাত হইয়া বলিতেছি, একুপ करत काल पार्थिका विख्य गरुक्तात उपश्चित हा। आहेरनत (मार्य ल्यांकिय कि १ এक वास्ति महत्य महत्य होता दाग विविशा हेमांब छ छेम्।ाम श्रीकृष्टि केविन. তাহার প্র কর রুদ্ধি হইল, তথ্ন কেবল रें ७ कार्छेत गुना माज थाकिल, यूजराः আখারকা ও স্বার্থবক্ষার জন্ম নানা অসং छेभा व्यविद्य हर।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চল, উৎকল, বোদাই
প্রভৃতি প্রদেশে মিয়ালিবন্দে।বস্ত আছে।
সচরাচব ৩০ বংশর অন্তব বন্দোবস্ত
হয়। পাছে রাজস্ব রুদ্ধি হয়, এই ভয়ে
জমীলারেরা বন্দোবস্তের কয়েক বংশক
পুর্কার্যাধি ভূমি পতিত কবিং। সাধেন।
ইহাতে রুনি ও বানিজের অভিনা কতি
হয়, ভাছা বলা বাহুলা। বন্দোবস্ত হইবার সময়ে মিয়া কথা, মিয়া মান,
মিধা হিনাব ও উৎকোচ প্রভৃতি দেওয়া

रहेबा पाटक। एव छ तथादन क्वबृद्धि হওয়া উচিত, দেখানে ক্ষিয়া দ্বার্থ यिचार्त एउदा डेडिड मह. रमधारम इक्डि रत। वही (भावतीत अवसा। देशायः क्राक ७ क्रमीमात उक्तात्रवर्षे यादात निक् नारे कछ ७ वर्ष कडि स्म। पनश्काति-রই লাভ : অভএব গবর্ণনৈটের রাজন্ব श्रानी १३८७३ धनाश्रुकार इसि इहे-उद्भ कथा म्ल हो जिसादन बना या देएक পাবে। রায়তওয়ারি বন্দোবস্ত ছতে क्रारकता माकारमयटक श्वर्गत्मकेटम स्व प्तता नामाटक अवर्शियाकी वानमस्य-ममुक्त এरे वरकावस चारह । त्रवामक्स क्रुवक्षिरभारत इत्रवद्यां नीमा मारे। जाहारा कथा एक द को बन बातन करत **এই माज। তবে यांश्री भाग लुकारें एक** नारत, यथवा डेश्टकांड क्या छाशांपिता. वह तथा, प्रतिम ७ मद क्रवटकत करखेत नीवा थाटक वा। এই समाधुका स्वाथा करें उंडराइ क्रेटिस १

ला.च ाक वाटक वाड क्रिवांत व्यवा-लीत विवय यानकवांव मामधकारण प्याप्तानिक हरेगाए । वक्तावा अन्दर यदक्त विरम्नाटहर व्यवस्थि महिरा इत, এ (या अत्नर्वे श्रीकात कतिहारम्य १ গ্ৰণ্ডেন্ট এক্ষণে লাখেরাজ বাজেয়প্ত कर्ववार ' हो वर्षि इ: छाश क्रिश. ३৮०२ 'अटकत १५ माहेन व्यम् हिंशक ।) १ । इहिन्दि । (वाशाई-भारत स्थान कि अने धवन व्यादिक में के छे छत् পশ্চিমাঞ্চল । জ্বাড বরিবার প্রবাসী কত অনিত া ন ক্রিয়াছে ও করি-८०० छाहा । यात्र मा। लाटबडाक वारमञ्ज ६ ६: क्यीमांत एकाइ निक्टि जुडम रा ार्थना व दलन। शुर् महत् थालान निकात विशाहितन, वार्थितांक वार्ध्वया होता कि ववत्नी कि भिन्नाकी रूप अध्यावहे चल लाश হইবে। ইহাতে শিশুর লোকে ক্ষতিগ্রস্ত

ও নাধারণে অভিশয় অনম্ব ই জুন
ভাষাতে ১৮৫৫ অকেব ১০ ই জুন
ভাষানতম বিচারালয়ের পাঁচ জন বিচারপতি নিদ্ধান্ত কবেন, লাখেরাজ বাজে
অপ্ত চইলে প্রজার হল্ত লোপ হইবে
না। কিন্তু ভাঁচারা অস্পটভাবে এই
অভিথান বাজ্য কবেন সরকারী বাজপটা
প্রজার দেওনা কর্ত্তবা। এভদ্বারা কর
ভার খের দবিদ্রো করেই পতিত হয়।
স্বস্তাতি বিচারালয় পুনর্কার নিদ্ধান্ত
করিরাছেন, চিরস্থানী বন্দোবস্ত অবধি
বে প্রজা এক হারে কর দিতেছে,
ভাঁহার আর করর্ভি হইতে পাবিবে না।
এইটা যথার্থ নিদ্ধান্ত। কিন্তু এটা স্থিবভর করিধা রাখা উচিত।

यां भरा এडफर्न (स क्या कहिलां म, ভাষার উপসংখার এই, সাকল্যে বিবে-হলা করিলে ভূমিদংকার রাজস্বপ্র পালী প্রাণংসনীয় নয়। কর ভার বাহুল্য क्राल प्रतिष्मत करना भेडिड स्त्र। क्राय्व चुक्तक्रम निर्मा नाहै। क्रमाधुकात क्षञ्जा स्रेटिंडरह। व्यापना वावशांत्र विवादिक, 'ডুমি সংক্রাম মাব-গীয় আইন একত্র क्रिया भवर्गामके क्रमीतात ७ अकार প্ৰত্পর সম্বন্ধ তথ্য উত্তপে নির্দ্ধানণ করন। क्यबृध्वित विवरत अधान हम विहासत्तित देवताभिरकत्र स्य निकाय कतिवार्छन. खारा चार्याक्टभव चार्ज्याकिक नम्। क्छिकत हिंदी क्रिया नामेज्ञरण निवय করিয়া বেওরা উচিত জনীবার সাকাৎ नदरका कृषित केंद्रकित शहराया न। कतिहल कत्र द्वाच करिट्ड भारिद्वन ना। धरे **উপান অবলহন না** कतिहल ভাষাদিগকে इतिकार्या अञ्चलक कता याहेरव ना ७ क्षकांत्र सूचे सम्बन्ध कहेर्य न।। मण्लेलित शुना ७ चौहांत्र महिल मांथारन तालय বৃদ্ধিরও বৃদ্ধানা নাই। কর ছির করিয়া बिटन दन्दन द कृषित भूता इदि इत

ও সাধারণে অভিসম অবস্থৃত হন। বিজ্ঞানয়রপুমেও বিস্তর টাকা সাধারণ আছাতে ১৮৫৫ অকেব ১০ ই জুন ধনগোরে আসিতে পারে।

> নিক্জনিগের বেডন ছবিব প্রস্থার। "আশা হি পরমং ছু,ধং নৈরাশ্যং পরমং স্থাং।"

त्य ममल लिकक (६७म इष्टि इरेटर विवास जामाज्य इहेग्रा कछ भारेट इ हित्तन, डाँशहा वहे लोकार्क भाठे कहिया চিত্তকে নির্কৃত করুন। আমাদিপের এক बन পত्रदाबक ब्रामन, (भार्रकार প্রেবিত স্থলে দর্শন করিবেন) শিকা-वार्यात जिर्देश बार्वेक्सन मारहर भिक्षक्तिया (वंडन इष्टित निभिन्न to राकात छाना छारिहाहिटनन, वटक्टंडे তাহা অগ্রাহা হইয়াছে। অগ্রাহা হইবার কারণ কি ? পত্র**প্রেরক** ভাষা কহিতে-(इन ना। (वाथ इश, जिट्टेंह स्थाविधि काधा ना कतार्डि क्र उकार्या इरेट्ड পারেন নাই। তিনি সামান্যত: ৫০ হাজার है। का ना नाहिया यदि निक्कितिश्र শ্ৰেণী বিভাগপুৰ্বক যত লাগিৰে ভাষা धरिहा आर्थना करिएडन, आर्थना पूर्व इंडेड मान्द्र गारे। धार्माप्तित विल क्रन (बाद हड़ेट डाइ, डाइ।त अक् भानमा (मा:व এই घटना घटियाट ।

একণে বক্তব্য এই, এ বৎসর যাহা

হইবাব হইয়া গিয়াছে, কিন্তু ডিবেক্টর

বেন এ বিবরে উদাসীন না হন। উচ্চত্য

শিক্ষকদিগের শ্রেণীবিভাগ হইয়া বেতন
রুদ্ধির নিরম হইল, বদি অধন্তন শিক্ষক

দিগের এইরূপ নিয়ম না হর, কেবল বে
পক্ষপাত দোষে দুষিত হইতে হইবে
এরূপ নয়, এডুকেশন ডিপাটমেন্টের
বাঞ্চালুরূপ উন্নতি লাভ সন্তাবনা নাই।

যে হেতুতে উদ্ধিতন শিক্ষকদিগের শ্রেণী

বিভাগ আবশ্যক বলিয়া অন্থারিত

হইয়াছে, অধ্কান শিক্ষকদিগের বিরম্ভেও

(नई (हजूत मच्नूर्न मस्ताद चार्ट्स। मक्ष्यत्वत উन्ने जिथका निक्तिराज्ञ উন্নতিরই একান্ত পরতন্ত্র। অনেকে সাহায্য দানপ্রণালীর নিভান্ত পক্ষপাতী হুইয়া-हिन। देशंटिक किंछू कांच एरेट डाइ ना, এक्षा आमता करिट्डिছ ना। किन्न हेशटङ (य वास वरेटङ्ख, भवर्ग्यक निरम যদি ভানে ছানে বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠিত ও বার্ষিক বেডন বৃদ্ধিব নিয়ম করিয়া ভাগ ভাগ শিক্ষ নিধােশিত কংতেম, पिष्टे व∙ एवं व्यक्तिक को**ल हरे** छ मत्न र नाहै। वर्डमान मार्शय मान श्रेगांनी चारन र छील धर्मनी कि विक्रम्ब वावश्रदात्र উৎসাহদান করিতেছে। অনেক ছলের শিক্ষ দিগের বেভনের অন্তর ও বছি-जीव हेराव अरु डेमार्डन। यांवर शवर्ग (मन्छे निएक विकासरात कांत्र ना लहेटल. ्हन, **जाव** श्राप्तिय निवादन मञ्जादना नारे। १४ वर्षमणे निष्य छात छा इव कतिया दिष छेलमक्राप कार्या निर्माह करतन, व्यानक चरन हारत्वा बाह्यामिक विरक्ष व्यक्षिः (४७न मिट्ड श्रीद्ध) देश दिनाः नर्भित नाग निर्कार्यत्र अवनी अधान উপায় হয়। একণকার মত এত ইনস্পে-ক্টর ও ডেপুটি ইনস্পেক্টর রাখিবারও अर्शकन इम्र ना, ভाशास्त्र श्रञ्जानिष्ठ বিদ্যালয় বারের ববেউ আতুকুলা হয়। **অতএৰ গৰৰ্ণমেণ্টকে যে এভনৰ্থ অৰ্থে**র निश्चिष्ठ पश्चिक विज्ञ इरेट्ड इय ना, अ क्षा बना बहिना। अस्टन ८क्ट ८क्ट व कथा दिनद्वन, क्रमनीद्यता कि छित्र. कान वानदकत्र नाम भुवर्गस्य मुक्षाः लिकी इहेता चाक्टियन ? भवर्गरमण क विद्रकांत देशीं दिशांत मर्विनिम्निक क्रि. (बन ? তाहांत डेखब्रहानक्टल बख्नदा कहे, भवर्ग्ट्यकेटक चारता विष्टू मिन अ चात व्यर्ग किराउ स्ट्रेटन। पाषिष देर्गामा व विषयात छोड अश्राप मण्डूर्य मध्य इव बारे। त्ररे बिनिष्ठरे नाश्त्राकुछ विद्या-

कत्र मक्टम अदम्किष्य स्थायः मृत्केरभावत इत्र । जन्मीरमकेरम आद्या किছू मिन अ कात्र वहन कतिटल हदेदि ।

利 2 2 5 1 字前 1

धार्यानिः शर इहे भजाः श्वर श्रुता। উখা শন कविशाहन । निवान क्रक क्रम क्रिएए हम, নাংস ভো-अप क्या डिडिड, आव अक अप कि (एएक, डेविड नहर । अना यना यूङि পরিভাগে কৰিলা যাহাবা দচবাচৰ মাংগ ভোজন বরে তার্লাদ প্র সহিত ঘারার। मार्ग छोलन वटन ना, नाम छाशमिर्शन खूलन। क्या दांग, मांश्न ट्वांकन (य একান্ত আৰখ্যক, ভাছাই প্ৰতিপন্ন চইবে। विम्छूरा महताहत मार्म खालन करवन ना. মাংসভুক ইউরোপীঃদিগের সহিত ইফাঁ मिर्गर जूनन। इल्हा पृरव शाकुक, मूनन मानितिराव महिड्ड जुनमा इत ना। चामता चानक चटल मुननमानिकाटक हिन्छू निर्भत नेशाच क्या कतिएक प्रिय शाहि। गूनकशास्त्रदा रवज्ञण उदमाइमह कादर उपज नीध कार्य मन्त्राहर करिएंड भारत, हिन्छुवा छङ भारत ना। हेरारा भीख लाय हरेश श्राप्त । हिन्द्रु निर्भात व्यालकः। गुननभागित्रतं मोहम ७ वल. वीयांकि ममुनायहे अधिक। आमता दक-मिट्नात नित्र अत्मन्य किन्कु । सूनतमा (गत्र कथा एकिनाम। व्यामनित्यर कः क्रम मःकः। आह्म, भारम खालनई धरे रिवनगराहा का ना मार्गकमन् वावहात ८ कान (मान्य के व्यादन अविक नम् । विन्दू भाग्नकारतता धारेवश मार्ग छाज्यस्मत निर्वेश कर्द्रशालन, किन्तु देवश मार्न कक्ट व विधि भिन्ना शिन्नो हम। भारत অধিকতৰ পুঞ্জির, উহাতে সাসুবের व्यक्षिक छत्र व्यक्ति । कि विष्ठ भी क्ष्मा योष । वृद्ध । वृद्ध मार्टमर मात्र शूकिकाती व-নিয়া ইবা জনদমানে অধিকতর আধরণীয়

हरेशा है। याशत अठ छन, याशा विन वीर्यान मुनार गत हिंद हरेश की स्नकांत्र नीर्य छ दार्थ खिठवाहिंठ हरे, उद्धक्तन प्य मेथे देत खनिष्ठ छन, उद्धा क्लान स्पान इक्ता अन करा याग्र ना। यिनि कत्त्वार याज्ञा लिश्चित को दिला को व खन्ता कि विश्वाहिन, आर डे सिक्को वे रठा को वाज्ञा कि निमा के कि विश्वाहिन इन्हा स्थार के कि शहर हरेगा है। कि नि कर्य जासा छोज्ञान के जिल्ला खन्त हरेदन, सामानित्य अत्रा प्याध्य

> भति आहम इंडेट्स में यू मेरण व फेल्ड व

পहाीशायवानी मिट्या पञ्चा मित्र डेमप्रत्यन नाश इंडेर्टाभीश्रम्तिश् ক্ত একটা মৃত্য প্ৰকাৰ উপুদ্ৰৰ উপ किन को शहर । इंडेटरां भी देश । शामके স্গয়াধী হইয়া পলাত্রাম মধ্যে তবেশ করে, এতমুশক তাছাদিগের সচিত অমানুদীদিলের বিবাদ ও ভরিবজ্বন इक्ष कियो । । नियाना नियान कार्यान व्यामा গের আংটিয়ুৰ ভাবিষ্ট ছইনা লাকে। दम मिन छाउ। दम अहे ताथ अवे हैं। चडेनः बरेश शिगार्छ। चाक्रित ठाहाद विज्ञात भित्र हा भार : श **छे । प्रदेश ऐंटर । य**े दिन इहंद: हे गद्यांदना। पिन पिन अरमध्य देशाशीमाथा तकि हरे. ८ डट्ड, छाटाहि अ: शक्ती यादम का.व (भाव निरंवन नर्य । शकायत है न cox तेर नामभ अनितेत छ व शकी आ बवानीविद्याद । गानिमायकान बार्ष्किक उ मारमधा वाक्षः व्हेश छेठिलटह इड्टबानीरवारा कांग गरमा कविक व्हेड! **व्यक्**षाहारव खेड्ड इहेरन खरकार आमरानिहा छोटा. श्रीकरोहरू अहाउ एस । काटच कां:अहे विवास स्टेश डेटरे । इंडेटब्रां नी ब्रिडिटश्व में ोटब व्यक्षिक दश

माह, जहात। जाननां मार्टिक करणे में म नि: भव भूमा खान करत, गुजतांर कर्मक भौतितभार कुछ श्राहिकार जाशिक्तिमा कर्मा खानश एता। क्लोभीक्षिमी श्रामित होता हिजाहिज स्वान्टक प्रधा करिया क्लोभी होता हिजाहिज स्वान्टक प्रधा करिया क्लोभी हिजाहिज स्वान्ट प्रधा

ইচাব নিবারণ একান্ত আবশাক,
কিন্তু ভাচাব উপাব কি ? ইউনেপীয়েরা
বেদন অনায়ে প্রায়ন্ত হয়, অমনি একেশীয়েরা বদি বল ছাবা ভাছার নিবাবন
করিতে পারে, ভাহা হইল ইউরোপীয়েবা পুনর্বাব দে পথেয়ামনা, ভাহাতে
নিবাবণ লভাবনা আছে। কিন্তু সেটী
ন ধায়ন্ত ও অভীউ নর। এদেশীয়েরা
ক্ষাণদেহ, ইহারা যে ইউবোপীয়ানিগোব সহিত্ব প্রভিযোগিভায় সমর্থ হইবে
দে সভাবনা অন্দা। সমর্থ হইলেও এ
ভণায় অবলয়ন কবিলে এক পক্ষে হত্তা
অনিবার্থ্য হইলা উঠিবে।

थाना थानवा वा मन्द्र छेपाउन्ह निर्फाण कनिएउहि, ब्यागाउउः छाद्याः रहे चदत्रकृत (ज्ञानः रण्याः। यथेन (कान वेड्टबारीटवंब कान समीआत्म प्रश्वार्थ यश्वा धना (नाम केचिन्ध प्रमन कवि-बाव देखा अधिद्य, जाराटक निक्षेश्व भूतं. रह भगांकांव बिट्ड इडेटच । भूलिय इ शहर मठक करिया बिया जाबार मध-, चित्राहादव विद्यमार्थ्दक धक कि. त्रा.धक श्रुतिय कम्हारो लिखा कि **क कतिहा** निद्यम । १ दिन कम्हार्थी मदक पाकित्व বাংগাত আমবাদীদিংগৰ সহিত বিয়োগ ना इर अज्ञात देहेंद्राभीरक हासिक उदिरंड शाहित। यनि शोन धनाई विवास हत, ज्यान गर्भाखनाहानी श्रृतिः. क्वारी यात्र आञ्चलाञ्चन क्यान बिटल ना लाटन प्रकृतित हरेटन, ध नियम हरेटन, ক্ষাচারীর (माजामिनुसर পুলিৰ

भारतक्षित अनिटकेत निवातन १६८व नत्मह नाहे।

> ऐशं दिवन दका व छावछ वर्षीय सम्बद्धाः व

সম্ভাতি বেজর আলানের প্রস্তাবার भारत हाडेम खब कमज अक विभिन नियुक्त करिणा इन । ভাবতवर्शीत भीक (बहाडो, मिश्र क উপনিবেশসমূচ রন্ধাৰ ভাব দেওয়া উটিত কি না মভা बिट्यम्म वरित्यम । हेट्ट्यार्थ्य प्रमा खाना (साम चाहेन अनुमारत त्या विभिन्न रक रेमनिक पार्यः करित् ड दा । किन्नु हे॰ बट्ट দৈনিক হওয়া না হওয়া বেচ্ছান্ত্র ধা-িলাও শিশেপৰ অভ্তপূৰ্ব জীয়াদ্ধ इक्षाटक निम्न दलेगीत कारकवा रेमनिक कृष्यि व्यार्थका ऐकार व्यक्षिक छेलाव्यान कर । जि है न रमना नटन न रव छ न थ सिक नटह। प्राचान हेर्नानव दक रक्त्र क . या करि शाहे की बन क्या जिंदिक हम। महस्य माहम उ वीवज क्रमर्मन विविद्या छात्राया चार्क मरतत भए भारेट भारत ना। अञ्चित चारमहिका ७ चालिहार्ड विहा वाम क्रित डेभार्कात्व महक्र छेभाव हर। क्षेत्रकल कांपरन टेम्सा जायण, कुल्याना स्टेट्टर । देश्वरक्षी यक हाराक बिटि भारतम मा (व (नारक आहे जनल श्रुविधा आश करिया देगनिक कोवन थर. नद्दन किंद्रित। करके (। उन अल्ले, ज् হাতে ভবিষাতে উন্তি লাভের কোন षाम्। नारे। जिपि गाजाका पाउमह विख् ठ इहेश्रीष्ट । छण्डित् म हेल्ल्स **छ छात्र छवर्व क मगू**नांग दणाव छेशरयाशी रेडेटबां नीम देशनिक शास्त्र जांत्र हरेगा देठियात् । यमि देउदशात् रुख देवेना .इ.इ., छोहा होत्य देश्टा छहक दार्थ-खीत छेपविद्या हेडेएगानीय रेमनांभूना कतिएक इस । हेश्वकीच ााकिस हैमन गश्या ଓ रेमनिक त्रांत्र इंकि करियात

शिखाति अञ्चर्गभी नहिन। अहे मकत्त कारण विश्वाणीय लाटकरा आस्माधन करिएछ इन, हे ध्राण यथान ७ छेशनि-(वण तथा इन्न, अठ टैनना क्यांस ७ किक्रण मरशृक्षेत्र स्टेट्स १

মেজর আন্সন ও ভারার সলকারিরা बत्तन, यनि भी धनित्र छेणनिःवरभ প্ৰেৰণ কৰা হয়, ভাষা হইলে আম্প বায়ে উত্তম देशनः भिक्षिट्ड शाद्य। क्रिशिश क्या क उ करांकी जुरक रेनम वार्भका की क्ति च्ट्राव स्ट्रा स्ट्रक्र । हेश्रा शामाङ ७ क्यारशह्या ऐउम्र कार्या है পটু। পূর্বতন দিপাহিদিগের দেশাযুব धमानत व चाशिक हिन, कांद्रा भीक-'म्टात बाहै। अकृत्व देनगमः आहर् निगमाञ्चादत छाहा । गर्दक भवन करन। (व डानत लांच थाकिया छाहाता का गड़ा, विडेकिनाए, डेलगमा वस्तीन. মালটা প্ৰভৃতি স্থানে আহ্লাদ পূৰ্বক গমন কবিতে পারে। মেলর জাতান यांद्र वरणन हे लर्ए अ भीकिमिश्र क यानगन कन्ना घरिए शास्त्र । छथान्न डाहोता यमि (अञ्चाजित वन ও क्रेथ्यः वर्णन कविहा उत्तरण गिंभा भाष्य नदः ভারতে লোকের মনে ব্রিটিশ প্রভাবের এতি অধিক হর ভয় ও ভত্তিক অমিবাব म हारना पाटर। व अनालीटक स्नान बद्गी डेलकार कहे हहेटर अधिकमः थः अ कटमानीय टेमना छेलनिद्यां शिक्त विथानकात स्माटक छाहा मटात छानिछे भंजांत्र विद्यारी हरेटक शारित ना এই সমস্ত দৈনা ভারতবর্ষের বিশ্বস্ত তার এতিভূ বরূপ থাকিবে। পকান্তরে এপ্র खादिव विकासि आन्तरुविध छर्क करा हरेग्रांत्व, भीदकता राख्य अयाम मध्य रहेत्वछ एव एटन दक्षण हेडेरवाभी रहत वर्गक, ख्यां कार्जिय विवक्त म**र्द्र**ण ठाशिम्दिशत गहिन्छ विवास विश्वशत यणित । पानिसांत त्यमानद्वत निहरू

इंडेरता भीत उपात्ति विश्व क्षेत्र श्री श्री क्षेत्र क्षेत्र श्री श्री क्षेत्र
त्मक बाजातक शिखांत जांतक वर्षि दा जहामानिक हहेद अक्रम दाध हरेटक हमा। असमीरियरा यसमा जारम यकावकः जानका। असम अ निमाशून मिनाहो पातातान कर्या हिमा अक्रम भी। रेममा भाग कर्या हिमा मजा, विश्व अर्जा जावक वर्षत निक्षेत्र, अदर हेहान जरम बालाय शतिभीष्ठ ह।। हर्मा अप्लिक प्रांत्म याहेटक हरेता जाकि घठिक जानक वाधा अ

थगर, श्रामा थण्य छेगार्कात । मक्छ इत्या पाका अव्यक्तिमीर्वास्त्रव বভাবনিদ্ধ। কলিকাতার বিনি এক শত होका भाग, ठिनि मानाश्वादम ३०० छा का स वाहर छ हाटकन ना। भी कि साम अब এ হভাব আছে। পূর্বে নিগর প্রভৃতি प्टांटन मिणाहिता शमन कवित्रोहित वर्ड, विन्तु मिरिह मिरिन समा माज। याहा इडेक, मनुनादा कन्न विकटमके माज खिषिन देननिद्वाय वशास भौकिनिद्वात स्वाता हरेट आदा। रहक्ष, मतिमम, निष्ठे-बिनाय, डेडमाणा पड़ीन प निहा-किडेट वित भोक रेनना (शक्तिक इस, जारा होत्ल भाँक महत्व जितिम रेगतमात वाह याँ, घटक शांत, विक आसातह थेखां राष्ट्रगारत कांच कता स्थातकत कि ना, छाहाछ अवदात दिवहना कता वावभाक। (वागरकता मामारकात वाव-ठीप प्राप्त रेमना मध्या कतिल। विश्व (यक्टन द्रान्दकरा प्रार देश नक कार्या रहेट कान्यक होटक स्रोतक बटा, त्त्रदे अवश्वि नाजारकात करकात वृश्वि । व्हेटक बाह्य इस । विद्यादिक कमान

दिक्तियां के वेद दिक्ति के इंदेररा भीत रेनना चात्रमम करत, उक्कांत कडामभी ষেরা ভীত ও বিশ্বিত হন। বর্তমান थिखारवह खार्थवा भर्य राजाहमा कहित (बाथ इह, वह बना इहेटल्ड " आंग्रजा ব্লাজ্য এত বৃদ্ধি করিয়াছি লে উপনিবেশ त्रका करत अभा रेगना देश्यात नाहे। " ইহাতে তিটিশ কাতির সম্ভ্রন ও মহি-भात बात्मक शामि कहेटव। धार्शत "बागताहै কোম্পানিব অন্তিত্ত্ব মূলাধার " এই সংস্কার ক্ষাম্বাতে সি itহীল বিদ্রোহী इदेशांडित, जीकमिट्शव कि এवे मशकात হইবে না ? পাতিয়াগাব সত বালা শীক ছিলেন। তিনি ব্রিছা:ছন অধিক পবি-मार्ग भीक रेममा विवरण जाहारां निर्णाहिष्टिशत मृदोत्यत अञ्चनन करिट्य। ' मित न श हे हैं द कूछ कविटा शांठ कतिरस नडा कथा बना डेडिड। भी रिमर्शर अर्थे ভবিষয়বাণী ছিল বে এক শেতাল সেনা পত্তির অধীনে ভাষারা দিলী অধিকার क्षतिर्व। क्षित्र भट्ट (महे (मनोशिष्ठ छोहा किर्णात करीनक हरेरवन । विर्फाटकत গমার তাহাবা এই জন্য এত আঞ্জ সহ कांद्र मिली आक्रमन विरुद्ध आहेता। यकि मत क्रम लटर ज किली छाइटनत शत भीकिमिश्रक मधा छात्र टवर्स ना भागाई-खन जाहा हरेल जाहां श निः तः भग वि-মোহী হইত। কয়েক সহস্ত শীক উপনি. (बर्ग थाकित भी। कांचि विश्व था-किर्त, এ कथा मिडाय অকিপিংকর। চিন্ত এক स অ এ ইইয়া উঠে। তাঁহার ভারতবদীয়ে । विष्णादशसूच इदेला यक्त महा विनय हो कना ७ छम या व मक्ल विद्युचना कृद्य ना। २५०१ व्यास्त्र हिल, कें,हात मलापादत लात्कत महता-ৰিদ্রোহ তাহা প্রমাণ করিয়া দিয়াছে। চর দেকপে দেখিতে পাওয়া যায় না। वित्रा कार्त्वन ना ?

⊌ ८८ महस्<u>य एईबायोव</u> ।

वल्यामा कार धक्ती পश्चित्र हारा इदेश्तम । कलिकांडा मासूड कार्तासन खुरशूर्त कान्य:द्रमाञाधाशक (१ महस्य **उक्द शीम महामह (मह काश कश्ह्रा** ছেন। আমরা এই সমাচার লিখিতেছি. (क्वल (य चान निरंगत नत्नवृत्त पडा-জলে পূর্ণ চইতেছে এত্রপ নয়, ঘঁহারা এ সমাচার পাঠ ক্রিবেন, याँकरा এ मबाह व खदन क्विद्यंत, नकलटकई भीर्च-নিশাস পরিতাগ ও অঞ্জোচন কলিত ভূমি । ইনি ১'২৭ শকের বৈশার্থ इट्रेंद । आधिकालि टेर्डाइ चूला मःसृड শক্ষাত্রে বুৎপদ্লোক মিলা তার। ইহার অনহার শাব্রে মার্কিত বিদ্যা ও विल्कान विक भंकि हिल। कालिनाना-শরীর রোমাঞ্চিত হয়। ইহঁ,র জুলা ভারুক च्या लाक चावामित्तव नवनत्ताहत हरे-ग्राट्य । " कादाभाज दित्नारमन काटला शक्कि धीमरार " हैनि धरे (श्राकारकेत **८ जूड छेन: इत्। यल हिस्सन। धककार** छ हेर्हात माखारगाठनात वित्र डि हिन मा। डेनि निगठकाल इ'किषिशक अधायनकार्या हेर्नाहमः व कविरात । (कर् वक्षी छ,न विविद्या कदिला किया छ ल इक्ना क दिला ইছার আনন্দের পরিসীমা থাকিত না।

हेहाँ बाद वहन्छिल बर्गाशंद्रन গুণ ছিল, সেগুলি স্তিপথে উদিত হইলে व्यथात, भीटकता विष्मारी इदेशन शवर्ग । दिनसात माच काँदात विलक्षण एक মেট কি উপনিবেশ ছিত শীক্ষণকৈ বিভাও ছিল। তিনি দীনবচনে ধৰন छम्निमिख वश्च करिट्छ शारिद्यम १ हेरा काहात छेशामना करतन नाहे। हिन्ह्यर्स त्य स्थान हे हरेरव ना टाश कि अटएमनी । छाहात एडिमा समा हिला। दल वे वाव-হার ভাঁহার নিকটে কথন স্থান এতি হর नाई।

8 दरमह खडीड हरेन, कि.व कारमस्मद অধ্যাপনা পদ পরিত গে ক রয়া কাশী-धारम वाम कतियाकितमन । ध व्यवसारकथ उँ।हात अशालनात वितास इल मा। अधि भिन ७०। ७२ क्रम **इ**.च छ इात निक्टि वधावन करिछ। २० हे टिज्ब अनाष्ट्री त्वान हम। > हे देवता छक्क कामीधात्महे ठिनि बार्यक्लीमा ११वत्व क्रितारस्य।

किला रक्षेत्र,रभव भार्जीक बाना नाय-নার দ্ফিণ শাকন,ড়া এ:ম ইহঁরে হস্ भारता र म निवास जन अर्व करता । मकरमाई व्यान ইচার পুরপুরুবেরা সংকৃত শাস্ত্ৰাবসাৰী ছিলেন। তল্পধ্য वक वक कम वक वक विवरण अविधीन পণ্ডিত হইরা যান। ইং ার বৃদ্ধ প্রশিতা-মহ মুনিরাম বিদ্যাবাণীশ স্মৃতি, নাার, ও অনকার শাজে অভিশান পণ্ডিত हित्तन।

ऐक्ट यूनिवास्मव मार्ग्य वानावर्ग তর্কর'গীশ অলকার ও দর্শন শারের প্রসিং পণ্ডিত ছিলেন । তিনি সাহিত্যদর্শ। न: मक चह साव धा ख्व विका करतन সেই টীকা ব খলা হিন্দুত্বন হড়াত সৰ্ব अर्बर्भ नवामुक हरेगार्छ । बाजा जन इ'त विमा हेड रामत निक निमा विला वात्मदक निर्दाल करिया चारान । उर्कर গ্রাশ মহাশ্রের প্রপিতামশ্রে ভ্রাতা লয় কান্ত তকানকার নানা শালের অভিগ্যসূত্ भन्न हित्तम । विष्यान उत्ताम मुक्री তীলার সদৃশ লোক হৎকালে জাত ং हिता। देक दिनद दिक **अनक** द ७ खू नारात्र कारमक अस् हिल, विस महाः कीत्मान ता हरशाख (य'काटक दर्भ इक्सा बाल) ध्वः वनाः छे अखाः । দার এছ নাট হইয়াছে। রাদনার তট্ট চাঘা তর্কৰ বীশ মহাশ্যের পিছ **डि.न७ तरक्छ वावना**शी क्टिनन, १

অংপকালে পিত্রিটোগ হওয়তে তাঁহার षाधार्मन वाद्य छ जित्रा इल । वामना-ব্যারণ ভট্ট চাহা তাদৃশ বিশ্বন ছিলেন मा बढ़ी. विक डिमि चडिमा प्रवास विके ভবী নেমপকরী ও নম্বভব এবং भित्रमा धन् ? कु का डिबिएनवा । ছিলেন। স্বগ্রামস চউক, কি ভিন্ন প্রামস্থ इंखेह, कुडे श्रक्षात्र भव वांग्री उ च.४८ व ভাত নে অভুক্ত জানিনেই অতিথি বেংৰে यथार्मीक ख इ.३ १.म:म करिएडर ।

ভক্র জীশ মহাশ্যের ভয়ক্ষণে এক **१७ घोना हत । मर्गी श्राम खोट्टे हाथा मामक** ইহ দিবের এক জ্ঞাতি ছিলেন। ত হার শহিও ইহঁার পিতরে শক্ততা ছিল। তিনি (कार्वाशिक्षाशिक्षिक वृद्ध विकास ভক্বাগীশ মহাশ্বের জঃকালে তিনি লগ্ন ছিব করিয়া বিশ্ব শপ্র হটণা বলি-সাছিলেন, আমাদিখোৰ গেটের বিতীয कालिनाम कम क्रम क्रिना। उपविध লুসীরাম শত্রুতা প রত্যাগ পুর্বক তক্ষা-**লীশের জতি** ধহিসলা ভাব প্রকাশ क्रिया लालन भालन क देरड लाशिरलन। ঠীছার নিকটেই ভর্মাগালেব বিদার্ভ 🏨 সংক্ষিপ্তসার ব্যাকরণের ফিয়দাস শুধান্ন হ।। ত পরে এছানাবাদ পর-খীণার অভগত রঘুবাটী আনমে সাত্রাম विष्यामः शरवत निकटि दा केट त मूल াচ হর। পরে মলভূম পরগনাব অন্তর্গত যাতি আমবাসা অংশ্য গুণ্যালি জন গ্রাপাল ভর্কভূষণের নিক্ট সমগ্র টাকা ि 🕃 ि। करयक मर्भ अव॰ व्यवदकाव 'ধ্যায়ন হয়। ভক্রাগীশ মহ,শায় বুলিমন্তা ামিউট নিতাদি গুণে তর্মভূমণের অভি া প্রিপার হন। তিনি ইত্ততঃ নিম ণি ডাইবার সমণে তর্কা গীপকে সমজি हारहा लाईए। य.हर्जन । श्रीयमस्या द्वि याहेर्ड अक अक भनगा मिट्ड र 🗽 🎢 । সাক্রেক রচনা কবিয়া সমস্যা

बर्धारे कविरा वहनो कहा अखान रग।

एक शीप महाभाष २०1°६ ए**९ न**त्र वाःक्रमकारम मश्कृष्ठकारः एक व्यथापन কবিবার মানসে কালেভের ভদানীস্তন यवाक छे निमय मारहरवत निक्षे छेप-व्हिष्ठ हम । मारहत छै, इ:इ अखकमर्भास ছ হাকে বুজিন ন জানিতে পারিয়া কৌ-ভুম:বিষ্ট হই ৷ শ্লেক রচনা কবিতে २८७ र । ठर्नाकी व महाभग खिछ खम्मकाल गर्या है । क्षित्रक की लिए के ब च भव ७ ्राह्म(एक न एक्टबन वर्गना कविस्तान । **७**:-इ ट्रि भारहत मञ्ज े इहेता छैं।इ दि ता-(दाव शृष्ट प्यथा नार्थ निर्माण्ड कदि-লেন। ভিনি বারেকে ৪ বৎসর মাত व्यथान कवि।। इन्त्र । हेनात मट्याहे কাৰা অবস্কার ওলাছিপড়ি গুলাম-শাস্ত্র পড়িতে আবস্তু কবেন। এমত সমযে ष्य नक्ष देवत अवनाभक्ष नार्थ वामभाजी स्वय कः म लहेश क मीवः स्व श्रम कहिएलम । উইলসন সাছেব তক্বাদীশমহাশাকে ভাঁহার পদে এতিনিধিকপে নিযুক্ত করি-লেন।ন পুৰাম শান্ত্ৰিৰ বাদী প্ৰাপ্ত হইচে তৎপদে তর্কনালীশ মহ শগ্রহান হই-লেন। তিনি উক্তপদ প ইলাও অংগাংগে বিরত হয়েন ন.ই। কালে,জের ভালঃব প ঠনা যথাসময়ে করিয়া প্রাতে ও বা-হৈতে নাায ও মাতি বেদান্ত অধিকরণ মালা প্রভৃতি ৯০১০ ২৫সর অধ্যবন করি योक्टिन्न। ७२काटन मिन्निः अंकूछ द्रषु-वश्रमंत हीका कारनरक हिरा गा। अहरा **छेहे**ः त्रन भारहरवेत **च र** मन नुभारत क्षण्य রামগোবিদা পবে নাপুরাম ভাচার রচনাং প্রবৃদ্ধ হন, শেষে তক গৌণ সহাশর ভ:-हात निष करत्य। उके शीम महाना शृद्धीरेन्य हाघ्रपाख्यी व्यक्तिकृतात সপ্তশতীদার (যালতে ম র্ক টার পুরাণান্ত গতি চার্ডার সাব সংগৃহতে হইগাছে) ठाउँभूकाञ्चल युकुक युक्तावलि धरस्य 🌡 ক্রিভেন। এইবাপে ব্যাপকানের । টীকা ক্রিয়া উক্ত গ্রন্থ না সর্ব্য এচ-

लि 5 क्रिशंट्य । में कार्याक्ष कार्यात एक नामक काठान बाहक व अस् अक् व दत मुख थात इहे एहिल। फर्कराती स মহাশাৰ বিভাৱিত ও বিষদ বুভি করিয়া সেধানি পুনজ্জ বিভ করিয়াছেন । পকু-मुन छेला ह तह ए व्यार्थ ताचा वत मिका क देशा भ टांद उ भारे भार भट क वि: भर সুবিধা কৰিণা দি মছেন। এভদ্তির ভিনি বঢ়াকখনে ফুতন প্রস্থ করিছে আরে: ক বুগাছিলেন। কিন্তু দোন কাগণে ভাছা मन्त्रा हा नाहे। मानिवाहर दिख श्रथम. हेश महाक वा करेड. हेडाव हक्त मर्भ भया ख विष्ठ इहेगाइ। बिटी। नामार्थ मर-গ্রহ নামক অভিধান। ইহাতে অকানানি कटम सकानः नि भक्त भार्य सः भारति । হইগ ছেন সংপ্রতি এক খান মূতন। অল-ঙ্কার এন্থ আরম্ভ করিযাছিলেন। উহার ছুই পরিচ্ছেদ মাত্র লিখিত ছইয়াছে ।

इहेग: इल. कि स শরীর বিলক্ষ্ণ সবল ছিল। তিনি কিঞ্ছিৎ খর্রা-कृष्टि हिट्टन, किंद्ध व्यवचन मुन्न देख हिन । वर्ग छे ज्ञान नाम, लना है छेन्न छ. ও আकृष्टि লাবণা পূর্ণ। ফলতঃ তাঁছার মুর্ন্তিটা অভি শ্য সৌমাজিন, তদ্দলি অপরিচিত বাজিবত মন্তাকরণে মেহার্ম্র ক্রের উদর इंश्डें। कथ्र ड हाउ दक्त बिद्रम ও प्रदः कत्र विवस (नथा यात्र नाहे। बातावजीएक वानकारल छोड़ ज अहे मकल श्राप वणी ভূত হইয়া হিচ্ছোনীং ছাজেরা ব দ:লির এতি সভাবজাত ঘুনা পরিভাগিপুর্বক প.ठ चीकात कतिशा, एटः न।

উহার একটা ছাত্র ভীলার মৃত্যুর ममाठात टावटन कुः चंक दहेरा विलाभ यहेरू नाटम (य एतही छैश्क्रके मश्क्रक কবিতা ও আরু এক ছাত্র বাদলায় ভাচার त्य भ व कतिशाद्यन, जाहा अवृद्ध के कृष हहेल।

बिल' श्रेष क्षा भीजर प्रमा मुना भूत्राविज्ञाने हर (श्रीकेनिम र (इडमार गानकर कविषापृष्ट स्थतरगांद्वारैप्रक्रमात्रर शुद्धा । नामायमार भाषकाञ्चलकर्तमहरू वर्गाद प्रकार

मार्यरक्ष्यक्रा विविधित्यमान्छः शहरणानिर्मि ्रे, विश्वदेखाः भून। यहम् भनवत्र भिटनायाय दश्ख **ख**(बापटेखारकटेमः कथमलि • ऋक एझ्लाः। বিহারান্মানেবং বভ বিলপতঃ লোকবিধুবা-निरानीः याद्यानि क् त्र धन निरा । नक् पहेव॥ প্রাধানা ব সকতে জ্বন প্রকৃত্ विक्रांत्रव चर्यात (व भूविरेखन देखा। ৰাতে গুৰৌ দিৰমপেতকচি শ্চৰায়া-লক্ষাৰ বে বত পুৰা কমনবারোধি॥ माहायात्रवंशकानविह वनग् चनः नचतान्नः वात्राप् । एहन **হস্কালর** ণ বিবিধাধিরতে। বে ক বিদ্নাদনলা °। ভাষান্ধাতে ভর সহচলে দু মুনীতকীলে (मन्त्रिक्षाकायनयञ्जाः (का निद्धाकः काः दिखः। প্লকৰো ভাৰবসজে গভৰতি ভৰতীহনাম শেষংস भर्त्रा गरेखन वानी भनाव हेन कोन्दी ("सः॥ চরমঃপ্রমাগতস্য ত পদমারা প্রদেশু স্ভ 🐯 । অধ্যের বিল'পপুস্পট হরপনী ভোগুরুন,কণাঞ্চলি भूष विश्व ि यात ক,বিভা অমৃতবার मदराभ भी ग्रंच नगाम. মনস্তাধ নিব্ভার हिट्ड द ऐसाम कव न शंकारन करिशादि भ'न। करङ्गानी विकारन देश्य अम् अञ्चल (मिरिग्रां कि मिलिय़। मकरन । ভাজি পেম সুণাকর अहे मिहे छन्धव निक्तिरण याम जलाकरन । बरव दुशि श्रृंक काटन हिर्त प्रवकानीयारम डिन् (भाक निर्वाधिन्ना मर्न। विदर् विद्रा करा काथा (भारत भारेहरूर काश भरत वन ना (क्यरन ? রসিক্তা বল আব আগ্রন্থ কার हादाहरम जास्टित भाव, বিদ্যালয় আজি ভোগ প্রধানা হলো ভোগ হাবাইলি অমূল্য রতন। চারি দিক খুল্য করে তবধাম পরিহরে (शर्ष धक्र अयद महत्र दल श्री वनकात र.व कात जनकात क बी खाइक क्रिय धाइन ? देश्व अञ्चरतार्थ एवि आत्मा करा दशक्ष कविव ति जिल्ल किष्ठ कन । इत्युड्टिन विश्वज्ञ आन्द्रत रेश्वज्ञ कर्न निवस्त कं वर्ष थार्गः वामि (महे महत्त कि जितन करनदत्र भूनः करत् (शरमन नक्न। षुत्रित याहेरव म्य अतिहति अहे मन वृर्ध (छात्रा कंत्र (स्न वस ? कविक्र निक्षामान विशिक्त हुक्सिनि

कृति एव मांग लिय एल

जातकी स्पटन राज क्रूमी मिनाटस वास भनी यथा (शहन खन्नाहरन। ভৰত্ৰত উৰাপিয়ে মোহপাৰ কাঠাইয়ে शित (इव क्या ग्राह्म কৰিতা কুত্ৰ মহার পাঁথি দ্বি উপহার व्यवगारम बुगल हबूटन ।

তমোলুক্ত ৰ বাদদাতা লিখিয়া

वनकाभरगर भर्म महमहे अधरमरण मिलना नेन श्रवत्या श्रव्याम रहेगा शास्त्र। वायुव गाशयानाटक नम ननी मकत छेलु क उरक्यांका बिखान क ब्राज्य की बनाकान थाउन करता वनी নুলে দণ্ডার্থান ব্রয়া তাত্বার লোভা স্মান্ত্র करिटन अञ्चल प्रश्नु छव इन्न रहत मार्सि देश प्रा-नक् थ्रमः मानप्रथमा विकासक मनदानित्व जान मदन इर्ध बङ्गल इहेग्रा बङ्गलल ग्योज कविया वानत्म नृष्ठा कतिए शास्त । এই कात्रान श्रीष्ठ वरत्रव प्रत्रप्त (को का मन्त्रित छ। वाय करन। अवरमह बमदस्य धात्र छहे । ३ चीन नोवा अरे ननीएक मन्न हरेग्रा करनक आरटारीव প্রাণনাশ কবিয়াছে। উহ'দের মধ্যে একখানি নৌকাতে অত্তৰ পুলব,কর এগজন জমাধার **७ अवस्य हानवामी १२ (१४८ हें व लाग** २८० गरिएडाइन । अथान रहे: उक्तिकाटाग नाटा-খ্যতের স্থীমার খানি নিন্নিড**ন্ন**ো পরিচা**লিভ** श्हेरत अधारताचे जारन स्वाक ए अहेन्त्र ধৃষ্য ও ক্ষতি ইইডে বিমুক ইই.ডা সদেই । ই। কর আক্ষেপের বিষয় এই এপটার এখ'ন সার नकन मराजन छाराज दांता क मनानि तुडानित প্ৰতি বিশেষ ষম্বান ইইতেনে না।

২। পত ৰুবোর এখানে শিনার্টি ষ্ট্যা

৩। এখানে দিন নিন বিশালিকাব বিশেষ ইন্নতি হইতেছে। ভাহাতে সণ্টোই আনন্দিত बार्डन कि इ आरक्ष्यत विषय कहे जार्या छ **शृञ्खकालत हिल, स्टाइन्ड विग्रष्ट रहेन्न'रह।** গ্রমরা ভরুষা করি ইংরাজীবিদ্যালারের হেড बाहेरि जीवुक बाबू (करावबाध बटकाशायाताव इहेरात योगा। वश्नव विनिष्टेक्सरभ वक्त न दहेत्र। ज्यामारमञ् উক্ত ছুটা অভাবেৰ পুরণ করিয়া দিবেন। পের হৃত্তি করিয়াছেন। ৰাক্যুগক্তে চায়িটা, কর্ন্ ভাষার উদ্যোগ নিক্ষল ধ্ইবার সভাবনা নাই। क्षात्र मकरमाहे जैं।श्रेष्ट्र विष्ठाञ्चन्नोशिष्टा य ए.१५१ । ५६८३ होति । दीरमबर्टन होते, क्षेर्टक होति

পকারিতা তথের বদীভুত ও ভাঁহার সহপথে-শের অরুগত।

> विविध गरवाम । ३३ अ टेहज (मायदात ।

বাৰু কেশবচন্দ্ৰ দেন ল'হেছিৰ বিশেষ সন্মান প্রাপ্ত কইরাছেন। উক্ত নগর পরিদ্যাগ করিবার পুর্কো লেপ্টনত গ্রেগর সর ডনালভ সাকলিয়ড †াহাব সন্মানাথ এক ভোজ দেন। ঐ উপদক্ষে नगरत्व जातक ए अया न उ रेमनिक कर्षा होती আৰু ত হইয়াছিলেন। এ সকল কাৰ্য, শাসনকৰ্তী দিগেব পক্ষে অতি প্রশংসনীয়।

ভারতবর্ষ বিচারপ্রণালী সবকে ইংলপ্তের আদর্শ হইতেছেন। সম্প্রতি সর রাউণ্ডেল পামর মহাসভায় এক বিল অপণ করিয়া প্রভাব করি ब्राट्डन, राष्ट्रम जब माइटार श्रथाम जांशीत्वव বিচাহালয় না কৰিয়া আপীল আৰণাৰ্থ একটি श्रधान्य विष्ठातानम् कता कर्वनः। देशीया এখানকার প্রধানতম বিচারালয়ের ন্যায় আপীল व्यवन कतिर्वन । अक विज्ञादनक्षित्र इरख व्यक्ति क अ इहेटल धकम्बा ज्ञान अक विठात्रण जिल्ल इटन विटर्फ शादबन। व्वेतिकान किया क्रतिक काम. नकल दिक्रावामात्म्रव क्राटकंव घोडा स्ट्रॉब । ६००, होकात नीरहत मकपमा এই विजातनरम सागिरन या । काशकात्रः हेश्ल(श वकस्या क्तिएक शंका सहेता (१७थालिय १७वल्मेशाद्वर मिक्टि | विख्य व,ग्रं ७ विनव एत्र । अधानकात्र धनानी प्रमूत्रवन कविटल अहे अञ्चितिमा श्राकिटन नः।

रक्षामीय गर्यासके मक्षानत चार्यीय हिक्दिन्यक प्राक्षा नियाहन, खाँदाता दृष्टी ও উত্তাশের ছিলাৰ রাখিছা প্রতি মালে ভাষা दशिकाजाय अब्रू भन्नेक्क मछात्र निक्द्री (श्रुव कतिदन।

मुख्यकि लारशास्त्र क्य नेर्द्रम् वानिस्त अव (म्ल^बग्न ७ हेड्रेजानीय नगास **७ कड़ (शा**स) क ब्रह्मार्ड्स । भूगनमान 😮 देखेरता श्रीत्र न अश त्वरक्ष काशंव करत्रम । दिन्द्रमिरशत शुक्षक स्नोहीः

বাবু ভূদেৰ মুখোপাধ্যক্তি নাৰু প্ৰসম্ভা এक्षी मजा माणिक रहेल ना। शुर्स अक्षी मर्साविकावी कलिकाठाव विकविकाणस्त्र वक्ष नकात भरा स्टेबार्डम। इट व्यवह उभक्त পত্র। বাবু প্রারীচরর সরকার এ সন্মার প্রা

> সর সি সল বীড়ন করেকটি প্রভন্ন উপবিষ भूदत चूजे, काकात्र खिनजे, नधमबनिश्रं हुद्र¹

এবং পুরীতে ছটি, উপবিভাগ ধর্মাছে।।বচাৰ मद्दा अर्थात वित्ना दिनवाय के रहत।

খাৰু কানাইকাল দে আগে 1 এছশনে যে भक्ष बढ्र न्ये मु ल' ह है। उ देश (श्रवन कर्रिक फांह एक शामनी प्रक' डीवाइक १० डीका पुर 😮 दू 🗷 এक बार्नि (भेशास्त्र ५) अस्ति हासिक हि श्च का मिट्टी है मर्छ त्वस अञ्चलक कर है किछ।

गडन व ना है का का व लाखात वर्धक क्षत कारताक रेठत महकाखित हिर्म अवही राष्ट्रीय (बना क दारमा जे हेललाक करनक यहें ज भावित्तमा अकर अक हैं.ते वहें । (७(इ। अधकार मधा कर अरहा अर्थनीय क्षेत्रकृष्ट अन्तर्भाव हेडा के शास्त्र । विहार मुद्रा प्रावर्त सुख्य वश्तर छेनतरक (काम छेन्त वह नाहे।

अबार सामक्षा प्रक्रिक विश्वास रिश्मा । अकसारित हेरला छ श्रमा भाष्ठ इंडेर्स । क्री फाल ·শাস্ত অন্যায়। এদেশ সংক্র'স্ত বিষয় স্থান পূর্ড अख्राह्मभीयू.मिट्शव शाहर ववा कारनाम ।

चारवारतातक ऐखत श्रीकाश्वास अतीवय ^{কি}ক্সিবাৰ প্ৰস্তাহ হইয়াছে। তথাকাৰ ধাৰতীয় विज्ञानामम् ज्यागयात स्थान उम्र । रहाया भरम् व बीनक इहेर्द । निग्नमर्ग इन्हें क अन भी दिश्व करी कार्षिक्षंत्र कारिकाक । एड्याया अस्तिन्त्र विख् उ द्वान अदर है उदर्श कशा करनर न रहे न है লীবৰ হৈবৰ ছব্ৰে এন্ড কাজ যে জ্বোধানে ঠ হাব মুক্ত প্রায়েক মাত্র কবিলে অভিনবিত উর্নতি क्षेत्रहरू ना। करमानाय अक सन अथक त्लेशने है (**,शवर्गरत्न अरत्। एक । एक अर्थ अर्थ अर्थ** अर्थ) ্লারতবর্ধ ও অধোশ্যকে বিভাগ ক বুয়া হুই জন हिमकी के अदर्शन व्यविष्य तर हे भरायन

व्यायता हा चिक्र श्रेमाम, भाव न्यामाथ श्रेत्र अकृष्डिकरप्रक खन थान अराज अराजनीय महा ্বাৰাজিক বিজ্ঞান সভা তথাগ ক্ৰিয়াছেন। ্যামান্তিক বিজ্ঞান সভা অ প: ওড়ে সাক্ষাংস-। ধ়িকে নামাজিক নিয়নেশ প্রাণ ধরাপন ভাগ कृत्रन । मार्गारन अ मध्य मुख्या अ क' अ करिएड s bieli

গে গাড়ি চালান এরপ ছঘটনার কার্ণ, বিশ্ব লিবের কিছু বলিতে সাহ্দও হয় না।

२- अ अरक्षन भवर्ष (अनद्रम कनिकार) जान कहिर्दा । मुख्य लिलीय है नाव है नाह-खिलिए यारेएउटइन ना।

२॰ এ है। ज मननवात।

वम्रानिय शवनीय है (श्रविष्ठ विक्रि धारा का का वर्धा कतियादकन १४०१ काद्भव शहहन । वाव व । नाहेमा न पन वृष्टे । व वाव रे । भूटर्स योशा भिष्ठ पृथि अहा कविशाहन এवः (य न एन कु मेव मून) अ सून ना (न अप्राट्ड (अञ्चल भारी कार्डन, तारे पतन कम क्रम क्रम গণ ইন্ধা বাবলে ভাগে করিছে পারেন। পার फ,क फुनित कन, य छाका (में श्री देवेशाइ). याँ इति कृषिक, शिक्षांद्रियम की हा मिनाएक) हा। ख्यारे श्वत श्रुति बाद्यम्य कृष्टि हरूदि । छ-ांत्रप शक्र. एव कता त्य वाच बहेबाएड, एका (धन चानाम करा र्य : हा-क्वाबर्शन स्वतिशत स्वतः विभूमों रहेता अपि कहा चादनाक, म्हार अरमक्ष कार्य करण करण कार्य कर कार्य । वार्षात कृति अक कारन नहेश द्वाराद्वांक वक् याञ्चय १६व'त (ह्या अहे सन्।

> (णटकर्षे अध्यक्ति रह वर्षश्मिदावण **६** व्यक्षकान्य विषया यावजीत शक्त ७ दिलाहे श्रकाभिक रहेग्राहत । व्यक्ति व हिर्दि ना । वर्श्ववाह निरात्न भवत्क इन्डार्भन कवा श्वर्गम **'हेत व 'छ**। श्रुष्ठ न(र।

> मध्यां के कड़ियारन एवं वर्ष क्या का विक अभी आवरानिभिरगत म १७ लाका करिया हुई समस्क वष करव, छाइ'सिगरक अधानछम विवादानात्व অর্পণ করা হইয়াছে। এখানে ভাহানিগের মুক্তি । बन्छत्र । कृति अवन । दे विलादन '' क्री । बन्द्र क इतिया नियाकित । भीरा ७ क्रीए बक्क (इ) इ। इहे भारा तथा जारह।

इंश्लिनमान अग्रहानीम श्रीताक निरातन विष्यु बिलग्नार्थन " हेरीन नावावरण नही। मरक् क 'ভाषात्र (य भक्त महन'इव शक्क फाट्ड काशास्त्र खी:लाटकव मुखीरबद्ध विषद्ध (व वर्गमा बार्ड, उम्राथका हिंड बांक्य काही बहा जात | काषायुक्त मृष्टे इय ना । तहर्राधि वै कथापि कि कार्य। कार्य कि ना ? ताकेनके शव क्षिम कहा का, जारा देशांक अवान शाहे वित्रशाहन, कविवाह अहे नियम इहेर कवि **িকলিকাত ব সূত্**ন বিশপ উপনীত চইয়াহেন। তেছে ১৯ ইপলিসমান থীকাব করেন এদেশে সন্ধারণ বডলিন স্থায়ি**রণে একস্থানে থাকিবেন,** একটা রুষ জ্রীবোচ গত শুক্রার এক গ:- , যত প্রক্ষী জ্রীলোক আছেন এত জার কোন ততদিন সেধানকার কার্ব্য করিতে পারিবেন। ৰ ছাকায় পঞ্জিয়া মুঙ গণ্য হইয়'ছে। জভিশ্য । দেশে দেখা বার না। ইউবোপীয় জীলোকদি-किन देशीमिशदक अधिमाशीत नाम बादशात कहे ब्रेटन।

करा रव छ हेर्गान्ड तर कान चारीनका माहे. এ क्या विश्वता अथामकार खेरमारकता अक्षरे পাপ করেন। সাধাণ্টার ভারতবর্ণীর স্থাপৰ ইউ ्राभीत सीताकांकरणत जारमण सनवर्षी। **एर**व खाइखबीत है लाकरा विमावशी मा रशकाख য'নীর ভত্ত মুখ হর না। আমবা আহ্লানিড इहेशाम हे देटा नेराया कामा क्रिया **खीरमारक**य छन चैकाव कडिडहरून। यनकिया मारहर काशाय ने याहारा अक नारन जरार्त अला-भेड भारवर्ष करिया क्रमीय धनानी धर्वाहरू क वटक हार्डन खाँडाहा है श्लिमभारमय श्राचित्र शार्ठ काववा (यन क कर भी एन इन ।

উইলসন ছোটেলের উইলসন সাচের ভস্তা बरायक काल डाएश्व करहाय निका कर् एड डिनि माहेरवराज्य अना व ... मे के व मावि मिश्रा बाकी व कटाबा विज्ञावश्रीष्ठ कियाद : • • • ग्रेकी কভিপন্নৰ ও যাৰকীয় ব্যন্ত দিবাৰ আৰু৷ দিয়া-

वाक्रभुष्टनां र केल अ मिनाकाकी बृध्दिनव नियम आहि, अक दा किएक जार अक सन हृदिय नवरच वध कविटन क दित छे छत्राधिकातीरक क जिल्लान प्रमुख अकृषि महिब अववा काल होका দিতে হয়। পঞায়ত ইয়া নির্দারিত করেন, পঞা যুত্তের ক্লবা ও আহারীয় দিতে হয়। সম্প্রতি এ विषय अक्कारम क्षित्र कविवाद स्वतः अध्यक्त कर्रम हेटकरमङ निकार कीरनदा कार्यस्य কৰে। কিন্তু তিনি বলিয়াছেন ইহাতে হস্তাৰ্পৰ क्रिटिन ना। भवत्र्र्यम्बित अहे बछ।

२२ अ टेंड ज जूबव'त ।

শেঠ আপ্কার সাহেব ভারতব্যস্থিত পারস,বানিদিগের উপকার করিরাছেন বলিয়া পাবদেবেরাজা উচ্চাকে তৃতীর তেনির স্থার हिस श्रमाम कत्रियाद्यम ।

ज्ञा ज वर्षभारमञ्ज क बिनमज दलहम्मीय अय-र्गामके कि कामा करवन व मक्स लाकरक কোন স্থানের নিউ.নিনিপাল কমিস্নর নিযুক্ত করা र्श, सांशिक्षित (कर भीषकान अञ्चलक्षित्र প্রবাধ্যম করিলে পুনর্কার মিউনিসিপাল ফুল্র : এখানকার স্ত্রীলে'কেবা আমির প্রতি বর " পাবেন » এই সিছাত করিয়ালেন ; কিন্তু

इंश्लिम्बान व्यवन कृतियाद्दन जिल्हा त्रवि (भव ना'म् अत्मत्मव खीत्माक मिलाक करिन भवि भवा **উत्तम क विशाद , माउँ तम भूमा क**र्मि লিখ কিছুই করেন না, ইউলোপ⁹য় দিলেপ বিধয়ে। আন কবিডে হয় না। ইহাঁবা অভঃপুরে থাকেন তেছে। এবংসর লোকের অপেকা**র্ড অর**

विष्ठाक काइब क्रेकान अञ्चलक क्रा हैन ए छ। क्षित्र वृद्धा व्हेजारक। है.ने अक्षान कारिनात त्रिक लिथक किल्म।

दमानित्र अहे। १ व्या दास्यरम् । १ एडिलियः হওয়াতে জাঁহাদিনের হীরক, মুকা বস্ব প্রকৃতি मधान हैविक्यार्थ कार्ड। अक अक भारक <कदन है कि उ थूकाय मन्त्र्र। कक्ते हैं। कर् आदि कर्षात्मव रेविक काएक। भन्ने श्रम शाय / -मक छोकात है कि शकु छ हरेरद। मुख्य अकूरा बाष्ट्रे त (हाक्र भूका र शेवक लक्क करिया लाह इंडे क्व हि हे का कर्क दरिया बान। क' नेहा चंद्रित प्राटक हाभा कविष्या हेर व निकटन লক্ষা পান।

मान्याण व एक्षा ७ । क्षान वादाहरू व । । ग्र खेक के के के दक्ष निर्मीय व दिक्का माहक खक-बिक वारिक अन्द्री शकास कार्यशाहरून। এটি ভাল হইভেচেনা।

(वादारे पवर्ता हे १ । । न क विश्वाद्वान, मिन द्वीबाह्य बदात शहर मह व्यापना के १,८०० क्षक'त क विक उलाह काप श्रेताहा। हेश बहेटड ১০, ০০, ০০ ০০ ০ পাউও মাধক তুলা হইৰে ৷ कारन'त्रनाव इल'त ए'क्क 'डेरिय्र' (शत्स अहार क्रांबहा बाउँटन महत्त्व बाई। त्यट राष्ट्र मोधाना व्यन, दर्भव इ. ७। दशाय छ ४५व नि ७१ व्हर्न, छा क्त (इतका से) रक्तकार काला यहा साथ सा।

(र च्राइट्राट खदाम (धमाणाख जीवाकांस शहावी,नश्त भर्.ड फा.च १ एड क.स्टबन । श्वरी : अवनल विवशास व "८ र दुन्य अल्लेका है शर्व कि क्षा का जाउन के उन्न व किया कि कि व किया माहिष्यात्र बहानि टाइन अछ एव (मज़िन है शवर्त भूष विष्ठ । ताथ शेषात्र मा । नवर्षा महा वारमपुर्य व्यवस्था माना अवस्था के एका सूर्छ था करवस। ब्यन्त्र मिटक्रमेशिव च विवासी গণ জাটনাম বেশ শাসন কাংবেন। এমত श्रुरं वह का और कार कार कार करने कारणा क्या ५७ व्यं ४ इड्रीय मा ।

लकारवा का अञ्चलाद्या अक वाग नर ছের প্রায় এক লক্ষ লিখ, হুইরাতে । ইনি পঞ্চা (बन्न कार्रेडोड्डा अध्ययः स्थान कार्यका (बर्डाई-(एर्डिस । माध्येष्ठ कायसभूत्यः यासेत **भ**र्गस ঞ্বিনে বাভয়ণে ভরত। গোকেন গাঁহাকৈ श्रद्धात क विष्य जारेद्रा. कि छ शुर्भिय क पेछा वर्ष मात्रा इष्ट्रेट दिव बारे। श्रकांव सर्वाटव हे (बाका बिटलस् शक्रदण तका क्विट्टिट्रन ।

> २२ अ रेहर बुक्का नेवांत । विनामभूद्र भूबर्गात ८৮ में रखी यहा ६३-

ारित्रं। भवर्गरेनरक्षेत्र प्यम, फल, धाराष्ट्र वकु कन १६८७८३ द्रा ।

আফসুল খার অভ্যাচার ক'বুলের সোক .शत्र व्यवह इकेट्राइट्डा कामीट्रात हट्टरा बनाटन नामानहात ७ व नेक मर्गद का हाउ कड मका है ভানদ ভাগিয়া এক ফিখ্যা অপবাৰ তানান करत । कामोन (महे पंचयारन किनामा आना । १८८म । अहे ज्ञाहार एउन काद्रशाह रहा-बर्बक कन्नर तव इत्र, विख्न छार्। तथा वर्षेगरः। शंकरिशक्त व्यालमात दर'माज कामाहेगा क्रमः, जि म श्राप्ताह प्रतिप्रतिग्रह ह २० होन्हा । दण्ड-न्त गर्दन । आदछन रहमन श्रीतिः फ 'डिम स' প্ৰিড গনান্তৰ হটয়াছে এবং শীম মুক্ত ছহবাল ! গর'বনা। ভালিম খাঁ আফলুল খাঁর পন থানীৰ হুইব'ৰ আশং বাৰেন, কিন্তু উভয় ভাক-জুল ও আবয়ল বছৰন ভাগতে সমত নৰেন।

क्ष्याविभार्म कलिवासाव है।कनाट ७०,२२.२५१ हेका. यामार्क्य हेक्सिएन ५०, ३२५ हे। ता अवर (य भावेरम् न के निमार्थ ७ १०. ৪৩৬ টাকা মুদ্রিক হইরাছে। এ মাসের শেষে क्ति क्षि भ्यानार्य १० ४५,१५,६४० होका दमा किन। धुर्म वत्मान ३२,४७ ११ ७६० ज्ञाका बादका बाजि सारहरदद साध्य व्यक्षीध बक्षे क्या अभ इरेश्वरिका

বিচাংপতি বিশ্বার নামা কার্যে, বিত্রত ছও-রাতে বিশ্বনালয়ের সহাস্তার সভেয়ে প छ, अ किन्द्रीटबस । कामझ इन्चित्र हुनैकार কেছ কেছ ইয়া সিট নকাম সাংখ্ৰেম বাইন চ'তে ल । इ अयो नियवस्य इदेश एक योन एए एक । दिहा न उ किशांत्र अंड भयान एक गर्दरन एग अर यद्य छै। । देव । क नवांव ए दर्गाणन नग्राहरा

भाजाम ख (मर्दिनिष्ट भरीप एडड्र दालाव लाउनीय दक्क प्राधिना केन. १९० है। त नक्ट एम। शिष्ठ अर एरे व कि वि'E''?" ममद्र वाद्या अस्तिका नवादक किस्तिता 5 · · · · । वा क दा क तियान । स्वा अया प्र জীহারা প্রথিত এর বিস্তৃত্ব প্রথিক টাটা क्रमा भागीन तर्त्रता शकादन अवीन विकार थ, इ इका जाताबा क.िया व क्षेत्राटका, व विद्यार व विदेशाट व विद्यार काला 🛊 अभिवृद्ध व व्यक्ती यह विवक्त वाञ्की क माउता बाहा कर्वेग्र द्वा ত पिषदप्र विक्र'द्राज्य । । तेन क्रेट प्र नाय का । कायनां दशह शका भारेटच वहे इहे चाडि भारतम मा।

म अ ि मां मां भूरत्व ीया यानना ३ छेनन-

वन देशमान ५०,००० आधान का कहा है-AICEA 1

भव भिनित्र वेडिसद्द अभिन्तिये अशास की बाव करा मध्यकि योगरी मेर्द्राम अशक्तिम वाते छ এक मका एवं। अक बंग ब्रह्मम, ब्रह्मी न है गर्वाव यूपनव मान्द्रभन्न खुखांकाक्की ज्यांन এটখন তাওা কাইকার করিয়া বলেব, ক্ষঞ্জি बब म'च,र मुन्तवास (१९मी वा.सरके) प्राट्डन । वेद्राप्रतावत प्रवे कर गोबानः व्यान् हुँदै १० ह. क वहबादका विद्युद्धाः हाईक क्रिके ाक रीशत व छत्रीय छाहाएड अध्यक्षके '॰ ७व्रा यात्र या। ज्ञोत्र भन निद्रिंग इंटिनस ६ পবি:শবে এক জন বস্তা বলিটোন শ'সনকর্তা थानादशाम एडा व्यक्तिक। भाग याशाम देखा । टीन चाक्त कहिर्दम विविद्या प्राचिनपन विवाह বথা হইল। এ অভিনন্দনের মূল, কি? স্ম ্ম্পিৰ বীজনকৈ ভাঁছার আবনাৰ নাৰা এছে,স

विज्ञातिक भिन्न भारतीय के विकास গাটিস সাংহ্র প্রধানভমবিচারা**লয়ে প্রবেশ ক্**রি त्व। अवेक क्वा कि अहे हैं भता के कांब्र अके জন এতেবেদীয় বিচাৰপতি নিয়োগের চেষ্ট্রী ेर । । - ८ अवरानांत सम्म (वा कड़े नारहवड़ के वै भार धीकाञ्च कता है जित्र । जिले हिंदन नाह्य बद्ध भार द घश्चार्थ है भार 😿 🔻

मधा व महान्या निविद्या (भाक्षातिको (आर्तर हे इने स्थायना कविशादकर । क्षत्रवर्धा লাব । ডা ৷ টাউচ ভূমি কৰ্মণৰ মুদোৰ 🗷 কু বাছেন । নির্দিষ্টক'ল পর্যান্ত পাতিত ছুল্ निकत (१०मा ध्रेटन, पुरस्टार **第三十二十二** तृष्य केन कर शरीक इंदेरन। बीहाता स्वानमही भ र क् करिएटम ना **केंद्रानिए**क व श्रेष्ट हैं है हैं नहे । १ रेश का कि . मध्या दक्र र । त्राहा कृति शिर्धायमात्र कार्याद्य । विशेष ध्यात्रकः इति आध्यान करियादहर, देख्य वर्षः भारता व्यतिकारमा द्वादा विश्विद न ४१७ लिल्यान्हे कातम कर्तना क्ष्या नव . धर करूर । এ साम द्वास तर्मा मि प्रिय छैल इंडर न्यारी भावता बाब ना। अक्वत साम्रा क्षात कावता भिला**हेटवन। भन्नेमान एक्ष**ीर हिंदी होता के दान क्षेत्र कामांत्र काम इहेटन। भन भून, स्वेटनई क्यांक्'ल उरालह। शहादाक निवास करिया वाद्य करि (तिह्न। चारान प्रांती ७ कनिकाला इहेर-E 4 . 5 ্যা যাওয়াই প কৈপিছন

28 G 763 CA111

े खोतु छ देवीं प्र (दल ८६४ (काल्या व देव स्ट हिर्देश दिवस्त्रे (अभिन क्षेत्रन म हेन् का विश्व क्षित ५०० चुन्ने ०० होया वा मिश्रा ७ ७ जाव नादश वाहेद्दं में। (काण्णाचि कर्दश्रेष्ठ अङ् र ুৰ্তি বোক ক্ৰিয়া গোল ভার বাংলু যথাস किंदि (ताक भ'देखमा वित्र आवित्र क्छे दाशी । क्षेत्र जात्र जान्छ।

कत्त्रक्वाम हहेल अवर्श्य हे काळा एन है। शा। यञ्चाबकः (ठ'त्र नट्ड) विश्व क्रिक केन्द्र बार भाभ कतिहार हाराईगिशक मुक्त करा। ३३ < । मध्ये छ अहं भक्त (ल रक्ष विकास समनक विकासभा स्वाटक खाक्षा वक का बाज का छ। ८०० का स्हेग्राट्स

ब्रांक्याहरक अन् भीषा व्हेरडरक स्व भाव कांग्वितंत्र त्याक ।है। तिश्व ज्यान्धर्भव विवय कविष्युव दिएगाउँ शव (स्था के । सक्ट श्रायम कहा इत नाहर धर्म (म हे क्कन एक्टा कृषिकारक ित्या किएए विश्वा रक्रमा गर्त ति जिल दिएम क्यांव इहे नशास भारत शहरक्रांश करिरदेन । फाछ वर अ.जरभारते भद्ध अधिवादन छाहाद नागत स'त এकि वड़

報信を選出でき! লাভ নেপিয়া সভাতি সম্পাদের এন দ্বিৰ্ধানয় দশন ক'ব্য়া ডাচাৰ বংশাৰ क्षेत्र ह्मा:व शिनव क्षमाश्चाम श्राम क्षिम । अदिनम् ला ध्कान्टरावर्णक (शास्त्र अफि अधिक पृष्ठि शांधिए वरत्य । याञ्चास अवर्तन के क्षेत्रिक को इस भक्त अवन्ति करिया भा कि विद्वारक किक्शिक्त कर्ना वि अवस विर्वाहे করিটুনি ভাষা কালেউরল। সত। বলিয়া আফ क्रिमाक्तित्व वार्षः इष्टाव ना । धरे अविधान আঞ্চল করাতের চিবিৎনক্র। জ তথর অসম্ভষ্ট **इतिहादस्य । क्या**चा अधिकाद्य द्वारा । क्षांचीत्र मध्य मा ७ । कि स्थानिक उत्तर का कि तात्र **শ্ৰুতি অবিধান ক**িলে কাম হয় না

बेह्नीय कान कुलन मक्कम हिन्दु देशों एम नार्वे । हिम्राट्यन । क्षामा अस्टिट अस्पर विदेश किन्युक त्रंत्र मीनक्त्रभगदक मनीया ७ वटनास्ट .त मील- वादकात विवस्त्रहेगाद्य । अंबेडिशार मनाम करा काशव ७ देखा नरहा

अविद्यास कडियाद्वर ।

काशितिक विखाल यात्रे मेल स्टेडिंक, (मार्यन कर्ष र कान मखावन। नार ।

दिति, । कथ, मानि दिन्द्रभाद्रक, फाइ-लभ हिट्याक, जिल, अदश् क्षत्र श्रीव अहे, हेबनेन धवर जिक्क बाबक च,ित्रान फाशनपुर গোনলী নারী এক বেশার বাইতে খবাপা कांद्राकांत्रन । प्रिथ ७ फिक्रा विदा-इन्द्रशास्त्र का कांद्रा बादी करा हिल्ह खाइटिट गुड़ा रहा। माङ्ग्लंभव एवहाँव करें। मुग्र मधमान क दवन छन। छोनाक अन हरि क्षा वर्त। मणाल क्ष्मा क्रीर एथार भव्यि इहेगा थान जान यो तह देश व्या क्श खानानिकत छैछाना किना पुन रुखा ভাগলপুথের দেসিয়ার ভঞ্জ টাস্সনকে বাকী माकी -७ सामगरक मुक्त कर्रम । निग्रंथर । भ धरमव श्रीभाष्ट्रत सार्भन का ग्रहा दश, का व करप्रव জনের ভিন বংস্ব কবিয়া েঘাদ হয়। এগন एम विकाशनात्र विनय्न एक मेरिटर मृत्र क्रेट्रस्टरत जास्त्र ब हेर्द्र स्थापन स्थापन ৰলা য'ল না। স্মিত্রের এক বংগন কারীবাগ **अभा**त्र किन अद्भव २३ मान क तेश्री (महा) र्वेषाद्य ।

इछेदराशीय नगावार।

न्धन २ - अ भार्क-गुक् ख प्यास दक्षार्थ न्यारेख किमि मान'तरन। किकश्मक प्रतिवं न म्लट व मह'झका कहा इहेरव विश्वा भाग जाशके मार्ग अभीता. (बर्डन ख बारव हम्रा ষে সঞ্জি হয় তাহা একা লভ হইটাছে।

कार्या देश प्रशंत छ। जित करिया इस मानर श्रामीत श्रथम जिम भारा छ ले अपने है। करा

प्रक्रिव विकारगढ भूमः वरणावण विभिन्न स्टम नःद्वा कि विश नकाशास्त्र खनक प्रताह क द्रवा बहागछ। विशिवक कर्वश्राट्डन

ल्खन २५ अ माई-- ३ ऐन जर जन्म हर्ड ্ৰেট্রংলিন্যান মনেন সভাতি ত্রিহতে নীলা রেট (ধর্মালয় রক্ষাব কব) উঠাইয়া

नक्ष २० ७ माई- हैंगेनीय महारहा चू न 🗥 भिर्म स्थान भागिर्याग इस्रमाः (नर्श साह्यः व्यक्तांत्र मुक्तुंष्ठा ८३वन द्राक्रयः भवक्रीय

श्रमीय द्वाचात क्या पर्य हिलाएए (व प्रव

रहेब्राइम विकास निरम एक मिर्टन छ। इंडिन ना। इंडिन्माक्ष्य व नवन क्रम पर

हल्लारम खाउस्टरमा कारलक्ष्यका वटाल पर्व कालमा मुख्य मिटल शाउट्टम **अखाव व्हे** द्वारण । पूरे वरुष्ट्र वात्र कड़िश्त । त्राकारनगर्व ২০ সি.লও কর াদলে অভিনিক্ত মন্ত দিবার पगरा इदेखा काहे निष्ठ ३६ नाहेश खेशार्कन कतिरम मछ मिनात क्या**का, क्रेट्र**। লোবিনের প্রতিবৈদ্ধিতর कविग्राह्मन । यनि अ बर करण (जनामता भा तैर्वक एक फेटारेश দ্যাহেন, তথা প সর জন পাকিডটন বিদ্যোষ্ । व नी प्र विद्रम ७३ मर्छन श्रास्त्रां व का वा विक मर्भव कारब्राटस्य । (भाभ डीक्षत्र विक्र ७ देवी-िय देवन। निवदक श्रीय हास्य। ऋष क्यूनियदक यम का एक जारम्य नियारहर ।

> दे हे दे ध्या कार्तामक्रित्य है विश्व विश्व .दभन स्हेशा । अश्राटक ।

থোরত।

মান্যবর জীযুক্ত নোমগ্রকশি সম্পাদক

মহাশয় সনীপের।

পুলিধের অত্যাহার।

व्यापा । भाग श्रीयात मध्य कर्षा का किर्मात প্রধান স্থান ঘোৰপাড়ার প্রাত বংসব এক বৃহৎ (मन। रहेश्री प'८४। क्रेन्ट्रिनाच स्थापिक शकान श्रष्टात लादिकत नवाश्य रहा। अ वश्यत आध्या কয়েকজন বনু একতিত বহয়া ঐ ধেলা দেৱিছে तियाकिनाम । एथ्य प्रमा (व नक्त এছ ড ব.)পার সন্দর্শন কবি, ভগ্রধে, পুলি (धर अठ,1हाद्रदे मर्त (नक्षा थानाम । जानम-मग्र प्रार्था रगाउव व व्यवसारत श्विमन विष्यात विकास উপাক্ত इहेग्रा बारक, बकान वर्षा इक्षांमिर्शव (यगाप्र ७ (यहेक्स) एम मिन छान्सकत है श्राह्य পাচতুথ নিবাস ছোৱত্ত্ব নিবানক উপস্থিত इडेग्नाइन। जे भिन्न एएएग, भएत्रत मुहन महन्द्र कर्काव कामण्याम निश्वासम्बद्धमा वाह्रव कहिएक ক্ষাংক্ত কৰিল। বে নমস্ত পুটি ৰ কণ্মতালী ঐ পুচৰ (मलात भा ख तक'र त्मा मल काव छ इत्या विद्यान अवर अवयूम भिटाउन स्ताप डिमे जिम निवस्त्र দক্ষিণভাবে সমাগত শিশ্য সক্ষাণে হিড সাধনে प्रदश्त हिट्नम, टॅॉमजा कू गर्छ ब्राह्म म,ाग्न व्यक च्छार बक्र क्हेंगा छे और न शामन विद्वितन अवर ভাঁহানিগের সরণাগত জালিত কর্মার প্রতি अहरूबारव , विन्य छ्डेबा कांत्रहान । मिथिए बाद क्य, ए:इ'द्यू किन कहानी हूं कि किएक किन काम कार्य वाहित त्रका बाटन ্ৰ চাট্যাৰ এক আনা ভন্ত ভাৰ হৰি হও নামুখাৰ প্লকাশ কৰিয়াছেন। প্ৰহুৱী নিচন্ত চইল এবং পুলিছের বিনাল্প-ব্লাডে ব্লেশ্ব ও মুলামনের বিনিক্ষা ভাষার শিক্ষাউল আৰু কমলে বিষয়ে বিশ্ব অর্থন কলা মভিডে ভবালো মফিলাবও সামলালমনের সাধ্য

बीर्व भीर्व हात्रज छ अवर विभवागह क लाकार्ख । धन भी श्रेट्ड मानिन अवर कट्नक क्रांत्र লোক নিজ নিজ রোগশ'তি ও বিশব ভঞ্না **প্রভাগার সভী**মার সুপ্রসিদ্ধ দাভ্রুরকভাবে कुँकत भिन्नाहिन, यमनुष्ठमध भूलिय ध्वरतीमिर्शन , ৩ক্লডর পরাবাতে ভাষা,দলেব নিপ্রা চল হইতে आह्रण रहेन अवर निभावत जूना के निर्मग्न श्रक्तित्रन कार्गाम्द्रभन्न कार् त्र १ रख भारत काराज क्यांकर्यन उकाराज्य में बाटफ रखान । প্ৰপুৰ্মক একে একে খাটাৰ বাহের কবিতে আবভ করিল এবং বাটার মধ্যত্তি আর তাব বালক ৰুদ্ধ ও সুৰক যুবতী প্ৰভৃতি ভগবজ্ঞ-सब + ७ जे मना कर्तिक लागिन। याहिकीरच (व नकत बाजी (मनादनात च च चारन गमरना-ब्रूच इहेम्रा इतिथानि श्रुत्तक वर्छ। न निक्षे विनाय হুইতে বাসীর মধ্যে গমন কাবতে,ছংগন, প্রহার-श्रम खाहान्तिय अञ्चलान कावन । अञ्चल्पान মধ্যেই কর্ডার আনন্দ ভাণ্ডাব জরাসক কাবাদাব नमून एहेग्रा छेठिन। कान आदन थव, थव, भाव, মার, শব্দ হইডে লাগিল, কোথার বা চন্দ্রপাছ কাৰ চট্ চট্ খনে হইতে আরম্ভ হইল এবং (कान ज्ञान व्हेट्ड '' मनाम भनाम, बाहे, याहे, बुक्षा क्व, बुक्षा क्व, स्माशहे, स्माशहे व हेड।क्वि चार्डभाव खिनएड शास्त्रा (भना चामता पिथ कूल ६६३। त्रा अन्वद्रात क्षमण कविष्ठाइ अवर (कान समनी जायन शुद्धांक ना काचाउ भारतः कां किया आहंत इहें (एटह, कान यानी जानन व्यवश्चिमीत भाग अलब्दा त्रक त्यान । इ मृ ख शूलिव হার্তি,লগে। চরণ ধারণ করেছেছে এবং কেন **ही** चीम र मोत्र इर्म छ (पश्चिम ह हाताव गर्फ विवाध ए काईबाप कतिएउएइ, कछ जीशूक्य श्रीन कविद्रा वाणित महश्र निम निम सामाय वाहे बात कर्म, व . 1 व्यानद्वा प्रवासूम। इतावानितात निका कार्क्ष कल्लाबिङक्ट अवव इहेश कर शुरे दिनां क क्रिक्ट्इ, किश्व किकूट वहें कारों कि (शब श्रांवां कार्य मग्रांत गक्षांत एडेएए ना। শালীলৈগেব এইলপ ছুদ্দশা দেখিয়া দোকানিবা नकरमहे (माकान वक कविया शक्रातित (हरें) क्तिएक माधिम अवर व्यनतानंत्र प्रमेक छ। क्रिया विद्कारा मक्टलके श्लायन प्रश्न क्रेल, ক্তি ক্ৰেডা ও বিজেডার মধ্যে সকলে দ্যাদি-श्रीद्व क्यांस रख रहेएछ तका शाहेएछ शादिन बा। ब्यान्टकत क नत्विक मिन्नोन व्यापना इहेटक

रण तकि उसन छ। रात्र मिक्नाव प्रमुल इहेन। अक मध शुःर्त (य शास मामाक्षकाव भी छ यान। छ जानक भानि श्रेटिक किंग (स्टे क्'न श्रेटिक ক্ষমব্যত হাচাকার ও আর্তিনাদ আত হইতে लाशिश । बिक्ष ठे कृत वांत्री। बहेब्रण करणा करिया भूमित मध्य द्वा क्रांस श्राप्तिक विभिन्न व्यक्तिया अहरू इंदेश । काराय सिम्की अपह ক্লছ কবিয়া কান আহাব বছ কবিল এ২° কোন কোন ভদ্রগেকের বাসীর দাব ভগ্ন করিয়া অস্তঃ भूर भगे छ शर्वन धूर्मक नाना श्रकार (पोराग्र) कविष्ठ नाशिम। अष्ठः भूत्व हिनी नकाबीता कून काश्रिमी मिरशव श्रीखा विमयवा.वेख व वश्य कर्तर कील कुछि इर निक्किल कहेन ना श्र-তে,ক গৃংহের কবাট ভগ্ন ক্রিছে জাবত করিল अरः वड़ वड़ तिकृत्कत मत्या जातामा जाइ এই ছল করিয়া তাহা তপ্প ও বিদারণ করিতে माधिन। जनस्त भक्तम अकृति हर्या भून র্মার নিজ ঠাবুর বাসীব মধ্যে প্রবেশ প ৪৫ পূর্দা-वर भोताचा क.वटक लागिन। कर्रायजावनशी गर्म गरम (मार्कित व्यक्ति भव्य भविक है। वृद् परश्त था। एवं कत्त्रेष्ठा छत्रदर्ग स.ना शकाव चडाहात कांत्रम अवश् शतिहातक छ शूका पत्र লাম কোন লিপ্ত আপন মাতালে হাধাইয়া ব্যা- বিভেলয় অপমান কবিল, কিন্ত কুত্রা দ পুর্ব-भग्नारथ रहेएछ ता भावेषा क्यान्य न ने व निक प्रावः भूद भरीक व्याक्षमन कर्त्राः ।वर দেখানেও দৈশ বিদেশাগত বছতর লোনের कृतकी उ कुनकमान था जिल्लामा अ अहता । बाद्य कांब्राक भारतम मा कांब्रा सहिता सावी हान कांत्र ड नामिन। आधना এই नकन चा'-भाव मन्त्रमान भू र्यक राज्युक्ति रहे ... कावन भूम श নেব নিমিত্ত চঞ্চল ১ইলাম। বিশুব অনুসন্ধানেত পর জানতে পারিলাম যে যোষপাড়ার বর্তমান क्ला अबत्हक भारति नाम कलिकाचात कार कार्ट्र व कर एउन्नोनी फिक्टीकार्वित नशहरा कर्रणानमञ्ज सक्यम भूगिम बहैत्र भारत कर्रका माधन कविएए इन। जैश्वरक धूछ कदाह उंशिक्तित छैट मन्, किस जनगरू के है। पर्याए ভাহারা নানা স্থানে এইরপ দৌবাত্ম, কলিল, ! व्यानामित्क आंश्व रहेन ना। प्यर्गाय नक्षाव ; প্রাক্কালে জাসামির নিজ অক্ষরের ছানেন ক্ষাট ভালিয়া ভাগাকে দল্লা ভন্তরের লাখ ধৃত করিয়া আনিল।

मक्ष्यतित्र श्रुतिव मर्कणक्तियाँय, हेश आयवा भूभाविषिहे सानि अवर जानक चरन भू तरवत माना श्रकात (मोथाया) अ क्लियाड़ि, किश्व ८५-সামানা কারতে এত ছুব পর্যাত গুরুতর বাগাব जानता कथन (मध्य नारे। छाराहिटगत्र कार्य।

क्षित्रा वांध हरेएड मा.मम (वेंद्रे देखेल-मक्रामन धरावत थन आन वत्रका हिन् प्रार्ट । अरे शू नव मरनव अध्यक्षिति अरेकिन পরিচয় না লইয়া আম : ছিব ক্রিক্টেন্ট্রিয়ার না। ডিনের মণ্ডে বাগুখাটের না। ভিনেহমণ্ডে বাণ্ছাটের বারু দর্গ প্রধান। ইনি অভি ক্রিটিড এইং বিনীত কথাবার্ড। শুনিদে बाह्नक ७ छेन्। एक भूनिय বিশা (बाध इम्र । शूर्त्त हेनि मुक्त जिल्हा के दिए ২ - টাক। বেডনে মুরুরিগিরি **কর্ম করিতের**, मत्कात व'शहर हेर ति स्थाना**का इहिंच्या हुएँ** শত টাকা বেডনের এই উচ্চপদ ক্লমান করিয়া-हिन। तनी रातू (राध इस देश्यामी सारतन, कथ'त्र कथाय हरे अक बाद रे बहुने अक केंग-वन कविद्या हिटनन। देशंत भन्न इंडिक्टर्स, मेन् देन শ্লেটৰ বছ বাৰু, ইহার ছুর্তিটা কিছু জীবন ' यह बाबुद कड़ द्वान कावी, देहां म महिष चाह. किरिए जायाभिरात्र मार्ग रहेव मा । जाः করিব কি, মুখ্যে াদকে ভাল করিয়া ডাকু एडरे शाविलाय ना । याहा कडेक, देखि अवि, कार्य, कतियादश्म देशाद्य भी ख भम बूबि, হংলে ভাল দেখায় না। ভূতীয় লেকে। इ व कार्शनशाय (इडकबड्डावन व्यथित मार स्थानात, इति ७ क्रमणाम, क्यांश्रीय, भारत किक समाधारतत गण विशेष है हैनि: बरे ज्यभारा अक्दात हुई वर्गव रमधान आहितारि प्रात्मिक्कारक मुक्ता है हैं । तस्त्र संस्कृति है ति जबका द कपाई वा भारतम (हम ? देशीका जिह उटनहे अक्नाक, इहेता आयानिगरक वनिरमञ् डेभेर भागरक श्रांत्रवात डेभनरक कीरोद्रोह स्वकृत कार्थ, कवियाद्वत, आहेन अञ्चन्द्रित हैशह अरि कर कविट्ड भारतमा किए बाशनियाह क्रिनह क्षे मकत बराधांत्र व्हेबारङ, कांदाबा, हेवा अ-माष्ट्र अहिमदिकक माम कवित्रम, विकारश्रक জন্য রাণাঘাটের ভেপুটা মাজিকেট আযুক্ত বাবু शहरहत्र भारभत विकड़ वीलीम कतित्रांद् कथा যাইতেছে। এফাৰে তিনিই দেখিবেন থে উহা जन, । प्र कि न । प्रतिकार के स्वीति । अविवास के क वाबु व श्रवनाव विकाय केंद्रिक व्यामादका वार्रक शन्दक सामग्रा खाहा जनभज केनोरेट केन्द्री करिय मा।

-10 -

(कता २८ भदरानांत चक्कानांकी नामग्रीहरू নিবাদী বাবু শত চন্দ্ৰ চক্ৰৱৰ্তীৰ কাশীনাথ নালে

ছোৰপাড়ার ধশ্বপ্রবৃদ্ধ আগন মতাব-सबी लोकतिशाक छश्वस्त विनयो फैस्तव कटान ।

का बाली किल जा शालन जार रह-क्षंतिक्षे विदामी भागकी मंग्रद ७ जनात (आहें क्रिकेट क्रिकेट कर्मा व कर्मने न निकास मान्द्र जिल्ला करें जिल রা গ্রন্থ ১৯ই চেবে চা নিয়াদ Wat Sale স্থয় উতি সালীকে পাচ ব (TOT. হারাম হচতে গুড় কৰিয়া क्रिक कार्यात वर्षित है। हिस हैना क्ला । राज कार्य 🗸 আহিমা দেশকার জাবল किस्सि**इटन** काम'नीकर पत दलाय र १ वर्ग इरहेक्क, व्यामामी (अल्पान जान व्यानन

श्रुवात (१९३) क्वांतिरे हे क्टबर विकड़े विकानगर क्य-🕯 আশ্বেশের বিষয় এই শ্ वर्षाप्तारम् ज्ञान्ताम ५८१५ जन् **डिजि ए गॉक्टरफ रिन** '२ रनि-ভাত্যন্ত চমংকাৰ 🕫 'মা'বিচ। क्विद्वार्टक्स, '' भाषा हारा विरभवाभ (व'भ इहेग्लग्र अव শেটিও টিয়ার প্রেম্বন, এল ষ্টী স্থানির অংশল টেব (সংশ্ৰ শো মাজে, এবং যদিও ইয়াতে ১চুদ্য ভারতে, তথাপি পে করে আন নী क्षांत्राय सा। " जालाहाक शक्षा । " वंश्वाक्षिकन, विहा-ही द्यान यज्ञ छ বাংশুকি ইয়াতে তেপুটি সাংহার। প্ৰা 🐿 বিচার ক্ষমতার প্রচ্য श्रिकाश्रुष्ठ प्रद मनार्थ ः इ क्षित्रहाटक स्थान के शहर क्षे (कह (कह कार्र) गर्य ! व आया किन किन एक ह यकता गरे कि चालम है देखिया निकास हरू । अव विकास मार्कामा विकास अर्कामा विकास अर्वे प्राप्त बहेर्न **्रिको मोट्डर्व कोश्वरक अ**गायामा नाड्य, कुरा **गोंत्रहा बुव्हिटक भात्रिकाग का ! अ**ग्नु ६,८ प्रारात विश्वति विविद्या प्रकार कार्य कर्म । १३ म शिहात या विक्रश इंडेल २ साम (कंडरे भिष्टि सम्बेद्धिकेट अस्तिशानक संदर्भ (ते र) **ট্রায় করিন সম্পানিত চইল ০ ভাষর**ণ তথার धारीका क्षिक्षा व बलाम ।

টুক্টিড অন্সন গাছেব ব্লেন, বিচার-विकास कार्य। अवृत्त व्हेबान १८३ व्हेरा । জিলালা ও লাধারণ কর্তৃত যে ওকতার ভার क्षेत्रक स्त्र, क्ष्मा नम्भवत्त्र राज्यस्य करा विकास के किए विदेशका तथा करवा, त्या

म'रहरतत त्यान कार्यों यू वधकारय इन्छ इहेर्डन ाहः ४३८७ मधिनन्त कवाश्य मिल जिन া নাস্ত ন থাকিটেড পারিটেন ১ অথবা বে বিচা বক এএপ সিভান্ত কবৈছেন শাহাকে বাহাজান-ব থাত বাতুল ব লয়া স্থিব করিতেন ও ভাঁছাকে भिनास नर्धित काराजा रिट्रिक्स करिएक है शास्त्रक बहान्य । मखर्वित्रिक कि अमन मान काइन नाई याइग्ट उक्क इंडेग्राइ (कार्ड ্ৰ হ'় হ'় " ৯৯ ৩ - ১) যে যাদ কেছ কোন পারী क भी ने खरारी जयादियात करवात थ'रूनन (वह राध (व)न श्रवार | साराहर क्रम किया कथवा काषा छ करेग्र हातान मुद्दा भीक्ष मुल्लानम करत, किहा बहैरल न्दर क नाल्यक ट्यास का का कर धीरन

দর্শকের মুখ্যুর্গ প্রামার চেওয়া ইটবে অন্ত্ৰের বাবু কি নিপেটি ক রয়াছেন, ভাছাৰ निर्मिष अपरेश्य काना याच्र नाहे कि छ छन-न्दर एक काल रूना गरिएकर मा। याश इंडेक व वित्य जानामी बाटन कामता मानाबटनक श'क्ष के दिया

अ एका मध्बीय हो करत ? छात अभि-

अारक प्रशाक खबाकि कि निवाद शासि छिन

वर्भ वान कि निरुक्तना करित्वन ना (स. अफ-

CH1 45 218 **西村, 万**2 3? 9 3 41 A व्यवः, ग्राम् विक 1 E 5 35 क्रम्भ,।

মহাণ্য়, আমরা সহরেও কিঞিং দক্ষিণে राज करन व नम्। प्रष्टात इवेग्रा हि अवर माध्याण-(नद (न क में (इस अडि विष्युष भूमा क विषा का बा बिर्माद अ दम करनक के ले छम्म-। क तुंबा चार्डन अवर केवन अनारम ट्रांग् तात्राज्य हेशाल्य कविराष्ट्रका कि [,तह्रेड भाग्हा । : स्प्राप्त क्का हेरू अक्का ্বিশ্ব স্তৰ্ম ১ সংশ্বতন্ত্ৰ হট্যা আমা म्य () हो । सभी कि खोड़ी करिवांत **स**न्। ५क १ वर्ग से एक देनतीलय जानेन कर्रन अवर ভাষাস্থ হ'বছালেটিও বিদ্যা**লয়েৰ সাহ'য**ে ista dien affirm i latte it affir eine tie छहर, पि न इर्स विक्त मध्ये विक्ति इरेग्ना है। उँ शाल्क .. वार्थ। कि इहे माहे। या कि ह विवत जारह लाहा उन्ने मध्याव याजा विसीन कविएउ-(हम । गाँग ८ इसि विमान श्रित वास निर्माहार्य गम्भूर्व जन्म क्रिक्ष देहीय जासदिक हेम्सा रम्भूष नार एत र म्पूर्व रूपारना ।

उ:हाउ ६:उ ्य आदृति नेगानिक इहेन, काहा नहिं। हैनि माकु निकृताह विज्ञक किया समार् অন্য কংছারত হত্তে সম্পতি হইলে ভিনি ফি ভার প্রত্তের নাব বিদ্যালয়ের উন্নতির নিমিত্র প্রকাপ সহিচাব প্রতীক্ষা কৰেন। যদি ভেপুটী । নিরম্ভির সকলের উপাসনা করিভেছেন। বলিছে কি আপ্নিও এখিদ্যালয়ের বিষয় কিছ কিছ भवगां व्याद्वा । अकारन आरवह स्का अकारन হি^{ক্}ডমী ব্যক্তি (ভিনি কঠোর পরি**প্রের** विष्ठा मिक्षा कविश्रा अकरत अकस्त विषय कर्नी किट्छिट्डिन) मान्नानटकब्र महिड पुलि कविया याशाः अहे विकासात्वत देविक स्टू ভদিবলে বিশেষ চেণ্টিভ আছেন। গ্ৰামের অ-(महाक अविवास किइ किइ नाइ'व, कविराज्य इन কৈন্ত ভাৰালেগেৰ নিকট বিনীজভাৱে প্ৰাৰ্থমা धई (य डॉश्रादा वित्यप वित्यम्भा कविश्वा संशोध महायुक्त नहर । ए।हाइहेटन विद्यास्त्र करनक বাসককে বৰ্ণজ্ঞান বিধীন হইয়া হীনাৰভায় থা-किट्ड क्हेर्ट स्। अल्लाहरू मश्चा **उहे छा-**ात्र भ ब में बाभनाव निक्रि भारति हैनाम देशाएक आहमन का क रमत माना रहत बारबारल व नाहे दलिया मूफिछ कररन नियम अकिरवन मा। निम शर् भागामा विम्तालयंत्रीय विद्याप केंद्रिक ছইত ভাচ হট্ৰে আলুবুলিক বৰ্থ। কৰিয়া भृताष्ट्रः श्र निवादन कविष्ठाम ।

> সহয়ের সরি ইড স্থানবাদী -त्रा कारशक নিভাপ্ত হ'ডভাগা

मन्भावक मराभय । कलिए य बर्धा स विवार नाम क्राप्तामा निक्षक, विक्रवन औ अर्थ बाबु क्षिणानहत्त्र वटणहाभारतंत्र दहानएम् व तहरीम एक विद्धालस्त्रत चरीनम् ११०वं वानामा भारेनानात भारत मरहान्त्रण क्रास्त्र भार ৰ্মেন্ট হইতে চারি চারি যাদেব বেডন পুরস্কার भारेपारक्रम। देशाराज (भाभान बांचु । अ धार्मम-তম ইন শেপ ইর উডে। ১হাও বিশিষ্ট্রপ यञ्चकणा श्रकांण व्हेब्राटन এवर डीश्रांद्रा (य. ু দ্বিদ্রান্তর কৌস্কের মা প্রযক্ষের । ধনং। वताविकामतीचार पंथार भीक्रम्भ । गोष्टेश व ভগবলগভার অন্তর্গত এই কাবে র বধার্য मार्म जरगा आह्म छ। बर्ग । वाहै। এঘণে উত্তি, বিভ পাঠশালাব পাং : মহাশন্ত मिर्वाद প্रक्रियांचा व कव, अहे (र्डाइाहा) भाषिनाम् यस महकार्य च च केर्डरा मान्न कहिया উक्क श्रथान शिक्षक बहानगरक मखरे अर्ज **अर**् डीशांद्रम क्राज्यमन बाशांद्र जारणका हु के क विज ७ कृ निक्छ एम उदिवस्य विस्थय मस्ता-(यांभी इंडेन, जाना रहेरन छेरलूडेखत शुत्रकांक ,

क्षा मार्च कार कार्याम महत्त्वाम था। काद गर्मन शंक्षकान शहरे अक व्यक्तिनात्रा अंश्रामती कड़ कि अविदय जाका जाहारह **कांद्रवाम कॉक्कांस " এইक्रण २।० वाद्र** वादाट्ड सारमेत्र बळवावनाविशेन, जाच 🗢 प्रक्रिक्ट्या **ত্ম বিজের বস্তাদি আরম্ভ করিবার মিড** 🗠 ৰাজিবাজ হইলে উক্ত মহা পুরুষ, ভ্রোপা-देश अक रावगातीत अक थाने हैता अनगरनरभ जनका मध्य शर्यम कतिम किर्क् फाशास्य पतिएक भातिन मा । क्लाबाम अष-क्षि रकता, काश्रम वा जाउर्ड करून चहा। 22 4 Com ... লিবপুর

(बीगाणार क्रुकात म नारक महानज । हेनाहांचा विज्ञाहें कु सार अरम शास्त्रका महीकाम नाम. स्वे दुवकीरमा ३ सन मनानिम प्रशास

कारिश्के क क काशासामा करा है। - শুলের পণ্ডিত্তকে ৩০ টাকা পারিভোষিক দিয়া। বৃদ্ধি হইয়া ৭৫০ টাকা পর্যন্ত আহার বেজন हिन। अवर वाक्ना कृत हरेएउ हाउद्धि भन्नी कांद्र ৮ सन देवीर्थ ७ एमर्स ३ सन हाजहरि **ी बहाटक अध्य छ विजी**श शास्त्रिक वथाक्रटन s- e ७- व्राका नातिरखाविक शांस स्टेबारहन। शर्जा बरगदत्र हरताची कृत्यन ह कन नाम इड সাতে ও বাৰণা কুলের ৩.জন ছাত্রবৃত্তি পাও-য়াতে উক্তৰণ পারিভোবিক প্রদেও হইরাছিল। अहेब्रान नुवक् छ निक्रकत्रा स प्रवित्य देशमार गरकारत य च कर्खना गणानम करतन हैना नना बाइना। किन्न अक सम (क्नमाष्ट्रीरत्व चारना ই খার পারিভোষিক লাভ ঘটতেছে না। বেড बाष्ट्रीय बाबु शितिभव्य व्दर्शिभा तांत्र दि, अ, > बर्गत्र माज कर्फ करिया भक्त मार्टन भएकानि कतिशारक्त । श्रीवृष्ट यांबू नटर्सचेत मञ्जूबनात खर्नात मेनुक स्रेवार्टन । अक्टन अरे नवानक शंबू कुष्यक्ष (क्षमाक्षेत्रशत्वत न्याय पीत कर्ष मर्थानाक नीर्म कुं अत्र विवस एत । जात गण्ना । एक बर्गनहात यति निक्रक्शालत गान्न राज-গণের কলা অনুপ বাংস'রক পারিভোন্টিকর বিধান কৰেন ক্ষত্ৰ অচিত্ৰাৎ বিদ্যালয়ের অংশকা কুত উন্নতি দৰ্শন ছিতে পারেন। কিন্তু ঐ কার্ব্য , व्यवनार्यः । व्यक्तका नात्रहेशात्रितः व्यथापः वराभ-साम अ विषय किथिए ब्राह्मातानी बकेटन मे कार्ये क्याबाह्य मन्त्रक स्ट्रेट्ड शास्त्र। रीहाता ब्रिह्मिनिकार क्रमुख्यम म्या श्राह्म क्रिमाश रकेंद्र व व किहास वेहानीन चत्रभवन कहिएछ-्राह्य रणा राष्ट्र या। क्षीत्रीः अकाम अक्राह्य

रदेश बरनारवाजी इंदेरन ऋ रहात भाषा याजि शक्ष वरेट कर विशव लाटके? याश रहेक, अकरन य हाति सन मन्नात्रक खेकाविकवरन अरुद्रशः क महोद्र एक कावमा कृत्वम कार्नाहिनाइक धन,वान निव्ना अछाट्यत्र छेन्नश्हात कतिनाम । दीशंडा अ विषय जायरकड जावर्ग चन्न व्हेटक शास्त्रम खाइन्द्र महिन अगलीयत दीशनि-शक दीर जीवी कतिरम स्टब्स वहविध मनम गाधिक रहेटल भारत ।

काह र दे यनवम क्षेत्राहत्रन खडीहार्यः। 35491

जन्मानक बहानवा जना जानवाटक अक्री শুভ সংবাদ প্রেরণ করিতেছি। আমাদিগের আস্মীয় জীবুক্ত বাবু প্যাবীচরণ সরকার উচ্চত্তৰ निक्कपिरात (धारीत भाष (धारीपूक रहेत्रारहन वाशामी > ना अध्यम रहेट छिमि ४०० हाका (व उन शाहे(वन । श्रांक वश्त्रव ६० छाका (वक्रन स्ट्रेंदि । देनि फुछीत्र याणानी त्यानीकुक स्ट्रेंदनन । व जिन जन वामांनी जेन्न (खनी कुछ रहेतनन ইংহারা সকলেই উপযুক্ত শাত্র। কিন্তু এ বিষয়ে र्जुनक्षिराम् अक्षे धर वृष्टे व्हेरफर्ट । अरे का दिश्याक जायात्र जात्र अवसी चर्टना न्यात्र হয়া, এক জন ধনাচ্য ত্রাক্ষণ উচ্চার পৌত্রের विताक् छिणलांक मनक बाकान मरणत मरन कूमीन वाष्त्रिंगिक वष्ट्रां । वश्यम बाक्षानिगरक । ৰাটী বিভরণ করিয়াছিলেন, ইহাতে শেশেক बाकार्वता जगाउटे इन । किहु मिन गटर वे धनामा ত্রাক্ষা থাহার কোন আখীয়ের বাটাতে আদ্য आब छेननरक अशक्का करतम, निम्हिक বাসাণ সকল জলপান করিতে হসিলে সকল आकाल्य, नाएं वृष्टि (तक्ष्मा इहेरन अक का ब्रम्म बांकान (त्व शूर्फ वांकी नाहेबाहिन) जवाक प्रशंभवाक मार्थायम कतिया विगामन, মহাশর ৷ আপনি এ কর্মে অধ্যয় পাক্তিত এরপ অবিচার। তিনি, কি অবিচার ব্যুরাছে বাণু क्रिकाम यहिल, तह वरमक तांका विज्ञान (व, महामा। बदाक शांकिए बहामाना कृतीन वाकान बहा नव्यभिद्याव नाटउ सू हे, आब अहे गव बश्यम आमानिहातत भाराउ स्कि । इंशिहिरतत बार्या हिएक तावना त्वेन करवन नार्वे, वक व्यव हात स्रेतारह । जामाविटनत ताजनुत्व विराम ख तिरेत्रण करिशाक स्विधिएडिङ। खेंक्षाता अवस्य केक्डन रेकेट क्लिक्सिक्सिक्सित्र व्यनी विकास केतरक ज्यानं कतिरमन मा, क्विटनमं, अफ क्रे

जानहे कवित्राहितन के जन বাজালীকে সেই জেবিট্রা किषिए हेजन विरम्ब विधिष्टि ।

महानम् । जात्र स्थानि निक्कितिराद्य (अनी वि (इस। (व विवन्न क्रिनाईक् माणामक महाजब अप क्या আখাস দিয়াছিলেন, বে नाटस्य बहानद्व " यक् वास्त्र चारनन लाइक वरन " किश (मधुन बंद्यांत्राष्ट সাহেব মহাশর বহু বিবৌ বেডন বৃদ্ধির জন্য বে ৩০ ছিলেন ভাষা ৰজেটে বাদ" এक जीव्यक्ति नंकन व्यव क्म जामाविरगत त्राजनुक्र विदे চকা। তেলা মাথার কেল व्यक्तांत्र व्यक्ति। हो । ডোমরা বে এড আশা কৃ विक्न इर्ज । त्यायता अरे सं भव (काक शांश शहेर गरेनेक् वरे गरवानभाषात्र वास्ति ভোমরা যে এত আশা করি৷ ছিগের দোৰ, জোমরা क्षत नाहे त्य '' काशव प्रदर्व हैं। ৰালি * কিন্তু ভোষাদিগেই अपूर्यम (भरबंहे गण्याम् গের এত আশা উদ্দীর্ बड्वा खामता अन्दर् राजान रहेटज ना । छाहा बहे যেমন শুনিয়াছিলেন, বেইনী ब्रुश मिथियोहिस्तन, जिनि উদ্দেশেই शिथिया हिल्ब कान मिन नारे अवर जिलि शार्व न नशा य जाना किन रहेटबन कार्याम्हलत कर् ডিনি অতি সমাপর বা अनी विकाश मा इंडड़ाएँ स्य (जामामिश्राक अ जनकार विकास वारा र्डेक, जानात रही क्षारमञ्ज त्र'द्वहै अ श्रीक्षा

> 29 A 415 3447 1

ভোমরা আপন আপন 🤻

রোণ কর, আর কাহার ব

"বনন ৮েট r \ a \ b [7] 7

े त्यस्त्रम् आधिन 同有多 少 इत क्षांबरात ने देना _ 1 Jel: 46. अडमेर ५ १८६ मा म 77 9 70°C (前) (前) (本) 平: M die son or S.

 त्यामिक्वाद्यस्य प्राप्तः हिंद्र कार्यु : अ डेंड के मित्री देश हैं के

वृक्षित्रामक्ष्मकृत्स्वया विचार काटन ग क्षेत्र के कि स्टब्स इंटेएल सामका केंद्र त

अनु कि एक कि कार देवा ना दिन त हैंबाय है जिल्लाविक्त अंबंद हरेल कि ग्रांक बाब श्रां शिक्षति श्रोगाण ग ग आधि (तथ-भेत्र खाब खाँकि : दुंबर उ था। ।। म सः ।

NAME OF THE PARTY हिस्सी गांध ,र सार ' (अडा :धूनाबुद्धाओं ६६ - है रह PERSONAL PROPERTY. LAKE कि प्रभास मा 5 म्यून स्थ , निल्हा है दे है, क्यान, 漢裡

ুৰিকাকে কেন পুলাই বাহি। निष्के के किंद नत्त्व, बिह्हद किन्ते ४७३ मा । भारत 'শ্লাপন উৰৰ অহৰ ভাব'ৰে: शिक्षानी वर करा तान शकः अभिषेक भारत करून हा . तेन. - व्यक्त कर्मा क्रिक केन्द्र क अधिक विशिध्य ।

्रिकान अकाव जार्रताम दा क्षेत्र स

ाष्ट्रम **यान्य व**ष्ट्रम का का कार्यन कराय है । पर राजा के करा क দ্বাদ্যারিয় ইয়াখার নিচ্নতার পরিচয় के नारको के कार केंद्र के का श्रीका वर्ष-क्रि. वर्ष्य लामें कारीत वर करा या किकाशक बार्किन अवर नवीर व जार कका विभाग क्षेत्र क्षेत्रका अस्त । तस्त कार्य (क कार्य हार प्रमुख्या कि अपन्य का अभिक्रम सामि संस्थानी त्यावानगढ्य क्रिकाम । साध्यक्ति है (कन ६) स अकरतर **भौकेंद्रम् अन्तर्भे** त्यान इवेद्रारक, किह काब है..... १ २ ४ फेट बहुद्र जन्मत र वे-

्राप्त एक के अभित्वत भाषिक इद्देश्वरहरू । इंश ६वमारे के कार्रा ला निहात विवासिम चां को. डिंश्वेर इंध्ये अञ्चलकाम कविश्वे के कि ন্ত্রপ্লাতন, উহিলে কিটু লোকের নিক-ল' মুক্ত মনিয়া, ব্যাতি হুইবাৰ নিমিত্ত এক

शाबक ... एक बाद दिए हमा परून में अफा अप र डे डापुडे अब अपने रहे, फेडाब-तहें दान, सावन वया खरा छ सुद्ध न्याइका ইয়াবাও আহ'ব দা। জীবিত ও বর্ত্তিত হয अञ्चल जार, वांक प्याम एत्य माञ्च । अञ्चल, त्रांच व नग्डे कि छोड़ा नगरक (.सःवर् यावि, तार्ष) का कतिका व्यापनात है - र शूर्व क्रियम ? अक शीर्य शास्त्रहे भाग अका ात उर्व महिया व का

क्रीय मिरहा, डेन्ट्रान्त । लग्नम लजान। अक्षे टेनरवर करा भाष्ठ अफ कीर करा। करा दि উভিত ১ কংবই নয়। আমি লেখাকলে ভল্ল বোৰপৰি হেনিয় নি ১৫ পোৰ্যী এক বাৰ দৰ্শন ভাঙা ধটিত ধ্রুর না

यक्स्यम्बाद्धम न्'द्रमा भ ध्युषंद्र । खनाम् (क्षंत्रत्रादर्शकः स्थातं भाष्ठकः मह्या (लंबक महान्यू ' अक बात अहे आहि। ब यव श्रु-श्रूज्य कविश्वा (मांबर्तन किंब डाँश्विरित কৈকৰ ভাৰ হয়।

এজাৰ এইটাই প্ৰধান ন'ৰ সে য'বছৰ 'বসং ए.। ग क्रांत्रिक भरा व.य छ.। भरव कांद्र कांच क्यों के हुए म मा है। याचा हर हिंद्री कवा छेहिछ। खांच इस अधक आंत्र शिक्तिक करिएउम मा।

> विद्नमारः जाकिएनव कार्यः कर्युक्ट स्मान £हे (ग हेहारू क मा, (ऋषि अदेश (साह आकारक शका भाग, देशक कम नहा अकार मिचाइन निकड़ आर्थन अहे । ए फिनि गफनाकर अस्म र्या अपनेत सहार्य अस्ताई भीक विश्वविष-्छ। ध्री कम्

> > शरिवाष्ट्री--

Ι.

मृता औरिं।

ত্রী যুক্ত রার ধনপণ্ড লিংহ বাহাছব , মুবনিদ্যন্তীয় ১-१ ह देवनाच इहेट्ड देहक **ल्यापता है: खुरलंब (इंडमा** 神神を楽 ३०१० देहज इहेट्ड १४ जीवृत्त वानु निवस्त्र (त्या उर्म । ३२१ 8 रेवर से इंहरू

» .» हमझ्या वय १४ क्यांनमून क्**रक्तप्र**ण ১२१ ई लेश्ब स्ट्रेंड बाधिन সায়সক্ষতি ব এপ ১ ১ গ্ৰহাম হয়ৰভী व्यवीवकाम (वाष-

मामश्रकाणमः कांच करतकी

बिट्मंव नियम।

र्शावित गुना ও ভাক माञ्चन ना शाहरत यन-বণ সেমপ্রকাশ প্রেরণ করা বাছ না।

हेर् न पाळिड शूला वार्तिक ३० अवर बाबार-': वक ১७, यांगातिक १ अदर देख्यानिक ७०°, ि _{द्वार्}भव स्ट्राप्त, कश्चिम गृना वश्चमा गांव मा। धि, वर्गाक्ति, विक्या, व क्री अ होत्य श्चित र व जन । उन बाराट बाराय भ्य. ^{दिश} त्यारे छेणांत्र हाजा मृत्या

योहारा क्षेत्रणहिकिते महिन्द्रपर गरान्य श्रांख्यम कारवार। राजा एम अक कार्यना जांध जामात कथिक ভনং গান্দেৰে পদাৰ্থণ কৰিবাছেন। আমাৰে ফুলেবে ও ৰসীদের টিকিট প্রেবণ না করেন। मध्य विविक्षणयम् व्हेट्ड मामक्षरानित्र

धुला शांठीहरवन, डाहा स्मन हासिक्टेनि कतिना গ্ৰীয়ক দাৱকানাৰ বিদ্যাভূষ্যেৰ নামে পাঠাইয়া (54)

य शिक्तिरात मृत्य निवात ममन अजीख वरेश जानित्व, अक मान शूटर्स ऐसिनियर किंडि লিখিয়া লাননৈ যাইবে, কাল অভীত হইয়া গেলেও একবার চিট্টি দেখা হইবে, ডাহার প্র থক নাসকাল প্রতীকা করিয়া কাগজ বন্ধ কর। যাইবে। লেখ বারের পত্র বেলারিও পাঠা-

মাতলা রেল্ডয়েষ দোনাপুর টেসনের ভাক पद्म हिठि चार्टाम चाववा भीज शाहेव।

थों कांचा माञ्चल ना विश्वा प्रजापि *शाहन क*ि বেন, তাঁহাদিলের সেই পঞানি এইৰ কর यहित्व ना ।

(का माम्राधिकारन विकासनाविष्य हेका করিলে ভাষাকে প্রথম ডিনবার এতিপংক্তি 🎺 ້ वाना जाड़ोक्ष शत /> वानां, मिटक इंदेरन । तिन व्यक्तिकाल विकालन मिति देण्या अहित्तन ाशंत्र गृहिंक चेचक बर्मावक वहेरा । असी

क्षा अर्थ पात कित्राचार क्षा क्षा वाकार व्यन स्टब्स स्नामान्त क्ष्मायत समिन प्रामृद्धिः त्नाजाबु अवक बाक्षानाम विकाप्यरं वामिएं क्षां भागमा क्षांका वार्मानिय NO